हरियाणवी बाइबिल

The Open Haryanvi Bible

© Bridge Connectivity Solutions

This Bible is copyrighted by Free Bibles India and made available under a Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International License. Original work available at http://www.free-biblesindia.com.)

This Bible is provided at the cost of printing by the Digital Bible Society (dbs.org). This Bible, and many others, are available for free download in a variety of digital formats at dbs.org/bibles.

Language:
Country:
Publisher:
Copyright: © Bridge Connectivity Solutions
Last Updated: 2023-10-20
ID: 1d322ec7-a92b-4206-bba7-71c136832a21
ISO: bgc
ISBN:

मत्ती 4
मरकुस 21
लूका 35
यूहन्ना 56
प्रेरितों के काम 72
रोमियों 92
1 कुरिन्थियों 101
2 कुरिन्थियों 109
गलातियों 115
इफिसियों 118
फिलिप्पियों 121
कुलुस्सियों 123
1 थिस्सलुनीकियों 125
2 थिस्सलुनीकियों 127
1 तीमुथियुस 129
2 तीमुथियुस 132
तीतुस 134
फिलेमोन 135
इब्रानियों 136
याकूब 142
1 पतरस 145
2 पतरस 147
1 यूहन्ना 149
2 यूहन्ना 152
3 यूहन्ना 153
यहूदा 154
प्रकाशित वाक्य 155

मत्ती

यीशु की पीढ़ी
(लुका 3:23-38)

1 अब्राहम की ऊलाद, दाऊद की ऊलाद, यीशु मसीह की पीढ़ीI
2 अब्राहम तै इसहाक जण्या, इसहाक तै याकूब जण्या, याकूब तै
यहूदा अर उसके भाई जण्ये, 3 यहूदा अर तोमार तै फिरिस, जोरह जण्ये,
फिरिस तै हिस्त्रोन जण्या, हिस्त्रोन तै एराम जण्या, 4 एराम तै अम्मीनादाब
जण्या, अम्मीनादाब तै नहशोन, अर नहशोनतै सलमोन जण्या, 5 सलमोन
अर रहाब तै बोअज जण्या, बोअज अर रुत तै वोबेद जण्या, अर वोबेद तै
यिशै जण्या, 6 अर यिशै तै दाऊद राजा जण्याI अर दाऊद तै सुलैमान उस
जनानी तै जण्या जो पैहले उरिय्याह का की बीरबान्नी थी, 7 सुलैमान तै
रहबाम जण्या, रहबाम तै अबिय्याह जण्या, अर अबिय्याह तै आसा जण्या,
8 आसा तै यहोशाफात जण्या, यहोशाफात तै योराम जण्या, अर योराम तै
उज़ियाह जण्या, उज़ियाह तै योताम जण्या, योताम तै आहाज जण्या, अर
आहाज तै हिजकिय्याह जण्या, 9 उज़ियाह तै योताम जण्या, योताम तै
आहाज जण्या, अर आहाज तै हिजकिय्याह जण्या, 10 हिजकिय्याह तै
मनश्शिह जण्या, मनश्शिह तै आमोन जण्या, अर आमोन तै योशिय्याह
जण्या; 11 अर कैदी होकै बेबीलोन जाण कै बख्त म्ह योशिय्याह तै यकुन्याह,
अर उसके भाई जण्येI 12 कैदी होकै बेबीलोन खिन्दाए जाण कै पाच्छै
यकुन्याह तै शालतिएल जण्या, अर शालतिएल तै जरुब्बाबिल जण्या,
13 जरुब्बाबिल तै अबीहूद जण्या, अबीहूद तै इल्याकीम जण्या, अर
इल्याकीम तै अजोर जण्या, 14 अजोर तै सदोक जण्या, सदोक तै अखीम
जण्या, अर अखीम तै इलीहूद जण्या, 15 इलीहूद तै इलियाजार जण्या,
इलियाजार तै मत्तान जण्या, मत्तान तै याकूब जण्या, 16 याकूब तै यूसुफ
जण्या, जो मरियम का धणी था, अर मरियम तै यीशु जो मसीह कुह्लावै सै,
जण्याI 17 इस तरियां अब्राहम तै दाऊद तैई चौदहा पीढ़ी होई, अर दाऊद तै
बेबीलोन नै कैदी होकै खिन्दाये जाण तैई चौदाहा पीढ़ी, अर कैदी होकै
बेबीलोन नै खिन्दाए जाण कै बख्त तै मसीह तैई चौदाहा पीढ़ी होई I

मसीह का जन्म
(लूका1:26-38;2:1-7)

18 यीशु मसीह का जन्म इस तरियां होया, कै जिब्ब उसकी माँ मरियम कि
सगाई यूसुफ कै गैल होग्यी, तो उनकै मिलण तै पैहल्या ए वा पवित्र आत्मा
की ओड़ तै गर्भवती पायी गयीI 19 इस करकै उसकै धणी नै जो धर्मी था
उसनै बदनाम नी करना चाहवै था उस ताही चुपके तै छोड़ण का बिचार
करयाI 20 जिब्ब वो इन बातां नै सोचै ए था कै प्रभु का सुर्गदूत उसनै सपनै
म्ह आकै कहण लाग्या, "हे यूसुफ! दाऊद की ऊलाद, तू आपणी बीरबान्नी
मरियम नै अपणे याड़ै ल्याण तै ना डर, क्यूँके जो उसकी कोख म्ह सै, वो
पवित्र आत्मा की वोड़ तै सैI 21 वो बेट्टा जाम्यैगी अर तू उसका नाम यीशु
धरिये, क्यूँके वो अपणे माणसां का उनकै पाप तै उद्धार करैगाI" 22 यो सारा
इस खात्तर होया के जो वचन प्रभु नै नब्बी कै जरिये कह्या था, वो पूरा: हो
23 "देक्खो एक कुँवरी गर्भवती होगी अर एक छोरा जण्येगी, अर उसका नाम
इम्मानुएल धरया जावैगा," जिसका मतलब सै-पणमेशर म्हारै गैल सैI 24 फेर
यूसुफ नीद तै जाग कै प्रभु कै दूत के हुक्म कै मुताबिक अपणी बीरबान्नी नै
आपणे याड़ै ले आया; 25 अर जिब्ब ताही उसनै छोरा ना जण्या जिब्ब तक
वो उसकै धोरै न्ही ग्या: अर उसनै उसका नाम यीशु धरयाI

ज्योतिषिया का आणा

2 हेरोदेस राजा कै दिनां म्ह जिब्ब यहूदिया के बैतलहम म्ह यीशु का
जन्म होया, तो पूरब तै कई ज्योतिषी यरुशलेम म्ह आकै बुझ्झण
लाग्गे, 2 यहूदिया का राजा जिसका जन्म होया सै, वो कीत्त सै? हमनै पूरब
म्ह उसका तारा देख्या सै अर उसनै नमस्कार कह्ण आये सांI" 3 यो सुणकै
हेरोदेस राजा अर उसकै गैल सारा यरुशलेम डर ग्याI 4 फेर उसनै माणसां
के सारे प्रधान याजकां अर शास्त्रीयां नै कट्ठा करकै उनतै बुझ्झया, "मसीह
का जन्म कीत्त होणा चाहिये?" 5 उन्नै उस ताही कह्या, "यहूदिया के बैतलहम
म्ह, क्यूँके नब्बियां कै जरिये यो ए लिख्या गया सै: 6 "है बैतलहम, तू जो
यहूदा के परदेस म्ह सै, तू किसे भी ढाळ तै यहूदा कै अधिकारियां म्ह सारा
तै छोट्टा कोन्या; क्यूँके तेरै म्ह तै एक राजकुमार लिकड़ैगा, जो मेरी प्रजा
इस्राएल की रुखाली करैगाI" 7 फेर हेरोदेस नै ज्योतिषिया ताही लुह्क्मा
बुलाकै उनतै बुझ्झया के तारा ठीक किस बख्त दिख्या था, 8 अर उसनै यो
कह्कै उन ताही बैतलहम भेज्झा, "जावो, उस बाळक कै बारें म्ह ठीक-ठाक
बेरा पाड़ो, अर जिब्ब वो मिल ज्या तो मन्नै खबर द्यो ताके मै भी आण कै
उसनै नमस्कार करूँI" 9 वे राजा की बात सुण कै चले गए, अर जो तारा उन्नै
पूरब म्ह देख्या था वो उनकै आग्गै-आग्गै चाल्या; अर जड़ै बाळक था, उस
जगहां कै ऊपर जाकै रुक ग्याI 10 उस तारै नै देखकै वे घणे आनन्दित होएI
11 उन्नै उस घर म्ह जाकै उस बाळक नै उसकी माँ मरियम कै गैल देख्या,
अर मोध्धे मुँह गिरकै बाळक ताही नमस्कार करया, अर अपणा-अपणा
झोळा खोल कै उस ताही सोन्ना, लोबान, अर गन्धरस की भेट चढ़ाईI 12 फेर
सपनै म्ह या चेतावनी पाकै के हेरोदेस कै धोरै फेर ना जाइये, वे दूसरें राह म्ह
तै अपणे देश म्ह चले ग्येI

मिस्र देश म्ह जाणा

13 उन कै चले जाण कै बाद प्रभु कै एक दूत नै सपनै म्ह आकै यूसुफ तै
कह्या, "उठ, उस बाळक नै अर उसकी माँ नै लेकै मिस्र देश म्ह भाग ज्या;
अर जिब्ब ताही मै तेरै तै ना कहूँ, जिब्ब ताही ओड़ै ए रहिये; क्यूँके हेरोदेस
इस बाळक नै टोह्कै उस ताही मरवा देI"/ (उसनै मरवाना चाहवै सै) 14 फेर
वो रात नै ए उठकै बाळक अर उसकी माँ नै लेकै मिस्र नै चाल पड्या, 15 अर
हेरोदेस कै मरण तक ओड़ै रह्याI इस करकै के वो वचन जो प्रभु नै नब्बी कै
जरिये कह्या था पूरा हो: "मन्नै अपनै बेटै ताही मिस्र तै बुलायाI"(मन्नै आपणे
बेट्टा मिस्र तै बुलाया) 16 जिब्ब हेरोदेस नै यो देख्या, के ज्योतिषिया नै उसकै
गैल धोखा करया सै, फेर वो छोह म्ह भर ग्या, अर माणसां नै भेजकै
ज्योतिषिया कै जरिये ठीक-ठाक बताये होड़ बख्त कै मुताबिक बैतलहम अर
उसकै लोवै-धोवै की जंगहांया के सारे छोरे जो दो साल के या उसतै छोट्टे थे,
मरवा दिएI 17 फेर जो वचन यिर्मयाह नब्बी कै जरिये कह्या ग्या था, वो पूरा
होया: 18 "रामाह म्ह एक रोण की आवाज सुणाई देई, रोणा अर घणाए
बिलाप; राहेल अपणे बाळकां कै खात्तर रोवै थी, अर चुप न्ही रहणा चाहवै
थी, क्यूँके वे इब न्ही रहे |"

मिस्र देश तै आणा

19 हेरोदेस कै मरण कै पाच्छै, प्रभु कै दूत नै मिस्र म्ह यूसुफ ताही सपनै म्ह
बोल्या, 20 "उठ, बाळक अर उसकी माँ ने लेकै इस्राएल कै देश म्ह चल्या
ज्या, क्यूँके जो बाळक नै मारणा चाहवै थे, वे मर लिये सैI" 21 वो उठ्या,

अर बाळक और उसकी माँ नै गेल्या लेकै इस्राएल देश म्ह आयाI 22 पर या सुणकै के अरखिलाउस अपणे पिता हेरोदेस की जगहां यहूदियां पै राज करै सै, ओड़ै जाण तै डरयाI फेर सपनै म्ह पणमेशर की चेतावनी पाकै गलील परदेश म्ह चल्या गया, 23 अर नासरत नाम कै नगर म्ह जा बस्या, ताके वो वचन पूरा हो, जो नब्बियां कै जरिये कह्या गया था: वो नासरी कुह्लावैगाI"

यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा

(मरकुस 1:1-8, लूका 3:1-18; यूहन्ना 1:6-8, 15-34)

3 उन दिनां म्ह यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा आकै यो प्रचार करण लाग्या: 2 "मन बदल ल्यो, क्यूँके स्वर्ग का राज धोरै आ लिया सैI" 3 यो वो ए सै जिसका जिक्र यशायाह नब्बी कै जरिये करया गया: "बण म्ह तै ए कोए रुक्का देवै सै, के प्रभु का राह तैयार करो अर उसकी सड़क सीधी करोI" 4 यूहन्ना जो था ऊट के चमडै के लत्ते पहरणीया अर अपनी कड्ड म्ह चमड़ै की पेट्टी-बान्धन आळा थाI उसका खाणपान टिड्डी अर शहद थाI 5 फेर यरुशलेम अर सारे यहूदी, यरदन कै लोवै-धोवै की सारी ज्घायां के माणस उसकै धोरै आग्येI 6 उण सारया नै अपने-अपने पापां ताहि (पापां नै) मान कै यरदन नदी म्ह उसतै बपतिस्मा ले लिया। 7 जिब्ब उसनै घणे सारै फरीसिया अर सदूकिया ताही अपने धोरै बपतिस्मा लेण खात्तर आंदे देख्या, तो बोल्या, "हे साँप के सप्पोलों, थारै ताही किसनै बता दिया कै पणमेशवर के आण आळे छोह तै भाग्गो? 8 इस खात्तर मन बदल कै पणमेशवर कै छोह तै बच जावो; 9 अर अपणै-अपणै मन म्ह या ना सोच्चों की म्हारा पिता अब्राहम सै, क्योंके मै थमनै कहू सूं के पणमेशर इन पत्थरां म्ह तै भी अब्राहम खात्तर ऊलाद जण सकै सै। 10 इब कुहाडा दरख्ता की जड पै धरया सै इस खात्तर जो-जो दरख़्त आच्छे फल न्ही ल्यांदे, वो काट्या अर आग म्ह झोंक्या जावै सै। 11 "मै तो थमनै पाणी तै मन बदलण का बपतिस्मा देँऊसूं, पर जो मेरै पाच्छै आवैगा, वो मैरे तै भी घणा ताकतवर /(सामर्थी) होगा; मै उसकी जूती ठाण जोग्गा भी कोनी। वो थमनै पवित्र आत्मा अर आग तै बपतिस्मा देवैगाI 12 उसका सूप उसके हाथ म्ह सै, वो अपणा खेत आच्छी तरिया साफ करेगा, अर आपणे गेहूंआ नै आपणे खत्तां/कुठ्ला म्ह कट्ठा करैगां, पर घास/ (भूसी) नै आग म्ह जलावैगा जो कदे बूझै कोणी।"

यूहन्ना के जरिये यीशु का बपतिस्मा

मरकुस 1:9-11; लूका 3:21,22; यूहन्ना 1:31-34)

13 उस बख्त यीशु गलील तै यरदन कै क्न्ठारे यूहन्ना कै धोरै उसतै बपतिस्मा लेण आया। 14 पर या कहकै यहून्ना उसनै रोक्कण लाग्या, कै मन्नै तो तेरै हाथ तै बपतिस्मा लेण की जरूरत सै, अर तू मेरै धोरै आया सै?" 15 यीशु नै उसते जवाब दिया, कै इब तो यो ऐ होण दे, क्यों कै हमनै इस्से तरिया तै सारी धार्मिकता पूरी करना सई सै।" जिब्ब उसणै उसकी बात मान ली। 16 अर यीशु बपतिस्मा लेकै जिब्ब पाणी तै ऊप्पर आया, अर देख्या उसकै खात्तर अकास खुल ग्या, अर उसणै पणमेशवर की आत्मा ताहि कबूतर कै जिसा उतरते अर अपणे ऊपर आंदे देख्या। 17 अर देक्खो, या अकास म्ह तै आवाज /(आकाशवाणी) आयी: "कै यो मेरा प्यारा बेटा सै, जिसतै मै भोत घन्ना राज़ी सु।"

यीशु का इम्तान

(मरकुस 1:12-13; लूका 4:1-13)

4 फेर आत्मा यीशु नै बण म्ह ले ग्या ताके इबलीस तै उसका इम्तान होI 2 वो चालीस दिन अर चालीस रात, बिना खाए पिए रह्या, फेर उसनै भूख लाग्गीI 3 फेर परखण आळये नै धोरै आण कै उस ताही कह्या, "जै तू पणमेशर का बेट्टा सै, तो कह दे, के ये पत्थर रोटी बण जावैI" 4 यीशु नै जवाब दिया: "लिख्या सै, 'माणस सिर्फ रोटी तै ए न्ही , पर हरेक वचन तै जो पणमेशर कै मुँह तै लिकड़ै सै, जिन्दा रह्वैगाI" 5 फेर इबलीस उसनै पवित्र नगर म्ह लेग्या अर मंदर की गुमटी पै खड्या करया; 6 अर उसतै बोल्या, "जै तू पणमेशर का बेट्टा सै, तो आपणे आपनै तळै गेर दे;क्यूँके लिख्या सै: "वो तेरै बारे म्ह आपणे फरिश्ता नै हुक्म देगा, अर वे तन्नै हाथों हाथ उठा लेंगे कदे इसा ना हो के तेरै पैरां म्ह पत्थर तै ठेस लाग्गैI" 7 यीशु नै उसतै कह्या,यो भी लिख्या: सै 'तू आपणे प्रभु पणमेशर का इम्तान ना लेI" 8 फेर इबलीस उसनै घणे ऊँचे पाहड़ पै ले ग्या अर सारि दुनियां का राज अर उसका वैभव दिखाकै 9 उसतै बोल्या, "जै तू झूककै नै मन्नै नमस्कार करै, तो मै सारा किम्मे तन्नै दे द्यूंगाI" 10 फेर यीशु उसतै बोल्या, "हे शैतान दूर हो ज्या, लिख्या सै: तू प्रभु आपणे पणमेशर नै नमस्कार कर, अर सिर्फ उस्से की भक्ति करया करI 11 फेर शैतान उसकै धोरै तै चल्या ग्या, अर देख्ये, सुर्गदूत आण कै उसकी सेवा करण लाग्गेI

यीशु के जरिये सेवा करण कि शरुआत

(मरकुस 1:14,15; लूका 4:14-15,31)

12 जिब्ब उसनै न्यू सुण्या के यूहन्ना कैदी बणा लिया सै, तो वो गलील म्ह चल्या ग्याI 13 अर वो नासरत नै छोड़कै कफरनहूम म्ह, जो झील कै कन्ठारे जबूलून अर नप्ताली कै देश म्ह ज्याकै रहण लाग्या; 14 ताके जो यशायाह नब्बी कै जरिये कह्या गया था, वो पूरा हो: 15 अर जबूलून नप्ताली कै देश, झील कै रास्तै यरदन पार, गेरजातियां का गलील- 16 जो माणस अंधेरै म्ह बैठ्ये थे,उन्नै बड्डा चान्दणा देख्या; अर जो मौत के देश अर छाया म्ह बैठ्ये थे, उण पै चान्दणा चमक्याI" 17 उस टैम तै यीशु नै प्रचार करना अर कहणा शरु करया, मन फिरावो क्यूँके सुर्ग का राज धोरै आया सैI" 18 गलील की झील कै कण्ठारै घुमदे होए उसनै दो भाईयाँ ताही शमौन जो पतरस कुह्लावै सै, अर उसके भाई अन्द्रियास ताही झील म्ह जाळ गेरते देख्या; क्यूँके वो मछ्वारे थेI 19 यीशु नै उन्हतै कह्या, "मेरै पाच्छै हो ल्यो, तो मै थमनै माणसां का पकड़ण आळा बणाऊँगाI" 20 वे जिब्बे जाळां नै छोड़के उसकै पाच्छै हो लियेI 21 ओड़ तै आगै चाल कै, यीशु नै दो और भाईयाँ ताही यानी जब्दी के बेट्टे याकूब अर उसकै भाई युहन्ना ताही देख्याI वे आपणे पिता जब्दी कै गैल किस्ती पै आपणे जाळां नै सुल्झाण लाग रह्ये थेI उसनै उन ताही भी बुला लियाI 22 वे जिब्बे नाव अर आपणे बाब्बू नै छोड़ कै उसकै पाच्छै हो लिये 23 यीशु सारै गलील म्ह फिरता होया उन कै मन्दरां म्ह उपदेश सुणान्दा, अर राज्य का सुसमाचार सुणादा अर माणसां की हरेक ढाळ की बीमारी अर कमजोरियां नै दूर करता रह्याI 24 अर सारै सीरिया देश म्ह उसका यश फैल ग्या; अर माणस सारे बिमारां नै, जो कई ढाळ की बिमारियां अर दुखां नै जकड़े होए थे, जिन्ह म्ह भूंडी आत्मा थी, अर मिर्घी आळे अर लकवै के रोगी नै उसकै धोरै ल्याऐ उसनै उन ताही ठीक करयाI 25 गलील अर दिकापुलिस, यरुशलेम, यहूदी अर यरदन नदी कै पार तै भीड़ की भीड़ उसकै पाच्छै हो ली

यीशु का पहाड़ी उपदेश

5 वो उस भीड़ नै देखकै पाहाड़ पै चढ़ ग्या, अर जब बैठ ग्या तो उसके चेल्ये उसकै धोरै आए। 2 अर वो आपणी ऊँची आवाज म्ह उन्नै यो उपदेश देण लाग्या:

धन्य वचन

(लूका 6:20-23)

3 "धन्य सै वे, जो मन तै दीन (भोळे) सै, क्यूँके सुर्ग का राज उन्नै का सै। 4 "धन्य सै वे, जो शोक करै सै, क्यूँके वे शांति पावैगें। 5 "धन्य सै वे, जो नर्म सै, क्यूँके वे धरती के हकदार होंगे। 6 "धन्य सै वे, जो धार्मिकता के भूंखे अर तिशाए सै, क्यूँके वे छिकाए ज्यावैगें। 7 "धन्य सै वे, जो दया करण आळे सै, क्यूँके उन पै दया करी ज्यागी। 8 "धन्य सै वे, जिनके मन शुध्द सै, क्यूँके वे पणमेशर नै देखैगें। 9 "धन्य सै वे, जो मेल कराण आळे सै, क्यूँके वे पणमेशर के बेट्टें कुह्लावैगें। 10 "धन्य सै वे, जो धार्मिकता के कारण सताए जावै सै, क्यूँके सुर्ग का राज उन्ने का सै। 11 धन्य सों थम, जिब्ब माणस मेरै कारण थारी बुराई करै सतावै अर झूठ बोल- बोल कै थारै बिरोध म्ह सारी तरियां की ओच्छी बात कहवै। 12 फेर खुश अर मग्न होइयो, क्यूँके थारै खात्तर सुर्ग म्ह बड्डा फळ सै। इस करकै के उन्नै उन नब्बियां तै जो थारै तै पह्ल्या थे इस्से ढाळ सताया था।

नमक अर चान्दणा

(मरकुस 9:50;लूका 14:34,35)

13 “थम धरती के नूण सों; पर जै नूण का स्वाद खराब होज्या, तो वो किस
चीज तै नमकीन करैया ज्यागा? फेर वो किस्से काम का न्ही , सिर्फ इसकै के
बाहर फेंक्या ज्या अर माणसां के पैरां तळै चिकल्या ज्या। 14 थम दुनिया का
चाँदणा सो। जो नगर पहाड़ पै बस रह्या सै वो लुह्क न्ही सकदा। 15 अर
माणस दीवा जळा कै पैमाने कै तळै न्ही पर दीवट/टान्डी पे धरै सै, फेर
उसतै घर के सारे माणसां ताही चान्दणा ज्या सै। 16 उस्से तरियां थारा
चान्दणा माणसां के स्याम्ही चमकै के वे थारै भले कामां नै देखकै थारै पिता
की, जो सुर्ग म्ह सै बड़ाई करै।

नियम की शिक्षा

17 “या ना समझो, के मैं नियम कायदा या नब्बियां की किताबां नै मिटाण
आया सूं, मिटाण न्ही , पर पूरा करण आया सूं। 18 क्यूँके मैं थमनै सच कहूँ
सूं, के जब ताही अकास अर धरती टळ न्ही जावै, जद ताही नियम कायदा
तै एक मात्रा या एक बिन्दु भी बिना पूरा होए न्ही टळैगा। 19 इस करकै जो
कोए इन छोटे तै छोटे हुक्म म्ह तै किसे एक नै तोड़ै, अर उसाए माणसां नै
सिखावै, वो सुर्ग के राज्य म्ह सारा तै छोटा कुह्रावैगा; पर जो कोए उन हुक्मां
पै चाल्यैगा अर उन्नै सिखावैगा, वो ए सुर्ग राज्य म्ह महान् कुह्रावैगा। 20 क्यूँके
मैं थमनै कहूँ सूं, के जै थारी धार्मिकता शास्त्रियां अर फरिसियां की धार्मिकता
तै बढ़कै न्ही हो, तो थम सुर्ग के राज्य म्ह कदे बड न्ही पावोगें।

छोह अर हत्या

21 “थमनै सुण्या होगा, के पैहल्ड़े माणसां तै कह्या, गया् था के ‘खून ना
करियो’, अर ‘जो कोए खून करैगा वो कच्हेडी म्ह दण्ड के लायक होगा।’
22 पर मैं थमनै या कहूँ सूं, के जो कोए आपणे भाई पे गुस्सा करैगा, वो
कच्हेडी म्ह दण्ड के लायक होगा, अर जो कोए आपणे भाई नै निकम्मा
कहवैगा वो बड्डी पंचायत म्ह दण्ड के लायक होगा; अर जो कोए कहवै ‘अरै
बेकूफ’ वो नरक की आग के दण्ड के लायक होगा। 23 इस करकै जै तू
आपणा चढ़ावा मंढही पै ल्यावै, अर ओड़ै तू याद करै, के तेरै भाई के मन म्ह
तेरै खात्तर किमे बिरोध सै, 24 तो तू आपणा चढ़ावा ओड़ै ए मंढही कै स्याम्ही
छोड़ दे, अर ज्याकै आपणे भाई तै मेल मिलाप कर अर फेर आकै आपणा
चढ़ावा चढ़ा। 25 जिब्ब ताही तू आपणे बैरी/मुद्दई के गैल्या रास्तै म्ह ए सै,
उसतै तुरता फुर्ती/ जिब्बे मेल मिलाप करले कदे इसा ना हो के बैरी तन्नै
अधिकारी के हवालै, अर अधिकारी तन्नै सिपाही के हवालै कर दे, अर तू
जेळ म्ह गेर दिया ज्यावै। 26 मैं तन्नै सच कहूँ सूं के जिब्ब ताही तू कौड़ी-
कौड़ी/पाई-पाई न्ही भरदे जद ताही ओड़ै तै छुटण न्ही पावैगा।

जारी

27 “थमनै सुण्या होगा के कह्या गया था, ‘जारी ना करियो।’ 28 पर मै थमनै
न्यू कहूँ सू, के जो कोए किसे लुगाई पै भुंडी निगांह गेरै वो अपणै मन म्ह उस
तै जारी करग्या। 29 जै तेरी सोळी आँख तन्नै ठोक्कर खुवावै, तो उसनै लिकाड़
के फेंक दे; क्यूँके तेरै खात्तर यो ए ठीक सै के तेरै अंगां म्ह तै एक नाश हो
ज्या अर तेरी सारी देही नरक म्ह गेरी ज्यावै। 30 जै तेरा सोळा हाथ तन्नै
ठोक्कर खवावै, तो उसनै काट के फेंक दे; क्यूँके तेरै खात्तर यो ए आच्छा सै
के अंगां म्ह तै एक नाश हो ज्यावै अर तेरी सारी देही नरक म्ह न्ही गेरी
ज्यावै।

तलाक

(मत्ती 19:9;11,12;लूका 16:18)

31 यो भी कह्या गया था, ‘जो कोए आपणी बीरबान्नी नै तलाक देणा चाहवै,
तो उसनै तलाक नामा दे।’ 32 पर मैं थारै तै यो कहूँ सूं के जो कोए आपणी
बीरबान्नी नै जारी कै सिवा किसे और कारण तै तलाक दे, तो वो उसतै जारी
करवावै सै; अर जो कोए उस छोड़ी होड़ी तै ब्याह करै; वो जारी करै सै।

सूहं

33 “फेर थमनै सुण्या होगा के पैहल्ड़े माणसां तै कह्या गया था, ‘झूठी सूहं
ना खाइये, पर प्रभु के खात्तर आपणी सूहं नै पूरी करिये। 34 पर मैं थमनै या
कहूँ सूं के कदे सूहं ना खाइये; ना तो सुर्ग की, क्यूँके वो पणमेशर का
सिंहासन सै; 35 ना धरती की, क्यूँके वा उसकै पैरां की पिड्डी सैं; ना
यरुशलेम की, क्यूँके वो महाराजा का नगर सै। 36 आपणे सिर की भी सूहं ना
खाइये क्यूँके तू एक बाळ नै भी ना धोळा, ना काळा कर सकै सै । 37 पर
थारी बात ‘हाँ, की ‘हाँ,’ या ‘ना’ की ‘ना’ हो; क्यूँके जो किमे इसतै घणा होवै
सै वो बुराई तै होवै सै।

बदला

(लूका 6:29,30)

38 “थमनै सुण्या होगा के कह्या था, ‘आँख कै बदलै आँख, अर दान्द कै
बदलै दान्द ।’ 39 पर मै थमनै कहूँ सूं के भुंडै का सामना ना करियो; पर जो
कोए तेरै सोळै गाल पै थप्पड़ मारै उस कान्नी दूसरा भी फेर दे। 40 जै कोए तेरै
पे दाब देकै तेरा कुड़ता लेंणा चाहवै, तो उसनै चादरा/अंगोच्छा भी लेण दे।
41 जो कोए तन्नै एक कोस मुफ्त म्ह ले ज्यावै, तो उसकै गैल्या दो कोस
चल्या ज्या। 42 जो कोए तेरै तै माँगै, उसणै दे; अर जो कोए तेरै तै उधार
लेंणा चाहवै, उसतै मुँह ना मोड़। 43 “थमनै सुण लिया सै के कह्या था,
‘आपणे पड़ोसी तै प्रेम राखिये, अर आपणे बैरी तै बैर।’ 44 पर मै थमनै कहूँ सूं
के आपणे बैरियां तै प्रेम राख्यो अर आपणे सतावण आळे के खात्तर प्रार्थना
करो, 45 जिसतै थम आपणे सुर्गीय पिता की ऊलाद मान्ये जावोगे। क्यूँके वो
भलै अर बुरै दोनुआ पै आपणा सूरज उगाया करै सै, अर धर्मी अर अधर्मी
दोनुआ पै मिह बरसावै सै। 46 क्यूँके जै थम आपणे प्रेम करण आळा तै ए प्रेम
राख्यो, तो थारै खात्तर के ईनाम होगा? के चुंगी लेण आळे भी इसाए न्ही
करते? 47 “जै थम आपणे भाइयां ने ए नमस्कार करो, तो कौण्सा बड्डा काम
करो सों? के गैरजात के भी इसा न्ही करदे? 48 इस करकै चाहिए के थम
सिध्द बणो, जिसा थारा सुर्गीय पिता सिध्द सै।

दान

6 “चौक्कस रहो थम माणसां नै दिखाण कै खात्तर आपणे धर्म के काम ना
करो, न्ही तो आपणे सुर्गीय पिता तै किमे भी ईनाम न्ही पावोगे। 2 “इस
करकै जिब्ब तू दान करै, तो आपणे आगै बीण/तुरही ना बजवावै, जिसा
कपटी, पंचायतां अर गलियां म्ह करै सै, ताके माणस उनकी बड़ाई करै। मैं
थारै ताही साच्ची कहूँ सूं के उन्नै आपणा ईनाम पा लिया। 3 पर जिब्ब तू दान
करै, तो जो तेरा सोळा हाथ करै सै, उसनै तेरा ओळा हाथ न्ही जाणन पावै।
4 ताके तेरा दान छिप्या रहवै, अर जिब्ब तेरा पिता जो छिपकै देख्यै सै, तन्नै
ईनाम देगा।

प्रार्थना

(लूका 11:2-4)

5 “जिब्ब तू प्रार्थना करै, तो कपटियां के तरियां न्ही हो, क्यूँके माणसां नै
दिखाण खात्तर आराधनालयां म्ह अर सडकां कै मोड़ां पै खड्ये हो कै
प्रार्थना करणा उन्नै आच्छा लाग्गै सै। मैं थमनै साच्ची कहूँ सूं के उन्नै आपणा
ईनाम पा लिया। 6 पर जिब्ब तू प्रार्थना करै, तो आपणी कोठड़ी म्ह जा; अर
किवाड़ बंद करकै आपणे पिता तै जो गुप्त म्ह सै प्रार्थना कर। जद तेरा पिता
जो लुह्क कै देखै सै, तन्नै ईनाम देगा। 7 प्रार्थना करदे टैम गैरजातां की
तरियां बडबडाइये ना, क्यूँके वे समझै सै के उनकै घने बोळण तै उनकी सुणी
जावैगी 8 इस करकै थम उनकी तरियां ना बणो, क्यूँके थारा पिता थारै माँगण
तै पैहल्या ए जाणै सै के थारी के-के जरूत सै। 9 “इस करकै थम इस तरिया
तै प्रार्थना करया करो: ‘हे म्हारे पिता, तू जो सुर्ग म्ह सै; तेरा नाम पवित्र
मान्या जावै। 10 ‘तेरा राज आवै। तेरी मर्जी जिसी सुर्ग म्ह पूरी होवै सै, उसी
धरती पै भी हो। 11 ‘म्हारी दिन भर की रोटी आज हमनै दे। 12 ‘अर जिस
तरियां हमनै आपणे कसूरवारां ताही माफ करैया सै, उस्से तरियां तू भी म्हारे

कसूरां नै माफ कर। 13 'अर म्हारा हिम्तान ना लेवै, पर बुराई तै बचा; (क्यूँके
राज्य, वीरता अर मान हमेशा तेरे ए सै।' आमीन।) 14 "इस करकै जै थम
माणसां के कसूर माफ करोगे, तो थारा सुर्गीय पिता भी थमनै माफ करैगा।
15 अर जै थम माणस के कसूरा नै माफ न्ही करोगे, तो थारा पिता भी थारे
कसूर माफ न्ही करैगा।

उपवास

16 "जिब्ब थम ब्रत करो, तो कपटियां की तरियां थारै मुँह पै उदासी छाई
ना रहवै, क्यूँके वे आपणा मुँह बनाई राख्यै सै, ताके माणस उन्नै ब्रती जाणै।
मैं थमनै साच्ची कहूँ सूं के वे आपणा ईनाम पा चुके। 17 पर जिब्ब तू ब्रत करै
तो आपणे सिर पे तेल लगा अर मुँह धो, 18 ताके के माणस न्ही पर तेरा पिता
जो गुप्त म्ह सै, तन्नै ब्रती जाणै। इस हालत म्ह तेरा पिता जो गुप्त म्ह देख्ये सै,
तन्नै ईनाम देगा।

सुर्गीय धन
(लूका 12:33-34)

19 "आपणे खात्तर धरती पे धन कट्ठा ना करो, जड़ै कीड़ा अर काई नाश
करै सै, अर जड़ै चोर सेंध लगावै अर चोरै सै। 20 पर आपणे खात्तर सुर्ग म्ह
धन कट्ठा करो, जड़ै ना तो कीड़ा अर ना काई नाश करै सै, अर जड़ै चोर ना
सेंध/पाड़ लगावै अर चोरै सै। 21 क्यूँके जड़ै तेरा धन सै उड़ै तेरा मन भी
लाग्या रवैगा।

देह कि ज्योति
(लूका 11:34-36)

22 "देही का दिवा आँख सै इस करकै जै तेरी निगांह आच्छी सै, तो तेरी
सारी देही भी उजाळा होगा। 23 पर जै तेरी निगांह औपरी हो, तो तेरी सारी
देही म्ह भी अन्धेरा होगा; इस कारण जो वो चाँदणा तेरै म्ह सै जै अन्धेरा हो
तो वो अन्धेरा कितना बड्डा होगा!

पणमेशर अर धन
(लूका 16:13;12:22-31)

24 "कोए माणस दो मालिकां की सेवा न्ही कर सकदा, क्यूँके वो एक तै बैर
अर दूसरे तै मोह राख्यैगा, या एक तै मिल्या रहवैगा अर दूसरे नै छोटा
जाणैगा। थम पणमेशर अर धन दोनूआ की सेवा न्ही कर सकदे। 25 इस
करकै मैं थारै तै कहूँ सूं के आपणे प्राण/जान के खात्तर या चिंता न्ही करियो
के हम के खावाँगें अर के पीवागें, अर ना आपणे देही के खात्तर के पैहरागें। के
प्राण/जान खाणै तै, अर देही लत्यां तै बढकै कोन्या? 26 अकास के पंछिया नै
देख्यो! वे ना बोवै सै, ना काटै सै, अर ना खेतां म्ह कट्ठा करै सै ; फेर भी
थारा सुर्गीय पिता उन ताही खुवावै सै। के थम उनतै घणे कीमती कोनी
27 थारै म्ह कौण सै, जो चिंता करकै आपणी उम्र म्ह एक घड़ी भी बढ़ा सकै
सै? 28 "अर लत्यां के खात्तर क्यों चिंता करो सों? जंगली सोशन पै ध्यान
करो के वे किस तरियां बढ़ै सै ; वे ना तो मेहनत करै सै, ना काटै सै। 29 तो
भी मैं थारे तै कहूँ सूं के सुलैमान भी, आपणे सारे अ-सों आराम म्ह उन म्ह तै
किस्से के तरियां लत्ते पैहरे होए कोनी था। 30 इस करकै जिब्ब पणमेशर
मदान की घास नै, जो आज सै अर कल भाड़ म्ह झोंकी ज्यागी, इस्से लत्ते
पैहरावै सै, तो हे कमजोर बिश्वासियो, थारै ताही वो इन तै बढ़ के क्यों न्ही
पैहरावैगा? 31 "इस करकै थम चिंता कर कै न्यू ना कहियो के हम के खावाँगें,
या के पीवागें, या के पैहरागें। 32 क्यूँके गैरजात इन सारी चीजां की टोह म्ह
रहवै सै, पर थारा सुर्गीय पिता जाणै सै के थमनै इन सारी चीजां की जरूत
सै। 33 इस करकै पैहल्या थम पणमेशर के राज्य अर उसके धर्म की खोज
करो तो ये सारी चीज भी थमनै मिल ज्यांगी। 34 इस करकै कांल की चिंता
ना करो, क्यों के कांल का दिन आपणी चिंता आप कर लेवैगा; आजकै
खात्तर आज का ए दुःख भतेरा सै।

दुसरां पै इल्जाम ना लावो
(लूका 6:37,38,41,42)

7 "इल्जाम ना लावो के थारै पै भी इल्जाम लाया जावैI 2 क्यूँके जिस
तरियां थम इल्जाम लगावो सों, उसी तरियां थारै पे भी इल्जाम
लगाया जावैगा; जिस नाप तै थम नापो सों, उस्से नाप तै थारै खात्तर भी
नाप्या जावैगा। 3 "तू क्यों आपणे भाई की आँख कै तिन्कै नै देख्ये सै, अर
आपणी आँख का लाक्कड तन्नै न्ही दिखदा? 4 जिब्ब तेरी ए आँख म्ह
लाक्कड सै, तो तू आपणे भाई तै किस तरियां कहवै सै, ल्या मैं तेरी आँख तै
तिन्का लिकाड़ द्यु?' 5 हे कपटी, पैह्ल्या आपणी आँख म्ह तै लाक्कड
लिकाड़ ले, फेर तू आपणे भाई की आँख का तिन्का आच्छी दाऊ देख के
लिकाड़ सकैगा। 6 "पवित्र चीज कुत्या नै ना द्यो, अर आपणे मोती सूअरां के
आगै ना गेरो; इसा न्ही हो के वे उन्नै पैरां तलै चिकलै अर उलटके थमनै
पाड़ले।

माँगोगे, तो पावोगे
(लूका11:9-13)

7 "माँगोगे, तो थमनै दिया जावैगा; टोव्होगें तो थम पावोगे; खटखटावोगे,
तो थारै खात्तर खोल्या ज्यागा। 8 क्यूँके जो कोए माँगै सै, उसनै मिलै सै; अर
जो ढूंडै सै, वो पावै सै; अर जो खटखटावै सै, उसकै खात्तर खोल्या ज्यागा।
9 "थारै म्ह तै इसा कौण माणस सै, के जै उसका बेटा उसतै रोटी माँगै, तो वो
उसनै पत्थर दे? 10 या मछली माँगै, तो उसनै साँप दे? 11 इस करकै जिब्ब
थम बुरे होकै, आपणे बाळकां नै आच्छी चीज देणा जाणो सों, तो थारा सुर्गीय
पिता आपणे माँगण आळां नै आच्छी चीज क्यों न्ही देवैगा? 12 इस कारण जो
किमे थम चाहो सों के माणस थारै गैल्या करै, थम भी उसकै गैल्या उसा ए
करो; क्यूँके कायदे-नियम अर नब्बियां की शिक्षा याए सै।

भिड़ा अर चौड़ा राह
(लूका 13:24)

13 "भीडै फाटक तै दाखल होवों, क्यूँके चौड़ा सै वो फाटक अर सीधा सै
वो रास्ता जो नाश नै पुहच्यै सै; अर घणेए सै जो उसतै दाखल होवै सै।
14 क्यूँके भीड़ा सै वो फाटक अर मुश्किल सै वो राह जो जीवन नै पुह्चावै सै;
अर थोड़े सै जो उसनै पावै सै। 15 "झूठे नब्बिया तै चौकस रहो, जो भेड्डा के
भेष म्ह थारै धोरै आवै सै, पर भित्तर तै वे पाडण आळे भेड़िये सै। 16 उनकै
फलां तै थम उनताही पिच्छाण ल्योगे। के माणस झाड़िया तै अंगूर, या झाड़
बोझड़े तै अंजीर तोड़ै सै? 17 इस तरियां हर एक आच्छा दरख्त आच्छा फळ
ल्यावै सै अर निकम्मा दरख्त भुंडा फळ ल्यावै सै। 18 आच्छा दरख्त भुंडा
फळ न्ही ल्या सकदा, अर ना निकम्मा दरख्त आच्छा फळ ल्या सकै सै।
19 जो-जो दरख्त आच्छा फळ न्ही ल्यान्दा, वो काट्या अर आग म्ह गैरया
ज्या सै। 20 इस तरियां उनकै फलां तै थम उन्नै पिच्छाण ल्योगे। 21 "जो मेरै
तै, 'हे प्रभु! हे प्रभु! कहवै सै, उन म्ह तै हर एक सुर्ग के राज्य म्ह दाखल न्ही
होगा, पर वोए जो मेरै सुर्गीय पिता की मर्जी पै चाल्यै सै। 22 उस दिन
घणखरे-ए माणस मेरै तै कहवैगे, "हे प्रभु, हे प्रभु, के हमनै तेरै नाम
भविष्यवाणी न्ही करी, के हमनै तेरै नाम तै औपरी आत्मायां ताही न्ही
लिकाड्या, अर तेरै नाम तै घणेए अचम्भे के काम न्ही करे?' 23 फेर मैं उनतै
खुलकै कह द्युगा, "मन्नै थारै ताही कदे न्ही जाण्या। हे भुंडा/ओच्छे काम
करण आळो, मेरै धोरै तै चल्ये जावो। 24 "इस करकै जो कोए मेरी ये बात
सुणकै मान्नै सै, वो उस स्याणे माणस की तरियां होगा जिसनै आपणा घर
चट्टान पै बनाया । 25 अर मिह बरसया, बाढ़ आयी, आंधी आई, अर उस घर
तै टकराई, फेर भी वो कोनी गिरया, क्यूँके उसकी नीम चट्टान पै धरी ग्यी
थी। 26 पर जो कोए मेरी ये बात सुण सै अर उनपै न्ही चाल्दा, वो उस बेकूफ
माणस की तरियां सै, जिसनै आपणा घर बालूरेत पै बणाया। 27 अर मिह
बरसया, बाढ़ आयी, आंधी चाल्यी, अर उस घर तै टकराई अर वो गिरकै
सत्यानाश होग्या।" 28 जिब्ब यीशु नै ये बात कह ल्यी, तो इसा होया के भीड़

उसके उपदेश तै हेरान होग्यी, 29 क्यूँके वो उनकै शास्त्रीयां की तरियां न्ही पर
अधिकारी की तरियां उन्नै उपदेश देवै था।
8 जिब्ब वो उस पहाड़ तै उतरा, तो एक बड्डी भीड़ उसके पाच्छै हो
ल्यी। 2 अर देक्ख , एक कोढ़ी नै धोरै आकै उस ताही नमस्कार करैया
अर कह्या, “हे प्रभु, जै तू चाहवै, तो मन्नै आच्छा कर सकै सै।” 3 यीशु नै हाथ
बढ़ाकै उस ताही छुआ, अर कह्या, मैं चाहुँ सूं, तू आच्छा हो ज्या।” अर वो
जिब्बे कोढ़ तै आच्छा होग्या। 4 यीशु नै उसतै कह्या, “देख किस्से तै ना
कहिये, पर जाकै आपणे आप नै याजक ताही दिखा अर जो चढ़ावा मूसा नै
बताया सै उसणै चढ़ा, ताके माणसां के खात्तर गवाही हो।” 5 जिब्ब वो
कफरनहूम म्ह आया तो एक सूबेदार नै धोरै आके उसतै बिनती करी, 6 “हे
प्रभु, मेरा नौक्कर लकवै के रोग तै घणा दुःखी होरया सै।” 7 उसनै उस ताही
कह्या, “मैं आकै उसनै ठीक करूँगा।” 8 सूबेदार नै जवाब दिया, “हे प्रभु, मैं
इस लायक कोनी के तू मेरी छात के तलै आवै, पर सिर्फ मुँह तै कहदे तो मेरा
नौक्कर ठीक हो ज्यागा। 9 क्यूँके मैं भी गुलाम आदमी सूं, अर सिपाही मेरै
अधीन सै। जिब्ब मैं एक तै कहूँ सूं, ‘जा!’ तो वो जावै सै; अर दूसरे तै, ‘आ’
तो वो आवै सै; अर जिब्ब आपणे नौक्कर तै कहूँ सूं, ‘यो कर।’ तो वो करै सै।”
10 यो सुण के यीशु कै अचम्भा होया, अर जो उसकै पाच्छै आवै थे उनतै
कह्या, “मैं थमनै साच्ची कहूँ सूं के मन्नै इस्राइल म्ह भी इसा बिश्वास न्ही
देख्या। 11 अर मैं थमनै कहूँ सूं के पूरब अर पश्चिम तै घणेए माणस आकै
अब्राहम अर इसहाक अर याकूब के गैल्या सुर्ग के राज्य म्ह बैठोगे। 12 पर
राज्य की ऊलाद बाहर अन्धेरे म्ह गेर दिये ज्यांगे: उड़ै रोणा अर दांत पीसना
होगा। 13 जिब्ब यीशु नै सूबेदार तै कह्या, “जिसा तेरा बिश्वास सै, उसाए तेरै
खात्तर होगा।” अर उसका नौक्कर उसै टैम ठीक होग्या। 14 यीशु जिब्ब पतरस
के घरणै आया, तो उसनै उसकी सास ताही बुखार/ताप म्ह पड्या देख्या।
15 उसनै उसका हाथ पकड्या अर उसका बुखार/ताप उतर ग्या, अर वा
उठकै उसकी खातर-दारी करण लागी। 16 जिब्ब साँझ होई फेर वो उसके
धोरै घणेए माणसां नै ल्याए जिन म्ह औपरी आत्मा थी अर उसनै उन
आत्मायां ताही आपणे वचन तै लिकाड़ दिया; अर सारे बिमारां ताही ठीक
कर दिया। 17 ताके जो वचन यशायाह नब्बी के जरिए कह्या गया था वो पूरा
हो: “उसनै खुद म्हारी कमजोरी ले ल्यी अर म्हारी बीमारी उठा ल्यी।”
18 यीशु नै जिब्ब आपणे चौगरदू एक भीड़ देख्यी तो झील के उस पार जाण
का हुक्म दिया। 19 फेर एक शास्त्री नै धोरै आकै उसतै कह्या, “हे गुरु, जड़ै
कित्ते तू जावैगा, मैं तेरै पाच्छै हो ल्युंगा।” 20 यीशु नै उसतै कह्या, “लोमड़ियां
की घुरखाण अर अकास के पक्षियां के बसेरे हो सै; पर माणस के बेट्टै खात्तर
सिर छिपाण की भी जगहा कोनी सै।” 21 एक और चेल्यै नै उसतै कह्या, “हे
प्रभु, मन्नै पैहल्ये जाण दे के आपणे पिता ने दफना/दाब द्यु।” 22 यीशु नै उसतै
कह्या, “तू मेरै गैल्या हो ले, अर मुर्दा नै मुर्दे दफनान/ दाबण दे।” 23 जिब्ब वो
किस्ती पै चढ्या, तो उसके चेल्ये उसकै पाच्छै हो लिए। 24 अर देक्खो ,
झील म्ह एक इसा बड्डा अन्धोड़ उठ्या के किस्ती झाल्लां तै ढक्ण लाग्यी, अर
वो सोण लाग रह्या था। 25 फेर चेल्यां नै धोरै आके उस ताही जगाया अर
कह्या, “हे प्रभु, हमनै बचा, हम मरण आळे सां।” 26 उसनै उन ताही कह्या,
“हे अल्पबिश्वासियों/कमजोर बिश्वासियो , क्यों डरो सों?” फेर उसनै उठकै
आँधी अर पाणी ताही धमकाया, अर सारा थम ग्या। 27 अर वे अचम्भा करकै
कहण लाग्ये, “यो किसा माणस सै के आँधी अर पाणी भी उसका हुक्म मानै
सै।” 28 जिब्ब वो उस पार गदरेनियां के देश म्ह पुँह्चा, तो दो माणस जिन म्ह
औपरी आत्मा थी कब्रां तै लिकड़ते होए उसनै मिले। वे इतनै डरावने थे के
कोए उस रास्तै तै जा न्ही सकै था। 29 उन्नै रुक्का मारकै कह्या, “हे पणमेशर
के बेट्टे, म्हारा तेरै तै के काम? के तू बखत तै पैहल्या हमनै दुःख देण आड़ै
आया सै?” 30 उनतै थोड़ी सी दूर पे घणए सुअरां का टोळ चरन लाग रह्या
था। 31 औपरी आत्मायां नै उसतै या कहकै बिनती करी के, “जै तू हमनै
लिकाड़ै सै, तो सुअरां के टोळ म्ह खिन्दा दे। 32 उसनै उनउसनै उन ताही
कह्या, “जाओ!” अर वे ज्या के सुअरां म्ह बैठग्यी अर देक्खो , सारा टोळ
डौळै पै तै तिश्ळ कै पाणी म्ह ज्या पड्या, अर डूब मरां। ताही कह्या, “जावो!”
अर वे ज्या के सुअरां म्ह बैठ ग्यी अर लखावो, सारा टोळ डौळै पै तै तिष्ल
कै पाणी म्ह ज्या पड्या, अर डूब मरांI 33 उनकै पाळी भाज्ये, अर नगर म्ह
ज्याकै ये सारी बात अर जिन म्ह औपरी आत्मा थी उनका सारा हाल कह
सुनाया। 34 फेर सारे नगर के माणस यीशु तै फेटण नै लिक्ड़ाए, अर उस
ताही देख के बिनती करी के म्हारी सीम तै बाहर चल्या ज्या।
9 फेर वो किस्ती म्ह चढ़कै पार गया, अर आपणे नगर म्ह आया। 2 अर
देक्खो , कई माणस लकवे कै एक मरीज नै खाट पै लिटा के उसके
धोरै ल्याए। यीशु नै उनका बिश्वास देखकै, उस लकवे के मरीज तै कह्या, “हे
बेट्टे, धीर बाँध; तेरै पाप माफ होए।” 3 इस पै कई शास्त्रियां नै सोच्या, “यो तो
पणमेशर की बुराई करै 4 यीशु नै उनकै मन की बात जाण के कह्या, “थम
माणस आपणे-आपणे मन म्ह भुंडा बिचार क्यों करण लागरै सों? 5 सोक्खा
के सै? यो कहणा, ‘तेरे पाप माफ होए’, या यो कहणा, ‘उठ अर चल फिर।’
6 पर इस करकै के थम जाण ल्यो के माणस के बेटै नै धरती पे पाप माफ
करण का हक सै। फेर उसनै लकवे के रोगी तै कह्या, “उठ, अपनी खाट
उठा, अर आपणे घरां चल्या ज्या।” 7 वो उठकै आपणे घरा चल्या गया।
8 माणस यो देखके डरगे अर पणमेशर का गुणगान करन लाग्ये जिसनै माणस
ताही इसा हक दिया सै। 9 ओड़ै तै आगै बढ़ के यीशु नै मत्ती नाम के एक
आदमी ताही चुंगी की चौकी पे बैठ्या देख्या, अर उसतै कह्या, “मेरै पाच्छै हो
ले।” वो उठकै उसकै पाच्छै हो लिया। 10 जिब्ब वो घर म्ह खाणा/
रोटीजिम्मण खात्तर बैठे तो घणेए चुंगी लेण आळे अर पापी आकै यीशु अर
उसकै चेल्या के गैल्या जिम्मण बैठे। 11 या देखकै फरीसिया नै उसकै चेल्या
तै कह्या, “थारा गुरु चुंगी लेण आळे अर पापियां कै गैल्या क्यों खावै सै?”
12 या सुणकै यीशु नै उनतै कह्या, “वेद्ध आच्छे बिच्छ्यां खात्तर कोनी पर
बिमारां खात्तर जरूरी सै। 13 इस करकै थम ज्या कै इसका मतलब सीख
ल्यो: ‘मैं कुर्बानी न्ही पर दया चहुँ सूं।’ क्यूँके मैं धर्मियां नै न्ही , पर पापियां नै
बुलाण आया सूं।” 14 फेर यूहन्ना कै चेल्या नै धोरै आणकै कह्या, “के कारण
सै के हम अर फरीसी इतना ब्रत करा सां, पर तेरे चेल्ये ब्रत न्ही करदे?”
15 यीशु नै उनतै कह्या, “के बराती, जिब्ब ताही बंदडा उसके गैल्या सै, शोक
कर सकै सै? पर वे दिन आवैंगे जिब्ब बंदडा उनतै न्यारा करैया जावैगा, उस
टेम वे ब्रत करैगें। 16 नये लत्या की थेग्ली पुराने लत्या पे कोए न्ही ल्यांदा,
क्यूँके वो थेग्ली लत्ते तै और भी लत्ता खुस्का दे सै, अर वो और भी घणा
पाट ज्या सै। 17 अर माणस नया अंगूर का रस पुरानी मश्क म्ह न्ही भरदे,
क्यों के इसा करण तै मश्क पाट ज्या सै, अर अंगूर का रस खिंड ज्या सै,
अर मश्क फुउट ज्या सै; पर नया अंगूर का रस नई मश्कां म्ह भरै सै अर वे
दोनु बचे रहवै सै।” 18 वो उनतै ये बात कहण-ए लागरैया था, के देक्खो , एक
सरदार नै आकै उस ताही नमस्कार करैया अर कह्या, “मेरी बेटी इब्बे मरी
सै, पर चाल के आपणा हाथ उसपै धरै, तो वो जिन्दा हो ज्यागी।” 19 यीशु
उठकै आपणे चेल्या समेत/सुधा उसके पाच्छै हो लियाI 20 अर देक्खो , एक
बीरबानी नै जिसकै बारहा साल तै लहू बैहण की बीमारी थी, पाच्छै तै आकै
उसकै लत्ते के हाथ भीड़ा दिया। 21 क्यूँके वा आपणे मन म्ह कहवै थी, “जै मैं
उसके लत्ते कै ए हाथ लगा ल्युंगी तो ठीक हो ज्यांगी।” 22 यीशु नै घूम कै उस
ताही देख्या अर कह्या, “बेटी धीर बाँध; तेरै बिश्वास नै तेरै ताही ठीक करैया
सै।” आखर वा लुगाई उस्से बखत ठीक होगी। 23 जिब्ब यीशु उस सरदार के
घर म्ह पुहचा अर बाँसली बजान आळे अर भीड़ नै रोळा मचांदे देख्या,
24 फेर कह्या, “हट जावो, छोरी मरी कोणी, पर सोवै सै।” इसपे वे उसका
मखौल करण लाग्ये। 25 पर जिब्ब भीड़ लिकाड़ दी, तो उसनै भीतर ज्या के
उस छोरी का हाथ पकड्या, अर वा जी उठी। 26 अर इस बात का जिक्र सारे
देश म्ह फैल ग्या। 27 जिब्ब यीशु ओड़ै तै आगै बढ़ा, तो दो आंधे उसकै पाच्छै
या कहन्दे होए चाल्ये, “हे दाऊद की ऊलाद, म्हारै पे दया कर!” 28 जिब्ब वो
घर म्ह पुह्चा, तो वे आंधे उसके धोरै आये, अर यीशु नै उनतै कह्या, “के
थमनै बिश्वास सै के मैं यो कर सकू सूं?” उन्नै उसतै कह्या, “हाँ प्रभु!” 29 फेर
उसनै उनकी आँखां कै हाथ ल्याकै कह्या, “थारै बिश्वास के मुताबिक थारै
खात्तर हो।” 30 अर उनकी आँख खुल ग्यी। यीशु नै उनतै समझां के कह्या,
“चौकस, कोए इस बात नै न्ही जाणै।” 31 पर उन्नै मिलकै सारे देश म्ह उसका
नाम फैला दिया। 32 जिब्ब वे बारणे जाण लागरै थे, तो देक्खो , “माणस एक
गूँगे नै जिस म्ह औपरी आत्मा थी, उसके धोरै ल्याए; 33 अर जिब्ब औपरी
आत्मा लिकाड़ दी, तो गूँगा बोलण लाग्या। इस पै भीड़ नै अचम्भा करकै
कह्या, “इस्राएल म्ह इसा कदे न्ही देख्या गया।” 34 पर फरीसियां नै कह्या,
“यो तो औपरी आत्मायां के सरदार की मदद तै औपरी आत्मायां नै लिकाड़ै

सै।" 35 यीशु सारे नगरा अर गाम्मा म्ह घुमदा रह्या अर उनके मंदरां म्ह
उपदेश देंदा, अर राज्य की सुसमाचार का प्रचार करदा, अर हरेक तरियां की
बीमारी अर कमजोरी नै दूर करदा रह्या। 36 जिब्ब उसनै भीड़ देखी तो उसनै
माणसां पै तरस आया, क्यूँके वे उन भेड्या की ढाळ थे, जिनका कोए
रुखाळी ना हो, बेचैन अर भटके होए से थेI 37 फेर उसनै आपणे चेल्या तै
कह्या, "पके खेत तो घणे सै पर मजदूर थोड़े सै। 38 इस करकै खेत के
मालिक तै बिनती करो के वो आपणे खेत काटण खात्तर मजदूर खिन्दा दे।"
10 फेर उसनै आपणे बारहा चेल्या नै धोरै बुलाके, उन्नै औपरी
आत्मायां पै हक दिया के उन्नै लिकाड़ै अर सारी ढाळ की बिमारियां
अर सारी ढाळ की कमजोरियां नै ठीक करै। 2 इन बारहा प्रेरितां के नाम ये
सै: पहल्या शमौन, जो पतरस कुह्लावै सै, अर उसका भाई अन्द्रियास, जब्दी
का बेट्टा याकूब, अर उसका भाई यूहन्ना; 3 फिलिप्पुस, अर बरतुल्मै, थोमा,
अर चुंगी लेण आळा मत्ती, हलफई का बेटा याकूब, अर तद्दे, 4 शमौन
कनानी, अर यहूदा इस्करियोती जिसनै वो पकड़वा भी दिया। 5 इन बारहां तै
यीशु नै यो हुक्म देके खिन्दया: "गैरजातियां कान्नी ना ज्याइयो, अर
सामरियां के किस्से नगर म्ह दाखल ना होइये। 6 पर इस्राएल के कुणबे की ए
खुई होड़ी भेड्डा के धोरै जाइये। 7 अर चालते-चालते यो प्रचार करो: सुर्ग का
राज्य धोरै आ ग्या। 8 बिमारां नै ठीक करो, मरै होए नै जीवाओ, कोढ़ियां नै
शुध्द करो, औपरी आत्मायां नै लिकाड़ो। थमनै मुफत लिया सै मुफत द्यो।
9 आपणे अंगोछां म्ह ना तो सोन्ना, अर ना चाँदी, अर ना ताम्बा राखियो;
10 रास्ते खात्तर ना झोळी लियो, ना दो कुड़ते, ना जुत्ती अर ना लाठी ल्यो,
क्यूँके मजदूर नै उसका खाणा मिलना चाहिए। 11 "जिस किस्से नगर या गाम
म्ह जावओ, तो बैरा पाड़ौ के कुण लायक सै। अर जिब्ब ताही ओड़ै तै ना
लिकड़ो, उस्से के गेल्या रहों। 12 घर म्ह बड़ते आणी उसनै शीश दिए। 13 जै
उस घर के माणस लायक होंगे तो थारा कल्याण उन पै पुहँचगा, पर जै वे
लायक ना हों तो थारा कल्याण थारै धोरै उल्टा ए आ ज्यागा। 14 जो कोए
थमनै ना अपनावै अर थारी बात ना सुणै, उस घर या उस नगर तै लिक्ड़ते
आणी आपणे पैरां की धूल झाड़ लियो। 15 मैं थमनै सच्ची कहूँ सूं के न्याय के
दिन उस नगर की दशा तै सदोम अर अमोरा के देश की दशा घणी सहण
लायक होगी। 16 "देक्खो , मैं थमनै भेड्डा की तरियां भेड़ियां के बिचाल्ये
खिन्दाऊ सूं, इस करकै साँपां की तरियां अक्लमंद अर कबुतरां की तरियां
भोले बणो। 17 पर माणसां तै चौकस रहों, क्यूँके वे थमनै बड्डी पंचायतां म्ह
सौंपैगे, अर अपनी पंचायतां म्ह थारै कोड़े मारेंगे। 18 थम मेरै खात्तर हकीमां
अर राजां के स्याम्ही उन पे, अर गैरजातियां पे गवाह होण के खात्तर खिन्दाए
जावोगें। 19 जिब्ब वे थमनै पकड़वावैगें तो या फिकर ना करयो के हम किस
रीति तै या के कहवागें, क्यूँके जो किम्में थारे ताही कहणा होगा, वो उस्से
बखत थारै ताही बता दिया ज्यागां। 20 क्यूँके बोलण आळे थम न्ही सों, पर
थारे पिता की आत्मा थारे म्ह बोलै सै। 21 "भाई, भाई नै अर पिता बेट्टें नै,
घात के खात्तर सौंप देंगें, अर बाळक आपणे माँ बाप के विरोध म्ह उठ कै
उन्नै मरवा देंगें। 22 मेरै नाम के कारण सारे माणस थारै तै बैर करैगें, पर जो
आखर ताही सबर राखैगा उस्से का कल्याण होगा। 23 जिब्ब वे थमनै नगर
म्ह सतावै, तो दूसरे म्ह भाग ज्याइओ। मैं थमनै सच्च कहूँ सूं, थम इस्राएल के
सारे नगरां म्ह न्ही घूम सकोगें के माणस का बेटा आ ज्यागा। 24 "चेल्या
आपणे गुरु तै बड्डा न्ही होंदा; अर ना नौक्कर आपणे माल्लिक तै। 25 चेल्यै का
गुरु के, अर नौक्कर का माल्लिक के बराबर होणा ए भोत सै। जिब्ब उन्नै घर के
माल्लिक तै शैतान कह्या तो उसके घरआळां नै के किमे न्ही कहवैगे! 26 "इस
करकै माणसां तै ना डरो; क्यूँके किमे ढँका न्ही जो खोल्या ज्यागा, अर ना
किमे ल्हूक्या सै जो जाणा न्ही ज्यागा। 27 जो मैं थारै तै अन्धेरे म्ह कहूँ सूं,
उसनै थम चान्दणे म्ह कहो; अर जो कानां तै सुणौ सों, उसनै छातां पै चढ़ के
प्रचार करो। 28 जो देही पे वार करै सै, पर आत्मा पे वार न्ही कर सकदे,
उनतै ना डरये; पर उसतै डरयो, जो आत्मा अर देही दोनुआ नै नरक म्ह
नाश कर सकै सै। 29 के पिस्या म्ह दो गोरिया न्ही बिकदी? तो भी थारे पिता
की मर्जी के बिना उन म्ह तै एक भी धरती पे न्ही गिर सकदी। 30 थारै सिर के
बाळ भी सारे गिणे होड़े सै। 31 इस करकै डरो ना; थम भोत गोरियां तै बढ़ के
सों। 32 जो कोए मन्नै माणसां के स्याम्ही मान लेगा, उसनै मैं भी आपणे सुर्गीय
पिता के स्याम्ही मान ल्युंगा। 33 पर जो कोए माणसां के स्याम्ही मेरा इन्कार
करैगा, उसनै मैं भी आपणे सुर्गीय पिता के स्याम्ही इन्कार करूँगा। 34 "यो ना
समझो के मैं धरती पे मिलाप करवान आया सूं; मैं मिलाप करवान न्ही , पर
तलवार चलान आया सूं। 35 मैं तो आया सूं के; 'माणस नै उसके पिता तै,
अर बेटी नै उसकी माँ तै, अर बहू नै उसकी सास तै न्यारा कर द्यु; 36 माणस
के बैरी उसके घर के ए लोग होंगे।' 37 "जो माँ या बाप नै मेरै तै घणा प्यारा
मान्यै सै, वो मेरै लायक कोणी; अर जो बेटा या बेटी नै मेरै तै घणा प्यारा
मान्यै सै, वो मेरै लायक कोणी; 38 अर जो आपणा क्रूस लेके मेरै पाच्छै न्ही
चाल्यै वो मेरै लायक कोणी। 39 जो आपणे प्राण/जान बचावै सै, वो उसनै
खोवैगा; अर जो मेरै कारण अपणा प्राण/जान खोवै सै, वो उसनै पावैगा।
40 "जो थमनै मान ले सै, वो मन्नै मान लेवै सै; अर जो मन्नै मान ले सै, वो मेरै
भेझण आळां नै मान ले सै। 41 जो नब्बियां नै नब्बी जाण के मान्यै, वो
नब्बियां का बदला पावैगा; अर जो धर्मी नै धर्मी जाण के मान्यै, वो धर्मी का
बदला पावैगा। 42 जो कोए इन छोट्या म्ह तै एक ने मेरा चेल्या जाण के सिर्फ
एक कटोरा ठंडा पाणी पियावैगा, मैं थमनै सच कहूँ सूं, वो किस्से रीति तै
आपणा ईनाम न्ही खोवैगा।
11 जिब्ब यीशु नै आपणे बारहा चेल्यां ताही हुक्म दे दिया, तो वो उनकै
नगरां म्ह उपदेश अर प्रचार करण नै ओड़ै तै चल्या गया| 2 युहन्ना
नै जेळ म्ह मसीह के काम्मां की खबर सुणी अर आपणे चेल्यां ताही उसतै
न्यू बुझ्झण खन्दाया, 3 "के आणआळा तू ए सै, या हम किसे वोर की बाट
देक्खा?" 4 यीशु नै जबाब दिया, "जो कीमे थम सुणो सो अर देक्खो सो, यो
सारा जाकै युहन्ना ताही कह द्यो, 5 के आंधे देखै सै अर लंगड़े चालै-फिरै सै,
कोढ़ी शुद्ध करे जावै सै अर बहरे सुणै सै, मुर्दे जिन्दे करे जावै सै, अर कंगाला
ताही सुसमाचार सुणाया जावै सै| 6 अर धन्य सै वो, जो मेरै बाबत ठोकर
कोनी खांदा|" 7 जिब्ब वे ओड़ै तै चाल दिये, तो यीशु युहन्ना कै बारे म्ह
माणसां तै कहण लाग्या, "थम बण म्ह के देखण गये थे? के बाळ तै हाल्दे
होये सरकण्डे नै? 8 फेर थम के देखण गये थे? के सुथरे लत्ते पहरे होड़
माणस ताही? देक्खो, जो सुथरे लत्ते पहरै सै, वे महल्ला म्ह रहवै सै| 9 तो
फेर क्यांतै गये थे? के किसे नब्बी नै देखण ताही? हम्बै, मै थमनै कहूँ सूं के
नब्बी तै भी बड्डे ताही| 10 यो वोए सै जिसकै बारे म्ह लिख्या सै : 'देख, मै
आपणे दूत ताही तेरै आगै खन्दाऊँ सूं, जो तेरै आगै तेरा रास्ता त्यार
करैगा|' 11 मै थमनै कहूँ सूं के जो लुगाईयां तै जंणे सै, उनम्ह तै युहन्ना
बपतिस्मा देणआळे तै बड्डा कोए न्ही होया; पर जो सुर्ग कै राज म्ह छोट्टे तै
भी छोट्टा सै वो उसतै बड्डा सै| 12 युहन्ना बपतिस्मा देण आळे के दिनां तै इब
ताही सुर्ग के राज म्ह हान्गे तै बड़दा रहया सै, अर ठाड्डा उसनै खोस लेवै
सै| 13 युहन्ना ताही सारे नब्बी अर नियम-कायदे भविष्यवाणी करदे रहे|
14 अर चाहो तो मान्नो के एलिय्याह जो आण आळा था, वो योए सै|
15 जिसकै सुनण के कान हो, वो सुण ले| 16 "मै इस बखत के माणसां की
बराबरी किस तै करूँ? वे उन बाळका की ढाळ सै, जो बजारां म्ह बैठे होड़
एक दुसरे तै रुक्का मारकै कहवै सै : 17 'हमनै थारै खातर बाँसली बजाई, अर
थम कोनी नाच्चे; हमनै बिलाप करया, अर थमनै छात्ती कोनी पिट्टी|'
18 क्यूँके युहन्ना ना खांदा आया अर ना पिन्दा, अर वे कहवै सै, 'उसम्ह
औपरी आत्मा सै|' 19 माणस का बेट्टा खांदा-पिन्दा आया, अर वे कहवै सै
'देक्खो, पेट्टू अर पियक्कड़ माणस, महसूल लेणआळे अर पापियां का मित्तर!'
पर ज्ञान आपणे काम्मां तै साच्चा ठहराया गया सै|" 20 फेर वो उन नगरा
ताही उलाहना देण लाग्या, जिनम्ह उसनै घणे सामर्थ के काम करे थे, क्यूँके
उन्नै आपणा मन कोनी फिराया था| 21 "हाय, खुराजिन! हाय, बैत्तसैदा! जो
सामर्थ के काम थारै म्ह करे गये, जै वे सूर-सैदा म्ह करे जान्दे, तो टाट वोढ़
कै, अर राख म्ह बैठ कै वे कदे के मन फिरा लेंदे| 22 पर थम नै कहूँ सूं के
न्याय कै दिन थारी हालत तै सूंर-सैदा की हालत घणी सहण जोग्गी होवैगी|
23 हे कफरनहूम, के तू सुर्ग ताही ऊँच्चा करया जावैगा! तू तो अधोलोक तक
नीचै जावैगा जो सामर्थ के काम तेरै म्ह करे गये सै, जै सदोम म्ह करे जान्दे,
तो वो आज ताही बणया रहन्दा| 24 पर मै थमनै कहूँ सूं के न्याय के दिन तेरी
हालत तै सदोम की हालत घणी सहण जोग्गी होवैगी|" 25 उस्से टेम यीशु नै
कह्या, "हे पिता जी, सुर्ग अर धरती के प्रभु, मै तेरा शुक्रियादा करूँ सूं के तन्नै
इन बात्तां ताही ज्ञानियाँ अर समझदारां तै ल्कोए राख्या, अर बाळका ताही
दिखा दिया सै| 26 हम्बै, हे पिता जी, क्यूँके तन्नै योए भाया| 27 "मेरे पिता नै

मेरै ताही सारा किमे सौप्या सै; अर कोए बेट्टै ताही कोनी जाणदा, सिर्फ पिता; अर कोए पिता ताही कोनी जाणदा, सिर्फ बेट्टा; अर वो जिस पै बेट्टा उस ताही प्रगट करना चाहवै| 28 "हे सारे महनत करण आळयो अर बोझ तै दबे होड़ माणसों, मेरै धोरै आवो; मै थमनै बिश्राम द्युँगा|" 29 मेरा जुआ आपणे ऊपर ठा ल्यो, अर मेरै तै सीक्खो; क्युँके मै नरम अर मन म्ह दीन सूं: अर थम आपणे मन म्ह बिश्राम पावोगे| 30 क्यूँके मेरा जुआ सोखा अर मेरा बोझ हल्का सै

12 उस बखत यीशु सब्त कै दिन खेत्तां म्ह तै होकै जावै था, अर उसके चेल्यां नै भूख लाग्गी तो वे बालें तोड़-तोड़कै खाण लाग्गे| 2 फरीसियाँ नै न्यू देखकै उसतै बोल्ले, "देख, तेरे चेल्ले वो काम करै सै, जो सब्त कै दिन करणा ठीक कोनी|" 3 यीशु बोल्या, "के थमनै न्ही पढ़या, के दाऊद नै, जिब्ब वो अर उसके मित्तर भूखे होये तो के करया?" 4 वो किस तरिया पणमेशर कै घरा गया, अर भेंट की रोट्टी खाई, जिनका खाणा ना तो उस ताही अर ना उसके मित्तरां ताही पर सिर्फ याजकां ताही सही था? 5 या के थमनै नियम-कायदा म्ह न्ही पढ़या के याजक सब्त कै दिन मन्दर म्ह सब्त कै दिन की बिधि ताही तोड़ण पै भी बेकसूर ठहरै सै? 6 पर मै थमनै कहूँ सूं के उरै वो सै जो मन्दर तै भी बड्डा सै| 7 जै थम इसका मतलब जाणदे, 'मै दया तै राज़ी होऊँ सूं, बलिदान तै न्ही ,' तो थम बेकसूर ताही कसूरवार कोनी ठहरान्दे| 8 माणस का बेट्टा तो सब्त कै दिन का भी प्रभु सै|" 9 ओड़ै तै चालकै वो उनके आराधनालय म्ह आया| 10 ओड़ै एक माणस था, जिसका हाथ सुखरया था| उन्नै यीशु पै दोष लाण खातर उसतै बुझ्झया, "के सब्त कै दिन चंगा करणा ठीक सै?" 11 उसनै उनतै कह्या, "थारै म्ह तै इसा कौण सै जिसकी एक ए भेड़ हो, अर वा सब्त कै दिन खडहे म्ह पड़ जावै, तो वो उसताही पकड़कै न्ही काड्डै? 12 भला, माणस का मोल भेड़ तै कितना बाध सै! ज्यांतै सब्त कै दिन भलाई करणा ठीक सै|" 13 फेर उसनै उस माणस तै कह्या, "आपणा हाथ बढ़ा|" उसनै बढ़ाया, अर वो दुसरे हाथ की तरिया चंगा होग्या| 14 फेर फरिसियाँ नै बाहरण जाकै उसकै बिरोध म्ह सलाह करी के उसका नास किस तरिया करया जावै| 15 न्यू जाणकै यीशु ओड़ै तै चल्या गया| अर घणे माणस उसकै पाच्छै हो लिए, अर उसनै सारया ताही चंगा करया, 16 अर उन ताही चिताया के मेरै बारै म्ह ना बताणा, 17 ताके जो बचन यशायाह नब्बी कै जरिये कहया गया था, वो पूरा हो : 18 "देक्खो, यो मेरा सेवक सै, जिस ताही मन्नै छाट्या सै; मेरा प्यारा, जिसतै मेरा मन राज़ी सै :मै आपणा आत्मा उसपै तारुगाँ, अर वो दूसरी जात्तां नै न्याय की खबर देवैगा| 19 वो ना रोळा करैगा, अर ना किल्की मारैगा, ना बजारां म्ह उसका कोए शब्द सुणैगा| 20 वो कुचले होड़ सरकण्डया ताही कोनी तोड़ैगा, धुम्मा देन्दी होई बत्ती ताही कोनी बुझावैगा, जीब्ब ताही वो न्याय नै प्रबल न्ही करावै| 21 अर दूसरी जात उसकै नाम पै आस राखैगी|" 22 फेर माणस एक आंधे-गूँगे नै जिसम्ह औपरी आत्मा थी, उसकै धोरै ल्याए; अर उसनै उस ताही चंगा करया, अर वो बोल्लण अर देखण लाग्या| 23 इस पै सारे माणस हैरान होकै कहण लाग्गे, "यो के दाऊद की ऊलाद सै!" 24 पर फरिसियाँ नै न्यू सुणकै कह्या, "यो तो औपरी आत्मायाँ का सरदार बालजबूल की मदद कै बगैर औपरी आत्मायाँ ताही कोनी काढदा|" 25 उसनै उनकी मन की बात जाणकै उनतै कह्या, "जिस किसे राज म्ह फूट होवै सै, वो उजड़ जावै सै; अर कोए नगर या घराना जिसम्ह फूट होवै सै, बणया कोनी रहवैगा| 26 अर जै शैतान ए शैतान नै काड्डै, तो वो आपणा ए बिरोधी बणग्या; फेर उसका राज किस तरिया बणया रहवैगा? 27 भला, जै मै शैतान की मदद तै औपरी आत्मायाँ नै काड्डू सूं, तो थारी पीढ़ी किसकी मदद तै काड्डै सै? इसकरकै वैए थारा न्याय करैगें| 28 पर जै मै पणमेशर की मदद तै औपरी आत्मायाँ ताही काड्डू सूं, तो पणमेशर का राज थारै धोरै आण पहोच्या सै| 29 या किस तरिया कोए माणस किसे ठाड्डे माणस कै घरा बड़कै उसका माळ लूट सकै सै जिब्ब ताही के पहल्या उस ठाड्डे ताही ना जुड़ ले? जिब्ब वो उसका घर लूट लेवैगा| 30 जो मेरै गेल्या न्ही वो मेरै बिरोध म्ह सै, अर जो मेरै गेल्या न्ही कट्ठा करदा वो खिंडावै सै| 31 ज्यांतै मै थारै तै कहूँ सूं के माणस का सारे ढाळ का पाप अर बुराई बख्शी जावैगी, पर पवित्र आत्मा की बुराई बख्शी कोनी जावैगी| 32 जो कोए माणस के बेट्टे कै बिरोध म्ह कोए बात कहवैगा, उसका यो कसूर बख्शा जावैगा, पर जो कोए पवित्र आत्मा कै बिरोध म्ह कीमे कहवैगा, उसका कसूर ना तो इस लोक म्ह अर ना परलोक म्ह बख्शा जावैगा| 33 "जै दरख्त नै बढ़िया कहो, तो उसकै फळ नै भी बढ़िया कहो, या दरख्त नै निकम्मा कहो, तो उसकै फळ नै भी निकम्मा कहो, क्यूँके दरख्त आपणे फळ तै ए पिच्छाणा जावै सै| 34 हे नाग के बच्चो, थम भुन्डे होकै किस तरिया बढ़िया बात कह सको सो? क्यूँके जो मन म्ह भरया सै, वोए मुँह पै आवै सै| 35 भला माणस मन कै भले भण्डारै तै भली बात काड्डै सै, अर भुंडा माणस मन कै भुन्डे भण्डारै तै भुंडी बात काढै सै| 36 अर मै थारै तै कहूँ सूं के जो-जो निकम्मी बात माणस कहवैगें, न्याय कै दिन वे हरेक उस बात का लेखा देवैगें| 37 क्यूँके तू आपणी बात्तां कै कारण बेकसूर, अर आपणी बात्तां ए कै कारण कसूरवार ठहराया जावैगा|" 38 इस पै कीमे शास्त्रियाँ अर फरिसियाँ नै उसतै कह्या, "हे गुरु, हम तेरै तै एक निशान्नी देखना चाहवा सा|" 39 उसनै उन ताही जबाब दिया, "इस युग के भुन्डे अर जार माणस निशान्नी टोहवै सै, पर योना नब्बी की निशानी नै छोड़ कोए और निशान्नी उन ताही कोनी देई जावैगी| 40 योना तीन रात-दिन व्हेल जल-जन्तु कै पेट म्ह रहया, उस्से तरिया ए माणस का बेट्टा तीन रात-दिन धरती कै भीत्तर रहैगा| 41 निनवे के माणस न्याय कै दिन इस युग के माणसां कै गेल्या उठकै उन ताही कसूरवार ठहरावैगें, क्यूँके उन्नै योना का प्रचार सुणकै मन फिराया; अर देक्खो, उरै वो सै जो योना तै भी बड्डा सै| 42 दक्षिण की रानी न्याय दिन इस युग के माणसां कै गेल्या उठकै उन ताही कसूरवार ठहरावैगी, क्यूँके वा सुलैमान का ज्ञान सुणन कै खातर धरती कै सिरे तै आई; अर देक्खो, उरै वो सै जो सुलैमान तै भी बड्डा सै 43 "जिब्ब अशुद्ध आत्मा माणस म्ह तै लिकड़ कै जावै सै, तो सुक्खी जंगहा म्ह आराम टोहन्दी फिरै सै, अर पांदी कोनी| 44 फेर कहवै सै, 'मै आपणे उस्से घर म्ह जित तै लिकड़ी थी, बोहड़ जाऊँगी|' अर बोहड़कै उस ताही सुन्ना, झाड़ा-बुहारा अर शज्या-धज्या पावै सै| 45 फेर वा जाकै आपणे तै और भूंडी सात आत्मायाँ ताही आपणे गेल्या लीयावै सै, अर वे उसम्ह बडकै ओड़ै बास करै सै, अर उस माणस की पाच्छल्ली हालत पहल्या तै भी भूंडी हो जावै सै| इस युग के भुन्डे माणसां की हालत भी इसी ए होवैगी|" 46 जिब्ब वो भीड़ तै बात करण ए लागरया था, तब उसकी माँ अर भाई बाहरणै खड़े थे अर उसतै बात करणा चाहवै थे| 47 किसे नै उसतै कह्या, "देख, तेरी माँ अर तेरे भाई बाहरणै खड़े सै, अर तेरै तै बात करणा चाहवै सै|" 48 या सुणकै उसनै कहण आळे ताही जबाब दिया, "कौण सै मेरी माँ? अर कौण सै मेरे भाई?" 49 अर आपणे चेल्यां की कान्नी आपणा हाथ बढ़ा कै कह्या, "देक्खो, मेरी माँ अर मेरे भाई ये सै| 50 क्यूँके जो कोए मेरे सुर्गीय पिता की इच्छा पै चालै वो ए मेरा भाई अर मेरी बाहण अर मेरी माँ सैI

13 उस्से दिन यीशु घर तै लिकड़कै झील कै कंठारै पै जा बैठया| 2 अर उसकै धोरै इसी भीड़ कट्ठी होई के वो किस्ती पै चढ़ग्या, अर सारी भीड़ कंठारै पै खड़ी रही| 3 अर उसनै उनतै उदाहरणा म्ह घणी ए बात कहीं : "एक बोण आळा बीज बोण लिकड़या | 4 बोंदे बखत कीमे बीज राही कै कंठारै पड़े अर पन्छियाँ नै आकै चुग लिया| 5 कीमे बीज पथरीली धरती पै पड़े, जड़ै उनताही घणी माट्टी ना मिली अर डून्घी माट्टी ना मिलण कै कारण वे तोळे जाम आए| 6 पर सूरज लिकड़णै पै वे जळगे, अर जड़ ना पकड़ण कै कारण सुखगे| 7 कीमे बीज झाड़ियाँ म्ह पड़े, अर झाड़ियाँ नै बढ़कै उन ताही दाब लिया| 8 पर कीमे बीज बढ़िया धरती पै पड़े, अर फळ ल्याए, कोए सौ गुणा, कोए साठ गुणा, अर कोए तीस गुणा| 9 जिसकै कान हो वो सुण लेवै|" 10 चेल्यां नै धोरै आकै उसतै कह्या, "तू माणसां तै उदाहरणा म्ह क्यांतै बात करै सै?" 11 उसनै जबाब दिया, "थारै ताही सुर्गराज के भेद्यां की समझ दी गई सै, पर उन ताही न्ही | 12 क्यूँके जिसकै धोरै सै, उसतै दिया जावैगा, अर उसकै धोरै घणा हो जावैगा; पर जिसकै धोरै कीमे न्ही सै. उसतै जो कीमे उसकै धोरै सै, वो भी ले लिया जावैगा| 13 मै उनतै उदाहरणा म्ह ज्यांतै बात करूँ सूं के वे देखदे होए कोनी देखदे अर सुणदे होए कोनी सुणदे, अर न्ही समझदे| 14 उनकै बाबत यशायाह की या भविष्यवाणी पूरी होवै सै : 'थम कान्ना तै तो सुणोगे, पर समझोगे कोनी; अर आँखा तै तो देक्खोगे, पर थमनै कोनी सूझैगा| 15 क्यूँके इन माणसां का मन मोट्टा होग्या सै, अर वे कान्ना तै ऊँच्चा सुणै सै अर उन्नै आपणी आँख मूंद ली सै; कदे इसा ना हो के वे आँखा तै देखै, अर कान्ना तै सुणै अर मन तै

समझै, अर पलट जावै, अर मै उन्नै चंगा करूँ।' 16 पर धन्य सै थारी आँख, के वे देखै सै; अर थारे कान के वे सुणै सै| 17 क्यूँकै मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के घण खरे नब्बियाँ नै अर धर्मिया नै चाहया के जो बात थम देक्खो सो, देखै, पर नी देक्खीं; अर जो बात थम सुणो सो, सुणै, पर नी सुणी| 18 "इब थम बोण आळे के उदाहरण का मतलब सुणो : 19 जो कोए राज्य का बचन सुणकै कोनी समझदा, उसकै मन म्ह जो कीमे बोया गया था, उस ताही दुष्ट आकै खोस ले जावै सै| यो वो ए सै जो राही कै कंठारै बोया गया था| 20 अर जो पथरीली धरती पै बोया गया, यो वो सै, जो वचन सुणकै जिब्बे खुशी कै गेल्या मान लेवै सै| 21 पर आपणे म्ह जड़ नी राखण कै कारण वो माड़े से दिन का सै, अर जिब्ब वचन कै कारण क्लेश या संकट होवै सै, तो जिब्बे ठोकर खावै सै| 22 जो झाड़ियाँ म्ह बोया गया, यो वो सै, जो वचन ताही सुणै सै, पर इस दुनिया की फ़िक्र अर धन का धोक्खा वचन ताही दाबै सै, अर वो फळ न्ही ल्यांदा| 23 जो बढ़िया धरती पै बोया गया, यो वो सै, जो वचन ताही सुणकै समझै सै, अर फळ ल्यावै सै; कोए सौ गुणा, कोए साठ गुणा, अर कोए तीस गुणा|" 24 यीशु नै उन ताही एक और उदाहरण दिया : "सुर्ग का राज उस माणस के जिसा सै जिसनै आपणै खेत मै बढ़िया बीज बोया| 25 पर जिब्ब माणस सोवै थे तो उसका बैरी आकै गेहू कै बिच्चाळै जंगली बीज बोकै चल्या गया| 26 जिब्ब अंकुर लिकड़े अर बाल लाग्गी, तो जंगली दाण्या के पौधे भी दिखण लाग्गे| 27 इस पै घरेलू नौकरा नै आकै उसतै कह्या, 'हे मालिक, के तन्नै आपणे खेत म्ह बढ़िया बीज कोनी बोया था? फेर जंगली दाण्या के पौधे उसम्ह कित तै आए?' 28 उसनै उनतै कह्या, "यो किसे बैरी का काम सै|' नौकरां नै कह्या, "के तेरी मर्जी सै के हम जाकै उन ताही कट्ठे करा?" 29 उसनै कह्या, 'ना, इसा ना हो के जगली दाण्या के पौधे कट्ठे करदे हाण थम उनकै गेल्या गेहू नै भी पाड़ ल्यो| 30 लामणी ताही दोनुआ नै एक सेत्ती बधण द्यो, अर लामणी के बखत मै काटण आळा तै कहूँगा के पहल्या जंगळी दाण्या के पौधे कट्ठे करकै बाळण खातर उनके भरोट्टे जुड़ ल्यो, अर गेहू ताही मेरै खत्ते म्ह कट्ठा करो'|" 31 उसनै उन ताही एक और उदाहरण दिया : "सुर्ग का राज राई कै एक दाणै कै जिसा सै, जिस ताही किसे माणस नै लेकै आपणे खेत म्ह बो दिया| 32 वो सारे बिज्जां तै छोट्टा तो होवै सै पर जिब्ब बध जावै सै फेर सारे साग-पात तै बड्डा होवै सै; अर इसा दरख्त हो जावै सै के अकास के पंछी आकै उसकी डाळीयाँ पै बसेरा करै सै|' 33 उसनै एक और उदाहरण उन ताही सुणाया : "सुर्ग का राज खमीर कै जिसा सै जिस ताही किसे लुगाई नै लेकै तीन पसेरी चून म्ह रळाया अर होंदे-होंदे वो सारा खमीरा बणग्या|" 34 ये सारी बात यीशु नै उदाहरणा म्ह माणसां तै कहीं, अर बिना उदाहरण वो उनतै कीमे न्ही कहवै था, 35 के जो वचन नब्बी कै जरिये कहया गया था, वो पूरा होवै: "मै उदाहरण कहण नै आपणा मुँह खोल्लुँगा: मै उन बात्तां नै जो दुनिया की पैदाईस तै लुह्की होई सै, प्रगट करूँगा|" 36 फेर वो भीड़ नै छोड़ कै घरा आया, अर उसके चेल्यां नै उसकै धोरै आकै कह्या, "खेत म्ह जंगली दाणै का उदाहरण म्हारै ताही समझा दे|" 37 उसनै उन ताही जबाब दिया, "बढ़िया बीज का बोण आळा माणस का बेट्टा सै| 38 खेत दुनिया सै, बढ़िया बीज राज्य की ऊलाद, अर जंगली बीज दुष्ट की ऊलाद सै| 39 जिस बैरी नै उन ताही बोया वो शैतान सै; लामणी दुनिया का खात्मा सै, अर काटण आळे सुर्गदुत सै| 40 आखर म्ह जिस तरिया जंगली दाणे कट्ठे करे जावै अर बाळे जा सै उस्से तरिया दुनिया का खात्मा होवैगा| 41 माणस का बेट्टा आपणे सुर्गदुता नै खन्दावैगा, अर वे उसकै राज्य म्ह तै सारे ठोकरा के कारणा नै अर भुन्डे काम करणीयां नै कट्ठे करैगें| 42 अर उन्नै आग कै कुण्ड म्ह गेरैगें, जड़ै रोणा, अर दाँत पिसना होवैगा| 43 उस बखत धर्मी आपणे बाप कै राज्य म्ह सूरज की ढाळ चमकैगें| जिसके कान हो वो सुण लेवै| 44 सुर्ग का राज्य खेत म्ह लुके होड़ धन की ढाळ सै, जिस ताही किसे माणस नै पाया अर लको दिया, अर मारे खुशी कै आपणा सारा कीमे बेच दिया अर उस खेत ताही मोल ले लिया| 45 "फेर सुर्ग का राज्य एक ब्योपारी की तरिया सै जो आच्छे मोतियां की टोह म्ह था| 46 जिब्ब उसनै एक घणा महंगा मोती मिल्या तो उसनै जाकै आपणा सारा कीमे बेच दिया अर उस ताही मोल ले लिया| 47 "फेर सुर्ग राज्य उस बड्डे जाळ की ढाळ सै जो समुन्दर म्ह गेरया जावे, अर हरेक ढाळ की मच्छी ताही समेट ल्यावै| 48 अर जिब्ब जाळ भरग्या, तो मछियारे उस ताही कंठारै पै खींच ल्यावै, अर बैठकै बढ़िया-बढ़िया तो बासणा म्ह कट्ठा करी अर बेकार बगा दीं| 49 दुनिया के अन्त म्ह इस तरिया ए होवैगा| सुर्गदुत आकै दुष्टा नै धर्मिया तै न्यारे करैगें, 50 अर उन्नै आग कै कुण्ड म्ह गेरैगें| जड़ै रोणा, अर दाँत पिसना होवैगा| 51 "के थम नै ये सारी बात समझीं?" उन्नै उसतै कह्या, "हम्बै|" 52 यीशु नै उनतै कह्या, "इसकरकै हरेक शास्त्री जो सुर्ग कै राज्य का चेल्ला बणया सै, उस घरवासे की तरिया सै जो आपणे भण्डार तै नयी अर पुराणी चीज काड्ढै सै|" 53 जिब्ब यीशु नै ये सारे उदाहरण कह लिये, तो ओड़ै तै चल्या गया| 54 अर आपणे नगर म्ह आकै उनकै आराधनालय म्ह उन्नै इसा उपदेश देणं लाग्या के वे हैरान होकै कहण लाग्ये, "इसनै यो ज्ञान अर सामर्थ के काम कित तै मिले? 55 के यो खात्ती का छोरा कोनी? अर के इसकी माँ का नाम मरियम अर इसके भाईयां के नाम याकूब, युसूफ, शमौन अर यहूदा कोनी? 56 अर के इसकी सारी बेब्बे म्हारै बिच्चाळै कोनी रह्न्दी? फेर इसनै यो सारा कित तै मिल्या?" 57 इस तरिया उन्नै उसकै कारण ठोकर खाई, पर यीशु नै उनतै कह्या, "नब्बी का आपणे देश अर घर नै छोड़ और कीते निरादर कोनी होन्दा|" 58 अर उसनै ओड़ै उनके अबिश्वास कै कारण घणे सामर्थ्य के काम कोन्या करै।

14 उस टैम चौथाई देश के राजा हेरोदेस नै यीशु का जिक्रा सुणया, 2 अर उसनै आपणे नौकरा तै कह्या, "यो युहन्ना बपतिस्मा देण आळा सै! वो मरे होया म्ह तै जिन्दा उठ्या सै, ज्यांतै उसतै सामर्थ के काम प्रगट होवै सै 3 क्यूँकै हेरोदेस नै आपणे भाई फिलिपुस की बीरबान्नी हेरोदियास कै कारण, युहन्ना ताही पकड़ कै जुड़या अर जेळ म्ह गेर दिया था| 4 क्यूँकै युहन्ना नै उसतै कहया था के इस ताही राखणा तेरै खातर ठीक कोनी सै| 5 ज्यांतै वो उसनै मारणा चाहवै था, पर माणसां तै डरै था क्यूँकै वे उसनै नब्बी मान्नै थे| 6 पर जिब्ब हेरोदेस का जन्म-दिन आया, तो हेरोदियास की बेट्टी नै त्यौहार म्ह नाच दिखाकै हेरोदेस ताही राज़ी करया| 7 इस पै उसनै सूंह खाकै बचन भर लिया, "जो कीमे तू माँगैगी, मै तन्नै द्युँगा|" 8 वा आपणी माँ कै उकसाण तै बोल्यी, "युहन्ना बपतिस्मा देणआळै का सिर थाळ म्ह उरै मन्नै मँगवा दे|" 9 राजा घणा दुखी होया, पर आपणी सूंह कै, अर गेल्या बैठणीया कै कारण, हुक्म दिया के दे दिया जावै| 10 अर उसनै जेळ म्ह माणसां ताही खन्दाकै युहन्ना का सिर कटवा दिया; 11 अर उसका सिर थाळ म्ह ल्याया गया अर छोरी ताही दिया गया, जिस ताही वा आपणी माँ धोरै ले गयी| 12 फेर युहन्ना के चेल्ले आए अर उसकी लाश ताही ले जाकै गाड़ दिया, अर जाकै यीशु ताही खबर दी| 13 जिब्ब यीशु नै सुणया, तो वो किस्ती पै चढ़कै ओड़ै तै किसे सुनसान जंगहा ताही, एकान्त म्ह चल्या गया| माणस न्यू सुणकै नगर-नगर तै पांये-पांया उसकै पाच्छै हो लिये| 14 उसनै लिकड़कै एक बड्डी भीड़ देक्खी अर उन पै तरस खाया, अर उनके बिमारां ताही चंगा करया| 15 जिब्ब साँझ होई तो उसकै चेल्यां नै उसकै धोरै आकै कह्या, "या सुनसान जंगहा सै, अर वार होरी सै; माणसां ताही बिदा करया जावै के वे मोह्ल्यां म्ह जाकै आपणे खातर खाणा मोल लियावै|" 16 पर यीशु नै उनतै कह्या, "उनका जाणा जरूरी कोनी! थम ए इन्नै खाण नै द्यो|" 17 उन्नै यीशु तै कह्या, "उरै म्हारै धोरै पाँच रोट्टी अर दो मच्छिया नै छोड़ कै और कीमे कोनी सै|" 18 यीशु बोल्या, "उन ताही उरै मेरै धोरै लियावो|" 19 फेर यीशु नै माणसां ताही घास पै बैठण नै कहया, उन पाँच रोट्टी अर दो मच्छिया ताही लिया; सुर्ग कान्नी देखकै धन्यवाद करया अर रोटिया तोड़-तोड़कै चेल्यां ताही दीं, अर चेल्यां नै आदमिया ताही| 20 जिब्ब सारे खाकै छिकगें, तो चेल्यां नै बचे होए टुकड़यां तै भरी होई बारहा टोकरियाँ ठाई| 21 अर खाण आळे लुगाइयाँ अर बाळका नै छोड़कै, पाँच हजार माणसां कै करीबन थे| 22 फेर उसनै जिब्बे आपणे चेल्यां ताही किस्ती पै चढ़ाण कै खातर बेबस करया के वे उसतै पहल्या पार चले जावै, जिब्ब ताही वो आपणे माणसां ताही बिदा करै| 23 वो माणसां ताही बिदा करकै, प्रार्थना करण नै न्यारा पहाड़ पै चल्या गया; अर साँझ ताही वो ओड़ै एकल्ला था| 24 उस बख्त किस्ती झील कै बिच्चाळै झाल्लां तै हाल्लण लागरी थी, क्यूँकै बाळ स्याम्ही की थी| 25 अर यीशु रात कै चौथे पहर झील पै चाल्दे होए उनकै धोरै आया| 26 चेल्ले उस ताही झील पै चाल्दे होए देख कै घबरागे| अर बोल्ले, "यो भूत सै!" अर भय कै मारे किल्की मारण लाग्गे| 27 फेर यीशु नै जिब्बे उन तै बात करी अर बोल्या, "ढेठ बाँधो! मै सूं, डरो

मतना!" 28 पतरस नै उसतै जबाब दिया, "हे प्रभु, जै तू ए सै, तो मन्नै आपणे
धोरै पाणी पै चालकै आण का हुक्म दे|" 29 यीशु बोल्या, "आ!" फेर पतरस
किस्ती पै तै उतरकै यीशु कै धोरै जाण ताही पाणी पै चाल्लण लाग्या| 30 पर
बाळ नै देखकै डरग्या, अर जिब्ब डूब्बण लाग्या तो किल्की मारकै बोल्या, "हे
प्रभु, मन्नै बचा!" 31 यीशु नै जिब्बे हाथ बढ़ाकै थाम लिया अर उसतै बोल्या,
"हे अल्पबिश्वासी, तन्नै क्यांतै शक करया?" 32 जिब्ब वे किस्ती पै चढ़गे, तो
बाळ थमगी| 33 इस पै उन्नै जो किस्ती पै थे, उसताही मुद्दे पड़ कै बोल्ले,
"साच्चए, तू पणमेशर का बेट्टा सै|" 34 वे पार उतर कै गन्नेसरत म्ह पहोच्चे|
35 ओड़ै के माणसां नै उस ताही पिच्छाण लिया अर वोरै-धोरै के सारे देशां
म्ह खबर खन्दाई, अर सारे बिमारां नै उसकै धोरै ल्याए, 36 अर उस तै
बिनती करण लाग्गै के वे उन्हण आपणे लत्ते ए के कोर नै छुण दे अर
जितन्या नै उस ताहि छुआ वे चंगे होगेI 36 फेर यरूशलेम तै कीमे फरीसी
अर शास्त्री यीशु कै धोरै आकै बोल्ले,

15 फेर यरूशलेम तै कीमे फरीसी अर शास्त्री यीशु कै धोरै आकै बोल्ले,
2 "तेरे चेल्ले बुढ्यां के रित-रिवाजां ताही क्यांतै टाळै सै, के बिना
हाथ धोए रोट्टी खावै सै?" 3 उसनै उन ताही जबाब दिया, "थम भी आपणी
रित-रिवाज कै कारण क्यांतै पणमेशर का हुक्म टाळौ सो?" 4 क्यूँके पणमेशर
नै कह्या, 'आपणे बाप अर आपणी माँ का आद्दर करणा', अर जो कोए बाप या
माँ ताही भूंडा कहवे, वो मार दिया जावै|' 5 पर थम कहो सो के जै कीमे तेरै
ताही मेरै तै फैयदा होणा था, वो पणमेशर ताही भेंट चढाया जा लिया', 6 तो
वो पिता का आद्दर ना करै, इस तरिया थमनै आपणी रीत-रिवाज कै कारण
पणमेशर का वचन टाळ दिया| 7 हे कपटियो, यशायाह नै थारै बाबत या
भविष्यवाणी ठीक करी सै : 8 ये माणस होट्ठां तै तो मेरा आद्दर करै सै, पर
उनका मन मेरै तै दूर सै| 9 अर वे खांम-खा मेरी भगति करै सै, क्यूँके
माणसां के तरीकयां नै धर्म उपदेश करकै सिखावै सै|'" 10 फेर उसनै माणसां
ताही आपणे धोरै बुलाकै उनतै कह्या, "सुणो, अर समझो : 11 जो मुँह म्ह
जावै सै, वो माणस नै अशुद्ध कोनी करदा, पर जो मुँह तै लिकड़ै सै, वोए
माणस नै अशुद्ध करै सै|" 12 फेर चेल्यां नै आकै उसतै कह्या, "के तन्नै बेरा
सै के फरिसियाँ नै यो वचन सुणकै ठोकर खाई?" 13 उसनै जबाब दिया,
"हरेक पौधा जो मेरै सुर्गीय पिता नै न्ही लाया, उखाड़ा जावैगा| 14 उन ताही
जाण द्यो; वे आंधे राह बताणीये सै अर आंधा जै आंधे नै राह दिखावै, तो
दोन्नु ए घड्ढै म्ह गिरैगें|" 15 न्यू सुणकै पतरस नै उसतै कह्या, "यो उदाहरण
म्हारै ताही समझा दे|" 16 यीशु बोल्या, "के थम भी इब ताही बेअकले सो?
17 के थमनै न्ही बेरा के जो कीमे मुँह म्ह जावै वो पेट म्ह पड़ै सै, अर संडास
कै जरिये लिकड़ जावै सै? 18 पर जो कीमे मुँह तै लिकड़ै सै, वो मन तै
लिकड़ै सै, अर वोए माणस ताही अशुद्ध करै सै| 19 क्यूँके भुन्डे बिचार,
हत्या, दूसरी लुगाई धोरै जाणा, जारी, चोरी, झूठी गवाही अर बुराई मन तै ए
लिकड़ै सै| 20 ये ए सै जो माणस ताही अशुद्ध करै सै, पर हाथ बिना धोए
खाणा खाना माणस ताही अशुद्ध कोनी करदा|" 21 यीशु ओड़ै तै लिकड़कै,
सूर अर सैदा कै प्रदेश कै कान्नी चल्या गया| 22 उस प्रदेश तै एक कनानी
लुगाई लिकड़ी, अर किल्की मारकै कहण लाग्गी, "हे प्रभु! दाऊद की
ऊलाद, मेरै पै दया कर! मेरी बेट्टी ताही औपरी आत्मा घणी सतावै सै|"
23 पर यीशु नै उसतै कीमे जबाब कोनी दिया| फेर उसके चेल्यां नै आकै
उसतै बिनती करी, "इस ताही बिदा कर, क्यूँके वा म्हारै पाच्छै किल्की
मारदी आवण लागरी सै|" 24 यीशु नै जबाब दिया, "इस्राएल कै कुन्बे की
खोई होड़ भेडडा नै छोड़ मै किसे कै धोरै कोनी खन्दाया गया|" 25 पर वा
आई, अर यीशु ताही प्रणाम करकै बोल्ली, "हे प्रभु, मेरी मदद कर|" 26 यीशु
नै जबाब दिया, "छोरया की रोट्टी लेकै कुत्त्या कै आगै गेरना ठीक कोनी|"
27 उसनै कह्या, "साच्ची सै प्रभु, पर कुत्ते भी वो चूर-चार खावै सै, जो उनकै
मालिकां की मेज्ज़ां तै पड़ै सै|" 28 इस पै यीशु नै उसताही जबाब दिया, "हे
नारी, तेरा बिश्वास बड्डा सै| जिसा तू चाहवै सै, तेरै खातर उसाए हो|" अर
उसकी बेट्टी उस्से घड़ी तै चंगी होग्यी| 29 यीशु ओड़ै तै गलील की झील कै
धोरै आया, अर पहाड़ पै चढ़कै बैठग्या| 30 फेर भीड़ पै भीड़ उसकै धोरै
आई| वे आपणे गेल्या लंगड़ा नै, आंधा नै, गूंगया नै, टुंडया नै अर दुसरे घणा
ए नै उसकै धोरै ल्याए, अर उन ताही उसके पांया म्ह गेर दिया, अर उसनै
उन ताही चंगा करया| 31 जिब्ब माणसां नै देख्या के गूँगे बोल्लै सै, अर टुंडे
चंगे होवै सै, अर लंगड़े चाल्लै सै, अर आंधे देखै सै तो हैरान होकै इस्राएल के
पणमेशर की बड़ाई करी| 32 यीशु नै आपणे चेल्यां ताही बुलाया अर कह्या,
"मन्नै इस भीड़ पै तरस आवै सै, क्यूँके वे तीन दिनां तै मेरै गेल्या सै अर
उनकै धोरै कीमे खाण नै कोनी सै| मै उन्नै भूक्खा बिदा करणा न्ही चाह्न्दा,
कदे इसा ना हो राह म्ह थक हार कै रह जावै|" 33 चेल्ले उसतै बोल्ले, "हमनै
इस बण म्ह कित तै इतनी रोट्टी मिलैगी के हम इतनी बड्डी भीड़ ताही
छिकावा?" 34 यीशु नै उनतै बुझ्झया, "थारै धोरै कितनी रोट्टी सै?" वे बोल्ले,
"सात, अर माड़ी-सी छोट्टी मच्छी|" 35 फेर उसनै माणसां ताही धरती पै
बैठण का हुक्म दिया| 36 अर उन सात रोट्टी अर मच्छिया ताही लिया,
धन्यवाद करकै तोड़या, अर आपणे चेल्यां ताही देन्दा गया, चेल्ले आदमिया
ताही| 37 इस तरिया सारे खाकै छिकगे अर चेल्यां नै बचे होड़ टुकड़यां तै
सात टोकरे ठाए| 38 खाण आळे लुगाईयां अर बाळका नै छोड़ कै चार हजार
माणस थे| 39 जिब्ब वो भीड़ नै बिदया करकै किस्ती म्ह चढ़ ग्या अर मगदन
देश की सीम म्ह आयाI

16 फरिसियाँ अर सदुकियाँ नै धोरै आकै उस ताही परखण कै खातर
उसतै कह्या, "हमनै सुर्ग की कोई निशान्नी दिखा|" 2 उसनै उन
ताही जबाब दिया, "साँझ नै थम कहो सो, 'मौसम खुला रहवैगा, क्यांतैके
अकास लाल सै', 3 अर तड़कए नै कहो सो, 'आज आँधी आवैगी, क्यूँके
अकास लाल अर धूळ-भरया सै|' थम अकास के लछण देखकै उसका भेद
बता सको सो, पर टेमा के निशान्ना का भेद कोनी बता सकदे? 4 इस युग के
भुन्डे अर जार आदमी निशान्नी टोहवै सै, पर योना के निशान ताही छोड़ उन्नै
और कोए निशान्नी कोनी देई जावैगी|" अर वो उन्नै छोड़ कै चल्या गया|
5 चेल्ले झील कै परली वोड़ पहोच्चे, पर वे रोट्टी लेणा भूलगे थे| 6 यीशु नै उनतै
कह्या, "देक्खो, फरिसियाँ अर सदुकियाँ कै खमीर तै चौकन्ने रहियो|" 7 वे
आपस म्ह बिचार करण लाग्गे, "हम रोट्टी कोनी ल्याए ज्यांतै वो इस तरिया
कहवै सै|" 8 न्यू सुणकै यीशु नै उनतै कह्या, "हे अल्पबिश्वासियों, थम क्यांतै
बिचार करो सो के म्हारै धोरै रोट्टी कोनी सै? 9 के थम इब ताही न्ही समझे?
के थमनै उन पाँच हजार की पाँच रोटटी याद कोनी, अर ना यो के थमनै
कितनी टोकरियाँ ठाई थी? 10 अर उणनै चार हजार की sat रोट्टी, अर ना
यो के थमनै कितने टोकरे ठाए थे? 11 थम क्यांतै न्ही समझदे के मन्नै थारै तै
रोटियाँ कै बाबत न्ही कहया, पर यो के फरिसियाँ अर सदुकियाँ के खमीर तै
चौकन्ने रहियो|" 12 फेर उनकी समझ आया के उसनै रोट्टी कै खमीर तै न्ही ,
पर फरिसियाँ अर सदुकियाँ की शिक्षा तै चौकन्ने रहण नै कहया था| 13 यीशु
कैसरिया फिलिप्पी के प्रदेश म्ह आया, अर आपणे चेल्यां तै बुझ्झण लाग्या,
"आदमी माणस कै बेट्टे नै के कहवै सै?" 14 वे बोल्ले, "कीमे तो युहन्ना
बपतिस्मा देणीया कहवै सै, अर कीमे एलिय्याह, अर कीमे यिर्मयाह या
नब्बीयां म्ह तै कोए एक कहवै सै|" 15 उसनै उनतै कह्या, "पर थम मन्नै के
कहो सो?" 16 शमौन पतरस नै जबाब दिया, "तू जिन्दे पणमेशर का बेट्टा
मसीह सै|" 17 यीशु नै उस ताही जबाब दिया, "हे शमौन, योना के बेट्टे, तू
धन्य सै; क्यूँके मांस अर लहू नै न्ही , पर मेरै पिता नै जो सुर्ग म्ह सै, या बात
तेरै पै प्रगट करी सै| 18 अर मै भी तेरै तै कहूँ सूं के तू पतरस सै, अर मै इस
पत्थर पै आपणी कलीसिया बणाऊँगा, अर अधोलोक के फाटक उस पै हावी
कोनी होवैगें| 19 मै तन्नै सुर्ग कै राज की ताळी द्युँगा : जो कीमे तू धरती पै
जुड़ैगा, वो सुर्ग म्ह बंधैगा; अर जो तू धरती पै खोलैगा, वो सुर्ग म्ह खुलैगा|"
20 फेर उसनै चेल्यां ताही चिताया के किसे तै ना कहियो के मै मसीह सूं|
21 उस बखत तै यीशु आपणे चेल्यां तै बताण लाग्या, "जरूरी सै के मै
यरूशलेम नै जाऊँ अर पुरनियो, प्रधान याजकां, शास्त्रियाँ के हाथा तै घणा
दु:ख ठाऊँ; अर मार दिया जाऊँ; अर तीसरै दिन जी उठूँ|" 22 इस पै पतरस
उसनै ले जाकै झिड़कण लाग्या, "हे प्रभु, पणमेशर ना करै! तेरै गेल्या इसा
कदे ना होवैगा|" 23 उसनै पलट कै पतरस तै कह्या, "हे शैतान, मेरै स्याम्ही
तै दूर हो! तू मेरै खातर ठोकर का कारण सै; क्यांतैके तू पणमेशर की बात्तां
पै न्ही , पर माणसां की बात्तां पै मन लगावै सै|" 24 फेर यीशु नै आपणे
चेल्यां तै कह्या, "जै कोए मेरै पाच्छै आणा चाहवै तो आपणे आपे तै नाटै या
इंकार करै अर आपणा क्रूस ठावै, अर मेरै पाच्छै हो लेवै| 25 क्यूँके जो
आपणा जी बचाणा चाहवैगा, वो उसनै खोवैगा; अर जो कोए मेरै खातर
ज्यान खोवैगा, वो उसनै पावैगा| 26 जै माणस सारी दुनिया नै पा लेवै, अर

आपणी ज्यान का नुकसान ठावै, तो उसनै के फैयदा होगा? या माणस आपणी ज्यान कै बदले के देवैगा? 27 माणस का बेट्टा आपणे सुर्गदुत्तां कै गेल्या आपणे पिता की महिमा म्ह आवैगा, अर उस बखत 'वो हरेक नै उसकै काम्मां कै मुताबिक प्रतिफळ देवैगा।' 28 मै थारे ते सच कहूँ सूं जो आड़ै खड़े सै उन म्ह तै कुछ इसे सै के जिब्ब तक माणस के बेट्टे नै उसके राज म्ह आंदे होए ना देख लेगें तब ताहि मौत का सवाद कदे भी ना चाक्खैगें।

17 छ: दिनां पाच्छै यीशु नै पतरस अर याकूब अर उसके भाई युहन्ना ताही गेल्या लिया, अर उन ताही एक्कै में किसे ऊँच्चे पहाड़ पै लेग्या। 2 ओड़ै उनकै स्याम्ही उसका रूप म्ह बदलाव होया, अर उसका मुँह सूरज की ढाळ चमक्या अर उसका लत्ता चाँदणै की ढाळ धोल्या होग्या। 3 अर मूसा अर एलिय्याह उसकै गेल्या बात करदे होड़ दिक्खे। 4 इस पै पतरस नै यीशु तै कह्या, "हे प्रभु, म्हारा उरै रहणा ठीक सै। जै तेरी मर्जी हो तो मै उरै तीन मण्डप बणाऊँ; एक तेरै खातर, एक मूसा खातर, एक एलिय्याह खातर।" 5 वो बोल्लणए लागरया था के एक धोल्या बादळ उन पै छाग्या, अर उस बादळ म्ह तै यो बोल लिकड़या, "यो मेरा प्यारा बेट्टा सै; जिसतै मै राज़ी सूं : इसकी सुणो।" 6 चेल्ले न्यू सुणकै मुँह कै बळ गिरगे अर घणे डरगे। 7 यीशु नै धोरै आकै उन ताही छुया, अर बोल्या, "उठो, डरो मतना।" 8 फेर उन्नै आपणी निगांह करी अर यीशु ताही छोड़ और किसे ताही कोनी देख्या। 9 जिब्ब वे पहाड़ पै तै उतरै थे फेर यीशु नै उनतै यो हुक्म दिया, "जिब्ब ताही माणस का बेट्टा मरे होया म्ह तै जिन्दा न्ही उठै, तब ताही जो कीमे थमनै देख्या सै किस्से तै ना कहियो।" 10 इस पै उसके चेल्यां नै उसतै बुझ्झया, "फेर शास्त्री क्यांतै कहवै सै के एलिय्याह का पहल्या आणा जरूरी सै।" 11 उसनै जबाब दिया, "एलिय्याह जरुर आवैगा, अर सारा कीमे सुधरैगा। 12 पर मै थमनै कहूँ सूं के एलिय्याह आ लिया, अर माणसां नै उस ताही न्ही पिच्छाणा; पर जिसा चाहया उसाए उसकै गेल्या करया। इस तरिया तै माणस का बेट्टा भी उनकै हाथां तै दुःख ठावैगा।" 13 फेर चेल्यां ने समझया के उसनै म्हारै तै युहन्ना बपतिस्मा देणीये कै बाबत कहया सै। 14 जिब्ब वे भीड़ कै धोरै पहोच्चे, तो एक माणस उसकै धोरै आया, अर गोड्डे टेक कै कहण लाग्या, 15 "हे प्रभु, मेरे बेट्टे पै दया कर! क्यूँके उस ताही मिर्गी आवै सै, अर वो घणा दुःख ठावै सै; अर बार-बार आग म्ह अर बार-बार पाणी म्ह पड़ ज्या सै। 16 मै उसताही तेरे चेल्यां धोरै ल्याया था, पर वे उसनै चंगा कोनी कर सके।" 17 यीशु नै जबाब दिया, "हे अबिश्वासी अर जिद्दी माणसों, मै कद ताही थारै गेल्या रहूँगा? कद ताही थारी सहूँगा? उसनै उरै मेरै धोरै ल्यावो।" 18 फेर यीशु नै औपरी आत्मा ताही धमकाया, वा उसम्ह तै लिकड़ग्यी : अर छोरा उस्से टेम चंगा होग्या। 19 फेर चेल्यां नै एक्कै म्ह यीशु कै धोरै आकै कह्या, "हम उसनै क्यांतै न्ही काड सके?" 20 उसनै उनतै कह्या, "आपणे बिश्वास की कमी कै कारण, क्यूँके मै थमनै साच्ची कहूँ सूं, जै थारा बिश्वास राई कै दाणै कै बराबर भी हो, तो इस पहाड़ तै कह सकोगे, 'उरै तै सरककै ओड़ै चल्या जा', तो वो चल्या जावैगा; अर कोए बात थारै खातर मुश्किल कोनी होवैगी। 21 [पर या जात बिना प्रार्थना अर ब्रत कै कोनी लिकड़दी।]" 22 जिब्ब वे गलील म्ह थे, तो यीशु नै उन तै कह्या, "माणस का बेट्टा माणसां के हाथां म्ह पकड़वाया जावैगा; 23 वे उसनै मार देवैगें, अर वो तीसरे दिन जिन्दा उठैगा।" इस पै वे घणे उदास होए। 24 जिब्ब वे कफरनहूम पहोच्चे, तो मन्दर का कर लेण आळयां नै पतरस कै धोरै आण कै बुझ्झया, "के थारा गुरु, मन्दर का कर कोनी देंदा?" 25 उसनै कह्या, "हम्बै, देवै सै।" जिब्ब वो घरा आया, तो यीशु नै उसकै बुझ्झण तै पहल्या ए उसतै कह्या, "हे शमौन, तू के सोच्चै सै? धरती के राजा महसूल या कर किन तै लेवै सै? आपणे बेट्यां तै या बिगान्याँ तै?" 26 पतरस नै उसतै कह्या "बैगान्या तै"। यीशु नै उसतै कह्या तो बेट्टे बचगे। 27 तोभी इस खात्तर के हम उणनै ठोक्कर ना खुवावा, तू झील कै कंठारे जा कै कांडा गेर,अर जो मच्छी पहलै लिकडै, उसनै ले; उसका मुहँ खोल्लण पै तेरै ताहि एक सिक्का मिलैगा, उस्से नै लेकै मेरै अर आपणे बदलै म्ह दे दिये।"

18 उस घड़ी चेल्ले यीशु कै धोरै आकै बुझ्झण लाग्गे, "सुर्ग कै राज म्ह बड्डा कौण सै?" 2 इस पै उसनै एक बाळक ताही धोरै बुलाकै उनकै बिच्चाळै खड़या करया, 3 अर कह्या, "मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के जिब्ब ताही थम न्ही बदलो अर बाळका की ढाळ न्ही बणो, थम सुर्ग कै राज म्ह बड़ न्ही सकदे। 4 जो कोए आपणे आप नै इस बाळक की ढाळ छोट्टा करैगा, वो सुर्ग कै राज म्ह बड्डा होवैगा। 5 अर जो कोए मेरै नाम तै एक इसे बाळक ताही अपणावै सै वो मन्नै अपणावै सै। 6 "पर जो इन छोट्या म्ह तै जो मेरै पै बिश्वास करै सै एक नै ठोकर खुवावै, उसका खातर भला तो यो होंदा के बड्डी चाक्की का पाट उसकै गले म्ह लटकाया जान्दा, अर वो डून्घे समुन्दर म्ह डबोया जान्दा। 7 ठोकरां कै कारण दुनिया पै हाय! ठोकरां का लागणा जरूरी सै; पर हाय उस माणस पै जिसकै जरिये ठोकर लागै सै। 8 "जै तेरा हाथ या तेरा पैर तन्नै ठोकर खुवावै, तो उसनै काटकै बगा दे; टुंडा या लंगड़ा होकै ज़िन्दगी पै दाखल होणा इसतै भला सै के दो हाथ या दो पैर रहंदे होए तू अनन्त आग म्ह गेरया जावै। 9 जै तेरी आँख तन्नै ठोकर खुवावै, तो उस ताही लिकड़ कै बगा दे; काणा होकै जिन्दगी म्ह बड़ना तेरै खातर भला सै के दो आँख रहंदे होए तू नरक की आग म्ह गेरया जावै। 10 "देक्खो, थम इन छोट्या म्ह तै किसे नै तुच्छ ना जाणीयो; क्यूँके मै थमनै कहूँ सूं के सुर्ग म्ह उनके दूत मेरे सुर्गीय बाप का मुँह सारी हाण देखै सै। 11 [क्यूँके माणस का बेट्टा खोये होया नै बचाण आया सै।] 12 "थम के सोच्चो सो? जै किसे माणस की सौ भेड़ हों, अर उनम्ह तै एक भटक जावै, तो के वो निन्यानबे ताही छोड़कै, अर पहाड़ां पै जाकै, उस भटकी होड़ नै कोनी टोहवैगा? 13 अर जै इसा हो के उसनै पावै, तो मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के वो उन निन्यानबे भेड्डा कै खातर जो भटकी कोनी थीं, इतना आनन्द कोनी करैगा जितना के इस भेड़ कै खातर करैगा। 14 इस्से ढाळ थारे बाप की जो सुर्ग म्ह सै या मर्जी कोनी के इन छोट्यां म्ह तै एक भी नास हो। 15 "जै तेरा भाई तेरै खिलाफ कसूर करै, तो जा अर एक्कै म्ह बतळा कै उसनै समझा, जै वो तेरी सुणै तो तन्नै आपणे भाई ताही पा लिया। 16 जै वो न्ही सुणै, तो एक या दो जणयां नै आपणै गेल्या और ले जा, के 'हरेक बात दो या तीन गवाहा कै मुँह तै पक्की करी जावै।' 17 जै वो उनकी भी न्ही मान्नै , तो कलीसिया तै कह दे, पर जै वो कलीसिया की भी कोनी मान्नै तो तू उसनै दूसरी जात अर महसूल लेणआळे जिसा जाण। 18 "मै थम नै साच्ची कहूँ सूं, जो कीमे थम धरती पै जुड़ोगे, वो सुर्ग म्ह बंधैगा अर जो कीमे थम धरती पै खोल्लोगे , वो सुर्ग म्ह खुलैगा। 19 फेर मै थमनै कहूँ सूं, जै थारै म्ह तै दो जणे धरती पै किसे बात कै खातर एक मन होकै उसतै मांगै, तो वा मेरे पिता की वोड़ तै जो सुर्ग म्ह सै, उनकै खातर हो जावैगी। 20 क्यूँके जड़ै दो या तीन मेरै नाम पै कट्ठा होवै सै, ओड़ै मै उनकै बिच्चाळै म्ह होऊँ सूं।" 21 जिब्ब पतरस नै धोरै आकै उसतै कह्या, "हे प्रभु, जै मेरा भाई कसूर करदा रहवै, तो मै कितनी बै उस ताही बख्शु?" के सात बै ?" 22 यीशु नै उसतै कह्या, "मै तेरै तै यो न्ही कहन्दा के सात बै ताही बल्के सात बै के सत्तर गुणे ताही। 23 "इसकरकै सुर्ग का राज्य उस राजा कै बरगा सै, जिसनै आपणे नौकरां का लेक्खा (ब्यौरा) लेणा चाहया। 24 जिब्ब वो लेक्खा लेण लाग्या, तो एक जणा उसकै स्याम्ही ल्याया गया जो दस हजार तोड़े का कर्जवान था। 25 जिब्ब के चुकता करण नै उसकै धोरै कीमे कोनी था, तो उसकै मालिक नै कह्या, 'यो अर इसकी बीरबान्नी अर बाळ-बच्चे अर जो कीमे इसका सै सारा बेच्या जावै, अर कर्ज चुकता करया जावै।' 26 इस पै उस नौकर नै पड़कै उस ताही प्रणाम करया, अर कह्या, 'हे मालिक धीरज धर, मै सारा कीमे भर द्युँगा।' 27 इस पै उस नौकर कै मालिक नै तरस खाकै उस ताही छोड़ दिया, अर उसका कर्जा भी बख्श दिया। 28 "पर जिब्ब वो नौकर बाहरण लिकड़या , तो उसके गेल्या के नौकरां म्ह तै एक उस तै फेट्या जो उसके सौ दीनार का कर्जदार था; उसनै पकड़कै उसका घेट्टी घोंट्टी अर कह्या, 'जो कीमे तेरै पै कर्ज सै भर दे।' 29 इस पै उसका गेल का नौकर पड़कै उसतै बिनती करणं लाग्या, 'धीरज धर, मै सारा कीमे भर द्युँगा।' 30 वो न्ही मान्या, पर जाकै उस ताही जेळ म्ह गेर दिया के जिब्ब ताही कर्जा ना भर दे, जिद ताही ओड़ैए रहवै। 31 उसके गेल्या के नौकर यो जो होया था देखकै घणे उदास होए, अर जाकै आपणे मालिक ताही पूरा हाल बता दिया। 32 फेर उसकै मालिक नै उस ताही बुलाकै उसतै कह्या, 'हे दुष्ट नौकर, तन्नै जो मेरै तै बिनती करी, तो मन्नै तेरा वो सारा कर्जा बख्श दिया। 33 ज्यांतै जिस ढाळ मन्नै तेरै पै दया करी, उस्से तरिया के तन्नै भी आपणे गेल के नौकर पै दया न्ही करणी चहिये थी?' 34 अर उसकै मालिक नै छोह म्ह आकै उस ताही दण्ड देणआळे के हाथां म्ह सौप दिया, के जिब्ब ताही वो सारा कर्जा भर न्ही देवै, जिद ताही उनकै हाथां म्ह रहवै।

35 “इस्से ढाल जै थारे म्ह तै आपणे भाई नै ना बक्शैगा तो मेरा पिता जो सुर्ग
म्ह सै थारे तै उसा ए करैगा”I

19 जिब्ब यीशु नै ये बात कह ली, तो गलील तै चल्या गया; अर यरदन
कै परली ओड़ यहूदिया कै प्रदेश म्ह आया| 2 फेर बड्डी भीड़ उसकै
पाच्छै हो ली, अर उसनै ओड़ै उन ताही चंगा करया| 3 फेर फरीसी उसनै
परखण खातर धोरै आकै बोल्ले, “के हर एक कारण तै आपणी बीरबान्नी ताही
छोड़ना ठीक सै?” 4 उसनै जबाब दिया, “के थम नै न्ही पढ़या के जिसनै उन
ताही बनाया, उसनै सरूआत तै नर अर नारी बणाकै कह्या, 5 इस कारण
माणस आपणे माँ-बाप तै न्यारा होकै आपणी बीरबान्नी कै गेल्या रहैगा अर वे
दोन्नु एक तन होवैगें?’ 6 आखर इब दो न्ही , पर एक तन सै| इसकरकै जिस
ताही पणमेशर जै जोड़या सै, उस ताही माणस न्यारा ना करै|” 7 उन्नै उसतै
कह्या, “फेर मूसा नै यो क्यातै ठहराया के तलाक देकै उस ताही छोड़ दे?”
8 उसनै उनतै कह्या, “मूसा नै थारै मन की करड़ेपण कै कारण थारै तै
आपणी-आपणी बीरबान्नी ताही छोड़ देण का हुक्म दिया, पर सरूआत म्ह
इसा कोनी था| 9 अर मै थमनै कहूँ सूं, के जो कोए जारी नै छोड़ कै और
किसे कारण तै आपणी बीरबान्नी नै छोड़ कै दूसरा ब्याह करै, वो जारी करै
सै; जो उस छोड्डी होई तै ब्याह करै, वो भी जारी करै सै|” 10 चेल्यां नै यीशु
तै कह्या, “जै माणस का लुगाई कै गेल्या इसा सम्बन्ध सै, तो ब्याह करणा
आच्छा कोनी|” 11 यीशु नै उनतै कह्या, “सारे यो बचन अपणा न्ही सकदे,
सिर्फ वे जिन ताही यो दान दिया गया सै| 12 क्यूँके कीमे हिजड़े इसे सै, जो
माँ के पेट या गर्भ ए तै इसे जन्मे; अर कीमे हिजड़े इसे सै, जिन ताही माणस
नै हिजड़े बणाया; अर कीमे हिजड़े इसे सै, जिन्नै सुर्ग कै राज्य कै खातर खुद
ताही हिजड़ा बणाया सै| जो इस ताही अपणा कर सकदा हो, वो अपणावै|”
13 फेर माणस बाळका ताही उसकै लोवै ल्याए के वो उनकै ऊपर हाथ धरै
अर प्रार्थना करै, पर चेल्यां नै उन ताही धमकाया| 14 यीशु नै कह्या,
“बाळका नै मेरै लोवै आण द्यो, अर उन ताही मना मतना करो, क्यूँके सुर्ग का
राज्य इसाए का सै|” 15 अर वो उन पै हाथ धरकै ओड़ै तै चल्या गया|
16 एक माणस यीशु कै धोरै आया अर उसतै कह्या, “हे गुरु, मै कौण-सा भला
काम करूँ के अनन्त जीवन पाऊँ?” 17 यीशु नै उसतै कह्या, “तू मेरै तै भलाई
कै बाबत क्यातै बुझझै सै? भला तो एकए सै, पर जै तू जीवन म्ह दाखल
होणा चाहवै सै, तो हुकमां नै मान्या कर|” 18 उसनै यीशु तै कह्या, “कौण-से
हुक्म?” यीशु बोल्या, “खून न्ही करणा, जारी न्ही करणा, चोरी न्ही करणा,
झूठी गवाही ना देणा, 19 आपणे बाप अर माँ का आद्दर करणा, अर आपणे
पडौसी तै आपणे जिसा प्रेम राखणा|” 20 उस गाबरू नै कह्या, “इन सारया
ताही तो मन्नै मान्या सै; इब मन्नै किस बात की कमी सै?” 21 यीशु नै उसतै
कह्या, “जै तू सिद्ध होणा चाहवै सै तो जा, आपणा सारा माळ बेचकै कंगाला
ताही दे, अर तन्नै सुर्ग म्ह धन मिलैगा; अर आकै मेरै पाच्छै हो ले|” 22 पर वो
गाबरू या बात सुणकै उदास होकै चल्या गया, क्यूँके वो घणा धनवान था|
23 फेर यीशु नै आपणे चेल्यां तै कह्या, “मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के धनवान का
सुर्ग के राज्य म्ह बड़ना ओक्खा सै|” 24 थारै ताही फेर कहूँ सूं के पणमेशर
के राज्य म्ह धनवान के बड़नै तै ऊँट का सूई कै मोरै म्ह तै लिकड़ना सेल्ला
सै|” 25 न्यू सुणकै चेल्यां नै हैरान होकै कह्या, “फेर किसका उद्धार हो सकै
सै|” 26 यीशु नै उनकी वोड़ लखा कै कह्या, “माणसां तै तो यो कोनी हो
सकदा, पर पणमेशर तै सारा कीमे हो सकै सै|” 27 इस पै पतरस नै उसतै
कह्या, “देख, हम तो सारा कीमे छोड़ कै तेरै पाच्छै हो लिए सा: तो हमनै के
मिलैगा?” 28 यीशु नै उनतै कह्या, “मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के नयी सृष्टी म्ह
जिब्ब माणस का बेट्टा आपणी महिमा के सिंहासन पै बैठैगा, तो थम भी जो
मेरै पाच्छै हो लिए सो, बारहा सिंहासना पै बैठकै इस्राएल के बारहा गोत्रा का
न्याय करोगे| 29 अर जिस किसे नै घर, या भाई, या भाण या बेब्बे, या बाप,
या माँ, या बाळ-बच्चे, या खेत्तां ताही मेरै नाम कै खातर छोड़ दिया सै, उस
ताही सौ गुणा मिलैगा, अर वो अनन्त जीवन का हक्कदार होवैगा| 30 पर भोत
से जो पहल्यै सै, पाच्छले होंगे; अर जो पाच्छले सै, पहल्यै होंगेI

20 “सुर्ग का राज्य” किसे घर के मालिक की ढाळ सै, जो तड़कए
लिकड़या के आपणी दाख की बारी म्ह मजदुरां नै लावै| 2 उसनै
मजदुरां तै एक दीनार रोज पै लाया अर उन्नै आपणी दाख की बारी म्ह
खन्दाया| 3 फेर एक पहर दिन चढ़े पाच्छै उसनै लिकड़कै और माणसां ताही
बजार म्ह खड़े देख्या, 4 अर उसनै कह्या, ‘थम भी दाख की बारी म्ह जावो,
अर जो कीमे सई सै, थमनै द्युँगा|’ आखर वे भी गये| 5 फेर उसनै दुसरे अर
तीसरे पहर कै लोवै लिकड़कै उस्से तरिया करया| 6 दिन बीतण तै एक घंटा
पहल्या उसनै फेर लिकड़कै दूसरयां ताही खड़े पाया, अर उसनै कह्या, ‘थम
क्यांतै सारै दिन उरै बेकार खड़े रहे?’ उन्नै उसतै कह्या, ‘ज्यांतै के किसे नै
म्हारै ताही मजदूरी पै कोनी ल्याया|’ 7 उसनै उनतै कह्या, ‘थम भी दाख की
बारी म्ह जावो|’ 8 “साँझ नै दाख की बारी के मालिक नै आपणे भण्डारी तै
कह्या, ‘मजदुरां ताही बुलाकै पाच्छल्या तै लेकै पहल्या ताही उन्नै मजदूरी दे-
दे|’ 9 जिब्ब वे आये जो घंटा-भर दिन रहे लाए गये थे, तो उन्नै एक-एक
दीनार मिल्या| 10 जो पहल्या आये उन्नै यो समझया के म्हारै ताही घणा
मिलैगा, पर उन्नै भी एक-एक दीनार ए मिल्या| 11 जिब्ब मिल्या तो वे घर कै
मालिक पै बिरड़ाकै कहण लाग्गे, 12 ‘इन पाच्छल्यां नै एक घंटा काम करया,
अर तन्नै उन ताही म्हारै बराबर कर दिया, जिन्नै दिन-भर का बोझ ठाया अर
घाम सहया?’ 13 उसनै उनम्ह तै एक ताही जबाब दिया, ‘हे मित्तर, मै तेरै तै
कीमे अन्याय कोनी करदा| के तन्नै ए मेरै तै एक दीनार कोनी ठहराया था?
14 जो तेरा सै, ठा ले अर चल्या जा; मेरी मर्जी या सै के जितना तन्नै द्युँ उतना
ए इस पाच्छले ताही भी द्युँ| 15 के यो ठीक कोनी के मै आपणे माळ तै जो
चाहूँ वो करूँ? के मेरै भले होण कै कारण तू भुंडी नजर तै देक्खै सै?’ 16 इस
तरिया तै जो पाच्छले सै, वे पहले होवैगें, जो पहले सै, पाच्छले होवैगें|”
17 यीशु यरूशलेम नै जान्दे होए बारहा चेल्यां ताही एक्कै म्ह लेग्या, अर राह
म्ह उनतै बोल्या, 18 “देक्खो, हम यरूशलेम नै जावा सा; अर माणस का बेट्टा
प्रधान याजकां अर शास्त्रियाँ कै हाथां पकड़वाया जावैगा, वे उसनै मारण कै
जोग्गा ठहरावैगें| 19 अर उस ताही गेरजात्तां कै हाथां म्ह सौंपैगें के वे उस
ताही मखौल म्ह उड़ावैगें, अर कोरड़े मारैगें, अर क्रूस पै चढ़ावैगें, अर वो
तीसरै दिन जिन्दा उठैगा|” 20 फेर जब्दी कै बेट्यां की माँ नै, आपणे बेट्यां
कै गेल्या यीशु कै धोरै आकै प्रणाम करया, अर उसतै कीमे माँगण लाग्गी|
21 यीशु नै उसतै कह्या, “तू के चाहवै सै?” वा यीशु तै बोल्ली, “यो बचन दे के
मेरे ये दो बेट्टे तेरै राज्य म्ह एक तेरै सोळै अर एक तेरै ओळै बैठै|” 22 यीशु नै
जबाब दिया, “थमनै न्ही बेरा के माँगो के सो| जो कटोरा मै पीण पै सूं, के
थम पी सको सो?” उन्नै उस ताही कह्या, “पी सका सा|” 23 उसनै उनतै
कह्या, “थम मेरा कटोरा तो पी लोगे, पर आपणे सोळै अर ओळै किसे ताही
बिठाणा मेरा काम कोनी, पर जिन कै खातर मेरै बाप की वोड़ तै त्यार करया
गया, उन्नै खातर सै|” 24 न्यू सुणकै दसो चेल्ले उन दोन्नु भाईयां पै छो करण
लाग्गे| 25 यीशु नै उन ताही धोरै बुलाकै कह्या, “थम जाणो सो के गेरजात्तां
के हाकिम उन पै राज करै सै; अर जो बड्डे सै, वे उन पै हक्क जमावै सै| 26 पर
थारै म्ह इसा कोनी होवैगा; जो कोए थारै म्ह बड्डा होणा चाहवै, वो थारा
सेवक बणै; 27 अर जो थारै म्ह प्रधान होणा चाहवै, वो दास बणै; 28 जिस
ढाळ के माणस का बेट्टा; वो ज्यांतै कोनी आया के उसकी सेवा बाड़ी करी
जावै, पर ज्यांतै आया के खुद सेवा बाड़ी करै, अर घण-खरयां के छुटकारै कै
खातर आपणी ज्यान देवै|” 29 जिब्ब वे यरीहो तै लिकड़ै थे, तो एक बड्डी
भीड़ उसकै पाच्छै हो ली| 30 अर दो आंधे, जो सड़क कै कंठारै बैठे थे, न्यू
सुणकै के यीशु जाण लागरा सै, रूक्का मारकै कहण लाग्गे, “हे प्रभु, हे दाऊद
की ऊलाद, म्हारै पै दया कर|” 31 माणसां नै उन ताही धमकाया के बोल-
बाल्ले रहवै; पर वे और भी किल्की मारकै बोल्ले, “हे प्रभु, दाऊद की ऊलाद,
म्हारै पै दया कर|” 32 फेर यीशु नै खड़े होकै, उन ताही बुलाया अर कह्या,
“थम के चाहवो सो के मै थारै खातर करूँ?” 33 उन्नै उसतै कह्या, “हे प्रभु, यो
के म्हारी आँख खुल जावै|” 34 यीशु नै तरस खाकै उन्हकी आँखे छुई, अर
वे जिब्बे देखण लाग्गे; अर उसकै पाच्छै हो लियेI

21 जिब्ब वे यरूशलेम कै लोवै पहोच्चे अर जैतून पहाड़ पै बैतफगे कै
धोरै आये, तो यीशु नै दो चेल्यां ताही न्यू कहकै खन्दाया,
2 “स्याम्ही कै गाम म्ह जावो| ओड़ै पहोच्दए एक गधी बंधी होई, अर उसकै
गेल्या बच्चा थमनै मिलैगा| उन्नै खोलकै मेरै धोरै ल्याओ| 3 जै थारै तै कोए
कीमे कहवै, तो कहियो के प्रभु नै इनतै काम लेणा सै, फेर वो जिब्बे उन्नै
खिन्दा देवैगा|” 4 यो ज्यांतै होया के जो बचन नब्बी के जरिये कहया गया
था, वो पूरा हो 5 “सिय्योन की बेटटी तै कहो, ‘देख, तेरा राजा तेरै धोरै आवै
सै; वो नम्र सै, अर गधे पै बैठ्या सै; बल्के लादू के बच्चे पै|’” 6 चेल्यां नै

जाकै, जिसा यीशु नै उनतै कहया था, उस्से तरिया करया| 7 अर गधी अर
बच्चे ताही ल्याकै, उनपै आपणे लत्ते गेरे, अर वो उन पै बैठग्या| 8 फेर घण-
खरे माणसां नै आपणे लत्ते राह म्ह बिच्छाये, अर माणसां नै दरख्तां तै
डाळीयां काटकै राह म्ह बिच्छाई| 9 जो भीड़ आगै-आगै जावै अर पाच्छै-
पाच्छै चाल्ली आवै थी, रूक्के मार-मार कै कहवै थी, "दाऊद की ऊलाद को
होशाना, धन्य सै वो जो प्रभु के नाम तै आवै सै, अकास म्ह होशाना|"
10 जिब्ब वो यरूशलेम म्ह बड़या, तो सारे नगर म्ह खलबल्ली माच्गी, अर
माणस कहण लाग्गे, "यो कौण सै?" 11 माणसां नै कह्या, "यो गलील के
नासरत का नब्बी यीशु सै|" 12 यीशु नै पणमेशर कै मन्दर म्ह जाकै उन
सारया ताही, जो मन्दर म्ह लेण-देण कररे थे, काड दिया, अर सर्राफा के
पीढ़े अर कबूतर बेचणीयाँ की चौकियाँ उल्ट दीं; 13 अर उनतै बोल्या,
"लिख्या सै, 'मेरा घर प्रार्थना का घर कुहवावैगा'; पर थम उसनै डाकुवां की
खोह बणावो सो|" 14 फेर आंधे अर लंगड़े, मन्दर म्ह उसकै धोरै आये, अर
उसनै उन ताही चंगा करया| 15 पर जिब्ब प्रधान याजका अर शास्त्रियाँ नै
इन अनोक्खे काम्मां ताही, जो उसनै करे, अर छोरयां ताही मन्दर म्ह
'दाऊद की ऊलाद को होशाना' रूक्के मारदे देख्या, तो वे छो मानगे, 16 अर
उसतै कहण लाग्गे, "के तू सुणै सै के ये के कहवै सै?" यीशु नै उनतै कह्या,
"हम्बै; के थमनै यो कदे कोनी पढ़या : 'बाळका अर दूध पिन्दे बच्या कै मुँह तै
तन्नै घणी स्तुति कराई?" 17 फेर वो उन्नै छोड़कै नगर कै बाहरण आकै
बैतनिय्याह नै गया अर ओड़ै रात बिताई| 18 तड़कए जिब्ब वो नगर नै
बोहड़ण लागरया था तो उसनै भूख लाग्गी| 19 सड़क कै कंठारै अंजीर का
एक दरख्त देखकै वो उसकै धोरै गया, अर पत्या नै छोड़ उसम्ह और कीमे
ना पाकै उसतै कह्या, "इब तै तेरै म्ह फेर कदे फळ कोनी लाग्गै|" अर अंजीर
का दरख्त जिब्बे सूखग्या| 20 न्यू देखकै चेल्या नै हैरानी होई अर उन्नै कह्या,
"यो अंजीर का दरख्त जिब्बे किस तरिया सूखग्या?" 21 यीशु नै उन ताही
जबाब दिया, "मै थमनै साच्ची कहूँ सूं, जै थम बिश्वास राकखो अर शक ना
करो, तो ना केवल यो करोगे जो इस अंजीर कै दरख्त गेल्या करया गया सै,
पर जै इस पहाड़ नै कहोगे, 'उखड़ जा, अर समुन्दर म्ह जा पड़', तो यो हो
जावैगा| 22 अर जो कीमे थम प्रार्थना म्ह बिश्वास तै माँगोगे वो सारा थमनै
मिलैगा|" 23 वो मन्दर जाकै उपदेश देवै था, तो प्रधान याजकां अर
आदमियां के पुरनियां नै उसकै धोरै आकै बुझझया, "तू ये काम किसकै हक्क
तै करै सै? अर तेरै ताही यो हक्क किसनै दिया सै?" 24 यीशु नै उनताही जबाब
दिया, "मै भी थारै तै एक बात बुझझु सू; जै वो मन्नै बतावोगे, तो मै भी थमनै
बताऊँगा के ये काम किस हक्क तै करूँ सू| 25 युहन्ना का बपतिस्मा कित तै
था? सुर्ग को वोड़ तै या माणसां को वोड़ तै?" फेर वे आपस म्ह बहस करण
लाग्गे, "जै हम कहवा 'सुर्ग की वोड़ तै' तो वो म्हारै तै कहवैगा, 'फेर थमनै
उसका बिश्वास क्यांतै न्ही करया?' 26 अर जै कहवा 'माणसां की वोड़ तै' तो
हमनै भीड़ का भय सै, क्यूँके वे सारे युहन्ना ताही नब्बी मान्नै सै|" 27 आखर
उन्नै यीशु ताही जबाब दिया, "हमनै न्ही बेरा|" यीशु नै भी उनतै कह्या, "तो
मै भी थमनै कोनी बतान्दा के ये काम किस हक्क तै करूँ सूं| 28 "थम के
सोच्चो सो? किसे माणस कै दो बेट्टे थे; उसनै पहलये कै धोरै जाकै कह्या, 'हे
बेट्टे, आज दाख की बारी म्ह काम कर|' 29 उसनै जबाब दिया, 'मै कोनी
जान्दा', पर पाच्छै पसता कै गया| 30 फेर बाप नै दुसरे कै धोरै जाकै न्यू ए
कहया, उसनै जबाब दिया, 'जी हम्बै जाऊं सूं', पर कोनी गया| 31 इन दोनुवां
म्ह तै किसनै बाप की मर्जी पूरी करी?" उन्नै कह्या, "पहलये नै|" यीशु नै
उनतै कह्या, "मै थारै तै साच्ची कहूँ सूं के महसूल लेणआळे अर बेश्याएँ थारै
तै पहल्या पणमेशर के राज्य म्ह बड़ै सै| 32 क्यूँके युहन्ना धर्म की राह
दिखान्दे होए थारे लोवै आया, अर थमनै उसका बिश्वास कोनी करया; पर
महसूल लेणआळे अर बेश्यायाँ नै उसका बिश्वास करया : अर थम न्यू देखकै
पाच्छै पसताए के उसका बिश्वास कर लेन्दे| 33 एक और उदाहरण सुणो :
एक घर का मालिक था, जिसनै दाख की बारी लाई, उसकै चौगर देकै बाड़ा
बाँधया, उसम्ह रस का कुण्ड खोद्या अर बुर्जी बनाई, अर किसानां ताही
उसका ठेका देकै प्रदेश चल्या गया| 34 जिब्ब फळ का बखत लोवै आया, तो
उसनै आपणे नौकरां ताही उसका फळ लेण नै किसानां धोरै खन्दाया|
35 पर किसानां नै उसके नौकरां ताही पकड़ कै, किसे ताही छेत्या, अर किसे
ताही मार दिया, अर किसे पै पत्थर बरसाए| 36 फेर उसनै पहल्या तै घणे
और नौकरां ताही खन्दाया, अर उन्नै भी उस्से तरिया करया| 37 आखर म्ह
उसनै आपणे बेट्टे ताही उनकै धोरै न्यू सोचकै खन्दाया के वे मेरै बेट्टे का
आद्दर करैगें| 38 पर किसाना नै बेट्टे ताही देखकै आपस म्ह कह्या, 'यो तो
वारिस सै, आवो, इसनै मार देवा अर इसकी वसीयत ले लेवां|' 39 आखर
उन्नै उस ताही पकड़या अर दाख की बारी तै बाहरण काडकै मार दिया|
40 इसकरकै जिब्ब दाख की बारी का मालिक आवैगा, तो उन किसानां कै
गेल्या के करैगा?" 41 उन्नै उसतै कह्या, "वो उन भुन्डे माणसां का भूंडी ढाळ
नाश करैगा; अर दाख की बारी का ठेका दुसरे किसानां ताही देवैगा, जो
बखत पै उस ताही फळ दिया करैगें|" 42 यीशु नै उनतै कह्या, "के थमनै कदे
भी पवित्र ग्रन्थ म्ह यो कोनी पढ़या : 'जिस पत्थर ताही राजमिस्त्रियाँ नै
निकम्मा ठहराया था, वोए कुणे के सिरे का पत्थर होग्या? यो प्रभु की वोड़ तै
होया, अर म्हारी निगांह म्ह अनोक्खा सै|' 43 ज्यांतै मै थमनै कहूँ सूं के
पणमेशर का राज्य थारै तै ले लिया जावैगा अर इसी जात ताही, जो उसका
फळ ल्यावै, दिया जावैगा| 44 जो इस पत्थर पै पड़ैगा, वो चकनाचूर हो
जावैगा; अर जिस पै वो पड़ैगा, उसनै पीस देवैगा|" 45 प्रधान याजक अर
फरीसी उसके उदाहरणा नै सुणकै समझगे के वो उनकै बाबत कहवै सै|
46 अर उन्हनै उस ताहि पकड़ना चाह्या, पर माणसां तै डर ग्ये क्यूँके वे उसनै
नब्बी माणन थे I

22 इस पै यीशु फेर उनतै उदाहरणा म्ह कहण लाग्या, 2 "सुर्ग का राज्य
उस राजा की ढाळ सै, जिसनै आपणे बेट्टे का ब्याह करया| 3 अर
उसनै आपणे नौकरां ताही खन्दाया, के न्योंदे होड़ माणसां ताही ब्याह के
जीमणे म्ह बुलावै; पर उन्नै आणा न्ही चाहया| 4 फेर उसनै और नौकरां ताही
न्यू कहकै खन्दाया, 'न्योंदे होड़ माणसां ताही कहो : लखावो, मन्नै जिमणा
त्यार कर लिया सै, अर मेरे बैळद अर पळे होड़ डान्गर मार लि सै : सारा
कीमे त्यार सै; ब्याह के जिमणे म्ह आवो|' 5 पर वे बेपरवाह करकै चले गये,
कोए आपणे खेत्तां म्ह, कोए आपणे धन्धे पै| 6 और माणसां नै जो बचगे थे
उन्नै उसके नौकरां ताही पकड़ कै उनकी बेईज़्ज़ती करी अर उन ताही मार
दिया| 7 राजा छो म्ह आग्या, अर आपणी फ़ौज खन्दाकै उन हत्यारा का
नाश करया, आर उनके नगर फूंक दिए| 8 फेर राजा नै आपणे नौकरां तै
कहया, ब्याह का जिमणा तो त्यार सै, पर के न्योंदे होड़ माणस इस जोग्गे
कोनी ठहरे| 9 इसकरकै चौराहयां पै जावो, अर जितने माणस थमनै मिलै,
सारया ताही ब्याह कै जिमणे म्ह बुला ल्यावो| 10 इस तरिया उसके नौकरां
नै सड़कां पै जाकै के भुन्डे, के आच्छे, जितने मिले सारया ताही कट्ठा करया;
ब्याह का घर मेहमाना तै भरग्या| 11 जिब्ब राजा मेह्माना नै देखण भीत्तर
आया, तो उसनै ओड़ै एक माणस ताही देख्या, जो ब्याह के लत्ते कोनी
पहररया था| 12 उसनै उसतै बुझझया, "हे मित्तर, तू ब्याह के लत्ते पहरे
बिना उरै क्यातै आग्या| उसका मुँह बन्द होग्या| 13 फेर राजा नै नौकरां तै
कह्या, "इसके हाथ-पैर जुड़कै उस ताही बाहरण अन्धेरे म्ह गेर द्यो, ओड़ै
रोणा, अर दाँत पिसणा होवैगा| 14 क्यूँके न्योंदे होड़ तो घणे सै पर छाँटे होये
घाट सै| 15 फेर फरिसियाँ नै आकै आपस म्ह बिचार करया, के उसनै किस
ढाळ बात्तां म्ह फसावा| 16 इस तरिया उन्नै आपण ताही हेरोदिया कै गेल्या
उसकै धोरै न्यू कहण नै खन्दाया, "हे गुरु, हमनै बेरा सै, के तू साच्चा सै, अर
पणमेशर की राह सच्चाई तै सिखावै सै; अर किसे की आंट कोनी मान्दा,
क्यूँके तू माणसां का मुँह देखकै बात कोनी करदा| 17 इसकरकै हमनै बता तू
के सोच्चै सै? कैसर तै कर देणा ठीक सै के न्ही |" 18 यीशु नै उनका
भुन्डापण जाणकै कह्या, "हे कपटीयो, मन्नै क्यांतै परखो सो? 19 कर का
सिक्का मेरै तै दिखावो|" फेर उसकै धोरै एक दीनार लीयाये| 20 उसनै उनतै
कह्या, "या छाप अर नाम किसका सै?" 21 उन्नै उसतै कह्या, "कैसर का|"
फेर उसनै उनतै कह्या, "जो कैसर का सै, वो कैसर ताही; अर जो पणमेशर
का सै, वो पणमेशर ताही द्यो|" 22 न्यू सुणकै उन्नै हैरानी होई, उस ताही
छोड़कै चल्ये ग्ये| 23 उस्से दिन सदुकी जो कहवै सै के मरे होया का दुबारा
जिन्दा उठणा सै ए कोनी, उसकै धोरै आये अर उसतै बुझझया, 24 "हे गुरु,
मूसा नै कहया था के जै कोए माणस बेऊलादा मर जावै, तो उसका भाई
उसकी बीरबान्नी तै ब्याह करकै आपणे भाई कै खातर पीढ़ी पैदा करै| 25 इब
म्हारै उरै सात भाई थे; पहल्ड़ा ब्याह करकै मरग्या, अर ऊलाद ना होण कै
कारण आपणी बीरबान्नी आपणे भाई कै खातर छोड़ग्या| 26 इस्से तरिया

दुसरे अर तीसरै नै भी करया, अर सातुवां तक योए होया| 27 सारया पाच्छै
वा लुगाई भी मरगी| 28 आखर म्ह जिन्दा होण पै वा सातुवां म्ह तै किसकी
बीरबान्नी होवैगी? क्यूँके वा सारया की बीरबान्नी बण ली थी|" 29 यीशु नै उन
ताही जबाब दिया, "थमनै पवित्र ग्रन्थ अर पणमेशर के सामर्थ का कोनी बेरा;
इस कारण भुल म्ह पड़े सो| 30 क्यूँके उठनै पै वे ब्याह कोनी करैगें अर ना
ब्याह म्ह दिये जावैगें पर सुर्ग म्ह पणमेशर के दुत्तां की ढाळ होवैगें| 31 पर
मरे होया के जिन्दे उठनै के बाबत के थमनै यो बचन कोनी पढ़या जो
पणमेशर नै थारै तै कहया : 32 'मै अब्राहम का पणमेशर, अर इसहाक का
पणमेशर, याकूब का पणमेशर सूं? वो मरे होया का न्ही , पर जिन्दा का
पणमेशर सै|" 33 न्यू सुणकै माणस उसके उपदेश तै हैरान होये| 34 जिब्ब
फरिसियाँ नै सुणया के यीशु नै सदुकियां का मुँह बन्द कर दिया, तो वे कट्ठे
होये| 35 उनम्ह तै इन्तजाम करणीये या व्यवस्थापक नै उस ताही परखण कै
खातर उसतै बुझया, 36 "हे गुरु, नियम-कायदा म्ह कौण-सा हुक्म बड्डा सै?"
37 यीशु नै उसतै कह्या, "तू पणमेशर आपणे प्रभु तै आपणे साबतै मन अर
आपणे साबतै जीं अर आपणी सारी समझ कै गेल्या प्रेम राख| 38 बड्डा अर
खास हुक्म तो योए सै| 39 अर उस्से जिसा यो दूसरा भी सै के तू आपणे
पड़ोसी तै आपणे जिसा प्रेम राख| 40 यो दो हुक्म सारे नियम-कायदे अर
नब्बियाँ का निचोड़ (आधार) सै|" 41 जिब्ब फरीसी कट्ठे थे, तो यीशु नै उनतै
बुझया, 42 "मसीह कै बारै म्ह थम के सोच्चो सो? वो किसका बेट्टा सै? उन्नै
यीशु तै कह्या, "दाऊद का|" 43 यीशु नै उनतै बुझया, "तो दाऊद आत्मा म्ह
होकै उसनै प्रभु क्यांतै कहवै सै? 44 'प्रभु नै, मेरै प्रभु तै कहया, मेरै सोळै बैठ,
जिब्ब ताही के मै तेरे बैरियाँ ताही तेरे पाया तळै ना कर द्यूँ|' 45 भला, जिब्ब
दाऊद उसनै प्रभु कहवै सै, तो वो उसका बेट्टा किस ढाळ होया?" 46 अर
उन्हनै उस ताहि पकड़ना चाह्या, पर माणसां तै डर ग्ये क्यूँके वे उसनै नब्बी
माणन थे I

23 फेर यीशु नै भीड़ तै अर आपणे चेल्यां ताही कह्या, 2 "शास्त्री अर
फरीसी मूसा की गद्दी पै बैठे सै; 3 ज्यांतै वे थारै तै जो कीमे कहवै वो
करणा अर मानणा, पर उन जिसे काम मतना करणा; क्यूँके वे कहवै तो सै
पर करदे कोनी| 4 वे एक इसे भारया बोझ ताही जिनका ठाणा ओक्खा सै,
बाँधकै उन्नै माणसां के कंध्या पै धरै सै; पर खुद उस ताही आपणी आन्गळी
तै भी सरकाणा कोनी चाह्न्दे| 5 वे आपणे सारे काम माणसां ताही दिखाण
कै खातर करै सै : वे आपणे ताबिजां नै चौड़ा करै सै अर आपणे लत्या की
झाल्लर बधावै सै| 6 जिमणै की ख़ास-ख़ास जंगहा, अर पंचायता के ख़ास-
ख़ास बैठणया, 7 बजारां म्ह नमस्कार, अर माणसां म्ह रब्बी कुहवाणा उन्नै
भावै सै| 8 पर थम रब्बी ना कुहवाणा, क्यूँके थारा एके गुरु सै, अर थम सारे
भाई सो| 9 धरती पै किसे नै आपणा बाप न्ही कहणा, क्यूँके थारा एके बाप
सै, जो सुर्ग म्ह सै| 10 अर स्वामी भी ना कुहवाणा, क्यूँके थारा एके मालिक
सै, यानिके मसीह| 11 जो थारै म्ह बड्डा हो, वो थारा सेवक या नौकर बणै|
12 जो कोए आपणे आप नै बड्डा बनावैगा, वो छोट्टा करया जावैगा : अर जो
कोए आपणे आप नै छोट्टा बणावैगा, वो बड्डा करया जावैगा| 13 "हे कपटी
शास्त्रियों अर फरीसियों, थारै पै हाय! थम माणसां कै खातर सुर्ग का बारणा
बन्द करो सो अर ना उसम्ह बड़ण आळा ताही बड़ण द्यो सो | 14 [हे कपटी
शास्त्रियों अर फरीसियों, थारै पै हाय! थम बिधवा के घरा नै खा जावो सो,
अर दिखाण कै खातर घणी वार ताही प्रार्थना करदे रहो सो : ज्यांतै थारै
ताही घणी सजा मिलैगी|] 15 "हे कपटी शास्त्रियों अर फरीसियों, थारै पै
हाय! थम एक माणस ताही आपणे मत म्ह ल्याण कै खातर सारे जल अर
थल म्ह हान्डो सो, अर जिब्ब वो मत म्ह आ जावै सै तो उसनै आपणे तै
दुगणा नारकीय बणया द्यो सो| 16 "हे आंधे अगुवो, थारै पै हाय! जो कहो सो
के जै कोए मन्दर की सूह खावै तो किम्मे न्ही , पर जै कोए मन्दर कै सोन्ने की
सूह खावै तो उसतै बन्ध जावैगा| 17 हे बावळौ अर आंध्यो, कौण बड्डा सै;
सोन्ना या वो मन्दर जिसतै सोन्ना पवित्र होवै सै? 18 फेर कहो सो के जै कोए
मंढी की सूह खावै तो किम्मे न्ही , पर जो भेंट उस पै सै, जै कोए उसकी सूह
खावै तो बन्ध जावैगा| 19 हे आंध्यो, कौण बड्डा सै; भेंट या मंढी जिसम्ह भेंट
पवित्र होवै सै? 20 इसकरकै जो मंढी की सूह खावै सै, वो उसकी अर जो
कीमे उस पै सै, उसकी भी सूह खावै सै| 21 जो मन्दर की सूह खावै सै, वो
उसकी अर उसम्ह रहणीया की भी सूह खावै सै| 22 जो सुर्ग सूह खावै सै, वो
पणमेशर कै सिंहासन की अर उसपै बैठण आळै की भी सूह खावै सै| 23 "हे
कपटी शास्त्रियों अर फरीसियों, थारै पै हाय! थम पुदीनै, अर सौंफ, जीरै का
दसमा हिस्सा तो द्यो सो, पर थम नै नियम-कायद्या की डून्घी बात्तां ताही
यानिके न्याय, अर दया, अर बिश्वास ताही छोड़ दिया सै; चहिये था के इन्नै
भी करदे अर उन्नै भी न्ही छोड़दे| 24 हे आंधे अगुवो, थम मच्छरां ताही तो
छाण ल्यो सो, पर ऊँट नै निगळ जावो सो| 25 हे कपटी शास्त्रियों अर
फरीसियों, थारै पै हाय! थम कटोरे अर थाळी नै ऊप्पर-ऊप्पर तै तो मांजो
सो पर वे भित्तर अन्धेर अर असंयम तै भरे होये सै| 26 हे आंधे फरीसी,
पहल्या कटोरे अर थाळी नै भीत्तर तै मांज के वे बाहरण तै भी साफ़ हों|
27 "हे कपटी शास्त्रियों अर फरीसियों, थारै पै हाय! थम चुन्ने फिरी होई कब्रा
के जिसे सो जो ऊप्पर तै तो सुथरी दिखै सै, पर भीत्तर मुर्द्या की हाड्डीयाँ
अर सारे ढाळ की गन्दगी तै ठुकी होई सै| 28 इस्से रीती तै थम भी ऊप्पर तै
माणसां ताही धर्मी दिक्खो सो, पर भीत्तर अधर्म अर कपट तै भररे सो|
29 "हे कपटी शास्त्रियों अर फरीसियों, थारै पै हाय! थम नब्बियाँ की कब्र
समारो सो अर धर्मिया की कब्र बणावो सो, 30 अर कहो सो, 'जै हम आपणे
बाप-दादया के दिना म्ह होंदे तो नब्बियाँ की हत्या म्ह उनके साझ्झी कोनी
होंदे|' 31 इसतै तो थम आपणे पै आप ए गवाही द्यो सो के थम नब्बियाँ के
ह्त्यारां की ऊलाद सो| 32 आखर थम आपणे बाप-दादया कै पाप का घड़ा
दाऊ ढाळ भर द्यो| 33 हे साँपों, हे करैतों के बाळको, थम नरक की सजा तै
किस ढाळ बचोगे? 34 इसकरकै देक्खो, मै थारै धोरै नब्बियाँ अर समझवान
अर शास्त्रियाँ ताही खन्दाऊँ सूं; अर थम उनम्ह तै कुछा नै मार द्योगे अर
क्रूस पै चढावोगे, अर कुछा नै आपणे मन्दरां म्ह कोरड़े मारोगे अर एक नगर
तै दुसरे नगर ताही भजांदे फिरोगे| 35 जिसम्ह धर्मी हाबील तै लेकै
बिरिक्याह के बेट्टे जकरयाह तक, जिस ताही थमनै मन्दर अर मंढी कै
बिच्चाळै म्ह मार दिया था, जितने धर्मिया का लहू धरती पै बहाया गया सै वो
सारा थारे सिर पै पड़ैगा| 36 मै थम नै साच्ची कहूँ सूं, ये सारी बात इस बखत
के माणसां पै आ पड़ैगी| 37 "हे यरूशलेम, हे यरूशलेम! तू नब्बियाँ नै मार
देवै सै, अर जो तेरै धोरै खिन्दाए गए, उन पै पत्थर बरसावै सै| कितनी ए बै
मन्नै चाहया के जिस तरिया मुर्गी आपणे बच्या ताही आपणे पाखां कै तळै
कट्ठे करै सै, उस्से तरिया ए मै भी तेरे बाळका ताही कट्ठा कर ल्युँ, पर थमनै
कोनी चाहया| 38 देक्खो, थारा घर थारै खातर उजाड़ छोड्या जावै सै|
क्यूँके मै थम नै साच्ची कहूँ सूं के इब तै जिब्ब ताही थम न्ही कहोगे, 'धन्य सै
वो, जो प्रभु कै नाम तै आवै सै' जिद ताही थम मन्नै फेर कदे कोनी देक्खोगे|"
39 क्यूँके मै थमनै कहूँ सू के इब तै जिब्ब तक थम न्ही कहोंगे, 'धन्य सै वो
जो प्रभु कै नाम तै आवै सै' तब तक थम मन्नै कदे न्ही देक्खोगेI"

24 जिब्ब यीशु मन्दर तै लिकड़ कै जाण लागरया था, तो उसके चेल्ले
उस ताही मन्दर की बणावट दिखाण कै खातर उसकै धोरै आये |
2 यीशु नै उनतै कह्या, "थम यो सारा देक्खो सो न! मै थम नै साच्ची कहूँ सूं,
उरै पत्थर पै पत्थर भी कोनी छूटेगा जो गेरया ना जावैगा|" 3 जिब्ब यीशु
जैतून कै पहाड़ पै बैठ्या था, तो चेल्यां नै एकै म्ह उसकै धोरै आकै कह्या,
"हमनै बता, यें बात कद होवैगीं? तेरै आण का अर दुनिया कै अन्त का के
निशान होवैगा?" 4 यीशु नै उन ताही जबाब दिया, "चौकन्ने रहियो! कोए थमनै
भकाण न्ही पावै, 5 क्यूँके घण-खरे इसे होवैगें जो मेरै नाम तै आकै कहवैगें,
"मै मसीह सूं, अर घणा ए ताही भकावैगें| 6 थम रोळे अर लड़ाई अर
लड़ाईया का जिक्रा सुणोगे, तो घबराईयो ना क्यूँके इनका होणा जरूरी सै,
पर उस बखत अंत कोनी होवैगा | 7 क्यूँके जात्तां पै जात, अर राज्य पै
राज्य चढ़ाई करैगें, अर जंगहा-जंगहा काल पड़ैगें, अर हाल्लण आवैगें| 8 ये
सारी बात दुखा की सरूआत होवैगी| 9 फेर वे क्लेश देण कै खातर थम नै
पकड़वावैगें, अर थमनै मार देवैगें, अर मेरै नाम कै कारण सारी जात्तां के
माणस थारै तै बैर राखैगें| 10 फेर घण-खरे ठोकर खावैगें, अर एक-दुसरै नै
पकड़वावैगें, अर एक-दुसरै तै बैर राखैगें| 11 घण-खरे झूठे नब्बी खड़े हो
जावैगें, अर घणा ए ताही भकावैगें| 12 अधर्म कै बंधण तै घणा ए का प्रेम
शीळा पड़जावैगा, 13 पर जो आखर ताही थावस राक्खैगा, उस्से का उद्धार
होवैगा| 14 अर राज्य का यो सुसमाचार सारी दुनिया म्ह प्रचार करया
जावैगा, के सारी जात्तां पै गवाही होवै, फेर अन्त आ जावैगा| 15 "इस करकै
जिब्ब थम उस उजाड़ण आळी हिणी चीज ताही जिसका जिक्रा दानिय्येल

नब्बी कै जरिये होया था, पवित्र जंगहा पै खड़े देक्खो (जो पढ़ै, वो समझै),
16 फेर जो यहूदिया म्ह हो वे पहाड़ा पै भाज जावै| 17 जो छात पै हो, वो
आपणे घर म्ह तै समान लेण नै तळै न्ही उतरै; 18 अर जो खेत म्ह हो, वो
आपणा लत्ता लेण नै पाच्छै न्ही बोहड़ै| 19 उन दिनां म्ह जो गर्भवती अर
दूध पिलान्दी होवैगीं, उन कै खातर हाय, हाय! 20 प्रार्थना करया करो के
थमनै जाडै म्ह या सब्त कै दिन भाजणा ना पड़ै| 21 क्यूँके उस टेम इसा
भारया क्लेश होवैगा, जिसा दुनिया की सरूआत तै ना इब ताही होया ना
कदे होवैगा| 22 जै वे दिन घटाए न्ही जांदे तो कोए जीं कोनी बचता, पर छांटे
होया कै कारण वे दिन घटाए जावैगें| 23 उस जै कोए बखत थम नै कहवै,
'देक्खो, मसीह उरै सै!' या 'ओड़ै सै!' तो बिश्वास ना करियो| 24 क्यूँके झूठे
मसीह अर झूठे नब्बी उठ खड़े होवैगें, अर बड्डी निशान्नी, अर अनोक्खे
कारनाम्मे दिखावैगें के जै हो सक्या तो छांटे होया ताही भी भका देवैगें|
25 देक्खो, मन्नै पहल्या ए थारै तै यो सारा कीमे कह दिया सै| 26 इसकरकै जै
वे थारै तै कहवै, 'देक्खो, वो बण म्ह सै', तो बाहरण ना लिकड़यो; या
'देक्खो, वो कोठड़ीया म्ह सै', तो बिश्वास ना करियो| 27 क्यूँके जिस ढाळ
बिजळी पूरब तै लिकड़ कै पश्चिम ताही चमकै सै, उस्से ढाळ माणस के बेट्टे
का भी आणा होवैगा| 28 जित लाश हो, उड़ै ए गिद्ध कट्ठे होवैगें| 29 "उन
दिनां के क्लेश कै पाच्छै जिब्बे सूरज अँधेरा म्ह हो जावैगा, चाँद का चांदना
जान्दा रहवैगा, अर तारे अकास तै तळै पड़ैगें, अर अकास की सारी शक्ति
हलाई ज्यागी| 30 फेर माणस के बेट्टे का निशान अकास म्ह दीखैगा, अर फेर
धरती के सारे खानदान्ना के माणस छात्ती पिटैगें; अर माणस के बेट्टे ताही
बड्डी सामर्थ अर एश्वर्य कै गेल्या अकास के बादळा पै आंदे देक्खोगे| 31 वो
तुरही की तेज आवाज कै गेल्या आपणे दूत्तां नै खन्दावैगा, अर वे अकास के
इस सिरे तै उस सिरे ताही, च्यारू दिशाया तै उसके छांटे होया नै कट्ठे
करैगें| 32 "अंजीर के दरख्त तै यो उदाहरण सिक्खो : जिब्ब उसकी डाळी
कोमल हो जावै अर पत्ते लिकड़ण लाग ज्या सै, तो थम जाण ल्यो के गर्मी
का टेम लोवै सै| 33 इस्से तरिया तै जिब्ब थम इन सारी बात्तां नै देक्खो, तो
जाण ल्यो के वो लोवै सै, बल्के बारणै ए पै सै| 34 मै थम नै साच्ची कहूँ सूं के
जिब्ब ताही यें सारी बात पूरी ना हो लेवै, जद ताही इस पीढ़ी का अन्त कोनी
होवैगा| 35 धरती अर अकास टळ ज्याँगे, पर मेरी बात कोनी टळैगी|
36 "उस दिन अर उस घड़ी कै बारै म्ह कोए न्ही जाणदा, ना सुर्ग के दूत अर
ना बेट्टा, पर सिर्फ पिता| 37 जिस ढाळ नूह के दिन थे, उस्से तरिया ए
माणस के बेट्टे का आणा होगा| 38 क्यूँके जिस तरिया जल-प्रलय तै पहल्ये
के दिना म्ह, जिस दिन ताही नूह जहाज पै न्ही चढ़या, उस दिन ताही माणस
खावै-पीवै थे, अर उनम्ह ब्याह होवै थे| 39 अर जिब्ब ताही जल-प्रलय आकै
उन सारया ताही बहा न्ही लेग्या, जद ताही उन्नै किम्मे बेरा न्ही पाट्या; इस्से
तरिया ए माणस के बेट्टे का आणा भी होगा| 40 उस बखत दो जणे खेत म्ह
होवैगें, एक ले लिया जावैगा अर दूसरा छोड़ दिया जावैगा| 41 दो लुगाई चक्की
पीसदी रहवैगी, एक ले ली ज्यागी, अर दूसरी छोड़ दी ज्यागी| 42 ज्यातै
जागदे रहो, क्यूँके थमनै न्ही बेरा के थारा प्रभु किस दिन आवैगा| 43 पर न्यू
जाण ल्यो के जै घर का मालिक नै बेरा हो के चोर किस पहर आवैगा तो
जागदा रहन्दा, अर आपणे घर म्ह सेंध लागण न्ही देन्दा| 44 ज्यांतै थम भी
त्यार रहो, क्यूँके जिस घड़ी कै बारै म्ह थम सोचदे भी कोनी सो, उस्से घड़ी
माणस का बेट्टा आ जावैगा| 45 "आखर म्ह वो बिश्वास जोग्गा अर श्याणा
दास कौण सै, जिस ताही मालिक नै आपणे नौकर-चाकरा पर सरदार
ठहराया के बखत पै उन्नै खाणा देवै? 46 धन्य सै वो दास, जिस ताही उसका
मालिक आकै इसा ए करदा पावै| 47 मै थम नै साच्ची कहूँ सूं, वो उसनै
आपणी सारी सम्पति पै सरदार ठहरावैगा| 48 पर जै वो दुष्ट दास सोच्चण
लाग्गै के मेरै मालिक कै आण म्ह वार सै, 49 अर आपणे साथी नौकरां नै
पिट्टण लाग्गै, अर शराबियाँ कै गेल्या खावै-पीवै| 50 तो उस दास का मालिक
इसे दिन आवैगा, जिब्ब वो उसकी बाट न्ही देख्दा हो, अर इसै बखत जिसनै
वो जाणदा ना हो, 51 जिब्ब वो उसनै भारी ताड़ना देगा अर उसका हिस्सा
कपटिया कै गेल ठहरावैगा: ओड़ै रोणा अर दात पिसना होगाI

25 "सुर्ग का राज्य" उन दस कुँवारियाँ के जिसा होगा जो आपणी
मशाल ले कै बन्दड़े तै फेटण लिकड़ी| 2 उनम्ह पाँच बेअक्ल अर
पाँच श्याणी थीं| 3 बेअकली कुवारियाँ नै आपणी मशाल तो ली, पर आपणे
गेल्या तेल कोनी लिया; 4 पर श्याणीयां नै आपणी मशालां कै गेल्या आपणी
कुप्पियां म्ह तेल भी भर लिया| 5 जिब्ब बन्दड़े कै आण म्ह वार होई, तो वे
सारी ऊँघण लाग्गी अर सो गी| 6 "आधी रात नै धूम माच्ची: 'देक्खो, बन्दड़ा
आण लागरया सै! उसतै फेटण नै चाल्लो|' 7 फेर वे सारी कुँवारियाँ उठकै
आपणी मशाल ठीक करण लाग्गी| 8 अर बेअक्लियां नै श्याणीया तै कह्या,
'आपणे तेल म्ह तै कीमे हमनै भी द्यो, क्यूँके म्हारी मशाल बुझ्झण लागरी
सैं|' 9 पर श्याणीया नै जबाब दिया, 'कदे यो म्हारै अर थारै खातर पूरा ना
पड़ै; भला तो योए सै के थम बेचणीयां कै धोरै जाकै आपणे खातर मोल
लियावो|' 10 जिब्ब वे मोल लेण नै जावै थी तो बन्दड़ा आण पहोच्या, अर
जो त्यार थी, वे उसकै गेल्या ब्याह कै घर म्ह चली गई अर बारणा मूंद दिया
गया| 11 इसकै पाच्छै वे दूसरी कुँवारिया भी आकै कहण लाग्गी, 'हे मालिक,
हे मालिक, म्हारै खातर बारणा खोल दे|' 12 उसनै जबाब दिया, 'मै थारै
ताही साच्ची कहूँ सूं, मै थमनै कोनी जाणदा|' 13 इस करकै जागदे रहो, क्यूँके
थम ना उस दिन नै जाणो सो, ना उस घड़ी नै| 14 "क्यूँके या उस माणस की
सी हालत सै जिसनै परदेश जान्दे बखत आपणे नौकरां ताही बुलाकै आपणी
सम्पति उन ताही सौप दी| 15 उसनै एक तै पाँच तोड़े (20 किलो चाँदी),
दुसरे ताही दो, अर तीसरे ताही एक; यानिके हरेक ताही उसकी योग्यता कै
मुताबिक दिया, अर फेर परदेश चल्या गया| 16 फेर, जिस ताही पाँच तोड़े
मिले थे, उसनै जिब्बे जाकै उनतै लेण-देण करया, अर पाँच तोड़े और
कमाए| 17 इस्से तरिया तै जिस ताही दो मिले थे, उसनै भी दो और कमाए|
18 पर जिस ताही एक मिल्या था, उसनै जाकै माट्टी खोद्दी, अर आपणे
मालिक के रपिये लह्को दिये| 19 "घणे दिनां पाच्छै उन नौकरां का मालिक
आकै उन तै हिसाब लेण लाग्या| 20 जिसनै पाँच तोड़े मिले थे, उसनै पाँच
तोड़े और ल्याकै कहया, हे मालिक, तन्नै मेरै ताही पाँच तोड़े सौप्पे थे, लखा,
मन्नै ये पाँच तोड़े और कमाए सै|' 21 उसकै मालिक नै उसतै कह्या, "धन्य,
हे बढ़िया अर बिश्वास जोग्गे नौकर, तू माड़ै-सै म्ह बिश्वास जोग्गा लिकड़या ;
मै तन्नै घणी चिज्जां का अधिकारी बणाऊँगा| आपणे मालिक कै आनन्द म्ह
साझ्झी हो|' 22 "अर जिस ताही दो तोड़ मिले थे, उसनै भी आकै कह्या, "हे
मालिक, तन्नै मेरै ताही दो तोड़े सौप्पे थे, देख, मन्नै दो तोड़े और कमाए|'
23 उसकै मालिक नै उसतै कह्या, "धन्य, हे बढ़िया अर बिश्वास जोग्गे नौकर,
तू माड़ै-सै म्ह बिश्वास जोग्गा लिकड़या ; मै तन्नै घणी चिज्जां का अधिकारी
बणाऊँगा| आपणे मालिक कै आनन्द म्ह साझ्झी हो|' 24 "फेर जिस ताही
एक तोड़ा मिल्या, उसनै आकै कह्या, "हे मालिक, मै तन्नै जांणू था के तू
करड़ा माणस सै : तू जित किते न्ही बोन्दा ओड़ै काट्टै सै, अर जित न्ही
खिंडान्दा ओड़ै तै कट्ठा करै सै| 25 ज्यांतै मै डरग्या अर जाकै तेरा तोड़ा
माट्टी म्ह लको दिया| देख, जो तेरा सै, वो यो सै|' 26 उसकै मालिक नै उस
ताही जबाब दिया, "हे दुष्ट अर आलसी नौकर, जिब्ब तन्नै न्यू बेरा था के
जित मन्नै न्ही बोया ओड़ै तै काट्टू सूं, अर जित मन्नै न्ही खिंडाया ओड़ै तै
कट्ठा करूँ सूं; 27 तो तन्नै चहिये था के मेरा रपिया सरफां ताही दे देंदा, फेर मै
आकै आपणा धन ब्याज सुदा ले लेन्दा| 28 ज्यातै उसतै वो तोड़ा उसतै ले
ल्यो, अर जिसकै धोरै दस तोड़े सै उसनै दे द्यो| 29 क्यूँके जिस किसे धोरै
सै, उस ताही और दिया जावैगा; अर उसकै धोरै घणा हो जावैगा : पर
जिसकै धोरै न्ही सै, उसतै वो भी जो उसकै धोरै सै, ले लिया जावैगा|
30 अर इस निकम्मे नौकर नै बाहरण कै अन्धेरै म्ह गेर द्यो, जित रोणा अर
दाँत पिसणा होगा|' 31 "जिब्ब माणस का बेट्टा आपणी महिमा म्ह आवैगा अर
सारे सुर्गदुत उसकै गेल्या आवैगें, तो वो आपणी महिमा कै सिंहासन पै
बैठैगा| 32 अर सारी जात उसकै स्याम्ही कट्ठी करी जावैगी; अर जिस ढाळ
पाळी भेड्डां नै बकरियाँ तै न्यारी कर देवै सै, उस्से तरिया वो उन्नै एक-दुसरे
तै न्यारा करैगा| 33 वो भेड्डां नै आपणी सोळी वोड़ अर बकरियाँ नै वोळी वोड़
खड़या करैगा| 34 फेर राजा आपणी सोळी वोड़ आळयां नै कहवैगा, 'हे मेरे
पिता के धन्य माणसो, आवो, उस राज्य के हक्कदार हो जावो, जो दुनिया की
सरूआत तै थारै खातर त्यार करया गया सै| 35 क्यूँके मै भूक्खा था, अर
थमनै मेरै ताही खाण नै दिया; मै तिसाया था, अर थमनै मेरै ताही पाणी
पिलाया; मै परदेशी था, अर थमनै मेरै ताही आपणे घरा ठहराया; 36 मै
उघाड़ा था, अर थमनै मेरै ताही लत्ते पिहराए; मै बीमार था, अर थमनै मेरा
बेरा लिया, मै जेळ म्ह था, अर थम मेरै तै फेटण आये|' 37 "फेर धर्मी उस

ताही जबाब देवैगें, 'हे प्रभु, हमनै कद तेरै ताही भूक्खा देख्या अर खुवाया? या कद तिसाया देख्या अर पाणी पिलाया? 38 हमनै कद तेरै ताही परदेशी देख्या अर आपणे घरा ठहराया? या उघाड़ा देख्या अर लत्ते पिहराये? 39 हमनै कद तेरै ताही बीमार या जेळ म्ह देख्या अर तेरा बेरा लेण न्ही आये?' 40 फेर राजा उन्नै जबाब देवैगा, 'मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के थमनै जो मेरे इन छोट्या तै छोट्टे भाईया म्ह तै किसे एक कै गेल्या करया, वो मेरै ए गेल्या करया।' 41 "फेर वो वोळै कान्नी आळयां ताही कहवैगा, 'हे श्रापित माणसो, मेरै स्याम्ही तै उस अनन्त आग म्ह चले जावो, जो शैतान अर उसके दूत्तां खातर त्यार करी गयी सै। 42 क्यूँके मै भूक्खा था, अर थमनै मेरै ताही खाण नै कोनी दिया; मै तिसाया था, अर थमनै मेरै ताही पाणी कोनी पिलाया; मै परदेशी था, अर थमनै मेरै ताही आपणे घरा कोनी ठहराया; 43 मै नंगा था, अर थमनै मेरै ताही लत्ते कोनी पिहराए; मै बीमार था, अर थमनै मेरा बेरा कोनी लिया, मै जेळ म्ह था, अर थम मेरै तै फेटण कोनी आये।' 44 "फेर वे जबाब देवैगें, 'हे प्रभु, हमनै तेरै ताही कद भूक्खा, या तिसाया, या परदेशी, या उघाड़ा, या बीमार, या जेळ म्ह देख्या, अर तेरी सेवा-बाड़ी न्ही करी?' 45 फेर वो उन्नै जबाब देवैगा, 'मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के थमनै जो मेरे इन छोट्या तै छोट्या म्ह तै किसे एक कै गेल्या न्ही करया, वो मेरै गेल्या भी न्ही करया।' 46 अर ये अनन्त दंड भोगैगें पर धर्मी अनंत जीवन म्ह दाखल होंगेंI

26 जिब्ब यीशु नै ये सारी बात कहली तो आपणे चेल्यां तै कहण लाग्या, 2 "थमनै बेरा सै के दो दिनां पाच्छै फसह का त्यौहार सै, अर माणस का बेट्टा क्रूस पै चढ़ाण कै खातर पकड़वाया जावैगा।" 3 फेर प्रधान याजक अर प्रजा के पुरनिये काइफा नामक महायाजक कै आँगन म्ह कट्ठे होये, 4 अर आपस म्ह बिचार करण लाग्गे के यीशु ताही छळ तै पकड़कै मार देवा। 5 पर वे कहवै थे, "त्यौहार कै बखत न्ही , कदे इसा ना हो के माणसां म्ह रोळा माच्च ज्या।" 6 जिब्ब यीशु बैतनिय्याह म्ह शमौन कोढ़ी कै घरा था, 7 तो एक लुगाई संगमरमर कै बरतन म्ह महंगा सैन्ट लेकै उसकै धोरै आई, अर जिब्ब वो खाणा खाण नै बैठ्या था तो उसकै सिर पै उंडेल दिया। 8 न्यू देखकै उसके चेल्ले खीजकै अर कहण लाग्गे, "इसका क्यांतै नास करया गया? 9 इस ताही तो बढ़िया दाम्मां पै बेचकै कंगालां म्ह बांडया जा सकै था।" 10 न्यू जाण कै यीशु नै उनतै कह्या, "लुगाई नै क्यांतै सतावो सो? उसनै मेरै गेल्या भलाई करी सै। 11 कंगाल तो थारै गेल्या सारी हाण रहवै सै, पर मै थारै गेल्या सारी हाण कोनी रहूँगा। 12 उसनै मेरी देही पै जो यो सैन्ट उंडेला सै, वो मेरै गाड़े जाण कै खातर करया सै। 13 मै थमनै साच्ची कहूँ सूं, के सारे जगत म्ह जित किते भी यो सुसमाचार प्रचार करया जावैगा, ओड़ै उसकै इस काम का जिक्रा भी उसकै याद म्ह करया जावैगा।" 14 फेर यहूदा इस्करियोती नै, जो बारहा चेल्यां म्ह तै एक था, प्रधान याजकां कै धोरै जाकै कह्या, 15 "जै मै यीशु नै थारे हाथां म्ह पकड़वा द्युँ, तो मन्नै के द्योगे?" उन्नै तीस चाँदी के सिक्के तौलकै दे दिये। 16 अर वो उस्से बखत तै यीशु नै पकड़वाण का मौक्का टोहण लाग्या। 17 अखमीरी रोट्टी कै त्यौहार कै पह्ल्ड़े दिन, चेल्ले यीशु कै धोरै आकै बुझ्झण लाग्गे, "तू कित चाहवै सै के हम तेरै खातर फसह खाण की त्यारी करा?" 18 यीशु बोल्या, "नगर म्ह फलाणा माणस नै जाकै उसतै कहो, 'गुरु कहवै सै के मेरा बखत लोवै सै। मै आपणे चेल्यां कै गेल्या तेरै उरै त्यौहार बणाऊँगा'।" 19 आखर चेल्यां नै यीशु का हुक्म मान्या अर फसह त्यार करया। 20 जिब्ब साँझ होई तो वो बारहा कै गेल्या खाणा खाण कै खातर बैठ्या। 21 जिब्ब वे खाण लागरे थे तो यीशु नै कह्या, "मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के थारै म्ह तै एक मन्नै पकड़वावैगा।" 22 इस पै घणे उदास होये, अर हरेक उसतै बुझ्झण लाग्या, "हे गुरु, के वो मै सूं?" 23 उसनै जबाब दिया, "जिसनै मेरै गेल्या थाळी म्ह हाथ घाल्या सै, वो ए मन्नै पकड़वावैगा। 24 माणस का बेट्टा तो जिसा उसकै बारै म्ह लिख्या सै, जावै ए सै; पर उस माणस कै खातर दु:ख सै जिसकै जरिये माणस का बेट्टा पकड़वाया जावै सै : जै उस माणस का जन्म ए न्ही होंदा, तो उसकै खातर भला होंदा।" 25 फेर उसकै पकड़वाण आळे यहूदा नै कह्या, "हे रब्बी, के वो मै सूं?" यीशु उसतै बोल्या, "तन्नै कह लिया।" 26 जिब्ब वे फसह खाण लागरे थे, तो यीशु नै रोट्टी ली, अर आशीष माँगकै तोड़ी, अर चेल्यां ताही देकै कह्या, "ल्यो, खावो; या मेरी देही सै।" 27 फेर यीशु नै आपणा कटोरा लेकै धन्यवाद करया, अर उन ताही देकै कह्या, "थम सारे इस म्ह तै पियो, 28 क्यूँके यो वाचा का मेरा वो लहू सै, जो घण-खरया कै खातर पापो की माफ़ी कै खातर बहाया जावै सै। 29 मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के दाख का यो रस उस दिन ताही कदे न्ही पिऊँगा, जिब्ब थारे गेल्या आपणे पिता कै राज्य म्ह नया न्ही पीऊँ।" 30 फेर वे भजन गाकै जैतून कै पहाड़ पै गये। 31 फेर यीशु नै उनतै कह्या, "थम आज ए रात नै मेरै बाबत ठोकर खावोगे, क्यूँके लिख्या सै : 'मै पाळी नै मारूँगा, अर टोळ की भेड़ तितर-बितर हो जावैगीं।' 32 पर मै आपणे जिन्दा उठनै कै बाद थारै तै पहल्या गलील नै जाऊँगा।" 33 इस पै पतरस नै उसतै कह्या, "जै सारे तेरै बाबत ठोकर खावै तो खावै, पर मै कदे भी ठोकर कोनी खाऊँगा।" 34 यीशु नै उसतै कह्या, "मै तेरै तै साच्ची कहूँ सूं के आज ए रात नै मुर्गे के बाँग देण तै पहल्या, तू तीन बै मेरै बारै म्ह मुकरैगा।" 35 पतरस नै उसतै कह्या, "जै मन्नै तेरै गेल्या मरणा भी पड़ै, तोभी मै तेरै तै कदे भी कोनी मुकरूँगा।" अर इस्से तरिया सारे चेल्यां नै कहया। 36 फेर यीशु नै आपणे चेल्यां कै गेल्या गतसमनी नामक एक जंगहा म्ह आया अर आपणे चेल्यां तै कहण लाग्या, "उरै ए बैठे रहियो, जिब्ब ताही मै ओड़ै प्रार्थना करूँ।" 37 वो पतरस अर जब्दी के दोन्नु बेट्टा नै गेल्या लेग्या, अर उदास अर कांल होण लाग्या। 38 फेर उसनै उनतै कह्या, "मेरा जी घणा उदास सै, उरै ताही के मेरा जीं लिकड़ण नै होरया सै। थम उरै ठहरो अर जागदे रहो।" 39 फेर वो माड़ा और आगै सरक कै मुँह कै बळ गिरया, अर या प्रार्थना करी, "हे मेरे पिता, जै हो सकै तो यो कटोरा मेरै तै टळ जावै, तोभी जिसा मै चाहूँ सूं इसा न्ही , पर जिसा तू चाहवै सै उस्से तरिया ए होवै।" 40 फेर उसनै चेल्यां कै धोरै आकै उन ताही सोन्दे पाया अर पतरस तै बोल्या, "के थम मेरै गेल्या एक घड़ी भी कोनी जाग सके? 41 जागदे रहो, अर प्रार्थना करदे रहो के थम हिम्तान म्ह ना पड़ो : आत्मा तो त्यार सै पर देही माड़ी सै।" 42 फेर उसनै दूसरी बै जाकै या प्रार्थना करी, "हे मेरे पिता, जै यो मेरै पिए बिना न्ही हट सकदा, तो तेरी मर्जी पूरी हो।" 43 फेर उसनै आकै उन ताही फेर सोन्दे पाया, क्यूँके उनकी आँख न्ही द तै भरी थीं। 44 उन्नै छोड़कै वो फेर चल्या गया, अर उन्ने शब्दां म्ह फेर तीसरी बै प्रार्थना करी। 45 फेर उसनै चेल्यां कै धोरै आकै उनतै कह्या, "इब सोन्दे रहो, अर आराम करो : देक्खो, बखत आण पहोच्या सै, अर माणस का बेट्टा पापियाँ के हाथां पकड़वाया जावै सै। 46 उठो, चाल्ला; देक्खो, मेरा पकड़ाण आळा लोवै आण पहोच्या सै।" 47 वो न्यू कहण ए लागरया था के यहूदा जो बारहा म्ह तै एक था आया, अर उसकै गेल्या प्रधान याजकां अर माणसां के पुरनियां की वोड़ तै बड्डी भीड़, तलवार अर लाठी लिये होये, आई। 48 यीशु के पकड़वाण आळे यहूदा नै उन ताही यो इशारा दिया था : "जिस ताही म्ह चूम ल्यूँ वो ए सै; उस ताही पकड़ लियो।" 49 अर जिब्बे यीशु कै धोरै आकै कह्या, "हे रब्बी, नमस्कार!" अर उस ताही घणा ए चुम्या। 50 यीशु नै उसतै कह्या, "हे mitr, जिस काम कै खातर तू आया सै, उसनै कर ले।" फेर उन्नै धोरै आकै यीशु पै हाथ गेरया अर उस ताही पकड़ लिया। 51 यीशु के मित्तरां म्ह तै एक नै हाथ बढ़ाकै आपणी तलवार खिंच ली अर महायाजक के नौकर पै चला कै उसका कान उड़ा दिया। 52 फेर यीशु नै उसतै कह्या, "आपणी तलवार म्यान म्ह धर ले क्यूँके जो तलवार चलावै सै वे सारे तलवार तै नास करे जावैगें। 53 के तन्नै न्ही बेरा के मै आपणे पिता तै बिनती कर सकूँ सूं, अर वो सुर्गदुत्तां की बारहा पलटन तै घणे मेरै धोरै इब्बे हाजर कर देवैगा? 54 पर पवित्र ग्रन्थ की ये बात के इसा ए होणा जरूरी सै, किस ढाळ पूरी होवैगी?" 55 उस बखत यीशु नै भीड़ तै कह्या, "के थम तलवार अर लाठी लेकै मन्नै डाकू की ढाळ पकड़ण कै खातर लिकड़े सो? मै हरेक दिन मन्दर म्ह बैठ कै उपदेश दिया करूँ था, अर थमनै मेरै ताही कोनी पकड़या। 56 पर यो सारा ज्यांतै होया सै के नब्बियाँ के बचन पुरे होवै।" फेर सारे चेल्ले उसनै छोड़ कै भाज्गे। 57 फेर यीशु के पकड़ण आळे उस ताही काइफा नामक महायाजक कै धोरै लेगे, जित शास्त्री अर पुरनिये कट्ठे होये थे। 58 पतरस दूर ए दूर उसकै पाच्छै-पाच्छै महायाजक कै आँगन ताही आया, अर भीत्तर जाकै अन्त देखण नै प्यादां कै गेल्या बैठग्याI 59 प्रधान याजक अर सारी बड्डी पंचायत यीशु नै मारण कै खातर उसकै बिरोध म्ह झूठी गवाही की टोह म्ह थे, 60 पर घण-खरे झूठे गवाह कै आण पै भी कोनी पाई। आखर म्ह दो जणे आये, 61 अर बोल्ले, "इसनै कहया सै के मै पणमेशर कै मन्दर नै गेर सकूँ सूं अर उस ताही तीन

दिन म्ह बणा सकूँ सूं।" 62 फेर महायाजक नै खड़े होकै यीशु तै कह्या, "के तू
कोए जबाब न्ही देदा? ये माणस तेरै बिरोध म्ह के गवाही देवै सै?" 63 पर यीशु
बोल-बाल्ला रहया। फेर महायाजक नै उसतै कह्या, "मै तन्नै जिन्दे पणमेशर
की सूंह द्युँ सूं के जै तू पणमेशर का बेट्टा सै, तो म्हारै तै कह दे।" 64 यीशु नै
उसतै कह्या, "तन्नै आप ए कह दिया; बल्के मै तेरै तै यो भी कहूँ सूं के इब तै
थम माणस के बेट्टे ताही सारया तै सब तै ताकतवर की सोळी वोड़ baeठे,
अर अकास के बादळां पै आंदे देक्खोगे।" 65 इस पै महायाजक नै आपणे
लत्ते पाड़े अर बोल्या, "इसनै पणमेशर की बुराई करी सै, इब हमनै गवाही
की के जरूत? देक्खो, थमनै इब्बे या बुराई सुणी सै! 66 थम के सोच्चो सो?"
उन्नै जबाब दिया, "यो मारण जोग्गा सै।" 67 फेर उन्नै उसकै मुँह पै थुक्या अर
उसकै घुस्से मारे, दूसरयां नै रैप्ट मारकै कह्या, 68 "हे मसीह, म्हारै तै
भविष्यवाणी करकै कह के किसनै तेरै ताही मारया?" 69 पतरस बाहरण
आँगन म्ह बैठ्या था के एक नौकरांनी उसकै धोरै आई अर बोल्यी, "तू भी
यीशु गलीली कै गेल्या था।" 70 उसनै सारया कै स्याम्ही कहकै नाट्या, "मन्नै
न्ही बेरा तू के कहवै सै।" 71 जिब्ब वो बाहरण देहळिया म्ह गया, तो दूसरी
नौकरांनी नै उस ताही देखकै उन ताही जो ओड़ै थे कह्या, "यो भी यीशु
नासरी कै गेल्या था।" 72 वो सूंह खाकै फेर नाट्या : "मै उस माणस नै कोनी
जाणदा।" 73 माड़ी बार पाच्छै माणसां नै जो ओड़ै खड़े थे, पतरस कै धोरै
आकै उसतै कह्या, "साच्चए तू भी उनम्ह तै एक सै, क्यूँके तेरी बोल्ली तेरा भेद
खोल्लै सै।" 74 फेर वो धिक्कारण अर सूंह खाण लाग्या : "मै उस माणस नै
कोनी जाणदा।" जिब्बे मुर्गे नै बाँग देई। 75 जिब्ब पतरस नै यीशु की कही
होई बात याद आई "मुर्गे कै बाँग देवैण तै पहल्या तीन बै तू मेरा इंकार
करैगाI" अर वो बारणै ज्याकै फूट-फूट कै रोयाI

27 जिब्ब सुबेरा होया तो सारे प्रधान याजकां अर माणसां के पुरनियां
नै यीशु ताही मारण की सलाह करी। 2 उन्नै यीशु ताही बाँधया अर
ले जाकै पिलातुस हाकिम कै हाथां म्ह सौप दिया। 3 जिब्ब उसकै पकड़वाण
आळे यहूदा नै देख्या के वो कसूरवार ठहराया गया सै तो वो पसताया अर वे
तीस चाँदी के सिक्के प्रधान याजकां अर पुरनियां कै धोरै बोहड़ाया 4 अर
कह्या, "मन्नै बेकसुरावर ताही मारण कै खातर पकड़वाकै पाप करया सै।"
उन्नै कह्या, "म्हारै ताही के? तू ए जाण।" 5 फेर वो उन सिक्का नै मन्दर म्ह
बगाकै चल्या आया, अर जाकै आपणे आप ताही फाँसी लगा ली। 6 प्रधान
याजका नै उन सिक्का ताही लेकै कह्या, "इन ताही, भण्डार म्ह धरणा ठीक
कोनी, क्यूँके यो लहू का मोल सै।" 7 आखर म्ह उन्नै सलाह करकै उन
सिक्कयां तै परदेशियां के गाड्डे जाण कै खातर कुम्हार का खेत मोल ले लिया।
8 इस कारण वो खेत आज ताही लहू का खेत कुहवावै सै। 9 फेर जो बचन
यिर्मयाह नब्बी कै जरिये कहया गया था वो पूरा होया : "उन्नै वे तीस सिक्के
यानिके उस ठहराए होये मोल ताही (जिस ताही इस्राएल की ऊलाद म्ह तै
कितन्यां नै ठहराया था) ले लिया, 10 अर जिस तरिया प्रभु नै मेरै ताही हुक्म
दिया था, उस्से तरिया ए उन्नै कुम्हार के खेत कै मोल म्ह दे दिया।" 11 जिब्ब
यीशु हाकिम कै स्याम्ही खड़या था तो हाकिम नै उसतै बुझ्झया, "के तू
यहूदियाँ का राजा सै?" यीशु नै उसतै कह्या, "तू आप ए कहण लागरया सै।"
12 जिब्ब प्रधान याजक अर पुरनिये उस पै तोहमन्द लावै थे, तो उसनै कीमे
जबाब कोनी दिया। 13 इस पै पिलातुस नै उसतै कह्या, "के तू न्ही सुणदा के
ये तेरै बिरोध म्ह कितनी गवाही देवै सै?" 14 पर उसनै उस ताही एक बात का
भी जबाब कोनी दिया, उरै ताही के हाकिम ताही घणी हैरानी होई।
15 हाकिम का यो रिवाज था के उस त्यौहार म्ह माणसां कै खातर किसे एक
कैदी ताही जिसनै वे चाहवै थे, रिहा कर देवै था। 16 उस टेम उनकै उरै
बरअब्बा नामका एक मान्या होड़ कैदी था। 17 आखर जिब्ब वो कट्ठे होए, तो
पिलातुस नै उनतै कह्या, "थम किसनै चाहो सो के मै थारे खातर रिहा करूँ?
बरअब्बा ताही, या यीशु ताही जो मसीह कुहवावै सै। 18 क्यूँके उसनै बेरा था
के उन्नै उस ताही डाह तै पकड़वाया था। 19 जिब्ब वो न्याय की गद्दी पै
बैठ्या होया था तो उसकी बीरबान्नी नै उस ताही कुह्वा खन्दाया, "तू उस
धर्मी कै मामलै म्ह हाथ ना गेरिये, क्यूँके मन्नै आज सपने म्ह उसकै कारण
घणा दुःख ठाया सै।" 20 प्रधान याजकां अर पुरनियां नै माणसां ताही
उकसाया के वे बरअब्बा नै माँग ले, अर यीशु का नास कराएँ। 21 हाकिम नै
उसतै बुझ्झया, "इन दोनुआ म्ह तै किस नै चाहो सो के मै थारै खातर रिहा
करूँ?" उन्नै कह्या, "बरअब्बा ताही।" 22 पिलातुस नै उनतै कह्या, "फेर यीशु
ताही, जो मसीह कुहवावै सै, के करूँ?" सारया नै उसतै कह्या, "यीशु क्रूस पै
चढ़ाया जावै!" 23 हाकिम नै कह्या, "क्यांतै, उसनै के भूंडा करया सै?" पर वे
और भी ठाड्डू-ठाड्डू बोल्लण लाग्गे, "वो क्रूस पै चढ़ाया जावै।" 24 जिब्ब
पिलातुस नै देख्या के किम्मे न्ही बण पडरया पर उल्टा दंगा बढ़दा जावै सै,
तो उसनै पाणी लेकै भीड़ कै स्याम्ही आपणे हाथ धोए अर कह्या, "मै इस
धर्मी कै लहू तै बेकसूर सूं: थम ए जाणो।" 25 सारे माणसां नै जबाब दिया,
"इसका लहू म्हारै पै अर म्हारी ऊलादा पै हो!" 26 इस पै उसनै बरअब्बा
ताही उनकै खातर रिहा कर दिया, अर यीशु ताही कोरड़े लगवाकै सौप
दिया, के क्रूस पै चढाया जावै। 27 फेर हाकिम के सिपाहियां नै यीशु ताही
किले म्ह ले जाकै सारी पलटण उसकै चौगरदे नै कट्ठी करी, 28 अर उसके
लत्ते तारकै उस ताही लाल रंग का चोग्गा पिहराया, 29 अर कांड्यां का त्ताज
गुन्दकै उसकै सिर पै धरया, अर उसकै सोळे हाथां म्ह सरकण्डा दिया अर
उसकै आगै गोड्डे टेक कै उसका मखौल उड़ाण लाग्गे अर कह्या, "हे यहूदिया
के राजा, नमस्कार!" 30 अर उसपै थुक्या; अर वो ए सरकण्डा लेकै उसकै
सिर पै मारण लाग्गे। 31 जिब्ब उन्नै उसका मखौल कर लिया, तो वो चोग्गा
उस पै तै तारकै फेर उस्से के लत्ते उस ताही पिहराए, अर क्रूस पै चढ़ाण कै
खातर ले चाल्ले। 32 बाहरणै जान्दे होये, उन ताही शमौन नाम का एक कुरेनी
माणस फेट्या। उन्नै उस ताही बेगार म्ह पकड़या के उसका क्रूस ठाकै ले
चाल्ले। 33 उस जंगहा पै जो गुलगुत्ता यानिके खोपड़ी की जंगहा कुहवावै सै,
पहोचकै 34 उन्नै पित्त मिलाया होड़ दाखरस उस ताही पीण नै दिया, पर
उसनै चाखकै पिणा न्ही चाहया। 35 फेर उन्नै उस ताही क्रूस पै चढाया, अर
पर्ची गेरकै उसके लत्ते बांड लिये, 36 अर ओड़ै बैठकै उसका पहरा देण
लागे। 37 अर उसकी खोट-चिट्ठी उसकै सिर पै लाई, के, "यो यहूदिया का
राजा यीशु सै"। 38 फेर उसकै गेल्या दो डाकू एक सोळी वोड़ अर एक वोळी
वोड़, क्रूस पै चढाए गए। 39 आण-जाण आळे सिर हला-हलाकै उसकी बुराई
करै थे, 40 अर वे कहवै थे, "हे मन्दर नै ढाण आळे अर तीन दिनां म्ह बनाण
आळे, आपणे आप नै तो बचा! जै तू पणमेशर का बेट्टा सै, तो क्रूस पै तै उतर
आ।" 41 इस्से तरिया तै प्रधान याजक भी शास्त्रियों अर पुरनियां सुदा
मखौल करकै कहवै थे, 42 "इसनै औरा ताही बचाया, अर आपणे आप नै न्ही
बचा सकदा। यो तो 'इस्राएल का राजा' सै। इब क्रूस पै तै उतर आवै तो हम
उसपै बिश्वास करया। 43 उसनै पणमेशर पै भरोसा राख्या सै; जै वो इसनै
चाहवै सै, तो इब इसनै छुट्टा लेवै, क्यूँके इसनै कहया था, 'मै पणमेशर का
बेट्टा सूं।" 44 इस्से ढाळ डाक्कू भी जो उसकै गेल्या क्रूस पै चढ़ाए गए थे,
उसकी बुराई करै थे। 45 दोफारी तै लेकै तीसरे पहर ताही उस साबते देश
म्ह अँधेरा छाया रहया। 46 तीसरै पहर कै लोवै यीशु नै ठाड्डू बोल कै कह्या,
"एली, एली, लमा शबक्तनी?" यानिके "हे मेरे पणमेशर, हे मेरे पणमेशर, तन्नै
मेरै ताही क्यांतै छोड़ दिया?" 47 जो उड़ै खड़े थे, कितन्या नै न्यू सुणकै
कह्या, "वो तो एलिय्याह ताही बुलावै सै।" 48 उनम्ह तै एक जिब्बे भाज्या,
अर स्याहीचुस लेकै सिरके म्ह ड्बोया, अर सरकण्डे पै धरकै उस ताही
चुसाया। 49 औरां नै कह्या, "रहज्या, देक्खा एलिय्याह उसनै बचाण आवै सै
के न्ही ।" 50 फेर यीशु नै ठाड्डू बोल कै किल्की मारकै जी दे दिया। 51 अर
देक्खो, मन्दर का पड़दा ऊप्पर तै तळै ताही पाटकै दो टुकड़े होग्या : अर
धरती कांम्बगी चट्टान तड़कगी, 52 अर कब्रे खुलगी, अर सोए होड़ पवित्र
माणसां की घण-खरी लाश जिन्दी होगी, 53 अर उसकै जिन्दा होण कै पाच्छै
वे कब्रा म्ह तै लिकड़कै पवित्र नगर म्ह गए अर घणाए ताही दिक्खे। 54 फेर
सूबेदार अर जो उसकै गेल्या पहरा दे रे थे, हाल्लण अर जो कीमे होया था
उस ताही देखकै घणे डरगे अर कह्या, "साच्चए यो पणमेशर का बेट्टा था।"
55 ओड़ै घण-खरी लुगाई जो गलील तै यीशु की सेवा करदी होई उसकै गेल्या
आई थीं, दूर तै यो देखै थीं। 56 उनम्ह मरियम मगदलीनी, अर याकूब अर
योसेस की माँ मरियम, अर जब्दी के बेट्या की माँ थी। 57 जिब्ब साँझ होई
तो यूसुफ नामका अरिमतिया का एक साहूकार माणस, जो खुदे यीशु का
चेल्ला था। 58 उसनै पिलातुस धोरै जाकै यीशु की लाश माँगी। इसकरकै
पिलातुस नै येशु की लाश देण का हुकुम दिया। 59 यूसुफ नै लाश ली, उस
ताही धोळी चाद्दर म्ह लपेटया, 60 अर उस ताही आपणी नई कब्र म्ह धरया,
जो उसनै चट्टान म्ह खुदवाई थी, अर कब्र के बारणे पै एक बड्डा पत्थर गिरड़

कै चल्या गया| 61 मरियम मगदलीनी अर दूसरी मरियम वोड़ए कब्र कै
स्याम्ही बैठी थीं| 62 दूसरा दिन जो तैयारी कै दिन कै पाच्छै का दिन था,
प्रधान याजकां अर फरिसियाँ नै पिलातुस कै धोरै कट्ठे होकै कह्या, 63 "हे
महाराज, म्हारै ताही याद सै के उस भकाण आळे नै जिब्ब वो जिन्दा था, तो
उसनै न्यू कह्या था, 'मै तीन दिन पाच्छै जिन्दा हो जाऊँगा|' 64 इस करकै
हुक्म दे के तीसरे दिन ताही कब्र की रुखाळी करी जावै, इसा ना हो के
उसके चेल्ले आकै उसनै चुरा ले जावै, अर माणसां तै कहण लाग्गै, 'वो मरे
होया म्ह तै जिन्दा होग्या सै|' फेर पाच्छला धोख्खा पह्ल्ड़े तै भी भूंडा
होगा|" 65 पिलातुस नै उनतै कह्या, 'थारै धोरै पहरेदार तो सै| जावो,
आपणी समझ कै मुताबिक रुखाळी करो|" 66 आखर वे पहरेदारां नै गेल
लेकै ग्ये, अर पत्थर पै मोहर लगाकै कबर की रुखाळी करीI

28 सब्त कै दुसरै दिन पाच्छै हफ्ते कै पह्ल्ड़े दिन तड़कए-तड़कै
मरियम मगदलीनी अर दूसरी मरियम कब्र नै देखण आई| 2 अर
देक्खो, एक बड्डा हाल्लण आया, क्यूँके प्रभु का दूत सुर्ग तै उतरया अर धोरै
आकै उसनै पत्थर ताही गिरड़ा दिया, अर उस पै बैठग्या| 3 उसकी शिक्ल
बिजळी बरगा था अर उसका लत्ता पाळे की ढाळ धोळा था| 4 उसकै डर तै
पहरेदार काँम्बगें, अर मुर्दे की ढाळ होग्ये| 5 सुर्गदुत नै लुगाईयाँ ताही कह्या,
"मतना डरो, मन्नै बेरा सै के थम यीशु ताही जो क्रूस पै चढाया गया था,
टोहवो सो| 6 वो उरै न्ही सै, पर आपणे बचन कै मुताबिक जिन्दा होग्या सै|
आवो, या जंगहा देक्खो, जित प्रभु पड़या था, 7 अर तोळी जाकै उसके
चेल्यां ताही कहो के वो मरे होया म्ह तै जिन्दा होग्या सै, अर वो थारै तै
पहल्या गलील नै जावै सै, उड़ै उसका दर्शन पावोगे! देक्खो, मन्नै थारै तै कह
दिया|" 8 वे भय अर घणी ख़ुशी कै गेल्या कब्र तै तोळी बोहड़ कै उसके
चेल्यां ताही खबर देण नै भाज़ी गई| 9 फेर यिशु उन ताही फेट्या| अर
कहया, "नमस्ते"| उन्नै धोरै आकै अर उसके पां पकड़कै उस ताही प्रणाम
करया| 10 फेर यीशु नै उनतै कह्या, "मतना डरो; मेरे भाईयां तै जाकै कहो के
गलील नै चले जावै, उड़ै मन्नै देखैगें|" 11 वे जावै ए थे के पहरेदारां म्ह तै
कुछा नै नगर म्ह आकै पूरा हाल प्रधान याजकां तै कह सुणाया| 12 फेर उन्नै
पुरनिया कै गेल्या कट्ठे होकै सलाह करी अर सिपाहीया ताही घणी चाँदी देकै
कहया, 13 "न्यू कहियो के जिब्ब हम रात नै सोण लागरे थे, तो उसके चेल्ले
आकै उसनै चुरा लेगे| 14 जै या बात हाकिम कै कान ताही पहोचैगी, तो हम
उसनै समझा लेवागें अर थमनै जोखम तै बचा लेवागें|" 15 आखर उन्नै रपिये
लेकै जिसे सिखाए गये थे, उस्से तरिया ए करया| या बात आज ताही
यहूदिया म्ह मान्नी जावै सै| 16 ग्यारहा चेल्ले गलील म्ह उस पहाड़ पै गये,
जिस ताही यीशु नै उन ताही बताया था| 17 उन्नै उसका दर्शन पाकै उस
ताही प्रणाम करया, पर किसे-किसे नै शक होया| 18 यीशु नै उनकै धोरै
आकै कह्या, "सुर्ग अर धरती का सारा हक्क मेरै ताही दिया गया सै| 19 इस
करकै थम जावो, सारी जात्तां के माणसां ताही चेल्यां बणावो; अर उन्नै पिता,
पुत्र अर पवित्र आत्मा कै नाम तै बपतिस्मा द्यो, 20 अर उन्नै सारी बात जो मन्नै
थारे ताहि दी सै, माणना सिखावो: अर देक्खो मै जगत कै अंत तक सदा
थारै गेल रहूँगाI"

मरकुस

युहन्ना बपतिस्मा देण आळे का प्रचार
(मत्ती 3:1-12; लूका 3:1-18; युहन्ना 1:19-28)

1 पणमेशर कै बेट्टे यीशु मसीह के सुसमाचार की सरुआत । 2 जिसा
यशायाह नब्बी की किताब म्ह लिख्या सै "लखा, मैं आपणै दूत नै तेरै
आगै खन्दाऊँ सूं, जो तेरै खातर राह सई करैगा। 3 बण म्ह एक रुक्का
मारणीये का बोल सुणाई देवै सै के प्रभु की राही बणाओ अर उसकी सड़क
सीधी करोI 4 युहन्ना आया, जो बण म्ह बपतिस्मा देवै सै अर पापां की माफी
खातर मन बोहड़ण का बपतिस्मा का प्रचार करै थाI 5 सारे यहूदिया परदेश
के, अर यरूशलेम के सारे बासिन्दे लिकड़कै उसके धोरै गए, अर आपणै
पापां न मानकै यरदन नदी म्ह उसतै बपतिस्मा लिया।
6 युहन्ना ऊँट के रूंग के लत्ते पहरे अर आपणी कड़ म्ह चमड़ै का बैल्ट
बांधे रह्वै था अर टिड्डियाँ अर बण-शैद खाया करै था, 7 अर न्यू प्रचार करै
था, "मेरे पाच्छै ओ आणआला सै, जो मेरै तै घणा ठाड्डा सै; मैं इस जोग्गा
कोनी के कोड्डा होकै उसके जुत्या के फित्ते खोल्लूं। 8 मन्नै तो थारै ताहीं पाणी
तै बपतिस्मा दिया सै पर ओ थमनै पवित्र आत्मा तै बपतिस्मा देवैगा।

यीशु का बपतिस्मा अर परीक्षा
(मत्ती 3:13-4:11; लूका 3:21, 22; 4:1-13)

9 उन दिनां म्ह यीशु नै गलील कै नासरत तै होकै, यरदन म्ह युहन्ना तै
बपतिस्मा लियाI 10 अर जिब ओ पाणी म्ह तै लिकड़ कै ऊप्परान नै आया,
तो जिब्बे उसनै अकास ताहीं खुल्दे अर आत्मा ताहीं कबूतर कै तरियां
आपणे ऊप्पर आंदे देख्याI 11 अर या आकाशबाणी होई, "तू मेरा प्यारा बेट्टा
सै, तेरै तै मै राज़ी सूंI"
12 फेर आत्मा नै जिब्बे उसताहीं बण कान्नी खन्दायाI 13 बण म्ह चालीस
दिन ताहीं शैतान नै उसका हिम्तान लिया; अर ओ बण म्ह पशुआं कै गेल्या
रह्या, अर सुर्गदुत उसकी सेवा करदे रहेI

यीशु के सेवा के काम की सरूआत
(मत्ती 4:12-17; लूका 4:14, 15)

14 युहन्ना कै पकड़वाए पाच्छै यीशु नै गलील म्ह आकै पणमेशर कै राज्य
का सुसमाचार प्रचार करया, 15 अर कह्या, "बख्त पूरा होया सै, अर पणमेशर
का राज्य धोरै आरया सै; मन फिराओ अर सुसमाचार पै बिश्वास करोI"

मछुआरां का बुलाया जाणा
(मत्ती 4:18-22; लूका 5:1-11)

16 गलील की झील कै कंठारै-कंठारै जांदे होड़, उसनै शमौन अर उसके
भाई अन्द्रियास ताहीं झील म्ह जाळ गेरदे देख्या; क्यूँके वे मछुआरे थेI
17 यीशु नै उनतै कह्या, "मेरै पाच्छै आओ, मै थमनै माणसां ताहीं पकड़ण
आळे मछुआरे बणाऊँगाI" 18 वे जिब्बे जाळां नै छोड़ कै उसकै पाच्छै हो
लियेI 19 कीमे आगै सरकदए, उसनै जब्दी का बेट्टे याकूब अर उसकै भाई
युहन्ना ताहीं, किस्ती पै जाळां ताहीं सई करदे देख्याI 20 उसनै जिब्बे
उनताहीं बुलाया; अर वे आपणे पिता जब्दी ताहीं मजदूरी कै गेल्या किस्ती पै
छोड़ कै, उसकै पाच्छै हो लियेI

एक माणस ताहीं चंगा करणा जिसम्ह भुंडी औपरी आत्मा थी
(लूका 4:31-37)

21 जिब वे कफरनहुम म्ह आए, अर ओ जिब्बे सब्त कै दिन आराधनालय
म्ह जाकै उपदेश देण लाग्याI 22 अर माणसां नै उसके उपदेशां तै अचम्भा
होया; क्यूँके ओ उन्नै शास्त्रियां की ढाळ नीं, पर अधिकारियां की तरियां
उपदेश देवै थाI 23 उस्से टेम, उनकै आराधनालय म्ह एक माणस था,
जिसम्ह औपरी आत्मा थीI 24 उसनै किलकी मारकै कह्या, "हे यीशु नासरी,
हमनै तेरै तै के काम? के तू म्हारा नास करण नै आया सै? मै तन्नै जांणु सूं, तू
कौण सै? पणमेशर का पवित्र माणस!" 25 यीशु नै उसताहीं धमका कै कह्या,
"बोल-बाल्ली रह; अर उसम्ह तै लिकड़ जाI" 26 फेर औपरी आत्मा उसताहीं
मरोड़कै, ठाड्डू बोलकै किलकी मारकै उसम्ह तै लिकड़गीI 27 इस पै सारे
माणस अचम्भा करदे होए आपस म्ह बहस करण लाग्गे, "या के बात सै? यो
तो कोए नया-ए उपदेश सै! ओ हक्क कै गेल्या औपरी आत्मायाँ नै भी हुक्म
देवै सै, अर वे उसका हुक्म मान्नै सैंI" 28 अर उसका नाम जिब्बे गलील कै
ओरै-धोरै कै सारै प्रदेश म्ह हरेक जगहां फैलग्याI

घणखरे बिमारां ताहीं चंगा करणा
(मत्ती 8:14-17; लूका 4:38-41)

29 ओ जिब्बे आराधनालय म्ह तै लिकड़ कै, याकूब अर युहन्ना कै गेल्या
शमौन अर अन्द्रियास कै घरा आयाI 30 शमौन की सासू ताप चढ़रया था,
अर उन्नै जिब्बे उसकै बाबत उसतै कहयाI 31 फेर उसनै धोरै जाकै उसका
हाथ पकड़ कै उसताहीं ठाया; अर उसका बुखार(ताप) उतरग्या, अर वा
उनकी सेवा-बाड़ी करण लाग्गीI 32 साँझ कै बख्त जिब सूरज डूबग्या तो
माणस सारे बीमारां ताहीं अर उन्नै, जीनम्ह औपरी आत्मा थीं, उसकै धोरै
ल्याएI 33 अर साब्ता नगर दरवाजै पै कट्ठा होया| 34 उसनै घणखरयां ताहीं
जो कई ढाळ की बीमारियाँ तै काल थे, चंगा करया, घणखरी औपरी
आत्मायाँ ताहीं काड्या, अर औपरी आत्मायाँ ताहीं बोल्लण कोनी दिया,
क्यूँके वे उसनै पिच्छाणै थींI

एक्कै म्ह यीशु का प्रार्थना करणा
(लूका 4:42-44)

35 तड़क-ए दिन लिकड़ण तै घणी पह्ल्ये, ओ उठकै लिकड़या, अर एक
जंगळी जंगहा म्ह गया अर उड़ै प्रार्थना करण लाग्याI 36 फेर शमौन अर
उसके ढब्बी उसकी टोह म्ह गएI 37 जिब ओ फेट्या, तो उसताहीं कह्या,
"सारे माणस तन्नै टोहवै सैI" 38 उसनै उनताहीं कह्या, "आओ; हम और
किते ओरै-धोरै के बगड़ां म्ह जावां, के मै उड़ै भी प्रचार करूँ, क्यूँके मै इसे
करकै लिकड़या सूंI" 39 आखर ओ सारे गलील म्ह उनके आराधनालयां म्ह
जा-जाकै प्रचार करदा अर औपरी आत्मायाँ ताहीं लिकड़दा रह्याI

कोढ़ के रोगी ताहीं चंगा करणा
(मत्ती 8:1-4; लूका 5:12-16)

40 एक कोढ़ी उसकै धोरै आया, उसतै बिनती करी, अर उसकै आगै गोड्डे
टेककै उसताहीं कह्या, "जै तू चाहवै तो मन्नै शुद्ध कर सकै सैI" 41 उसनै उस
पै तरस खाकै हाथ बढाया, अर उसताहीं छुकै कह्या, "मै चाहूँ सूं तू शुद्ध हो
ज्याI" 42 अर जिब्बे उसका कोढ़ जान्दा रह्या, अर ओ शुद्ध होग्याI 43 फेर
उसनै उसताहीं सोद्दी म्ह ल्याकै जिब्बे बिदा करया, 44 अर उसतै कह्या,

“लखा, किसे तै कीमे मतना कहीए, पर जाकै खुद नै याजक ताहीं दिखा, अर आपणे शुद्ध होण कै बाबत म्ह जो कीमे मूसा नै ठहराया सै उसताहीं भेँट चढ़ा ताके उन पै गवाही होI” 45 पर ओ बाहरण जाकै इस बात का घणा प्रचार करने अर याड़ै ताहीं फैलाण लागग्या के यीशु दूबारै सरेआम नगर म्ह कोनी जा सक्या, पर बाहरण जंगळी स्थानां म्ह रह्या; अर चोगरदे तै माणस उसकै धोरै आंदे रहेI

लकवे के रोगी ताहीं चंगा करणा

(मत्ती 9:1-8; लूका 5:17-26)

2 घणे दिनां पाच्छै यीशु फेर कफरनहूम म्ह आया, और सुणया गया के ओ घर म्ह सैI 2 फेर इतने माणस कट्ठे होए के दरवाजै धोरै भी जंगहा कोनी थी; अर ओ उन्नै बचन सुनाण लागरया थाI 3 अर माणस एक लकवै कै मरीज नै जो झोळे के मारया होड़ था, चार माणसां पै लादकै उसकै धोरै ल्याएI 4 पर जिब वे भीड़ कै कारण उसकै धोरै कोनी पहोच सकै, तो उन्नै उस छात ताहीं जिसकै तळै ओ था, खोल दिया; अर जिब वा उन्नै उधेड़ दी, तो उस खाट ताहीं जिस पै ओ लकवै का मरीज पड़या था, लटका दियाI 5 यीशु नै उनका बिश्वास देखकै उस लकवे के रोगी ताहीं कह्या, “हे बेट्टे, तेरे पाप माफ होयेI” 6 फेर घणे शास्त्री जो उड़ै बैठे थे, आपणै-आपणै मन म्ह सोच्चण लाग्गे, 7 “यो माणस न्यू क्यांतै कहवै सै? यो तो पणमेशर की बुराई करै सै! पणमेशर नै छोड़ कै और कौण पाप माफ़ कर सकै सै?” 8 यीशु नै जिब्बे आपणी आत्मा म्ह जाण लिया के वे आपणै- आपणै मन म्ह इसा बिचार क्यांतै कररे सैं? अर उनतै कह्या, “थम आपणै-आपणै मन म्ह यो बिचार क्यांतै करण लागरे सो?” 9 सेल्ला के सै? के लकवे कै मरीज़ ताहीं यो कहणा के तेरे पाप माफ़ होए, या फेर यो कहणा के उठ आपणी खाट ठाकै चाल-फिर? 10 पर जिस तै थम जाण ल्यो के माणस कै बेट्टे ताहीं धरती पै पाप माफ़ करण का हक्क सैI” उसनै उस लकवै कै मरीज़ ताहीं कह्या, 11 “मै तेरै तै कहूँ सूं, उठ, अपणी खाट ठाकै आपणे घरा चल्या जाI” 12 वो उठ्या अर जिब्बे खाट ठाकै उसकै श्यामी तै लिकड़ग्या; इस पै सारे हैरान होगे, अर पणमेशर की बड़ाई करकै कहण लाग्गे, “हमनै इसा पह्ल्या कद्दे कोनी देख्याI

लेवी का बुलाया जाणा

(मत्ती 9:9-13; लूका 5:27-32)

13 ओ दुबारा लिकड़कै झील कै कंठारै गया, अर सारी भीड़ उसकै धोरै आई, अर ओ उन्नै उपदेश देण लाग्याI 14 जान्दे होए उस नै हलफई के बेट्टे लेवी ताहीं चुंगी की चोक्की पै बैट्ठे देख्या, अर उसतै कह्या, “मेरै पाच्छै हो लेI” अर ओ उठकै उसकै पाच्छै हो लियाI

15 जिब ओ उसकै घर म्ह खाणा खाण बैठया, तो भतेरे चुंगी लेण आळे अर पाप्पी, यीशु अर उसकै चेल्यां गेल्या खाणा खाण बैट्ठे; क्यूँकै वे घणे सारे थे, अर उसकै पाच्छै हो लिए थेI 16 शास्त्रिया अर फरिसिया नै न्यू देखकै के ओ तो पापियाँ अर चुंगी लेणआळा गेल्या खाणा खावै सै, उसके चेल्यां ताहीं कह्या, “ओ तो चुंगी लेणआळे अर पापियां गेल्या खावै-पीवै सैI” 17 यीशु नै न्यू सुणकै कह्या, “भले चंगयां नै वैद्ध की जरूत कोनी, पर बीमारां नै सैं : मै धर्मियां नै नीं, पर पापियाँ नै बुलाण आया सूंI”

उपवास का प्रश्न

(मत्ती 9:14-17; लूका 5:33-39)

18 युहन्ना के चेल्ले, अर फरीसी ब्रत करया करै थे, तो उन्नै आकै उसतै कह्या, “युहन्ना के चेल्ले अर फरिसियाँ के चेल्ले ब्रत क्यांतै करैं सैं, पर तेरे चेल्ले ब्रत कोनी राखदे?” 19 यीशु नै उनताहीं कह्या, “जिब ताहीं बनड़ा बरातियां कै गेल्या सै, के वे ब्रत राख सकै सै? आखर जिब ताहीं बनड़ा उनकै गेल्या सै, जद ताहीं वे ब्रत कोनी कर सकदेI 20 पर वे दिन भी आवैगें जिब बनड़ा उनतै न्यारा करया जावैगा; उस बख्त वे ब्रत करैगेंI

21 “कोरै कपड़ै की टाक्की पुराणै लत्त्या पै कोए कोनी लांदा; नीं तो वा टाक्की उसम्ह तै कीमे खींच लेवैगी, यानिके नया, पुराणै तै, अर वो पहल्या तै घणा पाट जावैगाI 22 नये दाखरस ताहीं पुराणै मशकां म्ह कोए कोनी राखदा, नीं तो दाखरस मशकां नै पाड़ देवैगा, अर दाखरस अर मशक दोनुआ का नास हो जावैगा; पर नया दाखरस नई मशकां म्ह भरया जावै सैI”

सब्त का प्रभु

(मत्ती 12:1-8; लूका 6:1-5)

23 न्यू होया के ओ सब्त कै दिन खेत्तां म्ह तै होकै जाण लागरया था, अर उसके चेल्ले चालदे होए बालं तोड़ण लाग्गेI 24 तो फरीसियां ने उसताहीं कह्या, “लखा, ये सब्त कै दिन ओ काम क्यांतै करैं सैं जो सई कोनी?” 25 उसनै उनताहीं कह्या, “के थमनै न्यू कदे नीं पढ़या के जिब दाऊद नै जरूत होई, अर जिब ओ अर उसके ढब्बी भूखे होए, फेर उसनै के करया था? 26 उसनै किस ढाळ अबियातार महायाजक कै बख्त, पणमेशर कै घर म्ह जाकै भेँट की रोटियाँ खाई, जिनका खाणा याजकां नै छोड़ और किसे भी खातर सई कोनी, अर आपणे ढब्बीयां तै भी दीं?” 27 फेर उसनै उनताहीं कह्या, “सब्त का दिन माणस खातर बणाया गया सै, ना के माणस सब्त कै दिन के खातरI 28 इस करकै माणस का बेट्टा सब्त कै दिन का भी मालिक सैI”

सुक्खे हाथ आळे माणस ताहीं चंगा करणा

(मत्ती 12:9-14; लूका 6:6-11)

3 अर वो फेर आराधनालय म्ह गया; उड़ै एक माणस था जिसका हाथ सुख रया था, 2 अर वे उसपै दोष कै खातर उसकी टाह म्ह थे के देखै, ओ सब्त कै दिन उसनै चंगा करै सै के नींI 3 उसनै सूक्खे हाथ आळे माणस तै कह्या, “बिच्चालै खड़या हो” 4 अर उनताहीं कह्या, “के सब्त के दिन भला करना ठीक सै या भुंडा करना, ज्यान नै बचाणा या मारणा?” पर वे बोल-बाल्ले रहेI 5 उसनै उनकै मन की करड़ाई तै काल होकै, उनताहीं खुन्दक तै चोगरदे नै देख्या, अर उस माणस ताहीं कह्या, “आपणा हाथ बढ़ाI” उसनै बढ़ाया, अर उसका हाथ चंगा हो गयाI 6 फेर फरीसी बाहरण जाकै जिब्बे हेरोदियां कै गेल्या उसकै बिरोध म्ह सलाह करण लाग्गे के उसका किस ढाळ नास करैI

भीड़ का यीशु कै पाच्छै हो लेणा

7 यीशु आपणे चेल्यां गेल्या झील कै कान्नी चल्या गया : अर गलील तै एक बड्डी भीड़ उसकै पाच्छै हो ली; 8 अर यहूदिया, अर यरूशलेम, अर इदुमिया, अर यरदन परली ओड़, अर सूर अर सैदा के ओरै-धोरै तै एक बड्डी भीड़ न्यू सुणकै के ओ किसे अचम्भै आळे काम करै सै, उसकै धोरै आईI 9 यीशु नै आपणे चेल्यां तै कह्या, “भीड़ की वजह तै एक छोट्टी किस्ती मेरै खातर त्यार रहवै ताके वे मन्नै दाब नीं सकैI” 10 क्यूँकै उसनै घण-खरया ताहीं चंगा करया था, इस करकै जितने माणस बीमार थे, उसताहीं छुण खातर उस पै पड़ण लाग रे थेI 11 भूंडी औपरी आत्माए भी, जिब उसताहीं देखै थी, तो उसकै श्यामी गिर ज्या थी, अर किलकी मार कै कहवै थी, तू पणमेशर का बेट्टा सैI 12 अर उसनै उनताहीं घणा जोर देकै कहया के मेरै बारै म्ह किसे तै ना कहियो|

बारहां प्रेरितां की नियुक्ति

(मती 10:1-4; लूका 6:12-16)

13 फेर ओ पहाड़ पै चढ़ग्या, अर जिन्नै ओ चाहवै था उनताहीं आपणे धोरै बुलाया; अर वे उसकै धोरै आएI 14 फेर उसनै बारहा माणसां ताहीं पक्का करया के वे उसकै गेल्या-गेल्या रहवै, अर ओ उन्नै खन्दावै के वे प्रचार करै, 15 अर भूंडी औपरीआत्मा ताहीं काड्डण का हक्क राखैI 16 वे ये सैं : शमौन जिसका नाम उसनै पतरस धरया, 17 अर जब्दी का बेट्टा याकूब अर याकूब का भाई युहन्ना, जिसका नाम उसने बूअनरगिस यानिके ‘गर्जन का बेट्टा’ धरयाI 18 अर अन्द्रीयास, अर फिलिप्पुस, अर बरतुलमै, अर मती, अर थोमा, अर ह्ल्फई का बेटा याकूब, अर तदै, अर शमौन कनानी, 19 अर यहूदा इस्करियोती जिसनै उसताहीं पकड़वा भी दिया थाI

यीशु अर बालजबूल
(मत्ती 12:22-32; लूका 11:14-23; 12:10)

20 फेर ओ घरा आया; अर इसी भीड़ कट्ठी होई, के उनपै रोट्टी भी कोनी
खाई गईI 21 जिब्ब उसनै न्यू सुणया, तो वे उसताहीं पकड़ण खातर लिकड़े;
क्यूँकै वे कहवै थे के उसका दिमाग ठिकाणै कोनी सै”
22 शास्त्री भी जो यरूशलेम तै आये थे, वे कहवै थे, “उसम्ह शैतान सै, ”
अर न्यू भी के “ओ औपरी आत्मायां कै सरदार की मदद तै भूंडी औपरी
आत्मायां नै काड्डै सैI” 23 ज्यातै ओ उन्नै धोरै बुलाकै उदाहरणां म्ह कहण
लाग्या, “शैतान क्यूँकर शैतान नै काड सकै सैI” 24 जै किसे राज्य म्ह फुट
पड़ै, तो ओ राज्य किसतरियां टिकया रह सकै सै? 25 अर जै किसे घर म्ह
फूट पड़ै, तो ओ घर क्यूँकर डटया रह सकैगा? 26 इसकरकै जै शैतान खुद
का ए बिरोधी होकै आपणे म्ह फूट गेरै, तो ओ किस तरियां बणया रहै सकै
सै? उसका तो नास हो जावै सैI
27 “पर कोए माणस किसे ठाड्डै कै घर म्ह बड़ कै उसका माळ कोनी लूट
सकदा, जिब ताहीं के ओ पहलै उस ठाड्डै नै जुड़ नीं ले; अर फेर उसकै घर
नै लूट लेगाI 28 “मै थमनै साच्ची-साच कहूँ सूं के माणसां की ऊलाद के सारे
पाप अर भुण्ड जो वे करै सै, माफ करी जावैगी, 29 पर जो कोए पवित्र आत्मा
कै बिरुद्ध म्ह भुण्ड करै, ओ कदे माफ कोनी करया जावैगा : बल्के ओ
अनन्त पाप का कसूरवार बण ज्यागाI” 30 क्यूँकै वे न्यू कहवै थे के उस म्ह
भूंडी औपरी आत्मा सैI

यीशु की माँ अर भाई
(मत्ती 12:46-50; लूका 8:19-21)

31 फेर उसकी माँ अर उसके भाई आए, अर बाहरण खड़े होकै उसताहीं
बुलावा भेज्याI 32 भीड़ उसकै ओरै-धोरै बैठी थी, अर उन्नै उसतै कह्या,
“लखा, तेरी माँ अर तेरे भाई बाहरण तन्नै टोहवै सैंI” 33 उसनै उनतै जबाब
दिया, “मेरी माँ अर भाई कौण सैं?” 34 अर उन पै जो उसकै ओरै-धोरै बैड्ढे थे,
निगांह करकै कह्या, “लखाओ, मेरी माँ अर मेरे भाई ये सैंI 35 क्यूँकै जो कोए
पणमेशर की मर्जी पै चाल्लै, ओए मेरा भाई, मेरी बेब्बे, अर मेरी माँ सैंI”

बीज बोण आळे का उदाहरण
(मत्ती 13:1-9; लूका 8:4-8)

4 ओ फेर झील कै कंठारै उपदेश देण लागग्या : अर इसी बड्डी भीड़
उसकै धोरै कट्ठी होगी के ओ झील म्ह एक किस्ती पै चढ़कै बैठग्या,
अर सारी भीड़ धरती पै झील कै कंठारै खड़ी रहीI 2 अर ओ उन्नै उदाहरणां
म्ह घणी ए बात सिखाण लाग्या, अर आपणे उपदेश म्ह उन ताहीं कह्या,
3 “सुणो! एक बोणआळा बीज बोण लिकड़याI 4 बोंदे टेम कीमे राही कै कंठारै
पड़या अर पन्छियाँ नै आकै उसताहीं चुग लियाI 5 कीमे पथरीली धरती पै
पड़या जड़ै उसनै घणी माट्टी ना मिली, अर डुंगी माट्टी ना मिलण कै कारण
तोळाए जामग्या, 6 अर जिब्ब सूरज लिकड़या तो जळग्या, अर जड़ ना
पकड़ण कै कारण सुख गयाI 7 कीमे झाड़ियाँ म्ह पड़या, अर झाड़ियाँ नै आगै
सरक कै उसताहीं दाब दिया, अर ओ फळ कोनी ल्यायाI” 8 पर कीमे
काम्मल धरती पै पड़या, अर ओ जाम्या अर बढ़कै फळ ल्याया; अर कोए
तीस गुणा, कोए साठ गुणा अर कोए सौ गुणा फळ ल्यायाI” 9 फेर उसनै
कह्या, “जिसकै धोरै सुणन नै कान हों, ओ सुण लेI”

उदाहरणां का उद्देश्य
(मत्ती 13:10-17; लूका 8:9-10)

10 जिब्ब ओ एकला रहग्या, तो उसके ढब्बीयां नै उन बारहां सुदा उसतै
इन उदाहरणां कै बारै म्ह बुझ्झयाI 11 उसनै उनतै कह्या, “थारै ताहीं तो
पणमेशर कै राज्य के भेद की समझ दे राक्खी सै, पर बाहरल्यां खातर सारी
बात उदाहरणां म्ह होवै सैंI 12 इसकरकै के “वे देखदे होए देखै अर उन्नै
सुझाई कोनी देवै अर सुणदे होए सुणै भी अर कोनी समझै; इसा ना हो के वे
मुड़ै, अर माफ करे जावैI”

बीज बोण आळे का उदाहरण की व्याख्या
(मत्ती 13:18-23; लूका 8:11-15)

13 फेर उसनै उनतै कह्या, “के थम यो उदाहरण कोनी समझे? तो फेर और
सारे उदाहरणां नै किसतरियां समझोगे? 14 बोणआळा बचन बोवै सैI 15 जो
राही कै कंठारै के सै जित बचन बोया जावै सै, ये वे सै के जिब्ब उन्नै सुणया,
तो शैतान जिब्बे आकै बचन नै जो उनम्ह बोया गया था, ठा ले जावै सैI
16 उस्से तरियां-ए जो पथरीली धरती पै बोये जावै सैं, ये वे सैं जो बचन
सुणकै जिब्बे राज़ी होकै अपणा लेवैं सैंI 17 पर उनकै भीत्तर जड़ नीं पकड़नै
कै कारण माड़े से दिनां कै खातर रहै सैं; इसकै बाद जिब्ब बचन कै कारण
उन पै क्लेश या बिपदा आवै सै, तो वै जिब्बे ठोकर खावैं सैंI 18 जो झाड़ियाँ
म्ह बोये गए ये वे सैं जिन्नै बचन सुणया, 19 अर दुनिया की सोच-फिक्र, अर
धन-माया का धोक्खा, अर दूसरी चीज़ां का लालच म्ह पड़कै बचन नै दाब
देवै सै अर ओ फळदा कोनीI 20 अर जो काम्मल धरती पै बोये गए, ये वे सैं
जो बचन सुणकै अपणा लेवैं सैं अर फळ ल्यावैं सैं, कोई तीस गुणा, कोई
साठ गुणा अर कोई सौ गुणाI”

दीवै का उदाहरण
(लूका 8:16-18)

21 उसनै उनतै कह्या, “के दीवै नै इसकरकै लावां सां के माप या खाट कै
तळै धरया जावै?” के इसकरकै नीं के दीवट पै धरया जावै?” 22 क्यूँकै कोई
चीज लुक्ही कोनी, पर ज्यांतै सै के दीख जावै; अर ना कीमे लुक्या सै, पर
ज्यांतै सै के दीख जावैI 23 जै किसे के सुणन नै कान हों, तो सुण लेI” 24 फेर
उसनै उनतै कह्या, “चौकस रहियो कि के सुणो सोI जिस नाप तै थम नाप्पो
सो उस्से तै थारै खातर भी नापया जावैगा, अर थारै ताहीं घणा दिया जावैगI
25 क्यूँकै जिसकै धोरै सै, उसताहीं दिया जावैगा, अर जिसकै धोरै कोनी सै,
उसतै ओ भी जो उसकै धोरै सै, ले लिया जावैगाI”

उग्ण आळे बीज का उदाहरण

26 फेर उसनै कह्या, “पणमेशर का राज्य इसा सै, जिसा कोई माणस धरती
पै बीज खिंडावै, 27 अर रात नै सोवै अर दिन नै जागै, अर ओ बीज इसा उगै
अर बधै के ओ कोनी जाणैI 28 धरती खुद-बै-खुदे फळ लावै सै, पह्ल्या
अंकुर, फेर बाळ, अर फेर बाळां म्ह त्यार दाणाI 29 पर जिब्ब दाणा पक जावै
सै, फेर ओ जिब्बे दांती लावै सै, क्यूँकै लामणी आण पहोच्ची सैI”

राई कै दाणै का उदाहरण
(मत्ती 13:31-32, 34; लूका 13:18-19)

30 फेर उसनै कह्या, “हम पणमेशर राज्य की बराबरी किस तै करया अर
किस उदाहरण तै उसका खुलासा करया? 31 ओ राई कै दाणे कै ढाळ सै :
जिब्ब धरती म्ह बोया जावै सै तो धरती कै सारे बीज़ां तै छोट्टा होवै सै, 32 पर
जिब्ब बोया गया, तो जामकै सारै सागपात तै बड्डा हो जावै सै, अर उसकी
इतनी बड्डी डाळीं लिकड़ै सैं के अकास के पंछी उसकी छाह तळै बसेरा कर
सकैं सैंI” 33 ओ उन्नै इस तरियां कै घणे उदाहरण दे देकै उसकी समझ कै
मुताबिक बचन सुनावै था, 34 अर बिना उदाहरण कहे ओ उनतै कीमे भी
कोनी कह्वै था; पर एक्कै म्ह ओ आपणे चेल्यां ताहीं सारी बात्तां का मतलब
बतावै थाI

आँधी ताहीं शान्त करणा
(मत्ती 8:23-27; लूका 8:22-25)

35 उससे दिन जिब्ब साँझ होई, तो उसनै चेल्यां तै कह्या, “आओ, हम
परली ओड़ चाल्लांI” 36 अर वे भीड़ नै छोड़कै जिसा ओ था, उसाए उसताहीं
किस्ती पै गेल्या ले चाल्ले; अर उसकै गेल्या और भी किस्ती थीI 37 फेर
बड्डीए आंधी आई, अर झाळ किस्ती कै उरै ताहीं लाग्गी के वा पाणी तै भरण
नै होगीI 38 पर ओ खुद पाच्छलै हिस्से म्ह गद्दी पै सोण लागरया थाI फेर
उन्नै उसताहीं जगाकै उसतै कह्या, “हे गुरु, के तन्नै सोच कोनी के हम नास

होण आळे सां?” 39 फेर उसनै उठ कै आँधी ताहीं धमकाया, अर पाणी तै
कह्या, “शांत रहै, थम ज्याI” अर आँधी थमगी अर बड्डा चैन होग्या; 40 उसनै
कह्या, “थम क्यांतै डरो सो? के थमनै इबताहीं बिश्वास कोनी?” 41 वे घणे
डरगे, अर आपस म्ह बोल्ले, “यो कौण सै के आँधी अर पाणी भी उसका हुक्म
मान्नैं सैं?”

एक माणस ताहीं चंगा करणा जिसम्ह भूंडी औपरी आत्मा थी

(मत्ती 8:28-34; लूका 8:26-39)

5 वे झील कै परली ओड़ गिरासेनिया कै देश म्ह पहोचे, 2 जिब्ब ओ
किस्ती पै तै उतरया तो जिब्बे एक माणस जिसम्ह भूंडी औपरी आत्मा
थी, कब्रां म्ह तै लिकड़ कै उसतै फेटयाI 3 ओ कब्रां म्ह रह्या करै था अर
कोए उसताहीं बेल्लां तै भी कोनी जुड़ सकै था, 4 क्यूँके ओ घणी-ए बै बेड़ियां
अर बेल्लां तै जुड़या गया था, पर उसनै बेल्लां ताहीं तोड़ दिया था अर बेड़ियां
के टुकड़े-टुकड़े कर दिये थे, अर कोए उसताहीं बस म्ह कोनी कर सकै थाI
5 ओ सारीहाण रात-दिन कब्रिस्तानां अर पहाड़ा म्ह किलकी मारदा अर खुद
नै पत्थरां तै जख्मी करै थाI

6 ओ यीशु नै दूर तै ए देखकै भाज्या, उसताहीं प्रणाम करया, 7 अर ठाड्ढे
बोल तै किलकी मारकै कह्या, “हे यीशु, परमप्रधान पणमेशर के बेट्टे, तन्नै मेरै
तै के काम? मै तन्नै पणमेशर की सूंह द्युँ सूं के मन्नै काल ना करैI” 8 क्यूँके
उसनै उसताहीं कह्या था, “हे भूंडी औपरी आत्मा, इस माणस म्ह तै लिकड़
आ!” 9 उसनै उसताहीं बुझया, “तेरा के नाम सै?” उसनै उसताहीं कह्या,
“मेरा नाम फ़ौज सै; क्यूँके हम घणे सांI” 10 अर उसनै उसतै घणी बिनती
करी, “हमनै इस देश तै बाहरण ना खन्दावैI”

11 उड़ै पहाड़ पै सुअरां का एक बड्डा टोळ चरै थाI 12 उन्नै उसताहीं बिनती
करकै कह्या, “हमनै उन सुअरां म्ह खन्दा दे के हम उनकै भीत्तर जावांI”
13 आखर म्ह उसनै उनताहीं हुक्म दिया अर भूंडी औपरी आत्मा लिकड़ कै
सुअरां कै भीत्तर पैठ गई अर टोळ, जो कोई दो हजार का था, कड़ाड़े पै तै
झपटकै झील म्ह जा पड़या अर डूब मरयाI

14 उनके पाळीयां नै भाजकै कस्बे अर गाम्माँ म्ह खबर सुणाई, अर जो
होया था, माणस उसताहीं देक्खण आएI 15 यीशु कै धोरै आकै वे उसताहीं
जिसम्ह भूंडी औपरी आत्मा थीं, यानिके जिसम्ह फौज बड़री थी, लत्ते पहरे
अर सोद्दी म्ह बैठे देखकै डरगेI 16 देखणआळयां नै उसका, जिसम्ह भूंडी
औपरी आत्मा थीं, अर सुअरां का पूरा किस्सा उनताहीं कह सुणायाI 17 फेर
वे उसतै बिनती करकै कहण लाग्गे के म्हारी सीम तै लिकड़ ज्याI

18 18 जिब्ब ओ किस्ती पै चढ़ण लागग्या, तो ओ जिस म्ह पहल्या भूंडी
ओपरी आत्मां थीं, उसतै बिनती करण लाग्या, के मन्नै आपणी गेल रहण दे|
19 19 पर यीशु नै उस ताहीं इजाजत कोनी देई, अर उसतै बोल्या, "अपणे
घरा जाकै अपणे माणसां नै बता, के तेरै पै दया करकै प्रभु नै तेरै खातर किस
ढाळ बड्डे काम करे सैं| 20 ओ जाकै दिकापुलिस म्ह इस बात का प्रचार
करण लाग्या, के यीशु नै मेरै खातर किस ढाळ बड्डे काम करे; अर सारे
अचम्भा करै थे|

याईर की मरी होड़ बेट्टी अर एक रोगी लुगाई

(मत्ती 9:18-26; लूका 8:40-56)

21 जिब्ब यीशु दुबारा किस्ती तै परली ओड़ गया, तो एक बड्डी भीड़ उसकै
धोरै कट्ठी हो गी; अर ओ झील कै कंठारै था| 22 याईर नामका आराधनालयां
कै सरदारां म्ह तै एक आया, अर उसनै देखकै उसकै पायां के म्ह पड़ग्या,
23 अर न्यू कहकै उसताहीं बिनती करी, “मेरी छोट्टी छोरी मरण नै होरी सै :
तू आकै उस पै हाथ धर, के वा चंगी होकै जिन्दी रहवैI” 24 24 फेर ओ
उसकै गेल्या चाल्या; अर बड्डी भीड़ उसकै पाच्छै हो ली, याड़ै ताहीं के
माणस उसपै पड़ण लाग्गरे थेI

25 एक लुगाई थी, जिसकै बारहा साल तै लहू बहण की बीमारी थी,
26 उसनै घणे डाक्टरां तै बड्डी काल्ली ठाई, अर आपणा सारा रपिया खर्चा
करकै भी कीमे फैयदा कोनी होया था, पर और भी बीमारी बढ़ गी थीI 27 वा
यीशु का जिक्रा सुण कै भीड़ म्ह उसकै पाच्छै तै आई अर उसकै लत्या ताहीं
छू लिया, 28 क्यूँके वा कहवै थी, “जै मै उसकै लत्ते नै छू ल्युगी, तो चंगी हो
जाऊँगीI” 29 अर जिब्बे उसका लहू बहणा बन्द हो गया, अर उसनै आपणे
गात तै बेरा लागग्या के मै उस बीमारी तै चंगी होगी सूं|I 30 यीशु नै जिब्बे खुद
तै बेरा पाटग्या के मेरे म्ह तै सामर्थ लिकड़ी सै, अर भीड़ कै पाच्छै फिरकै
बुझ्झया, “मेरे लत्ते किसनै छुए?” 31 उसके चेल्यां नै उसताहीं कह्या, “तू
देखै सै के भीड़ तेरपै गिरण-पड़ण लागरी सै, अर तू कहवै सै के किसनै
मेरताहीं छुया?” 32 फेर उसनै उसताहीं देखण खातर जिसनै यो काम करया
था, चोगरदेण निगांह घुमाईI 33 फेर वा लुगाई न्यू जाणकै के मेरी किसी
भलाई होई सै, डरगी अर काम्बदी होई आई, अर उसकै पायां म्ह पड़कै
उसताहीं सारा हाल साच्ची-साच कह दियाI 34 उसनै उसतै कह्या, “बेट्टी, तेरै
बिश्वास नै तेरैताहीं चंगा करया सै : राज़ी-राज़ी जा, अर आपणी इस बीमारी
तै बची रहI

35 ओ न्यू कह ए रह्या था के आराधनालयां कै सरदार कै घर तै माणसां नै
आकर कह्या, “तेरी छोरी तो मर ली, इब गुरु नै क्यांतै काल करै सै?” 36 जो
बात वे कहरे थे, उसताहीं यीशु नै बेगौरी करकै, आराधनालय कै सरदार तै
कह्या, “डरै मतना; सिर्फ बिश्वास राखI” 37 अर उसनै पतरस अर याकूब अर
याकूब कै भाई युहन्ना नै छोड़, दुसरै किसे ताहीं आपणे गेल्या आण ना दियाI
38 आराधनालय कै सरदार कै घर म्ह पहोचकै, उसनै माणसां ताहीं घणे रोंदे
अर किलकी मारदे देख्याI 39 फेर उसनै भीत्तर जाकै उनतै कह्या, “थम
क्यांतै रोळा मचाओ अर रोवो सो, छोरी मरी कोनी, पर सोवै सैI” 40 वे
उसका मखौल करण लाग्गे, पर उसनै सारया ताहीं लिकाड़ कै छोरी कै माँ-
पिता अर आपणे ढब्बियां कै गेल्या भीत्तर, जित छोरी पड़ी थी, गयाI 41 अर
छोरी का हाथ पकड़कै उसतै कह्या, “तलिता कूमी, जिसका मतलब सै, “हे
छोरी, मै तेरै तै कहूँ सूं, उठ!” 42 अर छोरी जिब्बे उठकै चाल्लण-फिरण लाग
गी; क्यूँके वा बारहा साल की थीI अर इस पै माणस घणे हैरान हो गे| 43 फेर
उसनै उनताहीं हिम्मत बंधा कै हुक्म दिया के इस बात का किस्से नै भी बेरा
ना पाट्टण दियो अर कह्या, “इसनै कीमे खाण नै द्योI”

नासरत म्ह यीशु का अनादर

(मत्ती 13:53-58; लूका 4:16-30)

6 1 उड़ै तै लिकड़ कै ओ आपणे देश म्ह आया, अर उसके चेल्ले भी
उसकै पाच्छै गएI 2 सब्त कै दिन ओ आराधनालय म्ह उपदेश देण
लागग्या, अर घणखरे माणसां नै सुण कै अचम्भा करया अर कहण लाग्गे,
“इसनै इतनी बात कित तै आ गी?” यो कौण-सा ज्ञान सै जो उसताहीं दिया
होया सै? किस ढाळ के सामर्थ के काम उसकै हाथां तै दिक्खै सैं? 3 के यो
ओए खात्ती कोनी, जो मरियम का छोरा, अर याकूब, योसेस, यहूदा, अर
शमौन का भाई सै? के उसकी बाण याड़ै म्हारै बिचाळै कोनी रह्न्दी?
इसकरकै उन्नै उसकै कारण ठोकर खाईI 4 यीशु नै उनताहीं कह्या, “नब्बी
का आपणे देश, अर आपणे कुन्बे, अर आपणे घर नै छोड़ और किते भी
निरादर कोनी होन्दाI” 5 ओ उड़ै कोए सामर्थ का काम नीं कर सक्या, सिर्फ
माड़े-से बीमारां पै हाथ धरकै उनताहीं चंगा करयाI

6 अर उसनै उनकै अबिश्वास पै हैरानी होई के अर चौगरदे के गाम्मां म्ह
उपदेश करदा हांडया|

बारहां प्रेरितां का खन्दाया जाणा

(मत्ती 10:5-15; लूका 9:1-6)

7 उसनै बारहा ताहीं आपणे धोरै बुलाया अर उन्नै दो-दो करकै खन्दाण
लागग्या; अर उन्नै भूंडी औपरी आत्मां पै हक्क दियाI 8 उसनै उनताहीं हुक्म
दिया, “रास्तै खातर लाठी छोड़ और कीमे ना लीयो; ना तो रोट्टी, ना झोळी,
ना बट्टुए म्ह पिस्से, 9 पर जुत्तीं पहरो अर दो-दो कुरते ना पहरोंI” 10 अर
उसनै उनताहीं कह्या, “जित किते थम किसे घर म्ह उतरो, तो जिब्ब ताहीं
उड़ै तै बिदा ना हो ल्यो जदताहीं उस्से घर म्ह ठहरे रहोI 11 जिस जंगहा के
माणस थमनै नीं अपणावै अर थारी नीं सुणै, उड़ै तै चाल्दे-ए आपणे ताल्वां
की धूळ झाड़ दो के उन पै गवाही होवैI” 12 फेर उन्नै जाकै प्रचार करया के
मन फिराओ, 13 अर घणी ए भूंडी औपरी आत्मां ताहीं काड्या, अर घणे
बीमारां पै तेल मळ कै उनताहीं चंगा करयाI

युहन्ना बपतिस्मा देणआळे की हत्या
(मत्ती 14:1-12; लूका 9:7-9)

14 हेरोदेस राजा नै भी उसका जिक्रा सुणया, क्यूँके उसका नाम फैल गया
था, अर उसनै कह्या, "युहन्ना बपतिस्मा देणआळा मरया होया म्ह तै जिन्दा
होया सै, इस्से करकै उसतै ये सामर्थ के काम दिक्खै सैं।" 15 दुसरे माणसां नै
कह्या, "यो एलिय्याह सै।" पर कीमे दुसरयां नै कह्या, "नब्बी या नब्बियाँ म्ह
तै किस्से कै बरगा सै।" 16 हेरोदस नै न्यू सुण कै कह्या, "जिस युहन्ना का सिर
मन्नै कटवाया था, ओए जिन्दा होया सै।" 17 हेरोदस नै आपणे भाई
फिलिप्पुस की बीरबान्नी हेरोदियास कै कारण, जिसतै उसनै ब्याह कर लिया
था, माणसां ताहीं खन्दा कै युहन्ना ताहीं पकड़वाकै जेळ म्ह गेर दिया था;
18 क्यूँके युहन्ना नै हेरोदेस तै कह्या था, "आपणे भाई की बीरबान्नी ताहीं
राखणा सई कोनी।" 19 इस करकै हेरोदियास उस तै बैर राख्या करै थी अर
वा चाहवै थी के उसनै मरवा देवै; पर इसा ना हो सक्या, 20 क्यूँके हेरोदेस
युहन्ना नै धर्मी अर पवित्र माणस जाण कै उसतै डरै था, अर उसका बचाव
करै था, अर उसकी बात सुण कै घणा घबरावै था, पर उसकी बात्तां नै
आनन्द तै सुणै था।
21 सई मौक्का आया जिब्ब हेरोदेस नै आपणे जन्म दिन म्ह आपणे प्रधानां
अर सेनापतियां, अर गलील कै बड्डे माणसां कै खातर जीमणा करया। 22 तो
हेरोदियास की छोरी भीत्तर आई, अर नाचकै हेरोदेस ताहीं अर उसकै गेल्या
बैठण आळयां ताहीं राज़ी करया। फेर राजा नै छोरी तै कह्या, "तू जो चाहवै
मेरै तै माँग मै तन्नै द्युगाँ।" 23 उसनै सूह खाई, "मै आपणा आधा राज्य ताहीं
जो कीमे तू मेरै तै माँगेगी मै तन्नै द्युगाँ।" 24 उसनै बाहरण जाकै आपणी माँ तै
बुझया, "मै के माँगू?" वा बोल्ली, "युहन्ना बपतिस्मा देणआळे का सिर।" 25 वा
जिब्बे राजै कै धोरै भीत्तर आई अर उसतै बिनती करी, "मै चाहूँ सूं के तू इब्बे
युहन्ना बपतिस्मा देणआळे का सिर एक थाळ म्ह मन्नै मँगवा दे।"
26 फेर राजा घणा काल होया, पर आपणी सूह कै कारण अर गेल्या बैठण
आळयां कै कारण उसताहीं टाळणा कोनी चाहया। 27 आखर म्ह राजा नै
जिब्बे एक सिपाही ताहीं हुक्म देकै खन्दाया के उसका सिर काट ल्याए।
28 उसनै जेळ खानै म्ह जाकै उसका सिर काट्या, अर एक थाळ म्ह धरकै
ल्याया अर छोरी तै दिया, अर छोरी नै आपणी माँ तै दिया। 29 न्यू सुण कै
युहन्ना के चेल्ले आए, अर उसकी लाश नै लेगे अर कब्र म्ह धरया।

प्रेरितां की वापसी अर एकांतवास
(मत्ती 14:13-14; लूका 9:10)

30 प्रेरितों नै यीशु कै धोरै कट्ठे होकै, जो कीमे उन्नै करया अर सिखाया था,
सब कीमे उसताहीं बताया। 31 उसनै उनतै कह्या, "थम खुद न्यारे किसे एक्की
जंगहा म्ह चालकै माड़ा आराम करो।" क्यूँके घणे माणस आवै-जावै थे, अर
उन्नै खाण का मौक्का भी कोनी मिलै था। 32 ज्यांतै वे किस्ती पै चढ़कै
बीयाबान जंगहा म्ह न्यारे चले गए।

पाँच हजार आद्मियाँ ताहीं खिलाणा
(मत्ती 14:15-21; लूका 9:11-17; युहन्ना 6:1-14)

33 घणा नै उनताहीं जान्दे देख कै पीछाण लिया, अर सारे नगरां तै कट्ठे
होकै उड़ै पांए-पां भाज लिए अर उनतै पहल्या जा पहोच्चे। 34 उसनै उतर कै
बड्डी भीड़ देक्खी, अर उन पै तरस खाया, क्यूँके वे उन भेड्डां की तरियां थे,
जिनका कोए रुखाळा ना हो; अर ओ उन्नै घणी ए बात सिखाण लागग्या।
35 जिब्ब दिन घणा ढळग्या, तो उसके चेल्ले उसकै धोरै आकै कहण लागगे,
"या बियाबान जंगहा सै, अर दिन घणा ढळग्या सै। 36 उन्नै बिदा कर के
चोगरदे कै गाम्मां अर बगड़ां म्ह जाकै, आपणै कीमे खाण ताहीं मोल
लियावां।" 37 यीशु नै जबाब दिया, "थमे उन्नै खाण नै द्यो।" उन्नै उसताहीं
कह्या, "के हम सौ दीनार की रोट्टी ल्यावां, अर उन्नै खुआवां?" 38 उसनै
उनताहीं कह्या, "जाकै देक्खो थारै धोरै कितनी रोट्टी सै?" उन्नै बेरा पाड़ कै
कह्या, "पाँच रोट्टी अर दो मच्छी भी।"

39 फेर यीशु नै उनता हीं हुक्म दिया के सारया नै हरी घास पै लैनपतार म्ह
बिठा द्यो। 40 वे सौ-सौ अर पचास-पचास करकै लैनपतार बैठगें। 41 यीशु नै
उन पाँच रोट्टी अर दो मच्छीयां ताहीं लिया, अर सुर्ग कै कान्नी लखाकै
धन्यवाद करया, अर रोट्टी तोड़-तोड़ कै चेल्यां ताहीं देन्दा गया के वे माणसां
ताहीं परोसै, अर वे दो मच्छिया भी उन सारया म्ह बांड दी। 42 सारे खाकै
छिकगें, 43 अर उन्नै टुकड़यां तै बारहा टोकरी भर कै ठाई, अर कीमे मच्छियां
तै भी। 44 जिन्नै रोट्टी खाई, वे पाँच हजार माणस थे।

यीशु का पाणी पै चालणा
(मत्ती 14:22-33; युहन्ना 6:15-21)

45 फेर उसनै जिब्बे आपणे चेल्यां ताहीं किस्ती पै चढ़ण कै खातर मजबूर
करया के वे उसतै पहल्या उस पार बैतसैदा नै चले जावें, जिब्ब ताहीं के ओ
माणसां ताहीं बिदा करै। 46 उन्नै बिदा करकै यीशु पहाड़ पै प्रार्थना करण नै
गया। 47 जिब्ब साँझ होई, तो किस्ती झील कै बिचाळै थी, अर यीशु एक्ला
धरती पै था। 48 जिब्ब उसनै देख्या के वे खेते-खेते घबरा गए सैं, क्यूँके बाळ
उनकै पलट म्ह थी, तो रात कै चौथे पहर कै धोरै ओ झील पै चाल्दे होए
उनकै धोरै आया; अर उनतै आगै लिकड़ जाणा चाहवै था। 49 पर उन्नै
उसताहीं झील पै चाल्दे देखकै समझया के भूत सै, अर किलकी मारण लागे;
50 क्यूँके सारे उसनै देखकै घबरा गे थे। पर उसनै जिब्बे उनतै बात करी अर
कह्या, "हौसला राक्खो: मै सूं; डरो मतना!" 51 फेर ओ उनकै धोरै किस्ती पै
आया, अर बाळ थम्बगी: अर वे घणा अचम्भा करण लाग्गे। 52 वे उन रोट्टी कै
बारै म्ह कोनी समझै थे, क्यूँके उनके दिल करड़े होरे थे।

गन्नेसरत म्ह रोमियाँ ताहीं चंगा करणा
(मत्ती 14:34-36)

53 वे परली ओड़ उतर कै गन्नेसरत म्ह पहोच्चे, अर किस्ती घाट पै लाई।
54 जिब्ब वे किस्ती पै तै उतरे, तो माणस जिब्बे उसनै पिच्छाण कै, 55 ओरै-
धोरै कै सारे देश म्ह भाज़े, अर बीमारां नै खाट्टां पै लादकै, जित-जित खबर
मिली के यीशु ओड़ै सै, उड़ै-उड़ै लिए हान्डे। 56 अर जित किते भी ओ
गाम्मां, नगरां, या मोह्ल्यां म्ह जावै था, माणस बीमारां नै बजारा म्ह धरकै
उसतै बिनती करै थे के ओ उन्नै आपणे लत्ते कै पल्ले तै ए छू लेण दे :अर
जितने उसनै छूवै थे, सारे चंगे हो जावै थे।

परम्परा-पालन का सवाल
(मत्ती 15:1-9)

7 फेर फरीसी अर कीमे शास्त्री जो यरूशलेम तै आए थे, उसकै धोरै
कट्ठे होए, 2 अर उन्नै उसके कुछ चेल्यां ताहीं बिना सुच्चे होए यानिके
बिना हाथ धोए रोट्टी खांदे देख्या— 3 क्यूँके फरीसी अर सारे यहूदी, बड्डे
बुजर्गां के रित-रिवाजां पै चाल्लै सै अर जिब्ब ताहीं सई ढाळ हाथ नीं धो लेंदे
जदताहीं कोनी खान्दे|; 4 अर बजार तै आकै, जिब ताहीं नहा नीं लेन्दे,
जदताहीं कोनी खान्दे; और घणी सी बात सैं, जो उनकै धोरै मानण कै खातर
पहोचाई गई सैं, जिस तरियां कटोरे, अर लोट्टे, अर ताम्बे के बासणां ताहीं
धोणा मान्जणा। 5 इस करकै उन फरीसियां अर शास्त्रियां नै उसतै बुझ्झया,
"तेरै चेल्ले क्यांतै बड्डे बुजर्गां के रित-रिवाजां पै कोनी चाल्दे, अर बिना धोए
हाथां तै रोट्टी खावैं सैं?" 6 उसनै उनताहीं कह्या, "यशायाह नै थम कपटियां
कै बारै म्ह घणी सई भविष्यवाणी करी; जिसा लिख्या सै :'ये माणस होट्ठां तै
तो मेरी इज्जत करैं सैं, पर उनका मन मेरै तै दूर रहवै सै। 7 वे खामखाँ मेरी
पूजा करैं सैं, क्यूँके माणसां कै हुक्मां नै धर्म का उपदेश करकै सिखावैं सैं।'
8 क्यूँके थम पणमेशर कै हुक्म नै टाळकै माणसां कै रिवाजां ताहीं मान्नो
सो।" 9 उसनै उनताहीं कह्या, "थम आपणे रिवाजां नै मानण कै खातर
पणमेशर का हुक्म कितनी बढ़िया ढाळ टाळ द्यो सो। 10 क्यूँके मूसा नै कह्या
सै, 'आपणे मां-पिता की इज्जत कर' अर 'जो कोए आपणे मां-पिता नै भुंडा
कहवै, ओ जरुर मारया जावै।' 11 पर थम कहो सो के जै कोए आपणे माँ-
पिता तै कहवै, 'जो कीमे थमनै मेरै तै फैयदा पहोच सकै था, ओ कुरबान
(पणमेशर ताहीं अर्पण) हो लिया|' 12 तो थम उस ताहीं पिता या उसकी माँ

की कीमे सेवा करण नीं देन्दे| 13 इस तरियां थम आपणी रीत-रिवाजां तै,
जिन ताहीं थमनै ठहराया सै, पणमेशर का बचन टाळ द्यो सो; अर इसे-इसे
घण खरे काम करो सो|"

माणस ताहीं अशुद्ध करण आळी बात
(मत्ती 15:10-20)

14 फेर उसनै आदमियां ताहीं आपणे धोरै बुलाकै कह्या, "थम सारे मेरी
सुणो, अर समझो| 15 15 इसी कोए चीज कोनी जो माणस म्ह बाहरण तै
बड़कै उस ताहीं अशुद्ध करै; पर जो चीज माणस कै भीत्तर तै लिकड़ैं सैं, वैए
उस ताहीं अशुद्ध करैं सैं| 16 [जै किसे के सुणन नै कान हो तो सुण ले|]"
17 जिब्ब ओ भीड़ कै धोरै तै घरा गया, तो उसके चेल्यां नै इस उदाहरण कै
बारै म्ह उसतै बुझ्झया| 18 उसनै उनतै कह्या, "के थम भी इसे नासमझ सो?
के थम कोनी समझदे के जो चीज बाहरण तै माणस कै भीत्तर जावै सै वा
उसनै अशुद्ध कोनी कर सकदी? 19 क्यूँके वा उसकै मन म्ह नीं, पर पेट म्ह
जावै सै, अर संडास म्ह लिकड़ जावै सै?" न्यू कहकै उसनै सारी खाणै की
चिज़ां ताहीं शुद्ध ठहराया| 20 फेर उसनै कह्या, "जो माणस म्ह तै लिकड़ै सै,
ओए माणस नै अशुद्ध करै सै| 21 क्यूँके भीत्तर तै, यानिके माणस कै मन तै,
भुन्डे-भुन्डे ख्याल, जारी, चोरी, हत्या, बिगान्नी लुगाई धोरै जाणा, 22 लोभ,
दुष्टता, छळ, लुचपण, भुंडी नजर, बुराई, घमण्ड, अर बेअक्ली लिकड़ैं सैं|
23 ये सारी भुंडी बात भीत्तर तैए लिकड़ैं सैं अर माणस नै अशुद्ध करैं सैं|"

सुरूफिनिकी जात की लुगाई का बिश्वास
(मत्ती 15:32-39)

24 फेर ओ उड़ै तै उठकै सूर अर सैदा के देशां म्ह आया; अर एक घर म्ह
गया अर चाहवै था के किस्से न बेरा नी लागै, पर ओ लुह्क नीं सक्या|
25 अर जिब्बे एक लुगाई जिसकी छोट्टी छोरी म्ह भूंडी औपरी आत्मा थी,
उसका जिक्रा सुण कै आई, अर उसकै पायां म्ह पड़गी| 26 या यूनानी अर
सुरुफिनिकी जात की थी| उसनै उसतै बिनती करी के मेरी छोरी म्ह तै
औपरी आत्मा लिकाड़ दे| 27 उसनै उसतै कह्या, "पह्ल्या छोरयां नै छिक
लेण दे, क्यूँके छोरया की रोट्टी लेकै कुत्यां कै आगै गेरणा सई कोनी|"
28 उसनै उसताहीं जबाब दिया, "साच्ची सै प्रभु; फेरभी कुत्ते भी तो मेज कै
तळै बाळकां की रोट्टी का चूर-चार खा लेवैं सैं|" 29 उसनै उसतै कह्या, "इस
बात कै कारण चली जा; भूंडी औपरी आत्मा तेरी छोरी म्ह तै लिकड़ग्यी
सैं|" क्यूँके वा लुगाई प्रभु यीशु कै श्यामी जमा-ए दीनता दिखाण लाग्गी थी|
30 उसनै आपणे घरा आकै देख्या के छोरी खाट पै पड़ी सै, अर भूंडी औपरी
आत्मा लिकड़ग्यी सैं|

बहरे अर हाक्ळे माणस ताहीं चंगा करणा

31 फेर ओ सूर अर सैदा के देशां तै लिकड़ कै दिकापुलिस तै होंदा होड़
गलील की झील पै पहोच्या| 32 तो आदमियां नै एक बैहरै ताहीं जो हाकळा
भी था, उसकै धोरै आकै उसतै बिनती करी के आपणा हाथ उस पै धरै|
33 फेर ओ उसनै भीड़ तै न्यारा लेग्या, आपणी आन्गली उसकै कान्नां म्ह
सुड़ी, अर थूककै उसकी जीभ ताहीं छुया; 34 अर सुर्ग कान्नी देखकै आह
भरी, अर उसतै कह्या, "इप्फत्तह!" यानिके "खुल ज्या" ! 35 उसके कान
खुलगे अर उसकी जीभ की गाँठ भी खुलगी, अर ओ सुथरी-ढाल बोल्लण
लाग्या| 36 फेर उसनै उनताहीं सोट्टी दुवाकै कहया के किस्से तै ना कहियो;
पर जितना उसनै उन ताहीं चिताया उतना ए वे और प्रचार करण लाग्गे|
37 वे घणे हैराण होकै कहण लाग्गे, "उसनै जो कीमे करया सारा ठीक करया
सै; ओ बैहरया नै सुणन की, गूँगा नै बोल्लण की ताकत देवै सै|"

चार हजार माणसां ताहीं खुवाणा
(मत्ती 15:32-39)

8 उन दिनां म्ह जिब्ब भीड़ कड्डी होई, अर उनकै लोवै कीमे खाण नै
कोनी था, तो उसनै आपणे चेल्यां ताहीं धोरै बुलाकै उनतै कह्या,
2 "मन्नै इस भीड़ पै तरस आवै सै, क्यूँके यें तीन दिनां तै बराबर मेरै गेल्या सैं,
अर उनकै धोरै कीमे खाण नै भी कोनी| 3 जै मै उन्नै भूक्खा खन्दा द्यु, तो
राह म्ह थक हार कै रह ज्यांगें; क्यूँके इन म्ह तै कई दूर तै आरे सैं|" 4 उसकै
चेल्यां नै जबाब दिया, "उरै बण म्ह इतनी रोट्टी कोए कित तै ल्यावै के वे
छिक ज्यां?" 5 यीशु मसीह नै उनतै कह्या, "थारै धोरै कितनी रोट्टी सै?" उन्नै
कह्या, "सात|"
6 फेर उसनै माणसां ताहीं धरती पै बैठण का हुक्म दिया, अर वे सात रोट्टी
लीं अर धन्यवाद करकै तोड़ी, अर आपणे चेल्यां नै देन्दा गया के उनकै आगै
धरै, अर माणसां आगै परोस दिया| 7 उनकै धोरै माड़ी-सी छोट्टी मच्छियां भी
थीं; उसनै धन्यवाद करकै उनताहीं माणसां कै आगै धरण का हुक्म दिया|
8 वे खाकै छिकगें अर चेल्यां नै बचे होड़ टुकड़या के सात टोकरे भरकै ठाए|
9 अर आदमी चार हजार कै करीबन थे; फेर उसनै उनताहीं बिदा करया,
10 अर ओ जिब्बे आपणे चेल्यां कै गेल्या किस्ती पै चढ़कै दलमनूता प्रदेश नै
चल्या गया|

फरिसियाँ कै जरिये सुर्गीय निशान की माँग
(16:1-4)

11 फेर फरीसी आकै उसतै बहस करण लाग्गे, अर उस ताहीं परखण
खातर उसतै कोए सुर्गीय निशान माँग्या| 12 उसनै आपणी आत्मा म्ह आह
भरकै कह्या, "इस टेम के आदमी क्यांतै निशान टोहवैं सैं? मै थमनै साच्ची-
साच कहूँ सूं के इस टेम के आदमियां नै कोए निशान नीं दिया जावैगा|"
13 अर ओ उन्नै छोड़कै फेर किस्ती पै चढ़ग्या अर परली ओड़ चल्या गया|

फरिसियाँ अर हेरोदेस का खमीर
(मत्ती 16:5-12)

14 चेल्ले रोट्टी लेणा भुल गे थे, अर किस्ती म्ह उनकै धोरै एक-ए रोट्टी थी|
15 उसनै उनतै चिताया, "लखाओ, फरिसियाँ के खमीर अर हेरोदेस के
खमीर तै चौकन्ने रहो|" 16 वे आपस म्ह बिचार करकै कहण लाग्गे, "म्हारै
धोरै रोट्टी कोनी सै|" 17 न्यू जाण कै यीशु नै उनतै कह्या, "थम क्यांतै आपस
म्ह यो बिचार कररे सो के म्हारै धोरै रोट्टी कोनी?" के इब ताहीं नीं जाणदे अर
नीं समझदे? के थारा मन करड़ा होग्या सै? 18 के आँख राखदे होये भी कोनी
देखदे, अर कान राखदे होये भी कोनी सुणदे? के थारै याद कोनी| 19 के
जिब्ब मन्नै पाँच हजार कै खातर पाँच रोट्टी तोड़ी थीं तो थमनै टुकड़या के
कितनी टोकरियाँ भरकै ठाई?" उन्नै उसतै कह्या, "बारहा टोकरियाँ|"
20 "अर जिब्ब सात हजार कै खातर सात रोटियाँ थीं तो थमनै टुकड़यां के
कितने टोकरे भरकै ठाए थे?" उन्नै उसतै कह्या, "सात टोकरे|" 21 उसनै
उनतै कह्या, "के थम इब ताहीं नीं समझदे?" 22 वे बैतसैदा म्ह आए; अर
आदमी एक आंधे नै उसकै धोरै ली याये अर उसतै बिनती करी के उसनै
छुवै|

बैतसैदा म्ह एक आंधे ताहीं चंगा करणा

23 ओ उस आंधे का हाथ पकड़कै गाम तै बाहरण लेग्या, अर उसकी
आँखां म्ह थूककै उसपै हाथ धरे, अर उसतै बुझ्झया, "के तू कीमे देक्खै सै?"
24 उसनै निगांह ठाकै कह्या, "मै माणसां नै देक्खूँ सूं; वे मन्नै चाल्दे होये
दरखतां की ढाळ दीक्खैं सैं|" 25 फेर उसनै दुबारा उसकी आँखां पै हाथ
धरे, अर आंधे नै ध्यान तै देख्या| ओ चंगा होग्या, अर सारा कीमे सुथरी-
ढाळ देक्खण लाग्या| 26 उसनै उसताहीं न्यू कहकै खन्दाया, "इस गाम म्ह
पां भी नी धरणा|"

आपणी मौत कै बारै म्ह यीशु की भविष्यवाणी
(मत्ती 16:21-23; लूका 9:22)

27 यीशु अर उसकै चेल्ले कैसरिया फिलिप्पी के गाम्मां म्ह चले गये| राह म्ह
उसनै आपणे चेल्यां तै बुझ्झया, "माणस मन्नै के कहवैं सैं?" 28 उन्नै जबाब
दिया, "युहन्ना बपतिस्मा देण आळा, पर कोई एलिय्याह अर कोई नब्बियाँ म्ह
एक भी कहवैं सैं|" 29 उसनै उनतै बुझ्झया, "पर थम मन्नै के कहो सो?"
पतरस नै जबाब दिया, "तू मसीह सै|" 30 फेर उसनै उन ताहीं सोट्टी दुवा कै

कह्या के मेरै कारण यो किसे तै नीं कहणा| 31 फेर ओ उन्नै सिखाण लाग्या के माणस कै बेट्टे खातर जरूरी सै के ओ घणा दु:ख ठावै, अर पुरनिए अर प्रधान याजक, अर शास्त्री उसनै माड़ा समझ कै मार देवैं, अर ओ तीन दिन म्ह जिन्दा उठै| 32 उसनै या बात उनतै साफ-साफ कह दी| इस पै पतरस उसनै न्यारा ले जाकै झिड़कण लाग्या, 33 पर उसनै पलटकै आपणे चेल्यां कान्नी देख्या, अर पतरस नै झिड़ककै कह्या, "हे शैतान, मेरै श्यामी तै दूर हो; क्यूँके तू पणमेशर की बात्तां पै नीं, पर माणसां की बात्तां पै मन ल्यावै सै|"

यीशु कै पाच्छै चाल्लण का मतलब

(16:24-28; लूका 9:23-27)

34 उसनै भीड़ ताहीं आपणे चेल्यां सुदा बुलाकै कह्या, "जो कोई मेरै पाच्छै आणा चाहवै, ओ आपणै आप्पे तै नाट्टै अर आपणा क्रूस ठाकै, मेरै गेल हो ले| 35 क्यूँके जो कोई आपणी ज्यान बचाणा चाहवै ओ उसनै खोवैगा, पर जो कोई मेरै अर सुसमाचार खातर आपणी ज्यान खोवैगा, ओ उसनै बचावैगा| 36 जै माणस सारी दुनिया नै पा लेवै अर आपणी ज्यान का नुकसान ठावै, तो उसनै के फैयदा होगा? 37 माणस आपणी ज्यान कै बदलै के देवैगा? 38 जो कोए इस जार अर पाप्पी जात कै बिचाळै मेरै तै अर मेरी बात्तां तै सरमावैगा, माणस का बेट्टा भी जिब्ब ओ पवित्र दुत्तां कै गेल्या आपणे पिता की महिमा सुदा आवैगा, फेर उसतै भी सरमावैगा|"

9 अर उसनै उनतै कह्या, "मै थारै तै साच्ची-साच कहूँ सूं के जो उरै खड़े सैं, उनम्ह तै कोए-कोए इसे सैं, के जिब्ब ताहीं पणमेशर के राज नै सामर्थ सुदा आया होया नीं देख लेवैं, जद तक मौत का सुवाद कद्दे भी नीं चाखैगें|"

यीशु का रुपांतर

(मत्ती 17:1-13; लूका 9:28-36)

2 छ: दिन कै पाच्छै यीशु नै पतरस अर याकूब अर युहन्ना ताहीं गेल लिया, अर एक्कै म्ह किसे ऊँच्चै पहाड़ पै लेग्या| ओड़ै उनकै श्यामी उसकी शिक्ल बदल गी, 3 अर उसका लत्ता इसा चमकण लाग्या उरै ताहीं जमां धोळा-धप होया, के धरती पै कोए धोब्बी भी उसा धौळा कोनी कर सकदा| 4 अर उन्नै मूसा कै गेल्या एलिय्याह दिख्या; वें यीशु कै गेल्या बात करैं थे| 5 इस पै पतरस नै यीशु तै कह्या, "हे रब्बी, म्हारा उरै रहणा सई सै : इसकरकै हम तीन मण्डप बणावा; एक तेरै खातर, एक मूसा खातर, एक एलिय्याह खातर|" 6 क्यूँके उसनै कोनी बेरा था, के ओ के जबाब देवै, ज्यांतै के वे घणे डरगे थे| 7 फेर एक बादळ उनपै छाग्या, अर उस बादळ म्ह तै एक बाणी लिकड़ी, "यो मेरा लाडला बेट्टा सै, इसकी सुणो|" 8 फेर उन्नै चाणचक चौगरदे कै निगांह घुमाई, अर यीशु नै छोड़ आपणे गेल्या और कोए कोनी देख्या|

9 पहाड़ तै उतरदे टेम उसनै उनताहीं हुक्म दिया के जिब्ब ताहीं माणस का बेट्टा मरे होया म्ह तै जिन्दा नीं उठै, जद तक जो कीमे थमनै देख्या सै ओ किसे तै ना कहियो| 10 उन्नै इस बात ताहीं याद राख्या; आपस म्ह बहस करण लाग्गे, "मरे होया म्ह जिन्दा उठण का के मतलब सै?" 11 अर उन्नै उसतै बुझ्झया, "शास्त्री क्यांतै कहवैं सैं के एलिय्याह का पहल्या आणा जरूरी सै?" 12 उसनै उनताहीं जबाब दिया, "एलिय्याह साचए पहल्या आकै सारा कीमे सुधारैगा, पर माणस के बेट्टे कै कारण यो क्यांतै लिख्या सै के ओ घणा दु:ख ठावैगा, अर माड़ा गिणया जावैगा? 13 पर मै थारै ताहीं कहूँ सूं के एलिय्याह तो आ लिया, अर जिसा उसकै कारण लिख्या सै, उन्नै जो कीमे चाहया उसकै गेल्या करया|"

बाळक ताहीं चंगा करणा जिसम्ह औपरी आत्मा थी

मत्ती 17:14-21; लूका 9:37-43)

14 जिब्ब ओ चेल्यां कै धोरै आया, तो देख्या के उनकै चौगरदे नै बड्डी भीड़ लागरी सैं अर शास्त्री उनकै गेल्या बहस कररे सै| 15 उस ताहीं देखदे ए सारे घणे हैरान होण लाग्गे, अर उस कान्नी भाज कै नमस्कार करया| 16 उसनै उनतै बुझ्झया, "थम इन तै के बहस कररे सो?" 17 भीड़ म्ह तै एक नै उसतै जबाब दिया, "हे गुरु, मै आपणे बेट्टे ताहीं जिसम्ह गूँगी आत्मा बड़री सै, तेरै धोरै ल्याया था| 18 जित किते वा उसनै पकड़ै सै, उड़ए पटक देवै सै : अर ओ मुँह म्ह तै झाग भर लावै सै, अर दांत पिसदा, अर सुखदा जावै सै| मन्नै तेरे चेल्यां तै कह्या के उस ताहीं काड देवै, पर वे काड नीं सके|" 19 न्यू सुण कै उसनै उनतै जबाब देकै कह्या, "हे अबिश्वासी माणसो, मै कद ताहीं थारै गेल्या रहूँगा? अर कद ताहीं थारी सहूँगा? उस ताहीं मेरै धोरै ल्याओ|" 20 फेर वे उसनै उसकै धोरै लियाये : अर जिब्ब उसनै उस ताहीं देख्या, तो उस आत्मा नै जिब्बे उस ताहीं मरोड़या, अर ओ धरती पै पड़ग्या, अर मुँह तै झाग बगान्दे होये लोट्टण लाग्या| 21 यीशु मसीह नै उसकै पिता तै बुझ्झया, "इसकी या हालत कद तै सै?" उसनै कह्या, "बाळकपण तै| 22 उसनै इस ताहीं नास करण खातर कदे आग अर कदे पाणी म्ह गेरया, पर जै तू कीमे कर सकै, तो म्हारै पै तरस खाकै म्हारा भला कर|" 23 यीशु नै उसतै कह्या, "जै तू कर सकै सै? या के बात सै ! बिश्वास करण आळयां खातर सारा कीमे हो सकै सै|" 24 बाळक कै पिता नै जिब्बे हाड़े खाकै कह्या, "हे प्रभु, मै बिश्वास करूं सूं, मेरै अबिश्वास का उपाय कर|" 25 जिब्ब यीशु नै देख्या के माणस भाजकै भीड़ लावैं सैं, तो उस भूंडी औपरी आत्मा ताहीं न्यू कहकै धमकाया, "हे गूँगी अर बैहरी आत्मा, मै तन्नै हुक्म द्युँ सूं, उसम्ह तै लिकड़ आ, अर उसम्ह फेर कदे ना बड़ीये|" 26 फेर वा किल्की मारकै अर उसताहीं घणा मरोड़ कै, लिकड़ आई; अर बाळक मरया होया-सा होग्या, उरै ताहीं के घणे आदमी कहण लाग्गे के ओ मरग्या| 27 पर यीशु नै उसका हाथ पकड़ कै उस ताहीं ठाया, अर ओ खड़या होग्या| 28 जिब्ब ओ घरा आया, तो उसके चेल्यां नै एक्कै म्ह उसतै बुझ्झया, "हम उस ताहीं क्यांतै नीं काड सके?" 29 उसनै उनतै कह्या, "या जात, बिना प्रार्थना किसे और उपाय तै कोनी लिकड़ सकदी|"

आपणी मौत कै बारै म्ह यीशु की पुनः भविष्यवाणी

(मत्ती 17:22-23; लूका 9:43-45)

30 फेर वे ओड़ै तै चाल्ले, अर गलील म्ह होंदे होये जावै थे| ओ नीं चाहवै था के कोए जाणै, 31 क्यूँके ओ उपदेश देन्दा अर अपणे बारै म्ह उनतै कहवै था, "माणस का बेट्टा माणसां कै हाथ तै पकड़वाया जावैगा, अर वे उस ताहीं मार देवैगें, अर ओ मरण कै तीन दिन पाच्छै जिन्दा उठैगा|" 32 पर या बात उनकी समझ म्ह कोनी आई, अर वे उसतै बुझ्झण तै डरै थे|

सारया तै बड्डा कौण?

(मत्ती 18:1-5; लूका 9:46-48)

33 फेर वे कफरनहूम म्ह आये; अर घर म्ह आकै उसनै उनतै बुझ्झया, "राह म्ह थम किस बात पै बहस कररे थे?" 34 वे बोल-बाल्ले रहे, क्यूँके राह म्ह उन्नै आपस म्ह या बहस करी थी के म्हारै म्ह तै बड्डा कौण सै| 35 फेर उसनै बैठकै बारहा ताहीं बुलाया अर उनतै कह्या, "जै कोए बड्डा होणा चाहवै, तो सारया तै छोट्टा अर सारया का सेवक बणै|" 36 अर उसनै एक बाळक नै लेकै उनकै बिचाळै खड़या करया अर उस ताहीं गोद्दी म्ह लेकै उनताहीं कह्या, 37 "जो कोए मेरै नाम तै इसे बाळकां म्ह तै किसे एक नै भी अपणावै सै, ओ मन्नै अपणावै सै; अर जो कोए मन्नै अपणावै सै, ओ मन्नै नीं, बल्के मेरै खन्दाण आळे नै अपणावै सै|"

जो बिरोध म्ह नीं, ओ मेर म्ह

(लूका 9:49-50)

38 फेर युहन्ना नै उस ताहीं कह्या, "हे गुरु, हमनै एक माणस ताहीं तेरै नाम तै भूंडी औपरी आत्मां नै काडदे देख्या अर हम उसनै मना करण लाग्गे, क्यूँके ओ म्हारै पाच्छै कोनी आवै था|" 39 यीशु नै कह्या, "उस ताहीं मना मत करो; क्यूँके इसा कोए नीं जो मेरै नाम तै सामर्थ का काम करै, अर तावळ तै मन्नै भुंडा कह सकै, 40 क्यूँके जो म्हारै बिरोध म्ह नीं, ओ म्हारै कान्नी सै| 41 जो कोए एक कटोरा पाणी थमनै ज्यांतै प्यावै के थम मसीह के सो तो मै थमनै साची-साच कहूँ सूं के ओ आपणा प्रतिफळ किसे तरियां भी नीं खोवैगा|

ठोकर का कारण बनणा
(मत्ती 18:6-9; लूका 17:1-2)

42 "जो कोए इन छोट्या म्ह तै जो मेरै पै बिश्वास करै सै, किसे नै ठोकर
खुवावै तो उसकै खातर भला योए सै के एक बड्डी चाक्की का पाट उसकै गळ
म्ह लटकाया जावै अर ओ समुंदर म्ह गेरया जावै| 43 जै तेरा हाथ तन्नै ठोकर
खुवावै तो उसनै काट दे| टुंडा होकै जिन्दगी म्ह बड़ना तेरै खातर भला सै
के दो हाथ रहंदे होये नरक की आग म्ह गेरया जावै जो कदे नीं बुझै| 44 [जड़ै
उनका कीड़ा कोनी मरदा अर आग कोनी बुझदी|] 45 जै तेरा पैर तन्नै ठोकर
खुवावै तो उस ताहीं काट दे| लंगड़ा होकै जिन्दगी म्ह बड़ना तेरै खातर
भला सै के दो पैर रहंदे होये नरक की आग म्ह गेरया जावै| 46 [जड़ै उनका
कीड़ा कोनी मरदा अर आग कोनी बुझदी|] 47 जै तेरी आँख तन्नै ठोकर
खुवावै तो उसनै लिकाड़ दे| काणा होकै पणमेशर कै राज म्ह बड़ना भला सै
के दो आँख रहंदे होये तू नरक म्ह गेरया जावै| 48 जड़ै उनका कीड़ा कोनी
मरदा अर आग कोनी बुझदी| 49 क्यूँकै हरेक माणस आग तै नमकीन करया
जावैगा| 50 नूण आच्छा सै, पर जै नूण का सुवाद जांदा रहवै तो उसनै किस
तरियां नमकीन करोगे? आपणे म्ह नूण राक्खो, अर आपस म्ह मेल-मिलाप
तै रहो|"

तलाक कै बारै म्ह यीशु की शिक्षा
(मत्ती 19:1-12; लूका 16:18)

10 फेर ओ ओड़ै तै उठकै यहुदियाँ की सीम म्ह यरदन कै पार आया|
भीड़ उसकै धोरै कट्ठी होग्यी, अर आपणी रीत कै मुताबिक उन्नै
दुबारै उपदेश देण लाग्या|
2 फेर फरिसियाँ नै यीशु धोरै आकै उस ताहीं परखण खातर उसतै
बुझ्झया, "के यो ठीक सै के माणस आपणी बीरबान्नी नै छोड्डै?" 3 उसनै
उनताहीं जबाब दिया, "मूसा नै थारै ताहीं के हुक्म दिया सै?" 4 उन्नै कह्या,
"मूसा नै तो तलाक देकै अर छोडण का हुक्म दिया सै|" 5 यीशु नै उनतै
कह्या, "थारे मन कै करड़ै पण कै कारण उसनै थारै खातर यो हुक्म लिख्या|
6 पर सृष्टि की सरूआत तै पणमेशर नै नर अर नारी करकै उन ताहीं बणाया
सै| 7 इस कारण माणस आपणे माँ-पिता तै न्यारा होकै आपणी बीरबान्नी
गेल्या रहवैगा, 8 अर वे एक देही होवैगें; ज्यांतै के वे इब दो नीं पर एक देही
सै| 9 इस करकै जिस ताहीं पणमेशर नै जोड़या सै उस ताहीं माणस न्यारा
ना करै|" 10 घर म्ह चेल्यां नै उसकै कारण उसतै फेर बुझ्झया| 11 यीशु
मसीह नै उनतै कह्या, "जो कोए आपणी बीरबान्नी नै छोड़कै दुसरी तै ब्याह
करै तो ओ उस पहल्ड़ी कै बिरोध म्ह जारी करै सै; 12 अर जै बीरबान्नी
आपणे धणी नै छोड़कै दुसरे तै ब्याह करै तो वा जारी करै सै|"

बाळकां ताहीं आशरीवाद
(मत्ती 19:13-15; लूका 18:15-17)

13 फेर माणस बाळकां नै उसकै धोरै ल्याण लाग्गे के ओ उन पै हाथ धरै,
पर चेल्यां नै उन ताहीं धमकाया| 14 यीशु नै न्यू देख छोह म्ह होकै कह्या,
"बाळकां नै मेरै धोरै आण द्यो अर उन्नै मना ना करो, क्यूँकै पणमेशर का
राज्य इसा ए का सै| 15 मै थमनै साच्ची-साच कहूँ सूं के जो कोए पणमेशर के
राज्य नै बाळक की तरियां नीं अपणावै, ओ उसम्ह कदे नीं बड़न पावैगा|
16 अर उसनै उन ताहीं गोद्दी म्ह लिया, अर उन पै हाथ धरकै उन ताहीं
आशीष दी|

अमीर माणस अर अनन्त जीवन
(मत्ती 19:16-30; लूका 18:18-30)

17 जिब्ब ओ ओड़ै तै लिकड़कै राह म्ह जावै था, तो एक माणस उसकै धोरै
भाज्दा होया आया, अर उसकै आगै घुटने टेक कै उसतै बुझ्झया, "हे उत्तम
गुरु, अनन्त जीवन का हकदार होण खातर मै के करूँ?" 18 यीशु नै उसतै
कह्या, "तू मन्नै उत्तम क्यांतै कहवै सै? कोए उत्तम कोनी, सिर्फ एक यानिके
पणमेशर| 19 तन्नै हुक्मां का तो बेराए सै : 'खून नीं करणा, जारी नीं करणा,
झूठी गवाही नीं देणा, छळ नीं करणा, चोरी नीं करणा, आपणे माँ-पिता का
आद्दर करणा' |" 20 उसनै यीशु तै कह्या, "हे गुरु, इन सारया नै मै बाळकपण
तै मान्दा आऊँ सूं|" 21 यीशु नै उसपै निगांह करकै उसतै प्रेम करया, अर
उसतै कह्या, "तेरै म्ह एक बात की कमी सै| जा, जो कीमे तेरा सै उसनै बेच
कै कन्गालां नै दे, अर तन्नै सुर्ग म्ह धन मिलैगा, अर आकै मेरै गेल्या हो ले|"
22 इस बात तै उसकै मुँह पै उदासी छाग्यी, अर ओ दुखी होंदा होया चल्या
गया, क्यूँकै ओ घणा साहूकार था|
23 यीशु नै चौगर देकै देखकै आपणे चेल्यां तै कह्या, "साहूकारां का
पणमेशर कै राज्य म्ह बड़ना घणा ओक्खा सै|" 24 चेल्ले उसकी बात तै हैरान
होये| इस पै यीशु नै उनतै दुबारै कह्या, "हे बाळको, जो धन पै भरोसा राखै
सै, उनकै खातर पणमेशर कै राज्य म्ह बड़ना किसा ओक्खा सै! 25 पणमेशर
कै राज्य म्ह साहूकार कै बड़नै तै ऊँट का सुई कै मोरै म्ह तै लिकड़ना सेल्ला
सै|" 26 वे घणे ए हैरान होकै आपस म्ह कहण लाग्गे, "तो फेर किसका उद्धार
हो सकै सै?" 27 यीशु नै उनकी ओड़ देखकै कह्या, "माणसां तै तो यो नीं हो
सकदा, पर पणमेशर तै हो सकै सै; क्यूँकै पणमेशर तै सारा कीमे हो सकै
सै|" 28 पतरस उसतै कहण लाग्या, "लखा, हम तो सारा कीमे छोड़ कै तेरै
गेल्या हो लिये सा|" 29 यीशु नै कह्या, "मै थमनै साच्ची-साच कहूँ सूं के इसा
कोए कोनी, जिसनै मेरै अर मेरै सुसमाचार कै खातर घर या भाई-बाण या
माँ-पिता या बाळ-बच्चे आळों या खेत ताहीं छोड़ दिया हो, 30 अर इब इस टेम
सौ गुणा नीं पावै, घर, भाई-बाण, माँ-पिता या बाळ-बच्चे आळो व खेत ताहीं,
पर सताव गेल्या अर परलोक म्ह अनन्त जीवन| 31 पर घण खरे जो पहल्या
सै, पाच्छले होंगे; अर जो पाच्छले सै, वे पहल्या होंगे|"

आपणी मौत कै बारै म्ह यीशु मसीह की तीसरी भविष्यवाणी
(मत्ती 20:17-19; लूका 18:31-34)

32 वे यरूशलेम म्ह जान्दे होये राह म्ह थे, अर यीशु उनकै आगै-आगै जाण
लाग रहया था : चेल्ले हैरान थे अर जो उसकै गेल-गेल चाल्लै थे, वे डररे थे|
फेर ओ दुबारा उन बारहां नै लेकै उनतै ये बात कहण लाग्या, जो उस पै
आण आळी थीं, 33 "लखाओ, हम यरूशलेम नै जावां सा, अर माणस का
बेट्टा प्रधान याजकां अर शास्त्रियाँ कै हाथां पकड़वाया जावैगा, अर वे उसनै
मारण जोग्गा ठहरावैगें, अर गैर-जात के हाथां म्ह सौंपैगें| 34 वे उसका
मखौल करैगें, उस पै थूकैगें, उसकै कोरड़े मारैगें अर उसनै मार देवैगें, अर
तीन दिन कै पाच्छै ओ जिन्दा उठैगा|"

याकूब अर युहन्ना की बिनती
मत्ती 20:20-28)

35 फेर जब्दी के बेट्टे याकूब अर युहन्ना नै उसकै धोरै आकै कह्या, "हे गुरु,
हम चाहवां सां के जो कीमे हम तेरै तै माँगा, ओ तू म्हारै खातर करै|"
36 उसनै उनतै कह्या, "थम के चाहो सो के थारै खातर करूँ?" 37 उन्नै उसतै
कह्या, "हमनै यो दे के तेरी महिमा म्ह म्हारै म्ह तै एक तेरै सोळै अर दूसरा
तेरै ओळै बैट्ठै|" 38 यीशु नै उन ताहीं कह्या, "थम नीं जाणदे के थम के माँगो
सो? अर जो कटोरा मै पीण पै सूं, के थम पी सको सो? अर जो बपतिस्मा मै
लेण पै सूं, के थम ले सको सो?" 39 उन्नै उसतै कह्या, "म्हारै तै हो सकै सै|"
यीशु नै उनतै कह्या, "जो कटोरा मै पीण पै सूं, थम पीओगे; अर जो
बपतिस्मा मै लेण पै सूं, उसनै लेओगे| 40 पर जिन खातर त्यार करया गया
सै, उन ताहीं छोड़ और किसे नै आपणी सोळी अर आपणी ओळी ओड़
बिठाणा मेरा काम कोनी|"
41 न्यू सुण कै दसां नै याकूब अर युहन्ना ताहीं चिड़ाया| 42 तो यीशु नै उन
ताहीं धोरै बुलाकै उनतै कह्या, "थमनै बेरा सै के जो और जात के हाकिम
समझे जावैं सैं, वे उन पै राज करैं सैं; अर उनम्ह जो बड्डे सैं, उन पै हक्क
जमावैं सैं| 43 पर थारै म्ह इसा कोनी सैं, बल्के जो कोए थारै म्ह बड्डा होणा
चाहवैं ओ थारा सेवक बणै; 44 अर जो थारै म्ह प्रधान होणा चाहवैं, ओ
सारया का दास बणै| 45 क्यूँकै माणस का बेट्टा ज्यांतै कोनी आया के उसकी
सेवा-पाणी करी जावै, पर ज्यांतै आया के खुद सेवा-पाणी करै, अर घणा नै
छुड़ाण खातर आपणी ज्यान देवै|"

आंधे बरतिमाई ताहीं आंखां का दान
(मत्ती 20:29-34; लूका 18:35-43)

46 वे यरीहो म्ह आये, अर जिब्ब ओ अर उसके चेल्ले, अर एक बड्डी भीड़
यरीहो तै लिकड़ै थीं, फेर तिमाई का बेट्टा बरतिमाई, एक आन्धा भिखारी,
सड़क कै कंठारै बैठ्या था| 47 उसनै न्यू सुणकै यीशु नासरी सै, रुक्के मार-
मारकै कहण लाग्या, "हे दाऊद की ऊलाद, यीशु मेरै पै दया कर!" 48 घणाए
नै उस ताहीं धमकाया के बोल-बाल्ला रह, पर ओ और भी रुक्के मारण लाग्या,
"हे दाऊद की ऊलाद, मेरै पै दया कर!" 49 फेर यीशु नै ठहरकै कह्या,
"उसताहीं बुलाओ|" अर आदमियां नै उस आंधे ताहीं बुलाकै उसतै कह्या,
"ढेठ कर! उठ! ओ तन्नै बुलावै सै|" 50 ओ आपणा लत्ता बगाकै तोळा
उठ्या, अर यीशु कै धोरै आया| 51 इस पै यीशु नै उसतै कह्या, "तू के चाहवै
सै के मै तेरै खातर करूँ?" आंधे नै उसतै कह्या, "हे रब्बी, न्यू कर के मै
देक्खण लाग्गूँ|" 52 यीशु नै उसतै कह्या, "चल्या जा, तेरै बिश्वास नै तेरै ताहीं
चंगा करया सै|" ओ जिब्बे देखण लाग्या, अर राह म्ह उसकै गेल्या हो
लिया|

यरूशलेम म्ह विजय-प्रवेश
(मत्ती 21:1-11; लूका 19:28-40; युहन्ना 12:12-19)

11 जिब्ब वे यरूशलेम कै लोवै, जैतून पहाड़ पै बैतफगे अर बैतनिय्याह
कै धोरै आये तो उसनै आपणे चेल्यां म्ह तै दोआ ताहीं न्यू कहकै
खन्दाया, 2 "श्यामी कै गाम म्ह जाओ, अर उसम्ह पहोचदये एक गधी का
बच्चा, जिस पै कदे कोए नीं चढ़या, बन्धया होया थमनै पावैगा| उसनै खोल
ल्याओ| 3 जै थमनै कोए बुझ्झै, 'यो के करो सो?' तो कहियो, 'प्रभु नै इस तै
काम लेणा सै,' अर ओ तोळा उसनै खन्दा देवैगा|" 4 उन्नै जाकै उस बच्चे
ताहीं बाहरण दरवाजै कै धोरै आँगन म्ह जुड़या होया पाया, अर खोल्लण
लाग्गे| 5 उनम्ह तै जो ओड़ै खड़े थे, कई कहण लाग्गे, "यो के करो सो, गधी
कै बच्चे नै क्यांतै खोल्लो सो?" 6 जिसा यीशु नै कह्या था, उस्से तरियां उन्नै
कह दिया; फेर माणसां नै उन ताहीं जाण दिया| 7 उन्नै बच्चे ताहीं यीशु कै
धोरै ल्याकै उस पै आपणे लत्ते गेरे अर ओ उसपै बैठग्या| 8 फेर घणखरया
नै आपणे लत्ते राह म्ह बिछाए अर औरां नै खेत्तां म्ह तै डाळीं काट-काट कै
फैला दीं| 9 जो उसकै आगै-आगै जावै अर पाच्छै-पाच्छै चाल्लै थे, रुक्के मार-
मार कै कहन्दे जावै थे, "होशाना! धन्य सै ओ जो प्रभु कै नाम तै आवै सै!
10 म्हारै पिता दाऊद का राज जो आवै सै; धन्य सै! अकास म्ह होशाना!"
11 ओ यरूशलेम पहोचकै मन्दर म्ह आया, अर चौगरदे की सारी चिज्ञां नै
देखकै बारहां कै गेल्या बैतनिय्याह गया, क्यूँकै साँझ होग्यी थी|

अंजीर का बिना फळ आळा दरख्त
(मत्ती 21:18-19)

12 दुसरे दिन जिब्ब वे बैतनिय्याह तै लिकड़े तो उसनै भूख लाग्गी| 13 ओ
दूर तै अंजीर का हरया दरख्त देख कै लोवै गया के, के बेरा उसम्ह कीमे पा
ज्या : पर पत्त्या नै छोड़ कै कीमे नीं पाया; क्यूँकै फळ का टेम कोनी था|
14 इस पै उसनै कह्या, "इब तै पाच्छै कोए तेरा फळ नीं खावै!" अर उसके
चेल्ले सुनण लागरे थे|

मंदर तै बिपारियाँ का काड्या जाणा
(मत्ती 21:12-17; लूका 19:45-48; युहन्ना 2:13-22)

15 फेर वे यरूशलेम म्ह आये, अर ओ मन्दर म्ह गया; अर ओड़ै जो लेण-
देण करै थे उन्नै बाहरण लिकाड़ण लाग्या, सर्राफां के पीढ़े अर कबूतर बेचण
आळयां की पाटड़ी पलट द्यी, 16 अर मन्दर म्ह तै किसे ताहीं बासण लेकै
आण-जाण कोनी दिया| 17 अर उपदेश करकै उनतै कह्या, "के न्यू नीं
लिख्या सै के मेरा घर सारी जात्तां कै खातर प्रार्थना का घर कुहवावैगा? पर
थमनै इस ताहीं डाकुआं की खोह बणा दी सै|" 18 न्यू सुणकै प्रधान याजक
अर शास्त्री उसकै नास करण का मौक्का टोहण लाग्गे; क्यूँकै वे उसतै डरै थे,
ज्यांतै के सारे माणस उसकै उपदेश तै हैरान होवै थे| 19 अर हरेक दिन
साँझ होंदए ओ नगर तै बाहरण जाया करै था|

सुक्खे अंजीर कै दरख्त तै शिक्षा
(मत्ती 21:20-22)

20 फेर तड़कए नै जिब्ब वे ओड़ै कै जावै थे तो उन्नै उस अंजीर कै दरख्त
को जड़ ताहीं सुख्या होया देख्या| 21 पतरस नै वा बात याद आई, अर
उसनै उसतै कह्या, "हे रब्बी, लखा! यो अंजीर का दरख्त जिस ताहीं तन्नै
श्राप दिया था, सूख गया सै|" 22 यीशु नै उस ताहीं जबाब दिया, "पणमेशर
पै बिश्वास राक्खो| 23 मै थमनै साच्ची-साच कहूँ सूं के जो कोए इस पहाड़ नै
कहवै, 'तू उखड़ जा, अर समुन्दर म्ह जा पड़,' अर आपणे मन म्ह शक नीं
करै, बल्के बिश्वास करै के जो कहूँ सूं ओ हो जावैगा, तो उसकै खातर ओये
होवैगा| 24 ज्यांतै मै थमनै कहूँ सू के जो कीमे थम प्रार्थना करकै माँगो, तो
बिश्वास कर ल्यो के थमनै मिलग्या, अर थारै खातर हो जावैगा| 25 अर जिब्ब
कदे थम खड़े होकै प्रार्थना करो तो जै थारै मन म्ह किसे कै कारण कीमे
बिरोध हो, तो उसनै माफ़ करो : ज्यांतै के थारा सुर्गीय पिता भी थारै अपराध
माफ़ करै| 26 [अर जै थम माफ़ ना करो तो थारा पिता भी जो सुर्ग म्ह सै,
थारा कसूर माफ़ कोनी करैगा|"]

यीशु के अधिकार पै सवाल
(मत्ती 21:23-27; लूका 20:1-8)

27 वे फेर यरूशलेम म्ह आये, अर जिब्ब ओ मन्दर म्ह टहलरया था तो
प्रधान याजक अर शास्त्री अर पुरनिए उसकै धोरै आकै बुझ्झण लाग्गे, 28 "तू
ये काम किस हक्क तै करै सै? अर यो हक्क तेरै ताहीं किसनै दिया सै के तू ये
काम करै?" 29 यीशु नै उनतै कह्या, "मै भी थारै तै एक बात बुझ्झु सूं; मन्नै
जबाब दियो तो मै थमनै बताऊँगा के ये काम किस हक्क तै करूँ सूं| 30 युहन्ना
का बपतिस्मा के सुर्ग की ओड तै था या माणसां की ओड़ तै था| मन्नै जबाब
द्यो|" 31 फेर वे आपस म्ह बहसण लाग्गे के जै हम कहवां 'सुर्ग की ओड़ तै,'
तो ओ कहवैगा, 'फेर थमनै बिश्वास क्यांतै नीं करया?' 32 अर जै हम कहवां,
'माणसां की ओड़ तै,' तो माणसां की भीड़ का भय सै, क्यूँके सारे जाणै सै के
युहन्ना साच्चीये नब्बी था| 33 आखर म्ह उन्नै यीशु ताहीं जबाब दिया, "हमनै
नीं बेरा|" यीशु नै उनतै कह्या, "मै भी थारै तै कोनी बतान्दा के ये काम किस
हक्क तै करूँ सूं|"

दुष्ट किसानां का उदाहरण
(मत्ती 21:33-46; लूका 20:9-19)

12 फेर ओ उदाहरणां म्ह उनतै बात करण लाग्या : "किसे माणस नै
दाख की बारी लगाई, अर उसकै चौगरदे नै बाड़ा बांध्या, अर रस
का कुण्ड खोद्या, अर बुरजी बनाई; अर किसानां ताहीं उसका ठेक्का देकै
प्रदेश चल्या गया| 2 फेर फळ की सम्मो म्ह उसनै किसानां कै धोरै एक
नौकर खन्दाया के किसानां तै दाख की बारी के फळां का हिस्सा लेवै| 3 पर
उन्नै उस ताहीं पकड़कै छेत्त्या अर रित्ते हाथां बोहड़ा दिया| 4 फेर उसनै एक
और नौकर ताहीं उनकै धोरै खन्दाया; उन्नै उसका सिर फोड़ दिया अर
उसकी बेईज़्ज़ती करी| 5 फेर उसनै एक और ताहीं खन्दाया; उन्नै उस ताहीं
मार दिया| फेर उसनै और घणया ताहीं खन्दाया; उनम्ह तै उन्नै कीमे तो
छेत्ते अर कीमे मार दिये| 6 इब एक ए रहग्या जो उसका प्यारा बेट्टा था;
आखर म्ह उसनै उस ताहीं भी उनकै धोरै न्यू सोच कै खन्दाया के वे मेरै बेट्टे
की इज़्ज़त करैगें| 7 पर उन किसानां नै आपस म्ह कह्या, "योए तो वारिस सै;
आओ, हम इसनै मार द्या, फेर वसीयत म्हारी हो जावैगी|" 8 अर उन्नै उस
ताहीं पकड़ कै मार दिया, अर दाख की बारी म्ह बाहरण बगा दिया|
9 "इसकरकै दाख की बारी का मालिक के करैगा? ओ आकै उन किसानां का
नास करैगा, अर दाख की बारी दुसरयां नै दे देवैगा| 10 के थमनै पवित्र ग्रन्थ
म्ह यो बचन कोनी पढ़या : 'जिस पत्थर ताहीं राजमिस्त्रियाँ नै निकम्मा
ठहराया था, ओए कुणै का सिरा होग्या; 11 यो प्रभु की ओड़ तै होया, अर
म्हारी निगांह म्ह अनोक्खा सै'|" 12 फेर उन्नै उस ताहीं पकड़ना चाहया;

क्यूँके समझगे थे के उसनै म्हारै बिरोध म्ह यो उदाहरण कह्या सै| पर वे माणसां तै डरगे, अर उसनै छोड़ कै चले गये|

कैसर ताहीं कर देणा
(मत्ती 22:15-22; लूका 20:20-26)

13 फेर उसनै उस ताहीं बात्तां म्ह उलझाण खातर कीमे फरिसियाँ अर
हेरोदियाँ ताहीं उसकै धोरै खन्दाया| 14 उन्नै आकै उसतै कह्या, “हे गुरु,
हमनै बेरा सै, के तू साच्चा सै, अर किसे की परवाह नीं करदा, क्यूँके तू
माणसां का मुँह देखकै बात कोनी करदा, पर पणमेशर की राही सच्चाई तै
बतावै सै| तो के कैसर ताहीं कर देणा सई सै या कोनी? 15 हम देवां, या नीं
देवां?” उसनै उनका कपट जाणकै उनतै कह्या, “मन्नै क्यांतै परखो सो? एक
दीनार मेरै धोरै ल्याओ, के मै उसनै देखूँ|” 16 वे लीयाए, अर उसनै उनतै
कह्या, “या छाप अर नाम किसका सै?” उन्नै कह्या, “कैसर का|” 17 यीशु नै
उनतै कह्या, “जो कैसर का सै ओ कैसर ताहीं, अर जो पणमेशर का सै
पणमेशर ताहीं द्यो|” फेर वे उसपै घणे हैरान होण लाग्गे|

पुनरुत्थान अर ब्याह
(मत्ती 22:23-33; लूका 20:27-40)

18 फेर सदुकियाँ नै भी, जो कहवै सै के मरे होया का जी उठणा सै ए
कोनी; उसकै धोरै आकै उसतै बुझ्झया, 19 “हे गुरु, मूसा नै म्हारै खातर
लिख्या सै के जै किसे का भाई बेऊलादा मर जावै अर उसकी बीरबान्नी रह
जावै, तो उसका भाई उसकी बीरबान्नी तै ब्याह कर लेवै अर आपणे भाई
खातर पीढ़ी पैदा करै| 20 सात भाई थे| पहलड़ा भाई ब्याह करकै बेऊलादा
मरग्या| 21 फेर दुसरे भाई नै उसकी बीरबान्नी तै ब्याह कर लिया अर
बेऊलादा मरग्या; अर उस्से तरियां तीसरे नै भी करया| 22 अर सात्वां कै
ऊलाद कोनी होई| सारया तै पाच्छै वा लुगाई भी मरगी| 23 आखर जिन्दा
उठण पै वा उनम्ह तै किसकी बीरबान्नी होवैगी? क्यूँके वा सात्वां की
बीरबान्नी हो ली थी|”
24 यीशु नै उनतै कह्या, “के थम इस कारण तै भूल म्ह नीं पड़े सो के थम
ना तो पवित्र ग्रन्थए नै जाणो सो, अर ना पणमेशर कै सामर्थ नै? 25 क्यूँके
जिब्ब वे मरे होया म्ह तै जिन्दा उठैगें, तो वे ना ब्याह करैगें, अर ना ब्याह म्ह
दिये जावैगें, पर सुर्ग म्ह दुतां कै जिसे होवैगें| 26 मरे होया कै जिन्दा होण कै
कारण के थमनै मूसा की किताब म्ह झाड़ी की कहानी म्ह कोनी पढ़या के
पणमेशर नै उसतै कह्या, ‘मै अब्राहम का पणमेशर, अर इसहाक का पणमेशर,
अर याकूब का पणमेशर सूं? 27 पणमेशर मरे होया का नीं बल्के जिन्दयां का
पणमेशर सै; आखर म्ह थम बड्डी भूल म्ह पड़े सो|”

सारया तै बड्डी आज्ञा
(मत्ती 22:34-40; लूका 10:25-28)

28 शास्त्रियाँ म्ह तै एक नै आकै उनताहीं बहस करदे सुणया, अर न्यू जाण
कै उसनै उन ताहीं सई ढाळ तै जबाब दिया, उसतै बुझ्झया, “सारया तै
खास हुक्म कौण-सा सै?” 29 यीशु नै उस ताहीं जबाब दिया, “सारे हुक्मां म्ह
तै यो खास सै : ‘हे इस्राएल सुण! प्रभु म्हारा पणमेशर एक ही प्रभु सै, 30 अर
तू प्रभु आपणे पणमेशर तै आपणे सारे मन तै, अर आपणे सारे प्राण तै, अर
आपणी सारी समझ तै, अर आपणी सारी शक्ति तै प्रेम राखणा|’ 31 अर
दूसरा यो सै, ‘तू आपणे पड़ोसी तै आपणे जिसा प्रेम राखणा|’ इस तै बड्डा
और कोए हुक्म कोनी|” 32 शास्त्री नै उसतै कह्या, “हे गुरु, जमा सई! तन्नै
साच्ची कही के ओ एक-ए सै, अर उस ताहीं छोड़ और कोए कोनी| 33 अर
उसतै सारे मन तै, अर सारे प्राण तै, अर सारी समझ तै, अर सारी शक्ति तै
प्रेम राखणा; अर पड़ोसी तै आपणे जिसा प्रेम राखणा, सारे होमबलीयाँ अर
बलिदानां तै बाध सै|” 34 जिब्ब यीशु नै देख्या के उसनै समझ तै जबाब
दिया, तो उसतै कह्या, “तू पणमेशर कै राज तै दूर कोनी|” अर किसे नै फेर
उसतै बुझ्झण की हिम्मत कोनी होई|

मसीह किसका बेट्टा सै?
(मत्ती 22:41-46; लूका 20:41-46)

35 फेर यीशु नै मन्दर म्ह उपदेश करदे होये न्यू कह्या, “शास्त्री किस तरियां
कहवैं सैं के मसीह दाऊद का बेट्टा सै? 36 दाऊद नै खुद ए साच्ची आत्मा म्ह
होकै कह्या सै : ‘प्रभु नै मेरै प्रभु तै कह्या, “मेरै सोळी ओड़ बैठ, जिब्ब ताहीं के
मै तेरे बैरियाँ नै तेरै पायां की पीढ़ी नीं कर द्युँ|”’ 37 दाऊद तो खुद ए उसनै
प्रभु कहवै सै, फेर ओ उसका बेट्टा किस-तरा होग्या ?” अर भीड़ के माणस
उसकी राज़ी होकै सुणै थे|

शास्त्रियाँ तै सावधान
मत्ती 23:1-36; लूका 20:45-46)

38 उसनै आपणे उपदेश म्ह उनतै कह्या, “शास्त्रियाँ तै चौकन्ने रहो, जो
लाम्बे-लाम्बे चोगे पहरे होड़ हांडै अर बजारां म्ह नमस्कार, 39 अर मन्दरां म्ह
खास-खास बैठणा अर जिमण म्ह खास-खास जंगहा भी चाहवैं सैं| 40 वे
बिधवा के घरां नै खा जावैं सैं, अर दिखावै खातर घणी वारी ताहीं प्रार्थना
करदे रहवै सै| ये घणा दण्ड पावैगें|”

कंगाल बिधवा का दान
(लूका 21:1-4)

41 ओ मन्दर कै भण्डार कै श्यामी बैठकै देक्खै था के आदमी मन्दर कै
भण्डार म्ह किस ढाळ पिस्से घालैं सैं; अर घण खरे साहुकारां नै घणाए कीमे
घालया| 42 इतनै म्ह एक कंगाल बिधवा नै आकै दो दमदियाँ, जो एक अधेले
कै बराबर होवै सै, घाल्लीं| 43 फेर उसनै आपणे चेल्यां ताहीं धोरै बुलाकै
कह्या, “मै थमनै साच्ची-साच कहूँ सूं के मन्दर कै भण्डार म्ह घाल्लण आळयां
म्ह तै इस कंगाल बिधवा नै सारया तै बाध घाल्लया सै; 44 क्यूँके सारया नै
आपणे धन की बढ़दी म्ह तै घाल्लया सै, पर इसनै आपणी घटदी म्ह तै जो
कीमे उसका था, यानिके आपणी सारी कमाई घाल दी सै|”

मंदर कै विनाश की भविष्यवाणी
(मत्ती 24:1-2; लूका 21:5-6)

13 जिब्ब ओ मन्दर तै लिकड़ै था, तो उसकै चेल्यां म्ह तै एक नै उसतै
कह्या, “हे गुरु, लखा, किसे बड्डे-बड्डे पत्थर अर किसे सुथरे भवन
सैं!” 2 यीशु नै उनतै कह्या, “के थम ये बड्डे-बड्डे भवन देक्खो सो : उरै पत्थर
पै पत्थर भी बच्चा कोनी रहवैगा जो गेरया नीं जावैगा|”

संकट अर क्लेश
(मत्ती 24:3-14; लूका 21:7-19)

3 जिब्ब ओ जैतून कै पहाड़ पै मन्दर कै श्यामी बैठ्या था, तो पतरस अर
याकूब अर युहन्ना अर अद्रियास नै न्यारे जाकै उसतै बुझ्झया, 4 “हमनै बता
के ये बात कद होवैगी? अर जिब्ब ये सारी बात पूरी होण पै होवैगी उस टेम
का के निशान होवैगा?” 5 यीशु नै उनतै कहण लाग्या, “चौकन्ने रहो के कोए
थमनै भकावै नीं| 6 घण खरे मेरै नाम तै आकै कहवैगें, ‘मै ओए सूं!’ अर घणा
ए नै भकावैगें| 7 जिब्ब थम रोळें, अर रोळां का जिक्रा सुणो, तो घबराईयो
ना; क्यूँके इनका होणा जरूरी सै, पर उस टेम खात्मा कोनी होवैगा| 8 क्यूँके
जात पै जात, राज पै राज चढाई करैगा| हर किते हाल्लण आवैगें, अर अकाल
पड़ैगें, ये तो दुःखां की सरुआत ए होवैगी|
9 “पर थम आपणे बारै म्ह चौकन्ने रहो; क्यूँके माणस थारै ताहीं बड्डी
पंचायतां म्ह सौपैगें अर थम पंचायतां म्ह छित्तोगे, अर मेरै कारण हाकिमां
अर राजयां कै आगै खड़े करे जाओगे, ताके उन खातर गवाही होवै| 10 पर
जरूरी सै के पह्ल्या सुसमाचार सारी जात्तां म्ह प्रचार करया जावै|
11 जिब्ब वे थमनै ले जाकै सौपैगें, तो पहल्या तै फ़िक्र ना करियो इब हम के
कहवांगें; पर जो कीमे थमनै उस्से टेम बताया जावै ओए कहियो; क्यूँके
बोल्लण आळे थम कोनी सो, पर पवित्र आत्मा सै| 12 भाई नै भाई, पिता नै
बेट्टा घात खातर सौपैगें, अर बाळक माँ-पिता कै बिरोध म्ह खड़े होकै उन

ताहीं मरवां देवैगें| 13 अर मेरै नाम कै कारण सारे माणस थारै तै बैर करैगें;
पर जो आखर ताहीं धीरज धरैगा, उस्से का उद्धार होवैगा|

महासंकट-काल
(मत्ती 24:15-28; लूका 21:20-24)

14 "आखर म्ह जिब्ब थम उस उजाड़णआळी भुंडी चीज ताहीं जित सई
कोनी ओड़ै खड़ी देक्खो, (पढ़णआळा समझ लेवै) फेर जो यहूदियां म्ह सो,
वे पहाड़ां म्ह भाज जावैं; 15 जो छात पै हो, ओ आपणे घर म्ह कीमे लेण
खातर तळै नीं उत्तरैं अर ना भीत्तर जावैं; 16 अर जो खेत म्ह हो, ओ आपणा
लत्ता लेण खातर पाच्छै नीं बोहड़ैं| 17 उन दिनां म्ह जो पेट तै हो अर दूध
पिलान्दी होंगी, उनकै खातर हाय-हाय! 18 अर प्रार्थना करया करो के यो
जाड्या म्ह नीं हो| 19 क्यूँकै वे दिन इसे क्लेश के होवैगें के सृष्टी की
सरूआत तै, जो पणमेशर नै रचाई सै, इब ताहीं ना तो होये अर ना फेर कदे
होवैगें| 20 जै प्रभु उन दिनां नै नीं घटान्दा, तो कोए जीव भी कोनी बचदा; पर
उन छाँटे होया कै कारण जिन ताहीं उसनै छाटया सै, उन दिनां ताहीं
घटाया| 21 उस टेम जै कोए थारै तै कहवै, 'लखाओ, मसीह उरै सै,' या
'लखाओ, ओड़ै सै,' तो बिश्वास ना करियो; 22 क्यूँकै झूठे मसीह अर झूठे
नब्बी उठ खड़े होवैगें, अर निशान अर अनोक्खे काम दिखावैगें के जै हो सकै
तो छांटे होया नै भी भका देवैं| 23 पर थम चौकन्ने रहियो; लखाओ, मन्नै थारै
तै सारी बात पहल्या ए तै बता दी सै|

माणस के बेट्टे का पुनरागमन
(मत्ती 24:29-31; लूका 21:25-28)

24 "उन दिनां म्ह, उस क्लेश कै पाच्छै सूरज अन्धेरा हो जावैगा, अर चाँद
चाँदणा कोनी देवैगा; 25 अर अकास के तारे पड़ण लागैगें; अर अकास की
शक्ति हैलाई जांवैगीं| 26 फेर माणस कै बेट्टे नै बड्डी सामर्थ अर महिमा कै
गेल्या बादळां पै आंदे देक्खोगे| 27 उस टेम ओ आपणे दुतां नै खन्दाकै,
धरती कै इस सिरे तै अकास कै उस सिरे ताहीं, च्यारू दिशायां तै आपणे
छांटे होये माणसां नै कट्ठा करैगा|

अंजीर के दरख्त का उदाहरण
(मत्ती 24:32-35; लूका 21:29-33)

28 "अंजीर कै दरख्त तै यो उदाहरण सीक्खो : जिब्ब उसकी डाळी कोमल
हो जावै, अर पत्ते लिकड़ण लागैं सैं; तो थम जाण ल्यो सो के गर्मी का टेम
लोवै सै| 29 इस्से तरियां जिब्ब थम इन बात्तां नै होंदे देक्खो, तो जाण ल्यो
के ओ लोवै सै बल्के दरवाजए पै सै| 30 मै थमनै साच्ची-साच कहूँ सूं के जिब्ब
ताहीं ये बात नीं हो लेंदी, जदताहीं ये पीढ़ी जान्दी नीं रहवैगें| 31 अकास अर
धरती टळ जावैगें, पर मेरी बात कदे नीं टळैगी|

जागदे रहो
(मत्ती 24:36-44)

32 "उस दिन या उस टेम कै बारै म्ह कोए नीं जाणदा, ना सुर्ग के दूत अर
ना बेट्टा; पर सिर्फ पिता| 33 लखाओ, जागदे अर प्रार्थना करदे रहो; क्यूँकै
थमनै नीं बेरा के ओ टेम कद आवैगा| 34 या उस माणस की जिसी हालत सै,
जो प्रदेश जान्दे टेम आपणा घर छोड़ जावै, अर आपणे नौकरां ताहीं हक्क देवै
: अर हरेक नै उसका काम बता देवै, अर पहरेदार ताहीं जागदे रहण का हुक्म
देवै| 35 इसकरकै जागदे रहो, क्यूँकै थमनै नीं बेरा के घर का मालिक कद
आवैगा, साँझ नै या आधी रात नै, या मुर्गे के बाँग देण के टेम या तड़कए
तड़कै नै| 36 इसा ना हो के ओ चाणचक आकै थमनै सोंदे पावै| 37 अर जो
मै थमनै कहूँ सूं, ओए सारया नै कहूँ सूं : जागदे रहो!"

यीशु कै खिलाफ षडयंत्र
(मत्ती 26:1-5; लूका 22:3-6; युहन्ना 11:45-53)

14 दो दिनां पाच्छै फसह अर अखमीरी रोट्टी का त्यौहार होण आळा
था| प्रधान याजक अर शास्त्री इस बात की टाह म्ह थे के उस ताहीं
किस ढाळ कपट तै पकड़ कै मार देवै; 2 पर वे कहवै थे, "त्यौहार कै दिन नीं,
कदे इसा ना हो के माणसां म्ह रोळा माचै|"

बैतनिय्याह म्ह यीशु का अभ्यंजन
(मत्ती 26:6-13; युहन्ना 12:1-8)

3 जिब्ब ओ बैतनिय्याह म्ह शमौन कोढ़ी कै घरा भोजन खाण बैठ्या होया
था, फेर एक लुगाई संगमरमर कै बासण म्ह जटामांसी का महंगा शुद्ध शैन्ट
लेकै आई; अर बासण तोड़ कै शैन्ट ताहीं उसकै सिर पै पलटया| 4 पर
कोए-कोए आपणे मन म्ह चीड़कै कहण लाग्गे, "इस शैन्ट क्यांतै सत्यानास
करया गया? 5 क्यूँकै यो शैन्ट तो तीन सौ दीनार तै घणी कीमत पै बेच कै
कंगालां म्ह बांडया जा सकै था|" अर उस ताहीं झिड़कण लाग्गे| 6 यीशु नै
कह्या, "उस ताहीं छोड़ द्यो; उसनै क्यांतै काल करो सो? उसनै मेरै गेल्या
भलाई करी सै| 7 कंगाल थारै गेल्या सारी हाण रहवैं सैं, अर थम जिब्ब चाहो
जद उनतै भलाई कर सको सो; पर मै थारै गेल्या सारी हाण कोनी रहूँगा|
8 जो कीमे वा कर सकी, उसनै करया; उसनै मेरै गाड्डे जाण की त्यारी म्ह
पहलए शैन्ट मेरी देही म्ह मळया सै| 9 मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के सारी दुनिया
म्ह जित किते भी सुसमाचार प्रचार करया जावैगा, ओड़ै उसकै इस काम का
जिक्रा भी उसकी याद म्ह करया जावैगा|"

यहूदा का बिश्वासघात
(मत्ती 26:14-16; लूका 22:3-6)

10 फेर यहूदा इस्करियोती जो बारहा म्ह तै एक था, प्रधान याजका कै धोरै
गया के उस ताहीं उनकै हाथ पकड़वा देवै| 11 वे न्यू सुणकै राज़ी होये, उस
ताहीं रपिये देण खातर मानगें; अर ओ मौक्का टोहण लाग्या के उस ताहीं
किस्से ढाळ पकड़वा दे| 12 अखमीरी रोट्टी कै त्यौहार कै पहलड़े दिन,
जिसम्ह वे फसह का बलिदान करै थे, उसके चेल्यां नै उसतै बुझ्झया, "तू
कित जाणा चाहवै सै के हम जाकै तेरै खातर फसह खाण की त्यारी करां?"
13 उसनै आपणे चेल्यां म्ह तै दोवां ताहीं न्यू कहकै खन्दाया, "नगर म्ह
जाओ, अर एक माणस पाणी का पैण्डा ठाए होए थमनै मिलैगा, उसकै पाच्छै
हो लियो; 14 अर ओ जिस घर म्ह जावै, उस घर कै मालिक ताहीं कहणा,
'गुरु कहवै सै के मेरी बैठक जिसम्ह म्ह आपणे चेल्यां गेल्या फसह खाऊँ,
कित सै?' 15 ओ थमनै एक सजे-धजे, अर त्यार करया होड़ बड्डा चुबारा
दिखा देवैगा, ओड़ै म्हारै खातर त्यारी करो|" 16 चेल्ले लिकड़कै नगर म्ह
आये, अर जिसा उसनै उनतै कहया था, उसाए पाया; अर फसह त्यार
करया|

चेल्लां कै गेल्या फसह का अंतिम भोज
(मत्ती 26:17-25; लूका 22:7-14, 21-23; युहन्ना 13:21-30)

17 जिब्ब साँझ होई, तो ओ बारहा कै गेल्या आया| 18 जिब्ब वे बैट्ठे खाणा
खावै थे, तो यीशु नै कह्या, "मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के थारै म्ह तै एक, जो मेरै
गेल्या खाणा खाण लागरया सै, मन्नै पकड़वावैगा|" 19 उनपै उदासी छाग्यी
अर वे एक-एक करकै उसतै कहण लाग्गे, "के ओ मै सूं?" 20 उसनै उनतै
कह्या, "ओ बारहां म्ह तै एक सै, जो मेरै गेल्या थाळी म्ह हाथ घालै सै|
21 क्यूँकै माणस का बेट्टा तो, जिसा उसकै कारण लिख्या सै, जावै ए सै; पर
उस माणस पै हाय जिसकै जरिये माणस का बेट्टा पकड़वाया जावै सै! जै उस
माणस का जन्म ए नीं होंदा, तो उसकै खातर भला होंदा|"

प्रभु-भोज
(मत्ती 26:26-30; लूका 22:14-20; 1 कुरिन्थियों 11:23-25)

22 जिब्ब वे खाण ए लागरे थे, उसनै रोट्टी ली, अर आशीष माँगकै तोड़ी,
अर उन ताहीं दी, अर कह्या, "ल्यो, या मेरी देही सै|" 23 फेर उसनै कटोरा
लेकै धन्यवाद करया, अर उन ताहीं दिया; अर उन सारया नै उसम्ह तै
पीया| 24 अर उसनै उनतै कह्या, "यो वाचा का मेरा ओ लहू सै, जो घणा ए
खातर बहाया जावै सै| 25 थम नै साच्ची कहूँ सूं के दाख का रस उस दिन

ताहीं दुबारा कदे नीं पिऊँगा, जिब्ब ताहीं पणमेशर का राज म्ह नया नीं पिऊँगा|" 26 फेर वे भजन गाकै बाहरण जैतून कै पहाड़ पै गए|

पतरस के इंकार की भविष्यवाणी
(मत्ती 26:31-35; लूका 22:31-34; युहन्ना 13:36-38)

27 फेर यीशु नै उनतै कह्या, "थम सारे ठोकर खाओगे, क्यूँके लिख्या सै : 'मै रूखाले नै मारूँगा, अर भेड़ तितर-बितर हो जांवैगी|' 28 पर मै आपणे जिन्दा उठण कै बाद थारै तै पहल्या गलील जाऊँगा|" 29 पतरस नै उसतै कह्या, "जै सारे ठोकर खावै तो खावै, पर मै ठोकर कोनी खाऊँगा|" 30 यीशु नै उसतै कह्या, "मै तेरै तै साच्ची कहूँ सूं ले आज ए इस्से रात मुर्गा के दो बर बांग देण तै पहल्या, तू तीन बर मेरै तै मुकरैगा|" 31 पर उसनै और भी दाब देकै कह्या, "जै मन्नै तेरै गेल्या मरणा भी पड़ै, तौभी मै तेरा इन्कार कदे कोनी करूँगा|" इस्से तरियां और सारया नै भी कहया|

गतसमनी म्ह प्रार्थना
(मत्ती 26:36-46; लूका 22:39-46)

32 फेर वे गतसमनी नामक एक जंगहा म्ह आए, अर उसनै आपणे चेल्यां तै कह्या, "उरै बैट्ठे रहो, जिब्ब ताहीं मै प्रार्थना करूँ| 33 अर ओ पतरस अर याकूब अर युहन्ना ताहीं आपणे गेल्या ले गया; घणा ए काल अर दुखी होण लाग्या, 34 अर उनतै कह्या, "मेरा मन घणा उदास सै, उरै ताहीं के मै मरण पै सूं : थम उरै ठहरो, अर जागदे रहो|" 35 फेर ओ माड़ा आगै सरकया अर धरती पै पड़कै प्रार्थना करण लाग्या के जै हो सकै तो या घड़ी मेरै पै तै टळ जावै, 36 अर कह्या, "हे अब्बा, हे पिता, तू सारा कीमे करै सकै सै; इस कटोरे ताहीं मेरै धोरै तै हटा ले : तौभी जिसा मै चाहूँ सूं उसा नीं, पर जो तू चाहवै सै ओये हो|" 37 फेर ओ आया अर उन ताहीं सोदे पाकै पतरस तै कह्या, "हे शमौन, तू सोवै सै? के तू एक घड़ी भी कोनी जाग सक्या? 38 जागदे रहो अर प्रार्थना करदे रहो के थम हिम्तान म्ह नीं पड़ो| आत्मा तो त्यार सै, पर देही कमजोर सै|" 39 अर ओ फेर चल्या गया अर उन्ने शब्दां म्ह प्रार्थना करी| 40 फेर आकै उन ताहीं सोंदे पाया, क्यूँके उनकी आँख नींद तै भरी थीं; अर कोनी जाणै थे के उसनै के जबाब देवै| 41 फेर तीसरी बर आकै उनतै कह्या, "इब सोंदे रहो अर आराम करो, बस, टेम आण पहोच्या; लखाओ, माणस का बेट्टा पापियाँ के हाथां पकड़वाया जावै सै| 42 उठो, चाल्ला! लखाओ, मेरा पकड़वाण आळा लोवै आण पहोच्या सै|"

यीशु का धोक्खे तै पकड़वाया जाणा
(मत्ती 26:47-56; लूका 22:47-53; युहन्ना 18:3-12)

43 ओ न्यू कहवै था के यहूदा जो बारहा म्ह तै एक था, आपणे गेल्या प्रधान याजकां अर शास्त्रियाँ अर पुरनियां की ओड़ तै एक बड्डी भीड़ लेकै जिब्बे आण पहोच्या, जो तलवार अर लाट्ठी लेरी थे| 44 उसकै पकड़वाण आळे नै उन ताहीं यो पता दिया था के जिस ताहीं मै चुमूँ ओए सै, उस ताहीं पकड़कै दाऊ ढाळ ले जाणा| 45 ओ आया, अर जिब्बे उसकै धोरै जाकै बोल्या, "हे रब्बी!" अर उस ताहीं घणा चुम्या| 46 फेर उन्नै उस पै हाथ गेरकै उस ताहीं पकड़ लिया| 47 उन म्ह जो धोरै खड़े थे, एक नै तलवार खिंचकै महायाजक कै नौकर पै चलाई, अर उसका कान उड़ा दिया| 48 यीशु नै उनतै बोल्या, "के थम डाकू सोच कै मन्नै पकड़ण कै खातर तलवार अर लाट्ठी लेकै लिकड़े सो? 49 मै तो हरेक दिन मन्दर म्ह थारै गेल्या रहकै उपदेश दिया करूँ था, अर जिब्ब थमनै मेरै ताहीं कोनी पकड़या : पर न्यू ज्यांतै होया सै के पवित्र ग्रन्थ की बात पूरी होवैं|" 50 इस पै सारे चेल्ले उसनै छोड़कै भाजगे|

51 एक गाबरू आपणी उघाड़ी देही पै चाद्दर ओढ़े होड़ उसकै पाच्छै हो लिया; अर माणसां नै उस ताहीं पकड़या| 52 पर ओ चाद्दर छोड़कै उघाड़ा भाजग्या|

महासभा कै स्यामी यीशु
(मत्ती 26:57-68; लूका 22:54-55, 63-71; युहन्ना 18:13-14,19-24)

53 फेर वे यीशु ताहीं महायाजक कै धोरै लेगे; अर सारे प्रधान याजक अर पुरनिये अर शास्त्रीं उसकै उरै कट्ठे होगे| 54 पतरस दूर ए दूर उसकै पाच्छै-पाच्छै महायाजक कै आँगन कै भीत्तर ताहीं गया, अर चमच्या कै गेल्या बैठ कै आग पै सिकण लाग्या| 55 प्रधान याजक अर सारी बड्डी पंचायत यीशु ताहीं मारण कै खातर उसकै बिरोध म्ह गवाही की टोह म्ह थे, पर कोन्या मिली| 56 क्यूँके घण-खरे उसकै बिरोध म्ह झूठी गवाही देवै थे, पर उनकी गवाही एक-सी कोनी थी| 57 फेर कीमे माणसां नै उठकै उसकै बिरोध म्ह या झूठी गवाही दी, 58 "हमनै इस ताहीं कहन्दे सुणया सै, 'मै इस हाथ कै बनाए होड़ मन्दर नै गेर द्युगाँ, अर तीन दिन म्ह दूसरयां बणाऊँगा, जो हाथां तै नीं बणया हो|'" 59 इस पै भी उनकी गवाही एक-सी कोनी लिकड़ी|

60 फेर महायाजक नै बिच्चाळै खड़या होकै यीशु तै बुझ्झया, "तू कोए जबाब कोनी देंदा? ये माणस तेरै बिरोध म्ह के गवाही देवैं सैं?" 61 पर वो बोल-बाल्ला रहया, अर कीमे जबाब दिया| महायाजक नै उसतै दुबारा बुझ्झया, "के तू उस परम धन्य का बेट्टा मसीह सै?" 62 यीशु नै कह्या, "मै सूं : अर थम माणस के बेट्टे ताहीं सबतै ठाडै की सोळी ओड़ बैट्ठे, अर अकास के बादळां कै गेल्या आंदे देक्खोगे|" 63 फेर महायाजक नै आपणे लत्ते पाड़कै कह्या, "इब हमनै गवाह की और के जरूत सै?" 64 थमनै या बुराई सुणी| थारी के राय सै?" उन सारया नै कहया के यो मारण कै जोग्गा सै| 65 फेर कोए तो उसपै थूकण, अर कोए उसका मुँह ढक्कन नै, कोए उसकै घुस्से मारण, अर उसतै कहण लाग्गे, "भविष्यवाणी कर!" अर चम्मच्या नै उस ताहीं पकड़कै रैप्ट मारे|

पतरस का इंकार
(मत्ती 26:69-75; लूका 22:56-62; युहन्ना 18:15-18, 25-27)

66 जिब्ब पतरस तळै आँगन म्ह था, तो महायाजक की नौकराणियां म्ह तै एक उड़ै आई, 67 अर पतरस ताहीं आग सिक्दे देखकै उस ताहीं गौर तै देख्या अर कहण लाग्गी, "तू भी तो उस यीशु नासरी कै गेल्या था|" 68 ओ मुकरग्या, अर बोल्या, "मै ना ए जाणदा अर ना ए समझू सूं के तू के कहवै सै|" फेर ओ बाहरण देहळीया म्ह गया; अर मुर्गे नै बाँग दी| 69 वा नौकरणी उसनै देखकै उनतै जो धोरै खड़े थे, दुबारा कहण लाग्गी, "यो उनम्ह म्ह तै एक सै|" 70 पर ओ फेर मुकरग्या| माड़ी वार पाच्छै उन्नै जो धोरै खड़े थे फेर पतरस ताहीं कह्या, "पक्का तू उनम्ह तै एक सै; क्यूँके तू गलीली भी सै|" 71 फेर ओ धिक्कारण अर सूह खाण लाग्या, "मै उस माणस नै, जिसका थम जिक्रा करो सो, कोनी जाणदा|" 72 फेर जिब्बे दूसरी बर मुर्गे नै बाँग दी| पतरस ताहीं वा बात जो यीशु नै उसतै कही थी याद आई : "मुर्गे कै दो बर बाँग देण तै पहल्या तू तीन बर मेरा कारण नाटैगा|" अर ओ इस बात नै सोच कै रोण लाग्या|

पिलातुस कै स्यामी यीशु
(मत्ती 27:1-2, 11-14; लूका 23:1-4; युहन्ना 18:28-38)

15 सबेरा होंदए जिब्बे प्रधान याजकां, पुरनियां, अर शास्त्रियाँ नै बल्के सारी बड्डी पंचायत नै सलाह करकै यीशु ताहीं बंधवाया, अर उस ताहीं ले जाकै पिलातुस कै हाथां म्ह सौप्या| 2 पिलातुस नै उसतै बुझ्झया, "के तू यहूदियां का राजा सै?" उसनै उसताहीं जबाब दिया, "तू आपए कहवै सै|" 3 प्रधान याजक उस पै घणी बात्तां की दोष लावैं थे| 4 पिलातुस नै उसतै फेर बुझ्झया, "के तू कीमे जबाब कोनी देंदा, लखा, ये तेरै पै कितनी बात्तां की दोष लावैं सैं?" 5 यीशु नै फेर कीमे जबाब कोनी दिया; उरै ताहीं के पिलातुस नै घणी हैरानी होई|

मृत्यु-दण्ड की आज्ञा
(मती 27:15-26; लूका 23:13-25; युहन्ना 18:39, 19:16)

6 पिलातुस उस त्यौहार म्ह किसे एक कैदी नै जिसनै वे चाहवै थे, उनकै
खातर छोड़ दिया करै था| 7 बरअब्बा नाम का एक माणस उन रोळे
करणीयां गेल्या कैद था, जिन्नै रोळे म्ह खून करया था| 8 अर भीड़ ऊप्पर
जाकै उसतै बिनती करण लाग्गी, के जिसा तू म्हारै खातर करदा आया सै
उस्से तरियां कर| 9 पिलातुस नै उन ताहीं जबाब दिया, "के थम चाहवो सो
के मै थारै खातर यहूदियां कै राजै ताहीं छोड़ द्युँ?" 10 क्यूँकै ओ जाणै था के
प्रधान याजका नै उसताहीं चाल तै पकड़वाया था| 11 पर प्रधान याजकां नै
माणसां ताहीं उकसाया के ओ बरअब्बा नै ए उनकै खातर छोड़ दे| 12 न्यू
सुण पिलातुस नै उनतै फेर बुझ्झया, "तो जिसनै थम यहूदियां का राजा कहो
सो, उसका मै के करूँ?" 13 वे फेर रूक्के मारण लाग्गे, "उसनै क्रूस पै चढ़ा
द्यो!" 14 पिलातुस नै उनतै फेर कह्या, "क्यांतै इसम्ह के बुराई सै?" पर वे
और भी रूक्के मारण लाग्गे, "उसनै क्रूस पै चढ़ा द्यो!" 15 फेर पिलातुस नै भीड़
ताहीं राज़ी करण की चाहन्ना तै, बरअब्बा ताहीं उनकै खात्तर छोड़ दिया, अर
यीशु नै कोरड़े लुवाकै सौंप दिया के क्रूस पै चढाया जावै|

सैनिकां कै जरिये यीशु का अपमान
(मत्ती 27:27-31; युहन्ना 19:2-3)

16 सिपाही उस ताहीं कीलै कै भीत्तर कै आँगन म्ह ले गये जो प्रिटोरियुम
कुहवावै सै, अर सारी पलटन ताहीं बुलया लाये| 17 फेर उन्नै उस ताहीं
बैंजनी लत्ते पिहराए अर काण्डयाँ का मुकट गूँथकै उसकै सिर पै धरया,
18 अर न्यू कहकै उस ताहीं नमस्कार करण लाग्गे, "हे यहूदियां के राजा,
नमस्कार!" 19 वे उसकै सिर पै सरकण्डे मारदे, अर उस पै थूकदे, अर गोड्डे
टेक कै उसनै प्रणाम करदे रहे| 20 जिब्ब उन्नै उसका मखौल कर लिया, तो
उस पै तै बैंजनी लत्ते उतारकै उस्से के लत्ते पिहराए; अर फेर उसताहीं
क्रूस पै चढ़ाण कै खातर बाहरण ले गये|

यीशु का क्रूस पै चढाया जाणा
(मत्ती 27:32-44; लूका 23:26-43; युहन्ना 19:17-27)

21 सिकन्दर अर रूफुस का पिता शमौन, एक कुरेनी माणस, जो गाम तै
आवै था ओड़ै तै लिकड़या; उन्नै उस ताहीं बेगार म्ह पकड़या के उसका क्रूस
ठा लेवै| 22 वे यीशु ताहीं गुलगुता नामक जंगहा पै, जिसका मतलब खोपड़ी
की जंगहा सै, लियाए| 23 ओड़ै उस ताहीं मुर्र मिल्या होड़ दाखरस देण
लाग्गे, पर उसनै कोनी लिया| 24 फेर उन्नै उसताहीं क्रूस पै चढाया अर
उसकै लत्तया पै पर्ची गेरकै, के किसनै के मिलै, उन्नै बांड लिये| 25 अर एक
पहर दिन चढ़ आया था, जिब्ब उन्नै उस ताहीं क्रूस पै चढाया| 26 अर
उसकी खोट-चिट्ठी लिखकै उसकै ऊप्पर लगा दिया के "यहूदियां का
राजा"| 27 उन्नै उसकै गेल्या दो डाकू, एक उसकी सोळी अर एक उसकी
ओळी ओड़ क्रूस पै चढाए| 28 [फेर पवित्र ग्रन्थ का ओ बचन के ओ
आपराधियां गेल्या गिणया गया, पूरा होया|] 29 अर राह जाण आळे सिर
हल्ला-हल्लाकै अर न्यू कहकै उसकी बुराई करै थे, "वाह! मन्दर के गेरण आळे,
अर तीन दिन म्ह बनाण आळे! 30 क्रूस पै तै ऊतर कै आपणै आप नै बचा
ले|" 31 इस्से तरियां याजक भी, शास्त्रियाँ सुदा, आपस म्ह मखौल करकै
कहवै थे, "इसनै औरां ताहीं बचाया, पर आपणै ताहीं कोनी बचा सकदा|
32 इस्राएल का राजा, मसीह, इब क्रूस पै तै ऊतर आवै के हम देखकै बिश्वास
करया|" अर जो उसकै गेल्या क्रूस पै चढ़ाए गये थे, वे भी उसकी बुराई करै
थे|

यीशु का जी देणा
(मत्ती 27:45-56; लूका 23:44-49; युहन्ना 19:28-30)

33 दोफारी होण पै सारे देश म्ह अँधेरा छाग्या, अर तीसरै पहर ताहीं
रहया| 34 तीसरै पहर यीशु नै बड्डे बोल तै रूक्के मारकै कह्या, "इलोई, इलोई,
लमा शबक्तनी?" जिसका मतलब यो सै, "हे मेरे पणमेशर, हे मेरे पणमेशर,
तन्नै मेरै ताहीं क्यांतै छोड़ दिया?" 35 जो धोरै खड़े थे, उनम्ह तै कुछा नै न्यू
सुणकै कह्या, "लखाओ, ओ एलिय्याह ताहीं रूक्के मारै सै|" 36 अर एक नै
भाजकै स्पंज(स्याही चूस) ताहीं सिरके म्ह ड़बोया, अर सरकण्डे पै धरकै
उस ताहीं चुसाया अर कह्या, "ठहर जाओ, देक्खां, एलिय्याह उस ताहीं
ऊतारण खातर आवै सै के नीं|" 37 फेर यीशु नै बड्डे बोल तै किल्की मारकै
जी दे दिया| 38 अर मन्दर का पड़दा ऊप्पर तै तळैताहीं पाटकै दो टुकड़यां
म्ह होग्या| 39 जो सूबेदार उसकै श्यामी खड़या था, जिब्ब उस ताहीं इस
ढाळ किल्की मारकै जी देन्दे देख्या, तो उसनै कह्या, "साच्चए यो माणस,
पणमेशर का बेट्टा था!"

40 कई लुगाई भी दूर तै देक्खै थीं : उनम्ह मरियम मगदलीनी, छोट्टै याकूब
अर योसेस की माँ मरियम, अर सलोमी थीं| 41 जिब्ब ओ गलील म्ह था तो
ये उसकै पाच्छै हो लेवै थीं अर उसकी सेवा-बाड़ी करया करै थीं; अर दुसरी
घणीए लुगाई भी थीं, जो उसकै गेल्या यरूशलेम तै आई थीं|

यीशु का गाड्या जाणा
(मत्ती 27:57-61; लूका 23:50-56; युहन्ना 19:38-42)

42 जिब्ब साँझ होई तो ज्यांतै के त्यारी का दिन था, जो सब्त कै एक दिन
पहल्या होवै सै, 43 अरिमतिया का बासिन्दा युसूफ आया, जो बड्डी पंचायत
का मौजिज माणस था अर खुद भी पणमेशर कै राज की बाट देक्खै था| ओ
ढेठ करकै पिलातुस कै धोरै गया अर यीशु की लाश माँगी| 44 पिलातुस नै
हैरानी होई के ओ इतनी तोळी मरग्या; उसनै सूबेदार ताहीं बुलाकै बुझ्झया,
"के उस ताहीं मरे होये वार होई?" 45 जिब्ब उसनै सूबेदार कै जरिये हालत
जाण ली, तो लाश युसूफ ताहीं दुवा दी| 46 फेर उसनै मलमल की एक चाद्दर
मोल ली, अर लाश ताहीं उतारकै उस चाद्दर म्ह लपेटा, अर एक कब्र म्ह जो
चट्टान म्ह खोद राक्खी थी धरया, अर कब्र कै दरवाजे पै एक पत्थर गिरड़ा
दिया| 47 मरियम मगदलीनी अर योसेस की माँ मरियम देक्खै थी के ओ
कित धरया गया सै|

यीशु का पुनरुत्थान
(मत्ती 28:1-8; लूका 24:1-12; युहन्ना 20:1-10)

16 जिब्ब सब्त का दिन बीतग्या, तो मरियम मगदलीनी, अर याकूब की
माँ मरियम, अर सलोमी नै खसबूदार चीज मोल लीं, के आकै उस पै
मळै| 2 हफ्ते के पहलड़े दिन तड़कए तड़कै सूरज लिकड़ाए था, वे कब्र पै
आई, 3 अर आपस म्ह कहवै थीं, "म्हारै खातर कब्र के दरवाजै पै तै पत्थर
कौण गिरड़ावैगा?" 4 जिब्ब उन्नै निगांह करी, तो देख्या के पत्थर गिरड़या
होया सै— यो घणाये बड्डा थाI 5 कब्र कै भीत्तर जाके उन्नै एक गाबरू ताहीं
धोळे लत्ते पहरे होड़ सोळी ओड़ बैट्ठे देख्या, अर घणी हैरान होई| 6 उसनै
उनतै कह्या, "हैरान मतना होवो, थम यीशु नासरी नै, जो क्रूस पै चढाया गया
था, टोह्वो सो| ओ जिन्दा होग्या सै, उरै कोनी सै; लखाओ, याए वा जंगहा
सै, जित उन्नै उस ताहीं धरया था| 7 पर थम जाओ, अर उसकै चेल्यां अर
पतरस नै कहो के ओ थारै तै पहल्या गलील नै जावैगा| जिसा उसनै थारै तै
कहया था, थम ओड़ए उसनै देक्खोगे|" 8 अर वे लिकड़कै कब्र तै भाजग्यी;
क्यूँकै वे कॉम्बगी अर उनकै घबराट होगी थी; अर उन्नै किसे तै कीमे नीं
कहया, क्यूँकै वे डरै थीं|

मरियम मगदलीनी नै यीशु का दिखणा
(मत्ती 28:9-10; युहन्ना 20:11-18)

9 हफ्ते के पहलड़े दिन तड़का होंदए ओ जिन्दा होकै पहलम-पहल्या
मरियम मगदलीनी ताहीं जिसम्ह तै उसनै सात भूंडी औपरी आत्मां काड्डी
थीं, दिख्या| 10 उसनै जाकै यीशु के ढब्बीयाँ ताहीं जो दु:ख म्ह डूबरे थे अर
रोवै थे, समाचार दिया| 11 उन्नै न्यू सुणकै के ओ जिन्दा सै अर उसनै उस
ताहीं देख्या सै, बिश्वास कोनी करया|

दो चेल्यां नै यीशु का दिखणा
(लूका 24:13-35)

12 इसकै बाद ओ दुसरै रूप म्ह उनम्ह तै दोयां ताहीं जिब्ब वे गाम कान्नी
जावै थे, दिख्या| 13 उन्नै भी जाकै दुसरया ताहीं खबर दी, पर उन्नै उनका भी
बिश्वास कोनी करया|

ग्यारहां नै यीशु का दिखणा
(मत्ती 28:16-20; लूका 24:36-49; युहन्ना 20:19-23; प्रेरितां 1:6-8)

14 पिच्छै ओ उन ग्यारहां ताहीं भी, जिब्ब वे खाणा खाण बैट्ठे थे दिखया,
अर उनकै अबिश्वास अर मन कै करड़ैपण पै उलाहणा दिया, क्यूँकै जिन्नै
उसकै जिन्दा होण कै पाच्छै उस ताहीं देख्या था, इन्नै उनका बिश्वास कोनी
करया था| 15 अर उसनै उनतै कह्या, “थम सारी दुनिया म्ह जाकै सारी सृष्टि
के माणसां ताहीं सुसमाचार प्रचार करो| 16 जो बिश्वास करै अर बपतिस्मा
लेवै उस्से का उद्धार होवैगा, पर जो बिश्वास कोनी करैगा ओ दोषी ठहराया
जावैगा; 17 बिश्वास करण आळयां म्ह या निशान्नी होवैगी के वे मेरै नाम तै
औपरी आत्मायाँ नै काड्डैगें, नई-नई बोल्ली बोल्लैगें, 18 साँप नै ठा लेवैगें, अर जै
वे जहर भी पी जावै फेरभी उनका कीमे नीं बिगड़ैगा; वे बिमारां पै हाथ धरैगें,
अर वे चंगे हो जावैगें|”

यीशु का सुर्ग म्ह जाणा
(लूका 24:50-53; प्रेरितां 1:9-11)

19 प्रभु यीशु उनतै बात करण कै पाच्छै सुर्ग पै ठा लिया गया, अर पणमेशर
कै सोळी ओड़ बैठग्या| 20 अर उन्नै लिकड़कै हरेक जंगहा प्रचार करया, अर
प्रभु उनकै गेल्या काम करदा रहया, अर उन निशानियाँ कै जरिये जो गेल-
गेल होवै थी, बचन ताहीं पक्का करदा रहया|

लूका

परिचय

1 ज्यांतै के घणखरयां नै उन बात्तां का जो म्हारै बिच्चाळै घटी सैं,
इतिहास लिखण म्ह मेहनत करी सै, 2 जिसा कै उन्नै जो पहल्याए तै
इन बात्तां नै देखण आळे अर वचन के माणन आळे थे, ये सारी बात म्हारै
ताहीं पूह्चायी| 3 हे जनाब थियुफिलुस, इस करकै, मन्नै भी यो सई लाग्या
के उन सारी बात्तां का सारा हाल सरू तै आच्छी दाहूं परख कै, उन्नै नै तेरै
खात्तर लंगपतार म्ह लिखूँ 4 के तू या जाण ले के वो बात जिनकी तन्नै शिक्षा
पाई सैं वो किसी पक्की सैं।

युहन्ना के जन्म की घोषणा

5 यहूदिया कै राजा हेरोदेस कै बख्त म्ह अबिय्याह कै टोळ म्ह जकरयाह
नाम का एक याजक था, अर उसकी घरआळी हारुन की पीढ़ी की थी
जिसका नाम एलीशिबा था। 6 वे दोन्नूं पणमेशर कै स्याम्ही धर्मी थे, अर प्रभु
कै सारे हुक्म अर नियमां पै बैखोट चालण आळे थे। 7 उनकै कोए भी ऊलाद
कोनी थी, क्यूँके इलीशिबा बाँझ थी, अर वे दोन्नूं ए बूढ़े थे।
8 जिब्ब ओ आपणे टोळ की बारी पै पणमेशर कै स्याम्ही याजक का काम
करै था, 9 तो याजकां की रीत कै मुताबिक उसकै नाम की चिठ्ठी लिकड़ी के
प्रभु कै मंदर म्ह जाकै धूप जळावै। 10 धूप जळाण कै बखत आदमियां की
सारी टोळी बाहरणै प्रार्थना करै थीं। 11 उस बख्त प्रभु का एक सुर्गदूत धूप
की मंडही कै सोळी ओड़ खड्या दिख्या। 12 जकरयाह देख कै घबरा ग्या अर
घणा डर ग्या। 13 पर सुर्गदुत उसतै बोल्या, "हे जकरयाह, डरै ना, क्यूँके तेरी
प्रार्थना सुणली सैं; अर तेरी घरआळी इलीशिबा तै तेरै खात्तर एक बेट्टा
जाम्मैगी, अर तू उसका नाम यूहन्ना धरिये। 14 तेरै खुशी अर ठाठ होंगे: अर
घणै ए माणस उसकै जन्म कै कारण राज़ी होंगे, 15 क्यूँके वो प्रभु कै स्याम्ही
घणा महान् होगा; अर अंगूर का रस अर दारू कदे भी ना पीवैगा; अर अपनी
माँ की कुख तैए पवित्र आत्मा तै भर ज्यागा; 16 अर इस्रएलियो म्ह तै घणाए
नै प्रभु पणमेशर की ओड मोड़ देवैगा। 17 वो एलिय्याह नबी की तरियां
सामर्थ्य म्ह होकै उसकै आगै-आगै चालैगा के पित्तरां/ पिता का मन बाळकां
की ओड मोड़ देवैगा; अर हुक्म ना मानण आळे नै धर्मियां की समझ पै
लावैगा; अर प्रभु कै खात्तर एक काबिल प्रजा त्यार करै।"
18 जकरयाह नै सुर्गदुत तै बुझया," यो मै किस तरियां मान्नु? क्यूँके मै तो
बुढा सूं; अर मेरी घरआळी भी बूढी होरी सै।" 19 सुर्गदूत नै उसतै जबाब
दिया," मै जिब्राईल सूं, जो पणमेशर कै आगै खड्या रहू सूं; अर मै तेरै तै बात
करण अर सुसमाचार देण खात्तर खन्दाया सूं । 20 देख्ये जिब्ब ताहीं ये बात
पूरी ना हो लेंगी, तू गूंगा रहैगा अर बोल नीं पावैगा इस खात्तर कै तन्नै मेरी
बात्तां का जो आपणे टैम पै पूरी होंगी, बिश्वास नीं करयाI" 21 माणस
जकरयाह की बाट देखतें रह्ये अर अचम्भा करण लाग्ये कै उसणै मंदर म्ह
इतनी वार क्यूँ लाग्यी । 22 जिब्ब वो बाहर आया, तो उन ताहीं बोल नीं पाया:
आखर वो जाणग्ये कै उसणै मंदर म्ह कोई दर्शन पाया सै; अर वो उन ताहीं
इशारे करता रह्या, अर गूँगा हो ग्या। 23 जिब्ब उसकी सेवा कै दिन पुरे होए,
तो ओ अपनै घरां चला ग्या।
24 इन दिनां कै पाच्छै उसकी घरआली एलीशिबा गर्भवती होग्यी; अर पाँच
महीने तैई अपनै आप नै या कह कै ल्हकोए राख्या, 25 के माणसां म्ह मेरा
अपमान दूर करण खात्तर, प्रभु नै इन दिनां म्ह दया की मेहर करकै मेरै
खात्तर इसा करया सै।

यीशु के जन्म की घोषणा

26 एलीशीबा के छठे महीने म्ह पणमेशर की ओड़ तै जिब्राईल सुर्गदूत,
गलील देश कै नासरत नगर म्ह, 27 एक कुँवारी कै धोरै खन्दाया जिसकी
सगाई युसूफ नाम कै दाऊद कै घराने कै एक माणस तै होई थी; उस कुँवारी
का नाम मरियम था। 28 सुर्गदुत नै उसके धोरै भीत्तर आकै कह्या, आनन्द
अर जय जयकार तेरी हो तेरै पै ईश्वर का अनुग्रह होया सै! प्रभु तेरै गेल्या सै !
29 वा उस वचन/बोल तै घबरा ग्यी,अर सोचण लाग्यी कै यो किस तरीह का
अभिवादन सै? 30 सुर्गदुत नै उसतै कह्या," हे मरियम, डरै ना, क्यूँके पणमेशर
का अनुग्रह तेरै पै होया सै। 31 अर देख, तू गर्भवती होगी, अर तेरै एक छोरा
पैदा होगा; तू उसका नाम यीशु धरिये। 32 वो महान् होगा अर परमप्रधान का
बेट्टा कहवावैगा; अर प्रभु पणमेशर उसकै पिता दाऊद का सिंहासन उसनै
देवैगा, 33 अर वो इस्राइल कै घराने पै सदा राज करैगा; अर उसकै राज्य का
अंत नीं होगा। 34 मरियम नै सुर्गदुत तै कह्या, "यो किस तरियां होगा । मै तो
किसे माणस नै जाणुए कोनी ।" 35 सुर्गदुत नै उस ताहीं जबाब दिया," पवित्र
आत्मा तेरै पै उतरगी अर परमप्रधान की सामर्थ्य तैरें पै छाया करैगी; इस
खात्तर वो जो बच्चा पैदा होण आळा पवित्र सै, पणमेशर का बेट्टा कहवावैगा ।
36 अर देख, तेरी रिश्तेदार जो एलीशिबा सै उसकै भी बुढ़ापे म्ह बेट्टा होण
आळा सै, जो बाँझ कहवावै थी यो उसका, छठा महिन्ना सै। 37 क्यूँके जो
वचन पणमेशर की ओड तै होवै सै वो बेअसर नीं होंदा।" 38 मरियम नै कह्या,
देख, मै प्रभु की दासी सूं, मेरै तेरै कहैए वचन कै मुताबिक होI" फेर सुर्गदुत
उसके धोरै तै चल्या ग्या।

मरियम का इलीशिबा तै फेटण जाणा

39 उन दिनां म्ह मरियम उठकै ताव्ली सी पहाड़ी देश म्ह यहूदा कै नगर म्ह
ग्यी, 40 अर जकरयाह कै घर म्ह जाकै इलीशिबा ताहीं नमस्कार करया।
41 ज्योए इलीशिबा नै मरियम का नमस्कार सुण्या, त्योंए बाळक उसके पेट
म्ह उछल्या, अर इलीशिबा पवित्र आत्मा तै भरगी। 42 अर उसनै ऊच्चे वचन
म्ह बोल कै कह्या, "तू लुगाईया म्ह धन्य सै, अर तेरी कोख का फल धन्य सै!
43 यो अनुग्रह मैरै पै कित्त तै होया कै प्रभु की माँ मेरै धोरै आई? 44 देख, ज्यो
ए तेरै नमस्कार का बोल मेरै कान्नां म्ह पड्या, त्यों ए बाळक मेरै पेट म्ह खुशी
तै उछल पड्या । 45 धन्य सै वो जिसनै बिश्वास करया कै जो बातें प्रभु की
ओड़ तै उस ताहीं कही गयी,वे पूरी होंगी!"

मरियम का स्तुति गान

46 फेर मरियम नै कह्या, "मेरा मन प्रभु की बड़ाई करै सै 47 अर मेरी आत्मा
मेरै उध्दार करण आळे पणमेशर तै खुश होई, 48 क्यूँके उसनै अपनी दासी
की लाचारी पै निगांह करी सै; इस खात्तर देक्खो, इब तै सारे युग-युग कै
माणस मैनें धन्य कहवैगे, 49 क्यूँके उस ठाड्डै नै मेरै खात्तर बड्डे-बड्डे काम करै
सै । उसका नाम पवित्र सै, 50 अर उसकी दया उण पै, जो उसतै डरै सै,
पीढ़ी तै पीढ़ी बणी रहवैं सैं। 51 उसनै अपनै बाजुआ की ताकत दिखाई, अर
जो अपने-आप नै बड्डा समझैं थे, उन ताहीं तितर-बितर कर दिया। 52 उसनै
ठाड्यां ताहीं उनकै सिंहासनां पै तै गिरा दिया; अर लाचारां ताहीं ऊँच्चा उठा
दिया। 53 उसनै भूख्या ताहीं बढिया चीज़ां तै ध्पाया सै, अर साहूकारां ताहीं
खाली हाथ लिकाड़ दिया सै। 54 उसनै अपनै सेवक इस्राएल ताहीं सम्भाल
लिया, कै अपनी उस दया नै याद करै, 55 जो अब्राहम अर उसकी पीढ़ी पै

सदा बणी रह्गी, जिसां उसनै म्हारै बाप दादयां तै कह्या था । 56 मरियम करीब तीन महीने उसकै गैल्या रहकै उलटी अपनें घरा चली ग्यी।

युहन्ना बपतिस्मा देण आळे का जन्म

57 फेर इलीशिबा कै दिन पुरे होए अर उसनै बेट्टा जाम्या । 58 उसके पड़ौसी अर रिश्तेदारां नै या सुणकै के प्रभु नै उसपै बड़ी दया करी सै, उसकै गैल्या खुशी मनाई, 59 अर इसा होया कै आठवे दिन वे बाळक का खतना करण ताहीं आये अर उसका नाम उसकै पिता के नाम पै जकरयाह धरण लाग्ये। 60 इस पर उसकी माँ नै जबाब दिया, "ना; इसका नाम यूहन्ना धरया जावै । 61 "उन्नै उस ताहीं कह्या, "तेरै रिश्तेदारा म्ह किसे का यो नाम नीं सै!" 62 फेर उसकै पिता तै इशारा करकै पुच्छ्या कै तू उसका नाम कै धरना चाहवै सै? 63 उसनै लिखण की पट्टी पै लिख दिया, उसका नाम यूहन्ना सै," अर सारा नै अचम्भा होया । 64 फेर उसका मुँह अर जिभ जिब्बे खुल्गी; अर वो बोलण अर पणमेशर का धन्यवाद करण लाग्या । 65 उसके लोवे-धोरै कै सब रहण आळे डरगे; अर उन सारी बात्तां की चर्चा यहूदिया कै सारे पहाड़ी देश म्ह फैलगी , 66 अर सब सुनण आळयां नै अपनै-अपनै मन म्ह विचार करकै कह्या, "यो बाळक किसा होगा ?" क्यूँके प्रभु का हाथ उसकै गैल्या था।

जकरयाह का स्तुति-गान

67 उसका पिता जकरयाह पवित्रआत्मा तै भर ग्या, अर भविश्यवाणी करण लाग्या : 68 "प्रभु इस्राएल का पणमेशर धन्य सै, क्यूँके उसनै अपनै माणसां पै निंगाह करी अर उनका छुटकारा किया, 69 अर अपनै दास दाऊद कै घराने म्ह म्हारै खात्तर एक उध्दार का एक सींग काड्या सै, 70 (जिसा उसनै अपनै पवित्र भविष्यावक्ता कै जरिये जो जगत कै शुरु तै होंदे आये सै, कह्या था,) 71 बल्के म्हारै दुश्मनां तै अर म्हारै सब बैरियां कै हाथां तै म्हारा उध्दार करया, 72 कै म्हारै बाप दादयां पै दया कर कै अपनी पवित्र वाचा नै याद करै, 73 अर वो कसम जो उसनै म्हारै पिता अब्राहम तै खाई थी, 74 कै वो हमनै यो देवैगा कै हम अपनै दुश्मनां कै हाथ तै छुठ कै, 75 उसकै आग्ये पवित्रता अर धार्मिकता तै जिन्दगी भर बिना डरें उसकी सेवा करते रह्वां। 76 अर तू हे बाळक, परमप्रधान का भविष्यावक्ता कहवावै, क्यूँके तू प्रभु का रास्ता त्यार करण कै खात्तर आग्गै-आग्गै चाल्लैगा, 77 कै उसकै माणसां कै उध्दार का ज्ञान दे, जो उसकै पापां की माफ़ी तै मिलै सै । 78 यो म्हारै पणमेशर की उस्से बड़ी दया तै होगा; जिसकै कारण ऊप्पर तै म्हारै पै सबेर का चाँदणा उगै सै, 79 कै अन्धेरे अर मौंत की छाया म्ह बैठण आळयां नै रोशनी दे, अर म्हारै पैरां नै आच्छे रास्ता पै सीधे चलावै ।" 80 अर वो बाळक बढ़दा अर आत्मा म्ह ठाड्डा होन्दा ग्या, अर इस्राएल पै प्रकट होण कै दिन ताहीं जंगलां म्ह रह्या।

यीशु का जन्म
(मत्ती 1:18-25)

2 उन दिनां म्ह औगुस्तुस कैसर की कान्नी तै हुक्म लिकड़या के, उसके सारे राज्य कै माणसां गिणती करकै उनके नाम लिक्खे जावैI 2 या पहल्ली नाम लिखाई उस टैम होई, जिब किवरिनियुस सीरिया कै इलाकै का हाकिम थाI 3 सारे माणस नाम लिखाण कै खात्तर आपणे-आपणे नगर म्ह गएI 4 आखर युसूफ भी इस करकै के ओ दाऊद कै कुन्बै अर पीढ़ी का था, गलील कै नगर तै यहूदिया म्ह दाऊद कै नगर बैतलहम नै गया, 5 के आपणी मंगेतर मरियम कै गेल्या जो पेट तै थी, उस गिणती म्ह नाम लिखवाएI 6 उनकै ओड़ै रहन्दे होए उसके जाम्मण के दिन पुरे होए, 7 अर उसनै आपणा जेट्ठा छोरा जाम्मया अर उसतांहीं लत्ते म्ह लपेटकै खोर म्ह धरया; क्यूँके उनकै खातर सराये म्ह जंगहा कोनी थी, इसकरकै के शहर म्ह माणसां की उस टैम घणी-ए भीड़ होरी थी|

सुर्गदुत्तां द्वारा चरवाहां ताहीं संदेश

8 अर उस देश म्ह कितने पाळी थे, जो रात नै मदानां म्ह रहकै आपणी भेड्डा के टोळ की रुखाळ करै थेI 9 अर उस्से रात नै प्रभु का एक दूत उसकै धोरै आण खड़्या होया, अर प्रभु का प्रताप उसकै चौगरदे नै चमक्या, अर वे घणे डरगेI 10 सुर्गदुत नै उनतै कह्या, "मतना डरो; क्यूँके लखाओ, मै थमनै घणी ख़ुशी की खबर सूंनाऊँ सूं जो सारे माणसां खातर होगी, 11 के आज दाऊद कै नगर म्ह थारै खातर एक उद्धारकर्ता जाम्या सै, अर योए मसीह प्रभु सैI 12 अर इसकी थारै खातर या निशान्नी सै के थम एक बाळक नै लत्ते म्ह लिपट्या होड़ अर खोर म्ह पड़या होड़ पाओगेI" 13 फेर चाणचक उस सुर्गदुत गेल्या सुर्गदुत्तां का टोळ पणमेशर की भगति करदे होए अर न्यू कहदें दिख्या, 14 अकास म्ह पणमेशर की महिमा अर धरती पै उन माणसां म्ह जिनतै ओ राज़ी सै, शान्ति होवैI"

15 जिब्ब सुर्गदुत उसकै धोरै तै सुर्ग नै चले गए, तो पाळीयां नै आपस म्ह कह्या, "आओ, हम बैतलहम जाकै देक्खां, या बात जो होई सै, अर जो प्रभु नै म्हारैताहीं बताई सैI" 16 अर उन्नै जिब्बे जाकै मरियम अर युसूफ ताहीं अर खोर म्ह उस बाळक ताहीं पड़या देख्याI 17 इन्नै देखकै उन्नै वा बात जो इस बाळक कै बाबत उनतै कही थी, बताईI 18 अर सारे सुनणआळयां नै उन बात्तां तै जो पाळीयां नै उनतै कहीं अचम्भा करयाI 19 पर मरियम ये बात आपणे दिल म्ह धरकै सोचदी रईI 20 अर पाळी जिसा उनतै कह्या था, उस्साए सारा सुणकै अर देखकै पणमेशर की महिमा अर जय-जयकार करदे होए बोहड़गेI

यीशु का नामकरण

21 जिब्ब आठ दिन पुरे होए अर उसकै खतने का टैम आया, तो उसका नाम यीशु धरया गया, जो सुर्गदुत नै उसकै पेट म्ह आण तै पह्ल्या कह्या थाI

मंदर म्ह यीशु का अर्पण

22 जिब्ब मूसा कै व्यवस्था कै मुताबिक उनकै सूंच्चे होण के दिन पुरे होए, तो वे उसनै यरूशलेम म्ह लेगे के प्रभु कै स्याम्ही ल्याए, 23 (जिसा के प्रभु के व्यवस्था म्ह लिख्या होड़ सै : हरेक जेट्ठा या पहल्ड़ा प्रभु कै खातर पवित्र ठहरैगाI") 24 अर प्रभु कै व्यवस्था कै बचन कै मुताबिक : "पंडूका का एक जोड़ा, या कबूतर कै दो बच्चे" ल्याकै बली करैI

शमौन का गीत

25 यरूशलेम म्ह शमौन नामका एक माणस था, अर ओ माणस धर्मी अर भगत था; अर इसराएल की शान्ति की बाट देखण लागरया था, अर पवित्र आत्मा उस पै थाI 26 अर पवित्रआत्मा के जरिये उस पै प्रगट होया था के जिब्ब ताहीं वो प्रभु के मसीह नै देख नीं लेगा, जद ताहीं मौत नै कोनी देखैगाI 27 ओ आत्मा कै सिखाण तै मन्दर म्ह आया; अर जिब्ब माँ-बाप उस बाळक यीशु ताहीं भीत्तर ल्याए, के उसकै खातर व्यवस्था के रिवाज कै मुताबिक करै, 28 फेर उसनै उसताहीं आपणी गोद्दी म्ह लिया अर पणमेशर का धन्यवाद करकै कह्या: 29 "हे मालिक, इब तू आपणे दास नै आपणे बचन कै मुताबिक शान्ति तै बिदा करै सै, 30 क्यूँके मेरी आँखां नै तेरै उद्धार ताहीं देख लिया सै, 31 जिस ताहीं तन्नै सारे देशां के माणसां कै स्याम्ही त्यार करया सै, 32 के ओ दूसरी जात्तां ताहीं चाँदणा देण कै खातर उजाळा, अर तेरे आपणे माणस इस्राएल की महिमा होI"

33 उसका बाप अर उसकी माँ इन बात्तां तै जो उसकै बाबत कही जावै थी, अचम्भा करै थेI 34 फेर शमौन नै उनताहीं आशीर्वाद देकै, उसकी माँ मरियम तै कह्या, "देख, वो तो इस्राएल म्ह घणा खातर पड़ण, अर उड्डण कै खातर, अर एक इसी निशान्नी होण खातर ठहराया सै, जिसकै बिरोध म्ह बात करी जांवैगी 35 बल्के तेरा जी भी तलवार तै आरम-पार चिर जावैगा -- इसतै घणे मनां के बिचार प्रगट होज्यागेंI"

हन्ना की गवाही

36 आशेर कै गोत म्ह तै हन्नाह नामक फनूएल की बेट्टी एक नब्बी थीI वा
घणी बूढी थी, अर ब्याह होण कै पाच्छै सात साल आपणे धणी कै गेल्या
रहण पाई थीI 37 वा चौरासी साल तै बिधवा थी: अर मन्दर नै कोनी छोड्या
करै थी, पर ब्रत अर प्रार्थना कर-करकै रात-दिन भगति करया करै थीI
38 अर वा उस बख्त उड़ै आकै प्रभु का धन्यवाद करण लाग्गी, अर उन
सारया तै, जो यरूशलेम कै छुटकारै की बाट देखै थे, उस बाळक कै बाबत
बात करण लाग्गीI

नास्रत नै वापस लौटना

39 जिब्ब वे प्रभु के व्यवस्था कै मुताबिक सारा कीमे पूरा कर चुके तो
गलील म्ह आपणे नगर नासरत नै दुबारा चले गएI 40 अर बाळक बढ़दा, अर
ठाड्डा होन्दा, अर अक्ल तै भरया-पूरा होन्दा गया; अर पणमेशर का अनुग्रह
उस पै थाI

बाळक यीशु मंदर म्ह

41 उसके माँ-बाप हरेक साल फसह कै त्यौहार म्ह यरूशलेम जाया करै थेI
42 जिब्ब यीशु बारहा साल का होया, तो वे त्यौहार की रित कै मुताबिक
यरूशलेम नै गएI 43 जिब्ब वे उन दिनां नै पुगा कै बोहड़ण लाग्गे, तो बाळक
यीशु यरूशलेम म्ह रहग्या; अर इसका उसकै माँ-बाप नै कोनी बेरा था| 44 वे
न्यू समझ कै के ओ दुसरे मुसाफ़िरां कै गेल्या होगा, एक दिन का सफर पार
करगे: अर उसताहीं आपणे कुन्बे आळयां म्ह अर जाण-पिच्छाण आळयां म्ह
टोहण लाग्गे| 45 पर जिब्ब कोनी मिल्या, टोन्दे-टोन्दे यरूशलेम नै दूबारै
बोहड़गे, 46 अर तीन दिन कै पाच्छै उन्नै ओ मन्दर म्ह उपदेशकां कै बिचाळै
बैट्ठे, उनकी सुणदे अर उनतै सवाल बुझते पाया| 47 जितने उसकी सुणै थे,
वे सारे उसकी समझ अर उसके ज्बाबा तै हैरान थे| 48 फेर वे उसताहीं
देखकै हैरान होए अर उसकी माँ नै उसतै कहया, “हे बेट्टे, तन्नै म्हारै गेल्या
इसा बिवार क्यातै करया?” लखा, तेरा बाप अर मै तन्नै कांल होन्दे तन्नै
टोहवां थे?” 49 उसनै उनतै कह्या, “थम मन्नै क्यातै टोहवो सो?” कोनी बेरा
के मन्नै मेरे बाप कै घरा होणा जरूरी सै?” 50 पर जो बात उसनै उनतै कही,
उन्नै कोनी समझ्या| 51 फेर ओ उनकै गेल्या गया, अर नासरत म्ह आया,
अर उनकै बस म्ह रह्या; अर उसकी माँ नै ये सारी बात आपणे मन म्ह
राक्खी| 52 अर यीशु समझ अर डील-डोल म्ह, अर पणमेशर अर माणसां कै
अनुग्रह म्ह बढ़दा गया|

युहन्ना बपतिस्मा देणआळे का संदेश
(मत्ती 3:1-12; मरकुस 1:1-8; युहन्ना 1:19-28)

3 तिबिरियुस कैसर के राज्य कै पंद्रहवें साल म्ह जिब्ब पुन्तियुस
पीलातुस यहूदिया का हाकिम था, अर गलील म्ह हेरोदेस नाम चौथाई
का इतुरैया अर त्रखोनितिस म्ह उसका भाई फिलिप्पुस, अर अबिलेने म्ह
लिसनियास, चौथाई के राजा थे, 2 अर जिब्ब हन्ना अर कैफा महायाजक थे,
उस बख्त पणमेशर का बचन बण म्ह जकरयाह के बेट्टे यूहन्ना के धोरै
पहोच्या| 3 ओ यरदन कै ओरै-धोरै के साब्ते परदेश म्ह जाकै, पापां नै
बख्सण खातर मन पलटण का बपतिस्मा का प्रचार करण लाग्ग्या| 4 जिसा
यशायाह नब्बी के कहे होए बचनां की किताब म्ह लिख्या सै : “बण म्ह एक
रुक्के मारणीये का बचन होरया सै के, ‘प्रभु की राही त्यार करो, उसकी सड़क
सीधी बणाओ| 5 हरेक घाटी भर दी जावैगी, अर हरेक पहाड़ अर टिल्ला तळै
करया जावैगा; अर जो टेढ़ा सै सीधा, अर जो ऊँचा निच्चा सै ओ चौरस राह
बणैगा| 6 अर हरेक जीव पणमेशर के उद्धार नै देखैगा|"

7 जो भीड़ की भीड़ उसतै बपतिस्मा लेण नै लिकड़ के आवै थी, उनतै ओ
कहवै था, “हे साँप के बच्चो, थारै तै कौण बताग्या के आण आळै छो तै भाज्जो
| 8 आखर मन पलटकै लायक फळ ल्याओ, अर आपणे-आपणे मन म्ह न्यू
मतना सोच्चो के म्हारा बाप अब्राहम सै; क्यूँकै मे थमनै कहूँ सूं के पणमेशर
इन पत्थरां तै अब्राहम कै खातर ऊलाद पैदा कर सकै सै| 9 इब कुहाड़ा
दरख्तां की जड़ पै धरया सै, इसकरकै जो-जो दरख्त बढिया फळ नीं
ल्यांदा, ओ काट्या अर आग म्ह झोक्या जावैगा| 10 फेर माणसां नै उसतै
बुझया, “तो हम के करां?” 11 उसनै जबाब दिया, “जिसकै धोरै दो कुरते हों,
ओ उसकै गेल्या जिसकै धोरै नीं सै उसकै गेल बांड ल्यो अर जिसकै धोरै
खाणा हो, ओ भी न्यूए करै|” 12 महसूल लेण आळे भी बपतिस्मा लेण आए,
अर उसतै बुझया, “हे गुरु, हम के करां?” 13 उसनै उनतै कह्या, “जो थारै
खातर ठहरा राख्या सै, उस तै घणा नीं लेणा|” 14 सिपाहियाँ नै भी उसतै
बुझया, “हम के करां?” उसनै उनतै कह्या, “किसे पै जुल्म नीं करणा, अर ना
झूठी तोहमन्द लाणा, अर आपणी तन्खा पै संतोष करणा|”

15 जिब्ब माणस आस लाए होए थे, अर सारे आपणे-आपणे मन म्ह यूहन्ना
के बाबत बिचार करते थे के योए मसीह तो नीं सै, 16 तो यूहन्ना नै उस सारया
तै कह्या, “मै तो थमनै पाणी तै बपतिस्मा द्युँ सूं, पर ओ आण आळा सै, जो
मेरै तै घणा ठाडडा सै, मै तो इस लायक भी कोनी के उसके जुत्या के फित्ते
खोल सकूँ; ओ थमनै पवित्र आत्मा अर आग तै बपतिस्मा देवैगा| 17 उसका
सूप, उसके हाथ म्ह सै; अर ओ आपणा खलिहाण बढिया तरियां साफ
करैगा; अर नाज नै आपणे खते (ठेक्के) म्ह कड्डा करैगा; पर भुरळी ताहीं उस
आग म्ह जो बुझदी कोनी जळा देवैगा|”

18 आखर ओ घणीए शिक्षा दे देकै माणसां तै ख़ुशी की खबर सुणान्दा
रह्या| 19 पर जिब्ब उसनै चौथाई देश कै राजा हेरोदेस तै उसके भाई
फिलिप्पुस की बीरबान्नी हेरोदियास कै बाबत अर सारे भुण्डे काम्मां कै बाबत
जो उसनै करे थे, उलाहणा दिया, 20 तो हेरोदेस नै उन सारया तै बढ़कै यों
भुण्डा काम भी करया के यूहन्ना ताहीं जेळ म्ह गेर दिया|

यीशु का बपतिस्मा
(मत्ती 3:13-17; मरकुस 1:9-11)

21 जिब्ब सारे माणसां नै बपतिस्मा लिया अर यीशु भी बपतिस्मा लेकै
प्रार्थना कर रह्या था, तो अकास खुलग्या, 22 अर पवित्र आत्मा देही रूप म्ह
कबूतर की तरियां उस पै उतरया, अर या आकाशवाणी होई : “तू मेरा प्यारा
बेट्टा सै, मै तेरतै राज़ी सूं|”

यीशु की वंशावली
(मत्ती 1:1-17)

23 जिब्ब यीशु खुद उपदेश देण लाग्ग्या, तो करीबन तीस साल की उम्र का
था अर (जिसा समझा जावै सै) युसूफ का बेट्टा था; अर ओ एली का, 24 अर
ओ मत्तात का, अर ओ लेवी का, अर ओ मलकी का, अर ओ यन्ना का, अर
ओ युसूफ का, 25 अर ओ मत्तित्याह का, अर ओ आमोस का, अर ओ नहुम
का, अर ओ असल्याह का, अर ओ नोगाह का, 26 अर ओ मात का, अर ओ
मत्तित्याह का, अर ओ शिमी का, अर ओ योसेख का, अर ओ योदाह का,
27 अर ओ यूहन्ना का, अर ओ रेसा का, अर ओ जरुब्बाबिल का, अर ओ
शालतियेल का, अर ओ नेरी का, 28 अर ओ मलकी का, अर ओ अद्दी का,
अर ओ कोसाम का, अर ओ इलमोदाम का, अर ओ एर का, 29 अर ओ येशु
का, अर ओ इलाजार का, अर ओ योरीम का, अर ओ मत्तात का, अर ओ
लेवी का, 30 अर ओ शमौन का, अर ओ यहुदाद का, अर ओ युसूफ का, अर
ओ योनान का, अर ओ इलयाकिम का, 31 अर ओ मलेआह का, अर ओ
मिन्नाह का, अर ओ मत्तता का, अर ओ नातान का, अर ओ दाऊद का,
32 अर ओ यीशै का, अर ओ ओबेद का, अर ओ बोअज का, अर ओ
सलमोन का, अर ओ नहशोन का, 33 अर ओ अम्मिनादाब का, अर ओ
अरनी का, अर ओ हिस्रोन का, अर ओ फिरिस का, अर ओ यहुदाह का,
34 अर ओ याकूब का, अर ओ इसहाक का, अर ओ अब्राहम का, अर ओ
तिरह का, अर ओ नाहोर का, 35 अर ओ सरुग का, अर ओ रऊ का, अर ओ
फिलिग का, अर ओ एबिर का, अर ओ शिलह का, 36 अर ओ केनान का,
अर ओ अरफक्षद का, अर ओ शेम का, अर ओ नूह का, अर ओ लिमिक का,
37 अर ओ मथुशीलह का, अर ओ हनोक का, अर ओ यिरिद का, अर ओ
महललेल का, अर ओ केनान का, 38 अर ओ एनोश का, अर ओ शेत का अर
ओ आदम का, अर ओ पणमेशर का बेट्टा था|

यीशु की परीक्षा
(मत्ती 4:1-11; मरकुस 1:12-13)

4 फेर यीशु पवित्रआत्मा तै भरया होया, यरदन तै बोहड़या; अर चालीस
दिन ताहीं आत्मा कै सिखाण तै बण म्ह हाण्डदा रहया; 2 अर शैतान
उसकी परीक्षा लेन्दा रहया| उन दिनां म्ह उसनै कीमे नीं खाया, अर जिब्ब
वे दिन पुरे होए, तो उसनै भूख लाग्गी| 3 फेर शैतान नै उसतै कह्या, "जै तू
पणमेशर का बेट्टा सै, तो इस पत्थर तै कह, के रोट्टी बणज्या|" 4 यीशु नै
उसताहीं जबाब दिया, "लिख्या सै : 'माणस सिर्फ रोट्टी तै जिन्दा कोनी
रहन्दा|'" 5 फेर शैतान उसनै लेगा अर उसताहीं माड़ी वार म्ह दुनिया के
सारे राज्य दिखाए, 6 अर उसतै बोल्या, "मै यों सारा हक्क, अर एश-आराम
तन्नै द्युँगा, क्यूँके ओ मेरैतै सौंप्या गया सै : अर जिसनै चाहूँ उसनै दे द्युँ सूं|
7 इसकरकै जै तू मन्नै प्रणाम करै, तो यों सारा तेरा हो ज्यागा|" 8 यीशु नै
उसताहीं जबाब दिया, "लिख्या सै : 'तू प्रभु आपणे पणमेशर नै प्रणाम कर;
अर सिर्फ उस्से की भगति कर|'" 9 फेर उसनै उसताहीं यरूशलेम म्ह ले
जाकै मन्दर की चोट्टी पै खड़या करया अर उसतै बोल्या, "जै तू पणमेशर का
बेट्टा सै, तो खुद नै उरै तै तळै गेर ले| 10 क्यूँके लिख्या सै : 'ओ तेरै बाबत
आपणे सुर्गदुत्तां नै हुक्म देगा, के वे तेरी रुखाळी करै,' 11 अर 'वे तन्नै हाथों-
हाथ उठा लेवैगें, इसा ना हो के तेरे पांयां म्ह पत्थर तै ठेस लागै'|" 12 यीशु नै
उसताहीं जबाब दिया, "न्यू भी कह्या गया सै : 'तू प्रभु आपणे पणमेशर का
हिम्तान ना लिए'|" 13 जिब्ब शैतान सारा हिम्तान ले चुका, फेर कुछे टैम
खातर उसकै धोरै तै चल्या गया|

यीशु के सेवा के काम की सरूआत
(मत्ती 4:12-17; मरकुस 1:14-15)

14 फेर यीशु आत्मा की सामर्थ तै भरया होड़ गलील बोहड़या, अर उसकी
चर्चा ओरै-धोरै के सारे देशां म्ह फैलगी| 15 ओ उनके आराधनालयां म्ह
उपदेश देंदा रह्या, अर सारे उसकी बड़ाई करै थे|

नासरत म्ह यीशु का अनादर
(मत्ती 13:53-58; मरकुस 6:1-6)

16 फेर ओ नासरत म्ह आया, जड़ै पाळा-पोस्या गया था; अर आपणी रित
कै मुताबिक सब्त कै दिन आराधनालय म्ह जाकै पढ़ण कै खातर खड़या
होया| 17 यशायाह नब्बी की किताब उसताहीं दी गई, अर उसनै किताब
खोलकै, वा जंगहा लिकाड़ी जड़ै लिख्या था : 18 "प्रभु का आत्मा मेरै पै सै,
इसकरकै के उसनै कंगालां ताहीं ख़ुशी की खबर सुनाण कै खातर मेरा
अभिषेक करया सै, अर मेरैताहीं इसकरकै खन्दाया सै के कैदीयां नै छुड़ाण
की अर आंध्यां नै देखण जोग्गा बनाण की ख़ुशी की खबर का प्रचार करूं अर
कुचले होया नै छुड़ाऊँ, 19 अर प्रभु कै राज़ी रहण कै साल का प्रचार करूं|"
20 फेर उसनै किताब बन्द करकै सेवक कै हाथां म्ह दे दी अर बैठग्या; अर
मन्दर के सारे माणसां की निंगाह उसपै थी| 21 फेर ओ उन तै कहण
लाग्या, "आज ए यों लिख्या होड़ थारै स्याम्ही पूरा होया| 22 सारया नै
उसताहीं सराहया, "अर जो अनुग्रह की बात उसकै मुँह तै लिकड़ै थी, उनतै
हैरान होए; अर कहण लाग्गे, "के यों युसूफ़ का बेट्टा कोनी?" 23 उसनै उनतै
कह्या, "थम मेरैपै या कहावत जरुर कहोगे के 'हे बैद, खुद नै सई कर ! जो
कीमे हमनै सुणयां के कफरनहुम म्ह करया गया सै, उसनै उरै खुद कै देश म्ह
भी कर'|" 24 अर उसनै कह्या, "मै थमनै साच्ची-साच कहूँ सूं कोई नब्बी
आपणे देश म्ह इज़्ज़त-मान कोनी पान्दा | 25 मै थमनै साच्ची-साच कहूँ सूं के
एलिय्याह कै दिनां म्ह जिब्ब साढ़े तीन साल ताहीं अकास बन्द रहया, उरै
ताहीं के सारे देश म्ह बड्डा अकाल पड़या, तो इस्राएल म्ह घणीए बिधवा थीं|
26 पर एलिय्याह उनम्ह तै किस्से कै धोरै कोनी खन्दाया गया, सिर्फ सैदा कै
सारफत म्ह एक बिधवा कै धोरै| 27 अर एलिशा नब्बी कै बख्त इस्राएल म्ह
घणे कोढ़ी थे, पर सिरियावासी नामान नै छोड़कै उनम्ह तै कोए शुद्ध कोनी
करया गया|" 28 ये बात सुणद-ए जितने आराधनालय म्ह थे, सारया कै छोह
उठग्या, 29 अर उठकै उसताहीं नगर तै बाहरण लिकाड़या, अर जिस पहाड़
पै उनका नगर बसरया था, उसकी चोट्टी पै ले चाल्ले के उसनै उड़ै तै तळै गेर
दें| 30 पर ओ उनकै बिचाळै तै लिकड़ कै चल्या गया|

एक माणस ताहीं चंगा करणा जिस म्ह भूंडी औपरी आत्मा थी
(मरकुस 1:21-28)

31 फेर ओ गलील कै कफरनहुम नगर म्ह गया; अर सब्त कै दिन माणसां
ताहीं उपदेश देवै था| 32 वे उसकै उपदेश तै हैरान होगे क्यूँके उसका बचन
हक्क सुदा था| 33 मन्दर म्ह एक माणस था, जिसम्ह भूंडीऔपरी आत्मा थी,
उसनै ठाड्डू बोल तै किल्की मारी, 34 हे यीशु नासरी, हमनै तेरैतै के काम? के
तू म्हारा नास करण नै आया सै? मन्नै तेरा बेरा सै तू कौण सै? तू पणमेशर का
पवित्र माणस सै!" 35 यीशु नै उसतै धमकाकै कह्या, "बोल-बाल्ला रहै, उसम्ह
तै लिकड़ जा!" फेर भूंडीऔपरी आत्मा उसनै बिचाळै पटककै बिना नुक्सान
करे उसम्ह तै लिकड़ गी 36 इस पै सारे हैरान होए, अर वे आपस म्ह बतळाण
लाग्गे, "यों किसा बचन सै ?क्यूँके ओ हक्क अर सामर्थ कै गेल्या भूंडीऔपरी
आत्मायाँ नै हुक्म देवै सै, अर लिकड़ जावै सै|" 37 इस करकै चौगरदे नै
हरेक जंगहा उसका जिक्रा होण लाग्या|

पतरस की सास अर अन्य लोग्गां ताहीं चंगा करणा
(मत्ती 8:14-17; मरकुस 1:29-34)

38 यीशु मसीह का मन्दर म्ह तै उठकै शमौन कै घर म्ह गया| शमौन की
सासू कै ताप या बुखार चढ़रया था, अर उन्नै उस खातर उसतै बिनती करी|
39 उसनै उसकै धोरै खड़े होकै ताप ताहीं धमकाया अर ताप उतर गया, अर
ओ जिब्बे उठकै उनकी सेवा-बाड़ी म्ह लाग्गी| 40 सूंरज डूबदे बख्त, जिन-
जिन कै उरै माणस कई ढाळ की बीमारियाँ म्ह पड़े होये थे, वे सारे उन्नै
उसकै धोरै ल्याए, अर उसनै एक-एक पै हाथ धरकै उनताहीं चंगा करया|
41 अर भूंडीऔपरी आत्मां भी किल्की मारदी अर न्यू कहन्दी होई के, "तू
पणमेशर का बेट्टा सै," घणखरया म्ह तै लिकड़गी| पर ओ उन्नै धमकांदा अर
बोल्लण नीं देवै था, क्यूँके वे जाणै थीं के ओ मसीह सै|

आराधनालयां म्ह प्रचार करणा
(मरकुस 1:35-39)

42 जिब्ब सबेरे होई तो ओ लिकड़ कै एक बियाबान जंगहा म्ह गया, अर
भीड़ की भीड़ उसनै टोहन्दी होई उसकै धोरै आई, अर उसनै रोकण लाग्गी
के ओ उनकै धोरै तै नीं जावै| 43 पर उसनै उनतै कह्या, "मन्नै दुसरे नगरां म्ह
भी पणमेशर कै राज्य की सुसमाचार सुनाणा जरूरी सै, क्यूँके मै इसे खातर
खन्दाया गया सूं|" 44 अर ओ गलील के आराधनालयां म्ह प्रचार करदा
रह्या|

प्रथम चेल्लां का बुलाया जाणा
(मत्ती 4:18-22; मरकुस 1:16-20)

5 जिब्ब भीड़ पणमेशर का बचन सुनण कै खातर उस पै गीरै पड़ै थी,
अर ओ गन्नेसरत की झील कै कंठारै पै खड़या था, तो इसा होया 2 के
उसनै झील कै कंठारै दो किस्ती लाग्गी होड़ देक्खीं, लखाओ, अर मछुए उन
पै उतरकै जाळ धोवै थे| 3 उन किस्तियां म्ह तै एक पै, जो शमौन की थी,
चढ़कै उसनै उसतै बिनती करी के कंठारै तै माड़ा डिगा ले चाल्लै| फेर ओ
बैठकै माणसां नै किस्ती पै तै उपदेश देण लाग्या| 4 जिब्ब उन्नै ये बात कर
ली तो शमौन तै बोल्या, "डुंगै म्ह ले चाल, अर मच्छी पकड़ण नै आपणा
जाळ गेर|" 5 शमौन नै उसतै जबाब दिया, "हे मालिक, हमनै सारी रात
मैहनत करी अर कीमे नीं ठायां; फेरभी तेरै कहण तै जाळ गेरूगां|" 6 जिब्ब
उन्नै इसा करया, तो घणी मच्छी घेर ल्याए, अर उनके जाळ पाट्टण नै होण
लाग्गे| 7 इस पै उन्नै आपणे ढब्बीयां नै भी जो दूसरी किस्ती पै थे, इशारा
करया के आकै म्हारी मदद करो, अर उन्नै आकै दोन्नु किस्ती उरै ताहीं भर
लीं के डूबण लाग्गी| 8 न्यू देखकै शमौन पतरस यीशु कै पायां म्ह पड़ग्या,
अर बोल्या, "हे प्रभु, मेरै धोरै तै जा, क्यूँके मै पापी माणस सूं!" 9 क्यूँके इतनी
मच्छियां कै पकड़े जाण तै उसनै अर उसके ढब्बीयां नै घणा अचम्भा होया,

10 अर उस्से तरियां जबूदी के बेट्टे याकूब अर युहन्ना नै भी, जो शमौन के
याड़ी थे, अचम्भा होया| फेर यीशु नै शमौन तै कह्या, “मतना डरो; इब तै तू
माणसां नै जिन्दा पकड़या करैगा|” 11 अर वे किस्तियां नै कंठारै पै लीयाए
अर सारा कीमे छोड़कै उसकै पाच्छै हो लिए|

कोढ़ तै रोगी ताहीं चंगा करणा

12 जिब्ब ओ किसे नगर म्ह था, तो उड़ै कोढ़ तै भरया होया एक माणस
आया; अर उसनै यीशु पै लखाकै अर मुद्दा पड़कै बिनती करी, “हे प्रभु, जै तू
चाहवै तो मन्नै शुद्ध करै सकै सै|” 13 उसनै हाथ बढ़ाकै उसताहीं छुया अर
बोल्या, “मै चाहूँ सूं, तू शुद्ध होज्या|” अर उसका कोढ़ जिब्बे जांदा रह्या|
14 फेर उसनै उसताहीं सोद्दी दुवाकै कहया, “किस्से तै ना कहिए, पर जाकै
खुद नै याजक ताहीं दिखा, अर आपणै शुद्ध होण कै बारै म्ह जो कीमे मूसा नै
चढ़ावा ठहराया सै उसनै चढ़ा, के उन पै गवाही हो|” 15 पर उसका जिक्रा
और भी फैल्दा गया, अर भीड़ की भीड़ उसकी सुनण कै खातर अर आपणी
बीमारियाँ तै चंगा होण कै खातर कट्ठी होई| 16 पर ओ बण म्ह न्यारा जाकै
प्रार्थना करया करै था|

लकवे के रोगी ताहीं चंगा करणा

17 एक दिन इसा होया के ओ उपदेश देण लागरया था, अर फरीसी अर
व्यस्थापक उड़ै बैट्ठे होए थे जो गलील अर यहूदिया कै हरेक गाम तै अर
यरूशलेम तै आए थे, अर चंगा करण खातर प्रभु की सामर्थ उसकै गेल्या
थी| 18 उस बख्त कई माणस एक माणस नै जो लकवै का बीमार अर झोळै
का मारया होड़ था, खाट पै ल्याए, अर वे उसनै भीत्तर ले जाण अर यीशु कै
स्याम्ही धरण का जुगाड़ टोहण लागरे थे| 19 पर जिब्ब भीड़ कै बाबत उसनै
भीत्तर कोनी ले जा सके तो उन्नै छात पै चढ़ कै अर खरपैल हटाकै,
उसताहीं खाट सुदा बिच्चाळै यीशु कै स्याम्ही उतार दिया| 20 उसनै उनका
बिश्वास देखकै उसतै बोल्या, “हे माणस, तेरे पाप माफ़ होए|” 21 फेर शास्त्री
अर फरीसी बहस करण लाग्गे, “यो कौण सै जो पणमेशर की बुराई करै सै?
पणमेशर नै छोड़ और कौण पापां नै माफ़ कर सकै सै?” 22 यीशु नै उनकै मन
की बात जाणकै, उनतै कह्या, “थम आपणे मन म्ह के बहस करदे सो?
23 सोक्खा के सै? के यो कहणा के 'तेरे पाप बख्स दिए ,'या यो कहणा के
'उठ अर हाँड-फिर'? 24 पर इसकरकै के थम जाणो के माणस कै बेट्टे नै
धरती पै पाप बख्सण का भी हक्क सै|” --- उसनै उस लकवै के बीमार तै
कह्या, “मै तेरैतै कहूँ सूं के आपणी खाट ठा अर आपणे घरा चल्या जा|”
25 ओ जिब्बे उनकै स्याम्ही उठ्या, अर जिस पै पड़या था उसनै ठाकै,
पणमेशर की बड़ाई करदा होया आपणे घरा चल्या गया| 26 फेर सारे हैरान
होये अर पणमेशर की बड़ाई करण लाग्गे अर घणे डरकै बोल्ले, “आज हमनै
अनोक्खी बात देक्खीं सैं|”

लेवी का बुलाया जाणा

27 इसकै बाद ओ बाहरण गया अर लेवी नामका एक चुंगी लेणआळे ताहीं
पीढ़ी पै बैट्ठे देख्या, अर उसतै बोल्या, “मेरै पाच्छै हो ले|” 28 फेर ओ सारा
कीमे छोड़कै उठ्या अर उसकै पाच्छै हो लिया|” 29 फेर लेवी नै आपणे घरा
उसकै खातर बड्डा ज़िम्मण का न्योंदा दिया; अर चुंगी लेणआळे अर दुसरे
माणसां की जो उसकै गेल्या खाणा खाण नै बैट्ठे थे, एक बड्डी भीड़ थी|”
30 इस पै फरीसी अर उनके शास्त्री उसके चेल्यां तै न्यू कहकै बीरड़ाण लाग्गे,
“थम चुंगी लेणआळे अर पापियाँ कै गेल्या क्यातै खाओ-पीओ सो?” 31 यीशु
नै उनतै जबाब दिया, “बैद ठीक-ठाक खातर कोनी, पर बीमारां कै खातर
जरूरी सै| 32 मै धर्मियां नै नीं, पर पापियाँ नै मन फिराण कै खातर बुलाण
आया सूं|” 33 उन्नै उसतै कह्या, “युहन्ना के चेल्ले तो बराबर ब्रत अर प्रार्थना
करया करै सै अर उस्से तरियां फरिसियाँ के चेल्ले भी, पर तेरे चेल्ले तो खावै-
पीवै सै|” 34 यीशु नै उनतै कह्या, “के थम बराितया तै, जिब्बताहीं बनड़ा
उनकै गेल्या रहवै, ब्रत करा सको सो?

उपवास का प्रश्न

35 पर वे दिन आवैगें, जिनम्ह बनड़ा न्यारा करया जावैगा, फेर वे उन दिनां
म्ह ब्रत करैगें|” 36 उसनै एक और उदाहरण भी उनतै कह्या, “कोए माणस
नये लत्ते म्ह तै पाड़कै पुरानै लत्ते पै टांकी कोनी लांदा, नीं तो नया पाट
ज्यागा अर वा टांकी पुरानै पै मेळ भी नीं खावैगी| 37 अर कोए नया दाखरस
पूराणी मशकां म्ह कोनी भरदा, नीं तो नया दाखरस मशकां नै पाड़कै बह
ज्यागा, अर मशक भी नास हो जावैगी| 38 पर नया दाखरस नई मशकां म्ह
भरणा चाहिए| 39 कोए माणस पुराणा दाखरस पीकै नया कोनी चाह्न्दा
क्यूँकै ओ कहवै सै, के पुराणा-ए बढ़िया सै|”

सब्त का प्रभु

6 फेर सब्त कै दिन ओ खेत्तां म्ह तै होकै जाण लागरया था, अर उसके
चेल्ले बालें तोड़-तोड़कै अर हाथां तै मसळ-मसळ कै खाण लागरे थे|
2 फेर फरिसियां म्ह तै कीमे कहण लाग्गे, “थम यो काम क्यातै करो सो जो
सब्त कै दिन करणा सई कोनी?” 3 यीशु नै उनतै जबाब दिया, "के थमनै न्यू
नीं पढ़या के दाऊद नै, जिब्ब ओ अर उसके ढब्बी भूक्खे थे तो के करया?”
4 ओ किसतरियां पणमेशर कै घर म्ह गया, अर भेंट की रोट्टीयाँ खाई, जिन्नै
खाना याजकां नै छोड़ और किस्से खातर सई कोनी, अर आपणे ढब्बीयां तै
भी दी?” 5 अर उसनै उनतै कह्या, “माणस का बेट्टा सब्त कै दिन का भी प्रभु
सै|”

सुक्खे हाथ आळे रोगी ताहीं चंगा करणा

6 इसा होया के किसे और सब्त कै दिन ओ आराधनालय म्ह जाकै उपदेश
देण लाग्या; अर उड़ै एक माणस था जिसका सोळा हाथ सूख रया था|
7 शास्त्री अर फरीसी उसपै दोष लाण के मौक्के की टाह म्ह थे के देक्खै ओ
सब्त कै दिन चंगा करै सै के नीं|” 8 पर ओ उनकी सोच जाणै था, इसकरकै
उसनै सूंक्खे हाथ आळे माणस कह्या, “उठ, बिच्चाळै खड़या होज्या|” ओ
उठ खड़या होया| 9 यीशु नै उनतै कह्या, “मै थारै तै बुझ्झू सूं के सब्त कै
दिन के सई सै, भला करणा या भुण्डा करणा; जीव नै बचाणा या नास
करणा?” 10 फेर उसनै चोगरदेनै उन सारया कान्नी देखकै उस माणस तै
बोल्या, “आपणा हाथ बढ़ा|” उसनै न्युए करया, अर उसका हाथ दुबारा चंगा
होग्या| 11 पर वे आप्पै तै बाहर होकै आपस म्ह बहस करण लाग्गे कै हम
यीशु कै गेल के करां?

बारह प्रेरीतां की नियुक्ति

12 उन दिनां म्ह ओ पहाड़ पै प्रार्थना करण लागग्या, अर पणमेशर तै
प्रार्थना करण म्ह सारी रात बिताई| 13 जिब्ब दिन लिकड़या तो उसनै
आपणे चेल्यां ताहीं बुलाकै उनम्ह तै बारहा छांट लिए, अर उनताहीं प्रेरित
कह्या, 14 अर वे ये सै : शमौन जिसका नाम उसनै पतरस भी धरया, अर
उसका भाई अन्द्रियास, अर याकूब, अर युहन्ना, अर फिलिप्पुस, अर
बरतुल्मै, 15 अर मत्ति, अर थोमा, अर हलफई का बेट्टा याकूब, अर शमौन जो
जेलोतेस कुह्लावै सै, 16 अर याकूब का बेट्टा यहूदा, अर यहूदा इस्करियोती
जो उसका पकड़वाणआळा बणया|

शिक्षा देणा अर चंगा करणा

17 फेर ओ उनकै गेल्या उतरकै चौरस जंगहा म्ह खड़या होया, अर उसके
चेल्यां की बड्डी भीड़, अर सारे यहूदिया, यरूशलेम, अर सूर अर सैदा के
समुन्दर कै कंठारै तै घणे माणस, 18 जो उसकी सूंणने अर आपणी बीमारियाँ
तै चंगे होण खातर उसकै धोरै आए थे, उड़ै थे| अर भूंडी औपरी आत्मां तै
सताए होए भी ठीक करे जावै थे| 19 सारे उसनै छूणा चाहवै थे, क्यूँकै
उसम्ह तै सामर्थ लिकड़कै सारया नै चंगा करै थी|

आशीष अर शोक बचन

20 फेर उसनै आपणे चेल्यां कान्नी लखाकै कह्या, “धन्य सो थम जो दीन
सो, क्यूँके पणमेशर का राज्य थारा सै| 21 “धन्य सो थम जो इब भूक्खे सो,
क्यूँके छिकाए जाओगे| “धन्य सो थम जो इब रोओ सो, क्यूँके हांसोगे|
22 धन्य सो थम जिब्ब माणस कै बेट्टे कै बाबत माणस थारै तै बैर करैगें, अर
थमनै लिकाड़ देवैगें, अर थारी बुराई करैगें, अर थारा नाम भुण्डा जाणकै
काट देवैगें| 23 “उस दिन आनन्द करकै कूदीयो, क्यूँके लखाओ, थारे खातर
सुर्ग म्ह बड्डा प्रतिफळ सै; उनके बाप-दादे नब्बीयाँ कै गेल्या भी इसाए करया
करैं थे| 24 “पर हाय थारै पै जो साहूकार सो, क्यूँके थमनै आपणी शान्ति
मिलगी| 25 “हाय थारैपै जो छिकरे सो, क्यूँके भूक्खे होओगे| “हाय थारै पै
जो इब हाँसो सो, क्यूँके मात्तम करोगे अर रोओगे| 26 “हाय थारै पै जिब्ब
सारे माणस थारैताहीं आच्छा कहवै, क्यूँके उनके बाप-दादे झूठे नब्बियाँ कै
गेल्या भी इसाए करै थे|

बेरियाँ तै प्रेम

27 “पर मै थम सूंणने आळयां तै कहूँ सूं के आपणे बैरियां तै प्रेम राक्खो;
जो थारै तै बैर करै, उनका भला करो| 28 जो थमनै सराप देवै, उन्नै आशीष
दो; जो थारी बेइज़्ज़ती करै, उनकै खातर प्रार्थना करो| 29 जो तेरै एक गाल पै
रैप्ट मारै उसकी ओड़ दूसरा भी फेर द्यो; अर जो तेरी धोती खोस ले, उसनै
कुरता लेण तै भी मना मत करो| 30 जो कोए तेरैतै माँगै, उसनै दे; अर जो
तेरी चीज खोस ले, उसतै माँगै ना| 31 जिसा थम चाहो सो के माणस थारे
गेल्या करै, थम भी उनकै गेल्या उस्साए करो|” 32 “जै थम आपणे प्रेम
राखण आळयां प्रेम राक्खो, तो थारी के बड़ाई? क्यूँके पापी भी आपणे प्रेम
राखण आळयां कै गेल्या प्रेम राक्खै सै| 33 जै थम आपणे भलाई
करणआळयां ए गेल्या भलाई करो सो, तो थारी के बड़ाई? क्यूँके पापी भी
इसाए करै सै| 34 जै थम उन्नै उधार द्यो सो जिनतै दूबारै मिलण की आस
राक्खो सो तो थारी के बड़ाई? क्यूँके पापी पापियाँ नै उधार देवै सै के
उतनाए दूबारै पावै| 35 बल्के आपणे बैरी तै प्रेम राक्खो, अर भलाई करो,
अर दूबारै मिलण की उम्मींद राख कै उधार ना द्यो; अर थारे खातर बड्डा
फळ होवैगा, अर थम परमप्रधान की ऊलाद बणोगे, क्यूँके ओ उनपै जो
धन्यवाद कोनी करदे अर भुण्डयां पै भी दया करै सै| 36 जिसा थारा बाप
दयालु सै, उस्से ए ढाळ थम भी दयालु बणो|

दोष ना लाओ

37 “खोट ना काड्डो, तो थारै म्ह भी कोए खोट कोनी काड्या जावैगा| दोषी
ना ठहराओ, तो थमनै भी कोए दोषी कोनी ठहरावैगा| बख्सो, तो थम भी
बख्से जाओगे| 38 दिया करो तो थारै ताहीं भी दिया जावैगा| माणस पूरा
नाप दबा दबाकै अर हला-हलाकै अर उभरदा होया थारी गोद्दी म्ह घाल्लैगें,
क्यूँके जिस नाप तै थम नाप्पो सो, उस्से तै थारै खातर भी नाप्या जावैगा|”
39 फेर उसनै उनतै एक उदाहरण कह्या, “के आन्धा, आंधे नै राह बता सकै
सै? के दोन्नु खड्डै म्ह कोनी गिरैगें? 40 चेल्ला आपणे गुरु तै बड्डा नीं, पर जो
कोए सिद्ध होगा, ओ आपणे गुरु की ढाळ होगा| 41 तू आपणे भाई की आँख
कै तिनके नै क्यातै देखै सै, अर आपणी ए आँख का लट्ठा तन्नै कोनी सूंझदा?
42 जिब्ब तू आपणी ए आँख का लट्ठा कोनी देख्दा; तो आपणे भाई तै किस
तरियां कह सकै सै, ‘हे भाई; ठहर ज्या तेरी आँख म्ह तै तिनका काड द्यु’ ? हे
कपटी, पह्ल्या आपणी आँख का लट्ठा तो काड, फेर जो तिनका तेरै भाई की
आँख म्ह सै, उसनै सई तरियां तै देख कै काड सकैगा|

जिसा दरख्त उसा फळ

43 “कोए आच्छा दरख्त कोनी जो बेकार फळ ल्यावै, अर ना तो कोए
बेकार दरख्त सै जो आच्छा फळ ल्यावै| 44 हरेक दरख्त आपणे फळ तै
पिच्छाणा जावै सै; क्यूँके माणस झाड़ियाँ तै अंजीर कोनी तोड़दे अर ना
झड़बेरी तै अंगूर| 45 भला माणस आपणे मन के भले भण्डार तै भली बात
लिकाड़ै सै, अर भुण्डा माणस आपणे मन के भुण्डे भण्डार तै भुण्डी बात
लिकाड़ै सै; क्यूँके जो मन म्ह भरया सै ओए उसकै मुँह पै आवै सै|

घर बनाण आळे दो माणस

46 “जिब्ब थम मेरा कहणा नीं मान्दे तो क्यातै मन्नै ‘हे प्रभु, हे प्रभु’ कहो
सो? 47 जो कोए मेरै धोरै आवै सै अर मेरी बात्तां नै सुणकै उन्नै मान्नै सै, मै
थम नै बताऊँ सूं के ओ किसकी तरियां सै : 48 ओ उस माणस की ढाळ सै,
जिसनै घर बणादे टैम धरती डून्घी खोदकै चट्टान पर नींव बणाई, अर जिब्ब
बाढ़ आई तो धारा उस घर पै लाग्गी पर उसनै हल्ला नीं सकी; क्यूँके ओ पक्का
बणरा था| 49 पर जो सुणकै कोनी मान्दा ओ उस माणस की ढाळ सै ,
जिसनै माट्टी पै बिना नींव घर बणाया, जिब्ब उस पै धारा लाग्गी तो ओ जिब्बे
पड़ग्या अर पड़कै उसका सत्यानास होग्या|”

एक सूबेदार का बिश्वास

7 जिब्ब उसनै माणसां तै ये सारी बात कह दी, तो कफरनहूम म्ह
आया| 2 उड़ै किसे सूबेदार का एक नौकर जो उसका प्यारा था,
बीमारी तै मरण नै था| 3 उसनै यीशु का जिक्रा सुण कै यहूदियां के कई
पुरनियां ताहीं उसतै या बिनती करण नै उसकै धोरै खन्दाया के आकै मेरै
नौकर नै चंगा करै| 4 वे यीशु कै धोरै आए, अर उसतै घणी बिनती करकै
कहण लाग्गे, "ओ इस जोग्गा सै के तू उसकै खातर न्यू करै, 5 क्यूँके ओ
म्हारी जात तै प्रेम राखै सै, अर उस्से नै म्हारे आराधनालय ताहीं बणवाया
सै|” 6 ज्यांतै यीशु उनकै गेल्या गया, पर जिब्ब ओ घर तै माड़ी-सी दूर था,
तो सूबेदार नै उसके धोरै कई ढबीयां तै न्यू कुहवा भेज्या, "हे प्रभु, काल ना
होवै, क्यूँके मै इस जोग्गा कोनी के तू मेरी छात तळै आवै| 7 इसे करकै मन्नै
खुद ताहीं इस जोग्गा भी कोनी समझया के तेरै धोरै आऊँ, पर बचन बोल दे,
तो मेरा नौकर चंगा होज्या गा| 8 मै भी दुसरयां कै आधीन माणस सूं, अर
सिपाहीं मेरै हाथ म्ह सै; अर जिब्ब एक नै कहूँ सूं, ‘जा,’ तो ओ जावै सै; अर
आपणे किसे नौकर ताहीं के , ‘न्यू कर,’ तो ओ उसनै करै सै|” 9 न्यू सुण कै
यीशु नै हैरानी होई अर उसनै मुँह फेरकै उस भीड़ तै जो उसकै गेल्या आवै
थी, कह्या, “मै थमनै कहूँ सूं के मन्नै इस्राएल म्ह भी इसा बिश्वास कोनी
मिल्या|” 10 अर खन्दाये होये माणसां नै घरा बोहड़कै उस नौकर ताहीं चंगा
पाया|

बिधवा के बेट्टे ताहीं जीवन-दान

11 माड़े-से दिनां पाच्छै ओ नाईन नाम के एक नगर म्ह गया| अर उसके
चेल्ले अर बड्डी भीड़ उसकै गेल्या जाण लागरी थी| 12 जिब्ब ओ नगर कै
फाटक कै धोरै पहोच्या, तो लखाओ, माणस एक मुरदे नै बाहरण ले कै जावै
थे; जो आपणी माँ का एक्का बेट्टा था, अर वा बिधवा थी; अर नगर के घणखरे
माणस उसकै गेल्या थे| 13 उसनै देखकै प्रभु नै तरस आया, अर उसतै
कह्या, “मतना रोवै|” 14 फेर उसनै धोरै आकै अर्थी ताहीं छुया, अर ठाण
आळे थमगे| फेर उसनै कह्या, “हे गाबरू, मै तन्नै कहूँ सूं, उठ!” 15 फेर ओ
मुर्दा उठ बैठ्या, बोल्लण लाग्या| उसनै उसताहीं उसकी माँ तै थमा दिया|
16 इसतै सारे डरगे, अर वे पणमेशर की बड़ाई करकै कहण लाग्गे, "म्हारे
बिच्चाळै एक बड्डा नब्बी उठया सै, अर पणमेशर नै आपणे माणसां पै दया की
निंगाह फेरी सै|” 17 अर उसकै बारै म्ह या बात सारे यहूदिया अर ओरै-धोरै
के सारे देशां म्ह फैलगी|

युहन्ना बपतिस्मा देणआळे का प्रश्न

18 यूहन्ना ताहीं उसके चेल्यां नै इन बात्तां की खबर दी| 19 फेर यूहन्ना नै
आपणे चेल्यां म्ह तै दोवा ताहीं बुलाकै प्रभु कै धोरै न्यू बुझ्झण खातर
खन्दाया, “के आणआळा तूए सै, या हम किसे और की बाट देक्खां?” 20 उन्नै
उसकै धोरै आकै कह्या, “यूहन्ना बपतिस्मा देणआळे नै म्हारैताहीं तेरै धोरै न्यू
बुझ्झण नै खन्दाया सै के आणआळा तूए सै, या किसे दुसरे की बाट
देक्खां?” 21 उस्से बख्त उसनै घणाए ताहीं बीमारियाँ, अर कांल्ली, अर भूंडी
औपरी आत्मां तै छुटाया; अर घणाए की आँख खोल दीं; 22 अर उसनै उनतै

कह्या, “जो कीमे थमनै देख्या अर सुणया सै, जाकै यूहन्ना तै कह द्यो; के
आंधे देक्खैं सैं, लंगड़े चालैं-फिरैं सैं, कोढ़ी शुद्ध करे जावैं सैं, बहरे सुणैं सैं,
मुरदे जिन्दे करे जावैं सैं, अर कन्गालां ताहीं खुश-खबरी सुणयांई जावै सै|
23 धन्य सैं वे जो मेरै बाबत ठोकर नीं खांदें|” 24 जिब्ब यूहन्ना के खन्दाये
होड़ माणस चले गये तो यीशु यूहन्ना कै बारै म्ह माणसां तै कहण लागग्या,
“थम बण म्ह के देखण गये थे? के बाळ म्ह हाल्दे होये सरकंडे नै? 25 तो फेर
थम बण म्ह के देखण गये थे? के कोमल लत्ते पहरे होये माणस नै? लखाओ,
जो चमकदे लत्ते पहरै अर अश-आराम म्ह रहवै सै, वे राजघरां म्ह रहवैं सैं|
26 तो फेर थम बण म्ह के देखण गये थे? के किसे नब्बी नै? हम्बै, मै थमनै
कहूँ सूं, बल्के नब्बी तै भी बड्डे नै| 27 यों ओए सै, जिसकै बारै म्ह लिख्या सै
: ‘लखा, मै आपणे दूत नै तेरै आगै-आगै खन्दाऊँ सूं, जो तेरै आगै तेरी राही
सीधी करैगा|’ 28 मै थारैतै कहूँ सूं के जो लुगाई तै जण्या सै, उनम्ह तै यूहन्ना
तै बड्डा कोए कोनी : पर जो पणमेशर कै राज्य म्ह छोटै तै छोट्टा सै, ओ उसतै
भी बड्डा सै|” 29 अर सारे सीधे माणसां नै सुणकै अर चुंगी लेणआळे नै भी
यूहन्ना का बपतिस्मा लेकै पणमेशर ताहीं साच्चा मान लिया सै| 30 पर
फरिसियाँ अर व्यस्थापकां नै उसतै बपतिस्मा कोनी लेकै पणमेशर कै मनसां
ताहीं आपणे बारै म्ह टाळ दिया|” 31 आखर मै इस युग कै माणसां की
बराबरी किसतै करूं के वे किसकै बरगे सैं? 32 वे उन बाळकां कै बरगे सैं जो
बजार म्ह बैट्ठे होये एक दुसरै तै रुक्के मारकै कहवैं सैं, ‘हमनै थारै खातर
बाँसली बजाई, अर थम कोनी नाचे; हमनै बिलाप करया, अर थम कोनी
रोए!’ 33 क्यूँके यूहन्ना बपतिस्मा देणआळा ना रोट्टी खांदा आया, ना दाखरस
पिन्दा आया, अर थम कहो सो, ‘उसम्ह भूंडी औपरी आत्मा सै|” 34 माणस
का बेट्टा खान्दा-पिन्दा आया सै, अर थम कहो सो, 'लखाओ, पेट्टू अर
पियक्कड़ माणस, चुंगी लेणिये का अर पापियाँ का ढब्बी|’ 35 पर ज्ञान आपणी
सारी ऊलादा तै साच्चा ठहराया गया सै|"

फरीसी कै घरा पापण लुगाई ताहीं माफ़ी

36 फेर किसे फरीसी नै उसतै बिनती करी के ओ उसकै गेल्या खाणा
खावै, आखर ओ उस फरीसी कै घरा जाकै खाणा खाण बैठ्या| 37 उस नगर
की एक पापण लुगाई न्यू जाणकै के यीशु फरीसी कै घर म्ह खाणा खाण
बैठ्या सै, संगमरमर कै बासण म्ह शैंट ल्याई, 38 अर उसकै पायां कै धोरै,
पाच्छै खड़ी होकै, रोंदी होई उसकै पायां नै आंसूंआ तै भेण लाग्गी अर
आपणे सिर कै बाळां तै पुन्जण लाग्गी, अर उसके पायां नै बार-बार चूमकै
उन पै शैंट मळ्या| 39 न्यू देखकै ओ फरीसी जिसनै उसताहीं बुलाया था,
आपणे मन म्ह सोच्चण लागग्या, “जै यों नब्बी होन्दा तो जाण जांदा के या जो
उसनै छूण लागरी सै, वा कौण अर कीसी लुगाई सै, क्यूँके वा तो पापण सै|”
40 यीशु नै उसतै जबाब दिया, “हे शमौन, मन्नै तेरै तै कीमे कहणा सै|” ओ
बोल्या, “हे गुरु, कह|” 41 किसे साहूकार के दो देणदार थे, एक पांच सौ अर
दूसरा पचास दिनार का देणदार था| 42 जिब्ब उनकै धोरै चूकाण नै कीमे नीं
रह्या तो उसनै दोनुआ ताहीं माफ़ कर दिया| इसकरकै उनम्ह तै कौण उसतै
घणा प्रेम राखैगा?” 43 शमौन नै जबाब दिया, “मेरी समझ म्ह ओ, जिसका
घणा कर्जा माफ़ होया|” यीशु नै उसतै कह्या, “तन्नै सई कह्या सै|” 44 अर
उस लुगाई कान्नी पलटकै उसनै शमौन तै कह्या, “के तू इस लुगाई नै देखै
सै? मै तेरै घरा आया पर तन्नै मेरे पैर धौण नै पाणी कोनी दिया, पर इसनै मेरे
पैर आंसूआं तै भेये अर आपने बाळां तै पूंजे| 45 तन्नै मेरैताहीं चूम्या नीं, पर
जिब्ब तै मै आया सूं जिब्बे तै इसनै मेरे पायां ताहीं चूमणा नीं छोड्या|
46 तन्नै मेरे सिर पै तेल कोनी मळ्या, पर इसनै मेरे पायां पै शैंट मळ्या सै|
47 इसकरकै मै तन्नै कहूँ सूं के इसके पाप जो घणे थे, माफ होये, क्यूँके इसनै
घणा प्रेम करया; पर जिसका घाट माफ होया सै, ओ घाट प्रेम करै था|”
48 अर उसनै लुगाई तै कह्या, “तेरे पाप माफ़ होए|” 49 फेर जो माणस उसकै
गेल्या खाणा खाण नै बैट्ठे थे, वे आपणे-आपणे मन म्ह सोच्चण लाग्गे, “यों
कौण सै जो पाप नै भी माफ करै सै?” 50 पर उसनै उस लुगाई ताहीं कह्या,
“तेरै बिश्वास नै तेरै ताहीं बचा लिया, राज़ी-ख़ुशी चली जा|”

यीशु की शिक्षां

8 इसकै बाद ओ नगर-नगर अर गाम-गाम प्रचार करदा होया, अर
पणमेशर कै राज्य की सुसमाचार सुणान्दा होया हांडण लाग्या, अर वे
बारहा उसकै गेल्या थे, 2 अर कीमे लुगाई भी थी जो भूंडी औपरी आत्मायाँ
तै अर बीमारियाँ तै छुटाई गई थीं, अर वे ये सै : मरियम जो मगदलीनी
कुह्लावै थी, जिसम्ह तै सात भूंडी औपरी आत्मा लिकड़ी थीं, 3 अर हेरोदेस
के भण्डारी खोजा की बीरबान्नी योअन्ना, अर सूंसन्नाह, अर घणखरी दूसरी
लुगाई| ये आपणे धन तै उसकी सेवा-बाड़ी करै थीं|

बीज बोण आळे का उदाहरण

4 जिब्ब बड्डी भीड़ कट्ठी होई अर नगर-नगर के माणस उसकै धोरै चालकै
आवै थे, तो उसनै उदाहरण म्ह कह्या 5 “एक बोण आळा बीज बोण
लिकड़या| बोंदे होये कीमे बीज राही कै कंठारै पड़या, अर रोंद्या गया, अर
अकास के पन्छियां नै उसताहीं चुग लिया| 6 कीमे बीज चट्टान पै पड़या, अर
जाम्या, पर आल ना मिलण कै कारण सूखग्या| 7 कीमे झाड़ियाँ कै बिच्चाळै
पड़या, अर झाड़ियाँ नै गेलै-गेलै सरककै उसताहीं दबा दिया| 8 कीमे बढ़िया
धरती पै पड़या, अर उगकै सौ गुणा फळ ल्याया|” न्यू कहकै उसनै ठाड्ढू
बोल तै कह्या, “जिसके सुणन के कान हो ओ सुण ले|”

उदाहरणां का मकसद

9 उसके चेल्यां नै उसतै बुझ्झया के इस उदाहरण का के मतलब सै?
10 उसनै कह्या, “थारै ताहीं पणमेशर कै राज्य के भेद्दां की समझ दे राक्खी
सै, पर औरां नै उदाहरणां म्ह सुणयांया जावै सै, इसकरकै के ‘वे देखदे होए
भी कोनी देखै, अर सुणदे होए भी कोनी समझैं |”

बीज बोण आळे उदाहरण का मतलब

11 उदाहरण का मतलब यों सै : बीज पणमेशर का बचन सै 12 राही कै
कंठारै के वे सै, जिन्नै सुणयां; फेर शैतान आकै उनकै मन म्ह तै बचन ठा ले
जावै सै के कदे इसा ना हो के वे बिश्वास करकै उद्धार पावै| 13 चट्टान पै के वे
सैं के जिब्ब सुणैं सैं, तो राज़ी होकै बचन नै अपणावैं सैं, पर जड़ कोनी
पकड़दे वे माड़ी वार ताहीं बिश्वास राक्खैं सैं अर हिम्तान कै बख्त बहक जावैं
सैं| 14 जो झाड़ियाँ म्ह पड़या, यों वे सैं जो सुणैं सैं, पर आगै जाकै चिन्ता,
अर धन, अर जिन्दगी के ऐश-आराम म्ह फँस जावैं सैं अर उनका फळ कोनी
पकदा| 15 पर बढ़िया धरती के वे सैं, जो बचन सुणकै भले अर आच्छे मन तै
साम्मे राखैं सैं, अर धीरज तै फळ ल्यावै सैं|

दीवै का उदाहरण

16 “कोए दिवा बाळ कै बास्सण तै कोनी ढकदा, अर ना खाट तळै धरै सै,
पर दीवट पै धरै सै के भीत्तर आणआळे चाँदणा पावै| 17 कीमे लुहक्या
कोनी जों दिखाया कोनी जावे, अर ना कीमे लहको सै जो जाणी नीं जावै अर
दिख्दी ना हो| 18 ज्यांतै चौकस रहो के थम किस तरियां सुणो सो? क्यूँके
जिसकै धोरै सै उसतै दिया जावैगा, अर जिसकै धोरै नीं सै उसतै ओ भी ले
लिया जावैगा, जिसनै ओ आपणा समझै सै|”

यीशु के माँ अर भाई

19 उसकी माँ अर उसके भाई उसकै धोरै आए, पर भीड़ कै बाबत उसतै
फेट नीं सके 20 उसतै कह्या गया, “तेरी माँ अर तेरे भाई बाहरण खड़े होए,
तेरै तै फेटणा चाहवैं सैं|” 21 उसनै इसकै जबाब म्ह उनतै कह्या, “मेरी माँ
अर मेरे भाई यए सैं, जो पणमेशर का बचन सुणै अर मान्नैं सैं|”

आँधी ताहीं शान्त करणा

22 फेर एक दिन ओ अर उसके चेल्ले किस्ती पै चढ़े, अर उसनै उनतै कह्या,
“आओ, झील कै परली ओड़ चाल्ला|” आखर उन्नै किस्ती खोल दी| 23 पर

जिब्ब किस्ती चालरी थी, तो ओ सोग्या : अर झील पै आंधी आ गी, अर किस्ती पाणी तै भरण लाग गी अर वे खतरै म्ह थे| 24 फेर उन्नै धोरै आकै उसताहीं जगाया, अर कह्या, “हे मालिक! हे मालिक! म्हारा नास होण नै होरया सै|” फेर उसनै उठकै आँधी ताहीं अर पाणी की झालां ताहीं धमकाया अर वे थम्गे अर शान्ति होई| 25 फेर उसनै उनतै कह्या, “थारा बिश्वास कित था?” पर वे डरगे अर हैरान होकै आपस म्ह कहण लाग्गे, “यो कौण सै जो आँधी अर पाणी नै भी हुक्म देवै सै, अर वे उसकी मान्नें सैं?”

एक माणस ताहीं चंगा करणा जिस म्ह भूंडी औपरी आत्मा थी

26 फेर वे गिरासेनियां कै देश म्ह पहोच्चे, जो उस पार गलील कै स्याम्ही सै| 27 जिब्ब ओ कंठारै पै उतरया तो उस नगर का एक माणस उसतै फेट्या जिसम्ह भूंडी औपरी आत्मां थीं| ओ घणे दिनां तै उघाड़ा था अर ना घरा रहवै था बल्के चांणीयां (कब्रिस्तान) म्ह रहवै था| 28 ओ यीशु नै देखकै किल्की मारण लाग्या अर उसकै स्याम्ही पड़कै ठाड्डू बोल तै कह्या, “हे परम प्रधान पणमेशर के बेट्टे यीशु! मन्नै तेरैतै के काम? मै तेरैतै बिनती करूं सूं, मन्नै कांल ना करै|” 29 क्यूँकै ओ उस भूंडी औपरी आत्मा ताहीं उस माणस म्ह तै लिकड़ण का हुक्म देवै था, इसकरकै के ओ उस पै बार-बार हावी होवै थी| ऊतो माणस उसनै साँकळां अर बेलां तै जुड़ै थे फेरभी ओ बंधना नै तोड़ देवै था, अर भूंडी औपरी आत्मा उसनै बण म्ह भजाए फिरै थी| 30 यीशु नै उसतै बुझ्झया, “तेरा के नाम सै? उसनै कह्या, “फ़ौज,” क्यूँकै घणी औपरी आत्मां उसम्ह रहवैं थीं| 31 उन्नै उसतै बिनती करी के हमनै अथाह खड्डै म्ह जाण का हुक्म ना देवै| 32 उड़ै पहाड़ पै सूंअरां का एक बड्डा टोळ चरै था, इसकरकै उन्नै उसतै बिनती करी के हमनै उनम्ह पैठने दे| उसनै उनताहीं जाण दिया| 33 फेर भूंडी औपरी आत्मां उस माणस म्ह तै लिकड़ कै सूंअरां म्ह जा पड़ी अर ओ टोळ कड़ाड़े पै तै झपटकै झील म्ह जा पड़या अर डूब मरया| 34 पाळीं यों जो होया था देखकै भाज्ञे, अर नगर म्ह अर गाम्मां म्ह जाकै उसकी खबर दी| 35 माणसां जो होया था उसनै देखण नै लिकड़े, अर यीशु कै धोरै आकै जिस माणस तै भूंडी औपरी आत्मां लिकड़ी थी, उसनै यीशु के पायां कै धोरै लत्ते पहरे अर होश म्ह बैट्ठे होये पाकै डरगे; 36 अर देखणआळे नै उनताहीं बताया के ओ भूंडी औपरी आत्मायां का कांल करया होड़ माणस किस तरियां ठीक होया| 37 फेर गिरासेनियां कै ओरै-धोरै के सारे माणसां नै यीशु तै बिनती करी के म्हारै उरै तै चल्या जा; क्यूँकै वे घणे डरगे थे| आखर म्ह ओ किस्ती पै चढ़कै बोहड़ आया| 38 जिस माणस म्ह भूंडी औपरी आत्मां लिकड़ी थीं ओ उसतै बिनती करण लागग्या के मन्नै आपणे गेल्या रहण दे, पर यीशु नै उस ताहीं बिदा करकै कह्या, 39 “आपणे घरा बोहड़ जा अर माणसां तै बता के पणमेशर नै तेरै खातर किसे बड्डे-बड्डे काम करे सैं|" ओ जाकै सारे नगर म्ह प्रचार करण लाग्या के यीशु नै मेरै खातर किसे बड्डे-बड्डे काम करे|

याईर की मरी होई बेट्टी अर रोगी लुगाई

40 जिब्ब यीशु बोहड़या तो माणस उसतै राज़ी होकै फेट्टे, क्यूँकै वे सारे उसकी बाट देक्खै थे| 41 इतनै म्ह याईर नामक एक माणस जो आराधनालय का सरदार था, आया अर यीशु कै पायां म्ह पड़कै उसतै बिनती करण लागग्या के मेरै घरा चाल, 42 क्यूँकै उसकी बारहा साल की एकल्ली बेट्टी थी, अर वा मरण नै होरी थी| जिब्ब ओ जावै था, जद माणस उस पै गीरै पड़ै थे| 43 एक लुगाई नै जिसकै बारहा साल तै लहू बहण की बीमारी थी, अर जो आपणी सारी कमाई डाक्टरां कै पाच्छै बरतगी थी, फेरभी किसे कै हाथ तै चंगी कोनी हो सकी थी, 44 पाच्छै तै आकै उसके लत्ते कै पल्ले नै छुया, अर जिब्बे उसका लहू बहणा बन्द होगा| 45 इस पै यीशु नै कह्या, “मेरैताहीं किसनै छुया?” जिब्ब सारे नाट्टण लाग्गे, तो पतरस अर उसके ढब्बीया नै कह्या, “हे मालिक, तन्नै तो भीड़ दबाण लागरी सै अर तेरैपै पड़ण लागरी सै|” 46 पर यीशु नै कह्या, “किसे नै मेरै ताहीं छुआ सै, क्यूँकै मन्नै बेरा पाटग्या के मेरै म्ह तै सामर्थ लिकड़ी सै|” 47 जिब्ब लुगाई नै देख्या के मै लुहक कोनी सकदी, फेर काम्बदी होई आई अर उसकै पायां पै पड़कै सारे माणसां कै स्याम्ही बताया के उसनै किस कारण उस ताहीं छुया, अर किस तरियां जिब्बे चंगी होई| 48 उसनै उसतै कह्या, “बेट्टी, तेरै बिश्वास नै तेर ताहीं चंगा करया सै, राज़ी-राज़ी चली जा|” 49 वा न्यू कहे री थी के किसे नै आराधनालय कै सरदार कै उरै तै आकै कह्या, “तेरी छोरी मर ली सै : गुरु नै कांल ना करै|” 50 यीशु नै न्यू सुण कै उसतै जबाब दिया, “मतना डरै; सिर्फ बिश्वास रख, तो वा बच जावेगी|” 51 घर म्ह आकै उसनै पतरस, यूहन्ना, याकूब, अर छोरी के माँ-बाप नै छोड़ दूसरे किसे नै आपणे गेल्या भीत्तर कोनी आण दिया| 52 सारे उसकै बाबत रोण-पिट्टण लागरे थे, पर उसनै कह्या, “रोओ मतना; वा मरी कोनी पर सोवै सै|” 53 वे न्यू जाण कै के वा मरगी सै उसका मखौल करण लाग्गे| 54 पर उसनै उसका हाथ पकड़या, अर रुक्का मारकै कह्या, “हे छोरी, उठ!” 55 फेर उसका जी बोहड़ आया अर वा जिब्बे उठ बैट्ठी| फेर उसनै हुक्म दिया के उसनै कीमे खाण नै द्यो| 56 उसकै माँ-बाप हैरान होए, पर उसनै उन ताहीं चिताया के यो जो होया सै किसे तै ना कहियो|

बारहां प्रेरितां का खन्दाया जाणा

9 फेर उसनै बारहा ताहीं बुलाकै उन्नै सारी भूंडी औपरी आत्मायां अर बीमारियाँ ताहीं दूर करण की सामर्थ अर हक्क दिया, 2 अर उन्नै पणमेशर कै राज्य का प्रचार करण अर बिमारां ताहीं आच्छा करण खातर खन्दाया| 3 उसनै उनतै कह्या, राह खातर कीमे ना लियो, ना तो लाठी, ना झोळी, ना रोट्टी, ना रपिये अर ना दो-दो कुरते| 4 जिस किसे घर म्ह उतरो, उड़ए रहो, अर उड़ए तै बिदा होइयो| 5 जो कोए थमनै नीं अपणावै, उस नगर तै जांदे होये आपणे पायां की धुळ झाड़ दियो के उन पै गवाही होवै|” 6 आखर म्ह वे लिकड़ कै गाम-गाम सुसमाचार सुणान्दे, अर हरेक माणसां नै चंगा करदे होये हांडदे रहे|

हेरोदेस की उलझन

7 देश के चौथाई राजा हेरोदेस यों सारा सुण कै घबराग्या, क्यूँकै कीमे नै कह्या, के यूहन्ना मरे होया म्ह तै जिन्दा होया सै, 8 अर कुछां नै न्यू कह्या के एलिय्याह दिख्या सै, अर औरां नै न्यू के पुराणे नब्बियाँ म्ह तै कोए जिन्दा होया सै| 9 पर हेरोदेस नै कह्या, “यूहन्ना का तो मन्नै सिर कटवाया, इब यो कौण सै जिसकै बाबत इसी बात सुणु सूं?” अर उसनै उसताहीं देखण की चाहन्ना करी|

पाँच हजार माणसां ताहीं खुवाणा

10 फेर प्रेरितां नै बोहड़कै जो कीमे उन्नै करया था, उसताहीं बता दिया; अर ओ उन्नै न्यारे करकै बैतसैदा नामक नगर म्ह लेग्या| 11 न्यू जाण कै भीड़ उसकै गेल्या हो ली, अर ओ राज़ी होकै उनतै फेट्या, अर उन तै पणमेशर कै राज्य की बात करण लाग्या, अर जो चंगे होणा चाहवै थे उन ताहीं चंगा करया| 12 जिब्ब दिन छिपण लाग्या तो बारहा नै आकै उसतै कह्या, “भीड़ नै जाण दे के चौगरदे के गाम्मां अर बगड़ां म्ह जाकै ठहरै अर खाणै का जुगाड़ करै, क्यूँकै हम उरै बियाबान जंगहा म्ह सां|” 13 उसनै उनतै कह्या, “थमए उन्नै खाण नै द्यो|” उन्नै कह्या, “म्हारै धोरै पाँच रोट्टी अर दो मच्छीयां नै छोड़ कै और कीमे कोनी; पर हम्बै, जै हम जाकै इन सारया खातर खाणा मोल ल्यावां, फेर हो सकै सै|” वे माणस तो पाँच हजार माणसां कै करीबन थे| 14 फेर उसनै आपणे चेल्यां तै कह्या, “उन्नै पचास-पचास करकै लैणपतार बिठा द्यो|” 15 उन्नै न्यूए करया, अर सारया ताहीं बिठा दिया| 16 फेर उसनै वे पाँच रोटियाँ अर दो मच्छियाँ ली, सुर्ग काम्नी लखाकै धन्यवाद करया, अर तोड़-तोड़कै चेल्यां ताहीं देंदा गया के माणसां ताहीं बांडै| 17 फेर सारे खाकै छिकगे, अर चेल्यां नै बचे होड़ टुकड़यां तै बारहां टोकरी भरकै ठाई|

पतरस का यीशु ताहीं 'मसीह' स्वीकार करणा

18 जिब्ब ओ एक्कै म्ह प्रार्थना करै था अर चेल्ले उसकै गेल्या थे, तो उसनै उनतै बुझ्झया, “माणस मन्नै के कहवैं सैं?” 19 उन्नै जबाब दिया, “यूहन्ना बपतिस्मा देवण आळा, अर कोए एलिय्याह, अर कोए यों के पुराणे नब्बियाँ म्ह तै कोए जिन्दा होया सै|” 20 उसनै उनतै बुझ्झया, “पर थम मन्नै के कहो

सो? पतरस नै जबाब दिया, “पणमेशर का मसीह|” 21 फेर उसनै उनतै चिताकै कह्या के न्यू किस्से ना कहियो|

अपणी मौत कै बारै म्ह यीशु की भविष्यवाणी

22 फेर उसनै कह्या, “माणस कै बेट्टे खातर जरूरी सै के ओ घणा दु:ख ठावै, अर पुर्णीए अर प्रधान याजक अर शास्त्री उसनै माड़ा समझ कै मार देवै, अर ओ तीसरै दिन जिन्दा होज्या|”

यीशु कै पाच्छै चाल्लण का मतलब

23 उसनै सारया तै कह्या, जै कोए मेरै गेल्या आणा चाहवै, तो खुद तै नाट्टै अर हरेक दिन आपणा क्रूस ठाए मेरै गेल्या हो ले| 24 क्यूँकै जो कोए आपणी ज्यान बचाणा चाहवैगा ओ उसनै खोवैगा, पर जो कोए मेरी खातर आपणी ज्यान खोवैगा ओए उसनै बचावैगा| 25 जै माणस सारी दुनिया नै पा ले अर आपणी ज्यान खो दे या उसका नुकसान ठावै, तो उसनै के फैयदा? 26 जो कोए मेरैतै अर मेरी बात्तां तै सरमावैगा, माणस का बेट्टा भी, जिब्ब आपणी अर आपणे बाप की अर पवित्र सुर्गदुत्तां की महिमा सुदा आवैगा, तो उसतै सरमावैगा| 27 मै थमनै साच्ची कहूँ सूं, के जो याड़ै खड़े सैं, उनम्ह तै कीमे इसे सैं के जिब्ब ताहीं पणमेशर का राज्य ना देख लेवैं, जद ताहीं मौत का सुआद कोनी चाखैगें|”

यीशु का रूपान्तर

28 इन बात्तां कै कोए आठ दिनां पाच्छै ओ पतरस, यूहन्ना अर याकूब नै गेल्या लेकै प्रार्थना करण खातर पहाड़ पै गया| 29 जिब्ब ओ प्रार्थना करै था, तो उसकै मुँह का रूप बदलग्या, अर उसके लत्ते धोळे होकै चमकण लाग्गे| 30 अर लखाओ, मूसा अर एलिय्याह ये दो माणस उसकै गेल्या बतळावै थे| 31 ये महिमा सुदा दिख्खे अर उसकै मरण का जिक्रा करै थे, जो यरूशलेम म्ह होण आळा था| 32 पतरस अर उसके ढब्बी नींद म्ह होरे थे, अर जिब्ब सई तरियां सोद्दी म्ह आए, तो उसकी महिमा अर उन दो माणसां नै, जो उसकै गेल्या खड़े थे, देख्या| 33 जिब्ब वे उसकै धोरै तै जाण लाग्गे, तो पतरस नै यीशु तै कह्या, "हे मालिक, म्हारा उरै रहणा भला सै : आखर म्ह हम तीन मण्डप बणावां, एक तेरै खातर, एक मूसा खातर, एक एलिय्याह कै खातिर|” उसनै बेरा कोनी था के कह के रह्या सै| 34 ओ न्यू कहवैए था के एक बादळ नै आकै उन पै छाया करी, अर जिब्ब वे उस बादळ तै घिरण लाग्गे तो भय मानगे| 35 फेर उस बादळ म्ह तै यों बचन लिकड़या, “यो मेरा बेट्टा अर मेरा छांटया होया सै, इसकी सुणो|” 36 या आवाज होंदए यीशु एक्का होग्या; अर वे बोल-बाल्ले रहे, अर जो कीमे देख्या था उसकी कोए बात उन दिनां म्ह किस्से तै नीं कही|

एक बाळक ताहीं चंगा करणा जिस म्ह भूंडी औपरी आत्मा थी

37 दुसरै दिन जिब्ब ओ पहाड़ तै उतरया तो एक बड्डी भीड़ उस तै आ फेट्टी| 38 अर लखाओ, भीड़ म्ह तै एक माणस नै किल्की मारकै कह्या, "हे गुरु, मै तेरै तै बिनती करूं सूं के मेरै बेट्टे पै दया की निंगाह फेर दे; क्यूँकै ओ मेरा एक्का बेट्टा सै| 39 अर लखा, एक भूंडीऔपरी आत्मा उसनै पकड़ै थी, अर ओ चाणचक किल्की मारै था; अर वा उसनै इसा मरोड़ै थी के ओ मुँह तै झाग फैक्कै था; उसनै रोंदकै घणी मुश्किल तै छोड्डै थी| 40 मन्नै तेरे चेल्यां तै बिनती करी के उसनै लिकाड़ै, पर वे कोनी काड सके|” 41 यीशु नै जबाब दिया, “हे अबिश्वासी अर जिद्दी माणसो, मै कद ताहीं थारै गेल्या रहूँगा अर थारी ओट्टूगाँ? आपणे बेट्टे नै उरै लिया|” 42 जिब्ब ओ आवै था तो भूंडी औपरी आत्मा नै उस ताहीं पटक कै मरोड़या, पर यीशु नै उस भूंडी औपरी आत्मा ताहीं धमकाया अर छोरै ताहीं ठीक करकै बाप तै थमा दिया| 43 फेर सारे माणस पणमेशर कै घणे सामर्थ तै हैरान होए|

अपणी मौत का बारै म्ह यीशु की दुबारा भविष्यवाणी

पर जिब्ब सारे माणस उन सारे कारनाम्यां तै जो ओ करै था, हक्के-बक्के थे, तो उसनै आपणे चेल्यां तै कह्या, 44 “थम इन बात्तां पै गौर करो, क्यूँकै माणस का बेट्टा माणसां कै हाथां तै पकड़वाया जाण नै सै|” 45 पर वे इस बात नै कोनी समझै थे, अर या बात उनतै लुहकी रही के उन्नै उसका बेरा नीं पाट्टै; अर वे इस बात कै बारै म्ह उसतै बुझ्झण तै डरै थे|

सारया तै बड्डा कौण

46 फेर उनम्ह या बहस होण लाग्गी के म्हारै तै बड्डा कौण सै| 47 पर यीशु नै उनकै मन के बिचारां ताहीं पढ़ लिया, अर एक बाळक नै लेकै आपणै धोरै खड़या करया, 48 अर उनतै कह्या, “जो कोए मेरै नाम तै इस बाळक नै अपणावै सै, ओ मन्नै अपणावै सै; अर जो कोए मन्नै अपणावै सै, ओ मेरै खन्दाण आळै नै भी अपणावै सै, क्यूँकै जो थारै म्ह सारया म्ह छोटे तै छोट्टा सै, ओए बड्डा सै|”

जो बिरोध म्ह नीं, ओ मेर म्ह सै

49 फेर यूहन्ना नै कह्या, “हे मालिक, हमनै एक माणस ताहीं तेरै नाम तै भूंडी औपरी आत्मा लिकाड़दे देख्या, अर हमनै उस तै मना करया, क्यूँकै ओ म्हारै गेल्या तेरै पाच्छै कोनी आन्दा|” 50 यीशु नै उसतै कह्या, उसनै नाट्टो ना; क्यूँकै जो थारै बिरोध म्ह नीं, ओ थारै कान्नी सै|”

सामरियाँ द्वारा यीशु का बिरोध

51 जिब्ब उसके उप्पर ठाए जाण के दिन पुरे होण पै थे, तो उसनै यरूशलेम जाण का बिचार पक्का करया| 52 उसनै आपणै आगै दूत खन्दाए| वे सामरियाँ कै एक गाम म्ह गए के उसकै खातर जंगहा त्यार करै| 53 पर उन माणसां नै उसताहीं उतरण कोनी दिया, क्यूँकै ओ यरूशलेम जावै था| 54 न्यू देखकै उसके चेल्ले याकूब अर यूहन्ना नै कह्या, “हे प्रभु, तू के चाहवै सै के हम हुक्म देवां, के अकास तै आग गिरकै उन्नै भस्म कर दे?” 55 पर उसनै बोहड़ कै उनताहीं धमकाया [अर कह्या, "थम नीं जाणदे के थम किसी आत्मा के सो| क्यूँकै माणस के बेट्टा लोग्गां नै ज्यान तै मारण कोनी आया, बल्के उन्नै बचाण आया सै|”] 56 अर वे किसे दुसरै गाम म्ह चले गये|

यीशु का चेल्ला बनण का मूल्य

57 जिब्ब वे राह म्ह जावै थे, तो किसे नै उस तै कह्या, “जित-जित तू जावैगा, मै तेरै पाच्छै हो ल्यूँगा|” 58 यीशु नै उस तै कह्या, “लोमड़ीयां के घुरकुल्ली अर अकास के पन्छियां के घोसले होवैं सैं, पर माणस के बेट्टे खातर सिर लहकोण नै जंगहा कोनी|” 59 उसनै दुसरै तै कह्या, “मेरै पाच्छै हो ले|” पर उसनै जबाब दिया, “हे प्रभु, मन्नै पहल्या जाण दे के मै आपणै बाप नै गाड़ आऊँ|” 60 उसनै उसतै कह्या, “मरे होया नै आपणे मुरदे गाडण द्यो, पर तू जाकै पणमेशर कै राज्य की कहानी सुणा|” 61 एक और नै भी कह्या, “हे प्रभु, मै तेरै पाच्छै हो लूँगा; पर पहल्या मन्नै जाण दे के आपणे घरा के माणसां तै बिदा ली याऊँ|” 62 यीशु नै उसतै कह्या, “जो कोए आपणा हाथ हळ पै धरकै पाच्छै देक्खै सै, ओ पणमेशर के राज्य कै जोग्गा कोनी|”

सत्तर चेल्यां का खन्दाया जाणा

10 इन बात्तां कै बात प्रभु नै सत्तर और माणस पक्के करे, अर जिस-जिस गाम अर जंगहा पै ओ खुद जाण आळा था, उड़ै उन्नै दो-दो करकै आपणे आगै खन्दाया| 2 उसनै उनतै कह्या, "पके होये खेत घणे सैं, पर लमणीयारे घाट सैं; इसकरकै खेत कै मालिक तै बिनती करो के ओ आपणे खेत काट्टण नै लमणीयारे खन्दावैं| 3 जाओ; लखाओ, मै थमनै भेड्डां कै तरियां भेड़ीयाँ कै बिचाळै म्ह खन्दाऊँ सूं| 4 इसकरकै ना बटुआ, ना झोळी, ना जुत्ते ल्यो; अर ना राह म्ह किसे तै नमस्कार करो| 5 जिस किसे घर म्ह जाओ, पहल्ले कहो, 'इस घर पै उद्धार हो|' 6 जै उड़ै कोए उद्धार कै

जोग्गा होगा, तो थारा उद्धार उस पै थमैगा, नीं तो थारै धोरै बोहड़ आवैगा| 7 उस्से घर म्ह रहो, अर जो कीमे उनतै मिलै, ओए खाओ-पीओ, क्यूँके मजदूर नै आपणी मजदूरी मिलणी चाहिए; घर-घर नीं हांडणा| 8 जिस नगर मै जाओ, अर उड़ै के माणस थमनै उतारै, तो जो कीमे थारै स्याम्ही धरया जावै ओए खाओ| 9 उड़ै के बिमाराँ नै चंगा करो अर उनतै कहो, 'पणमेशर का राज्य थारै धोरै आण पहोच्या सै|' 10 पर जिस नगर म्ह जाओ, अर उड़ै कै माणस थमनै नीं अपणावैं, तो उसके बजारां म्ह जाकै कहो, 11 'थारै नगर की धूळ भी, जो म्हारे पायां म्ह लाग्गी सै, हम थारै स्याम्ही झाड़ देवां सां; फेरभी न्यू जाण ल्यो के पणमेशर का राज्य थारै धोरै आण पहोच्या सै|" 12 मै थमनै कहूँ सूं के उस दिन उस नगर हालत घणी सहण जोग्गी होवैगी|

अबिश्वासी नगरां नै धिक्कार

13 "हाय खुराजिन ! हाय बैतसैदा ! जो सामर्थ के कारनाम्मे थारै म्ह करे गए, जै सूर-सैदा म्ह करे जांदे तो टाट ओढकै अर राख पै बैठ कै वे कद के मन पलटदे| 14 पर न्याय कै दिन थारी हालत तै सूर-सैदा की हालत घणी सहण जोग्गा होगी| 15 अर हे कफरनहूम, के तू सुर्ग ताहीं ऊँच्चा करया जावैगा? तू तो अधोलोक ताहीं तळै जावैगा| 16 "जो थारी सुणै सै, ओ मेरी सुणै सै; अर जो थमनै निच्चा समझै सै, ओ मन्नै निच्चा समझै सै; अर जो मन्नै निच्चा समझै सै; ओ मेरे खन्दाणआळै ताहीं निच्चा समझै सै|"

सत्तर चेल्यां का लौटना

17 वे सत्तर राज़ी होंदे होये बोह्ड़े अर बोल्ले, "हे प्रभु, तेरै नाम तै भूंडी औपरी आत्मा भी म्हारे काब्बू म्ह सै|" 18 उसनै उनतै कह्या, "मै शैतान ताहीं बिजळी की तरियां सुर्ग तै पड़या होड़ देख रह्या था| 19 लखाओ, मन्नै थारै ताहीं साँपां अर बिच्छुआं ताहीं रोंदण का, अर बैरी की सारी सामर्थ पै हक्क दिया सै; अर किसे चीज तै थम नै कीमे टोट्टा कोनी होवैगा| 20 फेरभी इतने राज़ी मतना होवो के आत्मा थारै काब्बू म्ह सै, पर इसतै राज़ी होवो थारे नाम सुर्ग पै लिक्खे सै|"

यीशु का आनन्दित होणा

21 उस्से बख्त ओ पवित्रआत्मा म्ह होकै ख़ुशी तै भरग्या, अर बोल्या, "हे पिता, सुर्ग अर धरती के प्रभु, मै तेरा धन्यवाद करूं सूं के तन्नै इन बात्तां ताहीं ज्ञानियाँ अर श्याणा तै ल्कोए राख्या, अर बाळकां पै प्रगट करया| हम्बै, हे पिता, क्यूँके तन्नै योए भाया| 22 मेरे बाप नै मेरै तै सारा कीमे सौप दिया सै; अर किस्से नै नीं बेरा के बेट्टा कौण सै, सिवा बाप के, अर बाप कौण सै न्यू भी किस्से नै कोनी बेरा सिवाए बेट्टे कै, अर ओ जिस पै बेट्टा उस ताहीं प्रगट करणा चाहवै|" 23 फेर चेल्यां की ओड़ बोहड़ कै एक्कै म्ह बोल्या, "धन्य सै वे आँख, जो ये बात जो थम देक्खो सो, देक्खै सै| 24 क्यूँके मै थारै तै कहूँ सूं के घण खरे नब्बियाँ अर राजायां नै चाह्या के जो बात थम देक्खो सो, देक्खै, पर कोनी देक्खी, अर जो बात थम सुणो सो सुणै पर कोनी सुणी|"

दयालु सामरी का उदाहरण

25 अर लखाओ, एक व्यस्थापक उठ्या अर न्यू कहकै उसका हिम्तान लेण लाग्या, "हे गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होण खातर मै के करूं?" 26 उसनै उसतै कह्या, "व्यवस्था म्ह के लिख्या सै? तू किस तरियां पढ़े सै?" 27 उसनै जबाब दिया, "तू प्रभु, आपणे पणमेशर तै आपणे सारै मन अर आपणे सारै जी अर आपणे सारै दम अर आपणी सारी अक्क कै गेल्या प्रेम राख; अर आपणे पड़ोसी तै आपणे जिसा प्रेम राख|" 28 उसनै उसतै कह्या, "तन्नै सई कह्या, "न्यू करिये जिबे तू जिन्दा रहवैगा|" 29 पर उसनै खुद ताहीं धर्मी ठहराण की मर्जी तै यीशु तै बुझ्झया, "तो मेरा पड़ोसी कौण सै? 30 यीशु नै जबाब दिया, "एक माणस यरूशलेम तै यरीहो नै जावै था के डाकुआं नै घेर कै उसके लत्ते तार लिये, अर पिट-छेत कै उसताहीं अधमरा छोड़कै चले गये| 31 अर इसा होया के उस्से राही तै एक याजक जावै था, पर उसनै देखकै टळकै चल्या गया| 32 इस्से ढाळ एक लेवी उस ठोड़ या जंगहा पै आया, ओ भी टळकै चल्या गया| 33 पर एक सामरी मुसाफर ओड़ै तै लिकड़या, अर उस ताहीं देखकै तरस खाया| 34 उसनै उसकै लोवै आकै उसके घायाँ पै तेल अर दाखरस गेरकै पट्टी बाँधीं, आपणी सवारी पै चढ़ा कै सराय म्ह लेग्या, अर उसकी सेवा-पाणी करी| 35 दुसरे दिन उसनै दो दीनार काड कै सराय कै मालिक तै दिये, अर कह्या, "इसकी सेवा-पाणी करिये, अर जो कीमे तेरा और लागैगा, ओ मै बोहड़दा होया भर द्युगां|" 36 इब तेरी समझ म्ह जो डाकुआं म्ह घिरग्या था, इन तीनां म्ह तै उसका पड़ोसी कौण ठहरया?" 37 उसनै कह्या, "ओए जिसनै उस पै दया करी|" यीशु नै उसतै कह्या, "जा, तू भी न्यूए करया कर|"

मार्था अर के घर यीशु

38 जिब्ब वे जावै थे तो ओ एक गाम म्ह गया, अर मार्था नाम की एक लुगाई नै उसताहीं आपणे घरा तारया| 39 मरियम नाम की उसकी एक बेब्बे थी| वा प्रभु कै पायां म्ह बैठकै उसका बचन सुणै थी| 40 पर मार्था सेवा-पाणी करदे-करदे घबरा गी, अर उसकै लवै आकै कहण लाग्गी, "हे प्रभु, के तन्नै कीमे भी फ़िक्र कोनी के मेरी बेब्बे नै मेरै ताहीं सेवा-पाणी कै खातर एक्की छोड़ दिया सै?" इस करकै उसतै कह के मेरी मदद करै|" 41 प्रभु नै उसतै जबाब दिया, "मार्था, हे मार्था; तू घणी बात्तां खातर फ़िक्र करै अर घबरावै सै| 42 पर एक बात जरुर सै, अर उस बढ़िया हिस्से ताहीं मरियम नै छाँट लिया सै जो उस तै खोस्या कोनी जावैगा|"

चेल्यां ताहीं प्रार्थना करणा सिखाणा

11 फेर उसनै बारहां ताहीं बुलाकै उन्नै सारी भूंडी औपरी आत्मायां अर बीमारियाँ ताहीं दूर करण की सामर्थ अर हक्क दिया, 2 अर उन्नै पणमेशर कै राज्य का प्रचार करण अर बिमारां ताहीं आच्छा करण खातर खन्दाया| 3 उसनै उनतै कह्या, राह खातर कीमे ना लियो, ना तो लाठी, ना झोळी, ना रोट्टी, जा रपिये अर ना दो-दो कुरते| 4 जिस किसे घर म्ह उतरो, उड़ए रहो, अर उड़ए तै बिदा होइयो|

प्रार्थना के सम्बन्ध म्ह यीशु की शिक्षा

5 जो कोए थमनै नीं अपणावै, उस नगर तै जांदे होये आपणे पायां की धुळ झाड़ दियो के उन पै गवाही होवै|" 6 आखर म्ह वे लिकड़ कै गाम-गाम सुसमाचार सुणयांन्दे, अर हरेक माणसां नै चंगा करदे होये हांडदे रहे| 7 देश के चौथाई राजा हेरोदेस यों सारा सुण कै घबराग्या, क्यूँके कीमे नै कह्या, के यूहन्ना मरे होया म्ह तै जिन्दा होया सै, 8 अर कुछां नै न्यू कह्या के एलिय्याह दिख्या सै, अर औरां नै न्यू के पुराणे नब्बियाँ म्ह तै कोए जिन्दा होया सै| 9 पर हेरोदेस नै कह्या, "यूहन्ना का तो मन्नै सिर कटवाया, इब यो कौण सै जिसकै बाबत इसी बात सुणु सूं?" अर उसनै उसताहीं देखण की चाहन्ना करी| 10 फेर प्रेरितां नै बोहड़कै जो कीमे उन्नै करया था, उसताहीं बता दिया; अर ओ उन्नै न्यारे करकै बैतसैदा नामक नगर म्ह लेग्या| 11 न्यू जाण कै भीड़ उसकै गेल्या हो ली, अर ओ राज़ी होकै उनतै फेट्या, अर उन तै पणमेशर कै राज्य की बात करण लाग्या, अर जो चंगे होणा चाहवै थे उन ताहीं चंगा करया| 12 जिब्ब दिन छिपण लाग्या तो बारहा नै आकै उसतै कह्या, "भीड़ नै जाण दे के चौगरदे के गाम्मां अर बगड़ां म्ह जाकै ठहरै अर खाणै का जुगाड़ करै, क्यूँके हम उरै बियाबान जंगहा म्ह सां|" 13 उसनै उनतै कह्या, "थमए उन्नै खाण नै द्यो|" उन्नै कह्या, "म्हारै धोरै पाँच रोट्टी अर दो मच्छीयां नै छोड़ कै और कीमे कोनी; पर हम्बै, जै हम जाकै इन सारया खातर खाणा मोल ल्यावां, फेर हो सकै सै|" वे माणस तो पाँच हजार माणसां कै करीबन थे|

यीशु अर बालजबूल

14 फेर उसनै आपणे चेल्यां तै कह्या, "उन्नै पचास-पचास करकै लैणपतार बिठा द्यो|" 15 उन्नै न्यूए करया, अर सारया ताहीं बिठा दिया| 16 फेर उसनै वे पाँच रोटियाँ अर दो मच्छियाँ ली, सुर्ग काम्नी लखाकै धन्यवाद करया, अर तोड़-तोड़कै चेल्यां ताहीं देंदा गया के माणसां ताहीं बांडै| 17 फेर सारे खाकै छिकगे, अर चेल्यां नै बचे होड़ टुकड़यां तै बारहां टोकरी भरकै ठाई|

18 जिब्ब ओ एक्कै म्ह प्रार्थना करै था अर चेल्ले उसकै गेल्या थे, तो उसनै
उनतै बुझ्झया, “माणस मन्नै के कहवैं सैं?” 19 उन्नै जबाब दिया, “यूहन्ना
बपतिस्मा देवण आळा, अर कोए एलिय्याह, अर कोए यों के पुराणे नब्बियाँ
म्ह तै कोए जिन्दा होया सै|” 20 उसनै उनतै बुझ्झया, “पर थम मन्नै के कहो
सो? पतरस नै जबाब दिया, “पणमेशर का मसीह|” 21 फेर उसनै उनतै
चिताकै कह्या के न्यू किस्से ना कहियो| 22 फेर उसनै कह्या, “माणस कै बेट्टे
खातर जरूरी सै के ओ घणा दुःख ठावै, अर पुर्णीए अर प्रधान याजक अर
शास्त्री उसनै माड़ा समझ कै मार देवैं, अर ओ तीसरै दिन जिन्दा होज्या|”
23 उसनै सारया तै कह्या, जै कोए मेरै गेल्या आणा चाहवै, तो खुद तै नाट्टै
अर हरेक दिन आपणा क्रूस ठाए मेरै गेल्या हो ले|

अधूरे सुधार तै बिपदा

24 क्यूँके जो कोए आपणी ज्यान बचाणा चाहवैगा ओ उसनै खोवैगा, पर
जो कोए मेरी खातर आपणी ज्यान खोवैगा ओए उसनै बचावैगा| 25 जै
माणस सारी दुनिया नै पा ले अर आपणी ज्यान खो दे या उसका नुकसान
ठावै, तो उसनै के फैयदा? 26 जो कोए मेरैतै अर मेरी बात्तां तै सरमावैगा,
माणस का बेट्टा भी, जिब्ब आपणी अर आपणे बाप की अर पवित्र सुर्गदुत्तां
की महिमा सुदा आवैगा, तो उसतै सरमावैगा|

धन्य कौण सैं?

27 मै थमनै साच्ची कहूँ सूं, के जो याड़ी खड़े सैं, उनम्ह तै कीमे इसे सै के
जिब्ब ताहीं पणमेशर का राज्य ना देख लेवैं, जद ताहीं मौत का सुआद कोनी
चाखैगें|” 28 इन बात्तां कै कोए आठ दिनां पाच्छै ओ पतरस, यूहन्ना अर
याकूब नै गेल्या लेकै प्रार्थना करण खातर पहाड़ पै गया|

स्वर्गीय निशान की माँग

29 जिब्ब ओ प्रार्थना करै था, तो उसकै मुँह का रूप बदलग्या, अर उसके
लत्ते धोळे होकै चमकण लाग्गे| 30 अर लखाओ, मूसा अर एलिय्याह ये दो
माणस उसकै गेल्या बतळावैं थे| 31 ये महिमा सुदा दिख्खे अर उसकै मरण
का जिक्रा करैं थे, जो यरूशलेम म्ह होण आळा था| 32 पतरस अर उसके
ढब्बी नींद म्ह होरे थे, अर जिब्ब सई तरियां सोद्दी म्ह आए, तो उसकी
महिमा अर उन दो माणसां नै, जो उसकै गेल्या खड़े थे, देख्या|

देही का दिवा

33 जिब्ब वे उसकै धोरै तै जाण लाग्गे, तो पतरस नै यीशु तै कह्या, "हे
मालिक, म्हारा उरै रहणा भला सै : आखर म्ह हम तीन मण्डप बणावा, एक
तेरै खातर, एक मूसा खातर, एक एलिय्याह कै खातिर|” उसनै बेरा कोनी
था के कह के रह्या सै| 34 ओ न्यू कहवैए था के एक बादळ नै आकै उन पै
छाया करी, अर जिब्ब वे उस बादळ तै घिरण लाग्गे तो भय मानगे| 35 फेर
उस बादळ म्ह तै यों बचन लिकड़या, “यो मेरा बेट्टा अर मेरा छांटया होया सै,
इसकी सुणो|” 36 या आवाज होंदए यीशु एक्का होग्या; अर वे बोल-बाल्ले रहे,
अर जो कीमे देख्या था उसकी कोए बात उन दिनां म्ह किस्से तै नीं कही|

शास्त्रीयां अर फरिसियाँ की भर्त्सना

37 दुसरै दिन जिब्ब ओ पहाड़ तै उतरया तो एक बड्डी भीड़ उस तै आ
फेट्टी| 38 अर लखाओ, भीड़ म्ह तै एक माणस नै किल्की मारकै कह्या, "हे
गुरु, मै तेरै तै बिनती करूं सूं के मेरै बेट्टे पै दया की निंगाह फेर दे; क्यूँके ओ
मेरा एक्का बेट्टा सै| 39 अर लखा, एक भूंडीऔपरी आत्मा उसनै पकड़ै थी,
अर ओ चाणचक किल्की मारै था; अर वा उसनै इसा मरोड़ै थी के ओ मुँह तै
झाग फैक्कै था; उसनै रोंदकै घणी मुश्किल तै छोड्डै थी| 40 मन्नै तेरे चेल्यां तै
बिनती करी के उसनै लिकाड़ै, पर वे कोनी काड सके|” 41 यीशु नै जबाब
दिया, “हे अबिश्वासी अर जिद्दी माणसो, मै कद ताहीं थारै गेल्या रहूँगा अर
थारी ओट्टूगाँ? आपणे बेट्टे नै उरै लिया|” 42 जिब्ब ओ आवै था तो भूंडी
औपरी आत्मा नै उस ताहीं पटक कै मरोड़या, पर यीशु नै उस भूंडी औपरी
आत्मा ताहीं धमकाया अर छोरै ताहीं ठीक करकै बाप तै थमा दिया| 43 फेर
सारे माणस पणमेशर कै घणे सामर्थ तै हैरान होए| पर जिब्ब सारे माणस उन
सारे कारनाम्यां तै जो ओ करै था, हक्के-बक्के थे, तो उसनै आपणे चेल्यां तै
कह्या, 44 “थम इन बात्तां पै गौर करो, क्यूँके माणस का बेट्टा माणसां कै हाथां
तै पकड़वाया जाण नै सै|”

45 पर वे इस बात नै कोनी समझै थे, अर या बात उनतै लुहकी रही के उन्नै
उसका बेरा नीं पाट्टै; अर वे इस बात कै बारै म्ह उसतै बुझ्झण तै डरै थे|
46 फेर उनम्ह या बहस होण लाग्गी के म्हारै तै बड्डा कौण सै| 47 पर यीशु नै
उनकै मन के बिचारा ताहीं पढ़ लिया, अर एक बाळक नै लेकै आपणै धोरै
खड़या करया, 48 अर उनतै कह्या, “जो कोए मेरै नाम तै इस बाळक नै
अपणावै सै, ओ मन्नै अपणावै सै; अर जो कोए मन्नै अपणावै सै, ओ मेरै
खन्दाण आळै नै भी अपणावै सै, क्यूँके जो थारै म्ह सारया म्ह छोटे तै छोट्टा
सै, ओए बड्डा सै|” 49 फेर यूहन्ना नै कह्या, “हे मालिक, हमनै एक माणस
ताहीं तेरै नाम तै भूंडी औपरी आत्मा लिकाड़दे देख्या, अर हमनै उस तै मना
करया, क्यूँके ओ म्हारै गेल्या तेरै पाच्छै कोनी आन्दा|” 50 यीशु नै उसतै
कह्या, उसनै नाट्टो ना; क्यूँके जो थारै बिरोध म्ह नीं, ओ थारै काम्नी सै|”
51 जिब्ब उसके उप्पर ठाए जाण के दिन पुरे होण पै थे, तो उसनै यरूशलेम
जाण का बिचार पक्का करया| 52 उसनै आपणै आगै दूत खन्दाए| वे
सामरियाँ कै एक गाम म्ह गए के उसकै खातर जंगहा त्यार करै|
53 पर उन माणसां नै उसताहीं उतरण कोनी दिया, क्यूँके ओ यरूशलेम
जावै था| 54 न्यू देखकै उसके चेल्ले याकूब अर यूहन्ना नै कह्या, “हे प्रभु, तू के
चाहवै सै के हम हुक्म देवां, के अकास तै आग गिरकै उन्नै भस्म कर दे?”

पाखण्ड कै बिरुद्ध चेतावनी

12 इतनै म्ह जिब हजारां की भीड़ लागगी, उरै ताहीं के वे एक-दुसरे पै
पड़ण लाग्गे थे, तो ओ सारया तै पहल्या अपणे चेल्यां तै कहण
लाग्या, “फरिसियाँ कै कपटी खमीर तै चौकन्ने रहो| 2 कीमे ढकया कोनी, जो
उघाड़या जावैगा; ना कीमे लुक्या सै, जिसका बेरा नीं पटै| 3 इस करकै जो
कीमे थमनै अन्धेरे म्ह कह्या सै, ओ उजाळै म्ह सुणया जावैगा; अर जो थमनै
कोठड़ीयाँ म्ह कान्नो कान कह्या सै, ओ छात पै तै प्रचार करया जावैगा|

किस तै डरां?

4 “मै थारै तै जो मेरे ढब्बी सो कहूँ सूं के जो देही नै घात करै सै पर उसकै
पाच्छै और कीमे कोनी कर सकदे, उन तै डरियो मतना| 5 मै थमनै सोद्दी
दुवाऊँ सूं के थमनै किसतै डरणा चहिये, घात करण कै पाच्छै जिस ताहीं
नरक म्ह गेरण हक्क सै, उस्से तै डरियो| हम्बै, मै थारै तै कहूँ सूं उस्से तै
डरियों| 6 के दो पिस्या की पांच गौरियाँ कोनी बिकदी? फेरभी पणमेशर
उनम्ह तै एक नै भी कोनी भुल्दा| 7 थारै सिर के सारे बाळ भी गिणे होये सै,
इस करकै डरो मतना, थम घणी गौरियाँ तै बढ़कै सो|

यीशु ताहीं स्वीकार या अस्वीकार करणा

8 “मै थारै तै कहूँ सूं जो कोए माणसां कै स्याम्ही मन्नै मान लेवैगा उसनै
माणस का बेट्टा भी पणमेशर कै सुर्गदुत्तां कै स्याम्ही मान लेवैगा| 9 पर जो
माणसां कै स्याम्ही मेरै बारै म्ह मुकर जावैगा, उसका पणमेशर कै सुर्गदुत्तां कै
स्याम्ही इन्कार करया जावैगा| 10 “जो कोए माणस कै बेट्टे कै बिरोध म्ह कोए
बात कहवै, उसका वो खोट बखस्या जावैगा, पर जो पवित्रआत्मा की बुराई
करै, उसका वो खोट बखस्या कोनी जावैगा|” 11 जिब्ब माणस थमनै
पंचायतां अर हाकीमां अर अधिकारियां कै स्याम्ही ल्यावै, तो फ़िक्र ना
करियो के हम किस तरियां तै या के जबाब देवां, या के कहवां| 12 क्यूँके
पवित्रआत्मा उस्से टैम थमनै सिखा देगा के, के कहणा चहिये|”

एक साहूकार बेअक्ले का उदाहरण

13 फेर भीड़ म्ह तै एक नै उसतै कह्या, “हे गुरु, मेरे भाई तै कह के बाप कै
धन नै मेरै गेल्या बांड लेवै|” 14 उसनै उसतै कह्या, “हे माणस, किसनै मेरै
ताहीं थारा न्यायी या बांडणआळा बणा दिया सै?” 15 अर उसनै उनतै कह्या,

"चौकन्ने रहो, अर सारी तरियां कै लोभ-लालच तै खुद नै बचा कै राक्खो; क्यूँकै किसे की जिन्दगी उसकै आब्ल धन तै कोनी होंदी|" 16 उसनै उनतै एक उदाहरण कह्या, "किसे साहूकार की धरती म्ह घणी पैदावार होई|" 17 फेर ओ आपणे मन म्ह बिचार करण लाग्या, "मै के करूं? क्यूँकै मेरै उरै जंगहा कोनी जित आपणी उपज वैगरा धरुं|" 18 अर उसनै कह्या, "मै न्यू करूँगा : मैं आपणी बखारियाँ (खलिहान) तोड़ कै उनतै कुठला बनाऊंगा; अर उड़ै आपणा सारा नाज अर धन धरुंगा; 19 अर आपणे जी तै कहूँगा के जी, तेरै धोरै घणे साल खातर घणा धन धरया सै; चैन कर, खा, पी, सुख तै रह|" 20 पर पणमेशर नै उसतै कह्या, "हे बेअक्को, इस्से रात तेरा जी तेरै तै ले लिया जावैगा; फेर जो कीमे तन्नै कट्ठा करया सै ओ किसका होगा?" 21 इस्से तरियां ओ माणस भी सै जो आपणे खातर धन कट्ठा करै सै, पर पणमेशर की निंगाह म्ह साहूकार कोनी|"

पणमेशर पै भरोस्सा राक्खो

22 फेर उसनै आपणे चेल्यां तै कह्या, "इस करकै तै थम नै कहूँ सूं, आपणे प्राण की फ़िक्र ना करो के हम के खावांगें; ना आपणी देही की के, के पहरांगें| 23 क्यूँकै खाणै तै जी , अर लत्यां तै देही बढ़कै सै| 24 कागां पै ध्यान द्यो: वे ना बोवैं सैं, ना काट्टैं सैं; अर ना उनके भण्डार अर कुठले होवै सै; फेरभी पणमेशर उन्नै पाळै सै| थारा मोल पन्छियाँ तै बाध सै| 25 थारै म्ह तै इसा कौण सै जो फ़िक्र करण तै आपणी उम्र की एक घड़ी भी बाध कर सकै सै? 26 इस करकै जै थम सारया तै छोट्टा काम भी कोनी कर सकदे, तो और बात्तां खातर क्यातै फ़िक्र करो सो? 27 सोसनां कै दरख्तां पै गौर करो के वे किस तरियां बढ़ैं सैं : वे ना मैहनत करदे, ना कातदे सैं; फेरभी मै थारै तै कहूँ सूं के सुलेमान भी आपणे एश-आराम म्ह उनम्ह तै किसे एक कै बरगे लत्ते कोनी पहर रह्या था| 28 इस करकै जै पणमेशर मैदान की घास नै, जो आज सै अर काल भाड़ म्ह झोक्की जावैगी, इसा पहरावै सै; तो हे अल्प बिश्वासियों, ओ थमनै क्यातै नीं पहरावैगा? 29 अर थम इस बात की टोह म्ह ना रहो के, के खावांगें अर के पिवांगें, अर शक ना करो| 30 क्यूँके दुनिया की जात इन सारी चिज्ञां की टोह म्ह रहवैं सैं : अर थारे बाप नै बेरा सै के थमनै इन चिज्ञां की आंट सै| 31 पर उसकै राज्य की टोह म्ह रहो, तो ये चीज भी थमनै मिल ज्यागीं|

स्वर्गीय धन

32 "हे छोटे टोळ, मतना डरै; क्यूँके थारे बाप नै न्यू भाया सै, के थमनै राज्य देवै"| 33 आपणा धन बेचकै दान कर द्यो; अर आपणे खातर इसे बटुए बणाओ जो पूराणे कोनी होन्दे, यानिके सुर्ग पै इसा धन कट्ठा करो जो सापड़दा कोनी अर जिसकै धोरै चोर कोनी जांदा, अर कीड़ा कोनी बिगाड़दा| 34 क्यूँके जड़ै थारा धन सै, उड़ै थारा मन भी लाग्या रहवैगा|

जागदे रहो

35 "थारी कड़ बन्धी रहवै अर थारे दिवे बळदे रहवैं, 36 अर थम उन माणसां कै बरगे बणो, जो आपणे मालिक की बाट देख रहे हो के ओ ब्याह तै कद बोहड़ैगा, के जिब्ब आकै दरवाजा खटखटावै तो जिब्बे उसकै खातर खोल दें| 37 धन्य सै वे नौकर जिन ताहीं मालिक आकै जागदा पावै, मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के ओ कड़ बान्ध कै उन्नै खाणा खाण ताहीं बिठावैगा, अर धोरै आकै उनकी सेवा-बाड़ी करैगा| 38 जै ओ रात कै दुसरे पहर या तीसरे पहर म्ह आकै उन ताहीं जागदा पावै, तो वे नौकर धन्य सै| 39 जै थम बेरा पाड़ो के जै घर का मालिक जाणदा के चोर किस बख्त आवैगा, तो जागदा रहन्दा अर आपणे घर म्ह पड़ या सेंध कोनी लागण देवै| 40 थम भी त्यार रहो; क्यूँके जिस घड़ी की थम सोचदे भी कोनी, उस्से घड़ी माणस का बेट्टा आ जावैगा|"

बिश्वास जोग्गा या अबिश्वास जोग्गा दास

41 फेर पतरस बोल्या, "हे प्रभु, के यो उदाहरण तू म्हारै तए या सारया नै कहवै सै|" 42 प्रभु बोल्या, "ओ बिश्वासजोग्गा अर अकलमंद भण्डारी कौण सै, जिसका मालिक उस ताहीं नौकर-चाकरां पै सरदार ठहरावै के उन्नै टैम पै खाणा-सामां दे| 43 धन्य सै ओ नौकर, जिस ताहीं मालिक आकै इसाए करदे पावै| 44 मै थमनै साच्ची कहूँ सूं, ओ उस ताहीं आपणी सारी धन-माया का सरदार ठहरावैगा| 45 पर जै ओ नौकर सोच्चण लाग्गे के मेरा मालिक आण म्ह वार कर रह्या सै, दासां अर दासियाँ ताहीं छेत्तण-पिट्टण लागज्या अर खाण-पीण अर दारूबाज होण लाग्गे| 46 तो उस नौकर का मालिक इसे दिन, जिब्ब ओ उसकी बाट देख्दा कोनी रहवै, अर इसा टैम जिसका उसनै ना बेरा हो, आवैगा अर उसनै भारया सजा देकै उसका हिस्सा अबिश्वासियाँ गेल्या ठहरावैगा| 47 ओ नौकर जो आपणे मालिक की मर्जी जाणै था, अर त्यार ना रह्या अर ना उसकी मर्जी कै मुताबिक चाल्या, घणा छितैगा | 48 पर जो नीं जाणकै मार खाण के काम करै ओ माड़ा-सा छितै | इस करकै जिस ताहीं घणा दिया गया सै, उसतै माँगया जावैगा; अर जिस ताहीं घणा सौप्या सै, उस तै घणा लिया जावैगा|

यीशु कै आण का नतिजा

49 "मै धरती पै आग लाण नै आया सूं; अर के चाहूँ सूं सिर्फ यो के इब सुलग जांदी! 50 मन्नै तो एक बपतिस्मा लेणा सै, अर जिब्ब ताहीं ओ ना हो ले जद ताहीं मै कीसी बिपदा म्ह रहूँगा! 51 के थम समझो सो के मै धरती पै मिलाप कराण आया सूं? मै थम नै कहूँ सूं; ना, बल्के न्यारे करण आया सूं| 52 क्यूँके इब तै एक घर म्ह पाँच माणस आपस म्ह बिरोध राक्खैगें, तीन दो तै अर दो तीन तै | 53 बाप बेट्टे तै, अर बेट्टा बाप तै बिरोध राक्खैगा; माँ बेट्टी तै, अर बेट्टी माँ तै, सासूं बहू तै, अर बहू सासू तै बिरोध राक्खैगी|"

समय के लक्षण

54 उसनै भीड़ तै कह्या, "जिब्ब थम बादळ नै पश्चिम तै उठदे देक्खो सो तो जिब्बे कहो सो के मिह आवैगा, अर न्यूए हो सै; 55 अर जिब्ब दक्षिणी बाळ चालदी देक्खो सो तो कहो सो के लूह चालैगी, अर न्यूए हो सै| 56 हे बेअक्को ! थम धरती अर अकास कै रूप-रंग म्ह भेद कर सको सो, पर इस युग कै बाबत भेद करणा क्यातै नीं जाणदे?

अपणे मुददई तै समझौता

57 "थम खुद फैसला क्यातै कोनी कर लेंदे के सई सै?" 58 जिब्ब तू आपणे मुद्दई कै गेल्या हाकिम कै धोरै जावै सै तो राही म्ह उसतै छुटण की कोशिश कर ले, इसा ना हो के तन्नै न्यायी कै धोरै खिंच ले जावै, अर न्यायी तन्नै सिपाही ताहीं थमावै अर सिपाही तन्नै जेळ म्ह गेर दे| 59 मै तेरै तै कहूँ सूं के जिब ताहीं तू दमड़ी-दमड़ी नीं भर देवैगा जिद ताहीं ओड़ै तै छुटण नीं पावैगा|

मन फिराओ या नाश हो

13 उस बख्त कुछ माणस आण पहोच्चे, अर उसतै उन गलीलियाँ का जिक्रा करण लाग्गे, जिनका लहू पिलातुस नै उन ए कै बलिदानां कै गेल्या मिलाया था| 2 न्यू सुण कै उसनै उनतै जबाब म्ह कह्या, "के थम समझो सो के ये गलीली और सारे गलीलीयां तै घणे पापी थे के उन पै इसी बिपदा आण पड़ी? 3 मै थमनै कहूँ सूं के ना; पर जै थम मन नीं पलटोगे तो थम भी इस्से तरियां नास होओगे| 4 या, के थम समझो सो के वे अठारह जणे जिनपै शिलोह का गुम्मट पड़या, अर वे दब कै मरगे : यरूशलेम के और सारे बासिन्दयां तै घणे अपराधी थे? 5 मै थमनै कहूँ सूं के ना; पर जै थम मन ना पलटोगे तो थम भी इस्से तरियां नास होओगे|"

फळ-रहित अंजीर के दरख्त का उदाहरण

6 फेर उसनै यो उदाहरण भी कह्या, "किसे की अंगूर की बारी म्ह अंजीर का दरख्त लागरया था| ओ उसम्ह फळ टोहण आया, पर कोनी मिल्या| 7 फेर उसने बारी कै रुखाळै तै कह्या, "लखा, तीन साल तै म्ह इस अंजीर कै दरख्त पै फळ टोहण आऊँ सूं, पर कोनी पान्दा| इसनै काट बगा के यो

धरती नै भी क्यूँ रुंदै| 8 उसनै उसतै जबाब दिया, “हे मालिक, इस साल
और रहण दे के मै इसकै चौगरदे कै खोदकै खाद गेरू| 9 जै आगै फळ आग्या
तो ठीक, नीं तो काट दियो|”

सब्त के दिन कुबड़ी लुगाई ताहीं चंगा करणा

10 सब्त कै दिन ओ एक आराधनालय म्ह उपदेश देवै था| 11 उड़ै एक
लुगाई थी जिसम्ह अठारह साल तै एक माड़ा करण आळी भूंडीऔपरी
आत्मा थी, अर वा कुबड़ी होगी थी अर किस्से तरियां भी सीधी कोनी हो
सकै थी| 12 यीशु नै उस ताहीं देखकै बुलाया अर कह्या, “हे नारी, तू आपणी
कमजोरी तै छुटगी|” 13 फेर उसनै उस पै हाथ धरया, अर वा जिब्बे सीधी
होगी अर पणमेशर की बड़ाई करण लाग्गी | 14 इसकरकै के यीशु नै सब्त कै
दिन उस ताहीं चंगा करया था, आराधनालय का सरदार चीड़कै माणसां तै
कहण लाग्या, “छ: दिन सै जिनम्ह काम करणा चहिये, आखर म्ह उन्ने दिनां
म्ह आकै चंगे होवो, पर सब्त कै दिन नीं|” 15 न्यू सुण कै प्रभु नै जबाब दिया,
“हे कपटियों, के बचन के दिन थारै म्ह तै हरेक आपणे बैळद या गधे नै थान
म्ह तै खोलकै पाणी पिलाण कोनी ले जान्दा? 16 तो के सई कोनी था के या
लुगाई जो अब्राहम की बेट्टी सै जिस ताहीं शैतान नै अठारह साल तै जुड़
राख्या था, सब्त कै दिन इस बन्धन तै छुटाई जावै?” 17 जिब्ब उसनै ये बात
कही, तो उसके सारे बिरोधी सर्मिन्दा होगे, अर साब्ती भीड़ उन महिमा के
कारनाम्यां तै जो ओ करै था, राज़ी होई|

राई के दाने का उदाहरण

18 फेर उसनै कह्या, “पणमेशर का राज्य किस जिसा सै? अर मै उसका
उदाहरण किसतै द्यु? 19 ओ राई कै दाणै की ढाळ सै, जिस ताहीं किसे
माणस नै लेकै आपणी बारी म्ह बोया : अर ओ बढ़कै दरख्त बणग्या; अर
अकास के सारे पन्छियाँ नै उसकी डाळीयाँ पै बसेरा करया|”

खमीर का उदाहरण

20 उसनै दुबारै कह्या, “मै पणमेशर के राज्य का उदाहरण किस तै द्यु?
21 ओ खमीर की ढाळ सै, जिस ताहीं किसे लुगाई नै लेकै तीन पसेरी आटे
म्ह रळाया, अर होन्दे-होन्दे सारा आटा खमीर होग्या|”

सकेत द्वार

22 ओ नगर-नगर, अर गाम-गाम होकै उपदेश देन्दा होया यरूशलेम की
ओड़ जावै था, 23 तो किसे नै उसतै बुझ्झया, “हे प्रभु, के उद्धार पाण आळे
घाट सैं?” उसनै उनतै कह्या, 24 “भीड़े दरवाजे तै बड़ण की कोशिश करो,
क्यूँकै मै थम नै कहूँ सूं के घण खरे उसम्ह बड़ना चाहवैगें, अर कोनी बड़
सकेंगें| 25 जिब्ब घर का मालिक उठकै दरवाजा भेड़ देगा, अर थम बाहरण
खड़े होये खटखटाकै कहण लागो, “हे प्रभु, म्हारे खातर खोल दे,” अर ओ
जबाब देवै, “मै थमनै कोनी जाणदा, थम कित के सो?” 26 फेर थम कहण
लागोगे, “हमनै तेरे स्याम्ही खाया-पिया अर तनै म्हारे बजारां म्ह उपदेश
दिया|” 27 पर ओ कहवैगा, “मै थमनै कहूँ सूं, मै कोनी जाणदा, थम कित के
सो| हे भुन्डे काम करणीयों, थम सारे मेरै तै दूर रहो|” 28 उड़ै रोणा अर दाँद
पिसणा होगा; जिब्ब अब्राहम अर इसहाक अर याकूब अर सारे नब्बीयाँ ताहीं
पणमेशर राज्य म्ह बैट्ठे, अर खुद नै बाहरण लिकाड़े होये देक्खोगे; 29 अर
पूरब अर पच्छिम; जबाब अर दक्खिन तै माणस आकै पणमेशर कै राज्य म्ह
जीमणे म्ह जीमैगें| 30 अर लखाओ, जो पाच्छले सै वे पहल्ड़े होंगें, अर जो
पहलड़े सै वे पाच्छले होंगें|”

हेरोदेस की दुश्मनी

31 उस्से टैम कीमे फरिसियाँ नै आकै उसतै कह्या, “उरै तै लिकड़ज्या,
क्यूँकै हेरोदेस तन्नै मार देणा चाहवै सै|” 32 उसनै उनतै कह्या, “जाकै उस
लोमड़ी तै कह द्यो के लखा, मै आज अर काल भूंडीऔपरी आत्मायाँ नै काड्डू
सूं अर बीमारां नै चंगा करूं सूं, अर तीसरे दिन आपणा काम पूरा करूंगा|
33 फेर भी आज अर काल अर परसो चालणा जरुर सै, क्यूँके हो नीं सकदा
के कोए नब्बी यरूशलेम कै बाहरण जावै|

यरूशलेम कै खातर बिलाप

34 “हे यरूशलेम ! हे यरूशलेम ! तू जो नब्बियाँ नै मारै सै, अर जो तेरै धोरै
खन्दाए गए सै उन पै पत्थर बरसावै सै| कितनी ए बर मन्नै न्यू चाहया के
जिस ढाळ मुर्गी आपणे बाळकां नै आपणे पाक्खां तळै कड्डे करै सै, उस्से
तरियां ए मै भी तेरे बाळकां नै कट्ठा करूं, पर थमनै न्यू नीं चाहया|
35 लखाओ, थारा घर थारे खातर उजाड़ छोड्या जावै सै, मै थमनै कहूँ सूं :
जिब्ब ताहीं थम ना कहोगे, ‘धन्य सै ओ, जो प्रभु कै कान्नी तै आवै सै, ’जद
ताहीं थम मन्नै दुबारै कदे नीं देक्खोगे|”

फरीसी कै घरा यीशु

14 फेर ओ सब्त के दिन फरिसियाँ के सरदारां म्ह तै किसे कै घरा
रोट्टी खाण नै गया; अर वे उसकी टाह म्ह थे| 2 उड़ै एक माणस
उसकै स्याम्ही था; जिसम्ह जलन्धर की बीमारी थी| 3 इस पै यीशु नै
व्यवस्थापकां अर फरिसियाँ तै कह्या, “के सब्त दिन आच्छा करणा सई सै
अक नीं?” 4 पर वे बोल-बाल्ले रहे| फेर उसनै उस ताहीं छू कै चंगा करया अर
जाण दिया, 5 अर उनतै कह्या, “थारै म्ह तै इसा कौण सै, जिसका गधा या
बैळद कुअ म्ह पड़ज्या अर ओ सब्त कै दिन उसनै जिब्बे बाहरण कोनी
लिकड़ै?” 6 वे इन बात्तां का कीमे जबाब कोनी दे पाए|

नम्रता अर मेहमान-नवाजी

7 जिब्ब उसनै देख्या के न्योंदे होये माणस किस तरियां ख़ास- ख़ास जंगहा
छांट लेवैं सैं तो एक उदाहरण देकै कह्या, 8 “जिब्ब कोये तन्नै ब्याह म्ह
बुलावै, तो ख़ास जंगहा पै नीं बैठणा, कदे इसा ना हो के उसनै तेरै तै भी बड्डे
ताहीं न्योंद राख्या हो, 9 अर जिसनै तेरै ताहीं अर उस ताहीं दोनुआ ताहीं
न्योंदा दिया सै, आकै कहवै, ‘इसनै जंगहा दे, ‘ अर फेर तन्नै सर्मिंदा होकै
सारया तै तळै बैठणा पड़ै| 10 पर जिब्ब तू न्योंदा जावै तो सारया तै तरली
जंगहा बैठ के जिब्ब ओ, जिसनै तेरै ताहीं न्योंदा सै आवै, तन्नै कहवै, “हे
याड़ी, आगै बढ़कै बैठ,’ फेर तेरै गेल्या बैठण आळयां कै स्याम्ही तेरी बड़ाई
होवैगी| 11 क्यूँके जो कोए खुद नै बड्डा बणावैगा, ओ छोट्टा करया जावैगा,
अर जो कोए खुद नै छोट्टा बणावैगा, ओ बड्डा करया जावैगा|”
12 फेर उसनै आपणे न्योंदा देणीयै तै भी कह्या, “जिब्ब तू दिन का या रात
का जिमणा करै, तो आपणे ढब्बियाँ या भाईयां या कुन्बे या साहूकार
पड़ोसीयां नै ना न्योंद, कदे इसा ना हो के वे भी तन्नै न्योंदा देवै, अर तेरा
बदला हो जावै| 13 पर जिब्ब तू जिमणा करै तो कंगाल, टुंडे, लंगड़े अर
आंध्यां नै न्योंद| 14 जिब तू धन्य होवैगा, क्यूँके उनकै धोरै तेरै ताहीं बदला
देण नै कीमे कोनी, पर तन्नै धर्मियां कै जिन्दा होण का ईनाम मिलैगा|”

बड्डे जिमणै का उदाहरण

15 उसकै गेल्या खाणा खाण आळयां म्ह तै एक नै ये बात सुण कै उस तै
कह्या, “धन्य सै ओ जो पणमेशर राज्य म्ह रोट्टी खावैगा|” 16 यीशु नै उसतै
कह्या, “किसे माणस नै बड्डा जिमणा करया अर घणा ताहीं न्योंदा| 17 जिब्ब
खाणा त्यार होग्या तो उसनै आपणे नौकर कै हाथां न्योंदे होये माणसां ताहीं
कुह्वा खन्दाया, ‘आओ, इब खाणा त्यार सै|’ 18 पर वे सारे के सारे माफी
माँगण लाग्गे| पहलड़ै नै उसतै कह्या, “मन्नै खेत मोल लिया सै, अर जरूरी
सै के उसनै देक्खूँ; मै तेरै तै बिनती करूं सूं मन्नै बख्स दे|’ 19 दुसरे नै कह्या,
“मन्नै पाँच जोड़े बैळद मोल लिए सै, उन्नै परखण जाऊं सूं; मै तेरै तै बिनती
करूं सूं, मन्नै बख्स दे|’ 20 एक और नै कह्या, “मन्नै ब्याह करया सै, इसकरकै
मै नीं आ सकदा|’ 21 उस नौकर नै आकै आपणे मालिक ताहीं ये बात कह
सुणाई| फेर घर कै मालिक नै खुन्दक म्ह आकै, आपणे नौकर ताहीं कह्या,
“नगर के बजारां अर गळीयां म्ह इब्बे जाकै कन्गालाँ नै, टुंड्यां नै, लंगड़यां नै,
अर आंध्यां नै उरै लेकै आओ|’ 22 नौकर नै दुबारै कह्या, “हे मालिक, जिस
ढाळ तन्नै कह्या था, उस्से तरियां ए करया गया सै; अर फेर भी जंगहा सै|”

23 मालिक नै नौकर तै कह्या, "सड़कां पै अर बाड़्या की कान्नी जा अर
माणसां नै मजबूर करकै लिया ताके मेरा घर भरज्या| 24 क्यूँके मै थमंनै कहूँ
सूं के उन न्योंदे होड़ माणसां म्ह तै कोए मेरै खाणै नै कोनी चाखैगा'|"

चेल्ला बनण का मूल्य

25 जिब्ब बड्डी भीड़ उसकै गेल्या जावै थी, तो उसनै बोहड़ कै उनतै कह्या,
26 जै कोए मेरै धोरै आवै, अर आपणे माँ-बाप अर बीरबान्नी अर बाळकां नै
अर भाईयाँ नै अर भाणां नै बल्के आपणे जीवन तै भी प्यार कोनी करदा, तो
ओ मेरा चेल्ला कोनी हो सकदा| 27 अर जो कोए आपणा क्रूस ना ठावै; अर
मेरै पाच्छै नीं आवै; ओ भी मेरा चेल्ला कोनी हो सकदा| 28 "थारै म्ह तै कौण
सै जो गढ़ बनाणा चाहन्दा हो, अर पहल्या बैठकै खर्चा नीं फैळावै के पूरा
करण की गुंजास मेरै धोरै सै के नीं? 29 कदे इसा ना हो जिब्ब ओ नींव बणा
ले पर त्यार ना कर सकै, तो सारे देक्खण आळे न्यू कहकै उसका मखौल
उड़ाण लाग्गे, 30 'यो माणस बनाण तो लाग्या पर त्यार कोनी कर सक्या?'
31 या कौण इसा राजा सै जो दुसरे राजा तै युद्ध करण जान्दा हो, अर जो
बिचार कर ले के जो बीस हजार लेकै मेरै पै चढ़या आवै सै, के मै दस हजार
लेकै उसका सामणा कर सकूँ सूं के नीं? 32 नीं तो उसके दूर रहन्दे होये ओ
दूत्तां नै खन्दा कै मिलाप करणा चाहवैगा| 33 इस्से ढाळ थारै म्ह तै कोए
आपणा सारा कीमे त्याग नीं देवै, ओ मेरा चेल्ला कोनी हो सकदा|

बेसुवाद नूण

34 "नूण तो बढ़िया सै, पर जै नूण का सुवाद बिगड़ जावै, तो ओ किस चीज
तै नमकीन करया जावैगा| 35 ओ ना तो धरती कै अर ना खाद कै खातर
काम म्ह आवै सै : उसनै तो माणस बाहरण बगा देवै सै| जिसके सुणन के
कान हों ओ सुण ले|"

खोई होड़ भेड का उदाहरण

15 सारे चुंगी लेण आळे अर पापी उसकै धोरै आया करै थे ताके
उसकी सुणैं| 2 पर फरीसी अर शास्त्री बरड़ाकै कहण लाग्गे, "यो तो
पापियाँ तै मिलै सै अर उनकै गेल्या खावै भी सै|" 3 फेर उसनै उनतै यो
उदाहरण कह्या : 4 "थारै म्ह तै कौण सै जिसकी सौ भेड़ हों, अर उनम्ह तै
एक खुज्या, तो निन्यानमै नै बण म्ह छोड़कै, उस खुई होड़ नै जिब्ब ताहीं पा
नी लेन्दी टोहन्दा ना रहवै? 5 अर जिब्ब पा ज्या सै, फेर ओ घणा राज़ी होकै
उस ताहीं कंधे पै ठा लेवै सै; 6 अर घरा आकै ढब्बीयाँ अर पड़ोसियां नै कट्ठा
करकै कहवै सै, 'मेरै गेल्या ख़ुशी मनाओ, क्यूँके मेरी खुई होड़ भेड़ पा गी
सै|' 7 मै थारै तै कहूँ सूं के इस्से तरियां तै एक मन पलटण आळे पापी कै
बाबत भी सुर्ग म्ह इतनाए आनन्द होवैगा, जितना के निन्यानमै इसे धर्मियां
कै बाबत कोनी होन्दा, जिन्नै मन पलटण की आंट कोनी|

खोए होए सिक्के का उदाहरण

8 "या कौण इसी लुगाई होगी जिसकै धोरै दस सिक्के हों, अर उनम्ह तै एक
खुज्या, तो वा दिवा बाळ कै अर घर झाड़-बुहारकै, जिब्ब ताहीं पा नी जावै
जी लाकै टोहन्दी ना रहवै? 9 अर जिब्ब पा ज्या सै, तो वा आपणी ढब्बणां
अर पड़ोसणां नै कट्ठा करकै कहवै सै, 'मेरै गेल्या ख़ुशी मनाओ, क्यूँके मेरा
खुया होया सिक्का पाग्या सै|' 10 मै थमनै कहूँ सूं के इस्से तरियां तै एक मन
पलटण आळे पापी कै बाबत भी पणमेशर के सुर्गदुतां कै स्याम्ही आनन्द होवै
सै|"

उड़ाऊ बेट्टे का उदाहरण

11 फेर यीशु बोल्या, "किसे माणस के दो बेट्टे थे| 12 उनम्ह तै छोट्ळै नै
बाप तै कह्या, "हे बाबू, सम्पत्ति म्ह तै जो मेरा बांडा मेरा हो ओ मन्नै दे द्यो|"
इस करकै उसनै उन ताहीं आपणी सम्पति का बंडवारा कर दिया| 13 घणे
दिन कोनी बीते थे के छोट्टा बेट्टा सारा कीमे कट्ठा करकै दूर देश म्ह चल्या
गया| अर उड़ै भुण्डे काम्मां म्ह आपणा धन उड़ा दिया| 14 जिब्ब ओ सारा
कीमे खर्च करग्या, तो उस देश म्ह भारया अकाल पड़या, अर ओ कंगाल
होग्या| 15 इस करकै ओ उस देश के बाशिंदयां म्ह तै एक कै उरै जा पड़या|
उसनै उस ताहीं आपणे खेत्तां म्ह सूअर चराण खातर खन्दाया| 16 अर ओ
चाहवै था के उन फलियाँ म्ह तै जिन्नै सूअर खावै थे, आपणा पेट भरै; अर
उस ताहीं कोए कीमे कोनी देवै था| 17 जिब्ब ओ आपणे आपै म्ह आया फेर
कहण लाग्या, "मेरै बाप कै कितने मजदुरां नै खाणे तै घणी रोट्टी मिलैं सैं, अर
मै उरै भूखा मरण लाग रह्या सूं| 18 मै इब उठकै आपणे बाबू धोरै जाऊँगा
अर उसतै कहूँगा के बाबू जी, मन्नै सुर्ग कै बिरोध म्ह अर तेरी निंगाह म्ह पाप
करया सै| 19 इब इस जोग्गा कोनी रह्या के तेरा बेट्टा कुह्लाऊँ, मन्नै आपणे
एक मजदूर की ढाळ राख ले|'
20 "फेर ओ उठकै, आपणे बाप कै धोरै गया : ओ इबे दुरे था के उसकै बाप
नै उस ताहीं देखकै तरस आया, अर भाज कै उस ताहीं छात्ती कै लाया, अर
घणा चुम्या यानिके प्यार करया| 21 बेट्टे नै उसतै कह्या, "बाबू जी, मन्नै सुर्ग
कै बिरोध म्ह अर तेरी निंगाह म्ह पाप करया सै; अर इब इस जोग्गा कोनी
रह्या के तेरा बेट्टा कुह्लाऊँ|" 22 पर बाप नै आपणे नौकरां तै कह्या, "तोळ
करकै सुथरे-सुथरे लत्ते लिकाड़कै उसनै पिहराओ, अर उसकै हाथां म्ह
गुंठी, अर पाया म्ह जुत्ती पहराओ, 23 अर पळा होड़ डांगर ल्याकै मारो ताके
हम खावां अर ख़ुशी मनावां| 24 क्यूँके मेरा यों बेट्टा मरग्या था, दूबारै जीग्या
सै : खुग्या था अर इब पाग्या सै|' अर वे ख़ुशी मनाण लाग्गे| 25 "पर उसका
जेठा बेट्टा खेत म्ह था| जिब्ब ओ आंदे होये घर कै लामणै पहोच्या, तो उसनै
गाण-बजाण अर नाचण का बोल सुणया| 26 आखर म्ह उसनै एक नौकर
बुलाकै बुझ्झया, "यो के होण लाग रह्या सै? 27 उसनै उस ताहीं कह्या, "तेरा
भाई आया सै, अर तेरे बाप नै पळा होड़ डांगर कटवाया सै, इसकरकै के उस
ताहीं ठीक-ठाक पाया सै|" 28 न्यू सुणकै ओ छोह तै भरग्या अर भीत्तर
जाणा कोनी चाहया, पर उसका बाप बाहरण आकै उसनै मनाण लाग्या|
29 उसनै बाप ताहीं जबाब दिया, लखा, मै इतने साल तै तेरी सेवा-पाणी कर
रह्या सूं अर कदे भी तेरा हुक्म कोनी टाळया, फेरभी तन्नै मेरै ताहीं कदे भी
एक बकरी का बच्चा भी कोनी दिया के मै आपणे ढब्बीयाँ गेल्या आनन्द
करदा| 30 पर जिब्ब तेरा यो बेट्टा, जिसनै तेरी सम्पति रण्डीयां म्ह उड़ा दी
सै, आया, तो उसकै खातर तन्नै पळा होड़ डांगर कटवाया|' 31 उसकै बाप नै
उसतै कह्या, "बेट्टा, तू सारी हाण मेरै गेल्या सै; अर जो कीमे मेरा सै ओ सारा
तेराए सै| 32 पर इब आनन्द अर मगन होणा चहिये क्यूँके यो तेरा भाई जो
मरग्या था दुबारा जी ग्या सै, खुग्या था, इब पाग्या सै|

श्याणा भण्डारी

16 फेर उसनै चेल्यां तै कह्या, "किसे साहूकार का एक भण्डारी था,
अर आदमियाँ नै उसकै स्याम्ही उस पै या तोहमन्द लायी के ओ
तेरा सारा धन उड़ा देवै सै| 2 आखर म्ह उसनै उसतै बुलाकै कह्या, "यो के
सै मै तेरै बाबत के सुंणु सूं? आपणे भण्डारीपण का हिसाब दे, क्यूँके तू आगै
तै भण्डारी कोनी रह सकदा|" 3 फेर भण्डारी सोच्चण लाग्या, "इब मै के
करूं? क्यूँके मेरा मालिक इब भण्डारी का काम मेरै तै खोस्सै सै| माट्टी मेरै पै
खुदै नीं; अर भीख भी माँगदे हाणी सर्म आवैगी| 4 मै जाणग्या के मै के करूं,
ताके मै जिब्ब भण्डारी कै काम तै हटाया जाऊँ तो माणस मन्नै आपणे घरा
म्ह ले लेवै| 5 फेर उसनै आपणे मालिक के देणदारां ताहीं एक-एक करकै
बुलाया अर पहल्या तै बुझ्झया, 'तेरै ऊप्पर मेरै मालिक का कितना कर्जा
सै?' 6 उसनै कह्या, "सौ मण तेल, 'फेर उसनै उसतै कह्या, 'आपणा खाता
अर बही ले अर बैठकै तोळा-तोळा पचास लिख दे|' 7 फेर उसनै दुसरे तै
बुझ्झया, "तेरै पै कितना कर्जा सै?' दुसरे नै कह्या, 'सौ मण गेंहूँ, 'फेर उसनै
उसतै कह्या, 'आपणा खाता अर बही लेकै अर बैठकै अस्सी लिख दे|'
8 "मालिक नै उस अधर्मी भण्डारी ताहीं सराहया के उसनै कितनी श्याणपत
तै काम करया सै| क्यूँके इस दुनिया के माणस आपणे टैम के आदमियाँ
गेल्या रीत-बीवार म्ह चाँदणै के आदमियाँ तै घणे श्याणे सैं| 9 अर मै थम ने
कहूँ सूं के अधर्म कै धन तै आपणे खातर ढब्बी बणा ल्यो, ताके जिब्ब ओ
जादा रहवै तो वे थारै ताहीं अनन्त घरा म्ह ले लेवैं| 10 जो माड़े-तै भी माड़े
म्ह साच्चा सै, ओ घणा म्ह भी साच्चा सै, जो माड़े-तै भी माड़े म्ह अधर्मी सै,

ओ घणा म्ह भी अधर्मी सै| 11 इस करकै जिब्ब थम अधर्म कै धन म्ह साच्चे
नीं ठहरे, तो साच्चा धन थम नै कौण थमावैगा? 12 अर जै थम बिगान्ने धन म्ह
साच्चे कोनी ठहरे, तो जो थारा सै, वो थमनै कौण देवैगा? 13 कोए नौकर दो
मालिकां की सेवा-पाणी कोनी कर सकदा : क्यूँकै ओ तो एक तै बैर अर
दुसरे तै प्रेम राक्खैगा; या एक तै मिल्या रहवैगा अर दुसरे नै छोट्टा या तुच्छ
जाणैगा| थम पणमेशर अर धन दोनुआ की सेवा कोनी कर सकदे|"

यीशु के कुछ उपदेश

14 फरीसी जो लोभ्भी थे, ये सारी बात सुणकै, मखौल करण लाग्गे|
15 उसनै उनतै कह्या, "थम तो माणसां कै स्याम्ही खुद नै धर्मी ठहराओ सो,
पर पणमेशर थारै मन नै जाणै सै, क्यूँकै जो चीज माणसां की निंगाह म्ह
महान सै, वा पणमेशर कै लवै भुण्डी सै| 16 "व्यवस्था अर नब्बी यूहन्ना ताहीं
रहे; उस टैम तै पणमेशर कै राज्य की खुश-खबरी सुणयांई जाण लागरी थी,
अर हरेक उस म्ह हावी होकै बड़ै था| 17 अकास अर धरती का टळ जाणा
व्यवस्था कै एक बिंदी तै खु जाण तै सेल्ला सै| 18 "जो कोए आपणी बीरबान्नी
नै छोड़ कै दूसरी तै ब्याह करै सै, ओ जारी करै सै, अर जो कोए इसी छोड्डी
होई लुगाई तै ब्याह करै सै, ओ भी जारी करै सै|

साहूकार माणस अर गरीब लाजर

19 "एक साहूकार माणस था जो बैंजनी लत्ते अर मलमल पहरदा अर हरेक
दिन एश तै अर आनन्द तै रहवै था| 20 लाजर नाम का एक कंगाल जिसकै
घा: होरे थे उसकी देहळी पै छोड़ दिया जावै था, 21 21 अर ओ चाहवै था के
साहूकार की मेज पै की जूठण तै आपणा पेट भरै; उरै ताहीं के कुत्ते भी आकै
उसके घा: नै चाट्या करै थे| 22 इसा होया के ओ कंगाल मरग्या, अर
सुर्गदुत्तां नै उसताहीं लेकै अब्राहम की गोद्दी म्ह पहोच्या| ओ साहूकार भी
मारया अर गाड्या गया, 23 अर नरक म्ह दर्द म्ह पड़े होए आपणी निंगाह
ठाई, दूर तै अब्राहम की गोद्दी म्ह लाजर ताहीं देख्या| 24 फेर उसनै रुक्का
मारकै कह्या, "हे पिता अब्राहम, मेरै पै दया करकै लाजर नै खन्दा दे, ताके
ओ आपणी आन्गल्ली का कुणा पाणी म्ह डबोकै मेरी जीभ नै शीळी करै,
क्यूँकै मै इस आग तै तड़फू सूं|' 25 पर अब्राहम बोल्या, "हे बेट्टा, याद कर के
तन्नै आपणी जिन्दगी म्ह बढिया चीज ले ली सैं, अर उस्से तरियां लाजर
भूंडी चीज : पर इब ओ आपणी शान्ति पा रह्या सै, अर तू तड़फ रह्या सै|
26 इन बात्तां नै छोड़ म्हारै अर थारै बिच्चाळै एक भारया खड्डा ठहराया सै के
जो उरै तै उस परली ओड़ नै थारै लवै जाणा चाहवै, वे कोनी जा सकैगें; अर
ना कोए उड़ै इस पास्सै म्हारै लवै आ सकैं|' 27 ओ बोल्या, "तो हे पिता, मै
तेरै तै बिनती करूं सूं के उस ताहीं मेरै बाप कै घरा खन्दा, 28 क्यूँकै मेरे पांच
भाई सै; ओ उनकै स्याम्ही इन बात्तां की गवाही दे, इसा ना हो के वे भी
दु:ख की जंगहा म्ह आवै|' 29 अब्राहम नै उसतै कह्या, "उनकै धोरै तो मूसा
अर नब्बीयां की किताब सै, वे उनकी सुणै|" 30 ओ बोल्या, "कोनी, हे पिता
अब्राहम, पर जै कोए मरे होया म्ह तै उसकै लवै जावै, तो वे मन फिरावैगें|"
31 उसनै उसतै कह्या, "जिब्ब वे मूसा अर नब्बियाँ की नीं सुणदे, तो जै मरे
होया म्ह तै कोए जी भी जा, तो भी उसकी कोनी मान्नैगें|"

ठोकर का कारण बनणा

17 फेर उसनै आपणे चेल्यां तै कह्या, "हो नीं सकदा के ठोकर ना लागै,
पर हाय, उस माणस पै जिसकै बाबत वे लागै सै| 2 जो इन छोट्यां
म्ह तै किसे एक नै ठोकर खुआवै सै, उसकै खातर न्यू बढ़िया होन्दा के
चाक्की के पाट उसकै गळ म्ह लटकाया जान्दा, अर ओ समुन्दर म्ह गेर दिया
जान्दा| 3 ढेठ राक्खो; जै तेरा भाई जुल्म करै तो उसनै समझा, अर जै
पछतावै तो उसनै बख्स| 4 जै साब्बत दिन म्ह ओ सात बर तेरा अपराध करै
अर सात्तू बर तेरै लवै आकै कहवै, "तो उसनै बख्स|"

बिश्वास

5 फेर प्रेरितां नै प्रभु तै कह्या, "म्हारा बिश्वास बधा|" 6 प्रभु बोल्या, "जै
थमनै राई के दाणै बराबर भी बिश्वास होन्दा, तो थम इस शहतूत कै दरख्त नै
कहन्दे के जड़ तै उखड़कै समुन्दर म्ह जा लाग, तो ओ थारी मान लेन्दा|

एक दास का कर्तव्य

7 "थारै म्ह तै इसा कौण सै, जिसका नौकर हळ जोतदा या भेड़ चरान्दा
हो, अर जिब्ब ओ खेत तै आवै, तो उसतै कह्वै, 'तोळा आकै खाणा खाण
बैठ'? 8 अर न्यू ना कहवै, 'मेरा खाणा त्यार कर, अर जिब्ब ताहीं मै खाऊँ
पीऊँ तब ताहीं कड़ बाँधे मेरी सेवा-पाणी कर; इसकै पाच्छै तू भी खा पी
लिये'? 9 के ओ उस नौकर का श्यान मान्नैगा के उसनै वैए काम करे जिसका
हुक्म दिया था? 10 इस्से तरियां तै थम भी जिब्ब उन सारे काम्मां नै कर ल्यो
जिसका हुक्म थारै ताहीं दिया था, तो कहो, 'हम बेकार नौकर सां; जो हमनै
करणा चहिये था हमनै सिर्फ ओए करया सै|'"

कोढ़ के दस रोगियाँ ताहीं चंगा करणा

11 इसा होया के ओ यरूशलेम जांदे होड़ सामरिया अर गलील कै बिच्चाळै
तै होन्दा होया जावै था| 12 किसे गाम म्ह बड़दे बख्त उसनै दस कोढ़ी फेट्टे|
13 उन्नै दूर खड़े होकै ठाड्डू बोल तै कह्या, "हे यीशु, हे मालिक, म्हारै पै दया
कर!" 14 उसनै उन पै लखा कै कह्या, "जाओ, अर खुद ताहीं याजकां नै
दिखाओ|" अर जांदे ए जांदे वे चंगे होग्ये| 15 फेर उनम्ह तै एक न्यू देख कै
के मै चंगा होग्या सूं, ठाड्डू बोल तै पणमेशर की बड़ाई करदा होया बोहड़या;
16 अर यीशु कै पायां पै मुँह कै बळ पड़ कै उसका धन्यवाद करण लाग्या, अर
ओ सामरी था| 17 इस पै यीशु नै कह्या, "के दस चंगे कोनी होए, तो फेर नौ
कित सैं? 18 के इस परदेसी नै छोड़ कोए और नीं लिकड़या जो पणमेशर की
बड़ाई करदा?" 19 फेर उसनै उस ताहीं कह्या, "उठकै चल्या जा, तेरै बिश्वास
नै तेरै ताहीं चंगा करया सै|"

पणमेशर के राज्य का आगमन

20 जिब्ब फरिसियां नै उसतै बुझ्झया के पणमेशर का राज्य कद आवैगा,
तो उसनै उनतै जबाब दिया, "पणमेशर का राज्य प्रगट रूप म्ह कोनी
आन्दा| 21 अर माणस न्यू नीं कह्वैगें, "आड़ै सै या उड़ै सै|" क्यूँकै लखाओ,
पणमेशर का राज्य थारै बिच्चाळै सै|" 22 फेर उसनै चेल्यां तै कह्या, "वे दिन
आवैगें, जिसम्ह थम माणस के बेट्टे के दिनां म्ह तै एक दिन नै देखणा चाहोगे,
अर कोनी देक्खोगे| 23 माणस थारै तै कहवैगें, "लखाओ, उड़ै सै|" या
लखाओ, आड़ै सै|" पर थम जाईयो ना अर ना उनकै पाच्छै लागियो|
24 क्यूँकै जिस तरियां बिजळी अकास कै एक छोर तै कोंध कै अकास कै
दुसरे छोर ताहीं चमकै सै, उस्से तरियां माणस का बेट्टा भी आपणे दिनां म्ह
प्रगट होवैगा| 25 पर पह्ल्या जरूरी सै के ओ घणे काल होवै, अर इस युग कै
माणस उस ताहीं तुच्छ ठहरावै| 26 जिसा नूह के दिनां होया था, उस्से
तरियां माणस के बेट्टे के दिनां म्ह भी होवैगा| 27 जिस दिन ताहीं नूह जहाज
नीं चढ़या, उस दिन ताहीं माणस खावै-पीवै थे, अर उनम्ह ब्याह होवैं थे|
फेर जल-प्रळय नै आकै उन सारया का नास करया| 28 अर जिसा लूत कै
दिनां म्ह होया था के माणस खावैं-पीवैं, लेणा-देणा करदे, दरख्त लान्दे अर
घर चीणैं थे; 29 पर जिस दिन लूत सदोम तै लिकड़या, उस दिन आग अर
गन्धक अकास तै बरसी सारा कीमे नास कर दिया| 30 माणस का बेट्टे कै
प्रगट होण कै दिन भी इसाए होवैगा|

31 "उस दिन जो छात पै हो, अर उसका सामान घरा म्ह हो, अर ओ उसनै
लेण नै नीं उतरै; अर उस्से तरियां जो खेत्तां म्ह हो ओ पाच्छै नीं बोहड़ें|
32 लूत की बीरबान्नी नै याद राखियो! 33 जो कोए आपणा जी बचाणा चाहवै,
ओ उसनै खोवैगा, अर जो कोए उसनै खोवै ओ उसनै जिन्दा राक्खैगा| 34 मै
थमनै नै कहूँ सूं, उस रात नै दो माणस एक खाट पै होंगे; एक ठाया जावैगा
अर दूसरा छोड़ दिया जावैगा| 35 दो लुगाई एक सेत्ती चाक्की पीसदी होवैगी,
एक ठा ली जावैगी अर दूसरी छोड़ दी जावैगी| 36 [दो जणे खेत म्ह होंगे, एक

ठाया जावैगा अर दूसरा छोड्या जावैगा|]" 37 न्यू सुण उन्नै उसतै बुझ्झया, "हे प्रभु, यो कित होवैगा?" उसनै उनतै कह्या, "जड़ै लाश सैं, उड़ै गिद्ध कट्ठे होंगे|"

अधर्मी जज अर बिधवा का उदाहरण

18 फेर उसनै इसकै बाबत म्ह के रोज प्रार्थना करणा अर ढेठ नीं
छोड़ना चहिये, उनतै यो उदाहरण कह्या, 2 "किसे नगर म्ह एक जज
रहवै था, जो ना पणमेशर तै डरै था अर ना किसे माणस की आँट मान्नै था|
3 उस्से नगर म्ह एक बिधवा भी रहवै थी, जो उसकै धोरै आ-आकै कह्या करै
थी, मेरा न्याय चुकाकै मन्नै मुद्दई तै बचा|" 4 कीमे टैम ताहीं तो ओ कोनी
मान्या पर आखर म्ह मन म्ह सोच कै बोल्या, "ऊ तै मै पणमेशर तै कोनी
डरदा, अर ना माणसां की कीमे आँट मान्नू सूं; 5 फेरभी या बिधवा मन्नै कांल
राक्खै सै, इस करकै मै उसका न्याय चूकाऊँगा, कदे इसा ना हो के घड़ी-
घड़ी आकै आखर म्ह मेरी नास्सा म्ह दम करदे|" 6 प्रभु नै कह्या, "सुणो, यो
अधर्मी जज के कहवै सै? 7 इसकरकै के पणमेशर आपणे छाँटे होया का
न्याय कोनी चुकावैगा, जो दिन-रात उसकी दुहाई देंदे रहवैं सैं? के ओ उनकै
बाबत वार करैगा? 8 मै थमनै कहूँ सूं, "ओ जिब्बे उनका न्याय चुकावैगा|
फेरभी माणस का बेट्टा जिब्ब आवैगा, तो के ओ धरती पै बिश्वास पावैगा?"

फरीसी अर चुंगी लेणआळे का उदाहरण

9 उसनै उनतै जो खुद पै भरोसा राक्खै थे, के हम धर्मी सां, अर दूसरयां नै
तुच्छ जाणै थे, यो उदाहरण कह्या : 10 "दो माणस मन्दर म्ह प्रार्थना करण नै
गए; एक फरीसी था अर दूसरा चुंगी लेण आळा, 11 फरीसी खड़या होकै
आपणे मन म्ह न्यू प्रार्थना करण लाग्या, "हे पणमेशर मै तेरा धन्यवाद करूं सूं
के मै और माणसां की तरियां अन्धेर करण आळा, जुल्मी, अर जार कोनी,
अर ना इस चुंगी लेण आळे की तरियां सूं| 12 मै हफ्ते म्ह दो बर ब्रत राक्खु
सूं; मै आपणी सारी आमन्द्री का दसमाँ हिस्सा भी द्यु सूं| 13 "पर चुंगी लेण
आळे नै दूर खड़े होकै, सुर्ग कै कान्नी निंगाह ठाणा भी कोनी चाहया, बल्के
आपणी छात्ती पीट-पीटकै कह्या, "हे पणमेशर, मुझ पापी पै दया कर !" 14 मै
थम नै कहूँ सूं के ओ दूसरा कोनी, पर योए माणस धर्मी ठहराया जाकै आपणे
घरा गया; क्यूँके जो कोए खुद नै बड्डा बणावैगा, ओ छोट्टा करया जावैगा; जो
कोए खुद नै छोट्टा बणावैगा, ओ बड्डा करया जावैगा|"

बाळ कां ताहीं आशरिवाद

15 फेर माणस आपणे बाळकां नै भी उसकै धोरै ल्याण लाग्गे के ओ उन पै
हाथ धरै; पर चेल्यां नै लखाकै उन ताहीं धमकाया| 16 यीशु नै बाळकां ताहीं
धोरै बुलाकै कह्या, "बाळकां नै मेरै धोरै आण द्यो अर उन्नै रोक्को मतना : 17 मै
थम नै साच्ची कहूँ सूं के जो कोए पणमेशर कै राज्य नै बाळकां की तरियां
कोनी अपणावै ओ उसम्ह कदे नीं बड़ सकदा|"

साहूकार माणस अर अनन्त जीवन

18 किसे सरदार नै उस तै बुझ्झया, "हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का हक्क
दार होण खातर मै के करूं?" 19 यीशु नै उसतै कह्या, "तू मन्नै उत्तम क्यातै
कहवै सै? कोए उत्तम कोनी, सिवा एक, यानिके पणमेशर| 20 तन्नै हुक्मां का
तो बेराए सै : 'जारी नीं करणा, खून नीं करणा, अर चोरी नीं करणा, अर झूठी
गवाही नीं देणा, आपणे माँ-बाप का आदर-मान करणा' |" 21 उसनै कह्या,
"मै तो इन सारया नै बाळकपण तैए मान्दा आऊँ सूं|" 22 न्यू सुण कै यीशु नै
उसतै कह्या, "तेरै म्ह इब भी एक बात की घटी सै, आपणा सारा कीमे बेचकै
कंगाल तै बांड दे; अर तन्नै सुर्ग म्ह धन मिलैगा, अर आकै मेरै गेल हो ले|"
23 ओ न्यू सुण कै घणा उदास होया, क्यूँके ओ घणा साहूकार था| 24 यीशु
नै उसताहीं देखकै कह्या, "साहूकारां का पणमेशर कै राज्य कै बड़ना कितना
ओख्खा सै| 25 पणमेशर राज्य म्ह साहूकार का बड़ना ऊँट का सूंई कै मोरै
म्ह तै काड़ना सेल्ला सै|" 26 इस पै सुनण आळयां नै कह्या, "तो फेर किसका
उद्धार हो सकै सै?" 27 उसनै कह्या, "जो माणसां तै नीं हो सकदा ओ
पणमेशर तै हो सकै सै|" 28 पतरस नै कह्या, "लखा, हम तो घर-बार छोड़ कै
तेरै गेल हो लिये सां|" 29 उसनै उनतै कह्या, "मै थम तै साच्ची कहूँ सूं के इसा
कोए कोनी जिसनै पणमेशर राज्य कै खातर घर, या बीरबान्नी, भाई, या माँ-
बाप, या बाळक बचच्या नै छोड़ दिया हो; 30 अर इस टैम कई गुणा घणा नीं
पावै अर आणआळे युग म्ह अनन्त जीवन|"

अपणी मौत कै बारै म्ह यीशु की तीसरी भविष्यवाणी

31 फेर उसनै बारहा ताहीं गेल ले जाकै उनतै कह्या, "लखाओ, हम
यरूशलेम नै जांवां सां, अर जितनी बात माणस कै बेट्टे खातर नब्बियाँ तै
लिक्खी होई सैं, वे सारी पूरी होवैगी| 32 क्यूँके ओ दूसरी जात्तां के हाथां म्ह
सौप्पा जावैगा, अर वे उसका मखौल करैंगें; उसकी बेइज्जती करैंगें, अर उस
पै थूकैगें, 33 अर उसकै कोरड़े मारैगें, अर घात करैंगें छेतैगें; अर ओ तीसरै
दिन जिन्दा होज्यागा|" 34 पर उन्नै इन बात्तां म्ह तै कोए बात नीं समझी;
अर या बात उनतै लुहकी रही, अर जो कह्या गया था ओ उसकी समझ
कोनी आया|

आंधे भिखारी का उदाहरण

35 जिब्ब ओ यरीहो कै लवै पहोच्या, तो एक आंधा सड़क कै कंठारै बैठ्या
होया भीख माँगण लागरया था| 36 ओ भीड़ कै चाल्लण की पैड़ सुण कै बूझण
लाग्या, "यो के होरया सै?" 37 उन्नै उसतै बताया, "यीशु नासरी जाण लागरया
सै|" 38 फेर उसनै रुक्का मारकै कह्या, "हे यीशु, दाऊद की ऊलाद, मेरै पै
दया कर !" 39 जो आगै- आगै जाण लागरे थे, वे उसनै धमकाण लाग्ये के
बोल-बाल्ला रहै; पर ओ और भी किल्की मारण लाग्या, "हे दाऊद की
ऊलाद, मेरै पै दया कर !" 40 फेर यीशु नै खड़े होकै हुक्म दिया के उसनै मेरै
धोरै ल्याओ, अर जिब्ब ओ धोरै आया तो उसनै उसतै बुझ्झया, 41 "तू के
चाहवै सै के मै तेरै खातर करूं?" उसनै कह्या, "हे प्रभु, योए के मै देक्खण
लाग्गू|" 42 यीशु नै उसतै कह्या, "देक्खण लाग; तेरै बिश्वास नै तेरै ताहीं
आच्छा करया सै|" 43 फेर ओ जिब्बे देखण लाग्या अर पणमेशर की बड़ाई
करदा होया उसकै गेल हो लिया; अर सारे आदमीयाँ नै देखकै पणमेशर की
जय-जयकार स्तुति करी|

चुंगी लेण आळा जक्कई

19 ओ यरीहो म्ह बड़ण लागरया था| 2 ओड़ै जक्कई नाम का एक
माणस था जो चुंगी लेण आळयां का सरदार था अर साहूकार था|
3 ओ यीशु नै देखणा चाहवै था के ओ कौण-सा सै| पर भीड़ कै कारण देख
नीं सकै था, क्यूँके ओ बोना था| 4 फेर उस ताहीं खातर ओ आगै भाज कै
गुलर कै दरख्त पै चढ़ग्या, क्यूँके यीशु नासरी उस्से राह तै जाण आळा था|
5 जिब्ब यीशु नासरी उस ठोड़ पहोच्या, तो ऊप्पर लखाकै उसनै कह्या, "हे
जक्कई, तोळा उतरया; क्यूँके आज मन्नै तेरै घरा जरुर रहणा सै|" 6 ओ
जिब्बे उतरकै राज़ी होकै यीशु नै आपणे घरा लेग्या| 7 न्यू देखकै सारे माणस
बरड़ाण लाग्गे, "ओ तो एक पापी माणस कै घरा रुकरया सै|" 8 जक्कई नै
खड़े होकै प्रभु तै कह्या, "हे प्रभु, लखा, मै आपणी आधी सम्पति कंगालां नै
द्यु सूं, अर किसे का कीमे भी जुल्म करकै ले लिया सै तो उस ताहीं चौगुणा
बोहड़ा द्यु सूं|" 9 फेर यीशु नै उसतै कह्या, "आज इस म्ह उद्धार आया सै,
इसकरकै के यो भी अब्राहम का बेट्टा सै| 10 माणस का बेट्टा खुवे होया नै
टोहण अर उनका उद्धार करण आया सै|"

दस मुहरां का उदाहरण

11 जिब्ब वे ये बात सुणै थे, तो उसनै एक उदाहरण कह्या, इसकरकै के ओ
यरूशलेम कै धोरै था, अर वे समझै थे के पणमेशर का राज्य इब्बे प्रगट होण
आळा सै| 12 आखर उसनै कह्या, "एक साहूकार माणस दूर देश तै चल्या के
राजपद पाकै बोहड़ै| 13 उसनै आपणे नौकरां म्ह तै दस ताहीं बुलाकै उन
ताहीं दस मोंहर दीं अर उनतै कह्या, "मेरै बोहड़ण ताहीं लेण-देण करणा|"
14 पर उसकै नगर के बासिन्दे उस तै बैर राक्खै थे, अर उसकै पाच्छै दुत्तां
तै कुहवा भेज्या, "हम नीं चाह्न्दे के यो म्हारै पै राज करै|" 15 "जिब्ब ओ
राजपद पाकै बोहड़या, तो इसा होया के उसनै आपणे नौकरां ताहीं जिन

ताहीं रपिये दिये थे, आपणे धोरै बुलाया ताके बेरा करै के उन्नै लेण-देण म्ह के-के कमाया| 16 फेर पहलड़े नै आकै कह्या, “हे मालिक, तेरी मोंहर तै दस और मोंहर कमाई सैं| 17 उसनै उसतै कह्या, “धन्य, हे बढ़िया नौकर ! तू घणए थोड़े म्ह बिश्वासजोग्गा लिकड़या इब दस नगरां का हक्क राख|” 18 दुसरे नै आकै कह्या, “हे मालिक, तेरी मोंहर तै पाँच और मोंहर कमाई सैं|” 19 उसनै उसतै कह्या, “तू भी पाँच नगरां पै हाकिम होज्या|” 20 तीसरे नै आकै कह्या, “हे मालिक, देख, तेरी मोहर या सै : जिस ताहीं मन्नै अंगोछे म्ह जुड़ राक्खी थी| 21 क्यूँके मै तेरै तै डरु था, इस करकै के तू करड़ा माणस सै : जो तन्नै नीं धरया उसनै ठा ले सै, अर जो तन्नै नीं बोया, उस ताहीं काट्टै सै|” 22 उसनै उसतै कह्या, “हे दुष्ट नौकर, मै तेरै ए मुँह तै तन्नै कसूरवार ठहराऊँ सूं| जिब्ब तन्नै मेरा बेरा सै के करड़ा माणस सूं, जो मन्नै नीं धरया उसनै ठा ल्यु सूं, अर जो मन्नै नीं बोया, उस ताहीं काट्टू सूं; 23 तो तन्नै मेरे रपिये महाजनां कै धोरै क्यातै कोनी धरे के मै आकै ब्याज सुदा ले लेन्दा?” 24 अर जो माणस धोरै खड़े थे, उसनै उनतै कह्या, “वा मोहर उसतै ले ल्यो, अर जिसकै धोरै दस मोंहर सै उसनै दे द्यो|” 25 उन्नै उसतै कह्या, “हे मालिक, उसकै धोरै दस मोंहर तो सैं|” 26 “मै थम नै कहूँ सूं के जिसकै धोरै सै, उस ताहीं दिया जावैगा; अर जिसकै धोरै नीं सै, उसतै वो भी जो उसकै धोरै सै ले लिया जावैगा| 27 पर मेरे उन बैरियां ताहीं जो नीं चाहवैं थे के मै उन पै राज करूं, उनताहीं उरै ल्याकै मेरै स्याम्ही घात करो|”

यरूशलेम म्ह विजय-प्रवेश

28 ये बात कहकै ओ यरूशलेम कै कान्नी उनकै आगै-आगै चाल्या| 29 जिब्ब ओ जैतून नामका पहाड़ पै बैतफगे अर बैतनिय्याह कै धोरै पहोच्या, तो उसनै आपणे चेल्यां म्ह तै दोवां ताहीं न्यू कहकै खन्दाया, 30 “स्याम्ही के गाम म्ह जाओ; अर उसम्ह पहोचदये एक गधी का बच्चा जिसपै कोए कदे नीं बैठ्या हो, बन्धया होड़ थमनै मिलैगा, उसनै खोल कै लियाओ| 31 जै कोए थारै तै बुझ्झै के क्यातै खोल्लो सो, तो न्यू कह दियो के प्रभु नै इस ताहीं काम म्ह ल्याणा सै|” 32 जो खन्दाए गए थे, उन्नै जाकै जिसा उसनै कह्या था, उस्से तरियां पाया| 33 जिब्ब वे गधी कै बच्चे नै खोल्लै रहे थे, तो उसके मालिका नै उनतै बुझ्झया, “इस बच्चे नै क्यातै खोल्लो सो?” 34 उन्नै कह्या, “प्रभु नै इस ताहीं काम म्ह ल्याणा सै|” 35 वे उसनै यीशु धोरै लियाए, अर आपणे लत्ते उस बच्चे पै लादकै यीशु ताहीं उस पै बिठा दिया| 36 जिब्ब ओ जाण लाग रया था, तो वे आपणे लत्ते राह म्ह बिछान्दे जावै थे| 37 धोरै आंदे होये जिब्ब ओ जैतून पहाड़ की ढलाण पै पहोच्या, तो चेल्यां का सारा टोळ उन सारे सामर्थ के काम्मां कै कारण जो उन्नै देक्खे थे, राज़ी होकै ठाड्डू बोल तै पणमेशर की जय-जयकार करण लाग्गे : 38 “धन्य सै ओ राजा, जो प्रभु कै नाम तै आवै सै ! सुर्ग म्ह शान्ति अर अकास मण्डप म्ह महिमा हो !” 39 फेर भीड़ म्ह तै कीमे फरीसी उसतै कहण लाग्गे, “हे गुरु, आपणे चेल्यां नै धमका|” 40 उसनै जबाब दिया, “मै थमनै कहूँ सूं, जै ये बोल-बाल्ले रहे तो पत्थर किल्की मारण लाग ज्यागें|”

यरूशलेम कै खातर बिलाप

41 जिब्ब ओ धोरै आया तो नगर नै देखकै रोया 42 अर बोल्या, “के भला ए होन्दा के तू, हम्बै, तू ए इसे दिन म्ह ख़ुशी की बात जाणदा, पर इब वे तेरी आँखां तै ओझल होगी सैं| 43 क्यूँके वे दिन तेरै पै आवैगें के तेरे बैरी मोर्चा बाँध कै तन्नै घेर लेवैंगें, अर चौगरदे तै तन्नै दबावैंगें; 44 अर तन्नै अर तेरे बाळकां ताहीं जो तेरै म्ह सै, माट्टी म्ह मिलावैंगें, अर तेरै म्ह पत्थर पै पत्थर भी कोनी छोडैगें; क्यूँके तन्नै उस मौक्के ताहीं जिब्ब तेरै पै दया की निंगाह होई थी कोनी पिच्छाणा|”

मंदर तै व्यापारियां का काड्या जाणा

45 फेर ओ मन्दर म्ह जाकै बेचण आळयां ताहीं बाहरण लिकाड़ण लाग्या, 46 अर उनतै कह्या, “लिख्या सै, ‘मेरा घर प्रार्थना का घर होगा,’ पर थम नै इस ताहीं डाकुआ की खोह बैणा दिया|” 47 ओ हरेक दिन मन्दर म्ह उपदेश दिया करै था; अर प्रधान याजक अर शास्त्री अर माणसां के मुखिया उसका नास करण का मौक्का टोहवैं थे| 48 पर कोए जुगाड़ कोनी काड सकै थे के यो किस तरियां करां, क्यूँके सारे माणस घणे चा: तै उसकी सुणैं थे|

यीशु के अधिकार का प्रश्न

20 एक दिन इसा होया के जिब्ब यीशु मसीह मन्दर म्ह माणसां नै उपदेश देवै था अर सुसमाचार सुणावै था, तो प्रधान याजक अर शास्त्री, पुरनिया कै गेल्या धोरै आकै खड़े होये; 2 अर कहण लाग्गे, “म्हारै ताहीं बता, तू इन काम्मां नै किसकै हक्क तै करै सै, अर ओ कौण सै जिसनै तेरै ताहीं यो हक्क दिया सै?” 3 उसनै उनतै कह्या, “मै भी थारै तै एक बात बुझ्झु सूं; मन्नै बताओ| 4 युहन्ना का बपतिस्मा सुर्ग की ओड़ था या माणसां की ओड़ तै था?” 5 फेर वे आपस म्ह कहण लाग्गे, “जै हम कहवां, ‘सुर्ग की ओड़,’ तो ओ कहवैगा, ‘फेर थम नै उसका बिश्वास क्यातै नीं करया?’ 6 अर जै हम कहवां, ‘माणसां की ओड़,’ तो सारे माणस म्हारै पै पत्थर बरसावैगें, क्यूँके उन्नै साच्चे बेरा था के युहन्ना नब्बी था|” 7 आखर म्ह उन्नै जबाब दिया, “हमनै नीं बेरा के ओ किस ओड़ तै था|” 8 यीशु नै उनतै कह्या, “तो मै भी नीं बतान्दा के मै ये काम किस हक्क तै करूं सूं|”

दुष्ट किसानां का उदाहरण

9 फेर ओ माणसां तै यो उदाहरण कहण लाग्या : “किसे माणस दाख की बारी लाई, अर किसानां तै उसनै ठेका दे दिया अर घणे दिनां खातर परदेश चल्या गया| 10 जिब्ब टैम आया तो उसनै किसानां कै धोरै एक नौकर ताहीं खन्दाया के वे दाख की बारी के कीमे फळां का बान्डा उसनै देवै, पर किसानां नै उसताहीं छेतकै रित्ते हाथां बोहड़ा दिया| 11 फेर उसनै एक और नौकर ताहीं खन्दाया, अर उन्नै उसताहीं भी छेतकै अर उसकी बेइज़्ज़ती करकै रित्ते हाथां बोहड़ा दिया| 12 फेर उसनै तीसरा खन्दाया, उन्नै उस ताहीं भी घायल करकै लिकाड़ दिया| 13 फेर दाख की बारी कै मालिक नै कह्या, “मै के करूं? मै आपणे प्यारे बेट्टे नै खन्दाऊँगा, हो सकै सै वे उसकी इज़्ज़त करैं|” 14 जिब्ब किसानां नै उसताहीं देख्या तो आपस म्ह बिचार करण लाग्गे, “यो तो वारिस सै; आओ, हम इसनै मार दया के विरासत म्हारी हो जावै|” 15 अर उन्नै उसताहीं दाख की बारी तै बाहरण लिकाड़ कै मार दिया| इसकरकै दाख की बारी का मालिक उनकै गेल्या के करैगा? 16 ओ आकै उन किसानां का नास करैगा, दाख की बारी औरां नै सोपैगा|” न्यू सुणकै उन्नै कह्या, “पणमेशर करै इसा ना हो|” 17 उसनै उनकी ओड़ देखकै कह्या, “फेर यो के लिख्या सै : ‘जिस पत्थर नै राजमिस्त्रियाँ नै निकम्मा ठहराया था, ओए कुणै का सिरा होग्या| 18 जो कोए उस पत्थर पै पड़ैगा ओ चकणाचूर होज्यागा, अर जिस पै ओ पड़ैगा, उस ताहीं पीस देवैगा|

कैसर ताहीं कर देणा

19 उस्से टैम शास्त्रीयाँ अर प्रधान याजकां नै उस ताहीं पकड़णा चाहया, क्यूँके वे समझगे थे के उसनै महारै पै यो उदाहरण कह्या, पर वे आदमियाँ तै डरगे| 20 अर वे उसकी टाह म्ह लाग्गे अर भेदिए खन्दाए के धर्म का भेष धरकै उसकी कोए ना कोए बात पकड़ै, ताके उसताहीं हाकिम कै हाथ अर अधिकार म्ह सौंप दें| 21 उन्नै उसतै न्यू बुझ्झया, “हे गुरु, हमनै बेरा सै के तू ठीक कहवै अर सिखावै भी सै, अर किसे की मेर कोनी करदा, बल्के पणमेशर की राह सच्चाई तै बतावै सै| 22 के म्हारा कैसर तै कर देणा सई सै या कोनी?” 23 उसनै उनकी श्याणपत ताहीं ताड़कै उनतै कह्या, 24 “एक दीनार मन्नै दिखाओ| इस पै किसकी छाप अर नाम सै?” उन्नै कह्या, “कैसर का|” 25 उसनै उन ताहीं कह्या, “तो जो कैसर का सै, ओ कैसर नै द्यो; अर जो पणमेशर का सै, ओ पणमेशर नै द्यो|” 26 वे माणसां कै स्याम्ही इस बात म्ह उसनै पकड़ कोनी सके, बल्के उसकै जबाब तै हैरान होकै बोल-बाल्ले रहगे|

पुनरुत्थान अर ब्याह

27 फेर सदुकी जो कहवै सै के मरे होया का जिन्दा होणा सै ए कोनी उनम्ह तै कीमे नै उसकै धोरै आकै बुझ्झया, 28 “हे गुरु, मूसा नै महारै खातर यो

लिख्या सै : 'जै किस्से का भाई आपणी बीरबान्नी कै रहन्दे बेऊलादा मर जावै, तो उसका भाई उसकी बीरबान्नी तै ब्याह करले, अर आपणे भाई कै खातर पीढ़ी पैदा करै| 29 सात भाई थे, पहलड़ा भाई ब्याह करकै बेऊलादा मरग्या| 30 फेर दुसरे नै उस लुगाई तै ब्याह कर लिया, फेर ओ भी बेऊलादा मरग्या| 31 फेर तीसरे नै भी उस लुगाई तै ब्याह कर लिया| इस तरियां तै सात्तु बेऊलादे मरगे| 32 आखर म्ह वा लुगाई भी मरगी| 33 इसकरकै जिन्दा होणे पै वा उनम्ह तै किसकी बीरबान्नी होगी, क्यूँके उसनै सातूवां तै ब्याह कर लिया था|" 34 यीशु नै उनतै कह्या, "इस युग की ऊलादा म्ह ब्याह होवै सै, 35 पर जो माणस इस जोग्गे ठहरैगें के उस युग नै अर मरे होया म्ह तै जिन्दा उठण नै पा लेवै, वे ना ब्याह करैगें अर ना ब्याह म्ह दिये जावैगें| 36 वे दूबारै मरण के भी कोनी; क्यूँके वे सुर्गदुत्तां की तरियां होवैगें, अर पुनरुत्थान की ऊलाद होणे तै पणमेशर की भी ऊलाद होवैगें| 37 पर इस बात ताहीं के मरे होये जिन्दा होवै सै, मूसा नै भी झाड़ी की कहानी म्ह प्रगट करी सै के ओ प्रभु ताहीं 'अब्राहम का पणमेशर, अर इसहाक का पणमेशर अर याकूब का पणमेशर कहवै सै| 38 पणमेशर तो मुर्दा का कोनी पर जिन्दा का पणमेशर सै : क्यूँके उसकै लवै सारे जिन्दे सैं|" 39 फेर न्यू सुणकै शास्त्रीयाँ म्ह तै कीमे नै न्यू कह्या, "हे गुरु, तन्नै सई कह्या|" 40 अर उन्नै दूबारै उसतै कीमे और बुझ्झण की हिम्मत कोनी करी|

मसीह किसका बेट्टा सै?

41 फेर उसनै उनतै बुझ्झया, "मसीह नै दाऊद की ऊलाद किस तरियां कहवै सै? 42 दाऊद खुदे भजन संहिता की किताब म्ह कहवै सै : 'प्रभु नै मेरै प्रभु तै कह्या, 43 मेरै सोळै कान्नी बैठ, जिब्ब ताहीं के मै तेरे बैरियाँ तेरै पायां तळे नीं कर द्यु|' 44 दाऊद तो उसनै प्रभु कहवै सै; तो फेर ओ उसकी ऊलाद किस तरियां होया?"

शास्त्रीयां तै सावधान

45 जिब्ब सारे सुणै थे, तो उसनै आपणे चेल्यां तै कह्या, 46 शास्त्रीयाँ तै चौकन्ने रहियो, जिनताहीं लाम्बे-लाम्बे लत्ते पहरकै हांडणा आच्छा लागै सै, अर जिन्नै बजारां म्ह नमस्कार, अर आराधनालयां म्ह ख़ास बैठणा अर जिमणा म्ह ख़ास जंगहा प्यारी लागै सै| 47 वे बिधवायाँ के घर खा जावै सै, अर दिखावै खातर घणी वार ताहीं प्रार्थना करै सै : ये घणी सजा पावैगें|"

कंगाल बिधवा का दान

21 फेर उसनै निंगाह ठाकै सहुकारां ताहीं आपणा-आपणा दान भण्डार म्ह घालदे देख्या| 2 उसनै एक कंगाल बिधवा ताहीं भी उसम्ह दो दमड़ी घालदे देख्या| 3 फेर उसनै कह्या, "मै थम नै साच्ची कहूँ सूं के इस कंगाल बिधवा नै सारया तै बाध घाल्या सै| 4 क्यूँके उन सारया नै आपणी-आपणी बढती म्ह तै दान म्ह कीमे घाल्या सै, पर इसनै आपणी घटी म्ह तै आपणी सारी आमन्द्री घाल्ली सै|"

मंदर कै विनाश की भविष्यवाणी

5 जिब्ब घण-खरे माणस मन्दर कै बाबत कहरे थे के वो किसे सूथरे पत्थरां अर भेटां की चिज्रां तै समारया गया सै, तो उसनै कह्या, 6 "वे दिन आवैगें, जिनम्ह यो सारा जिन्नै थम देक्खो सो, उनम्ह तै उरै किसे पत्थर पै पत्थर भी कोनी छुटैगा जो गेरया नीं जावैगा|"

संकट अर क्लेश

7 उन्नै उसतै कह्या, "हे गुरु, यो सारा कद होवैगा? अर ये बात जिब्ब पूरी होण पै होवैगी, तो उस टैम की के निशान्नी होवैगी?" 8 उसनै कह्या, "चौकन्ने रहियो के भकाए ना जाओ, क्यूँके घण खरे मेरै नाम तै आकै कहवैगें, 'मै ओए सूं,' अर न्यू भी के, 'बख्त लवै आण पहोच्या सै,|' थम उनकै पाच्छै ना चले जाइयो| 9 जिब्ब थम रोळे अर झगड़े का जिक्रा सुणो तो घबराईयो ना, क्यूँके इनका पहल्या होणा जरूरी सै; पर उस टैम जिब्बे खात्मा कोनी होवैगा|"

10 फेर उसनै उनतै कह्या, "जात पै जात अर राज्य पै राज्य चढाई करैगा, 11 अर बड्डे-बड्डे हाल्लण आवैगें, अर जंगहा-जंगहा अकाल अर महामारियाँ पड़ैगी, अर अकास म्ह खरतनाक बात अर बड्डे-बड्डे निशान प्रगट होवैगें| 12 पर इन सारी बात्तां तै पहल्या मेरै नाम कै बाबत थमनै पकड़ैगें, अर कांल करैगें, अर पंचायतां म्ह सौंपैगें, राजाओं अर हाकिमां कै स्याम्ही ले जावैगें| 13 पर यो थारै खातर गवाही देण का मौक्का हो जावैगा| 14 इसकरकै आपणे-आपणे मन म्ह ठान ल्यो के हम पहल्या तै जबाब देण की फ़िक्र कोनी करांगें| 15 क्यूँके मै थारै ताहीं इसा बोल अर समझ द्युँगा के थारे सारे बिरोधी सामणा या खण्डन कोनी कर सकैगें| 16 थारे माँ-बाप, अर भाई, अर कुन्बा, अर ढब्बी भी थमनै पकड़वावैगें; उरै ताहीं के थारै म्ह तै कईयां नै मरवा देवैगें| 17 मेरै नाम कै बाबत सारे माणस थारै तै बैर राक्खैगें| 18 पर थारे सिर का एक बाळ भी बान्गा कोनी होवैगा| 19 आपणे धीरज तै थम आपणे जीवन नै बचाए राक्खोगे|

यरूशलेम के विनाश की भविष्यवाणी

20 "जिब्ब थम यरूशलेम की फौजां तै घिरया होया देक्खो, तो जाण लियो के उसका उजड़ जाणा लवै सै| 21 फेर जो यहुदियाँ म्ह हों पहाड़ां म्ह भाज जावैं; अर जो यरूशलेम कै भीत्तर हों वे बाहरण लिकड़ जावैं| अर जो गाम्मां म्ह हों वे उस म्ह नीं जावैं| 22 क्यूँके ये बदला लेण के इसे दिन होंगें, जिनम्ह लिक्खी होई सारी बात पूरी हो जावैगी| 23 उन दिनां म्ह जो पेट तै हों या दूध पिलान्दी होंगी, उनकै खातर हाय, हाय ! क्यूँके देश म्ह बड्डा क्लेश अर इन माणसां पै बड्डा प्रकोप होवैगा| 24 वे तलवार की कौर हो जावैगें, अर सारे देश कै माणसां म्ह कैदी होकै पहोचाये जावैगें; अर जिब्ब ताहीं और जात्तां का टैम पूरा कोनी होवै, जद ताहीं यरूशलेम और जात्तां तै रोंद्या जावैगा|

माणस के बेट्टे का पुनरागमन

25 "सूंरज, चाँद, अर तारां म्ह निशान्नी दिखैगी; अर धरती पै देश-देश के आदमिया पै संकट होगा, क्यूँके वे समुन्दर कै गरजण अर लहरां के रोळें तै घबरां जावैगें| 26 भय कै कारण अर दुनिया पै आण आळी घटनायां की बाट देखदे-देखदे माणसां कै जी म्ह जी कोनी रहवैगा, क्यूँके अकास की शक्तियाँ हलाई जावैगी| 27 फेर वे माणस के बेट्टे नै सामर्थ अर बड्डी महिमा कै गेल्या बादळा पै आंदे देखैगें| 28 जिब्ब ये बात होण लागै, तो सीधे होकै आपणे सिर ऊप्पर ठाईयो; क्यूँके थारा छुटकारा लवै होगा|"

अंजीर के दरख्त का उदाहरण

29 उसनै उन तै एक उदाहरण भी कह्या, "अंजीर के दरख्त अर सारे दरख्तां नै देक्खो| 30 ज्योंही उनम्ह कोंपले लिकड़ै सै, तो थमनै खुद बेरा लाग ज्यागा के गर्मी का टैम लवै सै| 31 इस तरियां तै जिब्ब थम ये बात होन्दे देक्खो, तो जाण ल्यो के पणमेशर का राज्य लवै सै| 32 मै थम नै साच्ची कहूँ सूं के जिब्ब ताहीं ये सारी बात नीं हो लें, जद तक इस पीढ़ी का कद्दे भी अन्त कोनी होवैगा| 33 अकास अर धरती टळ ज्यागें, पर मेरी बात कद्दे कोनी टळैगी|

जागदे रहो

34 "इसकरकै चौकन्ने रहियो, इसा ना हो के थारा मन खुमार, अर मतवालापण, अर इस जिन्दंगी की फ़िक्र तै सुस्त हो जावै, अर वो दिन थारै पै फन्दे की ढाळ चाणचक आण पड़ै| 35 क्यूँके ओ सारी धरती के सारे बासिन्दा पै इस तरियां आण पड़ैगा| 36 इसकरकै जागदे रहो अर हर टैम प्रार्थना करदे रहो के थम इन सारी आणआळी घटनायां तै बचण अर माणस के बेट्टे कै स्याम्ही खड़े होण कै जोग्गे बण सको|" 37 वो दिन म्ह मन्दर म्ह उपदेश देवै था, अर रात नै बाहरण जाकै जैतून नामक पहाड़ पै रह्या करै था; 38 अर सबेरे नै तड़कै सारे माणस उसकी सुणन की खातर मन्दर म्ह उसकै धोरै आया करै थे|

यीशु कै खिलाफ साजिस

22 अखमीरी रोट्टी का त्यौहार जो फसह कहवावैं सै, धोरै था; 2 अर
प्रधान याजक अर शास्त्री इस बात की टोह म्ह थेI के उसनै किस
तरियां मारै, पर वे माणसां ते डरैं थे|

यहूदा का बिश्वासघात

3 फेर शैतान यहूदा म्ह बडग्या ,जो इस्करियोती कहवावै अर बारह चेल्यां
म्ह गिना जावै थाI 4 उसनै जाकै प्रधान याजकां अर पहरेदार के सरदारां के
गैल्या बातचीत करयी के किस तरियां इसनै उनके हाथ पकडवावाI 5 वे
राज़ी होए, अर उस ताहीं रुपिये देण का वादा कियाI 6 वो मान ग्या अर
मोक्का टोहण लाग्या के जिब्ब भीड़ नीं हो तो उसनै उनके हाथ पकड़वा देI

चेल्यां कै गेल्या फसह का आखरी जिमणा या भोज

7 फेर अखमीरी रोट्टी के त्यौहार का दिन आया , जिसमै फसह का मेम्ना
बलि करना जरूरी थाI 8 यीशु नै पतरस अर यूहन्ना ताहीं यो कहकै भेज्या; “
जा कै म्हारै खान खात्तर फसह त्यार करोI ” 9 उन्नै उसतै बुझया, “तू कित्त
चाहवै सै के हम उसनै त्यार करां? ” 10 उसनै उन ताहीं कह्या, देक्खो, नगर
म्ह बड़तेए एक आदमी थम नै पाणी का पण्डा ठाए होए थम नै मिलैगा ;जिस
घर म्ह वो जावै थम उसके पाच्छै चले जाइयो, 11 अर उसके घर के माल्लिक
तै कहियो; गुरु तेरै तै बुझ्झै सै के वा बैड्डक कित्त सै जिस म्ह मै अपनै चेल्यां
के गैल्या फसह खाऊँ?’ 12 वो थम नै एक सजी–सजाई बड़ी अटारी दिखा
देवैगा; ओडैए त्यारी करयोI 13 उन्नै जाकै ,जिसा उसनै उन ताहीं कह्या था,
उस्से तरियां पाया अर फसह त्यार करयाI

प्रभु-भोज

14 जद वा घड़ी आग्यी, के वो प्रेरितां गैल्या खाणा जिम्मण बैठ्याI 15 अर
उसनै उन ताहीं कह्या “मन्नै बड़ी लालसा थी के दु:ख भोगण तै पहल्या यो
फसह थारै गैल्या खाऊँ। 16 क्यूँकै मै थम नै कहूँ सूं के जिब्ब ताहीं वो
पणमेशर के राज्य म्ह पूरा नीं हो जद ताहीं मै उसनै कदे नीं खाऊँगाI”
17 फेर उसनै कटोरा लेकै धन्यवाद करया अर कह्या, “इसने ल्यो अर आपस
म्ह बाँट ल्योI 18 क्यूँकै के मै थम नै कहूँ सूं के जिब्ब ताहीं पणमेशर का राज
नीं आवै तब तक मै दाख का रस इब तै कदे नीं पिऊँगा I ” 19 फेर उसनै
रोट्टी ली अर धन्यवाद करकै तोड़ी ,अर उन ताहीं या कहकै दी , “ या मेरी
देह सै जो थारै खात्तर दी जा सै : मेरी याद म्ह न्यूए करया करोI ” 20 इसै
रीति तै उसनै खाणै के पाच्छै कटोरा भी यो कहन्दे होए दिया, यो कटोरा मेरै
उस लहू म्ह जो थारै खात्तर बाह्या जा सै नई वाचा सैI 21 पर देक्खो, मेरै
पकडण आळे का हाथ मेरै गैल्या मेज पै सैI 22 क्यूँकै माणस का बेट्टा तो
जिसा उसकै खात्तर ठहराया गया सै, जावै सै, पर हाय उस आदमी पै
जिसके जरिये वो पकड़वाया जा सै! ” 23 फेर वे आपस म्ह पूच्छताछ करण
लाग्ये के म्हारै म्ह तै कोण सै, जो यो काम करैगाI

महान कौण? पर वाद-विवाद

24 उन म्ह या बहस भी होगी के उन मै तै कौण बड्डा समझा जावै सैI
25 उसनै उन ताहीं कह्या , “और जातियां के राजा उनपै प्रभुता करैं सैं; अर
जो उनपै हक जमावैं सैं वे भले कहवावैं सैं I 26 पर थम इसे ना होइओ ;
बल्के जो थारै म्ह बड़्ड़ा सै वो छोटे कै बरोब्बर अर जो प्रधान सै, वो सेवक
कै बरोब्बर बणैI 27 क्यूँकै बड्डा कौण सै ,वो जो खाणै पै बैठ्या सै, या वो जो
सेवा करै सै? के वो नीं जो ज़िम्मण बैठ्या सै? पर मै थारै बिचाळै सेवक
बरोब्बर सूं I 28 “ थम वो सों, जो मेरै परीक्षाओं म्ह लगातार मेरै गैल्या रहे;
29 अर जिस तरियां मेरै पिता ने मेरै खात्तर एक राज्य ठहराया सै, उसे
तरियां मै भी थारै खात्तर ठहराऊ सूं, 30 ताके थम मेरै राज्य म्ह मेरी मेज पै
खाओ-पिओ बल्के सिंहासनां पै बैठकै इस्राएल के बारह गोत्रां का न्याय करो
I

पतरस के इनकार की भविष्यवाणी

31 “शमौन, हे शमौन ! देख शैतान नै थारै ताहीं माँग लिया सै के गेहूँ की
ढाळ पिच्छोड़ै, 32 पर मन्नै तेरै खात्तर बिनती करी के तेरा बिश्वास कम नीं हो;
अर जिब्ब तू फिरे तो, अपने भाइयां ने मजबूत करणाI” 33 उसनै उस ताहीं
कह्या, “हे प्रभु मै, तेरै गैल्या जेल जाण, बल्के मरण नै भी त्यार सूंI” 34 उसनै
कह्या, “हे पतरस, मै तन्नै कहूँ सूं के आज मुर्गा बाँग नीं देवैगा जब ताहीं तू
तीन बर मेरा इन्कार नीं कर लेवैगा के मै तन्नै नीं जाणदाI”

बटुआ, झोळी अर तलवार

35 फेर उसनै उन ताहीं कह्या, “जिब्ब मन्नै थारै ताहीं बटुए, अर झोळी, अर
जूत्या बिना भेज्या था, तो के थम नै किसे चीज की कमी होई थी?” उन्नै
कह्या, “किसे चीज की नीं I” 36 उसनै उन तै कह्या, “पर इब जिसकै धोरै
बटुआ हो वो उसनै ले अर उसी ए झोळी, अर जिसकै धोरै तलवार नीं हो तो
वो अपने लत्ते बेच कै एक मोल लेवैI 37 क्यूँकै मै थम नै कहूँ सूं ,यो जो
लिख्या सै : ‘वो गुन्हेगार गैल्या गिना गया,’ उसका मेरै म्ह पूरा होणा जरूरी
सै; क्यूँकै मेरै बारे में लिख्यी बात पूरी होण पै सैंI” 38 उन्नै कह्या, “हे प्रभु याडै
दो तलवार सैI” उसनै उन ताहीं कह्या, भतेरी सैंI”

जैतून के पहाड़ पै यीशु की प्रार्थना

39 फेर वो बारणै लिकड कै अपनी रीत के मुताबिक जैतून कै पाहड़ पै
गया, अर चेल्ले उसकै पाच्छे हो लियेंI 40 उस जगहा पहोंच कै उसनै उन
ताहीं कह्या, “प्रार्थना करो कै थम हिम्तान म्ह ना पड़ोI” 41 अर आप उन तै
न्यारा एक डळा फेकण के बराबर जितनी दूर गया, अर घुटणै/गोड्डे टेक कै
प्रार्थना करण लाग्या, 42 “हे पिता जै तू चाहवै तो इस कटोरै नै मेरै धोरै तै
हटा ले, तो भी मेरी नीं पर तेरी मर्जी पूरी होI” 43 फेर सुर्ग तै एक दूत उसनै
दिख्या जो उसनै सामर्थ दिया करै थाI 44 वो और घणे संकट म्ह काल होकै
और भी मन तै प्रार्थना करण लाग्या; अर उसका पसीन्ना मानों लहू की बड्डी-
बड्डी बूँदां के जू धरती पै गीरै थाI 45 फेर वो प्रार्थना तै उठ्या अर अपने
चेल्यां कै धोरै आकै उन ताहीं उदासी कै मारै सोन्दे पायाI 46 अर उनतै
कह्या, “क्यूँ सोवों सों? उठो, प्रार्थना करो के थम हिम्तान म्ह ना पड़ोI”

यीशु का धोक्खे तै पकड़या जाणा

47 वो या कहण ए लाग रह्या था के एक भीड़ आई, अर उन बारह म्ह तै
एक जिसका नाम यहूदा था उसकै आग्गै-आग्गै आण लाग रह्या थाI वो यीशु
कै धोरै आया के उसनै चूम लेI 48 यीशु नै उसतै कह्या , “हे यहूदा, के तू चूमा
ले कै माणस के बेट्टा नै पकडवावै सै?” 49 उसकै साथियां नै जद देख्या के,
के होण आळा सै, तो कह्या “हे प्रभु, के हम तलवार चलावां ?” 50 अर उन म्ह
तै एक नै महायाजक कै नौकर पै तलवार चला कै उसका सोळा कान उड़ा
दियाI 51 इस पै यीशु नै कह्या, “इब बस करोI” अर उसका कान छु कै
उसताहीं ठीक करयाI 52 फेर यीशु नै प्रधान याजकां अर मंदर कै पहरेदारां
कै सरदारां अर पुरनियां तै, जो उसपै चढ़ ग्ये थे, कह्या, “के थम मन्नै डाक्कू
जान कै तलवार अर लाट्ठीयां ले कै लिकड़े सों? 53 जद मै मंदर में हर दिन
थारै गैल्या था, तो थम नै मेरै हाथ भी कोनी लाया; पर यो थारा बख्त सै,
अर अन्धकार का हक सैI”

पतरस का इन्कार

54 फेर वे उसनै पकड़के ले चाल्ले, अर महायाजक कै घर म्ह लायेI पतरस
दूरे ए दूर उसकै पाच्छै-पाच्छै चाल्लै था; 55 अर जद वे आँगन म्ह आग
सुलगाकै कड्ढे बैड्ढे, अर पतरस भी उसके बिच्चाळै बैठ ग्याI 56 फेर एक
नौकराणी उस ताहीं आग कै चाँदणै म्ह बैठ्या देखकै अर उस कान्नी ताककै
कहण लाग्यी, यो भी तो उसकै गैल्या थाI” 57 पर उसनै यो कह कै मना कर
दिया, के “हे, जनानी मै उसनै कोनी ज्यान्दाI” 58 थोड़ी हाण पाच्छै किसे
और ने उस ताहीं कह्या, “तू भी तो उन म्ह तैए सै I” पतरस नै कह्या, “हे

भाई, मै वो कोनी I" 59 कोए घंटे एकै म्ह एक और माणस पक्के बिश्वास तै
कहण लाग्या, "सई म्ह यो भी तो उसकै गैल्या था, क्यूँके यो गलीली सैI"
60 पतरस नै कह्या, "हे भाई, मै नीं जाण्दा के तू के कहवै सै!" वो या कहवैए
था के मुर्गे नै बांग देदी 61 फेर घूम कै प्रभु नै पतरस की ओड़ देख्या अर
पतरस नै प्रभु की बात याद आई जो उसनै कही थी: "आज मुर्गे कै बाँग देणं
तै पहल्या, तू तीन बर इनकार करैगा"I 62 अर वो बारणै लिकड़ कै नै फुट-
फुट कै रोयाI

यीशु का अपमान

63 जो माणस यीशु नै पकड़े होए थे, वे उसनै मखौल बणा कै पिटण लाग्गे;
64 अर उसकी आँख ढक कै उसतै बुझ्या, "भविष्यबाणी करकै बता के तेरै
किसनै मारया!" 65 अर उन्नै घणीए बुराई की बात उसकै बिरोध म्ह कहींI

महासभा कै श्यामी यीशु

66 जद दिन लिकडया तो लोगां के पुरनिए अर प्रधान याजक अर शास्त्री
कट्ठे होये, अर उस ताहीं अपनी बड्डी पंचायत म्ह ल्या कै बुझया, 67 "जै तू
मसीह सै, तो हम नै कहदे !"उसनै उन तै कहया, "जै मै थारै तै कहूँ, तो
बिश्वास कोनी करोगे; 68 अर जै बुझ्झु, तो जबाब नीं द्योगेI 69 पर इब तै
माणस का बेट्टा पणमेशर कै सोळी ओड़ बैठ्या रहवैगाI" 70 इस पै सब नै
कह्या, "तो के तू पणमेशर का बेट्टा सै?" उसनै उनतै कह्या, "थम अपनै आपे
कहो सों, क्यूँके मै सूंI" 71 "फेर उन्नै कह्या, "इब हमनै गवाही की के जुरत सै;
क्यूँके हमनै आप्पे उसकै मुँह तै सुण लिया सैI"

पिलातुस कै श्यामी यीशु

23 फेर सारी मंडळी उठ कै उसनै पिलातुस के धोरै लेग्यी I 2 वो ये
कहकै उसपै इल्जाम ल्गाण लाग्गे; "हमनै इस ताहीं माणसां नै
भकांदे, अर कैसर ने चुंगी देणं तै मना करदे, अर खुद नै मसीह, राजा कहन्दे
होए सुणयां सै I" 3 पिलातुस नै उसतै बुझया, "के तू यहूदियां 'का राजा सै?"
उसनै उस ताहीं जबाब दिया, "तू आपै कहवै सैI" 4 फेर पिलातुस नै प्रधान
याजकां तै अर माणसां तै कह्या, "मन्नै इस आदमी म्ह कोए खोट नीं पाया I"
5 पर वे और भी बिश्वास के गैल्या कहण लाग्गे, "यो गलील तै लेकै याडै ताहीं,
सारे यहूदियां नै उपदेश देके माणसां नै बहकाव सैI" 6 या सुणके पिलातुस नै
बुझया, "के यो आदमी गलीली सै?" 7 अर या जाणकै के वो हेरोदेस की
रियासत का सै, उस ताहीं हेरोदेस के धोरै खन्दा दिया, क्यूँके उन दिनां म्ह
वो भी यरूशलेम म्ह था I

हेरोदेस कै श्यामी यीशु

8 हेरोदेस यीशु नै देखकै घणा राज़ी होया, क्यूँके वो घणै दिनां तै उसनै
देखणा चाहवै था; इस खात्तर के उसके बारे म्ह सुणयां था, अर उसतै किमे
चमत्कार देखण की आस राख्यै था 9 वो उसतै भोत-सीं बात बूझता रहे, अर
उसनै उस ताहीं कोए भी जबाब नीं दियाI 10 प्रधान याजक अर शास्त्रीं खड़े
होये तन मन तै उसपै इल्जाम लगान्दे रहेI 11 फेर हेरोदेस नै अपने
सिपाहियां के गैल्या उसकी बेज्ती करके मजाक उड़ाया, अर भड़कीले लत्ते
पिराह के उस ताहीं पिलातुस के धोरै खन्दा दियाI 12 उसै दिन पिलातुस अर
हेरोदेस ढब्बी बणगे; इसतै पहल्या वे एक दूसरे के दुश्मन थे I

पिलातुस द्वारा यीशु ताहीं मौत की सजा

13 पिलातुस नै प्रधान याजकां, सरदारां अर माणसां नै बुलाके उन ताहीं
कह्या, 14 "थम इस आदमी नै माणसां का भकान आळा बताकै मेरै धोरै ल्याए
सों, अर देक्खो, मन्नै थारै स्याम्ही उसकी जाँच करी, पर जिन बात्तां का थम
उसपै इल्जाम लगाओ सों उन बात्तां के बारे म्ह मन्नै इसमे कोए भी खोट
कोनी पाया; 15 ना हेरोदेस नै, क्यूँके उसनै इस ताहीं म्हारै धोरै खन्दा दिया
सै: अर देक्खो, उसतै इसा कुछ कोनी होया के वो मौत की सजा के काबिल
ठहराया जावैI 16 इस खात्तर मै इसनै छित्वा कै छोड़ दयु सूंI" 17 [पिलातुस
त्यौहार के बख्त उनकै खात्तर एक कैदी नै छोड़ण पै मजबूर थाI] 18 फेर
सारे मिलके चिल्ला उठ्ये, "इसका काम तमाम करदे, अर म्हारै खात्तर
बरअब्बा नै छोड़ दे!" 19 वो किसै बलवै के कारण जो नगर म्ह होया था, अर
हत्या के कारण जेल म्ह गेरया ग्या था 20 पर पिलातुस ने यीशु ताहीं छोड़ण
की इच्छा तै माणसां ताहीं फेर समझाया, 21 आखर उन्नै रुक्के मारके कह्या,
"उसनै क्रूस पै चढा, क्रूस पै !" 22 उसनै तीसरी बर उन ताहीं कह्या, "क्यूँ
उसनै कौण सी बुराई करी सै? मन्नै उसमें मौत की सजा के काबिल कोए बात
कोनी पाईI इस तरियां मै इसनै छित्वा कै छोड़ देऊ सूंI" 23 पर ओ रुक्के
मार-मार के पाच्छै पड़ ग्ये के वो क्रूस पै चढाया जावै, अर उनका रुक्के मारना
तेज होग्याI 24 आखर पिलातुस ने हुक्म दिया के उनकी बिनती के मुताबिक
करया जावैI 25 उसनै उस आदमी के जो बलवे अर हत्या के कारण जेल म्ह
गेरा ग्या था, अर जिसनै वो मांगै थे, छोड़ दिया; अर यीशु नै उनकी इच्छा के
मुताबिक सौंप दियाI

यीशु का क्रूस पै चढ़ाया जाणा

26 जद ओ उसनै लेकै जावै थे, तो उन्नै एक कुरेनी नै जो गाम म्ह तै आवै
था, पकडके उसपै क्रूस लाद दिया के उसै यीशु के पाच्छै-पाच्छै ले चाल्लेI
27 माणसां की भीड़ उसकै पाच्छै-पाच्छै हो ली उन म्ह घणीए लुगाई भी थी
जो उसकै खात्तर छात्ती पीट्टै अर रोवै धोवै थी I 28 यीशु नै उनकै कानीं
मुड़के कह्या, " हे यरूशलेम की बेटियों, मेरै खात्तर ना रोओ; पर अपणे अर
आपने बाळकां के खात्तर रोओ 29 क्यूँके देक्खो, वे दिन आवैं सैं, जिन म्ह
माणस कहवैंगें, 'धन्य सैं वे जो बाँझ सैं अर वे गर्भ नीं जन्ये अर वे दुद्धी जिन्ने
दूध नीं पियायाI" 30 उस बखत 'वे पहाडां तै कहण लाग्ये के म्हारै पै आण
पडो, अर टीलां तै के ह्मनै ढक ल्योI 31 क्यूँके वे जिब हरे रुखां गैल्या इसा
करैं सैं, तो सूख्या कै गैल्या के किम्मी नीं करया ज्यागा ?" 32 वे और दो
माणसां नै भी जो भुन्डे काम करण आळे थे उसकै गैल्या मारण नै ले चाल्लेI
33 जद वे उस जगहा पोहच्चे, जिसनै खोपड़ी कहवै थे, तो उन्नै ओडै उस ताहीं
अर भुन्डे काम करण आळे ताहीं भी, एक नै सोळी अर दूसरे नै ओळी ओड़
क्रूस पै चढ़ायै I 34 फेर यीशु नै कह्या, "हे पिता इन्है माफ़ कर, क्यूँके ये नीं
जाणदे के ये के करैं सैंI" अर उन्नै पर्ची गेर कै उसके लत्ते बाट लिएI
35 माणस खड़े-खड़े देखैं थे, अर सरदार भी मजाक करकै कहवैं थे : इसनै
दुसरयां ताहीं बचाया, जै यो पणमेशर का मसीह सै, अर उसका छाटया होए
सै, तो अपनै आप नै बचा लेI" 36 सिपाही भी धोरै आकै अर सिरका देकै
उसका मजाक बणा के कहवैं थे, 37 जै तू यहूदियां का राजा सै, तो अपने
आप नै बचाले!" 38 अर उसकै ऊप्पर एक दोषपत्र भी लगा दिया : यो
यहूदियां का राजा सैI "

मन फिराण आळा भुन्डे काम करणीया

39 जो भुन्डे काम करणीये ओडै लटकाए गये थे, उन म्ह तै एक नै उसकी
बुराई करकै कह्या, " के तू मसीह कोनी? फेर आपणै आप नै अर हमनै बचा!"
40 इस पै दुसरै ने उस ताहीं धमका के कह्या, " के तू पणमेशर तै भी कोनी
डरदा? तू भी तो वाए सजा पा रया सै, 41 हम तो न्याय के मुताबिक सजा पारे
सां, क्यूँके हम आपनै काम्मां की सई सजा पारे सां, पर उसनै कोए गलत
काम नीं करयाI " 42 फेर उसनै कह्या, "हे यीशु, जद तू अपणै राज्य म्ह
आवै, तो मेरी ख्यास करियेI" 43 उसनै उस ताहीं कह्या, "मै तन्नै सच्च कहूँ सूं
के आजे तू मेरै गैल्या सुर्गलोक म्ह होगाI" 44 करीबन दोफ्फारै तै तीसरे पहर
ताहीं सारे देश म्ह अन्धेरा होया रह्या, 45 अर सूरज का चाँदणा जांदा रह्या,
अर मंदर का पर्दा बिचाळै तै पाट ग्या, 46 अर यीशु नै बड्डे जोर तै कह्या, "हे
पिता, मै अपनी आत्मा तेरै हाथां म्ह सौंप्पू सूंI" अर या कह के दम तोड
दियाI 47 सूबेदार नै जो किम्मे होया था देखकै पणमेशर की बड़ाई करी, अर
कह्या, "पक्का यो आदमी धर्मी थाI" 48 अर भीड़ जो यो देक्खण नै कट्ठी होई
थी, इस घटना ने देखकै छात्ती पीटती होई बोहड्गीI 49 पर उसकै सब जाण
पिच्छाण, अर जो लुगाईयां गलील तै उसकै गैल्या आई थी, दूर खड़ी यो सब
देखण लागरी थीI

यीशु का गाड्या जाणा

50 ओडै युसूफ नाम का बड्डी पंचायत का एक सदस्य था जो आच्छा अर
धर्मी आदमी था 51 उनकी बिचार अर उनके इस काम तै राज़ी कोनी थाI वो
यहूदियां के नगर अरिमतिया का रहण आळा अर पणमेशर के राज्य की बाट
देखण आळा थाI 52 उसनै पिलातुस के धोरै जाकै यीशु की लाश माँगी;
53 अर उस ताहीं उतार के मलमल की चादर म्ह लपेटया, अर एक कब्र म्ह
धरया, जो पत्थरां म्ह खुदी होए थी ; अर उस म्ह कोए कदे नीं राख्या ग्या
थाI 54 वो त्यारी का दिन था, अर सब्त का दिन सरू होण आळा था I
55 उन लुगाईयां नै जो उसके गैल्या गलील तै आई थी, पाच्छे-पाच्छे जाकै
उस कब्र नै देख्या, के अर यो भी के उसकी लाश किस रीति तै राख्यी गयी
सैI 56 फेर उन्नै बोहड़ के खुशबूदार चीज़ अर इत्र त्यार करया; अर सब्त के
दिन उन्नै हुक्म के मुताबिक आराम करया I

यीशु का पुनरुत्थान

24 पर हफ्ते कै पहल्ड़ै दिन तड़कै-तड़कै नै वे उन खस्बुदार चिज़्ां नै
जो उन्नै बणाई थी, ले कै कब्र पै आग्यी। 2 उन्नै पत्थर कब्र पै तै
हट्या पाया, 3 पर भीत्तर जाकै प्रभु यीशु की लाश कोनी पाई। 4 जब वे इस
बात तै हैरान होरी थी तो देक्खो दो माणस चमकते होए लत्ते पहरी होए
उनकै धोरै आण खड्ये होए। 5 जिब्ब वे डर ग्यी अर धरती की ओड मुँह
झुकाए रही तो उन्नै उन ताहीं कह्या, ''थम जिन्दै नै मरै होया म्ह क्यूँ टोह्ळो
6 वो याड़ै कोनी, पर जी उठ्या सै। याद करो कै उसनै गलील म्ह रहंदे होए
थारै तै कै कह्या था, 7 जरूरी सै कै माणस का बेट्टा पपियां कै हाथां म्ह
पकड़वाया जावै, अर क्रूस पै चढाया जावै, अर तीसरे दिन जी उठै'।'' 8 फेर
उसकी बात उसकै याद आई, 9 अर कब्र पै तै उल्टे आकै उन्नै उन ग्यारहां नै
अर, सारया ताहीं ये सब बात कहदी। 10 जिन्नै प्रेरितां तै ये बात कही वे
मरियम मगदलीनी अर योअन्ना अर याकूब की माँ मरियम अर उसकै साथ
की और भी लुगाई थी । 11 पर उसकी बात उण ताहीं कहानी-सी लाग्गी, अर
उन्नै उसका बिश्वास नीं करया । 12 फेर पतरस कब्र पै भाज्या ग्या, अर झुककै
देख्या तो सिर्फ लत्ते पड़े देक्खे, अर जो होया था उसतै अचम्भा करता होया
अपणे घरां चला ग्या I 13 उसै दिन उन म्ह तै दो माणस इम्माऊस नाम गाम
म्ह जाण लागरै थे, जो यरूशलेम तै कोई सात कोंस की दुरी पै थाI 14 वे इन
सब बात्तां पै जो होई थी, आपस म्ह बातचीत करदे जाण लागरे थे, 15 अर
जद वे आपस म्ह बात चीत अर पूछताछ करै थे तो यीशु खुद धोरै आकै
उनकै गैल्या हो लियाI 16 पर उनकी आँख न्यू बंद कर दी थी कै उसनै
पिच्छाण ना सकैI 17 उसनै उन तै बुझ्या, ''ये कै बात सै, जो थम चाल्दे-
चाल्दे आपस म्ह करो सों? ''वे उदास सें खड्ये होगे I 18 या सुण कै उन म्ह
तै किलयोपास नाम के एक माणस नै कह्या, ''के तू यरूशलेम म्ह एकला
परदेशी सै, जो नीं जाणदा के इन दिनां म्ह उस म्ह के-के होया सै?'' 19 उसनै
उन तै बुझया, “कौण सी बात? उन्नै उस ताहीं कह्या, यीशु नासरी के बारे म्ह
जो पणमेशर अर सारे माणसां कै धोरै काम अर वचन म्ह सामर्थी नब्बी था,
20 अर प्रधान याजकां अर म्हारै सरदारां नै उस ताहीं पकडवा दिया के उसतै
मोंत का हुक्म दिया जा; अर उसनै क्रूस पै चड्वाया I 21 पर हमनै उम्मीद थी
के योए इस्राएल नै छुटकारा देवैगा I इन सारी बात्तां कै सिवा इस घटना नै
होए आज तीसरा दिन सै, 22 अर म्हारै म्ह तै कई लुगाई नै भी म्हार ताहीं
उल्झन म्ह गेर दिया, जो सबेरै कब्र पै ग्यी थी; 23 अर जिब्ब उसकी लाश
कोनी पाई तो वा या कहन्दी आई के हमनै सुर्गदुतां के दर्शन पाये, जिन्नै कह्या
के वो जिन्दा सै I 24 फेर म्हारै साथियां म्ह तै कई कब्र पै ग्ये, अर जिसा
लुगाई नै कह्या था उसाए पाया; पर वो कोनी देख्याI” 25 फेर उसनै उन ताहीं
कह्या, “हे सब बावळो अर नब्बियां की सारी बात्तां पै बिश्वास करण म्ह
नासमझों! 26 कै जरूरी कोनी था कै मसीह ये दु:ख उठा कै अपनी महिमा म्ह
दाखल हो?” 27 फेर उसनै मूसा तै अर सारे नब्बियां तै सरु करकै सारे पवित्र
शास्त्रां म्ह तै अपने बारै म्ह लिक्खी बात्तां का मतलब, उन ताहीं समझा
दियाI

28 इतनै म्ह वो उस गाम कै धोरै पहोच्चे जित वे जावै थे, अर उसके ढंग तै
इसा लाग्या के वो आगै जाणा चाहवै सैI 29 पर उन्नै यो कह कै उस ताहीं
रोक्या, म्हारै गैल्या रह, क्यूँके साँझ होल्यी सै अर दिन इब घणा ढळ ग्या
सैI” फेर वो उनकै गैल्या रहण के खात्तर भीत्तर ग्याI 30 जद वो उन कै
गैल्या खाना खाण बैठ्या, तो उसनै रोट्टी लेकै धन्यवाद करया अर उस ताहीं
तोड़कै उन्नै देण लाग्याI 31 फेर उनकी आँख खुल ग्यी; अर उन्नै उस ताहीं
पिच्छाण लिया, अर वो उनकी आँखां तै ओन्झळ होग्याI 32 उन्नै आपस म्ह
कह्या, “जद वो म्हारै तै रास्ते म्ह बात करै था अर पवित्र शास्त्र का मतलब
हमनै समझावै था, तो कै म्हारै मन म्ह जोस नीं आया?” 33 वो उसै बख्त
उठके यरूशलेम म्ह चले ग्ये, अर उन ग्यारहां अर उनकै साथियां ताहीं उन्नै
कट्ठै मिलगेI 34 वो कहवै थे, प्रभु साच्चेए जी उठ्या, अर शमौन नै दिख्याI”
35 फेर उन्नै रास्ते की बात उन ताहीं बता दी अर या भी के रोट्टी तोड़दे बख्त
किस तरियां उस ताहीं पिच्छाणाI

यीशु का चेल्या ताहीं दिखणा

36 वे ये बात करये थे के ओ खुद ए उनके बिचाळै आण खड्या होया, अर
उन ताहीं कह्या, “थमनै शान्ति मिलैI'' 37 पर वे घबरागै अर डरगै, अर समझे
के हम किसे भुत नै देक्खां सां I 38 उसनै उन तै कह्या के,” क्यूँ घबराओ
सों? अर थारै मन म्ह क्यूँ बैहम हो सै? 39 मेरै हाथ-पायां ने देक्खो के मै ओए
सूंI मन्नै छु के देक्खो, क्यूंके आत्मा के हाड-माँस कोनी होंदे जिसा मेरै म्ह
देक्खो सोंI”

40 यो कहकै उसनै उन ताहीं अपनै हाथ पैर दिखाएI 41 जद खुशी के मारै
उन्नै बिश्वास कोनी होया, अर ओ अचम्भा मान्नै थे, तो उसनै उन ताहीं बुझ्या,
''के याडै थारै धोरै किम्मे खाणनै सै?'' 42 उन्नै उस ताहीं भुनी होई मच्छी का
टुकड़ा दियाI 43 उसनै लेकै उनकै आगै खायाI 44 फेर उसनै उन ताहीं
कह्या, ''ये मेरी वे बात सै, जो मन्नै थारै गैल्या रहंदे होए थारै तै कही थी के
जरूरी सै जितनी बात मूसा की व्यवस्था अर नब्बियां अर भजनां की
किताबां म्ह मेरै बारे म्ह लिक्खी सैं, सारी पूरी होंI'' 45 फेर उसनै पवित्र शास्त्र
बुझण के खात्तर उनकी बुध्दि खोल दी, 46 अर उनतै कह्या, ''यो लिख्या सै
के मसीह दु:ख ठावैगा, अर तीसरै दिन मरै होया म्ह तै जी उठैगा, 47 अर
यरूशलेम तै लेकै सारी जातां म्ह मन बदलण का अर पापां की माफी का
प्रचार, उसकै-ए नाम तै करया जावैगाI 48 थम इन सारी बात्तां के गवाह सोंI
49 अर देक्खो, जिसकी सूंह मेरै पिता नै खाई सै, मै उन्नै थारै पे उतारूँगा अर
जिब्ब तैई सुर्ग तै सामर्थ नीं पाओगे, जब ताहीं इसै नगर म्ह रुके रहो I

यीशु का स्वर्गारोहण

50 फेर ओ उन्नै बैतनिय्याह ताहीं बाहर लेग्या, अर अपणे हाथ ठाके उन
ताहीं आशीष दी; 51 अर उन्नै आशीष देंदे होए ओ उनतै न्यारा होग्या अर सुर्ग
पै उठा लियाI 52 फेर वो उसनै नमस्कार करके बड़ी खुशी तै यरूशलेम चले
गये; 53 अर वे लगातार मंदर म्ह हाज़र होकै पणमेशर की भक्ति करया करैं थेI

यूहन्ना

वचन देही की शिक्क म्ह आया

1 सबतै पहल्या शब्द था, अर शब्द पणमेशर था। 2 योए सबतै पहल्या पणमेशर कै गेल्या था। 3 सारा किमै
उसकै जरिये बण्या सै, अर जो कीमे उसकै जरिये बण्या सै उसम्ह तै कोए भी चीज उसकै बिना नीं बणी। 4 उसमै जीवन था अर ओ जीवन माणसां का चाँदणा था। 5 चाँदणा अन्धेरै म्ह चमकै सै, अर अन्धेरे नै उस ताहीं कोन्या अपणाया।

6 एक माणस पणमेशर कै ओड़ तै हाजर होया जिसका नाम युहन्ना था। 7 ओ गवाही देण खातर आया के चाँदणै की गवाही देवै, अक सारे उसकै जरिये बिश्वास ल्यावै। 8 ओ खुद तै ओ चाँदणा कोनी था, पर उस्से चाँदणै की गवाही देण खातर आया था।

9 साच्चा चाँदणा जो हरेक माणस नै चमकावै सै, दुनिया म्ह आण आळा था। 10 ओ दुनिया म्ह था, अर दुनिया उसकै जरिये जणी, अर दुनिया नै उस ताहीं ना पिच्छाणया। 11 ओ अपणै घरा आया अर उसके अपणयां नै उस ताहीं कोन्या अपणाया। 12 पर जितन्यां नै उस ताहीं अपणाया, उसनै उन ताहीं पणमेशर के ऊलाद होण का हक्क दिया यानि उन्नै जो उसकै नाम पै बिश्वास राखै सै। 13 वे ना तै लहु तै, ना देही की मर्जी तै, ना माणसां की मर्जी तै, पर पणमेशर तै जणे होए सै।

14 अर वचन देही की शिक्क म्ह आया; अर अनुग्रह अर सच्चाई तै भरकै म्हारै बिच्चाळै रहण लाग्या, अर हमनै उसकी इसी महिमा देक्खी, जिसी बाप कै ऐकलै की महिमा। 15 युहन्ना नै उसकै बारै म्ह गवाही दी, अर रूक्का मारकै बोल्या, "यो ओए सै, जिसका मन्नै जिक्रा करया के जो मेरै पाच्छै आण लागरया सै, ओ मेरतै बाध सै क्यूँके ओ मेरतै पहल्या था।" 16 अके उसकी भरपुरी म्ह तै हम सारया नै मिली यानिके अनुग्रह पै अनुग्रह। 17 ज्यातै के व्यवस्था तै मूसा तै मिले, पर अनुग्रह अर सच्चाई यीशु मसीह तै पहोच्ची। 18 पणमेशर ताहीं किसे नै कदे कोन्या देख्या, ऐकला बेट्टा जो बाप की गोद्दी म्ह सै, उस्से नै उस ताहीं दिखाया।

युहन्ना बपतिस्मा देणआळे की गवाही
(मत्ती 3:1-12; मरकुस 1:1-8; लूका 3:1-18)

19 युहन्ना की गवाही या सै, के जिब्ब यहुदियां नै यरूशलेम तै याजकां अर लेवियां नै उसतै यो बुझ्झण नै खन्दाया, "तू कौण सै?" 20 फेर उसनै यो मान लिया अर नाट्या कोनी, पर मान लिया, "मैं मसीह कोनी सूं।" 21 फेर उन्नै उसतै बुझ्झया, "तो फेर तू कौण सै? के तू एलिय्याह सै?" उसनै कहया, "मैं कोनी सूं।" "तो के तू ओ नबी सै?" उसनै जबाब दिया, "ना।" 22 फेर उन्नै उसतै बुझ्झया, "फेर तू सै कौण? ताके हम आपणे खन्दाण आळयां ताहीं जबाब देवां। तू अपणै बारै म्ह के कहवै सै?" 23 ओ बोल्या, "जिसा यशायाह नबी नै बोल्या सैः 'मैं बण म्हे एक रूक्का देवण आळे का बोल सूं, के थम प्रभु का रास्ता सीधा करो।"

24 वे फरीसियों के कान्नी तै खन्दाए होड़ थे। 25 उन्नै उसतै यो सवाल बुझ्झया, "जै तू ना मसीह सै, अर ना एलिय्याह, अर ना ओ नबी सै, तै फेर बपतिस्मा क्यांतै देवै सै?" 26 युहन्ना नै उन ताहीं जबाब दिया, "मैं तै पाणी तै बपतिस्मा दयु सूं, पर थारे बिच्चाळै एक माणस खड़या सै जिसनै थम कोनी जाणदे। 27 यानि मेरै पाच्छै आणआळा सै, जिसकी जुत्ती के फीत्ते मै खोल्लण जोग्गा कोनी।" 28 ये बात यरदन तै परली ओड़ बैतनिय्याह म्ह होई, जड़ै युहन्ना बपतिस्मा दिया करदा।

पणमेशर का मेम्ना

29 दुसरै दिन उसनै यीशु ताहीं आपणी ओड़ आन्दे देखकै बोल्या, "देक्खो, यो पणमेशर का मेमना सै जो दुनिया का पाप ठावै सै। 30 यो ओए सै जिसकै बारै म्ह मन्नै कहया था, 'एक माणस मेरै पाछै आवै सै जो मेरतै घणा काम्मल सै, ज्यातै ओ मेरतै पहल्या था। 31 मै तै उसनै पिच्छाणु कोनी था, पर इस्से खातर मैं पाणी तै बपतिस्मा देन्दा होया आया के वो इस्राएल पै दीख जावै।" 32 अर युहन्ना नै या गवाही दीः "मन्नै आत्मा ताहीं कबूतर की तरियां अकास तै उतरदे देख्या सै, अर ओ उस पै ठहरग्या। 33 मै तै उसनै पिच्छाणु कोनी था, पर जिसनै मेरैताहीं पाणी तै बपतिस्मा देण कै खात्तर खन्दाया, उस्से नै मेरैताहीं कहया, "जिस पै तू आत्मा नै उतरदे अर ठहरदे देक्खै, ओए पवित्र आत्मा तै बपतिस्मा देणिया सै।" 34 अर मन्नै देख्या, अर गवाही दी सै, के योए पणमेशर का बेट्टा सै।"

यीशु के प्रथम चेल्ले

35 दूसरै दिन दुबारै युहन्ना अर उसके चेल्यां म्ह तै दो जणे खड़े होए थे, 36 अर उसनै यीशु पै जो जाण लागरया था, उसकी ओड़ लखाकै बोल्या, "देक्खो, यो पणमेशर का मेम्ना सै।" 37 जिब्बे वे दोन्नु चेल्ले उसकी न्यू सुणकै यीशु कै गेल हो लिए। 38 यीशु नै बोहड़कै उनताहीं गेल आन्दे देख्या अर उनतै बोल्या, "थम किसनै टोव्हो सो?" वे उसतै बोल्ले, "हे रब्बी यानि हे गुरू, तू कड़ै रहवै सै?" 39 ओ उनतै बोल्या, "चाल्लो, तै देख लियो।" फेर उन्नै उसकै रहण की जगहां देक्खी, अर उस दिन उसकै गेल्या रए। यो दसवें घन्टै कै करीबन था।

40 उन दोनुआ म्है तै, जो युहन्ना की बात सुणकै यीशु कै गेल्या हो लिए थे, एक तो शमौन पतरस का भाई अन्द्रियास था। 41 उसनै पहल्या अपणै सगै भाई शमौन तै फेटकै उसतै बोल्या, "हमनै ख्रिस्त यानि मसीह, मिलग्या। 42 ओ उसनै यीशु कै धोरै ल्याया। यीशु नै उसकी ओड़ लखाकै कहया, "तू युहन्ना का बेट्टा शमौन सैः तू कैफा यानिके पतरस कुआवैगा।

फिलिप्पुस अर नतनएल का बुलाया जाणा

43 दूसरै दिन यीशु का जी गलील जाण नै करया। ओ फिलिप्पुस तै फेटया अर बोल्या, "मेरे गेल्या हो ले।" 44 फिलिप्पुस, अन्द्रियास अर पतरस कै नगर बैतसैदा का रहणिया था। 45 फिलिप्पुस नतनएल तै फेटया अर उसतै बोल्या, "जिसका जिक्र मूसा नै व्यवस्थायां म्ह अर नब्बीयां नै करया सै, ओ म्हारै तै फेटगा सै! ओ युसुफ का बेट्टा, यीशु नासरी सै।" 46 नतनएल उसतै बोल्या,"के कोए काम्मल चीज भी नासरत तै लिकड़ सकै सै? फिलिप्पुस उसतै बोल्या,"चालकै देख ले। 47 यीशु नै नतनएल को आपणी ओड़ आन्दे देख कै उसकै बारै म्ह कहया, "देक्खो, यो साच्चए इस्राएली सैः इसम्ह कपट कोनी।" 48 नतनएल उसतै बोल्या, "तू मन्नै किस तरियां जाणै सै?" यीशु नै उस ताहीं जबाब दिया, "इसतै पहल्या के फिलिप्पुस नै तेरे ताहीं बुलाया, जिब्ब तू अंजीर कै दरख्त तळै था, जिब्ब मन्नै तेरैताहीं देख्या था।" 49 नतनएल नै उस ताहीं जबाब दिया, "हे रब्बी, तू पणमेशर का बेट्टा सै; तू इस्राएल का महाराजा सै।" 50 यीशु नै उस ताहीं जबाब दिया, "मन्नै जो तेरेतै कहया के मन्नै तेरैताहीं अंजीर कै दरख्त तळै देख्या, के तू इस्से ताहीं

बिश्वास करै सै? तू इसतै भी बड्डे-बड्डे काम देक्खैगा।" 51 फेर उसतै
बोल्या,"मैं तेरैतै साच्चे-साच्च कहूँ सूं, के थम सुर्ग नै खुल्या होड़ अर पणमेशर
के सुर्गदुत्तां नै माणस कै बेट्टे पै उतरदे अर ऊपरान जान्दे देक्खोगे।"

गलील के काना म्ह पहल्ला अनोक्खा काम

2 फेर तीसरै दिन गलील कै काना म्ह किसे का ब्याह था, अर यीशु की
माँ भी ओड़ए थी। 2 यीशु अर उसके चेल्ले भी उस ब्याह म्ह न्योंद
राक्खे थे। 3 जिब्ब दाखरस सापड़ग्या, फेर यीशु की माँ उसतै बोल्ली, "उनकै
धोरै दाखरस कोनी रहया।" 4 यीशु नै उसतै कहया, "हे नारी, मन्नै तेरैतै के
काम? इबे मेरा टेम कोनी आया।" 5 उसकी माँ नै नौकरां तै कहया, "जो किमै
यो थारे ताहीं कहवै, न्युए करियो। 6 ओड़ै यहूदियां ताहीं पवित्र करण कै
रिवाज के मुताबिक़ पत्थर के छः पैण्डे धरे थे, जिनम्ह दो-दो, तीन-तीन मण
पाणी आवै था। 7 यीशु नै उनतै कहया, "पैण्डां मै पाणी भर दयो। अर उन्नै वे
मुँह ताहीं भर दिए। 8 फेर उसनै उन ताहीं कहया, "इब काडकै भोज कै प्रधान
धोरै ले जाओ।" अर वे लेगे। 9 जिब्ब भोज कै प्रधान नै ओ पाणी चाख्या, जो
दाखरस बणग्या था अर नीं जाणै था के ओ कड़ै तै आया सै (पर जिन नौकरां
नै पाणी काड्या था वे जाणै थे) फेर भोज कै प्रधान नै बन्दड़े ताहीं बुलाकै
उसतै कहया, 10 "हरेक माणस पहल्या बढिया दाखरस देवै सै, अर जिब्ब
माणस पीकै छिक जावै सै, फेर हल्का देवै सै; पर तन्नै बढिया दाखरस इब
ताहीं राख राख्या सै।" 11 यीशु नै गलील कै काना म्ह आपणा यो पहल्ड़ा
कारनाम्मा दिखाकै आपणी महिमा दिखा दी अर उसके चेल्यां नै उसपै
बिश्वास करया।

12 इसकै पाच्छै ओ अर उसकी माँ अर उसके भाई अर उसके चेल्ले
कफरनहूम नै गए अर ओड़ै किमै दिन रहे।

मंदर तै व्यापारियाँ का काड्या जाणा

(मत्ती 21:12-13; मरकुस 11:15-17; लूका 19:45-46)

13 यहुदियां का फसह का त्यौहार लोवै था, अर यीशु यरूशलेम म्ह गया।
14 उसनै मन्दर म्ह बळद, भेड़ अर कबूतर नै बेच्चण आळे अर सर्राफां ताहीं
बैट्ठे होए पाया। 15 फेर उसनै जेवड़ियां का कोरड़ा बणाकै, सारी भेड्डां अर
बळदा ताहीं मन्दर तै काड दिया, अर सर्राफां के पिस्से खिन्डा दिए अर पीढ़े
पलट दिए, 16 अर कबूतर बेचणआळयां ताहीं बोल्या, "इन्हे उरै तै ले जाओ।
मेरै बाप कै घर नै धन्धे का घर ना बणाओ।" 17 फेर उसकै चेल्यां नै याद
आया के लिख्या होड़ सै, "तेरै घर की सिरड़ मनै खा ज्यागी। 18 इस पै
यहूदियां नै उसतै कहया, "तू जो इस तरियां करै सै तो म्हारैताहीं कौण-सा
निशान दिखावै सै?" 19 यीशु नै उन ताहीं जबाब दिया, "इस मन्दर ने ढा दो,
मैं इसनै तीन दिनां म्ह खड़या कर दूँगा। 20 यहूदियां नै कहया, "इस मन्दर कै
बनाण म्ह छियालिस साल लाग्गे सैं, अर के तू इसनै तीन दिनां म्ह खड़या
कर देवैगा?" 21 पर उसनै आपणी देह कै मन्दर कै बारै म्ह बोल्या था। 22 खर
म्ह जिब्ब ओ मरे होया म्ह तै जिन्दा होया जिब्ब उसकै चेल्यां नै याद आई के
उसनै यो कहया था; अर उन्नै पवित्र ग्रन्थ अर उस शब्द का जो यीशु नै
बोल्या था, बिश्वास करया।

यीशु माणस के मन नै जाणै सै

23 जिब्ब ओ यरूशलेम म्ह फसह के टेम त्यौहार म्ह था, तो घणाए नै
उसके निशान नै जो वो दिखावै था देखकै उसकै नाम पै बिश्वास करया।
24 पर यीशु नै अपणै-आप ताहीं उनकै भरोसै पै कोनी छोड्या, ज्यातै ओ
सारया नै जाणै था; 25 अर उसनै जरूत कोनी थी के माणस के बारै म्ह कोए
गवाही देवै, ज्यातै ओ खुदे जाणै था के माणस कै मन म्ह के सै?

यीशु अर नीकुदेमुस

3 फरीसियां म्ह तै नीकुदेमुस नाम का एक माणस था, जो यहूदियां का
प्रधान था। 2 उसनै रात नै यीशु के धोरै आकै उस ताहीं कहया, "हे
रब्बी, हमनै बेरा सै के तू पणमेशर की ओड़ तै गुरू बणकै आया सै; ज्यातैए
कोए इन निशान नै जिन्हे तू दिखावै सै, जै पणमेशर उसकै गेल्या ना हो, तै
कोन्या दिखा सकदा।" 3 यीशु नै उस ताहीं जबाब दिया, "मै थारै ताहीं
साच्ची-सांच कहूं सूं, जै कोए नए सिरे तै ना जण्य तै पणमेशर का राज देख नी
सकदा।" 4 नीकुदेमुस नै उस ताहीं कहया, "माणस जिब्ब बुढ़ा होज्या, तै
किस ढाळ जन्म ले सकै सै? के ओ आपणी माँ कै गर्भ म्ह दुसरी बर भीत्तर
बड़कै जन्म ले सकै सै।" 5 यीशु नै जबाब दिया, "मै तेरैतै साच्ची-सांच कहूँ सूं
; जिब्ब ताहीं कोए माणस पाणी अर आत्मा तै ना जण्य तै ओ पणमेशर के
राज्य म्ह बड़ नी सकदा। 6 ज्यातै जो देह तै जण्या सै, ओ देह सै; अर जो
आत्मा तै जण्या सै, ओ आत्मा सै। 7 हैरान ना होवै, के मन्नै तेरैतै कहया; के
थारै ताहीं नए सिरे तै जन्म लेणा जरूरी सै। 8 बाळ जितोड़ चाहवै सै उतोड़
चाल्लै सै, अर तू उसका शब्द सुणै सै, पर ना जांणदा, के वा कड़ै तै आवै सै
अर कितोड़ नै जावै सै? जो कोए आत्मा तै जण्या सै ओ इसाए सै।"
9 नीकुदेमुस नै उस ताहीं जबाब दिया; के या बात किसढाळ हो सकै सै?
10 या सुणकै यीशु नै उस ताहीं कहया, "तू इस्रालियां का गुरू होकै भी के इन
बात्तां नै कोनी समझदा?" 11 मैं तेरैतै साच्ची-साच कहूँ सूं के हम जो जाणां
सां, ओ कहवां सां, अर जिस ताहीं हमनै देख्या सै उसकी गवाही देवां सां,
अर थम म्हारी गवाही अपणांदे कोनी। 12 जिब्ब मन्नै थारैतै धरती की बात
कहीं, अर थम बिश्वास नी करदे, तै जै मै थमनै सुर्ग की बात कहूं, तै फेर
किसढाळ बिश्वास करोगे? 13 अर कोए सुर्ग पै कोनी चढ़ा, सिर्फ ओए जो सुर्ग
तै उतरा यानिके माणस का बेट्टा जो सुर्ग म्ह सै। 14 अर जिस ढाळ तै मूसा नै
बण म्ह नाग ताहीं ऊंच्चे पै चढ़ाया, उस्से ढाळ तै जरूरी सै के माणस का बेट्टा
भी ऊंच्चे पै चढ़ाया जावै। 15 ताके जो कोए उसपै बिश्वास करै उसम्ह अनन्त
जीवन पावै।

16 क्यूँके पणमेशर नै दुनिया तै इसा प्यार राख्या के उसनै आपणा एक्का
बेट्टा दे दिया, ताके जो कोए उसपै बिश्वास करै, ओ नास कोनी होवै, पर
अनन्त जीवन पावै। 17 पणमेशर नै आपणै बेट्टे ताहीं दुनिया म्ह ज्यांतै कोनी
खन्दाया, के दुनिया पै दण्ड का हुक्म देवै, पर ज्यांतै के दुनिया उसकै जरिये
उद्धार पावै। 18 उसपै बिश्वास करै सै, उस पै दण्ड का हुक्म कोन्या होन्दा,
पर जो उसपै बिश्वास नीं करदा, ओ कसूरवार बणैगा; ज्यांतै के उसनै
पणमेशर के एक्के बेट्टे कै नाम पै बिश्वास कोनी करया। 19 अर दण्ड कै हुक्म
का कारण यो सै के चान्दणा दुनिया म्ह आया सै, अर माणसां नै अन्धेरै ताहीं
चान्दणै तै घणा प्यारा जाणया क्यूँके उनके काम भुण्डे थे। 20 यूँके जो कोए
भुण्ड करै सै, ओ चान्दणै तै बैर राक्खै सै, अर चान्दणै कै धोरै कोनी आन्दा,
इसा ना हो के उसकै काम्मां म्ह तै खोट काड्या जावै। 21 पर जो सच्चाई पै
चाल्लै सै ओ चान्दणै कै धोरै आवै सै, ताके उसके काम दिखै, के ओ पणमेशर
की ओड़ तै करे होड़ सै।

यीशु कै बारै म्ह युहन्ना की गवाही

22 फेर यीशु अर उसके चेल्ले यहूदिया देश म्ह पहोच्चे; अर ओ ओड़ै उनकै
गेल्या रहकै बपतिस्मा देण लाग्या। 23 युहन्ना भी शालेम कै धोरै ऐनोन म्ह
बपतिस्मा देवै था, क्यूँके ओड़ै घणाए पाणी था, अर माणस आकै बपतिस्मा
लेवै थे— 24 युहन्ना उस टेम ताहीं जेळखाणै म्ह कैद नी करया था- 25 ओड़ै
युहन्ना के चेल्यां का किसे यहूदी गेल्या पवित्रपणै कै बारै म्ह बहस होगी।
26 अर उन्नै युहन्ना कै धोरै आकै उस ताहीं कहया, "हे रब्बी, जो माणस
यरदन कै परली ओड़ तेरी गेल्या था, अर जिसकी तन्नै गवाही दी सै; देख,
ओ बपतिस्मा देवै सै, अर सारे उसकै धोरै आवैं सैं।" 27 युहन्ना नै जबाब
दिया, "जिब्ब ताहीं माणस नै सुर्ग कान्ही तै ना दिया जावै, जद ताहीं ओ
किम्मे नी ले सकदा।" 28 थम तै खुदे मेरे गवाह सो के मन्नै कहया, "मैं मसीह
कोनी, पर उसकै आगै खन्दाया गया सूं।" 29 जिसकी बन्दड़ी सै, ओए
बन्दड़ा सै; पर बन्दड़ै का ढब्बी जो खड़या होया उसकी सुणै सै, बन्दड़ै कै
शब्द तै घणा राज़ी होवै सै; इब मेरा यो आनन्द पूरा होया सै। 30 जरूरी सै के
ओ बधै अर मैं घटूँ।

31 "जो ऊपराण तै आवै सै, ओ सारया म्ह काम्मल सै; जो धरती कान तै
आवै सै ओ धरती का सै, अर धरतीए की बात कहवै सै : जो सुर्ग कान तै
आवै सै, ओ सारया म्ह ऊपरल्ला सै। 32 जो किम्मे उसनै देख्या अर सुणया
सै, उस्से की गवाही देवै सै; अर कोए उसकी गवाही कोनी अपणान्दा।

33 जिसनै उसकी गवाही अपणाई उसनै इस बात पै छाप लगा दी के पणमेशर साच्चा सै। 34 क्यूँके जिसताहीं पणमेशर नै खन्दाया सै, ओ पणमेशर की बात कहवै सै; क्यूँके ओ आत्मा नाप-नापकै कोनी देन्दा। 35 बाप बेट्टै तै प्यार करै सै, अर उसनै सारी चीज उसकै हाथां म्ह दे दी सै। 36 जो बेट्टै पै बिश्वास करै सै, अनन्त जीवन उस्से का सै; पर जो बेट्टै नै कोनी मान्दा, ओ जीवन नै कोनी देक्खै, पर पणमेशर का छौह उस पै रहवै सै।

यीशु अर सामरी लुगाई

4 फेर जिब्ब प्रभु नै बेरा पाट्या के फरीसियां नै सुण्या सै के यीशु युहन्ना तै घणे चेल्ले बणावै सै अर उन्है बपतिस्मा देवै सै- 2 ऊँ तै यीशु खुद नीं बल्कि उसके चेल्ले बपतिस्मा देवै थे— 3 फेर ओ यहूदियां नै छोड़कै दुबारै गलील नै चल्या गया, 4 अर उसनै सामरिया होन्दा ओड़ जाणा जरूरी था। 5 इस करकै ओ सूखार नामक सामरिया कै एक नगर ताहीं आया, जो उस धरती कै धोरै सै जो याकूब नै आपणे बेट्टे युसुफ ताहीं दी थी। 6 अर याकूब का कुवां भी ओड़ए था। आखर म्ह यीशु रास्ते का थकया होड़ उस कुअं पै न्यूए बैठग्या। या बात छठे घण्टै कै करीबन होई।

7 इतन्नै म्ह एक सामरी लुगाई पाणी भरण आई। यीशु नै उस ताहीं कहया, "मन्नै पाणी प्या।" 8 क्यूँके उसके चेल्ले नगर म्ह खाणा मोल लेण जारे थे। 9 उस सामरी लुगाई नै उस ताहीं कहया, "तू यहूदी होकै मुझ सामरी लुगाई तै पाणी क्यांतै माँगै सै?" (क्यूँके यहूदी सामरियां कै गेल्या किस्से ढाळ का बिवार कोनी राखदे।) 10 यीशु नै जबाब दिया, "जै तू पणमेशर कै वरदान नै जाणदी, अर न्यू भी जाणदी के ओ कौण सै जो तेरैतै कहवै सै, 'मन्नै पाणी प्या, 'फेर तू उसतै माँगदी, अर ओ तन्नै जीवन का पाणी देन्दा।" 11 लुगाई नै उस ताहीं कहया, "हे प्रभु, तेरै धोरै पाणी भरण नै तै किमे सै भी कोनी, अर कुवां डून्घा सै; तै फेर ओ जीवन का पाणी तेरै धोरै कड़ै तै आया? 12 के तू म्हारै बाप याकूब तै बड्डा सै, जिसनै म्हारै ताहीं यो कुआं दिया, अर खुद भी आपणे ऊलादां, अर अपणै डान्गारां सुदा इस म्ह तै पीया?" 13 यीशु नै उसताहीं जबाब दिया, "जो कोए यो पाणी पीवैगा ओ फेर तिसाया होगा, 14 पर जो कोए उस पाणी म्ह तै पीवैगा जो मैं उस ताहीं दयुँगां ओ फेर अनन्त काल ताहीं तिसाया कोनी होवैगा, बल्के जो पाणी मैं उस ताहीं दयुँगां ओ उसम्ह एक सोत्ता बण ज्यागा जो अनन्त जीवन खातर उमड़दा रहवैगा।" 15 लुगाई नै उस ताहीं कहया, "हे प्रभु, ओ पाणी मन्नै दे ताके मैं तिसाई ना होऊँ अर ना पाणी भरण नै इतनी दूर आऊँ। 16 यीशु नै उस ताहीं कहया, "जा आपणै धणी नै याड़ै बुला ल्या।" 17 लुगाई नै जबाब दिया, "मै बिना धणी की सूं।" यीशु नै उस ताहीं कहया, "तू सई कहवै सै, 'मैं बिना धणी की सूं।' 18 क्यूँके तन्नै पाँच धणी कर लिए सै, अर जिसकै गेल्या तू इब सै ओ भी तेरा धणी कोनी। या तन्नै साच्ची-ए कही सै।" 19 लुगाई नै उस ताहीं कहया, "हे प्रभु, मन्नै लागै सै तू नब्बी सै। 20 म्हारै बापदादां नै इस्से पहाड़ पै भगति करी, अर थम कहो सो के वा जगहा जड़ै भगति करणी चहिए यरूशलेम म्ह सै।" 21 यीशु नै उस ताहीं कहया, "हे नारी, मेरी बात का भरोस्सा कर के ओ टेम आवै सै के थम ना तै इस पहाड़ पै बाप की भगति करोगे, ना यरूशलेम म्ह। 22 थम जिसनै कोनी जाणदे, उसकी भगति करो सो; अर हम जिसनै जांणा सा उसकी भगति करया सां; क्यूँके उद्धार यहूदियां म्ह तै सै। 23 पर ओ टेम आवै सै, बल्कि इब भी सै, जिसम्ह साच्चे भगत पिता की भगति आत्मा अर सच्चाई तै करैगें, क्यूँके पिता अपणै खातर इसेए भगतां नै टोहवै सै। 24 पणमेशर आत्मा सै अर जरूरी सै के उसकी भगति करण आळे आत्मा अर सच्चाई तै उसकी भगति करैं। 25 लुगाई नै उस ताहीं कहया, "मैं जांणु सूं के मसीह जो ख्रिस्त कुहावै सै, आणआळा सै; जिब्ब ओ आवैगा, फेर म्हारै ताहीं सारी बात बता देवैगा। 26 यीशु नै उस ताहीं कहया, "मैं जो तेरैतै बोल्लण लागरया सूं, ओए सूं।"

चेल्यां की वापसी

27 इतनै म्ह उसके चेल्ले आण पहोच्चे, अर हैरान होण लागगे के ओ लुगाई तै बतळावै था, फेर भी किस्से नै कोनी बुझ्झया, "तू के चाहवै सै? या क्यातै उसतै बतळावै सै?" 28 फेर लुगाई आपणा पन्डा छोड़कै नगर म्ह चली गई, अर माणसां तै कहण लागगी, 29 "आओ एक माणस नै देक्खो, जिसनै सारा किमे जो मन्नै करया मेरै तै बता दिया। कदे योए तो मसीह नीं सै?" 30 आखर म्ह वे नगर तै लिकड़कै उसकै धोरै आण लागगे। 31 इस बिच्चाळै उसके चेल्यां नै यीशु तै या बिनति करी, "हे गुरु, किमे खा ले।" 32 पर उसनै उन ताहीं कहया, "मेरै धोरै खाण खातर इसा खाणा सै जिसनै थम कोनी जाणदे।" 33 फेर चेल्यां नै आपस म्ह कहया, "के कोए उसकै खातर खाणा लेकै आया सै? 34 यीशु नै उन ताहीं कहया, "मेरा खाणा यो सै के अपणै खन्दाण आळे की मर्जी कै बैळ चाल्लुं अर उसका काम पुगाऊँ। 35 के थम कोनी कहन्दे, 'लामणीयां के इबे चार महीन्ने रहरे सैं?' देक्खो, मैं थारैताहीं कहूँ सूं, आपणी निगांह ठाकै खेत्तां कान्नी लखाओ के वे लामणी खातर पकरे सैं। 36 लमणयारे मजदूरी पावै अर अनन्त जीवन कै खातर फळ कट्ठे करै सै, ताके बोणआळा अर लमणयारे दोन्नु मिलकै आनन्द करैं। 37 क्यूँके याड़ै या कहावत सई बैठह सैः बोणआळा ओर सै अर लमणयारा ओर। 38 मन्नै थारैताहीं ओ खेत काटण खातर खन्दाया जिसम्ह थमनै मैहनत कोन्या करीः दुसरयां नै मैहनत करी अर थमनै उनकी मैहनत कै फळ म्ह बान्डा करया।"

सामरियाँ का बिश्वास करणा

39 उस नगर के घणखरे सामरियां ने उस लुगाई कै कहण तै यीशु पै बिश्वास करया; क्यूँके उसनै या गवाही दी थीः 'उसनै सारा किमे जो मन्नै करया सै, मेरै तै बता दिया, बिश्वास करया।' 40 ज्यांतै जिब्ब सामरी उसकै धोरै आए, तो उसतै बिनती करण लागगे के म्हारै याड़ै रै। आखर म्ह ओ ओड़ै दो दिन ताहीं रहया। 41 उसके शब्दां कै कारण ओर भी घणखरे माणसां नै बिश्वास करया 42 अर उस लुगाई तै कहया, "इब हम तेरे कहण तए बिश्वास कोनी करदे; क्यूँके हमनै खुदे सुण लिया, अर जाणगे सा के योए साच्चए म्ह दुनिया का उद्धार करणिया सै।

43 फेर उन दो दिनां कै पाछै ओ ओड़ै तै लिकड़कै गलील नै गया। 44 क्यूँके यीशु नै खुदे गवाही दी के नब्बी आपणे देश म्ह आद्दर मान कोनी पान्दा। 45 जिब्ब ओ गलील म्ह आया, तो गलीली राज़ी होकै उसतै फेट्टे; क्यूँके जितने काम उसनै यरूशलेम म्ह त्यौहार कै टेम करे थे, उन्नै उन सारया ताहीं देख्या था, क्यूँके वे भी त्यौहार म्ह जारे थे।

राजकर्मचारी के बेट्टे ताहीं चंगा करणा

46 फेर ओ दुबारे गलील कै काना नगर म्ह आया, जड़ै उसनै पाणी ताहीं दाखरस बणाया था। ओड़ै राजा का एक कर्मचारी था जिसका बेट्टा कफरनहूम म्ह बीमार था। 47 ओ या सुणकै के यीशु यहूदिया तै गलील म्ह आरहया सै, उसकै धोरै गया अर उसतै बिनती करण लागग्या के चालकै मेरै बेट्टै नै ठीक कर दे: क्यूँके ओ मरण आळा था। 48 यीशु नै उस ताहीं कहया, "जिब्ब ताहीं थम कारनाम्मा अर अचम्भै के काम कोनी देखदे जद ताहीं कदे भी बिश्वास कोनी करोगे।" 49 राजा कै कर्मचारी नै उसतै कह्या, "हे प्रभु, मेरै बाळक की मौत होण तै पह्ल्या चाल|" 50 यीशु नै उस ताहीं कहया, "जा, तेरा बेट्टा जिन्दा सै।" उस माणस नै यीशु की कहीं होई बात का बिश्वास करया अर चल्या गया। 51 ओ रास्तए म्ह था के उसके नौकर उसतै आ फेट्टे अर कहण लाग्गे, "तेरा छोरा जिन्दा सै।" 52 उसनै उसतै बुझ्झया , "किस टेम ओ ठीक होण लागग्या?" उन्नै उस ताहीं कहया, "काल सातमैं घण्टे म्ह बुखार उतर गया।" 53 फेर बाप जाण गया के यो उस्से टेम होया जिस टेम यीशु नै उस ताहीं कहया, "तेरा बेट्टा जिन्दा सै," अर उसनै अर उसके सारे कुणबे नै बिश्वास करया। 54 यो दूसरा अचम्भै का काम था जो यीशु नै यहूदिया तै गलील म्ह आकै दिखाया।

अड़तीस साल के रोगी ताहीं चंगा करणा

5 इन बात्तां कै पाच्छै यहूदियां का एक त्यौहार होया, अर यीशु यरूशलेम नै गया। 2 यरूशलेम म्ह भेड़-बाड़ै कै धोरै एक कुण्ड सै जो इब्रानी भाषा म्ह बैतहसदा कुहवावै सै; उसके पाँच घाट सै। 3 इनम्ह घणखरे बीमार, आंधे, लंगड़े अर सुखे अंगआळे (पाणी कै हाल्लण कै आस म्ह) पड़े रहवै थे। 4 (क्यूँके खास टेम पै पणमेशर के सुर्गदूत कुण्ड म्ह ऊतरकै पाणी नै

हलाया करै थे। पाणी हालदए जो कोए पहल्या उतरदा ओए चंगा हो जान्दा चाहे उसकै कोए बीमारी क्यूँ ना हो।) 5 उड़ै एक माणस था, जो अड़तीस साल तै बीमारी म्ह पड़या था। 6 यीशु नै उस ताहीं पड़या होया देखकै अर न्यू जाणकै के ओ घणे दिनां तै इसी हाल्लत म्ह पड़या सै, उसतै बुझ्झया, "के तू चंगा होणा चाहवै सै?" 7 उस बीमार ने उस ताहीं जबाब दिया, "हे प्रभु, मेरै धोरै कोए माणस कोनी के जिब पाणी हलाया जावै, तो मन्नै कुण्ड म्ह तारै; पर मेरे पहोचदे-पहोचदे दूसरा मेरतै पहल्या उतर जावै सै।" 8 यीशु नै उस ताहीं कहया, "उठ, आपणी खाट ठा, अर हाँड-फिर।" 9 ओ माणस जिब्बे चंगा होग्या, अर आपणी खाट ठाकै हाँडण-फिरण लागग्या।

10 ओ सब्द का दिन था। ज्यांतै यहूदी उस ताहीं जो चंगा होया था, कहण लाग्गे, "आज तै सब्द का दिन सै, तेरा खाट ठाणा सई कोनी।" 11 उसनै उन ताहीं जबाब दिया, "जिसनै मेरैताहीं चंगा करया, उस्से नै मेरैताहीं कहया, 'आपणी खाट ठा अर हाँड-फिर'।" 12 उन्नै उसतै बुझ्झया, "ओ कौण माणस सै जिसनै तेरैतै कह्या, 'खाट ठा, अर हाँड-फिर'?" 13 पर जो चंगा होया था ओ कोनी जाणै था के ओ कौण सै, क्यूँके उस ठोड़ पै भीड़ होण कै कारण यीशु ओड़ै तै टहलग्या था। 14 इन बात्तां कै पाच्छै ओ यीशु नै मन्दर म्ह फेटया। यीशु नै उस ताहीं कहया, "देख, तू चंगा होग्या सै: दुबारा पाप ना करिये, इसा ना हो के इसतै कोए भारया बिप्दा तेरै पै आण पड़ै।" 15 उस माणस नै जाकै यहूदियां तै कह दिया के जिसनै मेरैताहीं चंगा करया ओ यीशु सै। 16 इस कारण यहूदी यीशु नै तंग करण लाग्गे, क्यूँके ओ इसे काम सब्द कै दिन करया करदा। 17 इस पै यीशु नै उन ताहीं कहया, "मेरा बाप इब ताहीं काम करै सै, अर मैं भी काम करूँ सूं।" 18 इस कारण यहूदी और भी घणे उसकै मारण खातर कोशिश करण लाग्गे, क्यूँके ओ ना सिर्फ सब्द कै दिन का कायदा तोड़या करदा, पर पणमेशर नै आपणा बाप कहकै खुद ताहीं पणमेशर कै बरोबर भी ठहरावै था।

बेट्टे का अधिकार

19 इसपै यीशु नै उस ताहीं कहया, "मैं थारैताहीं साच्ची-साच कहूँ सूं, बेट्टा खुद तै किमे नीं कर सकदा, सिर्फ ओ जो बाप नै करदे देक्खै सै; क्यूँके जिन-जिन काम्मां नै ओ करै सै उन्नए बेट्टा भी इस्से ढ़ाळ करै सै। 20 क्यूँके बाप बेट्टे तै प्यार करै सै अर जो-जो काम ओ खुद करै सै, ओ सारे उसतै दिखावै सैः अर ओ इसतै भी बड्डे काम उसताहीं दिखावैगा, ताके थम हैरान होओ। 21 जिसा बाप मरे होया नै ठावै अर जिवांवै सै उस्से ढ़ाळ बेट्टा भी जिन्है चाहवै सै उन्है जिवांवै सै। 22 बाप किस्से का न्याय कोनी करदा, पर न्याय करण का सारा काम बेट्टे ताहीं सौंप राख्या सै, 23 के सारे माणस जिस ढ़ाळ बाप की इज्जत करैं सैं उस्से ढ़ाळ बेट्टे की भी इज्जत करैं। जो बेट्टे की इज्जत कोनी करदा, ओ बाप की, जिसनै उस ताहीं खन्दाया सै, इज्जत कोनी करदा। 24 मैं थारेतै साच्ची-सांच कहूँ सूं, जो मेरा शब्द सुणकै मेरै खन्दाए होए पै भरोस्सा करै सै, अनन्त जीवन उस्से का सै, अर उसपै दण्ड का हुक्म कोनी होन्दा, पर ओ मौत नै पार करकै जीवन म्ह बड़ लिया सै। 25 "मैं थारेतै साच्ची-सांच कहूँ सूं, ओ टेम आवै सै, अर इब सै, जिसम्ह मरेहोड़ पणमेशर कै बेट्टे का शब्द सुणेंगे, अर जो सुणैगे वे जिवेंगे। 26 क्यूँके जिस ढ़ाळ तै बाप खुद म्ह जीवन राखै सै, उस्से ढ़ाळ तै उसनै बेट्टे ताहीं भी यो हक्क दिया सै के खुद जीवन राखै। 27 बल्के उसनै न्याय करण का भी हक्क दिया सै, ज्यांतै के ओ माणस का बेट्टा सै। 28 इसतै हैरान मतना होओः क्यूँके ओ टेम आवै सै के जितने कब्रां म्ह सै वे उसका शब्द सुणकै लिकड़ आवेंगे। 29 जिन्नै भलाई करी सै वे जीवन कै पुनरूत्थान कै खातर जीं जावैं गें अर जिन्नै भुण्ड करी सै वे दण्ड के पुनरूत्थान कै खातर जीं जावैंगें।

यीशु के समबन्ध म्ह गवाही

30 "मैं खुद तै किमे कोनी कर सकदा, जिसा सुणु सूं, उस्से तरियां न्याय करूँ सूं, अर मेरा न्याय साच्चा सै, क्यूँके मै आपणी मर्जी कोनी पर अपणे खन्दाण आळे की मर्जी चाहूँ सूं। 31 जै मैं खुदे आपणी गवाही द्यूँ, तो मेरी गवाही साच्ची कोनी। 32 एक और सै जो मेरी गवाही देवै सै, अर मैं जांणू सूं, के मेरी जो गवाही ओ देवै सै, वा साच्ची सै। 33 थमणै युहन्ना तै बुझवाया अर उसनै सच्चाई की गवाही दी सै। 34 पर मैं अपणै बारै म्ह माणसां की गवाही कोनी चाहन्दा; फेरभी मैं ये बात ज्यांतै कहूँ सूं के थारा उद्धार हो। 35 ओ तो बळदा होया अर चमकदा होया दीवा था, अर थमणै किमे वार ताहीं उसकै चान्दणै म्ह मगण होणा भाया। 36 पर मेरै धोरै जो गवाही सै वा युहन्ना की गवाही तै बड्डी सै; क्यूँके जो काम बाप नै मेरै ताहीं निपटाण नै सौंप्यां सै यानिके योए काम जो मैं करूँ सूं, वे मेरे गवाह सैं के बाप नै मेरैताहीं खन्दाया सै। 37 अर बाप जिसनै मेरैताहीं खन्दाया सै, उस्से नै मेरी गवाही दी सै। थमनै ना कदे उसका शब्द सुण्या, अर ना उसकी शिक्ल देक्खी सै; 38 अर उसकै शब्द ताहीं मन म्ह बणाए कोनी राखदे, क्यूँके जिस ताहीं उसनै खन्दाया थम उसका भरोस्सा कोनी करदे। 39 थम पवित्र ग्रन्थ म्ह टोव्हो सो, क्यूँके समझों सो के उसम्ह अनन्त जीवन थारैताहीं मिलै सै; अर यो ओए सै जो मेरी गवाही देवै सै; 40 फेर भी थम जीवन पाण खातर मेरै धोरै आणा कोनी चाहन्दे। 41 मैं माणसां तै इज्जत कोनी चाहन्दा। 42 पर मैं थमणै जांणू सूं के थारै म्ह पणमेशर का प्रेम कोनी। 43 मैं अपणै बाप कै नाम तै आया सूं, अर थम मेरैताहीं अपणांदे कोनी; जै दुसरा कोए खुदे नाम तै आवै, तो उसनै अपणा लोगे। 44 थम जो एक-दुसरै तै इज्जत चाहो सो अर वा इज्जत जो एकलै पणमेशर की ओड़ तै सै, कोनी चाहन्दे, किसतरियां बिश्वास कर सको सो? 45 न्यू ना समझियों के मैं बाप के श्यामी थारै म्ह खोट काढ़ू सूं; थारे म्ह खोट काढणिया तो मूसा सै, जिसपै थमणै भरोस्सा राख्या सै। 46 क्यूँके जै थम मूसा पै भरोस्सा करदे, तो मेरा भी भरोस्सा करदे, ज्यांतै के उसनै मेरै बारै म्ह लिख्या सै। 47 पर जै थम उसकी लिक्खी होई बात्तां पै बिश्वास कोनी करदे, तो मेरी बात्तां पै किसतरियां बिश्वास करोगे?

पाँच हजार माणसां ताहीं खिलाणा

(मत्ती 14:13-21; मरकुस 6:30-44; लूका 9:10-17)

6 इन बात्तां कै पाच्छै यीशु गलील की झील यानिके तिबिरियास की झील कै धोरै गया। 2 अर एक बड्डी भीड़ उसकै गेल्या हो ली क्यूँके जो अचम्भै के काम ओ बीमारां पै दिखावै था वे उन्नै देख्या करै थे। 3 फेर यीशु पहाड़ पै चढ़कै आपणे चेल्यां कै गेल्या बैठग्या। 4 यहूदियां कै फसह का त्यौहार लोवै था।

5 जिब्ब यीशु नै आपणी आँख ठाकै एक बड्डी भीड़ ताहीं अपणै कान्नी आन्दे देख्या, फेर फिलिप्पुस ताहीं कहया, "हम इनकै खाणै कै खातर कड़ै तै रोट्टी मोल ल्यावां?" 6 उसनै या बात उस ताहीं आजमाण ताहीं बोल्ली, क्यूँके ओ खुदे जाणै था के ओ के करैगा। 7 फिलिप्पुस नै उस ताहीं जबाब दिया, "दो सौ दिनार की रोट्टी भी उन खातर पूरी कोनी पड़ै के उनम्ह तै हरेक नै माड़ी-माड़ी ठया जा।" 8 उसके चेल्यां म्ह तै शमौन पतरस का भाई अन्द्रियास नै उस ताहीं कहया, 9 "याड़ै एक छोरा सै जिसकै धोरै जौ की पाँच रोट्टी अर दो मच्छीं सै; पर इतने माणसां खातर वे के सैं?" 10 यीशु बोल्या, "माणसां नै बिठा दयो।" उस जगहां घणी घास थी: फेर माणस जिनम्ह आदमियां की गिनती करीबण पाँच हजार की थी, बैठगे। 11 फेर यीशु नै रोट्टी ली अर धन्यवाद करकै बैठणआळयां ताहीं बान्ड दीः अर उस्से ढ़ाळ मच्छीयां म्ह तै जितनी वे चाहवै थे, बान्ड दी। 12 जिब वे खाकै छिकगे फेर ओ चेल्यां तै बोल्या, "बचे होड़ टुकड़े कट्ठे करल्यो के किमे बगायां नीं जावै।" 13 आखर म्ह उन्नै कट्ठा करया, अर जौ की पाँच रोटियां के टुकड़यां तै जो खाणआळयां तै बची होड़ थी, बारहां छाबड़ी भरीं। 14 फेर जो अचम्भे के काम उसनै कर दिखाये उसनै वे माणस देखकै कहण लाग्गे, "ओ नब्बी जो दुनिया म्ह आणआळा था, पक्का योए सै।" 15 यीशु न्यू जाणकै के वे मन्नै राजा बनाण खातर पकड़णा चाहवै सैं, फेर पहाड़ पै एकला चल्या गया।

यीशु का पाणी पै चालणा

(मत्ती 14:22-33; मरकुस 6:45-52)

16 जिब्ब सांझ होई, तो उसके चेल्ले झील कै कन्ठारै गए, 17 अर किस्ती पै चढ़कै झील कै परली ओड़ कफरनहूम नै जाण लागगे। उस टेम अन्धेरा होग्या था, अर यीशु इब ताहीं उनकै धोरै कोनी आया था। 18 आंधी कै कारण झील म्ह झांल उड्डण लागगी। 19 जिब वे खेते-खेते तीन-चार कोस कै करीबन लिकड़गे, फेर उन्नै यीशु ताहीं झील पै चाल्दे अर किस्ती कै धोरै आन्दे

देख्या, अर डरगे। 20 पर उसनै उनतै कहया, "मैं सूं; डरो मतना।"
21 आखरम्ह वे उसनै किस्ती पै चढ़ाण नै राज़ी होए अर जिब्बए वा किस्ती
उस जगहां पै जा पहोच्ची जड़ै वे जाण लागरे थे।

लोग्गां का यीशु ताहीं टोहणा

22 दुसरै दिन उस भीड़ नै, जो झील कै परली ओड़ खड़ी थी, न्यू देख्या के
याड़ै एक नै छोड़ और कोए छोट्टी किस्ती कोनी थी; अर यीशु आपणे चेल्यां
गेल्या उस किस्ती पै कोनी चढ़या था, पर सिर्फ उसके चेल्ले ए गए थे। 23 फेर
दुसरी किस्ती तिबिरियास तै उस जगहां कै धोरै आई, जड़ै उन्नै प्रभु के
धन्यवाद करण कै पाच्छै रोट्टी खाई थी। 24 ज्यांतै जिब्ब भीड़ नै देख्या के
याड़ै ना यीशु सै अर ना उसके चेल्ले, फेर वे भी छोट्टी-छोट्टी किस्तीयां पै
चढ़कै यीशु नै टोन्दे होए कफरनहूम पहोच्चे।

यीशु जीवन की रोट्टी

25 झील कै परली ओड़ जिब्ब वे उसतै फेट्टे तो बोल्ले, "हे रब्बी, तू याड़ै कद
आया?" 26 यीशु ने उनताहीं जबाब दिया, "मैं थारैताहीं साच्ची-साच कहूँ सूं,
थम मन्नै ज्यांतै कोनी टोव्हो सो के थमणै अचम्भै के काम देक्खे, पर ज्यांतै
के थम रोट्टी खाकै छिके। 27 नाश होण आळे खाणै कै खातर मैहनत मतना
करो, पर उस खाणै खातर जो अनन्त जीवन ताहीं रहवै सै, जिसनै माणस
का बेट्टा थारैताहीं देवैगा; क्यूँके बाप यानिके परमेणशर नै उस्से पै छाप लाई
सै। 28 वे उसतै बोल्ले, "पणमेशर के काम करण खातर हम के करां?" 29 यीशु
नै उनताहीं जबाब दिया, "पणमेशर का काम यो सै के थम उसपै, जिस ताहीं
उसनै खन्दाया सै, बिश्वास करो।" 30 फेर वे उसतै बोल्ले, "फेर तू कौण सा
निशान दिखावै सै के हम उसनै देखकै तेरा बिश्वास करां? तू कौण सा काम
दिखावै सै? 31 म्हारै बापदादयां नै बण म्ह मन्ना खाया; जिसा लिख्या सै,
'उसनै उन ताहीं खाण खातर सुर्ग तै रोट्टी देई'।" 32 यीशु उनतै बोल्या, "मैं
थारैताहीं साच्ची-साच कहूँ सूं, के मूसा थारैताहीं वा रोट्टी सुर्ग तै कोनी दी, पर
मेरा बाप थमणै साच्ची रोट्टी सुर्ग तै देवै सै। 33 क्यूँके पणमेशर की रोट्टी वाए सै,
जो सुर्ग तै उतरकै दुनिया म्ह जिन्दगी देवै सै।" 34 फेर वे उसतै बोल्ले, "हे प्रभु,
वा रोट्टी हमनै सारीहाण दिया कर।"

35 यीशु उनतै बोल्या, "जीवन की रोट्टी मैं सूं; जो मेरै धोरै आवैगा, ओ कदे
भूक्खा कोनी रहवैगा, अर जो कोए मेरै पै बिश्वास करैगा, ओ कदे तिसाया
कोनी होवैगा। 36 पर मन्नै थारैताहीं कहया था के थमणै मेरैताहीं देख भी
लिया सै फेरभी बिश्वास कोनी करदे। 37 जो किमे बाप मन्नै देवै सै ओ सारा
कीमे मेरै धोरै आवै सै, अर जो कोए मेरै धोरै आवैगा उसनै मैं कद्देभी कोनी
लिकाडूं। 38 पर मैं आपणी मर्जी कोनी पर आपणै खन्दाण आळै की मर्जी पूरी
करण नै सुर्ग तै उतरया सूं ; 39 अर मेरै खन्दाण आळै की मर्जी या सै के जो
किमे उसनै मेरैताहीं दिया सै, उसम्ह तै मैं किमे कोनी खोऊँ, पर उसनै
आखर के दिनां म्ह दुबारै जिन्दा कर द्यूँ। 40 क्यूँके मेरै बाप की मर्जी या सै के
जो कोए बेट्टै नै देक्खै अर उसपै बिश्वास करै, ओ अनन्त जीवन पावै; अर मैं
उसनै आखर कै दिनां म्ह दुबारै जिन्दा करूंगा।"

41 इसपै यहूदी उसपै बिरड़ाण लागगे, क्यूँके उसनै कहया था, "जो रोट्टी
सुर्ग तै उतरी, वा मैं सूं।" 42 अर वे बोल्ले, "के यो युसुफ का बेट्टा यीशु कोनी,
जिसकै माँ-बाप नै हम जाणां सां? फेर ओ किस ढ़ाळ कह सकै सै के मैं सुर्ग
तै उतरया सूं?" 43 यीशु नै उन ताहीं जबाब दिया, "आपस म्ह मतना
बिरड़ाओ। 44 कोए मेरै धोरै कोनी आ सकदा जिब्ब ताहीं बाप, जिसनै
मेरैताहीं खन्दाया सै, उसनै खींच नीं लेवै; अर मैं उसनै आखर के दिनां म्ह
फेर जिन्दा करूंगा। 45 नब्बीयां के लेखां म्ह यो लिख्या सै: 'वे सारे पणमेशर
की ओड़ तै सिखाए होए होवैगें।' जिस किसे नै बाप तै सुणया अर सिख्या सै,
ओ मेरै धोरै आवै सै। 46 न्यू कोनी के किसे नै बाप ताहीं देख्या सै; पर जो
पणमेशर की ओड़ै तै सै, सिर्फ उस्से नै बाप ताहीं देख्या सै। 47 मै थारेताहीं
साच्ची-साच कहूँ सूं, के जो कोए बिश्वास करै सै, अनन्त जीवन उस्से का सै।
48 जीवन की रोट्टी मैं सूं। 49 थारे बापदादयां नै बण म्ह मन्ना खाया अर मरगे।
50 या वा रोट्टी सै जो सुर्ग तै उतरै सै ताके माणस उसम्ह तै खावै अर ना मरै।
51 जीवन की रोट्टी जो सुर्ग तै उतरी सै, मैं सूं। जै कोए इस रोट्टी म्ह तै खावै,
तो सारीहाण जिन्दा रहवैगा; अर जो रोट्टी मैं दुनिया कै जीवन खातर दयुँगा,
ओ मेरा मांस सै।

52 इसपै यहूदी न्यू कहकै आपस म्ह रोळां करण लागगे, "यो माणस किस
ढ़ाळ हमनै आपणा मांस खाण नै दे सकै सै?" 53 यीशु नै उन ताहीं कहया, "मै
थारेताहीं साच्ची-साच कहूँ सूं, के जिब्ब ताहीं थम माणस कै बेट्टे का मांस ना
खाओ, अर उसका लहू ना पियो, थारै म्ह जीवन कोनी। 54 जो मेरा मांस
खावै अर मेरा लहू पीवै सै, अनन्त जीवन उस्से का सै; अर आखर के दिनां
म्ह मैं उसनै दुबारै जिन्दा कर दयुंगा। 55 क्यूँके मेरा मांस सई म्ह खाण की
चीज सै, अर मेरा लहू सई म्ह पीवण की चीज सै। 56 जो मेरा मांस खावै अर
मेरा लहू पीवै सै ओ मेरै म्ह डटया रहवै सै, अर मैं उसम्ह। 57 जिसा जिन्दै
बाप नै मेरैताहीं खन्दाया सै, अर मैं बाप कै कारण जिन्दा सूं, उस्से ढ़ाळ ओ
भी जो मन्नै खावैगा मेरै कारण जिन्दा रहवैगा। 58 जो रोट्टी सुर्ग तै उतरी सै
याए सै, उस रोट्टी बरगी कोनी जो बापदादयां नै खाई अर मरगे; जो कोए या
रोट्टी खावैगा, ओ कदे ताहीं जिन्दा रहवैगा।" 59 ये बात उसनै कफरनहूम कै
एक आराधनालय म्ह उपदेश देन्दे टेम कहीं।

अनन्त जीवन के बचन

60 उसके चेल्यां म्ह तै घणखरा नै या सुणकै कहया, "या करड़ी बात सैं;
इसनै कौण सुण सकै सैं?" 61 यीशु नै आपणै मन म्ह न्यू जाणकै के मेरे चेल्ले
आपस म्ह इस बात पै बिरड़ावै सैं, उन ताहीं बुझ्झया, "के इस बात तै
थारैताहीं ठेस लागै सै?" 62 जै थम माणस कै बेट्टै नै जड़ै ओ पहल्या था,
ओड़ए ऊप्पर जान्दे देक्खोगे, तो के होगा? 63 आत्मा तो जिन्दगी देण आळी
सै, देह तै किम्मे फैयदा कोनी; जो बात मन्नै थारेतै कहीं सै वे आत्मा सैं, अर
जीवन भी सैं। 64 पर थारैम्ह तै किमे इसे सै जो बिश्वास कोनी करदे। क्यूँके
यीशु पहल्या तैए जाणै था के जो बिश्वास नीं करदे, वे कौण सैं; अर कौण
मेरैताहीं पकड़वावैगा। 65 अर ओ बोल्या, "ज्यांतै मन्नै थारैताहीं कहया था के
जिब्ब ताहीं किसे नै बाप की ओड़ तै यो बरदान ना मिलै तब ताहीं ओ मेरै
धोरै कोनी आ सकदा।

पतरस का बिश्वास

66 इसपै उसकै चेल्यां म्ह तै घणखरे उल्टे पलटगे अर उसकै पाच्छै उसकै
गेल्या कोनी चाल्ले। 67 फेर यीशु नै उन बारहां तै कहया, "के थम भी चले
जाणां चाहो सो?" 68 शमौन पतरस नै उसताहीं जबाब दिया, "हे प्रभु, हम
किसकै धोरै जावां? अनन्त जीवन की बात तो तेरैए धोरै सैं, 69 अर हमनै
बिश्वास करया अर जाणगे सै के पणमेशर का पवित्र माणस तूए सै।" 70 यीशु
नै उन ताहीं जबाब दिया, "के मन्नै थम बारहां ताहीं कोन्या छांटया? फेरभी
थारै म्ह तै एक माणस शैतान सै।" 71 यो उसनै शमौन इस्करियोती के बेट्टै
यहूदा कै बारै म्ह कहया था, क्यूँके ओए जो बारहां म्ह तै एक था, उस ताहीं
पकड़वाने नै था।

यीशु अर उसके भाई

7 इन बात्तां कै पाच्छै यीशु गलील म्ह हान्डदा रहया; क्यूँके यहूदी
उसताहीं मारण खातर कोशिश करण लागरे थे, ज्यांतै ओ यहूदियां म्ह
हान्डणा कोनी चाहवै था। 2 यहूदियां का मण्डपां (झुगियां) का त्यौहार लोवै
था। 3 ज्यांतै उसके भाईयां नै उसताहीं कहया, "याड़ै तै यहूदियां नै जा, के
जो कोए काम तू करै सै उन्नै तेरे चेल्ले ओड़ै भी देक्खै। 4 क्यूँके इसा कोए
कोनी होगा जो मश्शुर होणा चाहवै, अर लुह्क कै काम करै। जै तू यो काम
करै सै, तो खुद नै दुनिया पै प्रगट कर।" 5 क्यूँके उसके भाई भी उसपै
बिश्वास कोनी करैं थे। 6 फेर यीशु उनतै बोल्या, "मेरा टेम इबे ताहीं कोनी
आया, पर थारै खातर सारा टेम सैं। 7 दुनिया थारै तै बैर कोनी कर सकदी,
पर वा मेरै तै बैर करै सै क्यूँके मैं उसकै बिरोध म्ह या गवाही दयुँ सूं के उसके
काम भुन्डे सैं। 8 थम त्यौहार म्ह जाओ, मैं इबे इस त्यौहार म्ह कोनी जान्दा,
क्यूँके इबे मेरा टेम पूरा कोनी होया।" 9 ओ उनतै ये बात कहकै गलील म्ह
रहग्या।

झोंपड़ीयां के त्यौहार म्ह यीशु

10 पर जिब्ब उसके भाई त्यौहार म्ह जा लिए तो ओ खुद भी, प्रगट म्ह नीं
पर मान्नो गुप्ती तै गया। 11 यहूदी त्यौहार म्ह उन्नै न्यू कहकै टोव्हण लाग गे,
“ओ कड़ै सै?” 12 अर माणसां म्ह उसकै बाबत लुह्क-लुह्ककै घणखरी बात
होई: किमे कहवै थे, “ओ काम्मल माणस सै।“ अर किमे कहवै थे, “ना, ओ
माणसां नै बहकावै सै।“ 13 फेरभी यहूदियां कै डर कै मारे कोए माणस उसकै
बारै म्ह खुलकै कोनी बोल्लै था।

त्यौहार म्ह यीशु का उपदेश

14 जिब्ब त्यौहार के आधे दिन बीतगे; फेर यीशु मन्दर म्ह जाकै उपदेश
देण लागग्या। 15 फेर यहूदियां नै हैरान होकै कह्या, “इसनै बिना पढ़े विद्या
किसतरियां आगी?” 16 यीशु नै उन्नै तै जबाब दिया, “मेरा उपदेश मेरा कोनी,
पर मेरे खन्दाण आळै का सै। 17 जै कोए उसकी मर्जी पै चालणा चाहवै, तो
ओ इस उपदेश कै बारै म्ह जाणैगा के यो पणमेशर की ओड़ तै सै या मै
आपणी ओड़ तै कहूँ सूं। 18 जो आपणी ओड़ तै किमे कहवै सै, ओ खुद की
बड़ाई चाहवै सै, पर जो अपणै खन्दाण आळै की बड़ाई चाहवै सै ओए साच्चा
सै, अर उसम्ह अधर्म कोनी। 19 के मूसा नै थारैताहीं व्यवस्था कोनी दिये?
फेरभी थारैम्ह तै कोए नियम-कायदा पै कोनी चाल्दा। थम मन्नै क्यातै मारणा
चाहो सो?” 20 माणसां नै जबाब दिया, “तेरे म्ह भुन्डी औपरी आत्मा सै! कौण
तन्नै मारणा चाहवै सै?” 21 यीशु नै उन्नै ताहीं जबाब दिया, “मन्नै एक काम
करया, अर थम सारे अचम्भा करो सो। 22 इस्से खातर मूसा नै थारैताहीं
खतन्नै का हुक्म दिया सै(न्यू नीं के यो मूसा की कान्नी तै सै पर बापदादयां तै
लाग लागरी सै) अर थम सब्द कै दिन माणस का खतना करो सो। 23 जिब्ब
सब्द कै दिन माणस का खतना करया जावै सै ताके मूसा कै नियम-कायदा
का हुक्म नीं टळै। फेर थम मेरै पै क्यांतै छोह करो सो के मन्नै सब्द कै दिन
एक माणस ताहीं सई ढ़ाळ चंगा करया। 24 मुँह देख्या न्याय मतना करो, पर
सई-सई न्याय करो।”

के यीशु ए मसीह सै

25 फेर किमे यरूशलेम म्ह रहणआळे बोल्ले, “के यो ओए कोनी जिसताहीं
मारण की कोशिश करण लागरे सै?” 26 पर लखाओ, ओ तै सरेआम बात करै
सै अर कोए उसतै किम्मे कोनी कहन्दा। के सरदारां नै सांच्ये बेरा पाटग्या सै
के योए मसीह सै? 27 इसकै बारै म्ह हमनै बेरा सै यो कितका सै; पर मसीह
जिब्ब आवैगा तो कोए कोनी जांणै के ओ कितका सै।” 28 फेर यीशु नै मन्दर
म्ह उपदेश देन्दे होए रूक्का मारकै कहया, “थम मन्नै जाणो सो, अर न्यू भी
जांणो सो के मैं कितका सूं। मैं तै खुद कोनी आया, पर मेरा खन्दाण आळा
साच्चा सै, उसनै थम कोनी जांणदे। 29 मैं उसनै जांणू सूं, क्यूँके मैं उसकै
कान्नी तै सूं, अर उस्से नै मेरैताहीं खन्दाया सै।” 30 इसपै उन्नै उसताहीं
पकड़णा चाहया, फेरभी किस्से नै उसकै हाथ कोनी लाया क्यूँके उसका टेम
इबताहीं कोनी आया था। 31 फेर भी भीड़ म्ह तै घणखरे माणसां नै उसपै
बिश्वास करया, अर बोल्ले, “मसीह जिब्ब आवैगा तो के इसतै घणे अचम्भै के
काम दिखावैगा जो इसनै दिखाए?”

यीशु ताहीं पकड़न की कोशिश

32 फरीसियां नै माणसां ताहीं उसकै बारै म्ह या बात लुह्क-लुह्ककै
कहन्दे सुणया; अर प्रधान याजकां अर फरीसियां नै उसताहीं पकड़ण कै
खातर सिपाही खन्दाए। 33 इसपै यीशु बोल्या, “मैं माड़ी वार ताहीं और थारै
गेल्या सूं, फेर आपणै खन्दाण आळै धोरै चल्या जांऊँगा। 34 3थम मन्नै
टोव्होगे, पर कोनी पाओगे; अर जड़ै मैं सूं, ओड़ै थम कोनी आ सकदे।”
35 इसपै यहूदियां नै आपस म्ह कहया, “यो कड़ै जावैगा के हम इसनै कोनी
टोह सकदे? के ओ उनकै धोरै चल्या जावैगा, जो यूनानियां म्ह खिन्डकै रहवै
सै, अर यूनानियां ताहीं भी उपदेश देवैगा? 36 या के बात सै जो उसनै बोल्ली
सै, के थम मन्नै टोहवों गे, पर कोनी पाओगे; अर जड़ै मैं सूं, ओड़ै थम नीं आ
सकदे।”

जीवन-जल की नदियाँ

37 त्यौहार कै आखर दिन, जो ख़ास दिन सै, यीशु खड़या होया अर रूक्का
देकै बोल्या, “जै कोए तिसाया हो तो मेरै धोरै आवै अर पीवै। 38 जो कोए मेरै
पै बिश्वास करैगा, जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह आया सै, ‘उसकै हृदय म्ह तै जीवन
कै पाणी की नदीं बह लिकड़ैगी’।” 39 उसनै यो शब्द पवित्र आत्मा कै बारै म्ह
कहया, जो बिश्वास करण आळयां नै मिलणआळी थी; क्यूँके इब ताहीं आत्मा
कोनी उतरया था; क्यूँके यीशु इब ताहीं आपणी महिमा ताहीं कोनी पहोचया
था। 40 फेर भीड़ म्ह तै किसे-किसे नै या बात सुणकै कहया, “सांच्ये योए ओ
नब्बी सै।” 41 दूसरयां नै कहया, “यो मसीह सै।” पर किमे बोल्ले, “क्यातै?” के
मसीह गलील म्ह आवैगा? 42 के पवित्र ग्रन्थ यो कोनी आया के मसीह दाऊद
की पीढ़ी तै अर बैतलहम गाम तै आवैगा, जड़ै दाऊद रहवै था? 43 आखर म्ह
उसकै कारण माणसां म्ह फूट पड़ी। 44 उनम्ह तै किमे उसताहीं पकड़णा
चाहवै थे, पर किस्से नै उसकै हाथ कोनी लाया।

यहूदी अगुवां का अबिश्वास

45 फेर सिपाही प्रधान याजकां अर फरीसियां कै धोरै बोहड़ आए; उन्नै
उनताहीं कहया, “थम उसनै क्यातै नीं ल्याए?” 46 सिपाहियां नै जबाब दिया,
“किसे माणस नै कदे भी इसी बात कोनी करीं।” 47 फरीसियां नै उनताहीं
जबाब दिया, “के थम भी भळोई म्ह आ गे? 48 के सरदारां या फरीसियां म्ह तै
किसे नै भी उसपै बिश्वास करया सै? 49 पर ये माणस जो व्यवस्था कोनी
जाणदे, सरापित सै।” 50 नीकुदेमुस नै, जो पहल्या उसकै धोरै आया था अर
उन म्ह तै एक था, उनताहीं बोल्या, 51 “के म्हारे व्यवस्था किसे माणस नै,
जिब्ब ताहीं पहल्या उसकी सुणकै जाण ना लेवै के ओ के करै सै, कसूरवार
मान्नै सै?” 52 उन्नै उस ताहीं जबाब दिया, “के तू भी गलील का सै? टोह अर
लखा के गलील तै कोए नब्बी कोनी प्रगट होवै। 53 फेर सारे कोए आपणै-
आपणै घरां चले गए।

जार लुगाई ताहीं माफ़ी

8 पर यीशु जैतून कै पहाड़ पै गया। 2 तड़कैए ओ फेर मन्दर म्ह आया;
सारे माणस उसकै धोरै आए अर ओ बैठकै उन्नै उपदेश देण लाग्या।
3 फेर शास्त्री अर फरीसी एक लुगाई नै ल्याए जो जारी म्ह पकड़ी होड़ थी,
अर उसनै बिच्चाळै खड़या करकै यीशु ताहीं कहया, 4 “हे गुरू, या लुगाई जारी
करदी पकड़ी गई सै। 5 नियम कायदयां म्ह मूसा नै म्हारै ताहीं हुक्म दिया सै
के इसी लुगाई पै पत्थर बरसाओ। आखर म्ह तू इस लुगाई कै बारै म्ह के
कहवै सै?” 6 उन्नै उसताहीं परखण खातर या बात कहीं ताके उसपै खोट
काड्डणै नै कोए बात पावै। पर यीशु कोड्डा होकै आन्गळी तै धरती पै लिक्खण
लाग्या। 7 जिब्ब वे उसताहीं बुझदे रहे, फेर उसनै सीधा होकै उनताहीं
कहया, “थारै म्ह जो पापी ना हो, ओए पहल्या उसनै पत्थर मारै|” 8 फेर
यीशु कोड्डा होकै आन्गळी तै धरती पै लिक्खण लाग्या। 9 पर वे या सुणकै
बड्डया तै लेकै छोट्या ताहीं, एक-एक करकै लिकड़गे अर यीशु ऐकला
रहग्या, अर वा लुगाई ओड़ै-ए बिच्चाळै खड़ी रहगी। 10 यीशु नै सीधा होकै उस
ताहीं कहया, “हे नारी, वे कित गए? के किसे नै तेरै पै दण्ड का हुक्म कोनी
दिया?” 11 वा बोल्ली, “हे प्रभु, किस्से नै नीं। यीशु बोल्या, “मैं भी तेरै पै दण्ड
का हुक्म कोनी देन्दा; जा, अर जा, दुबारा पाप ना करिए।”]

यीशु जगत का चाँदणा

12 यीशु नै दुबारै माणसां तै कहया, “दुनिया का चाँदणा मैं सूं; जो कोए मेरै
गेल्या लाग लेगा ओ अन्धेरै म्ह कोनी चाल्लैगा, पर जीवन का चाँदणा पावैगा।”
13 फरीसियां नै उसताहीं कहया, “तू आपणी गवाही खुद देवै सै, तेरी गवाही
सई कोनी।” 14 यीशु नै उनताहीं जबाब दिया, “भलाए मैं आपणी गवाही खुद
देऊँ सूं, फेर भी मेरी गवाही सई सै, क्यूँके मैं जांणू सूं के मैं कित तै आया सूं,
अर कितोड़ जाऊँ सूं? पर थम कोनी जाणदे के मैं कित तै आऊँ सूं या
कितोड़ जाऊँ सूं। 15 थम देह कै बळ न्याय करो सो; मैं किसे का न्याय कोनी
करदा। 16 अर जै मैं न्याय करूं भी तै मेरा न्याय साच्चा सै; क्यूँके मैं एकला

कोनी, पर मैं सूं, अर बाप सै जिसनै मेरैताहीं खन्दाया। 17 थारे नियम-
कायदयां म्ह भी लिख्या सै के दो जणयां की गवाही मिलकै सई होवै सै;
18 एक तै मैं खुद आपणी गवाही दयुँ सूं, अर दुसरा बाप मेरी गवाही देवै सै,
जिसनै मेरैताहीं खन्दाया।" 19 उन्नै उसताहीं कहया, "तेरा बाप कित सै? यीशु
नै जबाब दिया," ना थम मन्नै जांणो सो, ना मेरै बाप नै, जै मन्नै जांणदे तै मेरै
बाप नै भी जांणदे। 20 ये बात उसनै मन्दर म्ह उपदेश देन्दे होए भण्डार कोठै
म्ह बोल्ली, अर किस्से नै उसताहीं कोनी पकड़या, क्यूँके उसका टेम इब ताहीं
कोनी आया था।

अपणे बारै म्ह यीशु का कथन

21 उसनै फेर उनताहीं कहया, "मैं जाऊँ सूं, अर थम मन्नै टोहवोगें अर
आपणै पाप म्ह मरोगे; जड़ै मैं जाऊँ सूं, ओड़ै थम नीं आ सकदे|" 22 इसपै
यहूदियां नै कहया, "के ओ खुद नै मार देवैगा, जो कहवै सै, 'जड़ै मैं जाऊँ सूं,
ओड़ै थम नीं आ सकदे'?" 23 उसनै उसताहीं कहया, "थम नीचै के सो, अर
मैं ऊप्पर का सूं; थम इस दुनिया सो, मैं दुनिया का कोनी। 24 ज्यांतै मन्नै
थारैताहीं कहया के थम आपणै पापां म्ह मरोगे, क्यूँके जै थम बिश्वास नीं
करोगे कै मैं ओए सूं, तो आपणे पापां म्ह मरोगे।" 25 उन्नै उसताहीं कहया, "तू
कौण सै?" यीशु उनतै बोल्या, "ओए सूं, जो सरू तै थारैतै कहन्दा आया सूं।
26 थारै बारै म्ह मन्नै घणाए किमे बोल्लणा अर फैसला करणा सै; पर मेरा
खन्दाणआळा साच्चा सै, अर जो मन्नै उसतै सुणया सै ओए दुनिया तै कहूँ सूं।
27 वे न्यू नीं समझै के म्हारै तै बाप कै बारै म्ह कहवै सै। 28 फेर यीशु बोल्या,
"जिब्ब थम माणस कै बेट्टै नै ऊँचै पै चढ़ाओगे, जिब्ब जाणोगे के मैं ओए सूं;
मैं खुद तै किमे कोनी करदा पर जिसतरियां मेरै बाप नै मेरैताहीं सिखाया
उस्से ढ़ाळ ये बात कहूँ सूं। 29 मेरा खन्दाण आळा मेरै गेल्या सै, उसनै
मेरैताहीं एकला कोनी छोडया क्यूँके मै सारी हाण वै ए काम करूँ सूं, जिसतै
ओ राज़ी होवै सै।" 30 ओ ये बात कहणे लागरया था के घणखरयां नै उसपै
बिश्वास करया।

सच थारै ताहीं आजाद करैगा

31 फेर यीशु नै उन यहूदियां तै जिन्नै उसपै बिश्वास करया था, बोल्या, "जै
थम मेरै शब्द म्ह बणे रहोगे, तो साच-ए मेरे चेल्ले ठहरोगे। 32 थम सच नै
जाणोगे अर सच थमनै आजाद करैगा। 33 उन्नै उसताहीं जबाब दिया, "हम तै
अब्राहम की पीढ़ी के सा, कदे किसे के गुलाम कोनी बणे। फेर तू किसतरा
कहवै सै के थम आजाद हो जाओगे?"
34 यीशु नै उनताहीं जबाब दिया, "मैं थारैतै साच्ची-साच कहूँ सूं, के जो कोए
पाप करै से ओ पाप का गुलाम सै। 35 गुलाम सारी हाण घर म्ह कोनी रहन्दा,
बेट्टा सारी हाण घरा रहवै सै| 36 ज्यांतै जै बेट्टा थमनै आजाद करैगा, तो
साच्ये थम आजाद हो जाओगें| 37 मैं जांणू सूं, के थम अब्राहम की पीढ़ी के
सो; फेरभी मेरा शब्द थारै मन म्ह जगहां कोनी पान्दा, ज्यांतै थम मन्नै मारणा
चाहो सो। 38 मैं ओए कहूँ सूं, जो मन्नै आपणै बाप कै हाड़ै देख्या सै; अर थम
ओए करदे रहो सो जो थमणै आपणै बाप तै सुणया सै।"
39 उन्नै उसताहीं जबाब दिया, "म्हारा बाप तो अब्राहम सै। यीशु उनतै
बोल्या," जै थम अब्राहम के ऊलाद होन्दे, तो अब्राहम जिसे काम करदे।
40 पर इब थम मेरै जिसे माणस नै मारणा चाहो सो, जिसनै थारैताहीं ओ
साच्चा शब्द बताया जो पणमेशर तै सुणया; इसतरियां तो अब्राहम नै कोनी
करया था। 41 थम आपणै बाप कै जिसे काम करो सो।" उन्नै उसताहीं कहया,
"हम जारी तै कोनी जणे, म्हारा एक बाप सै यानिके पणमेशर।" 42 यीशु उनतै
बोल्या, "जै पणमेशर थारा बाप होन्दा, तो थम मेरैतै प्यार राखदे; क्यूँके मैं
पणमेशर म्ह तै लिकड़ कै आया सूं। मैं खुद तै कोनी आया, पर उस्से नै
मेरैताहीं खन्दाया। 43 थम मेरी बात क्यांतै नीं समझदे? ज्यांतै के थम मेरा
शब्द सुण नीं सकदे। 44 थम आपणै बाप शैतान कान तै सो अर आपणै बाप
की मर्जी पूरा करणा चाहो सो। ओ तै सरू तैए खून्नी सै अर सच पै टिक्याए
कोनी रहया, क्यूँके सच उसम्ह सैए कोनी। जिब्ब ओ झूठ बोल्लै सै, तो आपणै
सुभा तैए बोल्लै सै; क्यूँके ओ झूठा सै बल्के झूठ का बाप सै। 45 पर मैं जो सच
बोल्लू सूं, इस्से करकै थम मेरा बिश्वास कोनी करदे। 46 थारै म्ह तै कौण मन्नै
पापी ठहरावै सै? जै मैं सच बोल्लू सूं, तो थम मेरा बिश्वास क्यांतै नीं करदे?
47 जो पणमेशर कान्नी तै होवै सै, ओ पणमेशर की बात सुणै सै; अर थम
ज्यांतै कोनी सुणदे के पणमेशर की ओड़ तै कोनी सो।"

यीशु अर अब्राहम

48 न्यू सुण यहूदियां नै उसताहीं कहया, "के हम सई कोनी कहन्दे के तू
सामरी सै, अर तेरै म्ह भुन्डी औपरी आत्मा सै?" 49 यीशु नै जबाब दिया,
"मेरै म्ह भुन्डी औपरी आत्मा कोनी; पर मैं आपणै बाप की इज्जत करूँ सूं,
अर थम मेरी बेइज्जती करो सो। 50 पर मैं आपणा मान-सम्माण कोनी
चाहन्दा; हम्बै, एक सै जो चाहवै सै अर न्याय करै सै। 51 मैं थमनै साच्ची-साच
कहूँ सूं, के जै कोए माणस मेरे शब्दां पै चाल्लैगा, तो ओ अनन्त काल ताहीं
मौत नै कोनी देक्खैगा। 52 यहूदियां नै उसताहीं कहया, "इब हम जाणगे के
तेरै म्ह भुन्डी औपरी आत्मा सै। अब्राहम मरग्या अर नब्बी भी मरग्ये सै; अर
तू कहवै सै, 'जै कोए मेरे शब्दां पै चाल्लैगा तै ओ अनन्त काल ताहीं मौत का
सुवाद कोनी चाखैगा।' 53 म्हारा बाप अब्राहम तै मरग्या। के तू उसतै भी बड्डा
सै? अर नब्बी भी मरग्ये। तू अपणै आपै नै के मान्नै सै?" 54 यीशु नै जबाब
दिया, "जै मैं खुद आपणी महिमा करूँ, तो मेरी महिमा किमे कोनी; पर मेरी
महिमा करणआळा मेरा बाप सै, जिसनै थम कहो सो के ओ थारा पणमेशर
सै। 55 थमनै तै उसताहीं कोनी जांणया: पर मैं उसताहीं जांणू सूं। जै मैं कहूँ
के मैं उसताहीं कोनी जांणदा, तो मैं थारी ढ़ाळ झूठा ठहरूँगा; पर मैं उसताहीं
जांणू अर उसके शब्दां पै चाल्लू सूं। 56 थारा बाप अब्राहम मेरा दिन देक्खण
की आस म्ह घणा मगन था; अर उसनै देख्या अर आनन्द करया।"
57 यहूदियां नै उसताहीं कहया, "इब ताहीं तू पचास साल का कोनी, फेरभी
तन्नै अब्राहम ताहीं देख्या सै?" 58 यीशु उनतै बोल्या, "मैं थमणै साच्ची-साच
कहूँ सूं, के पहल्या इसकै के अब्राहम पैदा होया, मैं सूं।" 59 फेर उन्नै उसताहीं
मारण खातर पत्थर ठाए, पर यीशु लुह्ककै मन्दर तै लिकड़ग्या।

जन्म के आंधे ताहीं दृष्टिदान

9 फेर जान्दे होए उसनै एक माणस ताहीं देख्या जो जन्म तै आंधा था।
2 उसके चेल्यां नै उसतै बुझ्झया, "हे गुरू, किसनै पाप करया था के
यो आंधा जण्या, इस माणस नै या इसकै माँ-बाप नै?" 3 यीशु नै जबाब दिया,
"ना तै इसनै पाप करया था, ना इसके माँ-बाप नै, पर यो ज्यांतै होया के
पणमेशर के काम उस म्ह को दिक्खै। 4 जिसनै मेरैताहीं खन्दाया सै, हमनै
उसके काम दिन-ए-दिन म्ह करणा जरूरी सै; वा रात आणआळी सै जिसम्ह
कोए काम नीं कर सकदा। 5 जिब्ब ताहीं मैं दुनिया म्ह सूं, जद ताहीं दुनिया
का चान्दणा सूं।" 6 न्यू कहकै उसनै धरती पै थूक्या, अर उस थूक तै माट्टी
सान्नी, अर वा माट्टी उस आंधै की आँखां पै लाकै| 7 उसतै बोल्या, "जा,
शीलोह कै कुण्ड म्ह धो ले" (शीलोह का मतलब खन्दाया होया सै)। उसनै
जाकै धोया, देखदा होया बोहड़ आया। 8 फेर पड़ौसी अर जिन्नै पहल्या
उसताहीं भीख माँगदे देख्या था, कहण लाग्गे, "के यो ओए नीं, जो बैठ्या
भीख माँगया करै था?" 9 किमे माणस बोल्ले, "यो ओए सै," दूसरे बोल्ले,
"कोनी, पर उसकै जिसा सै।" उसनै कहया, "मैं ओए सूं।" 10 फेर वे उसतै
बुझ्झण लाग्गे, "तेरी आँख किसतरियां खुलगी?" 11 उसनै जबाब दिया, "यीशु
नामक एक माणस नै माट्टी सान्नी, अर मेरी आँखां पै लाकै मेरैताहीं बोल्या,
'जा, शीलोह म्ह जाकै धो ले, बस फेर के था मै गया अर धोया अर देक्खण
लाग्या।" 12 उन्नै उसतै बुझ्झया, "ओ कित सै?" वो बोल्या, "मैं कोनी
जांणदा।"

फरिसियाँ द्वारा चंगाई की जाँच-पड़ताल

13 माणस उसनै जो आंधा था फरीसियां कै धोरै लीआए। 14 जिस दिन
यीशु नै माट्टी सानकै उसकी आँख खोल्ली थीं, ओ सब्द का दिन था। 15 फेर
फरीसियां नै भी उसतै बुझ्झया के उसकी आँख किसढ़ाळ खुलगी। उसनै
उनताहीं कहया, "उसनै मेरी आँखां पै माट्टी लाई, फेर मन्नै धो लिया, अर इब
देक्खूँ सूं।" 16 इसपै किमे फरीसी कहण लाग्गे, "यो माणस पणमेशर की ओड़
तै कोनी, क्यूँके ओ सब्द कै दिन नै कोनी मान्दा। दूसरें बोल्ले, "पापी माणस

इसे कारनाम्मे किसढ़ाळ दिखा सकै सै?" आखर म्ह उनम्ह फूट पड़गी।
17 उन्नै उस आंधै तै फेर कहया, "उसनै जो तेरी आँख खोल्ली सै। तू उसकै
बारै म्ह के कहवै सै?" उसनै कहया, "ओ नब्बी सै।"
18 पर यहूदियां नै बिश्वास कोनी होया के ओ आन्धा था अर इब देक्खै सै
जिब्ब ताहीं उन्नै उसकै, जिसकी आँख खुलगी थी, माँ-बाप नै बुलाकै
19 उनतै नीं बुझ्झया, "के यो थारा बेट्टा सै, जिसनै थम कहया करदे के
आन्धा जण्या था? फेर इब ओ किसतरियां देक्खै सै?" 20 उसकै माँ-बाप नै
जबाब दिया, "हम तै जांणा सा के यो म्हारा बेट्टा सै, अर आन्धा जण्या था;
21 पर न्यू कोनी जाणदे के इब किसतरियां देक्खै सै, अर ना न्यू जाणदे के
किसनै इसकी आँख खोल्ली। ओ श्याणा सै, उस्से तै बुझ ल्यो; ओ आपणै
बारै म्ह खुद कह देवैगा।" 22 ये बात उसकै माँ-बाप नै ज्यांतै कहीं क्यूँकै वे
यहूदियां तै डरै थे, क्यूँकै यहूदीयां नै एक्का कर लिया था के जै कोए कहवै के
ओ मसीह सै, तो आराधनालय तै लिकाड़या जावै। 23 इस्से कारण उसकै
माँ-बाप नै कहया, "ओ श्याणा सै, उस्से तै बुझल्यो।"
24 फेर उन्नै उस माणस ताहीं जो आन्धा था, दूसरी बर बुलाकै उसतै
कहया, "पणमेशर की भजन कर। हम जांणां सां के ओ माणस पापी सै।"
25 उसनै जबाब दिया, "मैं नीं जांणदा के ओ पापी सै के नीं; मैं एक बात जांणू
सूं, के मैं आन्धा था अर इब देक्खूँ सूं।" 26 उन्नै उसताहीं दुबारै कहया,
"उसनै तेरै गेल्या के करया? अर किस ढ़ाळ तेरी आँख खोल्ली?" 27 उसनै
उसताहीं कहया, "मन्नै तै थारैताहीं कह लिया, अर थम नै कोनी सुणया; इब
दूसरी बर क्यांतै सुणना चाहवो सो? के थम भी उसके चेल्ले होणा चाहवो
सो?" 28 फेर वे उसतै भुन्डा-आच्छा कहकै बोल्ले, "तूए उसका चेल्ला सै, हम
तै मूसा के चेल्ले सां। 29 हम जांणा सा के पणमेशर नै मूसा तै बात करी; पर
इस माणस नै कोनी जांणदे के कितका सै।" 30 उसनै उसताहीं जबाब दिया,
"या तै अचम्भै की बात सै के थम नीं जांणदे के ओ कितका सै, फेरभी उसनै
मेरी आँख खोल दीं। 31 हम जांणां सां के पणमेशर पापियां की कोनी सुणदा,
पर जै कोए पणमेशर का भगत हो अर उसकी मर्जी पै चाल्दा हो, तो ओ
उसकी सुणै सै। 32 दुनिया कै सरूआत तै यो कदे सुणनै म्ह कोनी आया के
किसे न जन्म तै आन्धै की आँख खोल्ली हों। 33 जै यो माणस पणमेशर कै
कान तै नीं होन्दा, तै किमे भी कोनी कर सकदा।" 34 उन्नै उसताहीं जबाब
दिया, "तू तै जमांए पापां तै जन्मा सै, तू हमनै के सिखावै सै?" अर उन्नै
उसताहीं बाहरणै लिकाड़ दिया।

आत्मिक अन्धापण

35 यीशु नै सुणया के उन्नै उसताहीं बाहरणै लिकाड़ दिया सै, अर जिब्ब
उसतै फेटया तै बोल्या, "के तू पणमेशर कै बेट्टै पै बिश्वास करै सै?" 36 उसनै
जबाब दिया, "हे प्रभु, ओ कौण सै, के मैं उसपै बिश्वास करूँ?" 37 यीशु नै
उसताहीं कहया, "तन्नै उसताहीं देख्या भी सै, अर जो तेरै गेल्या बात कररया
सै, यो ओए सै।" 38 उसनै कहया, "हे प्रभु, मैं बिश्वास करूँ सूं।" अर उस
ताहीं मुद्दा पड़कै प्रणाम करया। 39 फेर यीशु बोल्या, "मैं इस दुनिया म्ह न्याय
खातर आया सूं, ताके जो कोनी देखदे वे देक्खै, अर जो देक्खे वे आन्धे हो
ज्यावै।" 40 जो फरीसी उसकै गेल्या थे उन्नै या बात सुणकै उसताहीं कहया,
"के हम भी आन्धे सां?" 41 यीशु नै उनताहीं कहया, "जै थम आन्धे होन्दे तै
पापी कोनी ठहरदे, पर इब कहो सो के हम देख्या सा, ज्यांतै थारा पाप
बणया रहै सैं।"

चरवाहा अर भेड्डां का उदाहरण

10 "मैं थारैताहीं साच्ची-साच कहूँ सूं, के जो कोए दरवाजै तै रेवड़ म्ह नीं
बड़दा, पर किसे दूसरै कान तै चढ़ जावै सै, ओ चोर अर डाकू सै।
2 पर जो दरवाजै तै भीत्तर बड़ै सै ओ भेड्डां का पाळी सै। 3 उस खातर
द्वारपाल दरवाजा खोल देवै सै, अर भेड़ उसका बोल सुणै सैं, अर ओ
आपणी उन भेड्डां के नाम ले लेकै बुलावै सै अर बाहरणै ले जावै सै। 4 जिब्ब
ओ आपणी सारी भेड्डां नै बाहरणै काड लेवै सै, तो उनकै आगै-आगै चाल्लै सै,
अर भेड़ उसकै गेल-गेल हो ले सैं, क्यूँके वे उसका बोल पिच्छाणै सैं। 5 पर वे
बिगान्ने कै गेल्या कोनी जान्दी, पर उसतै भाजैगी, क्यूँके वे बिगान्ने का बोल
कोनी पिच्छाणदी।" 6 यीशु नै उनताहीं यो उदाहरण कहया, पर वे कोनी
समझे के ये के बात सैं जो ओ म्हारै ताहीं कहवै सै।

यीशु आच्छा चरवाहा

7 फेर यीशु नै उनताहीं दुबारै कहया, "मैं थारैताहीं साच्ची-साच कहूँ सूं,
भेड्डां का दरवाजा मैं सूं। 8 जितने मेरै तै पहल्या आए वे सारे चोर अर डाकू
सैं, पर भेड्डां नै उनकी एक नीं सुणी। 9 दरवाजा मैं सूं; जै कोए मेरै जरिये
भीत्तर बड़ै सै, तो उद्धार पावैगा, अर भीत्तर बाहर आण-जाण लागज्या गा
अर चारा पावैगा। 10 चोर किसे और काम खातर कोनी पर सिर्फ चोरी करण
अर घात करण अर नुकसाण करण नै आवै सै; मैं ज्यांतै आया के वे जिन्दगी
पावै अर भोत-ए घणी पावै। 11 काम्मल पाळी मैं सूं; काम्मल पाळी भेड्डां कै
खातर आपणी ज्यान देवै सै। 12 मजदूर जो ना पाळी सै अर ना भेड्डां का
मालिक सै, भेड़िए नै आन्दे देखकै भेड्डां नै छोड़कै भाज जावै सै; अर भेड़िया
उन्नै पकड़ै अर खिन्ड-मिन्ड कर देवै सै। 13 ओ ज्यांतै भाज जावै सै के ओ
मजदूर सै, उसनै भेड्डां की फिक्र कोनी। 14 काम्मल चरवाहा मैं सूं; मैं आपणी
भेड्डां नै जांणू सूं, अर मेरी भेड़ मन्नै जांणै सैं। 15 जिसढ़ाळ बाप मन्नै जांणै सै
अर मैं बाप नै जांणू सूं --अर मैं भेड्डां खातर आपणी ज्यान द्युं सूं। 16 मेरी और
भी भेड़ सै, जो इस रेवड़ की कोनी। मन्नै उनताहीं भी ल्याणा जरूरी सै। वे
मेरा बोल सुणैगी, फेर एकए रेवड़ अर एकए पाळी होगा। 17 बाप ज्यांतै मेरै तै
प्यार राक्खै सै के मैं आपणी ज्यान द्युँ सूं, के उसनै दुबारै ले लूँ। 18 कोए
उसनै मेरै तै खोसदा कोनी, बल्के मैं उसनै खुदे दयुँ सूं। मन्नै उसकै देण का
भी हक्क सै, अर उसताहीं दुबारा लेण का भी हक्क सै: यो हुक्म मेरै बाप नै
मेरैताहीं दिया सै।" 19 इन बात्तां कै कारण यहूदियां म्ह दुबारै फूट पड़ी।
20 उन म्ह तै घणखरे कहण लागगे, "उसम्ह भूंडी औपरी आत्मा सै, अर ओ
बावळा सै; उसकी क्यांतै सुणो सो?" 21 दुसरे माणसां नै कहया, "ये बात इसे
माणस की कोनी जिसम्ह भूंडी औपरी आत्मा हो। के भूंडी औपरी आत्मा
आन्धयां की आँखां नै खोल सकै सै?"

यहुदियाँ का अबिश्वास

22 यरूशलेम म्ह मुहरत का त्यौहार मणाया जारया था; अर जाडयां का
मौसम था। 23 यीशु मन्दर म्ह सुलैमान कै ओसारे म्ह हान्डण लागरया था।
24 फेर यहूदियां नै उसताहीं आ घेरया अर बुझ्झया, "तू म्हारै मन नै कद
ताहीं दुबिधा म्ह गेरे राक्खै गा? जै तू मसीह सै, तो म्हारै तै सई-सई कह दे।"
25 यीशु नै उनताहीं जबाब दिया, "मन्नै थारैतै कह दिया पर थम बिश्वास
करदेए कोनी। जो काम मैं आपणै बाप कै नाम तै करूँ सूं, वैए मेरे गवाह सैं,
26 पर थम ज्यांतै बिश्वास कोनी करदे क्यूँके मेरी भेड्डां म्ह तै कोनी सो।
27 मेरी भेड़ मेरा बोल सुणै सैं; मैं उन्नै जांणू सूं, अर वे मेरै गेल-गेल चाल्लै सैं
28 अर मैं उनताहीं अनन्त जीवन दयुँ सूं। वे कददे बरबाद कोनी होवैगीं, अर
कोए उन्नै मेरै हाथ तै खोस नीं सकदा| 29 मेरा बाप, जिसनै उनताहीं मेरै तै
दिया सै, सारया तै बड्डा सै अर कोए उन्नै बाप कै हाथां तै खोस कोनी
सकदा। 30 मैं अर बाप एक सै।"
31 यहूदियां नै उस पै पत्थर बरसाण नै दुबारै पत्थर ठाए। 32 इस पै यीशु नै
उनताहीं कहया, "मन्नै थारैतै आपणै बाप की कान तै घणे भले काम दिखाए
सैं; उन म्ह तै कौण सै काम खातर थम मेरै पै पत्थर बरसाओ सो?"
33 यहूदियां नै उसताहीं जबाब दिया, "भले काम खातर हम तेरै पै पत्थर
कोनी बरसान्दे पर पणमेशर की बुराई करण कै कारण; अर ज्यांतै के तू
माणस होकै खुद नै पणमेशर बणावै सै|" 34 यीशु नै उनताहीं जबाब दिया,
"के थारे व्यवस्था म्ह कोनी लिख्या सै, 'मन्नै कहया, थम ईश्वर सो'? 35 जै
उसनै उनताहीं ईश्वर कहया जिनकै धोरै पणमेशर का शब्द पहोचयां (अर
सुच्चै ग्रन्थ की बात झूठ नीं हो सकदी), 36 तो जिसताहीं बाप नै पवित्र ठहराकै
दुनिया म्ह खन्दाया सै, थम उसताहीं कहो सो, 'तू बुराई करै सै, ज्यांतै के
मन्नै कहया, 'मैं पणमेशर का बेट्टा सूं'? 37 जै मैं आपणै बाप के काम कोनी
करदा, तो मेरा बिश्वास ना करो। 38 पर जै मैं करूँ सूं, तो चाहे मेरा बिश्वास ना
भी करो, पर उन काम्मां का तो बिश्वास करो, ताके थम जाणो अर समझो के

बाप मेरै म्ह सै अर मैं बाप म्ह सूं।" 39 फेर उन्नै दुबारै उसताहीं पकड़ण की
कोशिश करी पर ओ उनके हाथां तै लिकड़ग्या।
40 दुबारै ओ यरदन कै परली ओड़ै उस जगहां पै चल्या गया, जड़ै यूहन्ना
पहल्या बपतिस्मा दिया करै था, अर ओड़ैए रहया। 41 घणखरे माणस उसकै
धोरै आकै कहवै थे, "यूहन्ना नै तो कोए निशान कोनी दिखाया, पर जो किमे
यूहन्ना नै इसकै बारै म्ह कहया था, ओ सारा कीमे साच्ची था।" 42 अर ओड़ै
घणाए नै यीशु पै बिश्वास करया।

लाजर की मौत

11 मरियम अर उसकी बेब्बे मार्था के गाम बैतनिय्याह का लाजर
नामका एक माणस बीमार था 2 या वाए मरियम थी जिसनै प्रभु पै
इत्र गेरकै उसके पायां ताहीं बाळां तै पुन्जयां था, इस्से का भाई लाजर बीमार
था। 3 इसकरकै उसकी बाणां नै उस ताहीं कुहवा भेज्या, "हे प्रभु, लखा,
जिस तै तू प्रेम करै सै, ओ बीमार सै।" 4 न्यू सुणके यीशु न्यू बोल्या, "या
बीमारी मरण की कोनी; पर पणमेशर की महिमा खातर सै, के उसकै द्वारा
पणमेशर कै बेटै की महिमा होवै।" 5 यीशु मार्था अर उसकी बेब्बे अर लाजर
तै प्रेम राखै था। 6 फेर भी जिब्ब उसने सुणया के ओ बीमार सै, तो जिस
ठोड़ पै ओ था, ओड़ै दो दिन और रुकग्या 7 7 फेर उसनै चेल्यां ताहीं कह्या,
"आओ, हम फेर यहूदिया नै चाल्लां।" 8 चेल्यां नै उसताहीं कह्या, "हे गुरु, इब
तो यहूदी तेरै पै पत्थर बरसाणां चाहवै थे, अर के तू फेर भी उड़ै जावै सै?"
9 यीशु नै जबाब दिया, "के दिन के बारहा घण्टे कोनी होंदे? जै कोए दिन म्ह
चाल्लै तो ठोकर कोनी खान्दा, क्यूँके इस दुनिया का उजाळा देक्खै सै। 10 पर
जै कोए रात म्ह चाल्लै तो ठोकर खावै सै, क्यूँके उसम्ह उजाळा कोनी।"
11 उसनै ये बात कहीं, अर इसके पाच्छै उनताहीं कहण लाग्या, "के म्हारा
ढब्बी लाजर सुत्या सै, पर मैं उसनै जगाण जाऊँ सूं।" 12 फेर चेल्यां नै
उसताहीं कह्या, "हे प्रभु, जै ओ सुत्या सै तो ओ चंगा हो ज्यागा।" 13 यीशु नै
तो उसकी मौत कै बाबत कह्या था; पर उन्नै सोच्या के उसनै नींद तै सोण कै
बाबत कह्या। 14 फेर यीशु नै उनताहीं सुथरी-ढाळ कह दिया, "लाजर मर
लिया सै, 15 अर मै थारै बाबत राज़ी सूं, के मै उड़ै कोनी था जिसपै थम
बिश्वास करो, पर इब आओ, हम उसकै धोरै चाल्लां।" 16 फेर थोमा नै जो
दिद्युस कुह्लावै सै, आपणै गेल्या के चेल्यां ताहीं कह्या, "आओ, हम भी उसकै
गेल्या मरण नै चाल्लां।"

यीशु पुनरुत्थान अर जीवन

17 उड़ै पहोच्चे पाच्छै यीशु नै न्यू बेरया पाट्या के लाजर नै कब्र म्ह धरे चार
दिन हो लिए सैं। 18 बैतनिय्याह यरूशलेम कै धोरै कोए दो कोस की दुरी पै
था, 19 घणखरे यहूदी मार्था अर मरियम कै धोरै उनकै भाई की मौत कै बाबत
दीलासा देण नै आरे थे। 20 जिब मार्था नै यीशु कै आणै की खबर सुणी तो
उसतै फेटण नै गई, पर मरियम घराए बैठीं रही। 21 मार्था नै यीशु ताहीं कह्या,
"हे प्रभु, जै तू आड़ै होंदा, तो मेरा भाई कदे नी मरदा। 22 अर इब भी मन्नै बेरा
सै जो कीमे तू पणमेशर तै माँगैगा, पणमेशर तन्नै देवैगा।" 23 यीशु नै उनताहीं
कह्या, "तेरा भाई जीं ज्यागा।" 24 मार्था नै उसताहीं कह्या, "मन्नै बेरा सै के
आखर के दिन म्ह पुनरुत्थान के टेम ओ जीं ज्यागा।" 25 यीशु नै उसताहीं
कह्या, "पुनरुत्थान अर जीवन मैए सूं, जो कोए मेरै पै बिश्वास करैगा ओ जै
मर भी जावै फेर भी जिवैगा, 26 अर जो कोए जीवै सै अर ओ मेरै पै बिश्वास
करै सै, ओ अनन्तकाल ताहीं कोनी मरैगा। के तू इस बात पै बिश्वास करै सै।"
27 उस नै उनताहीं कह्या, "हम्बै, हे प्रभु, मै बिश्वास करूं सूं, के पणमेशर का
बेट्टा मसीह जो दुनिया म्ह आणआळा था, ओ तूए सै।"

यीशु रोया

28 न्यू कहकै वा चली गयी, अर आपणी बेब्बे मरियम ताहीं बुलाकै चुपकदे-
सी कह्या, "गुरु याड़ैए सै अर तन्नै बुलावै सै।" 29 न्यू सुण दए वा जिब्बे उठकै
उसकै धोरै आई। 30 यीशु इबे गाम म्ह कोनी पहोच्या था पर उस्से ठोड़ था
जड़ै मार्था उसतै फेट्टी थी। 31 फेर जो यहूदी उसकै गेल्या घर म्ह थे अर
उसताहीं दीलासा देवै थे, न्यू देखकै के मरियम जिब्बे उठकै बारणै चली गयी
सै न्यू समझे के वा कब्र पै रोण नै जावै सै तो उसकै पाच्छै हो लिये। 32 जिब्ब
मरियम उड़ै गई जड़ै यीशु था, तो उसनै देखदए उसकै पायां म्ह पड़कै कह्या,
"हे प्रभु, जै तू आड़ै होन्दा फेर मेरा भाई कोनी मरदाI" 33 जिब्ब यीशु नै जो
उसकै गेल्या आये थे, रोंदे होए देख्या, तो आत्मा म्ह घणाए दुखी अर माड़े
मन का होग्या, 34 अर कह्या, "थमनै उसताहीं कित धर राख्या सै?" उन्नै
उसताहीं कह्या, "हे प्रभु, चालकै देख लेI" 35 यीशु रोण लाग्याI 36 फेर यहूदी
कहण लाग्गे, "लखाओ, ओ उनतै कितना प्यार राखै थाI" 37 पर उनम्ह तै
कीमे नै कह्या, "के यो जिसनै आंध्या की आंख खोलदी, न्यू भी कर सक्या
के यो माणस नीं मरदा?"

लाजर का जिन्दा करणा

38 यीशु मन म्हए फेर घणाए दुखी होकै कब्र पै आयाI वा एक गुफा थी अर
एक पत्थर उस पै धरया थाI 39 यीशु नै कह्या, "पत्थर हटादोI" लाजर की
बेब्बे मार्था उसनै कहण लाग्गी, "हे प्रभु, उस म्ह तै इब तै सिड़ान्ध आवै सै,
क्यूँके उसनै मरे चार दिन हो लिए सैंI" 40 यीशु नै उनताहीं कह्या, "के मन्नै
तेरैतै कोनी कह्या था के जै तू बिश्वास करैगी, तो पणमेशर की महिमा नै
देक्खैगीI" 41 फेर उन्नै पत्थर ताहीं हटायाI यीशु नै नजर ठाकै कह्या, "हे
पिता, मै तेरा धन्यवाद करूँ सूं, के तन्नै मेरी सुण ली सैI 42 अर मन्नै बेरा था
के तू सारी हाण मेरी सुणै सै, पर जो भीड़ आसै-पासै खड़ी सै, उनकै बाबत
मन्नै कह्या, ताके वे बिश्वास करै, के तन्नै मेरैताहीं खन्दाया सैI" 43 न्यू कहकै
ठाड्डू आवाज म्ह रूक्का मारया, "हे लाजर, लिकड़ आI" 44 जो मर लिया था
ओ कफन तै हाथ पैर बंदे होड़ लिकड़ आया, अर उसकै मुह पै अँगोछा
लिपटरया थाI यीशु नै उनताहीं कह्या, "उसनै खोलदो अर जाणदोI"

यीशु कै बिरुद्ध साजिस

(मत्ती 26:1-5; मरकुस 14:1-2; लूका 22:1-2)

45 फेर जो यहूदी मरियम धोरै आरे थे अर उसका यो कारनाम्मा देख्या
था, उनम्ह तै घणखरयां नै उसपै बिश्वास करयाI 46 पर उनम्ह तै कईया नै
फरिसियाँ धोरै जाकै यीशु के कारनाम्मां की खबर दीI 47 ज्यांतै प्रधान
याजकां अर फरिसियाँ नै बड्डी पंचायत करी, अर कह्या, "हम करां के सां? यो
माणस तो घणे कारनाम्मे दिखावै सैI 48 जै हम उसनै न्यूए छोड़दया, फेर
सारे उसपै बिश्वास करैगें, अर रोमी आकै म्हारी जगहां अर जात दोनुवां पै
कब्जा कर लेवैगेंI" 49 फेर उनम्ह तै काइफा नामका एक माणस नै जो उस
साल का महायाजक था, उनताहीं कह्या, "थमनै कीमे नीं बेरा! 50 अर ना न्यू
समझो सो के थारै खातर यो ठीक सै के म्हारै माणसां खातर एक आदमी
मरै, अर ना न्यू के सारी जात का नास ना होI" 51 पर बात उसनै आपणी
ओड़ तै कोण्या कहीं, पर उस साल का महायाजक होण तै भविष्यवाणी
करी, के यीशु उस जात खातर मरैगा; 52 अर ना सिर्फ उस्से जात खातर
बल्के ज्यांतै के पणमेशर की खिंड-मींड उलाद्दां नै एक करदेI 53 आखर म्ह
उस्से दिन तै वे उसताहीं मारण खातर साज़स रचाण लाग्गेI

54 ज्यांतै यीशु उस टेम तै यहूदिया म्ह घाट दिक्खण लागग्या, पर उड़ै तै,
बण कै लोवै लागण आळे प्रदेश कै इफ्राईम नामक एक नगर कान्नी चल्या
गया; अर आपणै चेल्यां गेलै उड़ैए रहण लाग्याI 55 यहूदिया का फसह का
त्योहार लोवै था, अर घणैए माणस फसह तै पहल्या गाम्मां म्ह तै यरूशलम
नै गए, के खुद नै पवित्र करैI 56 आखर म्ह वे यीशु नै टोहण लाग्गे अर मन्दर
म्ह खड़े होकै आपस म्ह बतलाण लाग्गे, "थम के सोच्चो सो? के ओ त्योहार
म्ह कोनी आवैगा?" 57 अर प्रधान याजकां अर फरिसियाँ नै हुक्म दे राख्या
था के जै कोए न्यू जाणै के यीशु कित सै बतावै, ताके वे उसनै पकड़ लेI

यीशु के पायां पै शैंट गेरणा

(मत्ती 26:6-13; मरकुस 14:3-9)

12 फेर यीशु फसह तै छ: दिन पहल्या बैतनिय्याह आया जित लाजर
था, जिस ताहीं यीशु नै मरयां होड़ म्ह तै जिन्दा करया थाI 2 उड़ै
उन्नै उसकै खातर खाणा पकाया; अर मार्था सेवा करण लागरी थी, अर
लाजर उन म्ह तै एक था जो उसकै गेल्या खाणा खाण नै बैट्ठे थेI 3 फेर

मरियम नै जटामांसी का आधा सेर घणा मंहगा शैंट लेकै यीशु के पायां पै गेरया, अर आपणे बांळां तै उसके पैर पूंजे; अर शैंट की खसबू तै घर खसबुदार होग्याI 4 पर उसके चेल्यां म्ह तै यहूदा इस्करियोती नामका एक चेल्ला जो उसताहीं पकड़वाणा चाहवै था, कहण लाग्या, 5 "यो शैंट तीन सौ दीनार म्ह बेचकै कंगालां ताहीं क्यातै कोनी दिया गया?" 6 उसनै या बात ज्यातै कोनी कहीं के उसनै कंगालां की फिक्र थी बल्के ज्यांतै के ओ चोर था, अर उसकै धोरै पिस्या का झोळा रह्या करै था अर उस म्ह जो कीमे गेरा जांदा, ओ काड लेवै थाI 7 यीशु नै कह्या, "उसनै रहण दोI उस ताहीं मेरै गाड्डे जाण के दिन खातर राखण द्यो| 8 क्यूँके कंगाल तो थारै गेल्या सारीहाण रहवै सै, पर मैं थारै गेल्या सारीहाण कोनी रहूँगाI"

यीशु कै बिरुद्ध साजिस

9 जिब्ब यहूदिया की बड्डीए भीड़ नै बेरा लागग्या के ओ उड़ै सै, तो वे ना सिर्फ यीशु कै बाबत आये पर ज्यांतै भी के लाजर नै देक्खै, जिसताहीं यीशु मसीह नै मरयां होड़ म्ह तै जिन्दा करया थाI 10 फेर प्रधान याजकां नै लाजर ताहीं भी मारण की सलाह करीI 11 क्यूँके उसकै बाबत घणखरे यहूदी चले गये अर यीशु पै बिश्वास करयाI

यरूशलेम म्ह विजय-प्रवेश

(मत्ती 21:1-11; मरकुस 11:1-11; लूका 19:28-40)

12 दुसरै दिन घणखरे माणसां नै जो त्यौहार म्ह आरे थे न्यू सुणया के यीशु यरूशलेम म्ह आ रया सैI 13 ज्यांतै उन्नै खजूर की डाळीं लीं अर उसतै फेट्टण नै लिकड़े, अर रूक्के मारण लाग्गे, "होशाना! धन्य इस्राएल का राजा, जो प्रभु कै नाम तै आवै सैI" 14 जिब्ब यीशु नै एक गधे का एक बच्चा मिल्या, फेर ओ उसपै बैठग्या, 15 जिसा लिख्या सै, "हे सिय्योन की बेट्टी, मतना डरै; लखा, तेरा राजा गधे के बच्चे पै चढ़ा होड़ चाल्या आवै सैI" 16 उसके चेल्ले यें बात पहल्या कोनी समझे थे, पर जिब्ब यीशु की महिमा दिक्खी फेर उनकै याद आया के यें बात उसकै बाबत लिक्खी होड़ थी अर माणसां नै उसकै गेल्या न्यूए बिवार करया थाI 17 फेर भीड़ के उन माणसां नै गवाही दी, जो उस टेम उसकै गेल्या थे, जिब्ब उसनै लाजर ताहीं कब्र म्ह तै बुलाकै मरयां होया म्ह तै जिन्दा करया थाI 18 ज्यांतै माणस उसतै फेट्टण नै आरे थे क्यूँके उन्नै सुणया था के उसनै यो अचम्भै का कारनाम्मा करया थाI 19 फेर फरिसियाँ नै आपस म्ह कह्या, "सोच्चो कै तो देक्खो, के थारे तै कीमे भी कोनी बणदाI लखाओ, दुनिया उसकै गेल हो ली सैI"

युनानियाँ का यीशु ताहीं टोहणा

20 जो माणस उस त्यौहार म्ह भगति करण नै आये थे उन म्ह तै कीमे यूनानी थेI 21 उन्नै गलील कै बैतसैदा का बासिन्दे फिलिप्पुस कै धोरै आकै उसतै बिनती करी, "श्रीमान्, हम यीशु तै फेटणा चाहवां साI" 22 फिलिप्पुस नै आकै अन्द्रियास तै कह्या, फेर अन्द्रियास अर फिलिप्पुस नै जाकै यीशु ताहीं कह्याI 23 इसपै यीशु नै उनताहीं कह्या, "ओ टेम आग्या सै के माणस के बेट्टे की महिमा होI 24 मै थारै तै साच्ची-साच कहूँ सूं, के जिब्ब ताहीं गिहूँ का दाणा धरती म्ह पड़कै मर नीं जांदा, ओ एकला रहवै सै; पर जिब्ब मर ज्यावै सै, तो घणा फळ ल्यावै सैI 25 जो आपणै जीं नै प्यारा जाणै सै, ओ उसनै खो देवै सै; अर जो इस दुनिया म्ह आपणै जीं नै प्यारा कोनी जांणदा, ओ अनन्तजीवन ताहीं उसकी रूखाली करैगाI 26 जै कोए मेरी सेवा करै, तो मेरै गेल्या हो ले; अर जड़ै मै सूं, उड़ै मेरा सेवक भी होवैगाI जै कोए मेरी सेवा करै, तो बाप उसकी ईज्जत करैगाI

क्रूस की मौत का इशारा

27 "इब मेरा जीं कांल सैI ज्यांतै इब मै के कहूँ? 'हे पिता, मन्नै इस घड़ी तै बचा?" पर मै इस्से कारण इस घड़ी नै पहोच्या सूंI 28 हे पिता जी, आपणै नाम की महिमा करI" फेर या आकाशबाणी होई, "मन्नै उसकी महिमा करी सै, अर फेर भी करूँगाI" 29 फेर जो माणस खड़े होए सुणरे थे उन्नै कह्या के बादळ गरज्याI दुसरयां नै कह्या, "कोए सुर्गदुत उसतै बोल्याI" 30 इसपै यीशु नै कह्या, "यो शब्द मेरै खातर कोनी, पर थारै खातर आया सैI 31 इब इस दुनिया का न्याय होवै सै, इब इस दुनिया का सरदार काड्या जावैगा; 32 अर मैं जै धरती पै तै ऊँच्चे पै चढ़ाया जाऊँगा, तो सारया नै आपणै कान्नी खिच्चुगांI" 33 न्यू कहकै उसनै यो बता दिया के ओ किस ढाळ की मौत तै मरैगाI 34 इसपै माणसां नै उसताहीं कह्या, "हमनै नियम-कायदा की या बात सुणी सै के मसीह सारी हाण रहवै गा, फेर तू क्यातै कह्वै सै के माणस का बेट्टा ऊंच्चे पै चढ़ाया जांणा जरूरी सै? यो माणस का बेट्टा कौण सै?" 35 यीशु नै उनताहीं कह्या, "चाँदणा इब माड़ी वार ताहीं थारै बिचाळै सैI जिब्ब ताहीं चाँदणा थारै गेल्या सै जद ताहीं चाल्दे रहो, इसा ना हो के अँधेरा थारै ताहीं घेर लेवै; जो अँधेरे म्ह चाल्लै सै ओ कोनी जांणदा के कड़ै जावै सैI 36 जिब्ब ताहीं चाँदणा थारै गेल्या सै, चाँदणै पै बिश्वास राक्खो ताके थम चांदणै की उलाद बणोI"

यहुदियाँ का अबिश्वास म्ह बणे रहणा

ये बात कहकै यीशु बिगगा अर उनतै लुक्या रह्याI 37 यीशु मसीह नै उनकै श्यामी इतने कारनाम्में दिखाए, फेरभी उन्नै उसपै बिश्वास कोनी करया; 38 ताके यशायाह नब्बी का शब्द पूरा हो जो उसनै कह्या: "हे प्रभु, म्हारी खबर का किसनै बिश्वास करया सै? अर प्रभु की हाथां का हान्गा किस नै दिख्या सै?" 39 इस बाबत वे बिश्वास कोनी कर सके, क्यूँके यशायाह नै न्यू भी कह्या सै : 40 "उसनै उनकी आँख आंधी, अर उनके मन करड़े कर दिए सैं; कदे इसा ना हो के वे आँखां तै देक्खै, अर मन तै समझै, अर पलटै, अर मै उन्नै चंगा करूंI" 41 यशायाह नै ये बात ज्यांतै कहीं के उसनै उसकी महिमा देक्खी, अर उसनै उसकै बाबत बात करीI 42 फेरभी सरदारां म्ह तै घणाए नै उस पै बिश्वास करया, पर फरिसिया कै कारण खुलकै कोनी मान्नै थे, कदे इसा ना हो के वे आराधनालय म्ह तै लिकाड़े जावै : 43 क्यूँके माणसां की ओड़ तै बड़ाई उन्नै पणमेशर की ओड़ तै बड़ाई की बरोबरी म्ह घणी प्यारी लागै थीI

यीशु के बचन : न्याय का आधार

44 यीशु नै रूक्का मारकै कह्या, "जो मेरै पै बिश्वास करै सै, ओ मेरै पै नीं बल्के मेरै खन्दानआळै पै बिश्वास करै सैI 45 अर जो मन्नै देक्खै सै, ओ मेरै खन्दानआळै नै देक्खै सैI 46 मै दुनिया म्ह चाँदणा बण कै आया सूं, ताके जो कोए मेरै पै बिश्वास करै ओ अँधेरे म्ह कोनी रहवैI 47 जै कोए मेरी बात सुणकै कोनी मान्नै, तो मै उसनै कसूरवार कोनी ठहरान्दा; क्यूँके मै दुनिया ताहीं कसूरवार ठहराण खातर कोनी, पर दुनिया का उद्धार करण खातर आया सूंI 48 जो मन्नै खामखाँ समझै सै अर मेरी बात कोनी अपणावै सै उसताहीं दोषी ठहराण आळा तो एके सै: यानिके जो शब्द मन्नै कह्या सै, ओए पाछलै दिन म्ह उसताहीं कसूरवार ठहरावै गाI 49 क्यूँके मन्नै आपणै कान्नी तै बात कोनी करी; पर बाप जिसनै मेरै ताहीं खन्दाया सै उसनै मेरैताहीं हुक्म दिया सै के, के- के कहूँ अर के, के बोल्लूँ? 50 अर मन्नै बेरा सै के उसका हुक्म अनन्तजीवन सैI ज्यांतै मै जो कीमे बोल्लूँ सूं, ओ जिसा बाप नै मेरै ताहीं कह्या सै उसाए बोल्लूँ सूंI"

यीशु का चेल्यां के पैर धोणा

13 फसह कै त्योहार तै पहल्या, जिब यीशु नै बेरा लागग्या के मेरा ओ टेम आ लिया सै के दुनिया छोड़कै बाप कै घरा जाऊँ, तो आपणै माणसां तै जो दुनिया म्ह थे जिसा प्यार ओ राख्या करदा, आखर ताहीं उसाए प्यार राख्दा रह्याI 2 जिब्ब शैतान शमौन के बेट्टे यहूदा इस्करियोती कै दिल म्ह न्यू घाल ग्या था के उसताहीं पकड़वाऊँ, खाणै कै टेम 3 यीशु नै, न्यू बेरा लागग्या के बाप नै सारा कीमे मेरै बस म्ह कर दिया सै अर मै पणमेशर कै धोरै तै आया सूं, अर पणमेशर कै धोरै जाऊँ सूंI 4 खाणै पै तै उठ कै आपणै ऊपरले लत्ते उतार दिये, अँगोछा लेकै आपणी कमर पै कै बांध्याI 5 फेर बास्सण म्ह पाणी भरकै चेल्यां के पैर धोये अर जो अँगोछा कमर पै बांध राख्या था उस्से तै पुन्जण लागग्याI 6 जिब्ब ओ शमौन पतरस कै धोरै आया, फेर पतरस नै उसताहीं कह्या, "हे प्रभु, के तू मेरे पैर धोवै सै?" 7 यीशु

नै उसताहीं जबाब दिया, “जो मै करूं सूं, तन्नै इबे कोनी बेरा, पर इसकै पाच्छै समझैगाI” 8 पतरस नै उसताहीं कह्या, “तू मेरे पैर कोनी धोण पावैगाI” न्यू सुणकै यीशु नै उसताहीं कह्या, “जै मै तन्नै ना धोऊँ, तो मेरै गेल्या तेरा कीमे भी सीर कोनीI” 9 शमौन पतरस नै उसताहीं कह्या, “हे प्रभु, फेर मेरे पैरए नीं बल्के मेरे हाथ अर सिर भी धोदेI” 10 यीशु नै उसताहीं कह्या, “जो न्हा लिया हो उसताहीं पैर कै सिवाय और कीमे धोण की आंट कोनी, पर ओ जमाए शुद्ध सै; अर थम शुद्ध सो, पर सारे-के-सारे कोनीI” 11 ओ तो आपणे पकड़ाण आळे नै जाणै था ज्यांतै उसनै कह्या, “थम सारे-के-सारे शुद्ध कोनीI”

12 जिब्ब उसनै पैर धो लिये, अर आपणे लत्ते पहरकै फेर बैठग्या, तो उनताहीं कहणै लागग्या, “के थम समझे के मन्नै थारै गेल्या के करया? 13 थम मन्नै गुरु अर प्रभु कहो सो, अर सई कहो सो, क्यूँके मै ओए सूं। 14 जिब्ब मन्नै गुरु अर प्रभु होकै थारै पैर धोए, तो थमनै भी एक-दुसरै के पैर धोणे चाहियेI 15 क्यूँके मन्नै थारैताहीं नमून्ना करकै दिखाया सै के जिसा मन्नै थारै गेल्या करया सै, थम भी उसाए करया करोI 16 मै थारैतै साच्ची-साच कहूँ सूं, नौकर आपणै मालिक तै बड्डा कोनी, अर ना खन्दाया होया आपणे खन्दाण आळे तैI 17 थमनै ये बात बेरा सै, जै उनपै चाल्लो तो धन्य सोI 18 मै थम सारया कै बाबत कोनी कहंदा; जिनताहीं मन्नै छांट लिया सै, उन्नै मै जांणु सूं; पर न्यू ज्यांतै के पवित्र ग्रन्थ का यो शब्द पूरा हो, ‘जो मेरी रोट्टी खावै सै, उसनै मेरै पै लात ठाई।’ 19 इब मै उसकै होण तै पहल्याए थमनै बता द्युँ सूं, के जब न्यू हो जावै तो थम बिश्वास करियो के मै ओए सूं। 20 मै थारैताहीं साच्ची-साच कहूँ सूं, के जो मेरे खन्दाए होड़ नै अपणावै सै, ओ मन्नै अपणावै सै; अर जो मन्नै अपणावै सै, ओ मेरे खन्दाण आळे नै अपणावै सैI”

बिश्वासघात कै कान्नी इशारा

(मत्ती 26:20-25; मरकुस 14:17-21; लूका 22:21-23)

21 ये बात कहकै यीशु आत्मा म्ह दुखी होया अर या गवाही दी, “मै थारैताहीं साच्ची-साच कहूँ सूं, के थारै म्ह तै एक मन्नै पकड़वावै गाI” 22 चेल्ले शक सुब्हा तै के ओ किसकै बाबत कहवै सै, एक-दुसरे कै कान्ही लखाण लागगेI 23 उसके चेल्यां म्ह तै एक जिसताहीं यीशु प्रेम राखै था, यीशु की छाती की कान्नी कोड्डा होया बैठ्या थाI 24 शमौन पतरस नै उसकै कान इशारा करकै उसताहीं बुझ्झया, “बता तो, ओ किसकै बाबत कहवै सै?” 25 फेर उसनै उससे ढाळ यीशु की छाती कै कान्नी कोड्डे होकै उसताहीं बुझ्झया, “हे प्रभु, ओ कौण सै?” यीशु नै जबाब दिया, “जिसताहीं मै यो रोट्टी का टुकड़ा डुबोकै द्युगां ओए सैI” 26 अर उसनै टुकड़ा डुबोकै शमौन के बेट्टे यहूदा इस्करियोती ताहीं दियाI 27 टुकड़ा लेनदए शैतान उसम्ह बड़ग्याI फेर यीशु नै उसताहीं कह्या, “जो तू करै सै, तोळा करI” 28 पर बैठण आळयां म्ह तै किस्से नै कोनी बेरा लागग्या के उसनै या बात उसतै क्यातै कहींI 29 यहूदा कै धोरै थैली रह्या करै थी, ज्यांतै किसे-किसे नै समझा के यीशु उसताहीं कहवै सै के जो कीमे हमनै त्यौहार खातर चाहवै ओ मोल लिया, या न्यू के कंगालां नै कीमे देI 30 आखर म्ह ओ टुकड़ा लेकै जिबे बाहरण लिकड़ग्या; अर रात का टेम थाI

नई आज्ञा

31 जिब्ब ओ बाहरण लिकड़ग्या तो यीशु नै कह्या, “इब माणस के बेट्टे की महिमा होई सै, अर पणमेशर की महिमा उसम्ह होई सै; 32 [जै उसम्ह पणमेशर की महिमा होई सै] तो पणमेशर भी आपणे म्ह उसकी महिमा करैगाI 33 हे बाळको, मै और माड़ी वार थारै धोरै सूं : फेर थम मन्नै टोह्होगे, अर जिसा मन्नै यहूदियां ताहीं कह्या, “जड़ै मै जाऊँ सूं, उड़ै थम कोनी आ सकदे, न्यू इब मै थारैताहीं भी कहूँ सूंI 34 मै थमनै नया हुक्म द्यु सूं, के एक दुसरे तै प्यार राखियो; जिसा मन्नै थारैतै प्यार राख्या सै, उसाए थम भी एक दुसरे तै प्यार राक्खोI 35 जै आपस म्ह प्यार राक्खोगे, तो इसतै सारया नै बेरा पाट्टैगा के थम मेरे चेल्ले सोI”

पतरस के इन्कार का इशारा

(मत्ती 26:31-35; मरकुस 14:27-31; लूका 22:31-34)

36 शमौन पतरस नै उसताहीं कह्या, “हे प्रभु, तू कित जा सै?” यीशु नै जबाब दिया, “जड़ै मै जाऊँ सूं, उड़ै तू इबे मेरै पाच्छै कोनी आ सकदा; पर इसकै बाद मेरै गेल्या आवैगाI” 37 पतरस नै उसताहीं कह्या, “हे प्रभु, इबे मै तेरै पाच्छै क्यातै नीं आ सकदा? मै तो तेरी खातर आपणी ज्यान भी दे द्युंगाI” 38 यीशु नै जबाब दिया, “के तू मेरी खातर आपणी ज्यान दे देवैगा? मै तेरैतै साच्ची-साच कहूँ सूं, के मुर्गा बांग कोनी देवै गा जिब्ब ताहीं तू तीन बर मेरै बाबत नाट नीं लेनदाI

पणमेशर तक पोच्चण का रास्ता

14 “थारा मन काल नीं पावै; थम पणमेशर पै बिश्वास राक्खो सो अर मेरै पै भी बिश्वास राक्खोI 2 मेरै बाप कै घर म्ह घणीए रहण की जगहां सै, जै नी होंदीं तो मै थारै ताहीं कह देंदा; क्यूँके मै थारै खातर जगहां त्यार करण नै जाऊँ सूंI 3 अर जै मै जाकै थारै खातर जगहां त्यार करूं, तो फेर आकै थमनै आपणे उरै ले जाऊँगा के जड़ै मै रहूँ उड़ै थम भी रहोI 4 जड़ै मै जाऊँ सूं, थम उड़ै का राह जाणो सोI” 5 थोमा नै उसताहीं कह्या, “हे प्रभु, हमनै कोनी बेरा के तू कितोड़ जावै सै; तो राह का हमनै के बेरा?” 6 यीशु नै उसताहीं कह्या, “राह अर सच अर जिन्दगी मै ए सूं, बिना मेरै जरिये कोए बाप धोरै कोनी पहोच सकदाI 7 जै थम मन्नै जाणदे होंदे, तै मेरै बाप नै भी जाणदे; अर इब उसनै जाणो सो, अर उसताहीं देख्या भी सैI” 8 फिलिप्पुस नै उसताहीं कह्या, “हे प्रभु, बाप नै म्हारै ताहीं दिखा दे, योए हमारै खातर भतेरा सैI” 9 यीशु नै उसताहीं कह्या, “हे फिलिप्पुस, मै इतने दिन तै थारे गेल्या सूं, के तू मन्नै कोनी जाणदा? जिसनै मेरैताहीं देख्या सै उसनै बाप ताहीं देख्या सैI फेर क्यातै कहवै सै के बाप नै म्हारताहीं दिखा? 10 के तू बिश्वास कोनी करदा के मै बाप म्ह सूं, अर बाप मेरै म्ह सै? ये बात जो मै थारैताहीं बताऊँ सूं, आपणी ओड़ तै कोनी बतान्दा, पर बाप मेरम्ह रहकै आपणे काम करै सैI 11 मेरा-ए बिश्वास करो के मै बाप म्ह सूं, अर बाप मेरै म्ह सै; ना तो कारनाम्यां कै बाबतए मेरा बिश्वास करोI 12 मै थारैतै साच्ची-साच कहूँ सूं, के जो मेरै पै बिश्वास राखै सै, ये काम जो मै करूं सूं, ओ भी करैगा, बल्के इनतै भी बड्डे-बड्डे काम करैगा, क्यूँके मै बाप धोरै जाऊँ सूं। 13 जो कीमे थम मेरै नाम तै माँगोगे, ओए मै करूँगा, के बेट्टे कै जरिये बाप की महिमा होI 14 जै थम मेरै तै मेरै नाम तै कीमे माँगोगे, तो मै उसताहीं करूँगाI

पवित्र आत्मा की प्रतिज्ञा

15 “जै थम मेरै तै प्यार राक्खो सो, तो मेरे हुकमां नै मान्नोगेI 16 मै बाप तै बिनती करूँगा, अर थारैताहीं एक और सहारा देणीया देवैगा के ओ सारीहाण थारै गेल्या रहवैI 17 यानिके सच का आत्मा, जिसताहीं दुनिया कोनी अपणा सकदी, क्यूँके ओ ना उसनै देक्खै सै, अर ना उसताहीं जाणै सै; थम उसनै जाणो सो, क्यूँके ओ थारै गेल्या सै, अर ओ थारै म्ह होगाI 18 “मै थारैताहीं बेवार्सा कोनी छोड्डूगा; मै थारै धोरै आऊँ सूं। 19 और माड़ी वार रहरी सै के फेर दुनिया मेरै ताहीं कोनी देक्खै गी, पर थम मन्नै देक्खोगे; ज्यांतै के मै जिऊं सूं, थम भी जिन्दे रहोगेI 20 उस दिन थमनै बेरा लागैगा के मै आपणे बाप म्ह सूं, अर थम मेरै म्ह, मै थारै म्हI 21 जिस कै धोरै मेरे हुक्म सै अर ओ उन्नै मान्नै सै, ओए मेरतै प्यार राखै सै; अर जो मेरतै प्यार राखै सै उसतै मेरा बाप प्यार राखै गा, अर मै उसतै प्यार राखुँगा, आपणै आप ताहीं उसपै प्रगट करूँगाI” 22 उस यहूदा नै जो इस्करीयोती कोनी था, उसताहीं कह्या, “हे प्रभु, के होया के तू आपणै आप ताहीं म्हारपै प्रगट करना चाहवै सै अर दुनिया पै नीं?” 23 यीशु नै उसताहीं जबाब दिया, “जै कोए मेरै तै प्रेम राखैगा तो ओ मेरे शब्द नै मान्नैगा, अर मेरा बाप उसतै प्रेम राखैगा, अर हम उसकै धोरै आवांगे अर उसकै गेल्या बसांगेI 24 जो मेरतै प्यार कोनी राख्दा, ओ मेरै शब्द नै कोनी मान्दा; अर जो शब्द थम सुणो सो ओ मेरे कोनी बल्के बाप के सै, जिसनै मेरैताहीं खन्दायाI 25 “ये बात मन्नै थारे गेल्या रहंदे होए थारैतै कहींI 26 पर सहयोगी यानिके पवित्र आत्मा जिसताहीं बाप मेरै नाम तै

खन्दावैगा, ओ थारै ताहीं सारी बात सिखावैगा, अर जो कीमे मन्नै थारैतै कह्या सै, ओ सारा कीमे थारैताहीं याद दुआवैगाI 27 मै थारै ताहीं शान्ति देकै जाऊँ सूं, आपणी शान्ति थारै ताहीं द्युँ सूं; जिसी दुनिया देवै सै, मै थमनै कोनी देंदा : थारा मन काल ना हो अर ना डरैI 28 थमनै सुणया के मन्नै थारैताहीं के कह्या, 'मै जाऊँ सूं, अर थारै धोरै फेर आऊँगाI' जै थम मेरै तै प्यार राख्दे, तो इस बात तै राज़ी होंदे के मै बाप कै धोरै जाऊँ सूं, क्यूँके बाप मेरै तै बड्डा सैI 29 अर मन्नै इब इसकै होण तै पहल्या थारै तै कह दिया, के जिब्ब ओ हो जावै, तो थम बिश्वास करोI 30 मै इब थारै गेल्या और बात कोनी करूँगा, क्यूँके इस दुनिया का सरदार आवै सैI मेरै पै उसका कोए हक्क कोनी; 31 पर न्यू ज्यांतै होवै सै के दुनिया नै बेरा लाग्गे के मै बाप तै प्रेम राखु सूं, अर जिसा बाप नै मेरतै हुक्म दिया मै उसाए करूं सूंI उठो, याड़ै तै चाल्लोI

यीशु सच्ची दाखलता

15 "साच्ची अंगूर की बेल मै सूं, अर मेरा बाप किसान सैI 2 जो डाळी मेरै म्ह सै अर कोनी फळदी, उसताहीं ओ काट देवै सै; अर जो फळै सै, उसताहीं ओ छाट्टै सै ताके और फळैI 3 थम तो उस शब्द कै कारण जो मन्नै थारताहीं कह्या सै, शुद्ध सोI 4 थम मेरै म्ह बणे रहो, अर मै थारै म्ह, जिस तरियां डाळी जै अंगूर की बेल म्ह बणी नीं रहवै तो खुद तै कोनी फळ सकदी, उससे तरियां थम भी जै मेरै म्ह बणे ना रहो तो कोनी फळ सकदेI 5 मै अंगूर की बेल सूं अर थम डाळीं सोI जो मेरै म्ह बणया रहवै सै अर मै उसम्ह, ओ घणाए फळ फळै सै, क्यूँके मेरै तै न्यारे पाटकै थम कीमे नीं कर सकदेI 6 जै कोए मेरै म्ह नीं बण्या रहंदा, तो ओ डाळी की तरियां बगा दिया जावैगा, अर सुख जावै सै; अर माणस उनताहीं कट्ठे करकै आग म्ह झोंक देवै सै, अर वे बळ जावै सैI 7 जै थम मेरै म्ह बणे रहो अर मेरी बात थारै म्ह बणीं रहवै, तो जो जीं म्ह आवै मांगो अर ओ थारे खातर हो ज्यांगाI 8 मेरै बाप की महिमा इस्से म्ह सै के थम घणाए फळ ल्याओ, फेर थम मेरे चेल्ले ठहरोगेI 9 जिसा बाप नै मेरै तै प्यार राख्या, उसाए मन्नै थारैतै प्यार राख्या, मेरै प्यार म्ह बणे रहोI 10 जै थम मेरे हुकमां नै मान्नोगे, तो मेरै प्यार म्ह बणे रहोगे, जिसढाळ के मन्नै आपणे बाप का हुक्म मान्या सै, अर उसकै प्यार म्ह बणा रहूँ सूंI 11 मन्नै यें बात थारै तै ज्यांतै कहीं, के मेरा आनन्द थार म्ह बणा रहवै, अर थारा आनन्द पूरा होज्याI

12 "मेरा हुक्म यो सै, के जिसा मन्नै थारतै प्यार राख्या, उसाए थम भी एक-दुसरे तै प्यार राक्खोI 13 इसतै बड्डा प्यार किस्से का कोनी के कोए आपणे यारां कै खातर आपणी ज्यान देI 14 जो कीमे मै थारै हुक्म द्युँ सूं, जै उसताहीं मान्नो तो थम मेरे ढब्बीं सोI 15 इब पाच्छै मै थारैत्ताहीं नौकर कोनी कहूँगा क्यूँके नौकर कोनी जान्दा के उसका मालिक के करै सै; पर मन्नै थारैताहीं ढब्बी कह्या सै, क्यूँके मन्नै जो बात आपणे बाप तै सुणीं, वे सारी थारतै बता दींI 16 थमनै मेरैताहीं कोनी छांट्या पर मन्नै थारैताहीं छांट्या सै अर थारैताहीं काम पै लाया सै के थम जाकै फळ ल्याओ अर थारा फळ बणा रहवै के थम मेरै नाम तै जो कीमे बाप तै माँगो, ओ थारैताहीं देI 17 इन बात्तां का हुक्म मै थारैताहीं इसकरकै द्युँ सूं के थम एक-दुसरे तै प्यार राक्खोI

संसार का बैर

18 "जै दुनिया थारैतै बैर राखै सै, तो जाण लो के उसनै थारैतै पहल्या मेरै तै बैर राख्याI 19 जै थम दुनिया के होंदे, तो दुनिया आपण्यां तै प्यार राखै सै; पर इसकरकै के थम दुनिया के कोनी, बल्के मन्नै थारैताहीं दुनिया म्ह तै छांट लिया सै, इसकरकै दुनिया थारै तै बैर राखै सैI 20 जो बात मन्नै थारैतै कही सै, 'नौकर आपणे मालिक तै बड्डा कोनी होंदा,' उसनै याद राक्खोI जिब उन्नै मेरताहीं सताया, तो थारैताहीं भी सतावैगें; जै उन्नै मेरी बात मान्नी, तो थारी भी माँन्नैगेंI 21 पर यो सारा कीमे वे मेरै नाम कै बाबत थारै गेल्या करैगें, क्यूँके वे मेरै खन्दानआळे नै कोनी जाणदेI 22 जै मै नीं आंदा, अर उनतै बात नीं करदा, फेर वे पापी कोनी ठहरदे; पर इब उन्नै उनकै पाप खातर कोए बहान्ना कोनीI 23 जो मेरै तै बैर राखै सै, ओ मेरै बाप तै भी बैर राखै सैI 24 जै मै उन म्ह वे कारनाम्मे नीं करदा, जो और किसे नै कोनी करे, तो वे पापी कोनी ठहरदे; पर इब तो उन्नै मेरैताहीं अर मेरै बाप दोनुआ ताहीं देख्या अर दोनुआ तै बैर करयाI 25 न्यू इसकरकै होया के ओ शब्द पूरा हो, जो उनकै व्यवस्था म्ह लिख्या सै, 'उन्नै मेरै तै खामखाँ बैर करयाI' 26 पर जिब ओ सहयोगी आवैगा, जिसनै मै थारै धोरै बाप की ओड़ तै खन्दाऊँगा, यानिके सच का आत्मा जो बाप की कान तै लिक्ड़ै सै, तो ओ मेरी गवाही देवैगा; 27 अर थम भी मेरे गवाह सो क्यूँके थम सरू तै मेरै गेल्या रहे सोI

16 "ये बात मन्नै थारैतै ज्यांतै कहीं के थारै ठोकर ना लागैI 2 वे थमनै आराधनालयां म्ह तै काड देवैंगें, बल्के ओ टेम आवै सै, के जो कोए थमनै मार देवैगा ओ न्यू समझैगा के मै पणमेशर की सेवा करूं सूंI 3 इसा वे ज्यांतै करैंगें के उन्नै ना बाप ताहीं जांणया सै अर ना मन्नै जाणैं सैंI 4 पर ये बात मन्नै ज्यांतै थारैतै कहीं, के जिब्ब इनका टेम आवै तो थमनै याद आ जावै के मन्नै थारैतै पहल्याए कह दिया थाI

पवित्र आत्मा के काम

"मन्नै सरू म्ह थारैतै ये बात ज्यांतै कोनी कहीं क्यूँके मै थारे गेल्या थाI 5 पर इब मै आपणै खन्दानआळे कै धोरै जाऊँ सूं, अर थारै म्ह तै कोए मेरै तै कोनी बुझता, 'तू कित जावै सै?' 6 पर मन्नै जो ये बात थारैतै कहीं सै, ज्यांतै थारा मन दुःख तै भरग्या सैI 7 फेरभी मै थारैतै साच्ची कहूँ सूं, के मेरा जांणा थारै खातर ठीक सै, क्यूँके जै मै ना जाऊँ तो ओ सहयोगी थारै धोरै कोनी आवैगा; पर जै मै जाऊँगा, तो उसताहीं थारै धोरै खन्दाऊँगाI 8 ओ आकै दुनिया ताहीं पाप अर धार्मिकता अर न्याय कै बाबत लाजबाब करैगाI 9 पाप कै बारे म्ह ज्यांतै के वे मेरै पै बिश्वास कोनी करदे; 10 अर धार्मिकता कै बारे म्ह ज्यांतै के मै बाप कै धोरै जाऊँ सूं, अर थम मन्नै दूबारै कोनी देक्खोगे; 11 न्याय कै बारे म्ह ज्यांतै के दुनिया का सरदार कसूरवार ठहराया गया सैI 12 मन्नै थारैतै और भी घणीए बात कहणी सैं, पर इबे थम उन्नै सह नीं सकदेI 13 पर जिब्ब ओ यानिके सच का आत्मा आवैगा, तो थम सारया नै सच का रास्ता बतावैगा, क्यूँके ओ आपणी ओड़ तै कोनी कह्वैगा पर जो कीमे सुणैगा ओए कह्वैगा, अर आण आळी बात थारैताहीं बतावैगाI 14 ओ मेरी महिमा करैगा, क्यूँके ओ मेरी बात्तां म्ह तै लेकै थारैताहीं बतावैगाI 15 जो कीमे बाप का सै, ओ सारा मेरा सै; ज्यांतै मन्नै कह्या के ओ मेरी बात्तां म्ह तै लेकै थारैताहीं बतावैगाI

दुःख सुख म्ह बदल जावैगा

16 "माड़ी वार म्ह थम मन्नै कोनी देक्खोगे, अर फेर माड़ी वार म्ह मन्नै देक्खोगेI" 17 फेर उसके कीमे चेल्यां नै आपस म्ह कह्या, "यो के सै जो ओ म्हारैताहीं कह्वै सै, 'माड़ी वार म्ह थम मन्नै कोनी देक्खोगे, अर फेर माड़ी वार म्ह मन्नै देक्खोगे?' अर यो 'ज्यांतै के मै बाप कै धोरै जाऊँ सूं'?" 18 फेर उन्नै कह्या, "यो 'माड़ी वार' जो ओ कह्वै सै, या के बात सै? हम कोनी जाणदे के ओ के कह्वै सैI" 19 यीशु नै न्यू जाणकै के वे मेरतै बुझणा चाहवै सै, उनताहीं कह्या, "के थम आपस म्ह मेरी इस बात बाबत जाँच-पड़ताल करो सो, 'माड़ी वार म्ह थम मन्नै कोनी देक्खोगे, अर फेर माड़ी वार म्ह मन्नै देक्खोगे'? 20 मै थारैतै साच्ची-साच कहूँ सूं, के थम रोओगे अर बिलाप करोगे, पर दुनिया राज़ी होवैगी; थमनै दुःख होगा, पर थारा दुःख आनन्द म्ह बदल जावैगाI 21 जाप्पै कै टेम लुगाई नै दुःख होवै सै, क्यूँके उसकै दुःख का बख्त आरया सै, पर जिब्ब वा बाळक नै जण दे सै, तो इस ख़ुशी तै, के दुनिया म्ह एक माणस पैदा होया, उस दुःख नै फेर याद कोनी करदीI 22 उस्से तरियां थारै म्ह भी इब तो दुःख सै, पर मै थारैतै दुबारा फेट्टूगाँ अर थारे मन आनन्द तै भर जावैगें; थारा आनन्द कोए थारैतै खोस नीं सकदाI 23 उस दिन थम मेरतै कीमे नीं बुझ्झोगेI मै थारैतै साच्ची साच कहूँ सूं, जै बाप तै कीमे माँगोगे, तो ओ मेरै नाम तै थारैताहीं देवैगाI 24 इब ताहीं थमनै मेरै नाम तै कीमे नीं माँग्या; माँगो, तो पा ल्योगे ताके थारा आनन्द पूरा हो जावैI

संसार पै जीत

25 "मन्नै ये बात थारैताहीं उदाहरणां म्ह कहीं सैं, पर ओ टेम आवै सै के मै थारैतै फेर उदाहरणां म्ह ये बात कोनी कहूँगा, पर खोलकै थारे बाप कै बारै

म्ह बताऊँगाI 26 उस दिन थम मेरै नाम तै माँगोगे; अर मै थारैतै न्यू कोनी कहंदा के मै थारै खातर बाप तै बिनती करूँगा; 27 क्यूँके बाप तो खुदे थारैतै प्यार राखै सै, ज्यांतै के थमनै मेरतै प्यार राख्या सै अर न्यू भी बिश्वास करया सै के मै बाप की ओड़ तै आयाI 28 मै बाप की ओड़ तै दुनिया म्ह आया सूं; मै दुबारै दुनिया नै छोड़कै बाप कै धोरै जाऊँ सूंI" 29 उसकै चेल्यां नै कह्या, "लखा, इब तो तू खोलकै कहवै सै, अर कोए उदाहरण कोनी कहंदाI 30 इब हमनै बेरा पाटग्या सै के तन्नै सारा कीमे बेरा सै, अर इसकी आंट कोनी के कोए तेरैतै कीमे बुझ्झै; इसतै हम बिश्वास करां सां के तू पणमेशर कै कान्नी तै आया सैI" 31 न्यू सुण कै यीशु नै उनताहीं कह्या, "के थम इब बिश्वास करो सो? 32 लखाओ, ओ बख्त आवै सै बल्के आण पहोंचा सै के थम सारे खिंड-मीन्ड होकै आपणा-आपणा रास्ता नापोगें, अर मन्नै एकला छोड़ दोगे; फेरभी मै एकला कोनी क्यूँके बाप मेरै गेल्या सैI 33 मन्नै ये बात थारैतै ज्यांतै कहीं सैं के थम मेरै म्ह शान्ति पाओI दुनिया म्ह थारै पै क्लेश होवै सै, पर हिम्मत राखिओ, मन्नै दुनिया ताहीं जीत लिया सैI"

यीशु की महायाजकीय प्रार्थना खुद कै खातर

17 यीशु नै ये बात कहीं अर आपणी नजर अकास कानी ठाकै कह्या, "हे पिता, ओ बख्त आण पहोंच्या सै; आपणे बेट्टे की महिमा कर, के बेट्टा भी तेरी महिमा करै, 2 क्यूँके तन्नै उसताहीं सारे जीवां पै हक्क दिया, के जो तन्नै उसताहीं दिया सै उन सारया ताहीं ओ अनन्त जीवन देI 3 अर अनन्तजीवन यो सै के वे तुझ, जो के एकमात्र साच्चा पणमेशर सै, नै अर यीशु मसीह नै, जिसताहीं तन्नै खन्दाया सै, जांणैI 4 जो काम तन्नै मेरैताहीं करण नै दिया था, उसताहीं पूरा करकै धरती पै तेरी महिमा करी सैI 5 इब हे पिता जी, तू आपणे गेल्या मेरी महिमा उस महिमा तै कर जो दुनिया की सृष्टी तै पहल्ये, मेरी तेरै गेल्या थीI

अपणे चेल्यां कै खातर

6 "मन्नै तेरा नाम उन माणसां पै प्रगट करया सै जिनताहीं तन्नै दुनिया म्ह तै मेरैताहीं दिया| वे तेरे थे अर तन्नै उनताहीं मेरै तै दिया, अर उन्नै तेरै शब्द ताहीं मान लिया सैI 7 इब उन्नै बेरा पाटग्या सै के जो कीमे तन्नै मेरैताहीं दिया सै ओ सारा तेरी ओड़ तै सै; 8 क्यूँके जो शब्द तन्नै मेरैताहीं दिये, मन्नै उनताहीं उनकै धोरै पहोंचा दिये; अर उन्नै उनताहीं अपणा लिया, अर साच्ची-साच जाण लिया के मै तेरी ओड़ तै आया सूं, अर बिश्वास कर लिया सै के तन्नैए मेरैताहीं खन्दायाI 9 मै उन खातर बिनती करूं सूं; दुनिया कै खातर बिनती कोनी करदा पर उन्नैए कै खातर जिनताहीं तन्नै मेरैताहीं दिया सै, क्यूँके वे तेरे सैं; 10 अर जो कीमे मेरा सै ओ सारा तेरा सै, अर जो तेरा सै ओ मेरा सै, अर इनतै मेरी महिमा प्रगट होई सैI 11 मै इस दुनिया म्ह कोनी रहूँगा, पर ये दुनिया म्ह रहवैगें, अर मै तेरै धोरै आऊँ सूंI हे पवित्र पिता, आपणे उस नाम तै जो तन्नै मेरै ताहीं दिया सै, उनकी रुखाळी कर के वे म्हारै बरोबर एक्से होंI 12 जिब्ब मै उनकै गेल्या था, तो मन्नै तेरै उस नाम तै, जो तन्नै मेरैताहीं दिया सै उनकी रुखाळ करी, अर नास कै बेट्टे नै छोड़ उनम्ह तै कोए नास कोनी होया, ज्यांतै के पवित्र ग्रन्थ म्ह जो कह्या ओ पूरा होI 13 पर इब मै तेरै धोरै आऊँ सूं, अर यें बात दुनिया म्ह कहूँ सूं, के वे मेरा आनन्द आपणे म्ह पूरा पावैI 14 मन्नै तेरा शब्द उनताहीं पहोचा दिया सै; अर दुनिया नै उनतै बैर करया, क्यूँके जिस तरियां मै इस दुनिया का कोनी, उससे तरियां वे भी इस दुनिया के कोनीI 15 मै या बिनती कोनी करदा के उन्नै दुनिया तै ठा ले; पर न्यू के तू उन्नै उस दुष्ट तै बचाए राखI 16 जिस तरियां मै दुनिया का कोनी, उससे तरियां वे भी दुनिया के कोनीI 17 सच कै गेल्या उन्नै पवित्र कर : तेरा शब्द साच्चा होवैI 18 जिस तरियां तन्नै मेरैताहीं दुनिया म्ह खन्दाया, उससे तरियां मन्नै भी उनताहीं दुनिया म्ह खन्दाया; 19 अर उनकै खातर मै खुद नै पवित्र करूं सूं, ताके वे भी सच कै गेल्या पवित्र करे जावैI

सारे बिश्वासियाँ कै खातर

20 "मै केवल इन्ने खातर बिनती कोनी करदा, पर उनकै खातर भी जो इनकै शब्द कै जरिये मेरपै बिश्वास करैगें, 21 के वे सारे एक हों; जिस तरियां हे पिता तू मेरै म्ह सै, अर मै तेरै म्ह सूं, उससे तरियां वे भी हमारै म्ह सै, जिसतै दुनिया बिश्वास करै के तन्नै मेरैताहीं खन्दाया सैI 22 वा महिमा जो तन्नै मेरैताहीं दी मन्नै उनताहीं दी सै, के वे उस्से तरियां ए एक हों जिस तरियां हम एक सा, 23 मै उन म्ह अर तू मेर म्ह के वे सिद्ध होकै एक हो जावै, अर दुनिया नै बेरा पाट्टै के तन्नै ए मेरैताहीं खन्दाया, अर जिस तरियां तन्नै मेरतै प्यार राख्या उससे तरियां उनतै प्यार राख्याI 24 हे पिता, मै चाहूँ सूं, के जिन ताहीं तन्नै मेरैताहीं दिया सै, जड़ै मै सूं उड़ै वे भी मेरै गेल्या हो, के वे मेरी उस महिमा नै देक्खै जो तन्नै मेरैताहीं दी सै, क्यूँके तन्नै दुनिया नै बनाण तै पहल्या मेरतै प्यार राख्याI 25 हे धार्मिक पिता, दुनिया मन्नै कोनी जांणदी, पर मै तन्नै जांणु; अर इन्नै भी जांणयां के तन्नै ए मेरैताहीं खन्दाया सैI 26 मन्नै तेरा नाम उनताहीं बताया अर बतान्दा रहूँगा के जो प्यार तन्नै मेरतै था ओ उन म्ह रहवै, अर मै उन म्ह रहूँI"

यीशु का पकड़वाया जाणा

(मत्ती 26:47-56; मरकुस 14:43-50; लूका 22:47-53)

18 यीशु ये बात कहकै आपणे चेल्यां कै गेल्या किद्रोंन नाळै कै परली ओड़ गयाI उड़ै एक फुल्लां की क्यारी थी, जिस म्ह ओ अर उसके चेल्ले गएI 2 उसका पकड़ाणआळा यहूदा भी उस जगहां नै जांणै था, क्यूँके यीशु आपणे गेल्या उड़ै जाया करै थाI 3 फेर यहूदा, सिपाहीयाँ कै एक टोळ नै अर प्रधान याजकां अर फरिसिया की ओड़ तै चमच्या नै लेकै, दिवे अर मशाल अर हथियारां नै लेकै उड़ै आयाI 4 फेर यीशु, उन सारी बात्तां नै जो उस पै बीत्तण आळी थी जाणकै, लिकड़कै उनताहीं कह्या, "किसनै टोह्वो सो?" 5 उन्नै उसताहीं जबाब दिया, "यीशु नासरी नैI" यीशु नै उनताहीं कह्या, "मैए सूंI" उसका पकड़ाणआळा यहूदा भी उनकै गेल्या खड़्या थाI 6 उसकै न्यू कहंदए, "मै सूं, "पाच्छै हटकै धरती पै पड़्गेI" 7 फेर उसनै दूबारै उनताहीं बुझ्झया, "थम किसनै टोह्वो सो?" वे बोल्ले, "यीशु नासरी नैI" 8 यीशु नै जबाब दिया, "मन्नै तो थारैताहीं कह दिया सै के मै सूं, जै मन्नै टोह्वो सो तो इन्नह जाण दोI" 9 न्यू ज्यांतै होया के ओ शब्द पूरा हो जो उसनै कह्या था : "जिनताहीं तन्नै मेरतै दिया उनम्ह तै मन्नै एक भी नीं खोयाI" 10 फेर शमौन पतरस नै तलवार, जो उसकै धोरै थी, खींची अर महायाजक कै नौकर पै चलाकै उसका सोळा कान उड़ा दिया, उस नौकर का नाम मलखुस थाI 11 फेर यीशु नै पतरस तै कह्या, "आपणी तलवार म्यान म्ह धरI जो कटोरा बाप नै मेरैताहीं दिया सै, के मै उसनै नीं पिऊँ?"

हन्ना कै श्यामी यीशु

12 फेर सिपाहीयाँ अर उनकै सूबेदार अर यहूदिया कै चमच्या नै यीशु ताहीं पकड़कै जुड़ लिया, 13 अर पहल्ये उसताहीं हन्ना कै धोरै ले गए, क्यूँके ओ उस साल का महायाजक काइफा का ससुरा थाI 14 यो ओए काइफा था, जिसनै यहूदिया ताहीं सलाह दी थी के म्हारे माणसां खातर एक आदमी का मरणा सई सैI

पतरस का इनकार

15 शमौन पतरस अर एक और दूसरा चेल्ला भी यीशु सै पाच्छै हो लिएI यो चेल्ला महायाजक का जाण-पिच्छाण का था, ज्यांतै ओ यीशु कै गेल्या महायाजक कै आँगन म्ह गया, 16 पर पतरस बाहरणै दरवाजे पै खड़्या रह्याI फेर ओ दूसरा चेल्ला जो महायाजक का जाण-पिच्छाण का था, बाहरणै लिकड़्या अर पहरेदारणी तै कहकै पतरस ताहीं भीत्तर लीयायाI 17 उस नौकराणी नै, जो पहरेदारणी थी, पतरस तै कह्या, "कदे तू भी इस माणस के चेल्यां म्ह तै तो नीं सै?" उसनै कह्या, "मै कोनी सूंI" 18 नौकर अर चमच्ये जाड्डै कै बाबत कोल्ले धधका कै खड़े आग सेक्कै थे, अर पतरस भी उनकै गेल्या खड़्या आग सेक्कै थाI

महायाजक द्वारा यीशु तै पूछताछ

19 फेर महायाजक नै यीशु तै उसकै चेल्यां कै बाबत अर उसकै उपदेश कै बाबत जाँच-पड़ताल करीI 20 यीशु नै उसताहीं जबाब दिया, "मन्नै दुनिया तै

खुलकै बात करी; मन्नै सभायां अर आराधनालयां म्ह, जड़ै सारे यहूदी कट्ठे होया करै सै, सारी हाण उपदेश करया अर लुह्क कै कीमे कोनी कह्याI 21 तू मन्नै क्यातै बुझझै सै? सुणनआळयां तै बुझ के मन्नै उनताहीं के कह्याI लखा, उन्नै बेरा सै के मन्नै के-के कह्याI" 22 जिब्ब उसनै न्यू कह्या, तो चमच्या म्ह तै एक नै जो धोरै खड़्या था, यीशु कै रैप्ट मारकै कह्या, "के तू महायाजक नै इस तरियां जबाब देवै सै?" 23 यीशु नै उसतै जबाब दिया, "जै मन्नै भुंडा कह्या, तो उस भुंड का सबूत दे; पर जै भला कह्या, तो मन्नै क्यातै मारै सै?" 24 हन्ना नै उसताहीं जुड़े होए, काइफा महायाजक कै धोरै खन्दा दियाI

पतरस का दुबारा इन्कार

25 शमौन पतरस खड़्या होया आग सेक्कै था, फेर उन्नै उसतै कह्या, "कदे तू भी उसकै चेल्यां म्ह तै तो नीं सै?" उसनै नाट-कै कह्या, "मै कोनी सूंI" 26 महायाजक के नौकरां म्ह तै एक, जो उसकै कुन्बै म्ह तै था, जिसका कान पतरस नै काट दिया था, बोल्या, "के मन्नै तेरैताहीं उसकै गेल्या फुल्लां की क्यारी म्ह कोनी देख्या था?" 27 पतरस फेर नाटग्या, अर जिबे मुरगै नै बाँग दीI

पिलातुस कै श्यामी यीशु

28 फेर वे यीशु ताहीं काइफा कै धोरै तै किले म्ह ले गए, अर तड़कए का टेम था, पर वे खुद किलै कै भीत्तर कोनी गए ताके अशुद्ध ना हों पर फसह खा सकैI 29 फेर पिलातुस उनकै धोरै बाहरणै लिकड़ कै आया अर कह्या, "थम इस माणस पै किस बात का दोष लाओ सो?" 30 उन्नै उसताहीं जबाब दिया, "जै ओ भुण्डे काम करणीया नीं होंदा तो हम उसनै तेरै हाथ कोनी सोंपदेI" 31 पिलातुस नै उनतै कह्या, "थमए इसनै ले जाकै आपणे नियम-कायदा कै मुताबिक उसका न्याय करोI" यहूदिया नै उसतै कह्या, "हमनै हक्क कोनी के किसे की ज्यान लेवांI" 32 न्यू ज्यांतै होया के यीशु की वा बात पूरी हो जो उसनै यो इशारा देंदे होड़ कहीं थी के उसकी मौत किसढ़ाळ होगीI"

33 फेर पिलातुस दूबारै कीलै कै भीत्तर गया, यीशु नै बुलाकै उसतै बुझ्झया, "के तू यहूदिया का राजा सै?" 34 यीशु नै जबाब दिया, "के तू या बात आपणी ओड़ तै कह्वै सै या दूसरयां नै मेरै बाबत तेर तै न्यू कह्या सै?" 35 पिलातुस नै जबाब दिया, "के मै यहूदी सूं? तेरी ए कोम अर प्रधान याजकां नै तेरैताहीं मेरै हाथ म्ह सोंप्या सैI तन्नै के करया सै?" 36 यीशु नै जबाब दिया, "मेरा राज्य इस दुनिया का कोनी; जै मेरा राज्य इस दुनिया का होंदा, तो मेरे सेवादार लड़दे के मै यहूदियां कै हाथां सोंप्या कोनी जांदा : पर मेरा राज्य आड़ै का कोनीI" 37 पिलातुस नै उसतै कह्या, "के तू राजा सै?" यीशु नै जबाब दिया, "तू कह्वै सै के मै राजा सूंI मन्नै ज्यांतै जन्म लिया अर ज्यांतै दुनिया म्ह आया सूं, के सच की गवाही द्युँI" जो कोए सच का सै, ओ मेरा शब्द सुणै सैI" 38 पिलातुस नै उसतै कह्या, "सच के सै?"

मृत्यु-दण्ड की आज्ञा

न्यू कहकै ओ फेर यहूदियां कै धोरै लिकड़ आया अर उनताहीं कह्या, "मै तो उसम्ह कीमे खोट कोनी पांदाI 39 पर थारै न्यू रिवाज सै के मै फसह पै थारै खातर एक माणस नै छोड़ द्युँI आखर के थम चाह्वो सो के मै थारै खातर यहूदिया कै राजै नै छोड़ द्यु?" 40 फेर उन्नै रूक्के मारकै कह्या, "इसनै नीं, पर म्हारै खातर बरअब्बा नै छोड़ देI" अर बरअब्बा डाकू थाI

19 इसपै पिलातुस नै यीशु कै कोरड़े लगवाएI 2 सिपाहियां नै काण्डया का मुकुट गूँथकै उसकै सिर पै धरया, अर उसताहीं बैंजणी लत्ते पिराये, 3 अर उसकै धोरै आ-आकै कहण लाग्गे, "हे यहूदियों के राजा, प्रणाम!" अर उसकै रैप्ट भी मारेI 4 फेर पिलातुस नै दुबारै बाहरण लिकड़ कै माणसां ताहीं कह्या, "लखाओ, मै उसनै थारै धोरै फेर ल्याया सूं; ताके थमनै बेरा लागै के मै उसम्ह कीमे भी खोट कोनी पान्दाI" 5 फेर यीशु कान्डया का मुकुट अर बैंजनी लत्ते पहरे होड़ बाहरण लिकड़्या; अर पिलातुस नै उनताहीं कह्या, "लखाओ, यो माणस!" 6 जिब्ब प्रधान याजकां आ चमच्या नै उसताहीं देख्या, तो रूक्के मारकै कह्या, "उसताहीं क्रूस पै चढ़ा, क्रूस पै!" पिलातुस नै उनताहीं कह्या, "थमए उसनै ले जाकै क्रूस पै चढ़ाओ, क्यूँके मै उसम्ह कोए खोट कोनी पान्दाI" 7 यहूदियां नै उसताहीं जबाब दिया, "म्हारे भी व्यवस्था सै अर उस व्यवस्था कै मुताबिक ओ मरण कै जोग्गा सै, क्यूँके उसनै खुद ताहीं पणमेशर का बेट्टा बणायाI" 8 जिब पिलातुस नै या बात सुणी तो और भी डरग्या, 9 अर दूबारै किलै कै भीत्तर गया अर यीशु तै कह्या, "तू कितका सै?" पर यीशु नै उसतै कीमे भी जबाब कोनी दियाI 10 इस पै पिलातुस नै उसतै कह्या, "मेरतै क्यातै नीं बोल्दा? के तन्नै कोनी बेरा के तेरैताहीं छोड़ देण का हक्क मेरै ताहीं सै, अर तेरै ताहीं क्रूस पै चढ़ाण का भी मेरै ताहीं हक्क सैI" 11 यीशु नै जबाब दिया, "जै तेरै ताहीं ऊप्पर तै नीं दिया जान्दा, तो तेरा मेरै पै कीमे हक्क कोनी होंदा; ज्यांतै जिसनै मेरैताहीं तेरै हाथ पकड़आया सै उसका पाप घणा सैI"

12 इसपै पिलातुस नै उसताहीं छोड़ देणा चाहया, पर यहूदियां नै रूक्के मार-मारकै कह्या, "जै तू इसनै छोड़ देवैगा, तो तेरी भगति कैसर कान्नी कोनीI जो कोए खुद नै राजा बणावै सै ओ कैसर का सामणा करै सैI" 13 ये बात सुणकै पिलातुस यीशु नै बाहरण ल्याया अर उस ठोड़ एक चोतरा था जो इब्रानी म्ह 'गब्बता' कुह्वावै सै, अर उड़ै न्याय की गद्दी पै बैठयाI 14 यो फसह की त्यारी का दिन था, अर छठे पहर कै करीबन थाI फेर उसनै यहूदियां ताहीं कह्या, "लखाओ थारा राजा!" 15 पर उन्नै किलकी मारी, "ले जा ! ले जा ! उसताहीं क्रूस पै चढ़ा!" पिलातुस नै उनते कह्या, "के मै थारे राजा नै क्रूस पै चढ़ाऊँ?" प्रधान याजकां नै जबाब दिया, "कैसर नै छोड़ म्हारा और कोए राजा कोनीI" 16 फेर उसनै उसताहीं उनकै हाथ सोंप्या ताके ओ क्रूस पै चढ़ाया जावैI

क्रूस पै चढाया जाणा

17 फेर वे यीशु नै ले गए, अर ओ आपणा क्रूस ठाए होए उस जगहां ताहीं बाहरण गया, जो 'खोपड़ी की जगहां' कुह्वावै सै अर इब्रानी म्ह 'गुल्गुता'I 18 उड़ै उन्नै उसताहीं अर उसकै गेल्या और दो माणसां ताहीं क्रूस पै चढ़ाया, एक नै इसकानै अर एक नै उसकानै, अर बिचाळै यीशु ताहींI 19 पिलातुस नै एक खोट-चिट्ठी लिखकै क्रूस पै लगा दी, अर उसपै लिख्या होया था, "यीशु नासरी, यहूदियों का राजाI" 20 या खोट-चिट्ठी घणखरे यहूदियां नै पढ़ी, क्यूँके वा जगहां जड़ै यीशु क्रूस पै चढ़ाया गया था कस्बे कै धोरै थी; अर चिट्ठी इब्रानी अर लतीनी अर यूनानी म्ह लिक्खी होई थीI 21 फेर यहूदियां के प्रधान याजकां नै पिलातुस तै कह्या, " 'यहूदियां का राजा' मतना लिखै पर यो के 'उसनै कह्या, मै यहूदियां का राजा सूं'I" 22 पिलातुस नै जबाब दिया, "मन्नै जो लिखणा था, लिख दियाI"

23 जिब्ब सिपाही नै यीशु ताहीं क्रूस पै चढ़ा दिया, तो उसके लत्ते लेकै चार ठोड़ बांड लिए, हरेक सिपाही खातर एक हिस्सा, अर कुरता भी लिया, पर कुरता बिन सीअन ऊप्पर तै तळै ताहीं सिम्या होया थाI 24 इसकरकै उन्नै आपस म्ह कह्या, "हम इसताहीं पाड़ा नीं, पर इसपै लाटरी-चिट्ठी गेरकै के यो किसका होवैगाI" न्यू इसकरकै होया के पवित्र ग्रन्थ म्ह जो लिख्या होया ओ पूरा हो,"उन्नै मेरे लत्ते आपस म्ह बांड लिए अर मेरे लत्ते पै लाटरी-चिट्ठी गेरीI 25 आखर म्ह फौजियाँ नै इसाए करयाI यीशु कै क्रूस कै धोरै उसकी माँ, अर उसकी माँ की बेब्बे, क्लोपास की बहु मरियम, अर मरियम मगदलीनी खड़ी थींI 26 जिब्ब यीशु नै आपणी माँ, अर उस चेल्ले ताहीं जिसतै ओ प्यार राखै था, धोरै खड़े देख्या तो आपणी माँ तै कह्या, "हे नारी, लखा, यो तेरा बेट्टा सैI" 27 फेर उस चेल्ले तै कह्या, "या तेरी माँ सैI" अर उससे टेम ओ चेल्ला उसताहीं आपणे घरा लेग्याI

यीशु की मौत

28 इसकै पाच्छै यीशु नै बेरा लागग्या के इब सारा कीमे पूरा हो लिया, ज्यांतै के पवित्र ग्रन्थ म्ह जो कह्या गया ओ पूरा हो, कह्या, "मै तिसाया सूंI" 29 उड़ै सिरकै तै भरया होड़ एक बास्सण धरया था, आखर म्ह उन्नै सिरके म्ह भे कै स्याही चूस ताहीं जुफे पै धर कै उसकै मुँह तै ल्यायाI 30 जिब्ब यीशु नै ओ सिरका लिया, तो कह्या, "पूरा होया" ; अर सिर झुकाकै जी दे दियाI

भाले तै बेधा जाणा

31 ज्यांतै के ओ त्यारी का दिन था, यहूदियां नै पिलातुस तै बिनती करी के
उनकी टाँग तोड़ दी जावै अर वे उतारे जावै, ताके सब्द कै दिन वे क्रूस पै ना
रहवै, क्यूँके ओ सब्द का दिन बड्डा दिन थाI 32 आखर म्ह फौजियां नै आकै
उन माणसां म्ह तै पहल्ड़े की टाँग तोड़ी फेर दुसरे की भी, जो उसकै गेल्या
क्रूस पै चढ़ाए गए थे; 33 पर जिब्ब यीशु कै धोरै आकै देख्या के ओ मर लिया
सै, तो उसकी टाँग कोनी तोड़ीI 34 पर सिपाहीयां म्ह तै एक बरछी तै उसका
पंजर चिर दिया, अर उसम्ह तै जिबे लहू अर पाणी लिकड़याI 35 जिसनै यो
देख्या, उसनै गवाही दी सै, अर उसकी गवाही साची सै; अर उन्नै बेरा सै के
ओ साची कह सै के थम भी बिश्वास करोI 36 ये बात ज्यांतै होई के पवित्र
ग्रन्थ म्ह जो कह्या गया ओ पूरा हो, "उसकी कोई हाड्डी कोनी तोड़ी जावैगीI"
37 फेर एक और जगहां पै न्यू लिख्या सै, "जिस ताहीं उन्नै चिरया सै, उस पै
वे देक्खैगेंI"

यीशु का गाड्या जाणा

38 इन बात्तां पाच्छै अरिमतिया के युसुफ नै जो यीशु का चेल्ला था, पर
यहूदियां कै डर के मारे इस बात नै ल्कोए राखै था, पिलातुस तै बिनती करी,
के ओ यीशु की लाश ले जा सकै सैI पिलातुस नै उसकी बिनती सुणी, अर
ओ आकै उसकी लाश लेग्याI 39 निकुदेमुस भी, जो पहल्ले यीशु कै धोरै रात
नै गया था, पचास सेर कै करीबन रळा होड़ गन्धरस अर एलवा लीयायाI
40 फेर उन्नै यीशु की लाश ली, अर यहूदिया कै गाड्डुण कै रिवाज कै मुताबिक
उस ताहीं खसबुदार द्रव्य कै गेल्या कफन म्ह लपेटयाI 41 उस जगहां पै जड़ै
यीशु क्रूस पै चढ़ाया गया था, एक फुल्लां की क्यारी थी, अर उस फुल्लां की
क्यारी म्ह एक नई कब्र थी जिसम्ह कदे कोए कोनी धरया थाI 42 ज्यांतै
यहूदिया की त्यारी कै दिन कै बाबत उन्नै यीशु ताहीं उससे म्ह धरया, क्यूँके
वा कब्र लोवै थीI

खाली कब्र

20 हफ्तै कै पहल्ड़ै दिन मरियम मगदलीनी तड़कए नै अन्धरै रहंदे ए
कब्र पै गई, अर पत्थर नै कब्र पै तै हटया होड़ देख्याI 2 फेर वा
भाज्जी अर शमौन पतरस अर उस दुसरे चेल्लै कै धोरै जिसतै यीशु प्यार राखै
था, आकै कह्या, "वे प्रभु नै कब्र म्ह तै काड ले गे सै, अर हमनै नीं बेरा के
उसताहीं कित धर दिया सैI" 3 फेर पतरस अर ओ दूसरा चेल्ला लिकड़ कै
कब्र कै कान्नी चाल्लेI 4 वे दोन्नु गेल-गेल भाजरे थे, पर दूसरा चेल्ला पतरस तै
आगै बढ़कै कब्र पै पहल्या पहोच्या; 5 अर कोडडे होकै लत्ते पड़े देक्खे,
फेरभी वे भीत्तर कोनी गयाI 6 फेर शमौन पतरस उसकै पाच्छै-पाच्छै
पहोच्या, अर कब्र कै भीत्तर गया अर लत्ते पड़े देक्खे; 7 अर ओ अंगोछा जो
उसकै सिर पै बन्धा होड़ था, लत्त्या कै गेल्या कोनी पड़या था, पर न्यारा एक
ठोड़ लपेट कै धरया होया देख्याI 8 फेर दूसरा चेल्ला भी जो कब्र पै पहल्या
पहोच्या था, भीत्तर गया अर देखकै बिश्वास करयाI 9 वे तो इब ताहीं पवित्र
ग्रन्थ की वा बात कोनी समझे थे के उसनै मरे होया म्ह तै जी उठना होगाI
10 फेर चेल्ले आपणे घरा बोहड़गेI

मरियम मगदलीनी पै प्रगट होणा

11 पर मरियम रोंदी होई कब्र कै धोरै ए बहरण खड़ी रही, अर रोंदे-रोंदे कब्र
कै कान्नी कोड्डी होकै, 12 दो सुर्गदुत्तां ताहीं धोळे-चमकदे लत्ते पहरे होड़ एक
सिरहाणै अर दूसरै ताहीं पात्यां नै बैट्ठे देख्या, जड़ै यीशु की लाश धरी गई
थीI 13 उन्नै उसताहीं कह्या, "हे नारी, तू क्यातै रोवै सै?" उसनै उनताहीं
कह्या, "वे मेरै प्रभु नै ठा लेगे अर मन्नै कोनी बेरा के उसनै कित धर राख्या
सैI" 14 न्यू कहकै वा पाच्छै मुड़ी अर यीशु ताहीं खड़े देख्या, पर पिच्छाणया
कोनी के यो यीशु सैI 15 यीशु नै उसतै कह्या, "हे नारी, तू क्यातै रोवै सै?
किसनै टोहवै सै?" उसनै माळी समझ कै उसताहीं कह्या, "हे महाराज, जै
तन्नै उसताहीं ठा लिया सै तो मन्नै बता के उस ताहीं कित धर राख्या सै, अर
मै उसनै ले जाऊँगीI" 16 यीशु नै उसताहीं कह्या, "मरियम!" उसनै बोहड़ कै
उसताहीं इब्रानी म्ह कह्या, "रब्बुनी!" यानिके 'हे गुरु' I 17 यीशु नै उसताहीं
कह्या, "मन्नै छूवै मतना, क्यूँके मै इब ताहीं बाप कै धोरै ऊप्पर कोनी गया,
पर मेरे भाईया कै धोरै जाकै उनतै कह दे, के मै अपणे पिता अर थारे पिता,
अर अपणे पणमेशर अर थारे पणमेशर कै धोरै ऊप्पर जाकै आऊँ सूंI"
18 मरियम मगदलीनी नै जाकै चेल्यां ताहीं बताया, "मन्नै प्रभु ताहीं देख्या,
अर उसनै मेरै तै यें बात कहींI"

चेल्यां पै प्रगट होणा

19 उस्से दिन जो हफ्तै का पहल्ड़ा दिन था, साँझ कै टेम जिब्ब उड़ै के
किवाड़ जड़ै चेल्ले थे, यहूदिया कै डर के मारे मूंदे होड़ थे, फेर यीशु आया अर
उनकै बिचाळै खड़या होकै उनतै कह्या, "थमनै शान्ति मिलैI" 20 अर न्यू
कहकै उसनै आपणा हाथ अर आपणा पंजर उनतै दिखाएI फेर चेल्ले यीशु नै
देखकै राज्जी होएI 21 यीशु नै फेर उनतै कह्या, "थमनै शान्ति मिलै: जिस
तरियां बाप नै मेरताहीं खन्दाया सै, उससे तरियां ए मै थमनै खन्दाऊँगाI"
22 न्यू कहकै उसनै उन पै फूँक मारी अर उसनै कह्या, "पवित्र आत्मा ल्योI
23 जिनके पाप थम माफ करो, वे उनकै खातर माफ करे गए सैं; जिनके थम
राक्खो, वे राक्खे गए सैंI"

थोमा पै प्रगट होणा

24 पर बारहा म्ह तै एक, यानिके थोमा जो दिद्मुस कुह्यावै सै, जिब्ब यीशु
आया तो उनकै गेल्या कोनी थाI 25 जिब्ब दुसरे चेल्ले उसतै कहण लाग्गे,
"हम नै प्रभु ताहीं देख्या सै," फेर उसनै उनतै कह्या, "जिब्बताहीं मै उसकै
हाथां म्ह किल्लां के घट्टे नीं देख ल्यूँ, अर किल्लां के घटयां म्ह आपणी आंगळी
नै घाल ल्यूँ, अर उसकै पंजर म्ह आपणा हाथ ना घाल ल्यूँ, जद ताहीं
बिश्वास कोनी करूँगाI"
26 आठ दिन कै पाच्छै उसके चेल्ले फेर घर कै भीत्तर थे, अर थोमा उनकै
गेल्या था; अर किवाड़ मूंद राक्खे थे, फेर यीशु आया अर उनकै बिचाळै
खड़या होकै कह्या, "थमनै शान्ति मिलैI" 27 फेर उसनै थोमा तै कह्या,
"आपणी आंगळी याड़ै ल्याकै मेरै हाथां नै देख अर आपणा हाथ ल्याकै मेरै
पंजर म्ह घाल, अर अविश्वासी नीं पर बिश्वासी बणाI" 28 न्यू सुणकै थोमा नै
जबाब दिया, "हे मेरे प्रभु, हे मेरे पणमेशर!" 29 यीशु नै उसतै कह्या, "तन्नै मेरै
ताहीं देख्या सै, के ज्यांतै बिश्वास करया सै? धन्य वे सैं जिन्नै बिन देक्खे
बिश्वास करयाI"

इस किताब का मकसद

30 यीशु नै और भी घणखरे कारनाम्मे चेल्या कै आगै दिखाए, जो इस
किताब म्ह कोनी लिक्खे गए; 31 पर ये ज्यांतै लिक्खे गए सैं के थम बिश्वास
करो के यीशु ए पणमेशर का बेट्टा मसीह सै, अर बिश्वास करकै उसकै नाम म्ह
जिन्दगी पाओI

तिबिरियास झील कै कंठारै चेल्यां पै प्रगट होणा

21 इन बात्तां कै पाच्छै यीशु नै खुद ताहीं तिबिरियास झील कै कंठारै
चेल्यां पै प्रगट करया, अर इस ढाळ प्रगट करया : 2 शमौन पतरस,
अर थोमा जो दिदुमुस कुह्यावै सै, अर गलील कै काना नगर का नतनएल, अर
जब्दी के बेट्टे, अर उसके चेल्यां म्ह तै दो और जणे कट्ठे थेI 3 शमौन पतरस
नै उनताहीं कह्या, "मै मच्छी पकड़ण नै जाऊँ सूंI" उन्नै उसतै कह्या, "हम भी
तेरै गेल्या चाल्लां सांI" आखर उस रात नै कीमे कोनी पकड़याI
4 तड़का होंदे-ए यीशु कंठारै पै आ खड़या होया; फेरभी चेल्यां नै कोनी
पिच्छाणा के यो यीशु सैI 5 फेर यीशु नै उन ताहीं कह्या, "हे बाळको, के थारै
धोरै कीमे खाण नै सै?" उन्नै जबाब दिया, "कोनीI" 6 उसनै उनताहीं कह्या,
"किस्ती कै सोळै कान्नी जाळ गेरो फेर पाओगेI" आखर उन्नै जाळ गेरया, अर
इब घणी मच्छीयां कै बाबत जाळ उनपै खिंच्या कोनीI 7 फेर उस चेल्यां नै
जिसतै यीशु प्यार करै था, पतरस तै कह्या, "यो तो प्रभु सै!" शमौन नै न्यू
सुणकै के ओ प्रभु सै, कड़ म्ह अंगोछा कस लिया, क्यूँके ओ ऊघाड़ा था,
अर झील म्ह छाळ मार दीI 8 पर दुसरे चेल्ले डोंगी पै मच्छी तै भरया होड़

जाळ खिंचदे होए आए, क्यूँके वे कंठारै तै घणी दूर कोनी, पर कोए दो सौ हाथ पै थेI

9 जिब्ब वे कंठारै पै उतरे, तो उन्नै कोयले की आग अर उस पै मच्छीं धरी होई, अर रोट्टी देक्खीI 10 यीशु नै उनतै कह्या, “जो मच्छी थमनै इबे पकड़ी सै, उनम्ह तै कीमे ल्याओI” 11 फेर शमौन पतरस नै डोंगी पै चढ़कै एक सौ तिरपन बड्डी मच्छीयां तै भरया होड़ जाळ कंठारै पै खिंच्या, अर इतनी मच्छी होंदे होए भी जाळ कोनी पाट्याI 12 यीशु नै उनतै कह्या, “आओ, खाणा खाओI” चेल्यां म्ह तै किसे का ढेठ कोनी होया के उसतै बुझ्झै, “तू कौण सै?” क्यूँके उन्नै बेरा था के हो ना हो यो प्रभु ए सैI 13 यीशु आया अर रोट्टी लेकै उनताहीं दी, अर उससे ढाळ मच्छीं भीI 14 यो तीसरी बै सै के यीशु मरे होया म्ह तै जिन्दा उठणै कै पाच्छै चेल्यां नै दिखाई दियाI

यीशु अर पतरस

15 खाणा खाणै कै पाच्छै यीशु नै शमौन पतरस तै कह्या, “हे शमौन, युहन्ना के बेट्टे, के तू इन तै बाध मेरतै प्रेम करै सै?” उसनै उसतै कह्या, “हम्बै प्रभु; तन्नै तो बेरा सै के मै तेरै तै प्रीति राक्खु सूंI” उसनै उसतै कह्या, “मेरे मेम्नां नै चरा|” 16 उसनै दूसरी बर उसतै कह्या, “हे शमौन, युहन्ना के बेट्टे, के तू मेरै तै प्रेम राखै सै?” उसनै उसतै कह्या, “हम्बै प्रभु; तन्नै तो बेरा सै के मै तेरैतै प्रीति राक्खु सूंI” उसनै उसतै कह्या, “मेरी भेड्डां की रूखाळी कर|” 17 उसनै तीसरी बर उसताहीं कह्या, “हे शमौन, युहन्ना के बेट्टे, के तू मेरतै प्रीति राखै सै?” पतरस कांल होया के उसनै उसतै तीसरी बर इसा कह्या, “हे शमौन, युहन्ना के बेट्टे, के तू मेरतै प्रीति राखै सै?” अर उसतै कह्या, “हे प्रभु, तन्नै तो सारा कीमे बेरा सै; तन्नै न्यू बेरा सै के मै तेरैतै प्रीति राखु सूंI” यीशु नै उसतै कह्या, “मेरी भेड्डां नै चराI 18 मै तेरैतै साच्ची-साच कहूँ सूं, “जिब्ब तू गाबरू था तो आपणी कड़ बाँधकै जड़ै चाहवै था उड़ै हाँडै था; पर जिब्ब तू बुढ़ा होगा तो आपणे हाथ पसारैगा, अर दूसरा तेरी कड़ बांधकै जड़ै तू ना चाहवैगा उड़ै तन्नै ले जावैगाI” 19 उसनै इन बात्तां तै इशारा करया के पतरस किसी मौत तै पणमेशर की महिमा करैगाI अर फेर उसनै उसतै कह्या, “मेरै पाच्छै हो लेI”

यीशु अर उसका प्रिय चेल्ला

20 पतरस नै बोहड़कै उस चेल्ले ताहीं पाच्छै आंदे देख्या, जिसतै यीशु प्यार राखै था, अर जिसनै खाणै कै टेम उसकी छात्ती की ओड़ कोड्डा होकै बुझ्झया था, “हे प्रभु, तेरा पकड़वाणआळा कौण सै?” 21 उसताहीं देखकै पतरस नै यीशु तै कह्या, “हे प्रभु, इसका के हाल होगा?” 22 यीशु नै उसतै कह्या, “जै मै चाहूँ के ओ मेरै आण ताहीं रुक्या रहवै, तो तन्नै इसतै के? तू मेरै पाच्छै हो लेI” 23 ज्यांतै भाईयां म्ह या बात फैलगी के ओ चेल्ला कोनी मरैगा; फेरभी यीशु नै उसतै न्यू कोनी कह्या के ओ कोनी मरैगा, पर यो के, “जै मै चाहूँ के ओ मेरै आण ताहीं रुक्या रहवै, तो तन्नै इसतै के?”

उपसंहार

24 यो ओए चेल्ला सै जो इन बात्तां की गवाही देवै सै अर जिसनै इन बात्तां ताहीं लिख्या सै, अर हमनै बेरा सै के उसकी गवाही साच्ची सैI 25 और भी घणेए काम सै, जो यीशु नै करे; जै वे एक-एक करकै लिखये जांदे, तो मै समझू सूं के किताब जो लिक्खी जांदी वा दुनिया म्ह भी कोनी न्योड़ैI

प्रेरितों के काम

परिचय

1 हे थियुफिलुस, मन्नै पहलड़ी किताब उन सारी बात्तां कै बाबत
लिक्खी जो यीशु नै सरूआत करी करदा अर सिखान्दा रहया, 2 उस
दिन ताहीं जिब्ब ताहीं ओ उन प्रेरितां नै जिन ताहीं उसनै छाट्या था पवित्र
आत्मा कै जरिये हुक्म देकै ऊप्पर ठाया नीं गया| 3 उसनै दुःख ठाण कै
पाच्छै घणे पक्के सबुतां तै अपणै आप नै उन ताहीं जिन्दा दिखाया, अर
चालीस दिन ताहीं ओ उन्नै दिखदा रहया, अर पणमेशर के राज्य की बात
करदा रहया| 4 अर उनतै फेटकै उन ताहीं हुक्म दिया, "यरूशलेम नै ना
छोड्डो, पर बाप की उस प्रतिज्ञा की पुरे होण की बाट देखदे रहो, जिसका
जिक्रा थम मेरै तै सुण चुके सो| 5 क्यूँके युहन्ना नै तो पाणी तै बपतिस्मा
दिया सै पर माड़े-से दिनां पाच्छै थम पवित्र आत्मा तै बपतिस्मा पाओगे|"

यीशु का सुर्ग म्ह जाणा

6 आखर उन्नै कट्ठे होकै उसतै बुझ्झया, "हे प्रभु, के तू इस्से टेम इस्राएल
ताहीं राज्य दुवा देगा?" 7 उसनै उनतै कह्या, "उन टेम्मां या काल्लां ताहीं
जाणना, जिन ताहीं बाप नै आपणे अधिकार म्ह कर राख्या सै, थारा काम
कोनी| 8 पर जिब्ब पवित्र आत्मा थारै पै आवैगा फेर थम सामर्थ पाओगे; अर
यरूशलेम अर सारे यहूदिया अर सामरिया म्ह, अर धरती कै सिरे ताहीं मेरे
गवाह होंगें|" 9 न्यू कहकै ओ उनकै देखदे-देखदे ऊप्पर ठा लिया गया, अर
बादळ नै उस ताहीं उनकी आँखां तै लको लिया| 10 उसकै जान्दे टेम जिब्ब
वे अकास की ओड़ देखैं थे, तो देक्खो, दो माणस धोळे लत्ते पहरे ओड़
उनकै लोवै आण खड़े होये, 11 अर उनतै कह्या, "हे गलीली माणसो, थम
खड़े अकास कान्नी क्यांतै लखाओ सो? योए यीशु, जो थारै धोरै तै सुर्ग पै ठा
लिया गया सै, जिस तरियां तै थमनै उस ताहीं सुर्ग नै जांदे देख्या उस्से
तरियां तै ओ दुबारा आवैगा|"

मत्तियाह ताहीं यहूदा का ओद्दा मिलणा

12 जिब्ब वे जैतून नामक पहाड़ तै जो यरूशलेम कै लोवै एक सब्त कै दिन
की दूरी पै सै, यरूशलेम नै बोह्ड़े| 13 जिब्ब वे ओड़ै पहोच्चे तो उस चुबारे पै
गये, जित पतरस अर युहन्ना अर याकूब अर अद्रियास अर फिलिप्पुस अर
थोमा अर बरतुल्मै अर मती अर हलफई का बेट्टा याकूब अर शमौन,
जेलोतेस अर याकूब का बेट्टा यहूदा रहवै थे| 14 ये सारे कई लुगाईयां अर
यीशु की माँ मरियम अर उसके भाईयां कै गेल्या एक मन होकै प्रार्थना म्ह
लाग्गे रहे|

15 उन्ने दिनां म्ह पतरस भाईयां का बिच्चाळै म्ह जो एक सौ बीस आदमियां
कै करीबन थे, खड़या होकै कहण लाग्या, 16 हे भाइयो, जरूरी था के पवित्र
ग्रन्थ का ओ लिख्या पूरा हो जो पवित्र आत्मा नै दाऊद के मुँह तै यहूदा कै
बाबत, जो यीशु कै पकड़वाण आळयां का अगुवा था, पहल्या ए तै कहया
था| 17 क्यूँके ओ तो म्हारै म्ह गिणया गया, अर इस सेविकाई म्ह साझ्झी
होया| 18 (उसनै पाप की कमाई तै एक खेत मोल लिया, अर सिर के बळ
गिरया अर उसका पेट पाटग्या अर उसकी सारी आन्द्ड़ी लिकड़गी| 19 इस
बात ताहीं यरूशलेम के सारे रहणीये जाणगे, उरै ताहीं के उस खेत का नाम
उनकी भाषा म्ह 'हक्कलदमा' यानिके 'लहू का खेत' पड़ग्या|) 20 भजन संहिता
म्ह लिख्या सै, 'उसका घर उजड़ जावै, अर उसम्ह कोए नीं बसै,' अर
'उसका ओद्दा कोए और ले लेवै|'

21 इसकरकै जितनै दिन ताहीं प्रभु यीशु म्हारै गेल्या आन्दा-जान्दा
रहया---यानिके युहन्ना बपतिस्मा तै लेकै उसके म्हारै धोरै तै ठाए जाण
तक---जो आदमी बराबर म्हारै गेल्या रहे, 22 सई सै के उनम्ह तै एक माणस
म्हारै गेल्या उसकै जिन्दा होण का गवाह हो जावै|" 23 फेर उन्नै दो जण्यां
ताहीं खड़या करया, एक यूसुफ जो बर-सबा कुहवावै था, जिसका उपनाम
यूसतुम सै, दूसरा मत्तियाह ताहीं, 24 अर या प्रार्थना करी, "हे प्रभु, तू जो
सारया के मनां नै जाणै सै, न्यू बता के इन दोनुआ म्ह तै किस नै छाट्टा, 25 के
ओ इस सेविकाई अर प्रेरिताई का ओद्दा लेवै, जिस नै यहूदा छोड़ कै आपणी
जंगहा चल्या गया|" 26 फेर उन्नै उनकै बाबत पर्ची गेरी, अर पर्ची मत्तियाह कै
नाम लिकड़ी| आखर ओ उन ग्यारहा प्रेरितां कै गेल्या गिणया गया|

पवित्र आत्मा का उतरणा

2 जिब्ब पिन्तेकुस्त का दिन आया, तो वे सारे एक जंगहा कट्ठे थे|
2 चाणचक अकास तै घणी आँधी किसा हल्का-सा शब्द होया, अर
उसतै सारा घर जित वे बैट्ठे थे, गूँज्ग्या| 3 अर उन्नै आग जिसी जीभ पाट्दी
होई दिखण लाग्गी अर उनम्ह तै हरेक पै आ उतरी| 4 वे सारे पवित्र आत्मा
तै भरगे, अर जिस ढाळ पवित्र आत्मा नै उन ताहीं बोल्लण की सामर्थ दी, वे
न्यारी-न्यारी भाषा बोल्लण लाग्गे|

5 अकास कै तळै की हरेक जात म्ह तै भगत यहूदी यरूशलेम म्ह रै रे थे|
6 जिब्ब यो शब्द होया तो भीड़ लाग्गी अर आदमी घबरागे, क्यूँके हरेक नै
योए सुणायी देवै था के वे मेरीए भाषा म्ह बोल्लण लागरे सै| 7 वे सारे हैरान
अर अचम्भा करकै कहण लाग्गे, "देक्खो, जो वे बोल्लण लागरे सै के सारे
गलीली कोनी? 8 तो फेर क्यांतै म्हारै म्ह तै हरेक आपणी-आपणी जन्म-भूमि
की भाषा सुणै सै? 9 हम जो पारथी अर मेदी अर एलामी अर मेसोपोटामिया
अर यहूदिया अर कप्दुकिया अर पुन्तुस अर आसिया, 10 अर फ्रुगिया अर
पंफुलिया अर मिस्र अर लीबिया देश जो कुरेन कै लोवै-धोरै सै, इन सारे देशां
के रहण आळे अर रोमी प्रवासी, 11 यानिके यहूदी अर यहूदी मत धारण करण
आळे, क्रेतो अर अरबी भी सैं, पर आपणी-आपणी भाषा म्ह उनतै पणमेशर
के बड्डे-बड्डे काम्मां का जिक्रा सुणै सैं|" 12 अर वे सारे हैरान होए अर घबराकै
एक-दुसरै तै कहण लाग्गे, "यो के होण लागरया सै? 13 पर औरां नै मखौल
करकै कह्या, "वे तो नयी दारू कै नशै म्ह चूर सैं|"

पतरस का भाषण

14 जिब्ब पतरस उन ग्यारहा कै गेल्या खड़या होया, अर ठाड्डू आवाज म्ह
बोल्या, "हे यहूदियों अर हे यरूशलेम के सारे रहणीयों, न्यू जाणे ल्यो, अर
कान लाकै मेरी बात सुणो| 15 जिसा थम समझ रे सो, ये आदमी नशे म्ह सैं,
न्यू कोनी सै, क्यूँके इब्बे दिन लिकड़याए सै| 16 पर या वा बात सै योएल
नब्बी कै जरिये कही गई थी :

17 'पणमेशर कहवै सै, के अन्त के दिनां म्ह इसा होवैगा के मै आपणा
आत्मा सारे माणसां पै ढाळूगाँ, अर थारे बेट्टे अर थारी बेट्टी भविष्यवाणी
करैगीं, अर थारे गाबरू दर्शन देखैगें, अर थारे पुरनिए सपना देक्खैगें|
18 बल्के मै आपणे दासां अर दासियां पै भी, उन दिनां म्ह आपणी आत्मा म्ह
तै ढाळूगाँ, अर वे भविष्यवाणी करैगें| 19 अर मै ऊप्पर अकास म्ह अनोक्खे
काम अर तळै धरती पै निशान, यानिके लहू अर आग अर धुम्मै का बादळ
दिखाऊँगा| 20 प्रभु के महान अर तेजस्वी दिन कै आण तै पहल्या सूरज

अँधेरा अर चाँद लहू-सा हो जावैगा| 21 अर जो कोए प्रभु का नाम लेवैगा,
उसका उद्धार होवैगा|
22 "हे इस्राएलियों, इन बात्तां नै सुणो : यीशु नासरी एक माणस था
जिसका पणमेशर की ओड़ होण का सबूत उन सामर्थ के काम्मां अर हैरानी
के काम्मां अर निशानां तै प्रगट सै, जो पणमेशर नै थारै बिच्चाळै उसकै जरिये
कर दिखाए जिसकै बारै म्ह थमनै खुदे बेरा सै| 23 उस्से यीशु ताहीं, जो
पणमेशर की ठहराई होई योजना अर पूर्व ज्ञान कै मुताबिक पकड़वाया गया,
थमनै अधर्मियां के हाथां तै क्रूस पै चढ़ाकै मार दिया| 24 पर उस्से ताहीं
पणमेशर नै मौत के बन्धनां तै छुड़ाकै जिन्दा करया, क्यूँके यो अनहोणा था
के ओ उसकै बस म्ह रहन्दा| 25 क्यूँके दाऊद उसकै बारै म्ह कहवै सै, 'मै
प्रभु नै सारी हाण आपणे श्यामी देख्दा रहया क्यूँके ओ मेरी सोळी ओड़ सै,
ताके मै डिग नीं जाऊँ| 26 इस्से कारण मेरा मन आनन्दित होया, अर मेरी
जीभ मग्न होई; बल्के मेरी देही भी आस म्ह बणी रह्वैगी| 27 क्यूँके तू मेरै प्राणां
नै अधोलोक म्ह कोनी छोड्डैगा; अर ना आपणे पवित्र माणस नै सड़न ए
देवैगा| 28 तन्नै मेरै ताहीं जीण का राह बताया सै; तू मन्नै दर्शन कै जरिये
आनन्द तै भर देवैगा|'
29 "हे भाईयो, मै कुलपति दाऊद कै बारै म्ह थारै तै हिम्मत करकै कहूँ सूं
के ओ तो मरग्या अर गाड्या भी गया अर उसकी कब्र आज ताहीं म्हारै उरै
न्यू-की-न्यू सै| 30 ओ नब्बी था अर उसनै बेरा था के पणमेशर नै मेरै तै सूंह
खाई सै के मै तेरी पीढ़ी म्ह तै एक माणस नै तेरै सिहांसन पै बिठाऊँगा;
31 उसनै होण आळी बात ताहीं पहल्या ए तै देख कै मसीह के जिन्दा उठण
कै बारै म्ह भविष्यवाणी करी के ना तो उसका प्राण अधोलोक म्ह छोड्या
गया अर ना उसकी देही सड़न पाई| 32 इस्से यीशु ताहीं पणमेशर नै जिन्दा
करया, जिसके हम सारे गवाह सां| 33 इस तरियां पणमेशर के सोळे हाथ तै
सबतै ऊँच्चा ओद्दा पाकै, अर बाप तै ओ पवित्र आत्मा पाकै जिसका प्रण
लिया गया था, उसनै यो ढाळ दिया सै जो थम देक्खो अर सुणो सो|
34 क्यूँके दाऊद तो सुर्ग पै कोनी चढ्या; पर ओ खुद कहवै सै, 'प्रभु नै मेरे
प्रभु तै कहया, मेरै सोळी ओड़ नै बैठ, 35 जिब्ब ताहीं के मै तेरे बैरियां नै तेरे
पायां तळै की चोक्की नीं कर द्युँ|' 36 आखर इस्राएल का सारा खानदान पक्की
तरियां तै जाण लेवै के पणमेशर नै उस्से यीशु ताहीं जिस ताहीं थमनै क्रूस पै
चढ़ाया, प्रभु भी ठहराया अर मसीह भी|"
37 फेर सुनण आळयां के दिल छिदगे, अर वे पतरस अर बाकी प्रेरितां तै
बुझ्झण लाग्गे, "हे भाईयों, हम के करां?" 38 पतरस नै उनतै कह्या, "मन
फिराओ, अर थारै म्ह तै हरेक आपणे-आपणे पापां की माफ़ी कै खातर यीशु
मसीह कै नाम तै बपतिस्मा लेवै; जिब्ब थम पवित्र आत्मा का दान पाओगे|
39 क्यूँके या प्रतिज्ञा थम, अर थारी ऊलादां, अर उन सारे दूर-दूर के
आदमियां खातर भी सै जिन ताहीं प्रभु म्हारा पणमेशर आपणे धोरै
बुलावैगा|" 40 उसनै भतेरी और बात्तां तै भी गवाही दे-देकै समझाया के
आपणे आप नै इस टेढ़ी जात तै बचाओ| 41 आखर जिन्नै उसका बचन
अपणाया उन्नै बपतिस्मा लिया, अर उस्से दिन तीन हजार माणसां कै
करीबन उनम्ह मिलगे| 42 अर वे प्रेरितां तै शिक्षा लेन्दे, अर संगति राखदे,
अर रोट्टी तोड़ने, अर प्रार्थना करण म्ह मग्न रहे|

बिश्वासियाँ की संगति

43 अर सारे आदमी डरगे, अर घणे अनोक्खे काम अर निशान प्रेरितां कै
जरिये प्रगट होवै थे| 44 अर सारे बिश्वास करणीये कट्ठे रहवै थे, अर उनकी
सारी चीज साझे म्ह थीं| 45 वे आपणी-आपणी जायदाद अर सामान बेच-
बेचकै जिसकी जरूरत होवै थी बांड दिया करै थे| 46 वे हरेक दिन एक मन
होकै मन्दर म्ह कट्ठे होवै थे, घर-घर रोट्टी तोड़दे होए आनन्द अर मन की
सीधाई तै खाणा खावै थे, 47 अर पणमेशर की जय-जयकार करै थे, अर सारे
माणस उनतै राज़ी थे : जो उद्धार पावैं थे, उन ताहीं प्रभु हरेक दिन उनम्ह
मिला देवै था|

लंगड़ै भिखारी का चंगा होणा

3 पतरस अर युहन्ना तीसरै पहर प्रार्थना कै टेम मन्दर म्ह जाण लागरे
थे| 2 अर माणस एक जन्म तै लंगड़े नै ल्यावै थे, जिस ताहीं वे हरेक
दिन मन्दर कै बाहरण पै जो 'सुन्दर' कुहवावै सै, बिठा देवै थे के ओ मन्दर म्ह
जाण आळयां तै भीख माँगै| 3 जिब्ब उसनै पतरस अर युहन्ना ताहीं मन्दर म्ह
जान्दे देख्या, तो उनतै भीख माँगी| 4 पतरस नै युहन्ना कै गेल्या उसकी
ओड़ गौर तै देखकै कह्या, "म्हारी ओड़ लखा!" 5 आखर ओ उनतै कीमे पाण
की आस राखदे होये उनकी ओड़ ताकण लाग्गे|
6 फेर पतरस नै कह्या, "चाँदी अर सोन्ना तो मेरै धोरै सै नीं, पर जो मेरै धोरै
सै ओ तन्नै द्युँ सूं; यीशु नासरी कै नाम तै चाल-फिर|" 7 अर उसनै उसका
सोळा हाथ पकड़ कै उस ताहीं ठाया; अर जिब्बे उसके पायां अर टाखणयां
म्ह हिम्मत आग्यी| 8 ओ उछळकै खड़या होग्या अर चाल्लण-फिरण लाग्या;
अर चाल्दा, अर कुद्दा, अर पणमेशर की जय-जयकार करदा होया उनकै
गेल्या मन्दर गया| 9 सारे आदमियां नै उस ताहीं चाल्दे-फिरदे अर पणमेशर
की जय-जयकार करदे होये देखकै, 10 उस ताहीं पिच्छाण लिया के यो ओए
सै जो मन्दर कै 'सुन्दर' फाटक पै बैठकै भीख माँग्या करै था; अर उस घटना
तै जो उसकै गेल्या होई थी वे घणे अचम्भित अर हैरान होए|

मंदर म्ह पतरस का उपदेश

11 जिब्ब ओ पतरस अर युहन्ना ताहीं पकड़े होये था, तो सारे माणस घणे
हैरान होंदे होये उस ओसारे म्ह जो सुलैमान का कुहवावै सै, उनकै धोरै भाज़े
आये| 12 न्यू देखकै पतरस नै माणसां तै कह्या, "हे इस्राएलियों, थम इस
माणस पै क्यांतै हैरान होवो सो, म्हारी ओड़ क्यांतै इस ढाळ लखाओ सो के
मान्नो हमनै-ए आपणी सामर्थ या भगति तै इस ताहीं चाल्लण-फिरण जोग्गा
बणा दिया| 13 अब्राहम अर इसहाक अर याकूब के पणमेशर, म्हारे बाप-
दाद्यां के पणमेशर नै आपणे सेवक यीशु मसीह की महिमा करी, जिस ताहीं
थमनै पकड़वा दिया, अर जिब्ब पिलातुस नै उस ताहीं छोड़ देण का बिचार
करया, फेर थमनै उसकै श्यामी उसका इन्कार करया| 14 थमनै उस धर्मी
अर पवित्र का इन्कार करया, अर बिनती करी के एक खून्नी ताहीं थारै खातर
छोड़ दिया जावै; 15 अर थमनै जीवन के कर्ता ताहीं मार दिया, जिस ताहीं
पणमेशर नै मरे होया म्ह तै जिन्दा करया; अर इस बात के हम गवाह सां|
16 अर उस्से कै नाम नै, उस बिश्वास कै जरिये जो उसकै नाम पै सै, इस
माणस नै जिस ताहीं थम देक्खो सो अर जाणो भी सो सामर्थ दी सै| उस्से
बिश्वास नै जो उसकै जरिये सै, इस ताहीं थम सारया कै श्यामी जमा भला-
चंगा कर दिया सै|
17 "इब हे भाईयो, मन्नै बेरा सै के थमनै यो काम बेअक्ली म्ह करया, अर
उसाए थारे सरदारां नै भी करया| 18 पर जिन बात्तां ताहीं पणमेशर नै सारे
नब्बियाँ के मुँह तै पहल्या ए तै बता दिया था, के उसका मसीह दुःख ठावैगा,
उन ताहीं उसनै इस्से ढाळ पूरा करया| 19 इस करकै, मन फिराओ अर
बोहड़ आओ के थारे पाप मिटाए जावै, जिसतै प्रभु के श्यामी तै विश्रान्ति के
दिन आवै, 20 अर ओ यीशु ताहीं खन्दावै जो थारै खातर पहल्या तै ए मसीह
ठहराया गया सै| 21 जरूरी सै के ओ सुर्ग म्ह उस टेम ताहीं रहवै जिब्ब ताहीं
के ओ सारी बात्तां का सुधार ना कर लेवै जिसका जिक्रा पुराने टेम तै
पणमेशर नै आपणे पवित्र नब्बियाँ के मुँहां तै करी सै| 22 जिसा ढाळ के मूसा
नै कह्या, 'प्रभु पणमेशर थारे भाईयां म्ह तै थारै खातर मेरै जिसा एक नब्बी
ठावैगा, जो कीमे ओ थारै तै कहवै उसकी सुणीयो| 23 पर हरेक माणस जो
उस नब्बी की नीं सुणै, आदमियां म्ह तै नास करया जावैगा|' 24 अर शमूएल
तै लेकै उसकै पाच्छै आळयां ताहीं जितने नब्बी बोल्ले उन सारया नै इन दिनां
का सन्देशा दिया सै| 25 थम नब्बियाँ की ऊलाद अर उस वाचा के
हिस्सेदार सो, जो पणमेशर नै थारै बाप-दाद्यां तै बाँधी, जिब्ब उसनै अब्राहम
तै कह्या, 'तेरी पीढ़ी के जरिये धरती के सारे खानदान आशीष पावैगें|'
26 पणमेशर नै आपणे सेवक ताहीं ठाकै पहल्या थारै धोरै खन्दाया, के थारै
म्ह तै हरेक ताहीं उसकी बुराइयाँ तै पलटाकै आशीष देवै|'

महासभा कै श्यामी पतरस अर युहन्ना

4 जिब्ब वे आदमियां तै न्यू कहण लागरे थे, तो याजक अर मन्दर के
सरदार अर सदुकी उन पै चढ़ आये| 2 क्यूँके वे घणे खुन्दक म्ह थे के
वे आदमियां ताहीं सिखावै थे अर यीशु का उदाहरण दे-देकै मरे होया का
जिन्दा उठण का प्रचार करै थे| 3 उन्नै उन ताहीं पकड़कै दुसरे दिन तक
हवालात म्ह राख्या क्यूँके साँझ होग्यी थी| 4 पर बचन के सुणन आळयां म्ह
तै घणा ए नै बिश्वास करया, अर उनकी गिणती पाँच हजार माणसां कै
करीबन होग्यी थी|

5 दुसरे दिन इसा होया के उनके सरदार अर पुरनिये अर शास्त्री 6 अर
महायाजक हन्ना अर कैफा अर युहन्ना अर सिकन्दर अर जितने महायाजक
के कुणबै के थे, सारे यरूशलेम म्ह कट्ठे होये| 7 वे उन ताहीं बिच्चाळै खड़या
करकै बुझ्झण लाग्गे के थमनै यो काम किसकै सामर्थ तै अर किसकै नाम तै
करया सै| 8 फेर पतरस नै पवित्र आत्मा तै भरकै उनतै कह्या, 9 "हे
आदमियां के सरदारो अर पुरनियो, इस कमजोर माणस गेल्या जो भलाई
करी गयी सै, जै आज म्हारै तै उसकै बारै म्ह पूछताछ करी जावै सै, के ओ
किस ढाळ चंगा होया| 10 तो थम सारे अर सारे इस्राएली आदमी जाण लेवै
के यीशु मसीह नासरी कै नाम तै जिस ताहीं थमनै क्रूस पै चढाया, अर
पणमेशर नै मरे होया म्ह तै जिन्दा करया, यो माणस थारै स्याम्ही भला चंगा
खड़या सै| 11 यो ओए पत्थर सै जिस ताहीं थम राज मिस्त्रियाँ नै तुच्छ
जाणया अर ओ सिरै का पत्थर होग्या| 12 किसे दुसरे के जरिये उद्धार कोनी;
क्यूँके सुर्ग कै तळै माणसां म्ह और कोए दूसरा नाम कोनी दिया गया, जिसकै
जरिये हम उद्धार पा सकां|"

13 जिब्ब उन्नै पतरस अर युहन्ना की हिम्मत देक्खी, अर न्यू बेरा लाग्या के
ये अणपढ़ अर साधारण से माणस सै, तो अचम्भा करया, फेर उन ताहीं
पिच्छाणया के ये यीशु कै गेल्या रहे सैं| 14 उस माणस ताहीं जो चंगा होया
था, उनकै गेल्या खड़े देखकै, वे बिरोध म्ह कीमे नीं कह सके| 15 पर उन
ताहीं पंचायत तै बाहर जाण का हुक्म देकै, वे आपस म्ह बिचार करण लाग्गे,
16 "हम इन माणसां कै गेल्या के करां? क्यूँके यरूशलेम के सारे रहणीया नै
बेरा पाटरया सै, के इनकै जरिये एक मसूर कारनाम्मा दिखाया गया सै; अर
हम उसकै बारै म्ह नाट नीं सकदे| 17 पर ज्यांतै के ये बात आदमियां म्ह
और घणी फैल नीं जावै, हम उन ताहीं धमकावां, के वे इस नाम तै फेर किसे
माणस तै बात नीं करैं|" 18 फेर उन ताहीं बुलाया अर चेतावनी देकै न्यू
कह्या, "यीशु कै नाम तै किम्मे नीं बोलणा अर ना सिखाणा|" 19 पर पतरस
अर युहन्ना नै उन ताहीं जबाब दिया, "थम ए न्याय करो; के यो पणमेशर कै
धोरै भला सै के हम पणमेशर की बात तै बढ़कै थारी बात मान्नां| 20 क्यूँके यो
तो म्हारै तै नीं हो सकदा के जो हमनै देख्या अर सुणया सै, ओ नीं कहवां|"
21 फेर उन्नै उन ताहीं और धमकाकै छोड़ दिया, क्यूँके आदमियां कै कारण
उन ताहीं सजा देण का कोए मौक्का नीं मिल्या, इस करकै के जो घटना होई
थी उसकै कारण सारे आदमी पणमेशर की बड़ाई करै थे| 22 ओ माणस,
जिस पै यो चंगा करण का निशान दिखाया गया था, चालीस बरस तै घणी
उम्र का था|

बिश्वासियाँ की प्रार्थना

23 वे छुटकै आपणे याड़ियाँ कै धोरै आए, अर जो कीमे प्रधान याजकां अर
पुरनियां नै उन तै कहया था, उन ताहीं सुणया दिया| 24 न्यू सुणकै उन्नै एक
मन होकै ठाड्ढू आवाज तै पणमेशर तै कह्या, "हे मालिक, तू ओए सै जिसनै
सुर्ग अर धरती अर समुन्दर अर जो कीमे उनम्ह सै बणाया| 25 तन्नै पवित्र
आत्मा के जरिये आपणे सेवक म्हारे बाप दाऊद के मुँह तै कह्या, 'गैर-जात्तां
नै रोळा क्यांतै मचाया? अर देश-देश के आदमियां नै क्यांतै बेकार म्ह बात
सोच्ची? 26 प्रभु अर उसके मसीह के बिरोध म्ह धरती के राजा खड़े होए, अर
हाकिम एक-सेत्ती कट्ठे होये|'

27 क्यूँके साच्चए तेरै सेवक यीशु कै बिरोध म्ह, जिसका तन्नै अभिषेक
करया, हेरोदेस अर पुन्तियुस पिलातुस भी गैर-जात्तां अर इस्राएलियां कै
गेल्या इस नगर म्ह कट्ठे होए, 28 के जो कीमे पहल्या तै तेरी सामर्थ अर बुद्धि
तै ठहरा था ओए करैं| 29 इब हे प्रभु, उनकी धमकियां नै देख; अर आपणे
दासां ताहीं यो बरदान दे के तेरा बचन बड़ी हिम्मत तै सुणावैं| 30 चंगा करण
कै खातर तू आपणा हाथ बढ़ा के निशान अर अनोक्खे काम तेरे पवित्र सेवक
यीशु कै नाम तै करे जावैं|" 31 जिब्ब उन्नै प्रार्थना कर ली, तो वा जंगहा जित
वे कट्ठे थे कांम्बगी, अर वे सारे पवित्र आत्मा तै भरगे, अर पणमेशर का बचन
हिम्मत तै सुणान्दे रऐ|

बिश्वासियाँ का सामूहिक जीवन

32 बिश्वास करण आळयां का टोळ एक चित अर एक मन का था, उरै ताहीं
के कोए भी आपणी सम्पत्ति आपणी नीं कहवै था, पर सारा कीमे साझ्झै म्ह
था| 33 प्रेरित बड़ी सामर्थ तै प्रभु यीशु के जिन्दा होण की गवाही देन्दे रहे,
अर उन सारया पै घणा अनुग्रह था| 34 उनम्ह कोए भी गरीब कोनी था;
क्यूँके जिनकै धोरै धरती या घर थे, वे उन्नै बेच-बेचकै, बिकी होई चिज्ज़ां का
दाम ल्यावै थे, अर उस ताहीं प्रेरितां के पायां म्ह धरै थे; 35 अर जिसी
जिसकी जरूत होवैं थी, उसकै मुताबिक हरेक ताहीं बांड दिया करैं थे|

36 यूसुफ नाम साइप्रस का एक लेवी था जिसका नाम प्रेरितां नै बरनबास
(यानिकै शान्ति का बेट्टा) धरया था| 37 उसकी कीमे धरती थी, जिस ताहीं
उसनै बेच्या, अर दाम के रपिये प्रेरितां के पायां म्ह धर दिए|

ह्नन्याह अर सफीरा

5 हनन्याह नामका एक माणस अर उसकी बीरबान्नी, सफीरा नै कीमे
धरती बेच्ची 2 अर उसकै दाम म्ह तै कीमे राख लिया; अर या बात
उसकी बीरबान्नी भी जाणै थी, उसका एक हिस्सा ल्याकै प्रेरितां के पायां कै
आगै धर दिया| 3 पतरस बोल्या, "हे हनन्याह! शैतान नै तेरै मन म्ह या बात
क्यांतै घाल्ली के तू पवित्र आत्मा तै झूठ बोल्लै, अर धरती के दाम म्ह तै कीमे
राख लेवै? 4 जिब्ब ताहीं वा तेरै धोरै रही, के तेरी कोनी थी? अर जिब्ब
बिकगी के तेरै बस म्ह नीं थी? तन्नै या बात आपणे मन म्ह क्यांतै बिचारी?
तन्नै माणसां तै नीं, पर पणमेशर तै झूठ बोल्या सै|" 5 या बात सुणदए
हनन्याह ढह पड़या अर जी लिकड़ग्या, सारे सुणन आळे घणे डरगे| 6 फेर
गाबरूआ नै उठकै उसकी अर्थी बणाई अर बाहरण ले जाकै गाड़ दिया|

7 करीबन तीन घंटया कै पाच्छै उसकी बीरबान्नी, जिसनै बेराए कोनी था
जो कीमे होया था, भीत्तर आई| 8 फेर पतरस नै उसतै कह्या, "मन्नै बता के
थमनै वा धरती इतनै ए म्ह बेच्ची थी?" वा बोल्यी, "हम्बै, इतनै ए म्ह|"
9 पतरस नै उसतै कह्या, "या के बात सै के थम दोनुआं नै प्रभु की आत्मा का
हिम्तान लेण कै खातर एक्का करया? लखा, तेरै धणी के गाड्डण आळे बाहरण
ए खड़े सै, अर तन्नै भी बाहरण ले जावैंगे|" 10 फेर वा जिब्बे उसकै पायां म्ह
ढह पड़ी, अर जी लिकड़ग्या; अर गाबरूआं नै भीत्तर आकै उस ताहीं मरया
पाया, अर बाहरण ले जाकै उसकै धणी गेल्या गाड़ दिया| 11 सारी
कलीसिया अर इन बात्तां के सारे सुणनियें घणे डरगे|

निशान अर अनोक्खे काम

12 प्रेरितां के हाथां तै घणे निशान अर अनोक्खे काम आदमियां कै बिच्चाळै
दिखाए जावैं थे, अर वे सारे एक चित्त होकै सुलैमान के ओसारे म्ह कट्ठे होया
करैं थे| 13 पर औरां म्ह तै किस्से म्ह या हिम्मत कोनी होवै थी के उनम्ह जा
मिलै; फेरभी आदमी उनकी बड़ाई करैं थे| 14 बिश्वास करण आळे घण-खरे
माणस अर लुगाई प्रभु की कलीसिया म्ह घणी संख्या म्ह मिलदे रऐ| 15 उरै
ताहीं के आदमी बीमारां ताहीं सड़कां पै ल्या-ल्याकै, खाट्टां अर खटोल्यां पै
लिटा देवैं थे के जिब्ब पतरस आवैं, तो उसकी छोल्ली-ए उनम्ह तै किसे पै
पड़ जावै| 16 यरूशलेम कै ओरै-धोरै के नगरां तै भी घणे माणस बीमारां अर
भुंडी औपरी आत्मायां के सताए होया ताहीं ल्या-ल्याकै, कट्ठे होवैं थे, अर
सारे चंगे कर दिए जावैं थे|

प्रेरितां की गिरफ्तारी

17 फेर महायाजक अर उसके सारे याड़ी जो सदुकीया के पंथ के थे, डाह
तै भरगे 18 अर प्रेरितां ताहीं पकड़कै जेळ म्ह बन्द कर दिया| 19 पर रात नै

प्रभु के एक सुर्गदूत नै जेळ के किवाड़ खोलकै उन ताहीं बाहरण ल्याकै कह्या, 20 "जाओ, मन्दर म्ह खड़े होकै इस जीवन की सारी बात आदमियां ताहीं सुणाओ|" 21 वे न्यू सुणकै सबेरा होंदए मन्दर म्ह जाकै उपदेश देण लाग्गे| फेर महायाजक अर उसके याड़ीयां नै आकै बड्डी पंचायत ताहीं इस्राएलियां के सारे पुरनियां ताहीं कट्ठे करया, अर जेळ म्ह कुहवा खन्दाया के उन ताहीं ल्याओ|

22 पर चमच्यां नै उड़ै पहोचकै उन ताहीं जेळ म्ह कोन्या पाया, अर बोहड़कै संदेशां दिया, 23 "हमनै जेळ ताहीं घणी चौकसी तै भेड़ राख्या था, अर पहरेदारां ताहीं बाहरण दरवाज्यां पै खड़े पायां; पर जिब्ब खोल्या, तो भीत्तर कोए ना मिल्या|" 24 जिब्ब मन्दर के सरदार अर प्रधान याजकां नै या बात सुणी, तो उनकै बाबत घणी फ़िक्र करी के उनका के होया! 25 इतनै म्ह किसे नै आकै उन ताहीं बताया, "देक्खो, जिन ताहीं थमनै जेळ म्ह बन्द कर राख्या था, वे माणस मन्दर म्ह खड़े होकै आदमियां नै उपदेश देण लागरे सैं|" 26 फेर सरदार, चमच्यां कै गेल्या जाकै, उन ताहीं लीआया, पर हांगे तै नीं, क्यूँके वे आदमियां तै डरै थे के कदे म्हारै पै पत्थर ना बरसा देवैं|

27 उन्नै उन ताहीं ल्याकै बड्डी पंचायत कै श्यामी खड़या कर दिया; फेर महायाजक नै उनतै बुझ्झया, 28 "के हमनै थारै ताहीं चिताकै हुक्म नीं दिया था के थम इस नाम तै उपदेश ना करियो? फेरभी देक्खो, थमनै सारे यरूशलेम ताहीं आपणे उपदेश तै भर दिया सै अर उस माणस का लहू म्हारी घेट्टी पै ल्याणा चाहो सो|" 29 फेर पतरस अर दुसरे प्रेरितां नै जबाब दिया, "माणसां के हुक्म तै बढ़कै पणमेशर के हुक्म का पालन करणा ए म्हारा फर्ज सै| 30 म्हारै बाप-दाद्यां कै पणमेशर नै यीशु ताहीं जिन्दा करया, जिस ताहीं थमनै क्रूस पै लटकाकै मार दिया था| 31 उस्से ताहीं पणमेशर नै प्रभु अर उद्धारकर्ता ठहराकै, आपणे सोळे हाथ पै ऊँच्चा करया, के ओ इस्राएलिआं ताहीं मन पलटाण की ताकत अर पापां की माफ़ी देवै| 32 हम इन बात्तां के गवाह सां अर उस्से तरियां पवित्र आत्मा भी, जिस ताहीं पणमेशर नै उन ताहीं दिया सै जो उनका हुक्म मान्नै सै|

33 न्यू सुणकै जळगे, अर उन ताहीं मारणा चाहया| 34 पर गमलीएल नामक एक फरीसी नै जो व्यवस्थापक अर सारे आदमियां म्ह आदर-मान राखै था, अदालत म्ह खड़े होकै प्रेरितां ताहीं माड़ी वार कै खातर बाहरण करण का हुक्म दिया| 35 फेर ओ बोल्या, "हे इस्राएलियों, थम जो कीमे इन माणसां तै करणा चाहवो सो, सोच-समझ कै करणा| 36 क्यूँके इन दिनां तै पहल्या थियूदास यो कहन्दा होया उठ्या, के मै भी कीमे सूं; अर कोए चार सौ माणस उसकै गेल्या हो लिये, पर ओ मारया गया अर जितने आदमी उसनै मान्नै थे, सारे तितर-बित्तर होग्ये अर मिटग्ये| 37 उसकै पाच्छै नाम लिखाई के दिनां म्ह यहूदा गलीली उठ्या, अर कीमे आदमी आपणी ओड़ कर लिये; उसका भी नास होग्या अर जितने आदमी उसनै मान्नै थे, सारे तितर-बित्तर होग्ये| 38 ज्यांतै मै थारै तै कहूँ सूं, इन माणसां तै दूर ए रहो अर इनतै कीमे काम ना राक्खो ; क्यूँके जै यो धर्म या काम माणसां की ओड़ तै हो फेर तो मिट जावैगा; 39 पर जै पणमेशर की ओड़ तै सै, तो थम उन ताहीं कदे भी नीं मिटा सकदे| कदे इसा ना हो के थम पणमेशर तै भी लड़णआळे ठहरो|"

40 फेर उन्नै उसकी बात मान ली; अर प्रेरितां ताहीं बुलाकै छितवाया; अर यो हुक्म देकै छोड़ दिया के यीशु कै नाम तै दुबारा कोए बात ना करणा| 41 वे इस बात तै राज़ी होकै बड्डी पंचायत कै श्यामी तै चले गये, के हम उसकै नाम कै खातर बेईज़त होण कै जोग्गे तो ठहरे| 42 वे हरेक दिन मन्दर म्ह अर घर-घर म्ह उपदेश करण तै, अर इस बात का सुसमाचार सुणान तै के यीशु ए मसीह सै नीं रुके|

सात सेवकां का छाट्या जाणा

6 उन दिनां म्ह जिब्ब चेल्यां की गिणती घणी बधण लाग्गी, फेर यूनानी भाषा बोल्लण आळे इब्रानी भाषा बोल्लण आळयां पै बिरड़ाण लाग्गे, के हरेक दिन की सेविकाई म्ह म्हारी बिधवायाँ की सुध कोनी ली जान्दी| 2 फेर उन बारहां नै चेल्यां के टोळ ताहीं आपणे धोरै बुलाकै कह्या, "न्यू सई कोनी के हम पणमेशर का बचन छोड़कै खिलाण-पिलाण की सेवा म्ह रह्वां|

3 इसकरकै, हे भाईयो, आपणे म्ह तै सात बढ़िया नाम्मी माणसां ताहीं जो पवित्र आत्मा अर बुद्धि तै भरे-पुरे हो, छांट ल्यो, के हम उन्नै इस काम पै ला देवां| 4 पर हम तो प्रार्थना म्ह अर बचन की सेवा म्ह लाग्गे रह्वांगें|" 5 या बात सारे टोळ नै आच्छी लाग्गी, अर उन्नै स्तिफनुस नामक एक माणस ताहीं जो बिश्वास अर पवित्र आत्मा तै भरया-पूरा था, अर फिलिप्पुस, अर प्रुखुरुस, अर नीकानोर, अर तीमोन, अर परमिनास, अर अन्ताकियावासी निकुलाउस ताहीं जो यहूदी मत म्ह आग्या था, छांट लिया| 6 इन ताहीं प्रेरितां कै श्यामी खड़या करया अर उन्नै प्रार्थना करकै उनपै हाथ धरे|

7 पणमेशर का बचन फैलदा गया अर यरूशलेम म्ह चेल्यां की गिणती घणी बढ़दी गई; अर याजकां का एक बड्डा समाज इस मत ताहीं मानणआळा होग्या|

स्तिफनुस की गिरफ्तारी

8 स्तिफनुस अनुग्रह अर सामर्थ तै भरया-पूरा होकै आदमियां म्ह बड्डे-बड्डे अनोक्खे काम अर निशान दिखाया करै था| 9 फेर ओ आराधनालय म्ह तै जो लिबिरतिनों की कुहवावै थीं, अर कुरेनी अर सिकन्दरिया अर किलिकिया अर एशिया के आदमियां म्ह तै कई एक उठकै स्तिफनुस तै बहसण लाग्गे| 10 पर उस ज्ञान अर उस आत्मा का जिसतै ओ बात करै था, वे सामणा नीं कर सके| 11 इस पै उन्नै कई आदमियां ताहीं उकसाया जो कहण लाग्गे, "हमनै इस ताहीं मूसा अर पणमेशर कै बिरोध म्ह बुराई की बात कहन्दे होये सुणया सै|" 12 अर आदमियां अर प्राचीनों अर शास्त्रियों ताहीं भड़काकै चढ़ आये अर उस ताहीं पकड़कै बड्डी पंचायत म्ह लीयाए| 13 अर झूठे गवाह खड़े करे, जिन्नै कह्या, "यो माणस इस पवित्र जंगहा अर व्यवस्था कै बिरोध म्ह बोल्लणा नीं छोड़दा| 14 क्यूँके हमनै उस ताहीं न्यू कहन्दे सुणया सै के योए यीशु नासरी इस जंगहा नै गेर देवैगा, अर उन रिवाज़ां नै बदल देवैगा जो मूसा नै म्हारै ताहीं सौंपी सै|" 15 फेर सारे आदमियां नै बड्डी पंचायत म्ह बैट्ठे थे, उस पै निगांह गड़ाई तो उसका मुँह सुर्गदुत जिसा दिख्या|

स्तिफनुस का भाषण

7 फेर महायाजक नै कह्या, "के ये बात साच्ची सैं?" 2 स्तिफनुस बोल्या, "हे भाईयो, अर पितरो सुणो| म्हारा बाप अब्राहम हारान म्ह बसण तै पहल्या जिब्ब मेसोपोटामिया म्ह था, तो तेजोमय पणमेशर नै उस ताहीं दर्शन दिया, 3 अर उसतै बोल्या, 'तू आपणे देश अर आपणे कुन्बे म्ह तै लिकड़कै उस देश म्ह जा, जिस ताहीं मै तन्नै दिखाऊँगा|' 4 फेर ओ कसदियो के देश तै लिकड़कै हारान म्ह जा बसया| उसकै बाप की मौत कै पाच्छै पणमेशर नै उस ताहीं ओड़ै तै इस देश म्ह ल्याकै बसाया जिसम्ह इब थम बसों सो, 5 अर उस ताहीं कीमे वसीयत बल्के पैर धरण भर की भी उसम्ह जंगहा कोनी देई, पर प्रण करया के मै यो देश तेरै अर तेरै बाद तेरै बंश कै हाथ कर द्यूँगा; हालाकि उस टेम उसकै कोए बेट्टा कोनी था| 6 अर पणमेशर नै न्यू कह्या, 'तेरी ऊलाद के आदमी पराये देश म्ह परदेशी होवैगें, अर वे उन्नै नौकर बणावैगें अर चार सौ साल ताहीं दुःख देवैगें|' 7 फेर पणमेशर नै कह्या, 'जिस जात के वे नौकर होवैंगें, उस ताहीं म्ह सजा देऊँगा, अर इसकै बाद वे लिकड़कै इस्से जंगहा मेरी सेवा करैंगें|' 8 अर उसनै उसतै खतनै की वाचा बाँधी; अर इस्से हालात म्ह इसहाक उसतै पैदा होया अर आंठ्वै दिन उसका खतना करया गया; अर इसहाक तै याकूब अर याकूब तै बारहां कुलपति पैदा होए|

9 "कुलपतियां नै यूसुफ तै जळण करकै उस ताहीं मिस्र देश जाण आळयां ताहीं बेच्या| पर पणमेशर उसकै गेल्या था, 10 अर उस ताहीं उसके सारे क्लेशां तै छुटाकै मिस्र कै राजा फिरौन की निगांह म्ह अनुग्रह अर बुद्धि प्रदान करी, अर उसनै उस ताहीं मिस्र पै अर आपणे सारे घर पै हाकिम लगा दिया| 11 फेर मिस्र अर कनान के सारे देश म्ह अकाल पड़या, जिसतै भारया क्लेश होया, अर म्हारे बाप-दाद्यां ताहीं अन्न कोनी मिलै था| 12 पर याकूब नै न्यू सुणकै के मिस्र म्ह नाज सै, म्हारे बाप-दाद्या ताहीं पहल्ड़ी बर खन्दाया| 13 दूसरी बै यूसुफ नै खुद ताहीं आपणे भाईया पै प्रगट करया अर यूसुफ की जात फिरौन नै बेरा पाटगी| 14 फेर यूसुफ नै आपणे बाप याकूब अर आपणे

साबतै कुन्बे ताहीं, जो पचत्तर माणस थे, बुलवा भेज्या| 15 फेर याकूब मिस्र
गया; अर ओड़ै ओ अर म्हारे बाप-दादे मरग्ये| 16 उनकी लाश शकेम म्ह
पहूँचाकै उस कब्र म्ह धरे गये, जिस ताहीं अब्राहम नै चाँदी देकै शकेम म्ह
हमोर की ऊलाद तै मोल लिया था|
17 "पर जिब्ब उस वादै के पुरे होण का टेम लवै आया जो पणमेशर नै
अब्राहम तै करी थी, तो मिस्र म्ह वे आदमी बढ़ग्ये अर घणे होग्ये| 18 फेर
मिस्र म्ह दूसरा राजा होया जो यूसुफ ताहीं कोनी जाणै था| 19 उसनै म्हारी
जात तै हेरा-फेरी करकै म्हारे बाप-दाद्या कै गेल्या उरै ताहीं भुंडा बीवार
करया, के उन्नै आपणे बाळकां ताहीं बगाणा पड़या के वे जिन्दे ना रहवैं|
20 उस टेम मूसा पैदा होया| ओ पणमेशर की निगांह घणा म्ह सुथरा था| ओ
तीन महीने ताहीं आपणे बाप कै घरा पाळ्या गया| 21 जिब्ब बगा दिया तो
फिरौन की बेट्टी नै उस ताहीं ठा लिया, अर आपणा बेट्टा करकै पाळ्या|
22 मूसा नै मिस्रियां की सारी बिद्या पढाई गई, अर ओ बचन अर कर्म म्ह,
दोनुआ म्ह सामर्थी था|
23 "जिब्ब ओ चालीस साल का होया, तो उसकै मन म्ह आया के मै
आपणे इस्राएली भाईयां तै फेट्टू| 24 उसनै एक माणस पै जुल्म होंदे देखकै
उस ताहीं बचाया, अर मिस्री ताहीं मार कै सताए होए का बदला लिया|
25 उसनै सोच्या के उसके भाई समझैंगें के पणमेशर उसके हाथां तै उनका
उद्धार करैगा, पर उन्नै कोनी समझया| 26 दुसरे दिन जिब्ब वे आपस म्ह लड़ै
थे, तो ओ उड़ै तै आण लिकड़या; अर न्यू कहकै उन्नै मेल करण कै खातर
समझाया, 'हे माणसो, थम तो भाई-भाई सो, एक दुसरे पै क्यांतै जुल्म करो
सो?' 27 पर जो आपणे पड़ोसी पै जुल्म करै था, उसनै उस ताहीं न्यू कहकै
हटा दिया, 'तेरै ताहीं किसनै म्हारै पै हाकिम अर जज ठहराया सै? 28 के
जिस ढाळ तै तन्नै काल मिस्री ताहीं मार दिया मन्नै भी मार देणा चाहवै सै?'
29 या बात सुणकै मूसा भाज्या अर मिधान देश म्ह परदेशी होकै रहण लाग्या,
अर ओड़ै उसके दो बेट्टे पैदा होए|
30 "जिब्ब पुरे चालीस साल बीतगे, तो एक सुर्गदुत ने सिनै पहाड़ के बण
म्ह उस ताहीं बळदी होई झाड़ी की ज्वाला म्ह दर्शन दिया| 31 मूसा नै यो
दर्शन देखकै हैरानी होई, अर जिब्ब देखण खातर लवै गया, तो प्रभु का शब्द
होया, 32 'मै तेरै बाप-दाद्या, अब्राहम, इसहाक, याकूब का पणमेशर सूं,' फेर
मूसा कांम्बग्या, उरै ताहीं के उसनै देखण की हिम्मत भी कोनी होई| 33 फेर
प्रभु नै उसतै कह्या, 'आपणे पायां तै जुत्ते उत्तार ले, क्यूँके जिस जंगहा तू
खड़्या सै, वा पवित्र धरती सै| 34 मन्नै साच्चे आपणे आदमियां की जो मिस्र
म्ह सै, भुन्डी हालत देक्खी सै; अर उनकी आह अर उनका रोणा सुणया सै;
ज्यांतै उन ताहीं छुटाण कै खातर उत्तरया सूं| इब आ, मै तन्नै मिस्र
खन्दाऊँगा|'
35 "जिस मूसा ताहीं उन्नै न्यू कहकै नाट दिया था, 'तेरै ताहीं किसनै म्हारै
पै हाकिम अर जज ठहराया सै?' उस्से ताहीं पणमेशर नै हाकिम अर
छुटाणआळा ठहराकै उस सुर्गदुत के जरिये जिसनै उस ताहीं झाड़ी म्ह दर्शन
दिया था, खन्दाया| 36 योए माणस मिस्र अर लाल समुन्दर अर जंगळ म्ह
चालीस साल ताहीं अनोक्खे काम अर निशान दिखा-दिखाकै उन ताहीं
लिकाड़ ल्याया| 37 यो ओए मूसा सै, जिसनै इस्राएलियां तै कह्या, 'पणमेशर
थारै भाईयां म्ह तै थारै खातर मेरै जिसा एक नब्बी ठावैगा|' 38 यो ओए सै,
जिसनै जंगळ म्ह कलीसिया कै बिच्चाळै उस सुर्गदुत कै गेल्या सिनै पहाड़ पै
उसतै बात करी अर म्हारे बाप-दाद्या कै गेल्या था, उस्से ताहीं जिन्दा बचन
मिल्या के म्हारै ताहीं पहोचाए| 39 पर म्हारे बाप-दाद्यां उसकी मानणी कोनी
चाह्ही, बल्के उस ताहीं हटाकै आपणे मन मिस्र की ओड़ पलटे, 40 अर
हारून तै कह्या, 'म्हारै खातर इसे देवते बणा, जो म्हारै आगै-आगै चाल्लै,
क्यूँके यो मूसा जो हमनै मिस्र देश तै लिकाड़ ल्याया, हमनै नीं बेरा के उसकै
के होया?' 41 उन दिनां म्ह उन्नै एक बछड़ा बणा कै उस ताहीं मूर्ति कै आगै
बलि चढाई, अर आपणे हाथां के काम्मां म्ह मग्न होण लाग्गे| 42 आखर
पणमेशर नै मुँह मोड़कै उन ताहीं छोड़ दिया, के अकास गण ताहीं पुजै,
जिसा नब्बियाँ की किताब म्ह लिख्या सै, 'हे इस्राएल के घराने, के थम
जंगळ म्ह चालीस साल ताहीं पशुबलि अर अन्नबलि मेरै ताहीं ए चढान्दे रहे?
43 थम मोलेक के तम्बू अर रिफान देवता, के तारे ताहीं लेकै हांडो थे,
यानिके उन मूर्ता ताहीं जिन ताहीं थमनै मुद्दा पड़कै प्रणाम करण कै खातर
बणाया था| आखर म्ह मै थारै ताहीं बेबीलोन तै परली ओड़ ले जाकै
बसाऊँगा|'
44 "साक्षी का तम्बू जंगळ म्ह म्हारै बाप-दाद्या कै बिच्चाळै था, जिसा उसनै
ठहराया जिसनै मूसा तै कह्या, 'जो रूप तन्नै देख्या सै, उसकै मुताबिक इसनै
बणा|' 45 उस्से तम्बू नै म्हारे बाप-दादे पाच्छले टेम तै पाकै यहोशू कै गेल्या
उरै लीयाये; जिस टेम के उन्नै उन गैर-जात्तां पै हक्क पाया, जिन ताहीं
पणमेशर नै म्हारै बाप-दाद्या कै श्यामी तै लिकाड़ दिया, अर ओ तम्बू दाऊद
के टेम ताहीं रहया| 46 उसपै पणमेशर नै अनुग्रह करया, आखर म्ह उसनै
बिनती करी के ओ याकूब कै पणमेशर कै खातर रहण की जंगहा बणावै|
47 पर सुलैमान नै उसकै खातर घर बणाया| 48 पर परम प्रधान हाथ के
बणाए होये घरा म्ह कोनी रहन्दा, जिसा के नब्बियाँ नै कह्या, 49 'प्रभु कहवै
सै, सुर्ग मेरा सिंहासन अर धरती मेरी पायां तळै की पटड़ी सै, मेरै खातर थम
किस ढाळ का घर बणाओगे? अर मेरै आराम का कौण-सी जंगहा होवैगी?
50 के ये सारी चीज मेरे हाथां की बणाई होड़ नीं सै?'
51 "हे जिद्दी, अर मन अर कान के खतनारहित आदमियो, थम सारी हाण
पवित्र आत्मा का बिरोध करो सो| जिसा थारे बाप-दादे करै थे, उस्से तरियां
ए थम भी करो सो| 52 नब्बियाँ म्ह तै किस ताहीं थारे बाप-दाद्या नै नीं
सताया? उन्नै उस धर्मी के आण का पाच्छले टेम का संदेशां देण आळयां
ताहीं मार दिया; अर इब थम भी उसके पकड़वाण आळे अर मारण आळे
होये| 53 थमनै सुर्गदुत्तां कै जरिये ठहराई होये व्यवस्था तो पाए, पर उसका
पाल्लन कोनी करया|"

स्तिफनुस पै पथराव

54 ये बात सुणकै वे जळगे अर उस पै दाँत पिस्सण लाग्गे| 55 पर उसनै
पवित्र आत्मा तै पूरी तरियां भरकै सुर्ग की ओड़ देख्या अर पणमेशर की
महिमा ताहीं अर यीशु नै पणमेशर के सोळी ओड़ खड़्या देखकै 56 कह्या,
"देक्खो, मै सुर्ग नै खुल्या होया, अर माणस के बेट्टे ताहीं पणमेशर कै सोळी
ओड़ खड़्या देखु सूं|" 57 फेर उन्नै ठाड्डू आवाज म्ह किलकी मारकै कान मूंद
लिए, अर एक सेत्ती उस पै झपटे; 58 अर उस ताहीं नगर कै बाहरण
लिकाड़कै उसपै पत्थर बरसाण लाग्गे| गवाहां नै आपणे लत्ते शाऊल नामक
एक गाबरू कै पायां कै धोरै उतार कै धर दिए| 59 वे स्तिफनुस पै पत्थर
बरसान्दे रहे, अर ओ न्यू कहकै प्रार्थना करदा रह्या, "हे प्रभु यीशु, मेरी
आत्मा ताहीं अपणा ले|" 60 फेर गोड्डे टेककै ठाड्डू आवाज म्ह रूक्का मारया,
"हे प्रभु, यो पाप उनपै मतना ला|" अर न्यू कहकै ओ सोग्या|

कलीसिया पै अत्याचार

8 शाऊल उसकै मारण म्ह सहमत था| उस्से दिन यरूशलेम की
कलीसिया म्ह घणा रोळा सरू होग्या अर प्रेरितां नै छोड़ कै सारे के
सारे यहूदिया अर सामरिया देशां म्ह खिंड-मिंड होग्ये| 2 कुछ भगतां नै
स्तिफनुस ताहीं कब्र म्ह धरया अर उसकै खातर घणा बिलाप करया|
3 शाऊल कलीसिया नै उजाड़ण लागरया था; अर घर-घर म्ह बड़कै माणसां
अर लुगाईयां ताहीं घिसटा-घिसटाकै जेळ म्ह गेरै था|

सामरिया म्ह फिलिप्पुस का प्रचार

4 जो खिंड-मिन्ड होए थे, वे सुसमाचार सुनान्दे होये हान्डे; 5 अर
फिलिप्पुस सामरिया नगर म्ह जाकै माणसां म्ह मसीह का प्रचार करण
लाग्या| 6 जो बात फिलिप्पुस नै कहीं उन ताहीं आदमियां नै सुणकै अर जो
निशान ओ दिखावै था उन ताहीं देख देखकै, एक चित्त होकै मन ल्याया|
7 क्यूँके घण-खरयां म्ह तै भुंडी आत्मां ठाड्डू आवाज म्ह किलकी मारदी होई
लिकड़ग्यी, अर घण-खरे लकवे के बीमार अर लंगड़े भी ठीक करे गये; 8 अर
उस नगर म्ह घणी ख़ुशी मनाई गई|

जादूगर शमौन

9 इसतै पहल्या उस नगर म्ह शमौन नामका का एक माणस था, जो जादू-
टोना करकै सामरिया के आदमियां नै हैरान करदा अर खुद ताहीं एक बड्डा

माणस बतावै था| 10 छोट्या तै लेकै बड्डया ताहीं सारे उसका आदर करकै
कहवै थे, "यो माणस पणमेशर वा ताकत सै, जो महान कुहवावै सै|"
11 उसनै घणे दिनां तै उन ताहीं आपणे जादू के काम्मां तै हैरान कर राख्या
था, ज्यांतै वे उसकी घणी मान्नै थे| 12 पर जिब्ब उन्नै फिलिप्पुस का बिश्वास
करया जो पणमेशर के राज्य अर यीशु के नाम का सुसमाचार सुणावै था तो
आदमी, के माणस, के लुगाई, बपतिस्मा लेण लाग्गे| 13 फेर शमौन नै खुद
भी बिश्वास करया अर बपतिस्मा लेकै फिलिप्पुस कै गेल्या रहण लाग्या| ओ
निशान अर बड्डे-बड्डे सामर्थ के काम होंदे देखकै हैरान होवै था|

सामरिया म्ह पतरस अर युहन्ना

14 जिब्ब प्रेरितां नै जो यरूशलेम म्ह थे, सुणया के सामरियो नै पणमेशर
का बचन मान लिया सै तो पतरस अर युहन्ना ताहीं उनकै धोरै खन्दाया|
15 उन्नै जाकै उनकै खातर प्रार्थना करी के पवित्र आत्मा पावै| 16 क्यूँके ओ
इब ताहीं इनम्ह तै किसे पै भी कोनी उतरया था; उन्नै तो सिर्फ प्रभु यीशु कै
नाम तै बपतिस्मा लिया था| 17 फेर उन्नै उनपै हाथ धरे अर उन्नै पवित्र
आत्मा पाया| 18 जिब्ब शमौन नै देख्या के प्रेरितां कै हाथ धरण तै पवित्र
आत्मा दिया जावै सै, तो उनकै धोरै रपिये ल्याकै कह्या, 19 "यो हक्क मन्नै भी
द्यो, के जिस किसे पै हाथ धरूँ ओ पवित्र आत्मा पावै|" 20 पतरस नै उसतै
कह्या, "तेरे रपिये तेरै गेल्या नास होज्या, क्यूँके तन्नै पणमेशर का दान रपिया
तै मोल लेण का बिचार करया| 21 इस बात म्ह ना तेरा बान्डा सै, ना भाग;
क्यूँके तेरा मन पणमेशर कै आगै सीधा कोनी| 22 इसकरकै आपणी इस
बुराई तै मन पलटाकै प्रभु तै प्रार्थना कर, हो सकै सै तेरे मन का बिचार माफ़
करया जावै| 23 क्यूँके मै देक्खूँ सूं के तू पित्त जिसी कड़वाहट अर अधर्म कै
बन्धन म्ह पड़या सै|" 24 शमौन नै जबाब दिया, "थम मेरै खातर प्रभु तै
प्रार्थना करो के जो बात थमनै कहीं, उनम्ह तै कोए भी मेरै पै नीं आवै|"
25 आखर म्ह वे गवाही देकै प्रभु का बचन सुणाकै यरूशलेम नै बोहड़गे,
अर सामरिया के घण-खरे गाम्मां म्ह सुसमाचार सुणान्दे गये|

फिलिप्पुस अर कूश देश का अधिकार

26 फेर प्रभु कै एक सुर्गदुत नै फिलिप्पुस तै कह्या, "उठ अर दक्षिण की
ओड़ उस राह पै जा, जो यरूशलेम तै गाज़ा नै जावै सै|" यो रेगिस्तानी राह
सै| 27 ओ उठकै चाल दिया, अर देक्खो, कूश देश का एक माणस आण
लागरया था जो खोजा अर कूशियों की रानी कन्दाके का मंत्री अर खजांची
था| ओ आराधना करण नै यरूशलेम म्ह आया था| 28 ओ आपणे रथ पै
बैठ्या होया था, अर यशायाह नब्बी की किताब पढ़दा होया बोहड़ण लागरया
था| 29 फेर आत्मा नै फिलिप्पुस ताहीं कह्या, "लोवै जाकै इस रथ कै गेल्या
हो ले|" 30 फिलिप्पुस उसकी ओड़ भाज्या अर उस ताहीं यशायाह नब्बी की
किताब पढ़दे होये सुणया, अर बुझ्झया, "तू जो पढ़ै सै के उसनै समझै भी
सै?" 31 ओ बोल्या, "जिब्ब ताहीं कोए मेरै ताहीं नीं समझावै तो मै किस ढाळ
समझूँ|" अर फिलिप्पुस तै बिनती करी के ओ चढ़कै उसकै धोरै बैड्डै|
32 पवित्र ग्रन्थ का जो पाठ ओ पढ़ै था, ओ यो था : "ओ भेड़ की ढाळ मारण
खातर पहोचाया गया, अर जिस तरियां मेमना आपणे ऊन काट्टण आळयां कै
श्यामी बोल-बाल्ला रहवै सै, उस्से तरियां ए उसनै भी आपणा मुँह कोनी
खोल्या| 33 उसकी दीनता म्ह उसका न्याय कोनी होण पाया| उसकै टेम के
माणसां का ब्यौरा कौण देवैगा? क्यूँके धरती तै उसका प्राण ठा लिया जावै
सै|"
34 इस पै खोजे नै फिलिप्पुस तै बुझ्झया, "मै तेरै तै बिनती करूँ सूं, न्यू
बता के नब्बी यो किसकै बारै म्ह कहवै सै, आपणे या किसे दुसरे कै बारै
म्ह?" 35 फेर फिलिप्पुस नै आपणा मुँह खोल्या, अर इस्से ग्रन्थ तै सरू करकै
उस ताहीं यीशु का सुसमाचार सुणाया| 36 राह म्ह चाल्दे-चाल्दे वे किसे
पाणी की जंगहा पहोच्चे| फेर खोजे नै कह्या, "लखा उरै पाणी सै, इब मन्नै
बपतिस्मा लेण म्ह के रोक सै|" 37 फिलिप्पुस बोल्या, "जै तू साबते मन तै
बिश्वास करै सै तो ले सकै सै| उसनै जबाब दिया, "मै बिश्वास करूँ सूं के
यीशु मसीह पणमेशर का बेट्टा सै|" 38 फेर उसनै रथ खड़या करण का हुक्म
दिया, अर फिलिप्पुस अर खोजा दोन्नु पाणी म्ह बड़गे, अर उसनै खोजा ताहीं
बपतिस्मा दिया| 39 जिब्ब वे पाणी म्ह तै लिकड़कै ऊपराण आये, तो प्रभु
का आत्मा फिलिप्पुस ताहीं ठा लेग्या, अर खोजे नै उस ताहीं दुबारा नीं
देख्या, अर ओ राज़ी होकै आपणी राह हो लिया| 40 फिलिप्पुस अशदोद म्ह
आ लिकड़या, अर जिब्ब ताहीं कैसरिया म्ह नीं पहोच्या, जिद ताहीं नगर-
नगर सुसमाचार सुणान्दा गया|

शाऊल का हृदय-परिवर्तन

9 शाऊल जो इब ताहीं प्रभु के चेल्यां ताहीं धमकाण अर मारण की धुन
म्ह था, महायाजक कै धोरै गया 2 अर उसतै दमिश्क के आराधनालयां
कै नाम पै इस बाबत म्ह चिट्ठियाँ माँगी के, के माणस के लुगाई, जिन्नै ओ इस
पंथ पै पावै उन ताहीं जुड़कै यरूशलेम लियावै| 3 पर चाल्दे-चाल्दे जिब्ब ओ
दमिश्क कै लोवै पहोच्या, तो चाणचक अकास तै उसकै चोगरदे नै चाँदणा
चमक्या, 4 अर ओ धरती पै पड़ग्या अर यो शब्द सुणया, "हे शाऊल, हे
शाऊल, तू मन्नै क्यांतै सतावै सै?" 5 उसनै बुझ्झया, "हे प्रभु, तू कौण सै?"
उसनै कह्या, "मै यीशु सूं, जिस ताहीं तू सतावै सै| 6 पर इब उठकै नगर म्ह
जा, अर जो तन्नै करणा सै ओ तेरै तै कहया जावैगा|" 7 जो माणस उसकै
गेल्या थे, वे हैरान रहग्ये; क्यूँके बोल तो सुणै थे पर किस्से ताहीं देखै कोनी
थे| 8 फेर शाऊल धरती पै तै उठ्या, पर जिब्ब आँख खोल्ली तो उस ताहीं
किम्मे कोनी दिख्या, अर वे उसका हाथ पकड़कै दमिश्क म्ह ले गये| 9 ओ
तीन दिन ताहीं कोनी देख सक्या, अर ना खाया अर ना पीया|
10 दमिश्क म्ह हनन्याह नामक एक चेल्ला था, उसतै प्रभु नै दर्शन म्ह कह्या,
"हे हनन्याह!" वो बोल्या, "हाँ, प्रभु!" 11 फेर प्रभु नै उसतै कह्या, "उठकै उस
गळी म्ह चल्या जा जो 'सीधी' कुहवावै सै, अर यहूदा कै घर म्ह शाऊल
नामक एक तरसुसवासी नै बुझ; क्यूँके देख, ओ प्रार्थना करण लागरया सै,
12 अर उसनै सपने म्ह हनन्याह नामक एक माणस ताहीं भीत्तर आंदे अर
आपणे ऊप्पर हाथ धरदे देख्या सै; ताके दुबारा दृष्टि पावै|" 13 हनन्याह नै
जबाब दिया, "हे प्रभु, मन्नै इस माणस कै बारै म्ह घणाए तै सुणया सै के इसनै
यरूशलेम म्ह तेरै आदमियां गेल्या बड्डी-बड्डी बुराई करी सै; 14 अर उरै भी
इस ताहीं प्रधान याजकां की ओड़ तै हक्क मिल्या सै के जो माणस तेरा नाम
लेवै सै, उन सारया नै जुड़ ले|" 15 पर प्रभु नै उसतै कह्या, "तू चल्या जा;
क्यूँके ओ तो गैर-जात्तां अर राजाओं अर इस्राएलियों कै श्यामी मेरा नाम
प्रगट करण कै खातर छांटया होया पात्र सै| 16 अर मै उसनै बताऊँगा के मेरै
नाम कै खातर उसनै किसा-किसा दुःख ठाणा पड़ैगा|" 17 फेर हनन्याह
उठकै उस घर म्ह गया, अर उसपै आपणा हाथ धरकै कह्या, "हे भाई
शाऊल, प्रभु, यानिके यीशु, जो उस राह म्ह, जिसतै तू आया तेरै ताहीं
दिखया था, उस्से नै मेरै ताहीं खन्दाया सै के तू दुबारा दृष्टि पावै अर पवित्र
आत्मा तै भरया-पूरा हो जावै|" 18 अर जिब्बे उसकी आँखां तै छिल्के-से पड़े
अर ओ देखण लाग्या, अर उठकै बपतिस्मा लिया; 19 फेर खाणा खाकै
हिम्मत पायी|

दमिश्क म्ह शाऊल का प्रचार

ओ कई दिन उन चेल्यां कै गेल्या रहया जो दमिश्क म्ह थे| 20 अर ओ
जिब्बे आराधनालयां म्ह यीशु का प्रचार करण लाग्या के ओ पणमेशर का
बेट्टा सै| 21 सारे सुनण आळे हैरान होकै कहण लाग्गे, के यो ओए माणस नीं
सै जो यरूशलेम म्ह उन ताहीं जो यीशु का नाम नै लेवैं थे, उनका नास
करया करै था; अर उरै भी इस्से खातर आया था के उन्नै जुड़कै प्रधान
याजकां कै धोरै ले जावै?" 22 पर शाऊल और भी सामर्थी होंदा गया, अर
इस बात का सबूत दे-देकै के मसीह यीशु-ए सै, दमिश्क के रहणीये यहूदिया
का मुँह बन्द करदा रहया|
23 जिब्ब घणे दिन बीतगे, तो यहूदिया नै मिलकै उस ताहीं मारण की
साजस रची| 24 पर उनकी साजस का शाऊल नै बेरा पाट्ग्या| वे तो उसनै
मारण खातर रात-दिन फाटकां पै दाव् म्ह लाग्गे रहवैं थे| 25 पर रात नै
उसके चेल्यां नै उस ताहीं टोकरे म्ह बिठाया, अर शहरपनाह पै तै लटकाकै
उतार दिया|

यरूशलेम म्ह शाऊल

26 यरूशलेम म्ह पहोचकै उसनै चेल्यां कै गेल्या मिल जाण की कोशिश
करी; पर सारे उसतै डरै थे, क्यूँकै उन्नै बिश्वास कोनी होवै था, के ओ भी
चेल्ला सै| 27 पर बरनबास नै उस ताहीं आपणे गेल्या प्रेरितां कै धोरै ले जाकै
उन ताहीं बताया के इसनै किस ढाळ तै राह म्ह प्रभु ताहीं देख्या, अर यीशु
नै इसतै बात करी; फेर दमिश्क म्ह इसनै किस तरियां ढेठ तै यीशु कै नाम
का प्रचार करया| 28 ओ उनकै गेल्या यरूशलेम म्ह आन्दा-जान्दा रहया
29 अर बेधड़क होकै प्रभु का नाम तै प्रचार करै था; अर यूनानी भाषा
बोल्लणआळे यहूदियां कै गेल्या बोलचाल अर बहस करै था; पर वे उसनै
मारण की कोशिश करण लाग्गे| 30 न्यू जाणकै भाई उस ताहीं कैसरिया ली
आये, अर तरसुस नै खन्दा दिया| 31 इस तरियां सारे यहूदिया, अर गलील,
अर सामरिया म्ह कलीसिया नै चैन मिल्या, अर उसकी बढोत्तरी होन्दी गई;
अर वा प्रभु कै भय अर पवित्र आत्मा की शान्ति म्ह चाल्दी अर बढ़दी गई|

लुद्दा अर याफा म्ह पतरस

32 फेर इसा होया के पतरस हरेक जंगहा हांडदा होया, उन पवित्र
आदमियां कै धोरै भी पहोच्या जो लुद्दा म्ह रहवैं थे| 33 ओड़ै उसनै एनियास
नामक लकवे का रोगी एक माणस मिल्या, जो आठ साल तै खाट पै पड़या
था| 34 पतरस नै उसतै कह्या, "हे एनियास! यीशु मसीह तन्नै चंगा करै सै|
उठ, आपणा बिछाणा ठा|" फेर ओ जिब्बे उठ खड़या होया| 35 फेर लुद्दा
अर शारोन के सारे रहणीये उस ताहीं देख कै प्रभु की ओड़ फिरे|
36 याफा म्ह तबीता यानिके दोरकास नामक एक बिश्वासण रहवै थी| वा
घणे भले-भले काम अर दान करया करै थी| 37 उन्ने दिनां म्ह वा बीमार होकै
मरग्यी; अर उन्नै उस ताहीं नुह्वाकै चुबारै पै धर लिया| 38 इसकरकै के लुद्दा
याफा कै लोवै था, चेल्यां नै न्यू सुणकै पतरस ओड़ै सै, दो माणस खन्दाकै
उसतै बिनती करी, "म्हारै धोरै आण म्ह वार ना लावै|" 39 फेर पतरस उठकै
उसकै गेल्या हो लिया, अर जिब्ब ओ पहोच्या तो वे उसनै उस चोबरै म्ह ले
गये| सारी बिधवां रोंदी होई उसकै धोरै आण खड़ी होई, अर जो कुरते अर
लत्ते दोरकास नै उनकै गेल्या रहंदे होये बणाए थे, दिखाण लाग्गीं| 40 फेर
पतरस नै सारया ताहीं बारहण कर दिया, अर गोड्डे टेक कै प्रार्थना करी अर
लाश की ओड़ लखाकै कह्या, "हे तबीता, उठ!" फेर उसनै आपणी आँख
खोल दीं; अर पतरस ताहीं देखकै उठ बैट्ठी| 41 उसनै हाथ देकै उस ताहीं
ठाया, अर पवित्र आदमी अर बिधवायां ताहीं बुलाकै उस ताहीं जिन्दा दिखा
दिया| 42 या बात साब्बत याफा म्ह फैलग्यी; अर घण-खरया नै प्रभु पै
बिश्वास करया| 43 अर पतरस याफा म्ह शमौन नामक किसे चमड़े का धन्धा
करणीये कै उरै घणे दिनां ताहीं रहया|

कुरनेलियुस का पतरस ताहीं बुलवाणा

10 कैसरिया म्ह कुरनेलियुस नाम का एक माणस था, जो इतालियानी
नामक फ़ौज का सरदार था| 2 ओ भगत था, अर आपणे साब्ते
कुन्बे सुदा पणमेशर तै डरै था, अर यहूदी आदमियां ताहीं घणा दान देवै था,
अर बराबर पणमेशर की प्रार्थना करै था| 3 उसनै दिन कै तीसरे पहर कै
लोवै दर्शन म्ह साफ़ तौर तै देख्या के पणमेशर का एक सुर्गदुत उसकै धोरै
भीत्तर आकै कह्वै सै, "हे कुरनेलियुस!" 4 उसनै उस ताहीं गौर तै देख्या अर
डरकै कह्या, "हे प्रभु, के सै?" उसनै उसतै कह्या, "तेरी प्रार्थनाएँ अर तेरे दान
याद कै खातर पणमेशर कै श्यामी पहोच्चे सै; 5 अर याफा म्ह माणस खन्दाकै
शमौन नै, जो पतरस कुहवावै सै, बुलवा ले| 6 ओ शमौन, चमड़े का धन्धा
करण आळे कै उरै मेहमान सै, जिसका घर समुन्दर कै कंठारै सै|" 7 जिब्ब
ओ सुर्गदुत जिसनै उसतै बात करी थीं चल्या गया, तो उसनै दो नौकर, अर
जो उसकै लवै हाजिर रहया करै थे उनम्ह तै एक भगत सिपाही ताहीं
बुलाया, 8 अर उन ताहीं सारी बात बताकै याफा की ओड़ खन्दाया|

पतरस का दर्शन

9 दुसरै दिन जिब्ब वे चाल्दे-चाल्दे नगर कै धोरै पहोच्चे, तो दोफारी कै लवै
पतरस छात पै प्रार्थना करण चढ़या| 10 उसनै भूख लाग्गी अर कुछे खाणा
चाहवै था, पर जिब्ब वे त्यारी करै थे तो ओ बेसुध होग्या; 11 अर उसनै
देख्या, के अकास खुलग्या; अर एक पात्र बड्डी चाद्दर की तरियां च्यारू
कुणयां तै लटकदा होया, धरती की ओड़ उतरै सै| 12 जिस म्ह धरती के
सारे ढाळ के चौपाए अर रेंगनेआळे जिनोर अर अकास के पंछी थे| 13 उसनै
एक इसा बोल सुणया, "हे पतरस उठ, मार अर खा|" 14 पर पतरस नै कह्या,
"ना प्रभु, कती भी नीं; क्यूँके मन्नै कदे कोए अपवित्र चीज नीं खाई सै|"
15 फिर दूसरी बर उस ताहीं बोल सुणाई दिया. "जो किम्मे पणमेशर नै शुद्ध
ठहराया सै, उस ताहीं अशुद्ध मतना कह्वै|" 16 तीन बर इस तरियां ए होया;
फेर जिब्बे ओ पात्र अकास म्ह ठा लिया गया|
17 जिब्ब पतरस आपणे मन म्ह दुबिध्या म्ह था, के यो दर्शन जो मन्नै
देख्या ओ के हो सकै सै, तो देक्खो, वे माणस जिन ताहीं कुरनेलियुस नै
खन्दाया था, शमौन कै घर का पता लगाकै दरवाजे पै आण खड़े होए, 18 अर
रुक्का मारकै बुझ्झण लाग्गे, "के शमौन जो पतरस कुहवावै सै, याड़ै ए मेहमान
सै?" 19 पतरस तो उस दर्शन पै सोचण ए लागरया था, के आत्मा नै उसतै
कह्या, "देख, तीन माणस तेरी टोह म्ह सै| 20 आखर उठकै तळै जा, अर
निसंकोच उनकै गेल्या हो ले; क्यूँके मन्नै ए उन ताहीं खन्दाया सै|" 21 फेर
पतरस नै उतरकै उन माणसां ताहीं कह्या, "देक्खो, जिसकी टोह म्ह थम
सो, ओ मै सूं| थारै आण का के कारण सै?" 22 वे बोल्ले, "कुरनेलियुस
सूबेदार जो धर्मी अर पणमेशर तै डरणआळा अर सारी यहूदी जात म्ह नाम्मी
माणस सै, उसनै एक पवित्र सुर्गदुत तै यो निर्देश पाया सै के तेरै ताहीं आपणे
घरा बुलाकै तेरै तै बचन सुणै|" 23 फेर उसनै उन ताहीं भीत्तर बुलाकै
उनकी पहुनाई करी|

कुरनेलियुस कै घर म्ह पतरस

दुसरे दिन ओ उनकै गेल्या गया, अर याफा के भाईयां म्ह तै कीमे उसकै
गेल्या हो लिए| 24 दुसरे दिन वे कैसरिया पहोच्चे, अर कुरनेलियुस आपणे
कुन्बे आळयां अर प्यारे ढब्बियाँ ताहीं कट्ठा करकै उनकी बाट देखै था|
25 जिब्ब पतरस भीत्तर आवै था, तो कुरनेलियुस उसतै फेट्या, अर उसकै
पायां म्ह पड़कै उस ताहीं प्रणाम करया; 26 पर पतरस नै उस ताहीं ठा कै
कह्या, "खड़या हो, मै भी तो माणस सूं|" 27 अर उसकै गेल्या बतळान्दा
भीत्तर गया, अर घणे आदमियां ताहीं कट्ठे देखकै 28 उनतै कह्या, "थमनै बेरा
सै के गैर-जात तै संगति करणा या उसकै उरै जाणा यहूदी कै खातर अधर्म
सै, पर पणमेशर नै मेरै तै बताया सै के किसे माणस ताहीं अपवित्र या अशुद्ध
ना कहूँ| 29 ज्यांतै मै जिब्ब बुलाया गया तो बिना कीमे कहे चल्या आया|
इब मै बुझ्झु सूं के मेरै ताहीं किस काम कै खातर बुलाया गया?"
30 कुरनेलियुस बोल्या, "इस्से घड़ी, पुरे चार दिन होये, मै आपणे घर म्ह
तीसरे पहर प्रार्थना करण लागरया था; तो एक माणस चमकीला बाणा पहरे
होये, मेरै श्यामी आंण खड़या होया 31 अर कहण लाग्या, 'हे कुरनेलियुस, तेरी
प्रार्थना सुण ली गई सैं अर तेरे दान पणमेशर कै श्यामी याद करे गये सैं|
32 इसकरकै किसे नै याफा खन्दाकै शमौन जो पतरस कुहवावै सै, बुला| ओ
समुन्दर कै कंठारै शमौन, चमड़े का धन्धा करणीये कै घरा मेहमान सै|'
33 फेर मन्नै जिब्बे तेरै धोरै आदमी खन्दाए, अर तन्नै भला करया जो आग्या|
इब हम सारे उरै पणमेशर कै श्यामी सां, ताके जो कीमे पणमेशर नै तेरै तै
कहया उस ताहीं सुणां|"

पतरस का उपदेश

34 फेर पतरस बोल्या, "इब मेरै पक्का यकीन होग्या के पणमेशर किसे की
मेर कोनी करदा, 35 बल्के हरेक जात म्ह जो उसतै डरै अर धर्म के काम करै
सै, ओ उसनै भावै सै| 36 जो बचन उसनै इस्राएलिया कै धोरै खन्दाया था,
जिब्ब उसनै यीशु मसीह कै द्वारा (जो सारया का प्रभु सै) शान्ति का
सुसमाचार सुणाया, 37 ओ बचन थमनै बेरा सै, जो युहन्ना के बपतिस्मा के

प्रचार कै पाच्छै गलील तै सरू होकै साब्ते यहूदिया म्ह फैलग्या : 38 पणमेशर
नै किस तरियां तै यीशु नासरी ताहीं पवित्र आत्मा अर सामर्थ तै अभिषेक
करया; ओ भलाई करदा अर सारया ताहीं जो शैतान के सताए होड़ थे,
आच्छा करदा फिरया, क्यूँके पणमेशर उसकै गेल्या था| 39 हम उन सारे
काम्मां के गवाह सां; जो उसनै यहूदिया के देश अर यरूशलेम म्ह भी करे,
अर उन्नै उस ताहीं काठ पै लटकाकै मार दिया| 40 उस ताहीं पणमेशर नै
तीसरे दिन जिन्दा करया, अर प्रगट भी कर दिया सै; 41 सारे आदमियां पै नीं
बल्के उन गवाहा पै जिन ताहीं पणमेशर नै पहल्या तै छांट लिया था, यानिके
म्हारै पै जिन्नै उसकै मरे होया म्ह तै जिन्दा उठनै कै पाच्छै उसकै गेल्या
खाया-पिया; 42 अर उसनै म्हारै ताहीं हुक्म दिया के आदमियां म्ह प्रचार करो
अर गवाही द्यो, के यो ओए सै जिस ताहीं पणमेशर नै जिन्दा अर मरया होया
का न्यायी ठहराया सै| 43 उसकी सारे नब्बी गवाही देवैं सैं के जो कोए उसपै
बिश्वास करैगा, उस ताहीं उसकै नाम तै पापां की माफ़ी मिलैगी|"

गैर-जात्तां पै पवित्र आत्मा उतरणा

44 पतरस ये बात कहण ए लागरया था के पवित्र आत्मा बचन के सारे
सुनण आळया पै उतर आया| 45 अर जितने खतना करे होये बिश्वासी
पतरस कै गेल्या आये थे, वे सारे हैरान होये के गैर-जात्तां पै भी पवित्र आत्मा
का दान ढाळा गया सै| 46 क्यूँके उन्नै उन ताहीं कई ढाळ की भाषा बोल्दे
अर पणमेशर की बड़ाई करदे सुण्या| इस पै पतरस नै कह्या, 47 "के कोए
पाणी नै डाट सकै सै के ये बपतिस्मा ना पावै, जिन्नै म्हारै की ढाळ पवित्र
आत्मा पाया सै?" 48 अर उसनै हुक्म दिया के उन्नै यीशु मसीह कै नाम म्ह
बपतिस्मा दिया जावै| फेर उन्नै उसतै बिनती करी के ओ कीमे दिन और
उनकै गेल्या रहवै|

पतरस कै जरिये अपणे काम का खुलासा करणा

11 फेर प्रेरितां अर भाईया नै जो यहूदिया म्ह थे सुणया के गैर-जात्तां
नै भी पणमेशर का बचन मान लिया सै| 2 आखर म्ह जिब्ब पतरस
यरूशलेम म्ह आया, तो खतना किये होये आदमी उसतै बहस करण लाग्गे,
3 "तन्नै खतनारहित आदमियां कै उरै जाकै उनकै गेल्या खाया|" 4 फेर
पतरस नै उन ताहीं सरू तै नम्बरवार सारा कीमे कह सुणाया : 5 "मै याफा
नगर म्ह प्रार्थना करण लागरया था, अर बेसुध होकै एक दर्शन देख्या के एक
पात्र, बड्डी चाद्दर की ढाळ च्यारू कुणयां तै लटकाया होया, अकास तै
उतरकै मेरै धोरै आया| 6 जिब्ब मन्नै उसपै गौर करया, तो उसम्ह धरती के
चौपाए अर बणपशु अर रेंगणआळे जिनोर अर अकास के पंछी देक्खे; 7 अर
यो बोल भी सुणया, 'हे पतरस उठ, मार अर खा|' 8 मन्नै कह्या, 'ना प्रभु, ना;
क्यूँके कोई अशुद्ध चीज मेरै मुँह म्ह कदे नीं गई|' 9 इसकै जबाब म्ह अकास
तै दूसरी बर शब्द होया, 'जो कीमे पणमेशर नै शुद्ध ठहराया सै, उस ताहीं
अशुद्ध मतना कहवै|' 10 तीन बर इसा होया; फेर सारा कीमे दुबारा अकास
पै खींच लिया गया| 11 अर देक्खो, जिब्बे तीन माणस जो कैसरिया तै मेरै
धोरै खन्दाए गये थे, उस घर पै जिसम्ह हम थे, आ खड़े होये| 12 फेर आत्मा
नै मेरै तै उनकै गेल्या बेखटके हो लेण नै कहया, अर छ: भाई भी मेरै गेल्या
हो लिये; अर हम उस माणस कै घरा गये| 13 उसनै म्हारै ताहीं बताया, के
उसनै एक सुर्गदुत ताहीं आपणे घर म्ह खड़या देख्या, जिसनै उसतै कह्या,
'याफा म्ह माणस खन्दाकै शमौन ताहीं जो पतरस कुहवावै सै, बुलवा ले|
14 ओ थारै तै इसी बात कहवैगा, जिनकै द्वारा तू अर तेरा सारा घराना उद्धार
पावैगा|' 15 जिब्ब म्ह बात करण लाग्या, तो पवित्र आत्मा उन पै उस्से तरियां
तै उतरया जिस तरियां तै सरू म्ह म्हारै पै उतरया था| 16 फेर मन्नै प्रभु का
यो बचन याद आया; जो उसनै कहया था, 'युहन्ना नै तो पाणी तै बपतिस्मा
दिया, पर थम पवित्र आत्मा तै बपतिस्मा पाओगे|' 17 आखर म्ह जिब्ब
पणमेशर नै उन ताहीं भी ओए दान दिया, जो म्हारै तै प्रभु यीशु मसीह पै
बिश्वास करण तै मिल्या था; तो मै कौण था जो पणमेशर नै रोक सकदा?"
18 न्यू सुणकै वे बोल-बाल्ले रहे, अर पणमेशर की बड़ाई करकै कहण लाग्गे,
"फेर तो पणमेशर नै गैर-जात्तां ताहीं भी जीवन कै खातर मन-फिराव का
दान दिया सै|"

अन्ताकिया की कलीसिया

19 जो आदमी उस क्लेश के मारे जो स्तिफनुस कै कारण पड़या था, खिंड-
मींड हो गये थे, वे हांडदे-हांडदे फीनीके अर साइप्रस अर अन्ताकिया म्ह
पहोच्चे; पर यहूदियां नै छोड़ किसे और ताहीं बचन कोनी सुणावैं थे| 20 पर
उनम्ह तै कीमे साइप्रसवासी अर कुरेनी थे, जो अन्ताकिया म्ह आकै
यूनानियां ताहीं भी प्रभु यीशु का सुसमाचार सुनाण लाग्गे| 21 प्रभु का हाथ
उन पै था, अर घणे आदमी बिश्वास करकै प्रभु की ओड़ फिरे| 22 जिब्ब
उनका जिक्रा यरूशलेम की कलीसिया कै सुनण म्ह आया, तो उन्नै बरनबास
ताहीं अन्ताकिया खन्दाया| 23 ओ उड़ै पहोचकै अर पणमेशर के अनुग्रह नै
देखकै राज़ी होया, अर सारया ताहीं उपदेश दिया के तन-मन लगाकै प्रभु तै
लिपटे रहो| 24 ओ एक भला माणस था, अर पवित्र आत्मा अर बिश्वास तै
पूरा भरया था; अर दुसरे घण-खरे आदमी प्रभु म्ह आ मिले| 25 फेर ओ
शाऊल नै टोहण कै खातर तरसुस नै चल्या गया| 26 जिब्ब ओ उसतै
फेट्या तो उस ताहीं अन्ताकिया ल्याया; अर इसा होया के वे एक साल ताहीं
कलीसिया कै गेल्या मिलदे अर घणे आदमियां ताहीं उपदेश देन्दे रहे; अर
चेल्ले सारया तै पहल्या अन्ताकिया ए म्ह मसीही कुहाए|
27 उन्नै दिनां म्ह कई नब्बीं यरूशलेम तै अन्ताकिया आए| 28 उनम्ह तै
अगबुस नामक एक नै खड़े होकै आत्मा की प्रेरणा तै न्यू बताया के सारी
दुनिया म्ह बड्डा अकाल पड़ैगा--- ओ अकाल क्लौदियुस के टेम म्ह पड़या|
29 फेर चेल्यां नै फैसला लिया के हरेक आपणी-आपणी पूंजी कै मुताबिक
यहूदिया म्ह रहणआळे भाईया की मदद कै खातर कीमे भेजै| 30 उन्नै इस
तरियां ए करया; अर बरनबास अर शाऊल कै हाथ प्राचीनों कै धोरै कीमे
भेज दिया|

पतरस की जेळ तै मुक्ति

12 उस टेम हेरोदेश राजै नै कलीसिया के कई माणसां ताहीं सताण कै
खातर उन पै हाथ गेरे| 2 उसनै युहन्ना के भाई याकूब ताहीं तलवार
तै मरवा दिया| 3 जिब्ब उसनै देख्या के यहूदी माणस इसतै राज़ी होवैं सैं, तो
उसनै पतरस ताहीं भी पकड़ लिया| वे दिन अखमीरी रोट्टी के थे| 4 उसनै
उस ताहीं पकड़कै जेळ म्ह गेरया, अर चार-चार सिपाहियां के चार पहरया
म्ह राख्या; इस बिचार तै के फसह कै बाद उसनै आदमियां कै श्यामी
ल्यावै| 5 जेळ म्ह पतरस बन्द था; पर कलीसिया उसकै खातर लौ लाकै
पणमेशर तै प्रार्थना करण लागरी थी| 6 जिब्ब हेरोदेश उसनै आदमियां कै
श्यामी ल्याण नै था, उस्से रात पतरस दो जंजीरा तै बंध्या होड़ दो
सिपाहियां कै बिच्चाळै सोण लागरया था; अर पहरेदार दरवाजे पै जेळ की
रुखाळी करते थे| 7 तो देक्खो, प्रभु का एक सुर्गदुत आण खड़या होया अर
उस कोठड़ी म्ह चाँदणा चमक्या, अर उसनै पतरस की पासळी पै हाथ मारकै
उस ताहीं जगाया अर बोल्या, "उठ, तोळ कर|" अर उसकै हाथां तै जंजीर
खुलकै ढह पड़ीं| 8 फेर सुर्गदुत नै उसतै कह्या, "कमर बाँध, अर आपणे जुत्ते
पहर ले|" उसनै उस्से ढाळ करया| फेर उसनै उसतै कह्या, "आपणे लत्ते
पहरकै मेरै पाच्छै हो ले|" 9 ओ लिकड़कै उसकै पाच्छै हो लिया; पर उसनै
न्यू नीं बेरा था के जो कीमे सुर्गदुत कर रह्या सै ओ साच्ची सै, बल्के न्यू समझै
था के जणु मै दर्शन देखण लागरया सूं| 10 फेर वे पह्ल्ये अर दुसरे पहरे तै
लिकड़कै उस लोहे के फाटक पै पहोच्चे, जो नगर की ओड़ सै| ओ उनकै
खातर आपणे-आपै खुलग्या, अर वे लिकड़कै एक गळी म्ह गए, अर जिब्बे ए
सुर्गदुत उसनै छोड़कै चल्या गया| 11 फेर पतरस नै ढेठ करकै कह्या, "इब
मन्नै सच का बेरा पटया सै के प्रभु नै आपणा सुर्गदुत खन्दाकै मेरै ताहीं
हेरोदेश के हाथां तै छुटा लिया, अर यहूदियां की सारी मनसा पै पाणी फेर
दिया सै|" 12 न्यू जाणकै ओ उस युहन्ना की माँ मरियम कै घरा आया, जो
मरकुस कुहवावै सै| ओड़ै घणे आदमी कट्ठे होकै प्रार्थना करण लागरे थे|
13 जिब्ब उन्नै फाटक की खिड़की खटखटाई, तो रूदे नामक एक नौकरानी
देखण नै आई| 14 पतरस का बोल पिच्छाणकै उसनै ख़ुशी के मारे फाटक
नीं खोल्या, पर भाजकै भीत्तर गई अर बताया के पतरस दरवाजे पै खड़या
सै| 15 उन्नै उसतै कह्या, "तू बावळी सै|" पर वा पक्के तौर तै बोल्ली के इसाए

सै| फेर उन्नै कह्या, "उसका सुर्गदुत होगा|" 16 पर पतरस खटखटान्दा ए
रहया : आखर म्ह उन्नै खिड़की खोल्ही, अर उस ताहीं देखकै हैरान होग्ये|
17 फेर उसनै उन ताहीं हाथ तै इशारा करया के बोल-बाल्ले रहवैं; अर उन
ताहीं बताया के प्रभु किस ढाळ उस ताहीं जेळ तै लिकाड़ लीआया सै| फेर
बोल्या, "याकूब अर दुसरे भाईयां नै या बात बता दियो|" फेर लिकड़कै
दूसरी जंगहा चल्या गया|
18 तड़कए नै सिपाहिया म्ह घणी उघड़-धुघड़ माच गी के पतरस का के
होया| 19 जिब्ब हेरोदेश नै उसकी टोहया-टाही करी अर नी मिल्या, तो
पहरेदारा की जाँच करकै हुक्म दिया के वे मार दिये जावैं; अर ओ यहूदिया नै
छोड़कै कैसरिया म्ह जाकै रहण लाग्या|

हेरोदेस की मौत

20 हेरोदेश सूर-सैदा के आदमियां तै घणा नाराज था| ज्यांतै के वे एक
चित्त होकै उसकै धोरै आये, अर बलास्तुस नै जो राजा का एक कर्मचारी था,
मनाकै मेल करणा चाहया; क्यूँके राजै कै देश म्ह उनकै देश का पाळन-पोषण
होवै था| 21 ख़ास दिन पै हेरोदेश राजसी-बाणा पहरकै सिंहासन पै बैठ्या,
अर उन ताहीं खुलासा करण लाग्या| 22 फेर आदमियां नै रूक्का मारया, "यो
तो माणस का नीं ईश्वर का बोल सै|" 23 उस्से घड़ी प्रभु कै एक सुर्गदुत नै
जिब्बे आकै उस ताहीं मारया, क्यूँके उसनै पणमेशर ताहीं महिमा कोनी दी;
अर ओ कीड़े पड़कै मरग्या| 24 पर पणमेशर का बचन बढ़दा अर फैलदा
गया|
25 जिब्ब बरनबास अर शाऊल नै आपणी सेवा पूरी कर ली तो युहन्ना जो
मरकुस कुहवावै था, गेल्या लेकै यरूशलेम तै बोह्ड़े|

बरनबास अर शाऊल का भेज्या जाणा

13 अन्ताकिया की कलीसिया म्ह कई नब्बी अर उपदेशक थे; अर्थात् :
बरनबास अर शमौन जो नीगर कुहवावै सै; अर लूकियुस कुरेनी, अर
चौथाई देश के राजा हेरोदेश का दूधभाई मनाहेम, अर शाऊल| 2 जिब्ब वे
ब्रत सुदा प्रभु की उपासना करण लागरे थे, तो पवित्र आत्मा नै कह्या, "मेरै
खातर बरनबास अर शाऊल नै उस काम कै खातर न्यारा करो जिसकै
खातर मन्नै उन ताहीं बुलाया सै|" 3 फेर उन्नै ब्रत अर प्रार्थना करकै अर उन
पै हाथ धरकै उन ताहीं बिदा करया|

पौलुस की पहल्ड़ी प्रचार-यात्रा

4 आखर म्ह वे पवित्र आत्मा के खन्दाए होये सिलूकिया नै गये, अर ओड़ै
तै जहाज पै चढ़कै साइप्रस कान चाल्ले; 5 अर सलमीस म्ह पहोचकै, पणमेशर
का बचन यहूदियां के आरधनालयां म्ह सुणाया| युहन्ना उनका सेवक था|
6 वे उस सारे टाप्पू म्ह होंदे होये पाफुस ताहीं पहोचे| ओड़ै उन्नै बार-यीशु
नामक एक यहूदी टोन्हा अर झूठा नब्बी फेट्या| 7 ओ हाकिम सिरगियुस
पौलुस कै गेल्या था, जो श्याणा माणस था| उसनै बरनबास अर शाऊल
ताहीं आपणे धोरै बुलाकै पणमेशर का बचन सुनणा चाहया| 8 पर इलीमास
टोन्हे नै, क्यूँके योए उसकै नाम का मतलब सै, उनका बिरोध करकै हाकिम
ताहीं बिश्वास करण तै रोकणा चाहया| 9 फेर शाऊल नै जिसका नाम पौलुस
भी सै, पवित्र आत्मा तै पूरी तरियां भरकै उसकी ओड़ टकटकी लाकै देख्या
अर बोल्या, 10 "हे साबतै कपट अर साब्टी श्याणपत तै भरे होड़ शैतान की
ऊलाद, सारे धर्मा के बैरी, के तू प्रभु के सीधे राही नै टेढ़ी करणा नीं छोडैगा?
11 इब लखा, प्रभु का हाथ तेरै पै लागरया सै; अर तू कीमे बख्त ताहीं आंधा
रहवैगा अर सूरज नै कोनी देखैगा|" फेर जिब्बे धुंधळापण अर अन्धेरा उस पै
छा गया, ओ उराण-पराण टटोळण लाग्या ताके कोए उसका हाथ पकड़कै ले
चाल्ले| 12 फेर हाकिम नै जो होया था उस ताहीं देखकै अर प्रभु के उपदेश तै
हैरान होकै बिश्वास करया|

पिसिदिया के अन्ताकिया म्ह

13 पौलुस अर उसके ढब्बी पाफुस तै जहाज खोलकै पंफूलीया के पिरगा
म्ह आये; अर युहन्ना उन्नै छोड़कै यरूशलेम बोहड़ गया| 14 पिरगा तै आगै
बढ़कै वे पिसिदिया के अन्ताकिया म्ह पहोच्चे; अर सब्त के दिन आराधनालय
म्ह जाकै बैठग्ये| 15 व्यवस्था अर नब्बियाँ की किताब नै पढ़ण कै पाच्छै
आराधनालय के सरदारां नै उनकै धोरै कुहवा भेज्या, "हे भाईयो, जै
आदमियां के उपदेश कै खातर थारै मन म्ह कोए बात हो तो कहो|" 16 फेर
पौलुस नै खड़े होकै अर हाथ तै इशारा करकै कह्या, "हे इस्राएलियो, अर
पणमेशर तै डरणआळो, सुणो : 17 इन इस्राएली आदमियां के पणमेशर नै
म्हारै बाप-दाद्या ताहीं छांट लिया, अर जिब्ब वे आदमी मिस्र देश म्ह परदेशी
होकै रहवै थे, तो उनकी बढ़ोत्तरी करी; अर ठाड्डे हाथां तै लिकाड़ ल्याया|
18 ओ कोए चालीस साल ताहीं जंगळ म्ह उनकी सहण करदा रहया, 19 अर
कनान देश की सात जात्तां का नास करकै उनका देश कोए साढ़े चार सौ
साल म्ह इनकी बसियत म्ह कर दिया| 20 इसकै पाच्छै उसनै शमूएल नब्बी
ताहीं उनम्ह जज ठहराए| 21 उसकै पाच्छै उन्नै एक राजा माँग्या: फेर
पणमेशर नै चालीस साल कै खातर बिन्यामीन के गोत्र म्ह तै एक माणस,
यानिके किश के बेट्टे शाऊल ताहीं उनपै राजा ठहराया| 22 फेर उस ताहीं
न्यारा करकै दाऊद ताहीं उनका राजा बणाया; जिसकै बारै म्ह उसनै गवाही
दी, 'मन्नै एक माणस यिशै बेट्टा दाऊद, मेरै मन कै मुताबिक मिलग्या सै; ओए
मेरी सारी मर्जी पूरी करैगा|' 23 इस्से पीढ़ी म्ह तै पणमेशर नै आपणे प्रण कै
मुताबिक इस्राएल कै धोरै एक उद्धारकर्ता, यानिके यीशु खन्दाया|
24 जिसकै आण तै पहल्या युहन्ना नै सारे इस्राएलिया म्ह मन-फिराव के
बपतिस्मा का प्रचार करया| 25 जिब्ब युहन्ना आपणी सेवा पूरी करण पै था,
तो उसनै कह्या, 'थम मन्नै के समझो सो? मै ओ कोनी! बल्के देक्खो, मेरै
पाच्छै एक आणआळा सै, जिसकै पायां की जुत्ती भी मै खोल्लण जोग्गा
कोनी|'
26 "हे भाईयो, थम जो अब्राहम की ऊलाद सो; अर थम जो पणमेशर तै
डरो सो, थारै धोरै इस उद्धार का बचन खन्दाया गया सै| 27 क्यूँके
यरूशलेम के रहणआळो अर उनकै सरदारां नै, ना उस ताहीं पिच्छाणा अर
ना नब्बियाँ बात समझीं, जो हरेक सब्त कै दिन पढ़ी जावैं सैं, ज्यांतै उस
ताहीं कसूरवार ठहराकै उन बात्तां नै पूरा करया| 28 उन्नै मारण कै जोग्गा
कोए कसूर उसम्ह कोनी पाया, फेरभी पिलातुस तै बिनती करी, के ओ मार
दिया जावै| 29 जिब्ब उन्नै उसकै बारै म्ह लिक्खी होई सारी बात पूरी करीं,
तो उस ताहीं क्रूस पै तै उतारकै कब्र म्ह धरया| 30 पर पणमेशर उसताहीं मरे
होया म्ह तै जिन्दा करया, 31 अर ओ उन ताहीं जो उसकै गेल्या गलील तै
यरूशलेम आये थे, घणे दिनां ताहीं दिख्दा रहया; आदमियां कै श्यामी इब
वैए उसके गवाह सै| 32 हम थमनै उस प्रण कै बारै म्ह जो बाप-दाद्या तै
करया गया था, यो सुसमाचार सुणावां सां, 33 के पणमेशर नै यीशु ताहीं
जिन्दा करकै, ओए प्रण म्हारी ऊलाद कै खातर पूरा करया; जिसा दुसरे
भजन म्ह ही लिख्या सै, 'तू मेरा बेट्टा सै; आज मन्नै ए तेरै ताहीं पैदा करया
सै|' 34 अर उसकै इस तरियां तै मरे होया म्ह तै जिन्दा होण कै बारै म्ह भी
के ओ कदे नीं सड़ै, उसनै यों कहया सै, 'मै दाऊद पै की पवित्र अर अटल
दया तेरै पै करूँगा|'
35 ज्यांतै उसनै एक और भजन म्ह भी कहया सै, 'तू आपणे पवित्र माणस
नै सड़न नीं देवैगा|' 36 क्यूँके दाऊद तो पणमेशर की मर्जी कै मुताबिक
आपणे टेम म्ह सेवा करकै सो गया, अर आपणे बाप-दाद्या म्ह जा मिल्या,
अर सड़ भी गया| 37 पर जिस ताहीं पणमेशर जिन्दा करया, ओ सड़न कोनी
पाया| 38 ज्यांतै, हे भाईयो, थम जाण ल्यो के इस्से के जरिये पापां की माफ़ी
का सुसमाचार थारै ताहीं दिया जावै सै; 39 अर जिन बात्तां म्ह थम मूसा के
व्यवस्था के जरिये बेकसूर कोनी ठहर सको थे, उन्ने सारया म्ह हरेक बिश्वास
करणीया उसकै जरिये बेकसूर ठहरै सै| 40 ज्यांतै चौकन्ने रहो, इसा ना हो के
जो नब्बियाँ की किताब म्ह आया सै, थारै पै भी आण पड़ै : 41 'हे बुराई
करणआळो, देक्खो, अर हैरान होवो, अर मिट जाओ; क्यूँके मै थारै दिनां म्ह
एक काम करूँ सूं, इसा काम के जै कोए थारै तै उसका जिक्रा करै, तो थम
भी बिश्वास कोनी करोगे'|"
42 उनकै बाहरण लिकड़दे टेम आदमी उनतै बिनती करण लाग्गे के आगलै
सब्त कै दिन म्हारै ताहीं ये बात फेर सुणाई जावै| 43 जिब्ब पंचायत उठ ली
फेर यहुदियां अर यहूदी मत म्ह आये होये भगतां म्ह तै घण-खरे पौलुस अर

बरनबास कै पाच्छै हो लिये; अर उन्नै उनतै बात करकै समझाया के पणमेशर कै अनुग्रह म्ह बणे रहो|

पौलुस कै जरिये गैर-जात्तां म्ह प्रचार की सरूआत

44 आगलै सब्त कै दिन नगर के तकरीबन सारे आदमी पणमेशर का बचन
सुनण नै कट्ठे हो गये| 45 पर यहूदी भीड़ नै देखकै डाह तै भरगे, अर बुराई
करदे होये पौलुस की बात्तां कै बिरोध म्ह बोल्लण लाग्गे| 46 फेर पौलुस अर
बरनबास हिम्मत करकै कहण लाग्गे, "जरूरी था के पणमेशर का बचन
पहल्या थारै तै सुणाया जान्दा; पर जिब्ब थम उसनै दूर हटाओ सो, अर
आपणे ताहीं अनन्त जीवन जोग्गा बनाओ, तो देक्खो, हम गैर-जात्तां कै
कान्नी फिरां सां| 47 क्यूँकै प्रभु नै म्हारै ताहीं यो हुक्म दिया सै, 'मन्नै तेरै ताहीं
गैर-जात्तां कै खातर चाँदणा ठहराया, ताके तू धरती कै छोर ताहीं उद्धार का
दरवाजा हो'|"
48 न्यू सुणकै गैर-जात्तां आळे राज़ी होये, अर पणमेशर कै बचन की बड़ाई
करण लाग्गे; अर जितने अनन्त जीवन कै खातर ठहराए गये थे, उन्नै बिश्वास
करया| 49 फेर प्रभु का बचन उस सारे देश म्ह फैलाण लाग्या| 50 पर
यहुदियां नै भगत अर आच्छे खानदान की लुगाईयां ताहीं अर नगर के खास
आदमियां ताहीं उकसाया, अर पौलुस अर बरनबास कै खिलाफ रोळा
कराकै उन ताहीं आपणी सीम तै लिकाड़ दिया| 51 फेर वे उनकै श्यामी
पायां की धुळ झाड़कै इकुनियुम नै चले गये| 52 अर चेल्ले आनन्द अर पवित्र
आत्मा तै भरदे चले गये|

इन्कुनियुम म्ह पौलुस अर बरनबास

14 इकुनियुम म्ह इसा होया के वे यहूदियां के आराधनालय म्ह गेल-
गेल गये, अर इस ढाळ बात करी के यहूदियां अर युनानियां म्ह घण-
खरया नै बिश्वास करया| 2 पर बिश्वास ना करणआळे यहूदियां नै गैर-जात्तां
के मन भाईयां कै बिरोध म्ह उकसाये अर कड़ुवापण पैदा करया| 3 वे घणे
दिन ताहीं उड़ै रहे, अर प्रभु कै भरोसै पै हिम्मत तै बात करैं थे; अर ओ
उनकै हाथां तै निशान अर अनोक्खे काम करवाकै आपणे अनुग्रह के बचन पै
गवाही देवै था| 4 पर नगर के आदमियां म्ह फूट पड़गी थी, इसतै घणए तो
यहूदियां कान्नी अर घणए प्रेरितां कान्नी होग्ये| 5 पर जिब्ब गैर-जात्तां आळे
अर यहूदी उनकी बेइज़्ज़ती करण नै अर उनकै पत्थर मारण कै खातर आपणे
सरदारां सुदा उन कान्नी भाज़े; 6 फेर वे इस बात नै जाण गे अर लुकाउनिया
अर लुस्त्रा अर दिरबे नगरां म्ह, अर लोवै-धोरै के प्रदेशां म्ह भाजगे 7 अर
ओड़ै सुसमाचार सुनाण लाग्गे|

लुस्त्रा अर दिरबे म्ह

8 लुस्त्रा म्ह एक माणस बैठ्या था, जो पायां तै लाचार था| ओ जन्म तै ए
लंगड़ा अर कदे नी चाल्या था| 9 ओ पौलुस नै बात करदे सुणै था| पौलुस
नै उसकी ओड़ टकटकी लाकै देख्या के उसनै चंगा होण का बिश्वास सै,
10 अर ठाड्ढू आवाज म्ह बोल्या, "आपणे पायां कै बळ सीधा खड़्या हो|" फेर
ओ उछळकै चाल्लण-फिरण लाग्या| 11 आदमियां नै पौलुस का यो काम
देखकै लुकाउनिया की भाषा म्ह ठाड्ढू आवाज म्ह कह्या, "देवता माणस कै
रूप म्ह होकै म्हारै धोरै उतर आये सैं|" 12 उन्नै बरनबास ताहीं ज्यूस, अर
पौलुस ताहीं हिरमेस कहया क्यूँकै ओ बात करण म्ह ख़ास था| 13 ज्यूस के
उस मन्दर का पुजारी जो उनकै नगर कै श्यामी था, बैळद अर फुल्ला के हार
फाटकां पै ल्याकै आदमियां कै गेल्या बलिदान करणा चाहवै था| 14 पर
बरनबास अर पौलुस प्रेरितां नै जिब्ब यो सुणया, तो आपणे लत्ते पाड़े अर
भीड़ म्ह लपके, अर रूक्का मारकै कहण लाग्गे, 15 "हे माणसो, थम के करो
सो? हम भी तो थारे तरियां दुःख-सुख भोगण आळे माणस सां. अर थमनै
सुसमाचार सुणावां सां के थम इन बेकार चिज़्ज़ां तै न्यारे होकै जिन्दे पणमेशर
कै कान्नी फिरो, जिसनै सुर्ग अर धरती अर समुन्दर अर जो कीमे उनम्ह सै
बणाया सै| 16 उसनै गुजरे बख्तां म्ह सारी जात्तां ताहीं आपणे-आपणे
रास्तया पै चाल्लण दिया| 17 तो भी उसनै आपणे आप ताहीं बेगवाह कोनी
छोड्या; बल्के ओ भलाई करदा रहया, अर अकास तै मिह अर फळआळी
समो देकै थारै मन नै खाणा अर ख़ुशी तै भरदा रहया|" 18 न्यू कहकै भी उन्नै
आदमियां ताहीं बड्डी मुश्किलां तै रोक्या के उनकै खातर बलिदान ना करैं|
19 पर कुछ यहूदिया नै अन्ताकिया अर इकुनियुम तै आकै आदमियां ताहीं
आपणी ओड़ कर लिया, अर पौलुस पै पत्थर बरसाए, अर मरया होड़ सोचकै
उस ताहीं नगर कै बाहरण घसीट लेगे| 20 पर चेल्ले जिब्ब उसकै चौगरदेकै
आण खड़े होये, तो ओ उठकै नगर म्ह गया अर दुसरे दिन बरनबास कै गेल्या
दिरबे कान्नी चल्या गया|

सीरिया के अन्ताकिया नै बोहड़ना

21 वे उस नगर के आदमियां ताहीं सुसमाचार सुणाकै अर घणे चेल्ले बणाकै,
लुस्त्रा अर इकुनियुम अर अन्ताकिया नै बोहड़ आये, 22 अर चेल्यां के मनां नै
स्थिर रऐ अर यो उपदेश देवै थे के बिश्वास म्ह बणे रहो; अर न्यू कहवै थे,
"हमनै घणे दुःख ठाकै पणमेशर के राज्य म्ह बड़ना होगा|" 23 अर उन्नै हरेक
कलीसिया म्ह उनकै खातर प्राचीन ठहराए, अर ब्रत सुदा प्रार्थना करकै उन
ताहीं प्रभु कै हाथां म्ह सौप्या जिस पै उन्नै बिश्वास करया था|
24 फेर पिसिदिया तै होंदे होए वे पंफूलिया पहोच्चे; 25 फेर पिरगा म्ह बचन
सुणाकै अत्तलिया म्ह आये, 26 अर ओड़ै तै वे जहाज पै अन्ताकिया गये,
जित वे उस काम कै खातर जो उन्नै पूरा करया था पणमेशर के अनुग्रह म्ह
सौपे गये थे| 27 ओड़ै पहोचकै उन्नै कलीसिया कट्ठी करी अर बताया के
पणमेशर नै उनकै गेल्या होकै किसे बड्डे-बड्डे काम करे, अर गैर-जात्तां कै
खातर बिश्वास का बारणा खोल दिया| 28 अर वे चेल्यां कै गेल्या घणे दिन
ताहीं रऐ|

यरूशलेम की सभा

15 फेर कुछ आदमी यहूदिया तै आकै भाईयां नै सिखाण लाग्गे : "जै
मूसा की रीत पै थारा खतना नीं हो तो थम उद्धार कोनी पा सकदे|"
2 जिब्ब पौलुस अर बरनबास का उनतै घणा रोळा अर बहस होई तो यो
ठहराया गया के पौलुस अर बरनबास अर उनम्ह तै कीमे माणस इस बात कै
बारै म्ह प्रेरितां अर प्राचीनां कै धोरै यरूशलेम नै जावै| 3 आखर म्ह
कलीसिया नै उन ताहीं कुछ दूर ताहीं पहोचाया; अर वे फीनीके अर
सामरिया तै होंदे होये गैर-जात्तां के मन फिराण का सुसमाचार सुणान्दे गये,
अर सारे भाई घणे राज़ी होये| 4 जिब्ब वे यरूशलेम पहोच्चे, तो कलीसिया
अर प्रेरित अर प्राचीन उनतै ख़ुशी कै गेल फेटटे, अर उन्नै बताया के पणमेशर
नै उनकै गेल्या होकै किसे-किसे काम करे थे| 5 पर फरिसियाँ के पंथ म्ह तै
जिन्नै बिश्वास करया था, उनम्ह तै कितनयाँ नै उठकै कह्या, "उन ताहीं
खतना कराण अर मूसा के व्यवस्था नै मानण का हुक्म देणा चहिए|"
6 फेर प्रेरित अर प्राचीन इस बात कै बारै म्ह बिचार करण कै खातर कट्ठे
होए| 7 फेर पतरस नै घणी बहस हो जाण कै पाच्छै खड़े होकै उनतै कह्या,
"हे भाईयो, थमनै बेरा सै के घणे दिन होए पणमेशर नै थारै म्ह तै मेरै ताहीं
छांट लिया के मेरै मुँह तै गैर-जात्तां आळे सुसमाचार का बचन सुणकै बिश्वास
करै| 8 मन कै जाँचणआळे पणमेशर नै उन ताहीं भी म्हारै की तरियां पवित्र
आत्मा देकै उनकी गवाही दी; 9 अर बिश्वास कै जरिये उनके मन शुद्ध करकै
म्हारै म्ह अर उन म्ह कीमे फर्क कोनी राख्या| 10 तो इब थम क्यांतै पणमेशर
का हिम्तान ल्यो सो के चेल्यां की नाड़ पै इसा जुआ धरो, जिसनै ना म्हारे
बाप-दादे ठा सकै थे अर ना हम ठा सकां सां? 11 हम्बै, म्हारा यो यकीन सै के
जिस तरियां तै वे प्रभु यीशु कै अनुग्रह तै उद्धार पावैंगें; उस्से तरियां तै हम
भी पांवागें|"
12 फेर सारी पंचायत बोल-बाल्ली बरनबास अर पौलुस की सुणन लाग्गी, के
पणमेशर नै उनकै जरिये गैर-जात्तां म्ह किसे बड्डे-बड्डे निशान, अर अनोक्खे
काम दिखाए| 13 जिब्ब वे चुप होये तो याकूब कहण लाग्या, "हे भाईयो, मेरी
सुणो| 14 शमौन नै बताया के पणमेशर नै पहल्ये-पहल गैर-जात्तां पै कीसी
दया की निगांह करी के उनम्ह तै आपणे नाम कै खातर एक प्रजा बणा ले|
15 इसतै नब्बियाँ की बात भी मिलै सै, जिसा के लिख्या सै,
16 'इसकै पाच्छै मै फेर आकै दाऊद का पड़या होड़ डेरा उठाऊँगा, अर
उसके खण्डरां नै दुबारा बणाऊँगा, अर उस ताहीं खड़्या करूँगा, 17 ज्यांतै

के बचे होड़ माणस, यानिके सारी गैर-जात जो मेरै नाम की कुहवावैं सैं, प्रभु नै टोहवैं, 18 न्यू ओए प्रभु कहवै सै जो दुनिया की सरूआत तै इन बात्तां की खबर देंदा आया सै|'

19 ज्यांतै मेरा बिचार यो सै के गैर-जात्तां म्ह तै जो आदमी पणमेशर कै कान्नी फिरैं सैं, हम उन ताहीं दुःख ना देवां; 20 पर उन ताहीं लिख भेजै के वे मूर्तियाँ की अशुद्धताओं अर जारी अर गला घोंटे होया के मांस तै अर लहू तै दूर रहे| 21 क्यूँके गुजरे बख्तां तै नगर-नगर मूसा के व्यवस्था का प्रचार करण आळे होदे चले आये सै, अर वा हरेक सब्त कै दिन आराधनालय म्ह पढ़ी जावै सै|"

गैर-जात बिश्वासियाँ ताहीं चिट्ठी

22 फेर सारी कलीसिया सुदा प्रेरितां अर प्राचीनां नै आच्छा लाग्या के आपणे म्ह तै कीमे माणसां नै छाँटै, यानिके यहूदा जो बरसब्बा कुहवावै सै, अर सिलास ताहीं जो भाईयां म्ह मुखिया थे; अर उन ताहीं पौलुस अर बरनबास कै गेल्या अन्ताकिया खन्दावै| 23 उन्नै उनकै हाथ यो लिख खन्दाया : "अन्ताकिया अर सीरिया अर किलिकिया के रहणीये भाईयां नै जो गैर-जात्तां म्ह तै सै, प्रेरितां अर प्राचीन भाईयां का नमस्कार| 24 हमनै सुणयां सै के म्हारै म्ह तै कुछां नै ओड़ै जाकै, थारै ताहीं आपणी बात्तां तै डरा दिया; अर थारै मन उलट दिये सै पर हमनै उन ताहीं हुक्म कोनी दिया था| 25 इसकरकै हमनै एक चित होकै ठीक समझया के छांटे होड़ माणसां ताहीं आपणे प्यारे बरनबास अर पौलुस कै गेल्या थारै धोरै खन्दावां| 26 ये इसे माणस सैं जिन्नै आपणी ज्यांन म्हारै प्रभु यीशु मसीह कै नाम कै खातर जोख्खम म्ह गेरी सैं| 27 ज्यांतै हमनै यहूदा अर सिलास ताहीं खन्दाया सै, जो आपणे मुँह तै भी ये बात कह देवैगें| 28 पवित्र आत्मा नै अर हमनै ठीक जाण पाट्टी के इन जरूरी बात्तां नै छोड़, थारै पै और बोझ ना गेरै; 29 के थम मूर्तियाँ पै बलि करे होया तै अर लहू तै, अर गळा घोंटे होया के मांस तै, अर जारी तै दूर रहो| इनतै दूर रहो तो थारा भला होगा| आगै शुभ|"

30 फेर वे बिदा होकै अन्ताकिया पहोच्चे, अर पंचायत नै कट्ठी करकै वा चिट्ठी उन ताहीं दे दी| 31 वे चिट्ठी पढ़कै उस उपदेश की बात तै घणे राज़ी होये| 32 यहूदा अर सीलास नै जो आप भी नब्बी थे, घणी बात्तां तै भाईयां ताहीं उपदेश देकै पक्का करया| 33 वे कुछ दिन रहकै, भाईयां नै शान्ति कै गेल्या बिदा होए के आपणे खन्दाणआळा कै धोरै जावै| 34 (पर सीलास नै ओड़ै रहणा आच्छा लाग्या|) 35 पर पौलुस अर बरनबास अन्ताकिया म्ह रह गये : अर और घण-खरे आदमियां कै गेल्या प्रभु कै बचन का उपदेश करदे अर सुसमाचार सुणान्दे रहे|

पौलुस की दूसरी प्रचार-यात्रा; पौलुस अर बरनबास म्ह मतभेद

36 कुछे दिनां पाच्छै पौलुस नै बरनबास तै कह्या, "जिन-जिन नगरां म्ह हमनै प्रभु का बचन सुणाया था, आओ, फेर उनम्ह चालकै आपणे भाईयां ताहीं देखे के वे किस तरियां सैं|" 37 फेर बरनबास नै युहन्ना ताहीं जो मरकुस कुहवावै सै, गेल्या लेण का बिचार करया| 38 पर पौलुस नै उस ताहीं जो पंफूलिया म्ह उनतै न्यारा होग्या था, अर काम पै उनकै गेल्या कोनी गया, गेल्या ले जाणा सई कोनी समझया| 39 आखर म्ह इसा रोळा होया के वे एक-दुसरे तै न्यारे पाटगे; अर बरनबास, मरकुस नै लेकै जहाज पै साइप्रस चल्या गया| 40 पर पौलुस नै सीलास ताहीं छांट लिया, अर भाईयां तै पणमेशर कै अनुग्रह म्ह सौंपया जाकै ओड़ै तै चल्या गया; 41 अर ओ कलिसियाँ ताहीं स्थिर करदा होया सीरिया अर किलिकिया तै होंदे होए लिकड़या|

पौलुस का तीमुथियुस ताहीं गेल लेणा

16 फेर वो दीरबे अर लुस्त्रा म्ह भी गया| ओड़ै तिमुथियुस नाम का एक चेल्ला था, जो किसे बिश्वासी यहुदिनी का बेट्टा था, पर उसका बाप यूनानी था| 2 वो लुस्त्रा अर इकुनियुम के भाईयां म्ह बढ़िया नाम्मी था| 3 पौलुस की मर्जी या थी के वो उसके गेल्या जावै; अर जो यहूदी माणस उन जंगहा म्ह थे उनकै कारण उन्नै उनका खतना करया, क्यूँके वे सारे जाणै थे, के उनका बाप यूनानी था| 4 अर नगर-नगर जांदे होड़ वे उन तौर-तरीकियां नै जो यरूशलेम के प्रेरितां अर प्राचीनां नै ठहराई थी, माणस कै खातर खन्दाया करैं थे| 5 इस तरियां कलीसिया बिश्वास म्ह पक्की होंदी गई अर गिणती दिन-ब-दिन बधती गई|

त्रोआस म्ह : पौलुस का दर्शन

6 वे फ्रुगिया अर गलातिया प्रदेशां म्ह तै होकै गये, क्यूँके पवित्र आत्मा नै उन्नै एशिया म्ह बचन सुनाण तै मना करया| 7 उन्नै मूसिया कै लोवै पहोचकै, बितूनिया म्ह जाणा चाहया; पर यीशु की आत्मा नै उन ताहीं जाण कोनी दिया| 8 आखर म्ह वे मूसिया तै होकै त्रोआस म्ह आये| 9 ओड़ै पौलुस नै रात नै दर्शन देख्या के एक मकिदुनी माणस खड़या होया उनतै बिनती करकै कहण लागरया सै, "पार उतर कै मकिदुनिया म्ह आ, अर म्हारी मदद कर|" 10 उसकै यो दर्शन देखदए हम नै जिब्बे मकिदुनिया जाणा चाहया, न्यू सोच कै के पणमेशर नै म्हारै ताहीं उन तै सुसमाचार सुनाण कै खातर बुलाया सै|

फिलिप्पी म्ह :लुदिया का हृदय-परिवर्तन

11 इसकरकै त्रोआस तै जहाज खोलकै हम सीधे सुमात्राके अर दुसरे दिन नियापुलिस म्ह आये| 12 ओड़ै तै हम फिलिप्पी पहोच्चे, जो मकिदुनिया प्रान्त का खास नगर अर रोमिया का मोहल्ला सै; अर हम उस नगर कुछे दिन रहे| 13 सब्त कै दिन हम नगर कै फाटक कै बाहरण नदी कै कंठारै न्यू सोच कै गये के ओड़ै प्रार्थना करण की जंगहा होगी, अर बैठ कै उन लुगाईयाँ तै जो कट्ठी होई थी, बतळाण लाग्गे| 14 लुदिया नाम की थुआथिरा नगर की बैंजनी लत्ते बेचण आळी एक भगतणी सुनण लागरी थी| प्रभु नै उसका मन खोलया के वा पौलुस की बात्तां पै चित्त लगावै| 15 जिब्ब उसनै आपणे कुन्बै सुदा बपतिस्मा लिया, तो उसनै महारै तै बिनती करी, "जै थम मन्नै प्रभु की बिश्वासिणी समझो सो, तो चालकै मेरै घर म्ह रहो," अर वा हमनै मनाकै ले गई|

पौलुस अर सीलास जेळ म्ह

16 जिब्ब हम प्रार्थना करण की जंगहा पै जाण लागरे थे, तो हमनै एक दासी फेट्टी जिसम्ह भावी कहण आळी आत्मा थी; अर भावी कहण तै आपणे मालिकां कै खातर कीमे आच्छा ए कमा लेवै थी| 17 वा पोलुस कै अर म्हारै पाच्छै आकै नै किलकी मारण लाग्गी, "ये माणस परमप्रधान पणमेशर के दास सै, जो म्हार ताहीं उद्धार के राह की कहानी सुणावै सै|" 18 वा घणे दिनां ताहीं न्यू ए करदी रही; पर पौलुस काल होग्या, अर बोहड़कै उस आत्मा तै बोल्या, "मै तन्नै यीशु मसीह कै नाम तै हुक्म द्युँ सूं के उस म्ह तै बाहरण लिकड़ जा|" अर वा उस्से टेम लिकड़ गी|

19 जिब्ब उसके मालिकां नै देख्या के म्हारी कमाई की आस खत्म होग्यी, तो पौलुस अर सीलास नै पकड़ कै चौक म्ह प्रधानां कै धोरै खींच ल्याए; 20 . अर उन ताहीं फौजदारी के हाकिमां कै धोरै ली याए अर बोल्ले, "ये माणस जो यहूदी सै, म्हारे नगर म्ह रोळा मचाण लागरे सैं; 21 . अर इसे रीत-रिवाज बतावै सै, जिन ताहीं हम रोमियाँ कै खातर अपणाना सई कोनी|" 22 फेर भीड़ के माणस उनकै बिरोध म्ह कट्ठे होकै उन पै चढ़ याए, अर हाकिमां नै उनके लत्ते पाड़ कै उतार दिये, अर उनकै बैत मारण का हुक्म दिया| 23 घणी बैत मारे पाच्छै उन्नै उन ताहीं जेळ म्ह गेर दिया अर थानेदार ताहीं हुक्म दिया के उन्नै चौक्कस राखिये| 24 उसनै इसा हुक्म पाकै उन ताहीं भीत्तरली कोठड़ी म्ह राख्या अर उनके पाँ काठ म्ह ठोंक दियेI

पौलुस अर सीलास की जेळ तै मुक्ति

25 . आधी रात कै टेम पौलुस अर सीलास प्रार्थना करदे होये भजन गाण लागरे थे, अर कैदी उनकी सुणन लागरे थेI 26 इतनै म्ह चाणचक बड्डा हाल्लण आग्या, उरै ताहीं के जेळ की नींव भी हालगी, अर जिब्बे सारे दरवाजे खुलगे; अर सारया के बन्धन खुलकै पड़गे| 27 थानेदार जागग्या, अर जेळ के दरवाजे खुले देख कै समझ गया के कैदी भाजगे सै, इस करकै उसनै तलवार खींच कै खुद ताहीं मारणा चाहया| 28 पर पौलुस नै ठाड्डू आवाज म्ह रूक्का

मारया, “आपणे आप नै कीमे नुकसान ना पहोचाइये, क्यूँके हम सारे उरै ए सां|” 29 फेर ओ दिवां मँगाकै भीतराण लपक्या, अर काम्बदा होया पौलुस अर सीलास कै आगै पड़या; 30 अर उन ताहीं बाहरण ल्याकै बोल्या, “हे भले माणसो, उद्धार पाण कै खातर मै के करूँ?” 31 उन्नै कह्या, “प्रभु यीशु मसीह पै बिश्वास कर, तो तू अर तेरा कुणबा उद्धार पावैगा|” 32 अर उन्नै उस ताहीं अर उसके सारे घर के माणसां ताहीं प्रभु का बचन सुणाया| 33 रात नै उस्से टेम उसनै उन ताहीं ले जाकै उनके घाव धोये, अर उसनै आपणे सारे माणसां सुदा जिब्बे बपतिस्मा लिया| 34 फेर उसनै उन ताहीं आपणे घरा ले जाकै उनकै आगै खाणा धरया, अर साब्ते कुणबे सुदा पणमेशर पै बिश्वास करकै आनन्द करया|

35 जिब्ब दिन लिकड़या फेर हाकिमां नै सिपाहियां के हाथां कुहवा भेज्या के उन माणसां नै छोड़ द्यो| 36 थानेदार नै ये बात पौलुस तै कहीं, “हाकिमां नै आप ताहीं छोड़ देण का हुक्म दिया सै| ज्यांतै इब राज़ी-ख़ुशी तै जाओ|” 37 पर पौलुस नै उनतै कह्या, “उन्नै म्हारै ताहीं जो रोमी माणस सैं, कसूरवार ठहराए बिना माणसां कै श्यामी मारया अर जेळ म्ह गेरया| इब के हमनै बोल-बाल्ले लिकाड़ण लागरे सै? इसा कोनी; पर वे खुद आकै हमनै बाहरण लिकाड़ै|” 38 सिपाहियां नै ये बात हाकिमां तै कहीं, अर वे न्यू सुणकै के रोमी सैं, डरगे, 39 अर आकै उन ताहीं मनाया, अर बाहरण ले जाकै बिनती करी के नगर चले जाओ| 40 वे जेळ तै लिकड़कै लुदिया कै उरै गये, अर भाईयां तै भैंट करकै उन ताहीं शान्ति देई, अर चले गये|

थिस्सुलुनीके नगर म्ह

17 फेर वे अम्फिपुलिस अर अपुल्लोनिया होकै थिस्सलुनीके म्ह आये, जित यहूदिया का एक आराधनालय था| 2 पौलुस आपणी रीत कै मुताबिक उनकै धोरै गया, अर तीन सब्त कै दिन पवित्रशास्त्र म्ह तै उनकै गेल्या बहस करी; 3 अर ओ उनका मतलब खोल-खोलकै समझावै था के मसीह नै दुःख ठाणा, अर मरे होया म्ह तै जिन्दा उठणा, जरूरी था; अर “योए यीशु जिसकी मै थमनै कहानी सुणाऊँ सूं, मसीह सै|” 4 उनम्ह तै कितन्यां नै, अर भगत युनानियां म्ह तै घण-खरया नै, अर घणी आच्छे खानदान की लुगाईयां नै मान लिया, अर पौलुस अर सीलास कै गेल्या मिलगे| 5 पर यहूदियां नै डाह तै भरकै बाजारू माणसां म्ह तै कुछ दुष्ट माणसां ताहीं आपणे गेल्या लिया, अर भीड़ कट्ठी करकै नगर म्ह रोळा मचाण लाग्गे, अर यासोन कै घर पै चढाई करकै उन ताहीं आदमियां कै श्यामी ल्याणा चाहया| 6 उन्नै जिब वे ओड़ै नीं मिल्ले तो वे किल्की मारदे होए यासोन अर कुछ भाईयां ताहीं नगर के हाकिमां कै श्यामी खींच ल्याए, “ये माणस जिन्नै दुनिया ताहीं उल्टा-पुल्टा कर दिया सै, उरै भी आ लिए सै| 7 यासोन नै उन ताहीं आपणे उरै तारया सै| ये सारे के सारे न्यू कहवै सै के यीशु राजा सै, अर कैसर के हुकमां का बिरोध करै सै|” 8 उन्नै आदमियां ताहीं अर नगर के हाकिमां ताहीं न्यू सुणाकै डरा दिया| 9 ज्यांतै उन्नै यासोन अर बाकी माणसां तै मुचलका या फिरोत्ती लेकै उन ताहीं छोड़ दिया|

बिरिया नगर म्ह

10 भाईयां नै जिब्बे रात-ए-रात पौलुस अर सीलास ताहीं बिरीया खन्दा दिया; अर वे ओड़ै पहोचकै यहूदियां के आराधनालय म्ह गये| 11 ये माणस तो थिस्सलुनीके के यहूदियां तै आच्छे थे, अर उन्नै घणे चा तै बचन अपणाया, अर हर-रोज पवित्र शास्त्रा म्ह टोहन्दे रहे के ये बात न्यू सै के नीं| 12 ज्यांतै उनम्ह तै घण-खरया नै, अर यूनानी आच्छे खानदान की लुगाईयां म्ह तै अर माणसां म्ह तै भी घण-खरया नै बिश्वास करया| 13 पर जिब्ब थिस्सलुनीके के यहूदी जाणगे के पौलुस बिरीया म्ह भी पणमेशर का बचन सुणावै सै, तो ओड़ै भी माणसां ताहीं उकसाण अर गड़बड़ मचाण लाग्गे| 14 फेर भाईया नै जिब्बे पौलुस ताहीं बिदा करया के समुन्दर कै कंठारै चल्या जावै; पर सीलास अर तीमुथियुस ओड़ए रहगे| 15 पौलुस ताहीं पहोचाण आळे उस ताहीं एथेंस ताहीं लेगे; अर सीलास अर तीमुथियुस कै खातर या आज्ञा पाकै बिदा होए के उसकै धोरै घणी तगाजै तै आये|

एथेंस नगर म्ह

16 जिब्ब पौलुस एथेंस म्ह उसकी बाट देखै था, तो नगर नै मूर्तियाँ तै भरया होड़ देखकै उसका जी जळग्या| 17 आखर म्ह ओ आराधनालय म्ह यहूदियां तै अर भगतां तै, अर चौक म्ह जो माणस उसतै फेटै थे उनतै हरेक दिन बहस करया करै था| 18 फेर इपिकुरी अर स्तोईकी पण्डितां म्ह तै कुछे उसतै तर्क करण लाग्गे, अर कुछां नै कहया, “यो बकवादी के कहणा चाहवै सै?” पर दूसरयां नै कहया, “ओ गैर-देवतायां का प्रचारक दीक्खै सै”---- क्यूँके ओ यीशु का अर पुनरुत्थान का सुसमाचार सुणावै था| 19 फेर वे उसनै आपणे गेल्या अरियुपगुस पै लेगे अर बुझ्झया, “के हम जाण सकां सां के यो नया मत जो तू सुणावै सै, के सै? 20 क्यूँके तू अनोक्खी बात म्हारै ताहीं सुणावै सै, ज्यांतै हम जाणना चाहवां सां के इनका के मतलब सै|” 21 (ज्यांतै के सारे एथेंसवासी अर परदेशी जो ओड़ै रहवै थे, नयी-नयी बात कहण अर सुणन कै सीवाय और किसे काम म्ह टेम कोनी बितावैं थे|)

अरियुपगुस की सभा म्ह पौलुस का भाषण

22 फेर पौलुस नै अरियुपगुस कै बिच्चाळै खड़े होकै कह्या, “हे एथेंस के माणसो, मै देक्खूँ सूं के थम हर बात म्ह देवतायां के घणे मानण आळे सो| 23 क्यूँके मै हांडदे होये जिब्ब थारी पुज़ण की चिज़ां नै देखण लागरया था, तो एक इसी वेदी भी मिली, जिस पै लिख्या था, ‘अनजाण ईश्वर कै खातर|’ इसकरकै जिसनै थम बिना बेरे पूज़ो सो, मै थमनै उसका सुसमाचार सुणाऊँ सूं| 24 जिस पणमेशर नै धरती अर उसकी सारी चिज़ां ताहीं बणाया, ओ सुर्ग अर धरती का मालिक होकै, हाथ के बणाए होड़ मन्दरियां म्ह कोनी रहन्दा; 25 ना किसे चीज की जरूत कै बाबत माणसां के हाथां की सेवा लेवै सै, क्यूँके ओ तो खुदे सारया ताहीं जिन्दगी अर सांस अर सारा कीमे देवै सै| 26 उसनै एक ए मूल तै माणसां की सारी जात सारी धरती पै रहण कै खातर बणाई सै; अर उनकै ठहराए होड़ टेम अर रहण या निवास की हदां ताहीं ज्यांतै बाँधया सै, 27 के वे पणमेशर नै टोहवै, कदाचित उस ताहीं टटोळकै पावै, फेरभी ओ म्हारै म्ह तै किसे तै दूर कोनी| 28 क्यूँके हम उस्से म्ह जिन्दे रहकै, अर चाल-फिरकै, अर स्थिर रहवां सां; जिस ढाळ थारे कितने कवियाँ नै भी कहया सै, ‘हम तो उस्से के वंशज सां|’ 29 आखर म्ह पणमेशर का बंश होकै म्हारा यो समझणा सई कोनी के ईश्वरत्व सोन्ने या रपिये या पत्थर के जिसा सै, जो माणसां की कारीगरी अर कल्पना तै गढ़े गये हों| 30 ज्यांतै पणमेशर नै अज्ञानता के टेम्मां पै ख्यास कोनी करी, पर इब हरेक जंगहा सारे माणसां ताहीं मन फिराण का हुक्म देवै सै| 31 क्यूँके उसनै एक दिन ठहराया सै, जिसम्ह ओ उस माणस के जरिये धर्म तै दुनिया का न्याय करैगा, जिस ताहीं उसनै ठहराया सै, अर उस ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करकै या बात सारया पै साबित कर दी सै|”

32 मरे होया के पुनरुत्थान की बात सुणकै कीमे तो मखौल करण लाग्गे, अर कुछां नै कह्या, “या बात हम तेरै तै फेर कदे सुणांगें|” 33 इसपै पौलुस उनकै बिच्चाळै तै लिकड़ग्या| 34 पर कीमे माणस उसकै गेल्या मिलगे, अर बिश्वास करया; जिनम्ह दियुनुसियुस जो अरियुपगुस का मेम्बर था, अर दमरिस नामकी एक लुगाई थी, अर उनकै गेल्या और भी माणस थे|

कुरिन्थुस नगर म्ह

18 इसकै पाच्छै पौलुस एथेंस नै छोड़कै कुरिन्थुस म्ह आया| 2 ओड़ै उसनै अक्विला नामक एक यहूदी फेट्या, जिसका जन्म पुन्तुस म्ह होया था| ओ आपणी बीरबान्नी प्रिसकिल्ला कै गेल्या इटली तै इब्बै ए आया था, क्यूँके क्लौदियुस नै सारे यहूदियां ताहीं रोम तै लिकड़ जाण का हुक्म दिया था| ज्यांतै ओ उनकै उरै गया| 3 उसका अर उनका एक ए काम-धन्धा था, इसकरकै ओ उनकै गेल्या रहया अर वे काम करण लाग्गे; अर उनका काम-धन्धा तम्बू बनाण का था| 4 ओ हरेक सब्त कै दिन आराधनालय म्ह बहस करकै यहूदियां अर युनानियां ताहीं भी समझावै था|

5 जिब्ब सीलास अर तीमुथियुस मकिदुनिया तै आये, तो पौलुस बचन सुनाण की धुन म्ह यहूदियां ताहीं गवाही देण लाग्या के यीशु ए मसीह सै|

6 पर जिब्ब वे बिरोध अर बुराई करण लाग्गे, तो उसनै आपणे लत्ते झाड़कै
उनतै कह्या, “थारा लहू थारी ए नाड़ पै रहवै! मै बेकसूर सूं| इब तै मै गैर-
जात्तां कै धोरै जाऊँगा|” 7 ओड़ै तै चालकै ओ तितुस यूस्तुस नामक
पणमेशर के एक भगत कै घरा आया; जिसका घर आराधनालय तै लाग्या
होड़ था| 8 फेर आराधनालय के सरदार क्रिसपुस नै आपणे सारे कुन्बे सुदा
प्रभु पै बिश्वास करया; अर घण-खरे कुरिन्थवासी सुणकै बिश्वास लाये, अर
बपतिस्मा लिया| 9 प्रभु नै एक रात दर्शन कै जरिये पौलुस तै कह्या, “मतना
डरै, बल्के कहे जा अर बोल-बाल्ला मतना रहवै; 10 क्यूँके मै तेरै गेल सूं, अर
कोए तेरै पै चढ़ाई करकै तेरा नुकसान कोनी करैगा; क्यूँके इस नगर म्ह मेरे
घणे माणस सैं|” 11 ज्यांतै ओ उनम्ह पणमेशर का बचन सिखान्दे होये डेढ़
साल ताहीं रह्या|

12 जिब्ब गल्लियो अखाया देश का हाकिम था, तो यहूदी माणस एक्का करकै
पौलुस पै चढ़ आये, अर उस ताहीं न्याय गद्दी कै श्यामी ल्याकै कहण लाग्गे,
13 “यो माणसां नै समझावै सै के पणमेशर की उपासना इस ढंग तै करो, जो
व्यवस्था कै विपरीत सै|” 14 जिब्ब पौलुस बोल्लण पै ए था, तो गल्लियो नै
यहूदियां ताहीं कह्या, “हे यहूदियों, जै या कीमे अन्याय या दुष्टता की बात
होन्दी, तो सई था के मै थारी सुण्दा| 15 पर जै या बहस शब्दां, अर नामां,
अर थारे उरै के व्यवस्था कै बारै सै, तो थम ए जाणों; क्यूँके मै इन बात्तां का
जज कोनी बणना चाहन्दा|” 16 अर उसनै उन ताहीं न्याय गद्दी कै श्यामी तै
लिकाड़ दिया| 17 जद सारे माणसां नै आराधनालय के सरदार सोस्थिनेस
ताहीं पकड़कै न्याय गद्दी कै श्यामी मारया| पर गल्लियो नै इन बात्तां की भी
कीमे चिन्ता कोनी करी|

अन्ताकिया नै बोहड़ना

18 पौलुस घणे दिन ताहीं उरै रहया| फेर भाईयां तै बिदा होकै किंख्रिया म्ह
ज्यांतै सिर मुण्डाया, क्यूँके उसनै मन्नत मान्नी थी, अर जहाज पै सीरिया नै
चल्या गया अर उसकै गेल्या प्रिसकिल्ला अर अक्विला थे| 19 उसनै
इफिसुस पहोचकै उन ताहीं ओड़ै छोड्या, अर खुद आराधनालय म्ह जाकै
यहूदियां तै बहस करण लाग्या| 20 जिब्ब उन्नै उसतै बिनती करी, “म्हारै
गेल्या कीमे और दिन रह|” तो उसनै कोनी मान्नी; 21 पर न्यू कहकै उसतै
बिदा होया, “जै पणमेशर नै चाहया तो मै थारै धोरै फेर आऊँगा|” फेर ओ
इफिसुस तै जहाज खोलकै चाल दिया; 22 अर कैसरिया म्ह उतरकै
(यरूशलेम नै) गया अर कलीसिया ताहीं नमस्कार करकै अन्ताकिया म्ह
आया|

पौलुस की तीसरी प्रचार-यात्रा

23 फेर कीमे दिन रहकै ओ ओड़ै तै लिकड़या, अर एक ओर तै गलतिया
अर फ्रुगिया प्रदेशां म्ह सारे चेल्यां ताहीं स्थिर करदा हांडया|

इफिफुस नगर म्ह अपौलुस

24 अपुल्लोस नामक एक यहूदी, जिसका जन्म सिकन्दरिया म्ह होया था,
जो ज्ञानी माणस था अर पवित्रग्रन्थ ताहीं आच्छी तरियां तै जाणै था,
इफिसुस म्ह आया| 25 उसनै प्रभु कै राह की शिक्षा पाई थी, अर मन लाकै
यीशु कै बारै म्ह सई-सई सुणावै अर सिखावै था, पर ओ सिर्फ युहन्ना कै
बपतिस्मा की बात जाणै था| 26 ओ आराधनालय म्ह बिना डरे बोल्लण
लाग्या, पर प्रिसकिल्ला अर अक्विला उसकी बात सुणकै उस ताहीं आपणे
उरै ले गे अर पणमेशर की राह उस ताहीं और भी सई-सई बताई| 27 जिब्ब
उसनै निश्चय करया के पार उतरकै अखाया नै जावै तो भाईयां नै उस ताहीं
धीरज बन्धाकै चेल्यां ताहीं लिख्या के वे उसतै आच्छी ढाळ फेटै; अर उसनै
ओड़ै पहोचकै उन माणसां की घणी मदद करी जिन्नै अनुग्रह कै कारण
बिश्वास करया था| 28 क्यूँके ओ पवित्रग्रन्थ तै सबूत दे-देकै के यीशु ए मसीह
सै, घणे तावळे पण तै यहूदियां ताहीं सारया कै श्यामी निरुतर (बोलती बन्द)
करदा रहया|

इफिसुस नगर म्ह पौलुस

19 जिब्ब अपुल्लोस कुरिन्थस म्ह था, तो पौलुस ऊप्पर के सारे प्रदेश
तै होकै इफिसुस म्ह आया| ओड़ै कई चेल्यां ताहीं देखकै 2 उनतै
बोल्या, “के थमनै बिश्वास करदे टेम पवित्र आत्मा पाया?” उन्नै उसतै कह्या,
“हमनै तो पवित्र आत्मा का जिक्रा भी कोनी सुणया|” 3 उसनै उनतै कह्या,
“तो फेर थमनै किसका बपतिस्मा लिया?” वे बोल्ले, “युहन्ना का बपतिस्मा|”
4 पौलुस बोल्या, “युहन्ना नै न्यू कहकै मन फिराण का बपतिस्मा दिया के जो
मेरै पाच्छै आण आळा सै, उस पै यानिके यीशु पै बिश्वास करयो|” 5 न्यू
सुणकै उन्नै प्रभु यीशु कै नाम म्ह बपतिस्मा लिया| 6 जिब्ब पौलुस नै उन पै
हाथ धरे, तो पवित्र आत्मा उन पै उतरया, अर वे न्यारी-न्यारी भाषा बोल्लण
अर भविष्यवाणी करण लाग्गे| 7 ये सारे करीबन बारहा माणस थे|

8 ओ आराधनालय म्ह जाकै तीन महिन्ने ताहीं बिना डरे होकै बोल्दा
रह्या, अर पणमेशर के राज्य कै बारै म्ह बहस करदा अर समझान्दा रह्या|
9 पर जिब्ब कीमे माणसां नै करड़े होकै उसकी नीं मान्नी बल्के माणसां कै
श्यामी इस राह नै भुंडा कहण लाग्गे, तो उसनै उन ताहीं छोड़ दिया अर
चेल्यां ताहीं न्यारा कर लिया, अर रोज तुरन्नुस की पाठशाला म्ह बहस करया
करै था| 10 दो साल ताहीं न्यू ए होन्दा रह्या, उरै ताहीं के आसिया के
रहणीये के यहूदी के यूनानी सारया नै प्रभु का बचन सुण लिया|

11 पणमेशर पौलुस के हाथां तै सामर्थ के अनोक्खे काम दिखावै था|
12 उरै ताहीं के रूमाल अर अन्गोंछे उसकै गात तै छुआ कै बिमारां पै गेरै थे,
अर उनकी बीमारी जान्दी रहवैं थीं; अर भूंडी औपरी आत्मां उनम्ह तै
लिकड़ जाया करै थीं| 13 पर कीमे यहूदी जो झाड़ा-फूँकी करदे हान्डै थे, न्यू
करण लाग्गे के जिनम्ह भूंडी औपरी आत्मा हो उन पै प्रभु यीशु का नाम न्यू
कहकै फूँके, “जिस यीशु का प्रचार पौलुस करै सै, मै थारे ताहीं उस्से की सूह
द्युँ सूं|” 14 अर स्क्विवा नाम का एक यहूदी प्रधान याजक के सात बेट्टे थे, जो
इस्से तरियां ए करैं थे| 15 पर भूंडी औपरी आत्मा नै उन ताहीं जबाब दिया,
“यीशु ताहीं मै जांणु सूं, अर पौलुस ताहीं भी पिच्छाणु सूं, पर थम कौण सो?”
16 अर उस माणस नै जिसम्ह भूंडी औपरी आत्मा थी उन पै लपककै अर
उन ताहीं बस म्ह ल्याकै, उन पै इसा खण्डत मचाया के वे उघाड़े अर घायल
होकै उस घर तै लिकड़ भाज्जे| 17 या बात इफिसुस के रहणआळे सारे यहूदी
अर यूनानी भी जाण गे, अर वे सारे डर गे; अर प्रभु यीशु कै नाम की बड़ाई
होई| 18 जिन्नै बिश्वास करया था, उनम्ह तै घण-खरया नै आकै आपणे-
आपणे काम्मां ताहीं मान लिया अर दिखा दिया| 19 जादू करण आळयां म्ह
तै घणा ए नै आपणी-आपणी पोथियाँ कट्ठी करकै सारया कै श्यामी जळा दीं,
अर जिब्ब उसका दाम जोड़या गया, तो पचास हजार चाँदी के सिक्के कै
बराबर लिकड़या| 20 इस तरियां प्रभु का बचन हान्गे कै बळ फ़ैलदा अर
हावी होंदा गया|

21 जिब्ब ये बात हो ली तो पौलुस नै आत्मा म्ह ठाणा के मकिदुनिया अर
अखाया तै होकै यरूशलेम नै जाऊँ, अर बोल्या, “ओड़ै जाण कै बाद मन्नै
रोम ताहीं भी देखणा जरूरी सै|” 22 इसकरकै आपणी सेवा करणीयां म्ह तै
तीमुथियुस अर इरास्तुस ताहीं मकिदुनिया खन्दाकै खुद कीमे दिन आसिया
म्ह रहग्या|

इफिसुस म्ह उपद्रव

23 उस टेम उस पन्थ कै बारै म्ह घणा रोळा माच्या| 24 क्यूँके देमेत्रियुस
नाम का एक सुनार अरतिमिस के चाँदी के मन्दर बणवाकै कारिगरां ताहीं
घणा काम दुवाया करै था| 25 उसनै उन ताहीं अर इस्से तरियां की चिज्ज़ां के
कारिगरां ताहीं कट्ठा करकै कह्या, “हे माणसो, थमनै बेरा सै के इस काम तै
हमनै कितना धन मिलै सै| 26 थम देक्खो अर सुणो सो के सिर्फ इफिसुस
म्ह ए कोनी, बल्के कई बर सारे आसिया म्ह न्यू कह-कहकै इस पौलुस नै
घणे माणसां ताहीं समझाया अर भकाया भी सै, के जो हाथ की कारीगरी सै,
वे ईश्वर कोनी| 27 इसतै इब सिर्फ इस्से बात का ए भय नीं सै के म्हारै इस
धन्धे की इज्ज़त-मान जान्दी रहवैगी, बल्के न्यू भी के महान देबी अरतिमिस

का मन्दर तुच्छ समझया जावैगा, अर जिस ताहीं सारा आसिया अर दुनिया
पूज्जै सै उसका महत्व भी जान्दा रहवैगा|”
28 वे न्यू सुणकै खुन्दक तै भर गे अर किल्की मार-मारकै कहण लाग्गे,
“इफिसियों की अरतिमिस, महान सै!” 29 अर सारे नगर म्ह घणा रोळा
माचग्या, अर माणसां नै मकिदुनियावासी गयुस अर अरिस्तर्खुस ताहीं जो
पौलुस के संगी मुसाफर थे, पकड़ लिया, अर एक सेत्ती रंगशाला म्ह भाज
गे| 30 जिब्ब पौलुस नै माणसां कै धोरै भीत्तर जाणा चाहया तो चेल्यां नै उस
ताहीं जाण नीं दिया| 31 आसिया के हाकिमां म्ह तै भी उसके कई ढब्बियां नै
उसकै धोरै कुहवा भेज्या अर बिनती करी के रंगशाला म्ह जाकै जोख्खम नीं
ठाणा| 32 ओड़ै कोए कीमे चिल्लावै था अर कोए कीमे, क्यूँके पंचायत म्ह घणी
गड़बड़ी होरी थी, अर घणखरे माणस न्यू जाणै भी कोनी थे की हम क्यां
खातर कट्ठे होए सां| 33 फेर उन्नै सिकन्दर ताहीं, जिस ताहीं यहूदियां नै
खड़या करया था, भीड़ म्ह आगै बढ़ाया| सिकन्दर हाथ तै इशारा करकै
माणसां कै श्यामी जबाब देणा चाहवै था| 34 पर जिब्ब उन्नै बेरा लागग्या के
ओ यहूदी सै, तो सारे के सारे एक बोल म्ह कोए दो घंटे ताहीं चिल्लान्दे रहे,
“इफिसियों की अरतिमिस, महान सै|” 35 फेर नगर के मन्त्री नै माणसां ताहीं
शान्त करकै कह्या, “हे इफिसुस के माणसो, किसनै नीं बेरा के इफिसियों का
नगर महान देबी अरतिमिस के मन्दर, अर ज्यूस की ओड़ तै गिरी होड़ मूर्ति
का टहलुआ सै| 36 आखर म्ह जिब्ब के इन बात्तां का खण्डन ए कोनी हो
सकदा, तो सई सै के थम शान्त रहो अर बिना सोच्चे-समझे कीमे ना करो|
37 क्यूँके थम इन माणसां नै ल्याए सो जो ना मन्दर के लुट्टण आळे सैं अर ना
म्हारी देबी के बुराई करणीये सै| 38 जै देमेत्रियुस अर उसके ढब्बी-कारिगरां
ताहीं किसे तै झगड़ा हो तो कचहड़ी खुली सै अर हाकिम भी सै; वे एक-दुसरे
पै दोष लावै| 39 पर जै थम किसे और बात कै बारै म्ह कीमे बुझणा चाहो सो,
तो टेम पै पंचायत म्ह फैसला करया जावैगा| 40 क्यूँके आज के रोळे कै
कारण म्हारै पै तोहमन्द लाये जाण का भय सै, इसकरकै इसका कोए कारण
कोनी, अर हम इस भीड़ के कट्ठा होण का कोए जबाब कोनी दे सकांगे|”
41 न्यू कहकै उसनै पंचायत ताहीं बिदा करया|

मकिदुनिया, यूनान अर त्रोआस म्ह पौलुस

20 जिब्ब रोळा थमग्या तो पौलुस नै चेल्यां ताहीं बुलाकै समझाया, अर
उनतै बिदा होकै मकिदुनिया की ओड़ चाल दिया| 2 उस सारे प्रदेश
म्ह तै होकै अर चेल्यां ताहीं घणा समझाकै ओ यूनान म्ह आया| 3 जिब्ब
तीन महीन्ने रहकै ओ ओड़ै तै जहाज पै सीरिया की ओड़ जाण पै था, तो
यहूदी उसकी टाह म्ह लाग्गे, ज्यांतै उसनै निश्चय करया के मकिदुनिया होकै
बोहड़ जावै| 4 बिरीया के पुर्रुस का बेट्टा सोपत्रुस अर थिस्सलुनिकिया म्ह तै
अरिस्तर्खुस अर सिकुन्दुस, अर दिरबे का गयुस, अर तीमुथियुस, अर
आसिया का तुखिकुस अर त्रुफिमुस आसिया ताहीं उसकै गेल हो लिये| 5 वे
आगै जाकै त्रोआस म्ह म्हारी बाट देख्दे रहे| 6 अर हम अखमीरी रोट्टी के
दिनां कै पाच्छै फिलिप्पी तै जहाज पै चढ़कै पाँच दिन म्ह त्रोआस म्ह उसकै
धोरै पहोचे, अर सात दिन ताहीं रऐ|

त्रोआस म्ह युतुखुस का जिन्दा करणा

7 हफ्ते के पहल्ड़े दिन जिब्ब हम रोट्टी तोड़ण कै खातर कट्ठे होये, तो
पौलुस जो दुसरै दिन चले जाण पै था, उनतै बात करी; आधी रात ताहीं बात
करदा रहया| 8 जिस चौबारे पै हम कट्ठे थे, उसम्ह घणे दिवे जळण लागरे
थे| 9 अर यूतुखुस नाम का एक गाबरू खिड़की पै बैठ्या होया गहरी नींद तै
टुहल्लन लागरया था| जिब्ब पौलुस वारी ताहीं बात करदा रहया तो ओ नींद
के झोक्के तै तीसरी अटारी पै तै पड़ग्या, अर मरया होया ठाया ग्या| 10 पर
पौलुस उतरकै उसतै लिपटग्या, अर गलै लाकै कह्या, “घबराईयो ना; क्यूँके
ओ जीवै सै|” 11 अर ऊप्पर जाकै रोट्टी तोड़ी अर खाकै इतनी वार ताहीं
उनतै बात करदा रहया के सबेरा होग्या| फेर ओ चल्या गया| 12 अर वे उस
गाबरू ताहीं जिन्दा लीयाए अर घणी शान्ति मिली|

त्रोआस तै मिलेतुस की यात्रा

13 हम पहल्या ए जहाज पै चढ़कै अस्सुस नै इस सोच तै आगै गये के ओड़ै
तै हम पौलुस ताहीं चढ़ा लेवां, क्यूँके उसनै यो इसकरकै ठहराया था के खुद
ए पैदल जाण आळा था| 14 जिब्ब ओ अस्सुस म्ह म्हारै ताहीं फेट्या तो हम
उसनै चढ़ाकै मितुलेने म्ह आये| 15 ओड़ै तै जहाज खोलकै हम दुसरे दिन
खियुस कै श्यामी पहोचे, अर आगलै दिन सामुस म्ह जाण लाग्गे; फेर दुसरे
दिन मिलेतुस म्ह आये| 16 क्यूँके पौलुस नै इफिसुस कै धोरै होकै जाण की
पक्की सोच राक्खी थी के कदे इसा ना हो के उस ताहीं आसिया म्ह वार लाग
ज्या; क्यूँके ओ तगाजै म्ह था के जै हो सकै तो ओ पिन्तेकुस्त कै दिन
यरूशलेम म्ह रहवै|

इफिसुस के प्राचीनां का उपदेश

17 उसनै मिलेतुस तै इफिसुस म्ह कुहवा भेज्या, अर कलीसिया के
प्राचीनां ताहीं बुलवाया| 18 जिब्ब वे उसकै लवै आये, तो उनतै कहया :
“थमनै बेरा सै के पहल्ड़े ए दिन तै जिब्ब मै आसिया म्ह पहोच्या, मै हर-बख्त
थारे गेल्या किस ढाळ रहया---- 19 यानिके घणी दीनता तै, अर आँसू बहा-
बहाकै, अर उन हिम्तानां म्ह जो यहूदियां की साजिस कै कारण मेरै पै आण
पड़ी, मै प्रभु की सेवा करदा ए रहया| 20 अर जो-जो बात थारे नफे की थीं,
उन ताहीं बताण अर माणसां कै श्यामी अर घर-घर सिखाण तै कदे नीं
झिझक्या, 21 बल्के यहूदियां अर युनानियां कै श्यामी गवाही देंदा रहया के
पणमेशर की ओड़ मन फिराणा अर म्हारै प्रभु यीशु पै बिश्वास करणा चहिये|
22 इब देक्खो, मै आत्मा म्ह बन्धया होया यरूशलेम नै जाऊँ सूं, अर मन्नै नीं
बेरा के ओड़ै मेरै पै के-के बीतै गी; 23 सिर्फ यो के पवित्र आत्मा हरेक नगर म्ह
गवाही दे-देकै मेरै तै कहवै सै के बन्धन अर क्लेश तेरै खातर त्यार सै| 24 पर
मै आपणी ज्यान नै किमे नीं समझदा के उस तै प्रेम राक्खूँ, बल्के यो के मै
आपणी दौड़ ताहीं अर उस सेवा नै पूरी करूँ, जो मन्नै पणमेशर कै अनुग्रह के
सुसमाचार पै गवाही देण कै खातर प्रभु यीशु तै पाई सै| 25 इब देक्खो, मन्नै
बेरा सै के थम सारे जिनम्ह मै पणमेशर के राज्य का प्रचार करदा हांडया,
मेरा मुँह दुबारा कोनी देक्खोगे| 26 ज्यांतै मै आज कै दिन थारै तै गवाही देकै
कहूँ सूं, के मै सारया के लहू तै बेकसूर सूं| 27 क्यूँके मै पणमेशर की सारी
मन्सा नै थारै ताहीं पूरी तरियां तै बताण तै कोनी झिझक्या| 28 इसकरकै
आपणी अर पुरै टोळ की चौकसी करो जिसम्ह पवित्र आत्मा नै थारै ताहीं
अध्यक्ष या बिशप ठहराया सै, के थम पणमेशर की कलीसिया की रूखाळी
करो, जिस ताहीं उसनै आपणे लहू तै मोल लिया सै| 29 मन्नै बेरा सै के मेरै
जाण कै बाद पाड़ण आळे भेड़िए थारे म्ह आँवैगे जो टोळ नै कोनी छोड्डैगें|
30 थारै ए बिचाळै तै भी इसे-इसे माणस उठैगें, जो चेल्यां ताहीं आपणे पाच्छै
खिंच लेण ताहीं टेढ़ी-मेढ़ी बात कहवैगें| 31 इसकरकै जागदे रहो, अर याद
राक्खो के मन्नै तीन साल्लां ताहीं रात-दिन आँसू बहा-बहाकै हरेक ताहीं
चेतावनी देणा नीं छोड्या| 32 अर इब मै थमनै पणमेशर नै, अर उसके
अनुग्रह के बचन नै सौंप द्यूँ सूं; जो थारी बढोत्तरी कर सकै सै अर सारे पवित्र
करे होड़ माणसां म्ह सांझी करकै मीरास दे सकै सै| 33 मन्नै किसे के चाँदी,
सोन्ने या लत्ते का लोभ कोनी करया| 34 थमनै खुदे बेरा सै के इन्ने हाथां नै
मेरी अर मेरे ढब्बियां की जरूत पूरी करी सै| 35 मन्नै थारै ताहीं सारया कीमे
करकै दिखाया के इस तरियां तै मेहनत करदे होए कमजोरां ताहीं सम्भालणा
अर प्रभु यीशु के बचन याद राखणा जरूरी सै, जो उसनै खुदे कहया सै :
‘लेण तै देणा धन्य सै’|” 36 न्यू कहकै उसनै गोड्डे टेक्के अर उन सारया कै
गेल्या प्रार्थना करी| 37 फेर वे सारे घणे रोये अर पौलुस कै गलै लिपटकै उस
ताहीं चुम्मण लाग्गे|
38 वे ख़ासकर इस बात तै दुखी थे जो उसनै कही थी के थम मेरा मुँह
दुबारा कोनी देक्खोगे| फेर उसनै उस ताहीं जहाज ताहीं पहोचाया|

पौलुस का यरूशलेम नै जाणा

21 जिब्ब हमनै उनतै न्यारे होकै जहाज खोल्या, तो सीधी राही तै
कोस म्ह आये, अर दुसरे दिन रुदुस म्ह अर ओड़ै तै पतरा म्ह|

2 ओड़ै एक जहाज फिनीके नै जान्दा होया फेट्या, अर हमनै उस पै चढ़कै
उस ताहीं खोल दिया| 3 जिब्ब साइप्रस दिखया, तो हमनै उस ताहीं ओळै
हाथ छोड्या, अर सीरिया नै चालकै सूर म्ह उतरे; क्यूँके ओड़ै जहाज का
माळ उतरणा था| 4 चेल्यां नै पाकै हम ओड़ै सात दिन ताहीं रहे| उन्नै
आत्मा के सिखाए पौलुस तै कहया के ओड़ै (यरूशलेम म्ह) पाँ ना धरिये|
5 जिब्ब वे दिन पुरे हो गे, तो हम ओड़ै तै चाल पड़े; अर सारया नै लुगाईयाँ
अर बाळकां सुदा म्हारै ताहीं नगर कै बाहरण पहोचाया; अर हम नै कंठारै पै
गोड्डे टेककै प्रार्थना करी, 6 फेर एक दुसरे तै बिदा होकै, हम तै जहाज पै
चढ़गे अर वे आपणे-आपणे घरा बोहड़गे|
7 जिब्ब हम सूर तै पाणी पै सफर करकै पतुलिमयिस म्ह पहोच्चे, अर
भाईयां नै नमस्कार करकै उनकै गेल्या एक दिन रहे| 8 दुसरे दिन हम ओड़ै
तै चालकै कैसरिया म्ह आये, अर फिलिप्पुस सुसमाचार प्रचारक कै घर म्ह
जो सात्तां म्ह तै एक था; जाकै उसकै उरै रहे| 9 उसकी चार कुँवारी बेट्टी
थीं, जो भविष्यवाणी करया करैं थीं| 10 जिब्ब हम ओड़ै घणे दिन ताहीं रह
लिये, तो अगबुस नामका एक नब्बी यहूदिया म्ह आया| 11 उसनै म्हारै धोरै
आकै पौलुस का कमरबन्ध लिया, अर आपणे हाथ-पाँ बाँधकै कह्या, "पवित्र
आत्मा न्यू कहवै सै के जिस माणस का यो कमरबन्ध सै, उस ताहीं
यरूशलेम म्ह यहूदी इस्से तरियां तै बाँधैगें, अर गैर-जात्तां कै हाथां म्ह
सौंपैगें|" 12 जिब्ब हमनै ये बात सुणी, तो हमनै अर ओड़ै के माणसां नै उसतै
बिनती करी के यरूशलेम नै ना जाइए| 13 पर पौलुस नै जबाब दिया, "थम
के करो सो के रो-रोकै मेरा दिल तोड़ो सो? मै तो प्रभु यीशु कै नाम कै खातर
यरूशलेम म्ह ना सिर्फ बाँधे जाण ए कै खातर बल्के मरण कै खातर भी त्यार
सूं|" 14 जिब्ब उसनै नीं मान्नी तो हम न्यू कहकै बोल-बाल्ले रहगे, "प्रभु की
मर्जी पूरी हो|" 15 इन दिनां कै पाच्छै हमनै त्यारी करी अर यरूशलेम नै चाल
दिए| 16 कैसरिया तै भी कीमे चेल्ले म्हारै गेल्या हो लिए, अर म्हारै ताहीं
मनासोन नामक साइप्रस कै एक पुराणे चेल्ले कै उरै ली याए, के हम उसकै
उरै टिकां|

पौलुस की याकूब तै भेंट

17 जिब्ब हम यरूशलेम म्ह पहोच्चे, तो भाई घणी ख़ुशी कै गेल्या हम तै
फेट्टे| 18 दुसरे दिन पौलुस म्हारै ताहीं लेकै याकूब कै धोरै गया, जित्त सारे
प्राचीन कट्ठे थे| 19 जद उसनै उन ताहीं नमस्कार करकै, जो-जो काम
पणमेशर नै उसकी सेवा के जरिये गैर-जात्तां म्ह करे थे, एक-एक करकै सारे
बताए| 20 उन्नै न्यू सुणकै पणमेशर की महिमा करी, फेर उसतै बोल्या, "हे
भाई, तू देखै सै के यहूदियां म्ह तै कई हजारां नै बिश्वास करया सै; अर सारे
व्यवस्था कै खातर धुन लावैं सैं| 21 उन ताहीं तेरै बारै म्ह सिखाया गया सै
के तू गैर-जात्तां म्ह रहणीया यहूदियां नै मूसा तै फिर जाण नै सिखावै सै,
अर कहवै सै, के ना आपणे बाळकां का खतना कराओ अर ना रित-रिवाज़ां
पै चाल्लो| 22 तो फेर के करया जावै? माणस जरुर सुणैगें के तू आया सै|
23 इसकरकै जो हम तेरै तै कहवां सां, ओ कर| म्हारै उरै चार माणस सै
जिन्नै मन्नत मान्नी सै| 24 उन्नै लेकै उनकै गेल्या आपणे आप ताहीं शुद्ध कर;
अर उसकै खातर खर्चा दे के वे सिर मुन्ढाएँ| फेर सारया नै बेरा लाग ज्यागा
के जो बात उन ताहीं तेरै बारै म्ह बताई गई, उनम्ह कीमे सच्चाई कोनी सै पर
तू खुद भी व्यवस्था नै मान कै उसकै मुताबिक चालै सै| 25 पर उन गैर-
जात्तां कै बारै म्ह जिन्नै बिश्वास करया सै, हमनै यो फ़ैसला करकै लिख
भेज्या सै के वे मूर्तियाँ कै श्यामी बलि करे होड़ मांस तै, अर लहू तै अर घेट्टी
घोट्टे होयां के मांस्सां तै अर जारी तै बचे रहवैं|" 26 फेर पौलुस उन माणसां
नै लेकै, अर दुसरे दिन उनकै गेल्या शुद्ध होकै मन्दर म्ह गया, अर ओड़ै बता
दिया के शुद्ध होण कै दिन, यानिके उनम्ह तै हरेक कै खातर चढावा चढाए
जाण तक के दिन कद पुरे होवैगें|

मंदर म्ह पौलुस का पकड़या जाणा

27 जिब्ब वे सात दिन पुरे होण पै थे, तो आसिया के यहूदियां नै पौलुस
ताहीं मन्दर म्ह देखकै सारे माणसां ताहीं उकसाया, अर न्यू रुक्का मारकै उस
ताहीं पकड़ लिया, 28 "हे इस्राएलियो, मदद करो; यो ओए माणस सै, जो
माणसां के, अर व्यवस्था के, अर इस जंगहा कै बिरोध म्ह हरेक जंगहा सारे
माणसां नै सिखावै सै, उरै ताहीं के यूनानियां ताहीं भी मन्दर म्ह ल्याकै
उसनै इस पवित्र जंगहा ताहीं अपवित्र करया सै|" 29 उन्नै इसतै पहल्या
इफिसुसवासी त्रुफिमुस ताहीं उसकै गेल्या नगर म्ह देख्या था, अर सोचै थे
के पौलुस उसनै मन्दर म्ह लीयाआ सै| 30 फेर सारे नगर म्ह रोळा माचग्या,
अर माणस भाजकै कट्ठे होए, अर पौलुस नै पकड़कै बाहरण घसीट ल्याए,
अर जिब्बे किवाड़ बन्द करे गये| 31 जिब्ब वे उसनै मार देणा चाहवै थे, तो
फ़ौज के सरदार नै सन्देशा पहोच्या के सारे यरूशलेम म्ह रोळा माचरया सै|
32 फेर ओ जिब्बे सिपाहियां अर सूबेदारां नै लेकै उनकै धोरै तळै भाज आया;
अर उन्नै फ़ौज के सरदार अर सिपाहियां ताहीं देखकै पौलुस ताहीं मारणा-
छेतणा छोड़ दिया| 33 फेर फ़ौज के सरदार नै धोरै आकै उस ताहीं पकड़
लिया, अर दो साँकळा तै बाँधण का हुक्म देकै बुझ्झण लाग्या, "यो कौण सै
अर इसनै के करया सै?" 34 पर भीड़ म्ह तै कोए कीमे अर कोए कीमे
चिल्लान्दा रहया| जिब्ब रोळै कै मारै ओ सई सच्चाई नीं जाण सक्या, तो उस
ताहीं गढ़ म्ह ले जाण का हुक्म दिया| 35 जिब्ब ओ सीढ़ी पै पहोच्या, तो इसा
होया के भीड़ की दाब कै मारे सिपाहियां नै उस ताहीं ठाकै ले जाणा पड़या|
36 क्यूँके माणसां की भीड़ न्यू चिल्लान्दी होई उसकै पाच्छै पड़री थी, "उसनै
खत्म कर द्यो|"
37 जिब्ब वे पौलुस नै गढ़ म्ह ले जाण पै थे, तो उसनै फ़ौज के सरदार तै
कह्या, "के मन्नै हुक्म द्यो सो के मै थारे तै कीमे कहूँ?" ओ बोल्या, "के तू
यूनानी जाणै सै? 38 के तू ओ मिस्री कोनी, जो इन दिनां तै पहल्या बिद्रोही
बणकै, चार हजार छुरे-सुदा माणसां ताहीं जंगळ म्ह लेग्या?" 39 मै तो तरसुस
का यहूदी माणस सूं! किलिकिया कै मसूर नगर का बासिन्दा सूं| मै तेरै तै
बिनती करूँ सूं के मन्नै माणसां तै बात करण दे|" 40 जिब्ब उसनै हुक्म दिया,
तो पौलुस नै सीढ़ी पै खड़े होकै माणसां ताहीं हाथ तै इशारा करया| जिब्ब वे
चुप होए तो ओ इब्रानी भाषा म्ह बोल्लण लाग्या :

भीड़ कै श्यामी पौलुस का भाषण

22 "हे भाईयो अर पितरो, मेरा बदले म्ह जबाब सुणो, जो मै इब थारै
श्यामी ल्याऊँ सूं|" 2 वे न्यू सुणकै के ओ हम तै इब्रानी भाषा म्ह
बोल्लै सै, और भी बोल-बाल्ले होगे| फेर उसनै कहया : 3 "मै तो यहूदी माणस
सूं, जो किलिकिया के तरसुस म्ह जन्म; पर इस नगर म्ह गमलीएल के पाँया
कै धोरै बैठकै पढाया गया, अर बाप-दाद्या अर पणमेशर कै खातर इसी धुन
लाए रह था, जिस तरियां थम सारे आज लाए रहो सो| 4 मन्नै माणस अर
लुगाई दोनुआ ताहीं जुड़-जुड़कै अर जेळ म्ह गेर-गेरकै, इस पंथ नै उरै ताहीं
सताया के उन ताहीं मरवा भी दिया| 5 इस बात कै खातर महायाजक अर
सारे पुरनिये गवाह सैं, के उनतै मै भाईयां कै नाम पै चिट्ठियाँ लेकै दमिश्क नै
चल्या जावै था, के जो ओड़ै हों उन ताहीं भी सजा दुवाण कै खातर बाँधकै
यरूशलेम लाऊँ|

अपणे हृदय-परिवर्तन का जिकरा

6 "जिब्ब मै चाल्दे-चाल्दे दमिश्क कै लोवै पहोच्या, तो इसा होया के दो
पहर कै करीबन चाणचक एक घणा चाँदणा अकास तै मेरै चौगरदे नै
चमक्या| 7 अर मै धरती पै ढह पड़या अर यो शब्द सुणया, 'हे शाऊल, हे
शाऊल, तू मेरै ताहीं क्यांतै सतावै सै?' 8 मन्नै जबाब दिया, 'हे प्रभु, तू कौण
सै?' उसनै मेरै तै कह्या, 'मै यीशु नासरी सूं, जिस ताहीं तू सतावै सै|' 9 मेरे
ढब्बियाँ नै चाँदणा तो देख्या, पर मेरै तै जो बोल्लै था उसका शब्द कोनी
सुणया| 10 फेर मन्नै कह्या, 'हे प्रभु, मै के करूँ?' प्रभु नै मेरै तै कह्या, 'उठकै
दमिश्क म्ह जा, अर जो कीमे तेरै तै करण कै खातर ठहराया गया सै ओड़ै
तेरै तै सब बता दिया जावैगा|' 11 जिब्ब उस चाँदणे के तेज के मारे मन्नै कीमे
कोनी दिख्या, तो मै आपणे ढब्बियाँ का हाथ पकड़े होए दमिश्क म्ह आया|
12 "फेर हनन्याह नामक व्यवस्था कै मुताबिक एक भगत माणस, जो ओड़ै
के रहणीये सारे यहूदियां म्ह सुनाम्मी था, मेरै धोरै आया, 13 अर खड़े होकै
मेरै तै कह्या, 'हे भाई शाऊल, फेर देखण लाग|' उस्से टेम मेरी आँख खुल
गी अर मन्नै उस ताहीं देख्या| 14 फेर उसनै कह्या, 'म्हारै बाप-दाद्या के

पणमेशर नै तेरै ताहीं ज्यांतै ठहराया के तू उसकी मर्जी नै जाणै, अर उस धर्मी नै देखै अर उसकै मुँह की बात सुणै| 15 क्यूँके तू उसकी ओड़ तै सारे माणसां कै श्यामी उन बात्तां का गवाह होगा जो तन्नै देक्खी अर सुणी सै| 16 इब क्यांतै वार करै सै? उठ, बपतिस्मा ले, अर उसका नाम लेकै आपणे पापां नै धो ले|'

गैर-जात्तां म्ह प्रचार का आह्वान

17 "जिब्ब मै दुबारा यरूशलेम म्ह आकै मन्दर म्ह प्रार्थना करण लागरया था, तो बेसुध होग्या, 18 अर उस ताहीं देख्या के ओ मेरै तै कहवै सै, 'तोळ करकै यरूशलेम तै झट दे-सी लिकड़ज्या; क्यूँके वे मेरै बारै म्ह तेरी गवाही कोनी मान्नैगें|' 19 मन्नै कह्या, 'हे प्रभु, उन्नै तो खुदे बेरा सै के मै तेरै पै बिश्वास करण आळा नै जेळ म्ह गेरू अर जंगहा-जंगहा आराधनालय म्ह छित्वाऊँ था| 20 जिब्ब तेरे गवाह स्तिफनुस का लहू बहाया जाण लागरया था जद मै भी ओड़ै ए खड़या था अर इस बात म्ह सहमत था, अर उसकै मारणीयां के लत्या की रूखाली करूँ था|' 21 अर उसनै मेरै तै कह्या, 'चल्या जा : क्यूँके मै तेरै ताहीं गैर-जात्तां कै धोरै दूर-दूर खन्दाऊँगा'|"

22 वे इस बात तक उसकी सुणदे रहे, फेर ठाड्ढू बोल तै चिल्लाए, "इसै माणस का नास करो, उसका जिन्दा रहणा सई कोनी!" 23 जिब्ब वे चिल्लान्दे अर लत्ते बगान्दे अर अकास म्ह धूळ उड़ावै थे; 24 तो फ़ौज के सरदार नै कह्या, "इस ताहीं गढ़ म्ह ले जाओ, अर कोरड़े मारकै जाँचो, के मन्नै बेरा लाग्गै के माणस किस कारण उसकै बिरोध म्ह इस ढाळ चिल्लावै सैं|" 25 जिब्ब उन्नै उस ताहीं फित्त्यां तै बाँधया तो पौलुस नै उस सूबेदार तै जो धोरै खड़या था, कहया, "के यो सई सै के थम एक रोमी माणस ताहीं, अर ओ भी बिना कसूरवार ठहराए होए, कोरड़े मारो?" 26 सूबेदार नै न्यू सुणकै फ़ौज के सरदार कै धोरै जाकै कह्या, "तू यो के करै सै? यो तो रोमी माणस सै|" 27 फेर फ़ौज के सरदार नै उसकै धोरै आकै कह्या, "मन्नै बता, के तू रोमी सै?" उसनै कह्या, "हम्बै |" 28 न्यू सुणकै फ़ौज के सरदार नै कह्या, "मन्नै रोमी होण का ओद्दा घणे रपिये देकै मिल्या सै|" पौलुस नै कह्या, "मै तो जन्म तै रोमी सूं?" 29 फेर जो माणस उस ताहीं जांच्चण पै थे, वे जिब्बे उसकै धोरै तै हटगे; अर फ़ौज का सरदार भी न्यू जाणकै के यो रोमी सै अर मन्नै उस ताहीं बाँधया सै, डरग्या|

महासभा कै श्यामी पौलुस

30 दुसरे दिन उसनै सई-सई ज्यानण की मर्जी तै के यहूदी उस पै क्यांतै तोहमन्द लगावै सै, उसके बन्धन खोल दीए; अर प्रधान याजकां अर सारी बड्डी पंचायत ताहीं कट्ठा होण का हुक्म दिया, अर पौलस नै तळै ले जाकै उनकै श्यामी खड़या कर दिया|

23 पौलुस नै बड्डी पंचायत की ओड़ गौर तै देख्या अर कह्या, "हे भाईयो, मन्नै आज ताहीं पणमेशर कै खातर जमा-कती साच्चे मन तै जीवन बिताया सै|" 2 इस पै हनन्याह महायाजक नै उन ताहीं जो उसकै धोरै खड़े थे, उसकै मुँह पै रैप्ट मारण का हुक्म दिया| 3 फेर पौलुस नै उसतै कह्या, "हे चुन्ना फिरी होड़ भीत, पणमेशर तेरै ताहीं मारैगा| तू व्यवस्था कै मुताबिक मेरा न्याय करण नै बैठ्या सै, अर फेर के व्यवस्था कै खिलाफ मेरै ताहीं मारण का हुक्म देवै सै?" 4 जो धोरै खड़े थे उन्नै कह्या, "के तू पणमेशर कै महायाजक नै आच्छा-भुंडा बोल्लै सै?" 5 पौलुस नै कह्या, "हे भाईयो, मन्नै नीं बेरा था के यो महायाजक सै; क्यूँके लिख्या सै : 'आपणे माणसां के प्रधान नै भुंडा ना बोलिए'|"

6 फेर पौलुस नै न्यू जाणकै के एक टोळ सदुकिया अर दूसरा फरिसियाँ का सै, पंचायत म्ह रुक्का मारकै कह्या, "हे भाईयो, मै फरीसी अर फरिसियाँ के बंश का सूं, मरे होया की आस अर पुनरुत्थान कै बारै म्ह मेरा मुकदमा होरया सै|" 7 जिब्ब उसनै या बात कही तो फरिसियाँ अर सदुकियाँ म्ह रोळा होण लाग्या; अर पंचायत म्ह फूट पड़गी| 8 क्यूँके सदुकी तो न्यू कहवै सै, के ना पुनरुत्थान सै, ना सुर्गदुत अर ना आत्मा सै; पर फरीसी इन सारया नै मान्नैं सैं| 9 फेर घणा रोळा माच्या अर कुछ शास्त्री जो फरिसियाँ के टोळ के थे, उठ लिए अर न्यू कहकै रोळा करण लाग्गे, "हम इस माणस म्ह कोए बुराई कोनी पांदे, अर जै कोए आत्मा या सुर्गदुत उसतै बोल्या सै तो फेर के होग्या?" 10 जिब्ब घणा रोळा होया, तो फ़ौज के सरदार नै इस भय तै के वे पौलुस के टुकड़े-टुकड़े ना कर देवै, फ़ौज ताहीं हुक्म दिया के उतरकै उस ताहीं उनकै बिच्चाळै तै हाँगै तै लिकाड़ै, अर गढ़ म्ह ले जावै| 11 उस्से रात प्रभु नै उसकै धोरै खड़े होकै कह्या, "हे पौलुस, धीरज राख; क्यूँके जिसी तन्नै यरूशलेम म्ह मेरी गवाही देई, उसीए तन्नै रोम म्ह भी गवाही देणी होगी|"

पौलुस की हत्या की साजिस

12 जिब्ब दिन लिकड़या तो यहूदियां नै साजिस रची अर सूंह खाई के जिब्ब ताहीं हम पौलुस नै मार नीं देवा, जद ताहीं खावां या पिवां म्हारै पै धिक्कार| 13 जिन्नै आप्पस म्ह या सूंह खाई थी, वे चाळीस जण्यां तै घणे थे| 14 उन्नै प्रधान याजकां अर पुरनियां कै धोरै जाकै कह्या, "हमनै न्यू ठाण लिया सै के जिब्ब ताहीं हम पौलुस नै मार नीं देंदे, जद ताहीं जै कीमे चाक्खां तो म्हारै पै धिक्कार सै| 15 इसकरकै इब बड्डी पंचायत सुदा फ़ौज के सरदार नै समझाओ के उसनै थारै धोरै लियावै, मान ल्यो के थम उसकै बारै म्ह और भी सई तै जाँच करणा चाहवो सो; अर हम उसकै पहोचण तै पहल्या ए उस ताहीं मार देण कै खातर त्यार रहवांगें|"

16 पौलुस कै भाण्जै नै सुणया के वे उसकी टाह म्ह सै, तो गढ़ म्ह जाकै पौलुस ताहीं संदेशां दिया| 17 पौलुस नै सूबेदारां म्ह तै एक ताहीं आपणे धोरै बुलाकै कह्या, "इस गाबरू नै फ़ौज के सरदार कै धोरै ले जाओ, यो उसतै कीमे कहणा चाहवै सै|" 18 इसकरकै उसनै उस ताहीं फ़ौज के सरदार कै धोरै ले जाकै कह्या, "कैदी पौलुस नै मेरै ताहीं बुलाकै बिनती करी के यो गाबरू फ़ौज के सरदार तै कीमे कहणा चाहवै सै; उस ताहीं उसकै धोरै ले जा|" 19 फ़ौज के सरदार नै उसका हाथ पकड़कै अर न्यारा जाकै बुझ्झया, "तू मेरै तै के कहणा चाहवै सै?" 20 ओ बोल्या, "यहूदियां नै साजिस रची सै के तेरै तै बिनती करै के काल पौलुस नै बड्डी पंचायत म्ह लाये, मान्नो वे और सई ढाळ तै उसकी जाँच करणा चाहवै सै| 21 पर उनकी मानियो मतना, क्यूँके उनम्ह तै चाळीस कै ऊप्पर माणस उसकी मारण की टाह म्ह सै, जिन्नै न्यू ठाण लिया सै के जिब्ब ताहीं वे पौलुस नै मार नीं देवै, जद ताहीं ना खावैगें अर ना पीवैगें| अर इब वे त्यार सै अर तेरै बचन की बाट देखण लागरे सै|" 22 फेर फ़ौज के सरदार नै गाबरू ताहीं यो हुक्म देकै बीदा करया, "किसे तै ना कहिये के तन्नै मेरै तै ये बात बताई सै|"

पौलुस ताहीं फेलिक्स कै धोरै भेज्या जाणा

23 फेर उसनै दो सूबेदारां ताहीं बुलाकै कह्या, "दो सौ सिपाही, सत्तर सवार, अर दो सौ भालैत, पहर रात बीते कैसरिया नै जाण कै खातर त्यार कर राक्खो | 24 अर पौलुस की सवारी कै खातर घोड़े त्यार राक्खो, के उस ताहीं फेलिक्स हाकिम कै धोरै राज़ी-ख़ुशी तै पहोचा दे|" 25 उसनै इस तरियां की चिट्ठी भी लिक्खी : 26 "महामहिम फेलिक्स हाकिम ताहीं क्लौकियुस लुसियास का नमस्कार| 27 इस माणस ताहीं यहूदियां नै पकड़कै मार देणा चाहया, पर जिब्ब मन्नै जाण्या के रोमी सै, तो फ़ौज लेकै छुटा ल्याया| 28 मै जाणना चाहूँ था के वे उस पै किस कारण तोहमन्द लावै सै, ज्यांतै उस ताहीं उनकी बड्डी पंचायत म्ह ले गया| 29 फेर मन्नै जाण लिया के वे आपणी व्यवस्था कै रोळै कै बारै म्ह उस पै तोहमन्द लगावै सै, पर मार देण जोग्गा या बाँधे जाण कै जोग्गा उसम्ह कोए कसूर कोनी| 30 जिब्ब मेरै ताहीं बताया गया के वे इस माणस की टाह म्ह लागरे सै तो मन्नै जिब्बे उस ताहीं तेरै धोरै खन्दा दिया; अर मुद्दईयां ताहीं भी हुक्म दिया के तेरै श्यामी उस पै नालिश करै|"

31 आखर म्ह जिसा सिपाहियां नै हुक्म मिल्या था, उस्से तरियां ए वे पौलुस नै लेकै रातो-रात अन्तिपत्रिस म्ह आये| 32 दुसरे दिन वे सवारा नै उसकै गेल्या जाण कै खातर छोड़कै खुद गढ़ नै बोहड़े| 33 उन्नै कैसरिया पहोचकै हाकिम ताहीं चिट्ठी दी; अर पौलुस ताहीं भी उसकै श्यामी खड़या करया| 34 उसनै चिट्ठी पढ़कै बुझ्झया, "यो किस प्रान्त का सै?" 35 अर जिब्ब जाण लिया के किलिकिया का सै तो उसतै कह्या, "जिब्ब तेरै मुद्दई भी

आवैगें, तो मै तेरा मुकद्दमा करूँगा|" अर उसनै उस ताहीं हेरोदेस कै किलै म्ह पहरे म्ह राखण का हुक्म दिया|

हाकिम फेलिक्स कै श्यामी पौलुस

24 पाँच दिन कै पाच्छै हनन्याह महायाजक कई पुरनियां अर तिरतुल्लुस नामक किसे वकील नै गेल्या लेकै आया| उन्नै हाकिम कै श्यामी पौलुस पै बुराई करी| 2 जिब्ब ओ बुलाया गया तो तिरतुल्लुस उस पै तोहमन्द लाकै कहण लाग्या : "हे महामहिम फेलिक्स, तेरै जरिये म्हारै म्ह राज़ी-ख़ुशी तै सै; अर तेरै इन्तजाम तै इस जात कै खातर घणीए बुराइयाँ सुधरदी जावै सै| 3 इस ताहीं हम हरेक जंगहा अर हरेक तरियां तै धन्यवाद कै गेल मान्नां सां| 4 पर इसकरकै के तन्नै और दुःख कोनी देणा चाहन्दा, मै तेरै तै बिनती करूँ सूं के दया करकै दो-एक बात सुण ले| 5 क्यूँके हमनै इस माणस ताहीं ऊत अर दुनिया के सारे यहूदिया म्ह रोळा कराण आळा, अर नासरिया कै भुन्डे-पन्थ का मुखिया पाया सै| 6 उसनै मन्दर ताहीं अशुद्ध करणा चाहया, पर हमनै उस ताहीं पकड़ लिया| [हमनै उस ताहीं आपणे व्यवस्था कै मुताबिक सजा दे दी होन्दी; 7 पर फ़ौज की सरदार लूसियास नै उस ताहीं हाँगै तै म्हारै हाथ तै खोस लिया, 8 अर मुद्दईया ताहीं तेरै श्यामी आण का हुक्म दिया|] इन सारी बात्तां नै जिनकै बारै म्ह हम उसपै तोहमन्द लावां सां, तू खुदे ए उसनै जाँच करकै जाण लेवैगा|" 9 यहूदियां नै भी उसका साथ देकै कहया, ये बात इस्से ढाळ तै करी सै|

पौलुस का बदलै म्ह जबाब

10 जिब्ब हाकिम नै पौलुस ताहीं बोल्लण का इशारा करया, तो उसनै जबाब दिया : "मै न्यू जाण कै के तू घणे साल्ला तै इस जात का न्याय करण लागरया सै, ख़ुशी तै आपणा बदले का जबाब देऊँ सूं| 11 तू आपै ए जाण सकै सै जिब्ब तै मै यरूशलेम तै आराधना करण नै आया, मन्नै बारहा दिनां तै बादू कोनी होये, 12 उन्नै मेरै ताहीं ना मन्दर म्ह, ना आराधनालयां म्ह, ना किसे नगर म्ह किसे तै बहस करदे या भीड़ लगांदे पाया; 13 अर ना तो वे उन बात्तां ताहीं, जिनका वे इब मेरै पै दोष लावै सै, तेरै श्यामी साच्ची साब्बित कर सकै सै| 14 पर मै तेरै श्यामी यो मान ल्यु सूं के जिस पन्थ नै वे भुंडा-पन्थ कहवै सै, उस्से की रीत पै मै आपणे बाप-दाद्या की सेवा करूँ सूं; अर जो बात व्यवस्था अर नब्बियाँ की किताबां म्ह लिक्खी सै, उन सारया पै बिश्वास करूँ सूं| 15 अर पणमेशर तै आस राखूँ सूं जो वे खुद भी राखै सैं, के धर्मी अर अधर्मी दोनुआ का जिन्दा उठणा होवैगा| 16 इस तै म्ह खुद भी कोशिश करूँ सूं के पणमेशर की, अर माणसां की ओड़ तै मेरा मन सारी-हाण बेकसूर रहवै| 17 घणे साल्लां पाच्छै मै आपणे माणसां नै दान पहोचाण, अर भेंट चढ़ाण आया था| 18 उन्नै मेरै ताहीं मन्दर म्ह, शुद्ध हालत म्ह, बिना भीड़ कै गेल्या, अर बिना रोळा करदे भैंट चढ़ान्दे पाया---- हम्बै, आसिया के कई यहूदी थे---- उन ताहीं सई था 19 के जै मेरै बिरोध म्ह उनकै धोरै कोए बात हो तो उरै तेरै श्यामी आकै मेरै पै तोहमन्द लांदे| 20 या ये खुद ए बतावै के जिब्ब मै बड्डी पंचायत कै श्यामी खड़या था, तो उन्नै मेरै म्ह कौण-सा कसूर पाया? 21 इस एक बात नै छोड़ जो मन्नै उनकै बिच्चाळै खड़या होकै कही थी : 'मरे होया के जिन्दा उठण कै बारै म्ह आज मेरा थारै श्यामी मुकद्दमा होण लागरया सै'|" 22 फेलिक्स नै, जो इस पन्थ की बात सई-सई जाणै था, उन ताहीं न्यू कहकै टाळ दिया, "जिब्ब फ़ौज का सरदार लूसियास आवैगा, तो थारी बात का फ़ैसला करूँगा|" 23 अर सूबेदार ताहीं हुक्म दिया के पौलुस ताहीं कीमे रयात म्ह राखकै रूखाळी करणा, अर उसके ढब्बियाँ म्ह तै किसे नै भी उसकी सेवा करण तै नीं रोकणा|

फेलिक्स अर द्रुसिल्ला कै श्यामी पौलुस

24 कीमे दिनां पाच्छै फेलिक्स आपणी बीरबान्नी दुसिल्ला ताहीं, जो यहुदिनी थी, गेल्या लेकै आया अर पौलुस ताहीं बुलवाकै उस बिश्वास कै बारै म्ह जो मसीह यीशु पै सै, उसतै सुणया| 25 जिब्ब ओ धर्म, अर संयम, अर आण आळे न्याय का जिक्र करण लागरया था, तो फेलिक्स नै भयभीत होकै जबाब दिया, "इब्बे तो जा; मौक्का मिल दए मै तन्नै दुबारा बुलवाऊँगा|" 26 उस ताहीं पौलुस तै कीमे रपिये मिलण की भी आस थी, ज्यांतै और भी बुला-बुलाकै उसतै बात करया करै था| 27 पर जिब्ब दो साल बीतगे तो पुरकियुस फेस्तुस, फेलिक्स की जंगहा पै आया; अर फेलिक्स यहूदियां ताहीं राज़ी करण की मर्जी तै पौलुस ताहीं कैदी ए छोड़ ग्या|

पौलुस का सम्राट की दोहाई देणा

25 फेस्तुस उस प्रान्त म्ह पहोचण कै तीन दिन पाच्छै कैसरिया तै यरूशलेम नै गया| 2 फेर प्रधान याजकां अर यहूदियां के खास माणसां नै उसकै श्यामी पौलुस की बुराई करी; 3 अर उसतै बिनती करकै उसकै बिरोध म्ह यो वर चाहया के ओ उस ताहीं यरूशलेम म्ह बुलवावै, क्यूँके वे उस ताहीं राह ए म्ह मारण की टाह म्ह लागरे थे| 4 फेस्तुस नै जबाब दिया, "पौलुस कैसरिया म्ह पहरे म्ह सै, अर मै आपै ए तावळ तै ओड़ै जाऊँगा|" 5 फेर बोल्या, "थारै म्ह जो हक्क राखै सै वे गेल चाल्लै, अर जै इस माणस नै कीमे गलत काम करया सै तो उस पै तोहमन्द लावै|"

6 उनकै बिच्चाळै कोए आठ-दस दिन रहकै ओ कैसरिया चल्या गया; अर दुसरे दिन न्याय-गद्दी पै बैठकै पौलुस ताहीं ल्याण का हुक्म दिया| 7 जिब्ब ओ आया तो जो यहूदी यरूशलेम तै आये थे, उन्नै ओरै-धोरै खड़े होकै उसपै घणी भारया तोहमन्द लाई, जिनका सबूत वे कोनी दे सकैं थे| 8 पर पौलुस नै जबाब दिया, "मन्नै ना तो यहूदियां के व्यवस्था कै अर ना मन्दर कै, अर ना ए कैसर कै बिरुद्ध कोए अपराध करया सै|" 9 फेर फेस्तुस नै यहूदियां ताहीं राज़ी करण की मर्जी तै पौलुस तै कह्या, "के तू चाहवै सै के यरूशलेम नै जावै; अर ओड़ै मेरै श्यामी तेरा यो मुकद्दमा तय करया जावै?" 10 पौलुस नै कह्या, "मै कैसर कै न्याय-गद्दी कै श्यामी खड़या सूं; मेरै मुकद्दमे फ़ैसला उरै ए होणा चहिये| जिसा तन्नै आच्छी ढाळ बेरा सै, यहूदियां का मन्नै कीमे अपराध कोनी करया| 11 जै मै अपराधी सूं अर मारण कै जोग्गा कोए काम करया सै, तो मरण तै कोनी नाटदा; पर जिन बात्तां की ये मेरै पै तोहमन्द लावै सै, जै उनम्ह तै कोए भी बात साच्ची नीं लिकड़ी, तो कोए मेरै ताहीं उनकै हाथां नीं सौंप सकदा| मै कैसर की दुहाई द्यु सूं|" 12 फेर फेस्तुस नै मन्त्रियाँ की पंचायत कै गेल्या बात करकै जबाब दिया, "तन्नै कैसर की दुहाई दी सै, तू कैसर कै ए धोरै जावैगा|"

राजा अग्रिप्पा कै श्यामी पौलुस

13 कुछे दिन बीतण कै पाच्छै अग्रिप्पा राजा अर बिरनीके नै कैसरिया म्ह आकै फेस्तुस तै भेंट करी| 14 उनकै घणे दिन ओड़ै रहण कै पाच्छै फेस्तुस नै पौलुस के बारै म्ह राजा ताहीं बताया : "एक माणस सै, जिस ताहीं फेलिक्स कैदी छोड़ ग्या सै| 15 जिब्ब मै यरूशलेम म्ह था, तो प्रधान याजक अर यहूदीया के पुरनियां नै उसकी बुराई करी अर चाहया के उस पै दण्ड का हुक्म होवै| 16 पर मन्नै उन ताहीं जबाब दिया के रोमियाँ की या रीत कोनी के किसे माणस ताहीं सजा कै खातर सौंप देवै, जिब्ब ताहीं मुजरिम ताहीं आपणे मुद्दईयां कै श्यामी खड़े होकै दोष का जबाब देण का मौक्का ना मिलै| 17 आखर जिब्ब वे कट्ठे होये, तो मन्नै कीमे वार कोनी करी, पर दुसरै ए दिन न्याय-गद्दी पै बैठकै उस माणस ताहीं ल्याण का हुक्म दिया| 18 जिब्ब उसके मुद्दई खड़े होये, तो उन्नै इसी गलत बात्तां की तोहमन्द कोनी लाई, जिसा मै समझूँ था| 19 पर वे आपणे मत कै अर यीशु नाम किसे माणस कै बारै म्ह, जो मरग्या था अर पौलुस उस ताहीं जिन्दा बतावै था, बहस करै थे| 20 मै उलझन म्ह था के इन बात्तां का बेरा किस ढाळ लाऊँ? ज्यांतै मन्नै उसतै बुझ्झया, 'के तू यरूशलेम जावैगा के ओड़ै इन बात्तां का फ़ैसला होवै?' 21 पर जिब्ब पौलुस नै दुहाई देई के उसकै मुकद्दमे का फ़ैसला महाराजाधिराज कै उरै हो, तो मन्नै हुक्म दिया के जिब्ब तक उस ताहीं कैसर कै धोरै नीं खन्दाऊँ, उस ताहीं हिरासत म्ह राख्या जावै|" 22 फेर अग्रिप्पा नै फेस्तुस तै कह्या, "मै भी उस माणस की सुणना चाहूँ सूं|" उसनै कह्या, "तू काल सुण लेवैगा|"

23 आखर म्ह दुसरे दिन जिब्ब अग्रिप्पा अर बिरनीके बड्डी धूम-धड़ाकै तै आये अर फ़ौज के सरदारां अर नगर के ख़ास आदमियां कै गेल्या दरबार म्ह पहोच्चे| फेर फेस्तुस नै हुक्म दिया के वे पौलुस ताहीं ली यावै| 24 फेस्तुस नै

कह्या, “हे राजा अग्रिप्पा, अर हे सारे माणसो जो उरै महारै गेल्या सो, थम इस माणस नै देक्खो सो, जिसकै बारै म्ह सारे यहूदियां नै यरूशलेम म्ह अर उरै भी रूक्के मार-मारकै मेरै तै बिनती करी के इसका जिन्दा रहणा सई कोनी| 25 पर मन्नै बेरा पाट लिया के उसनै इसा कीमे कोनी करया के मार दिया जा; अर जिब्ब के उसनै आपै ए महाराजाधिराज की दुहाई दी, तो मन्नै उस ताहीं खन्दाण का फ़ैसला करया| 26 मन्नै उसकै बारै म्ह कोए पक्की बात कोनी पाई के आपणे मालिक कै धोरै लिखूँ| ज्यांतै मै उस ताहीं थारै श्यामी ल्याया सूं के जाँचे पाच्छै मन्नै कीमे लिख्खण का मौक्का मिल्लै| 27 क्यूँके कैदी ताहीं खन्दाणा अर जो तोहमन्द उस पै लाई सै, उन ताहीं नीं बताणा, मन्नै खामखां लाग्या सै|”

अग्रिप्पा कै श्यामी पौलुस का स्पष्टीकरण

26 अग्रिप्पा नै पौलुस तै कह्या, “तेरै ताहीं आपणै बाबत बोल्लण की आज्ञा सै|” फेर पौलुस हाथ बढ़ाकै जबाब देण लाग्या, 2 “हे राजा अग्रिप्पा, जितनी बात्तां की यहूदी मेरै पै तोहमन्द लावैं सैं, आज तेरै श्यामी उनका जबाब देण म्ह आपणे ताहीं धन्य समझूँ सूं, 3 ख़ास करकै ज्यांतै के तू यहूदियां कै सारे बिवारां अर झगड़े ताहीं जाणै सै| आखर म्ह मै बिनती करूँ सै, धीरज तै मेरी सुण| 4 “मेरा चाल-चलण सरूआत तै आपणी जात कै बिच्चाळै अर यरूशलेम म्ह जिसा था, उसका सारे यहूदियां नै बेरा सैं| 5 जै वे गवाही देणा चाहवैं, तो सरूआत तै मेरै ताहीं पिच्छाणै सैं के मै फरीसी होकै आपणे धर्म कै सारया तै खरे पन्थ कै मुताबिक चाल्या| 6 अर इब उस प्रण म्ह आस कै कारण जो पणमेशर नै म्हारे बाप-दाद्या तै करी थी, मेरै पै मुकद्दमा चाल रहया सै| 7 उस्से वादै कै पुरे होण की आस लाए होये, म्हारै बारहां गोत्र आपणे साब्तै मन तै दिन-रात पणमेशर की सेवा करदे आये सैं| हे राजा, इस्से आस कै बारै म्ह यहूदी मेरै पै तोहमन्द लावैं सैं| 8 जिब्ब के पणमेशर मरे होया नै जिन्दा करै सै, तो थारै उरै या बात क्यांतै बिश्वास कै जोग्गी कोनी समझी जान्दी?

9 “मन्नै भी समझया था के यीशु नासरी कै नाम कै बिरोध म्ह मेरै ताहीं घणा ए कीमे करणा चहिये| 10 अर मन्नै यरूशलेम म्ह न्यू ए करया; अर प्रधान याजकां तै हक्क पाकै घण-खरे पवित्र माणसां ताहीं जेळ म्ह गेरा, अर जिब्ब वे मार दिये जावै थे तो मै भी उनकै बिरोध म्ह आपणी राय द्यु था| 11 हरेक आराधनालय म्ह मै उन ताहीं कांल कर-करकै यीशु की बुराई करवाऊँ था, उरै ताहीं के छो के मारे इसा बावळा होग्या के बाहरण के नगरां म्ह भी जाकै उन ताहीं कांल करूँ था|

अपणे हृदय-परिवर्तन का जिकरा
(प्रेरीतां का काम 9:1-19; 22:6-16)

12 “इस्से धुन म्ह जिब्ब मै प्रधान याजकां तै अधिकार अर हुक्म-चिट्ठी लेकै दमिश्क नै जाण लागरया था; 13 तो हे राजा, राह म्ह दोफारी कै टेम मन्नै अकास तै सूरज कै तेज तै भी बढ़कै एक चाँदणा, आपणे अर आपणे गेल्या चाल्लणआळयां कै चौगरदे नै चमकदा होड़ देख्या| 14 जिब्ब हम सारे धरती पै पड़गे, तो मन्नै इब्रानी भाषा म्ह, मेरै तै न्यू कहन्दे होये एक बोल सुणया, ‘हे शाऊल, हे शाऊल, तू मन्नै क्यांतै सतावै सै? पैने पै लात मारणा तेरै खातर ओख्खा सै|’ 15 मै बोल्या, ‘हे प्रभु, तू कौण सै?’ प्रभु नै कह्या, ‘मै यीशु सूं, जिस ताहीं तू सतावै सै| 16 पर तू उठ, आपणे पायां पै खड़्या हो; क्यूँके मन्नै तेरै ताहीं ज्यांतै दर्शन दिया सै के तन्नै उन बात्तां का भी सेवक अर गवाह ठहराऊँ, जो तन्नै देक्खीं सैं, अर उनका भी जिनकै खातर मै तन्नै दर्शन द्यूँगा| 17 अर मै तन्नै तेरै माणसां तै अर गैर-जात्तां तै बचान्दा रहूँगा, जिनकै धोरै मै इब तन्नै इसकरकै खन्दाऊँ सूं 18 के तू उनकी आँख खोल्लै के वे अन्धेरै तै चाँदणै कै कान्नी, अर शैतान कै अधिकार तै पणमेशर कै कान्नी पलटै; के पापां की माफ़ी अर उन माणसां कै गेल्या जो मेरै पै बिश्वास करण तै पवित्र करे गये सै, बसियत पावैं|’

अपणे काम्मां का जिकरा

19 “आखर म्ह हे राजा अग्रिप्पा, मन्नै उस सुर्गीय दर्शन की बात कोनी टाळी, 20 पर पहल्या दमिश्क कै, फेर यरूशलेम कै, अर फेर यहूदिया के सारे देश के बासिन्दा ताहीं, अर गैर-जात्तां ताहीं समझान्दा रहया, के मन फिराओ अर पणमेशर कै कान्नी पलट कै मन फिराव कै जोग्गा काम करो| 21 इन बात्तां कै कारण यहूदी मन्नै मन्दर म्ह पकड़ कै मार देण की कोशिश करैं थे| 22 पर पणमेशर की मदद तै मै आज ताहीं बणया सूं छोट्या-बड़्या सारया कै श्यामी गवाही द्यूँ सूं, अर उन बात्तां नै छोड़ कीमे कोनी कहन्दा जो नब्बियाँ अर मूसा नै भी कहया के होणआळी सैं, 23 के मसीह का दुःख ठाणा होगा, म्हारै माणसां म्ह गैर-जात्तां म्ह चाँदणै का प्रचार करैगा|”

24 जिब्ब ओ इस तरियां तै जबाब देण लागरया था, तो फेस्तुस नै ठाड्डू बोलकै कह्या, “हे पौलुस, तू बावळा सै| घणै ज्ञान नै तेरै ताहीं बावळा कर दिया सै|” 25 पर पौलुस नै कह्या, “हे महामहिम फेस्तुस, मै बावळा कोनी, पर सच्चाई अर बुद्धि की बात कहूँ सूं| 26 राजा भी जिसकै श्यामी मै बिना डरे बोल्लण लागरया सूं, इन बात्तां का बेरा सै; अर मन्नै बिश्वास सै के इन बात्तां म्ह तै कोए उसतै लुह्दकी कोनी, क्यूँके यो वाक्या किसे कुणै म्ह कोनी होया| 27 हे राजा अग्रिप्पा, के तू नब्बियाँ का बिश्वास करै सै? हम्बै, मन्नै बेरा सै के तू बिश्वास करै सै|” 28 फेर अग्रिप्पा नै पौलुस तै कह्या, “तू माड़े-से समझाण तै मन्नै मसीही बनाणा चाहवै सै?” 29 पौलुस बोल्या, “पणमेशर तै मेरी प्रार्थना सै के, के माड़े म्ह के घणे म्ह, सिर्फ तू ए नीं पर जितने माणस आज मेरी सुणै सै, इन बन्धनां नै छोड़ वे मेरै जिसे हो जावैं|”

30 फेर राजा अर अधिकारी अर बिरनीके अर उनकै गेल्या बैठणीये उठ खड़े होये; 31 अर न्यारे जाकै आपस म्ह कहण लाग्गे, “यो माणस इसा तो कीमे कोनी करदा, जो मौत की सजा या जेळ, म्ह गेरण जोग्गा हो|” 32 अग्रिपा नै फेस्तुस तै कह्या, “जै यो माणस कैसर की दुहाई नीं देंदा, तो छूट सकै था|”

पौलुस की रोम-यात्रा : क्रेते तक

27 जिब्ब यो पक्का होग्या के हम जहाज कै जरिये इटली जावाँ, तो उन्नै पौलुस अर कीमे दुसरे कैदीयाँ ताहीं भी यूलियुस नामक औगुस्तुस की फ़ौज कै एक सूबेदार कै हाथां सौंप दिया| 2 अद्रमुत्तियुम के एक जहाज पै जो आसिया कै कंठारै की जंगहा पै जाण पै था, चढ़कै हम नै उस ताहीं खोल दिया, अर अरिस्तर्खुर नामक थिस्सलुनीके का एक मकिदूनी म्हारै गेल था| 3 दुसरे दिन हम नै सैदा म्ह लंगर गेरया, अर यूलियुस नै पौलुस पै दया करकै उस ताहीं ढब्बियाँ कै उरै जाण दिया के उसका आदर-मान करया जावै| 4 ओड़ै तै जहाज खोलकै बाळ कै पलट होण कै कारण हम साइप्रस की आड़ म्ह होकै चाल्ले; 5 अर किलिकिया अर पंफूलिया कै लोवै कै समुन्दर म्ह होकै लूसिया के मूरा म्ह उतरे| 6 ओड़ै सूबेदार नै सिकन्दरिया का एक जहाज इटली जान्दा होड़ फेट्या, अर उसनै म्हारै ताहीं उस पै चढ़ा दिया| 7 जिब्ब हम घणे दिनां ताहीं होळे-होळे चालकै मुश्किल तै कनिदुस कै श्यामी पहोच्चे, तो इसकरकै के बाळ म्हारै ताहीं आगै बढ़ण कोनी देवै थी, हम सलमोने कै श्यामी तै होकै क्रेते की आड़ म्ह चाल्ले; 8 अर उसकै कंठारै-कंठारै मुश्किल तै चालकै ‘शुभलंगरबारी’ नामक एक जंगहा पहोच्चे, जित तै लसया नगर लोवै था|

9 जिब्ब घणे दिन बीतग्ये अर पाणी कै सफर म्ह जोखम ज्यांतै होवै थी ब्रत के दिन इब बीत लिये थे| आखर म्ह पौलुस नै उन ताहीं न्यू कहकै समझाया, 10 “हे सज्जनों, मन्नै इसा लागै सै के इस सफर म्ह मुश्किल अर घणा नुकसान, ना सिर्फ माळ अर जहाज की बल्के म्हारी ज्यान का भी, होणआळा सै|” 11 पर सूबेदार नै पौलुस की बात्तां तै कप्तान अर जहाज कै मालिक की बात्तां तै बाध मान्या| 12 वा बंदरगाह जाड्डा काटण कै खातर सई कोनी था, ज्यांतै घणा ए का बिचार होया के ओड़ै तै जहाज खोलकै जै किसे तरियां तै हो सकै तो फीनिक्स पहोचकै जाड्डा काटै| यो तो क्रेते का एक बंदरगाह सै जो दक्षिण-पश्चिम अर उत्तर-पश्चिम कै कान्नी नै खुलै सै|

समुंदर म्ह तूफ़ान

13 जिब्ब कुछ-कुछ दक्षिणी बाळ चाल्लण लाग्गी, तो न्यू समझकै के म्हारा
मतलब पूरा होग्या, लंगर उठाया अर कंठारा धरे होये क्रेते कै धोरै जाण
लाग्गे| 14 पर माड़ी वार म्ह धरती कै कान्नी तै बड्डी ए आँधी उठी, जो
'यूरकुलिन' कुहवावै सै| 15 जिब्ब आँधी जहाज पै लाग्गी तो ओ उसकै
श्यामी ठहर कोनी सक्या, आखर म्ह हम नै उस ताहीं बहण दिया अर इस्से
तरियां बहन्दे होये चाल्ले गये| 16 फेर कौदा नामक एक छोट्टे-से टाप्पू की
आड़ म्ह बहन्दे-बहन्दे हम मुश्किल तै डोंगी नै बस कर सके| 17 फेर मल्लाहां
नै उस ताहीं ठाकै आब्ळ उपाय करकै जहाज ताहीं तळै तै बाँधया, अर
सुरतिस के चोरबालू पै टिक जाण कै डर तै पाल अर सामान उतार कै बहन्दे
होये चाल्ले गये| 18 जिब्ब हम नै आँधी तै घणे हिचकोले अर धक्के खाए, तो
दुसरे दिन वे जहाज का माळ बगाण लाग्गे; 19 अर तीसरे दिन उन्नै आपणे
हाथां तै जहाज का साज-सामान भी बगा दिया| 20 जिब्ब घणे दिन ताहीं ना
सूरज, ना तारे दिक्खे अर बड्डी आँधी चाल्दी रही, तो आखर म्ह म्हारै बचण
की सारी उम्मींद जान्दी रही|

21 जिब्ब वे घणे दिन ताहीं भूखे रह लिये, तो पौलुस नै उनकै बिच्चाळै खड़े
होकै कह्या, "हे माणसो, चहिये था के थम मेरी बात मानकै क्रेते तै ना जहाज
खोल्दे अर ना या मुसीबत आन्दी अर ना यो नुकसान ठान्दे| 22 पर इब मै
थमनै समझाऊँ सूं के धीरज राक्खो, क्यूँके थम म्ह तै किसे की ज्यान का
नुकसान कोनी होवैगा, पर सिर्फ जहाज की| 23 क्यूँके पणमेशर जिसका मै
सूं, अर जिसकी सेवा करूँ सूं, उसके सुर्गदुत नै आज रात मेरै धोरै आकै
कह्या, 24 'हे पौलुस, डरै मतना ! तन्नै कैसर कै श्यामी खड़्या होणा जरूर
सै| देख, पणमेशर नै सारया ताहीं जो तेरै गेल्या सफर करै सै, तेरै ताहीं
दिया सै|' 25 ज्यांतै, हे भले माणसो, सब्र करो; क्यूँके मै पणमेशर का बिश्वास
करूँ सूं, के जिसा मेरै तै कहया गया सै, उसा ए होगा| 26 पर म्हारै ताहीं
किसे टाप्पू पै जा टिकणा होगा|"

जहाज का टूटणा

27 जिब्ब चौदहवीं रात आई, अर हम अद्रिया समुन्दर म्ह भटकदे होये
हाँडरे थे, तो आधी रात कै लवै मल्लाहां नै अंदाजे तै जाणया के हम किसे देश
कै लोवै पहोच रहे सां| 28 थाह लेण पै उन्नै बीस पुरसा डून्घा पाया, अर
थोड़ा आगै बढ़कै दुबारा थाह लेई तो पन्द्रह पुरसा पाया| 29 फेर पथरीली
जंगहा तै टकराण कै डर तै उन्नै जहाज की पिछली सैड चार लंगर गेरे, अर
सबेरे होण की चाह करदे रहे| 30 पर जिब्ब मल्लाह जहाज पै तै भाजणा चाहवैं
थे, अर गलही तै लंगर गेरण कै बहाणै डोंगी समुन्दर म्ह उतार दी; 31 तो
पौलुस नै सूबेदार अर सिपाहियां तै कह्या, "जै ये जहाज पै नीं रहें, तो थम भी
कोनी बच सकदे|" 32 फेर सिपाहियां नै जोड़े काटकै डोंगी गेर दी|

33 जिब्ब सबेरे होण पै था, फेर पौलुस नै न्यू कहकै, सारया ताहीं खाणा
खाण कै खातर समझाया, "आज चौदहां दिन होये के थम आस देखदे-देखदे
भूखे रहे, अर कीमे खाणा कोनी खाया| 34 ज्यांतै थारै तै समझाऊँ सूं के
कीमे खा ल्यो, जिसतै थारा बचाव होवै; क्यूँके थारै म्ह तै किसे का सिर का
एक बाल भी कोनी गिरैगा|" 35 न्यू कहकै उसनै रोट्टी लेकै सारया कै श्यामी
पणमेशर का धन्यवाद करया अर तोड़कै खाण लाग्या| 36 फेर वे सारया नै
धीरज बंधा कै खाणा खुवाण लाग्गे| 37 हम सारे मिलकै जहाज पै दो सौ
छिहत्तर जणे थे| 38 जिब्ब वे खाणा खा कै छिक लिये, तो गेहूँ ताहीं समुन्दर
म्ह बगा कै जहाज हल्का करण लाग्गे|

39 जिब्ब दिन लिकड़्या तो उन्नै उस देश ताहीं कोनी पिच्छाणा, पर एक
खाड़ी देक्खी जिसका कंठारा चौरस था, अर बिचार करया के जै हो सकै तो
इस्से पै जहाज नै टिकावै| 40 फेर उन्नै लंगरा ताहीं खोलकै समुन्दर म्ह छोड़
दिया अर उस्से टेम पतवारां के बन्धन खोल दिये, अर बाळ कै श्यामी
आगला पाल चढ़ाकै कंठारै कै कान्नी चाल्ले| 41 पर दो समुन्दर के संगम की
जंगहा [पड़कै उन्नै जहाज ताहीं टिकाया, अर गलही तो धक्का खाकै पड़ गी
अर टळ नीं सकी; पर पिछली सैड लहरा तै टूटण लाग्गी| 42 फेर सिपाहियां
का यो बिचार होया के कैदीयां ताहीं मार देवैं, इसा ना हो के कोए तैर कै
लिकड़ भाज्जै| 43 पर सूबेदार नै पौलुस ताहीं बचाण की मर्जी तै उन ताहीं
इस बिचार तै रोक्या अर न्यू कहया, के जो तैर सकैं सैं, पहल्या छलाँग
मारकै कंठारै लिकड़ जावैं; 44 अर बाकी कोए पटड़ा पै, अर कोए जहाज की
दूसरी चीज कै सहारै लिकड़ जावैं| इस तरियां तै सारे धरती पै बच लिकड़े|

माल्टा द्वीप म्ह पौलुस

28 जिब्ब हम बच लिकड़े, तो बेरा लाग्या के यो द्वीप माल्टा कुहवावै
सै| 2 ओड़ै के बासिन्दयां नै म्हारै पै अनोक्खी दया करी; क्यूँके मीह
बरसण कै कारण ठण्ड थी, ज्यांतै आग सुलगाकै हम सारया ताहीं ठहराया|
3 जिब्ब पौलुस नै लाकड़ीयाँ का बरोटा कट्ठा करकै आग पै धरया, तो एक
साँप आँच पाकै लिकड़्या अर उसकै हाथ तै लिपट गया| 4 जिब्ब उन
बासिन्दयां नै साँप ताहीं उसकै हाथ तै लिपटे होड़ देख्या, तो आपस म्ह
कह्या, "साच्चए यो माणस खूनी सै के यधपि समुन्दर तै बचग्या, तौभी न्याय
नै जिन्दा कोनी रहण दिया|" 5 फेर उसनै साँप ताहीं आग म्ह झटक दिया,
अर उस ताहीं कीमे नुकसान कोनी पहोच्या| 6 पर वे बाट देखै थे के ओ सूज
जावैगा या चाणचक पड़कै मर जावैगा, पर जिब्ब वे घणी वार ताहीं देखदे रहे
अर देख्या के उसका कीमे भी कोनी बिगड़्या, तो आपना बिचार बदलकै
कह्या, "यो तो कोए देवता सै|"

7 उस जंगहा कै ओरै-धोरै उस टाप्पू कै प्रधान पुबलियुस की धरती थी|
उसनै म्हारै ताहीं आपणे घरा ले जाकै तीन दिन ढब्बी की ढाळ सेवा-बाड़ी
करी| 8 पुबलियुस का बाप ताप-बुखार अर बवासीर तै बीमार पड़्या था|
आखर म्ह पौलुस नै उसकै धोरै घर म्ह जाकै प्रार्थना करी अर उस पै हाथ
धरकै उस ताहीं चंगा करया| 9 जिब्ब इसा होया तो उस द्वीप के बाकी बीमार
आये अर चंगे करे गये| 10 उन्नै म्हारा घणा आदर-मान करया, अर जिब्ब हम
चाल्लण लाग्गे तो जो कीमे म्हारै खातर जरूरी था, जहाज पै धर दिया|

माल्टा द्वीप तै रोम कै कान्नी

11 तीन महीने कै पाच्छै हम सिकन्दरिया कै एक जहाज पै चल लिकड़े, जो
उस द्वीप म्ह पुरै जाड्डै रह्या था, अर जिसका निशान दियुसकूरी था|
12 सुरकूसा म्ह लंगर गेरकै हम तीन दिन टिके रहे| 13 ओड़ै तै हम घूमकै
रेगियुम म्ह आये; अर एक दिन कै पाच्छै दक्षिणी बाळ चाल्ली, फेर हम दुसरे
दिन पुतियुली म्ह आये| 14 ओड़ै हमनै भाई फेट्टे, उनकै कहणे तै हम उनकै
उरै सात दिन ताहीं रहे; अर इस तरियां तै हम रोम नै चाल्ले| 15 ओड़ै तै भाई
म्हारी खबर सुणकै अप्पियुस कै चौक अर तीन-सराए ताहीं म्हारै तै फेटण नै
लिकड़ आये, जिन्नै देखकै पौलुस नै पणमेशर का धन्यवाद करया अर धीरज
बांधया| 16 जिब्ब हम रोम म्ह पहोच्चे, तो पौलुस ताहीं एक सिपाही कै गेल्या
जो उसकी रूखाळी करै था, एकल्ले रहण का हुक्म मिलग्या|

रोम म्ह पौलुस

17 तीन दिन कै पाच्छै उसनै यहूदियां कै खास माणसां ताहीं बुलाया, अर
जिब्ब वे कट्ठे होये तो उनतै कह्या, "हे भाईयो, मन्नै आपणे माणसां कै या
बाप-दाद्या कै बीवारां कै बिरोध म्ह कीमे भी कोनी करया, तौभी कैदी बणाकै
यरूशलेम तै रोमियाँ कै हाथां सौंपया गया| 18 उन्नै मेरै ताहीं जाँच कै छोड़
देणा चाहया, क्यूँके मेरै म्ह मौत कै जोग्गा कोए कसूर कोनी था| 19 पर जिब्ब
यहूदी इसकै बिरोध म्ह बोल्लण लाग्गे, तो मन्नै कैसर की दुहाई देणी पड़ी : यो
नीं के मन्नै आपणे माणसां पै कोई तोहमन्द लाणी थी| 20 ज्यांतै मन्नै थारै
ताहीं बुलाया सै के थारै तै फेट्टू अर बतळाऊँ; क्यूँके इस्राएल की आस कै
खातर मै इस बेल तै जुड़्या होड़ सूं|" 21 उन्नै उसतै कह्या, "ना हम नै तेरै
बारै म्ह यहूदियां तै चिट्ठी पाई, अर ना भाईयां म्ह तै किसे नै आकै तेरै बारै
म्ह कीमे बताया अर ना भूंडा कहया| 22 पर तेरा बिचार के सै? ओए हम तेरै
तै सुणना चाहवां सां, क्यूँके हमनै बेरा सै के हरेक जंगहा इस मत कै बिरोध
म्ह माणस बात करै सै|"

23 फेर उन्नै उसकै खातर एक दिन ठहराया, अर घणे माणस उसकै उरै
कट्ठे होये, अर ओ पणमेशर कै राज्य की गवाही देंदा होया, अर मूसा के
व्यवस्था अर नब्बीयाँ की किताबां तै यीशु कै बारै म्ह समझा-समझाकै सबेरे

तै साँझ ताहीं वर्णन करदा रहया| 24 फेर कुछां नै उन बात्तां ताहीं मान
लिया, अर कुछां नै बिश्वास कोनी करया| 25 जिब्ब वे आपस म्ह एक मत
कोनी होये, तो पौलुस की इस बात कै कहण पै चाल्ले गये : "पवित्र आत्मा नै
यशायाह नब्बी कै जरिये थारै बाप-दाद्या तै सई ए कहया, 26 'जाकै इन
माणसां तै कह, के सुणदे तो रहोगे, पर ना समझोगे, देख्दे तो रहोगे, पर ना
बूझ्झोगे; 27 क्यूँके इन माणसां का मन मोट्टा अर उनके कान भारया हो गये
सैं, अर उन्नै आपणी आँख मूंद ली सै, इसा ना हो के वे कदे आँखां तै देखै
अर कान्ना तै सुणै अर मन तै समझै अर पलटै, अर मै उन ताहीं चंगा करूँ|'
28 आखर म्ह थम जाणो सो के पणमेशर कै इस उद्धार की कहानी गैर-जात्तां
कै धोरै खन्दाई गयी सै, अर वे सुणैगें|" 29 जिब्ब उसनै न्यू कहया तो यहूदी
आपस म्ह घणे बहस करण लाग्गे अर ओड़ै तै चले गये| 30 ओ पुरे दो साल
आपणे भाड़ै कै घर म्ह रहया, 31 अर जो उसकै धोरै आवै थे, उन सारया तै
फेटदा रहया अर बे रोक-टोक घणा निडर होकै पणमेशर कै राज्य का प्रचार
करदा अर प्रभु यीशु मसीह की बात सिखान्दा रहया|

रोमियों

अभिवादन

1 पौलुस की ओड़ तै जो यीशु मसीह का दास सै, अर प्रेरित होण कै
खातर बुलाया गया, अर पणमेशर कै उस सुसमाचार कै खातर न्यारा
करया गया सै 2 जिसकी उसनै पहल्या ए तै आपणे नब्बियाँ कै जरिये पवित्र
ग्रन्थ म्ह, 3 आपणे बेट्टे म्हारै प्रभु यीशु मसीह कै बारै म्ह प्रण करया था; ओ
देही कै भाव तै तो दाऊद की पीढ़ी तै पैदा होया 4 अर पवित्र आत्मा कै भाव
तै मरे होया म्ह तै जिन्दा उठण कै कारण सामर्थ कै गेल्या पणमेशर का बेट्टा
ठहराया सै| 5 उसकै जरिये हमनै अनुग्रह अर प्रेरिताई मिली के उसकै नाम
कै कारण सारी जात्तां के माणस बिश्वास करकै उसकी मान्नै, 6 जिनम्ह थम
भी यीशु मसीह कै होण कै खातर बुलाए गये सो|
7 उन सारया के नाम जो रोम म्ह पणमेशर के प्यारे सै अर पवित्र होण कै
खातर बुलाए गये सै : म्हारै पिता पणमेशर अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै
थारै ताहीं अनुग्रह अर शान्ति मिलदी रहवै|

धन्यवाद की प्रार्थना

8 पहल्या मै थम सारया कै खातर यीशु मसीह कै जरिये आपणे पणमेशर
का धन्यवाद करूँ सूं, क्यूँके थारे बिश्वास का जिक्रा साब्ती दुनिया म्ह होरया
सै| 9 पणमेशर जिसकी सेवा मै आपणी आत्मा तै उसकै बेट्टे के सुसमाचार
कै बारै म्ह करूँ सूं, ओए मेरा गवाह सै के मै थमनै किस तरियां सारी हाण
याद दुवान्दा रहूँ सूं, 10 अर सारी हाण आपणी प्रार्थनायाँ म्ह बिनती करूँ सूं
के किस तरियां तै इब भी थारै धोरै आण की मेरा सफर पणमेशर की मर्जी तै
सफल होवै| 11 क्यूँके मै थारै तै फेटण का चाव करूँ सूं के मै थमनै कोए
आत्मिक वरदान द्युं जिसतै थम पक्के हो जाओ; 12 अर्थात् यो के जिब्ब मै थारै
बिच्चाळै होऊँ, तो हम उस बिश्वास कै जरिये जो मेरै म्ह अर थारै म्ह सै, एक-
दुसरे तै उत्साह मिल्लै| 13 हे भाईयों, मै नीं चाहन्दा के थम इसतै अनजाण
रहो के मन्नै बार-बार थारै धोरै आणा चाहया, के जिसा मन्नै दूसरी गैर-जात्तां
म्ह फळ मिल्या, उस्से तरियां ए थारै म्ह भी मिलै, पर इब ताहीं रोक्या गया|
14 अर गैर-भाषायाँ का, मै युनानियाँ अर समझदारां अर बेअक्कां का कर्जदार
सूं| 15 आखर म्ह मै थमनै भी जो रोम म्ह रहो सो, सुसमाचार सुनाण नै जमां
त्यार सूं|

सुसमाचार की सामर्थ

16 क्यूँके मै सुसमाचार तै कोनी सरमान्दा, ज्यांतै के ओ हरेक बिश्वास
करण आळया कै खातर, पहल्या तै यहूदी फेर यूनानी कै खातर, उद्धार कै
खातर पणमेशर की सामर्थ सै| 17 क्यूँके उसम्ह पणमेशर की धार्मिकता
बिश्वास तै अर बिश्वास कै खातर प्रगट होवै सै; जिस तरियां लिख्या सै,
“बिश्वास तै धर्मी माणस जिन्दा रहवैगा|”

माणस जात का पाप

18 पणमेशर का छोह तो उन माणसां की सारी अभगती अर अधर्म पै सुर्ग तै
प्रगट होवै सै, जो साच नै अधर्म तै दाब्बे राखै सै| 19 ज्यांतै के पणमेशर कै
बाबत का ज्ञान उनकै मनां म्ह प्रगट सै क्यूँके पणमेशर नै उन पै प्रगट करया
सै| 20 उसके अनदेक्खे गुण, यानिके उसकी घणी पुराणी सामर्थ अर
पणमेशरत्व, दुनिया कै बनाण कै टेम तै उसके काम्मां कै जरिये देखण म्ह
आवै सै, उरै ताहीं के उन पै जबाब कोनी दिया गया| 21 इस कारण के
पणमेशर ताहीं जाणे पाच्छै भी उन्नै पणमेशर कै लायक बड़ाई अर धन्यवाद
कोनी करया, पर खाम-खां बिचार करण लाग्गे, उरै ताहीं के उनका बोळा मन
अन्धेरा होग्या| 22 वे आपणे-आप ताहीं श्याणे मानकै बेअक्कू बणगे, 23 अर
अविनाशी पणमेशर की महिमा नै नाशवान माणस, अर पन्छियाँ, अर
चौपायाँ, अर रेंगण आळे जानवरां की मूर्ति की समानता म्ह बदल दिया|
24 इस करकै पणमेशर नै उन ताहीं उनकै इन ताहीं अभिलाषायां कै
मुताबिक अशुद्धता कै खातर छोड़ दिया के वे आपस म्ह आपणी देही का
अनादर करै| 25 क्यूँके उन्नै पणमेशर की सच्चाई ताहीं बदलकै झूठ बणा
दिया, अर सृष्टि की उपासना अर सेवा करी, ना के उस सृजनहार की जो
सारी हाण धन्य सै! आमीन| 26 ज्यांतै पणमेशर नै उन ताहीं नीच कामनायां
कै बस म्ह छोड़ दिया, उरै ताहीं के उनकी लुगाईयाँ नै भी सीधा-सा बीवार
ताहीं उसतै जो स्वभाव कै खिलाफ सै, बदल दिया| 27 उस्से तरियां ए
माणस भी लुगाईयाँ कै गेल्या सीधा-सा बीवार छोड़कै आपस म्ह कामातुर
होकै जळण लाग्गे, अर माणसां नै माणसां कै गेल्या बेशर्मी के काम करकै
आपणे बहम का सई फळ पाया|
28 जिब्ब उन्नै पणमेशर ताहीं पिछाणना कोनी चाहया, तो पणमेशर नै भी
उन ताहीं उनकै निकम्मे मन पै छोड़ दिया के वे भुन्डे काम करैं| 29 ज्यांतै वे
सारै ढाळ के अधर्म, अर दुष्टता, अर लालच, अर बैर-भाव तै भरगे; अर डाह,
अर हत्या, अर रोळै, अर छळ, अर ईर्षा तै जमां भरगे, अर चुगलखोर,
30 बदनाम करण आळे, घमण्डी, पणमेशर तै नफरत करण आळे, दुसरयां की
बेईज्ज्ती करण आळे, घमण्डी, डींगमार, भुंडी-भुंडी बात्तां कै बनाण आळे, माँ-
बाप का हुक्म ना मानण आळे, 31 बावळे, बिश्वासघाती, मायारहित अर
निर्दयी होग्ये| 32 वे तो पणमेशर की या विधि जाणै सै के इसे-इसे काम करण
आळे मौत के दण्ड कै जोग्गे सैं, फेरभी ना सिर्फ आप ए इसे काम करै सै
बल्के करण आळयां तै राज़ी भी होवैं सैं|

पणमेशर न्याय

2 आखर म्ह हे तोहमन्द लाणआळे, तू कोए क्यूँ ना हो; तू जबाब कोनी
दे सकदा; क्यूँके जिस बात म्ह तू दुसरयां पै तोहमन्द लावै सै उस्से
बात म्ह आपणे आप नै भी कसूरवार ठहरावै सै आप ए वे काम करै सै|
2 हमनै बेरा सै के इसे-इसे काम करण आळयां पै पणमेशर की ओड़ तै सई-
सई सजा का हुक्म होवै सै| 3 हे माणस, तू जो इसे-इसे काम करणीयाँ पै
तोहमन्द लावै सै अर खुद वैए काम करै सै; के न्यू समझै सै के तू पणमेशर
की सजा कै हुक्म तै बच जावैगा? 4 के तू उसकी दया, अर सहनशीलता, अर
धीरजरूपी धन ताहीं तुच्छ जाणै सै? के न्यू नीं समझदा के पणमेशर की दया
तेरै म्ह मन-फिराव नै सिखावै सै? 5 पर तू आपणी करड़ेपण अर जिद्दी मन कै
कारण उसकै छोह कै दिन कै खातर, जिसम्ह पणमेशर का साच्चा न्याय प्रगट
होवैगा, आपणे खातर छोह कमाण लागरया सै| 6 ओ हरेक नै उसकै काम कै
मुताबिक बदला देवैगा : 7 जो आच्छे काम म्ह पक्का बणकै महिमा, अर आदर,
अर अमरता की टोह म्ह सैं, उन ताहीं ओ अनन्त जीवन देवैगा; 8 पर जो
ऊत सै अर साच्च नै कोनी मान्दे, बल्के अधर्म नै मान्नैं सैं, उन पै छोह अर
कोप पड़ैगा| 9 अर क्लेश अर संकट हरेक माणस कै प्राण पै जो भुंडा करैं सैं
आवैगा, पहल्या यहूदी पै फेर यूनानी पै; 10 पर महिमा अर आदर अर
कल्याण हरेक नै मिलैगा, जो भला करै सै, पहल्या यहूदी ताहीं फेर यूनानी
ताहीं| 11 क्यूँके पणमेशर किसे की मेर कोनी लेन्दा|
12 ज्यांतै जिन्नै बिना व्यवस्था पाए पाप करया, वे बिना व्यवस्था कै नाश
भी होवैंगें; अर जिन्नै व्यवस्था पाकै पाप करया, उनकी सजा व्यवस्था कै

मुताबिक होवैंगी; 13 (क्यूँके पणमेशर कै उरै व्यवस्था कै सुनण आळे धर्मी
कोनी, पर व्यवस्था पै चाल्लण आळे धर्मी ठहराए जावैगें| 14 फेर जिब्ब गैर-
जात माणस जिनकै धोरै व्यवस्था कोनी, स्वभाव ए तै व्यवस्था की बात्तां पै
चाल्लै सैं, तो व्यवस्था उनकै धोरै ना होण पै भी वे आपणे खातर आप ए
व्यवस्था सैं| 15 वे व्यवस्था की बात आपणे-आपणे दिलां म्ह लिक्खी होई
दिखावैं सैं अर उनके विवेक भी गवाही देवैं सैं, अर उनके बिचार आपस म्ह
तोहमन्द लांदे या उन ताहीं बेकसूर ठहरावैं सैं;) 16 जिस दिन पणमेशर मेरै
सुसमाचार कै मुताबिक यीशु मसीह कै जरिये माणसां की लुक्ही होई बात्तां
का न्याय करैगा|

यहूदी अर व्यवस्था

17 जै तू यहूदी कुहवावै सै, अर व्यवस्था पै भरोसा राखै सै, अर पणमेशर
कै बारै म्ह घमण्ड करै सै, 18 अर उसकी मर्जी जाणै अर व्यवस्था की शिक्षा
पाकै घणी बढ़िया-बढ़िया बात्तां नै प्रिय जाणै सै; 19 अर आपणे पै भरोसा
राखै सै के आंध्या का अगुवा, अर अँधेरे म्ह पड़े होया का चाँदणा, 20 अर
बेअक्कां का सिखाणआळा; अर बाळका उपदेशक सूं; अर ज्ञान, अर सच का
नमून्ना, जो व्यवस्था म्ह सै, मन्नै मिल्या सै| 21 आखर म्ह के तू जो दूसरयां
नै सिखावै सै, आपणे आप नै कोनी सिखान्दा? के तू चोरी ना करण का
उपदेश देवै सै, आप ए चोरी करै सै? 22 तू जो कहवै सै, "जारी ना करियो,"
के आप ए जारी करै सै? तू जो मूर्तियाँ तै नफरत करै सै, के आप ए मन्दरां नै
लूटै सै? 23 तू जो व्यवस्था कै बाबत घमण्ड करै सै, के व्यवस्था नै नीं मानकै
पणमेशर का अनादर करै सै? 24 "क्यूँके थारै कारण गैर-जात्तां म्ह पणमेशर
नाम की बुराई करी जावै सै," जिसा लिख्या भी सै|

25 जै तू व्यवस्था पै चाल्लै तो खतने तै फैयदा तो सै, पर जै तू व्यवस्था नै
नीं मान्नै तो तेरा खतना बिन खतना की हालत बरगा सै| 26 ज्यांतै जै
खतनारहित माणस व्यवस्था की विधियाँ नै मान्या करै, तो के उसकी बिन
खतना की दशा खतने कै बराबर कोनी गिणी जावैगी? 27 अर जो माणस देही
तौर पै बिना खतना के रहया, जै ओ व्यवस्था नै पुगावै, तो के तन्नै जो लेख
पाण अर खतना करे जाण पै भी व्यवस्था नै कोण्या मांदा, कसूरवार कोनी
ठहरावैगा? 28 क्यूँके यहूदी ओ कोनी जो प्रगट म्ह यहूदी सै; अर ना ओ
खतना सै जो प्रगट म्ह सै अर देही म्ह सै| 29 पर यहूदी ओए सै जो मन म्ह
सै; अर खतना ओए सै जो ह्रदय का अर आत्मा म्ह सै, ना के लेख का :
इस्यां की बड़ाई माणसां की ओड़ तै कोनी, पर पणमेशर कै कान्नी तै होवै सै|

3 आखर यहूदी की के बड़ाई या खतने का के फैयदा? 2 हर तरियां तै
घणा कुछे| पहल्या तो न्यू के पणमेशर के बचन उन ताहीं सौंपे गये|
3 जै कीमे बिश्वासघाती लिकड़ै भी तो के होया? के उनकै बिश्वासघाती होण तै
पणमेशर की सच्चाई बेकार ठहरैगी? 4 कद्दे भी नीं! बल्के पणमेशर साच्चा अर
हरेक माणस झूठा ठहरै, जिसा लिख्या सै, "जिसतै तू आपणी बात्तां म्ह धर्मी
ठहरै अर न्याय करदे टेम तू जीत पावै|" 5 इसकरकै जै म्हारा अधर्म
पणमेशर की धार्मिकता ठहरा देवै सै, तो हम के कहवां? के न्यू कहवा के
पणमेशर जो छोह करै सै जुल्मी सै? (न्यू तो मै माणस की रीत पै कहूँ सूं)|
6 कद्दे भी नीं! नीं तो पणमेशर किस तरियां दुनिया का न्याय करैगा? 7 जै मेरै
झूठ कै कारण पणमेशर की सच्चाई उसकी महिमा कै खातर, घणी करकै
प्रगट होई तो फेर क्यांतै पापी की ढाळ मै सजा कै जोग्गा मान्या जाऊँ सूं?
8 "हम क्यांतै बुराई नीं करां के भलाई लिकड़ै?" जिब के म्हारै पै याए
तोहमन्द लाई भी जा सै, अर कीमे कहवै सैं के इनका योए कहणा सै| पर
इस्यां का कसूरवार ठहराणा सई सै|

कोए धर्मी कोनी

9 तो फेर के होया? के हम उनतै आच्छे सां? कद्दे भी नीं; क्यूँके हम
यहुदियाँ अर युनानियाँ दोनवां पै या तोहमन्द ला चुके सां के वे सारे के सारे
पाप कै बस म्ह सै| 10 जिसा लिख्या सै : "कोए धर्मी कोनी, एक भी कोनी|
11 कोए श्याणा कोनी; कोए पणमेशर का टोहणआळा कोनी| 12 सारे भटक गे
सैं, सारे के सारे निकम्मे बण गे सैं; कोए भलाई करण आळा कोनी, एक भी
नीं| 13 उनका गळ खुली होई कब्र सै, उन्नै आपणी जीभ ताहीं छल किया सै,
उनकै होठां म्ह साँपां का जहर सै| 14 उनका मुँह श्राप अर कड़वैपण तै
भरया सैं| 15 उनके पाँ लहू बहाण ताहीं फुर्तीले सैं, 16 उनकी राहयां म्ह नास
अर क्लेश सैं, 17 उन्नै ख़ुशी आनन्द का रास्ता कोनी जाणया| 18 उनकी
आँखां कै श्यामी पणमेशर का डर कोनी|" 19 हमनै बेरा सै के व्यवस्था जो
कीमे कहवै सै उन्ने तै कहवैं सैं, जो व्यवस्था कै अधीन सैं; ज्यांतै के हरेक
मुँह बन्द करया जावै अर सारी दुनिया पणमेशर की सजा कै जोग्गी ठहरै;
20 क्यूँके व्यवस्था के काम्मां तै कोए जीव उसकै श्यामी धर्मी कोनी ठहरैगा,
ज्यांतै के व्यवस्था कै जरिये पाप की पीच्छाण होवै सै|

बिश्वास के जरिये धार्मिकता

21 पर इब व्यवस्था तै न्यारा पणमेशर की वा धार्मिकता दिक्खी सै,
जिसकी गवाही व्यवस्था अर नब्बी देवैं सैं, 22 यानिके पणमेशर की वा
धार्मिकता जो यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै सारे बिश्वास करण आळा कै
खातर सै| क्यूँके कीमे भेद कोनी; 23 ज्यांतै के सारया नै पाप करया सै अर
पणमेशर की महिमा तै दूर सै, 24 पर उसकै अनुग्रह तै उस छुटकारै कै जरिये
जो मसीह यीशु म्ह सै, फ्री म्ह धर्मी ठहराए जावै सै| 25 उस ताहीं पणमेशर नै
उसकै लहू कै कारण एक इसा पछतावा ठहराया, जो बिश्वास करण तै
कामचलाऊ होवै सै, के जो पाप पहल्या करे गये अर जिन पै पणमेशर नै
आपणे सब्र कै कारण ख्यास कोनी करी| उनकै बाबत ओ आपणी धार्मिकता
दिखावैं| 26 बल्के इस्से टेम उसकी धार्मिकता दिखै के जिसतै ओ आप ए
धर्मी ठहरै, अर जो यीशु पै बिश्वास करै उसका भी धर्मी ठहराणआळा हो|
27 तो घमण्ड करणा कित रहया? उसकी तो जंगहा ए कोनी| कौण-से
व्यवस्था कै कारण तै? के कर्मा के व्यवस्था तै? ना, बल्के बिश्वास कै
व्यवस्था कै कारण| 28 इसकरकै हम इस नतीजै पै पहोच्चे सा के माणस
व्यवस्था के काम्मां तै न्यारा ए, बिश्वास कै जरिये धर्मी ठहरै सै| 29 के
पणमेशर सिर्फ यहुदियाँ ए का सै? के गैर-जात्तां का कोनी? हम्बै, गैर-जात्तां
का भी सै| 30 क्यूँके एक ए पणमेशर सै, जो खतनाआळयां नै बिश्वास तै अर
बिन-खतनाआळयां ताहीं भी बिश्वास कै जरिये धर्मी ठहरावैगा| 31 तो के हम
व्यवस्था ताहीं बिश्वास कै जरिये खाम-खां ठहरावै सै? कद्दे भी नीं! बल्के
व्यवस्था ताहीं पक्का करै सै|

अब्राहम का उदाहरण

4 इसकरकै हम के कहवां म्हारै देही के बाप अब्राहम नै के मिल्या?
2 क्यूँके जै अब्राहम काम्मां तै धर्मी ठहराया जान्दा, तो उसनै घमण्ड
करण की जंगहा होन्दी, पर पणमेशर कै लोवै नीं| 3 पवित्रग्रन्थ के कहवै सै?
न्यू के "अब्राहम नै पणमेशर पै बिश्वास करया, अर यो उसकै खातर
धार्मिकता गिणया गया|" 4 काम करण आळे की मजदूरी देणा दान कोनी,
पर हक्क समझया जावै सै| 5 पर जो काम नीं करदा बल्के भगतिहीन कै धर्मी
ठहराण आळे पै बिश्वास करै सै, उसका बिश्वास उसकै खातर धार्मिकता
गिणया जावै सै| 6 जिसनै पणमेशर बिना कर्मा कै धर्मी ठहरावै सै, उस ताहीं
दाउद भी धन्य कहवै सै : 7 "धन्य सै, वे जिनके अधर्म माफ़ होए, अर पाप
ढक्के गये| 8 धन्य सै ओ माणस जिस ताहीं पणमेशर पापी नीं ठहरावै|" 9 तो
यो धन्य कहणा, के खतना आळयां ए कै खातर सै या बिना खतना आळयां
कै खातर भी? हम न्यू कहवां सां, "अब्राहम कै खातर उसका बिश्वास
धार्मिकता गिणया गया|" 10 तो ओ किस तरियां गिणया गया? खतने की
हालत म्ह या बिना खतने की हालत म्ह? खतने की हालत म्ह कोनी पर
बिना खतने की हालत म्ह| 11 उसनै खतने का निशान पाया के उस बिश्वास
की धार्मिकता पै छाप छोडै जो उसनै बिना खतने की हालत म्ह राख्या था,
जिसतै ओ उन सारया का बाप ठहरै जो बिना खतने की हालत म्ह बिश्वास
राखै सै ताके वे भी धर्मी ठहरैं; 12 अर उन खतना करे होया का बाप हो, जो
ना सिर्फ खतना करे होये सै, पर म्हारै बाप अब्राहम कै उस बिश्वास की लीक
पै भी चाल्लैं सैं जो उसनै बिन खतने की हालत म्ह करया था|

बिश्वास कै द्वारा प्रतिज्ञा का मिलणा

13 क्यूँकै यो प्रण के ओ दुनिया का वारिस होगा, ना अब्राहम ताहीं ना
उसकै वंश ताहीं व्यवस्था कै जरिये दी गई थी, पर बिश्वास नै धार्मिकता कै
जरिये मिली| 14 क्यूँकै जै व्यवस्था आळे वारिस सैं, तो बिश्वास खाम-खां
अर प्रण बेफळ लिकड़या| 15 व्यवस्था तो छोह पैदा करै सै, अर जित
व्यवस्था कोनी ओड़ै उसका लाँघणा भी कोनी|
16 इस्से कारण प्रण बिश्वास पै टिकया होया सै के अनुग्रह की रीत पै हो, के
ओ उसके वंशजा कै खातर पक्के हो, ना के सिर्फ उसकै खातर जो व्यवस्था
आळा सै बल्के उनकै खातर भी जो अब्राहम कै जिसा बिश्वास आळे सै; ओए
तो हम सारया का बाप सै,---- 17 जिसा लिख्या सै, "मन्नै तेरै ताहीं घणी-ए
जात्तां का पिता ठहराया सै"---- उस पणमेशर कै श्यामी जिस पै उसनै
बिश्वास करया, अर जो मरे होया नै जिन्दा करै सै, अर जो बात सै ए नीं
उनका नाम इसा लेवै सै के मान्नो वे सैं| 18 उसनै निराशा म्ह भी आस
राखकै बिश्वास करया, ज्यांतै के उस बचन कै मुताबिक के "तेरी पीढ़ी इसी
होगी," ओ घणी ए जात्तां का बाप होवै| 19 ओ जो एक सौ साल का था,
आपणे मरी होई सी देही अर सारा के कोख गर्भ की मरी होई सी हालत
जाणकै भी बिश्वास म्ह कमजोर कोनी होया, 20 अर ना अबिश्वासी होकै
पणमेशर कै प्रण पै शक करया, पर बिश्वास म्ह पक्का होकै पणमेशर की महिमा
करी; 21 अर पक्के तौर पै जाणयां के जिस बात का उसनै प्रण करया सै, ओ
उसनै पूरा करण म्ह भी समर्थ सै| 22 इस कारण यो उसकै खातर धार्मिकता
गिणया गया| 23 अर यो बचन, "बिश्वास उसकै खातर धार्मिकता गिणया
गया," ना सिर्फ उसकै खातर लिख्या गया, 24 बल्के म्हारै खातर भी जिनकै
खातर बिश्वास धार्मिकता गिणया जावैगा, यानिके म्हारै खातर, जो उस पै
बिश्वास करैं सैं जिसनै म्हारै प्रभु यीशु ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया|
25 ओ म्हारै अपराधा कै खातर पकड़वाया गया, अर म्हारै धर्मी ठहरण कै
खातर जिन्दा करया गया|

पणमेशर तै मेल

5 आखर म्ह जिब्ब हम बिश्वास तै धर्मी ठहरे, तो आपणे प्रभु यीशु मसीह
कै जरिये पणमेशर कै गेल्या मेल राक्खां, 2 जिसकै जरिये बिश्वास कै
कारण उस अनुग्रह तक जिसम्ह हम बणे सां, म्हारी पहोच भी होई, अर
पणमेशर की महिमा की आस पै घमण्ड करां| 3 सिर्फ योए नीं, बल्के हम
क्लेशां म्ह भी घमण्ड करां, न्यू जाणकै के क्लेश तै धीरज, 4 धीरज तै खरया
लिकड़णा, अर खरे लिकड़ण तै आस पैदा होवै सै; 5 अर आस तै सरम
कोनी आन्दी, क्यूँकै पवित्र आत्मा जो म्हारै ताहीं दिया गया सै उसकै जरिये
पणमेशर का प्रेम म्हारै मन म्ह गेरया गया सै| 6 क्यूँकै जिब्ब हम कमजोर ए
थे, तो मसीह सई टेम पै भगतिहिनां कै खातर मरया| 7 किसे धर्मी माणस कै
खातर कोए मरै, यो तो ओक्खा सै; पर हो सकै सै किसे भले माणस कै
खातर कोए मरण की भी हिम्मत करै| 8 पर पणमेशर हम पै आपणे प्रेम की
भलाई इस तरियां तै प्रगट करै सै के जिब्ब हम पापी ए थे जिब्बे मसीह म्हारै
खातर मरया| 9 आखर जिब्ब के हम इब उसकै लहू कै कारण धर्मी ठहरे, तो
उसकै जरिये पणमेशर कै छोह तै क्यांतै नीं बचांगें? 10 क्यूँकै बैरी होण की
हालत म्ह उसकै बेट्टे की मौत कै जरिये म्हारा मेळ पणमेशर कै गेल्या होया,
तो फेर मेळ हो जाण पै उसकै जीवन कै कारण हम उद्धार क्यांतै नीं पावांगें?
11 सिर्फ योए नीं, पर हम आपणे प्रभु यीशु मसीह कै जरिये, जिसकै जरिये
म्हारा मेळ होया सै, पणमेशर म्ह आनंदित होवां सां|

आदम द्वारा मौत - मसीह द्वारा

12 ज्यांतै जिसा एक माणस कै जरिये पाप दुनिया म्ह आया, अर पाप कै
जरिये मौत आई, अर इस तरियां तै मौत सारे माणसां म्ह फैलग्यी, क्यूँकै
सारया नै पाप करया| 13 व्यवस्था कै दिए जाण ताहीं पाप दुनिया म्ह तो था,
पर जित व्यवस्था कोनी ओड़ै पाप गिणया कोनी जान्दा| 14 फेरभी आदम तै
लेकै मूसा ताहीं मौत नै उन माणसां पै भी राज्य करया, जिन्नै उस आदम, जो
उस आणआळे का निशान सै, के अपराध कै तरियां पाप नीं करया| 15 पर
जिसी अपराध की हालत सै, उस्से तरियां अनुग्रह अर उसका जो दान एक
माणस कै, यानिके यीशु मसीह कै, अनुग्रह तै होया घण-खरे माणसां पै जरुर
ए घणा होया| 16 जिसा एक माणस कै पाप करण का फळ होया, उस्से
तरियां ए दान की दशा कोनी, क्यूँकै एक ए कारण सजा कै हुक्म फैसला
होया, पर घण-खरे अपराधां कै कारण इसा वरदान पैदा होया के माणस धर्मी
ठहरे| 17 क्यूँकै जिब्ब एक माणस कै अपराध कै कारण मौत नै उस एक ए कै
जरिये राज्य करया, तो जो माणस अनुग्रह अर धर्मरूपी वरदान घणा ए घणा
पावै सै वे एक माणस कै, यानिके यीशु मसीह कै जरिये जरुर ए अनन्त
जीवन म्ह राज्य करैगें|
18 ज्यांतै जिसा एक अपराध सारे माणसां कै खातर सजा का कारण होया,
उस्से तरियां ए एक धर्म का काम भी सारे माणसां कै खातर जीवन कै निमित
धर्मी ठहराए जाण का कारण होया| 19 क्यूँकै जिसा एक माणस कै हुक्म ना
मानण तै घणे माणस पापी ठहरे, उस्से तरियां ए एक माणस कै हुक्म मानण
तै घणे माणस धर्मी ठहरैंगें| 20 व्यवस्था बिच्चाळै म्ह आ गी के अपराध घणे
होवै, पर जित पाप घणा होया ओड़ै अनुग्रह उसतै भी घणा होया, 21 के
जिसा पाप नै मौत फैलान्दे होए राज्य करया, उस्से तरियां ए म्हारै प्रभु यीशु
मसीह कै जरिये अनुग्रह भी अनन्त जीवन कै खातर धर्मी ठहरान्दे होए राज्य
करै|

पाप कै खातर मरे होए : मसीह म्ह जिन्दे

6 तो हम के कहवां? के हम पाप करदे रह्वां के अनुग्रह घणा होवै? 2 कद्दे
भी नीं! हम जिब्ब पाप कै खातर मरग्ये तो फेर आगै नै उसम्ह किस
तरियां जीवन बितावां? 3 के थमनै कोनी बेरा के हम सारे जिन्नै मसीह यीशु
का बपतिस्मा लिया, उसकी मौत का बपतिस्मा लिया| 4 आखर म्ह उस
मौत का बपतिस्मा पाण तै हम उसकै गेल्या गाड्डे गये, ताके जिस तरियां
मसीह पिता की महिमा कै जरिये मरे होया म्ह तै जिन्दा करया गया, उस्से
तरियां ए हम भी नये जीवन की सी चाल चाल्लां|
5 क्यूँकै जै हम उसकी मौत की बराबरी म्ह उसकै गेल्या जुट गये सै, तो
पक्के तौर पै उसकै जिन्दा उठण की बराबरी म्ह भी जुट जावांगें| 6 हमनै बेरा
सै के म्हारा पुराणा माणस-पण उसकै गेल्या क्रूस पै चढाया गया ताके पाप
की देही बेकार हो जावै, अर हम आगै नै पाप की गुलामी म्ह नीं रह्वां| 7 क्यूँकै
जो मर लिया, ओ पाप तै छुटकै धर्मी ठहरया| 8 इसकरकै जै हम मसीह कै
गेल्या मर गे, तो म्हारा बिश्वास यो सै के उसकै गेल्या जीवांगें भी| 9 क्यूँकै न्यू
बेरा सै के मसीह मरे होया म्ह तै जिन्दा उठकै दुबारा मरण का कोनी; उस पै
फेर मौत का राज कोनी होवै| 10 क्यूँकै ओ जो मर गया तो पाप कै खातर
एक ए बर मर गया; पर जो जिन्दा सै तो पणमेशर कै खातर जिन्दा सै|
11 इस्से तरियां थम भी आपणे आप ताहीं पाप कै खातर तो मरया होड़, पर
पणमेशर कै खातर मसीह यीशु म्ह जिन्दा समझो| 12 इसकरकै पाप थारी
नाश होण आळी देही म्ह राज नीं करै, के थम उसकी लालसायां कै कब्जे म्ह
रहो; 13 अर ना आपणे अंगां ताहीं अधर्म कै हथियार होण कै खातर पाप नै
सौंपो, पर आपणे आप ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा उठ्या होया जाणकै
पणमेशर नै सौंपो, अर आपणे अंगां नै धर्म के हथियार होण कै खातर
पणमेशर ताहीं सौंपो| 14 फेर थारै पै पाप का राज कोनी होवैगा, क्यूँकै थम
व्यवस्था कै कब्जे म्ह कोनी बल्के अनुग्रह कै कब्जे म्ह सो|

धार्मिकता के दास

15 तो के होया? के हम ज्यांतै पाप करां के हम व्यवस्था का कब्जे म्ह
कोनी बल्के अनुग्रह कै कब्जे म्ह सां? कद्दे भी नीं! 16 के थमनै नीं बेरा के
जिस का हुक्म मानण कै खातर थम आपणे आप ताहीं गुलामां कै तरियां
सौंप देवो सो उस्से के गुलाम सो : चाहे पाप के, जिसका अन्त मौत सै, चाहे
हुकमां के, जिसका अन्त धार्मिकता सै? 17 पर पणमेशर का धन्यवाद हो के
थम जो पाप के गुलाम थे इब मन तै उस उपदेश के मानण आळे होग्ये,
जिसकै साँचे म्ह ढाळे गये थे, 18 अर पाप तै छुटाये जाकै धर्म के गुलाम
होग्ये| 19 मै थारी देही की कमजोरी कै कारण माणसां की रीत पै कहूँ सूं|
जिस तरियां तै थमनै आपणे अंगां ताहीं भुन्डे काम कै खातर अशुद्धता अर

भुन्डे काम के गुलाम करकै सौंपया था, उस्से तरियां तै इब आपणे अंगां नै पवित्रता कै खातर धर्म के गुलाम करकै सौंप द्यो|
20 जिब्ब थम पाप के गुलाम थे, तो धर्म की ओड़ तै आजाद थे| 21 आखर म्ह जिन बात्तां तै इब थम सरमाओ सो, उनतै उस टेम थम के फळ पाओ थे? क्यूँके उनका अन्त तो मौत सै| 22 पर इब पाप तै आजाद होकै अर पणमेशर के गुलाम बणकै थमनै फळ मिल्या जिसतै पवित्रता मिलै सै, अर उसका अन्त अनन्त जीवन सै| 23 क्यूँके पाप की मजदूरी तो मौत सै, पर पणमेशर का वरदान म्हारै प्रभु मसीह यीशु म्ह अनन्त जीवन सै|

शादीशुदा जीवन का उदाहरण

7 हे भाईयो, के थमनै नीं बेरा----मै व्यवस्था के जानण आळयां तै कहूँ सूं----के जिब्ब ताहीं माणस जिन्दा रहवै सै, जद ताहीं उस पै व्यवस्था का राज रहवै सै? 2 क्यूँके ब्याता लुगाई व्यवस्था कै मुताबिक आपणे धणी कै जिन्दे जी उस तै बन्धी सै, पर जै धणी मर ज्या, तो वा धणी के व्यवस्था तै छुट गी| 3 ज्यांतै जै धणी कै जिन्दे जी वा किसे दुसरे माणस की हो जावै, तो जार कुहवावैगी, पर जै धणी मर ज्या, तो वा उस व्यवस्था तै छुट गी, उरै ताहीं के जै किसे दुसरे माणस की हो जावै तौभी जार कोनी ठहरैगी| 4 उस्से तरियां ए हे मेरे भाईयो, थम भी मसीह की देही कै जरिये व्यवस्था कै खातर मरे होए बण गे, के उस दुसरे के हो जाओ, जो मरे होया म्ह तै जिन्दा उठ्या : ताके हम पणमेशर कै खातर फळ ल्यावां| 5 क्यूँके जिब्ब हम देही म्ह थे, तो पापां की मर्जी जो व्यवस्था कै जरिये थीं, मौत का फळ पैदा करण कै खातर म्हारै अंगां म्ह काम करै थीं| 6 पर जिस कै बन्धन म्ह हम थे उसकै खातर मरकै, इब व्यवस्था तै इसे छुट गे, के लेख की पुराणी रीत पै नीं, बल्के आत्मा की नयी रीत पै सेवा करां सां|

व्यवस्था अर पाप

7 तो हम के कह्वां? के व्यवस्था पाप सै? कद्दे भी नीं! बल्के बिना व्यवस्था के मै पाप नै कोनी पिच्छाणदा : व्यवस्था जै नीं कहन्दे, के लालच मतना करै तो मै लालच नै कोनी जाणदा| 8 पर पाप नै मौक्का पाकै हुक्म कै जरिये मेरै म्ह सारी तरियां का लालच पैदा करया, क्यूँके बिना व्यवस्था पाप मुर्दा सै| 9 मै तो व्यवस्था बिना पहल्या जिन्दा था, पर जिब्ब हुक्म आया, तो पाप जिन्दा होग्या, अर मै मरग्या| 10 अर योए हुक्म जो जीवन कै खातर था, मेरै खातर मौत का कारण ठहरया| 11 क्यूँके पाप नै मौक्का पाकै हुक्म कै जरिये मेरै ताहीं भकाया, अर उस्से कै जरिये मेरै ताहीं मार भी दिया| 12 ज्यांतै व्यवस्था पवित्र सै, अर हुक्म भी सई अर आच्छे सै| 13 तो के ओ जो आच्छा था, मेरै खातर मौत ठहरया? कद्दे भी नीं! पर पाप उस आच्छी चीज कै जरिये मेरै खातर मौत पैदा करण आळा होया के उसका पाप होणा प्रगट होवै, अर हुक्म कै जरिये पाप घणा ए पापमय ठहरे|

माणस का अन्तर्धन्ध

14 हमनै बेरा सै के व्यवस्था तो आत्मिक सै, पर मै देही अर पाप के हाथ बिक्या होया सूं| 15 जो मै करूँ सूं उस ताहीं कोनी जाणदा; क्यूँके जो मै चाहूँ सूं ओ नीं करया करदा, पर जिस तै मन्नै नफरत आवै सै ओए करै सूं| 16 जै जो मै नीं चाहन्दा ओए करूँ सूं, तो मै मान ल्यूं सूं के व्यवस्था भले सै| 17 तो इसी हालत म्ह उसका करणआळा मै कोनी, बल्के पाप सै जो मेरै म्ह बस्या होया सै| 18 क्यूँके मन्नै बेरा सै के मेरै म्ह यानिके मेरी देही म्ह कोए आच्छी चीज वास कोनी करदी| मेरा जी तो करै सै, पर भले काम मेरै म्ह बणदे कोनी| 19 क्यूँके जिस आच्छे काम करण नै मेरा जी करै सै, ओ तो कोनी करदा, पर जो बुराई करणा नीं चाहन्दा, ओए करया करूँ सूं| 20 आखर म्ह जै मै ओए करूँ सूं जो नीं चाहन्दा, तो उसका करणआळा मै कोनी रहया, पर पाप जो मेरै म्ह बस्या होया सै|
21 इस तरियां तै मै ये व्यवस्था पाऊँ सूं के जिब्ब भलाई करणा चाहूँ सूं, तो बुराई मेरै धोरै आवै सै| 22 क्यूँके मै भीतरी माणस-पण तै तो पणमेशर के व्यवस्था तै घणा राज़ी रहूँ सूं| 23 पर मन्नै आपणे अंगां म्ह दुसरे ढाळ के व्यवस्था दिखै सै, जो मेरी समझ के व्यवस्था तै लड़ै सै अर मन्नै पाप के व्यवस्था कै बन्धन म्ह गेरै सै जो मेरे अंगां म्ह सै| 24 मै किसा नरभाग माणस सूं! मन्नै इस मौत की देही तै कौण छुटावैगा? 25 म्हारै प्रभु यीशु मसीह कै जरिये पणमेशर का धन्यवाद होवै| ज्यांतै मै आप समझ तै तो पणमेशर के व्यवस्था का, पर देही तै पाप के व्यवस्था नै खाऊँ सूं|

पवित्र आत्मा कै द्वारा जीवन

8 आखर म्ह इब जो मसीह यीशु म्ह सैं, उन पै सजा का हुक्म कोनी| [क्यूँके वे देही कै मुताबिक नीं बल्के आत्मा कै मुताबिक चाल्लैं सैं|]
2 क्यूँके जीवन की आत्मा के व्यवस्था नै मसीह यीशु म्ह मेरै ताहीं पाप के अर मौत के व्यवस्था तै आजाद कर दिया| 3 क्यूँके जो काम व्यवस्था देही कै कारण कमजोर होकै नीं कर सके, उस ताहीं पणमेशर नै करया, यानिके आपणै ए बेट्टे ताहीं पापमय देही की बराबरी म्ह अर पापबलि होण कै खातर खन्दाकै, देही म्ह पाप पै सजा का हुक्म दिया| 4 ज्यांतै के व्यवस्था की बिधि म्हारै म्ह जो देही कै मुताबिक नीं बल्के आत्मा कै मुताबिक चाल्लैं सैं, पूरी करी जावै| 5 क्यूँके देही आळे माणस देही की बात्तां पै मन लावैं सैं; पर आध्यात्मिक आत्मा की बात्तां पै मन लगावैं सैं| 6 देही पै मन लाणा तो मौत सै, पर आत्मा पै मन लाणा जीवन अर शान्ति सै; 7 क्यूँके देही पै मन लाणा तो पणमेशर तै बैर राखणा सै, क्यूँके ना तो पणमेशर के व्यवस्था कै अधीन सै अर ना हो सकै सै; 8 अर जो देही हालत म्ह सै, वे पणमेशर नै राज़ी कोनी कर सकदे|
9 पर जिब्ब के पणमेशर का आत्मा थारै म्ह बसै सै, तो थम देही तौर पै कोनी पर आत्मिक तौर पै सो| जै किसे म्ह मसीह का आत्मा कोनी तो ओ पणमेशर का माणस कोनी| 10 जै मसीह थारै म्ह सै, तो देही पाप कै कारण मरी होई सै; पर आत्मा धर्म कै कारण जिन्दी सै| 11 जै उस्से का आत्मा जिसनै यीशु ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया, थारै म्ह बस्या होया सै; तो जिसनै मसीह ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया, ओ थारी नाश होण आळी देहियाँ नै भी आपणे आत्मा कै जरिये जो थारै म्ह बस्या होया सै; जिन्दा करैगा|
12 इसकरकै हे भाईयो, हम देही के कर्जदार कोनी के देही कै मुताबिक दिन कांट्टां, 13 क्यूँके जै थम देही कै मुताबिक दिन काट्टोगे तो मरोगे जै आत्मा तै देही के काम्मां नै मारोगे तो जिन्दे रहोगे| 14 ज्यांतै के जितने माणस पणमेशर के आत्मा के चलाए चाल्लैं सैं, वै ए पणमेशर के बेट्टे सैं| 15 क्यूँके थमनै गुलामी की आत्मा कोनी मिल्ली के फेर डरण लाग्गा, पर गोद लेण आळे की आत्मा मिली सै, जिसतै हम हे अब्बा, हे पिता कहकै बोल्लां सां|
16 आत्मा आप ए म्हारी आत्मा कै गेल्या गवाही देवै सै, के हम पणमेशर की ऊलाद सां; 17 अर जै ऊलाद सां तो वारिस भी, बल्के पणमेशर के वारिस अर मसीह कै संगी वारिस सां, के जिब्ब हम उसकै गेल्या दुःख ठावां तो उसकै गेल्या महिमा भी पाँवां|

आण आळे बख्त म्ह दिक्खण आळी महिमा

18 क्यूँके मै समझूँ सूं के इस बख्त के दुःख अर क्लेश उस महिमा कै श्यामी, जो म्हारै पै प्रगट होण आळी सै, कीमे भी कोनी सै| 19 क्यूँके सृष्टि घणी उम्मींद भरी निगांह तै पणमेशर के बेट्यां कै प्रगट होण की बाट देखण लागरी सै| 20 क्यूँके सृष्टि आपणी मर्जी तै नीं पर अधीन करण आळे की ओड़ तै, खाम-खा के अधीन इस उम्मींद तै करी गई 21 के सृष्टि भी आप ए विनाश की गुलामी तै छुटकारा पाकै, पणमेशर की ऊलादां की महिमा की आजादी पावैगी| 22 क्यूँके हमनै बेरा सै के सारी सृष्टि इब ताहीं मिलकै रिंगदी अर दर्दां म्ह पड़ी होई तड़फै सै; 23 अर सिर्फ ओए नीं पर हम भी जिनकै धोरै आत्मा का पहल्ला फळ सै, आप ए आपणे म्ह रिंगां सां; अर गोद लिए होण की, यानिके आपणी देही कै छुटकारे की बाट देखैं सैं| 24 इस उम्मींद कै जरिये म्हारा उद्धार होया सै; पर जिस चीज की उम्मींद करी जावै सै, जिब्ब ओ देखण म्ह आवै तो फेर उम्मींद कित रही? क्यूँके जिस चीज नै कोए देख रहया सै उसकी उम्मींद के करैगा? 25 पर जिस चीज नै हम नीं देखदे, जै उसकी उम्मींद राक्खां सां, तो धीरज तै उसकी बाट भी देक्खां सां|

26 इस्से तरियां तै आत्मा भी म्हारी कमजोरी म्ह मदद करै सै : क्यूँके हमनै
नीं बेरा के प्रार्थना किस तरियां तै करणी चहिये, पर आत्मा आप ए इसी आहें
भर-भरकै, जो ब्यान तै बाहरण सै, म्हारै खातर बिनती करै सै; 27 अर मनां
कै जाँचणआळे नै बेरा सै के आत्मा की मनसा के सै? क्यूँके ओ पवित्र
माणसां कै खातर पणमेशर की मर्जी कै मुताबिक बिनती करै सै|
28 हमनै बेरा सै के जो माणस पणमेशर तै प्रेम राखै सै, उनकै खातर सारी
बात मिलकै भलाई ए नै पैदा करैं सैं; यानिके उन्नै कै खातर जो उसकी मर्जी
कै मुताबिक बुलाए होड़ सैं| 29 क्यूँके जिन ताहीं उसनै पहल्या तै जाण
लिया सै उन ताहीं पहल्या तै ठहराया भी सै के उसकै बेट्टे कै हुबहू शक्ल म्ह
हों, ताके ओ घणे भाईयां म्ह पहल्ड़ा यानि जेठा ठहरै| 30 फेर जिन ताहीं
उसनै पहल्या तै ठहराया, उन ताहीं बुलाया भी; अर जिन ताहीं बुलाया, उन
ताहीं धर्मी भी ठहराया सैं; अर जिन ताहीं धर्मी ठहराया, उन ताहीं महिमा भी
देई सै|

पणमेशर का प्रेम

31 आखर म्ह हम इन बात्तां कै बारै म्ह के कहवां? जै पणमेशर म्हारी
कान्नी सै, म्हारा बिरोधी कौण हो सकै सै? 32 जिसनै आपणे खुद कै बेट्टे ताहीं
भी कोनी छोड्या, पर उस ताहीं म्हारे सारया कै खातर दे दिया, ओ उसकै
गेल्या हमनै और सारा कीमे क्यांतै नीं देवैगा? 33 पणमेशर के छांटे होया पै
तोहमन्द कौण लावैगा? पणमेशर ए सै जो उन ताहीं धर्मी ठहराण आळा सै|
34 फेर कौण सै जो सजा का हुक्म देवैगा? मसीह ए सै जो मरग्या बल्के मुर्दा
म्ह तै जिन्दा भी उठ्या, अर पणमेशर कै सोळी ओड़ सै, अर म्हारै खातर
बिनती भी करै सै| 35 कौण हमनै मसीह कै प्रेम तै न्यारा करैगा? के क्लेश, या
संकट, या रोळा, या अकाल, या नंगाई, या जोखम, या तलवार? 36 जिसा
लिख्या सै, "तेरै खातर हम दिन भर घात करे जावां सां; हम मारण जोग्गी
भेडडां की तरियां गिणे गये सां|" 37 पर इन सारी बात्तां म्ह हम उसकै जरिये
जिसनै म्हारै तै प्रेम करया सै, जयन्त तै भी बाध सै| 38 क्यूँके मन्नै पक्के तौर
पै बेरा सै के ना मौत, ना जिन्दगी, ना सुर्गदुत, ना प्रधानताएँ, ना इब आळा
बख्त, ना आण आळा बख्त, ना सामर्थ, ना ऊँचाई, 39 ना डून्घाई, अर ना
कोए और सृष्टि हमनै पणमेशर कै प्रेम तै जो म्हारै प्रभु मसीह यीशु म्ह सै,
न्यारा कर सकैगी|

पणमेशर अर उसके छाँटे होए माणस

9 मै मसीह म्ह साच्ची कहूँ सूं, मै झूठ कोनी बोल्दा अर मेरा विवेक भी
पवित्र आत्मा म्ह गवाही देवै सै 2 के मन्नै घणा दु:ख सै, अर मेरा मन
सारी हाण दुख्दा रहवै सै, 3 क्यूँके मै उरै ताहीं चाहूँ था के आपणे भाईयां कै
खातर जो देही कै भाव तै मेरै कुन्बे आळे सैं, खुद ए मसीह तै श्रापित हो
जान्दा| 4 वे इस्राएली सै, अर गोद लिये होड़ का हक्क अर महिमा अर वाचाएँ
अर व्यवस्था अर उपासना अर प्रतिज्ञाएँ उन्ने की सै| 5 बड्डे-बूढ़े भी उन्ने के
सैं, अर मसीह भी देही कै भाव तै उन्ने म्ह तै होया| सारया कै ऊप्पर परम
पणमेशर युगानयुग धन्य हो| आमीन|
6 पर न्यू कोनी के पणमेशर का बचन टळ गया, ज्यांतै के जो इस्राएल के
वंशज सैं, वे सारे इस्राएली कोनी; 7 अर ना अब्राहम की पीढ़ी होण कै कारण
सारे उसकी ऊलाद ठहरे, पर (लिख्या सै) "इसहाक ए तै तेरी पीढ़ी
कुहवावैगी|" 8 यानिके देही की ऊलाद पणमेशर की ऊलाद कोनी, पर प्रण
की ऊलाद बंश गिणे जावै सै| 9 क्यूँके प्रण का बचन यो सै : "मै इस टेम कै
मुताबिक आऊँगा, अर सारा कै बेट्टा होवैगा|" 10 अर सिर्फ योए नीं, पर
जिब्ब रिबका भी एक तै यानिके म्हारै बाप इसहाक तै पेट तै थी, 11 अर इब
ताहीं ना तो बाळक पैदा होए थे, अर ना उन्नै कीमे आच्छा या भुंडा करया
था; इसकरकै के पणमेशर की मनसा जो उसकै छाँट लेण कै मुताबिक सै,
कर्मा कै कारण नीं पर बुलाण आळे कै कारण सै, बणी रहवै : 12 उसनै कह्या,
"जेठा छोटळै का गुलाम होवैगा|" 13 जिसा लिख्या सै, "मन्नै याकूब तै प्रेम
करया, पर एसाव ताहीं दुपारा जाणया|"
14 ज्यांतै हम के कहवां? के पणमेशर कै उरै जुल्म सै? कद्दे भी नीं|
15 क्यूँके ओ मूसा तै कहवै सै, "मै जिस किसे पै दया करणा भला उस पै दया
करूँगा, अर जिस किसे पै तरस खाणा चाहूँ उस्से पै तरस खाऊँगा|"
16 आखर या ना तो चाहण आळे की, ना भाजण आळे की, पर दया करण
आळे पणमेशर की बात सै| 17 क्यूँके पवित्रग्रन्थ म्ह फिरौन तै कहया गया,
"मन्नै तेरै ताहीं ज्यां ए तै खड़या करया सै के तेरै म्ह आपणी सामर्थ दिखाऊँ,
अर मेरै नाम का प्रचार सारी धरती पै होवै|" 18 इसकरकै ओ जिस पै चाहवै
सै उस पै दया करै सै, अर जिस ताहीं चाहवै सै उस ताहीं करड़ा कर देवै सै|

पणमेशर का छो अर उसकी दया

19 आखर म्ह तू मेरै तै कहवैगा, "ओ फेर क्यांतै तोहमन्द लावै सै? कौण
उसकी मर्जी का सामणा करै सै?" 20 हे माणस, भला तू कौण सै जो पणमेशर
का सामणा करै सै? के गढ़ी होई चीज गढ़ण आळे तै कह सकै सै, "तन्नै मेरै
ताहीं इसा क्यांतै बणाया सै?" 21 के कुम्हार ताहीं माट्टी पै हक्क कोनी के एक
ए लोंदे म्ह तै एक बासण आद्दर कै खातर, अर दुसरे ताहीं अनाद्दर कै खातर
बणावै? 22 तो इसम्ह कौण सी हैरानी की बात सै के पणमेशर नै आपणा छोह
दिखाण अर आपणी सामर्थ प्रगट करण की मर्जी तै छोह के बासणा की, जो
विनाश कै खातर त्यार करे गये थे, घणे धीरज तै सही; 23 अर दया के
बासणा पै, जिन ताहीं उसनै महिमा कै खातर पहल्या-ए तै त्यार करया,
अपणे महिमा के धन ताहीं प्रगट करण की मर्जी करी? 24 यानिके म्हारै पै
जिन ताहीं उसनै ना सिर्फ यहुदियाँ म्ह तै, बल्के गैर-जात्तां म्ह तै भी
बुलाया| 25 जिसा ओ होशे की किताब म्ह भी कहवै सै, "जो मेरी प्रजा कोनी
थी, उन ताहीं मै आपणी प्रजा कहूँगा; अर जो प्यारी नीं थी, उस ताहीं प्यारी
कहूँगा| 26 अर इसा होगा के जिस जंगहा म्ह उनतै न्यू कहया गया था के थम
मेरी प्रजा कोनी सो, उस्से जंगहा वे जिन्दे पणमेशर की ऊलाद कुहवावैगी|"
27 अर यशायाह इस्राएल कै बारै म्ह रूक्का मारकै कहवै सै, "चाहे इस्राएल की
ऊलादां की गिणती समुन्दर के बालू कै बराबर हो, तौभी उनम्ह तै थोड़े ए
बचैंगें| 28 क्यूँके प्रभु आपणा बचन धरती पै पूरा करकै, धार्मिकता तै तावळा-
ए उस ताहीं सिद्ध करैगा|" 29 जिसा यशायाह नै पहल्या भी कहया था, "जै
सेनाओं का प्रभु म्हारै खातर कीमे वंश नीं छोड़दा, तो हम सदोम के जिसे हो
जान्दे, अर अमोरा के जिसे ठहरदे|"

इस्राएल का अबिश्वास

30 आखर म्ह हम के कहवां? यो के गैर-जात्तां नै जो धार्मिकता की टोह
कोनी करै थे, धार्मिकता पाई यानिके उस धार्मिकता ताहीं जो बिश्वास तै सै;
31 पर इस्राएली, जो धर्म के व्यवस्था की टोह करैं थे उस व्यवस्था ताहीं
कोनी पहोच्चे| 32 किस खातर? इसकरकै के वे बिश्वास तै नीं, पर मान्नो कर्मा
तै उसकी टोह करैं थे| उन्नै उस ठोकर कै पत्थर पै ठोकर खाई, 33 जिसा
लिख्या सै, "देक्खो, मै सिय्योन म्ह एक ठेस लाग्गण का पत्थर, अर ठोकर
खाण की चट्टान राखूँ सूं, अर जो उस पै बिश्वास करैगा ओ सर्मिन्दा कोनी
होवैगा|"
10 हे भाईयो, मेरै मन की इच्छा अर उनकै खातर पणमेशर तै मेरी
प्रार्थना सै के वे उद्धार पावैं| 2 क्यूँके मै उनकी गवाही द्यूँ सूं के उन
ताहीं पणमेशर कै खातर धुन रहवै सै, पर समझदारी कै गेल्या नीं| 3 क्यूँके वे
पणमेशर की धार्मिकता तै अनजाण होकै, अर आपणी धार्मिकता पक्की करण
की कोशिश करकै, पणमेशर की धार्मिकता कै अधीन ना होए| 4 क्यूँके हरेक
बिश्वास करण आळे कै खातर धार्मिकता कै कारण मसीह व्यवस्था का अन्त
सै|

उद्धार सारया कै खातर

5 क्यूँके मूसा नै न्यू लिख्या सै के जो माणस उस धार्मिकता पै जो
व्यवस्था तै सै, चाल्लै सै, ओ उस्से तै जिन्दा रहवैगा| 6 पर जो धार्मिकता
बिश्वास तै सै, वा न्यू कहवै सै, "तू आपणे मन म्ह न्यू ना कहणा के सुर्ग पै
कौण चढ़ैगा?" (यानिके मसीह ताहीं उतार लाण कै खातर!) 7 या "पाताळ म्ह
कौण उतरैगा?" (यानिके मसीह ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा ऊपपर लाण कै
खातर!) 8 पर वा के कहवै सै? न्यू के "बचन तेरै लोवै सै, तेरै मुँह म्ह अर तेरै
मन म्ह सै," यो ओए बिश्वास का बचन सै, जो हम प्रचार करां सां, 9 के जै तू

आपणे मुँह तै यीशु नै प्रभु जाणकै अंगीकार करै, अर आपणे मन तै बिश्वास करै के पणमेशर नै उस ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया, तो तू पक्का उद्धार पावैगा| 10 क्यूँके धार्मिकता कै खातर मन तै बिश्वास करया जावै सै, अर उद्धार कै खातर मुँह तै अंगीकार करया जावै सै| 11 क्यूँके पवित्रग्रन्थ न्यू कहवै सै, "जो कोए उस पै बिश्वास करैगा ओ शर्मिन्दा कोनी होवैगा|" 12 यहुदियाँ अर युनानियाँ म्ह कीमे फर्क कोनी, ज्यांतै के ओ सारया का प्रभु सै अर आपणे सारे नाम लेण आळयां कै खातर उदार सै| 13 क्यूँके, "जो कोए प्रभु का नाम लेवैगा, ओ उद्धार पावैगा|"

14 फेर जिस पै उन्नै बिश्वास कोनी करया, वे उसका नाम किस तरियां लेवैं? अर जिसकै बाबत सुणया नीं उस किस तरियां बिश्वास करैं? अर प्रचारक बिना किस तरियां सुणैं? 15 अर जै खन्दाए ना जावैं, तो किस तरियां प्रचार करैं? जिसा लिख्या सै, "उनके पाँव कितने सुहाने सैं, जो आच्छी बात्तां का सुसमाचार सुणावैं सैं|" 16 पर सारया नै उस सुसमाचार पै कान कोनी लाया : यशायाह कहवै सै, "हे प्रभु, किसनै म्हारै समाचार पै बिश्वास करया सै?" 17 आखर म्ह बिश्वास सुनण तै अर सुनणा मसीह कै बचन तै होवै सै| 18 पर मै कहूँ सूं, के उन्नै कोनी सुणया? सुणया तै जरूर सै; क्यूँके लिख्या सै, उनके बोल साब्ती धरती पै, अर उनके बचन दुनिया के कुणे ताहीं पहोच गे सैं|" 19 मै फेर कहूँ सूं, के इस्राएली कोनी जाणै थे? पहल्या तो मूसा कहवै सै, "मै उनकै जरिये जो जान्दी कोनी, थारै मन म्ह जळण पैदा करूँगा; मै एक मूढ़ जात कै जरिये रीस दुवाऊँगा|" 20 फेर यशायाह घणी हिम्मत कै गेल्या कहवै सै, "जो मन्नै नीं टोहवैं थे, उन्नै मेरै ताहीं पा लिया; अर जो मन्नै बुझ्झै भी कोनी थे, उन पै मै प्रगट होग्या|" 21 पर इस्राएल कै बारै म्ह ओ न्यू कहवै सै, "मै सारा दिन आपणे हाथ एक हुक्म ना मानण आळी अर रोळा करण आळी प्रजा कै कान्नी पसारे रहया|"

इस्राएल पै पणमेशर की दया

11 ज्यांतै मै कहूँ सूं, के पणमेशर नै आपणी प्रजा ताहीं छोड़ दिया? कद्दे भी नीं! मै भी तो इस्राएली सूं; मैं अब्राहम की पीढी अर बिन्यामीन कै गोत्र म्ह तै सूं| 2 पणमेशर नै आपणी उस प्रजा ताहीं कोनी छोड्या, जिस ताहीं उसनै पहल्या ए तै जाणया| के थमनै नीं बेरा के पवित्रग्रन्थ एलिय्याह कै बारै म्ह के कहवै सै, के ओ इस्राएल कै बिरोध म्ह पणमेशर तै बिनती करै सै?" 3 "हे प्रभु, उन्नै तेरे नब्बियाँ ताहीं मार दिया, अर तेरी वेदियाँ ताहीं गेर दिया सै; अर मै ए एक्का बच्या सूं, अर वे मेरी ज्यान के भी खोज़ी सैं|" 4 पर पणमेशर तै उसनै के जबाब मिल्या? "मन्नै आपणे खातर सात हजार माणसां ताहीं राख राख्या सै, जिन्नै बाअल देवता कै आगै गोड्डे कोनी टेक्के सैं|" 5 ठीक इस्से तरियां तै इस टेम भी, अनुग्रह तै छाँटे होये कीमे माणस बचरे सै| 6 जै यो अनुग्रह तै होया सै, तो फेर कर्मां तै नीं; नीं तो अनुग्रह फेर अनुग्रह कोनी रहया|

7 ज्यांतै निचोड़ के लिकड़या? न्यू के इस्राएली जिसकी टोह म्ह थे, ओ उन ताहीं नीं मिल्या; पर छाँटे होया नै मिल्या, अर बचे होड़ माणस करड़े करे गये| 8 जिसा लिख्या सै, "पणमेशर नै उन ताहीं आज कै दिन ताहीं भारया नींद म्ह गेर राख्या सै, अर इसी आँख दिन जो नीं देखै अर इसे कान जो ना सुणै|" 9 अर दाऊद कहवै सै, "उनका खाणा उनकै खातर जाळ अर फन्दा, अर ठोकर अर सजा का कारण हो जावै| 10 उनकी आँखां पै अन्धेरा छा जावै ताके ना देखैं, अर तू सारी हाण उनकी पीठ ताहीं झुकाए राख|" 11 आखर म्ह कहूँ सूं के उन्नै ज्यांतै ठोकर खाई के पड़ज्या? कद्दे भी नीं! पर उनकै पड़ण कै कारण गैर-जात्तां ताहीं उद्धार मिल्या, के उन ताहीं जळण होवै| 12 ज्यांतै जै उनका पड़णा दुनिया कै खातर धन अर उनकी घटी गैर-जात्तां कै खातर सम्पत्ति का कारण होया, तो उनकी भरपूरी तै के कीमे कोनी होवैगा|

गैर-जात्तां का उद्धार : कलम लाण का उदाहरण

13 मै थम गैर-जात्तां तै ये बात कहूँ सूं| जिब्ब के मै गैर-जातां कै खातर प्रेरित सूं, तो मै आपणी सेवा की बड़ाई करूँ सूं, 14 ताके किसे तरियां तै मै आपणे कुन्बे आळयां म्ह जळण पैदा करवाकै उन म्ह तै एक-आधै का उद्धार कराऊँ| 15 क्यूँके जिब्ब उनका छोड़ दिया जाणा दुनिया कै मिलाप का कारण होया, तो के उनका अपणाया जाणा मरे होया म्ह तै जिन्दा उठण कै बराबर कोनी होवैगा? 16 जिब्ब भेंट का पहल्ड़ा पेड़ा पवित्र ठहरया, तो पूरा गुन्द्या होया चून भी पवित्र सै; अर जिब्ब जड़ पवित्र ठहरी, तो डाळीं भी इसी ए सैं|

17 पर जै कीमे डाळीं तोड़ दी गईं, अर तू जंगळी जैतून होकै उनम्ह साटया गया, अर जैतून की जड़ की चिकणाई का हिस्सेदार होया सै, 18 तो डाळीं पै घमण्ड ना करियो; अर जै तू घमण्ड करै तो जाण राख के तू जड़ नै कोनी पर जड़ तन्नै सम्भाळै सै| 19 फेर तू कहवैगा, "डाळीं ज्यांतै तोड़ी गईं के मै साटया जाऊँ|" 20 सई सै वे तो अबिश्वास कै कारण तोड़ी गई, पर तू बिश्वास तै बणया रहवै सै ज्यांतै घमण्डी ना होवै, पर भय मान, 21 क्यूँके जिब्ब पणमेशर नै सीधे तौर पै डाळीयां ताहीं कोनी छोड्या तो तन्नै भी कोनी छोड्डैगा| 22 ज्यांतै पणमेशर की कृपा अर करड़ेपण नै देख! जो पड़ लिए उन पै करड़ेपण, पर तेरै पै कृपा, जै तू उसम्ह बणया रहवै, नीं तो तू भी काट दिया जावैगा| 23 वे भी जै अबिश्वास म्ह नीं रहें, तो साट्टे जावैंगें; क्यूँके पणमेशर उन ताहीं फेर साट सकै सै| 24 क्यूँके जै तू उस जैतून तै, जो सुभाह तै जंगळी सै, काट्या गया अर सुभाह कै खिलाफ आच्छे जैतून म्ह साट्या गया, तो ये जो सीधे तौर की डाळीयां सै, आपणे ए जैतून म्ह क्यांतै नीं साट्टे जावैंगें|

साब्ते इस्राएल का उद्धार

25 हे भाईयो, कद्दे इसा ना हो के थम आपणे आप ताहीं श्याणे समझ ल्यो; ज्यांतै मै नीं चाहन्दा के थम इस फर्क तै अनजाण रहो के जिब्ब ताहीं गैर-जात्तां पूरी तरियां तै बड़ नीं कर लेवैं, जिद ताहीं इस्राएल इस एक हिस्सा इसा ए करड़ा रहवैगा| 26 अर इस तरियां तै सारा इस्राएल उद्धार पावैगा| जिसा लिख्या सै, "छुटाण आळा सिय्योन तै आवैगा, अर अभगती नै याकूब तै दूर करैगा; 27 अर उनकै गेल्या मेरी याए वाच्चा होगी, जिब्ब के मै उनकै पापां ताहीं दूर कर द्यूँगा|" 28 सुसमाचार कै मतलब तै तो थारै खातर वे पणमेशर के बैरी सै, पर छाँट लिये पाच्छै कै मतलब तै वे बाप-दाद्या कै कारण प्यारे सै| 29 क्यूँके पणमेशर अपणे वरदान्नां तै, अर बुलाहट तै कदे भी पाच्छै कोनी हटदा| 30 क्यूँके जिसा थम नै पहल्या पणमेशर का हुक्म कोनी माणया, पर इब भी उनके हुक्म न मानण तै थारै पै दया होई; 31 उस्से तरियां ए उन्नै भी इब हुक्म कोनी माणया, के थारै पै दया होवै सै इसतै उन पै भी दया होवै| 32 क्यूँके पणमेशर नै सारया के हुक्म ना मानण का कैदी बणा कै राख्या, ताके ओ सारया पै दया करै|

पणमेशर की स्तुति

33 आहा! पणमेशर का धन अर समझ अर ज्ञान के गम्भीर सै! उसके बिचार किस ढाळ के अथाह, अर उसकी राह किस ढाळ की अगम सै!
34 "प्रभु की बुद्धि ताहीं किसनै जाणया? या उसका मंत्री कौण होया? 35 या किसनै पहल्या उस ताहीं कीमे दिया सै जिसका बदला उस ताहीं दिया जावै?" 36 क्यूँके उस्से कै कान्नी तै, अर उस्से कै जरिये, अर उस्से कै खातर सारा कीमे सै| उसकी महिमा युगानुयुग होन्दी रहवै : आमीन|

पणमेशर की सेवा का जीवन

12 ज्यांतै हे भाईयो, मै थारै तै पणमेशर की दया याद दुवाकै बिनती करूँ सूं के आपणे देहियाँ ताहीं जिन्दा, अर पवित्र, अर पणमेशर ताहीं भान्दा होया बलिदान करकै चढ़ाओ| याए थारी आत्मिक सेवा सै| 2 इस दुनिया के बरगे ना बणो; पर थारे दीमाग के नये हो जाण तै थारा चाल-चलण भी बदलदा जावै, जिसतै थम पणमेशर की भली, अर भान्दी, अर सिद्ध मर्जी अनुभव तै बेरा पाड़ सको|

3 क्यूँके मै उस अनुग्रह कै कारण जो मेरै ताहीं मिल्या सै, थारै म्ह तै हरेक तै कहूँ सूं के जिसा समझणा चहिये उसतै बढ़कै कोए भी आपणे आप नै ना समझै; पर जिसा पणमेशर नै हरेक नै बिश्वास परिमाण कै मुताबिक बांड दिया सै, उस्से तरियां ए आच्छी बुद्धि कै गेल्या आपणे ताहीं समझै| 4 क्यूँके

जिसा म्हारी एक देही म्ह घण-ए अंग सै, अर सारे अंगां का एके सा काम कोनी; 5 उस्से तरियां ए हम जो घणे सां, मसीह म्ह एक देही होकै आपस म्ह एक दुसरे के अंग सां| 6 जिब्ब के उस अनुग्रह कै मुताबिक जो म्हारै ताहीं दिया गया सै, हमनै न्यारे-न्यारे वरदान मिले सै, तो जिस ताहीं भविष्यवाणी का दान मिल्या हो, ओ बिश्वास कै परिमाण कै मुताबिक भविष्यवाणी करै; 7 जै सेवा करण का दान मिल्या हो, तो सेवा म्ह लाग्या रहवै; जै कोए सिखाणआळा हो, तो सिखाण म्ह लाग्या रहवै; 8 जो उपदेशक हो, ओ उपदेश देण म्ह लाग्या रहवै; दान देणआळा उदारता तै देवै; जो अगुवाई करै, ओ जोश तै करै; जो दया करै, ओ ख़ुशी तै करै|

9 प्रेम म्ह कपट नीं होणा चहिये; बुराई तै नफरत करो; भलाई म्ह लाग्गे रहो| 10 भाईचारे कै प्रेम तै एक दुसरे तै प्यार राक्खो; आपस म्ह आद्दर करण म्ह एक दुसरे तै आगै चाल्लो| 11 कोशिश करण म्ह आळसी ना होवो; आत्मिक ख़ुशी तै भरे रहो; प्रभु की सेवा करदे रहो| 12 आशा म्ह खुश रहो; क्लेश म्ह डटे रहो; प्रार्थना म्ह सारी हाण लाग्गे रहो| 13 पवित्र माणसां ताहीं जो कीमे जरूरी हो, उसम्ह उनकी मदद करो; सेवा-बाड़ी करण म्ह लाग्गे रहो|

14 आपणे सताण आळयां ताहीं आशीष द्यो; आशीष दो श्राप ना द्यो| 15 आनन्द करण आळयां कै गेल्या आनन्द करो, अर रोणआळयां कै गेल्या रोओ| 16 आपस म्ह एक सा मन राक्खो; घमण्डी ना होवो, पर कमजोरां कै गेल्या संगति राक्खो; आपणी नजर म्ह अकलमंद ना होवो| 17 बुराई कै बदलै किसे तै बुराई ना करो; जो बात सारे माणसां कै लोवै आच्छी सै, उनकी फ़िक्र करया करो| 18 जित ताहीं हो सकै, थम लगन तै सारे माणसां कै गेल्या मेल-मिलाप राक्खो| 19 हे प्रियो, बदला ना लेणा, पर पणमेशर कै छोह नै मौक्का द्यो, क्यूँकै लिख्या सै, "बदला लेणा मेरा काम सै, प्रभु कहवै सै मै ए बदला द्यूँगा|" 20 पर "जै तेरा बैरी भूक्खा हो तो उस ताहीं खाणा खुवा, जै तिसाया हो तो उस ताहीं पाणी पिला; क्यूँकै इसा करण तै तू उसकै सिर पै आग के अंगांरयां का ढेर लगावैगा|" 21 बुराई तै ना हारो, पर भलाई तै बुराई नै जीत ल्यो|

राज्य के प्रति कर्तव्य

13 हरेक माणस शासन करण आळे अधिकारियां कै अधीन रहवै, क्यूँकै कोए अधिकार इसा नीं जो पणमेशर को ओड़ तै ना हो; अर जो अधिकार सैं, वे पणमेशर के ठहराए होए सैं| 2 ज्यांतै जो कोए अधिकार का बिरोध करै सै, ओ पणमेशर की विधि का सामणा करै सै, अर सामणा करण आळे सजा पावैंगें| 3 क्यूँकै हाकिम आच्छे काम के नीं, पर भुन्डे काम कै खातर डर का कारण सैं; आखर जै तू हाकिम तै बिना डरे रहणा चाहवै सै, आच्छा काम कर, अर उसकी ओड़ तै तेरी बड़ाई होगी; 4 क्यूँकै ओ तेरी भलाई कै खातर पणमेशर का सेवक सै| परन्तु जै तू बुराई करै, तो डर, क्यूँकै ओ तलवार खाम-खां कोनी लेरया; अर पणमेशर का सेवक सै के उसकै छोह कै मुताबिक भुन्डे काम करण आळे ताहीं सजा देवै| 5 ज्यांतै अधीन रहणा ना सिर्फ उस छोह कै डर तै जरूरी सै, बल्के विवेक भी गवाही देवै सै| 6 ज्यांतै टैक्स भी द्यो क्यूँकै शासन करण आळे पणमेशर के सेवक सै अर सारी हाण इस्से काम म्ह लाग्गे रहवैं सैं| 7 ज्यांतै हरेक का हक्क चुकाया करो; जिस ताहीं टैक्स चहिये, उस ताहीं टैक्स देओ; जिस ताहीं महसूल चहिये, उस ताहीं महसूल देओ; जिस तै डरणा चहिये, उस तै डरो; जिसका आद्दर-मान करणा चहिये, उसका आद्दर-मान करो|

एक-दुसरै कै प्रति कर्तव्य

8 आपस म्ह प्रेम नै छोड़ और किसे बात म्ह किसे के कर्जवान ना होओ; क्यूँकै जो दुसरे तै प्रेम राखै सै, उस्से नै व्यवस्था पूरा करया सै| 9 क्यूँकै यो के, "जारी नीं करणा, खून नीं करणा, चोरी नीं करणा, लालच नीं करणा," अर इन्नै छोड़ और कोए भी हुक्म हो तो सारया का निचोड़ इस बात म्ह पाया जावै सै, 'अपणे पड़ोसी तै अपणे जिसा प्रेम राख|" 10 प्रेम पड़ोसी की कीमे बुराई कोनी करदा, ज्यांतै प्रेम राखणा व्यवस्था ताहीं पूरा करणा सै|

11 बख्त नै पिच्छाण कै इसा ए करो, ज्यांतै के इब थारै खातर नींद तै जाग उठण की घड़ी आण पहोच्ची सै; क्यूँकै जिस बख्त हम नै बिश्वास करया था, उस बख्त के बिचार तै इब म्हारा उद्धार लोवै सै| 12 रात घणी बीतग्यी सै, अर दिन लिकड़ण आळा सै; ज्यांतै हम अन्धकार के काम्मां नै त्याग कै चाँदणै के हथियार बाँध लेवां| 13 जिसा दिन नै शोभा देवै सै, उस ए हम सीधी चाल चाल्ला, ना के भूंडा चाल-चलण, अर दारूबाजी म्ह, ना जारी अर लुचपण म्ह, अर ना रोळे अर डाह म्ह| 14 बल्के प्रभु यीशु मसीह ताहीं पहर ल्यो, अर देही की अभिलाषायां नै पूरा करण का उपाय ना करो|

अपणै भाई पै दोष मतना लाओ

14 जो बिश्वास म्ह कमजोर सै, उस ताहीं आपणी संगति म्ह ले ल्यो, पर उसकी शंकायां पै बहस करण कै खातर नीं| 2 एक नै बिश्वास सै के सारा कीमे खाणा सई सै, पर जो बिश्वास म्ह कमजोर सै ओ साग पात ए खावै सै| 3 खाणआळा ना खाणआळे ताहीं तुच्छ ना जाणै, अर ना खाणआळा खाणआळै पै दोष लावै; क्यूँकै पणमेशर नै उस ताहीं अपणाया सै| 4 तू कौण सै जो दुसरे कै सेवक पै दोष लावै सै? उसका स्थिर रहणा या पड़ जाणा उसकै मालिक ए तै सम्बन्ध राखै सै; बल्के ओ स्थिर ए कर दिया जावैगा, क्यूँकै प्रभु उस ताहीं स्थिर राख सकै सै|

5 कोए तो एक दिन नै दुसरे तै बाध मान्नै सै, अर कोए सारे दिनां नै एक जिसा जाणै सै; हरेक अपणै ए मन म्ह पक्का कर लेवै| 6 जो किसे दिन नै मान्नै सै, ओ प्रभु कै खातर मान्नै सै| जो खावै सै, ओ प्रभु कै खातर खावै सै, क्यूँकै ओ पणमेशर का धन्यवाद करै सै, अर जो नीं खान्दा, ओ प्रभु कै खातर नीं खान्दा अर पणमेशर का धन्यवाद करै सै| 7 क्यूँकै म्हारै म्ह तै ना तो कोए अपणे खातर जिन्दा सै अर ना कोए अपणे खातर मरै सै| 8 जै हम जिवां सां, तो प्रभु कै खातर जिवां सां; अर जै मरां सां, तो प्रभु कै खातर ए मरां सां; आखर म्ह जिवां या मरां, हम प्रभु ए के सां| 9 क्यूँकै मसीह इसे खातर मरया अर जिन्दा भी उठ्या के ओ मरे होया अर जिन्दया का, दोनुआं का प्रभु होवै|

10 तू अपणे भाई पै क्यांतै दोष लावै सै? या फेर क्यांतै अपणे भाई नै तुच्छ जाणै सै? हम सारे के सारे पणमेशर कै न्याय सिंहासन कै श्यामी खड़े होवांगें| 11 क्यूँकै लिख्या सै, "प्रभु कहवै सै, मेरे जीवन की सोह के हरेक गोडडा मेरै श्यामी टिकैगा, अर हरेक जीभ पणमेशर का अंगीकार करैगी|" 12 ज्यांतै म्हारै म्ह तै हरेक पणमेशर नै आपणा-आपणा लेक्खा देवैगें|

अपणै भाई के पतन का कारण मतना बणो

13 आखर म्ह आगै तै हम एक-दुसरे पै दोष नीं लावांगें, पर थम या ठाण ल्यो के कोए अपणे भाई कै श्यामी ठेस या ठोकर का कारण ना राक्खै| 14 मन्नै बेरा सै अर प्रभु यीशु म्ह मन्नै पक्का यकीन होया सै के कोए चीज अपणे आप तै अशुद्ध कोनी, पर जो उस ताहीं अशुद्ध समझै सै उसकै खातर अशुद्ध सै| 15 जै तेरा भाई तेरै खाणै कै कारण उदास होवै सै, तो फेर तू प्रेम की रीत तै नीं चाल्दा; जिसकै खातर मसीह मरया, उस ताहीं तू अपणे खाणै कै जरिये नास ना करै| 16 आखर म्ह थारै खातर जो भला सै उसकी बुराई ना होण पावै| 17 क्यूँकै पणमेशर का राज्य खाणा-पिणा कोनी, पर धर्म अर मेळ-मिलाप अर ओ आनन्द सै जो पवित्र आत्मा तै होवै सै| 18 जो कोए इस तरियां तै मसीह की सेवा करै सै, ओ पणमेशर नै भावै सै अर माणसां म्ह अपनाण जोग्गा ठहरै सै| 19 ज्यांतै हम उन बात्तां म्ह लाग्गे रह्वां जिन तै मेळ-मिलाप अर एक-दुसरे का सुधार होवै| 20 खाणै कै खातर पणमेशर का काम ना बिगाड़ै| सारा कीमे शुद्ध तो सै, पर उस माणस कै खातर भूंडा सै जिस ताहीं उसकै खाणै तै ठेस लागै सै| 21 भला तो यो सै के तू ना मांस खावै अर ना दारू पिवै, ना और कीमे इसा करै जिस तै तेरा भाई नै ठेस लाग्गै| 22 तेरा जो विशवास हो, उस ताहीं पणमेशर कै श्यामी अपणै ए मन म्ह राख| धन्य सै ओ जो उस बात म्ह, जिस ताहीं ओ सई समझै सै, अपणे आप नै कसूरवार कोनी ठहरान्दा| 23 पर जो शक करकै खावै सै ओ सजा कै जोग्गा ठहर चुक्या, क्यूँकै ओ बिश्वास तै नीं खान्दा; अर जो कीमे बिश्वास तै नीं, ओ पाप सै|

दुसरयां की बढोत्तरी करो

15 आखर म्ह हम ठाड्यां नै चहिये के कमजोरां की कमजोरी नै सहवां,
ना के अपणे आप नै राज़ी करां| 2 म्हारै म्ह हरेक अपणे पड़ोसी
ताहीं उसकी भलाई कै खातर राज़ी करै ताके उसकी बढोत्तरी होवै| 3 क्यूँके
मसीह नै अपणे आप ताहीं राज़ी कोनी करया, पर जिसा लिख्या सै : "तेरे
बुराई करण आळयां की बुराई मेरै पै आण पड़ी|" 4 जितनी बात पहल्या तै
लिक्खी गई, वे म्हारी ए शिक्षा कै खातर लिक्खी गई सैं के हम धीरज अर
पवित्रग्रन्थ कै हौसले कै जरिये आस राक्खां| 5 धीरज अर शान्ति का दात्ता
पणमेशर थमनै यो वरदान देवै के मसीह यीशु कै मुताबिक आपस म्ह एक मन
रहो| 6 ताके थम एक मन अर एक सुर म्ह म्हारै प्रभु यीशु मसीह कै बाप
पणमेशर की स्तुति करो|

सारया कै खातर सुसमाचार

7 इसकरकै, जिसा मसीह नै पणमेशर की महिमा कै खातर थारै ताहीं
अपणाया सै, उस्से तरियां ए थम भी एक-दुसरे नै अपणाओ| 8 ज्यांतै मै कहूँ
सूं के जो प्रतिज्ञाएँ बाप-दाद्यां तै दिए गये थे उन्नै पक्का करण कै खातर मसीह,
पणमेशर की सच्चाई का सबूत देण कै खातर, खतना करे होड़ माणसां का
सेवक बणया; 9 अर गैर-जात्तां आळे भी दया कै कारण पणमेशर की स्तुति
करै; जिसा लिख्या सै, "ज्यांतै मै जात-जात म्ह तेरा धन्यवाद करूँगा, अर
तेरै नाम के भजन गाऊँगा|" 10 फेर कहया सै, "हे जात-जात के सारे
माणसो, उसकी प्रजा कै गेल आनन्द करो|" 11 अर फेर, "हे जात-जात के
सारे माणसो, प्रभु की जय-जयकार करो; अर हे राज्य-राज्य के सारे माणसो;
उसकी बड़ाई करो|" 12 अर यशायाह कहवै सै, "यिशै की एक जड़ दिखैगी,
अर गैर-जात्तां का हाकिम होण कै खातर एक उठैगा, उस पै गैर-जात आस
राखैगीं|" 13 पणमेशर जो आस का दात्ता सै थारै ताहीं बिश्वास करण म्ह
सारी तरियां के आनन्द अर शान्ति तै भरपूर करै, के पवित्र आत्मा की
सामर्थ तै थारी आस बधदी जावै|

साहस तै लिखण का कारण

14 हे मेरे भाईयो, मै अपणे-आप थारै बारै म्ह पक्का जाणु सूं के थम भी आप
ए भलाई तै भरे अर ईश्वरीय ज्ञान तै भरपूर सो, अर एक दुसरे नै सोद्दी दे
सको सो| 15 तौभी मन्नै किते-किते याद दुवाण कै खातर थारै ताहीं जो
हिम्मत करकै लिख्या| यो उस अनुग्रह कै कारण होया जो पणमेशर नै मेरै
ताहीं दिया सै, 16 के मै गैर-जात्तां कै खातर मसीह यीशु का सेवक होकै
पणमेशर कै सुसमाचार की सेवा याजक कै ढाळ करूँ, जिसतै गैर-जात्तां का
मान्नो चढ़ाया जाणा, पवित्र आत्मा तै पवित्र बणकै अपणाया जावै| 17 ज्यांतै
उन बात्तां कै बारै म्ह जो पणमेशर तै सम्बन्ध राखैं सैं, मै मसीह यीशु म्ह
बड़ाई कर सकूँ सूं| 18 क्यूँके उन बात्तां नै छोड़ मन्नै और किसे बात कै बारै
म्ह कहण की हिम्मत कोनी, जो मसीह नै गैर-जात्तां की अधीनता कै खातर
बचन, अर कर्म, 19 निशानां, अर अनोक्खे काम्मां की सामर्थ तै, अर पवित्र
आत्मा की सामर्थ तै मेरै ए जरिये करे; उरै ताहीं के मन्नै यरूशलेम तै लेकै
चौगरदेकै इल्लुरिकुम ताहीं मसीह कै सुसमाचार का पूरा-पूरा प्रचार करया|
20 पर मेरै मन की उमंग या सै के जित-जित मसीह का नाम नीं लिया गया,
ओड़ ए सुसमाचार सुणाऊँ इसा ना हो के दुसरे की नींव पै घर बणाऊँ|
21 पर जिसा लिख्या सै उस्से तरियां ए होवै, "जिन कै धोरै उसका
सुसमाचार नीं पहोच्या, वैए देखैंगें, अर जिन्नै नीं सुणा वैए समझैंगें|"

रोम यात्रा की पौलुस की योजना

22 ज्यांतै मै थारै धोरै आण तै बार-बार रुक्या रहया| 23 पर इब इन देशां
म्ह मेरै काम कै खातर और जंगहा कोनी रही, अर घणे साल्लां तै मन्नै थारै
धोरै आण की लालसा सै| 24 ज्यांतै जिब्ब मै स्पेन नै जाऊँगा तो थारै धोरै
होंदा होया जाऊँगा, क्यूँके मन्नै उम्मींद सै के उस सफर म्ह थारै तै भेंट
होवैगी, अर जिब्ब थारी संगति तै मेरा जी कीमे भर जावै तो थम मन्नै कीमे दूर
आगै पहोचा दीओ| 25 पर इब्बे तो मै पवित्र माणसां की सेवा करण कै खातर
यरूशलेम नै जाऊँ सूं| 26 क्यूँके मकिदुनिया अर अखया के माणसां नै यो
आच्छा लाग्या के यरूशलेम के पवित्र माणसां म्ह गरीबां कै खातर कीमे चन्दा
करूं| 27 उन्नै आच्छा तो लाग्या, पर वे उनकै कर्जवान भी सै, क्यूँके जै गैर-
जात आळे उनकी आत्मिक बात्तां म्ह हिस्सेदार होए, तो उन्नै भी सई सै के
देही तौर की बात्तां म्ह उनकी सेवा करूं| 28 ज्यांतै मै यो काम पूरा करकै
अर उन ताहीं यो चन्दा थमाकै थारै धोरै होंदा होया स्पेन नै जाऊँगा| 29 अर
मन्नै बेरा सै के जिब्ब मै थारै धोरै आऊँगा, तो मसीह की पूरी आशीष कै गेल
आऊँगा|

30 हे भाईयो, म्हारै प्रभु यीशु मसीह के अर पवित्र आत्मा के प्रेम नै याद
दुवाकै मै थारै तै बिनती करूँ सूं, के मेरै खातर पणमेशर तै प्रार्थना करण म्ह
मेरै गेल मिलकै मन्ढे रहो 31 के मै यहुदियाँ कै अबिश्वासीयां तै बच्या रहूँ, अर
मेरी वा सेवा जो यरूशलेम कै खातर सै, पवित्र माणसां नै भावै; 32 अर मै
पणमेशर की मर्जी तै थारै धोरै आनन्द कै गेल आकै थारै गेल्या आराम
पाऊँ| 33 शान्ति का पणमेशर थारै सारया कै गेल्या रहवै| आमीन|

व्यक्तिगत अभिवादन

16 मै थारै तै फिबे कै खातर जो म्हारी बेब्बे अर किन्ख्रिया की
कलीसिया की सेविका सै, बिनती करूँ सूं 2 के थम, जिसा के पवित्र
माणसां नै चहिये, उस ताहीं प्रभु म्ह अपणाओ; अर जिस किसे बात म्ह उस
ताहीं थारी जरूत होवै, उसकी मदद करो, क्यूँके वा भी घण-खरया की बल्के
मेरी भी उपकार करण आळी रही सै|

3 प्रीस्का अर अक्विला नै जो मसीह यीशु म्ह मेरै गेल-काम करणीयें सैं,
नमस्कार| 4 उन्नै मेरै प्राण कै खातर आपणा ए जीवन जोखम म्ह गेर दिया
था; अर सिर्फ मै ए नीं, बल्के गैर-जात्तां की सारी कलीसिया भी उनका
धन्यवाद करैं सैं| 5 अर उस कलीसिया नै भी नमस्कार जो उनकै घरा सैं|
मेरे प्यारे इपैनितुस नै, जो मसीह कै खातर आसिया का पहला फळ सै,
नमस्कार| 6 मरियम ताहीं, जिसनै थारै खातर घणी मेहनत करी, नमस्कार|
7 अन्द्रुनीकुस अर यूनियास नै जो मेरा कुन्बे का सै, अर जो मेरै गेल्या कैद
होए थे अर प्रेरितां म्ह नाम्मी सैं, अर मेरै तै पहल्या मसीह होए थे,
नमस्कार| 8 अम्पलियातुस नै, जो प्रभु मसीह मेरा प्यारा सै, नमस्कार|
9 उरबानुस नै, जो मसीह मै म्हारा गेल काम करणीया सै, अर मेरे प्यारे
इस्तखुस नै नमस्कार| 10 अपिल्लेस नै जो मसीह म्ह खरया लिकड़या,
नमस्कार| अरिस्तुबुलुस कै कुन्बे नै नमस्कार| 11 मेरै कुन्बे कै हेरोदियोन नै
नमस्कार| नरकीस्सुस का कुन्बे के जो माणस प्रभु म्ह सै, उन ताहीं
नमस्कार| 12 त्रुफेना अर त्रूफोसा नै जो प्रभु म्ह मेहनत करैं सैं, नमस्कार|
प्यारे पिरसिस नै, जिसनै प्रभु म्ह घणी मेहनत करी, नमस्कार| 13 रूफुस नै
जो प्रभु म्ह छांटया होया सै अर उसकी माँ नै, जो मेरी भी माँ सै, दोनुआ नै,
नमस्कार| 14 अन्सुक्रितुस अर फिलगोन अर हिर्मेस अर पत्रुबास अर हिर्मास
अर उनकै गेल्या के भाईया नै, नमस्कार| 15 फिलुलुगुस अर यूलिया अर
नेर्युस अर उसकी बेब्बे, अर उलुम्पास अर उनकै गेल्या के सारे पवित्र
माणसां नै नमस्कार| 16 आपस म्ह पवित्र चुम्मे तै नमस्कार करो| थारै ताहीं
मसीह की सारी कलीसियाओं की ओड़ तै नमस्कार|

आखरी निर्देश

17 इब हे भाईयो, मै थारै तै बिनती करूँ सूं के जो माणस उस शिक्षा कै
उल्टी ओड़, जो थमनै मिली सै, फूट गेरण अर ठेस खुवाण का कारण होवैं
सैं, उन्नै ताड़ लिया करो अर उन तै दूर रहो| 18 क्यूँके इसे माणस म्हारै प्रभु
मसीह की नीं, पर अपणे पेट की सेवा करैं सैं; अर चिकणी चुपड़ी बात्तां तै
सीधे-सादे मन के माणसां नै भका देवैं सैं| 19 थारै हुक्म मानण का जिक्रा
सारे माणसां म्ह फैल गया सै, ज्यांतै म्ह थारै बारै म्ह आनन्द करूँ सूं, पर मै
न्यू चाहूँ सूं के थम भलाई कै खातर श्याणे, पर बुराई कै खातर भोळे बणे
रहो| 20 शान्ति का पणमेशर शैतान नै थारै पायां तै तावळा कुचलवा देवैगा|
म्हारै प्रभु मसीह का अनुग्रह थारै पै होंदा रहवै| 21 मेरे गेल काम करणीया
तीमुथियुस का, अर मेरे कुन्बे आळे लूकियुस अर यासोन अर सोसिपत्रुस का
थारै ताहीं नमस्कार| 22 मेरी चिट्ठी कै लिखण आळे तिरतियुस का, प्रभु म्ह

थारै ताहीं नमस्कार| 23 गयुस जो मेरी अर कलीसिया की पहुनाई करण
आळा सै, उसका थारै ताहीं नमस्कार| इरास्तुस जो नगर का भण्डारी सै,
अर भाई क्वारतुस का थारै ताहीं नमस्कार| 24 शान्ति का पणमेशर शैतान नै
थारै पाँयां तै तावळा कुचलवा देवैगा| म्हारै प्रभु मसीह का अनुग्रह थारै पै
होंदा रहवै|

पणमेशर की स्तुति

25 इब जो थारै ताहीं मेरै सुसमाचार यानिके यीशु मसीह कै संदेश कै प्रचार
कै मुताबिक स्थिर कर सकै सै, उस भेद कै चाँदणै कै मुताबिक़ जो पुराणे
बख्त तै लुह्कया रहया, 26 पर इब प्रगट होकै सनातन पणमेशर कै हुक्म तै
नब्बियाँ की किताब्बां कै जरिये सारी जात्तां नै बताया गया सै के वे बिश्वास
तै हुक्म मानणआळे हो जावैं, 27 उस्से ऐकले श्याणे पणमेशर की यीशु मसीह
कै जरिये युगानुयुग महिमा होन्दी रहवै| आमीन|

1 कुरिन्थियों

अभिवादन

1 पौलुस कै कान्नी तै जो पणमेशर की मर्जी तै प्रभु यीशु मसीह का
प्रेरित होण कै खातर बुलाया गया अर भाई सोस्थिनेस की ओड़ तै|
2 पणमेशर की उस कलीसिया कै नाम जो कुरिन्थिस म्ह सै यानिके उनके
नाम जो मसीह यीशु म्ह पवित्र करे गये अर पवित्र होण कै खातर बुलाये गये
सैं अर उन सारया के नाम भी जो हरेक जंगहा म्हारे अर अपणे प्रभु यीशु
मसीह के नाम की प्रार्थना करैं सैं| 3 म्हारै पिता पणमेशर अर प्रभु यीशु
मसीह की ओड़ तै थमनै अनुग्रह अर शान्ति मिल्दी रहवै|

मसीह की आशीषें

4 मै थारै बारै म्ह आपणे पणमेशर का सारी हाण धन्यवाद करूँ सूं, ज्यांतै
के पणमेशर का यो अनुग्रह थारै पै मसीह यीशु म्ह होया सै| 5 के उसम्ह होकै
थम हरेक बात म्ह यानिके सारे बचन अर सारे ज्ञान म्ह साहूकार करे गये|
6 के मसीह की गवाही थारै पै पक्की लिकड़ै| 7 उरै ताहीं के किसे बरदान म्ह
थमनै कमी ना होवै, अर थम म्हारै प्रभु यीशु मसीह के प्रगट होण की बाट
देख्दे रहो सो| 8 ओ थमनै आखिर ताहीं मजबूत करैगा, के थम म्हारै प्रभु
यीशु मसीह के दिन बेकसूर ठहरो| 9 पणमेशर साच्चा सै जिसनै थारै ताहीं
अपणे बेट्टे म्हारै प्रभु यीशु मसीह की संगति म्ह बुलाया सै|

कलीसिया म्ह फूट

10 हे भाईयो, मै थारै तै यीशु मसीह जो म्हारा प्रभु सै उसकै नाम के जरिये
बिनती करूँ सूं, के थम सारे एक ए बात कहो, अर थारै म्ह पाटम ना होवै, पर
एक ए मन अर एक ए रै म्ह होकै मिले रहो| 11 क्यूँके मेरे भाईयो, खलोए के
कुन्बे के माणसां नै मेरै ताहीं थारै बारै म्ह बताया सै, के थारै म्ह रोळे होवैं
सैं| 12 मेरा कहणा यो सै के, थारै म्ह तै कोए अपणे आप नै पौलुस का, कोए
अपुल्लोस का, कोए कैफा का, कोए मसीह का कहवै सै| 13 के मसीह बंडग्या?
के पौलुस थारै खातर क्रूस पै चढ़ाया गया? के थमनै पौलुस कै नाम तै
बपतिस्मा मिल्या? 14 मै पणमेशर का धन्यवाद करूँ सूं, क्रिस्पुस अर ग्युस नै
छोड़, मन्नै थारै तै किस्से ताहीं भी बपतिस्मा कोनी दिया| 15 कदे इसा ना हो
के कोए कहवैं थमनै मेरै नाम पै बपतिस्मा मिल्या सै| 16 अर हम्बै, मन्नै
स्तिफनास के कुन्बे ताहीं भी बपतिस्मा दिया; इन्नै छोड़ मै नीं जाणदा के मन्नै
और किसे ताहीं भी बपतिस्मा दिया| 17 क्यूँके मसीह नै मेरै ताहीं बपतिस्मा
देण ताहीं नीं, बल्के सुसमाचार सुनाण ताहीं खन्दाया सै, अर न्यू भी शब्दां
के ज्ञान कै मुताबिक कोनी, इसा ना हो के मसीह का क्रूस बेकार ठहरै|

मसीह पणमेशर का ज्ञान अर सामर्थ सै

18 क्यूँके क्रूस की कहानी नास होण आळयां कै खातर बेअक्ली सै, पर हम
उद्धार पाण आळयां कै खातर पणमेशर का सामर्थ सै| 19 क्यूँके लिख्या सै,
"मै ज्ञानियाँ कै ज्ञान ताहीं नास करूँगा, अर समझदारां की समझ नै तुच्छ
कर द्यूँगा|" 20 कित रहया ज्ञान्नी? कित रहया शास्त्री? कित रहया इस दुनिया
का बकवाद करण आळा? के पणमेशर नै दुनिया के ज्ञान ताहीं बावळापण नीं
ठहराया? 21 क्यूँके जिब्ब पणमेशर कै ज्ञान कै मुताबिक दुनिया नै ज्ञान तै
पणमेशर ताहीं कोन्या जाणया, तो पणमेशर नै यो आच्छा लाग्या के इस
प्रचार के बावळैपण के जरिये बिश्वास करण आळयां नै उद्धार देवै| 22 यहूदी
तो निशान चाहवैं सैं, अर यूनानी ज्ञान की टोह म्ह रहवैं सैं, 23 पर हम तो उस
क्रूस पै चढ़ाए होड़ मसीह का प्रचार करां सां, जो यहुदियाँ कै खातर ठोकर
का कारण अर गैर-जात्तां कै खातर बेअक्ली सै; 24 पर जो बुलाए गये सैं, के
यहूदी के यूनानी, उनकै लोवै मसीह पणमेशर की सामर्थ अर पणमेशर का
ज्ञान सै| 25 क्यूँके पणमेशर का बेअक्ली माणसां के ज्ञान तै ज्ञानवान सै, अर
पणमेशर की कमजोरी माणसां कै हान्गे तै घणी ठाड्डी सै|

26 हे भाईयो, अपणे बुलाए जाण नै तो सोच्चो के ना देही कै मुताबिक घणे
ज्ञानवान, अर ना घणे सामर्थी, अर ना घणे आच्छे खानदान आळे बुलाए
गये| 27 पर पणमेशर नै दुनिया के बेअक्लां ताहीं छाँट लिया सै के ज्ञानवानां
ताहीं सर्मिन्दा करै, अर पणमेशर नै दुनिया के कमजोरां ताहीं छाँट लिया सै
के ठाड्यां नै सर्मिन्दा करै; 28 अर पणमेशर नै दुनिया के नीच्चां अर तुच्छां
ताहीं, बल्के जो सै भी कोनी उन ताहीं भी छाँट लिया के उन ताहीं भी जो सैं,
बेकार ठहरावै| 29 ताके के कोई जीव पणमेशर कै श्यामी घमण्ड नीं करण
पावै| 30 पर उस्से कै कान्नी तै थम मसीह यीशु म्ह सो, जो पणमेशर की
ओड़ तै म्हारै खातर ज्ञान ठहरया, यानिके धर्म, अर पवित्रता, अर छुटकारा|
31 ताके जिसा लिख्या सै, उस्से तरियां ए होवै, "जो घमण्ड करै ओ प्रभु म्ह
घमण्ड करै|"

क्रूसित मसीह कै बारै म्ह संदेश

2 हे भाईयो, जिब्ब मै पणमेशर का भेद सुणान्दा होया थारै धोरै आया,
तो शब्दां या ज्ञान की उत्तमता कै गेल्या कोनी आया| 2 क्यूँके मन्नै यो
ठाण लिया था के थारै बिच्चाळै यीशु मसीह बल्के क्रूस पै चढाए होड़ मसीह नै
छोड़ और किसे बात ताहीं कोनी जाणूं| 3 मै कमजोरी अर भय कै गेल्या, अर
घणा काम्बन्दा होया थारै गेल्या रहया; 4 अर मेरै बचन, अर प्रचार म्ह ज्ञान
की लुभाणआळी बात कोनी, पर आत्मा अर समर्थ का सबूत था, 5 ज्यांतै के
थारा बिश्वास माणसां कै ज्ञान पै नीं, पर पणमेशर की सामर्थ के आसरै पै हो|

पणमेशर का ज्ञान

6 फेर भी सिद्ध माणसां म्ह हम ज्ञान सुणावां सां, पर इस दुनिया का अर
इस दुनिया के नास होण आळे हाकिमां का ज्ञान कोनी; 7 पर हम पणमेशर
का ओ लुहक्या होड़ ज्ञान, भेद की तरियां तै बतावां सां, जिस ताहीं पणमेशर
नै पुराणै बख्त तै म्हारी महिमा कै खातर ठहराया| 8 जिस ताहीं इस दुनिया
के हाकिमां म्ह तै किसे नै कोनी जाणया, क्यूँके जै वे जाणदे तो तेजोमय प्रभु
ताहीं क्रूस पै कोनी चढान्दे| 9 जिसा लिख्या सै, "जो बात आँख नै नीं
देक्खी अर कान नै कोन्या सुणी, अर जो बात माणसां के चित म्ह कोनी
चढ़ी, वै ए सै जो पणमेशर नै आपणे प्रेम राखण आळयां कै खातर त्यार करी
सैं|"

10 पर पणमेशर नै उन ताहीं आपणे आत्मा के जरिये म्हारै पै प्रगट करया,
क्यूँके आत्मा सारी बात, बल्के पणमेशर की डून्घी बात्तां नै भी जांचैं सैं|
11 माणसां म्ह तै कौण किसे माणस की बात्तां नै जाणै सै, सिर्फ माणस की
आत्मा जो उसम्ह सै? उस्से तरियां ए पणमेशर की बात्तां नै भी कोए नीं
जाणदा, सिर्फ पणमेशर की आत्मा| 12 पर हमनै दुनिया की आत्मा नीं, पर
वा आत्मा पायी सै जो पणमेशर की ओड़ तै सै के हम उन बात्तां नै जाणां जो
पणमेशर नै म्हारै ताहीं दी सै| 13 जिन ताहीं हम माणसां के ज्ञान की सिखाई
होड़ बात्तां म्ह नीं, पर आत्मा की सिखाई होड़ म्ह, आत्मिक बात्तां नै
आत्मिक बात्तां तै मिलाकै सुणावां सां| 14 पर देही तौर पै माणस पणमेशर
के आत्मा की बात अपणान्दा कोनी, क्यूँके वे उसकी निगांह म्ह बावळैपण

की बात सै, अर ना ओ उन ताहीं जाण सकै सै क्यूँके उनकी जाँच आत्मिक तरियां तै होवै सै| 15 आत्मिक माणस सारा कीमे जाँचै सै, पर ओ आप किसे तै जाँचया कोनी जान्दा| 16 क्यूँके प्रभु का मन किस नै जाणया सै के उस ताहीं सिखावै?" पर म्हारै म्ह मसीह का मन सै|

कलीसिया म्ह गुटबंदी की भर्त्सना

3 हे भाईयो, मै थारै तै इस तरियां तै बात कोनी कर सक्या जिस तरियां तै आत्मिक माणसां तै करणी चहिये, पर जिस तरियां तै देही तौर के माणसां की तरियां बात करी, अर उन तै जो मसीह म्ह बाळक सैं| 2 मन्नै थारै ताहीं दूध पिलाया, रोट्टी कोनी खुवाई; क्यूँके थम उस ताहीं कोनी खा सको थे; बल्के इब ताहीं भी कोनी खा सको सो, 3 क्यूँके इब ताहीं देही तौर पै सो| ज्यांतै के जिब्ब थारै म्ह डाह अर रोळा सै, तो के थम देही तौर पै कोनी? अर के माणस की रित्तां पै कोनी चाल्दे? 4 क्यूँके जिब्ब एक कहवै सै, "मै पौलुस का सूं," अर दुसरा कहवै सै, "मै अपुल्लोस का सूं," तो के थम माणस कोनी?

5 अपुल्लोस के सै? अर पौलुस के सै? सिर्फ सेवक, जिनकै जरिये थमनै बिश्वास करया, जिसा हरेक ताहीं प्रभु नै दिया| 6 मन्नै लाया, अपुल्लोस नै सींज्या, पर पणमेशर नै बढाया| 7 ज्यांतै ना तो लाणआळा कीमे सै अर ना सींजण आळा, पर पणमेशर ए सारा कीमे सै जो बढ़ाण आळा सै| 8 लाणआळा अर सींजणआळा दोन्नु एक सै; पर हरेक माणस आपणी ए मेहनत कै मुताबिक आपणी ए मजदूरी पावैगा| 9 क्यूँके हम पणमेशर कै गेल-काम करणीए सां; थम पणमेशर की खेत्ती अर रचना सो|

10 पणमेशर के उस अनुग्रह कै मुताबिक जो मेरै ताहीं दिया गया, मन्नै श्याणै चिनाई आळे मिस्त्री की तरियां नींव बणा दी, अर दूसरा उस पै रद्दा धरै सै| पर हरेक माणस चौकस रहवै के ओ उस पै किसा रद्दा धरै सै| 11 क्यूँके उस नींव नै छोड़ जो पड़ी सै, अर वा यीशु मसीह सै, कोए दूसरी नींव कोनी बणा सकदा| 12 जै कोए इस नींव पै सोन्ना या चाँदी या घणा कीमती पत्थर या काट या घास या फूस का रद्दा धरै, 13 तो हरेक माणस का काम दिख जावैगा; क्यूँके ओ दिन उस ताहीं बतावैगा, ज्यांतै के ओ दिन आग कै गेल्या प्रगट होवैगा अर वा आग हरेक का काम परखैगी के किसा सै| 14 जिसका काम उस पै बणया होया डटया रहवैगा, तो मजदूरी पावैगा| 15 किसे का काम जळ जावैगा, तो ओ टोट्टा खावैगा; पर ओ आप बच जावैगा पर जळदे-जळदे|

16 के थमनै नीं बेरा के थम पणमेशर के मन्दर सो, अर पणमेशर की आत्मा थारै म्ह बास करै सै? 17 जै कोए पणमेशर कै मन्दर नै नास करैगा तो पणमेशर उसका नास करैगा; क्यूँके पणमेशर का मन्दर पवित्र सै, अर ओ थम सो|

18 कोए आपणे आप नै धोखा ना देवै| जै थारै म्ह तै कोए इस दुनिया म्ह अपणे आप ताहीं ज्ञान्नी समझै, तो बावळा बणै के ज्ञान्नी हो जावै| 19 क्यूँके इस दुनिया का ज्ञान पणमेशर कै लवै बावळापण सै, जिसा लिख्या सै, "ओ ज्ञानियाँ ताहीं उनकी श्याणपत म्ह फँसा देवै सै," 20 अर फेर, "प्रभु ज्ञानियाँ के बिचारां नै जाणै सै के बेकार सै|" 21 ज्यांतै माणसां पै कोए घमण्ड ना करै, क्यूँके सारा कीमे थारा सै: 22 पौलुस, के अपुल्लोस, के कैफा, के दुनिया, के जीवन, के मरण, के वर्तमान, के भविष्य, सारा कीमे थारा सै, 23 अर थम मसीह के सो, अर मसीह पणमेशर का सै|

मसीह के प्रेरित

4 माणस हमनै मसीह के सेवक अर पणमेशर के भेदां के भण्डारी समझै| 2 फेर उरै भण्डारी म्ह या बात देक्खी जावै सै के ओ बिश्वास कै जोग्गा हो| 3 पर मेरी निगांह म्ह या घणी छोट्टी बात सै के थम या माणसां का कोए जज मन्नै परखै, बल्के मै खुद अपणे-आप ताहीं कोनी परखदा| 4 क्यूँके मेरा मन मेरै ताहीं किसे बात म्ह कसूरवार कोनी ठहरान्दा, पर इस म्ह मै बेकसूर कोनी ठहरदा, क्यूँके मेरा परखण आळा प्रभु सै| 5 ज्यांतै जिब्ब ताहीं प्रभु ना आवै, बख्त तै पहल्या किसे बात का न्याय ना करो : ओए अन्धकार की लुक्ही होड़ बात चाँदणै म्ह दिखावैगा, अर मनां के मतलबां नै प्रगट करैगा, फेर पणमेशर कै कान्नी तै हरेक की बड़ाई होवैगी|

6 हे भाईयो, मन्नै इन बात्तां म्ह थारै खातर आपणा अर अपुल्लोस का जिक्रा उदाहरण की तरियां तै करया सै; ज्यांतै के थम म्हारै जरिये न्यू सीक्खो के लिखे होए तै आगै ना बढ़णा, अर एक की मेर म्ह दुसरे कै बिरोध म्ह घमण्ड ना करणा| 7 क्यूँके थारै म्ह अर दूसरयां म्ह कौण फर्क करै सै? अर तेरै धोरै के सै जो तन्नै (दुसरे तै) नीं पाया? अर जिबके तन्नै (दुसरे तै) पाया सै, तो इसा घमण्ड क्यांतै करै सै के मान्नो कोन्या पाया?

8 थम तो छिक लिए सो, थम साहूकार बण लिए सो, थमनै म्हारै बिना राज्य करया; पर भला होंदा के थम राज्य करदे अर हम भी थारै गेल्या राज्य करदे| 9 मेरी समझ म्ह पणमेशर नै हम प्रेरितां ताहीं सारया कै पाच्छै उन माणसां के जिसे ठहराया सै, जिनकी मौत का हुक्म हो लिया सै; क्यूँके हम दुनिया अर सुर्गदुत्तां अर माणसां कै खातर एक तमाशा ठहरे सां| 10 हम मसीह कै खातर बावळे सां, पर थम मसीह म्ह श्याणे सो, हम कमजोर सां, पर थम हान्गे आळे सो| थम आद्दर पावो सो, पर म्हारा अपमान होवै सै| 11 हम इस घड़ी ताहीं भूक्खे तिसाए अर उघाड़े सां, अर घुस्से खावां सां, अर मारे-मारे हान्डां सां; 12 अर अपणै-ए हाथां तै काम करकै मेहनत करां सां| माणस म्हारै ताहीं भुंडा कहवै सै, हम आशीष देवां सां; वे सतावै सै, हम सहन करां सां| 13 वे बदनाम करै सै, हम बिनती करां सां| हम आज ताहीं दुनिया का अड़न्गा अर सारी चिज्जां की खुरचण बरगे ठहरे सां|

चेतावनी

14 मै थमनै सर्मिन्दा करण कै खातर ये बात कोनी लिखदा, पर अपणे प्यारे बाळक जाणकै थमनै होश म्ह आण की कहूँ सूं| 15 क्यूँके मसीह म्ह थारे सिखाणआळे दस हजार भी होंदे, तौभी थारे पिता घणे कोनी; ज्यांतै के यीशु मसीह म्ह सुसमाचार कै जरिये मै थारा पिता होया| 16 ज्यांतै मै थारै तै बिनती करूँ सूं के मेरी-सी चाल चाल्लो| 17 ज्यांतै मन्नै तीमुथियुस ताहीं जो प्रभु म्ह मेरा प्यारा अर बिश्वास कै जोग्गा बेट्टा सै, थारै धोरै खन्दाया सै| ओ थमनै मसीह म्ह मेरा चाल-चलण याद करवावैगा, जिस तरियां के हरेक जंगहा हरेक कलीसिया म्ह उपदेश करूँ सूं| 18 कीमे तो इसे फूल गे सैं, मान्नो मै थारै धोरै आण का ए नीं| 19 पर प्रभु नै चाहया तो मै थारै धोरै तावळा ए आऊँगा, अर उन फूले होया की बात्तां ताहीं नीं, पर उनकी सामर्थ ताहीं जाण ल्यूँगा| 20 क्यूँके पणमेशर का राज्य बात्तां म्ह नीं पर सामर्थ म्ह सै| 21 थम के चाहो सो? के मै डन्डा लेकै थारै धोरै आऊँ, या प्रेम अर नम्रता की आत्मा कै गेल्या?

कलीसिया म्ह अनैतिकता

5 उरै ताहीं सुनण म्ह आवै सै के थारै म्ह जारी होवै सै, बल्के इसी जारी जो गैर-जात्तां म्ह भी कोनी होन्दी के एक माणस आपणे बाप की बिरबान्नी नै राखै सै| 2 अर थम दुःख तो कोनी करदे, जिस तै इसा काम करण आळा थारै बिच्चाळै तै काड्या जान्दा, पर घमण्ड करो सो| 3 मै तो देही कै तौर तै दूर था, पर आत्मा कै तौर तै थारै गेल्या होकै मान्नो मौजूद हालत म्ह इसे काम करणीयां कै बारै म्ह यो हुक्म दे चुक्या सूं 4 के जिब्ब थम अर मेरी आत्मा, म्हारे प्रभु यीशु मसीह की सामर्थ कै गेल कट्ठे हो, तो इसा माणस म्हारै प्रभु यीशु मसीह कै नाम तै 5 देही कै विनाश कै खातर शैतान ताहीं सौंप्या जावै, ताके उसकी आत्मा प्रभु यीशु के दिन म्ह उद्धार पावै|

6 थारा घमण्ड करणा आच्छा नीं; के थमनै नीं बेरा के माड़ा-सा खमीर पुरे गुन्दे होए चुन ताहीं खमीर कर देवै सै| 7 पुराणा खमीर काड कै अपणे-आप ताहीं शुद्ध करो के नया गुन्दया होड़ चुन बण जाओ; ताके थम अखमीरी होवो| क्यूँके म्हारा भी फसह, जो मसीह सै, बलिदान होया सै| 8 ज्यांतै आओ, हम त्यौहार म्ह राज़ी होवां, ना तो पुराणे खमीर तै अर ना बुराई अर दुष्टता कै खमीर तै, पर सीधाई अर सच्चाई की अखमीरी रोट्टी तै|

9 मन्नै आपणी चिट्ठी म्ह लिख्या सै के जारी करणीयां की संगति ना करणा| 10 या नीं के थम जमा-ए इस दुनिया के जारी करणीयां, या लालचियां, या अन्धेर करणीयां, या मूर्ति पूजा करणीयां की संगति ना करो; क्यूँके इस हालत म्ह तो थमनै दुनिया म्ह तै लिकड़ना ए पड़दा| 11 पर मेरा कहणा यो सै के जै कोए भाई कुहवाकै, जार, या लालची, या मूर्ति पूजा

करणीयें, या गाळी देण आळा, या दारूबाज, या अन्धेर करणीया हो, तो उसकी संगति मतना करणा; बल्के इसे माणस कै गेल्या खाणा भी नीं खाणा| 12 क्यूँके मन्नै बाहर आळयां का न्याय करण तै के काम? के थम भीत्तर आळयां का न्याय नीं करदे? 13 पर बाहरआळयां का न्याय पणमेशर करै सै| ज्यांतै उस भुन्डे काम करणीये ताहीं अपणे बिच्चाळै तै लिकाड़ द्यो|

मसिहियाँ म्ह मुक़ेबाजी

6 के थारै म्ह तै किसे म्ह या हिम्मत सै, के जिब्ब दुसरे कै गेल्या रोळा हो, तो फैसले कै खातर अधर्मियाँ कै धोरै जावै; अर पवित्र माणसां कै धोरै नीं जावै? 2 के थमनै नीं बेरा के पवित्र माणस दुनिया का न्याय करैगें? ज्यांतै जिब्ब थमनै दुनिया का न्याय करणा सै, तो के थम छोट्या तै छोटे रोळयां का भी फैसला करण जोग्गे कोनी? 3 के थमनै नीं बेरा के हम सुर्गदुता का न्याय करांगें? तो के दुनिया की बात्तां का फैसला नीं करां? 4 जै थमनै दुनियावी की बात्तां का फैसला करणा हो, तो के उन्नै ए बिठाओगे जो कलीसिया म्ह कीमे कोनी समझे जावै सै? 5 मै थमनै सर्मिन्दा करण कै खातर न्यू कहूँ सूं| के साच्च-ए थारै म्ह एक भी श्याणा नीं मिल्दा, जो अपणे भाईयां का फैसला कर सकै? 6 थारै म्ह भाई-भाई म्ह मुकद्दमा होवै सै, अर ओ भी अबिश्वसियाँ कै श्यामी|

7 पर साच्च-ए थारै म्ह भी बड्डा कसूर तो यो सै के आपस म्ह मुकद्दमा करो सो| जुल्म क्यांतै नीं सहन्दे? आपणा नुकसान क्यांतै नीं सहन्दे? 8 पर थम तो खुदे जुल्म करो अर नुकसान पहोचाओ सो, अर ओ भी भाईयां ताहीं| 9 के थमनै नीं बेरा के जुल्मी माणस पणमेशर के राज्य के वारिस ना होवैगें? धोक्खा ना खावो; ना बेश्या कै जाणीए, ना मूर्ति पूजणीए, ना बिगान्नी लुगाई कै जाणीए, ना लुच्चे, ना माणसां कै गेल्या कुकर्म करणीए, 10 ना चोर, ना लालची, ना दारूबाज, ना गाळी देणीयें, ना अन्धेर करणीयें पणमेशर कै राज्य के वारिस होवैगें| 11 अर थारै म्ह तै कितने इसे ए थे, पर थम प्रभु यीशु मसीह कै नाम तै अर म्हारै पणमेशर के आत्मा तै धोए गये अर पवित्र होए अर धर्मी ठहरे|

देही पणमेशर की महिमा कै खातर

12 सारी चीज मेरै खातर सई तो सैं, पर सारी चीज फैयदे की कोनी; सारी चीज मेरै खातर सई सैं, पर मै किसे बात कै बिसर कोनी होऊँगा| 13 खाणा पेट कै खातर, अर पेट खाणै कै खातर सै, पर पणमेशर पेट अर खाणै नै दोनुआ ताहीं नाश करैगा| पर देही जारी कै खातर कोनी, बल्के प्रभु कै खातर सै, अर प्रभु देही कै खातर सै| 14 पणमेशर नै आपणी सामर्थ तै प्रभु यीशु ताहीं जिन्दा करया, अर म्हारै ताहीं भी जिन्दा करैगा| 15 के थमनै नीं बेरा के थारी देही मसीह का अंग सैं? तो के मै मसीह के अंग लेकै उन ताहीं बेश्या के अंग बणाऊँ? कद्दे भी नीं| 16 के थमनै नीं बेरा के जो कोए बेश्या तै संगत करै सै, ओ उसकै गेल्या एक तन हो जावै सै, क्यूँके लिख्या सै: "वे दोन्नु एक तन होवैगें|" 17 अर जो प्रभु की संगति म्ह रहवै सै, ओ उसकै गेल्या एक आत्मा हो जावै सै| 18 जारी तै बचे रहो| जितने दुसरे पाप माणस करै सै वे देही तै बाहर सै, पर जारी करणीयां आपणी ए देही कै खिलाफ पाप करै सै| 19 के थमनै नीं बेरा के थारी देही पवित्र आत्मा का मन्दर सै, जो थारै म्ह बस्या होया सै, अर थारै ताहीं पणमेशर कै कान्नी तै मिल्या सै; अर आपणे कोनी सो? 20 क्यूँके दाम देकै मोल लिये गये सो, ज्यांतै आपणी देही कै जरिये पणमेशर की महिमा करो|

ब्याह तै सम्बन्धित सवाल

7 उन बात्तां कै बारै म्ह जो थमनै लिक्खी, यो सई सै के माणस लुगाई नै ना छूवै| 2 पर जारी कै डर तै हरेक माणस की बीरबान्नी, अर हरेक लुगाई का धणी हो| 3 धणी आपणी बिरबान्नी का हक्क पूरा करै; अर उस्से तरियां ए बिरबान्नी भी आपणे धणी का| 4 बिरबान्नी नै आपणी देही पै हक्क कोन्या पर उसकै धणी का हक्क सै; उस्से तरियां ए धणी नै भी आपणी देही पै हक्क कोनी, पर बिरबान्नी का सै| 5 थम एक-दुसरे तै न्यारे ना रहो; पर सिर्फ कीमे बख्त ताहीं आपस म्ह सलाह तै के प्रार्थना कै खातर छुटटी मिलै, अर फेर एक सेत्ती रहो; इसा ना हो के थारे तगाजे कै कारण शैतान थमनै परखै| 6 पर मै जो यो कहूँ सूं वा अनुमति सै ना के आज्ञा| 7 मै यो चाहूँ सूं के जिसा मै सूं, उस्से तरियां ए सारे माणस होवैं; पर हरेक ताहीं पणमेशर की ओड़ तै ख़ास-ख़ास बरदान मिले सैं; किसे ताहीं किसे ढाळ का, अर किसे ताहीं किसे और ढाळ का|

8 पर मै कुँवारां अर बिधवायां कै बारै म्ह कहूँ सूं के उनकै खातर इसा ए रहणा सई सैं, जिसा मै सूं| 9 पर जै वे संयम ना कर सकैं, तो ब्याह करै, क्यूँके ब्याह करणा कामातुर रहण तै भला सै|

10 जिनका ब्याह होग्या सै, उन ताहीं मै नीं, बल्के प्रभु हुक्म देवै सै के बिरबान्नी आपणे धणी तै न्यारी ना होवै 11 जै न्यारी हो भी जावै, तो बिना दुसरा ब्याह करे रहवै; या आपणे धणी तै दुबारा मेल कर लेवै--- अर ना धणी आपणी बिरबान्नी नै छोडै|

12 दुसरयां तै प्रभु नीं पर मै ए कहूँ सूं, जै किसे भाई की बिरबान्नी बिश्वास ना राख्दी हो अर उसकै गेल्या रहण म्ह राज़ी हो, तो ओ उस ताहीं ना छोड्डै| 13 जिस लुगाई का धणी बिश्वास ना राख्दा हो, अर उसकै गेल्या रहण म्ह राज़ी हो; वा धणी नै नीं छोड्डै| 14 क्यूँके इसा धणी जो बिश्वास ना राख्दा हो, ओ बिरबान्नी कै कारण पवित्र ठहरै सै; अर इसी बिरबान्नी जो बिश्वास कोनी राख्दी, धणी कै कारण पवित्र ठहरै सै; नीं तो थारे बाळ-बच्चे अशुद्ध होंदे, पर इब तो पवित्र सै| 15 पर जो माणस बिश्वास कोनी राख्दा, जै ओ न्यारा होवै तो न्यारा होण द्यो, इसी हालत म्ह कोए भाई या बाण बन्धन म्ह कोनी| पणमेशर नै म्हारै ताहीं मेळ-मिलाप कै खातर बुलाया सै| 16 क्यूँके हे बीरबान्नी, तू के जाणै सै के तू आपणे धणी का उद्धार करा लेवैगी? अर हे माणस, तू के जाणै सै के तू आपणी बिरबान्नी का उद्धार करा लेवैगा?

पणमेशर की बुलाहट कै मुताबिक चाल्लो

17 जिसा प्रभु नै हरेक ताहीं बांडया सै, अर जिसा पणमेशर नै हरेक ताहीं बुलाया सै, उस्से तरियां ए ओ चाल्लै| मै सारी कलीसियां म्ह इसा ए ठहराऊँ सूं| 18 जो खतना करया होया बुलाया गया हो, ओ बिना खतना ना बणै, जो बिना खतना बुलाया गया हो, ओ खतना ना करवावै| 19 ना खतना कीमे सै अर ना बिना खतना, पर पणमेशर के हुक्मां ताहीं मानणा ए सारा कीमे सै| 20 हरेक माणस जिस हालत म्ह बुलाया गया हो, उस्से हालत म्ह रहवै| 21 जै तू नौकर की हालत म्ह बुलाया गया सै, तो फ़िक्र ना करै; पर जै तू आजाद हो सकै, तो इसा ए काम कर| 22 क्यूँके जो दास की हालत म्ह प्रभु म्ह बुलाया गया, ओ प्रभु का आजाद करया होया सै| उस्से तरियां ए जो आजादी की हालत म्ह बुलाया गया सै, ओ मसीह का दास सै| 23 थम दाम देकै मोल लिए गये सो; माणसां के नौकर ना बणो| 24 हे भाईयो, जो कोए जिस हालत म्ह बुलाया गया हो, ओ उस्से म्ह पणमेशर केए गेल्या रहवै|

कुवारें अर बिधवां

25 क्वारियाँ कै बारै म्ह प्रभु का कोए हुक्म मन्नै कोनी मिल्या, पर बिश्वास जोग्गे होण कै खातर जीसी दया प्रभु नै मेरै पै करी सै, उस्से कै मुताबिक सलाह द्युँ सूं| 26 मेरी समझ म्ह यो सई सै के आजकाल क्लेश कै कारण, माणस जिसा सै उसा ए रहवै| 27 जै तेरी बिरबान्नी सै, तो उसतै न्यारा होण की कोशिश ना करै; अर जै तेरी बिरबान्नी कोन्या, तो बिरबान्नी नै टोहवै ना| 28 पर जै तू ब्याह भी करै, तो पाप कोनी; अर जै क्वारी ब्याही जावै तो कोए पाप कोनी| पर इस्यां नै देही तौर पै दुःख होवैगा, अर मै बचाणा चाहूँ सूं| 29 हे भाईयो, मै न्यू कहूँ सूं के बख्त घाट करया गया सै, ज्यांतै चहिये के जिन कै बिरबान्नी हों, वे इसे हों मान्नो उन कै बिरबान्नी कोन्या; 30 अर रोण आळे इसे हों, मान्नो रोंदे कोनी; अर आनन्द करण आळे इसे हों, मान्नो आनन्द कोनी करदे; अर मोल लेण आळे इसे हों, मान्नो उनकै धोरै कीमे सै ए कोनी| 31 अर इस दुनिया कै गेल्या बीवार करण आळे इसे हों, के दुनिया ए के ना हो लेवै; क्यूँके इस दुनिया की रीत अर बीवार बदलदे जावैं सैं| 32 आखर म्ह मै न्यू चाहूँ सूं के थम फ़िक्र ना करो| क्वारे माणस प्रभु की बात्तां की फ़िक्र म्ह रहवै सै के प्रभु ताहीं किस तरियां राज़ी राखै| 33 पर ब्याहे होड़ माणस दुनिया की बात्तां की फ़िक्र म्ह रहवै सै के आपणी

बिरबान्नी ताहीं किस तरियां तै राज़ी राखै| 34 क्वारी अर ब्याही होड़ म्ह भी फर्क सै : क्वारी प्रभु की फ़िक्र म्ह रहवै सै के वा देही अर आत्मा दोनुआ म्ह पवित्र हो, पर ब्याही होड़ दुनिया की फ़िक्र म्ह रहवै सै के आपणे धणी नै राज़ी राखै| 35 मै या बात थारै ए फैयदे कै खातर कहूँ सूं, ना के थमनै फसाण के मारे, बल्के ज्यांतै के जिसा सोभा देवै सै उसा ए करया जावै, के थम एक चित्त होकै प्रभु की सेवा म्ह लाग्गे रहो|

36 जै कोए यो समझै के मै आपणी उस क्वारी का हक्क मारण लागरया सूं, जिसकी जवानी ढळ रही सै, अर जरूत भी हो, तो जिसा चाहवै उसा ए करै, इसम्ह पाप कोनी, ओ उसका ब्याह होण देवै| 37 पर जो मन म्ह पक्का रहवै सै, अर उस ताहीं जरूत ना हो, बल्के आपणी मर्जी पै अधिकार राख्दा हो, अर आपणे मन म्ह या बात ठाण ली हो के ओ आपणी कुवारी छोरी नै कुवारी ए राखैगा, ओ सई करै सै| 38 ज्यांतै जो आपणी कुवारी का ब्याह कर देवै सै, ओ सई करै सै, अर जो ब्याह नीं कर देंदा, ओ और भी सई करै सै|

39 जिब्ब ताहीं किसे लुगाई का धणी जिन्दा रहवै सै जद ताहीं वा उसतै जुड़ी होई सै; पर जै उसका धणी मर जावै तो जिस तै चाहवै ब्याह कर सकै सै, पर सिर्फ प्रभु म्ह| 40 पर जीसी सै उसी ए रहवै, तो मेरै बिचार म्ह और भी धन्य सै; अर मै समझूँ सूं के पणमेशर का आत्मा मेरै म्ह भी सै|

मूर्तियाँ ताहीं चढाया गया भोजन

8 इब मूर्तियाँ कै श्यामी बलि करी होई चिज़ां कै बारै म्ह---- हमनै बेरा सैं के हम सारया नै ज्ञान सैं| ज्ञान घमण्ड पैदा करै सै, पर प्रेम तै बढोत्तरी होवै सै| 2 जै कोए समझै के मै कीमे जांणु सूं, तो जिसा जानणा चहिये उसा इब ताहीं कोनी जाणदा| 3 पर जै कोए पणमेशर तै प्रेम राखै सै, तो पणमेशर उस ताहीं पिच्छाणै सै|

4 आखर म्ह मूर्तियाँ कै श्यामी बलि करी होई चिज़ां कै खाण कै बारै म्ह---- हमनै बेरा सै के मूर्ति दुनिया म्ह कोए चीज कोनी, अर एक ताहीं छोड़ और कोए पणमेशर कोनी| 5 जिब्बके अकास म्ह अर धरती पै घणे ईश्वर कुहवावै सैं----जिसा के घणे ईश्वर अर घणे प्रभु सैं---- 6 तौभी म्हारै खातर तो एक ए पणमेशर सै : यानिके पिता जिसकी ओड़ तै सारी चीज सै, अर हम उस्से कै खातर सां| अर एक ए प्रभु सै, यानिके यीशु मसीह जिसकै जरिये सारी चीज होई, अर हम भी उस्से के जरिये सां|

7 पर सारया नै यो ज्ञान कोन्या, पर कीमे तो इब ताहीं मूर्ति ताहीं कीमे समझण कै कारण मूर्तियाँ कै श्यामी बलि करी होड़ चीज ताहीं कीमे समझकै खावैं सैं, अर उनका विवेक कमजोर होण कै कारण अशुद्ध हो जावै सै| 8 खाणा हमनै पणमेशर कै लवै कोनी पहोचान्दा| जै हम नीं खावाँ तो म्हारा कीमे नुकसान कोन्या, अर जै खावाँ तो कीमे फैयदा कोनी| 9 पर साबधान! इसा ना होवै के थारी या आजादी कदे कमजोरां कै खातर ठोकर का कारण हो जावै| 10 क्यूँके जै कोए तन्नै ज्ञान्नी नै मूर्ति कै मन्दर म्ह खाणा खांदे देखै अर ओ कमजोर माणस हो, तो के उसकै विवेक ताहीं मूर्ति कै श्यामी बलि करी होई चीज खाण की हिम्मत नीं हो जावैगी| 11 इस तरियां तै तेरे ज्ञान कै कारण ओ कमजोर भाई जिसकै खातर मसीह मरया, नास हो जावैगा| 12 इस तरियां तै भाईयां कै खिलाफ अपराध करण तै अर उनकै कमजोर विवेक ताहीं चोट पहोचाण तै, थम मसीह कै खिलाफ अपराध करो सो| 13 इस कारण जै खाणा मेरै भाई ताहीं ठोकर खुवावै, तो मै कद्दे भी किसे तरियां तै मांस नीं खाऊँगा, ना हो के मै आपणे भाई कै खातर ठोकर का कारण बणु|

प्रेरित के अधिकार अर कर्तव्य

9 के मै आजाद कोनी? के मै प्रेरित कोनी? के मन्नै यीशु ताहीं जो म्हारा प्रभु सै, नीं देख्या? के थम प्रभु म्ह मेरे बणाए होए कोनी? 2 जै मै दुसरयां कै खातर प्रेरित कोनी, तौभी थारै खातर तो सूं; क्यूँके थम प्रभु म्ह मेरी प्रेरिताई पै छाप सो|

3 जो मन्नै परखैं सैं, उनकै खातर योए मेरा जबाब सै| 4 के हमनै खाण-पाण का हक्क कोनी? 5 के हमनै यो हक्क कोनी, के किसे मसीह बाण कै गेल्या ब्याह करकै उस ताहीं लिये हाँडां, जिसा दुसरे प्रेरित अर प्रभु के भाई अर कैफा करै सै? 6 या सिर्फ मन्नै अर बरनबास ताहीं ए हक्क कोनी के कमाई करणा छोड्डां| 7 कौण आपणी गिरह तै खाकै सिपाही का काम करै सै? कौण दाख की बारी लाकै उसका फळ नीं खान्दा? कौण भेडडां की रूखाळी करकै उनका दूध कोनी पिन्दा?

8 के मै ये बात माणसां ए की रीत पै बोल्लु सूं? 9 के व्यवस्था भी योए नीं कहन्दे? क्यूँके मुसा के व्यवस्था म्ह लिख्या सै, "दाँवते बख्त चाल्दे होये बैल्द का मुँह नीं जुड़णा|" के पणमेशर बैल्दा ए की फ़िक्र करै सै? 10 या ख़ास करके म्हारै खातर कहवै सै| हम्बै, म्हारै खातर ए लिख्या गया, क्यूँके सई सै के जोत्तण आळा आस तै जोतै अर दाँवणआळा हिस्सेदार होण की आस तै दाँवणी करै| 11 आखर म्ह जिब्ब के हमनै थारै खातर आत्मिक चीज बोईं, तो के कोए बड्डी बात सै के थारी देही तौर की चिज़ां की फसल काटै| 12 जिब्ब दुसरयां का थारै पै यो हक्क सै, तो के म्हारा इसतै घणा कोनी होवैगा? पर हम यो हक्क काम नीं लाये, पर सारा कीमे सहवां सां के म्हारे जरिये मसीह के सुसमाचार म्ह कीमे अड़चन ना होवै| 13 के थमनै नीं बेरा के जो मन्दर म्ह सेवा करै सै, वे मन्दर म्ह तै खावैं सैं; अर जो वेदी की सेवा करै सै, वे वेदी कै गेल्या हिस्सेदार होवैं सैं? 14 इस्से तरियां तै प्रभु नै भी ठहराया के जो माणस सुसमाचार सुणावैं सैं, उनकी कमाई सुसमाचार तै होवैं|

15 पर मै इन म्ह तै कोए भी बात काम म्ह नीं लाया, अर मन्नै ये बात ज्यांतै लिक्खी के मेरै खातर इसा करया जावै, क्यूँके इसतै तो मेरा मरणा भला सै के कोए मेरै घमण्ड नै बेकार ठहरावै| 16 जै मै सुसमाचार सुणाऊँ, तो मेरै खातर कीमे घमण्ड की बात कोनी, क्यूँके यो तो मेरै खातर जरूरी सै| जै मै सुसमाचार नीं सुणाऊँ, तो मेरै पै हाय ! 17 क्यूँके जै आपणी मर्जी तै न्यू करूँ सूं तो मजदूरी मन्नै मिलै सै, अर जै आपणी मर्जी तै नीं करदा तौभी भण्डारीपण मेरै ताहीं सौंप्या गया सै| 18 तो मेरी कौण सी मजदूरी सै? यो के सुसमाचार सुनाण म्ह मै मसीह का सुसमाचार फ्री-फण्ड म्ह द्यु, उरै ताहीं के सुसमाचार म्ह जो मेरा हक्क सै उस ताहीं भी मै पूरी तरियां तै काम म्ह नीं ल्याऊँ|

19 क्यूँके सारया तै आजाद होण पै भी मन्नै आपणे आप ताहीं सारया का नौकर बणा दिया सै के घणे माणसां नै खिंच ल्याऊँ| 20 मै यहुदियाँ कै खातर यहूदी बणया के यहुदियाँ ताहीं खिंच ल्याऊँ| जो माणस व्यवस्था कै आसरै सै उनकै खातर मै व्यवस्था कै आसरै ना होण पै भी व्यवस्था कै आसरै बणया के उन ताहीं जो व्यवस्था कै आसरै सै, खिंच ल्याऊँ| 21 बिना व्यवस्था आळयां कै खातर मै ---- जो पणमेशर के व्यवस्था तै अधीन नीं पर मसीह के व्यवस्था कै अधीन सूं---- बिना व्यवस्था सा बणया, के बिना व्यवस्था आळयां ताहीं खिंच ल्याऊँ| 22 मै कमजोरां कै खातर कमजोर बणया के कमजोरां नै खिंच ल्याऊँ| मै सारे माणसां कै खातर सारा कीमे बणया के किसे न किसे तरियां तै घण-खरया का उद्धार करांऊँ| 23 मै यो सारा कीमे सुसमाचार कै खातर करूँ सूं के औरां कै गेल्या उसका हिस्सेदार हो जाऊँ|

मसीही दौड़

24 के थमनै नीं बेरा के दौड़ म्ह तो भाजै सारे ए सैं, पर इनाम एक ए ले जावै सै? थम इसे ए भाज्यो के जित्तो| 25 हरेक पहलवान सारी ढाळ का संयम करै सै; वे तो एक मुरझाण आळै मुकुट नै पाण कै खातर यो सारा कीमे करैं सैं, पर हम तो उस मुकुट कै खातर करां सां जो मुरझाण का कोनी| 26 ज्यांतै मै तो इस्से तरियां तै भाज़ू सूं, पर बिना मकसद नीं; मै भी इस्से तरियां मुक्कयां तै लडूँ सूं, पर उसकै बरगा नीं जो बाळ छेतदा होया लड़ै सै| 27 पर मै आपणी देही नै मारदा-छेतदा अर बस म्ह लाऊँ सूं, इसा ना करो के औरां ताहीं प्रचार करकै मै आप ए किसे तरियां तै निकम्मा ठहरूँ|

इस्राएल के इतिहास तै चेतावनी

10 हे भाईयो, मै नीं चाहन्दा के थम इस बात तै अनजाण रहो के म्हारे सारे बाप-दादे बादळ कै तळै थे, अर सारे के सारे समुन्दर कै बिच्चाळै तै पार हो गये; 2 अर सारया नै बादळ म्ह अर समुन्दर म्ह, मूसा का बपतिस्मा लिया; 3 अर सारया नै एक ए आत्मिक खाणा खाया; 4 अर सारया

नै एक ए आत्मिक पाणी पीया, क्यूँके वे उस आत्मिक चट्टान तै पीवैं थे जो उनकै गेल-गेल चालै थी, अर वा चट्टान मसीह था| 5 पर पणमेशर उन म्ह तै घण-खरया तै राज़ी कोन्या होया, ज्यांतै वे जंगळ म्ह ढेर होग्ये|

6 ये बात म्हारै खातर उदाहरण ठहरीं, के जिस तरियां उन्नै लालच करया, उस्से तरियां हम भूंडी चिज़्ां का लालच कोनी करां; 7 अर ना थम मूर्ति पूजणीये बणो, जिस तरियां के उन म्ह तै कितने बणगे थे, जिसा लिख्या सै, "माणस खाण-पीण नै बैठे, अर खेल्लण-कुद्दण उट्ठे|" 8 अर ना हम जारी करां, जिसा उन म्ह तै कितन्यां नै करया; अर एक दिन म्ह तेईस हजार मरग्ये| 9 अर ना हम प्रभु नै परखां, जिसा उन म्ह कितन्यां नै करया, अर सांपां कै जरिये नास करे गये| 10 अर ना थम बीरड़ाओ, जिस तरियां तै उन म्ह कितने बीरड़ाए अर नास करण आळै कै जरिये नास करे गये| 11 पर ये सारी बात, जो उन पै आण पड़ी, उदाहरण की तरियां थीं; वे म्हारी चेतावनी कै खातर जो दुनिया के आखरी बख्त म्ह रहवै सै, लिक्खी गई सैं| 12 ज्यांतै जो समझै सै, "मै एक जंगहा स्थिर सूं," ओ चौक्कस रहवै के कदे पड़ ना जावै| 13 थम किसे इसे हिम्तान म्ह ना पड़ो, जो माणस कै सहण तै बाहरण सै| पणमेशर साच्चा सै अर ओ थमनै सामर्थ तै बाहर परीक्षा म्ह कोनी गेरै, बल्के परीक्षा कै गेल काड्डण की भी करैगा के थम सह सको|

मूर्तिपूजा कै बिरुद्ध चेतावनी

14 इस कारण, हे मेरे प्यारो, मूर्तिपूजा तै बचे रहो| 15 मै श्याणे जाणकै थारै तै कहूँ सूं: जो मै कहूँ सूं, उस नै थम परखो| 16 ओ धन्यवाद का कटोरा, जिस पै हम धन्यवाद करां सां; के मसीह कै लहू का साझीपणा कोनी? ओ रोट्टी जिस ताहीं तोड़ा सां, के ओ मसीह की देही का साझीपणा कोनी? 17 ज्यांतै के एक ए रोट्टी सै तो हम भी जो घणे सां, एक देही सां: क्यूँके हम सारे उस्से एक रोट्टी म्ह साझी होवां सां| 18 जो देही कै भाव तै इस्राएली सै, उन ताहीं देक्खो: के बलिदानां के खाणआळे वेदी के गेल-साझ्झी कोनी? 19 फेर मै के कहूँ सूं? के यो के मूर्ति पै चढ़ाया गया बलिदान कुछे सै? या मूर्ति कुछे सै? 20 ना, बल्के यो के गैर-जात जो बलिदान करै सै; वे पणमेशर कै खातर नीं पर भूंडी आत्मायां कै खातर बलिदान करैं सैं अर मै नीं चाहन्दा के थम भूंडी आत्मायां के गेल-साझ्झी होवो| 21 थम प्रभु के कटोरे अर भूंडी आत्मायां के कटोरे दोनुआ म्ह तै नीं पी सकदे| थम प्रभु की मेज अर भूंडी आत्मायां की मेज दोनुआ के साझी नीं हो सकदे| 22 के हम प्रभु ताहीं खुन्दक दुवावां सां? के हम उस तै ठाड्डे सां?

सारा कीमे पणमेशर की महिमा कै खातर

23 सारी चीज मेरै खातर सई तो सैं, पर सारी फैयदे की कोनी; सारी चीज मेरै खातर सई तो सैं, पर सारी चिज़्ां तै बढोत्तरी कोनी| 24 कोए आपणी ए भलाई नै नीं, बल्के औरां की भलाई नै टोहवै| 25 जो कीमे कस्साइयां कै उरै बिकै सै, ओ खाओ अर विवेक कै कारण कीमे ना बुझ्झो? 26 "क्यूँके धरती अर उसकी भरपूरी प्रभु की सै|" 27 जै अबिश्वासियां म्ह तै कोए थमनै न्योंदा देवै, अर थम जाणा चाहो, तो जो कीमे थारै श्यामी धरया जावै ओए खाओ; अर विवेक कै कारण कीमे ना बुझ्झो| 28 पर जै कोए थारै तै कहवै, "यो तो मूर्ति ताहीं बलि करी होई चीज सै, "तो उस्से बताणआळै कै कारण अर विवेक कै कारण ना खाओ| 29 मेरा मतलब तेरा विवेक कोनी, पर उस दुसरे का| भला, मेरी आजादी दुसरे कै बिचार तै क्यांतै परखी जावै? 30 जै मै धन्यवाद करकै साझी होऊँ सूं, तो जिस पै मै धन्यवाद करूँ सूं उसकै कारण मेरी बदनामी क्यांतै होवै सै?

31 ज्यांतै थम चाहे खाओ, चाहे पीओ, चाहे जो कीमे करो, सारा कीमे पणमेशर की महिमा कै खातर करो| 32 थम ना यहुदियाँ, ना युनानियाँ, अर ना पणमेशर कलीसिया कै खातर ठोकर का कारण बणो| 33 जिसा मै भी सारी बात्तां म्ह सारया नै राज़ी राखूँ सूं, अर आपणा नीं पर घण-खरया का फैयदा टोहू सूं के वे उद्धार पावै|

11 थम मेरी सी चाल चाल्लो जिसा मै मसीह की सी चाल चाल्लू सूं|

आराधना म्ह सिर ढकणा

2 हे भाईयो, मै थारै ताहीं सराऊँ सूं के सारी बात्तां म्ह थम मन्नै याद करो सो; अर जो रीत-रिवाज मन्नै थारै ताहीं सौंपी सैं, उनका पालन करो सो| 3 पर मै चाहूँ सूं के थम न्यू जाण ल्यो के हरेक माणस का सिर मसीह सै, अर लुगाई का सिर माणस सै, अर मसीह का सिर पणमेशर सै| 4 जो माणस सिर ढके होए प्रार्थना या भविष्यवाणी करै सै, ओ अपणे सिर का अपमान करै सै| 5 पर जो लुगाई उघाड़े सिर प्रार्थना या भविष्यवाणी करै सै, वा अपणे सिर का अपमान करै सै, क्यूँके वा गन्जी होण कै बरगी सै| 6 जै लुगाई ओढ़णी ना ओढ़ै तो बाळ भी कटवा लेवै, जै लुगाई कै खातर बाळ कटवाणा या गन्जी होणा सर्म की बात सै, तो ओढ़णी ओढ़ै| 7 हम्बै, माणस नै आपणा सिर ढकणा सई कोनी, क्यूँके ओ पणमेशर का हुबहू शिक्ल अर महिमा सै; पर लुगाई माणस की महिमा सै| 8 क्यूँके माणस लुगाई तै नीं होया, पर लुगाई माणस तै होई सै; 9 अर माणस लुगाई कै खातर नीं बणाया गया, पर लुगाई माणस कै खातर बणाई सै| 10 इस्से खातर सुर्गदुत्तां के कारण लुगाई ताहीं उचित सै के हक्क अपणे सिर पै धरै| 11 तौभी प्रभु म्ह ना तो लुगाई बिना माणस, अर ना माणस बिना लुगाई के सै| 12 क्यूँके जिस तरियां लुगाई माणस तै सै, उस्से तरियां ए माणस लुगाई कै जरिये सै; पर सारी चीज पणमेशर तै सैं| 13 थम आप ए बिचार करो, के लुगाई नै उघाड़े सिर पणमेशर तै करणा शोभा देवै सै? 14 के स्वभाव कै तौर पै भी थमनै नीं बेरा के जै माणस लाम्बे बाळ राखै, तो उसकै खातर अपमान सै| 15 पर जै लुगाई लाम्बे बाळ राखै तो उसकै खातर शोभा सै, क्यूँके बाळ उसकी ओढ़णी कै खातर दिए गये सै| 16 पर जै कोए बहस करणा चाहवै, तो न्यू जाण लेवै के ना म्हारी अर ना पणमेशर की कलीसियाओं की इसी रीत सै|

प्रभु-भोज कै बारै म्ह

17 पर यो हुक्म देंदे होए मै थारी बड़ाई कोनी करदा, ज्यांतै के थारे कट्ठे होण तै भलाई नीं, पर नुकसान होवै सै| 18 क्यूँके पहल्या तो मै न्यू सुणू सूं, के जिब्ब थम कलीसिया म्ह कट्ठे होवो सो तो थारै म्ह फूट होवै सै, अर मै इस पै कीमे-कीमे बिश्वास भी करूँ सूं| 19 क्यूँके टोळबाजी भी थारै म्ह जरुर होगी, ज्यांतै के जो माणस थारै म्ह खरे सैं वे दिख जावैं| 20 आखर म्ह थम जो एक जंगहा म्ह कट्ठे होवो सो तो यो प्रभु-भोज खाण कै खातर नीं, 21 क्यूँके खाण कै बख्त एक दुसरे तै पहल्या आपणा खाणा खा लेवै सै, इस ढाळ कोए तो भूक्खा रहवै सै अर कोए चिम्बळ जावै सै| 22 के खाण-पीण कै खातर थारै घर कोनी? या पणमेशर की कलीसिया नै तुच्छ जाणो सो, अर जिसकै धोरै नीं सै उन्नै सर्मिन्दा करो सो? मै थारै तै के कहूँ? के इस बात म्ह थारी बड़ाई करूँ? ना, मै बड़ाई कोनी करदा|

23 क्यूँके या बात मेरै धोरै प्रभु धोरै तै आई, अर मन्नै थारै ताहीं भी पहोचा देई के प्रभु यीशु जिस रात पकड़ाया गया, रोट्टी लेई, 24 अर धन्यवाद करकै उसनै तोड़ी अर कहया, "या मेरी देही सै, जो थारै खातर सै: मेरी यादगारी खातर न्यू ए करया करो|" 25 इसे तरियां उसनै बियारी कै पाच्छै कटोरा भी लिया अर कहया, "यो कटोरा मेरे लहू म्ह नयी वाचा सै: जिब्ब कद्दे पीओ, तो मेरी यादगारी कै खातर न्यू ए करया करो|" 26 क्यूँके जिब्ब कद्दे थम या रोट्टी खाओ अर इस कटोरें म्ह तै पीओ सो, तो प्रभु की मौत नै जिब्ब ताहीं ओ नीं आवै, प्रचार करदे रहो|

27 ज्यांतै जो कोए गलत तरियां तै प्रभु की रोट्टी खावै या उसकै कटोरे म्ह तै पीवै, ओ प्रभु की देही अर लहू का अपराधी ठहरैगा| 28 ज्यांतै माणस अपणे आप ताहीं जाँच लेवै अर इस्से तरियां तै इस रोट्टी म्ह तै खावै, अर इस कटोरे म्ह तै पीवै| 29 क्यूँके जो खांदे-पिंदे बख्त प्रभु की देही नै नीं पिच्छाणै, ओ इस खाणै अर पीणै तै अपणे ऊप्पर दण्ड ल्यावै सै| 30 इस्से कारण थारै म्ह तै घण-खरे माड़ें अर बीमार सै. अर घण-खरे मर भी गये| 31 जै हम अपणे आप नै जाँचदे तो दण्ड नीं पांदे| 32 पर प्रभु म्हारै ताहीं दण्ड देकै म्हारी ताड़ना करै सै, ज्यांतै के हम दुनिया कै गेल कसूरवार नीं ठहरां|

33 इसकरकै, हे भाईयो, जिब्ब थम खाण कै खातर कट्ठे होओ सो तो एक दुसरे कै खातर ठहरया करो| 34 जै कोए भूखा हो तो अपणे घर म्ह खा लेवै,

जिस तै थारा कड्डा होणा दण्ड का कारण ना होवै| बाकी बात्तां नै मै आकै ठीक करूँगा|

आत्मिक बरदान

12 हे भाईयो, मैं नीं चाहन्दा के थम आत्मिक वरदान्नां कै बारै म्ह
अनजाण रहो| 2 थम चाहो सो, के जिब्ब थम गैर-जात आळे थे, तो
गूंगी मूर्तियां कै पाच्छै जिसे चलाए जाओ थे, उस्से तरियां चाल्लो थे| 3 ज्यांतै
मैं थमनै चेतावनी देऊँ सूं के जो कोए पणमेशर की आत्मा की अगुवाई तै
बोल्लै सै, ओ नीं कहन्दा के यीशु श्रापित सै; अर ना कोए पवित्र आत्मा कै
बिना कह सकै सै के यीशु प्रभु सै|
4 वरदान तो कई ढाळ के सैं, पर आत्मा एक ए सै| 5 अर सेवा भी कई
ढाळ की सैं, पर प्रभु एक ए सै| 6 अर असरदार काम कई ढाळ के सैं, पर
पणमेशर एक ए सै, जो सारया म्ह हरेक ढाळ का असर पैदा करै सै| 7 पर
सारया कै फैयदा पहोचाण कै खातर हरेक ताहीं आत्मा का चाँदणा दिया
जावै सै| 8 क्यूँके एक ताहीं आत्मा कै जरिये बुद्धि की बात देई जावै सै; अर
दुसरे ताहीं उस्से आत्मा कै मुताबिक ज्ञान की बात| 9 अर किसे ताहीं उस्से
तै बिश्वास; अर किसे ताहीं उस्से एक आत्मा तै चंगा करण का वरदान दिया
जावै सै| 10 फेर किसे ताहीं सामर्थ्य कै काम करण की ताकत; अर किसे
ताहीं भविष्यवाणी की; अर किसे ताहि आत्मायाँ की परख, अर किसे ताहीं
घणी ढाळ की भाषा; अर किसे ताहीं भाषायां का मतलब बताणा| 11 पर ये
सारे असरदार काम वाए आत्मा करवावै सै, अर जिसनै जो चाहवै सै ओ
बांड देवै सै|

देही एक : अंग घणे

12 क्यूँके जिस ढाळ देही तो एक सै अर अंग घणे सैं, अर उस एक देही के
सारे अंग, घणे होण पै भी सारे मिलकै एक-ए देही सै, उस्से ढाळ मसीह भी
सै| 13 क्यूँके हम सारया नै के यहूदी हो, के युनानी, के गुलाम, के आजाद,
एक-ए आत्मा कै जरिये एक देही होण कै खातर बपतिस्मा लिया, अर हम
सारया ताहीं एक-ए आत्मा पिलाया गया|
14 ज्यांतै के देही म्ह एक-ए अंग नीं, पर भोत-से सैं| 15 जै पाँव कहवै के मै
हाथ कोनी, इसकरकै देही का कोनी, तो के ओ इस कारण देही का कोनी?
16 अर जै कान कहवै; के मै आँख कोनी, इसकरकै देही का कोनी, तो के ओ
इस कारण देही का कोनी? 17 जै साब्ती देही आँख की होन्दी तो सुणना कित
तै होंदा? जै साब्ती देही कान ए होंदी तो सूंघणा कित तै होंदा? 18 पर साच्च-ए
पणमेशर नै अंगां ताहीं आपणी मर्जी कै मुताबिक म्ह एक-एक करकै देही म्ह
धरया सै| 19 जै वे सारे एक-ए अंग होंदे, तो देही कित तै होंदी? 20 पर इब
अंग तो भतेरे सैं, पर देही एक-ए सै| 21 आँख हाथ तै नीं कह सकदी, "मन्नै
तेरी जरूत नीं," अर ना सिर पाँयां तै कह सकै सै, "मन्नै तेरी जरूत नीं|"
22 पर देही के वे अंग जो दुसरयां तै माड़े लाग्गै सै, भोत-ए जरूरी सै; 23 अर
देही के जिन अंगां नै हम आद्दर कै जोग्गे नीं समझदे उन्ने ताहीं हम घणा
आद्दर देवां सां; अर म्हारै सोभाहीन अंग और भी भोत सोभामान हो जावै सै,
24 फेर भी म्हारै सोभामान अंगां नै इसकी जरूत नीं| पर पणमेशर नै देही
ताहीं इसा बणा दिया सै के जिस अंग नै आद्दर की कमी थी उस्से ताहीं और
भी घणा आद्दर मिलै| 25 ताके देही म्ह फूट नीं पड़ै, पर अंग एक दुसरे की
बराबर फ़िक्र करै| 26 ज्यांतै जै एक अंग दुःख पावै सै, तो सारे अंग उसकै
गेल्या दुःख पावै सै; अर जै एक अंग की बड़ाई होवै सै, तो उसकै गेल्या सारे
अंग आनन्द मनावै सै|
27 इस्से ढाळ थम सारे मिलकै मसीह की देही सो, अर न्यारे-न्यारे उसके
अंग सो, 28 अर पणमेशर नै कलीसिया म्ह न्यारे-न्यारे माणस लाए सैं:
पहल्या प्रेरित, दुसरे नब्बी, तीसरे मास्टर, फेर सामर्थ के काम करण आळे,
फेर चंगा करण आळे, अर भला करण आळे, अर इन्तजाम करण आळे, अर
कई ढाळ की भाषा बोल्लणआळे| 29 के सारे प्रेरित सैं? के सारे नब्बी सैं? के
सारे उपदेशक सैं? के सारे सामर्थ के काम करण आळे सैं? 30 के सारया नै
चंगा करण का वरदान मिल्या सै? 31 के सारे अन्य भाषा ताहीं खोल कै
बताणीये सैं? थम बड्डे तै बड्डै वरदानां की धुन म्ह रहो| पर मै थमनै और भी
सारया तै बढ़िया राह बताऊँ सूं|

प्रेम - सारया तै उत्तम रास्ता

13 जै मै माणसां अर सुर्गदुत्तां की बोल्लीं बोल्लूँ अर प्रेम नीं राक्खूँ, तो मै
ठनठनादा होया पीतळ, अर झनझनादी होई झाँझ सूं| 2 अर जै मै
भविष्यवाणी कर सकूँ, अर सारे भेद्दां अर सारी ढाळ के ज्ञान ताहीं समझूँ,
अर मन्नै उरै ताहीं पूरा बिश्वास हो के मै पहाड़ां ताहीं हटा द्यूं, पर प्रेम ना
राक्खूँ, तो मै कीमे भी कोनी| 3 जै आपणा सारा धन कंगालां नै खुवा द्यूं, या
आपणी देही जळाण कै खातर दे द्यूं, अर प्रेम नीं राक्खूँ, तो मन्नै कीमे भी
फैयदा कोनी|
4 प्रेम म्ह धीरज सै, अर कृपाल सै; प्रेम डाह नीं करदा; प्रेम आपणी बड़ाई
नीं मारदा, फुल्दा नीं, 5 ओ भूंडी रीत पै नीं चाल्दा, ओ आपणी भलाई नीं
चाहन्दा, बिरड़ान्दा नीं, बुरा नीं मान्दा| 6 भुन्डे काम्मां तै राज़ी नीं होंदा, पर
साच तै राज़ी होवै सै| 7 ओ सारी बात्तां नै सह लेवै सै, सारी बात्तां का
बिश्वास करै सै, सारी बात्तां की उम्मींद राखै सै, सारी बात्तां म्ह धीरज धरै
सै|
8 प्रेम कद्दे भी टळदा नीं; भविष्यवाणीयां हों, तो खत्म हो जावैगी; भाषां हों,
तो जान्दी रहवैंनीं; ज्ञान हो, तो मिट जावैगा| 9 क्यूँके म्हारा ज्ञान अधूरा सै,
अर म्हारी भविष्यवाणी अधूरी; 10 पर जिब्ब ओ सारया म्ह सिद्ध आवैगा, तो
अधूरा मिट जावैगा| 11 जिब्ब मै बाळक था, तो मै बाळकां की ढाळ बोल्लू था,
बाळकां जिसा मन था, बाळकां जीसी समझ थी; पर जिब्ब श्याणा हो गया तो
बाळकां की बात छोड़ दीं| 12 इब्बे हमनै शीशे म्ह धुंधळा सा दिखै सै, पर
उस बख्त आम्मी-श्यामी देक्खांगें; इस बख्त मेरा ज्ञान अधूरा सै, पर उस
बख्त इसी पुरी तरियां तै पिच्छाणुगा, जिस तरियां मै पिच्छाणा गया सूं|
13 पर इब्ब बिश्वास, आशा, प्रेम ये तीन पक्के सैं, पर इन म्ह सारया तै बड्डा प्रेम
सै|

भविष्यवाणी अर अन्य-अन्य भाषां

14 प्रेम का अनुकरण करो, अर आत्मिक वरदान्नां की भी धुन म्ह रहो,
ख़ास करकै यो के भविष्यवाणी करो| 2 क्यूँके जो गैर भाषा म्ह बात
करै सै ओ माणसां तै नीं पर पणमेशर तै बात करै सै; ज्यांतै के उसकी बात
कोए नीं समझदा, क्यूँके ओ भेद की बात आत्मा म्ह होकै बोल्लै सै| 3 पर जो
भविष्यवाणी करै सै, ओ माणसां की बढोत्तरी अर उपदेश अर शान्ति की
बात कहवै सै| 4 जो गैर भाषा म्ह बात करै सै, ओ आपणी ए बढोत्तरी करै
सै; पर जो भविष्यवाणी करै सै, ओ कलीसिया की बढोत्तरी करै सै| 5 मै चाहूँ
सूं के थम सारे अन्य भाषायां म्ह बात करो पर इसतै घणा न्यू चाहूँ सूं के
भविष्यवाणी करो : क्यूँके जै अन्य भाषां बोल्लणआळा कलीसिया की
बढोत्तरी कै खातर खोलकै मतलब नीं बतावै तो भविष्यवाणी करणआळा
उसतै बाध सै|
6 ज्यांतै, हे भाइयो, जै मै थारै धोरै आकै अन्य भाषायां म्ह बात करूँ, अर
चाँदणा या ज्ञान या भविष्यवाणी या उपदेश की बात थारै तै ना कहूँ, तो मेरै
तै थमनै के फैयदा होवैगा? 7 इस्से ढाळ जै मरी होड़ चीज भी जिनतै आवाज
लिकड़ै सै, जिस तरियां बाँसुरी, या बीन, जै उनकै सुरां म्ह फर्क ना हो तो जो
फूँका या बजाया जावै सै, ओ किस ढाळ पिच्छाणा जावैगा? 8 अर जै तुरही
का शब्द साफ़ ना हो, तो कौण लड़ाई कै खातर त्यारी करैगा? 9 इस्से तरियां
ए थम भी जै जीभ तै साफ़-साफ़ बात नीं कहो, तो जो कीमे कहया जावै सै
ओ किस ढाळ समझया जावैगा? थम तो हवा तै बात करणआळे ठहरोगे|
10 दुनिया म्ह कितनी ए ढाळ की भाषां क्यांतै नीं हों, पर उन म्ह तै कोए भी
बिना मतलब की नीं होगी| 11 ज्यांतै जै मै किसे भाषा का मतलब ना समझूँ,
तो बोल्लण आळे की निगांह म्ह परदेशी ठहरूँगा अर बोल्लण आळा मेरी भी
निगांह म्ह परदेशी ठहरैगा| 12 ज्यांतै थम भी जिब्ब आत्मिक वरदानां की
धुन म्ह हो, तो इसी कोशिश करो के थारै वरदानां की बढोत्तरी तै कलीसिया
की बढोत्तरी होवै|

13 इस कारण जो अन्य भाषा बोल्लै, ओ प्रार्थना करै के उसका खोल कै
मतलब भी बता सकै| 14 ज्यांतै जै मै अन्य भाषा म्ह प्रार्थना करूँ, तो मेरी
आत्मा प्रार्थना करै सै पर मेरी बुद्धि काम नीं देंदी| 15 आखर म्ह के करणा
चहिये? मै आत्मा तै भी प्रार्थना करूँगा, अर बुद्धि तै भी प्रार्थना करूँगा; मै
आत्मा तै भी गाऊँगा, अर बुद्धि तै भी गाऊँगा| 16 नीं तो जै तू आत्मा ए तै
धन्यवाद करैगा, तो फेर अज्ञानी तेरै धन्यवाद पै आमीन किस ढाळ कहवैगा?
क्यूँके ओ नीं जाणदा के तू के कहवै सै? 17 तू तो सई ढाळ तै धन्यवाद करै
सै, पर दुसरे की बढोत्तरी नीं होन्दी| 18 मै अपणे पणमेशर का धन्यवाद करूँ
सूं, के मै थम सारया तै घणा अन्य भाषायां म्ह बोल्लू सूं| 19 पर कलीसिया म्ह
अन्य भाषा म्ह दस हजार बात कहण तै यो मन्नै और भी सई लाग्गै सै, के
दुसरया नै सिखाण कै खातर बुद्धि तै पाँच ए बात कहूँ|
20 हे भाइयो, थम समझ म्ह बाळक ना बणो: बुराई म्ह तो बाळक रहो, पर
समझ म्ह श्याणे बणो| 21 व्यवस्था म्ह लिख्या सै के प्रभु कहवै सै, के मै
अन्य भाषा बोल्लण आळयां कै जरिये, अर बिगाने मुँह कै जरिये इन माणसां तै
बात करूँगा, तौभी वे मेरी नीं सुणैगें|" 22 ज्यांतै अन्य-अन्य भाषां बिश्वासीयां
कै खातर नीं, पर अबिश्वासीयां कै खातर निशान सै; पर भविष्यवाणी
अबिश्वासीयां कै खातर नीं, पर बिश्वासीयां कै खातर निशान सै| 23 आखर
म्ह जै कलीसिया एक ठोड़ कट्ठी हो, सारे के सारे अन्य-अन्य भाषां बोल्लै, अर
बाहरणआळे या अबिश्वासी माणस भीत्तर आ जावै तो के वे थमनै बावळे नीं
कहवैगें? 24 पर जै सारे भविष्यवाणी करण लाग्गे, अर कोए अबिश्वासी या
बाहरणआळा माणस भीत्तर आ जावै, तो सारे उस ताहीं कसूरवार ठहरा
देवैगें अर परख लेवैगें; 25 अर उसकै मन के भेद दिख जावैगें, अर फेर ओ
मुद्दा पड़कै पणमेशर ताहीं प्रणाम करैगा, अर मान लेवैगा के साच्च ए पणमेशर
थारै बिच्चाळै सै|

उपासना म्ह अनुशासन

26 ज्यांतै हे भाइयो, के करणा चहिये? जिब्ब थम कट्ठे होवो सो, तो हरेक
कै दिल म्ह भजन या उपदेश या अन्य-भाषा या चाँदणा या अन्य-भाषा का
मतलब बताणा रहवै सै| सारया कीमे आत्मिक बढोत्तरी कै खातर होणा
चहिये| 27 जै अन्य-भाषा म्ह बात करणी हों तो दो या घणे हो तो तीन माणस
बारी-बारी तै बोल्लै, अर एक माणस खोल कै मतलब बतावै| 28 पर जै खोल
कै मलतब बताणीया ना हो, तो अन्य-भाषा बोल्लणआळा कलीसिया म्ह
शान्त रहवै, अर अपणे मन तै अर पणमेशर तै बात करै| 29 नब्बियाँ म्ह तै दो
या तीन बोल्लै, अर बाकी माणस उनकै बचन नै परखै| 30 पर जै दुसरे पै जो
बैठ्या सै, कीमे ईश्वरीय चाँदणा होवै तो पहल्या बोल-बाल्ला हो जावै, 31 क्यूँके
थम सारे एक-एक करकै भविष्यवाणी कर सको सो, ताके सारे सीखै अर
सारे शान्ति पावै| 32 अर नब्बियाँ की आत्मा नब्बियाँ कै बस म्ह सै|
33 क्यूँके पणमेशर गड़बड़ी का नीं, पर शान्ति का पणमेशर सै|
जिसा पवित्र माणसां की सारी कलीसियाओं म्ह सै| 34 लुगाईं कलीसिया
की सभा म्ह बोल-बाल्ली रहवै, क्यूँके उन ताहीं बात करण का हुक्म कोनी,
पर अधीन रहण का हुक्म सै, जिसा व्यवस्था म्ह लिख्या भी सै| 35 जै वे
कीमे सिखणा चाहवै, तो घर म्ह अपणे-अपणे धणी तै बुझै, क्यूँके लुगाई का
कलीसिया म्ह बात करणा शर्म की बात सै| 36 के पणमेशर का बचन थारै म्ह
तै लिकड़या सै? या सिर्फ थारै ए ताहीं पहोच्या सै?
37 जै कोए माणस अपणे आप नै नब्बी या आत्मिक माणस समझै, तो न्यू
जाण ले के जो बात मै थमनै लिखूँ सूं, वे प्रभु के हुक्म सैं| 38 पर जै कोए न्यू
मान्नै, तो उसनै भी ना मान्नो|
39 आखर म्ह हे भाइयो, भविष्यवाणी करण की धुन म्ह रहो अर अन्य-
भाषा बोल्लण तै मना ना करो; 40 पर सारी बात सूर तै अर ढन्ग तै करी जावैं|

मसीह का पुनरुत्थान

15 हे भाइयो, इब मै थमनै ओए सुसमाचार बताऊँ सूं जो पहल्या
सुणया जा चुक्या सूं, जिस ताहीं थमनै अंगीकार भी करया था अर
जिस पै थम डटे भी रहो सो| 2 उस्से कै जरिये थारा उद्धार भी होवै सै, जै
उस सुसमाचार नै जो मन्नै थारै ताहीं सुणाया था याद राक्खो सो; नीं तो
थारा बिश्वास करणा बेकार होया|
3 इस्से कारण मन्नै सारया तै पहल्या थारै ताहीं वाए बात पहोचा दी, जो
मेरै ताहीं पहोच्ची थी के पवित्र ग्रन्थ कै बचन कै मुताबिक़ यीशु मसीह म्हारै
पापां कै खातर मारया गया, 4 अर गाड्या गया, अर पवित्र ग्रन्थ कै मुताबिक़
तीसरै दिन जी भी उठ्या, 5 अर उस कैफा ताहीं फेर बारहां नै दिख्या|
6 फेर ओ पाँच सौयां तै आब्बल भाईयां ताहीं एक सेत्ती दिख्या, जिन म्ह तै
घण-खरे तो इब ताहीं जिन्दे सैं पर कीमे सो गे| 7 फेर ओ याकूब नै दिख्या
फेर सारे प्रेरितां नै दिख्या| 8 सारया कै पाच्छै मन्नै भी दिख्या, जो मान्नो
अधूरे दिनां का जाम्या होया सूं| 9 क्यूँके मै प्रेरीतां म्ह सारया तै छोटळा सूं,
बल्के प्रेरित कुहवाण कै जोग्गा भी नीं, क्यूँके मन्नै पणमेशर की कलीसिया
ताहीं सताया था| 10 पर मै जो कीमे भी सूं, पणमेशर की मैहरबान्नी तै सूं|
उसकी मैहरबान्नी जो मेरै पै होई, वा बेकार नीं होई; पर मन्नै उन सारया तै
बाध मेहनत भी करी; तौभी या मेरी ओड़ तै नीं होई पर पणमेशर की
मैहरबान्नी तै जो मेरै पै थी| 11 ज्यांतै चाहे मै सूं, चाहे वे हों, हम योए प्रचार
करां सां, अर इस्से पै थमनै बिश्वास भी करया|

म्हारा पुनरुत्थान

12 इसकरकै जिब्ब के मसीह का यो प्रचार करया जावै सै के ओ मरे होया
म्ह तै जी उठ्या, तो थारै म्ह तै कितने किस तरियां कहवैं सैं के मरे होया का
पुनरुत्थान सै ए कोनी? 13 जै मरे होया का पुनरुत्थान सै ए नीं, तो मसीह भी
कोनी जी उठ्या; 14 अर जै मसीह कोनी जी उठ्या, तो म्हारा प्रचार करणा
बेकार सै अर थारा बिश्वास करणा भी बेकार सै| 15 बल्के हम पणमेशर कै
झूठे गवाह बणे; क्यूँके हमनै पणमेशर कै बारै म्ह या गवाही देई के उसनै
मसीह ताहीं जिन्दा करया, हलाकि नीं जिन्दा करया जै मरे होए नीं जी
उठदे| 16 अर जै मुर्दे नीं जी उठदे, तो मसीह भी कोनी जी उठ्या; 17 अर जै
मसीह नीं जी उठ्या, तो थारा बिश्वास बेकार सै, अर थम इब ताहीं अपणे
पापां म्ह फँसे सो| 18 बल्के जो मसीह म्ह सो गे सैं, वे भी नास होए| 19 जै
हम सिर्फ इस्से जीवन म्ह मसीह तै आस राक्खां सां तो हम सारे माणसां तै
घणे अभागे सां|
20 पर साच्च-ए मसीह मुर्द्यां म्ह तै जी उठ्या सै, अर जो सो गे सैं उन म्ह ओ
पहल्ड़ा फळ होया| 21 क्यूँके जिब्ब माणस कै जरिये मौत आई, तो माणस ए
कै जरिये मरे होया का पुनरुत्थान भी आया| 22 अर जिस तरियां आदम म्ह
सारे मरै सैं, उस्से तरियां ए मसीह म्ह सारे जिन्दे करे जावैंगें, 23 पर हरेक
आपणी-आपणी बारी तै: पहल्या फळ मसीह, फेर मसीह कै आण पै उसके
माणस| 24 इसकै बाद अन्त होगा| उस बख्त ओ सारी प्रधानता, अर सारा
हक्क, अर सामर्थ का अन्त करकै राज्य नै पणमेशर पिता कै हाथ म्ह सौंप
देवैगा| 25 क्यूँके जिब्ब ताहीं ओ अपणे बैरियां नै अपणे पांयां तळै ना ले
आवै, जिद ताहीं उसका राज्य करणा जरूरी सै| 26 सारया तै आखरी बैरी
जो नास करया जावैगा, ओ मौत सै| 27 क्यूँके "पणमेशर नै सारा कीमे उसकै
पायां तळै कर दिया सै," पर जिब्ब ओ कहवै सै के सारया कीमे उसकै
अधीन कर दिया गया सै तो उए दिक्खै सै के जिसनै सारा कीमे उसकै
अधीन कर दिया, ओ आप न्यारा रहया| 28 अर जिब्ब सारा कीमे उसकै
अधीन हो जावैगा, तो बेट्टा आप भी उसकै अधीन हो जावैगा, जिसनै सारा
कीमे उसकै अधीन कर दिया, ताके सारया म्ह पणमेशर ए सारा कीमे हो|
29 नीं तो जो माणस मरे होया कै खातर बपतिस्मा लेवैं सैं वे के करैंगें? जै
मुर्दे जी उठदे ए नीं तो फेर क्यांतै उनकै खातर बपतिस्मा लेवैं सैं? 30 अर हम
भी क्यांतै हरेक बख्त जोखम म्ह पड़े रहवां सां? 31 हे भाइयो, मन्नै उस
घमण्ड की सोह जो म्हारै मसीह यीशु म्ह मै थारै बारै म्ह करूँ सूं के मै रोज
मरूँ सूं| 32 जै मै माणस की रीत पै इफिसुस म्ह बण-पशुआं तै लड़या तो मन्नै
के फैयदा होया? जै मुर्दे जिन्दे नीं करे जावैगें, " तो आओ, खावाँ-पिवाँ, क्यूँके
काल तो मर ए जावांगें|" 33 धोक्खा ना खाओ, "भूंडी संगति काम्मल चाल-
चलण नै बिगाड़ देवै सै|" 34 धर्म कै खातर जाग उठो अर पाप ना करो;
क्यूँके कीमे इसे सैं जो पणमेशर नै नीं जाणदे| मै थमनै सर्मिन्दा करण कै
खातर न्यू कहूँ सूं|

पुनरुत्थान की देही

35 इब कोए न्यू कहवैगा, “मुर्दे किस तरियां तै जी उठै सै, अर कीसी देही
कै गेल आवै सै?” 36 हे निरे बे-अक्लो! जो कीमे तू बोवै सै, जिब्ब ताहीं ओ नीं
मरै जिन्दा नीं करया जान्दा| 37 अर जो तू बोवै सै, या वा देही नीं जो पैदा
होणआळी सै, पर निरा दाणा सै, चाहे गिहूँ का चाहे किसे और नाज का|
38 पर पणमेशर आपणी मर्जी कै मुताबिक उस नै देही देवै सै, अर हरेक बीज
नै उसकी ख़ास देही| 39 सारी देही एक जीसी कोनी; माणसां की देही न्यारी
सै, डांगरां की न्यारी सै; पंछियां की देही न्यारी सै; मच्छीयां की देही न्यारी
सै| 40 सुर्गीय देही सै अर धरती आळी देही भी सै| पर सुर्गीय देहीयां का
तेज न्यारा सै, अर धरती आळीयां का न्यारा| 41 सूरज का तेज न्यारा सै,
चाँद का तेज न्यारा सै, अर तारा के टोळां का तेज न्यारा सै, (क्यूँके एक तारै
तै दुसरै तारै कै तेज म्ह फर्क सै)|
42 मुर्द्यां का जी उठणा भी इसा ए सैं| देही नास होण जोग्गी हालत म्ह बोई
जावै सै अर अमर होकै जी उठै सै| 43 ओ अनादर कै गेल्या बोया जावै सै,
अर रोशनी कै गेल्या जी उठै सै; कमजोरी कै गेल्या बोया जावै सै, अर
सामर्थ कै गेल जी उठै सै| 44 स्वभाविक देही बोई जावै सै, अर आत्मिक
देही जी उठै सै: जिब्ब के स्वभाविक देही सै, तो आत्मिक देही भी सै|
45 इसा ए लिख्या भी सै, के "पहल्ड़ा माणस, यानिके आदम जिन्दा प्राणी
बणया" अर आखरी आदम, जीवन देणआळा आत्मा बणया| 46 पर पहल्या
आत्मिक कोनी था पर स्वाभाविक था, इसकै पाच्छै आत्मिक होया|
47 पहल्ड़ा माणस धरती तै यानिके माट्टी का था; दूसरा माणस सुर्गीय सै|
48 जिसा हो माट्टी का था, उस्से तरियां ए वे भी सै जो माट्टी के सै; अर जिसा
ओ सुर्गीय सै, उस्से तरियां ए वे भी सै जो सुर्गीय सै| 49 अर जिसा हमनै
उसका रूप धारण करया जो माट्टी का था उस्से तरियां ए उस सुर्गीय का
रूप भी धारण करांगें|
50 हे भाइयो, मै न्यू कहूँ सूं के मांस अर लहू पणमेशर के राज्य के
अधिकारी नीं हो सकदे, अर ना नास होण आळा अमर के अधिकारी हो सकै
सै| 51 देक्खो, मै थारै तै भेद की बात कहूँ सूं: हम सारे नीं सोवांगें, पर सारे
बदल जावांगें| 52 अर यो पलभर म्ह, पलक झपकदे ए तुरही फूँकदे ए होगा|
क्यूँके तुरही फूँकी जावैगीं अर मुर्दे अमर हालत म्ह उठाए जावेंगें, अर हम
बदल जावांगें| 53 क्यूँके जरूरी सै के या नास होण आळी देही अमर नै पहर
ले, अर मरण आळी देही अमरता नै पहर ले| 54 अर जिब्ब या ना होण आळी
अमर नै पहर लेवैगी, अर या मरण आळी अमरता नै पहर लेवैगी, फेर ओ
बचन जो लिख्या सै पूरा हो जावैगा: “जीत नै मौत ताहीं नींगळ लिया| 55 हे
मौत, तेरी जीत कित रही? हे मौत, तेरा डंक कित रहया?” 56 मौत का डंक
पाप सै, अर पाप की ताकत व्यवस्था सै| 57 पर पणमेशर का धन्यवाद हो,
जो म्हारै प्रभु यीशु मसीह कै जरिये हमनै जयवंत करै सै| 58 ज्यांतै हे मेरे
प्यारे भाइयो, मजबूत अर पक्के रहो, अर प्रभु कै काम म्ह सारी हाण बधदे
जाओ, क्यूँके न्यू जाणो सो के थारी मेहनत प्रभु म्ह बेकार नीं सै|

बिश्वासियाँ कै खातर दान

16 इब उस चन्दे कै बारै म्ह जो पवित्र माणसां कै बारै म्ह करया जावै
सै, जिसा हुक्म मन्नै गलतिया की कलीसियाओं ताहीं दिया, उसा ए
थम भी करो| 2 हफ्ते कै पहल्ड़े दिन थारै म्ह तै हरेक आपणी आमंदणी कै
मुताबिक़ कीमे अपणै धोरै धरया के मेरै आण पै चन्दा नीं करणा नीं पड़ै|
3 अर जिब्ब मै आऊँगा, तो जिन्नै थम चाहोगे उन्नै मै चिट्ठीयाँ देकै खन्दा द्युँगा
के थारा दान यरूशलेम पहोचा दे| 4 जै मेरा भी जाणा ठीक होया, तो वे मेरै
गेल्या जावैंगें|

पौलुस की यात्रा का कार्यक्रम

5 मै मकिदुनिया होकै थारै धोरै आऊँगा, क्यूँके मन्नै मकिदुनिया होकै
जाणा ए सै| 6 पर हो सकै सै के थारै उरै ए ठहर जाऊँ अर जाड्डे थारै उरै
काट्टूँ, फेर जिस कान्नी मेरा जाणा हो उस कान्नी थम मन्नै पहोचा दियो|
7 क्यूँके मै राह म्ह थारै तै फेटणा नीं चाहन्दा; पर मन्नै आस सै के जै प्रभु
चाहवै तो कीमे बख्त तक थारै गेल्या रहूँगा| 8 पर मै पिन्तेकुस्त तक
इफिसुस म्ह रहूँगा, 9 क्यूँके मेरै खातर ओडै एक बड्डा अर फैयदे मन्द
दरवाजा खुल्या सै, अर बिरोधी घणे सै|
10 जै तीमुथियुस आ जावै, तो देखिओ के ओ थारै उरै बेखटकै रहवै;
क्यूँके ओ मेरै ढाळ प्रभु का काम करै सै| 11 ज्यांतै कोए उसनै तुच्छ नीं
जाणै, पर उसनै राज़ी ख़ुशी इस ओड़ पहोचा दिओ के मेरै धोरै आ जावै;
क्यूँके मै उसकी बाट देखूँ सूं के ओ भाईयां कै गेल आवै| 12 भाई अपुल्लोस तै
मन्नै घणी बिनती करी सै के थारै धोरै भाईयां कै गेल्या जावै; पर उसनै इस
बख्त जाण की कीमे मर्जी नीं करी, पर जिब्ब मौक्का देखैगा फेर आ जावैगा|

आखरी आदेश अर अभिवादन

13 जागदे रहो, बिश्वास म्ह डटे रहो, मेहनत करो, ताकतवर बणो| 14 जो
कीमे करो सो प्रेम तै करो| 15 हे भाइयो, थम स्तिफनास कै कुन्बे नै जाणो
सो के वे अखया के पहल्ड़े फळ सैं, अर पवित्र माणसां की सेवा कै खातर
त्यार रहवैं सैं| 16 ज्यांतै मै थारै तै बिनती करूँ सूं के इस्यां कै अधीन रहो,
बल्के हरेक के जो इस काम म्ह मेहनती अर गेल काम करणीया सैं| 17 मै
स्तिफनास अर फूरतूनातुस अर अखइकुस कै आण तै राज़ी सूं, क्यूँके उन्नै
थारी कमी ताहीं पूरा करया सैं| 18 उन्नै मेरी अर थारी आत्मा ताहीं चैन दिया
सैं, इसकरकै इस्यां नै मान्नो
19 आसिया की कलीसियाओं की ओड़ तै थारै ताहीं नमस्कार; अक्विला
अर प्रिसका का अर उनकै घर की कलीसिया का भी थारै ताहीं प्रभु म्ह घणा
आब्बल नमस्कार| 20 सारे भाईयां का थारै ताहीं नमस्कार| पवित्र चुम्मे तै
आपस म्ह नमस्कार करो| 21 मुझ पौलुस का अपणे हाथ का लिख्या होया
नमस्कार| 22 जै कोए प्रभु तै प्रेम नीं राखै तो ओ श्रापित होवै| म्हारा प्रभु
आण आळा सै| 23 प्रभु यीशु की मैहरबान्नी थारै पै होन्दी रहवै| 24 मेरा प्यार
मसीह यीशु म्ह थारै सारया कै गेल्या रहवै| आमीन|

2 कुरिन्थियों

अभिवादन

1 पौलुस कै कान्नी तै जो पणमेशर की मर्जी तै मसीह यीशु का प्रेरित सै,
अर भाई तीमुथियुस कै कान्नी तै पणमेशर की उस कलीसिया कै नाम
जो कुरिन्थुस म्ह सै; अर साब्ते अखया के सारे पवित्र माणसां के नाम|
2 म्हारै पिता पणमेशर अर प्रभु यीशु मसीह कै कान्नी तै थारै ताहीं अनुग्रह अर
शान्ति मिल्दी रहवै|

पणमेशर का धन्यवाद करणा

3 महारै प्रभु यीशु मसीह के पणमेशर, अर पिता का धन्यवाद होवै, जो दया
का पिता, अर सारी तरियां की शान्ति का पणमेशर सै| 4 ओ म्हारै सारे
कलेशां म्ह शान्ति देवै सै; ताके हम उस शान्ति कै कारण जो पणमेशर म्हारै
ताहीं देवै सै, उन ताहीं भी शान्ति दे सकै, जो किसे तरियां के कलेशां म्ह
हो| 5 क्यूँकै जिस तरियां मसीह के दु:ख हमनै घणे होवैं सैं, उस्से तरियां ए
म्हारी शान्ति भी मसीह कै जरिये घणी होवै सै| 6 जै हम क्लेश पावां सां, तो
या थारी शान्ति अर उद्धार कै खातर सै अर जै शान्ति पावां सां, तो या थारी
शान्ति कै खातर सै; जिस कै असर तै थम धीरज कै गेल्या उन कलेशां ताहीं
सह लेवो सो, जिन्नै हम भी सहवां सां| 7 अर म्हारी आस थारै बारै म्ह पक्की
सै; क्यूँकै हमनै बेरा सै, के थम जिस तरियां तै दुखां के उस्से तरियां तै ए
शान्ति के भी साझ्झी सो|
8 हे भाईयो, हम नीं चाहन्दे के थम म्हारै उस क्लेश तै अनजाण रहो, जो
आसिया म्ह म्हारै पै पड़या, के इसे भारया बोझ तै दब गे थे, जो म्हारी
सामर्थ्य तै बाहरण था, उरै ताहीं के हम जीवन तै भी हाथ धो बैठ्ठे थे|
9 बल्के हमनै आपणे मन म्ह समझ लिया था, के म्हारै पै मौत की आज्ञा हो
ली सै के हम आपणा बिश्वास ना राक्खां, बल्के पणमेशर का जो मरे होया नै
जिन्दा करै सै| 10 उस्से नै म्हारै ताहीं इसी बड्डी मौत तै बचाया, अर
बचावैगा; अर उस तै म्हारी आस सै, के ओ आगै ताहीं भी बचान्दा रहवैगा|
11 अर थम भी मिलकै प्रार्थना कै जरिये म्हारी मदद करोगे, के जो बरदान
घण-खरया के जरिये हमनै मिल्या, उसकै कारण घणे माणस म्हारी ओड़ तै
धन्यवाद करै|

पौलुस की यात्रा-योजना म्ह बदलाव

12 क्यूँकै हम अपणे विवेक की इस गवाही पै घमण्ड करां सां, के दुनिया म्ह
अर ख़ास करकै थारै बिचाळै, म्हारा चाल-चलण पणमेशर के जोग्गा इसी
पवित्रता अर सच्चाई सुदा था, जो देही तौर के ज्ञान तै नीं पर पणमेशर कै
अनुग्रह कै गेल्या था| 13 हम थमनै और कीमे नीं लिखदे, सिर्फ ओ जो थम
पढढो, अर मान्नो भी सो, अर मन्नै उम्मींद सै के आखर ताहीं भी मान्दे
रहोगे| 14 जिसा थारै म्ह तै कितन्यां नै मान लिया सै के हम थारै घमण्ड का
कारण सां, उस्से तरियां ए थम भी प्रभु यीशु कै दिन म्हारै खातर घमण्ड का
कारण ठहरोगे|
15 इस्से भरोसे तै मै चाहूँ था के पहल्या थारै धोरै आऊँ के थमनै एक और
दान मिलै; 16 अर थारै धोरै तै होकै मकिदुनिया नै जाऊँ, अर दुबारा
मकिदुनिया तै थारै धोरै आऊँ; अर थम मन्नै यहुदियाँ की ओड़ कीमे दूर
ताहीं पहोचाओ| 17 तै मन्नै जो या मर्जी करी थी तो के मन्नै उतपणा
दिखाया? या जो करणा चाहूँ सूं के देही कै मुताबिक करणा चाहूँ सूं के बात
म्ह 'हाँ, हाँ' करूँ अर 'ना, ना' भी करूँ? 18 पणमेशर साच्चा गवाह सै के म्हारै
उस बचन म्ह जो थारै तै कहया 'हाँ' अर 'ना' दोन्नु नीं पाए जान्दे| 19 क्यूँकै
पणमेशर का बेट्टा यिशु मसीह जिसका म्हारै जरिये यानिके मरे अर
सिलवानुस अर तीमुथियुस कै जरिये थारै बिच्चाळै प्रचार होया, उस म्ह 'हाँ' ए
'हाँ' होई| 20 क्यूँकै पणमेशर की जितने वायदे सैं, वे सारे उस्से म्ह 'हाँ' कै
गेल्या सैं| ज्यांतै उसकै जरिये आमीन भी होई के म्हारै जरिये पणमेशर की
महिमा होवै| 21 अर जो हमनै थारै गेल्या मसीह म्ह मजबूत करै सै, अर
जिसनै म्हारा अभिषेक करया ओए पणमेशर सै, 22 जिसनै म्हारै पै छाप भी
ला दी सै अर ब्याने म्ह आत्मा ताहीं म्हारै मनां म्ह दिया|
23 मै पणमेशर नै गवाह करकै कहूँ सूं के मै इब ताहीं कुरिन्थुस म्ह ज्यांतै
कोनी आया, के मन्नै थारै पै तरस आवै था| 24 न्यू नीं के हम बिश्वास कै बारै
म्ह थारै पै अधिकार जताणा चाहवां सां; पर थारै आनन्द म्ह साझ्झी सां
क्यूँकै थम बिश्वास ए तै डटे रहो सो|
2 मन्नै अपणे मन म्ह न्यू ठाण लिया था के दुबारा थारै धोरै माड़ै मन तै
नै नीं आऊँ| 2 क्यूँकै जै थमनै उदास करूँ, तो मन्नै आनन्द देणआळा
कौण होवैगा, सिर्फ ओए जिस ताहीं मन्नै उदास करया? 3 अर मन्नै याए बात
थारै तै ज्यांतै लिक्खी के कदे इसा ना हो के मेरै आण पै, जिन तै मन्नै
आनन्द मिलणा चहिये मै उन तै उदास होऊँ; क्यूँकै मन्नै थम सारया पै इस
बात का भरोस्सा सै के जो मेरा आनन्द सै, ओए थम सारया का भी सैं|
4 बड्डे क्लेश अर मन कै दर्द तै मन्नै घण-ए आँसू बहा-बहाकै थारै ताहीं लिख्या,
ज्यांतै नीं के थम उदास होवो पर ज्यांतै के थम उस बड्डे प्रेम नै जाण ल्यो,
जो मन्नै थारै तै सै|

अपराधी ताहीं माफ़ी

5 जै किसे नै उदास करया सै, तो मन्नै ए नीं बल्के (के उसकै गेल्या घणी
करड़ाई ना करूँ) थोड़ा-थोड़ा थम सारया ताहीं भी उदास करया सै| 6 इसे
माणस कै खातर या सजा जो भाईयां म्ह तै घणा ए नै देई, घणी सै| 7 ज्यांतै
इसतै भला न्यू सै के उसका अपराध माफ़ करो अर शान्ति द्यो, ना हो के
इसा माणस घणी उदासी म्ह डूब जावै| 8 इस कारण मै थारै तै बिनती करूँ
सूं के उस ताहीं अपणे प्रेम का सबूत द्यो| 9 क्यूँकै ज्यांतै भी लिख्या था के
थमनै परख ल्युँ के थम मेरी सारी बात्तां नै मानण नै त्यार सो के नीं|
10 जिसका थम कीमे माफ़ करो सो उस ताहीं मै भी माफ़ करूँ सूं, क्यूँकै मन्नै
भी जो कीमे माफ़ करया सै, जै करया हो, तो थारै कारण मसीह की दुनिया
म्ह होकै माफ़ करया सै 11 के शैतान का म्हारै पै दाँव ना चाल्लै, क्यूँकै हम
उसके इराद्यां तै अनजाण कोनी|

त्रोआस म्ह पौलुस की बेचेनी

12 जिब्ब मै मसीह का सुसमाचार सुनाण नै त्रिआस आया, अर प्रभु नै मेरै
खातर एक कुवाड़ खोल दिया, 13 तो मेरै मन म्ह चैन नीं मिल्या, ज्यांतै के
मन्नै अपणे भाई तीतुस ताहीं कोनी पाया; ज्यांतै उन तै बिदा होकै मै
मकिदुनिया नै चल्या गया|

मसीह म्ह विजय-उत्सव

14 पर पणमेशर का धन्यवाद हो जो मसीह म्ह सारी हाण हमनै जीत कै
त्यौहार म्ह लिये हाँडै सै, अर अपणे ज्ञान की खस्बू म्हारै जरिये हरेक जंगहा
फैलावै सै| 15 क्यूँकै हम पणमेशर कै लवै उद्धार पाणआळयां अर नाश
होणआळयां दोनुआ कै खातर मसीह की खस्बू सां| 16 कितन्यां कै खातर

तो मरण कै कारण मौत की गन्ध, अर कितन्यां कै खातर जिन्दगी कै कारण जिन्दगी की खस्बू| भला इन बात्तां कै जोग्गे कौण सै? 17 हम उन घणा ए कै बरगे कोनी जो पणमेशर के बचन म्ह मिलावट करैं सैं; पर मन की सच्चाई तै अर पणमेशर की ओड़ तै पणमेशर ताहीं हाजर जाणकै मसीह म्ह बोल्लैं सैं|

नई वाचा के सेवक

3 के हम दुबारा आपणी बड़ाई करण लाग्गे? या हमनै और माणसां की ढाळ सिफारिश की चिट्ठीयां थारै धोरै ल्याणी या थारै तै लेणी सै? 2 म्हारी चिट्ठी थम ए सो, जो म्हारै दिलां पै लिक्खी होई सै अर उस ताहीं सारे माणस पिच्छाणै अर पढ़ै सैं| 3 न्यू दिखै सै के थम मसीह की चिट्ठी सो, जिस ताहीं हमनै सेवकां की ढाळ लिख्या, अर जो स्याही तै नीं, पर जिन्दे पणमेशर की आत्मा तै, पत्थर की पटियां पै नीं, पर दिल की मास रूपी पटियां पै लिक्खी सैं| 4 हम मसीह कै जरिये पणमेशर पै इसा ए भरोस्सा राक्खां सां| 5 न्यू नीं के हम अपणे आप तै इस जोग्गे सां के आपणी ओड़ तै किसे बात का बिचार कर सकां, पर म्हारी काबलियत पणमेशर की ओड़ तै सै, 6 जिसनै म्हारै ताहीं नयी वाचा के सेवक होण कै जोग्गे भी करया, शब्द के सेवक नीं बल्के आत्मा के; क्यूँके शब्द मारै सै, पर आत्मा जिन्दा करै सै|

7 जै मौत की वा वाचा जिसके अक्षर पत्थरां पै खोद्दे गये थे, उरै ताहीं तेजोमय होई के मूसा कै मुँह पै के तेज कै कारण जो घटदा भी जावै था, इस्राएली उसकै मुंह पै निगांह नीं कर सकैं थे, 8 तो आत्मा की वाचा और भी तेज़ोमय क्यांतै होवैगी? 9 क्यूँके जिब्ब कसूरवार ठहराणआळी वाचा तेजोमय थी, तो धर्मी ठहराणआळी वाचा और भी तेजोमय क्यांतै नीं होवैगी? 10 अर जो तेजोमय था, ओ भी उस तेज कै कारण जो उस तै बाध तेजोमय था, कीमे तेजोमय कोनी ठहरया| 11 क्यूँके जिब्ब ओ जो घटदा जावै था तेजोमय था, तो ओ जो स्थिर रहवैगा और भी तेजोमय क्यांतै नीं होवैगा?

12 ज्यांतै इसी आस राखकै हम हिम्मत कै गेल्या बोल्लां सां, 13 अर मूसा की ढाळ नीं, जिसनै अपणे मुँह पै पड़दा गेरया था ताके इस्राएली उस घटणआळे तेज कै अन्त नै देक्खै| 14 पर उनकी अक्ल खराब होगी, क्यूँके आज ताहीं पुराणा नियम पढ़दे बख्त उनके दिलां पै ओए पड़दा पड़या रहवै सै, पर ओ मसीह म्ह उठ जावै सै| 15 आज ताहीं जिब्ब कदे भी मूसा की किताब पढ़ी जावै सै, तो उनके दिलां पै पड़दा पड़या रहवै सै| 16 पर जिब्ब कदे भी उनका दिल प्रभु कै कान्नी फिरैगा, फेर ओ पड़दा उठ जावैगा| 17 प्रभु तो आत्मा सै: अर जित किते प्रभु की आत्मा सै ओड़ै आजादी सै| 18 पर जिब्ब हम सारया के उघाड़े चेहरे तै प्रभु का प्रताप इस ढाळ प्रगट होवै सै, जिस ढाळ शीशे म्ह, तो प्रभु कै जरिये जो आत्मा सै, हम उस्से तेजस्वी रूप म्ह माड़े-माड़े से करकै बदलदे जावां सां|

माट्टी के बासणां म्ह धन

4 ज्यांतै जिब्ब म्हारै पै इसी दया होई के हमनै या सेवा मिली, तो हम हिम्मत कोनी छोड़दे| 2 पर हमनै शर्म के लुक्हे होए काम्मां ताहीं छोड़ दिया, अर ना श्याणपत म्ह चाल्दे, अर ना पणमेशर कै बचन म्ह मिलावट करां सां; पर सच नै प्रगट करकै, पणमेशर कै श्यामी हरेक माणस के विवेक म्ह आपणी भलाई बिठावां सां| 3 पर जै म्हारै सुसमाचार पै पड़दा पड़ै सै, तो यो नाश होणआळयां ए कै खातर पड़या सै| 4 अर उन अबिश्वासियां कै खातर, जिनकी बुद्धि इस दुनिया के ईश्वर नै आँधी कर दी सै, ताके मसीह जो पणमेशर का हुबहू रूप सै, उसकै तेजोमय सुसमाचार का चाँदणा उन पै नीं चमकै| 5 क्यूँके हम अपणे नै नीं, पर मसीह यीशु नै प्रचार करां सां के ओ प्रभु सै; अर अपणे बारै म्ह न्यू कहवै सै के हम यीशु कै कारण थारे सेवक सां| 6 ज्यातै के पणमेशर ए सै, जिसनै कहया, "अन्धकार म्ह तै चाँदणा चमकै," अर ओए म्हारै दिलां म्ह चमक्या के पणमेशर की महिमा की पिच्छाण का चाँदणा यीशु मसीह के चेहरे तै चमकै सै|

7 पर म्हारै धोरै ओ धन माट्टी के बासणा म्ह धरया सै के या घणी सामर्थ म्हारी ओड़ तै नीं, बल्के पणमेशर ए की ओड़ तै ठहरै| 8 हम चौगरदे तै क्लेश तो भोग्गां सां, पर संकट म्ह नीं पड़दे; म्हारै धोरै उपाय तो कोनी, पर निराश नीं होंदे; 9 सताए तो जावां सां, पर छोड्डे नीं जान्दे; गिराए तो जावां सां, पर नाश नीं होंदे| 10 हम यीशु की मौत नै आपणी देही म्ह हर बख्त लिये हान्डां सां के यीशु का जीवन भी म्हारी देही म्ह प्रगट होवै| 11 क्यूँके हम जिन्दे जी सारी हाण यीशु कै कारण मौत कै हाथ म्ह सौंपे जावां सां के यीशु का जीवन म्हारी मरण आळी देही म्ह प्रगट होवै| 12 इस ढाळ मौत तो म्हारै पै असर गेरै सै अर जीवन थारै पै| 13 ज्यांतै के म्हारै म्ह वाए बिश्वास की आत्मा सै, जिसकै बारै म्ह लिख्या सै, "मन्नै बिश्वास करया, ज्यांतै मै बोल्या|" आखिर म्ह हम भी बिश्वास करां सां, ज्यांतै बोल्लां सां| 14 इसकरकै हमनै बेरा सै के जिसनै प्रभु यीशु ताहीं जिन्दा करया, ओए हमनै भी यीशु म्ह साइझी जाणकै जिन्दा करैगा, अर थारै गेल्या अपणे श्यामी हाजर करांवैगा| 15 क्यूँके सारी चीज थारै खातर सैं, ताके अनुग्रह घणा ए कै जरिये आब्ल होकै पणमेशर की महिमा कै खातर धन्यवाद भी बढ़ावै|

16 ज्यांतै हम हिम्मत नीं छोड़दे; हालाके म्हारा बाहरला माणसपण नाश होंदा जावै सै, तौभी म्हारा भीतरला माणसपण हर रोज नया होंदा जावै सै| 17 क्यूँके म्हारा माड़ी-सी हाण का हल्का-सा क्लेश म्हारै खातर घणा ए जरूरी अर अनन्त महिमा पैदा करदा जावै सै; 18 अर हम तो देक्खी होई चिज्ञां ताहीं नीं पर अनदेक्खी चिज्ञां नै देख्दे रहवां सां; क्यूँके देक्खी होई चीज माड़े-से दिन की सै, पर अनदेक्खी चीज सारी हाण बणी रहवैं सैं|

म्हारा स्वर्गीय घर

5 क्यूँके हमनै बेरा सै के जिब्ब म्हारी धरती पै का डेरा-सरीखा घर गेरया जावैगा, तो हमनै पणमेशर कै कान्नी तै सुर्ग पै एक इसा महल मिलैगा जो हाथां तै बणया होया घर नीं, पर सारी हाण खातर टिकाऊ सै| 2 इस म्ह तो हम कराहवा अर बड्डी चाहन्ना राक्खां सां के अपणे सुर्गीय घर नै पहर ल्या 3 के इसकै पहरण तै हम उघाड़े ना पाए जावां| 4 अर हम इस डेरे म्ह रहन्दे होए बोझ तै दबे रींगदे रहवां सां, क्यूँके हम उतारणा नीं बल्के और पहरणा चाहवां सां, ताके ओ जो मरणहार सै जीवन म्ह डूब जावै| 5 जिसनै म्हारै ताहीं इस्से बात कै खातर त्यार करया सै ओ पणमेशर सै, जिसनै म्हारै ताहीं ब्याने म्ह आत्मा भी दिया सै|

6 आखर म्ह हम सारी हाण धीरज धरे रहवां सां अर या जाणां सां के जिब्ब ताहीं हम देही म्ह रहवां सां, जिद ताहीं प्रभु तै न्यारे सां---- 7 क्यूँके हम रूप नै देखकै नीं, पर बिश्वास तै चाल्लां सां---- 8 ज्यांतै हम ढेठ राक्खे राक्खां सां, अर देही तै न्यारे होकै प्रभु कै गेल्या रहणा और भी घणा बढ़िया समझां सां| 9 इस कारण म्हारै मन की उमंग या सै के चाहे गेल रहवां चाहे न्यारे रहवां, पर हम उसनै भान्दे रहवां| 10 क्यूँके जरूरी सै के हम सारया का हाल मसीह कै न्याय आसण कै श्यामी खुल जावै, के हरेक माणस अपणे-अपणे आच्छे-भुन्डे काम्मां का बदला जो उसनै देही कै जरिये करे हो पावै|

पणमेशर तै मेल-मिलाप

11 ज्यांतै प्रभु का भय मानकै हम माणसां ताहीं समझावां सां; पर पणमेशर पै म्हारा हाल प्रगट सै, अर मेरी आस या सै के थारै विवेक पै भी प्रगट होया होगा| 12 हम फेर भी आपणी बड़ाई थारै श्यामी कोनी करदे, बल्के हम अपणे बारै म्ह थारै ताहीं घमण्ड करण का मौक्का देवां सां के थम उन्नै जबाब दे सको, जो मन पै नीं बल्के दिखावटी बात्तां पै घमण्ड करैं सैं| 13 जै हम बेसुध सां तो पणमेशर कै खातर, अर जै होश म्ह सा तो थारै खातर सां| 14 क्यूँके मसीह का प्रेम हमनै मजबूर कर देवै सै; ज्यांतै के हम न्यू समझां सां के जिब्ब एक सारया कै खातर मरया तो सारे मरगे| 15 अर ओ इस कारण सारया कै खातर मरया के जो जिन्दे सै, वे आगै नै अपणे खातर कोनी जीवै पर उसकै खातर जो उनकै खातर मरया अर दुबारा जिन्दा उठ्या|

मसीह म्ह नई सृष्टि

16 आखर म्ह इब पाच्छै हम किसे ताहीं देही कै मुताबिक नीं समझांगें| हालाके हमनै मसीह ताहीं भी देही कै मुताबिक जाणया था, तौभी इब पाच्छै उस ताहीं भी इस तरियां नीं जाणांगें| 17 ज्यांतै जै कोए मसीह म्ह सै तो ओ नयी सृष्टि सै : पुराणी बात बीतग्यी सैं; लखाओ, सारी बात नयी होग्यी सैं| 18 ये सारी बात पणमेशर की ओड़ तै सैं, जिसनै मसीह कै जरिये अपणे

गेल्या म्हारा मेल-मिलाप कर लिया, अर मेल-मिलाप की सेवा म्हारै ताहीं सौंप दी सै| 19 यानिके पणमेशर नै मसीह म्ह होकै अपणे गेल्या दुनिया का मेल-मिलाप कर लिया, अर उनकै अपराधां का दोष उन पै नीं लाया, अर उसनै मेल-मिलाप का बचन म्हारै ताहीं सौंप दिया सै|

20 ज्यांतै, हम मसीह के राजदूत सां; मान्नो पणमेशर म्हारै जरिये बिनती कर रहया सै| हम मसीह की ओड़ तै निवेदन करां सां के पणमेशर कै गेल्या मेल-मिलाप कर ल्यो| 21 जो पाप तै अनजाण था, उस्से ताहीं उसनै म्हारै खातर पाप ठहराया के हम उस म्ह होकै पणमेशर की धार्मिकता बण जावां|

6 हम जो पणमेशर कै गेल काम करणीयें सां या भी समझावां सां के उसकी अनुग्रह जो थारै पै होया, उसनै बेकार ना जाण द्यो| 2 क्यूँके ओ तो कहवै सै, "आपणी ख़ुशी कै बख्त मन्नै तेरी सुण ली, अर उद्धार कै दिन मन्नै तेरी मदद करी|" देक्खो, इब्बे ओ ख़ुशी का बख्त सै; देक्खो, इब्बे ओ उद्धार का दिन सै| 3 हम किसे बात म्ह ठोकर खाण का कोए भी मौक्का कोनी देन्दे ताके म्हारी सेवा पै कोए दोष ना आवै| 4 पर हरेक बात म्ह पणमेशर के सेवकां कै ढाळ अपणे आच्छे लखणा नै दिखाओ, घणै धर्य तै, क्लेशां तै, संकटां तै, 5 कोरड़े खाण तै, कैद होण तै, रोळे-रब्दयां तै, मेहनत तै, जागदे रहण तै, ब्रत करण तै, 6 पवित्रता तै, ज्ञान तै, धीरज तै, कृपालुपण तै, पवित्र आत्मा तै, 7 साच्चे प्रेम तै, सच कै बचन तै, पणमेशर की सामर्थ तै, धार्मिकता के हथियारां तै जो सोळे-ओळे हाथां म्ह सै, 8 आद्दर-मान अर बेईज़्ज़ती तै, बदनाम अर सुनाम तै| हालाकि भकाणआळे जिसे लाग्गै सै तौभी साच्चे सां; 9 अनजाणा कै बरगे सां, तौभी मसूर सां; मरे होए बरगे सां अर देक्खो जिन्दे सां; मार खाणआळयां कै बरगे सां पर जी तै कोनी मारे जान्दे; 10 दुःख करण आळयां कै बरगे सां, पर सारी हाण आनन्द करां सां; कंगालां कै बरगे सां, पर घण-खरया नै साहूकार बणा देवां सां; इसे सा जिस ढाळ म्हारै धोरै कीमे कोनी तौभी सारा कीमे राक्खां सां|

11 हे कुरिन्थियों, हमनै खुलकै थारै तै बात करी सै, म्हारा दिल थारी कान्नी खुल्या होया सै| 12 थारै खातर म्हारै मन म्ह कोए झिझक कोनी, पर थारै ए मनां म्ह झिझक सै| 13 पर अपणे बाळक जाणकै थारै तै कहूँ सूं के थम भी उसकै बदले म्ह आपणा दिल खोल द्यो|

असमान जुए म्ह मतना जुतो

14 अबिश्वासीयां कै गेल्ली बिना जोट के जुए म्ह ना जुतो, क्यूँके धार्मिकता अर अधर्म का के मेलजोल? या चाँदणै अर अन्धकार की के संगति? 15 अर मसीह का बलियाल कै गेल के लाड? या बिश्वासी कै गेल्या अबिश्वासी का के नाता? 16 अर मूर्तियाँ कै गेल्या पणमेशर कै मन्दर का के सम्बन्ध? क्यूँके हम तो जिन्दे पणमेशर के मन्दर सां; जिसा पणमेशर नै कहया, "मै उनम्ह बसूँगा अर उन म्ह हान्डया-फिरया करूँगा; अर मै उनका पणमेशर होऊँगा, अर वे मेरे माणस होवैंगें|" 17 ज्यांतै प्रभु कहवै सै, "उनकै बिच्चाळै तै लिक्ड़ो अर न्यारे रहो; अर शुद्ध चिज़ां नै मतना छुओ, तो मै थमनै अपणाऊँगा; 18 अर मै थारा बाप होऊँगा, अर थम मेरे बेट्टे अर बेटियाँ होओगे| यो सारया तै ठाड्डा प्रभु का बचन सै|

7 आखर म्ह हे प्यारो, जिब्ब के ये वाद्दे हमनै मिले सै, तो आओ, हम अपणे आप ताहीं देही अर आत्मा के सारे मैल तै शुद्ध करां, अर पणमेशर का भय राखदे होए पवित्रता नै सिद्ध करां|

पौलुस का आनन्द

2 हमनै अपणे दिल म्ह जंगहा द्यो| हमनै ना किसे गेल्या जुल्म करया, ना किसे ताहीं बिगाड़यां, अर ना किसे ताहीं ठग्या| 3 मै थमनै कसूरवार ठहराण कै खातर न्यू नीं कहन्दा| क्यूँके मै पहल्या ए तै कह चुक्या सूं के थम म्हारै दिल म्ह इसे बसगे सो के हम थारै गेल्या मरण जिण कै खातर त्यार सां| 4 मै थारै तै घणी हिम्मत कै गेल्या बोल्लण लागरया सूं, मन्नै थारै पै घणा घमण्ड सै; मै शान्ति तै भरग्या सूं| अपणे सारे क्लेश म्ह मै आनन्द तै घणा भरपूर रहूँ सूं|

5 क्यूँके जिब्ब हम मकिदुनिया म्ह आये, फेर भी म्हारी देही नै चैन कोनी मिल्या, पर हम चौगरदे तै क्लेश पावां थे; बाहरण रोळे थे, भीत्तर डरावणी बात थीं| 6 तौभी दोनुआ ताहीं शान्ति देणआळे पणमेशर नै तीतुस कै आण तै पर उसकी उस शान्ति तै भी, जो उस ताहीं थारी ओड़ तै मिली थी| 7 उसनै थारी लालसा, थारे दुःख, अर मेरै खातर थारी धुन की खबर म्हारै ताहीं सुणायी, जिसतै मन्नै और भी आनन्द होया| 8 क्यूँके हालाकि मन्नै आपणी चिट्ठी तै थारै ताहीं दुखी करया, पर उसतै पछतान्दा कोनी जिसा के पहल्या पछताऊँ था, क्यूँके मै देक्खूँ सूं के उस चिट्ठी तै थारै ताहीं दुःख तो होया पर ओ माड़ी वार खातर था| 9 इब मै राज़ी सूं पर ज्यांतै नीं के थारै ताहीं दुःख पहोच्या, बल्के ज्यांतै के थमनै उस दुःख कै कारण मन फिराया, क्यूँके थारा दुःख पणमेशर की मर्जी कै मुताबिक था के म्हारी ओड़ तै थमनै किसे बात का नुकसान ना पहोच्चै| 10 क्यूँके पणमेशर-भगति का दुःख इसा पछतावा पैदा करै सै जिसका नतीजा उद्धार सै अर फेर उसतै पछताणा नीं पड़दा| पर संसारी दुःख मौत पैदा करै सै| 11 आखर म्ह देक्खो, इस्से बात तै के थमनै पणमेशर-भगति का दुःख होया थारै म्ह कितना हौसला अर जबाबदारी अर रिस, अर भय, अर लालसा, अर धुन अर सजा देण का बिचार पैदा होया? थमनै सारी तरियां तै न्यू सिद्ध कर दिखाया के थम इस बात म्ह बेकसूर सो| 12 फेर मन्नै जो थारै धोरै लिख्या था, ओ ना तो उसकै कारण लिख्या जिसनै जुल्म करया अर ना उसकै कारण जिस पै जुल्म करया गया, पर ज्यांतै के थारा हौसला जो म्हारै खातर सै, ओ पणमेशर कै श्यामी थारै पै दिख जावै| 13 ज्यांतै हमनै शान्ति मिली|

म्हारी इस शान्ति कै गेल्या तीतुस कै आनन्द कै कारण और भी आनन्द होया क्यूँके उसका जी थम सारया कै कारण हरया-भरया हो गया सै| 14 क्यूँके जै मन्नै उसकै श्यामी थारै बारै म्ह कीमे घमण्ड दिखाया, तो सर्मीन्दा कोनी होया, पर जिसा हमनै थारै तै सारी बात साच्ची-साच कह दी थीं, उस्से तरियां ए म्हारा घमण्ड दिखाणा तीतुस कै श्यामी भी साच्चा लिकड़या| 15 जिब्ब उस ताहीं थम सारया के आज्ञाकारी होण की याद आवै सै के किस ढाळ थमनै डरदे अर काम्बदे होए उसतै भेंट करी; तो उसका प्यार थारी ओड़ और भी बधदा जावै सै 16 मै आनन्द करूं सूं क्यूँके मन्नै हरेक बात म्ह थारै पै पूरा भरोस्सा सै|

उदारतापूर्वक दान देणा

8 इब्ब हे भाईयो, हम थमनै पणमेशर के उस अनुग्रह की खबर देवां सां जो मकिदुनिया की कलीसियायां पै होया सै| 2 के क्लेश की बड्डी परीक्षा म्ह उनकै बड्डे आनन्द अर घणी कंगाली म्ह उनकी उदारता घणी बधगी| 3 उनकै बारै म्ह मेरी या गवाही सै, के उन्नै आपणी सामर्थ भर बल्के सामर्थ तै भी बाहरण, मन तै दिया| 4 अर इस दान म्ह अर पवित्र माणसां की सेवा म्ह साझ्झी होण कै अनुग्रह कै बारै म्ह, म्हारै तै बार-बार घणी बिनती करी, 5 अर जिसी हमनै आस करी थी, उसी ए नीं बल्के उन्नै प्रभु ताहीं, फेर पणमेशर की मर्जी तै म्हारै ताहीं भी अपणे आप ताहीं दे दिया| 6 ज्यांतै हमनै तीतुस ताहीं समझाया के जिसा उसनै पहल्या सरूआत करया था, उसा ए थारै बिच्चाळै इस दान कै काम ताहीं पूरा भी कर लेवै| 7 ज्यांतै जिसा थम हरेक बात म्ह यानिके बिश्वास, बचन, ज्ञान अर सारी ढाळ की कोशिश म्ह, अर उस प्रेम म्ह जो म्हारै तै राक्खो सो, बढ़दे जाओ सो, उस्से तरियां ए इस दान कै काम म्ह भी बढ़दे जाओ|

8 मै आज्ञा की रीत पै तो नीं, पर दुसरयां कै हौसले तै थारै प्रेम की सच्चाई नै परखण कै खातर कहूँ सूं| 9 थम म्हारै प्रभु यीशु मसीह कै अनुग्रह नै जाणो सो के ओ साहूकार होकै भी थारै खातर कंगाल बण गया, ताके उसकै कंगाल हो जाण तै थम साहूकार हो जाओ| 10 इस बात म्ह मेरी सलाह याए सै : यो थारै खातर आच्छा सै, जो एक साल तै ना तो सिर्फ इस काम नै करण ए म्ह, पर इस बात कै चाहण म्ह भी पहल्ड़े होए थे, 11 ज्यांतै इब यो काम पूरा करो के जिसा मर्जी करण म्ह थम त्यार थे, उसा ए आपणी-आपणी पूंजी कै मुताबिक पूरा भी करो| 12 क्यूँके जै मन की त्यारी हो तो दान उसकै मुताबिक अपणाया भी जावै सै जो उसकै धोरै सै, ना के उसकै मुताबिक जो उसकै धोरै कोनी| 13 न्यू नीं के दुसरयां नै चैन अर थारै ताहीं क्लेश मिलै, 14 पर बराबरी के बिचार तै इस बख्त थारी बढ़दी उनकी घटी म्ह काम आवै, ताके उनकी बढ़दी भी थारी घटी म्ह काम आवै के बराबरी हो जावै|

15 जिसा लिख्या सै, "जिसनै घणा कट्ठा करया उसका कीमे घणा नीं
लिकड़या। अर जिसनै घाट कट्ठा करया उसका कीमे कम कोनी
लिकड़या।"

तीतुस अर उसके गेल-काम करणीयें

16 पणमेशर का धन्यवाद होवै, जिसनै थारै खातर ओए हौसला तीतुस कै
दिल म्ह गेर दिया सै 17 के उसनै म्हारा समझाणा मान लिया बल्के घणा
हौसला करकै ओ आपणी मर्जी तै थारै धोरै गया सै। 18 हमनै उसकै गेल्या
उस भाई ताहीं भी खन्दाया सै जिसका नाम सुसमाचार कै बारै म्ह सारी
कलीसिया म्ह फैलया होया सै; 19 अर इतना ए नीं, पर ओ कलीसिया कै
जरिये ठहराया भी गया के इस दान कै काम कै खातर म्हारै गेल्या जावै। हम
या सेवा ज्यांतै करां सां के प्रभु की महिमा अर म्हारै मन की त्यारी दिख
जावै। 20 हम इस बात म्ह चौक्कस रहवां सां के इस उदारता कै काम कै बारै
म्ह जिसकी सेवा हम करां सां, कोए म्हारै पै तोहमन्द ना लाण पावै।
21 क्यूँके जो बात सिर्फ प्रभु ए कै लोवै नीं, पर माणसां कै लोवै भी भली सै
हम उनकी फ़िक्र करां सां। 22 हमनै उसकै गेल्या अपणे भाई ताहीं भी खन्दा
दिया सै, जिस ताहीं हमनै बार-बार परख कै घणी बात्तां म्ह हौसलै आळा
पाया सै; पर इब थारै पै उसनै घणा भरोस्सा सै, इस कारण ओ और भी घणा
हौसलै आळा सै। 23 जै कोए तीतुस के बारै म्ह बुझै, तो ओ मेरा ढब्बी अर
थारै खातर मेरा गेल-काम करणीया सै; अर जै म्हारै भाईयां कै बारै म्ह बुझै,
तो वे कलीसियायां के खन्दाए होड़ अर मसीह की महिमा सैं। 24 आखर म्ह
आपणा प्रेम अर म्हारा ओ घमण्ड जो थारै बारै म्ह सै कलीसियायां कै श्यामी
सिद्ध करकै उन्नै दिखाओ।

साथी-मसिहियाँ कै खातर मदद

9 इब उस सेवा कै बारै म्ह जो पवित्र माणसां कै खातर करी जावै सै,
मन्नै थारै ताहीं लिखणा जरूरी नीं। 2 क्यूँके मै थारै मन की त्यारी नै
जांणु सूं, जिसकै कारण मै थारै बारै म्ह मकिदुनियावासियां कै श्यामी घमण्ड
दिखाऊँ सूं, के अखया के माणस एक साल तै त्यार होए सैं, अर थारै हौसले
नै अर घण-खरया ताहीं भी उभारया सै। 3 पर मन्नै भाईयां ताहीं ज्यांतै
खन्दाया सै के हमनै जो घमण्ड थारै बारै म्ह दिखाया, ओ इस बात म्ह बेकार
ना ठहरै; पर जिसा मन्नै कहया उसा ए थम त्यार रहो, 4 इसा ना हो के जै
कोए मकिदुनियावासी मेरै गेल्या आवै अर थमनै त्यार नीं पावै, तो हो सकै सै
के इस भरोस्से कै कारण हम (न्यू नीं कहन्दे के थम) सर्मीन्दा होवो। 5 ज्यांतै
मन्नै भाईयां तै या बिनती करणा जरूरी समझया के वे पहल्या तै थारै धोरै
जावै, अर थारी उदारता का फळ जिसकै बारै म्ह पहल्या तै बचन दिया गया
था, त्यार कर राक्खै, के यो दाब तै नीं पर उदारता कै फळ कै बरगा त्यार
होवै।

दान किस तरियां देवां

6 पर बात या सै : जो माड़ा-सा बोवै सै, ओ माड़ा-सा काट्टैगा भी; अर जो
आब्ल बोवै सै, ओ आब्ल काट्टैगा। 7 हरेक माणस जिसा मन म्ह ठाणै उसा ए
दान करै; ना कुढ़-कुढ़ कै अर मन म्ह दाब तै, क्यूँके पणमेशर राज़ी होकै देण
आळे तै प्रेम राक्खै सै। 8 पणमेशर सारी ढाळ का अनुग्रह थमनै भोत-ए घणा
दे सकै सै जिस तै हरेक बात म्ह अर हरेक बख्त, सारा कीमे, ओ थमनै
जरूरी हो, थारै धोरै रहवै; अर हरेक भले काम कै खातर थारै धोरै घणा कुछ
होवै। 9 जिसा लिख्या सै, "उसनै खिंडाया, उसनै कंगालां ताहीं दान दिया,
उसका धर्म सारी हाण बणया रहवैगा।" 10 आखर म्ह जो बोणआळे नै बीज
अर खाणै कै खातर रोट्टी देवै सै, ओ थमनै बीज देवैगा, अर उस ताहीं फळ
तै भरैगा; अर थारै धर्म के फळां नै बढ़ावैगा। 11 थम हरेक बात म्ह सारी ढाळ
की उदारता कै खातर जो म्हारै जरिये पणमेशर का धन्यवाद करवावै सै,
साहूकार करे जाओ। 12 क्यूँके इस सेवा के पूरा करण तै ना सिर्फ पवित्र
माणसां की जरूत पूरी होवै सै, पर माणसां की ओड़ तै पणमेशर का भी घणा
धन्यवाद होवै सै। 13 क्यूँके इस सेवा नै सबूत मानकै वे पणमेशर की महिमा
दिखावै सै के थम मसीह कै सुसमाचार नै मानकै उसकै आसरै रहो सो, अर
उनकी अर सारया की मदद करण म्ह उदारता दिखाओ सो। 14 अर वे थारै
खातर प्रार्थना करैं सैं; अर ज्यांतै के थारै पै पणमेशर का घणा-ए अनुग्रह सै,
थारी चाहन्ना करदे रहवां सां। 15 पणमेशर का, उसकै उस दान कै खातर जो
ब्यान तै बाहरण सै, धन्यवाद होवै।

पौलुस का अधिकार

10 मै ओए पौलुस जो थारै श्यामी दीन सूं पर पीठ पाच्छै थारी ओड़
हिम्मत करूँ सूं, थमनै मसीह की नरमी अर कोमलपणै कै कारण
समझाऊँ सूं। 2 मै या बिनती करूँ सूं के थारै श्यामी मन्नै बिना डरे हिम्मत
करणा ना पड़ै, जिसा मै कीमे माणसां पै जो म्हारै ताहीं देही कै मुताबिक
चाल्लणआळे समझै सैं, हिम्मत दिखाण का बिचार करूँ सूं। 3 क्यूँके ऊँतो
हम देही तौर तै हाँन्डा-फिरां सां, तौभी देही कै मुताबिक कोनी लड़दे।
4 क्यूँके म्हारे रोळे के हथियार देही तौर के कोन्या, पर गढ़ां ताहीं ढा देण कै
खातर पणमेशर कै जरिये सामर्थी सैं। 5 ज्यांतै हम ख्याल्ली-पक्वाना का अर
हरेक ऊँच्ची बात्तां का, जो पणमेशर की पिच्छाण कै बिरोध म्ह उठै सैं, मानण
तै नाट्टां सां; अर हरेक भावना ताहीं कैद करकै मसीह का आज्ञाकारी बणा
देवां सां, 6 अर त्यार रहवां सां के जिब्ब थारा आज्ञापालन पूरा हो जावै, तो
हरेक ढाळ के हुक्म ना मानण नै सजा देवां।
7 थम उन्ने बात्तां ताहीं देक्खो सो, जो आँखां कै श्यामी सैं। जै किसे ताहीं
अपणे पै यो भरोस्सा हो के मै मसीह का सूं, तो ओ न्यू भी जाण लेवैं के
जिसा ओ मसीह का सै उसा ए हम भी सां। 8 क्यूँके जै मै उस हक्क कै बारै
म्ह और भी घमण्ड दिखाऊँ, जो प्रभु नै थारै बिगाड़ण कै खातर नीं पै बनाण
कै खातर म्हारै ताहीं दिया सै, तो सर्मीन्दा नीं होऊँगा। 9 या मै ज्यांतै कहूँ सूं
के चिट्ठियाँ कै जरिये थमनै डराणआळा ना ठहरूँ 10 क्यूँके वे कहवैं सैं,"
उसकी चिट्ठी तो गम्भीर अर असरदार सैं; पर जिब्ब ओ श्यामी होवै सै, तो
ओ देही का कमजोर अर बोल्लण म्ह माड़ा जाण पड़ै सै।" 11 जो इसा कहवै
सै, ओ न्यू समझ लेवै के जिसा पीठ पाच्छै चिट्ठियाँ म्ह म्हारे बचन सैं, उस्से
तरियां ए थारै श्यामी म्हारे काम भी होवैंगें। 12 क्यूँके म्हारै म्ह या हिम्मत
कोनी के हम अपणे आप ताहीं उन म्ह तै इसे कितन्यां ए कै गेल्या गिणया या
उनतै अपणे आप नै मिलावां, जो आपणी बडाई खुद करैं सैं, अर अपणे आप
ताहीं आपस म्ह नाप-तौलकै एक-दुसरे तै मिलाण करकै बावळे ठहरावैं सैं।
13 हम तो हद तै बाहरण घमण्ड कद्दे भी नीं करांगें, पर उस्से हद ताहीं जो
पणमेशर नै म्हारै खातर ठहरा दी सै, अर उस म्ह थम भी आग्ये सो, अर
उस्से कै मुताबिक घमण्ड भी करांगें। 14 क्यूँके हम आपणी हद तै बाहरण
अपणे आप ताहीं बढ़ाणा नीं चाह्दे, जिसा के थारै ताहीं ना पहोचाण की
हालत म्ह होवै, बल्के मसीह का सुसमाचार सुणान्दे होए थारै ताहीं पहोच
लिए सां। 15 अर हम हद तै बाहरण दुसरयां की मेहनत पै घमण्ड नीं करदे;
पर हमनै आस सै के ज्यों-ज्यों थारा बिश्वास बधदा जावैगा त्यों-त्यों हम
आपणी हद कै मुताबिक थारै कारण और भी बधदे जावांगें, 16 ताके हम थारी
सीमा तै आगै सरककै सुसमाचार सुणावां, अर न्यू नीं के हम दुसरयां की हद
कै भीत्तर बणे बणाए काम्मां पै घमण्ड करां। 17 पर जो घमण्ड करै, ओ प्रभु
पै घमण्ड करै। 18 क्यूँके जो आपणी बड़ाई करै सै ओ नीं, पर जिसकी बड़ाई
प्रभु करै सै, ओए अपणाया जावै सै।

पौलुस अर झुट्ठे प्रेरित

11 जै थम मेरी माड़ी-सी बेअक्की नै सह लेंदे तो के भला ए होंदा; हम्बै,
मेरी सह भी ल्यो सो। 2 क्यूँके मै थारै बारै म्ह ईश्वरीय धुन लाए रहूँ
सूं, ज्यांतै मन्नै एक ए माणस तै थारी बात लाई सै के थमनै पवित्र कुवारी की
तरियां मसीह ताहीं सौंप द्यूँ। 3 पर मै डरूं सूं के जिस तरियां तै साँप नै
आपणी श्याणपत तै हव्वा ताहीं भकाया, उस्से तरियां ए थारे मन उस
सिधाई अर पवित्रता तै जो मसीह कै गेल्या होणी चहिये, कद्दे बिगाड़े नीं
जावै। 4 जै कोए थारै धोरै आकै किसे दुसरे यीशु का प्रचार करै, जिसका
प्रचार हमनै नीं करया; या कोए और आत्मा थमनै मिलै, जो पहल्या ना
फेट्या था; या और कोए सुसमाचार सुणावै जिस ताहीं थमनै पहल्या नीं
मान्या था, तो थारा सहणा सई होंदा। 5 मै तो समझूँ सूं के मै किसे बात म्ह

बड्डै तै बड्डे प्रेरितां तै घाट नीं सूं| 6 जै मै बोल्लण मै अनाड़ी सूं, तौभी ज्ञान म्ह कोनी| हमनै इस ताहीं हरेक बात म्ह सारी तरियां तै थारै खातर प्रगट करया सै|

7 के इस म्ह मन्नै कीमे पाप करया के मन्नै थारै ताहीं पणमेशर का सुसमाचार फ्री-फण्ड म्ह सुणाया; अर अपणे आप ताहीं नै निचा करया के थम ऊँचे हो जाओ? 8 मन्नै दूसरी कलीसियायां ताहीं लूट्या, यानिके मन्नै उन तै मजदूरी लेई ताके थारी सेवा करूँ| 9 अर जिब्ब मै थारै गेल्या था अर मेरै घाट्टा होया, तो मन्नै किसे पै बोझ नीं गेरया, क्यूँके भाईयां नै मकिदुनिया तै आकै मेरै घाट्टे नै पूरा करया; अर मन्नै हरेक बात म्ह अपणे आप थारै पै बोझ बनण तै रोक्या, अर रोक्के राखूँगा| 10 जै मसीह की सच्चाई मेरै म्ह सै तो अखया देश म्ह कोए मन्नै इस घमण्ड तै नीं रोकैगा| 11 क्यांतै? ज्यांतै के पणमेशर नै न्यू बेरा सै के मै प्रेम राक्खूँ सूं|

12 पर जो मै करूँ सूं, ओए करदा रहूँगा के जो माणस दाँव टोहवै सै उन्नै मै दाँव पाण नीं द्यूँ, ताके जिस बात म्ह वे घमण्ड करै सै, उस म्ह वे म्हारै ए बरगे ठहरें| 13 क्यूँके इसे माणस झूठे प्रेरित, अर छळ तै काम करणआळे, अर मसीह के प्रेरितां का रूप धरणआळे सैं| 14 या कीमे अचम्भे की बात कोनी क्यूँके शैतान आप भी चाँदणैआळे सुर्गदुत का रूप धारण करै सै| 15 इसकरकै जै उसकै सेवक भी धर्म के सेवकां का सा रूप धरै, तो कोए बड्डी बात कोनी, पर उनका अन्त उनकै काम्मां कै मुताबिक होवैगा|

प्रेरित कै रूप म्ह पौलुस का दुःखभोग

16 मै फेर कहूँ सूं के, कोए मन्नै बेअक्ला ना समझै, नीं तो बेअक्ला ए सोच कै मेरी सहल्यो, ताके माड़ा-सा मै भी घमण्ड कर सकूँ| 17 इस बेधड़क घमण्ड म्ह जो कीमे मै कहूँ सूं, ओ प्रभु की आज्ञा कै मुताबिक, जै नीं मान्नो, तो न्यू मान ल्यो के बेअक्ली म्ह ए कहूँ सूं| 18 जिब्ब के घण-खरे माणस देही कै मुताबिक घमण्ड करें सैं, तो मै भी घमण्ड करूँगा| 19 थम तो श्याणे होकै ख़ुशी तै बेअक्ला की सह लेवो सो| 20 क्यूँके जिब्ब थमनै कोए गुलाम बणा लेवै सै, या खा जावै सै, या फँसा लेवै सै, या अपणे आप नै बड्डा बणावै सै, या थारै मुँह पै रैप्ट मारै सै, तो थम सह लेवो सो| 21 मेरा कहणा अनादर ए की रीत पै सै, मान्नो हम इसकै बारै कमजोर से थे|

पर जिस किसे बात म्ह कोए हिम्मत करै सै----मै बेअक्ली तै कहूँ सूं----तो मै भी हिम्मत करूँ सूं| 22 के वैए इब्रानी सैं? मै भी सूं| के वैए इस्राएली सैं? मै भी सूं| के वैए अब्राहम की ऊलाद सैं? मै भी सूं| 23 के वैए मसीह के सेवक सैं-----मै बेअक्ला कै तरियां कहूँ सूं-----मै उनतै बाध सूं! घणी मेहनत करण म्ह; बार-बार कैद होण म्ह; कोरड़े खाण म्ह; बार-बार मौत का जोखम ठाण म्ह| 24 पाँच बर मन्नै यहुदियाँ कै हाथ तै उन्तालीस-उन्तालीस कोरड़े खाए| 25 तीन बर मन्नै बैंत खाई; एक बर मेरै पै पत्थर बरसाए गये; तीन बर जहाज, जिसन पै चढ़या था, टूट गए; एक दिन-रात मन्नै समुन्दर म्ह काट्या| 26 मै बार-बार सफरां म्ह; नदियाँ के जोख्मां म्ह; डाकुआ कै जोख्मां म्ह; अपणे जातआळयां तै जोख्मां म्ह; गैर-जात्तां तै जोख्मां म्ह; नगरां के जोख्मां म्ह; जंगळा के जोख्मां म्ह; समुन्दरां के जोख्मां म्ह; झूठे भाईयां कै बिचाळै जोख्मां म्ह रहया| 27 मेहनत अर संकट म्ह; बार-बार जागदे रहण म्ह; भूक्खा-तिसाया; बार-बार ब्रत करण म्ह; जाड्डे म्ह; उघाड़े रहण म्ह; 28 और दूसरी बात्तां नै छोड़कै जिनका ब्यान मै नीं कर सकदा, सारी कलीसियायां की फ़िक्र रोज मन्नै दाबै सैं| 29 किसकी कमजोरी तै मै कमजोर नीं होंदा? किसकै ठोकर खाण तै मेरा जी नीं दुःखदा?

30 जै घमण्ड करणा जरूरी सै, तो मै आपणी कमजोरी की बात्तां पै घमण्ड करूँगा| 31 प्रभु यीशु का पणमेशर अर बाप जो सारी हाण धन्य सै, जाणै सै के मै झूठ नीं बोल्दा| 32 दमिश्क म्ह अरितास राजा की ओड़ तै जो अधिकारी था, पहरा बिठा राख्या था, 33 अर मै टोकरै म्ह झाँकी तै होकै भीत पै तै तारया गया, अर उसकै हाथ तै बच लिकड़या|

पौलुस का दिव्य दर्शन अर दुर्बलता

12 ऊंतै घमण्ड करणा मेरै खातर सई कोनी तौभी करणा पड़ै सै; ज्यांतै मै प्रभु के दिए होए दर्शनां अर प्रकाशनां का जिक्रा करूँगा| 2 मै मसीह म्ह एक माणस नै जांणु सूं; चौदहा साल हो लिए के ना बेरा देही सुदा, ना बेरा बिना देही, पणमेशर नै बेरा सै; इसा माणस तीसरे सुर्ग म्ह ठा लिया गया| 3 मै इसै माणस नै जांणु सूं ना बेरा देही सुदा, ना बेरा बिना देही, पणमेशर ए नै बेरा सै 4 के सुर्ग लोक पै ठा लिया गया, अर इसी बात सुणी जो कहण की कोनी; अर जिनका मुँह पै लाणा माणस ताहीं सई कोनी| 5 इसै माणस पै तो मै घमण्ड करूँगा, पर अपणे पै आपणी कमजोरियां नै छोड़, अपणे बारै म्ह घमण्ड नीं करूँगा| 6 क्यूँके जै मै घमण्ड करणा चाहूँ भी तो बेअक्ला नीं बणुगाँ, क्यूँके साची बोल्लूँगा; तौभी रुक जाऊँ सूं, इसा ना होवै के जिसा कोए मन्नै देक्खै सै या मन्नै सुणै सै, मन्नै उसतै बाध समझै| 7 ज्यांतै के प्रकाशनां के आब्लपणे तै च्योड़ म्ह नीं आ जाऊँ, मेरी देही म्ह काण्डा चुभाया, यानिके शैतान का दूत के मन्नै घुस्से मारे ताके मै च्योड़ म्ह नीं आ जाऊँ| 8 इसकै बारै म्ह मन्नै प्रभु तै तीन बर बिनती करी के मेरै तै यो दूर हो जावै| 9 पर उसनै मेरै तै कहया, "मेरा अनुग्रह तेरै खातर घणा सै; क्यूँके मेरी सामर्थ कमजोरी म्ह सिद्ध होवै सै|" ज्यांतै मै घणा राज्जी होकै आपणी कमजोरी पै घमण्ड करूँगा के मसीह की सामर्थ मेरै पै छाया करदी रहवै| 10 इस कारण मै मसीह कै खातर कमजोरियां म्ह, अर बुराइयां म्ह, गरीबी म्ह, अर रोळयां म्ह, अर संकटां म्ह राज्जी सूं; क्यूँके जिब्ब मै कमजोर होऊँ सूं, जिब्बे ठाड्डा होऊँ सूं|

कुरिन्थियों कै खातर पौलुस की फ़िक्र

11 मै बेअक्ला तो बणया, पर थमनै ए मन्नै न्यू करण कै ख़ातर मजबूर करया| थमनै तो मेरी बड़ाई करणी चहिये थी, क्यूँके ऊंतै मै कीमे भी कोनी, तौभी उन बड्या तै बड्डे प्रेरितां तै किसे बात म्ह घाट कोनी सूं| 12 प्रेरित के लख्खण भी थारै बिचाळै सारे ढाळ के धीरज सुदा निशान्नां, अर अनोक्खे काम्मां, अर सामर्थ के काम्मां तै दिखाए गये| 13 थम कौण-सी बात म्ह दूसरी कलीसियायां तै घाट थे, सिर्फ इस म्ह के मन्नै थारै पै आपणा बोझ कोनी गेरया| मेरा यो अपराध माफ़ करो| 14 देक्खो, मै तीसरी बर थारै धोरै आण नै त्यार सूं, अर मै थारै पै कोए बोझ कोनी धरुंगा, क्यूँके मै थारी सम्पति नीं बल्के थमनै ए चाहूँ सूं| क्यूँके बाळकां नै माँ-बाप कै खातर धन कट्ठा नीं करणा चहिये, पर माँ-बाप नै बाळकां कै खातर| 15 मै थारी आत्मायां कै खातर घणा राज्जी होकै खर्च करूँगा, बल्के आप भी खर्च हो जाऊँगा| के जितना बाध मै थारै तै प्रेम राक्खूँ सूं, उतना ए घटकै थम भी मेरै तै प्रेम राक्खोगे| 16 इसा हो सकै सै के मन्नै थारै पै बोझ कोनी गेरया, पर श्याणपत तै थारै ताहीं धोक्खा देकै फँसा लिया| 17 भला, जिन ताहीं मन्नै थारै धोरै खन्दाया, के उन म्ह तै किसे कै जरिये मन्नै छळ करकै थारै तै कीमे ले लिया? 18 मन्नै तीतुस ताहीं समझाकै उसकै गेल्या उस भाई ताहीं खन्दाया, तो के तीतुस नै छळ करकै थारै तै कीमे लिया? के हम एक ए आत्मा के चलाए नीं चाल्ले? के एक ए लीक पै नीं चाल्ले?

19 थम इब्बे ताहीं समझ रहे होंगे के हम थारै श्यामी बदले म्ह जबाब देण लागरे सां| हम तो पणमेशर नै हाजर जाणकै मसीह म्ह बोल्लां सां, अर हे प्यारो, सारी बात्तां थारी बढोत्तरी ए कै खातर कहवां सां| 20 क्यूँके मन्नै भय सै, कदे इसा ना हो के मै आकै जिसा चाहूँ सूं, उसा ए थमनै पाऊँ; अर मन्नै भी जिसा नीं चाहो सो उसा ए पाओ; अर थम रोळा, डाह, छोह, बिरोध, जळण, चुगली, घमण्ड अर बखेड़े हों; 21 अर कदे इसा ना हो के मेरा पणमेशर मेरै दुबारा तै थारै उरै आण पै मेरै पै दाब गेरै अर मन्नै घण-खरया खातर फेर दुःख करणा पड़ै, जिन्नै पहल्या पाप करया था अर भुन्डे काम अर जारी अर लुचपण तै, जो उन्नै करया, मन नीं फिराया|

आखरी चेतावनी

13 इब्ब तीसरी बर थारै धोरै आऊँ सूं: दो या तीन गवाहां कै मुँह तै हरेक बात ठहराई जावैगी| 2 जिस तरियां मै जिब्ब दूसरी बर थारै गेल्या था, उसा ए इब दूर रहंदे होये उन माणसां तै जिन्नै पहल्या पाप करया, अर दुसरे सारे माणसां तै इब पहल्या ए कहे देऊँ सूं के जै मै दूबारै आऊँगा तो नीं छोड्डूगाँ, 3 क्यूँके थम तो इसका सबूत जाणो सो के मसीह मेरै म्ह बोल्लै सै, जो थारै खातर कमजोर नीं पर थारै म्ह सामर्थी सै| 4 ओ कमजोरी कै

कारण क्रूस पै चढाया तो गया, तौभी पणमेशर की सामर्थ तै जिन्दा सै| हम भी उस म्ह कमजोर सां, पर पणमेशर की सामर्थ तै जो थारै खातर सै, उसकै गेल्या जीवांगें|

5 अपणे आप ताहीं परखो के बिश्वास म्ह सो के नीं| अपणे आप नै जाँच्चो| के थम अपणे बारै म्ह न्यू नीं बेरा के यीशु मसीह थारै म्ह सै? नीं तो थम जाँच म्ह निकम्मे लिकड़े सो| 6 पर मेरी आस सै के थम जाण ल्योगे के हम निकम्मे नीं| 7 हम अपणे पणमेशर तै या प्रार्थना करां सां के थम कोए बुराई ना करो, ज्यांतै नीं के हम खरे दिख पड़ा, पर ज्यांतै के थम भलाई करो, चाहे हम निकम्मे ए ठहरें| 8 क्यूँके हम सच कै बिरोध म्ह कीमे नीं कर सकदे, पर सच कै खातर ए कीमे कर सकां सां| 9 जिब्ब हम कमजोर सै अर थम ठाड्डे सो, तो हम राज़ी होवां सां, अर या प्रार्थना भी करां सां के थम सिद्ध हो जाओ| 10 इस कारण मै थारै पीठ पाच्छै ये बात लिखूँ सूं, के हाजर होकै मन्नै उस अधिकार कै मुताबिक जिस ताहीं प्रभु नै बिगाड़ण कै खातर नीं पर बनाण कै खातर मेरै ताहीं दिया सै, करड़ाई तै कीमे करणा ना पड़ै|

11 आखर म्ह हे भाईयां, राज़ी होवो; सिद्ध बणदे जाओ; ढाढस राखो; एक ए मन राक्खो; मेळ तै रहो| अर प्रेम अर शान्ति का देणआळा पणमेशर थारै गेल्या होवैगा| 12 एक-दुसरे ताहीं पवित्र चुम्मे तै नमस्कार करो| 13 सारे पवित्र माणस थारै ताहीं नमस्कार कहवैं सैं| 14 प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह अर पणमेशर का प्रेम अर पवित्र आत्मा का सांझ्झापण थारै सारया कै गेल होंदा रहवै|

गलातियों

अभिवादन

1 पौलुस की- जो ना माणसां की ओड़ तै अर ना माणसां के जरिये,
बल्के यीशु मसीह अर पणमेशर पिता के जरिये, जिसणै उस ताही मरे
होऐ म्ह तै जिवाया, प्रेरित सै- 2 अर सारे भाईयां की ओड़ तै जो मेरै गेल्या
सै, गलातिया की कलिसियां के नाम: 3 पणमेशर पिता अर म्हारे प्रभु यीशु
मसीह की ओड़ तै थमनै अनुग्रह अर शान्ति मिल्दी रहवै। 4 उस्से नै खुद ऐ
ताही म्हारे पापां के खात्तर दे दिया, ताके जो कोऐ म्हारे पणमेशर अर पिता
की मर्जी के मुताबिक हमनै इस आण आळी भुन्ड़ी दुनिया तै छुडावै।
5 उसका गुणगान अर बड़ाई युगायुग होंदी रहवै। आमीन।

कोए दूसरा सुसमाचार न्ही

6 मन्नै अचम्भा होवै सै के जिसणै थारै ताही मसीह के मैहरबान्नी म्ह बुलाया
उसतै थम इतनी ताव्ळे फिर कै और ए तरियां के सुसमाचार कान्नी झुकण
लाग्ये। 7 पर वो दूसरा सुसमाचार सै ऐ कोन्या: पर बात या सै के कितने इसे
सै जो थमनै डरा देवै सै, अर मसीह के सुसमाचार नै बिगाड़ना चाहवै सै।
8 पर जै हम, या सुर्ग तै कोऐ दूत भी उस सुसमाचार नै छोड़ जो हमनै थारै
ताही सुणाया सै, कोऐ और सुसमाचार थारै ताही सुणावै, तो श्रापित सों।
9 जिसा हमनै पहल्या कह्या सै, उसा ऐ मैं इब फेर कहूँ सूं के उस सुसमाचार
नै छोड़ जिस ताही थमनै मान्या सै, जै कोऐ और सुसमाचार सुणावै सै, तो
श्रापित हो। 10 इब मैं के माणसां नै माँणु सूं या पणमेशर नै? के मै माणसां नै
राज़ी करणा चाहूँ सूं? जै मैं इब लग माणसां नै राज़ी करदा रहन्दा तो मसीह
का दास न्ही होंदा।

पौलुस किस तरियां प्रेरित बण्या

11 हे भाईयो, मैं थमनै बता द्यु सूं के जो सुसमाचार मन्नै सुणाया सै, वो
माणस का कोन्या। 12 क्यूँके वो मन्नै माणस की ओड़ तै न्ही पहोच्या, अर ना
मन्नै सिखाया गया, पर यीशु मसीह के प्रकाशन तै मिल्या। 13 यहूदी राय म्ह
जो मेरा चाल-चलण था उसकै बारे म्ह थमनै सुण्या सै के मैं पणमेशर की
कलीसिया नै घणा काल अर नाश करूँ था। 14 आपणे घणखरे जातआळां तै
जो मेरै हाण के थे, यहूदी मत म्ह घणा बधाऐ जाऊँ था अर आपणे बाप-दाद्या
की रीत-रिवाजा कै खात्तर घणा ऐ उताव्ळा था। 15 पर पणमेशर की, जिसनै
मेरी माँ की कोख म्ह ऐ तै मेरै ताही बणाया अर आपणे अनुग्रह तै बुला लिया,
16 जिब्ब मर्जी होई के मेरै मैं आपणे बेटे नै देखै के मैं गैर-जातां म्ह उसका
सुसमाचार सुणाऊँ, तो ना मन्नै मांस अर लहू तै सलाह ली, 17 अर ना
यरुशलेम म्ह उनकै धोरै ग्या जो मेरै तै पह्ल्या प्रेरित थे, पर जिब्बे अरब म्ह
चल्या गया अर फेर ओड़ै तै दमिश्क म्ह बोहड़ ग्या। 18 फेर तीन साल के
पाच्छै मैं कैफा तै मिलण खात्तर यरुशलेम ग्या, अर उसकै धोरै पन्द्रह दिन
तैई रह्या। 19 पर प्रभु के भाई याकूब नै छोड़ अर प्रेरितां म्ह तै किस्से तै न्ही
मिल्या। 20 जो बात मैं थमनै लिखूँ सूं, सुणो! पणमेशर नै हाजिर जाण के कहूँ
सूं के वे झूठी कोणी। 21 इसकै पाच्छै मैं सीरिया अर किलिकिया के प्रान्तां म्ह
आया। 22 पर यहूदिया की कलीसियां नै जो मसीह म्ह थी, मेरा मुँह कदे न्ही
देख्या था; 23 पर न्यू ऐ सुणया करै थी के जो हमनै पह्ल्या सतावै था, वो इब
उस्से बिश्वास का सुसमाचार सुणावै सै जिसणै पह्ल्या नाश करै था। 24 अर
वे मेरै बारै म्ह पणमेशर की बड़ाई करै थी।

और प्रेरितां कै जरिये पौलुस नै मान्यता

2 चौदाह साल कै पाच्छे मैं बरनबास के गेल्या फेर यरुशलेम म्ह ग्या,
अर तीतुस नै भी गेल्या ले ग्या। 2 मेरा जाणा ईश्वरीय प्रकाशन के
मुताबिक होया; अर जो सुसमाचार मैं गैरजातां म्ह प्रचार करु सूं, वो मन्नै उन
ताही बता दिया, पर एकांत म्ह उन्नै जो बड्डे समझे जावै थे, ताके इसा ना हो
के मेरी इस टेम की या पाच्छली भागा दौड़ी खराब ज्या। 3 पर तीतुस नै भी
जो मेरै गेल्या था अर जो यूनानी सै, खतना कराण खात्तर मजबूर न्ही करया
ग्या। 4 यो उन झूठे भईयां के कारण होया जो चोरी तै घुस आये थे, के उस
आजादी का जो मसीह यीशु म्ह हमनै मिली सै, भेद ले कै हमनै दास बनावै।
5 एक घड़ी भी उसकै अधीन होणा हमनै न्ही मान्या, इस खात्तर के
सुसमाचार की सच्चाई थारै म्ह बनी रहवै। 6 फेर जो माणस किम्मे समझे जावै
थे (वे चाहे जिसे भी थे मन्नै इस तै किम्मे काम कोनी; पणमेशर किस्से गेल्या
कोऐ दुभात न्हीकरदा) उनतै जो किम्मे समझे जावै थे, मन्नै किम्मे भी न्ही
मिल्या। 7 पर इसके उल्ट जिब्ब उन्नै देख्या के जिसा खतना करै होऐ माणसां
कै खात्तर सुसमाचार का काम पतरस ताही सौप्या ग्या, उस्सा ऐ
खतनारहित के खात्तर मेरै ताहि सुसमाचार सुणाना सौप्या ग्या। 8 (क्यूँके
जिसणै पतरस तै खतना करै होया म्ह प्रेरिताई का काम बडै असरदार ढंग तै
करवाया, उस्से नै मेरै तै भी गैरजातां म्ह असरदार काम करवाया), 9 अर
जिब्ब उन्नै उस अनुग्रह ताही जो मन्नै मिला था जाण लिया, तो याकूब, अर
कैफा, अर यहून्ना, नै जो कलीसिया के खम्बे समझे जावै थे, मेरै ताही अर
बरनबास तै संगति का सोळा हाथ बणाया के हम गैरजातां कै धोरै जावै अर
वे खतना करै होया के धोरै; 10 सिर्फ यो कह्या ग्या के हम कंगालां की सुधि
ल्यां, अर इस्से काम नै करण की मैं खुद भी कोशिश करु था।

पौलुस कै जरिये पतरस का बिरोध

11 पर जिब्ब कैफा अन्ताकिया म्ह आया, तो मन्नै उसकै मुँह पै उसकी
गलती लिकाड़ी, क्यूँके वो कसूरवार था। 12 इस खात्तर के याकूब की ओड़ तै
कई माणसां के आण तै पह्ल्या वो गैरजातां म्ह खाया करै था, पर जिब्ब वे
आये तो खतना करै होऐ माणसां के डर कै मारै वो पाच्छै नै हट ग्या अर
कन्नी काटण लाग्या। 13 इसके गेल्या बाकी बचे यहुदियां नै भी कपट करैया,
उरै ताही कै बरनबास भी उन कै कपट म्ह पड़ ग्या। 14 पर जिब्ब मन्नै देख्या
के सुसमाचार की सच्चाई पे सीधी चाल न्ही चालदे, तो मन्नै सारया कै
स्याम्ही कैफा तै कह्या, "जिब्ब तू यहूदी होकै गैरजातां की तरियां चालै सै
अर यहुदियां की तरियां न्ही तो तू गैरजातां नै यहुदियां की तरियां चालण नै
क्यों कह्वै सै।"

बिश्वास कै जरिये धर्मी बनना

15 हम तो जन्म तै यहूदी सां, अर पापी गैरजातां म्ह तै कोन्या। 16 तो भी
न्यू जाण कै के आदमी नियम के कामां म्ह कोणी, पर यीशु मसीह पे बिश्वास
करण के जरिऐ धर्मी बणै सै, हमनै खुद भी प्रभु यीशु मसीह पे बिश्वास करैया
के हम नियम के कामां तै न्ही, पर मसीह पै बिश्वास करण तै धर्मी बणा; इस
करके के नियम के कामां तै कोऐ प्राणी धर्मी न्ही बणैगा। 17 हम जो मसीह म्ह
धर्मी बनणा चाह्वा सां, जै खुद ऐ पापी लिकड़ै तो के मसीह पाप का दास सै?
कद्दे भी न्ही 18 क्यूँके जो किम्मे मन्नै ढाह दिया जै उस्से नै फेर बणाऊ सूं तो,
खुद नै कसूरवार बणाऊ सू। 19 मैं तो नियम के जरिये नियम कै खात्तर मर

ग्या के पणमेशर कै खात्तर जीऊँI 20 मैं मसीह कै गेल्या क्रूस पै चढ़ाया ग्या सूं, इब मैं जिन्दा न्ही रह्या, पर मसीह मेरै में जिन्दा सै; अर मैं देह म्ह इब जो जिन्दा सूं तो सिर्फ उस बिश्वास तै जिन्दा सूं जो पणमेशर कै बेटै पै सै, जिसनै मेरै तै प्यार करया अर मेरै खात्तर आपणे आप ताही दे दियाI 21 मैं पणमेशर कै अनुग्रह नै बेकार न्ही बतान्दा; क्यूँके जै नियम कै जरिये धार्मिकता होंदी, तो मसीह का मरणा बेकार होंदाI

नियम या बिश्वास

3 .हे बिना अक्कू के गलातियो, किसनै थारै ताही मोह लिया सै? थारी तो मान्नो आखाँ के स्याम्ही यीशु मसीह क्रूस पै दिखाया ग्या! 2 मैं सिर्फ थारै तै न्यू जाणना चाँऊसूं के थमनै आत्मा ताही, के नियम के कामां तै या बिश्वास की खबर तै पाया? 3 के थम इसे बेअक्कू के सों के आत्मा की रीत पै शुरू करकै इब तन की रीत पे अंत करोगें? 4 के थमनै इतना दु:ख बेकार म्ह ऐ उठाया? पर कतीऐ बेकार न्ही I 5 जो थमनै आत्मा दान करै अर थारै म्ह सामर्थ के काम करै सै, वो के नियम के कामां तै या सुसमाचार पे बिश्वास तै इसा करै सै? 6 “अब्राहम नै तो पणमेशर पे बिश्वास करया अर या उसकै खात्तर धार्मिकता गिणी गईI” 7 आखर यो जाण ल्यो के जो बिश्वास करण आळे सै, वे ऐ अब्राहम की ऊलाद सैI 8 अर पवित्रग्रन्थ नै पहल्या तै ऐ न्यू जाणकै के पणमेशर गैरजातां नै बिश्वास तै धर्मी बणावैगा, पहल्या तै ऐ अब्राहम नै या सुसमाचार सुणा दी के “तेरै में तै सारी जात आशिर्वाद पावैगींI” 9 इस करकै जो बिश्वास करण आळे सै, वे बिश्वासी अब्राहम के गेल्या आशिर्वाद पावै सैI 10 इस करकै जितने माणस नियम के कामां पै भरोसा राखै सै, वे सारे शाप के गुलाम सै, क्यूँके लिख्या सै, “जो कोऐ नियम की किताब म्ह लिखी होई सारी बातां के करण म्ह डटया न्ही रहंदा, वो श्रापित सैI” 11 पर या बात दिखै सै के नियम कै जरिये पणमेशर के याडै कोऐ धर्मी न्ही बणदा, क्यूँके धर्मी माणस बिश्वास तै जिन्दा रह्वैगाI 12 पर नियम का बिश्वास तै कोऐ नात्ता कोणी; क्यूँके “जो उन्नै मान्यैगा, वो उणकै कारण जिन्दा रह्वैगाI” 13 मसीह नै जो म्हारै खात्तर श्रापित बणया, म्हारै ताही मोल लेकै नियम के शाप तै छुड़ाया, क्यूँके लिख्या सै, “जो कोऐ काठ पे लटकाया जावै सै वो श्रापित सैI” 14 यो इस खात्तर होया के अब्राहम का आशिर्वाद मसीह यीशु म्ह गैरजातां तक पुहँचै, अर हम बिश्वास कै जरिये उस आत्मा नै पा ल्या जिसका प्रण होया सैI

नियम अर करार

15 हे भाइयो, मैं आदमी की रीत पे कहूँ सूं; आदमी का करार भी जो पक्का हो जा सै, तो ना कोऐ उसनै टाळै सै अर ना उसमें किम्मे बढ़ावै सैI 16 आखर प्रण अब्राहम नै अर उसकै वंश ताही दिया गयाI वो न्यू कोणी कह्वै, “वंशा नै,” जिसा घणाऐ कै बारे म्ह कह्या; पर जिसा एक कै बारे म्ह के “तेरै वंश नै” अर वो मसीह सैI 17 पर मैं न्यू कहूँ सूं: जो करार पणमेशर नै पह्ल्या तै पक्का करया था, उसणै नियम चार सौ तीस साल के पाच्छै आकै न्ही टाळ सकदा कै प्रण बेकार होI 18 क्यूँके जै पुश्तैनी नियम तै मिली सै तो फेर प्रण तै न्ही, पर पणमेशर नै अब्राहम ताही प्रण कै जरिये दे दी सैI 19 जिब्ब फेर नियम क्यूँ दिया गया? वो तो अपराधां कै कारण पाच्छै दिया गया के उसकी पीढ़ी कै आण तक रहवै, जिसका प्रण दिया गया था; अर वो सुर्गदूतां कै जरिये एक बिचौलिये कै हाथ बणाया गयाI 20 बिचौलिया तो एक न्ही होंदा, पर पणमेशर एकै सैI

नियम का मकसद

21 तो के नियम पणमेशर की प्रण के बिरोध म्ह सै? कदे न्ही! क्यूके जै इसा नियम दिया जावै जो जीवन दे सकदा, तो साचलिये धार्मिकता नियम तै होंदीI 22 पर पवित्रग्रन्थ नै सारा ताही पाप के अधीन कर दिया, ताके वो प्रण जिसका आधार यीशु मसीह पे बिश्वास करणा सै, बिश्वास करण आळा खात्तर पूरा हो जावैI 23 पर बिश्वास कै आण तै पह्ल्या नियम की गुलामी म्ह म्हारी रुखाली होवै थी, अर उस बिश्वास के आण तक जो प्रकट होण आळा था, हम उस्से कै बन्धन म्ह रहेI 24 इस तरियां नियम मसीह तक पूहँचान कै खात्तर म्हारे सिखान आळे होऐ सै के हम बिश्वास म्ह धर्मी बणाI 25 पर जिब्ब बिश्वास आ लिया, तो हम सारे सिखान आळे के अधीन ना रह्याI 26 क्यूँके उस बिश्वास के जरिये जो मसीह यीशु पै सै, पणमेशर की ऊलाद होI 27 अर थारे म्ह तै जितना नै मसीह म्ह बपतिस्मा लिया सै उन्नै मसीह ताही पैहर लिया सैI 28 इब ना कोऐ यहूदी रह्या ना यूनानी, ना कोऐ नौक्कर ना आजाद, ना कोऐ लोग ना कोऐ लुगाई, क्यूँके थम सारे मसीह यीशु म्ह एक सोंI 29 अर जै थम मसीह के सों तो अब्राहम के वंश अर प्रण के मुताबिक वारिस भी सोंI

4 मैं न्यू कहूँ सूं के वारिस जिब्ब ताहि बाळक सै, फेर भी सारी चीज़ा का मालिक सै, तो भी उस म्ह अर नौक्कर म्ह कोऐ भेद कोणीI 2 पर पिता के बताऐ होऐ बखत तैई बचाणिया अर इन्तजाम करण आळे कै वश म्ह रहवै सैI 3 उस्से तरियां हम भी, जिब्ब बाळक थे, तो दुनिया की पुराणी शिक्षा कै वश म्ह होके नौक्कर बणे होऐ थेI 4 पर जिब्ब बखत पूरा होया, तो पणमेशर नै अपणा बेटा खिन्दया जो बीरबानी तै जण्या, अर नियम कै अधीन पैदा होयाI 5 ताके नियम के गुलामां नै मोल लेकै छुड़ा ले, अर हमनै गोद लिये होऐ होण का ओहदा मिलैI 6 अर थम जो बेटे सों, इस करकै पणमेशर नै आपणे बेटे की आत्मा नै, जो ‘हे अब्बा, हे पिता कहकै नै बुलावै सै,’ म्हारे दिलां म्ह खिन्दाया सैI 7 इस करकै तू इब नौक्कर कोणी, पर बेटा सै; अर जिब्ब बेटा होया, तो पणमेशर कै जरिये वारिस भी होयाI

गलातियां कै बारें म्ह पौलुस की चिंता

8 पहल्या तो थम पणमेशर नै ना जाण कै उसके दास थे जो स्वभाव म्ह पणमेशर कोणीI 9 पर इब जो थमनै पणमेशर ताहि पिच्छाण लिया बल्के पणमेशर नै थार ताही पिच्छाणा, तो उन कमजोर अर निक्कमी पुराणी शिक्षा की ओड़ क्यूँ फिरो सों, जिनके थम दुबारा नोक्कर होणा चाह्वो सों? 10 थम दिनां अर महिन्ना अर नियत बखत अर साल्ला नै मान्नो सोंI 11 मैं थारै बारै म्ह डरु सों, कदे इसा ना हो के जो मेहनत मन्नै थारै खात्तर करी सै वा बेकार जावैI 12 हे भाइयो, मैं थारै तै बिनती करु सूं, थम मेरै बराबर हो जावो; क्यूँके मैं भी थारै बराबर होग्या सूं; थमनै मेरा किम्मे बिगाड़ा न्ही I 13 पर थम जाणो सों के पह्ल्म पहल मन्नै तन की कमजोरी कै कारण थारै ताहि सुसमाचार सुणायाI 14 अर थमनै मेरी शरीर की हालत नै जो थारी परीक्षा कै कारण थी, तुच्छ न्ही जाणया; ना उसनै नफरत करी; अर पणमेशर के दूत बल्के खुद मसीह के समान मेरै ताही अपनायाI 15 तो वो थारा खुशी मणाना कित्त ग्या? मैं थारा गवहा सू के जै हो सकै तो थम आपणी आँख भी लिकाड़ कै मन्नै दे देन्देI 16 तो के थारे तै सच बोलण के कारण मैं थारा बैरी बण ग्या सू? 17 वे थमनै साथी बणाना तो चाहवै सै, पर भले मकसद तै न्ही; बल्के थमनै न्यारा पाड़ना चाहवै सै के थम उन्नै ऐ साथी बणा ल्योI 18 पर यो भी आच्छा सै के भली बात म्ह हर दम मित्तर बणान का जत्न करया जावै, ना सिर्फ उस्से बखत के जिब्ब मैं थारै गेल्या रहूँ सूI 19 हे मेरे बाळको, जिब्ब ताहि थारै म्ह मसीह का रूप न्हीबण जावै, जिब्ब ताही मैं थारै खात्तर फेर जच्चा की जु दर्द सहन्दा रहूँगाI 20 जी तो न्यू करै सै के इब थारै धोरै आकै और ऐ तरियां तै बोलूँ, क्यूँके थारै बारै म्ह मैं उलझन म्ह सूI

सारा अर हाजिरा का उदाहरण

21 थम जो नियम कै अधीन होणा चाहवै सों, मन्नै बतावो, के थम नियम की न्ही सुणदे? 22 यो लिख्या सै के अब्राहम कै दो छोरै होए; एक नौकराणी तै अर एक आजाद बीरबानी तैI 23 पर जो नौकराणी तै होया, वो शारीरिक रीति तै जन्मा; अर जो आजाद बीरबानी तै होया, वो प्रण कै मुताबिक जन्माI 24 इन बातां म्ह दृष्टांत /सीख सै: ये बीरबानी मान्नो दो करार सै, एक तो सीनै पहाड़ की जिस तै नौकर ऐ पैदा होवै सै; अर वा हाजिरा सैI 25 अर हाजिरा मान्नो अरब का पहाड़ सै, अर नया यरुशलेम उसकै बराबरी का सैI क्यूँके वो बाळका समेत गुलामी म्ह सैI 26 अर ऊप्पर की यरुशलेम आजाद सै, अर वा म्हारी माँ सैI 27 क्यूँके लिख्या सै, “हे बाँझ, तू जो न्ही जाम्दी मोज कर; तू जिसकै दर्द न्ही उठता, गळ खोल कै जय जयकारकर; क्यूँके छोड़ी होई की ऊलाद सुहागण की ऊलाद तै भी घणी सैI” 28 हे भाइयो, हम इसहाक की तरियां प्रण की ऊलाद सांI 29 अर जिसा उस बखत तन कै मुताबिक

जणम्या होया आत्मा कै मुताबिक जणम्ये होऐ नै सतावै था, उसा ऐ इब भी होवै सैI 30 अर जिसा उस बखत तन कै मुताबिक जणम्या होया आत्मा कै मुताबिक जणम्ये होऐ नै सतावै था, उसा ऐ इब भी होवै सैI 31 इस करकै हे भाइयो, हम नौकरानी के न्हीपर आजाद बीरबानी की ऊलाद सांI

आजादी नै सम्भाल कै राक्खों

5 मसीह नै आजादी खात्तर म्हारै तैई आजाद करया सै; आखर इस्से
म्ह जमे रह्वो, अर गुलामी के जूऐ म्ह फेर तै ना जुड़ोI 2 सुणो! मैं,
पौलुस, थारै तै कहूँ सूं के जै खतना करावोगे, तो मसीह तै थारै कीम्मे
फायदा न्ही होगाI 3 फेर भी मैं एक खतना कराण आळे नै बता द्यु सूं के
उसनै सारे नियम मानने पड़ैगें I 4 थम जो नियम कै जरिये धर्मी बणना चाह्वो
सों, मसीह तै न्यारे और अनुग्रह तै गिर ग्ये सोंI 5 क्यूँके आत्मा कै कारण हम
बिश्वास तै, आश करी होई धार्मिकता की बाट देखां सांI 6 मसीह यीशु म्ह ना
खतना अर ना बिना खतना किम्मे काम का सै, सिर्फ बिश्वास, जो प्यार के
जरिये असर गेरै सैI 7 थम तो आच्छी ढाळ भाजरे थेI इब किसनै थारे ताहि
रोक दिया के थम सच नै ना मान्नोI 8 इसी सीख थारै बुलाण आळे की ओड़
तै कोणीI 9 थोडा सा खमीर सारै गूँधे होऐ चून नै खमीर बणा दे सैI 10 मैं प्रभु
पै थारै बारे म्ह भरोसा राखूँ सू के थारा कोऐ दूसरा बिचार न्ही होगा; पर जो
थमनै डरा देवै सै,वो कोऐ क्यूँ ना हो डण्ड पावैगाI 11 पर हे भाइयो, जै मैं इब
तैई खतना का प्रचार करु सू, तो क्यूँ इब तैई सताया जाऊँ सू? फेर तो क्रूस
की ठोक्कर जांदी रहीI 12 भला होंदा के जो थमनै डामाडोल करै सै, वे अपणा
ए अंग काट देवै सैI 13 हे भाइयो, थम आजाद होण कै खात्तर बुलाऐ गये सों;
पर इसा ना होवै के या आजादी शारीरिक कामां के खात्तर मोक्का बणै, बल्के
प्यार तै एक दूसरै के नौक्कर बणैI 14 क्यूँके सारे नियम इस एक बात म्ह पूरे
हो ज्या सै, "तू आपणे पड़ोसी तै आपणे जिसा प्यार करI" 15 पर जै थम एक
दूसरे कै बुट्के भर के पाड़ खावो सों, तो चौकस रहो के एक दूसरे का
सत्यानाश ना कर द्योI

पवित्र आत्मा कै जरिये अगवाई

16 पर मैं कहूँ सू, आत्मा के मुताबिक चलो तो थम तन की लालसा किस्से
रीति तै पूरी न्ही करोगेI 17 क्यूँके तन आत्मा के बिरोध म्ह अर आत्मा तन के
बिरोध म्ह लालसा करै सै, अर ये एक दूसरे के बिरोधी सै इस करकै के जो
थम करना चाह्वो सों वो ना कर पावोI 18 अर जै थम आत्मा के चलाऐ चालो
सों तो नियम के अधीन ना रहोंI 19 देही के काम तो दिखै सै, यानी के जारि,
भुन्ड़े काम, लुचपन, 20 मूर्ति पूजा, टोना, बैर, गुस्सा, बिरोध, फूट विधर्म,
21 दाह, मतवालापन, रासलीला अर इनके जिसे और काम सै, इनकै बारै म्ह
मैं थारै तै पह्ल्या कह द्यु सू जिसा पह्ल्ये कह्या था, के इसे-इसे काम करणये
पणमेशर के राज्य के वारिस न्ही होंगे I 22 पर आत्मा का फळ प्यार, आनन्द,
शांति, धीरज, कृपया, भलाई, बिश्वास, 23 नम्रता, अर सयंम सै; इसे-इसे
कामां के विरोध म्ह कोऐ भी नियम कोणीI 24 अर जो मसीह यीशु के सै उन्नै
तन नै उसकी लालसाओं अर अभिलाषाओं समेत क्रूस पे चढ़ा दिया सैI
25 जै हम आत्मा के जरिये जिन्दे सां, तो आत्मा कै मुताबिक चाल्ला भीI
26 हम घमण्डी होकै ना एक दूसरै ने छेड़ा,अर एक दूसरै तै डाह करांI

एक दुसरें की मदद करो

6 हे भाइयो, जै कोऐ माणस किसे कसूर म्ह पकड़ा भी जावै तो थम जो
आत्मिक सों, नम्रता के गेल्या इसै नै सम्भालो, अर आपणी भी
चौकसी राखो के थम भी हिम्तान म्ह ना पड़ोI 2 थम एक दूसरे का बोझ
ठावो, अर इस तरियां मसीह की नियम ने पूरा करोI 3 क्यूँ के जै कोऐ किम्मे
ना होण पे भी खुद नै किम्मे समझै सै, तो अपणे आपनै धोखा देवै सैI 4 पर
हरेक खुद के काम नै परख ले, अर फेर दुसरे के बारे म्ह न्हीपर आपणे ऐ बारे
म्ह उसनै घमण्ड करण का मौक्का होगाI 5 क्यूँके हरेक आदमी अपणा ए बोझ
ठावैगाI 6 जो वचन की शिक्षा पावै सै, वो सारी आच्छी चीजां म्ह सीखाण
आळे नै सांझी करैI 7 धोखा ना खावो; पणमेशर का मजाक न्ही उड़ाया
जान्दा, क्यूँके माणस जो किम्मे बोवै सै वो काटैगाI 8 क्यूँके जो आपणे शरीर
के खात्तर बोवै सै, वो शरीर कै जरिये नाश की कटनी काटैगा, अर जो आत्मा
कै खात्तर बोवै सै, वो आत्मा कै जरिये लाम्बे जीवन की कटनी काटैगाI
9 हम भले काम करण का होसला ना छोड़ड़ा, क्यूँके जै हम ढील्ले ना होवै तो
ठीक टेम पै कटनी काटैगेंI 10 इस करके जडै ताहि मौक्का मिलै हम सारा के
गेल्या भलाई करां, खास करकै बिश्वासी भाइयां के गैलI

आखरी चेतावनी अर अभिवादन

11 देखों, मन्नै किसे बड्डे-बड्डे अक्षरा म्ह थारै तैई अपणे हाथ तै लिख्या सैI
12 जो माणस शारीरिक दिखावा चाहवै सै वे थारा खतना करवाण के खात्तर
दाब गेरै सै, सिर्फ इस खात्तर के वे मसीह के क्रूस के कारण सताऐ ना जावैI
13 क्यूँके खतना कराण आळे खुद तो नियम पे न्ही चाल्दे, पर थारा खतना
इस खात्तर कराणा चावै सै के थारी शारीरिक दशा पे घमण्ड करैI 14 पर इसा
ना होके मैं किसे और बात का घमण्ड करूँ, सिर्फ म्हारै प्रभु यीशु मसीह के
क्रूस का, जिसकै जरिये दुनिया मेरी निगांह म्ह अर मैं दुनिया की निगांह म्ह
क्रूस पे चढ़ाया ग्या सूI 15 क्यूँके ना खतना अर ना खतनारहित किम्मे सै, पर
नई सृष्टीI 16 जितने इस नियम पै चालैगें उन पै, अर पणमेशर के इस्राएल पै
शान्ति अर दया होंदी रहवैI 17 आगे तै मन्नै कोऐ दु:ख ना दे, क्यूँके मैं यीशु के
जख्मां नै अपणे गात म्ह लिये फिरू सूI 18 हे भाइयो, म्हारे प्रभु यीशु का
अनुग्रह थारी आत्मा के गेल्या रहवैI आमीनI

इफिसियों

1 पौलुस की ओड़ तै जो पणमेशर की इच्छा तै यीशु मसीह का प्रेरित्त
सै, उन पवित्र अर मसीह यीशु म्ह बिश्वासी माणसां कै नाम जो
इफिसुस म्ह सै| 2 म्हारे पिता पणमेशर अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थारै
ताही अनुग्रह अर शान्ति मिल्दी रहवै|

मसीही म्ह आत्मिक आशीषें

3 म्हारे प्रभु यीशु मसीह के पणमेशर अर पिता का धन्यवाद हो के उसनै
म्हारै ताही मसीह म्ह सुर्गीय जंगहां म्ह सारी ढाळ की आत्मिक आशीष दी
सै| 4 जिसा उसनै म्हारै ताही दुनिया की सरूवात तै पहल्या उस म्ह तै छांट
लिया के हम उसकै धोरै प्रेम म्ह पवित्र अर बेकसूर होंवा| 5 अर अपणी मर्जी
के भले मतलब के मुताबिक हमनै अपणे खात्तर पहल्ये तै बणा के यीशु
मसीह के जरिये हम उसके गोद लिये बेट्टे होवा, 6 के उसकी उस मैहरबान्नी
की महिमा की बड़ाई होवै, जिस ताही उसनै म्हारै तै प्रेम म्ह मुफ्त दिया|
7 हमनै उस म्ह उसकै लहू के जरिये छुटकारा, यानी के कसूर की माफी,
उसकै उस अनुग्रह के धन के मुताबिक मिल्या सै| 8 जिस ताही उसनै सारे
ज्ञान अर समझ सुदा म्हारै पै भोत ऐ घणा करया| 9 क्यूँके उसनै अपणी
इच्छा का भेद उस भले मतलब के मुताबिक म्हारै ताही बताया, जिस ताही
उसनै अपणे आप म्ह ठाण लिया था| 10 के बखत कै पूरा होण का इसा
इन्तजाम हो के जो कीमे सुर्ग म्ह सै अर जो कीमे धरती पै सै, सारा कीमे वो
मसीह म्ह कट्ठा करा| 11 उस्से म्ह जिस म्ह हम भी उस्से की मनसा तै जो
अपणी मर्जी कै मत कै मुताबिक सारा कीमे करै सै, पहल्यै तै बणाया जाकै
पुश्तैनी बणै| 12 के हम, जिन्नै पहल्यै तै मसीह पे आस राक्खी थी, उसकी
महिमा की बड़ाई के कारण होवै| 13 अर उस्से म्ह थम भी, जिब्ब थमनै सच
का वचन सुण्या जो थारे उद्धार का सुसमाचार सै अर जिस पै थमनै बिश्वास
करया, प्रण करे होए पवित्र आत्मा की छाप लाग्गी| 14 वो उसकै मोल लिये
होया कै छुटकारे कै खात्तर म्हारी पुश्तैनी का ब्याना सै, के उसकी महिमा
की बड़ाई होवै|

पौलुस की प्रार्थना

15 इस कारण, मैं भी उस बिश्वास की खबर सुणकै जो प्रभु यीशु पै सै अर
सारे पवित्र माणसां पै दिखै सै, 16 थारै खात्तर धन्यवाद करणा न्ही छोड़दा,
अर अपणी प्रार्थनायां म्ह थमनै याद करु सूं| 17 के म्हारे प्रभु यीशु मसीह का
पणमेशर जो महिमा का पिता सै, थमनै अपणी पिच्छाण म्ह ज्ञान अर चान्दणे
की आत्मा देवै, 18 अर म्हारे मन की आँख रोशन हो के थम जाण ल्यो के
उसकै बुलावै की आस के सै, अर पवित्र माणसां म्ह उसकी पुश्तैनी की
महिमा का धन किसा सै, 19 अर उसकी सामर्थ म्हारै म्ह जो बिश्वास करां सां,
कितणी महान् सै, उसकी ताकत कै असर के उस काम के मुताबिक 20 जो
उसनै मसीह म्ह करया के उसनै मरे होया म्ह जिवा कै सुर्गीय जंगहां म्ह
अपणी सोळी ओड़ 21 सारी ढाळ की प्रधानता, हक्क, सामर्थ, प्रभुता के, अर
हरेक नाम के ऊपर, जो ना सिर्फ इस लोक म्ह पर आण आळे लोक म्ह भी
लिया जावैगा, बिठाया; 22 अर सारा कीमे उसकै पांया तळै कर दिया; अर
उस ताही सारी चीज़ां पै सारा तै ऊँचा(शिरोमणि) बणा कै कलीसिया ताही दे
दिया, 23 या उसकी देह सै, अर उस्से की भरपूरी सै जो सारया म्ह सारा
कीमे पूरा करै सै|

मृत्यु तै जीवन की ओड़

2 उसनै थारै ताही भी जिन्दा करया, जो अपणे कसूर अर पाप के
कारण मरे होये थे 2 जिन म्ह थम पहल्यै इस दुनिया की रीत पै, अर
अकास के हक्क के हाकिम यानी के उस आत्मा कै मुताबिक चाल्लों थे, जो इब
भी हुक्म ना मानण आळयां म्ह काम करै सै| 3 इन म्ह हम भी सारे के सारे
पहल्यै अपणी देही की लालसाओं म्ह दिन बितावा थे, अर देही अर मन की
मर्जियां नै पूरी करां थे, अर और माणसां की ढाळ सुभाव तै ऐ छोह की
ऊलाद थे| 4 पर पणमेशर नै जो दया का धनी सै, अपणे उस घणै प्रेम कै
कारण जिस तै उसनै म्हारै तै प्रेम करया, 5 जिब्ब हम कसूर के कारण मरे
होए थे तो म्हारै ताही मसीह के गैल्या जिवाया (मैहरबान्नी ऐ तै थारा उद्धार
होया सै) 6 अर मसीह यीशु म्ह उसकै गैल्या ठाया, अर सुर्गीय जंगहां म्ह
उसकै गैल्या बिठाया 7 के ओ अपणी दया तै जो मसीह यीशु म्ह म्हारै पै सै,
आण आळे बखत म्ह अपणी मैहरबानी का घणा ए धन दिखावै| 8 क्यूँके
बिश्वास के जरिये मैहरबान्नी ऐ तै थारा उद्धार होया सै; अर या थारी ओड़ तै
न्ही, बल्के पणमेशर का दान सै, 9 अर ना कर्मा के कारण, इसा ना हो के
कोए घमण्ड करै| 10 क्यूँके हम उसके बणाऐ होए सां, अर मसीह यीशु म्ह
उन भले कामां के खात्तर रचे गये जिन्नै पणमेशर नै पहल्यै तै म्हारे करण कै
खात्तर तैयार करया|

मसीही म्ह एक

11 इस कारण याद करो के थम जो शरीरिक तौर तै गैर-जात सों (अर जो
माणस देही म्ह हाथ के करे होए खतने तै खतनाआळे कुहवावै सै, वे थमनै
खतनारहित कहवै सै), 12 थम माणस उस बखत मसीह तै न्यारे, अर
इस्राइल की प्रजा के ओहदे तै न्यारे करे होए, अर प्रण के करार के साज्झी
कोनी थे, अर बिना आस अर दुनिया म्ह बिना ईश्वर के थेI 13 पर इब मसीह
यीशु म्ह थम जो पहल्यै दूर थे, मसीह के लहू के जरिये लोवै होगे सों|
14 क्यूँके वो ऐ म्हारा मेळ सै जिसनै दोनुओ ताही एक कर लिया अर न्यारा
करण आळी भीत नै जो बिचाल्यै थी गेर दिया, 15 अर अपणे देही म्ह बैर
यानी के वो नियम जिसका हुक्म विधियों की रीत पै था, मिटा दिया के
दोनुआ तै अपणे म्ह एक नया माणस पैदा करकै मेळ करा दे, 16 अर क्रूस पै
बैर का नाश करकै इसकै जरिये दोनुआ नै एक देही बणाकै पणमेशर तै
मिलावै| 17 उसनै आकै थारै ताही जो दूर थे अर उन्नै जो लोवै थे, दोनुआ
ताही मेल मिलाप का सुसमाचार सुणाया| 18 क्यूँके उस्से कै जरिये म्हारी
दोनुआ की एक आत्मा म्ह पिता के धोरै पहोच होवै सै| 19 इस करकै थम
इब विदेशी अर मुसाफिर कोनी रहे, पर पवित्र माणसां के साथी देशी अर
पणमेशर के कुण्बे के होगे सों| 20 अर प्रेरितां अर नब्बियां की नीम पे जिसकै
कूणै का पत्थर मसीह यीशु खुद ऐ सै, बणाया गया हो| 21 जिस म्ह सारी
बणावट एक साथ मिलकै प्रभु म्ह एक पवित्र मन्दिर बणदी जावै सै, 22 जिस
म्ह थम भी आत्मा कै जरिये पणमेशर के रहण की जंगहां होण कै खात्तर एक
गेल्या बणाये जाओ सों|

गेरजात्तां म्ह पौलुस की सेवा

3 इस कारण मैं पौलुस जो थम गैर-जातां के खात्तर मसीह यीशु का
कैदी सूं – 2 जै थमनै पणमेशर के उस मैहरबान्नी के इन्तजाम की खबर
सुणी हो, जो थारै खात्तर मेरे ताही दिया गया, 3 यानी के वो भेद मेरे पे

प्रकाशन कै जरिये प्रकट होया, जिसा मैं पहल्या ऐ छोटे रूप म्ह लिख चुक्या सूं, 4 जिसनै थम पढ़ कै जाण सको सों के मैं मसीह का वो भेद कड़ै ताही समझु सूं 5 जो और बखत म्ह माणसां की ऊलाद ताही इसा न्ही बताया ग्या था, जिसा के आत्मा कै जरिये इब उसके पवित्र प्रेरितां अर नब्बियां पै दिखाया ग्या सै| 6 यानी के मसीह यीशु म्ह सुसमाचार कै जरिये और गैरजातां के माणस पुश्तैनी म्ह साज्झी, अर एकैए देह के अर प्रण के साज्झी सै| 7 मैं पणमेशर की मैहरबान्नी के उस दान कै मुताबिक, जो उसकी सामर्थ के असर के मुताबिक मेरै ताही दिया गया, उस सुसमाचार का सेवक बणा| 8 मेरै पे जो सारे पवित्र माणसां म्ह तै छोटे तै भी छोटा सू, या मैहरबान्नी होई के मैं दूसरी जातां नै मसीह के आण आळे धन का सुसमाचार सुणाऊँ, 9 अर सारा पै या बात जाहेर करूँ के उस भेद का इन्तजाम के सै, जो सारा नै रचनिया पणमेशर म्ह शुरु तै लुह्क्या होया था| 10 ताके इब कलीसिया कै द्वारा, पणमेशर का न्यारा ढाळ का ज्ञान उन प्रधानां अर अधिकारियां पै जो सुर्गीय जंगहां म्ह सै, दिख्या जावै| 11 उस (सनातन)घणी पुराणी मनसा के मुताबिक जो उसनै म्हारे प्रभु यीशु मसीह म्ह करी थी| 12 जिस म्ह हमनै उस पे बिश्वास करण तै हिम्मत अर भरोसे के गैल्या पणमेशर कै लोवै आण का हक सै| 13 इस करकै मैं बिनती करूँ सू के जो क्लेश थारै खात्तर मन्नै होवै सै, उनकै कारण हिम्मत ना छोड़ो, क्यूँके उन म्ह थारी बड़ाई सै|

मसीही का प्यार

14 मै इस्से कारण उस पिता कै आगै गोड्डे टेकू सू, 15 जिस तै सुर्ग अर धरती पे, हरेक कुन्बे का नाम राख्या जावै सै, 16 के वो अपणी बड़ाई के धन कै मुताबिक थमनै यो दान दे के थम उसकी आत्मा तै अपणे भीतरी माणसपन म्ह सामर्थ पाकै ताकतवर होंदे जाओ; 17 अर बिश्वास कै जरिये मसीह म्हारै मन म्ह बसै के थम प्रेम म्ह जड़ पकड़ कै अर निम धर कै, 18 सारे पवित्र माणसां कै गैल्या आच्छी ढाळ समझन की ताकत पाओ के उसकी चौड़ाई, अर लम्बाई, अर ऊँचाई, अर गहराई कितनी सै, 19 अर मसीह के उस प्रेम नै जाण सको जो ज्ञान तै परै सै के थम पणमेशर की सारी भरपूरी तैई जमा भर जाओ| 20 इब जो इसा ताकतवर सै के म्हारी बिनती अर समझ तै भी घणा काम कर सकै उस सामर्थ कै मुताबिक जो म्हारे म्ह काम करै सै, 21 कलीसिया म्ह अर मसीह यीशु म्ह उसकी बड़ाई पीढ़ी तै पीढ़ी तैई युगायुग होंदी रहै| आमीन|

मसीह की देह म्ह एक्का

4 इस करकै मैं जो प्रभु मैं कैदी सू थारै तै बिनती करूँ सू के जिस बुलावै तै थम बुलाए ग्ये थे, उसके लायक चाल चालो, 2 यानी सारी दीनता अर नम्रता गैल, अर धीरज धरकै प्रेम तै एक दूसरै नै सह ल्यो; 3 अर मेळ कै बन्धन म्ह आत्मा का एक्का राख्ण का जत्न करो| 4 एकै ऐ देह सै, अर एकै ऐ आत्मा; जिसा थमनै जो बुलाए ग्ये थे अपणे बुलाये जाण की एकै ऐ आस सै| 5 एकै ऐ प्रभु सै, एकै ऐ बिश्वास, एकै ऐ बपतिस्मा, 6 अर सारा का एकै पणमेशर अर पिता सै, जो सारा कै ऊपर अर सारा कै बीच म्ह अर सारा म्ह ऐ सै| 7 पर म्हारै म्ह तै हरेक नै मसीह कै दान के नतीजे के मुताबित मैहरबान्नी मिलै सै| 8 इस करकै वो कह्वै सै: "वो ऊँचै पे चढ़ा अर कैदियां नै बाँध ले ग्या, अर माणसां ताही दान दिए|" 9 उसकै चढ़न तै, अर के पाया जा सै सिर्फ यो के धरती की निचली जगहां म्ह उतरा भी था| 10 अर जो उतर ग्या यो वो ऐ सै जो सारै अकास तै ऊप्पर चढ़ भी ग्या के सारा कीमे कती पूरा करै| 11 उसनै कईया तै प्रेरित नियुक्त करकै, अर कईया तै नब्बी नियुक्त करकै, अर कईया तै सुसमाचार सुणान आळे नियुक्त करकै, अर कईया तै रुखाळ अर प्रचार नियुक्त करकै दे दिया| 12 जिस तै पवित्र माणस सिध्द हो जावै अर सेवा का काम किया जावै अर मसीह की देह तरक्की पावै, 13 जिब्ब तैई के हम सारै के सारै बिश्वास अर पणमेशर के बेटे की पिच्छाण म्ह एक न्ही हो जावै, अर एक सिध्द माणस न्ही बण जावै अर मसीह के पुरे डील-डौल तैई ना बढ़ जावै| 14 ताके हम आगै बाळक न्ही रह्वा जो माणस नै ठग विधा अर स्याणपत तै, उनकै भ्रम की तरकिबां के अर प्रचार के हरेक झोंकै तै उछाळै अर इन्नै-उन्नै घुमाए जाओ सों| 15 बल्के प्रेम मैं सच्चाई तै चाल्दे होए सारी बातां म्ह उस म्ह जो सिर सै, यानी मसीह म्ह बढ़ते जावा| 16 जिस तै सारी देह, हरेक जोड़ की मदद तै गैल मिल कै अर गैल गठ कै, उस असर कै मुताबिक जो हरेक अंग के ठीक ठाक काम करण कै जरिये उस म्ह होवै सै, अपणे आप नै बढ़ावै सै के वो प्रेम मैं तर्की करती जावै|

मसीही म्ह नया जीवन

17 इस करकै मैं न्यू कहूँ सू अर प्रभु म्ह बिनती करूँ सू के जिसा गैरजात के माणस अपणे मन की बेकार रीत पे चालै सै, थम इब तै फेर इसा ना चालो| 18 क्यूँके उनकी अक्ल आँधी होगी सै, अर उस अज्ञानता कै कारण जो उस म्ह सै अर उनकी मन की कठोरता कै कारण वे पणमेशर के जीवन तै न्यारे करे होए सै; 19 अर वे सुन्न होकै लुचपन म्ह लाग्गे सै के सारी ढाळ के भुन्ड़े काम लालसा तै करां करै| 20 पर थमनै मसीह की इसी शिक्षा न्ही पाई | 21 बल्के थमनै सचमुच उस्से की सुणी अर, जिसा यीशु म्ह सच सै, उस्से म्ह सिखाये भी गए 22 के थम पाच्छले चाल चलन के पुराणे माणसपन नै भरमाणे आळी अभिलाषा कै मुताबिक भ्रष्ट होंदा जावै सै, उसनै उतार द्यो 23 अर अपणे मन के आत्मिक स्वभाव म्ह नये बणदे जाओ, 24 अर नये माणसपन नै पैहर ल्यो जो पणमेशर के जिसा सच की धार्मिकता अर पवित्रता म्ह सजाया गया सै| 25 इस कारण झूठ बोलना छोड़ कै हरेक अपणे पड़ोसी तै सच बोल्लै, क्यूँके हम आपस म्ह एक दुसरे के अंग सां| 26 गुस्सा तो करो, पर पाप ना करो, सूरज ढळण तै पैहल्या थारा छोह भी न्ही रहणा चाहिए, 27 अर ना शैतान नै मौक्का द्यो| 28 चोरी करण आळा फेर चोरी ना करै, बल्के भले कामां म्ह अपणे हाथां तै मेहनत करै, इस करकै के जरूरत हो उस ताही देवैण नै उसकै धोरै कीमे हो| 29 कोए भूंडी बात थारै मुँह तै ना लिकड़ै, पर जरुरत कै मुताबिक वोऐ लिकड़ै जो बढ़ोतरी कै खात्तर बढ़िया हो, ताके उस तै सुणन आळया पे अनुग्रह होवैI 30 पणमेशर की पवित्र आत्मा नै दुखी ना करो, जिस तै थारै पै छुटकारै कै दिन कै खात्तर छाप दी ग्यी सै| 31 सारी ढाळ की कड़वाहट, अर प्रकोप अर छोह, अर कलह, अर बदनामी, सारा बैरभाव समेत थारै तै दूर करे जावै| 32 एक दूसरे पे दयालु अर करुणामय हो, अर जिसा पणमेशर नै मसीह म्ह थारे कसूर माफ करे, उस्से तरियां थम भी एक दूसरे के कसूर माफ करो|

चान्दने की ऊलाद बणों

5 इस करकै प्यारे बाळका की ढाळ पणमेशर के गैल्या चालो, 2 अर प्रेम म्ह चाल्लो जिसा मसीह नै भी थारे तै प्रेम करया, अर म्हारे खात्तर अपणे आप नै सुखदायक खशबू कै खात्तर पणमेशर कै आगै भेट करकै कुर्बान कर दिया| 3 जिसा पवित्र माणसां कै लायक सै, उसा ऐ थारै म्ह जारि अर किसे ढाळ के अशुद्ध काम या लोभ का जिक्र तैई ना हो; 4 अर ना बेशर्मी, ना मुर्खता की बातचीत करी, ना मजाक की, क्यूँके ये बात शोभा न्ही देंदी, बल्के धन्यवाद ऐ सुण्या जावै| 5 क्यूँके थम या जाणो सों के किसे जार, या अशुध्द माणस, या लोभी माणस की, जो मूर्ति पूजा कै बराबर सै, मसीह अर पणमेशर के राज म्ह पुश्तैनी नीं| 6 कोए थमनै फजूल की बातां तै धोखा ना दे, क्यूँके इन ऐ कै कामां के कारण पणमेशर का छोह हुक्म ना मा णन आळे पे भड़कै सै| 7 इस करकै थम उनके साझीदार ना होवों| 8 क्यूँके थम तो पैहल्या ऐ अन्धेरा थे पर इब प्रभु म्ह चान्दणा सों, अत: चान्दने की ऊलाद की ढाळ चालो 9 (क्यूँके चान्दणे का फळ सारी ढाळ की भलाई, अर धार्मिकता, अर सच सै), 10 अर यो परखो के प्रभु नै के भावै सै| 11 अन्धकार कै कामां म्ह भागीदार ना होवो, बल्के उन पै उल्हाणा द्यो| 12 क्यूँके उनकै गुप्त कामां का जिक्र भी शर्म की बात सै| 13 पर जितणे कामां पे उल्हाणा दिया जावै सै वे सारे चान्दणे तै दिखै सै, क्यूँके जो सारा कीमे दिखावै सै वो चान्दणा सै| 14 इस कारण वो कह्वै सै, "हे सोण आळे, जाग अर मुर्दा म्ह तै जी उठ; तो मसीह का चान्दणा तेरै पै चमकैगाI" 15 इस करकै ध्यान तै देख्यो, के किसी चाल चाल्लों सों: बेअक्लो की तरियां न्ही पर अक्लमंद की तरियां चाल्लों| 16 मौक्के नै घणा कीमती समझों, क्यूँके दिन बुरे सै| 17 इस कारण बेअक्ल ना होवों, पर ध्यान तै समझो के प्रभु की मर्जी के सै| 18 दाखरस तै मतवाले ना बणो, क्यूँके इस तै लुचपन होवै सै, पर आत्मा तै

भरते जाओ, 19 अर आप्पस म्ह भजन अर जयजयकार अर आत्मिक गीत
गाया करो, अर अपणे-अपणे मन म्ह प्रभु के आगै गाते अर कीर्तन करदे रहो|
20 अर सदा सारी बातां कै खात्तर म्हारे प्रभु यीशु मसीह कै नाम तै पणमेशर
पिता का धन्यवाद करते रहो| 21 मसीह कै डर तै एक दूसरे कै अधीन रहो|

धणी अर बीर

22 हे पत्नियों, अपणे-अपणे धणी कै इस ढाळ अधीन रहो जिस ढाळ प्रभु
कै| 23 क्यूँके धणी बीर का सिर सै अर खुद ऐ देही का उध्दार करणीया सै|
24 पर जिसी कलीसिया मसीह कै अधीन सै, उस्से तरियां पत्नियां भी हर
बात म्ह अपणे-अपणे धणी कै अधीन रहै| 25 हे धणियो, अपणी-अपणी बिरां
तै प्रेम राक्खो जिसा मसीह नै भी कलीसिया तै प्रेम करकै अपणे आप नै
उसकै खात्तर दे दिया 26 के उसकै वचन कै जरिये पाणी के नाहण तै शुध्द
करकै पवित्र बणावै, 27 अर उसनै एक तेजस्वी कलीसिया बणाकै अपणे धोरै
खड़ी करै, जिस म्ह ना कलंक, ना झुरी, ना कोए और इसी चीज हो बल्के
पवित्र अर निर्दोष हो| 28 इस तरियां सही सै के धणी अपणी-अपणी बीर तै
अपणी देह कै समान प्रेम राखैI जो अपणी बीर तै प्रेम राखै सैI वो अपणे
आप तै प्रेम राखै सैI 29 क्यूँके किसे नै कदे अपणे देही तै बैर न्ही राख्या
बल्के उसका पालन पोषण करै सै, जिसा मसीह भी कलीसिया कै गैल करै
सै| 30 इस करकै के हम उसकी देह का अंग सै| 31 “इस कारण माणस
अपणे माँ बाप नै छोड़कै अपणी बीर तै मिल्या रह्वैगा, अर वे दोनु एक देही
होंगे|” 32 यो भेद तो बड्डा सै, पर मैं याडै मसीह अर कलीसिया कै बारै म्ह
कहूँ सू| 33 पर थारै म्ह तै हरेक अपणी बीर तै अपणे समान प्रेम राखै, अर
बीर भी अपणे धणी का डर मानै|

माँ बाप अर बाळक

6 हे बाळकों, प्रभु म्ह अपणे माँ बाप के आज्ञाकारी बणो, क्यूँके यो सही
सै| 2 “अपणे माँ बाप का आदर कर (यो पैह्ला हुक्म सै जिसके गैल
प्रण भी सै) 3 के तेरा भला हो, अर तू धरती पै भोत दिन जिन्दा रहवै|” 4 हे
बाळकां आळो, अपणे बाळकां नै रिस ना दुवाओ, पर शिक्षा अर चेतावनी देंदे
होए उनका पालन पोषण करो|

माल्लिक अर नौक्कर

5 हे दासो, जो माणस इस जगत म्ह थारे स्वामी सै, अपणे मन की सीधाई
तै डरदे अर कापते होए, जिसा मसीह का उसा ऐ उनका भी हुक्म मान्नो|
6 माणसां नै राज़ी करण आळा कै समान दिखाण खात्तर सेवा ना करो, पर
मसीह के दासां के समान मन तै पणमेशर की इच्छा पै चाल्लों, 7 अर उस सेवा
नै माणसां की न्ही पर प्रभु की जाण कै सच्चे मन तै करो| 8 क्यूँके थम जाणो
सों के जो कोए जिसा आच्छा काम करैगा, चाहे दास हो चाहे आजाद, प्रभु तै
इसा ऐ पावैगा| 9 हे स्वामियों, थम भी धमकी देणा छोड़कै उनकै गैल उसा ऐ
व्यवहार करो; क्यूँके थम जाणो सों के उनका अर थारा दोनुआ का स्वामी
सुर्ग म्ह सै, अर वो किसे की मेर न्ही करताI

आत्मिक युध्द के हथियार

10 इस करकै प्रभु म्ह अर उसकी शक्ति के असर म्ह ताकतवर बणो|
11 पणमेशर के सारे हथियार बाँध ल्यो के थम शैतान की चालां कै स्याम्ही
खड़े रह सको| 12 क्यूँके म्हारी या कुस्ती लहूँ अर मांस तै न्ही पर प्रधानां तै,
अधिकारियां तै, अर इस जगत के अन्धकार के हकीमां तै अर दुष्टता की
आत्मिक सेनायां तै सै जो अकास म्ह सै| 13 इस करके पणमेशर के सारे
हथियार बाँध ल्यो के थम बुरे दिनां म्ह सामना कर सको, अर सारा कीमे पूरा
करके डटे रह सको| 14 इस करके सच तै अपणी कमर कस के, अर
धार्मिकता की झिलम पैहर के, 15 अर पैरां म्ह मेळ का सुसमाचार की तैयारी
के जूते पैहर कै; 16 अर इन सारा के गैल बिश्वास की ढाळ लेकै डटे रहों जिस
तै थम उस दुष्ट के सारे जळते होए तीरां नै बुझा सको| 17 अर उध्दार का
टोप, अर आत्मा की तलवार, जो पणमेशर का शब्द सै, ले ल्यो| 18 हरेक
बखत अर हरेक ढाळ तै आत्मा म्ह प्रार्थना, अर बिनती करते रहों, अर इसे
खात्तर जागते रहों के सारे पवित्र माणसां खात्तर लगातार बिनती करते रहों,
19 अर मेरै खात्तर भी के मैं बोल्लण कै बखत इसा हावी वचन दिया जावै के
मै हिम्मत कै गैल सुसमाचार का भेद बता सकूँ, 20 जिसकै खात्तर मैं बेल्लां तै
जकड़ा होया राजदूत सू; अर यो भी के मैं जिसके बारे म्ह जिसा मन्नै चाहिए
हिम्मत तै बोल्लू|

आखरी अभिवादन

21 तुखिकुस, जो प्यारा भाई अर प्रभु म्ह बिश्वास लायक सेवक सै, थारे
ताही सारी बात बतावैगा के थम भी मेरी दशा जाणो के मैं कुक्कर रहू सू|
22 उस ताही मन्नै थारै धोरै इस्से खात्तर भेज्या सै के थम म्हारी दशा नै
जाणो, अर वो थारे मनां नै शान्ति दे| 23 पणमेशर पिता अर प्रभु यीशु मसीह
की ओड़ तै भाइयां नै शान्ति अर बिश्वास गैल प्रेम मिलै| 24 जो म्हारै प्रभु
यीशु मसीह तै सच्चा प्रेम राखै सै, उन सारा पे अनुग्रह होंदा रहवै|

फिलिप्पियों

1 यीशु मसीह कै दास पौलुस अर तीमुथियुस की ओड़ तै,सारे पवित्र
माणसा कै नाम जो प्रभु यीशु मसीह म्ह होकै फिलिप्पी म्ह रहवै सै,
अध्यक्षा अर सेवकां समेतI 2 म्हारै पिता पणमेशर अर प्रभु यीशु मसीह की
ओड़ तै थारै ताही अनुग्रह अर शान्ति मिल्दी रहवैI

पौलुस की प्रार्थना अर धन्यवाद

3 मै जब-जब थमनै याद करूं सूं, तब-तब आपणे पणमेशर का धन्यवाद
करूं सूं; 4 अर जिब्ब कदे थारै सारया खात्तर बिनती करूं सूंI 5 इस करकै के
थम पहलै दिन तै लेकै आज तक सुसमाचार फैलान म्ह साझीदार रह्ये सोंI
6 मन्नै इस बात का भरोसा सै के जिसनै थारै म्ह आच्छा काम शुरु करया सै,
ओ ए उसनै यीशु मसीह कै दिन तक पूरा करैगांI 7 सही सै के मै थारै सारया
खात्तर इसा ए विचार करूं, क्यूँके थम मेरै मन म्ह आण बसे सों, अर मेरी
कैद म्ह अर सुसमाचार कै खात्तर उत्तर अर सबूत देण म्ह थम सब मेरै गैल
अनुग्रह म्ह साझीदार सोंI 8 इस म्ह पणमेशर मेरा गवाह सै के मै मसीह यीशु
के तरियां लगावै करकै थारै सारा की लालसा करूं सूंI 9 मै या प्रार्थना करूं
सूं कै थारा प्रेम ज्ञान अर सारी ढाळ के विवेक समेत और भी बड़ता जावै,
10 उरै ताही कै थम आच्छी तै आच्छी बात नै प्रिय जाणो, अर मसीह कै दिन
तक सच्चे बणे रहों, अर ठोक्कर ना खाओ: 11 अर उस धार्मिकता कै फळ तै
जो यीशु मसीह कै जरिये होवै सै, भरपूर होंदे जाओ जिस तै पणमेशर की
महिमा अर बड़ाई होंदी रहवैI

पौलुस की कैद तै सुसमाचार की तरक्की

12 हे भाइयो, मै चाहूँ सूं के थम यो जाण ल्यो के जो मेरै पै बित्या सै, उस्से
सुसमाचार की बढ़ती होई सैI 13 उरै ताही के कैसर के राजभवन की सारी
पलटन अर बाकी सारे माणसा म्ह यो प्रकट हो ग्या सै के मै मसीह कै खात्तर
कैद सूं; 14 अर प्रभु म्ह जो भाई सै, उन्ह म्ह तै घणखरे मेरै कैद होण कै
कारण, हिम्मत बांधकै पणमेशर का वचन बेधडक सुणाण का और भी साहस
करै सैI 15 कई तो डाह अर झगड़ै कै कारण मसीह का प्रचार करै सै अर कुछ
भली इच्छा तैI 16 कई तो या जाणकै के मै सुसमाचार कै खात्तर जवाब देवैण
नै ठहराया ग्या सूं, प्रेम तै प्रचार करै सैI 17 अर कई तो एक सीधाई तै न्ही पर
बिरोध तै मसीह की कथा सुणावै सै, या सोचकै के मेरी कैद म्ह मेरै खात्तर
क्लेश पैदा करैI 18 तो के होया? सिर्फ यो के हर ढाळ तै, चाहे भानै तै चाहे
सच्चाई तै, मसीह की कथा सुणाई जावै सै, अर मै इसतै आनन्दित सूं अर
आनन्दित रहुगां भीI

जिन्दा रहणा मसीही सै

19 क्यूँके मै जाणु सूं के थारी बिनती कै जरिये, अर यीशु मसीह की आत्मा
कै दान कै जरिये, इसका प्रतिफल मेरा उद्धार होगाI 20 मै तो या ए मन तै
लालसा अर आशा रखूँ सूं के मै किसे बात म्ह शर्मसार ना होऊँ, पर जिसै
मेरै प्रबल साहस कै कारण मसीह की बड़ाई मेरी देह कै जरिये सदा होंदी
रहवै सै, उसी ए इब भी हो, चाहे मै जिन्दा रहूँ या मर जाऊँI 21 क्यूँके मेरै
खात्तर जिन्दा रहणा मसीह सै, अर मर जाणा फायदे मन्द सैI 22 पर जै देही
म्ह जिन्दा रहणा ए मेरै काम कै खात्तर फायदेमन्द सै तो मै न्ही जाणदा के
किसनै चुनूँI 23 क्यूँके मै दोनुआ कै बीच अधर म्ह लटका सूं; जी तो करै सै
के कूच करकै मसीह कै धोरै जाया रहूँ, क्यूँके यो घणा ए आच्छा सै, 24 पर
देह म्ह रहणा थारै कारण और भी जरूरी सैI 25 इस करकै के मन्नै इसका
भरोसा सै आखर मै जाणु सूं के मै जिन्दा रहूँगा, बलके सारा कै गेल्या रहूँगा
जिसतै थम बिश्वास म्ह मजबूत होंदे जाओ अर उस म्ह आनन्दित रहों;
26 अर जो घमण्ड थम मेरै बारें म्ह करो सों, वो मेरै फेर थारै धोरै आण तै
मसीह यीशु म्ह घणा बढ़ जावैI 27 सिर्फ इतना करो के थारा चाल चलण
मसीह कै सुसमाचार कै लायक हो के चाहे मै आकै थमनै देखूँ, चाहे ना भी
आऊँ, थारै बारें म्ह यो ए सुणु कै थम एकै ए आत्मा म्ह टिक्के सों, अर एक
मन होकै सुसमाचार कै बिश्वास कै खात्तर मेहनत करदे रहों सों, 28 अर किसे
बात म्ह बिरोधियां तै भय न्ही खांदेI यो उन्ह कै खात्तर विनाश का स्पष्ट
चिन्ह सै, पर थारै खातर उद्धार का अर यो पणमेशर की ओड़ तै सैI 29 क्यूँके
मसीह कै कारण थारै पै या अनुग्रह होया के ना केवल उस पै बिश्वास करो पर
उसकै खातर दुःख भी उठाओ; 30 अर थमनै उसी ए मेहनत करणी सै,
जिसी थमनै मेरै तै करते देख्या सै, अर इब भी सुणो सों के मै उसा ए करूं
सूंI

मसीही की दीनता अर महानता

2 आखर मसीह म्ह कुछ शान्ति, अर प्रेम तै ढाढस, आत्मा की
साझीदारी, अर कुछ करुणा अर दया सै, 2 तो मेरा यो आनन्द पूरा
करो के एक मन रहों, अर एकै ए प्रेम, एकै ए चित्त, अर एकै ए मनसा राखोंI
3 बिरोध अर झूठी बड़ाई कै खात्तर किम्मे ना करो,पर दीनता तै एक दूसरै नै
अपणे तै आच्छा समझोंI 4 हरेक आपणे ए हित की न्ही, बलके दुसरां कै हित
की चिंता करैI 5 जिसा मसीह यीशु का सुभाव था उसा ए तेरा भी सुभाव हो;
6 जिसनै पणमेशर कै रूप म्ह भी होकै भी पणमेशर कै बराबर होण नै आपणे
वश म्ह राक्खण की चीज ना समझाI 7 बलके आपणे आप नै इसा शून्य कर
दिया, अर दास का रूप धारण करया, अर माणस की समानता म्ह हो ग्याI
8 अर माणस कै रूप म्ह प्रकट होकै आपणे आप नै दीन करया, अर याड़ै
तक के मौत, हाँ क्रूस की मौत भी सह लीI 9 इस कारण पणमेशर नै उस
ताही घणा महान् भी करया, अर उसनै वो नाम दिया जो सारे नामां म्ह ऊँचा
सै, 10 के जो सुर्ग म्ह अर धरती पै धरती कै नीचै सै, वे सारी यीशु कै नाम पै
गोड्डे टेक्कै; 11 अर पणमेशर पिता की महिमा के खात्तर हरेक जीभ मान ले के
यीशु मसीह ए प्रभु सैI

दुनिया म्ह चान्दणे की ढाल चमको

12 इस करकै हे मेरै प्रियो, जिस ढाळ थम सदा तै हुक्म मानते आये सों,
उसा ए इब भी ना सिर्फ मेरै गैल रहंदे होए पर खास करकै इब मेरै दूर रहण पै
भी डरते अर कापते होए आपणे-आपणे उद्धार का काम पूरा करते जाओ;
13 क्यूँके पणमेशर ए सै जिसनै आपणी इच्छा अर काम, दोनु बातां का करण
का असर गेरा सैI 14 सारे काम बिना कुडकड़ाए अर बिना विवाद कै करया
करो, 15 ताके थम निर्दोष अर भोळे होकै टेढ़े अर हठीले माणसा कै बीच
पणमेशर कै निष्कंक ऊलाद बणे रहों,जिन्ह कै बीच म्ह थम जीवन का वचन
लिये होए दुनिया म्ह जलते दिवै कै बरोब्बर दिखाई देओ सों 16 कै मसीह के
दिन मन्नै घमण्ड करण का कारण हो के ना मेरी भाज दोड़ ना मेरी मेहनत
करणा बेकार होवैI 17 जै मन्नै थारै बिश्वास रूपी बलिदान अर सेवा कै गेल
आपणा लहू भी बहाना पड़े, तोभी मै आनन्दित सूं अर थारै सारा कै गेल
आनन्द करू सूंI 18 उस्से तरियां थम भी आनन्दित होओ अर मेरै गेल
आनन्द करोI

तीमुथियुस अर इपफ्रुदितुस

19 मन्नै प्रभु यीशु मसीह म्ह आशा सै के मै तीमुथियुस नै थारै धोरै ताव्ळी
सी भेजूगाँ, ताके थारै हालातां नै जाण कै मन्नै शान्ति मिलैI 20 क्यूँके मेरै धोरै
इसा सुभाव का कोए कोणी जो शुध्द मन तै थारी चिंता करैI 21 क्यूँके सारे
आपणे स्वार्थ की खोज म्ह रहवै सै, ना के यीशु मसीह कीI 22 पर उस ताही
तो थमनै परखा सै अर जाण भी लिया के जिसा बेट्टा पिता कै गेल्या रहवै सै,
उसा ए उसनै सुसमाचार कै फैलान म्ह मेरै गैल मेहनत करीI 23 इस करकै
मन्नै आशा सै कै ज्यो ही मन्नै बेरा लाग्गैगाँ के मेरी के दशा होगी, त्यों ही मै
उसनै ताव्ळी सी भेज द्यूंगाँI 24 अर मन्नै प्रभु म्ह भरोसा सै के मै आप भी
ताव्ळा आऊँगाI 25 पर मन्नै इपफ्रुदितुस नै जो मेरा भाई अर सहकर्मी साथी
योध्दा अर थारा दूत, अर जरूरी बातां म्ह मेरी सेवा करण आळा सै, थारै
धोरै भेजणा जरूरी समझाI 26 क्यूँके उसका मन थारै सारया म्ह लाग्या रह्या
था, इस करकै ओ बेचैन रहवै था क्यूँके थमनै उसकी बीमारी का हाल सुण्या
थाI 27 पक्का वो बीमार तो होग्या था उरै ताही ओ मरण पै था पर पणमेशर नै
उस पै दया करी, अर सिर्फ उस्से पै न्ही पर मेरै पै भी करी मन्नै शोक पै शोक
न्हीहोI 28 इस करकै मन्नै उस ताही भेजण का और भी जत्न करया के तू
उसतै फेर मिल कै आनन्दित हो जा अर मेरा भी शोक घट जावैI 29 इस
करकै तू प्रभु म्ह उसतै घणा आनन्द कै गैल मिलये, अर इसा का आद्दर
करया करियेI 30 क्यूँके ओ मसीह कै काम खात्तर आपणी जान जोखिम म्ह
गेरकै मौत कै धोरै आ ग्या था ताके जो कमी थारी ओड़ तै मेरी सेवा म्ह होई
उसनै पूरा करैI

सच्ची धार्मिकता

3 इस करकै हे मेरै भाइयो, प्रभु म्ह आनन्दित रहोंI वो ए बात थारै ताही
बारबार लिखण म्ह मन्नै तो कोए कष्ट नीं होंदा, अर इस्से म्ह थारी
भलाई सै, 2 कुत्यां तै चौकस रहों, उन्ह बुरे काम करण आळा तै चौकस रहों,
उन्ह काट कूट करण आळा तै चौकस रहोI 3 क्यूँके खतना आळे तो हम्मे सां
जो पणमेशर की अगवाई तै उपासना करां सां, अर मसीह यीशु पै घमण्ड
करां सां, अर देही पै भरोसा नीं रखतेI 4 पर मै तो देही पै भरोसा राक्ख सकू
सूंI जै किसे और नै देही पै भरोसा राखण का बिचार हो, तो मै उस तै भी
बढ़कै राक्ख सकू सूंI 5 आठवें दिन मेरा खतना होया,इस्राएल की पीढ़ी अर
बिन्यामीन कै गोत्र का सूं; इब्रनियां का इब्रानी सूं; नियम कै बारें म्ह जै कहो
तो फरीसी सूंI 6 उत्साह कै बारें म्ह जै कहो तो कलीसिया का सतावण
आळा; अर नियम की धार्मिकता कै बारें म्ह जै कहो तो निर्दोष थाI 7 पर जो
बात मेरै लाभ की थी, उन्हें ताही मै मसीह कै कारण नुकसान समझ बेठ्यI
8 बल्के आपणे प्रभु मसीह यीशु की पिच्छाण की उत्तमता कै कारण सारी
बातां नै नुकसान समझु सूंI जिसकै कारण मन्नै सारी चीजां का नुकसान
ठाया, अर उन्ह नै कूड़ा समझु सूंI जिसतै मै मसीह नै पाऊँ 9 अर उस्से म्ह
पाया जाऊँ; ना के आपणी उस धार्मिकता कै गैल, जो नियम तै सै बल्के उस
धार्मिकता कै गैल जो मसीह पै बिश्वास करण कै कारण सै अर पणमेशर की
ओड़ तै बिश्वास करण पै मिलै सै; 10 ताके मै उसनै अर उसकै मृत्युंजय की
सामर्थ्य नै, अर उसकै गैल दुखां म्ह साझीदार होण कै मर्म(मर्ज) नै जाणु,
अर उसकी मौत की बरोब्बरी नै पाऊँ 11 के किसे भी रीति तै मरे होया म्ह तै
जी उठण कै ओध्ये तैई पुहँचुI

निसाणै की ओड़ भाजणा

12 यो मतलब न्हीके मन्नै मिल लिया सै, या सिद्ध हो लिया सूं; उस पदार्थ
नै पकड़ण खात्तर भाज्या जा सूं, जिसकै खात्तर मसीह यीशु नै मेरै ताही
पकड्या थाI 13 हे भाइयो, मेरी भावना या न्हीकै मन्नै पकड़ लिया सै; पर
सिर्फ यो एक काम करूँ सूं के जो बात पाच्छै रह ग्यी उन्नै भूल कै, आगै की
बातां की ओड़ बढ़ता होया, 14 निसाणै की ओड़ भाज्या चला ज्या सूं, ताके
वो ईनाम पाऊँ जिसकै खात्तर पणमेशर नै मेरै ताही मसीह यीशु म्ह ऊप्पर
बुलाया सैI 15 म्हारै म्ह तै जितनै सिद्ध सै, यो ए बिचार राक्खै, अर जै किसे
बात म्ह थारा ए बिचार हो तो पणमेशर उस ताही भी थारै पै प्रकट कर देगाI
16 इस करकै जड़ै तैई हम पुह्चे सां, उस्से कै मुताबिक चालांI 17 हे भाइयो,
थम सारे मिलकै मेरी ढाळ चालों,अर उनकी पिच्छण राक्खो जो इस रीति पै
चालै सै जिसका उदाहरण थम म्हारै म्ह पाओ सों; 18 क्यूँके घणे ए इसी चाल
चालै सै, जिनका जिक्र मन्नै थारै ताही बारबार करया सै, अर इब भी रो-रो कै
कहूँ सूं के वे आपणी चाल चलण तै मसीह कै क्रूस के बैरीI 19 उनका अंत
विनाश सै, उनका परमात्मा पेट सै, वे आपणी शर्म की बातां पै घमण्ड करै सै
अर धरती पै की चिज्रां पै मन लगाई रह सैI 20 पर म्हारा देश सुर्ग पै सै; अर
हम एक उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह के ओड़ै तै आण की बाट देखण लाग रहे
सां 21 वो आपणी शक्ति कै असर कै मुताबिक जिसकै जरिये ओ सारी चिज्रां
नै आपणे वस म्ह कर सकै सै, म्हारी दीन-हिनदेही का रूप बदल कै, आपणी
देही कै अनुकूल बणा देगाI

व्यावहारिक निर्देश

4 इस करकै हे भाइयो,जिन्ह म्ह मेरा जी लगा रहवै सै, जो मेरै आनन्द
अर मुकट हो, हे प्रिय भाइयो, प्रभु म्ह इसी ढाळ टिक्ये रहोंI 2 मै
यूओदिया नै भी समझाऊँ सूं अर सुन्तुखे नै भी, के वे प्रभु म्ह एक मन रहैI
3 हे सच्चे सहकर्मी, मै तेरै तै भी बिनती करूँ सूं के तू उन बिरबानिया की मदद
कर, क्यूँके उन्हनै मेरै गैल सुसमाचार फैलाण म्ह, क्लेमेंस अर मेरै और
सहकर्मियां समेत मेहनत करी, जिनका नाम जीवन की किताब म्ह लिखे होए
सैI 4 प्रभु म्ह सदा आनन्दित रहों; मै फेर कहूँ सूं, आनन्दित रहोंI 5 थारी
कोमलता सारे माणसा पै प्रकट होI प्रभु धोरै सै; 6 किसे भी बात की चिंता ना
करो; पर हरेक बात म्ह थारै निवेदन, प्रार्थना अर बिनती कै जरिये धन्यवाद
कै गैल पणमेशर कै आगै हाजिर करै जावैI 7 फेर पणमेशर की शान्ति, जो
सारी समझ तै परै सै, थारै मन अर बिचारां नै मसीह यीशु म्ह सुरक्षित
राक्खैगीI 8 इस करकै हे भाइयो, जो बात सच सै, जो बात आदरणीय, जो
उचित, पवित्र सुहावनी अर जो-जो बात मनभावनी सै, यानी जो भी सद्गुण
अर प्रशंसा की बात सै उन्नै पै ध्यान लगाया करोI 9 जो बात थमनै मेरै तै
सीखी, अर पायी सै, उन्नै नै मान्या करों, फेर जो पणमेशर शान्ति का सोता
सै थारै गैल रह्वैगाI

दान कै खात्तर धन्यवाद

10 मै प्रभु मै घणा आनन्दित सूं के जिब्ब इतने दिनां कै पाच्छै थारी चिंता
मेरै बारें म्ह फेर जागी सै; पक्का थारै शुरुआत म्ह भी इसका बिचार था, पर
थमनै अवसर न्ही मिलाI 11 यो न्ही के मै आपणी कमी कै कारण यो कहूँ सूं;
क्यूँके मन्नै यो सिख्या सै के जिस दशा म्ह मै सूं; उस्से म्ह सब्र करूँI 12 मै
दीन होणा भी जाणु सूं अर बढ़ना भी जाणु सूं; हरेक बात अर सारे हालात्तां
म्ह मन्नै तृप्त होणा, भूखा रहणा, अर बढ़ना घटना सिख्या सैI 13 जो मन्नै
सामर्थ्य देवै सै उस म्ह मै सारा किम्मे कर सकू सूंI 14 तो भी थमनै भला
करया के मेरै क्लेश म्ह मेरे साझीदार होएI 15 हे फिलिप्पियो, थम आप भी
जाणो सों के सुसमाचार कै शुरुआत म्ह, जिब्ब मै मकिदुनिया तै विदा होया,
जब मन्नै छोड़ किस्से मण्डली नै लेण देण कै बारें म्ह मेरी मदद न्हीकरीI
16 इसे ढाळ जिब्ब मै थिस्सलुनीके म्ह था, फेर भी थमनै मेरी कमी दूर करण
खात्तर एक बार न्ही बल्के दो बार किमे भेज्या थाI 17 यो न्ही के मै दान चाहूँ
सूं पर मै इसा फळ चाहूँ सूं जो थारै फायदै खात्तर बढ़ता जावैI 18 मेरै धोरै
सारा किम्मे सै, बल्के भोत घणा ए सै; जो चीज थमनै इपफ्रुदितुस कै हाथ तै
भेजी थी उन्नै पाकै मै तृप्त हो ग्या सूं, ओ तो सुख देणआळी महक, पाण
लायक कुर्बानी सै, जो पणमेशर नै भावै सैI 19 मेरा पणमेशर जो भी उस धन
कै मुताबिक जो बड़ाई समेत मसीह यीशु म्ह सै, थारी हरेक घटी नै पूरी
करेगाI 20 म्हारै पणमेशर अर पिता की बड़ाई युगायुग होंदी रहवैI आमीनI

आखरी नमस्कार

21 हरेक पवित्र माणस नै, जो यीशु मसीह म्ह सै नमस्कार कहोI जो भाई
मेरै गैल सै थारै ताही नमस्कार कह्वै सैI 22 सारे पवित्र माणस, खास करकै
जो कैसर के घराणै तै सै, थारै ताही नमस्कार कह्वै सैI 23 म्हारै यीशु मसीह
का अनुग्रह थारी आत्मा कै गैल रहवैI

कुलुस्सियों

अभिवादन

1 पौलुस की ओड़ तै, जो पणमेशर की मर्जी तै मसीह यीशु का प्रेरित
सै, अर भाई तीमुथियुस की ओड़ तै सै, 2 मसीह म्ह उन पवित्र अर
बिश्वासी भाईयां के नाम जो कुलुस्से म्ह रहवै सै: म्हारे पिता पणमेशर की
ओड़ तै थारे ताही अनुग्रह अर शान्ति मिलती रहवैI

धन्यवाद की प्रार्थना

3 हम थारै खात्तर रोज बिनती करके अपणे प्रभु यीशु के पिता यानी
पणमेशर का धन्यवाद करां सां, 4 क्यूँके हमनै सुण्या सै के यीशु मसीह पै
थारा बिश्वास सै, अर सारे पवित्र माणसां तै थम प्रेम राखों सों; 5 उस आस
करी होई चीज के कारण जो थारे खात्तर सुर्ग म्ह धर राख्खी सै, जिसका
वर्णन थमनै उस सुसमाचार के सचे वचन म्ह सुण राख्या सै, 6 जो थारै धोरै
पुहच्या सै, अर जिसा दुनिया म्ह भी फळ लावै सै, अर बढ़ता जावै सै, उसे
तरियां जिस दिन तै थमनै उस ताही सुण्या अर सचाई तै पणमेशर का
अनुग्रह पिच्छाणा सै, थारै म्ह भी इसा ए करै सैI 7 उस्से की शिक्षा थमनै
म्हारे गैल काम करणीये प्यारे इपफ्रास तै पाई, जो म्हारे खात्तर मसीह का
बिश्वास लायक दास सैI 8 उस्से नै थारे प्रेम ताही जो आत्मा म्ह सै म्हारै म्ह
दिखायाI 9 इस करकै जिस दिन तै यो सुण्या सै, हम भी थारे खात्तर या
प्रार्थना अर विनती करना न्ही छोड़ते के थम सारे आत्मिक ज्ञान अर समझ
गैल पणमेशर की मर्जी म्ह पुरे भर जाओI 10 ताके थारा चाल चलन प्रभु कै
लायक हो, अर वो सारी ढाळ तै राज़ी हो, अर थारे म्ह हरेक ढाळ के भले
कामां का फळ लाग्गै, अर थम पणमेशर की पिच्छाण म्ह बढ़ते जाओ,
11 उसकी महिमा की शक्ति कै मुताबिक सारी ढाळ की सामर्थ्य तै ताकतवर
होंदे जाओ, उरै ताही के खुशी कै गैल हरेक ढाळ तै थावस अर सहन की
शक्ति दिखा सको, 12 अर पिता का धन्यवाद करते रहो, जिसणै म्हारै ताही
इस लायक बनाया के (आत्मिक) ज्योति म्ह पवित्र माणसां कै गैल वसीहत
म्ह साझीदार होI 13 उस्से नै म्हारै ताही अन्धकार के वश तै छुड़ा कै अपणे
प्यारे बेट्टें कै राज म्ह दाखिल कराया, 14 जिस म्ह हमनै छुटकारा यानी पापां
की माफी मिलै सैI

मसीही की श्रेष्ठता अर उसके काम

15 वो तो ना दिखण आळे पणमेशर का रूप अर सारी सृष्टी म्ह जेठा सैI
16 क्यूँके उस्से म्ह सारी चीजां की सृष्टी होई, सुर्ग की हो या धरती की, देखी
या अनदेखी, के राजगद्दी/सिंहासन, के प्रभुताएँ, के प्रधानतांएँ, के अधिकार,
सारी चीज उस्से कै जरिये अर उस्से खात्तर सजाई गई सैI 17 वो ए सारी
चीजां म्ह पैहला सै, अर सारी चीज उस्से म्ह डटी रहवै सैI 18 वो देह, यानी
कलीसिया का सिर सै; वो ए शुरुआत सै, अर मरे होया म्ह तै जी उठण
आळा म्ह जेठा, के सारी बातां म्ह वो ए प्रधान बणैI 19 क्यूँके पिता की खुशी
इस्से म्ह सै के उस म्ह सारी भरपूरी वास करै, 20 अर उसके क्रूस पै बहे होए
लहू कै जरिये मेल मिलाप करकै, सारी चीजां का उस्से कै जरिये अपणे गैल
मेल कर ले, चाहे वो धरती की हों चाहे सुर्ग कीI 21 थम जो पैहल्ये लिकड़े
होए थे अर बुरे कामां कै कारण मन तै बैरी थे; 22 उसनै इब उसकी शारीरिक
देह म्ह मृत्यु कै जरिये थारा भी मेल कर लिया ताके थमनै अपणे आगै पवित्र
अर बिना कलंक अर बेकसूर बणा कै खड्या करैI 23 जै थम बिश्वास की नीम
पै मजबूत बनै रहों अर उस सुसमाचार की आस नै जिस ताही थमनै सुण्या
सै ना छोड़ो, जिसका प्रचार अकास के तळै की सारी सृष्टी म्ह करया गया सै,
उसका मै, पौलुस, दास बण्याI

कलीसिया का सेवक -पौलुस

24 इब मै उन दुखां कै कारण मौज करूं सूं, जो थारै खात्तर उठाऊँ सूं अर
मसीह के क्लेश की कमी उसकी देह कै खात्तर, यानी कलीसिया कै खात्तर,
अपणे गात म्ह पूरी करूं सूं; 25 जिसका मै पणमेशर के उस प्रबन्ध कै
मुताबिक दास बणा जो थारै खात्तर मेरे ताही सौप्या गया, ताके मै पणमेशर
के वचन नै पूरा-पूरा प्रचार करूंI 26 यानी उस राज नै जो बखत अर पीढ़ियां
तै गुप्त रह्या, पर इब उसके उन पवित्र माणसां पै दिख्या सैI 27 जिन पै
पणमेशर नै दिखाणा चाह्या के उन्नै बेरा हो के गैरजातां म्ह उस राज की
महिमा का मोल के सै, अर वो यो सै कै मसीह जो महिमा की आस सै थारे
म्ह रहवै सैI 28 जिसका प्रचार करके हम हरेक आदमी नै चेतावनी देवा सां
अर सारे ज्ञान तै हरेक आदमी नै सिखावा सां, के हम हरेक आदमी नै मसीह
म्ह सिध्द करके खड्या करांI 29 इस्से कै खात्तर मै उसकी उस शक्ति के
मुताबिक जो मेरे म्ह सामर्थ्य कै गैल असर गेरै सै, तन मन लगा के मेहनत भी
करूं सूंI

2 मै चाहूँ सू के थम जाण ल्यो के थारे अर उनकै खात्तर जो लौंदीकिया
म्ह सै अर उन सारया खात्तर जिन्नै मेरा शारीरिक मुँह नीं देख्या, मै
किसी मेहनत करूं सू, 2 ताके उनकै मनां म्ह शान्ति हो अर प्रेम तै वे आप्पस
म्ह जुड़े रहवै, अर वे पूरी समझ का सारा धन लेले, अर पणमेशर पिता के
सारे भेद नै यानी मसीह नै पिच्छाण लेI 3 जिस म्ह बुध्दि अर ज्ञान के सारे
भण्डार छिपे होए सैI 4 यो मै इस करके कहूँ सू के कोए आदमी थमनै लोभ
देण आळी बातां तै धोखा ना देI 5 फेर भी मै गात म्ह थारै तै दूर सू, तौभी
आत्मा म्ह थारै धोरै सू, अर थारे व्यवस्थित जीवन नै अर थारे बिश्वास की,
जो मसीह म्ह सै, मजबूती देखके राज़ी होऊँ सूI

मसीही म्ह जीवन की भरपूरी

6 आखर जिस तरियां थमनै मसीह यीशु ताही प्रभु करकै मान लिया सै,
उस्से तरियां उस्से म्ह चाल्दे रहो, 7 अर उस्से म्ह जड़ पकड़ते अर बढ़ते
जाओ; अर जिसे थम सिखाए गये उस तरियां बिश्वास म्ह मजबूत होंदे जाओ,
अर ज्यादा तै ज्यादा धन्यवाद करते रहोI 8 चौकस रहो के कोए थमनै उस
तत्व ज्ञान अर बेकार के धोखे कै जरिये अपणा निवाळा ना बणा ले, जो
माणसां की रिवाज अर दुनिया की आदि शिक्षा के मुताबिक तो सै, पर मसीह
के मुताबिक कोनीI 9 क्यूँके उस म्ह परमात्मा होण की सारी भरपूरी सदा
वास करै सै, 10 अर थम उस्से म्ह भरपूर होगे सों जो सारी प्रधानता अर हक्क
का शिरोमणि सैI 11 उस्से म्ह थारा इसा खतना होया सै जो हाथ तै न्ही
होंदा, यानी मसीह का खतना, जिस तै शरीरिक देह उतार दी जावै सै,
12 अर उस्से कै गैल बपतिस्म म्ह गाड्डे ग्ये अर उस्से म्ह पणमेशर की
सामर्थ्य पै बिश्वास करकै, जिसनै उस ताही मरे होया म्ह तै जिवाया, उसकै
गैल जी उठ्ठेI 13 उसणै थारे ताही भी, जो अपणे कसूरा अर अपणी देही की
खतनारहित दशा म्ह मुर्दा थे, उसकै गैल जिवाया, अर म्हारे सारे कसूर माफ
करे, 14 अर विधियां का वो लेख जो म्हारे नाम पै अर म्हारे बिरोध म्ह था
मिटा दिया, अर उस ताही क्रूस पै कील्ला तै जकड़ कै आगै तै हटा दियाI
15 अर उसणै प्रधान्ता अर अधिकारां ताही ऊपर तै उतार कै उनका
खुल्लमखुल्ला तमाशा बणाया अर क्रूस के जरिये उन पै जयजयकार की अवाज

सुणाईI 16 इस करकै खाण पीण या त्यौहार, नये चाँद अर सब्त कै बारें म्ह
थारा कोए फैसला ना करैI 17 क्यूँके ये सारी आण आळी बातां की छाया सै,
पर मूल चीज मसीह की सैI 18 कोए आदमी आत्म हीनता अर सुर्ग दूतां की
पूजा करा कै थारै ताही दौड़ के ईनाम तै (वंचित) राख ना देI इसा आदमी
देखी होड़ बातां म्ह लाग्या रहवै सै अर आपणी शरीरिक समझ पै बेकार फुल्लै
सै, 19 अर उस शिरोमणि नै पकड़े न्ही रह्न्दा जिस तै सारी देही जोड़ा अर
पट्टा के जरिये पालन पोषण पा कै अर एक सुधा गठ कै, पणमेशर की ओड़ तै
बढ़ती जावै सैI

मसीही कै गेल मरना अर जीना

20 जिब्ब के थम मसीह के गैल दुनिया की पुराणी शिक्षा की ओड़ तै मर ग्ये
सों, तो फेर क्यूँ उनकी तरियां जो दुनिया के सै जीवन बिताओ सों? थम
इसी विधियां की के बस म्ह क्यूँ रहो सों 21 के 'इसकै ना भीड़ये,' 'उस ताही
ना खाकै देखिये,' अर उसकै हाथ ना लगाइये'? 22 (ये सारी चीज काम म्ह
लांदे-लांदे नाश हो जावैगी) क्यूँके ये माणस के हुक्म अर शिक्षा कै मुताबिक
सैI 23 इन विधियां म्ह अपणी मर्जी कै मुताबिक गढ़ी होई भक्ति की रीत, अर
आत्मा हीनता, अर शारीरिक योगाभ्यास के भाव तै ज्ञान का नाम तो सै, पर
शारीरिक लालसां नै रोकण म्ह इन तै किम्मे भी फायदा न्ही होंदाI

3 आखर जिब्ब थम मसीह कै गैल जिवाए गये, तो सुर्गीय चीजां की
खोज म्ह रहों, जड़ै मसीह विधमान सै अर पणमेशर की सोळी ओड़
बैठ्या सैI 2 धरती पै की न्ही पर सुर्गीय चीजां पै ध्यान लगाओ, 3 क्यूँके थम
तो मर लिये अर थारा जीवन मसीह कै गैल पणमेशर म्ह छिपा होया सैI
4 जिब्ब मसीह जो म्हारा जीवन सै, दिख्यैगा, फेर थम भी उसकै गैल महिमा
सहित दिखोगेI

पुराणा जीवन अर नया जीवन

5 इस करकै अपणे उन अंगा नै मार गेरों जो धरती पै सै, यानी जारी,
अशुद्धता, दुष्कामना, बुरी लालसा अर लोभ नै जो मूर्ति पूजा कै बराबर सैI
6 इन्नै कै कारण पणमेशर का प्रकोप हुक्म ना मानणआळा पै पड़ै सैI 7 अर
थम भी, जिब्ब इन बुराईयां म्ह जीवन बिताओ थे तो इन्नै कै मुताबिक चाल्लों
थेI 8 पर इब थम भी इन सारया नै, यानी छोह रोष, बैर भाव,चुगली अर मुँह
तै गाली बकना ये सारी बात छोड़ द्योI 9 एक दूसरे तै झूठ ना बोल्लो, क्यूँके
थमनै पुराने माणसपण नै उसकै कामां समेत उतार दिया सै 10 अर नये
माणसपण नै पैहर लिया सै, जो अपणे रचण आळे कै रूप कै मुताबिक ज्ञान
पाण कै खात्तर नया बणन्दा जावै सैI 11 उन्ह म्ह ना तो यूनानी रह्या ना
यहूदी, ना खतना ना खातनारहित,ना जंगली,ना स्कुती,ना दास अर ना
आजाद: सिर्फ मसीह सब कीमे अर सब म्ह सैI 12 इस करकै पणमेशर के
छाट्टे होडा के समान जो पवित्र अर प्यारे सै, बड़ी करुणा, अर भलाई, अर
दीनता, अर नम्रता, अर सहनशीलता धारण करो, 13 अर जै किसे नै किसे पै
दोष देण का कोए कारण हो, तो एक दुसरै की सह ल्यो अर एक दुसरै के
कसूर माफ करो; जिसे प्रभु नै थारे कसूर माफ करे, उस्से तरियां थम भी
करोI 14 इन सारा कै ऊप्पर प्रेम का जो सिद्धता का कटिबन्ध सै बांध ल्योI
15 मसीह की शान्ति जिसकै खात्तर थम एक देह हो कै बुलाये भी ग्ये सों,
थारै मन म्ह वास करै; अर थम धन्यवादी बणे रहोI 16 मसीह कै वचन नै
अपणे मन म्ह (अधिकाई) आच्छी दाह्म तै बसण द्यो, अर सिद्ध ज्ञानसुधा एक
दुसरै नै सिखाओ अर समझाओ, अर अपणे-अपणे मन म्ह अनुग्रह कै गैल
पणमेशर कै खात्तर भजन अर स्तुतिगान अर आत्मिक गीत गाओI 17 वचन
म्ह या काम म्ह जो किम्मे भी करो, सारा प्रभु यीशु मसीह कै नाम तै करो,
अर उसकै जरिये पणमेशर पिता का धन्यवाद करोI 18 हे पत्नियों, जिसा प्रभु
म्ह सही सै, उसा ऐ अपणे-अपणे धणी कै अधीन रहोI

नये जीवन के पारिवारिक नियम

19 हे धणीयो, अपणी-अपणी पत्नी तै प्रेम राक्खो, अर उन तै कठोरता ना
करोI 20 हे बाळकों, सारी बातां म्ह अपणे-अपणे माँ बाप के हुक्म नै मान्नो,
क्यूँके प्रभु इसतै खुश हो सैI 21 हे बाळकां आळो, अपणे बाळकां नै तंग ना
करो, ना होके उन्हकी हिम्मत टूट जावैI 22 हे सेवको, जो देही के मुताबिक
थारे माल्लिक सै, सारी बातां म्ह उन्हके हुक्म का पालन करो, माणसां नै
राज़ी करण आळा कै समान दिखाण कै खात्तर न्ही , पर मन की सीधाई अर
पणमेशर कै डर तैI 23 जो किम्मे थम करो सों, तन मन तै करो, या समझ कै
के माणसां कै खात्तर न्ही पर प्रभु कै खात्तर करो सों; 24 क्यूँके थम जाणो सों
के थमनै इसकै बदलै प्रभु तै वसीहत मिलैगी; थम प्रभु मसीह की सेवा करो
सोंI 25 क्यूँके जो बुरा करै सै ओ अपणी बुराई का फळ पावैगा, ओड़ै किस्से
का पक्षपात कोन्याI

4 हे मालिकों, अपणे-अपणे नौक्करां कै गैल न्याय अर ठीक ठाक बरताव
करो, या समझ कै के सुर्ग म्ह थारा भी एक माल्लिक सैI

कई व्यावहारिक सलाह

2 प्रार्थना म्ह लाग्गे रहो, अर धन्यवाद कै गैल उस म्ह जागते रहो; 3 अर
उसकै गैल ए गैल म्हारे खात्तर भी प्रार्थना करते रहो के पणमेशर म्हारै खात्तर
वचन सुणान का इसा द्वार खोल दे, के हम मसीह कै उस भेद का वर्णन कर
सकै जिसकै कारण म्ह कैद म्ह सू, 4 अर उसनै इसा दिखाऊँ, जिसा मन्नै
करना सही सैI 5 मौक्के नै कीमती समझ कै बाहर आळा कै गैल अक्लमंदी तै
बरताव करोI 6 थारा वचन सदा अनुग्रह समेत सलोना हो थमनै हरेक माणस
ताही बढ़िया ढाळ तै जवाब देणा आ जावैI

आखरी अभिवादन

7 प्यारे भाई अर बिश्वास लायक दास तुखिकुस, जो प्रभु म्ह मेरै गैल काम
करणीया सै, मेरी सारी बात तन्नै बता देगाI 8 उस ताही मन्नै इस खात्तर थारै
धोरै भेज्झा के थमनै म्हारे हाल का बेरा पाट जावै अर थारै मन नै शान्ति देI
9 उसकै गैल मन्नै उनेसिमुस ताही भी भेज्झा सै जो बिश्वास लायक अर प्रिय
भाई अर थारै म्ह तै सै; ये थमनै याड़ै की सारी बात बता देंगेI
10 अरिस्तर्खुस, जो मेरै गैल कैदी सै, अर मरकुस जो बरनबास का भाई लागै
सै (जिसकै बारें म्ह थमनै हुक्म मिल्या सै के जै वो थारै धोरै आवै, तो उसतै
आच्छी ढाळ बरताव करिये), 11 अर यीशु जो यूस्तुस कुह्नावै सै, थारै ताही
नमस्कार कह्नै सैI खतना करे होया माणसां म्ह तै सिर्फ यो ए पणमेशर कै
राज्य कै खात्तर मेरै गैल काम करणीया अर मेरी शान्ति का कारण रह्या सैI
12 इपफ्रास, जो थारै म्ह तै सै अर मसीह यीशु का दास सै, थारै तै नमस्कार
कह्नै सै अर सदा थारै खात्तर बिनतीयां म्ह कोशिश करै सै, ताके थम सिद्ध
हो कै पुरे बिश्वास कै गैल पणमेशर की मर्जी पै टिक्ये रहोंI 13 मै उसका गवाह
सू कै वो थारै खात्तर अर लौदीकिया, हियरपुलिस आळा कै खात्तर बड़ी
मेहनत करता रह्नै सैI 14 प्रिय वैद लूका अर देमास का थारै ताही नमस्कारI
15 लौदीकिया के भाईयाँ नै, अर नुमफास अर उन्हकै घर की कलीसिया नै
नमस्कार कहियेI 16 जिब्ब या चिट्ठी थम पढ़ ल्यो तो इसा करयो के
लौदीकिया की कलीसिया म्ह भी या पढ़ी जावै, अर वा चिट्ठी जो लौदीकिया
तै आवै उसनै थम भी पढ़ईयोI 17 अर अर्खिप्पुस तै कहिये के जो सेवा प्रभु
म्ह तेरै ताही सौप्पी ग्यी सै, उस ताही ध्यान लगाकै पूरी करयेI 18 मै
(पौलुस) का आपणे हाथ तै लिख्योड़ा नमस्कारI मेरी बेड़िया नै याद
राखियोI थारे पै अनुग्रह होंदा रहवैI आमीनI

1 थिस्सलुनीकियों

अभिवादन

1 पौलुस अर सिलवानुस अर तीमुथियुस की ओड़ तै थिस्सलुनिकियां
की कलीसिया कै नाम जो पणमेशर पिता अर प्रभु यीशु मसीह म्ह सै|
अनुग्रह अर शान्ति थारै ताहीं मिल्दी रहवै|

थिस्स्लुनिकीयां का बिश्वास

2 हम आपणी प्रार्थनायां म्ह थारै ताहीं याद करदे अर सारी हाण थम
सारया कै बारै म्ह पणमेशर का धन्यवाद करां सां| 3 अर अपणे पणमेशर अर
पिता कै श्यामी थारै बिश्वास के काम, अर प्रेम की मेहनत, अर म्हारै प्रभु यीशु
मसीह म्ह आस की धीरता ताहीं सारी हाण याद करां सां| 4 अर हे भाईयो,
पणमेशर के प्यारे माणसो हमनै बेरा सै, के थम छांटे होड़ सो| 5 क्यूँके म्हारा
सुसमाचार थारै धोरै ना सिर्फ बचन मात्र ए म्ह बल्के सामर्थ्य अर पवित्र
आत्मा, अर बड्डे पक्के बिश्वास कै गेल पहोच्या सै; जिसा थमनै बेरा सै, के हम
थारै खातर थारै म्ह किस ढाळ बण गे थे| 6 अर थम बड्डे क्लेश म्ह पवित्र
आत्मा कै आनन्द कै गेल्या बचन ताहीं मानकै म्हारी ओड़ प्रभु जीसी चाल
चाल्लण लाग्गे| 7 उरै ताहीं के मकिदुनिया अर अखया के सारे बिश्वासीयां कै
खातर थम बढ़िया मिसाल बणै| 8 क्यूँके थारै उरै तै ना सिर्फ मकिदुनिया
अर अखया म्ह प्रभु का बचन सुणाया गया, पर थारै बिश्वास की जो पणमेशर
पै सै, हरेक जंगहा इसा जिक्रा फैल गया सै, के हमनै कहण की जरूत ए
कोनी| 9 क्यूँके वे आप ए म्हारै बारै म्ह बतावैं सैं के थारै धोरै म्हारा आणा
किस ढाळ होया; अर थम किस ढाळ मूर्तियाँ तै पणमेशर कै कान्नी पलटे
ताके जिन्दे अर साच्चे पणमेशर की सेवा करो| 10 अर उसके बेट्टे के सुर्ग पै तै
आण की बाट देख्दे रहो जिस ताहीं उसनै मरे होयां म्ह तै जिन्दा करया,
अर्थात् यीशु की, जो म्हारै ताहीं आण आळे प्रकोप तै बचावै सै|

2 हे भाईयो, थमनै आप ए बेरा सै के म्हारा थारै धोरै आणा बेकार कोनी
होया, 2 बल्के थमनै आप ए बेरा सै के पहल्या फिलिप्पी म्ह दुःख ठाण
अर रोळे सहण पै भी म्हारै पणमेशर नै म्हारै तै इसी हिम्मत देई, के हम
पणमेशर का सुसमाचार भारया बीरोधां कै होंदे होए भी थमनै सुणावां|
3 क्यूँके म्हारा उपदेश ना भ्रम तै सै अर ना अशुद्धता तै, अर ना छळ कै गेल
सै; 4 पर जिसा पणमेशर नै म्हारै ताहीं लायक ठहराकै सुसमाचार सौंप्या,
हम उसा ए बयान करां सां, अर इस म्ह माणसां नै नीं, पर पणमेशर ताहीं जो
म्हारै मनां नै जाँचै सै, राज़ी करां सां| 5 क्यूँके थमनै बेरा सै के हम ना तो
कदे चापलूसी की बात करां थे, अर ना लोभ कै खातर बहाना करां थे,
पणमेशर गवाह सै; 6 अर हालांकि हम मसीह के प्रेरित होण कै कारण थारै पै
बोझ गेर सकां थे, तौभी हम माणसां तै आद्दर कोनी चाहवां थे, अर ना थारै
तै, ना और किसे तै| 7 पर जिस तरियां माँ अपणे बाळकां का पालण-पोषण
करै सै, उसे तरियां ए हमनै भी थारै बिच्चाळै रहकै कोमलता दिखाई सै; 8 अर
उसे तरियां ए हम थारी चाहनां करदे होए, ना सिर्फ पणमेशर का सुसमाचार,
पर आपणा-आपणा प्राण भी थारै ताहीं देण नै त्यार थे, ज्यांतै के थम म्हारे
प्यारे हो गये थे|
9 क्यूँके, हे भाईयो, थम म्हारी मेहनत अर दर्द नै याद राक्खो सो; हमनै
ज्यांतै दिन-रात काम धन्धा करदे होए थारै म्ह पणमेशर का सुसमाचार
प्रचार करया के थारै म्ह तै किसे पै बोझ ना होवै| 10 थम आप ए गवाह सो,
अर पणमेशर भी गवाह सै के थम बिश्वासीयां कै बिच्चाळै म्हारा बीवार किसा
पवित्र अर धार्मिक अर बेकसूर रऐ| 11 थमनै बेरा सै के जिसा पिता अपणे
बाळकां कै गेल्या बीवार करै सै, उसा तरियां ए हम भी थारै म्ह तै हरेक ताहीं
उपदेश करदे, अर शान्ति देन्दे, अर समझावां थे 12 के थारा चाल-चलण
पणमेशर कै जोग्गा हो, जो थमनै अपणे राज्य अर महिमा म्ह बुलावै सै|
13 ज्यांतै हम भी पणमेशर का धन्यवाद सारी हाण करां सां के जिब्ब म्हारै
जरिये पणमेशर के सुसमाचार का बचन थारै धोरै पहोच्या, तो थम नै उस
ताहीं माणसां का नीं पर पणमेशर का बचन समझकै (अर साच ए इसा सै)
अपणाया; अर ओ थम बिश्वासीयां म्ह जो बिश्वास राक्खो सो, असरदार सै|
14 ज्यांतै थम, हे भाईयो, पणमेशर नै उन कलसियायां कै जीसी चाल चाल्लण
लाग्गे जो यहूदिया म्ह मसीह यीशु म्ह सैं, क्यूँके थमनै भी अपणे माणसां तै
उसा ए दुःख पाया जिसा उन्नै यहूदियां तै पाया था, 15 जिन्नै प्रभु यीशु ताहीं
अर नब्बियाँ ताहीं मार दिया अर म्हारै ताहीं भी सताया, अर पणमेशर उन तै
राज़ी कोनी, अर वे सारे माणसां का बिरोध करैं सैं, 16 अर वे गैर-जात्तां म्ह
उनकै उद्धार कै खातर बात करण तै हमनै रोकैं सैं के वे सारी हाण अपणे
पापां का नपुआ भरदे रह्वैं; पर उन पै पणमेशर का भयानक प्रकोप आण
पहोच्या सै|

कलीसिया तै फेट्ण की अभिलाषा

17 हे भाईयो, जिब्ब हम माड़ी वार कै खातर, मन म्ह नीं बल्के सई म्ह,
थारै तै न्यारे हो गे थे, तो हमनै घणी चाहना कै गेल्या थारा मुँह देखण कै
खातर और भी घणी कोशिश करी| 18 ज्यांतै हमनै (यानिके मुझ पौलुस नै)
एक बर नीं बल्के दो बर थारै धोरै आणा चाहया, पर शैतान हमनै रोक्के
रहया| 19 भला म्हारी उम्मींद या आनन्द या बड़ाई का मुकुट के सै? के म्हारै
प्रभु यीशु कै श्यामी उसकै आण का बख्त थम ए नीं होगे? 20 म्हारी बड़ाई
अर आनन्द थमे सो|

तीमुथियुस का खन्दाया जाणा

3 ज्यांतै जिब्ब म्हारै तै और ना रहया गया, तो हमनै यो ठहराया के
एथेन्स म्ह ऐकले रह जावां| 2 अर हमनै तीमुथियुस ताहीं जो मसीह
कै सुसमाचार म्ह म्हारा भाई, अर पणमेशर का सेवक सै, इसकरकै खन्दाया,
के ओ थमनै स्थिर करै; अर थारै बिश्वास कै बारै म्ह थमनै समझावै| 3 के
कोए इन क्लेशां कै कारण डगमगा नीं जावै; क्यूँके थम आप जाणो सो, के
हम इन ए कै खातर ठहराए गये सां| 4 क्यूँके पहल्या भी, जिब्ब हम थारै उरै
थे, तो थारै तै कहया करां थे, के हमनै क्लेश उठाणे पड़ैगें, अर इसा ए होया
सै, अर थम जाणो भी सो| 5 इस कारण जिब्ब मेरै तै और ना रहया गया, तो
थारै बिश्वास का हाल जानण कै खातर खन्दाया, के कद्दे इसा ना होवै, के
परीक्षा करण आळे नै थारी परीक्षा करी हो, अर म्हारी मेहनत बेकार हो गयी
हो|

तीमुथियुस द्वारा समाचार मिलणा

6 पर इब्बे तीमुथियुस नै जो थारै धोरै तै म्हारै उरै आकै थारै बिश्वास अर
प्रेम का सुसमाचार सुणाया अर इस बात ताहीं भी सुणाया, के थम सारी हाण
प्रेम कै गेल्या म्हारै ताहीं याद करो सो, अर म्हारै देखण की चाहना राक्खो
सो, जिसा हम भी थमनै देखण की| 7 ज्यांतै हे भाईयो, हमनै आपणी सारे
दुःख अर क्लेश म्ह थारै बिश्वास तै थारै बारै म्ह शान्ति पाई| 8 क्यूँके इब जै
थम प्रभु म्ह पक्के रहो तो हम जिन्दे सां| 9 अर जिसा आनन्द हमनै थारै
कारण अपणे पणमेशर कै श्यामी सै, उसकै बदलै थारै बारै म्ह हम किस

तरियां तै पणमेशर का धन्यवाद करां? 10 हम दिन-रात घणी ए प्रार्थना करदे
रहवां सां, के थारा मुँह देक्खां, अर थारै बिश्वास की कमी पूरी करां|
11 इब म्हारा पणमेशर अर पिता आप ए अर म्हारा प्रभु यीशु, थारै उरै
आण कै खातर म्हारी अगुवाई करै| 12 अर प्रभु इसा करै, के जिसा हम थारै
तै प्रेम राक्खां सां; उस्से तरियां ए थारा प्रेम भी आपस म्ह, अर सारे माणसां
कै गेल्या बधै, अर बढोत्तरी करदा जावै| 13 ताके ओ थारे मनां नै इसा स्थिर
करै के जिब म्हारा प्रभु यीशु अपणे सारे पवित्र लोगां कै गेल आवै, तो वे म्हारे
पणमेशर अर पिता कै श्यामी पवित्रता म्ह बेकसूर ठहरैं|

जीवन जो पणमेशर ताहीं राज़ी करो

4 ज्यांतै हे भाईयो, हम थारै तै बिनती करां सां अर थारै तै प्रभु यीशु म्ह
समझावां सां के जिसा थम नै म्हारै तै लायक चाल चालणा अर
पणमेशर ताहीं राज़ी करणा सिख्या सै, अर जिसा थम चाल्लो भी सो, उस्से
तरियां ए और भी बधदे जाओ| 2 क्यूँके थमनै बेरा सै के हमनै प्रभु यीशु की
ओड़ तै थारै ताहीं कौण-कौण सी आज्ञा पहोचाई| 3 क्यूँके पणमेशर की मर्जी
या सै के थम पवित्र बणो: यानिके जारी तै बचे रहो, 4 अर थारै म्ह तै हरेक
पवित्रता अर आद्दर कै गेल्या आपणी बीरबान्नी नै पाणा जाणै, 5 अर यो काम
अभिलाषा तै नीं, अर ना उन जात्तां कै तरियां, जो पणमेशर नै कोनी
जाणदी, 6 के इस बात म्ह कोए आपणे भाई नै ना ठगै, अर ना उस पै दाँव
चलावै, क्यूँके प्रभु इन सारी बात्तां का पलटा लेणआळा सै; जिसा के हमनै
पहल्या ए थारै तै कहया अर चिताया भी था| 7 क्यूँके पणमेशर नै म्हारै ताहीं
अशुद्ध होण कै खातर नीं, पर पवित्र होण कै खातर बुलाया सै| 8 इस कारण
जो इस नै तुच्छ जाणै सै, ओ माणस नै नीं पर पणमेशर नै तुच्छ जाणै सै, जो
आपणा पवित्र आत्मा थारै ताहीं देवै सै|
9 पर भाई-चारे के प्रेम कै बारै म्ह यो जरूरी नीं के मै थारै धोरै कीमे
लिक्खूँ, क्यूँके आपस म्ह प्रेम राखणा थमनै आप ए पणमेशर तै सिख्या सै;
10 अर सारे मकिदुनिया के सारे भाईयां कै गेल्या इसा करो भी सो| पर हे
भाईयो, हम थमनै समझावां सां के और भी बधदे जाओ, 11 अर जीसी हमनै
थारै ताहीं आज्ञा देई सै, उस्से तरियां ए बोल-बाल्ले रहण अर आपणा-आपणा
काम-काज करण अर आपणे-आपणे हाथां तै कमाण की कोशिश करो;
12 ताके बाहरणआळयां तै आद्दर पाओ, अर किसे चीज की कमी ना होवै|

यीशु का पुनरागमन

13 हे भाईयो, हम नीं चाहन्दे के थम उनकै बारै म्ह जो सोवैं सैं, अनजाण
रहो; इसा ना हो के थम दुसरयां कै बरगे दु:ख करो जिन्नै आस नीं| 14 क्यूँके
जै हम बिश्वास करां सां के यीशु मरया अर जिन्दा भी उठ्या, तो उस्से तरियां
ए पणमेशर उन्नै भी जो यीशु म्ह सो गये सैं, उस्से कै गेल्या ले आवैगा|
15 क्यूँके हम प्रभु कै बचन कै मुताबिक थारै तै न्यू कहवां सां के हम जो जिन्दे
सां अर प्रभु कै आण ताहीं बचे रहवांगें, सोए होया तै कद्दे आगै नीं बढ़ांगें|
16 क्यूँके प्रभु आप ए सुर्ग तै उतरैगा; उस बख्त ललकार, अर प्रधान दूत का
बोल सुणाई देवैगा, अर पणमेशर की तुरही फूँकी जावैगी; अर जो मसीह म्ह
मरे सै, वे पहल्या जिन्दे उठैगें| 17 फेर हम जो जिन्दे अर बचे रहवागें उनकै
गेल्या बादळां पै ठा लिए जावांगें के हवा म्ह प्रभु तै मिला; अर इस तरियां तै
हम हमेशा कै खातर प्रभु कै गेल्या रहवांगें| 18 इस तरियां इन बात्तां तै एक-
दुसरे ताहीं शान्ति दिया करो|

पुनरागमन कै खातर त्यार रहणा

5 पर हे भाइयो, इसकी आट कोनी, के बख्तां अर कालां कै बारै म्ह थारै
धोरै कीमे लिख्या जावै| 2 क्यूँके थम आप सई जाणो सो के जिसा
रात नै चोर आवै सै, उस्से तरियां ए प्रभु का दिन आणआळा सै| 3 जिब्ब
माणस कहँदे होंगे, "राज़ी-ख़ुशी सां, अर कीमे डर कोनी," तो उन पै चाणचक
विनाश आण पड़ैगा, जिस ढाळ गर्भवती पै दर्द; अर वे किस्से तरियां तै नीं
बचैंगें| 4 पर हे भाइयो, थम तो अन्धकार म्ह नीं सो के ओ दिन थारै पै चोर
की ढाळ आण पड़े| 5 क्यूँके थम सारे चाँदणै की ऊलाद अर दिन की
ऊलाद सो; हम ना रात के सां, ना अन्धकार के सां| 6 ज्यांतै हम दुसरयां
की तरियां सोन्दे ना रहवां, पर जागदे अर चौकन्ने रहवां| 7 क्यूँके जो सोवैं
सैं, वे रात ए नै सोवैं सैं, अर जो मतवाले होवैं सैं वे रात ए नै मतवाले होवैं
सैं| 8 पर हम जो दिन के सां, बिश्वास अर प्रेम की झिलम पहरकै अर उद्धार
की आस का टोप पहरकै होशियार रहवां| 9 क्यूँके पणमेशर नै म्हारै ताहीं
छोह कै खातर नीं, पर ज्यांतै ठहराया सै के हम अपणे प्रभु यीशु मसीह कै
जरिये उद्धार पावां| 10 ओ म्हारै खातर इस कारण मरया के हम चाहे जागदे
हों चाहे सोन्दे हों, सारे मिलकै उस्से कै गेल्या जिवां| 11 इस कारण एक
दुसरे ताहीं तसल्ली द्यो अर एक दुसरे की बढोत्तरी का कारण बणो, जिसा के
थम करो भी सो|

कलीसिया ताहीं उपदेश

12 हे भाइयो, हम थारै तै बिनती करां सां के जो थारै म्ह मेहनत करैं सैं,
अर प्रभु म्ह थारे अगुवे सैं, अर थमनै शिक्षा देवैं सैं, उनका आद्दर करो|
13 अर उनकै काम कै कारण प्रेम कै गेल्या उन ताहीं घणा ए आद्दर कै जोग्गे
समझो| आपस म्ह मेल-मिलाप तै रहो| 14 हे भाइयो, हम थमनै समझावां
सां के जो सई चाल नीं चाल्दे उन ताहीं समझाओ, डरपोकां ताहीं हिम्मत
द्यो, कमजोरां ताहीं सम्भाळो, सारया की ओड़ सहनशीलता दिखाओ|
15 सावधान! कोए किसे तै बुराई कै बदलै बुराई ना करै; पर सारी हाण भलाई
करण पै त्यार रहवै, आपस म्ह अर सारया तै भी भलाई ए की कोशिश करो|
16 सारी हाण राज़ी रहो| 17 लगातार प्रार्थना म्ह लाग्गे रहो| 18 हरेक बात म्ह
धन्यवाद करो; क्यूँके थारै खातर मसीह यीशु म्ह पणमेशर की याए मर्जी सै|
19 आत्मा ताहीं ना बुझाओ| 20 भविष्यवाणीयां नै तुच्छ ना जाणो| 21 सारी
बात्तां ताहीं परखो; जो आच्छी सै उसनै थाम्बे राक्खो| 22 सारी ढाळ की
बुराई तै बचे रहो|

आशरिवाद

23 शान्ति का पणमेशर आप ए थमनै पूरी तरियां तै पवित्र करै; अर थारी
आत्मा अर प्राण अर देही म्हारै प्रभु यीशु कै आण ताहीं पुरे-पुरे अर बेकसूर
सुरक्षित रहवैं| 24 थारा बुलाणआळा साच्चा सै, अर ओ इसा ए करैगा| 25 हे
भाइयो, म्हारै खातर प्रार्थना करो| 26 सारे भाईयां नै पवित्र चुम्मे तै नमस्कार
करो| 27 मै थारै ताहीं प्रभु की सोह देऊँ सूं के या चिट्ठी सारे भाईयां नै पढ़कै
सुणाई जावै| 28 म्हारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह थारै पै होंदा रहवै|

2 थिस्सलुनीकियों

अभिवादन

1 पौलुस अर सिलवानुस अर तीमुथियुस की ओड़ तै थिस्सलुनिकियां
की कलीसिया के नाम, जो म्हारै पिता पणमेशर अर प्रभु यीशु मसीह
म्ह सै| 2 म्हारै पिता पणमेशर अर प्रभु यीशु मसीह तै थमनै अनुग्रह अर
शान्ति मिलदी रहवै|

न्याय का दिन

3 हे भाईयो, थारै बारै म्ह हमनै हरेक बख्त पणमेशर का धन्यवाद करणा
चहिये, अर यो सई भी सै ज्यांतै के थारा बिश्वास घणा बधदा जावै सै, अर
थम सारया का प्रेम आपस म्ह घणा ए होंदा जावै सै| 4 उरै ताहीं के हम आप
पणमेशर की कलीसिया म्ह थारै बारै म्ह घमण्ड करां सां, के जितने रोळे अर
क्लेश थम सहो सो, उन सारया म्ह थारा धीरज अर बिश्वास दीक्खै सै|
5 यो पणमेशर कै साच्चे न्याय का साफ़ सबूत सै; के थम पणमेशर के राज्य
के जोग्गे ठहरो, जिस कै खातर थम दुःख भी ठाओ सो| 6 क्यूँके पणमेशर कै
लवै यो न्याय सै, के जो थमनै क्लेश देवैं सैं, उन्नै बदलै म्ह क्लेश दे| 7 अर
थमनै जो क्लेश पाओ सो, म्हारै गेल चैन दे; उस बख्त जिब्ब के प्रभु यीशु
अपणे सामर्थी दूत्तां कै गेल, धधकती होई आग म्ह सुर्ग तै दिखैगा, 8 अर जो
पणमेशर नै नीं पिच्छाणदे, अर म्हारै प्रभु यीशु कै सुसमाचार ताहीं नीं मांदे
उन तै पलटा लेवैगा| 9 वे प्रभु कै श्यामी तै, अर उसकी शक्ति कै तेज तै दूर
होकै अनन्त विनाश का दण्ड पावैंगें| 10 न्यू उस दिन होवैगा, जिब्ब ओ
अपणे पवित्र माणसां म्ह महिमा पाण, अर सारे बिश्वास करण आळयां म्ह
हैरानी का कारण होण नै आवैगा; क्यूँके थमनै म्हारी गवाही का बिश्वास
करया| 11 ज्यांतै हम सारी हाण थारै बारै म्ह प्रार्थना भी करां सां, के म्हारा
पणमेशर थारै ताहीं इस बुलाहट के जोग्गा समझै, अर भलाई की हरेक मर्जी,
अर बिश्वास के हरेक काम ताहीं सामर्थ्य सुदा पूरा करै| 12 ताके म्हारे
पणमेशर अर प्रभु यीशु मसीह के अनुग्रह के मुताबिक म्हारे प्रभु यीशु मसीह
का नाम थारै म्ह महिमा पावै, अर थम उसम्ह|

पाप का पुरुष यानिके विनाश का बेट्टा

2 हे भाइयो, इब हम अपणे प्रभु यीशु मसीह कै आण, अर उसकै धोरै
अपणे कट्ठे होण कै बारै म्ह थारै तै बिनती करां सां| 2 के किसे आत्मा,
या बचन, या चिट्ठी कै जरिये, जो के मान्नो म्हारी ओड़ तै हो, न्यू समझकै के
प्रभु का दिन आण पहोच्या सै, थारा मन चाणचक अस्थिर ना हो जावै अर
ना घबराओ| 3 किसे तरियां तै किसे कै धोक्खे म्ह ना आणा, क्यूँके ओ दिन
नीं आवैगा जिब्ब ताहीं धर्म का त्याग ना हो लेवै, अर ओ पाप का माणस
यानिके विनाश का बेट्टा दिख नीं जावै| 4 जो बिरोध करै सै, अर हरेक तै जो
ईश्वर या पूज्य कुहवावै सै, अपणे आप ताहीं बड्डा ठहरावै सै, उरै ताहीं के ओ
पणमेशर के मन्दर म्ह बैठकै अपणे आप ताहीं ईश्वर ठहरावै सै| 5 के थारै
ताहीं याद कोनी के जिब्ब म्ह थारै उरै था, तो थारै तै ये बात कहया करूँ
था? 6 थमनै उस चीज का बेरा सै, जो उस ताहीं इबे रोक रहा सै के ओ
अपणे ए बख्त म्ह दिख जावै| 7 क्यूँके अधर्म का भेद इब भी काम करदा
जावै सै, पर इब्बे एक रोकणआळा सै, अर जिब्ब ताहीं ओ दूर ना हो जावै ओ
रोक्के रहवैगा| 8 फेर ओ अधर्मी दिख जावैगा, जिस ताहीं प्रभु यीशु अपणे मुँह
की फूँक तै मार देवैगा, अर अपणे आण कै तेज तै भस्म करैगा| 9 उस
अधर्मी का आणा शैतान कै काम कै मुताबिक सारी ढाळ की झूठी सामर्थ,
अर निशान, अर अनोक्खे काम कै गेल्या, 10 अर नाश होणआळयां कै खातर
अधर्म के सारे ढाळ के धोक्खे कै गेल्या होगा; क्यूँके उन्नै सच तै प्यार कोनी
करया जिस तै उनका उद्धार होंदा| 11 इस्से कारण पणमेशर उन म्ह एक
भटका देणआळी सामर्थ नै खन्दावैगा के वे झूठ का बिश्वास करैं, 12 ताके
जितने माणस सच का बिश्वास नीं करदे, बल्के अधर्म तै राज़ी रहवैं सैं, वे
सारे दण्ड पावैंगें|

दृढ बणे रहो

13 हे भाइयो, अर प्रभु के प्यारे माणसो, चहिये के हम थारै बारै म्ह सारी
हाण पणमेशर का धन्यवाद करदे रहवां, क्यूँके पणमेशर नै सरूआत तै थारै
ताहीं छांट लिया के आत्मा कै जरिये पवित्र बणकै, अर सच का बिश्वास
करकै उद्धार पाओ, 14 जिस कै खातर उसनै थारै ताहीं म्हारै सुसमाचार कै
जरिये बुलाया, के थम म्हारै प्रभु यीशु मसीह की महिमा नै पाओ| 15 ज्यांतै
हे भाइयो, स्थिर रहो; अर जो-जो बात थम नै चाहे बचन या चिट्ठी कै जरिये
म्हारै तै सीक्खी सैं, उन्नै थाम्बे राक्खो|
16 म्हारा प्रभु यीशु मसीह आप ए, अर म्हारा पिता पणमेशर, जिस नै म्हारै
तै प्रेम राख्या अर अनुग्रह तै अनन्त शान्ति अर घणी बढ़िया उम्मींद देई सै,
17 थारे मनां म्ह शान्ति दे अर थमनै हरेक आच्छे काम अर बचन म्ह मजबूत
करै|

प्रार्थना करण का अनुरोध

3 आखर म्ह, हे भाइयो, म्हारै खातर प्रार्थना करया करो के प्रभु का
बचन इसा तावळा फैलै अर महिमा पावै, जिसा थारै म्ह होया, 2 अर
हम आड्डे अर भुन्डे माणसां तै बचे रहवां क्यूँके हरेक म्ह बिश्वास नीं| 3 पर
प्रभु साच्चा सै; ओ थारै ताहीं मजबूती तै स्थिर करैगा अर उस दुष्ट तै बचाए
राक्खैगा| 4 हमनै प्रभु म्ह थारै ऊप्पर भरोस्सा सै के जो-जो हुक्म हम थारै
तै देवां सां, उन्नै थम मान्नो सो, अर मांदे भी रहोगे| 5 पणमेशर कै प्रेम अर
मसीह के धीरज की ओड़ प्रभु थारे मन की अगुवाई करै|

काम करण का उत्तरदायित्व

6 हे भाइयो, हम थारै ताहीं अपणे प्रभु यीशु मसीह कै नाम तै आज्ञा देवां
सां के थम हरेक इसे भाई तै न्यारे रहो जो गलत चाल चाल्लै अर जो शिक्षा
उसनै म्हारै तै पाई उसकै मुताबिक नीं करदा| 7 क्यूँके थमनै आप बेरा सै के
किस तरियां तै म्हारै जीसी चाल चालणी चहिये, क्यूँके हम थारै बिच्चाळै
गलत चाल नीं चाल्ले, 8 अर किसे की रोट्टी मुफ्त म्ह कोनी खाई; मेहनत अर
कष्ट तै दिन-रात काम-धन्धा करां थे के थारै म्ह तै किसे पै बोझ ना बणा|
9 न्यू नीं के हमनै हक्क कोनी, पर ज्यांतै के अपणे आप ताहीं थारै खातर
आच्छा नमून्ना ठहरावां के थम म्हारै जीसी चाल चाल्लो| 10 क्यूँके जिब्ब हम
थारै उरै थे, जिद भी यो हुक्म थारै ताहीं देवां थे के जै कोए काम करणा ना
चाहवै तो खाण भी ना पावै| 11 हम सुणां सां के कीमे माणस थारै बिच्चाळै
गलत चाल चाल्लैं सैं, अर कीमे काम नीं करदे पर दुसरयां कै काम म्ह हाथ गेरैं
सैं| 12 इसा ताहीं हम प्रभु यीशु मसीह म्ह हुक्म देवां अर समझावां सां के
बोल-बाल्ले काम करकै आपणी ए रोट्टी खाया करैं| 13 थम, हे भाइयो, भलाई
करण म्ह हिम्मत ना छोड़ियो| 14 जै कोए म्हारी इस चिट्ठी की बात नै कोनी
मान्नै तो उस पै निगांह राक्खो, अर उसकी संगति ना करो, जिस तै ओ

सर्मिन्दा होवै| 15 तौभी उस ताहीं बैरी मतना समझो, पर भाई जाणकै सोद्दी
दुवाओ|

आखरी नमस्कार

16 इब प्रभु जो शान्ति का सोत्ता सै आप ए थारै ताहीं सारी हाण अर हरेक
ढाळ तै शान्ति देवै| प्रभु थम सारया कै गेल्या रहवै| 17 मै, पौलुस, अपणे
हाथ तै नमस्कार लिक्खूँ सूं| हरेक चिट्ठी म्ह मेरा योए निशान सै; मै इस्से
ढाळ तै लिक्खूँ सूं| 18 म्हारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह थम सारया पै होंदा
रहवै|

1 तीमुथियुस

अभिवादन

1 पौलुस की ओड़ तै जो म्हारै उद्धारकर्ता पणमेशर अर म्हारी उम्मींद
का आधार मसीह यीशु की आज्ञा तै मसीह यीशु का प्रेरित सै,
2 तीमुथियुस कै नाम जो बिश्वास म्ह मेरा साच्चा बाळक सै: पिता पणमेशर,
अर म्हारै प्रभु मसीह यीशु की ओड़ तै तन्नै अनुग्रह अर दया अर शान्ति
मिलदी रहवै|

झुट्ठे मास्टरां कै बिरुद्ध चेतावनी

3 जिस तरियां मन्नै मकिदुनिया नै जान्दे बख्त तेरै ताहीं समझाया था, के
इफिसुस म्ह रहकै कीमे माणसां ताहीं हुक्म दे के दुसरे ढाळ की शिक्षा ना दें,
4 अर उन कहानियां अर अनन्त वंशावलियां पै मन ना लावै, जिन तै रोळे
पैदा होवै सै, अर पणमेशर के उस इन्तजाम कै मुताबिक नीं, जो बिश्वास कै
आसरै पै सै| उस्से तरियां ए दुबारा भी कहूँ सूं| 5 आज्ञा का निचोड़ यो सै
के शुद्ध मन अर आच्छे विवेक, अर बिना कपट बिश्वास तै प्रेम पैदा हो| 6 इन
ताहीं छोड़कै कितने माणस बकवाद की ओड़ भटकगे सैं, 7 अर व्यस्थापक
तो होणा चाहवैं सैं, पर जो बात कहवैं अर जिन ताहीं मजबूती तै बोल्लैं सैं, उन
ताहीं समझदे भी कोनी| 8 पर हमनै बेरा सै के जै कोए व्यवस्था नै सई ढाळ
काम म्ह ल्यावै तो वे भले सैं| 9 न्यू जाणकै के व्यवस्था धर्मी माणस कै
खातर नीं पर अधर्मियाँ, निरकुंशां, भगतिहिनां, पापीयां, अपवित्र अर अशुद्ध
माणसां, माँ-बाप के मारणीयां, खून्नीयां, 10 जारी करणीयें, माणसां गेल भुन्डे
काम करणीयें, माणस के बेचण आळे, झूठ बोल्लण आळे, अर झूठी सोह खाण
आळे, अर इनकै अलावा खरे उपदेश के सारे बिरोधियाँ कै खातर ठहराई गई
सै| 11 याए परमधन्य पणमेशर की महिमा कै उस सुसमाचार कै मुताबिक सै,
जो मेरै ताहीं सौंप्या गया सै|

अनुग्रह कै खातर धन्यवाद

12 मै अपणे प्रभु मसीह यीशु का जिसनै मेरै ताहीं सामर्थ देई सै, धन्यवाद
करूँ सूं के उसनै मेरै ताहीं बिश्वास जोग्गा समझकै आपणी सेवा कै खातर
ठहराया| 13 मै तो पहल्या बुराई करण आळा, अर सताण आळा, अर अन्धेर
करण आळा था; तौभी मेरै पै दया होई, क्यूँके मन्नै अबिश्वास की हालत म्ह
बिन समझे बुझ्झे ये काम करे थे| 14 अर म्हारै प्रभु का अनुग्रह उस बिश्वास
अर प्रेम कै गेल्या जो मसीह यीशु म्ह सै, भोत-ए घणा होवै| 15 या बात साच्ची
अर हरेक तरियां तै मानण जोग्गी सै के मसीह यीशु पापियाँ का उद्धार करण
कै खातर दुनिया म्ह आया, जिनम्ह सारया तै बड्डा मै सूं| 16 पर मेरै पै ज्यांतै
दया होई के मुझ सारया तै बड्डे पापी म्ह यीशु मसीह आपणी पूरी
सहनशीलता दिखावै, के जो माणस उस पै अनन्त जीवन कै खातर बिश्वास
करैंगें उनकै खातर मै एक बढ़िया नमून्ना बणु| 17 इब पुराणा राजा यानिके
अविनाशी, अनदेक्खे, ऐकले पणमेशर का आद्दर अर महिमा युगानुयुग होंदी
रहवै| आमीन| 18 हे बेट्टे तीमुथियुस, उन भविष्यवाणीयां कै मुताबिक जो
पहल्या तेरै बारै म्ह करी गई थीं, मै या आज्ञा सौंपू सूं के तू उनकै मुताबिक
आच्छी लड़ाई नै लड़दे रह, 19 अर बिश्वास अर उस आच्छे विवेक नै थाम्बे
राख, जिस ताहीं दूर करण कै कारण कितन्यां का बिश्वास रूपी जहाज डूब
गया| 20 उन्ने म्ह हुमिनयुस अर सिकंदर सै, जिन ताहीं मन्नै शैतान ताहीं सौंप
दिया सै के वे पणमेशर की बुराई करणा ना सिक्खै|

आराधना सम्बन्धी निर्देश

2 इब मै सारया तै पहल्या यो आग्रह करूँ सूं, के बिनती, प्रार्थना,
निवेदन, अर धन्यवाद सारे माणसां कै खातर करे जावैं| 2 राजायां अर
सारे ऊँच्चे ओद्दे आळयां कै खातर ज्यांतै के हम आराम अर चैन कै गेल्या
सारी भगति अर गंभीरता तै जीवन बितावां| 3 यो म्हारै उद्धार करणीये
पणमेशर नै आच्छा लागै अर भावै भी सै, 4 जो यो चाहवै सै के सारे माणसां
का उद्धार होवै, अर वे सच ताहीं सई ढाळ तै पिच्छाण लेवैं| 5 क्यूँके
पणमेशर एक ए सै, अर पणमेशर अर माणसां कै बिच्चाळै भी एक ए बिच्चोला
सै, यानिके मसीह यीशु जो माणस सै| 6 जिसनै अपणे आप ताहीं सारया कै
छुटकारै कै दाम म्ह दे दिया, अर उसकी गवाही सई बख्त पै दी गई| 7 मै
साच्ची कहूँ सूं, झूठ नीं बोल्दा, के मै इस्से मक्सद तै प्रचारक अर प्रेरित अर
गैर-जात्तां कै खातर बिश्वास अर सच का उपदेशक ठहराया गया|
8 ज्यांतै मै चाहूँ सूं के हरेक जंगहा माणस, बिना छोह अर बहस कै पवित्र
हाथां नै ठाकै प्रार्थना करया करैं| 9 उस्से तरियां ए लुगाईं भी संकोच अर
संयम कै गेल्या सुहावने लत्त्या तै अपणे आप ताहीं सँवारैं; ना के बाळ गूँथण
अर सोन्ने अर मोतियाँ अर घणे मंहगे लत्त्या तै, 10 पर भले काम्मां तै, क्यूँके
पणमेशर की भगति करणआळी लुगाईयां कै खातर योए सई भी सै| 11 लुगाई
नै बोल-बाल्ली रहकै पूरी अधीनता तै सिखणा चहिये| 12 मै कहूँ सूं के लुगाई
ना उपदेश करै अर ना माणस पै हुक्म चलावै, पर बोल-बाल्ली रहवैं| 13 क्यूँके
आदम पहल्या, उसकै पाच्छै हव्वा बणाई गई; 14 आदम भकाया नीं गया, पर
लुगाई भकाई म्ह आकै अपराधिनी होई| 15 तौभी लुगाई बाळक पैदा करण
कै द्वारा उद्धार पावैगीं, जै वे संयम सुदा बिश्वास, प्रेम, अर पवित्रता म्ह स्थिर
रहवैं|

कलीसिया म्ह अध्यक्ष (बिशप)

3 या बात सच्ची सै के जो प्रधान होणा चाहवै सै, तो वो भले काम की
चाह करै सै| 2 या जरूरी सै के प्रधान बेकसूर, अर एक ए बीरबान्नी
का धणी, संयमी, सुशील, सभ्य, मेहमान का आद्दर-सत्कार करणीया, अर
सिखाण म्ह सई हो| 3 दारूबाज या छेतण-पीटण आळा ना हो, बल्के नरम
हो, अर ना रोळा करण आळा, अर ना धन का लोभ्भी हो| 4 अपणे घर का
आच्छा इन्तजाम करण आळा हो, अर अपणे बाळ-बच्यां नै सारी गम्भीरता
तै अधीन राख्दा हो| 5 जिब्ब कोए अपणे घर ए का इन्तजाम करणा ना
जाणदा हो, तो पणमेशर की कलीसिया की रुखाळी किस ढाळ करैगा? 6 फेर
यो के नया चेल्ला ना हो, इसा ना हो के घमण्ड करकै शैतान कै बरगी सजा
भुगतै| 7 अर बाहरणआळयां म्ह भी उसका आच्छा नाम हो, इसा ना हो के
बदनाम होकै शैतान कै फंदै म्ह फँस जावै|

कलीसिया म्ह सेवक (डिकन)

8 उस्से तरियां ए सेवकां नै भी गम्भीर होणा चहिये, दोगले, दारूबाज अर
नीच कमाई के लोभ्भी ना हो; 9 पर बिश्वास के भेद नै शुद्ध विवेक तै सुरक्षित
राखैं| 10 अर ये भी पहल्या परखे जावैं, फेर जै बेकसूर लिकड़ै तो सेवक का
काम करैं| 11 इस्से तरियां तै लुगाईयां नै भी गम्भीर होणा चहिये; तोहमन्द
लाण आळी ना हों, पर सचेत अर सारी बात्तां म्ह बिश्वास जोग्गी हों|
12 सेवक एक ए बीरबान्नी के धणी हों अर बाळ-बच्यां अर अपणे घरां का
आच्छा इन्तजाम करणा जाणदे हों| 13 क्यूँके जो सेवक का काम आच्छी

ढाळ तै कर सकै सै, वे अपणे खातर आच्छा ओद्दा अर उस बिश्वास म्ह जो मसीह यीशु पै सै, घणी हिम्मत पावै सै|

महान रहस्य

14 मै तेरै धोरै तावळा आण की आस राखण पै भी ये बात तेरै तै ज्यांतै
लिक्खूँ सूं, 15 के जै मेरै आण म्ह वार हो, तो तू जाण ले के पणमेशर के कुन्बे
म्ह जो जिन्दे पणमेशर की कलीसिया सै अर जो सच का खम्भा अर नींव सै,
उसम्ह किस ढाळ बीवार करणा चहिये| 16 इसम्ह शक कोनी के भगति का
भेद गम्भीर सै, अर्थात्, ओ जो देही म्ह प्रगट होया, आत्मा म्ह धर्मी ठहरया,
सुर्गदुत्तां नै दिख्या, गैर-जात्तां म्ह उसका प्रचार होया, अर महिमा म्ह ऊप्पर
ठाया गया|

झुट्ठे मास्टर

4 पर आत्मा साफ तौर पै कहवै सै के आण-आळे बख्तां म्ह कितने
माणस भरमाणआळी आत्मायां, अर भूंडी औपरी आत्मायां की
शिक्षायां पै मन लाकै बिश्वास तै भटक जावैगें| 2 यो उन झूठे माणसां कै
कपट कै कारण होवैगा, जिनका विवेक मान्नो बळदे होए लोहे तै दाग्या गया
हो, 3 जो ब्याह करण तै रोकैंगें, अर खाण की कीमे चीज़ां तै परै रहण का
हुक्म देवैंगें, जिन्नै पणमेशर नै ज्यांतै बणाया के बिश्वासी अर सच के
पिच्छानण आळे उन ताहीं धन्यवाद कै गेल्या खावैं| 4 क्यूँके पणमेशर की
बणाई होड़ हरेक चीज आच्छी सै, अर कोए चीज ना अपनाण कै जोग्गी
कोनी; पर यो के धन्यवाद कै गेल्या खाई जावैं| 5 क्यूँके पणमेशर के बचन
अर प्रार्थना कै जरिये शुद्ध हो जावै सै|

मसीह यीशु का आच्छा सेवक

6 जै तू भाइयां नै इन बात्तां की सोद्दी दुवान्दा रहवैगा, तो मसीह यीशु का
बढ़िया सेवक ठहरैगा; अर बिश्वास अर उस बढ़िया उपदेश की बात्तां तै, जो
तू मान्दा आया सै, तेरा पालण-पोषण होन्दा रहवैगा| 7 पर अशुद्ध अर
बूढीयां कै जीसी कहानीयां तै न्यारा रह; अर भगति की साधना कर| 8 क्यूँके
देही की साधना तै माड़ा सा फैयदा होवै सै, पर भगति सारी बात्तां कै खातर
फैयदेमन्द सै, क्यूँके इस बख्त अर आणआळे जीवन की भी प्रतिज्ञा इस्से कै
खातर सै| 9 या बात साच्ची अर हरेक ढाळ तै मानण जोग्गी सै| 10 क्यूँके हम
मेहनत अर कोशिश इस्से खातर करां सां के म्हारी आस उस जिन्दे पणमेशर
पै सै, जो सारे माणसां का अर अपणे खुद करकै बिश्वासीयां का उद्धार
करणीया सै|

11 इन बात्तां का हुक्म दे अर सिखान्दा रह| 12 कोए तेरी जवानी ताहीं
तुच्छ ना समझण पावै; पर बचन, अर चाल-चलण, अर प्रेम, अर बिश्वास,
अर पवित्रता म्ह बिश्वासीयां कै खातर बढ़िया नमून्ना बण जा| 13 जिब्ब ताहीं
मै नीं जाऊँ, जिद ताहीं पढ़ण अर उपदेश देण अर सिखाण म्ह लौलीन रह|
14 उस वरदान कै बारै म्ह, जो तेरै म्ह सै, अर भविष्यवाणी कै जरिये प्राचीनां
के हाथ धरदे बख्त तन्नै मिल्या था, निश्चिन्त मतना रह| 15 इन बात्तां नै
सोच्दा रह अर इन्नै म्ह आपणा ध्यान लाये रह, ताके तेरी बढोत्तरी सारया पै
दिख जावै| 16 आपणी अर आपणे उपदेश की चौक्सी राख| इन बात्तां पै
स्थिर रह, क्यूँके इसा करदा रहवैगा तो तू अपणे अर आपणे सुनण आळयां
कै खातर भी उद्धार का कारण होगा|

बिश्वासियाँ कै प्रति जिम्मेदारी

5 किसे बूढ़े ताहीं ना धमका, पर उस ताहीं बाप जाणकै समझा दे, अर
गाबरूआं नै भाई जाणकै; 2 बूढी लुगाईयां नै माँ जाणकै, अर गाबरू
लुगाईयां नै पूरी पवित्रता तै बाण जाणकै समझा दे|

3 उन बिधवायां का, जो साच्च-ए बिधवा सै, आद्दर कर| 4 जै किसे बिधवा
के बाळक या नाती-पोत्ते हों, तो वे पहल्या अपणै ए कुन्बे कै गेल्या भगति का
सलूक करणा, अर आपणे माँ-बाप आदि नै उनका हक्क देणा सीक्खें, क्यूँके
यो पणमेशर नै भावै सै| 5 जो साच्च-ए बिधवा सै, अर उसका कोए नीं, वा
पणमेशर पै आस राक्खै सै, अर दिन-रात बिनती अर प्रार्थना म्ह लौलीन
रहवै सै; 6 पर जो भोगविलास म्ह पड़गी, वा जिन्दे जी मर गी सै| 7 इन
बात्तां का भी हुक्म दिया कर ताके वे बेकसूर रहवैं| 8 पर जै कोए आपणा की
अर खुद करकै अपणे कुन्बे की फ़िक्र ना करै, तो ओ बिश्वास तै मुकर गया सै
अर अबिश्वासी तै भी भूंडा बण गया सै|

9 उस्से बिधवा का नाम लिख्या जावै तो साठ साल तै घाट की ना हो, अर
एक ए धणी की बीरबान्नी रही हों, 10 अर भले काम म्ह आच्छी नाम्मी रही हो;
जिस नै बाळकां का पालण-पोषण करया हो; मेहमानां की सेवा करी हो,
पवित्र माणसां के पाँव धोये हों, दुखियां की मदद करी हो, अर हरेक भले
काम म्ह मन लाया हो| 11 पर गाबरू बिधवायां कै नाम ना लिखणा, क्यूँके
जिब्ब वे मसीह का बिरोध करकै सुख-विलास म्ह पड़ जावैं सैं तो ब्याह
करणा चाहवैं सैं, 12 अर कसूरवार ठहरैं सैं, क्यूँके उन्नै अपणे पहल्ड़े बिश्वास
ताहीं छोड़ दिया सै| 13 इसकै गेल्या ए गेल्या वे घर-घर हांड कै आलसी
होणा सिक्खैं सैं, अर सिर्फ आलसी नीं पर बकबक करदी रहै अर दुसरयां कै
काम म्ह हाथ भी गेरदी रह सैं अर गलत बात बोल्लैं सैं| 14 ज्यांतै मै न्यू चाहूँ
सूं के जवान बिधवां ब्याह करै, अर बाळक जामै अर घर-बार सम्भालैं, अर
किसे बिरोधी नै बदनाम करण का मौक्का ना देवैं| 15 क्यूँके घण-खरी तो
बहककै शैतान कै पाच्छै हो ली सैं| 16 जै किसे बिश्वासिनी कै उरै बिधवां हों,
तो वै ए उनकी मदद करैं के कलीसिया पै बोझ ना हो, ताके वा उनकी मदद
कर सकै जो साच्च-ए बिधवां सैं|

17 जो प्राचीन आच्छा इन्तजाम करैं सैं, ख़ास करकै वे जो बचन सुनाण
सिखाण म्ह मेहनत करैं सैं, दुगणे आद्दर कै जोग्गे समझे जावैं| 18 क्यूँके
पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, "दाँवणआळै बैल्द का मुँह नीं बाँधणा," क्यूँके "मजदूर
आपणी मजदूरी का हक्कदार सै|" 19 कोए तोहमन्द किसे प्राचीन पै लाई जावै
तो बिना दो या तीन गवाहां के उस ताहीं मतना सुण| 20 पाप करणआळयां
नै सारया कै श्यामी समझा दे, ताके और माणस भी, डरैं| 21 पणमेशर, अर
मसीह यीशु अर छांटे होड़ सुर्गदुत्तां नै हाजर जाणकै मै तन्नै चेतावनी देऊँ सूं
के तू मन खोलकै इन बात्तां ताहीं मान्या कर, अर कोए काम मेर तै ना करै|
22 किसे पै तावळी-सी हाथ ना धरणा, अर दुसरयां कै पापां म्ह हिस्सेदार ना
होणा; अपणे आप ताहीं पवित्र बणाए राख|

23 आगलै बख्त म्ह सिर्फ पाणी ए का पीण आळा ना रह, पर अपणे पेट के
अर अपणे बार-बार बीमार होण कै कारण माड़ा-माड़ा दाखरस भी काम म्ह
लाया कर| 24 कीमे माणसां के पाप दिख जावै सै अर न्याय कै खातर
पहल्या तै पहोच जावैं सैं, पर कुछां के पाच्छै तै आवैं सैं| 25 उस्से तरियां-ए
कीमे भले काम भी प्रगट होवैं सैं; अर जो इसे नीं होंदे, वे भी लुह्क नीं
सकदे|

6 जितने दास कै जुए कै तळै सैं, वे अपणे-अपणे मालिक ताहीं घणे
आद्दर कै जोग्गा जाणैं, ताके पणमेशर के नाम अर उपदेश की बुराई ना
होवै| 2 जिनके मालिक बिश्वासी सैं उन्नै वे भाई होण कै कारण तुच्छ ना
जाणैं, बल्के उनकी और भी सेवा करैं, क्यूँके इस तै फैयदा ठाणआळे
बिश्वासी अर प्रेमी सैं| इन बात्तां का उपदेश करया कर समझान्दा रह|

झुट्ठी शिक्षा अर धन का लालच

3 जै कोए और ए ढाळ का उपदेश देवै सै अर खरी बात्तां नै, यानिके म्हारै
प्रभु यीशु मसीह की बात्तां नै अर उस उपदेश नै नीं मान्दा, जो भगति कै
मुताबिक सै, 4 तो ओ घमण्डी होग्या, अर कीमे नीं जाणदा; बल्के उस ताहीं
बहस अर शब्दां पै तर्क करण की बीमारी सै, जिस तै डाह, अर रोळे, अर
बुराई की बात, भुन्डे-भुन्डे शक, 5 अर उन माणसां म्ह बेकार रगड़े-झगड़े
पैदा होवैं सैं जिनकी बुद्धि बिगड़ गी सैं, अर वे सच तै दूर हो गये सैं, जो
समझैं सैं के भगति कमाई का दरवाजा सै| 6 पर संतोष सुदा भगति बड्डी
कमाई सै| 7 क्यूँके ना हम दुनिया म्ह कीमे लाए सां अर ना कीमे ले जा सकां
सां| 8 जै म्हारै धोरै खाण अर पहरण नै हो, तो इन्नै पै संतोष करणा चहिये|
9 पर जो साहूकार होणा चाहवैं सैं, वे इसी परीक्षा अर फंदे अर घण-खरी
बेकार अर नुकसान करण आळी लालसाओं म्ह फंसैं सैं, जो माणसां नै
बिगाड़ देवै सै अर विनाश कै समुन्दर म्ह डुबा देवै सै| 10 क्यूँके रपिया का
लोभ सारे ढाळ की बुराई की जड़ सै, जिस नै पाण की कोशिश करदे होए

घण-खरया नै बिश्वास तै भटककै अपणे आप ताहीं कई ढाळ के दुखां तै छळणी कर लिया सैं|

तीमुथियुस ताहीं व्यक्तिगत निर्देश

11 पर हे पणमेशर के माणस, तू इन बात्तां तै भाज, अर धर्म, बिश्वास, प्रेम, धीरज, अर नम्रता का पिच्छा कर| 12 बिश्वास की आच्छी कुश्ती लड़; अर उस अनन्त जीवन नै धर ले, जिसकै खातर तू बुलाया गया अर घणे गवाहां कै श्यामी आच्छा अंगीकार करया था| 13 मै तेरै ताहीं पणमेशर नै, जो सारया नै जिन्दा राक्खै सै, अर मसीह यीशु नै गवाह करकै जिसनै पुन्तियुस पिलातुस कै श्यामी आच्छा अंगीकार करया, यो आज्ञा देऊँ सूं 14 के तू म्हारै प्रभु यीशु मसीह के प्रगट हो जाण तक इस आज्ञा नै निष्कलंक अर बेकसूर राख, 15 जिस ताहीं ओ सई बख्त पै दिखावैगा, जो परमधन्य अर ऐकला अधिपति अर राजाओं का राजा अर प्रभुओं का प्रभु सै, 16 अर अमरता सिर्फ उस्से की सै, अर ओ अगम्य चाँदणै म्ह रहवै सै, अर ना उस ताहीं किसे माणस नै देख्या अर ना कद्दे भी देख सकै सै| उस की प्रतिष्ठा अर राज्य युगानुयुग रहवैगा| आमीन|

17 इस दुनिया के साहूकारां नै आज्ञा दे के वे घमण्डी ना हों अर चंचल धन पै आस ना धरैं, पर पणमेशर पै जो म्हारै सुख कै खातर सारा कीमे घणा आब्ल तै देवै सै| 18 वे भलाई करैं, अर भले काम्मां म्ह धनी बणैं, अर उदार अर मदद देण म्ह त्यार हों, 19 अर आगै कै खातर एक आच्छी नींव गेरो के साच्चे जीवन नै बस म्ह कर लें| 20 हे तीमुथियुस, इस धरोहर की रूखाळी कर, अर जिस ज्ञान नै ज्ञान कहणा ए भूल सै, उसकै अशुद्ध बकवाद अर बिरोध की बात्तां तै परै रह| 21 कितने इस ज्ञान का अंगीकार करकै बिश्वास तै भटक गे सैं| थारै पै अनुग्रह होंदा रहवै|

2 तीमुथियुस

अभिवादन

1 पौलुस की ओड़ तै जो, उस जीवन की प्रतिज्ञा के मुताबिक़ जो मसीह
यीशु म्ह सै, पणमेशर की मर्जी तै मसीह यीशु का प्रेरित सै, 2 प्यारे बेट्टे
तीमुथियुस कै नाम: पणमेशर पिता अर म्हारै प्रभु मसीह यीशु की ओड़ तै
तन्नै अनुग्रह अर दया अर शान्ति मिलदी रहवै|

धन्यवाद अर बढ़ावा

3 जिस पणमेशर की सेवा मै अपणे बाप-दाद्यां की रीत पै शुद्ध विवेक तै
करूँ सूं, उसका धन्यवाद हो के मै आपणी प्रार्थनायां म्ह तन्नै सारी हाण याद
करूँ सूं, 4 अर तेरे आँसूयां की सुधि कर-करकै दिन-रात तेरै तै फेटण की
लालसा राक्खूँ सूं के आनन्द तै भर जाऊँ| 5 मन्नै तेरे उस बिना कपट
बिश्वास की सुधि आवै सै, जो पहल्या तेरी नान्नी लोइस अर तेरी माँ यूनिके
म्ह था, अर मन्नै पक्का लाग्गै सै के तेरै म्ह भी सै| 6 इस्से कारण मै तन्नै सोद्दी
दुवाऊँ सूं के तू पणमेशर कै उस वरदान नै जो मेरै हाथ धरण कै जरिये तन्नै
मिल्या सै प्रज्वलित कर दे| 7 क्यूँके पणमेशर नै म्हारै ताही भय की नीं पर
सामर्थ अर प्रेम अर संयम की आत्मा दी सै|
8 इसकरकै म्हारै प्रभु की गवाही तै, अर मेरै तै जो उसका कैदी सूं,
सर्मिन्दा ना हो, पर उस पणमेशर की सामर्थ कै मुताबिक़ सुसमाचार कै
खातर मेरै गेल्या दुःख ठा 9 जिसनै म्हारा उद्धार करया अर पवित्र बुलाहट तै
बुलाया, अर यो म्हारै काम्मां कै मुताबिक नीं; पर उसकै मक्सद अर उस
सनातन तै म्हारै पै होया सै, 10 पर इब म्हारै उद्धारकर्ता मसीह यीशु कै दिख
जाण कै द्वारा चाँदणा होया, जिसनै मौत का नास करया अर जीवन अर
अमरता ताही उस सुसमाचार कै जरिये चाँदणै म्ह दिखा दिया| 11 जिसकै
खातर मै प्रचारक, अर प्रेरित, अर उपदेशक भी ठहरया| 12 इस कारण मै
इन दुःखां नै भी ठाऊँ सूं, पर सर्मान्दा कोनी, क्यूँके मै उस ताही जिस पै मन्नै
बिश्वास करया सै, जांणु सूं; अर मन्नै पक्का लाग्गै सै के ओ मेरी अमानत की
उस दिन ताही रूखाळी कर सकै सै| 13 जो खरी बात तन्नै मेरै तै सुणी सै,
उन ताही उस बिश्वास अर प्रेम कै गेल, जो मसीह यीशु म्ह सै, आपणा बढ़िया
नमूना बणाकै राख| 14 अर पवित्र आत्मा कै जरिये जो म्हारै म्ह बस्या होया
सै, इस बढ़िया अमानत की रूखाळी कर| 15 तन्नै बेरा सै के आसियाआळे
सारे मेरै तै पलट गये सैं जिन म्ह फूगिलुस अर हिरमुगिनेस सैं|
16 उनेसिफुरुस कै कुन्बे पै प्रभु दया करै, क्यूँके उसनै घणी बर मेरै जी ताही
शीळा करया अर मेरी जंजीरां तै सर्मिन्दा कोनी होया| 17 पर जिब्ब ओ रोम
म्ह आया, तो घणी कोशिश तै टोह कै मेरै तै भेंट करी----
18 प्रभु करै के उस दिन उस पै प्रभु की दया हो---अर जो-जो सेवा उसनै
इफिसुस म्ह की सैं उन ताही भी तू सुथरी-ढाळ जाणै सै|

मसीह यीशु का स्वामीभगत सैनिक

2 ज्यांतै हे मेरे बेट्टे, तू उस अनुग्रह तै जो मसीह यीशु म्ह सै, ठाड्डा हो
जा, 2 अर ये बात तन्नै घणे गवाहां कै श्यामी मेरै तै सुणी सैं, उन्नै
बिश्वासी माणसां नै सौंप दे; जो दुसरयां नै भी सिखाण कै जोग्गे हों| 3 मसीह
यीशु के आच्छे योद्धा कै बरगे मेरै गेल दुःख ठा| 4 जिब्ब कोए योद्धा लड़ाई पै
जावै सै, तो ज्यांतै के अपणे भर्ती करण आळै नै राज़ी करै, अपणे आप नै
दुनिया के काम्मां म्ह नीं फँसान्दा| 5 फेर अखाड़े म्ह लड़णआळा जै तैरीकै
कै मुताबिक नीं लड़ै तो मुकुट नीं पान्दा| 6 जो किसान मेहनत करै सै, फळ
का अंश पहल्या उसनै मिलणा चहिये| 7 जो मै कहूँ सूं उस पै गौर कर, अर
प्रभु तन्नै सारी बात्तां की समझ देवैगा| 8 यीशु मसीह नै याद राख, जो
दाऊद की पीढ़ी तै पैदा होया अर मरे होया म्ह तै जिन्दा उठ्या, अर यो मेरे
सुसमाचार कै मुताबिक़ सै| 9 जिसकै खातर मै भुन्डे काम करणीये की ढाळ
दुःख ठाऊँ सूं, उरै ताही के कैद भी सूं; पर पणमेशर का बचन कैद कोनी|
10 इस कारण मै छाँटे होए माणसां कै खातर सारा कीमे सहूँ सूं, के वे भी उस
उद्धार नै जो मसीह यीशु म्ह सैं अनन्त महिमा कै गेल पावैं| 11 या बात साच्ची
सै, के जै हम उसकै गेल्या मर गे सां, तो उसकै गेल्या जीवांगें भी; 12 जै हम
धीरज तै सहन्दे रहवांगें, तो उसकै गेल्या राज्य भी करांगें; जै हम उसनै
मानण तै नाटांगें, तो ओ भी म्हारै बाबत नाटैगा; 13 जै हम अबिश्वासी भी हों,
तौभी ओ बिश्वास जोग्गा बणा रहवै सै, क्यूँके ओ आप आपणा इन्कार कोनी
कर सकदा|

उत्तम कारीगर

14 इन बात्तां की सोद्दी उन्नै दुवा अर प्रभु कै श्यामी चिता दे के शब्दां पै
बहस-बाजी ना करया कर, जिन तै कीमे फैयदा कोनी होन्दा बल्के
सूनणआळे बिगड़ जावैं सैं| 15 अपणे आप नै पणमेशर का अपनाण जोग्गा
अर इसा काम करणीया ठहराण की कोशिश कर, जो सर्मिन्दा होण नीं पावै,
अर जो सच कै बचन नै सई ढाळ तै काम म्ह लान्दा हो| 16 पर अशुद्ध
बकवाद तै बच्या रह, क्यूँके इसे माणस और भी अभगति म्ह बधदे जावैंगें,
17 अर उनका बचन सड़े घांव की ढाळ फैलदा जावैगा| हुमिनयुस अर
फिलेतुस उन्ने म्ह तै सैं, 18 जो न्यू कहकै के पुनरुत्थान हो लिया सै सच तै
भटक गे सैं, अर कितन्यां के बिश्वास नै उल्ट-पुल्ट कर देवैं सैं| 19 तौभी
पणमेशर की पक्की नींव बणी रहवै सै, अर उस पै या छाप लागरी सै: "प्रभु
अपणयां ताही पिच्छाणै सै," अर "जो कोए प्रभु का नाम लेवै सै, ओ अधर्म तै
बच्या रहवै|"
20 बड्डे घर म्ह ना सिर्फ सोन्ने-चाँदी ए के, पर काट अर माट्टी के बासण भी
होवै सै; कोए-कोए आद्दर, अर कोए-कोए अनादर कै खातर| 21 जै कोए
अपणे आप नै इनतै शुद्ध करैगा, तो ओ आद्दर का बासण अर पवित्र ठहरैगा;
अर मालिक कै काम आवैगा, अर हरेक भले काम कै खातर त्यार होगा|
22 गाबरूपण की अभिलाषाओं तै भाज, अर जो शुद्ध मन तै प्रभु का नाम लेवैं
सैं उनकै गेल धर्म, अर बिश्वास, अर प्रेम, अर मेल-मिलाप का पिच्छा कर|
23 पर बावळापण अर अशिक्षा के बहसां तै न्यारा रह, क्यूँके तन्नै बेरा सै के
इनतै रोळे पैदा होवैं सैं| 24 प्रभु के दास नै रोळे करणीया नीं होणा चहिये, पर
ओ सारया कै गेल्या कोमल अर शिक्षा म्ह निपुण अर सहनशील हो| 25 ओ
बीरोधियां नै नम्रता तै समझावै, के जाणै पणमेशर उन्नै मन फिराव का मन दे
के वे भी सच नै पिच्छाणैं, 26 अर इसके द्वारा उसकी मर्जी पूरी करण कै
खातर सोद्दी म्ह होकै शैतान के फन्दे तै छुट जाएँ|

आखरी दिनां म्ह अधर्म

3 पर न्यू याद राख के आखर के दिनां म्ह ओख्खे टेम भी आवैंगें|
2 क्यूँके माणस स्वार्थी, लोभ्भी, डींगमार, अभिमानी, बुराई करण
आळा, माँ-बाप का हुक्म टाळण आळे, कृतघ्न, अपवित्र, 3 मायारहित,
निर्दयी, क्षमारहित, तोहमन्द लाण आळे, असंयमी, करड़े, भले के बैरी,
4 बिश्वासघाती, ढीठ, घमण्डी, अर पणमेशर के नीं बल्के सुखविलास ए के
चाहण आळे होंगें| 5 वे भगति का भेष तो धरेंगें, पर उसकी ताकत नै नीं

मानैंगें; इसा तै परै रहणा| 6 इन्ने म्ह तै वे माणस सै जो घरां म्ह दबे पाँ बड़ जावैं सैं, अर उन छिछोरी लुगाइयाँ ताही बस म्ह कर लेवैं सैं, जो पापां तै दबी अर हरेक ढाळ की अभिलाषायां कै बस म्ह सैं, 7 अर सारी हाण सिख्दी तो रहवैं सैं पर सच की पिच्छाण ताही कद्दे नीं पहोचदी| 8 जिस तरियां यत्रेस अर यम्ब्रेस नै मूसा का बिरोध करया था, उस्से तरियां ए ये भी सच का बिरोध करैं सैं; ये इसे माणस सै, जिनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गी सैं अर वे बिश्वास कै बारै म्ह निकम्मे सैं| 9 पर वे इसतै आगै नीं बढ़ सकदे, क्यूँके जिस तरियां उनकी अज्ञानता सारे माणसां पै दिखगी थी, उस्से तरियां ए इनकी भी हो जावैंगी|

तीमुथियुस ताहीं ख़ास निर्देश

10 पर तन्नै उपदेश, चाल-चलण, मनसा, बिश्वास, सहनशीलता, प्रेम, धीरज, अर सताए जाण, अर दुःख ठाण म्ह मेरा साथ दिया; 11 अर इसे दुःखां म्ह भी जो अन्ताकिया अर इकुनियुस अर लुस्त्रा म्ह मेरै पै आण पड़े थे, अर दुसरे दुःखां म्ह भी जो मन्नै ठाए सैं; पर प्रभु नै मेरै ताहीं उस सारया तै छुटा लिया| 12 पर जितने मसीह यीशु म्ह भगति कै गेल्या जीवन बिताणा चाहवैं सैं वे सारे सताए जावैंगें; 13 पर दुष्ट अर भकाण आळे धोक्खा देन्दे होए अर धोक्खा खांदे होए, बिगड़दे चले जावैंगें| 14 पर तू उन बात्तां पै जो तन्नै सीक्खी सैं अर बिश्वास करया सै, न्यू जाणकै मजबूत बणा रह के तन्नै उन ताहीं किन माणसां तै सिख्या सै, 15 अर बाळकपण तै पवित्रग्रन्थ तेरा जाणया होया सै जो तन्नै मसीह पै बिश्वास करण तै उद्धार मिलण कै कारण श्याणा बणा सकै सै| 16 साब्ता पवित्रग्रन्थ पणमेशर की सीख तै रच्या गया अर उपदेश, अर समझाण, अर सुधारण, अर धार्मिकता की शिक्षा कै खातर फैयदेमन्द सै, 17 ताके पणमेशर का जन सिद्ध बणै, अर हरेक भले काम करण कै खातर त्यार हो जाए|

4 पणमेशर अर मसीह यीशु नै गवाह करकै, जो जिन्दे अर मरे होया का न्याय करैगा, अर उसकै दीख जाण अर राज्य की सोद्दी दुवाकै मै तन्नै हुक्म देऊँ सूं 2 के बचन का प्रचार कर, बख्त अर बेबख्त त्यार रह, सारी ढाळ की सहनशीलता शिक्षा कै गेल्या उलाहणा दे अर धमका अर समझा| 3 क्यूँके इसा बख्त आवैगा जिब्ब माणस खरया उपदेश नीं सह सकैगें, पर कानां की खाज कै कारण आपणी अभिलाषायां कै मुताबिक़ अपणे खातर घणे उपदेशक कट्ठे कर लेवैंगें, 4 अर वे अपणे कान सच तै फेर कै कथा-कहानीयां पै लावैंगें| 5 पर तू सारी बात्तां म्ह चौकन्ना रह, दुःख ठा, सुसमाचार प्रचार का काम कर, अर आपणी सेवा नै पूरी कर|

6 क्यूँके इब मै अर्घ की ढाळ उंडेला जाऊँ सूं, अर मेरे कूच का बख्त आण पहोच्या सै| 7 मै आच्छी कुश्ती लड़ चुक्या सूं, मन्नै आपणी दौड़ पूरी कर ली सै, मन्नै बिश्वास की रूखाळी करी सै| 8 आण आळे बख्त म्ह मेरै खातर धर्म का मुकुट धरया होया सै, जिस प्रभु, जो धर्मी अर न्यायी सैं, मेरै ताही उस दिन देवैगा, अर मन्नै ए नीं बल्के उन सारया ताही भी जो उसकै दीख जाण नै प्यारा जाणैं सैं|

व्यक्तिगत संदेश

9 मेरै धोरै तावळा आंण की कोशिश कर| 10 क्यूँके देमास नै इस दुनिया ताही प्यारा जाणकै मेरै ताही छोड़ दिया सै, अर थिस्सलुनीके नै चल्या गया सै| क्रेसकेंस गलातिया की ओड़ तीतुस दलमतिया नै चल्या गया सै| 11 सिर्फ लूका मेरै गेल्या सै| मरकुस नै लेकै चल्या आ; क्यूँके सेवा कै खातर ओ मेरै घणा काम का सै| 12 तुखिकुस नै मन्नै इफिसुस खन्दाया सै| 13 जो बागा मै त्रोआस म्ह करपुस कै उरै छोड़ आया सूं, जिब्ब तू आवै तो उस ताहीं अर किताब खास करकै चर्मपत्रां नै लेंदे आणा| 14 सिकन्दर ठठेरे नै मेरै गेल्या घणी ए बुराइयाँ करी सैं; प्रभु उस ताहीं उसकै काम्मां कै मुताबिक़ बदला देवैगा| 15 तू भी उस तै चौकन्ना रह, क्यूँके उसनै म्हारी बात्तां का घणा ए बिरोध करया सै| 16 मेरे पहल्ड़े प्रतिवाद कै बख्त किसे नै भी मेरा साथ नीं दिया, बल्के सारया नै मेरै ताहीं छोड़ दिया था| भला हो के इसका उन नै लेक्खा देणा ना पड़ै| 17 पर प्रभु मेरा गेल-मददगार रहया अर मेरै ताहीं सामर्थ देई, ताके मेरै जरिये पूरा-पूरा प्रचार हो अर सारे गैर-जात्तां आळे सुण लें; अर मै तो शेर कै मुंह म्ह तै छुटाया गया| 18 अर प्रभु मन्नै हरेक भुन्डे काम तै छुटवावैगा, अर अपणे सुर्गीय राज्य म्ह उद्धार करकै सही-सलामत पहोचावैगा| उस्से की महिमा युगानुयुग होन्दी रहवै| आमीन|

आखरी अभिवादन

19 प्रीस्का अर अक्विला नै अर उनेसिफुरुस कै कुन्बे नै नमस्कार| 20 इरास्तुस कुरिन्थुस म्ह रह गया, अर त्रुफिमुस ताही मन्नै मीलेतुस म्ह बीमार छोड्या सै| 21 जाड्डे तै पहल्या चले आण की कोशिश कर| यूबूलुस, अर पूदेंस, अर लीनुस अर क्लौदीया, अर सारे भाईयां का तन्नै नमस्कार| 22 प्रभु तेरी आत्मा कै गेल रहवै| थारै पै अनुग्रह होंदा रहवै|

तीतुस

अभिवादन

1 पौलुस की ओड़ तै जो पणमेशर का दास अर यीशु मसीह का प्रेरित
सै, पणमेशर के छाट्टे होए माणसां के बिश्वास अर उस सच की
पिच्छाण कै मुताबिक जो भक्ति कै मुताबिक सै, 2 उस अनन्त जीवन की
आश पै जिसका प्रण पणमेशर नै, जो झूठ बोल न्ही सकदा सनातन तै करी
सै, 3 पर ठीक बखत पै अपणे वचन नै उस प्रचार के जरिये दिखाया, जो
म्हारे उध्दारकर्ता पणमेशर के हुक्म के मुताबिक मेरै ताही सौप्पा गयाI
4 तीतुस कै नाम जो बिश्वास की साज्झीदारी के बिचार तै मेरा सच्चा बेट्टा सै:
पणमेशर पिता अर म्हारे उध्दारकर्ता मसीह यीशु की ओड़ तै तन्नै अनुग्रह
अर शान्ति मिल्दी रहवैI

क्रेते म्ह तीतुस का काम

5 मैं इस करकै तन्नै क्रेते म्ह छोड़ आया था के तू बाकी बातां नै सुधारै, अर
मेरै हुक्म कै मुताबिक नगर-नगर प्रचीनां नै नियुक्त करैI 6 जो बेकसूर अर एकै
बीर का धणी हो, जिनके बाळक बिश्वासी हो, अर उन म्ह लुचपन अर
निरंकुशता का दोष ना होI 7 क्यूँके अध्यक्ष नै पणमेशर का भण्डारी होण के
कारण बेकसूर होणा चाहिए; ना जिद्दी, ना गुसेल, ना पियक्कड़, ना मारपीट
करण आळा, ना नीच कमाई का लोभी हो, 8 पर मेहमान का आदर करण
आळा, भलाई का चाह्क आळा, अपणे आपै म्ह रहण आळा, न्याकारी, पवित्र
अर अपणे मन नै काबू राखण आळा हो; 9 अर वो बिश्वास लायक वचन पै जो
धर्म के उपदेश कै मुताबिक सै, डट्या रहवै के खरी शिक्षा तै उपदेश दे सकै
अर विरोधिया का मुँह भी बन्द कर सकैI 10 क्यूँके भोत से माणस निरंकुश,
बकवादीअर धोखा देण आळे सै; खास करकै खतना आळा म्ह तैI 11 इनका
मुँह बन्द करना चाहिएI ये माणस नीच कमाई के खात्तर गलत बात सिखाके
घर के घर खराब करदे सैI 12 उन्नै म्ह तै एक जण्यै नै, जो उन्नै का नब्बी सै,
कह्या सै, "क्रेती माणस सदा झूठे, उत डांगर, अर आलसी पेटू हो सैI" 13 या
गवाही सच सै, इस करकै उन्नै सकताई तै चेतावनी दिया कर के वे बिश्वास
म्ह पक्के होज्या, 14 अर यहूदिया की कथा कहानिया अर माणसां के हुक्म पै
मन ना लगावै, जो सच तै भटक जावै सैI 15 शुध्द माणसां कै खात्तर सारी
चीज शुध्द सै, पर अशुध्द अर अबिश्वासी कै खात्तर किम्मे भी शुध्द कोन्या,
बल्के उनकी बुध्दि अर विवेक दोनु अशुध्द सैI 16 वे कह्वै सै के हम पणमेशर
नै जाणा सां, पर आपणे कामां तै नाट्टै सै; क्यूँके वे ओच्छे अर हुक्म ना
मानण आळे सै, अर किसे आच्छे काम कै लायक कोन्याI

आचरण कै खात्तर खरी शिक्षा

2 पर तू इसी बात कह्या कर जो खरै उपदेश कै लायक सैI 2 यानी के
बूढ़े माणस शान्त गम्भीर अर संयमी हो, अर उनका बिश्वास, प्रेम अर
थावस पक्का होI 3 इस ढाळ बूढी बिरबनियां का चाल चालन पवित्र माणसां
की तरियां हो; वे लाच्छंण लगान आळी अर पियक्कड़ न्ही हो, पर आच्छी
बात सिखान आळी होIT 4 ताके वे जवान बिरबनियां नै चेतावनी देंदी रहवै
के अपणे धणी अर बाळकां तै मोह राखै; 5 अर संयमी पतिव्रता घर का
कामकाज कारण आळी, भली अर अपणै धणी कै अधीन रहण आळी हो,
ताके वचन की निन्दा ना होण पावैI 6 इसे तरियां जवान माणसां नै समझाया
कर के संयमी होI 7 सारी बातां म्ह अपणे आप नै भले कामां की मिसाल
बणाI तेरै उपदेश म्ह सफाई घम्भीरता, 8 अर इसी खराई पाई जावै के कोए
उसणै बुरा ना कह सकै, जिसतै विरोधी म्हारै पै कोए दोष ना लगान का
मौका पाकै शर्मिन्दा हो जावैI 9 नौक्करां नै समझा के अपणे-अपणे माल्लिक कै
कहये म्ह रहवै, अर सारी बातां म्ह उसणै राज़ी राख्खै, अर उल्ट कै जवाब
ना दे; 10 चोरी चलाकी ना करै, पर सारी ढाळ तै पुरे बिश्वासी लिकड़ै के वे
सारी बातां म्ह म्हारे उध्दारकर्ता पणमेशर के उपदेश की शान बढ़ावैI
11 क्यूँके पणमेशर का वो अनुग्रह दिखै सै, जो सारे माणसां का उध्दार का
कारण सै, 12 अर हमनै चेतावनी देवै सै के अभक्ति अर संसार की मोह तै मन
बदल कै इस युग म्ह संयम, धर्म अर भक्ति तै जीवन बितावा; 13 अर उस
धन्य आश की यानी अपणे महान् पणमेशर अर उध्दारकर्ता यीशु मसीह की
महिमा के प्रगट होण की बाट देखते रह्वाI 14 जिसनै अपणे आप ताहि म्हारे
खात्तर दे दिया के हमनै हरेक ढाळ के अधर्म तै छुड़ा ले, अर शुध्द करकै
अपणे खात्तर एक इसी जाति बणा ले जो भले-भले कामां म्ह सारया तै तेज
होI 15 पुरै हक कै गैल या बात कह्वै, अर समझा अर सीखता रहI कोए तन्नै
हीण न्ही जाणन पावैI

मसीही चाल-चलन

3 माणसां नै सुधि दुआ के हकीमां अर अधिकारियां कै अधीन रहवै, अर
उनका हुक्म मानै, अर हरेक भले काम खात्तर तैयार रहवै, 2 किसे नै
बदनाम ना करै, झगड़ालू ना हो; पर कोमल सुभाव के हो, अर सारे माणसां
कै गैल बड़ी नरमाई के गैल रहवैI 3 क्यूँके हम भी पह्ल्या बेअक्ल, हुक्म ना
माणन आळे, अर भ्रम म्ह पड़े होए अर न्यारी-न्यारी ढाळ की चाहना अर
सुखभोगण की गुलामी म्ह थे, अर बैरभाव अर डाह करण म्ह जीवन गुजरा
थे, अर घृणित थे, अर एक दूसरे तै बैर राख्खां थेI 4 पर जब म्हारे
उध्दारकर्ता पणमेशर की कृपा अर माणसां पै उसका प्रेम दिख्या, 5 तो उसनै
म्हारा उध्दार करया, अर यो धर्म के कामां कै खात्तर न्ही, जो हमनै आप
करे, पर अपणी दया के मुताबिक नये जन्म के नाहण अर पवित्र आत्मा के
म्हारे नया बणान के जरिये होयाI 6 जिस ताहि उसणै म्हारे उध्दारकर्ता यीशु
मसीह के जरिये म्हारै पै भोत ए घणा उंडेल दियाI 7 जिस तै हम उसकी
मेहरबान्नी तै धर्मी बणा, अनन्त जीवन की आश के मुताबिक वारिस बणाI
8 या बात सच सै, अर में चाहू सू के तू इन बातां के बारें म्ह मजबूती तै बोल्लै
इस करकै के जिन नै पणमेशर पै बिश्वास करया सै, वे भले-भले कामां म्ह
लाग्गे रहण का ध्यान राखैI ये बात भली अर माणसां के फायदे की सैI 9 पर
बेवकूफी के विवादों, अर पीढियां, विरोध अर झगड़ा तै जो नियमां के बारें म्ह
हो, बचा रहवै; क्यूँके वे बिना फळ के अर बेकार सैI 10 किसे पाखंडी नै एक
दो बार समझा-बुझा कै उसतै न्यारा रह, 11 या जाणकै के इसा माणस भटक
ग्या सै, अर अपणे आप नै कसूरवार बणा कै पाप करै सै

Iव्यक्तिगत निर्देश अर अभिवादन

12 जिब्ब मै तेरै धोरै अर तिमास या तुखिकुस नै भेज़ूँ तो मेरै धोरै
निकुपुलिस आण की कोशिश करिये, क्यूँके मन्नै ओड़ै ए जाड्डा लिकाड़ण का
मन बणाया सैI 13 जेनास प्रबन्ध करणीया अर अपुल्लोस नै जत्न करकै आगै
खिन्दा दे, अर देख उन्नै किस्से चीज की कमी ना होण दिएI 14 म्हारे माणस
भी जरूरतां नै पूरा करण कै खात्तर आच्छे कामां म्ह लाग्गे रहणा सीखै ताके
बिना फळ न्ही रहवैI 15 मेरै सारे साथियां का तेरै ताही नमस्कारI जो बिश्वास
कै कारण म्हारै तै प्रेम राख्खै सै, उन्नै नमस्कारI थारै सारा पै मेहरबान्नी होंदी
रहवैI

फिलेमोन

अभिवादन

1 पौलुस की ओड़ तै जो मसीह यीशु का कैदी सै, अर भाई तीमुथियुस
की ओड़ तै म्हारे गैल काम करणीया प्यारे फिलोमोन, 2 अर बहन
अफफिया, अर म्हारे साथी योध्दा अरखिप्पुस अर फिलोमोन के घर की
कलीसिया कै नाम: 3 म्हारे पिता पणमेशर अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै
अनुग्रह अर शान्ति थमनै मिलती रहवैI
4 फिलेमोन का प्रेम अर बिश्वास 4 मैं सारी हाण पणमेशर का धन्यवाद
करूँ सूं, अर अपणी प्रार्थनायां म्ह भी तन्नै याद करूँ सूं, 5 क्यूँके मैं तेरै उस
प्यार अर बिश्वास की चर्चा सुणु सूं, जो सारे पवित्र माणसा के गैल अर प्रभु
यीशु पै सैI 6 मैं प्रार्थना करूँ सूं के बिश्वास म्ह तेरा साझेदार होणा, थारी
सारी भलाई की पिच्छाण म्ह, मसीह कै खात्तर असरदार होI 7 क्यूँके हे
भाई, मन्नै तेरै प्यार तै घणा सुख अर शान्ति मिली सै, इस खात्तर के तेरै
जरिये पवित्र माणसा के मन हरे-भरे होगे सैI

उनेसिमुस कै खात्तर निवेदन

8 इस करकै फेर भी मन्नै मसीह म्ह बड़ी हिम्मत सै के जो बात ठीक सै,
उसका हुक्म तेरै तै द्युI 9 तो भी मुझ बूढ़े पौलुस नै जो इब मसीह यीशु कै
खात्तर कैदी सै, यो और भी बेरा पाट्या के और भी प्यार तै बिनती करूँI
10 मैं अपणे बाळक उनेसिमुस कै खात्तर जो मेरै तै मेरी कैद म्ह जन्मा सै, तेरै
तै बिनती करूँ सूंI 11 वो तो पैहला तेरै किम्मे काम का ना था, पर इब तेरै
अर मेरै दोनुआ कै बड्डे काम का सैI 12 उस्से नै यानी जो मेरै दिल का टुकड़ा
सै, मन्नै तेरै धोरै भेज दियाI 13 उसनै मैं आपणे ऐ धोरै राखणा चाहूँ था के वो
तेरी ओड़ तै इस कैद म्ह जो सुसमाचार के कारण सै, मेरी सेवा करेI 14 पर
मन्नै तेरी इच्छा बगैर किम्मे भी नही करणा चाह्या, के तेरी या दया दाब तै न्ही
पर मोज तै होI 15 क्यूँके के जाण वो तेरै तै कई दिन खात्तर इस्से कारण
न्यारा होया हो के सदा तेरै धोरै रहवैI 16 पर इब तै दास की तरियां न्ही बल्के
दास तै भी बढ़िया, यानी भाई कै बरोबर रहवै, जो मेरा तो खास प्यारा सै ऐ,
पर इब देह म्ह अर प्रभु म्ह भी, तेरा भी खास प्यारा होI 17 आखर जै तू मन्नै
अपणा साझेदार समझै सै, तो उसनै इस ढाळ अपणा ले जिसा मन्नैI 18 जै
उसनै तेरा किम्मे भी नुकसान करया सै, या उस म्ह तेरा किम्मे लिकड़ सै,
तो मेरै नाम पै लिख लेI 19 मैं पौलुस अपणे हाथ तै लिखूँ सू के मैं आप भर
द्युगां; अर उस ताहि कहण की किम्मे जुरत कोणी के मेरा कर्ज जो तेरै पै सै
वो तू ऐ सैI 20 हे भाई, यो सुख मन्नै प्रभु म्ह तेरी ओड़ तै मिलैI मसीह म्ह मेरै
जी नै हरा भरा कर देI 21 मैं तेरै ताबेदार होण का भरोसा राख कै तेरै तै लिखूँ
सू, अर या जाणू सू के जो किम्मे मैं कहूँ सू, तू उसतै घणा बढ़ कै करैगाI
22 अर या भी कै मेरै खात्तर रुकण की जगहां तैयार राखैI मन्नै आश सै के
थारी प्रार्थनायां कै जरिये मैं थारै ताहि दे दिया जाऊँगाI

आखरी अभिवादन

23 इपफ्रास, जो मसीह म्ह मेरै गैल कैदी सै, 24 अर मरकुस अर
अरिस्तखुर्स अर देमास अर लूका जो मेरे गैल काम करणये सै, इनका तेरै
तैई नमस्कारI 25 म्हारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह थारी आत्मा पै होंदा
रहवैI आमीनI

इब्रानियों

अभिवादन

1 पह्ल्ड़े युग म्ह पणमेशर नै पिता-दाद्या तै माड़ा-माड़ा करकै अर कई-
कई ढाळ तै नब्बियाँ के जरिये बात कर, 2 इन आखरी के दिनां म्ह
म्हारै तै बेट्टे के जरिये बात करीं, जिस ताहीं उसनै सारी चीज़ां का वारिस
ठहराया अर उस्से कै जरिये उसनै सारी सृष्टि ताहीं बणाया| 3 ओ उसकी
महिमा का चाँदणा अर उसके तत्व की छाप सै, अर सारी चीज़ां नै आपणी
सामर्थ के बचन तै सम्भाळै सै| ओ पापां नै धोकै ऊँची जंगहा पै महामहीमन्
कै सोळी ओड़ जा बैठ्या; 4 अर सुर्गदुत्तां तै उतना ए बढ़िया ठहरया, जितना
उसनै बड्डे ओद्दे का वारिस होकै बढ़िया नाम पाया|

क्रेते म्ह तीतुस का काम

5 क्यूँके सुर्गदुत्तां म्ह तै उसनै कद किसे तै कहया, “तू मेरा बेट्टा सै, आज
तू मेरै तै पैदा होया?” अर फेर यो के, “मै उसका पिता होऊँगा, अर ओ मेरा
बेट्टा होवैगा?” 6 अर जिब्ब पह्ल्ड़े जेट्ठे ताहीं दुनिया म्ह दुबारा लावै सै, तो
कह्वै सै, “पणमेशर के सारे सुर्गदुत उस ताहीं मुद्दे पड़कै प्रणाम करैं|” 7 अर
सुर्गदुत्तां कै बारै म्ह न्यू कहवै सै, “ओ अपणे दुत्तां ताहीं हवा, अर अपणे
सेवकां नै भड़कदी होई आग बणावै सै|” 8 पर बेट्टे कै बारै म्ह कहवै सै, “हे
पणमेशर, तेरा सिंहासन युगायुग रहवैगा : तेरै राज्य का राजदण्ड न्याय का
राजदण्ड सै| 9 तन्नै धर्म तै प्यार अर अधर्म तै बैर राख्या; इस कारण
पणमेशर, तेरै पणमेशर नै, तेरै ढब्बियाँ तै बढ़कै ख़ुशी आळे तेल तै तेरा
अभिषेक करया|” 10 अर यो के, “हे प्रभु, सरूआत म्ह तन्नै धरती की नींव
बणाई, अर सुर्ग तेरै हाथां की कारीगरी सै| 11 वे तो नाश हो जावैंगें, पर तू
बणया रहवैगा, अर वे सारे लत्ते की ढाळ पुराणे हो जावैंगें, 12 अर तू उन
ताहीं चाद्दर की तरियां लपेटैगा, अर वे लत्ते की ढाळ बदल जावैगें : पर तू
ओए सै अर तेरे साल्लां का अन्त कोनी होवैगा|” 13 अर सुर्गदुत्तां म्ह तै उसनै
किस तै कद कहया, “तू मेरै सोळी ओड़ बैठ, जिब्ब ताहीं के मै तेरे बैरियाँ नै
तेरै पायां कै तळै की पीढ़ी ना कर द्यूँ?” 14 के वे सारे सेवा-बाड़ी करणआळी
आत्मां कोनी, जो उद्धार पाणआळयां कै खातर सेवा करण नै खन्दाई जावैं
सैं?

आचरण कै खातर खरी शिक्षा

2 इस कारण चहिये के हम उन बात्तां पै जो हमनै सुणी सैं, और भी मन
लावां, इसा ना हो के बहककै उन तै दूर चले जावां| 2 क्यूँके जो बचन
सुर्गदुत्तां कै जरिये कहया गया था| जिब्ब ओ स्थिर रहया अर हरेक अपराध
अर आज्ञा ना मानण का सई-सई बदला मिल्या, 3 तो हम माणस इसे बड्डे
उद्धार तै बेपरवाह रहकै किस तरियां बच सकां सां? जिसकां जिक्रा पहल्म-
पहल्या प्रभु के जरिये होया, अर सुनणआळयां के जरिये हमनै इसकां पक्का
यकीन होया| 4 अर गेल्या ए पणमेशर भी आपणी मर्जी कै मुताबिक निशान्नां,
अर अनोक्खे काम्मां, अर कई ढाळ के सामर्थ के काम्मां, अर पवित्र आत्मा
के वरदान्नां के बांडण के जरिये इसकी गवाही देंदा रहया| 5 उसनै उस
आणआळी दुनिया ताहीं जिसकां जिक्रा हम करण लागरे सां, सुर्गदुत्तां कै
अधीन नीं करया| 6 बल्के किसे नै कदे या गवाही देई सै, “माणस के सै के तू
उसकी सुध लेवै सै? या माणस का बेट्टा के सै के तू उसकी फ़िक्र करै सै?
7 तन्नै उस ताहीं सुर्गदुत्तां तै कीमे घाट करया; तन्नै उस पै महिमा अर आद्दर
का मुकुट धरया, अर उस ताहीं अपणे हाथां के काम्मां पै हक्क दिया| 8 तन्नै
सारा कीमे उसकै पायां कै तळै कर दिया|” इसकरकै जिब्ब के सारा कीमे
उसकै अधीन कर दिया, तो उसनै कीमे भी कोनी धर राख्या जो उसकै
अधीन ना हो| पर हम इब ताहीं सारा कीमे उसकै अधीन कोनी देख्दे|
9 पर हम यीशु ताहीं जो सुर्गदुत्तां तै कीमे ए घाट करया गया था, मौत का
दुःख ठाण कै कारण महिमा अर आद्दर का मुकुट पहरे होये देक्खां सां, ताके
पणमेशर के अनुग्रह तै ओ हरेक माणस कै खातर मौत का सुवाद चाखै|
10 क्यूँके जिसकै खातर सारा कीमे सै अर जिसकै जरिये सारा कीमे सै, उस
ताहीं योए आच्छा लाग्या के जिब्ब ओ घण-ए बेट्टा की महिमा म्ह पहोचाया
जावै, तो उनकै उद्धार के कर्ता ताहीं दुःख ठाण कै जरिये सिद्ध करै|
11 क्यूँके पवित्र करणआळा अर जो पवित्र करे जावैं सैं, सारे एक ए जड़ तै सैं;
इस्से कारण ओ उन ताहीं भाई कहण तै कोनी सर्मान्दा| 12 ओ कहवै सै, “मै
तेरा नाम आपणे भाईयां ताहीं सुणाऊँगा; पंचायत कै बिच्चाळै मै तेरा भजन
गाऊँगा|” 13 अर फेर ओ के, “मै उस पै भरोस्सा राखूँगा|” अर फेर यो के,
“लखा, मै उन छोरया सेत्ती जिस ताहीं पणमेशर नै मेरै ताहीं दिए|”
14 ज्यांतै जिब्ब के छोरे मांस अर लहू के साझ्झी सै, तो आप भी उनकै बरगा
उनका गेल-साझ्झी होग्या, ताके मौत के जरिये उस ताहीं जिसनै मौत पै
शक्ति मिली थी, यानिके शैतान ताहीं निकम्मा कर दे; 15 अर जितने मौत कै
डर के मारे जिन्दगी भर दासता म्ह फँसरे थे, उन ताहीं छुटा ले| 16 क्यूँके
ओ तो सुर्गदुत्तां ताहीं नीं बल्के अब्राहम की पीढ़ी नै सम्भाळै सै| 17 इस
कारण उस ताहीं चहिये था, के सारी बात्तां म्ह अपणे भाईयां के बरगे बणै;
जिसतै ओ उन बात्तां म्ह जो पणमेशर तै रिश्ता राखैं सैं, एक दयालु अर
बिश्वास जोग्गा महायाजक बणै ताके माणसां के पापां कै खातर पछतावा करै|
18 क्यूँके जिब्ब उसनै हिम्तान की हालत म्ह दुःख ठाया, तो ओ उनकी भी
मदद कर सकै सै जिनका हिम्तान होवैं सैं|

मसीही चाल-चलन

3 ज्यांतै हे पवित्र भाईयो, थम जो सुर्गीय बुलाहट म्ह साझ्झी सो, उस
प्रेरित अर महायाजक यीशु पै जिस ताहीं हम अंगीकार करां सां,
ख्याश करो| 2 ओ अपणे तैनात करण आळे कै खातर बिश्वास जोग्गा था,
जिसा मूसा भी पणमेशर के सारे घर म्ह था| 3 क्यूँके यीशु मुसा तै इतना
बढ़कै महिमा कै जोग्गा समझया गया सै, जितना के घर का बनाण आळा घर
तै बढ़कै आददर-मान राखै सै| 4 क्यूँके हरेक घर का कोए ना कोए बनाण
आळा होवै सै, पर जिसनै सारा कीमे बणाया ओ पणमेशर सै| 5 मुसा तो
पणमेशर के सारे घर म्ह सेवक की तरियां बिश्वास जोग्गा रहया के जिन बात्तां
का वर्णन होण आळा था, उनकी गवाही देवै| 6 पर मसीह बेट्टे की तरियां
पणमेशर कै घर का अधिकारी सै; अर उसका घर हम सां, जै हम हिम्मत पै
अर आपणी आस के घमण्ड पै आखर ताहीं पक्के तौर पै डटया रहवां|
7 आखर म्ह जिसा पवित्र आत्मा कहवै सै, “जै आज थम उसका शब्द सुणो,
8 तो अपणे मन ताहीं करड़ा ना करो, जिसा के खुन्दक दुवाण के बख्त अर
हिम्तान के दिन जंगळ म्ह करया था| 9 जित थारे पिता-दाद्यां नै मेरै ताहीं
जाँचकै परख्या अर चालीस साल ताहीं मेरे काम देक्खे| 10 इस कारण मै
उस बख्त के माणसां तै गुस्सा रहया, अर कहया, ‘इनके मन सारी हाण
भटकदे रहवैं सैं, अर इन्नै मेरे रास्तयां ताहीं कोनी पिच्छाणया|’ 11 फेर मन्नै
छोह म्ह आकै सूंह खाई, ‘वे मेरै बिसराम म्ह बड़ण नीं पावैंगें’|” 12 हे भाईयो,
चौक्कस रहो के थारै म्ह इसा भूंडा अर अबिश्वासी मन ना हो, जो थमनै जिन्दे
पणमेशर तै दूर हटा ले जावै| 13 बल्के जिस दिन ताहीं आज का दिन कहया
जावै सै, हरेक दिन एक दुसरे ताहीं समझान्दे रहो, इसा ना हो के थारै म्ह तै

कोए माणस पाप के छल म्ह आकै करड़ा बण जावै| 14 क्यूँके हम मसीह के साझ्झीदार होये सां, जै हम अपणे पह्ल्ड़े भरोस्से पै आखर ताहीं पक्के तौर तै स्थिर रहवै| 15 जिसा कहया गया जावै सै, "जै आज थम उसका शब्द सुणो, तो अपणे मनां नै करड़ा ना करो, जिसा के छोह दुवाण के बख्त करया था|" 16 भला किन माणसां नै सुणकै भी छोह दुवाया? के न सारया नै नीं, जो मूसा कै जरिये मिस्र तै लिकड़े थे? 17 अर ओ चालीस साल ताहीं किन माणसां पै गुस्सा रहया? के उन्ने तै नीं जिन्नै पाप करया, अर उनकी लाश जंगळ म्ह पड़ी रहीं? 18 अर उसनै किन तै सूंह खाई के थम मेरै आराम म्ह बड़ नीं पाओगे? के सिर्फ उनतै नीं जिन्नै आज्ञा नीं मान्नी? 19 आखर म्ह हम देक्खां सां के वे अबिश्वास कै कारण बड़ नीं सके|

पणमेशर के लोग्गां का बिश्राम

4 इसकरकै जिब्ब के उसकै बिश्राम म्ह बड़ण की प्रतिज्ञा इब ताहीं सै, तो हमनै डरना चहिये इसा ना हो के थारै म्ह तै कोए माणस उसतै वंचित रह जावै| 2 क्यूँके हमनै उन्ने की तरियां सुसमाचार सुणाया गया सै, पर सुणे होये बचन तै उन्नै कीमे फैयदा कोनी होया; क्यूँके सुनणआळयां के मन म्ह बिश्वास कै गेल्या कोन्या बैठ्या| 3 पर हम जिन्नै बिश्वास करया सै उस बिश्राम म्ह बड़ां सां; जिसा कहया, "मन्नै अपणे छोह म्ह सूंह खाई के वे मेरे बिश्राम म्ह बड़ण नीं पावेंगें|" हालाकि दुनिया की सरूआत के बख्त तै उसकै काम पुरे हो लिए थे| 4 क्यूँके सातमै दिन कै बारै म्ह उसनै किते न्यू कहया सै, "पणमेशर नै सातमै दिन अपणे सारे काम्मां ताहीं निपटा कै बिश्राम करया|" 5 अर इस जंगहा फेर न्यू कहया सै, "वे मेरै बिश्राम म्ह बड़न नीं पावेंगें|" 6 तो जिब्ब या बात बाकी सै के कितने और सै जो उस बिश्राम म्ह बड़ै, अर जिन्नै उसका सुसमाचार पहल्या सुणाया गया वे हुक्म ना मानण कै कारण उसम्ह नीं बड़े, 7 ज्यांतै ओ किसे ख़ास दिन ताहीं ठहराकै इतनै दिनां कै पाच्छै दाऊद की किताब म्ह उस ताहीं 'आज का दिन' कहवै सै| जिस तरियां के पहल्या कहया गया, "जै आज थम उसका शब्द सुणो, तो अपणे मनां नै करड़ा ना करो|"

8 क्यूँके जै यहोशू उन्नै बिश्राम म्ह बड़ा लेन्दा, तो दुसरे दिन का जिक्रा कोनी होंदा| 9 आखर जाण लो के पणमेशर के माणसां कै खातर सब्त का बिश्राम बाकी सै; 10 क्यूँके जो उसकै बिश्राम म्ह बड़या सै, उसनै भी पणमेशर की ढाळ अपणे काम पुरे करकै बिश्राम करया सै| 11 आखर म्ह हम उस बिश्राम म्ह बड़ण की कोशिश करां, इसा ना होवै के कोए माणस उन की तरियां आज्ञा ना मान कै पड़ ज्या| 12 क्यूँके पणमेशर का बचन जिन्दा, अर हावीं, अर हर एक दोधारी तलवार तै भी घणा चोखा सै; अर प्राण अर आत्मा ताहीं, अर गाँठ-गाँठ अर गुद्दे-गुद्दे ताहीं न्यारा करकै आरम-पार चिरै सै अर मन की भावनायां अर बिचारां ताहीं जाँच्चै सै| 13 सृष्टि की कोई चीज उसतै लुक्ही होई कोनी सै बल्के जिस तै हमनै काम सै, उसकी आँखां कै श्यामी सारी चीज खुली अर प्रगट सैं|

बड्डा महायाजक

14 ज्यांतै जिब्ब म्हारा इसा बड्डा महायाजक सै, जो स्वर्गां तै होकै गया सै, यानिके पणमेशर का बेट्टा यीशु, तो आओ, हम अपणे अंगीकार ताहीं पक्के तौर तै थाम्बे रहवां| 15 क्यूँके म्हारा इसा महायाजक नीं जो म्हारी कमजोरीयां म्ह म्हारै गेल्या दुखी ना हो सकै; बल्के ओ सारी बात्तां म्ह म्हारै तरियां परख्या तो गया, फेरभी निष्पाप लिकड़या| 16 इसकरकै आओ, हम अनुग्रह के सिंहासन कै लवै हिम्मत बाँधकै चाल्लां के म्हारै पै दया होवै, अर ओ अनुग्रह पावां जो जरूरत कै बख्त म्हारी मदद करै|

5 क्यूँके हरेक महायाजक माणसां म्ह तै लिया जावै सै अर माणसां ए कै खातर, उन बात्तां कै बारै म्ह जो पणमेशर तै सम्बन्ध राखै सै, ठहराया जावै सै के भेंट अर पाप बलि चढ़ाया करै| 2 ओ बेअक्ले अर भूले भटक्यां कै गेल्या नर्मी तै बीवार कर सकै सै, ज्यांतै ओ आप भी कमजोरी तै घिरया सै| 3 ज्यांतै उस ताहीं चहिये के जिसा माणसां कै खातर उस्से तरियां ए अपणे खातर भी पाप-बलि चढ़ाया करै| 4 यो आद्दर का ओद्दा कोए अपणे आप तै कोनी लेन्दा, जिब्ब ताहीं के हारून की ढाळ पणमेशर की ओड़ ठहराया ना जावै|

5 उस्से तरियां ए मसीह नै भी महायाजक बनण की बड़ाई अपणे आप तै नीं लेई, पर उस ताहीं उस्से नै देई, जिसनै उसतै कहया था, "तू मेरा बेट्टा सै, आज मन्नै ए तेरै ताहीं पैदा करया सै|" 6 इस्से तरियां ए ओ दूसरी जंगहा म्ह भी कह्वै सै, "तू मलिकिसिदक की रीत पै सारी हाण कै खातर याजक सै|" 7 यीशु नै आपणी देही म्ह रहण के दिनां म्ह ठाड्डू शब्दां तै रूक्का मारकै अर आँसू बहा-बहाकै उसतै जो उस ताहीं मौत तै बचा सकै था, प्रार्थनाएँ अर बिनती करी, अर भगति कै कारण उसकी सुणी गई| 8 बेट्टे होण पै भी उसनै दुःख ठा-ठाकै आज्ञा मानणी सिख्या, 9 अर सिद्ध बणकै, अपणे सारे आज्ञा मानणीयां कै खातर सारी हाण बख्त के उद्धार का कारण होग्या, 10 अर उस ताहीं पणमेशर की ओड़ तै मलिकिसिदक की रीत पै महायाजक का ओद्दा मिल्या|

बिश्वास तै भटक जाण का नतिज्ञा

11 इसकै बारै म्ह हमनै घणी ए बात कहणी सै, जिनका समझाणा भी ओख्खा सै, ज्यांतै के थम ऊंच्चा सुनण लागगे सो| 12 बख्त कै बिचार तै तो थमनै गुरु हो जाणा चहिये था, फेरभी यो जरूरी होग्या सै के कोए थमनै पणमेशर के बचनां की पुराणी शिक्षा दुबारा तै सिखावै| थम तो इसे होग्ये सो के थमनै अन्न कै बदलै इब ताहीं दूध ए चहिये| 13 क्यूँके दूध पीणआळे बाळक ताहीं तो धर्म के बचन की पीच्छाण कोनी होन्दी, क्यूँके ओ बाळक सै| 14 पर अन्न श्याणा कै खातर सै, जिनकी ज्ञान की इंद्रीयाँ अभ्यास करदे-करदे आच्छे-भुन्डे म्ह फर्क करण म्ह निपुण होग्यी सैं|

6 इसकरकै आओ मसीह की शिक्षा की सरूआत की बात्तां नै छोड़कै हम सिद्धता कै कान्नी आगै बढ़दे जावां, अर मरे होये काम्मां तै मन फिराण, अर पणमेशर पै बिश्वास करण, 2 अर बपतिस्मा अर हाथ धरण, अर मरे होया के जिन्दा उठण, अर आखरी न्याय की शिक्षा रूपी नींव दुबारा ना बणावां| 3 जै पणमेशर चाहवै तो हम न्यू ए करांगें| 4 क्यूँके जिन्नै एक बर चाँदणा पाया सै, अर जो सुर्गीय वरदान का सुवाद चाख चुके सैं अर पवित्र आत्मा के साझ्झी हो गे सैं, 5 अर पणमेशर के सारया तै बढ़िया बचन का अर आण आळे युग की सामर्थ का सुवाद चाख चुके सैं, 6 जै वे भटक जावै तो उन्नै मन-फिराण कै खातर दुबारा नया बनणा अनहोणा सै; क्यूँके वे पणमेशर के बेट्टे ताहीं अपणे खातर दुबारा क्रूस पै चढ़ावैं सैं अर प्रगट म्ह उस पै कलंक लावैं सैं| 7 क्यूँके जो धरती मीह के पाणी ताहीं, जो उस पै बार-बार पड़ै सै, पी-पीकै जिन माणसां कै खातर वा जोती-बोई जावै सै उनकै काम का साग-पात उगावै सै वा पणमेशर तै आशीष पावै सै, 8 पर जै वा झाड़ी अर ऊँटकटारे उगावै सै तो निकम्मी अर श्रापित होण पै सै, अर उसका अन्त जळाया जाणा सै|

9 पर हे प्यारो, हालाके हम ये बात कहवां सां तौभी थारै बारै म्ह हम इसतै आच्छी और उद्धारआळी बात्तां का भरोस्सा करां सां| 10 क्यूँके पणमेशर अन्यायी कोनी के थारे काम, अर उस प्रेम नै भूल जावै, जो थमनै उसकै नाम कै खातर इस तरियां तै दिखाया, के पवित्र माणसां की सेवा करी अर कर भी रहे सो| 11 पर हम घणा चाहवां सां के थारै म्ह तै हरेक माणस आखिर ताहीं पूरी आस कै खातर इसी ए कोशिश करदा रहवै| 12 ताके थम आळसी ना हो जाओ, बल्के उनका अनुकरण करो जो बिश्वास अर धीरज कै जरिये प्रतिज्ञाओं के वारिस होवैं सैं|

पणमेशर की अटल प्रतिज्ञा

13 पणमेशर नै अब्राहम तै वाद्दा करदे बख्त जिब्ब सूंह खाण कै खातर किसे ताहीं अपणे तै बड्डा कोनी पाया, तो आपणी ए सूंह खाकै कहया, 14 "मै साच्च-ए तेरै ताहीं घणा आशीष द्यूँगा, अर तेरी ऊलाद ताहीं बढ़ान्दा जाऊँगा|" 15 अर इस तरियां तै उसनै धीरज धरकै वाद्दा करी होई बात प्राप्त करी| 16 माणस तो अपणे तै किसे बड्डे की सूंह खाया करैं सैं, अर उनकै हरेक रोळै का फैसला सूंह खाकै पक्का होवै सै| 17 ज्यांतै जिब्ब पणमेशर नै प्रतिज्ञा के वारिसां पै और भी साफ़ तरियां तै प्रगट करणा चाहया के उसका

मकसद बदल नीं सकदा, तो सूंह नै बिचाळै ल्याया| 18 ताके दो बे-बदल
बात्तां के जरिये, जिनकै बारै म्ह पणमेशर का झूठा ठहरणा अनहोणा सै, पक्के
तौर तै म्हारा ढेठ बन्ध जावै, जो शरण लेण नै ज्यांतै भाज़े सै के उस आस
ताहीं जो श्यामी धरी होई सै प्राप्त करैं| 19 वा आस महारै प्राण कै खातर इसा
लंगर सै जो स्थिर अर मजबूत सै, अर पड़दै कै भीत्तर ताहीं पहोचै सै,
20 जित यीशु नै मलिकिसिदक की रीत पै सारे हाण के बख्त का महायाजक
बणकै, म्हारै खातर अगुआ के रूप म्ह बड़या सै|

मलिकिसिद्क याजक

7 यो मलिकिसिदक शालेम का राजा, अर परमप्रधान पणमेशर का
याजक, सारी हाण का याजक बणया रहवै सै| जिब्ब अब्राहम राजायां
ताहीं मारकै बोहड़ण लागरया था, तो इस्से नै उस तै फेटकै उस ताहीं
आशीष दिया| 2 इस्से ताहीं अब्राहम नै सारी चीज़ां का दसमा हिस्सा भी
दिया| यो पहल्या अपणे नाम कै मतलब कै मुताबिक, धर्म का राजा, अर फेर
शालेम यानिके शान्ति का राजा सै| 3 जिसकां ना पिता, ना माँ, ना पीढ़ी सै,
जिसकै दिनां का नीं सरूआत सै अर ना जिन्दगी का अन्त सै; पर पणमेशर
के बेट्टे कै हुबहू ठहर कै ओ सारी हाण कै खातर याजक बणया रहवै सै|
4 इब इस पै ख्याश करो के ओ किसा महान था जिसताहीं कुलपति अब्राहम
नै लूट के बढ़िया तै बढ़िया माळ का दसमा हिस्सा दिया| 5 लेवी की ऊलाद
म्ह तै जो याजक का ओद्दा पावै सै, उन्नै आज्ञा मिली सै के माणसां, अर
अपणे भाईयां तै, चाहे वे अब्राहम की देही तै ए क्यूँ नीं जन्मे हों, नियम-कायदे
कै मुताबिक दसमा हिस्सा लेवैं| 6 पर इसनै, जो उसकी पीढ़ी का भी कोनी
था, अब्राहम तै दसमा हिस्सा लिया, अर जिस ताहीं प्रतिज्ञाएँ मिली थीं उस
ताहीं आशीष देई| 7 इस म्ह शक ना सै के छोट्टा बड्या तै आशीष पावै सै|
8 अर उरै तो मरणीये माणस दसमा हिस्सा लेवैं सैं, पर ओड़ै ओए लेवै सै
जिसकी गवाही देई जावै सै के ओ जिन्दा सै| 9 तो हम न्यू भी कह सकां सां
के लेवी नै भी, जो दसमा हिस्सा लेवै सै, अब्राहम के जरिये दसमा हिस्सा
दिया| 10 क्यूँके जिस बख्त मलिकिसिदक उसकै पिता तै फेट्या, उस
बखत ओ अपणे पिता की देही म्ह था|

मलिकिसिदक कै समान दूसरा याजक

11 जै लेवीय याजक ओद्दे कै जरिये सिद्धि प्राप्त हो सकै (जिसकै आसरै
माणसां ताहीं नियम-कायदे मिले थे) तो फेर के जरूरत थी के दूसरा याजक
मलिकिसिदक की रीत पै खड़या होवै, अर हारून की रीत का ना कुहवावै?
12 क्यूँके जिब्ब याजक का ओद्दा बदल्या जावै सै, तो व्यवस्था का भी
बदलणा जरूरी सै| 13 क्यूँके जिसकै बारै म्ह ये बात कही जावैं सैं के ओ
दुसरे गोत्र का सै, जिस म्ह तै किसे नै वेदी की सेवा नीं करी, 14 तो दिखग्या
के म्हारा प्रभु यहूदा के गोत्र म्ह तै पैदा होया सै, अर इस गोत्र कै बारै म्ह मै
मुसा नै याजक ओद्दे का कीमे जिक्रा कोन्या करया| 15 म्हारा दावा और भी
साफ़ तरियां तै दिख जावै सै, जिब्ब मलिकिसिदक कै तरियां एक और
याजक पैदा हो जावै सै, 16 जो देही तौर पै हुक्म के नियम-कायदे कै मुताबिक
नीं, पर अमर जीवन की सामर्थ कै मुताबिक नियुक्त होया हो| 17 क्यूँके
उसकै बारै म्ह या गवाही दी गई सै, "तू मलिकिसिदक की रीत पै युगानुयुग
याजक सै|" 18 इस ढाळ, पहल्ड़ी आज्ञा कमजोर अर बेकार होण कै कारण
गुम होग्यी 19 (ज्यांतै के व्यवस्था नै किसे बात की सिद्धि कोन्या करी), अर
उसकी जंगहा पै एक इसी सारया तै बढ़िया आस राक्खी गई सै जिसकै
जरिये हम पणमेशर कै लवै जा सकां सां| 20 मसीह की नियुक्ति बिना सूंह
कोनी होई, 21 क्यूँके वे तो बिना सूंह याजक ठहराए गये पै या सूंह कै गेल्या
उसकी ओड़ तै नियुक्त करया गया जिसनै उसकै बारै म्ह कहया, "प्रभु नै सूंह
खाई, अर ओ उसतै फेर ना पछतावैगा के तू युगानुयुग याजक सै"| 22 इस
ढाळ यीशु एक सारया तै बढ़िया वाचा का जमानती ठहरया|

23 वे तो घणी बड्डी गिणती म्ह याजक बन्दे आये, इसकां कारण यो था के
मौत उन्नै रहण नीं देवै थी; 24 पर यो युगानुयुग होंदा रहवै सै, इस कारण
उसका याजक पद पक्का सै| 25 इस्से खातर जो उसकै जरिये पणमेशर कै
धोरै आवैं सैं, ओ उनका पूरा-पूरा उद्धार कर सकै सै, क्यूँके ओ उनकै खातर
बिनती करण ताहीं सारी हाण जिन्दा सै| 26 आखर म्ह इसा ए महायाजक
म्हारै जोग्गा था जो पवित्र, अर बिना कपट का, अर जमा साफ़, अर पापियाँ
तै न्यारा, अर सुर्ग तै भी ऊँच्चा करया होया हो| 27 उन महायाजकां की
तरियां उसनै जरूरत कोनी के हरेक दिन पहल्या अपणे पापां कै खातर
बलिदान चढ़ावैं; क्यूँके उसनै अपणे आप ताहीं बलिदान चढ़ाके उसनै एक ए
बर म्ह पूरा कर दिया| 28 क्यूँके व्यवस्था तो कमजोर माणसां ताहीं
महायाजक नियुक्त करै सै, पर उस सूंह का बचन, जो व्यवस्था कै पाच्छै
खाई गई, उस बेट्टे नै नियक्त करै सै जो युगानुयुग कै खातर सिद्ध करया गया
सै|

यीशु म्हारा महायाजक

8 इब जो बात हम कहण लागरे सां उन म्ह तै सारया तै बड्डी बात या सै
के म्हारा इसा महायाजक सै, जो सुर्ग पै महामहीमन के सिंहासन कै
सोळी ओड़ जा बैठ्या सै, 2 अर पवित्र जंगहा अर उस साच्चे तम्बू का सेवक
होया जिस ताहीं किसे माणस नीं, बल्के प्रभु नै खड़या करया सै| 3 क्यूँके
हरेक महायाजक भेंट अर बलिदान चढाण कै खातर ठहराया जावै सै, इस
कारण जरूरी सै के इस याजक कै धोरै भी कीमे चढ़ाण कै खातर हो| 4 जै
ओ धरती पै होंदा तो कद्दे भी याजक नीं होंदा, ज्यांतै के व्यवस्था कै
मुताबिक भेंट चढ़ाण आळे तो सैं| 5 वे सुर्ग म्ह की चीज़ां के नकल अर छाया
की सेवा करैं सैं; जिसा जिब्ब मूसा तम्बू बनाण पै था, तो उस ताहीं या
चेतावनी मिली, "लखा, जो नमूना तेरै ताहीं पहाड़ पै दिखाया गया था,
उसकै मुताबिक सारा कीमे बनाणा|" 6 पर उन याजकां तै बढ़कै सेवा यीशु
ताहीं मिली क्यूँके ओ और भी उत्तम वाचा की बिचोल्ला ठहरया, जो और
उत्तम वायदयां कै आसरै बाँधी गई सै|

7 क्यूँके जै वा पहल्ड़ी वाचा बेकसूर होन्दी, तो दूसरी कै खातर मौक्का ना
टोहया जान्दा| 8 पर प्रभु उन पै तोहमन्द लाकै कहवै सै, "प्रभु कहवै सै,
लखाओ, वे दिन आवै सै के मै इस्राएल के कुन्बे कै गेल्या, अर यहूदा के
कुन्बे कै गेल्या नयी वाचा बाधुँगा| 9 या उस वाचा की तरियां ना होवैगी, जो
मन्नै उनकै पिता-दाद्यां कै गेल्या उस बख्त बाँधी थी, जिब्ब मै उनका हाथ
पकड़कै उन ताहीं मिस्र देश तै लिकाड़ ल्याया; क्यूँके वे मेरी वाचा पै टिक
नीं सके, ज्यांतै मन्नै उनकी ख्याश कोन्या करी, प्रभु न्यू ए कहवै सै| 10 फेर
प्रभु कहवै सै, के जो वाचा उन दिनां कै पाच्छै इस्राएल कै कुन्बे कै गेल्या
बाँधुगा, वा या सै के मै आपणे व्यवस्था नै उनके मनां म्ह गेरूँगा, अर उस
ताहीं उनके ह्रद्याँ पै लिखूँगा, अर मै उनका पणमेशर ठहरूँगा अर वे मेरे
माणस ठहरैंगें| 11 अर हरेक अपणे देशआळे ताहीं अर अपणे भाई ताहीं या
शिक्षा नीं देवैगा, के तू प्रभु ताहीं पिच्छाण, क्यूँके छोट्या तै लेकै बड्या ताहीं
सारे मन्नै जाण लेवैंगें| 12 क्यूँके मै उनकै अधर्म कै बारै म्ह दया करूँगा, अर
उनकै पापां ताहीं दुबारा याद कोनी करूँगा|" 13 नयी वाचा नै बनाण तै उसनै
पहल्ड़ी वाचा ताहीं पूराणी ठहरा दिया; अर जो चीज पूराणी अर जीर्ण या
बूढी हो जावैं सैं उसका मिट जाणा जरूरी सै|

पार्थिव तम्बू म्ह सेवा

9 उस पहल्ड़ी वाचा म्ह भी सेवा के नियम थे, अर इसी पवित्र जंगहा थी
जो इस दुनिया की थी| 2 क्यूँके एक तम्बू बणाया गया, पहल्या तम्बू
म्ह दिवा धरण का दीवट, अर मेज, अर भेंट की रोटीयां थीं; अर वा पवित्र
जंगहा कुहवावै सै| 3 दूसरा, पड़दे कै पाच्छै ओ तम्बू था, जो परमपवित्र
जंगहा कुहवावै सै| 4 उस म्ह सोन्ने की धूपदानी, अर चौगरदेकै सोन्ने तै
मन्ढया होया वाचा का सन्दूक अर उस म्ह मन्ना तै भरया होया सोने का
मर्तबान अर हारून की छड़ी जिस म्ह फूल फळ आ गये थे अर वाचा की
पटियाँ थीं| 5 उसकै ऊप्पर दोन्नु तेजोमय करूब थे, जो पछतावे के ढक्कण पै
छाया करे होड़ थे; इनका एक-एक करकै जिक्रा करण का इब्बे बख्त कोनी
सै|

6 ये चीज इस तरियां तै त्यार हो चुर्की| उस पहल्ड़े तम्बू म्ह याजक हरेक
बख्त बड़कै सेवा का काम पूरा कर सकै सै|, 7 पर दुसरे म्ह सिर्फ
महायाजक साल भर म्ह एक ए बर जावै सै, अर बिना लहू लिये नीं जान्दा;

जिस ताहीं ओ अपणे खातर अर माणसां की भूल-चूक कै खातर चढ़ावै सै|
8 इस तै पवित्र आत्मा योए दिखावै सै के जिब्ब ताहीं पहल्ड़ा तम्बू खड़्या सै,
जिद ताहीं पवित्र जंगहा का रास्ता प्रगट कोनी होया| 9 यो तम्बू इब के बख्त
कै खातर एक उदाहरण सै; जिसम्ह इसी भेंट अर बलिदान चढ़ाये जावै सै,
जिनतै आराधना करणआळे के विवेक सिद्ध कोनी हो सकदे| 10 क्यूँके वे
सिर्फ खाण-पाण की चीज़ां अर कई ढाळ की नहाण के तरीकयां कै आधार पै
देही तौर पै नियम सै, जो सुधार कै बख्त ताहीं कै खातर नियुक्त करे गये सै|

मसीह कै लहू की सामर्थ

11 पर जिब्ब मसीह आणआळी बढ़िया-बढ़िया चीज़ां का महायाजक होकै
आया, तो उसनै और भी बड्डे अर सिद्ध तम्बू तै होकै, जो हाथ का बणाया
होया कोनी यानिके इस सृष्टि का कोनी, 12 अर बकरयां अर बछड़यां के लहू
कै जरिये नीं पर अपणे ए लहू कै जरिये, एक ए बर पवित्र जंगहा म्ह बड़्या
अर अनन्त छुटकारा प्राप्त करया| 13 क्यूँके जिब्ब बकरयां अर बैल्दां का लहू
अर कलोर की राख का अपवित्र माणसां पै छिड़क्या जाणा देही की शुद्धता
कै खातर उन ताहीं पवित्र करै सै, 14 तो मसीह का लहू जिसनै अपणे आप
ताहीं घणी पुराणी आत्मा कै जरिये पणमेशर कै श्यामी बेकसूर चढ़ाया, थारै
विवेक ताहीं मरे होड़ काम्मां तै क्यांतै नीं शुद्ध करैगा ताके थम जिन्दे
पणमेशर की सेवा करो|

15 इस्से कारण ओ नयी वाचा का बिच्चोल्ला सै, ताके उसकी मौत के जरिये
जो पहल्ड़ी वाचा कै बख्त के अपराध तै छुटकारा पाण कै खातर होई सै,
बुलाए होड़ माणस वायदे कै मुताबिक अनन्त वसीयत ताहीं प्राप्त करैं|
16 क्यूँके जित वाचा बाँधी गई सै उड़ै वाचा बाँधणआळया की मौत का समझ
लेणा भी जरूरी सै| 17 क्यूँके इसी वाचा मरण पै पक्की होवै सै, अर जिब्ब
ताहीं वाचा बाँधण आळा जिन्दा रहवै सै जिद ताहीं वाचा काम की कोनी
होन्दी| 18 इस्से खातर पहल्ड़ी वाचा भी बिना लहू कै कोनी बाँधी गई|
19 क्यूँके जिब्ब मूसा सारे माणसां नै व्यवस्था का हरेक हुक्म सुणा चुक्या तो
उसनै बकरयां अर बाछड़यां का लहू ले कै, पानी अर लाल ऊन अर
जूफा(रूई) कै गेल्या, उस किताब पै अर सारे माणसां पै छिड़क दिया 20 अर
कहया, "यो उस वाचा का लहू सै, जिसकां हुक्म पणमेशर नै थारै खातर
दिया सै|" 21 अर इस्से तरियां तै उसनै तम्बू अर सेवा के सारे समान पै
छिड़क्या| 22 साच्ची तो या सै के नियम-कायदे कै मुताबिक आमतौर पै सारी
चीज लहू कै जरिये शुद्ध करी जावैं सैं, अर लहू बहाए पापां की माफ़ी
कोन्या|

मसीह के बलिदान कै जरिये पाप की माफ़ी

23 ज्यांतै जरूरी सै के सुर्ग म्ह की चीज़ां के हुबहू इन बलिदानां कै जरिये
शुद्ध करे जावैं, पर सुर्ग म्ह की चीज खुद इनतै घणे बढ़िया बलिदानां कै
जरिये शुद्ध करी जान्दी| 24 क्यूँके मसीह नै उस हाथ के बणाई होई पवित्र
जंगहा म्ह, जो साच्ची पवित्र जंगहा का नमून्ना सै, कोनी बड़्या, पर सुर्ग ए म्ह
बड़्या, ताके म्हारै खातर इब पणमेशर कै श्यामी दिखाई देवै| 25 यो नीं के
ओ आपणे आप ताहीं बार-बार चढ़ावै, जिसा के महायाजक हरेक साल दुसरे
का लहू लिए पवित्र जंगहा म्ह बड़्या करै था, 26 नीं तो दुनिया की सरूआत
तै लेकै उस ताहीं बार-बार दुःख ठाणा पड़दा; पर इब युग कै आखरी म्ह ओ
एक ए बर प्रगट होया सै, ताके अपणे ए बलिदान कै जरिये पाप ताहीं दूर कर
देवै| 27 अर जिस तरियां माणसां कै खातर एक बर मरणा अर उसकै पाच्छै
न्याय का होणा तय सै, 28 उस्से तरियां ए मसीह भी घणा ए कै पापां ताहीं
उठा लेण कै खातर एक बर बलिदान होया; अर जो माणस उसकी बाट देखै
सै उनकै उद्धार कै खातर दूसरी बर बिना पाप उठाए होए दिखैगा|

सिद्ध बलिदान

10 क्यूँके नियम-कायदे, जिस म्ह आणआळी बढ़िया चीज़ां की छाया
सै पर उनका असली खुद का रूप कोनी, ज्यांतै उन एक ए ढाळ के
बलिदानां कै जरिये जो हरेक साल बिना चुक्के चढाए जावैं सैं, धोरै
आणआळयां ताहीं कद्दे भी सिद्ध नीं कर सकदी| 2 नीं तो उनका चढ़ाणा
बन्द क्यांतै नीं हो जान्दा? ज्यांतै जिब्ब सेवा करणआळे एक ए बर शुद्ध हो
जान्दे, तो उनका विवेक उन्नै पापी कोनी ठहरान्दा| 3 पर उनकै जरिये हरेक
साल पापां की याद होया करै सै| 4 क्यूँके यो अनहोणा सै के बैल्दां अर
बकरयां का लहू पापां नै दूर करै|

5 इस्से कारण ओ दुनिया म्ह आंदे बख्त कह्वै सै, "बलिदान अर भेंट तन्नै
कोनी चाही, पर मेरै खातर एक देही त्यार करी| 6 होम-बलियां अर पाप
बलियां तै तू राज़ी कोनी होया| 7 फेर मन्नै कहया, 'लखा, मै आग्या सूं, पवित्र
ग्रन्थ म्ह मेरै बारै म्ह लिख्या होया सै, ताके हे पणमेशर, तेरी मर्जी पूरी
करूँ'|" 8 ऊप्पर तो ओ कह्वै सै, "ना तन्नै बलिदान अर भेंट अर होम-बलियां
अर पाप-बलियां ताहीं चाहया, अर ना उन तै राज़ी होया," हालाकि ये
बलिदान तो व्यवस्था कै मुताबिक चढ़ाए जावैं सैं| 9 फेर यो भी कह्वै सै,
"लखा, मै आग्या सूं, ताके तेरी मर्जी पूरी करूँ," आखर ओ पहल्ड़े नै उठा
लेवै सै, ताके दुसरे ताहीं नियुक्त करै| 10 उस्से मर्जी तै हम यीशु मसीह की
देही कै एक ए बर बलिदान चढ़ाए जाण कै जरिये पवित्र करे गये सां|

11 हरेक याजक तो खड़े होकै रोज सेवा करै सै, अर एक ए ढाळ के
बलिदान नै जो पापां नै कद्दे भी दूर नीं कर सकदे, बार-बार चढ़ावै सै| 12 पर
यो माणस तो पापां कै बदलै एक ए बलिदान सारी हाण कै खातर चढ़ाकै
पणमेशर कै सोळी ओड़ जा बैठ्या, 13 अर उस्से बख्त तै इसकी बाट देखण
लागरया सै, के उसके बैरी उसकै पायां कै तळै की पटड़ी बणै| 14 क्यूँके
उसनै एक ए चढ़ावै कै जरिये उन ताहीं जो पवित्र करे जावै सै, सारी हाण कै
खातर सिद्ध कर दिया सै| 15 अर पवित्र आत्मा भी हमनै याए गवाही देवै सै;
क्यूँके उसनै पहल्या ए कहया था,

16 "प्रभु कह्वै सै के जो वाचा मै उन दिनां कै पाच्छै उन तै बाँधूँगा वा या सै
के मै अपणे नियमां ताहीं उनके ह्रदयां पै लिखूँगा अर मै उनकै विवेक म्ह
गेरूँगा|" 17 फेर ओ न्यू कहवै सै, "मै उनकै पापां नै अर उनकै अधर्म के
काम्मां नै दुबारा याद कोनी करूँगा|" 18 अर जिब्ब उनकी माफ़ी होग्यी तो
पाप का बलिदान कोनी रहया| 19 ज्यांतै हे भाईयो, जिब्ब हमनै यीशु कै लहू
कै जरिये उस नये अर जिन्दे रास्ते तै पवित्र जंगहा म्ह बड़ण की हिम्मत
होग्यी सै, 20 जो उसनै पड़दे यानिके आपणी देही म्ह तै होकै, म्हारै खातर
अभिषेक करया सै, 21 अर ज्यांतै के म्हारा इसा महान याजक सै, जो
पणमेशर के घर का अधिकारी सै, 22 तो आओ, हम साच्चे मन अर पुरै बिश्वास
कै गेल्या, अर विवेक की खामी दूर करण कै खातर ह्रदय पै छिड़काव लेकै,
अर देही ताहीं सुच्चे पाणी तै धुवाकै पणमेशर कै लवै जांवा| 23 आओ हम
आपणी आस कै अंगीकार ताहीं मजबूती तै थाम्बे रहवां, क्यूँके जिसनै वाद्दा
करया सै, ओ साच्चा सै; 24 अर प्रेम, अर भले काम्मां म्ह उक्साण कै खातर
हम एक-दुसरे की फ़िक्र किया करां, 25 अर एक-दुसरे कै गेल्या कद्दे होणा ना
छोड्डां, जिस तरियां के कितन्या की रीत सै, पर एक-दुसरे नै समझान्दे रहवां;
अर ज्यों-ज्यों उस दिन नै लोवै आंदे देक्खो त्यों-त्यों और भी घणे ये करया
करो| 26 क्यूँके सच्चाई की पिच्छाण प्राप्त करण कै बाद जै हम जाण-बुझकै
पाप करदे रहवा, तो पापां कै खातर फेर कोए बलिदान बाकी कोनी| 27 हाँ,
सजा का भयानक बाट देखणा अर आग का बळणा बाकी सै जो बिरोधियाँ नै
भस्म कर देवैगा| 28 जिब्ब मूसा के नियम-कायदे का ना मानण आळा, दो या
तीन माणसां की गवाही पै, बिना दया कै मार दिया जावै सै, 29 तो सोच ल्यो
के ओ कितने और भी भारया सजा कै जोग्गा ठहरैगा, जिसनै पणमेशर के बेट्टे
ताहीं पाँयां तै रौंदया अर वाचा कै लहू ताहीं, जिसकै जरिये ओ पवित्र
ठहराया गया था, अपवित्र जाणया गया सै, अर अनुग्रह के आत्मा का
अपमान करया| 30 क्यूँके हम उसनै जाणा सा, जिसनै कहया, "पलटा लेणा
मेरा काम सै, मै ए बदला द्यूँगा|" अर फेर यो के "प्रभु अपणे माणसां का
न्याय करैगा|" 31 जिन्दे पणमेशर कै हाथां म्ह पड़ना भयानक(डरावनी) बात
सै| 32 पर उन पाच्छले दिनां नै याद करो, जिन म्ह थम चाँदणा पाकै दुःखा
की भारया लड़ाई म्ह डटे रहे| 33 कदे-कदे तो न्यू के थम बुराई अर क्लेश
सहन्दे होए तमाशा बणे, अर कदे न्यू के थम उनके साझ्झी होए जिनकी भूंडी
हालत करी जावै थी| 34 क्यूँके थम कैदीयां के दुःख म्ह भी दुखी होए, अर
आपणी सम्पति भी ख़ुशी तै लुटण दी; न्यू जाणकै के थारै गेल्या एक और भी
सारया तै बढ़िया अर सारी हाण ठहरण आळी सम्पति सै| 35 ज्यांतै आपणी
हिम्मत ना छोड्डो क्यूँके उसका इनाम बड्डा सै| 36 क्यूँके थारा धीरज धरणा

जरूरी सै, ताके पणमेशर की मर्जी नै पूरी करकै थम वायदे का फळ पाओ|
37 "क्यूँके इब घणा ए माड़ा बख्त रहग्या सै, जिब्ब के आणआळा आवैगा अर
वार नीं करैगा| 38 पर मेरा धर्मी माणस बिश्वास तै जिन्दा रहवैगा, जै ओ
पाच्छै हट जावै तो मेरा मन उस तै राज़ी कोनी होवैगा|" 39 पर हम हटण
आळे कोनी के नाश हो जावै पर बिश्वास करणआळे सां के ज्यानाँ ताहीं
बचाएँ|

बिश्वास के उदाहरण

11 इब बिश्वास आस करी होई चीज़ां का निश्चय, अर बिना देक्खी
चीज़ां का सबूत सै| 2 क्यूँके इस्से कै बारै म्ह प्राचीनां की आच्छी
गवाही दी गई| 3 बिश्वास ए तै हम जाण जावां सां के सारी सृष्टि की रचना
पणमेशर कै बचन कै जरिये होई सै| पर यो नीं के जो कीमे देखण म्ह आवै
सै, ओ देक्खी होई चीज़ां तै बणया हो| 4 बिश्वास ए तै हाबिल ने कैन तै घणा
बढ़िया बलिदान पणमेशर कै खातर चढाया, अर उस्से कै जरिये उनकै धर्मी
होण की गवाही भी देई गई, क्यूँके पणमेशर नै उसकी भेंट्टां कै बारै म्ह गवाही
देई; अर उस्से कै जरिये ओ मरण पै भी इब ताहीं बात करै सै| 5 बिश्वास ए तै
हनोक उठा लिया गया के मौत नै नीं देक्खै, अर उसका बेरा नीं लाग्या क्यूँके
पणमेशर नै उस ताहीं उठा लिया था, अर उसकै ऊप्पर ठाए जाण तै पहल्या
उसकी गवाही देई गयी थी के उसनै पणमेशर ताहीं राज़ी करया सै| 6 अर
बिश्वास बिना उस ताहीं राज़ी करणा अनहोणा सै; क्यूँके पणमेशर कै धोरै
आणआळै नै बिश्वास करणा चहिये के ओ सै, अर अपणे टोहणआळै नै ईनाम
देवै सै| 7 बिश्वास ए तै नूह नै उन बात्तां कै बारै म्ह जो उस बख्त दीखै थीं,
चेतावनी मिल दए भगति कै गेल अपणे कुन्बे कै बचाण कै खातर जहाज
बणाया, अर उसकै जरिये उसनै दुनिया ताहीं कसूरवार ठहराया; अर उस
धर्म का वारिस होया जो बिश्वास तै होवै सै| 8 बिश्वास ए तै अब्राहम जिब्ब
बुलाया गया तो हुक्म मानकै इसी जंगहा लिकड़ गया जिस ताहीं बसियत म्ह
लेण आळा था; अर न्यू नीं जाणै था के मै कितोड़ जाऊँ सूं, तौभी लिकड़
ग्या| 9 विशवासए तै उसनै वाद्दा करे होड़ देश म्ह, बिराणै देश म्ह परदेशी की
तरियां, रहकै इसहाक अर याकूब सुदा, जो उसकै गेल्या उस्से वादै के
वारिस थे, तम्बुआ म्ह बसेरा करया| 10 क्यूँके ओ उस स्थिर नींवआळे नगर
की बाट देखै था, जिसकां रचणआळा अर बनाणआळा पणमेशर सै|
11 बिश्वास तै सारा नै आप बूढी होण पै भी गर्भ धारण करण की सामर्थ पाई,
क्यूँके उसनै वाद्दा करणआळे ताहीं साच्चा जाणया था| 12 इस कारण एक ए
माणस तै, जो मरया होया सा था, अकास के तारयां अर समुन्दर कै कंठारै
के बाळू की तरियां अणगिणत वंश पैदा होए| 13 ये सारे बिश्वास ए की हालत
म्ह मरे; अर उन्नै वाद्दा करी होई चीज कोनी पाई, पर उन्नै दूर तै देखकै राज़ी
होए अर मान लिया के हम धरती पै परदेशी अर बाहर के सां| 14 जो इसी-
इसी बात कहवै सै, वे दिखावै सै के अपणे देश की टोह म्ह सै| 15 अर जिस
देश तै वे लिकड़ आये थे, जै उसकी सुधि करदे तो उन्नै बोहड़ण का मौक्का
था| 16 पर वे एक घणा बढ़िया यानिके सुर्गीय देश के चाहणआळे सै; इस्से
खातर पणमेशर उनका पणमेशर कुहवाण म्ह उनतै कोनी सर्मान्दा, क्यूँके
उसनै उनकै खातर एक नगर त्यार करया सै|

17 बिश्वास ए तै अब्राहम नै, परखे जाण कै बख्त म्ह, इसहाक ताहीं
बलिदान चढाया; अर जिसनै वाद्यां ताहीं साच्चा मान्या था 18 अर जिसतै न्यू
कहया गया था, "इसहाक तै तेरा वंश कुहवावैगा," ओए अपणे एक्कै बेट्टै ताहीं
बलिदान चढ़ाण लाग्या| 19 क्यूँके उसनै मान लिया, के पणमेशर सामर्थी सै
के उस ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करैगा; आखर म्ह उन्ने म्ह तै उदाहरण
की रीत पै ओ उस ताहीं फेर मिल्या| 20 बिश्वास ए तै इसहाक नै याकूब अर
एसाव ताहीं आणआळी बात्तां कै बारै म्ह आशीष देई| 21 बिश्वास ए तै याकूब
नै मरदे बख्त यूसुफ के दोन्नु बेट्यां म्ह तै एक-एक ताहीं आशीष देई, अर
आपणी लाठी कै कुणै पै सहारा लेकै मुद्दा पड़कै धोक मारी| 22 बिश्वास ए तै
यूसुफ नै, जिब्ब ओ मरण पै था, तो इस्राएल की ऊलाद कै लिकड़ जाण का
जिक्रा करया, अर आपणी हाड्डीयां कै बारै म्ह हुक्म दिया| 23 बिश्वास ए तै
मूसा कै माँ-पिता नै उस ताहीं, पैदा होए पाच्छै तीन महीन्ने ताहीं ल्हकोए
राख्या, क्यूँके उन्नै देख्या के बाळक सुथरा सै, अर वे राजा कै हुक्म तै कोनी
डरे| 24 बिश्वास ए तै मूसा श्याणा होकै फिरौन की बेट्टी का बेट्टा कुहवाण तै
नाटग्या| 25 ज्यांतै के उस ताहीं पाप म्ह माड़े-से दिन के सुख भोगण तै
पणमेशर के माणसां कै गेल्या दुःख भोगणा घणा बढ़िया लाग्या| 26 उसनै
मसीह कै कारण बदनाम होण ताहीं मिस्र कै भण्डार तै बड्डा धन समझया,
क्यूँके उसकी आँख ईनाम मिलण की ओड़ लाग्गी थीं| 27 बिश्वास ए तै राजा
कै छोह तै ना डरकै उसनै मिस्र ताहीं त्याग दिया, क्यूँके ओ बिना देक्खे
मान्नो देख्दा होया पक्का रहया| 28 बिश्वास ए तै उस नै फसह अर लहू
छिड़कण का तरीका मान्या, के पहल्ड़ा का नाश करणआळा इस्राएलियां पै
हाथ नीं गेरै|

29 बिश्वास ए तै वे लाल समुन्दर कै पार इसे उतर गे, जिस तरियां सूक्खी
धरती पर तै; अर जिब्ब मिस्रीयां नै उस्से तरियां ए करणा चाहया तो सारे
डूब मरे| 30 बिश्वास ए तै यरीहो की शहरपनाह, जिब्ब उन्नै सात दिन ताहीं
उसका गेड़ा ला लिया, तो वा पड़गी| 31 बिश्वास ए तै राहाब बेश्या हुक्म ना
मानण आळयां कै गेल्या नाश नीं होई, ज्यांतै के उसनै भेदीयां ताहीं राज़ी-
ख़ुशी राख्या था| 32 इब और के कहूँ? क्यूँके बख्त कोनी रहया के गिदोन
का, अर बाराक अर शिमशोन का, अर यिफतह का, अर दाऊद अर शमूएल
का, अर नब्बियाँ का बखान करूँ| 33 इन्नै बिश्वास ए कै जरिये राज्य जीते;
धर्म के काम करे; वाद्दा करी होई चीज पाई; शेरां के मुँह बन्द करे; 34 आग
की ज्वाला ताहीं शीळा करया; तलवार की धार तै बच लिकड़े; कमजोरी म्ह
ठाड्डे होए; लड़ाई म्ह वीर लिकड़े; विदेशियाँ की फ़ौज ताहीं मार भजाया|
35 लुगाईयां नै अपणे मरे होया ताहीं दुबारा जिन्दा पाया; कितने तो मार
खांदे-खांदे मर गे अर छुटकारा नीं चाहया, ज्यांतै के घणे बढ़िया पुनरुत्थान
के हिस्सेदार होवैं| 36 घण-खरया मखौल म्ह उडाए जाण, अर कोरड़े खाण
बल्के जुड़े जाण, अर कैद म्ह पड़ण कै जरिये परखे गये| 37 कई पत्थर
बरसाए गए; आरै तै चीरे गये; उसकी परीक्षा करी गई; तलवार तै मारे गये; वे
कंगाली म्ह, अर क्लेश म्ह, अर दुःख भोगदे होए भेड्डां अर बकरीयां की खाल
ओढ़े होए, उराण-पराण मारे-मारे हाँडें; 38 अर जंगळां, अर पहाड़ा, अर
गुफायां म्ह, अर धरती की दरारां म्ह भटकदे हाँडें| दुनिया उनकै जोग्गी
कोनी थी| 39 बिश्वास ए कै जरिये इन सारया कै बारै म्ह आच्छी गवाही देई
गई, तौभी उन्नै वाद्दा करी होई चीज कोनी मिली| 40 क्यूँके पणमेशर नै म्हारै
खातर पहल्या तै एक घणी बढ़िया बात ठहराई, के वे म्हारै बैगर सिद्धता
ताहीं नीं पहोच्चे|

पणमेशर पिता द्वारा ताड़ना

12 इस कारण जिब्ब के गवाहां का इसा बड्डा बादळ म्हारै ताहीं घेरे होए
सै, तो आओ, हरेक रोकणआळी चीज अर उलझाणआळे पाप ताहीं
दूर करकै, वा दौड़ जिसम्ह भाजणा सै धीरज तै भाज़ां, 2 अर बिश्वास के
कर्ता अर सिद्ध करणआळे यीशु की ओड़ ल्खान्दे रऐं, जिसनै उस आनन्द कै
खातर जो उसकै आगै धरया था, सर्म की कीमे फ़िक्र नीं करकै क्रूस का
दुःख सहया, अर पणमेशर कै सिंहासन कै सोळी ओड़ जा बैठ्या| 3 ज्यांतै
उस पै गौर करो, जिसनै अपणे बिरोध म्ह पापियाँ का इतना बिरोध सह
लिया के थम निराश होकै हिम्मत ना छोड़ द्यो| 4 थमनै पाप तै लड़दे होए
उसतै इसी मुठभेड़ नीं करी के थारा लहू बहया हो; 5 अर थम उस उपदेश
ताहीं, जो थारै ताहीं बेट्टा की तरियां दिया जावै सै, भूल गये सो : "हे मेरे बेट्टे,
प्रभु की ताड़ना नै हल्की बात ना जाण, अर जिब्ब ओ तन्नै घुड़कै तो हिम्मत
ना छोड्डै| 6 क्यूँके प्रभु जिसतै प्रेम करै सै, उसकी ताड़ना भी करै सै, अर
जिस ताहीं बेट्टा बणा लेवै सै, उसकै कोरड़े भी मारै सै|"

7 थम दुःख नै ताड़ना समझकै सह ल्यो; पणमेशर थारै ताहीं बेट्टा जाणकै
थारै गेल्या सलूक करै सै| ओ कौण-सा बेट्टा सै जिसकी ताड़ना पिता नीं
करदा? 8 जै ओ ताड़ना जिसकै हिस्सेदार सारे होवैं सैं, थारी नीं होई तो थम
बेट्टे नीं, पर जार की ऊलाद ठहरे| 9 फेर जिब्ब के म्हारै देही तौर के पिता भी
म्हारी ताड़ना करयां करैं थे अर हमनै उनका आद्दर-मान करया, तो के
आत्मायां के पिता के और भी बिसर नीं रहवां जिस तै हम जिदे रहवां| 10 वे
तो आपणी-आपणी समझ कै मुताबिक माड़े-से दिनां कै खातर ताड़ना करैं
थे, पर ओ तो म्हारै फैयदे कै खातर करै सै, के हम भी उसकी पवित्रता के

हिस्सेदार हो जावां| 11 इस बख्त म्ह हरेक तरियां की ताड़ना आनन्द की
नीं, पर दुःख ए बात दिखाई देवै सै; तौभी जो उस ताहीं सहन्दे-सहन्दे पक्के
हो गये सैं, बाद म्ह उन्नै चैन कै गेल्या धर्म का ईनाम मिलै सै|

उपदेश अर चेतावनी

12 ज्यांतै ढील्ले हाथां अर कमजोर गोडयां नै सीधे करो, 13 अर अपणे पायां
कै खातर सीधी राही बणाओ के लंगड़ा भटक ना जावै पर भला चंगा हो
जावै| 14 सारया तै मेल-मिलाप राक्खो, अर उस पवित्रता के खोज़ी सो
जिसकै बिना कोए प्रभु ताहीं कद्दे भी नीं देखैगा| 15 गौर तै देख्दे रहो, इसा
ना हो के कोए पणमेशर कै अनुग्रह तै दूर रह जावै या कोए कड़वी जड़ फूटकै
दर्द देवै, अर उसकै जरिये घण-खरे माणस अशुद्ध हो जावै| 16 इसा ना हो के
कोए माणस जार, या एसाव की तरियां अधर्मी होवै जिसनै एक बर के खाणै
कै बदलै म्ह अपणे जेड्डा होण का ओद्दा बेच दिया| 17 थम नै बेरा सै के बाद
म्ह जिब्ब उसनै आशीष पाणी चाही तो इस जोग्गा कोनी गिणया गया, अर
आँसू बहा-बहाकै टोहण पै भी मन फिराव का मौक्का उस ताहीं कोनी मिल्या|
18 थम तो उस पहाड़ कै धोरै, जो छुआ जा सकै था, अर आग तै बळकै
भभके होड़ था, अर काळी घटा, अर अन्धेरा, अर आँधी कै धोरै, 19 अर
तुरही की आवाज, अर बोल्लण आळे के इसे शब्द कै धोरै नीं आए, जिसकै
सुनणआळे तै बिनती करी के इब म्हारै तै और बात ना करी जावैं| 20 क्यूँके
वे उस आज्ञा ताहीं ना सह सकै : "जै कोए डांगर भी पहाड़ ताहीं छुवै तो उस
पै पत्थर बरसाये जावैं|" 21 अर ओ दर्शन इसा डरावना था के मूसा नै
कहया, "मै घणा डरदा अर काम्बू सूं|"

22 पर थम सिय्योन कै पहाड़ कै धोरै, अर जिन्दे पणमेशर कै नगर, सुर्गीय
यरूशलेम, कै धोरै अर लाखों सुर्गदुत्तां 23 अर उन पहल्ड़यां की सीधी सी
पंचायत अर कलीसिया, जिन कै नाम सुर्ग म्ह लिक्खे होए सैं, अर सारया के
जज पणमेशर कै धोरै, अर सिद्ध करे होए धर्मीयां की आत्मायां, 24 अर नयी
वाचा के बिचोले यीशु अर छिड़काव कै उस लहू कै धोरै आये सो, जो हाबिल
कै लहू तै घणी बढ़िया बात कहवै सै| 25 सावधान रहो, अर उस कहणआळै
तै मुँह ना फेरो, क्यूँके वे माणस जिब्ब धरती पै के चेतावनी देणआळे तै मुँह
मोड़कै नीं बच सके, तो हम सुर्ग पै तै चेतावनी देणआळै तै मुँह मोड़कै किस
ढाळ बच सकांगें? 26 उस बख्त तो उसकै शब्द नै धरती ताहीं हला दिया, पर
इब उसनै यो वाद्दा करां सै, "एक बर फेर मै ना सिर्फ धरती ताहीं बल्के
अकास ताहीं भी हला देऊँगा|" 27 अर यो बोल 'एक बर फेर' इस बात ताहीं
दिखावै सै के जो चीज हलाई जावैं सैं, वे बणाई होई चीज होण कै कारण टळ
जावैंगीं; ताके जो चीज हलाई नीं जान्दी, वे पक्की तरियां बणी रहवैं| 28 इस
कारण हम इस राज्य ताहीं पाकै जो हाल्लण का नीं, उस अनुग्रह ताहीं हाथ तै
नीं जाण दे, जिसकै जरिये हम भगति, अर भय सुदा पणमेशर की इसी
आराधना कर सकां सां जिस तै ओ राज़ी होवै सै; 29 क्यूँके म्हारा पणमेशर
राख करणआळी आग सै|

मसीही जीवन जीण के निर्देश

13 भाई-चारै का प्रेम बणया रहवै| 2 मेहमान की आच्छी सेवा-बाड़ी
करणा नीं भूलणा, क्यूँके जरिये कीमे माणसां नै अनजाणे म्ह
सुर्गदुत्तां का आद्दर-मान करया सै| 3 कैदीयां का इस ढाळ बेरा लेओ के
मान्नो उनकै गेल थम भी कैद सो, अर जिनकै गेल्या भूंडा सलूक करया जावै
सै, उनका भी न्यू समझ कै बेरा लिया करो के म्हारी भी देही सै| 4 ब्याह
सारया म्ह आद्दर की बात समझीं जावै, अर ब्याह-बिच्छाणा बेदाग रहवै,
क्यूँके पणमेशर जारां, अर बिगान्नी लुगाई कै धोरै जाणीयां का न्याय करैगा|
5 थारा सुभाह लालची नीं हो, अर जो थारै धोरै सै उस्से पै सन्तोष करो;
क्यूँके उसनै आपै ए कहया सै, "मै तन्नै कद्दे भी नीं छोड़ूँगा, अर ना कद्दे
त्यागूँगा|" 6 ज्यांतै हम बिना डरे कहवां सां, "प्रभु मेरा सहायक सै, मै नीं
डरूँगा; माणस मेरा के करै सकै सै|"

7 जो थारे अगुवे थे, अर जिन्नै थारै ताहीं पणमेशर का बचन सुणाया सै,
उन्नै याद राक्खो; अर गौर-करकै उनकै चाल-चलण का अन्त देख कै उनकै
बिश्वास का अनुकरण करो| 8 यीशु मसीह काल अर आज अर युगानुयुग
एक-सा सै| 9 कई ढाळ के अनोक्खे उपदेशां तै ना भकाए जाओ, क्यूँके मन
का अनुग्रह तै पक्का मजबूत रहणा भला सै, ना के उन खाण की चीज़ां तै
जिन तै काम राखण आळयां ताहीं कीमे फैयदा कोनी होया| 10 म्हारी एक
इसी वेदी सै जिस पै तै खाण का हक्क उन माणसां ताहीं कोनी, जो तम्बू की
सेवा करैं सैं| 11 क्यूँके जिन डांगरां का लहू महायाजक पाप-बलि कै खातर
पवित्र जंगहा म्ह ले जावै सै, उनकी देही छावणी कै बाहरण जळाई जावैं सैं|
12 इस्से कै कारण, यीशु नै भी माणसां ताहीं अपणै ए लहू कै जरिये पवित्र
करण कै खातर फाटक कै बाहरण दुःख ठाया| 13 इसकरकै आओ, उस की
बुराई अपणे ऊप्पर लिये होए छावणी कै बाहरण उसकै धोरै लिकड़ चाल्लां|
14 क्यूँके उरै म्हारा कोए पक्का नगर कोनी, बल्के हम एक आणआळे नगर की
टोह म्ह सां| 15 इसकरकै हम उसकै जरिये स्तुतिरूपी बलिदान, यानिके उन
होंठा का फळ जो उसकै नाम का अंगीकार करैं सैं, पणमेशर ताहीं सारी हाण
चढ़ाया करैं| 16 भलाई करणा अर उदारता दिखाणा ना भूलो, क्यूँके
पणमेशर इसे बलिदानां तै राज़ी होवै सै|

17 अपणे अगुवां का हुक्म मान्नो अर उनकै अधीन रहो, क्यूँके वे उनकै
बरगे थारे प्राणां कै खातर जागदे रहवैं सैं जिन्नै लेखा देणा पड़ैगा; वे यो काम
राज़ी होकै करैं, ना के शीळी साँस ले-लेकै, क्यूँके इस हालत म्ह थमनै कीमे
फैयदा कोनी| 18 म्हारै खातर प्रार्थना करदे रहो, क्यूँके हमनै भरोस्सा सैं के
म्हारा विवेक शुद्ध सै : अर हम सारी बात्तां म्ह बढ़िया चाल-चालणा चाहवां
सां| 19 प्रार्थना करण कै खातर मै थमनै और भी समझाऊँ सूं के मै तावळा
थारै धोरै दुबारा आ सकूँ| 20 इब शान्तिदाता पणमेशर, जो म्हारै प्रभु यीशु नै
जो भेड्डां का महान रूखाळा सै पुराणी वाचा कै लहू कै गुण तै मरे होया म्ह तै
जिन्दा करकै लीयाया, 21 थारै ताहीं हरेक भली बात म्ह सिद्ध करै, जिसतै
थम उसकी मर्जी पूरी करो, अर जो कीमे उसनै भावै सै उस ताहीं यीशु
मसीह कै जरिये म्हारै म्ह पैदा करै| उस्से की महिमा युगानुयुग होन्दी रहवै|
आमीन | 22 हे भाईयो, मै थारै तै बिनती करूँ सूं के इस उपदेश की बात्तां
ताहीं सह ल्यो, क्यूँके मन्नै थारै ताहीं माड़े-से शब्दां म्ह लिख्या सै| 23 थमनै
यो बेरा लाग्या हो के तीमुथियुस, म्हारा भाई छुटग्या सै अर जै ओ तावळा
आग्या तो मै उसकै गेल्या थारै तै भेंट करूँगा| 24 अपणे सारे अगुवां अर सारे
पवित्र माणसां ताहीं नमस्कार कहो| इटलीआळे थमनै नमस्कार कहवैं सैं|
25 थम सारया पै अनुग्रह होंदा रहवैं| आमीन|

याकूब

अभिवादन

1 पणमेशर कै अर प्रभु यीशु मसीह कै दास याकूब की ओड़ तै उन
बाराह गोत्रां नै जो तितर-बितर (इन्नै-उन्नै) होके रहवै सै उन्हे नमस्कार
पुँहचै।

बिश्वास अर बुध्दिमानी

2 हे मेरै भाइयो, जिब्ब थम कई ढाळ के हिम्ताना म्ह पड़ो, तो इसनै पुरै
आनन्द की बात समझो, 3 यो जाणकै के थारै बिश्वास कै परखे जाण तै
धीरज पैदा होवै सै। 4 पर धीरज नै आपणा पूरा काम करण द्यो के थम पुरे
अर सिद्ध हो जाओ, थारै म्ह किसे बात की कमी ना रहवै। 5 पर थारै म्ह तै जै
किसे नै बुद्धि की कमी सै तो पणमेशर तै मांगै, जो बिना उल्हाणा दिए सारा नै
बड़ी उधारता तै देवै सै, अर उस ताही दी जावैगी। 6 पर बिश्वास तै माँगै, अर
किम्मे शक ना करै, क्यूँके शक करण आळा समुन्द्र की उस लैहर कै बरोबर
सै जो हवा तै बहवै अर उच्छळै सै। 7 इसा माणस यो ना समझै कै मन्नै प्रभु तै
किम्मे मिलैगा, 8 वो माणस दोगला सै आपणी सारी बातां म्ह चंचल सै।

गरीबी अर अमीरी

9 दीन भाई आपणे ऊँचे पद पै घमण्ड करै, 10 अर धनवान आपणी नीची
दशा पै; क्यूँके वो घास कै फूल की ढाळ जान्दा रहवैगा। 11 क्यूँके सूरज
लिकड़तै ए घणा घाम्ड़ा पड़ै सै अर घास नै सुखा देवै सै, अर उसका फूल
झड़ ज्यावै सै अर उसकी शोभा जान्दी रहै सै। इस ढाळ धनवान भी आपणे
राह् पै चालते-चालते धूल म्ह मिल ज्या जावैगा।

परख अर प्रलोभन

12 धन्य सै वो माणस जो हिम्तान म्ह डट्या रहवै सै, क्यूँके वो खरा
लिकड़ कै जीवन का वो मुकुट पावैगा जिसकी प्रतिज्ञा प्रभु नै आपणे प्रेम
करण आळा तै करी सै। 13 जिब्ब किसे का हिम्तान हो, तो वो या ना कह्वै के
मेरा हिम्तान पणमेशर की ओड़ तै होवै सै; क्यूँके ना तो बुरी बातां तै पणमेशर
का हिम्तान हो सकै सै, अर ना वो किसे का हिम्तान आप करै सै। 14 पर
हरेक माणस आपणी ए लालसा म्ह खींचकै अर फसकै हिम्तान म्ह पड़ै।
15 फेर इच्छा गर्भवती होकै पाप नै जण्यै सै अर पाप जिब्ब बढ़ जावै सै तो
मौत नै जण्यै सै। 16 हे मेरे प्यारे भाइयो, धोक्खा ना खाओ। 17 क्यूँके हरेक
आच्छा वरदान अर हरेक उतम दान ऊपर तै सै, अर ज्योतिया के पिता की
ओड़ तै मिलै सै, जिस म्ह ना तो कोए बदलावै हो सकै सै, अर ना अदल
बदल कै कारण उस पै छाया पड़ै सै। 18 उसनै आपणी ए इच्छा तै म्हारै ताही
सच कै वचन कै जरिये जण्या, ताके हम उसकी रचना करी होई चिज़ां म्ह
एक ढाळ का पैहला फळ हो।

सुणना अर करणा

19 हे मेरे प्यारे भाइयो, या बात थम जाण ल्यो: हरेक माणस सुणन कै
खात्तर तैयार अर बोल्लण म्ह धीर अर छो म्ह ठंडा हो, 20 क्यूँके माणस का
छो पणमेशर कै धर्म का गुजारा नीं कर सकता। 21 इस करकै सारी गंदगी अर
बैर भाव की बढ़ती नै दूर कर कै, उस वचन नै नम्रता तै पा ल्यो जो मन म्ह
बोया गया अर जो थारे प्राणा का उद्धार कर सकै सै। 22 पर वचन पै चाल्लण
आळे बणो, अर सिर्फ सुणन आळे ए न्ही जो आपणे आप नै धोक्खा देवै सै।
23 क्यूँके जो कोए वचन का सुणन आळा हो अर उस पै चाल्लण आळा ना हो,
तो वो उस माणस कै समान सै जो आपणा साचला मुँह शीशै म्ह देख सै।
24 इस करकै के वो आपणे आप नै देख कै चला जावै अर जिब्बे भूल जावै सै
के मै किसा था। 25 पर जो माणस आजादी की सिद्ध नियम पै ध्यान करता
रहवै सै, वो आपणे काम म्ह इस खात्तर आशीर्वाद पावैगा के सुण कै भूलता
न्ही पर उसा ए काम करै सै। 26 जै कोए आपणे आप नै भक्त समझै अर
आपणी जीभ पै लगाम ना दे पर आपणे मन नै धोक्खा दे, तो उसकी भक्ति
बेकार सै। 27 म्हारे पणमेशर अर पिता कै धोरै शुद्ध अर निर्मल भक्ति या सै के
अनाथ्थां अर विधवाया के क्लेश म्ह उसकी सुधि ले, अर आपणे आप नै
दुनिया तै निष्कलंक राक्खै।

पक्षपात कै बिरोध चेतावनी

2 हे मेरे भाइयो, म्हारे महिमा तै भरे प्रभु यीशु पै थारा बिश्वास मेर कै गैल
ना हो। 2 क्यूँके जै एक माणस सोण्णै के छल्ले अर सुथरे लत्ते पहरै होए
थारी मण्डली म्ह आवै, अर एक कंगाल भी मैळै कुचेले लत्ते पहरै होए आवै,
3 अर थम उस सुथरे लत्ते आळे का मुँह देख कै कहो, “तू ओड़ै आच्छी
जंगाह बैठ,” अर उस कंगाल तै कहो, “तू ओड़ै खड्या रहै,” या मेरै पायां धोरै
बैठ।” 4 तो के थमनै दुभात न्ही करां अर भुन्ड़े बिचार तै न्याय करण आळे
न्ही बणै? 5 हे मेरे प्यारे भाइयो, सुणो। के पणमेशर नै इस दुनिया के कंगला
ताही न्ही छाट्या के बिश्वास म्ह धनी अर उस राज के अधिकारी हो, जिसकी
प्रतिज्ञा उसनै उण तै करी सै जो उसतै प्रेम राक्खै सै? 6 पर थमनै उस
कंगाल की बेजती करी। के धनी माणस थारै पै जुलम न्ही करदे अर के वे
थमनै कोट कच्हेडी म्ह न्ही घसीट- घसीट कै ले जांदे? 7 के वे उस बढ़िया
नाम की निन्दा न्ही करदे जिसके थम कह्लाओ सों। 8 तो भी जै थम
पवित्रग्रन्थ के इस वचन कै मुताबिक के “तू आपणे पड़ोसी तै आपणे समान
प्रेम राक्ख” साच्लिये उस राज नियम नै पूरा करो सों, तो आच्छा ए करो
सों। 9 पर जै थम दुभात करो सों तो पाप करो सों; अर नियम थमनै कसूरवार
बतावै सै। 10 क्यूँके जो कोए सारे नियम का पालन करै सै पर एकै ए बात म्ह
चूक जावै तो वो सारी बातां म्ह दोषी बण लिया सै। 11 इस करकै के जिसनै
यो कह्या, “तू जारी ना करिये” उस्से नै यो भी कह्या, “तो हत्या ना करना,”
इस करकै जै तन्नै जारी तो न्ही करी पर हत्या करी तौभी तू नियम का तोड़ण
आळा बण्या। 12 थम उन्ह माणसा की तरियां वचन बोल्लो अर काम भी करो,
जिन्हका न्याय आजादी के नियम कै मुताबिक होगा। 13 क्यूँके जिसनै दया
न्ही करी,उसका न्याय बिना दया के होगा: दया न्याय पै जित्तै सै।

बिश्वास अर करम

14 हे मेरै भाइयो, जै कोए कह्वै के मन्नै बिश्वास सै पर वो कर्म ना करता हो,
तो इसतै के फायदा? कै इसा बिश्वास उसका उद्धार कर सकै सै? 15 जै कोए
भाई या बाहण नंगे-उघाड़े हो अर उन्नै रोज खाण की कमी हो, 16 अर थारै म्ह
तै कोए उन तै कह्वै, “ठीक ठाक जाओ, थम गरम रहो अर छिके रहो,” पर जो
चीज देही खात्तर जरूरी सै वा उण तै न्हीदे तो के फायदा? 17 उस्से तरियां
बिश्वास भी, जै कर्म सुधा न्हीहो तो आपणे सुभाव म्ह मरया होया सै।
18 बल्के कोए या कह सकै सै, “तन्नै बिश्वास सै अर मै कर्म करूँ सूं।” तू
आपणा बिश्वास मन्नै कर्म बिना तो दिखा; अर मै आपणा बिश्वास तन्नै आपणे
कर्मा कै जरिये तन्नै दिखाऊँगा। 19 तन्नै बिश्वास सै के एकै पणमेशर सै; तू

आच्छा करै सैI ओपरी आत्मा भी बिश्वास राखै अर थरथरावै सैI 20 पर हे
निकम्मे माणस, के तू यो भी न्ही जाण्दा के कर्म बिना बिश्वास बेकार सै?
21 जिब्ब म्हारे पिता अब्राहम नै आपणे बेट्टे इसहाक ताही (बलि खात्तर)
मण्डही पै चढ़ाया, तो के ओ कर्मा तै धार्मिक न्ही ठहरया था? 22 आखर तन्नै
देख लिया के बिश्वास नै उसकै कामां कै गैल मिलकै असर गेरया सै, अर
कर्मा तै बिश्वास सिद्ध होया, 23 अर पवित्रग्रन्थ का यो वचन पूरा होया:
“अब्राहम नै पणमेशर का बिश्वास करया,” अर यो इसकै खात्तर धर्म गिण्या
गया, अर वो पणमेशर का साथी क्हवायाI 24 इस ढाळ थमनै देख लिया के
माणस सिर्फ बिश्वास तै ए न्ही पर कर्मा तै भी धर्मी बणै सैI 25 उस्से तरियां
राहाब वेश्या भी, जिब्ब उसनै सुर्गदूतां ताही आपणे घर म्ह उतारा अर दूसरें
राह तै विदा करया, तो के कर्मा तै धर्मी न्ही बणी? 26 आखर जिस तरियां
देही आत्मा बिना मरी होई सै, उस्से तरियां बिश्वास भी कर्म बिना मरया होया
सैI

जीभ नै बस म्ह करणा

3 हे मेरे भाइयो, थारे म्ह तै घणे उपदेशक ना बणै, क्यूँके जाणो सों के
हम उपदेशक और भी कसूरवार बणागेI 2 इस करकै के हम सारे घणी-
ए बार चुक जावां सा जो कोए वचन म्ह न्ही चुकता वो ए तो सिद्ध माणस सैI
3 जिब्ब हम बस म्ह करण खात्तर घोड्या कै मुहँ म्ह लगाम लगावा सां, तो
हम उसकी सारी देही नै भी घुमा सका सांI 4 देक्खों, जहाज भी, यधपि इतने
बड़े होवै सै अर प्रचण्ड हवा तै चलाये जावै सै, तो भी एक छोटी सी पतवार
कै जरिये माँझी की मर्जी कै मुताबिक घुमाये जावै सैI 5 उस्से तरियां जीभ
भी एक छोटा सा अंग सै अर वा बड़ी-बड़ी डिंग मरै सैI देक्खों, थोड़ी सी
आग तै कितने बड़े बण म्ह आग लाग ज्या सैI 6 जीभ भी एक आग सै; जीभ
म्हारे अंगा म्ह अधर्म का एक लोक सै, अर सारी देही पै कलंक लगावै सै, अर
जीवन की चाल म्ह आग लगा देवै सै, अर नरक कुण्ड की आग म्ह जळदी
रहवै सैI 7 क्यूँके हरेक ढाळ के जंगली पशु, पक्षी, रेंगण आळे जन्तु, अर
पाणी के जी तो माणस कै वश म्ह हो सकै सै अर हो भी गये, 8 पर जीभ नै
माणसा म्ह तै कोए वश म्ह न्ही कर सकता; वा एक इसी बला सै जो कदे
रुकदी ए कोनी, वा प्राण नाशक जहर तै भरी होई सैI 9 इस्से तै हम प्रभु अर
पिता की बड़ाई करां सां, अर इस्से तै माणस नै जो पणमेशर कै रूप म्ह
जण्यै सै श्राप देवां सांI 10 एकै ए मुँह तै धन्यवाद अर श्राप दोनु लिकड़ै सैI हे
मेरे भाइयो, इसा न्ही होणा चाहिएI 11 के झरणै कै एक मुँह तै मिठ्ठा अर खारा
पाणी दोनु लिकड़ै सै? 12 हे मेरे भाइयो, के अंजीर कै पेड़ म्ह जैतून, या दाख
की लता म्ह अंजीर लाग सकै सै? उस्से तरियां खारे झरणे तै मिठ्ठा पाणी न्ही
लिकड़ सकताI

सुर्गीय ज्ञान

13 थारै म्ह ज्ञानवान अर समझदार कौन सै? जो इसा हो वो आपणे कामां
नै आच्छे चाल चलण तै उस नरमाई सुधा प्रकट करै जो ज्ञान तै जण्यै सैI
14 पर जै थम आपणे-आपणे मन म्ह कड़वी डाह अर बिरोध राक्खो सों, तो
सच कै विरोध म्ह घमण्ड ना करिये; अर ना तो झूठ बोलीयेI 15 यो ज्ञान वो
न्ही जो ऊपर तै उतरै सै, बल्के संसारिक, शारीरिक अर शैतानी सैI
16 क्यूँके जड़ै डाह अर विरोध होवै सै, ओड़ै बखेड़ा अर हरेक ढाळ का भुन्ड़े
काम भी होवै सैI 17 पर जो ज्ञान ऊप्पर तै आवै सै वो पैहला तो पवित्र होवै
सै फेर मिलनसार, नाजुक, मृदुभाव, दया अर आच्छे फळां तै लद्या होया अर
दुभात अर बिना कपट कै होवै सैI 18 मिलाप कराण आळे धार्मिकता का फळ
मेळ मिलाप कै गैल बोवै सैI

दुनिया तै दोस्ताना

4 थारे म्ह लड़ाई झगड़े कीत्त तै आ ग्ये? के उन असो आराम तै नीं जो
थारै अंगा म्ह लड़ै-भीड़ै सै? 2 थम लालसा राक्खो सों, अर थमनै
मिलता कोनी; इस करकै थम हत्या करो सोंI थम डाह करो सों, अर किम्मे
पा न्ही सकदे; तो थम लड़ो अर झगड़ो सोंI थमनै इस करकै न्ही मिलदा कै
माँगते कोनीI 3 थम माँगो सों अर पांन्दे कोनी, इस करकै के भुंडी इच्छा तै
माँगो सों, ताके आपणे भोग विलास म्ह उड़ा द्योI 4 हे व्यभिचारियों, के थम
न्ही जाणते के संसार तै दोस्ती करनी पणमेशर तै बैर करना सै? आखर जो
कोए संसार का साथी बणना चाहवै सै, वो आपणे आप नै पणमेशर का बैरी
बणावै सैI 5 के थम यो समझों सों के पवित्र ग्रन्थ बेकार कह्वै सै, “जिस
आत्मा ताही उसनै म्हारै भित्तर बसाया सै, के वो इसी लालसा करै सै
जिसका प्रतिफळ डाह हो”? 6 वो तो और भी मेहरबान्नी करै सै; इस कारण
यो लिख्या सै, “पणमेशर अभिमानियां का विरोध करै सै, पर दीन पै
मेहरबान्नी करै सैI” 7 इस करकै पणमेशर कै अधीन हो जाओ; अर शैतान का
सामना करो, तो वो थारै धोरै तै भाग ज्यागाI 8 पणमेशर कै धोरै आओ तो वो
भी थारै धोरै आवैगाI हे पापियों, आपणे हाथ साफ करो; अर हे दुचित्ते
माणसों आपणे मन नै पवित्र करोI 9 दुखी होओ, अर शोक करो, रोओI थारी
हाँसीशोक म्ह अर थारा आनन्द उदासी म्ह बदल जावैI 10 प्रभु कै स्याम्ही
दीन बणो तो थमनै वो सारा तै ऊँच्चा बणावैगाI

भाईयां पै दोष लगाणा

11 हे भाइयो, एक दूसरें की बदनामी ना करोI जो आपणे भाई की बदनामी
करै सै या भाई पै दोष लगावै सै, वो नियम की बदनामी करै सै अर नियम पै
दोष लगावै सै; अर जै तू नियम पै दोष लगावै सै,तो तू नियम पै चाल्लण आळा
कोनी पर उस पै हाकिम बण्याI 12 नियम देण आळा अर हाकिम तो एकै ए
सै, जो बचाण अर नाश करण म्ह समर्थ सैI पर तू कौन सै, जो आपणे
पड़ोसी पै दोष लगावै सै?

घमण्ड कै बिरुध्द चेतावनी

13 थम जो या कहो सों, “आज या तड़कै हम किसे और नगर म्ह जा कै
ओड़ै एक साल बितावागें, अर व्यापार करकै फायदा कमावागेंI” 14 अर यो
न्ही जाण्दे के कल के होगा। सुण तो ल्यो, थारा जीवन सै ए के? थम तो भाप
कि तरियां सों, जो थोड़ी देर दिक्खै सै फेर खू ज्या सै। 15 इसकै उल्ट थमनै
या कहणा चाहिए, “जै प्रभु चाहवै तो हम जिन्दा रह्वागें, अर यो या वो काम
भी करागेंI” 16 पर इब थम आपणे डिंग मारण पै घमण्ड करो सों; इसा सारा
घमण्ड भुंडा होवै सैI 17 इस करकै जो कोए भलाई करणा जाणै सै अर कोनी
करता, उसकै खात्तर यो पाप सैI

साहूकारां नै चेतावनी

5 हे साहूकारों, सुण तो ल्यो, थम आपणे आण आळे क्लेशां पै किलकी
मारकै रोओI 2 थारा धन खराब हो ग्या अर थारे लत्ता नै कीड़े खागे
सैI 3 थारे सोणा चाँदी म्ह काई लाग्यी; अर वा काई थारै पै गवाही देगी, अर
आग की तरियां थारा मांस खा ज्यागीI थमनै अत: युग म्ह धन बटोरा सैI
4 देख्ये जिन्ह मजदूरां नै थारे खेत काटे, उनकी वा मजदूरी जो थमनै धोखा
देकै राखली सै चिल्लावै सै, अर लेण आळा की दुहाई सेनाओ के प्रभु कै
कानां तक पुँहच ग्यी सैI 5 थम धरती पै भोग विलास म्ह लागे रहै अर बड्डा ए
सुख भोग्या; थमनै इस वध कै दिन कै खात्तर आपणे मन का पालण पोषण
करकै उस ताही मोट्टा ताजा करयाI 6 थमनै धर्मी ताही कसूरवार बणा कै
मार दिया, वो थारा सामना न्ही करताI

दु:ख म्ह धीरज धरणा

7 इस करकै हे भाइयो, प्रभु कै आण तक धीरज धरोI जमीदार धरती की
कीमती फसल की आश धरकै पहली अर आखरी बारिस होण तक धीरज
धरै सैI 8 थम भी धरिज धरो; अर आपणे मन नै मजबूत करो, क्यूँके प्रभु का
आणा धोरै सैI 9 हे भाइयो, एक दूसरें पै दोष ना लगाओ, ताके थम कसूरवार
ना बणो; लखाओ, हाकिम दरवाजै पै खड्या सैI 10 हे भाइयो, जिन नब्बिया
नै प्रभु का नाम तै बात करी उन्नै नै दु:ख उठाण अर धीरज धरणं का एक
आदर्श समझोंI 11 देखो , हम धीरज धरण आळे नै धन्य कह्वा सांI थमनै
अय्यूब कै धीरज कै बारें म्ह तो सुण्या ए सै, अर प्रभु की ओड़ तै जो उसका
प्रतिफळ होया उस ताही भी जाण लिया सै, जिस तै प्रभु की घणी करुणा
अर दया प्रकट होवै सैI 12 पर हे मेरे भाइयो, सारा तै बड्डी बात या सै कै सूह

ना खाइये, ना सुर्ग की, ना धरती की, ना किसे और चीज की; पर थारी
बातचीत हाँ की हाँ ना की ना हो, के थम सजा कै लायक ना बणोI

प्रार्थना की शक्ति

13 जै थारै म्ह तै कोए दुखी सै, तो वो प्रार्थना करैI जै आनन्दित सै, तो
बड़ाई के भजन गावैI 14 जै थारै म्ह तै कोए रोगी सै, तो कलीसिया कै प्रचीनां
नै बुलावै, अर वे प्रभु कै नाम तै उस पै तेल मसल कै उसकै खात्तर प्रार्थना
करै, 15 अर बिश्वास की प्रार्थना कै जरिये रोगी बच ज्यागा अर प्रभु उस ताही
उठा कै खड्या करैगा; अर उसनै जै पाप भी करे हो, तो उनकी भी माफी हो
ज्यागी 16 इस करकै थम एक दूसरें कै सामनै आपणे-आपणे पाप मान ल्यो,
अर एक दूसरें खात्तर प्रार्थना करो, जिस तै ठीक हो जाओ: धर्मीजन की
प्रार्थना कै असर तै भोत किमे हो सके सैI 17 एलिय्याह भी तो म्हारै समान
दु:ख-सुख भोगी माणस था; अर उसनै गिडगिडकै प्रार्थना करी के मिह ना
बरसै; अर साढ़े तीन साल तक धरती पै मिह कोनी बरसाI 18 फेर उसनै
प्रार्थना करी, तो आसमान तै बरसा होई, अर धरती फलवन्त होईI 19 हे मेरे
भाइयो, जै थारै म्ह तै कोए सच की राह तै भटक जावै अर उसनै फेर लावै,
20 तो वो यो सच जाण लेवै के जो कोए भटके होए पापी नै फेर ल्यावैगा, वो
एक प्राण नै मृत्यु तै बचावैगा अर अनेक पाप पै पर्दा गेरैगा।

1 पतरस

1 पतरस की ओड़ तै जो यीशु मसीह का प्रेरित सै, उन परदेशियां कै
नाम जो पुन्तुस, गलतिया, क्प्पादुकिया, आसिया अर बिथुनिया म्ह
तितर-बित्तर होकै रहवै सै| 2 अर पणमेशर पिता कै आण आळे बख्त कै
ज्ञान कै मुताबिक, आत्मा कै पवित्र करण कै जरिये हुक्म मानण अर यीशु
मसीह कै लहू कै छिड़कै जाण कै खातर छांटे गये सै| थारै ताही अनुग्रह अर
शान्ति भोत-ए घणी मिल्दी रहवै| 3 म्हारै प्रभू यीशु मसीह के पणमेशर अर
पिता का धन्यवाद हो, जिसनै यीशु मसीह के मरे होया म्ह तै जी उठण के
जरिये, आपणी घणी दया तै म्हारै ताही जिन्दी आस कै खातर नया जन्म
दिया, 4 यानिके एक अमर, अर साफ़-सुथरा, अर अजर वसीयत कै खातर
जो थारै खातर सुर्ग म्ह धरी सै; 5 जिनकी रूखाळी पणमेशर की सामर्थ तै
बिश्वास के जरिये उस उद्धार कै खातर, जो आण आळे बख्त म्ह दिक्खण
आळी सै, करी जावै सै| 6 इस कारण थम मग्न होवो सो, हालाके जरूरी सै
के इब्बे कीमे दिन कै खातर कई ढाळ के हिम्तानां कै कारण दुःख म्ह सो;
7 अर न्यू ज्यांतै सै के थारा परख्या होया बिश्वास, जो आग तै ताए होड़ नास
होण आळे सोन्ने तै भी कदे घणा कीमती सै, यीशु मसीह कै दिक्खण पै बड़ाई
अर महिमा अर आद्दर का कारण बणे| 8 उसतै थम बिन देक्खे प्रेम राक्खो
सो, अर इब तो उस पै बिन देक्खे भी बिश्वास करकै इसे राज्जी अर मग्न होवो
सो जो बखान तै बाहरण अर महिमा तै भरया होड़ सै; 9 अर अपणे बिश्वास
का ईनाम यानिके आत्मायां का उद्धार पाओ सो| 10 इस्से उद्धार कै बारै म्ह
उन नब्बियाँ नै घणी खोजबीन अर छान-बिन करी, जिन्नै उस अनुग्रह के बारै
म्ह जो थारै पै होण नै था, भविष्यवाणी करी थी| 11 उन्नै इस बात की खोज
करी के मसीह का आत्मा जो उन म्ह थी, अर पहल्या ए तै मसीह के दुःखां
की अर उसकै पाच्छै होणआळी महिमा की गवाही देवै थी, वा कौण से अर
किसे बख्त की ओड़ इशारा करै थी| 12 उन पै यो दिखाया गया के वे आपणी
नीं बल्के थारी सेवा कै खातर ये बात कहया करै थे, जिनकी खबर इब थारै
ताही उनकै जरिये मिली जिन्नै पवित्र आत्मा कै जरिये, जो सुर्ग म्ह खन्दाया
गया, थारै ताही सुसमाचार सुणाया; अर इन बात्तां नै सुर्गदुत भी गौर तै
देक्खण की चाहना राक्खै सै| 13 इस कारण आपणी-आपणी अक्ल की कमर
बाँधकै, अर सोद्दी म्ह रहकै, उस अनुग्रह की पूरी आस राक्खो जो यीशु
मसीह के दिख जाण कै बख्त थारै ताही मिलण आळ सै| 14 आज्ञाकारी
बाळकां की तरिया आपणी बेअक्ली कै बख्त की पुराणी अभिलाषायां कै बरगे
ना बणो| 15 पर जिसा थारा बुलाणआळा पवित्र सै, उस्से तरिया ए थम भी
अपणे सारे चाल-चलण म्ह पवित्र बणो| 16 क्यूँके लिख्या सै, “पवित्र बणो,
क्यूँके मै पवित्र सूं|” 17 अर जिब्ब के थम ‘हे पिता’ कहकै उसतै प्रार्थना करो
सो, जो बिना मेर हरेक कै काम कै मुताबिक़ न्याय करै सै, तो अपणे परदेशी
होण कै बख्त डर तै बिताओ| 18 क्यूँके थमनै बेरा सै के थारा निकम्मा
चाल-चलण जो बाप-दाद्यां तै चल्या आवै सै, उसतै थारा छुटकारा चाँदी-
सोन्ने यानिके नाश होण आळी चीज़ां कै जरिये नीं होया; 19 पर बेकसूर अर
बेदाग़ मेम्ने, यानिके मसीह के कीमती लहू कै जरिये होया| 20 उसका ज्ञान
तो दुनिया की सरूआत कै पहल्या ए तै जाणया गया था, पर इब इस आखरी
युग म्ह थारै खातर दिख गया| 21 उसकै जरिये थम उस पणमेशर पै बिश्वास
करो सो, जिसनै उस ताही मरे होया म्ह तै जिवाया अर महिमा दी के थारा
बिश्वास अर आस पणमेशर पै हो| 22 आखर म्ह जिब्ब के थम नै भाई-चारे
की बेदाग़ प्रीति कै ढाळ साच कै मानण तै अपणे मनां ताही पवित्र करया सै,
तो तन-मन लाकै एक-दुसरे तै घणा प्रेम राक्खो| 23 क्यूँके थमनै नाश होण
आळे नीं पर अमर बीज तै, पणमेशर की जिन्दे अर सारी हाण ठहरणआळे
बचन के जरिये नया जन्म पाया सै| 24 क्यूँके “हरेक जीव घास कै बरगा सै,
अर उसकी सारी सोभा घास कै फूल जीसी सै| घास सूख जावै सै, अर
फूल झड़ जावै सै, 25 पर प्रभु का बचन युगानुयुग स्थिर रहवैगा, यो ओए
सुसमाचार का बचन सै जो थारै ताही सुणाया गया था|”

2 इसकरकै सारी ढाळ का बैरभाव अर छळ अर कपट अर डाह अर
बुराई नै दूर करकै, 2 नये जन्मे होए बाळकां की ढाळ साफ़-सुथरे
आत्मिक दूध की चाहना करो, ताके उसकै जरिये उद्धार पाण कै खातर बढ़दे
जाओ, 3 क्यूँके थमनै प्रभु की कृपा का सुवाद चख लिया सै| 4 उसकै धोरै
आकै, जिस ताही माणसां नै तो निकम्मा ठहराया पर पणमेशर कै लोवै
छाँटया होया अर कीमती जिन्दा पत्थर सै, 5 थम भी खुद जिन्दे पत्थरां कै
बरगे आत्मिक घर बणदे जाओ सो, जिस तै याजकां का पवित्र समाज बणकै,
इसे आत्मिक बलिदान चढाओ जो यीशु मसीह कै जरिये पणमेशर नै अपनाण
जोग्गा हो| 6 इस कारण पवित्र ग्रन्थ म्ह भी आया सै: “देखो, मै सिय्योन म्ह
कोणे के सिरे का छाँटया होड़ अर कीमती पत्थर धरूँ सूं : अर जो कोए उस
पै बिश्वास करैगा, ओ किसे तरिया तै शर्मिन्दा कोनी होगा|” 7 आखर म्ह थारै
खातर जो बिश्वास करो सो ओ तो कीमती सै, पर जो बिश्वास नीं करदे उनकै
खातर “जिस पत्थर ताही राजमिस्त्रियाँ नै निकम्मा ठहराया था, ओए कोणे
का सिरा हो गया,” 8 अर “ठेस लाग्गण का पत्थर अर ठोकर खाण की चट्टान
होग्या सै,” क्यूँके वे तो बचन नै नीं मानकै ठोकर खावै सै अर इस्से कै खातर
वे ठहराए भी गये थे| 9 पर थम एक छाँटया होया वंश, अर राज-ओद्दे आळे
याजकां का समाज, अर पवित्र माणस, अर (पणमेशर की) खुद की प्रजा सो,
ज्यांतै के जिसनै थारै ताही अन्धेरे म्ह तै आपणा अनोक्खा चाँदणे म्ह
बुलाया सै, उसके गुण दिखाओ| 10 थम पहल्या तो कीमे भी नीं थे पर इब
पणमेशर की प्रजा सो; थारै पै दया कोनी होई थी पर इब थारै पै दया होई
सै| 11 हे प्यारो, मै थारै तै बिनती करूँ सूं के थम अपणे आप नै परदेशी अर
मुसाफ़िर जाणकै उन दुनियावी अभिलाषायां तै जो आत्मा तै युद्ध करै सै,
बचे रहो| 12 गैर-जात्तां म्ह थारा चाल-चलण भला हो; ताके जिन-जिन
बात्तां म्ह वे थारै ताही भुन्डे काम करणीये जाणकै बदनाम करै सै, वे थारे
भले काम्मां नै देखकै उन्नै के कारण दया-दृष्टि कै दिन पणमेशर की महिमा
करै| 13 प्रभु कै खातर माणसां के ठहराए होए हरेक इन्तजाम के अधीन रहो,
राजा कै ज्यांतै के ओ सारया का प्रधान सै, 14 अर हाकिमां कै ज्यांतै क्यूँके
वे भुन्डे काम करणीयां नै दण्ड देण अर आच्छे काम करणीयां की बड़ाई कै
खातर उसके खन्दाये होए सै| 15 क्यूँके पणमेशर की मर्जी या सै के थम भले
काम करण कै जरिये बेअक्ले माणसां की बेअक्ली की बात्तां नै बन्द कर दो|
16 अपणे आप ताही आजाद जाणो, पर आपणी इस आजादी नै बुराई कै
खातर आड़ ना बंणाओ; पर अपणे आप ताही पणमेशर के दास समझकै
चाल्लो| 17 सारया का आद्दर करो, भाईयां तै प्यार राक्खो, पणमेशर तै डरो,
राजा का आद्दर करो 18 हे सेवको, हरेक ढाळ के भय कै गेल अपणे मालिकां
कै अधीन रहो, ना सिर्फ उनकै जो भले अर नम्रां के, पर उनकै भी जो
कुटिलां के भी| 19 क्यूँके जै कोए पणमेशर का बिचार करकै जुल्म तै दुःख
ठान्दा होया क्लेश सहवै सै तो यो सुहाण जोग्गा सै| 20 क्यूँके जै थमनै
अपराध करकै घूँसे खाए अर धीरज राख्या, तो इस म्ह के बड़ाई की बात सै?
पर जै भला काम करकै दुःख ठाया हो अर धीरज राख्या हो, तो यो पणमेशर
नै भावै सै| 21 अर थम इस्से कै खातर बुलाए भी गये सो, क्यूँके मसीह भी
थारै खातर दुःख ठाकै थारै ताही एक बढ़िया नमून्ना दे गा सै के थम भी
उसके पांया के निशान्नां पै चाल्लो| 22 ना तो उसनै पाप करया अर न उसकै
मुँह तै छळ की कोई बात लिकड़ी| 23 ओ गाळी सुणकै गाळी कोनी देवै था,
अर दुःख ठाकै किसे ताही भी धमकी कोनी देवै था, पर अपणे आप ताही

साच्चे न्याय कै हाथ म्ह सौंपै था| 24 ओ आप ए म्हारै पापां नै आपणी देही पै लिये होए क्रूस पै चढ़ गया, जिस तै हम पापां कै खातर मरकै धार्मिकता कै खातर जीवन बितावां: उस्से कै मार खाण तै थम चंगे होए| 25 क्यूँके थम पहल्या भटकी होड़ भेड्डां कै बरगे पर इब अपणे जी के रुखाळे अरप्रधान कै बोहड़ आए सो|

3 हे बीरबान्नियों, थम भी अपणे धणी कै अधीन रहो, ज्यांतै के जै इन म्ह तै कोए इसे हों जो बचन नै ना मानदे हों, 2 तौभी थारै भय सुदा पवित्र चाल-चलण नै देखकै बिना बचन के आपणी-आपणी बीरबानियां के चाल-चलण कै जरिये खिंच जावै| 3 थारा सिंगार दिखावटी ना हो, यानिके बाळ गूँथणा, अर सोन्ने के गहणे, या कई ढाळ के लत्ते पहरणा, 4 बल्के थारा लुहक्या होया अर गुप्त माणसपण, नरमपण अर मन दीनता की अमर सजावट तै सजावै, क्यूँके पणमेशर की निगांह म्ह इसका मोल बड्डा सै| 5 पहल्ड़े बख्त म्ह पवित्र लुगाई भी, जो पणमेशर पै आस राखै थीं, अपणे आप नै इस तरिया तै संवारदी अर अपणे-अपणे धणी कै अधीन 6 जिस तरिया सारा अब्राहम कै हुक्म म्ह रहन्दी अर उसनै स्वामी कहया करै थी| इस्से ढाळ थम भी जै भलाई करो अर किसे ढाळ कै भय तै डरो ना, तो उसकी बेटियाँ ठहरोगी| 7 इस्से तरिया ए हे धणीयों, थम अकलमंदी तै बीरबानियाँ कै गेल्या जिन्दगी बिताओ, अर लुगाई नै कमजोर पात्र जाणकै उसका आद्दर करो, न्यू समझकै के थम दोन्नु जीवन के वरदान के वारिस सा, जिस तै थारी प्रार्थनां रूक नीं जावै| 8 आखर म्ह सारे के सारे एक मन अर दया म्ह अर भाई-चारे की प्रीति राखणआळे, अर करुणामय, अर नरम बणो| 9 बुराई कै बदलै बुराई ना करो अर ना गाळी कै बदलै गाळी द्यो; पर इसकै उल्ट आशीष ए द्यो, क्यूँके थम आशीष के वारिस होण कै खातर बुलाए गये सो| 10 क्यूँके "जो कोए जीवन की चाह राखै सै, अर आच्छे दिन देखणा चाहवै सै, ओ आपणी जीभ नै बुराई तै, अर अपणे होंठा नै छळ की बात करण तै रोक्के राक्खो| 11 ओ बुराई का गेल्ला छोड्डै, अर भलाई ए करै: ओ मेल-मिलाप नै टोहवै, अर उसकी कोशिश म्ह रहवै| 12 क्यूँके प्रभु की आँख धर्मीयां पै लाग्गी रहवै सै, अर उसके कान उनकी बिनती की ओड़ लाग्गे रहवै सै, पर प्रभु बुराई करणआळे तै मुंह मोड़े रहवै सै|" 13 जै थम भलाई करण कै खातर उतेजित रहो तो थारी बुराई करणआळा फेर कौण सै? 14 जै थम धर्म कै कारण दुःख भी ठाओ, तो धन्य सो; पर माणसां कै डराण तै ना डरो, अर ना घबराओ, 15 पर मसीह नै प्रभु जाणकै अपणे-अपणे मन म्ह पवित्र समझो| जो कोए थारै तै थारी आस कै बारै म्ह कीमे बुझ्झै, उस ताही जबाब देण कै खातर सारी हाण त्यार रहो, पर नरमपणे अर भय कै गेल; 16 अर विवेक भी शुद्ध राक्खो, ज्यांतै के जिन बात्तां कै बारै म्ह थारी बदनामी होवै सै उनकै बारै म्ह वे, जो मसीह म्ह थारे आच्छे चाल-चलण का अपमान करै सै, शर्मिन्दा होवै| 17 क्यूँके जै पणमेशर की याए मर्जी हो के थम भलाई करण कै कारण दुःख ठाओ, तो या बुराई करण कै कारण दुःख ठाण तै घणा बढ़िया सै| 18 ज्यांतै के मसीह नै भी यानिके अधर्मियाँ कै खातर धर्मी नै, पापां कै कारण एक बै दुःख ठाया, ताके हमनै पणमेशर कै धोरै पहोचावै; ओ देही कै तौर तै तो मारया गया, पर आत्मा कै तौर तै जिवाया गया| 19 उस्से म्ह उसनै जाकै कैदी आत्मायां ताही भी प्रचार करया, 20 जिन्नै उस बीते बख्त म्ह हुक्म नीं मान्या, जिब्ब पणमेशर नूह कै दिनां म्ह धीरज धरकै ठहरया रहया, अर ओ जहाज बण रहया था, जिस म्ह बैठकै माड़े-से माणस यानिके आठ प्राणी पाणी कै जरिये बच गे| 21 उस्से पाणी का उदाहरण भी, यानिके बपतिस्मा, यीशु मसीह कै जी उठण कै जरिये, इब थमनै बचावै सै; इसतै देही का मैल नै दूर करण का मतलब नीं सै, पर शुद्ध विवेक तै पणमेशर कै बस म्ह हो जाण का मतलब सै| 22 ओ सुर्ग पै जाकै पणमेशर कै सोळी कान बैठ गया; अर सुर्गदुत अर अधिकारी अर सामर्थी उसके अधीन करे गये सै|

4 इसकरकै जिब्ब के मसीह नै देही म्ह होकै दुःख ठाया तो थम भी उस्से मनसा नै हथियार की ढाळ धारण करो, क्यूँके जिसनै देही म्ह दुःख ठाया ओ पाप तै छुट गया, 2 ताके आण आळै बख्त म्ह आपणी बाकी देही तौर की जिन्दगी माणसां की अभिलाषायां कै मुताबिक़ नीं बल्के पणमेशर की मर्जी कै मुताबिक़ बिताओ| 3 क्यूँके गैर-जात्तां की मर्जी कै मुताबिक काम करण, अर लुचपण की भूंडी अभिलाषायां, मतवाळापण, लीलाक्रीड़ा, दारू-बाज़ी, अर घृणित मूर्तिपूजा म्ह जित तक हमनै पहल्या टेम गँवाया, ओए घणा होआ| 4 इसतै वे अचम्भा करै सै के थम इसे भारया लुचपण म्ह उनका साथ नीं देंदे, अर ज्यांतै वे भूंडा-आच्छा कहवै सै; 5 पर वे उसनै जो जिन्दयां अर मरे होयां का न्याय करण नै त्यार सै, लेक्खा देवैगें| 6 क्यूँके मरे होयां नै भी सुसमाचार इस्से खातर सुणाया गया के देही म्ह तो माणसां कै 7 सारी बात्तां का अन्त तावळा होणआळा सै; ज्यांतै संयमी होकै प्रार्थना कै खातर सोद्दी म्ह रहो| 8 सारया म्ह बढ़िया बात या सै के एक-दुसरे तै घणा प्यार राक्खो, क्यूँके प्रेम भोत पापां नै ढँक देवै सै| 9 बिना बीरड़ाए एक-दुसरे की मेहमान-नवाजी करो| 10 जिसनै जो वरदान मिल्या सै, ओ उसनै पणमेशर के कई ढाळ की मैहरबान्नी के भले भण्डारीयां की ढाळ एक-दुसरे की सेवा म्ह लावै| 11 जै कोए बोल्लै, तो इसा बोल्लै मान्नो पणमेशर का बचन सै; जै कोए सेवा करै, तो उस ताकत तै करै जो पणमेशर देवै सै; जिसतै सारी बात्तां म्ह यीशु मसीह कै जरिये, पणमेशर की महिमा दिखै| महिमा अर साम्राज्य युगानुयुग उस्से का सै| आमीन| 12 हे प्यारो, जो दुःख की ढाळ आग थारै परखण कै खातर थारै म्ह भड़की सै, इस तै न्यू समझकै अचम्भा करो के कोई अनोक्खी बात थारै पै बीत्तण लागरी सै| 13 जिस तरिया-जिस तरिया मसीह के दुःखां म्ह गेल-साझ्झी होवो सो, राज़ी होवो, जिसतै उसकी महिमा कै दिखण कै बख्त भी थम राज़ी अर मग्न होवो| 14 फेर जै मसीह कै नाम कै खातर थारी बुराई करी जावै सै तो थम धन्य सो, क्यूँके महिमा की आत्मा, जो पणमेशर की आत्मा सै, थारै पै छाया करै सै| 15 थारै म्ह तै कोए माणस खून्नी या चोर या भूंडा काम करणीया होण, या बिगान्ने काम म्ह हाथ गेरण कै कारण दुःख नीं पावै| 16 पर जै मसीही होण कै कारण दुःख पावै, तो शर्मिन्दा नो होईयो, पर इस बात कै खातर पणमेशर की महिमा करो| 17 क्यूँके ओ बख्त आण पहोच्या सै के पहल्या पणमेशर के माणसां का न्याय करया जावैगा; अर जिब्ब के न्याय की सरूआत म्हारै ए तै होगी तो उनका के अन्त होगा जो पणमेशर के सुसमाचार नै नीं मांदे? 18 अर "जै धर्मी माणस ए मुश्कल तै उद्धार पावैगा, तो भगतिहिनां अर पापी का के ठिकाणा?" 19 ज्यांतै जो पणमेशर की मर्जी कै मुताबिक दुःख ठावै सै, वे भलाई करदे होए अपणे-अपणे प्राण नै बिश्वास जोग्गे सृजनहार के हाथ म्ह सौंप देवै|

5 थारै म्ह जो प्राचीन सै, मै उनकै ढाळ प्राचीन अर मसीह के दुःखां का गवाह अर दिखण आळी महिमा म्ह गेल-साझ्झी होकै उन ताही न्यू समझाऊँ सूं 2 के पणमेशर के उस टोळ की, जो थारै बिच्चाळै सै रूखाळी करो; अर न्यू दाब तै नीं पर पणमेशर की मर्जी कै मुताबिक़ राज़ी होकै, अर नीच-कमाई कै खातर नीं पर मन लाकै| 3 जो माणस थारै ताही सौंपे गये सै, उन पै हक्क ना जमाओ, बल्के टोळ कै खातर बढ़िया नमून्ना बणो| 4 जिब्ब प्रधान रूखाळा दिखैगा, तो थारै ताही महिमा का मुकुट दिया जावैगा जो मुरझाण का नीं| 5 इस्से ढाळ हे गाबरूओ, थम भी प्राचीनां कै अधीन रहो, बल्के थम सारे के सारे एक-दुसरे की सेवा कै खातर दीनता तै कमर बाँधे रहो, क्यूँके "पणमेशर घमण्डीयां का बिरोध करै सै, पर दीनां पै अनुग्रह करै सै|" 6 इसकरकै पणमेशर के ताकतवर हाथ कै तळै दीनता तै रहो, जिस तै ओ थारै ताही सई टेम पै बढ़ावै| 7 आपणी सारी फ़िक्र उस्से पै गेर द्यो, क्यूँके उसनै थारा ध्यान सै| 8 सोद्दी म्ह रहो, अर जागदे रहो; क्यूँके थारा बिरोधी शैतान गर्जनआळे शेर की ढाळ इस टाह म्ह रहवै सै के किस नै पाड़ खावै| 9 बिश्वास म्ह मजबूत होकै, अर न्यू जाणकै उसका सामणा करो के थारे भाई जो दुनिया म्ह सै इसे ए दुःख सहन लागरे सै| 10 इब पणमेशर जो सारे अनुग्रह का दात्ता सै, जिसनै थारै ताही मसीह म्ह आपणी अनन्त महिमा कै खातर बुलाया, थारै माड़ी वार तक दुःख ठाण कै पाच्छै आप ए थमनै सिद्ध अर स्थिर अर ठाड्डा करैगा| 11 उस्से का साम्राज्य युगानुयुग रहवै| आमीन| 12 मन्नै सिलवानुस कै हाथ, जिस ताही मै बिश्वास जोग्गा भाई समझूँ सूं, माड़े-से शब्दां म्ह लिखकै थारै ताही समझाऊँ सूं, अर या गवाही दी सै के पणमेशर की साच्चा अनुग्रह योए सै, इस्से म्ह मजबूत रहो| 13 जो बेबीलोन म्ह थारै ढाळ छाँटे होए माणस सै, वे अर मेरा बेट्टा मरकुस थारै ताही नमस्कार कहवै सै| 14 प्रेम कै चुम्बन तै एक-दुसरे ताही नमस्कार| थम सारया ताही, जो मसीह म्ह हो, शान्ति मिलदी रहवै|

2 पतरस

1 शमौन पतरस की ओड़ तै, जो यीशु मसीह का दास अर प्रेरित सै,
उन माणसां के नाम जिन्नै म्हारै पणमेशर अर उद्धार कर्ता यीशु मसीह
की धार्मिकता के जरिये म्हारै ढाळ कीमती बिश्वास पाया सै| 2 पणमेशर की
अर म्हारै प्रभु यीशु मसीह की पिच्छाण के जरिये अनुग्रह अर शान्ति थारै म्ह
भोत-ए घणी बढ़दी जावै| 3 क्यूँके उसकी ईश्वरीय सामर्थ नै सारा कीमे जो
जीवन अर भगति तै रिश्ता राखै सै, म्हारै ताही उस्से की पिच्छाण के जरिये
दिया सै, जिसनै म्हारै ताही आपणी ए महिमा अर बढ़िया लखणा कै
मुताबिक बुलाया सै| 4 जिनकै जरिये उसनै म्हारै ताही कीमती अर घणी ए
बड्डी प्रतिज्ञां दी सै: ताके इनकै जरिये थम उस सिड़ान्ध तै छुटकै, जो दुनिया
म्ह भूंडी अभिलाषायां तै होवै सै, ईश्वरीय सुभाव के गेल-साझ्झी हो जाओ|
5 इस्से कारण थम सारे ढाळ की कोशिश करकै अपणे बिश्वास पै बढ़िया
लखण अर बढ़िया लखण पै समझ, 6 अर समझ पै संयम, अर संयम पै
धीरज, अर धीरज पै भगति, 7 अर भगति पै भाई-चारे की प्रीति अर भाई-चारे
की प्रीति पै प्रेम बढ़ान्दे जाओ| 8 क्यूँके जै ये बात थारै म्ह इब हाल रहवै अर
बढ़दी जावै, तो थारै ताही म्हारै प्रभु यीशु मसीह की पिच्छाण म्ह निकम्मे अर
बैगर फळ के नीं होण देवैगी| 9 क्यूँके जिस म्ह ये बात नीं, ओ आन्धा सै अर
धुँधळा देखै सै, अर आपणे पाच्छले पापां तै धुकै शुद्ध होण नै भूल बैठ्या सै|
10 इस कारण हे भाइयो, अपणे बुलाए जाण, अर छाँट लिए जाण नै सिद्ध
करण की सई-ढाळ कोशिश करदे जाओ, क्यूँके जै इसा करोगे तो कद्दे भी
ठोकर नीं खाओगे; 11 बल्के इस तरिया तै थम म्हारै प्रभु अर उद्धार कर्ता
यीशु मसीह के अनन्त राज्य म्ह बड्डे आद्दर कै गेल बड़ण पाओगे| 12 ज्यांतै
हालाकि थम ये बात जाणो सो, अर जो साच्चा बचन थारै ताही मिल्या सै उस
म्ह बणे रहो सो, तौभी मै थारै ताही इन बात्तां की सोद्दी दिलाण नै सारी हाण
त्यार रहूँगा| 13 मै यो अपणे खातर सई समझूँ सूं के जिब्ब ताही मै इस डेरे
म्ह सूं, जिद ताही थमनै सोद्दी दुवा-दुवाकै उभारदा रहूँ| 14 क्यूँके न्यू जांणु सूं
के मेरे डेरे कै गिराए जाण का टेम तावळा आणआळा सै, जिस तरिया के
म्हारै प्रभु यीशु मसीह नै मेरै ताही दिखाया सै| 15 ज्यांतै मै इसी कोशिश
करूँगा के मेरै जा लिए पाच्छै थम इन सारी बात्तां नै सारी हाण याद कर
सको| 16 क्यूँके जिब्ब हमनै थारै ताही अपणे प्रभु यीशु मसीह की सामर्थ का
अर आण की खबर दी थी, तो वा श्याणपत तै गढ़ी होई कहानीयां की नकल
कोनी थीं बल्के हमनै आप ए उसकै प्रताप ताही देख्या था| 17 क्यूँके जिब्ब
उसनै पणमेशर पिता तै आद्दर अर महिमा पाई अर उस प्रतापमय महिमा म्ह
तै यो बोल आया, "यो मेरा प्यारा बेट्टा सै, जिसतै मै राज़ी सूं|" 18 फेर हम
उसकै गेल्या पवित्र पहाड़ पै थे अर सुर्ग तै योए बोल आंदे सुणया| 19 म्हारै
धोरै जो नब्बियाँ का बचन सै, ओ इस घटना तै मजबूत ठहरया| थम यो
बढ़िया करो सो के यो समझ कै उस पै गौर करो सो, के ओ एक दिवा सै, जो
अँधेरी जंगहा म्ह उस टेम ताही चाँदणा देंदा रहवै सै जिब्ब ताही के तड़का
नीं हो लेवै अर भोर का तारा थारै दिलां म्ह नीं चमक उठै| 20 पहल्या न्यू
जाण ल्यो के पवित्र ग्रन्थ की कोए भी भविष्यवाणी किस्से हो के अपणे ए
बिचार-धारा कै आधार पै पूरी नीं होन्दी, 21 क्यूँके कोए भी भविष्यबाणी
माणस की मर्जी तै कदे नीं होई, पर भगतजन पवित्र आत्मा के द्वारा उभारे
जाकै पणमेशर की ओड़ तै बोल्लै थे|

2 जिस ढाळ उन माणसां म्ह झूठे नब्बी थे, उस्से ढाळ थारे म्ह भी झूठे
उपदेशक होंगे, जो नाश करणआळे पाखण्ड का उदघाटन लुह्क-
लुह्क कै करैगें, अर उस मालिक का जिसनै मोल लिया सै नाटैगें, अर अपणे
आप नै तावळा विनाश म्ह गेरैगें| 2 घण-खरे उनकै ढाळ लुचपण करैगें,
जिनकै कारण सच कै राह की बुराई करी जावैगी| 3 वे लोभ कै खातर बात
गढ़कै थारै ताही अपणे फैयदे का कारण बणावैगें, अर जो दण्ड का हुक्म उन
पै पहल्या तै हो लिया सै उसकै आण म्ह कीमे भी वार नीं, अर उनका
विनाश ऊँघदा कोनी| 4 क्यूँके जिब्ब पणमेशर नै उन सुर्गदुत्तां ताही जिन्नै
पाप करया, नीं छोड्या, पर नरक म्ह खन्दाकै अँधेरे कुण्डां म्ह गेर दिया ताके
न्याय कै दिन ताही कैदी रहवै; 5 अर पुराणे युग की दुनिया ताही भी नीं
छोड्या बल्के भगति-हीन दुनिया पै जल-प्रलय खन्दाया, पर धर्म के प्रचारक
नूह सुदा आठ माणसां ताही बचा लिया; 6 अर सदोम अर अमोरा के नगरां
ताही विनाश का इसा दण्ड दिया के उन्नै भस्म करकै राख म्ह मिल्या दिया
ताके वे आणआळे भगतिहीन माणसां की शिक्षा कै खातर एक उदाहरण बणे,
7 अर धर्मी लूत ताही जो अधर्मियाँ के अशुद्ध चाल-चलण तै घणा दुखी था
छुटकारा दिया| 8 (क्यूँके ओ धर्मी उनकै बिच्चाळै रहंदे होए अर उनके अधर्म
के काम्मां नै देख-देखकै अर सुण-सुणकै, हरेक दिन अपणे साच्चे मन नै दुखी
करै था|) 9 तो प्रभु भगतां ताही हिम्तान तै काड लेणा अर अधर्मियाँ ताही
न्याय कै दिन तक दण्ड की हालत म्ह राखणा भी जाणै सै, 10 खास करकै
उन्नै जो अशुद्ध अभिलाषायां कै पाच्छै देही कै मुताबिक़ चाल्दे अर प्रभुता नै
तुच्छ जाणै सै| वे ढीठ, अर जिद्दी सै, अर ऊँचे ओद्दे आळयां ताही भूंडा-
आच्छा कहण तै नीं डरदे, 11 तौभी सुर्गदुत जो ताकत अर सामर्थ म्ह उन तै
बड्डे सै, प्रभु कै श्यामी उन्नै भूंडा-आच्छा कहकै तोहमन्द नीं लांदे| 12 पर ये
माणस बेअकले डांगरां ए कै बरगे सै, जो पकड़े जाण अर नाश होण कै खातर
पैदा होवै सै; अर जिन बात्तां नै जाणदे ए नीं उनकै बारै म्ह दुसरयां नै भूंडा-
आच्छा कहवै सै, वे आपणी सिड़ान्ध म्ह आप ए सिड़ जावैगें| 13 दुसरयां का
भूंडा करण कै बदलै उन्ने का भूंडा होवैगा| उन्नै दिन-दोफारी भोग-विलास
करणा आच्छा लाग्गै सै| ये कलंक अर तोहमन्द सै; जिब्ब वे थारै गेल्या
खावै-पिवै सै, तो आपणी ओड़ तै प्रेम भोज करकै भोग-विलास करै सै|
14 उनकी आँख म्ह जारी बसी होई सै, अर वे पाप करे बिना रुक नीं सकदे|
वे चंचल मनआळयां नै भका लेवै सै| उनकै मन नै लोभ करण की आदत हो
गी सै; वे सन्ताप की ऊलाद सै| 15 वे सीधी राह नै छोड़कै भटक गे सै, अर
बओर के बेट्टे बिलाम की राही पै हो लिए सै, जिसनै अधर्म की मजदूरी ताही
प्यारा जाणया; 16 पर उसकै अपराध कै बारै म्ह उलाहना दिया गया, उरै
ताही के अबोल गदही नै माणस की बोल्ली तै उस नब्बी ताही उसकै
बावळैपण तै रोक्या| 17 ये माणस सूखे कूएँ, अर आँधी कै उड़ाए होए बादळ
सै; उनकै खातर अनन्त अन्धकार ठहराया गया सै| 18 वे खाम-खां घमण्ड
की बात कर-करकै लुचपण के काम्मां कै जरिये, उन माणसां ताही देही
आळी अभिलाषायां म्ह फँसा लेवै सै जो भटके होया म्ह तै इब भी लिकड़ ए
रहे सै| 19 वे उन्नै आजाद करण की प्रतिज्ञा तो करै सै, पर आप ए सिड़ान्ध
के गुलाम सै; क्यूँके जो माणस जिसतै हार गया सै, ओ उसका दास बण जावै
सै| 20 जिब्ब वे प्रभु अर उद्धारकर्ता यीशु मसीह की पिच्छाण कै जरिये
दुनिया की कई ढाळ की अशुद्धता तै बच लिकड़े, अर फेर उन म्ह फँसकै
हार गये, तो उनकी पाच्छली हालत पहल्ड़ी तै भी भूंडी हो गई सै| 21 क्यूँके
धर्म की राही का ना जाणना ए उनकै खातर इसतै भला होन्दा के उस ताही
जाणकै, उस पवित्र हुक्म तै पलट जान्दे जो उन ताही सौंपी गई थी| 22 उन
पै या कहावत सई बैट्ठै सै, के कुत्ता आपणी छाँट की ओड़ अर नुहाई होई
सुअरनी कीचड़ म्ह लोट्टण कै खातर फेर चली जावै सै|

3 हे प्यारो, इब मै थारै ताही दूसरी चीट्ठी लिक्खूँ सूं, अर दोनुआ म्ह
सोद्दी दुवाकै थारै शुद्ध मन नै उभारू सूं, 2 के थम उन बात्तां नै जो
पवित्र नब्बियाँ नै पहल्या तै कही सै, अर प्रभु अर उद्धारकर्ता की उस आज्ञा
नै याद करो जो थारै प्रेरीतां कै जरीये दी गई थी| 3 पहल्या न्यू जाण ल्यो के

आखरी के दिनां म्ह मखौल करण आळे आवैगें जो आपणी ए अभिलाषायां
कै मुताबिक़ चाल्लैगें 4 अर कहवैगें, “उसकै आण की प्रतिज्ञा कित गई? क्यूँके
जिब्ब तै बाप-दादे सो गे सै, सारा कीमे उस्से तरिया ए सै जिस तरिया सृष्टि
की सरूआत तै था?” 5 वे तो जाण-बुझकै न्यू भूल गे के पणमेशर के बचन कै
जरिये अकास पुराणे बख्त तै विद्यमान सै अर धरती भी पाणी म्ह तै बणी अर
पाणी म्ह डटरी सै, 6 इस्से कै कारण उस युग की दुनिया पाणी म्ह डूब कै
नाश हो गी| 7 पर इब के बख्त का अकास अर धरती उस्से बचन कै जरिये
ज्यांतै धरे गये सै के जलाए जावै; अर ये भगतिहीन माणसां के न्याय अर
नाश होण कै दिन ताही इसे ए धरे रहवैगें| 8 हे प्यारो, या बात थारै तै लुह्की
ना रहवै के प्रभु कै उरै एक दिन हजार साल कै बराबर सै, अर हजार साल
एक दिन कै बराबर सै| 9 प्रभु अपणे प्रण कै बारै म्ह वार नीं करदा, जीसी
वार कीमे माणस समझै सै; पर थारै बारै म्ह धीरज धरै सै, अर नीं चाहन्दा के
कोए नाश हो, बल्के यो के सारया ताही मन पलटन का मौक्का मिलै| 10 पर
प्रभु का दिन चोर की ढाळ आ जावैगा, उस दिन अकास म्ह बड्डी हड़हड़ाहट
कै बोल तै जान्दा रहवैगा अर तत्व घणा-ए तात्ता होकै पिंघळ जावैगें अर
धरती अर उस पै के काम जळ जावैगें| 11 जिब्ब के ये सारी चीज इस तरिया
तै पिंघळणआळी सै, तो थारै ताही पवित्र चाल-चलण अर भगति म्ह किस
ढाळ माणस होणा चहिये, 12 अर पणमेशर के उस दिन की बाट किस तरिया
तै देखणी चहिये अर उसकै तावळी आण कै खातर किसी कोशिश करणी
चहिये, जिसकै कारण अकास तै पिंघल जावैगें अर अकास के गण घणै-ए
तात्ते होकै गळ जावैगें| 13 पर उसके प्रण कै मुताबिक़ हम एक नये अकास
अर नयी धरती की आस देक्खां सां जिन म्ह धार्मिकता वास करैगी|
14 ज्यांतै, हे प्यारो, जिब्ब के थम इन बात्तां की आस देक्खो सो, तो कोशीश
करो के थम शान्ति तै उसकै श्यामी बेदाग़ अर बेकसूर ठहरो, 15 अर म्हारै
प्रभु के धीरज नै उद्धार समझो, जिसा म्हारै प्यारे भाई पौलुस नै भी उस
ज्ञान कै मुताबिक़ जो उसनै मिल्या, थारै ताही लिख्या सै| 16 उस्से तरिया ए
उसनै आपणी सारी चिट्ठीं म्ह भी इन बात्तां का जिक्रा करया सै, जिन म्ह
कीमे बात इसी सै जिनका समझणा ओख्खा सै, अर अणपढ़ अर चंचल
माणस उन के मतलबां नै भी पवित्रग्रन्थ की दूसरी बात्तां की तरिया खींच
तानकै अपणे ए नाश का कारण बणै सै| 17 ज्यांतै हे प्यारो, थम माणस
पहल्या ए तै इन बात्तां नै जाणकै चौक्कस रहो, ताके अधर्मियां के भ्रम म्ह
फँसकै आपणी स्थिरता नै कद्दे हाथ तै खो नीं देवै| 18 पर म्हारे प्रभु अर
उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनुग्रह अर पहचान म्ह बढ़दे जाओ| उस्से की
महिमा इब भी हो, अर युगानुयुग होन्दी रहवै| आमीन|

1 यूहन्ना

जीवन का वचन

1 उस जीवन कै वचन कै बारें म्ह जो शुरु तै था, जिस ताही हमनै
सुण्या, अर जिस ताही हमनै आपणी आँखां तै देख्या, बल्के जिस
ताही हमनै ध्यान तै देख्या अर हाथां तै छुआ- 2 यो जीवन प्रकट होया अर
हमनै इस ताही देख्या, अर उसकी गवाही देवा सां, अर थमनै उस अनन्त
जीवन की खबर देवै सै जो पिता कै गैल था अर म्हारै पै प्रकट होया- 3 जो
कीमे हमनै देख्या अर सुण्या सै उसकी खबर थमनै भी देवा सां, इस करकै
के थम भी म्हारै गैल हिस्सेदार हो; अर म्हारी या हिस्सेदारी पिता कै गैल
उसकै बेट्टै यीशु मसीह कै गैल सैI 4 अर ये बात हम इस करकै लिखा सां के
म्हारा आनन्द पूरा हो जावैI

चान्दणे म्ह चालणा

5 जो खबर हमनै उसतै सुणी अर थमनै सुणावा सां, वो या सै के पणमेशर
चान्दना सै अर उस म्ह कीमे भी अन्धेरा नींI 6 जै हम क्हवा के उसकै गैल
म्हारी सहभागिता सै अर फेर अन्धकार म्ह चालां, तो हम झूठे सां अर सच पै
नीं चालदे; 7 पर जिसा ओ चान्दना म्ह सै, उसे ए हम भी चान्दना म्ह चालां,
तो एक दूसरें तै सहभागिता राखा सां, अर उसकै बेट्टै का लहू हमनै सारे पाप
तै शुद्ध करै सैI 8 जै हम क्हवा के म्हारै म्ह कोई भी पाप न्ही, तो आपणे आप
नै धोखा देवा सां, अर म्हारै म्ह सच न्हीI 9 जै हम आपणे पाप नै मान ल्या,
तो वो म्हारे पाप नै माफ करण अर हमने सारे अधर्म तै शुद्ध करण म्ह
भरोसेमन्द अर धर्मी सै| 10 जै हम क्हवा के हमनै पाप न्ही करया, तो उसनै
झूठ बणावा सां, अर उसका वचन म्हारै म्ह न्ही सैI

मसीही म्हारा सहायक सै

2 हे मेरै बाळकों मै ये बात थारै ताही इस करकै लिखूँ सूं के थम पाप ना
करो; अर जै कोई पाप करै, तो पिता कै धोरै म्हारा एक सहायक सै,
यानी धर्मी यीशु मसीह; 2 अर ओ ए म्हारै पापां का प्रायशिचित सै, अर सिर्फ
म्हारे ए न्ही बल्के सारी दुनिया के पापां का भीI 3 जै हम उसकै हुक्म नै
माणागें, तो इस तै हम जाण ल्यागें के हम उसनै जाणगेंI 4 जो कोई या कह्वै
सै, "मै उसनै जाण ग्या सूं, अर उसकै हुक्म नै न्ही मानता, वो झुठ्ठा सै उस
म्ह सच कोन्या; 5 पर जो कोई उसकै वचन पै चालै, उस म्ह सचमुच
पणमेशर का प्रेम सिद्ध होया सै: इस्से तै हम जाणा सा के हम उस म्ह सां|
6 जो कोई या कह्वै सै के मै उस म्ह बण्या रहूँ सूं, उस नै चाहिए के आप भी
उसा ए चालै जिसा ओ चालै थाI

नई आज्ञा

7 हे प्यारों मै थमनै कोए नया हुक्म न्ही लिखता, पर ओ ए पुराणा हुक्म जो
शुरु तै थमनै मिल्या सै; यो पुराणा हुक्म यो वचन सै जिस ताही थमनै सुण्या
सैI 8 फेर भी मै थमनै नया हुक्म लिखूँ सूं, अर यो उस म्ह अर थारै म्ह सच्चा
ठहरै सै; क्यूँके अन्धेरा मिटता जावै सै अर सच का चान्दना इब चमकण
लाग्या सैI 9 जो कोए या कह्वै सै के मै चान्दना म्ह सूं अर आपणे भाई तै बैर
राखै सै, वो इब ताही अन्धकार म्ह ए सैI 10 जो कोए आपणे भाई तै प्रेम राखै
सै वो चान्दना म्ह रहवै सै, अर ठोक्कर न्ही खा सकताI 11 पर जो कोए आपणे
भाई तै बैर राखै सै वो अन्धेरे म्ह सै अर अन्धेरे म्ह चालै सै, अर न्ही जाणदा
के कीत्त जावै सै, क्यूँके अन्धेरे नै उसकी आँख आँधी कर दी सैI 12 हे
बाळकों, मै थमनै इस करकै लिखूँ सूं के उसकै नाम तै थारै पाप माफ होए
सैI 13 हे पितरो/(पिताओ), मै थमनै इस करकै लिखूँ सूं के जो शुरु तै सै थम
उसनै जाणों सोंI हे गबरूओ, मै थमनै इस करकै लिखूँ सूं के थमनै उस दुष्ट
पै जीत पाई सैI हे लड़को, मन्नै थारै ताही इस करकै लिख्या सै के थम पिता
नै जाणगे सोंI 14 हे पितरो /(पिताओ), मन्नै थारै ताही इस करकै लिख्या सै
के जो शुरु तै सै थम उसनै जाणगे सोंI हे गबरूओ, मन्नै थारै ताही इस करकै
लिख्या सै के थम ताकतवर बणो, अर पणमेशर का वचन थारै म्ह बणा रहवै
सै, अर थमनै उस दुष्ट पै जीत पाई सैI

जगत तै प्यार ना करो

15 थम ना तो संसार तै अर ना संसार म्ह की चिज्जां तै प्रेम राक्खोI जै कोए
संसार तै प्रेम राक्खै सै, तो उस म्ह पिता का प्रेम कोन्याI 16 क्यूँके जो कीमे
संसार म्ह सै, यानी शरीर की अभिलाष, आँखां की अभिलाषा अर रोजी
रोटी का घमण्ड, वो पिता कि ओड़ तै कोनी पर संसार की ए ओड़ तै सैI
17 संसार अर उसकी अभिलाषा दोनु मिटते ज्या सै, पर जो पणमेशर की
मर्जी पै चालै सै ओ सदा बण्या रहवैगाI

मसीही -बिरोधी

18 हे लड़को, यो आखरी बख्त सै; अर जिसा थमनै सुण्या सै के मसीह का
विरोधी आण आळा सै, उसकै मुताबिक इब भी घणे ए मसीह विरोधी उठ
खड़े होए सै; इस तै हम जाणगे सां के यो आखरी बख्त सैI 19 वे लिकड़ै तै
म्हारै म्ह ए तै सै, पर म्हारै म्ह कै थे न्ही; जै वे म्हारै म्ह के होंदे, तो म्हारै गैल
रहंदे; पर लिकड़ इस खात्तर गये के ये प्रकट हो के वे म्हारै म्ह के न्ही सैI
20 पर थारा तो उस पवित्रता तै अभिषेक होया सै, अर थम सारा कीमे जाणो
सोंI 21 मन्नै थारै ताही इस करकै न्ही लिख्या के थम सच नै न्ही जाणदे, पर
इस करकै कै थम जाणो सों, अर इस करकै कोए झूठ, सच की ओड़ तै न्हीI
22 झूठ्ठा कौन सै? सिर्फ ओ जो यीशु नै मसीह होण तै नाटै सै; अर मसीह का
बिरोधी ओ ए सै, जो पिता का अर बेट्टै का इन्कार करै सैI 23 जो कोए बेट्टे नै
(मानण)तै नाटै सै उसकै धोरै पिता भी कोनी: जो बेट्टे नै मान ले सै, उसकै
धोरै पिता भी सैI 24 जो कीमे थमनै शुरु तै सुण्या सै, जै वो थारै म्ह बणया
रहै तो थम भी बेट्टे म्ह अर पिता म्ह बणै रहोंगेI 25 अर जिसकी उसनै म्हारै तै
प्रतिज्ञा करी वो अनन्त जीवन सैI 26 मन्नै ये बात थारै ताही उनकै बारें म्ह
लिखी सै, जो थमनै भरमावै सै; 27 पर थारा वो अभिषेक जो उसकी ओड़ तै
करया गया, थारै म्ह बणा रहवै सै; अर थमनै इसका प्रयोजन न्ही के थमनै
कोए सिखावै, बल्के जिसा वो अभिषेक जो उसकी ओड़ तै करया गया थारै
ताही सारी बात सिखावै सै, अर सच्चा सै अर झूठा कोनी; अर जिसा उसनै
थारै ताही सिखाया सै उसे ए थम उस म्ह बणे रह्होI

पणमेशर की ऊलाद

28 आखर हे बाळकों, उस म्ह बणे रह्हो के जिब्ब ओ प्रकट हो तो म्हारी
हिम्मत बणै, अर हम उसकै आण पै शर्मिन्दा ना होआI 29 जै थम जाणो सों,
के मसीह का विरोधी आण आळा सै, तो यो भी जाणो सों जो कोए धर्म का
काम करै सै वो उस तै जन्मा सैI

3 देखों पिता नै म्हारै तै किसा प्रेम करया कै हम पणमेशर की औलाद
कहवाऐ; अर हम सां भीI इस कारण दुनिया हम नै न्ही जाणदी, क्यूँके
उसणै उस ताहि भी न्ही जाणा| 2 हे प्रियो, इब हम पणमेशर की औलाद सां

अर इब ताही यो प्रकट न्ही होया के हम के कीमे होवांगे! इतना जाणा सां के जिब्ब वो प्रकट होगा तो हम उसकै बरोब्बर होवांगे क्यूँकै उसनै उसा ए दिक्खांगें जिसा वो सैI 3 अर जो कोए उसपै या आश राक्खै सै, वो आपणे आप नै उसा ए पवित्र करै सै जिसा ओ पवित्र सै I उसपै या आश राक्खै सै, वो आपणे आप नै उसा ए पवित्र करै सै जिसा ओ पवित्र सै I 4 जो कोए पाप करै सै, वो नियम का विरोध करै सैI अर पाप तो नियम का विरोध सैI 5 थम जाणो सों के ओ इस खात्तर प्रकट होया के पाप नै हर ले जावै; अर उसकै सुभाव म्ह पाप कोनीI 6 जो कोए उस म्ह बण्या रहै सै, वो पाप न्ही करता: जो कोए पाप करै सै, उसनै ना तो उस ताही देख्या सै अर ना उस ताही जाण्या सैI 7 हे बाळकों, किसे कै बहकावै म्ह ना आइयोI जो धर्म के काम करै सै, वो ए उसकै समान धर्मी सैI 8 जो कोए पाप करै सै वो शैतान की ओड़ तै सै, क्यूँकै शैतान शुरु तै ए पाप करता आया सैI पणमेशर का बेट्टा इस खात्तर प्रकट होया के शैतान कै कामां का नाश करैI 9 जो कोए पणमेशर तै जन्मा सै वो पाप न्ही करता; क्यूँकै उसका बीज उस म्ह बणया रहवै सै, अर वो पाप कर ए न्ही सकता क्यूँकै वो पणमेशर तै जन्मा सैI 10 इस्से तै पणमेशर की औलाद अर शैतान की औलाद जाणे ज्या सै; जो कोए धर्म के काम न्ही करता वो पणमेशर तै कोनी, अर ना वो जो आपणे भाई तै प्रेम न्ही राखताI

एक दुसरे तै प्यार रक्खो

11 क्यूँकै जो खबर थमनै शुरु तै सुणी, वो या सै के हम एक दूसरें तै प्रेम राक्खा; 12 अर कैन की ढाल ना बणै जो उस दुष्ट तै था, अर जिसनै आपणे भाई ताही मार दियाI अर उस ताही किस कारण मारा? इस कारण के उसके काम बुरे थे, अर उसके भाई के काम धर्म के थेI 13 हे भाइयो, जै संसार थारै तै बैर करै सै तो अचम्भा ना करोI 14 हम जाणा सां के हम मृत्यु तै पार होकै जीवन म्ह पुँह्चे सां; क्यूँकै हम भाईयाँ तै प्रेम राक्खा सांI जो प्रेम न्ही रखता वो मृत्यु की हालत म्ह रहवै सैI 15 जो कोए आपणे भाई तै बैर राक्खै सै, वो हत्यारा सै; अर थम जाणो सों के हत्यारै म्ह अनन्त जीवन न्ही रहन्दाI 16 हमनै प्रेम इस्से तै जाण लिया के उसनै म्हारै खात्तर आपणी जान दे दि; अर हमनै भी भाईया कै खात्तर जान देणी चाहिएI 17 पर जिस किसे कै धोरै दुनिया की दौलत हो अर वो आपणे भाई नै कंगाल देखकै उसपै तरस ना खावै, तो उस म्ह पणमेशर का प्रेम किस तरियां बण्या रहै सकै सै? 18 हे बाळकों, हम वचन अर जीभ तै ए न्ही, पर काम अर सच कै जरिये भी काम करांI

पणमेशर कै सम्मुख हियाव

19 इस्से तै हम जाणागे के हम सच के सां; अर जिस बात म्ह म्हारा मन हमनै दोष देगा, उसकै बारें म्ह हम उसकै आगै आपणे-आपणे मन नै होसला दे सकांगे; 20 क्यूँकै पणमेशर म्हारे मन म्ह बड़ा सै, अर सारा कीमे जाणै सैI 21 हे प्रियो, जै म्हारा मन हमनै दोष ना दे, तो हमनै पणमेशर कै आगै होसला होवै सैI 22 अर जो कीमे हम माँगां सां, वो हमनै उस तै मिलै सै, क्यूँकै हम उसकै हुक्म नै मान्ना सां अर जो उसनै भावै सै वो ए करां सांI 23 उसका हुक्म यो सै के हम उसकै बेट्टे यीशु मसीह पै बिश्वास करां, अर जिसा उसनै म्हारै ताही हुक्म दिया सै उस्से कै मुताबिक आप्पस म्ह प्रेम राखांI 24 जो उसके हुक्म नै मान्नै सै, वो उस म्ह अर वो उन्ह म्ह बण्या रहै सै: अर इस्से तै, यानी उस आत्मा तै जो उसनै म्हारै ताही दिया सै, हम जाणा सां के वो म्हारै

आत्मायां नै परखो

4 हे प्रियो, हरेक आत्मा का बिश्वास ना करो, बल्के आत्मायां नै परखो के वो पणमेशर की ओड़ तै सै के न्ही; क्यूँकै घणे ए झूठे नब्बी दुनिया म्ह उठ खड़े होए सैI 2 पणमेशर की आत्मा थम इस रीति तै पिच्छाण सको सों: जो आत्मा मान ले सै के यीशु मसीह देही म्ह होकै आया सै वो पणमेशर की ओड़ तै सै, 3 अर जो आत्मा यीशु नै न्ही मानती, वो पणमेशर की ओड़ तै न्ही सै; अर वो ए तो मसीह कै विरोधी की आत्मा सै, जिसका जिकर थमनै सुण्या सै के वो आण आळा सै, अर इब भी दुनिया म्ह सैI 4 हे बाळकों, थम पणमेशर के सों, अर थमने उसपै जीत पाई सै; क्यूँकै जो थारै म्ह सै वो उस तै जो दुनिया म्ह सै, बड्डा सैI 5 वे दुनिया के सै, इस कारण वे दुनिया की बात बोल्लै सै, अर दुनिया उन्हकी सुणै सैI 6 हम पणमेशर के सांI जो पणमेशर नै जाणै सै, वो म्हारी सुणै सै; जो पणमेशर नै न्ही जाणता वो म्हारी न्ही सुणताI इस ढाळ हम सच की आत्मा अर भ्रम की आत्मा नै पिच्छाण लेवा सांI

पणमेशर प्रेम सै

7 हे प्रियो, हम आप्पस म्ह प्रेम राक्खां; क्यूँकै प्रेम पणमेशर सै जो कोए प्रेम करै सै, वो पणमेशर तै जन्मा सै अर पणमेशर नै जाणै सैI 8 जो प्रेम न्ही राखता वो पणमेशर नै न्ही जाणदा, क्यूँकै पणमेशर प्रेम सैI 9 जो प्रेम पणमेशर म्हारै तै राक्खै सै, वो इस तै प्रकट होया के पणमेशर नै आपणे इकलौते बेट्टै ताही दुनिया म्ह भेज्झा सै के हम उसकै जरिये जीवन पावांI 10 प्रेम इस म्ह न्ही के हमनै पणमेशर तै प्रेम करया, पर इस म्ह सै के उसनै म्हारै तै प्रेम करया अर म्हारे पाप प्रायाश्चित कै खात्तर आपणे बेट्टै ताही भेज्झाI 11 हे प्रियो, जिब्ब पणमेशर नै म्हारै ताही इसा प्रेम करया, तो हमनै भी आप्पस म्ह प्रेम राखणा चाहिएI 12 पणमेशर ताही भी किसे नै न्ही देख्या; जै हम आप्पस म्ह प्रेम राक्खा, तो पणमेशर म्हारै म्ह बण्या रहवै सै अर उसका प्रेम म्हारै म्ह सिद्ध हो ग्याI 13 इस्से तै हम जाणा सां के हम उस म्ह बणे रह्वा सां, अर वो म्हारै म्ह; क्यूँकै उसनै आपणे आत्मा म्ह तै म्हारै ताही दिया सैI 14 हमनै देख भी लिया अर गवाही देवा सां के पिता नै बेट्टे ताही जगत का उद्धारकर्ता करकै भेज्झा सैI 15 जो कोए या मान ले सै के यीशु पणमेशर का बेट्टा सै, पणमेशर उस म्ह बण्या रहवै सै अर वो पणमेशर म्ह I 16 जो प्रेम पणमेशर म्हारै तै राक्खै सै, उसनै हम जाण ग्ये अर हमनै उसका बिश्वास सैI पणमेशर प्रेम सै, अर जो प्रेम म्ह बण्या रहवै सै वो पणमेशर म्ह बण्या रहवै सै, अर वो उस म्ह बण्या रहवै सैI 17 इस्से तै प्रेम म्हारै म्ह सिद्ध होया के हमनै न्याय कै दिन होसला हो; क्यूँकै जिसा वो सै उस्से ए दुनिया म्ह हम भी सांI 18 प्रेम म्ह डर न्ही होंदा, बल्के सिद्ध प्रेम डर नै दूर कर दे सै; क्यूँकै डर का सम्बन्ध सजा तै होवै सै, अर जो डरै सै वो प्रेम म्ह सिद्ध न्ही होयाI 19 हम इस करकै प्रेम करा सै, के पैहले उसनै म्हारै तै प्रेम करयाI 20 जै कोए कह्वै, "मै पणमेशर तै प्रेम राख्खुँ सूं," अर आपणे भाई तै बैर राक्खै तो वो झूठ्ठा सै; क्यूँकै जो आपणे भाई तै जिस ताही उसनै देख्या सै प्रेम न्ही राखता, तो वो पणमेशर तै भी जिस ताही उसनै न्ही देख्या प्रेम न्ही राक्ख सकताI 21 उस तै हमनै यो हुक्म मिल्या सै, कै जो कोए पणमेशर तै प्रेम राक्खै सै वो आपणे भाई तै भी प्रेम राक्खैI

जगत पै जय पाना

5 जिसका यो बिश्वास सै के यीशु ही मसीह सै, ओ पणमेशर तै पैदा होया सै; अर जो कोए पैदा करण आळै तै प्रेम राक्खै सै, वो उस तै भी प्रेम राक्खै सैI 2 जिब्ब हम पणमेशर तै प्रेम राक्खै सां अर उसकै हुक्म नै मान्ना सां, तो इस्से तै हम जाणा सां के हम पणमेशर की औलाद तै प्रेम राक्खा सांI 3 क्यूँकै पणमेशर तै प्रेम राखणा यो सै के हम उसकै हुक्मा नै मान्नै; अर उसके हुक्म मुश्किल कोन्याI 4 क्यूँकै जो कीमे पणमेशर तै पैदा होया, वो दुनिया पै जीत पावै सै; अर वो जीत जिस तै दुनिया पै जीत पावै सै म्हारा बिश्वास सैI 5 दुनिया पै जीत पावैण आळा कौन सै? सिर्फ वो जिसका यो बिश्वास सै के यीशु पणमेशर का बेट्टा सांI

यीशु मसीह कै बारें म्ह गवाही

6 यो ए सै वो जो पाणी अर लहू कै जरिये आया था, यानी यीशु मसीह: वो सिर्फ पाणी कै जरिये बल्के लहू दोनुआ कै जरिये आया थाI 7 अर जो गवाही देवै सै, वो आत्मा सै; क्यूँकै आत्मा सच सैI 8 गवाही देण आळे तीन सै, आत्मा,पाणी अर लहू; ये तिन्नु एकै ए बात पै सहमत सैI 9 जिब्ब हम माणसा की गवाही मान ल्यां सां, तो पणमेशर की गवाही तो उस तै बढ़ कै सै; अर पणमेशर की गवाही या सै के उसनै आपणे बेट्टै कै बारें म्ह गवाही दी सैI 10 जो पणमेशर कै बेट्टै पै बिश्वास करै सै वो आपणे ए म्ह गवाही राक्खै सैI

जिसनै पणमेशर पै बिश्वास न्ही करया उसनै उस ताही झूठा बताया, क्यूँके उसनै उस गवाही पै बिश्वास करया जो पणमेशर नै आपणे बेट्टै कै बारें म्ह दी सैI 11 अर वा गवाही या सै के पणमेशर नै म्हारै ताही अनन्त जीवन दिया सै, अर यो जीवन उसकै बेट्टै म्ह सैI 12 जिसकै धोरै बेट्टा सै, उसकै धोरै जीवन सै; अर जिसकै धोरै पणमेशर का बेट्टा कोनी, उसकै धोरै जीवन भी कोनीI

अनन्त जीवन

13 मन्नै थारै ताही, जो पणमेशर कै बेट्टै कै नाम पै बिश्वास करों सों, इस करकै लिख्या सै के थम जाणोंके अनन्त जीवन थारा सैI 14 मन्नै थारै ताही, जो पणमेशर कै बेट्टै कै नाम पै बिश्वास करों सों, इस करकै लिख्या सै के थम जाणोंके अनन्त जीवन थारा सैI 15 जिब्ब हम जाणा सां के जो कीमे हम माँग्गा सां ओ म्हारी सुणै सै, तो यो भी जाणा सां के जो कीमे हमनै उसतै मांग्या, वो पाया सैI 16 जै कोए आपणे भाई नै इसा पाप करते देखै जिसका फळ मृत्यु ना हो, तो बिनती करै, अर पणमेशर उस ताही उन्ह खात्तर, जिन्नै नै इसा पाप करया सै जिसका फळ मृत्यु ना हो, जीवन देगाI जिसका फळ मृत्यु सै; इसकै बारें म्ह मै बिनती करण खात्तर न्ही कह्न्दाI 17 सारी ढाळ का अधर्म तो पाप सै, पर इसा पाप भी सै जिसका फळ मृत्यु न्ही 18 हम जाणा सां, के जो कोए पणमेशर तै पैदा होया सै, वो पाप न्ही करता; पर जो पणमेशर तै पैदा होया सै, उसनै वो बचाई राक्खै सै, अर वो दुष्ट उसनै छु भी न्ही पांदाI 19 हम जाणा सां के हम पणमेशर तै सां, अर सारि दुनिया उस दुष्ट कै वश म्ह पड़ी सैI 20 हम यो भी जाणा सां के पणमेशर का बेट्टा आ ग्या सै अर उसनै म्हारै ताही समझ दी सै के हम उस सच्चे नै पिच्छाणा; अर हम उस म्ह जो सच सै, यानी उसकै बेट्टै यीशु मसीह म्ह रह्वा सांI सच्चा पणमेशर अर अनन्त जीवन यो ए सैI 21 हे बाळकों आपणे आप नै मूर्ता तै बचाये राक्खोंI

2 यूहन्ना

अभिवादन

1 मन्नै प्राचीन कै कान्नी तै उस छाँटी होई श्रीमती अर उसकै बाळकां के
नाम, जिनतै मै साच्चा प्रेम राखूँ सूं, अर सिर्फ मै ए नीं बल्के वे सारे भी
प्रेम राखै सै जो साच नै जाणै सै; 2 ओ साच जो म्हारै म्ह स्थिर रहवै सै, अर
सारी हाण म्हारै गेल्या पक्की तौर पै रहवैगा; 3 पणमेशर पिता, अर पिता के
बेट्टे यीशु मसीह कै कान्नी तै अनुग्रह अर दया अर शान्ति, साच अर प्रेम सुदा
म्हारै गेल्या रहवैगें|

सच अर प्रेम

4 मै घणा राज़ी होया के मन्नै तेरे कई बाळकां ताही उस हुक्म कै मुताबिक,
जो म्हारै पिता की ओड़ तै मिल्या था, साच पै चाल्दे होए पाया| 5 इब हे
नारी, मै तन्नै कोए नया हुक्म कोनी, पर ओए जो सरूआत तै म्हारै गेल्या सै,
लिखूँ सूं; अर तेरै तै बिनती करूँ सूं के हम एक-दुसरे तै प्रेम राक्खां| 6 अर
प्रेम यो सै के हम उसके हुक्मां कै मुताबिक चाल्लां; यो ओए हुक्म सै जो थमनै
सरूआत तै सुणया सै, अर थमनै इस पै चालणा भी चहिये| 7 क्यूँके घण-
खरे इसे भकाण आळे दुनिया म्ह लिकड़ आये सै, जो यो न्ही मान्दे के यीशु
मसीह देही म्ह होकै आया; भकाण आळा अर मसीह बिरोधी योए सै|
8 आपणे बारै म्ह चौकन्ने रहो, के जो मेहनत हमनै करी सै उस ताही थम गवाँ
ना देवो, बल्के उसका पूरा इनाम पाओ| 9 जो कोए मसीह की शिक्षा तै आगै
बढ़ जावै सै उसम्ह बणया नीं रहन्दा, उसकै धोरै पणमेशर कोनी; जो कोए
उसकी शिक्षा म्ह डटया रहवै सै उसकै धोरै पिता भी सै अर बेट्टा भी| 10 जै
कोए थारै धोरै आवै अर याए शिक्षा ना देवै, उस ताही ना तो घर म्ह आण द्यो
अर ना नमस्कार करो| 11 क्योंके जो कोए इसे माणस नै नमस्कार करै सै,
ओ उसकै भुन्डे काम्मां म्ह साझ्झी होवै सै|

आखरी अभिवादन

12 मन्नै घणी ए बात थारै तै करणी सै, पर कागज अर स्याही तै लिखणा
कोनी चाहन्दा, पर उम्मींद सै के मै थारै आऊँगां अर आम्मी-स्याम्ही
बतळाऊँगा, जिस तै थारा आनन्द पूरा होवै| 13 तेरी छाँट्टी होई बेब्बे के
बाळक तेरै ताही नमस्कार कह्वै सै|

3 यूहन्ना

अभिवादन

1 मुझ प्राचीन की ओड़ तै प्रिय गयुस कै नाम जिस तै मैं साच्चा प्रेम राखूँ सूI 2 हे प्यारे, मेरी या प्रार्थना सै के जिसा तू आत्मिक बढ़ोतरी करण
लाग रह्या सै, उस्से तरियां तू सारी बातां म्ह बढ़ोतरी करै अर आच्छा बिच्छा
रहवैI 3 क्यूँके जिब्ब भाईयाँ नै आण कै उस सच की गवाही दी, जिस पै तू
साच्च-ए चाल्लै सै, तो मैं ब्होत ऐ राज़ी होयाI 4 मन्नै इस तै बढ़के और कोए
खुशी कोन्या के मैं सुणु, के मेरे बाळक सच पै चाल्लै सैI

गयुस की तारीफ

5 हे प्यारे, जो कीमे तू उन भाईयाँ कै गैल करै सै, जो परदेशी सै, उसनै
बिश्वासी कै रूप म्ह करै सैI 6 उन्नै कलीसिया के स्याम्ही तेरै प्रेम की गवाही
दी सैI जै तू उन्नै उस ढाळ बिद्या करेगा जिस ढाळ पणमेशर के माणसा कै
खात्तर सही सै यो तू आच्छा करैगाI 7 क्यूँके वे उस नाम कै खात्तर लिकड़े
सै, अर गैरजातां म्ह कीमे न्ही लेंदेI 8 इस करकै इसा का स्वागत करना
चाहिए, जिस म्ह हम भी सच के पक्ष म्ह उसके साज्झी होवाI

दियुत्रिफेस अर दियुत्रियुस

9 मन्नै कलीसिया ताही कीमे लिख्या था, पर दियुत्रिफेस जो उन म्ह बड्डा
बनणा चाहवै सै, म्हारै ताहि न्ही आपणान्दाI 10 इस करकै जिब्ब मैं आऊँगा
तो, उसकै काम जो वो करण लाग रह्या सै, उसनै समझाऊँगा, के वो म्हारे
बारै म्ह भुंडी-भुंडी बात कह्वै सै; अर इस म्ह भी सब्र ना करकै खुद ऐ भाईयाँ
नै न्ही आपणान्दा, अर उन्नै भी जो अपणाना चाहवै सै नाट्टै सै अर
कलीसिया तै लिकाड़ देवै सैI 11 हे प्यारे, बुराई के न्ही पर भला करण आळे
बणोI जो भलाई करै सै, वो पणमेशर की ओड़ तै सै; पर जो बुराई करै सै,
उसनै पणमेशर ताही न्ही देख्याI 12 दियुत्रियुस कै बारै म्ह सारा नै, बल्के
सच नै भी आप गवाही दी; अर हम भी गवाही देवा सां, अर तू जाणै सै के
म्हारी गवाही साच्ची सैI

आखरी अभिवादन

13 मन्नै तेरै ताहि भोत कीमे लिखना तो था, पर स्याही अर कलम तै
लिखना न्ही चाहन्दाI 14 पर मन्नै आश सै के तेरै तै ताव्ळा ए मिलूँगा, फेर हम
आम्ही-स्याम्ही बात करांगेI तन्नै शान्ति मिल्दी रहवैI उरै के मित्तर तेरै ताही
नमस्कार कह्वै सैI 15 ओड़े के मित्तरां तै नाम ले-ले कै नमस्कार कह दियेI

यहूदा

1 1 यहूदा की ओड़ तै जो यीशु मसीह का दास अर याकूब का भाई सै,
उन बुलाए होड़ा कै नाम जो पणमेशर पिता म्ह प्यारे अर यीशु मसीह
की रुखाळ म्ह सैI 2 2 दया अर शान्ति अर प्यार थमनै घणाए-घणा मिल्दा
रहवैI 3 3 हे प्यारो, जिब्ब मै थमनै उद्धार कै बाबत म्ह घणी मैहनत तै
कोशिश कर रया था जिसम्ह हम सारे गेल्या हिस्सेदार सां, तो मन्नै थारतै न्यू
समझाणा जरूरी जाण्या के उस बिश्वास कै खातर पूरी मैहनत करो जो पवित्र
माणसा तै एके बै थमाया गया थाI 4 4 क्यूँके कितने इसे माणस बोल-बाल्ले
म्हारतै आ मिले सै, जिनकै इस सजा का खुलासा गुजरे बख्तां म्ह पहल्या तै
ए लिख्या गया सै: उनम्ह भगति नीं सै, अर म्हारे पणमेशर कै अनुग्रह नै
लुचपण म्ह पलट दे सै, अर म्हारा एकै मालिक अर प्रभु यीशु मसीह नै मानण
तै नाट्टै सैI 5 5 पर जिब्बके थमनै सारी बात्तां का एकबै बेरा लागग्या सै,
फेरभी मै थमनै इस बात की सोद्दी दुवाऊँ सूं के प्रभु नै एक कुन्बै तै मिस्र देश
तै छुटाण कै पाछै बिश्वास ना करणीया का नास करयाI 6 6 फेर जिन
सुर्गदुत्तां नै आपणे होदै ताही बणाए नीं राख्या बल्के आपणी खुद की
बसासत छोड़ दी, उसनै उनतै भी करड़ै दिन कै न्याय खातर अन्धेरै म्ह, जो
सारै बख्त कै खातर सै, कैद म्ह राख्या सैI 7 7 जिस तरिया सदोम अर
अमोरा अर उनकै ओरै- धोरै के कस्बे, जो इनकै बराबर जार होगे थे, अर
परायी देही कै पाछै लाग्गे थे, आग के अनन्त दण्ड म्ह पड़कै उदाहरण बणगे
सैI 8 8 उस्से तरिया तै ये सपने देखणीये भी आपणी-आपणी देही नै अशुद्ध
करै, अर प्रभु कै हक्क नै छोट्टा जाणै सै, अर ऊप्परले ओदे आळयां नै भुंडा-
आच्छा कहवै सैI 9 9 पर मुखिया सुर्गदुत मीकाईल नै जिब्ब शैतान तै मूसा
की लाश कै बाबत कह्या-सुणी करी, तो उसतै भुंडा-आच्छा कहकै खोट
लाण की हिम्मत कोनी करी पर न्यू कह्या, “प्रभु तन्नै धमकावैI” 10 10 पर ये
माणस जिन बात्तां नै कोणी जाणदे उन्नै भुंडा-आच्छा कहवै सै, अर जिन
बात्तां नै बिना समझ के डांगर कै बराबर सुभा ए जाणै सै, उनम्ह अपणे-आप
ताही नास करै सैI 11 11 उन पै हाय ! क्यूँके वे कैन की तरिया चाल चाल्लै
सै, अर मजदूरी कै खातर बिलाम की तरिया भुन्ड़े होगे सैI कोरह की ढाळ
बिरोध करकै नास हो गे सो| 12 12 ये थारी प्रेम की सभायां म्ह थारै गेल्या
खावै-पीवै सै, समुन्दर म्ह लुकी होए पत्थर के टिल्ले जिस्से सै, अर बिना
खटकै के आपणा पेट भरण आळे रुखाळे सै, वे बिना पाणी के बादल सै,
जिन्नै बाळ उड़ा ले जावै सै; पतझड़ के इसे पेड़ सै, जिनम्ह कदे फळ कोनी
लाग्दे, जो दो बै मर लिये सै; अर जड़ तै उखड़ गे सै| 13 13 ये समुन्दर की
तेज झाळ के हिलोरे सै, जो आपणी शर्म का झाग उछालै सै; ये डाँवाडोल
तारे सै, जिनकै खातर सारी हाण ताही घणा अंधेरा धरया गया सैI 14 14
हनोक नै भी जो आदम तै सातवीं पीढ़ी म्ह था, इनकै बाबत या भविष्यवाणी
करी, “लखाओ, प्रभु आपणे लाक्खों पवित्र माणसा कै गेल्या आया 15 15 के
सारया का न्याय करै, अर सारे बिना भगति करणीया नै उनके अभगति के
सारे काम्मां कै बाबत जो उन्नै भगतिहीन होकै करे सै, अर उन सारी करड़ी
बात्तां कै बाबत म्ह जो भगतिहीन पापियां नै उसकै बिरोध म्ह कही सै, दोषी
ठहराएI” 16 16 ये तो बिना संतोषी, बड़बड़ाणआळे, अर आपणी मर्जिया कै
मुताबिक चाल्लणआळे सै, अर आपणे मुँह तै घमण्ड की बात बोल्लै सै, अर वे
नफै कै खातर मुँह देख बड़ाई करै सैI 17 17 पर हे प्यारो, थम इन बात्तां नै
याद राक्खो कै म्हारे प्रभु यीशु मसीह के प्रेरित पहल्याए कहगे सैI 18 18 वे
थमनै कह्या करै थे, “के पाछले दिनां म्ह इसे मखोल करणीये होंगे जो
आपणी आभगति की अभिलाषायां कै मुताबिक चाल्लैगेंI” 19 19 ये वे सै जो
फूट गेरै सै; ये देहीआळे माणस सै, जिनम्ह आत्मा कोनीI 20 20 पर हे
प्यारो, थम आपणे घणे पवित्र बिश्वास म्ह बढ़ते जाओ अर पवित्र आत्मा तै
प्रार्थना करदे होए, 21 21 खुद नै पणमेशर कै प्यार म्ह बणाए राक्खो; अर
अनन्त जिन्दगी कै खातर म्हारे प्रभु यीशु मसीह की दया की बाट देखदे रहोI
22 22 उन पै जो शक म्ह सै, दया करो; 23 23 अर घणखरयां नै आग म्ह तै
झपटकै लिकाड़ो; अर घणखरयां पै डर कै गेल्या दया करो, पर उस लत्ते तै
भी नफरत करो जो देही कै गेल्या कलंकित हो गया सैI 24 24 इब जो थमनै
ठोकर खाण तै बचा सकै सै, अर आपणी महिमा की भरपूरी कै श्यामी मग्न
अर बिना खोट करकै खड़या कर सकै सै, 25 25 उस एकमात्र पणमेशर म्हारे
उद्धारकर्ता की महिमा अर गौरव अर पराक्रम अर हक्क, म्हारे प्रभु यीशु मसीह
के द्वारा जिसा पुराणे बख्त तै सै, इब भी हो अर युगानुयुग रहवै| आमीन|

प्रकाशित वाक्य

1 यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य, जो उस ताहीं पणमेशर नै इसकरकै
दिया के अपणे दास्सां नै ये बात, जिनका ताव्ळा होणा जरूरी सै,
दिखावै; अर उसनै अपणे सुर्गदुत ताहीं खन्दाकै उसकै जरिये अपणे दास
युहन्ना ताहीं बताया, 2 जिसनै पणमेशर के बचन अर यीशु मसीह की गवाही,
यानिके जो कीमे उसनै देख्या था उसकी गवाही देई| 3 धन्य सै ओ जो इस
भविष्यवाणी के बचन नै पढ़ै सै, अर वे जो सुणैं सैं अर इस म्ह लिक्खी होई
बात्तां नै मान्नै सै, क्यूँके टैम लवै सै|

सात्तु कलीसियायां का अभिवादन

4 युहन्ना की ओड़ तै आसिया की सात कलीसियायां के नाम:
उसकी ओड़ तै जो सै अर जो था अर जो आण आळा सै; अर इन सात
आत्मायां की ओड़ तै जो उसकै सिंहासन कै श्यामी सैं, 5 अर यीशु मसीह
की ओड़ तै जो बिश्वास जोग्गा साक्षी अर मरे होया म्ह तै जी उठण आळयां
म्ह तै जेट्ठा अर धरती के राजायां का हाकिम सै, थारै ताहीं अनुग्रह ए शान्ति
मिल्दी रहवै| ओ म्हारै तै प्रेम राखै सै, अर उसनै अपणे लहू कै जरिये म्हारै
ताहीं पाप तै छुटाया सै, 6 हमनै एक राज्य अर अपणे पिता पणमेशर कै
खातर याजक भी बणा दिया; उस्से की महिमा अर पराक्रम युगानुयुग रहवै|
आमीन| 7 लखाओ, ओ बादळां कै गेल्या आण आळा सै, अर हरेक आँख
उसनै देखैगी, बल्के जिन्नै उस ताहीं बेध्या था वे भी उस ताहीं देखैंगें, अर
धरती के सारे कुल उसकै कारण छात्ती पीट्टैंगें| हम्बै | आमीन| 8 प्रभु
पणमेशर, ओ जो सै अर जो था अर जो आणआळा सै, जो सबतै ठाड्डा सै,
न्यू कहवै सै, "मै अल्फ़ा अर ओमेगा सूं|"

युहन्ना नै मसीह का दर्शन

9 मै युहन्ना, जो थारा भाई अर यीशु के क्लेश अर राज्य अर धीरज म्ह
थारा गेल-साझ्झी सूं, पणमेशर के बचन अर यीशु की गवाही कै कारण
पतमुस नाम कै टाप्पू म्ह था| 10 मै प्रभु के दिन आत्मा म्ह आ ग्या, अर
अपणे पाच्छै तुरही बरगा बड्डा शब्द न्यू कहन्दे सुणया, 11 "जो कीमे तू देखै
सै उसनै किताब म्ह लिखकै सात्तु कलीसियायां कै धोरै खन्दा दे, यानिके
इफिसुस, अर स्मुरना, अर पिरगमुन, अर थूआतीरा, अर सरदीस, अर
फिलदिलफिया, अर लौदीकिया ताहीं|"
12 फेर मन्नै उस ताहीं, जो मेरै तै बोल्लण लागरया था, देक्खण कै खातर
आपणा मुँह फेरया, अर पाच्छै घूमकै मन्नै सोन्ने की सात दीव्टें देक्खीं, 13 अर
उन दीवटां कै बिच्चाळै माणस के बेट्टे कै बरगा एक आदमी देख्या, जो पायां
ताहीं का लत्ते पहरे, अर छात्ती पै सोन्ने का पटुका बाँधे होड़ था| 14 उसके
सिर अर बाळ धोळी ऊन बल्के पाळे की ढाळ जम्मा धोळे थे, अर उसकी
आँख आग की ज्वाला की ढाळ थीं| 15 अर उसके पैर सारया म्ह काम्मल
पीतळ जिसे थे, इस ढाळ मान्नो जणु भट्ठी म्ह तपाए होए हों; अर उसका बोल
घणे पाणी के बोल कै बरगा था| 16 ओ अपणे शोळे हाथ म्ह सात तारे लिए
होड़ था, अर उसकै मुँह म्ह तै चोक्खी दोधारी तलवार लिकड़ै थी| उसका
मुँह इस ढाळ बळै था, जिस ढाळ सूरज करड़ी धूप के टैम चमकै सै|
17 जिब्ब मन्नै उस ताहीं देख्या तो उसके पायां पै मुरद्या की ढाळ पड़ग्या|
उसनै मेरै पै आपणा शोळा हाथ, धरकै कहया, "मतना डरै, मै पह्ल्ड़ा अर
आखरी अर जिन्दा सूं; 18 मै मरग्या था, अर इब देख मै युगानुयुग जीऊँ सूं;
अर मौत अर पाताळ की ताळीं मेरै धोरै सैं| 19 इसकरकै जो बात तन्नै देक्खीं
सैं अर जो बात होण लागरी सैं अर जो बात इसकै पाच्छै होणआळी सैं, उन
सारियां नै लिख ले| 20 अर्थात् उन सात तारयां का भेद जिन ताहीं तन्नै मेरै
सोळे हाथ म्ह देख्या था अर उन सोन्ने दिवटां का भेद वे सात तारे, सात्तु
कलीसियायां के दूत सैं अर वे सात दीवट, सात कलीसियां सैं|

इफिसुस ताहीं संदेश

2 इफिसुस की कलीसिया के दूत नै न्यू लिख :
के, जो सात्तु तारे अपणे शोळे हाथ म्ह लिए होड़ सै, अर सोन्ने की
सात्तु दीवटां कै बिच्चाळै हाँडै सै, ओ न्यू कहवै सै के, 2 मै तेरै काम, अर
मैहनत, अर तेरा धीरज जांणु सूं; अर न्यू भी, के बुरे माणसां नै तो देख सकै
सै; अर जो अपणे आप नै प्रेरित कहवैं सैं, अर सैं नीं, उन ताहीं तन्नै परख कै
झूठा पाया| 3 अर तू धीरज धरै सै, अर मेरै नाम कै खातर दुःख ठान्दे-ठान्दे
थक्या नीं| 4 पर मन्नै तेरै बिरोध म्ह न्यू कहणा सै के तन्नै आपणा पह्ल्ड़ा-सा
प्रेम छोड़ दिया सै| 5 इसकरकै सोद्दी म्ह आ, के तू कित तै गिरया सै, अर
मन फिरा अर पहल्या की ढाळ काम कर; अर जै तू मन नीं फिरावैगा, तो मै
तेरै धोरै आकै तेरी दीवट नै उस जंगहा तै हटा द्यूँगा| 6 पर हम्बै, तेरै म्ह या
बात तो सैं, के तू नीकुलइयों के काम्मां तै नफरत मान्नै सै, जिन तै मै भी
नफरत मान्नु सूं| 7 जिस कै कान हों, ओ सुण लेवैं के आत्मा कलीसियायां तै
के कहवै सै: जो जीत पावै, मै उस ताहीं उस जीवन कै दरख्त म्ह तै जो
पणमेशर के सुर्गलोक म्ह सै, फळ खाण नै द्यूँगा|

स्मुरना ताहीं संदेश

8 अर स्मुरना की कलीसिया के दूत नै न्यू लिख :
के, जो पह्ल्ड़ा अर आखरी सै; जो मर लिया था अर इब जिन्दा होग्या सै,
ओ न्यू कहवै सै के, 9 "मै तेरै क्लेश अर गरीबी नै जाणु सूं; (पर तू साहूकार
सै); अर जो माणस अपणे आप ताहीं यहूदी कहवैं सैं अर सैं नीं, पर शैतान
की पंचायत सैं, उनकी बुराई नै भी जांणु सूं| 10 जो दुःख तन्नै झेळने होंगे,
उन तै मत घबरा; क्यूँके देक्खो, शैतान थारै म्ह तै कितन्यां ताहीं जेळखान्नै
म्ह गेरण पै सै ताके थम परखे जाओ; अर थारै ताहीं दस दिन ताहीं क्लेश
ठाणा पड़ैगा: ज्यान देण तक बिश्वासी रह; तो मै तन्नै जीवन का मुकुट
देऊँगा| 11 जिस के कान हों, ओ सुण ले के आत्मा कलीसियायां तै के कहवै
सै: जो जीत पावै, उस ताहीं दूसरी मौत तै नुक्सान कोनी पहोचैगी|

पिरगमुन ताहीं संदेश

12 अर पिरगमुन की कलीसिया के दूत नै न्यू लिख :
के, जिसकै धोरै दोधारी अर चोक्खी तलवार सै, ओ न्यू कहवै सै के,
13 मन्नै न्यू तो बेरा सै, के तू ओड़ै रहवै सै जित शैतान का सिंहासन सै, अर
मेरै नाम पै स्थिर रहवै सै; अर मेरै पै बिश्वास करण तै उन दिनां म्ह भी पाच्छै
नीं हट्या जिन म्ह मेरा बिश्वास जोग्गा गवाह अन्तिपास, तेरै म्ह उस जंगहा पै
मारया गया जित शैतान रहवै सै| 14 पर मन्नै तेरै खिलाफ कुछे बात कहणी
सैं, क्यूँके तेरै उरै कितने तो इसे सैं, जो बिलाम की शिक्षा नै मान्नैं सैं, जिसनै
बालाक ताहीं इस्त्रालियां कै श्यामी ठोकर कारण धरणा सिखाया, के वे मूरतां
के बलिदान खावैं, अर जारी करैं| 15 उस्से तरियां-ए तेरै उरै कितने तो इसे
सैं, जो नीकुलइयां की शिक्षा नै मान्नैं सैं| 16 ज्यांतै मन फिरा, नीं तो मै तेरै
धोरै ताव्ळा ए आकै, अपणे मुँह की तलवार तै उनकै गेल्या लड़ूँगा|
17 जिसके कान हों, ओ सुण लेवैं के आत्मा कलीसियायां तै के कहवै सै; जो
जीत पावै, उस ताहीं मै गुप्त-मन्ने म्ह तै द्युँगा, अर उस ताहीं एक धोळा पत्थर

भी द्युँगा; अर उस पत्थर पै एक नाम लिख्या होया होगा, जिस ताहीं उसकै पाण आळै कै सिवाय और कोए नीं जाणैगा|

थुआतीरा ताहीं संदेश

18 अर थुआतीरा की कलीसिया के दूत नै न्यू लिख :
के, पणमेशर का बेट्टा जिस की आँख आग की ज्वाला की ढाळ, अर जिस के पैर सारया तै काम्मल पीत्तळ कै बरगे सैं, यो कहवै सै के, 19 "मै तेरे काम्मां, अर प्रेम, अर बिश्वास, अर सेवा, अर धीरज नै जांणु सूं, अर न्यू भी के तेरै पाच्छले काम पहल्ड़या तै बढ़ कै सैं| 20 पर मन्नै तेरै खिलाफ न्यू कहणा सै, के तू उस लुगाई इजेबेल नै रहण देवै सै जो अपणे आप नै नबी कहवै सै, अर मेरै दासां नै जारी करण, अर मूर्तियाँ कै श्यामी बलिदान खाण नै सिखाकै भकावै सै| 21 मन्नै उस ताहीं मन फिराण कै खातर मौक्का दिया, पर वा अपणे जारीपणे तै मन फिराणा कोनी चाहन्दी| 22 लखा, मै उस ताहीं खाट पै गेरू सूं; अर जो उसकै गेल्या जारी करैं सैं जै वे भी उसकै बरगे काम्मां तै मन नीं फिरावैंगें तो उन्नै भारया क्लेश म्ह गेरूँगा| 23 अर मै उसके बाळकां नै मार द्यूँगा; अर फेर सारी कलीसिया नै बेरा पाट जावैगा के हृदय अर मन जाँचणआळा मै ए सूं; अर मै थारै म्ह तै हरेक नै उसकै काम्मां कै मुताबिक बदला देऊँगा| 24 पर थम थुआतीरा के बाकी माणसां तै, जितने इस शिक्षा नै नीं मांदे, अर उन बात्तां नै जिन्नै शैतान की गहरी बात कहवै सै नीं जाणदे, न्यू कहूँ सूं, के मै थारै पै और बोझ कोनी गेरूँगा| 25 पर हम्बै, जो थारै धोरै सै उसनै मेरै आण तक थाम्बे रहो| 26 पर जो जीत पावै, अर मेरे काम्मां कै मुताबिक आखरी ताहीं करदा रहवै, मै उसनै जात-जात्तां के माणसां पै हक्क देऊँगा| 27 अर ओ लोहे का राजदण्ड लिये होड़ उन पै राज्य करैगा, जिस ढाळ कुम्हार के माट्टी के बासण चकणाचूर हो जावैं सैं: जिस तरियां के मन्नै भी इसा ए हक्क अपणे बाप तै मिल्या सै| 28 अर मै उसनै तड़कै लिकड़ण आळा तारा देऊँगा| 29 जिसके कान हों, ओ सुण लेवैं के आत्मा कलीसियायां तै के कहवै सै|

सरदीस ताहीं संदेश

3 अर सरदीस की कलीसिया के दूत नै लिख :
के, जिस कै धोरै पणमेशर की सात आत्मां अर सात तारे सै, ओ न्यू कहवै सै, के मै तेरे काम्मां नै जांणु सूं, के तू जिन्दा तो कुह्लावै सै, पर, सै मरया होड़| 2 जाग्गू रह, अर उन चीज़ां ताहीं जो बची होड़ सैं, अर जो मिटण आळी थीं, उन्नै मजबूत कर; क्यूँके मन्नै तेरै किसे काम ताहीं अपणे पणमेशर कै लवै पूरा नीं पाया| 3 इस करकै सोद्दी म्ह आ, के तन्नै किस तरियां तै शिक्षा पाई अर सुणी थी, अर उसम्ह बणया रह, अर मन फिरा: अर जै तू जाग्गू नीं रहवैगा, तो मै चोर की ढाळ आ जाऊँगा अर तन्नै कद्दे भी नीं बेरा पाट्टैगा, के मै किस टैम तेरै पै आण पड़ूँगा| 4 पर हम्बै, सरदीस म्ह तेरै उरै कीमे माणस इसे सै, जिन्नै अपणे-अपणे लत्ते अशुद्ध कोन्या करे, वे धोळे लत्ते पहरे होड़ मेरै गेल हाँडेगें क्यूँके वे इस जोग्गे सैं| 5 जो जीत पावै, उस ताहीं इस्से ढाळ धोळे लत्ते पिहराए जावैंगें, अर मै उसका नाम जीवन की किताब म्ह तै किस्से तरियां तै भी नीं काड्डूगाँ, पर उसका नाम अपणे पिता अर उसके सुर्गदुत्तां कै श्यामी मान ल्युँगा| 6 जिसकै कान हों, ओ सुण ले के आत्मा कलीसियायां तै के कहवै सै|

फिलदिलफिया ताहीं संदेश

7 अर फिलेदिलफिया की कलीसिया के दूत नै न्यू लिख :
के, जो पवित्र अर साच्चा सै, अर जो दाऊद की ताळी लेरया सै, जिस के खोल्ले होए नै कोए मूंद नीं सकदा अर मूंदे होए नै कोए खोल नीं सकदा, ओ न्यू कहवै सै के, 8 मन्नै तेरे काम्मां का बेरा सै, (लखा, मन्नै तेरै श्यामी एक दरवाजा खोल राख्या सै, जिस नै कोए मूंद नीं सकदा) के तेरी सामर्थ माड़ी-सी सै, अर तन्नै मेरै बचन ताहीं पुगाया सै अर मेरै नाम तै कोनी मुकरया| 9 लखा, मै शैतान के उन पंचायत आळयां नै तेरै बस म्ह कर द्युँगा, जो यहूदी बण बैट्ठे सैं, पर सैं नीं, बल्के झूठ बोल्लैं सैं लखा, मै इसा करूँगा, के वे आकै तेरे पायां म्ह मुद्दे पड़ैंगें, अर न्यू जाण लेवैंगें, के मन्नै तेरै तै प्रेम राख्या सै|
10 तन्नै मेरै धीरज कै बचन ताहीं थाम्बया सै, ज्यांतै मै भी तन्नै हिम्तान कै उस टैम बचा राखुंगा, जो धरती पै रहण आळयां कै परखण कै खातर साब्ती दुनिया पै आण आळा सै| 11 मै ताव्ळा ए आणआळा सूं; जो कीमे तेरै धोरै सै, उसनै थाम्बे राख, के कोए तेरा ताज खोस नीं लेवै| 12 जो जीत पावै, उसम्ह अपणे पणमेशर कै मन्दर म्ह खम्बा बणाऊँगा; अर ओ फेर कदे बाहरण नीं लिकड़ैगा; अर मै अपणे पणमेशर का नाम, अर अपणे पणमेशर के नगर, यानिके नये यरूशलेम का नाम, जो मेरै पणमेशर कै धोरै तै सुर्ग पै तै उतरण आळा सै अर आपणा नया नाम उस पै लिखूँगा| 13 जिसकै कान हों, सुण ले के आत्मा कलीसियायां तै के कहवै सै|

लौदिकिया ताहीं संदेश

14 अर लौदीकिया की कलीसिया के दूत नै न्यू लिख :
के, जो आमीन, अर बिश्वास जोग्गा, अर साच्चा गवाह सै, अर पणमेशर की सृष्टि का ख़ास कारण सै, ओ न्यू कहवै सै| 15 के मै तेरे काम्मां नै जाणु सूं के तू ना तो शीळा सै अर ना तात्ता; आच्छा होंदा के तू शीळा या तात्ता होंदा| 16 इसकरकै के तू गुणगुणा सै, अर ना शीळा अर ना तात्ता, मै तन्नै अपणे मुँह म्ह तै उगलणे पै सूं| 17 तू जो कहवै सै, के मै साहूकार सूं, अर अमीर होग्या सूं, अर मन्नै किसे चीज का घाट्टा नीं, अर न्यू नीं जाणदा, के निरभाग अर नीच अर कंगाल अर आन्धा, अर उघाड़ा सै| 18 इस करकै मै तन्नै राय द्युँ सूं, के आग म्ह ताया होड़ सोन्ना मेरै तै मोल ले, के तू साहूकार हो जावै; अर धोळा लत्ता ले- ले के पहर कै तन्नै अपणे उघाड़ेपण पै सर्म नीं आवै; अर आपणी आँखां म्ह लाण कै खातर सुरमा ले, के तू देक्खण लाग्गै| 19 मै जिस-जिस तै प्रेम राखूँ सूं, उन सारया ताहीं उलाहना अर ताड़ना द्युँ सूं, इस करकै हिम्मत राख, अर मन फिरा| 20 लखा, मै दरवाजै पै खड़्या होया खटखटाऊँ सूं; जै कोए मेरा बोल सुणकै दरवाजा खोल्लैगा, तो मै उसकै धोरै भीत्तर आकै उसकै गेल्या खाणा खाऊँगा, अर ओ मेरै गेल्या| 21 जो जीत पावै, मै उस ताहीं अपणे गेल्या अपणे सिंहासन पै बिठाऊँगा, जिसा मै भी जीत पाकै अपणे बाप कै गेल्या उसकै सिंहासन पै बैठ गया| 22 जिसके कान हों, ओ सुण लेवै के आत्मा कलीसियायां तै के कहवै सै|

सुर्ग म्ह आराधना

4 इन बात्तां कै पाच्छै जो मन्नै निगांह करी, तो के देखूँ सूं, के सुर्ग म्ह एक दरवाजा खुल्या होया सै; अर जिस ताहीं मन्नै तुरही कै शब्द तै अपणे गेल बात करदे सुणया था, ओए कहवै सै, के उरै ऊपरान आ ज्या: अर मै वे बात तन्नै दिखाऊँगा, जिन का इन बात्तां कै पाच्छै पूरा होणा जरूरी सै| 2 अर जिब्बे मै आत्मा म्ह आग्या; अर के देखूँ सूं, के एक सिंहासन सुर्ग म्ह धरया सै, अर उस सिंहासन पै कोए बैठ्या सै| 3 अर जो उस पै बैठ्या सै, ओ यशब अर माणिक बरगा दिखाई देवै सै, अर उस सिंहासन कै चौगरदे कै मरकत बरगा एक बादळ-धनुष दिखाई देवै सै| 4 अर उस सिंहासन कै चौगरदे कै चौबीस सिंहासन सैं; अर इन सिंहासनां पै चौबीस प्राचीन धोळे लत्ते पहरे होड़ बैट्ठे सैं, अर उनके सीरयां पै सोन्ने के ताज सैं| 5 अर उस सिंहासन म्ह तै बिजळीयां अर गर्जन लिकड़ै सैं अर सिंहासन कै श्यामी आग के सात दिवें जळण लागरे सैं, ये पणमेशर की सात आत्माएं सैं| 6 अर उस सिंहासन कै श्यामी मान्नो बिल्लौर कै बरगा काँच कै बरगा समुंदर सै,
सिंहासन कै बिच्चाळै अर सिंहासन कै चौगरदे कै चार प्राणी सैं, जिन कै आगै-पाच्छै आँखे-आँख सैं| 7 पहल्ला प्राणी शेर कै बरगा सै, अर दूसरा प्राणी का मुँह बाच्छड़ै कै बरगा सै, तीसरे प्राणी का मुँह माणस कै बरगा सै, अर चौथा प्राणी उड़दे होड़ उकाब कै बरगा सै | 8 अर च्यारू प्राणीयों कै छ:-छ: पाख सैं, चौगरदे नै अर भीत्तर आँखें-आँख सैं; अर वे दिन-रात बिना आराम करे न्यू कहवै सै, के पवित्र, पवित्र, पवित्र प्रभु पणमेशर, सारया तै ठाड्डा, जो था, अर जो सै, अर जो आण आळा सै| 9 अर जिब्ब वे प्राणी उसकी जो सिंहासन पै बैठ्या सै, अर जो युगानुयुग जीवै सै, महिमा अर आद्दर अर धन्यवाद करैंगें| 10 फेर चौबीसों प्राचीन सिंहासन पै बैठण आळै कै श्यामी पड़ जावैंगें, अर उस ताहीं जो युगानुयुग जीवै सै प्रणाम करैंगें; अर अपणे-अपणे ताज सिंहासन कै श्यामी न्यू कहन्दे होए धर देवैंगें|

11 “हे म्हारे प्रभु अर पणमेशर. तू-ए महिमा अर आद्दर अर सामर्थ कै जोग्गा
सै; क्यूँके तन्नै-ए सारी चिज्ज़ां ताहीं बणाया अर वे तेरी-ए मर्जी तै थीं अर रची
गई|”

मुहरबन्द किताब अर मेम्ना

5 अर जो सिंहासन पै बैठ्या था, मन्नै उसकै सोळै हाथ म्ह एक किताब
देक्खी, जो भीत्तर अर बाहरण लिक्खी होड़ भी, अर वा सात मोहर
ला कै भेड़ी गई थी| 2 फेर मन्नै एक ठाड्डे सुर्गदुत ताहीं देख्या जो ठाड्डू बोल
तै न्यू प्रचार करै था के इस किताब कै खोल्लण अर उसकी मोहर तोड़ण कै
जोग्गा कौण सै? 3 अर ना सुर्ग म्ह, ना धरती पै, ना धरती कै तळै कोए उस
किताब नै खोल्लण या उस पै निगांह गेरण कै जोग्गा लिकड़या| 4 अर मै फूट-
फूटकै रोण लाग्या, क्यूँके उस किताब कै खोल्लण, या उस पै निगांह करण कै
जोग्गा कोए नीं मिल्या| 5 फेर उन प्राचीनां म्ह तै एक नै मेरै तै कहया, मतना
रोवै; लखा, यहूदा कै गोत्र का ओ शेर, जो दाऊद का मूल सै, उस किताब नै
खोल्लण अर उसकी सात्तु मोहर तोड़ण कै खातर जयवन्त होया सै| 6 अर
मन्नै उस सिंहासन अर च्यारू प्राणीयां अर उन प्राचीनां कै बिच्चाळै, मान्नो एक
मारया होड़ मेम्ना खड़या देख्या: उसकै सात सींग अर सात आँखं थीं; ये
पणमेशर की सात्तु आत्माएं सैं, जो साब्ती धरती पै खन्दाई गई सैं| 7 उसनै
आकै उसकै सोळै हाथ तै जो सिंहासन पै बैठ्या था, वा किताब ले ली, 8 अर
जिब्ब उसनै किताब ले ली, तो वे च्यारू प्राणी अर चौबीसों प्राचीन उस मेम्नै
कै श्यामी पड़ गे; अर हरेक हाथ म्ह वीणा अर धूप तै भरे होड़ सोन्ने के कटोरे
थे, ये तो पवित्र माणसां की प्रार्थनाएं सैं| 9 अर वे यो नया गीत गाण लाग्गे, के
तू इस किताब कै लेण, अर उसकी मोहरां नै खोल्लण जोग्गा सै; क्यूँके तन्नै
मरकै अपणे लहू तै हरेक कुल, अर भाषा, अर माणस, अर जात म्ह तै
पणमेशर कै खातर माणसां ताहीं मोल लिया सै| 10 अर उन ताहीं म्हारै
पणमेशर कै खातर एक राज्य अर याजक बणाया; अर वे धरती पै राज्य करैं
सैं|

11 अर जिब्ब मन्नै देख्या, तो उस सिंहासन अर उन प्राणीयां अर उन
प्राचीनां कै चौगरदे कै भोत-से सुर्गदुतां का बोल सुणया, जिनकी गिणती
लाक्खां अर करोड़ां की थी| 12 अर वे ठाड्डू बोल तै कहवैं थे, के मारया होया
मेम्ना ए सामर्थ, अर धन, अर ज्ञान, अर ताकत, अर आद्दर, अर महिमा, अर
धन्यवाद कै जोग्गा सै| 13 फेर मन्नै सुर्ग म्ह, अर धरती पै, अर धरती कै तळै,
अर समुन्दर की सारी बणाई होड़ चिज्ज़ां नै, अर सारा कीमे ताहीं जो उन म्ह
सै, न्यू कहन्दे सुणया, के जो सिंहासन पै बैठ्या सै, उसका, अर मेम्नै का
धन्यवाद, अर आद्दर, अर महिमा, अर राज्य, युगानुयुग रहवै|” 14 अर च्यारू
प्राणीयां नै आमीन कह्या, अर प्राचीनां नै मुद्दा पड़ कै प्रणाम करया|

सात मोहरां का खोल्या जाणा

6 फेर मन्नै देख्या, के मेम्नै नै उन सात्तु मोहरां म्ह तै एक ताहीं खोल्या;
अर उन च्यारू प्राणीयां म्ह तै एक का गर्जण जिसा शब्द सुणया, के
आ | 2 अर मन्नै निगांह करी, अर देक्खो, एक धोळा घोड़ा सै, अर उसका
सवार धनुष लिए होड़ सै: अर ताहीं एक ताज दिया गया, अर ओ जीतदा
होया लिकड़या के और भी जीत पावै|

3 अर जिब्ब उसनै दूसरी मोहर खोल्ली, तो मन्नै दुसरै प्राणी ताहीं न्यू कहन्दे
सुणया, के आ | 4 फेर एक और घोड़ा लिकड़या, जो लाल रंग का था;
उसकै सवार ताहीं यो हक्क दिया गया, के धरती पै तै मेल ठा ले, ताके माणस
एक-दूसरै नै मारै; अर उस ताहीं एक बड्डी तलवार देई गई|

5 अर जिब्ब उसनै तीसरी मोहर खोल्ली, तो मन्नै तीसरै प्राणी ताहीं न्यू
कहन्दे सुणया, के आ : अर मन्नै निगांह करी, अर देक्खो, एक काळा घोड़ा
सै; अर उसकै सवार कै हाथ म्ह एक ताखड़ा सै| 6 अर मन्नै उन च्यारू
प्राणीयां कै बिच्चाळै तै एक शब्द न्यू कहन्दे सुणया, के दीनार का सेर भर
गिहूँ, अर दीनार का तीन सेर जौ, पर तेल अर दाखरस का नुक्सान ना
करिये|

7 अर जिब्ब उसनै चौथी मोहर खोल्ली, तो मन्नै चौथे प्राणी का बोल न्यू
कहन्दे सुणया, के आ | 8 अर मन्नै निगांह करी, अर देक्खो, एक पिळा-सा
घोड़ा सै; अर उसकै सवार का नाम मौत सै: अर अधोलोक उसकै पाच्छै-
पाच्छै सै अर उन ताहीं धरती कै चौथै हिस्सै पै यो हक्क दिया गया, के
तलवार, अर अकाल, अर मरी, अर धरती के बण-पशुवां कै जरिये माणसां
ताहीं मार देवै| 9 अर जिब्ब उसनै पाँचवी मोहर खोल्ली, तो मन्नै वेदी कै तळै
उनके प्राणां ताहीं देख्या, जो पणमेशर कै बचन कै कारण, अर उस गवाही कै
कारण जो उन्नै देई थी, मारे गये थे| 10 अर उन्नै ठाड्डू बोल तै रूक्का मार कै
कहया; हे मालिक, हे पवित्र, अर सत्य; तू कद ताहीं न्याय नीं करैगा? अर
धरती के बासिन्दयां तै म्हारै लहू का पल्टा कद ताहीं नीं लेवैगा? 11 अर उन
म्ह तै हरेक ताहीं धोळा लत्ता दिया गया, अर उन तै कहया गया, के और
माड़ी-वार ताहीं आराम करो, जिब्ब ताहीं के थारे संगी दास, अर भाई, जो
थारी तरियां मरण आळे सै, उनकी भी गिणती पूरी ना हो लेवै|

12 जिब्ब उसनै छटी मोहर खोल्ली, तो मन्नै देख्या, के एक बड्डा हाल्लण
होया; अर सूरज काम्बळ की ढाळ काळा, अर साब्ता चाँद लहू जिसा
होग्या| 13 अर अकास के तारे धरती पै इस ढाळ पड़गे जिस तरियां आँधी तै
हालकै अंजीर कै दरख्त म्ह तै काच्चे फळ झड़ैं सैं| 14 अर अकास इस ढाळ
डिग ग्या, जिस तरियां लपेटण तै डिग जावै सै; अर हरेक पहाड़, अर टापू,
आपणी-आपणी जंगहा तै टळ ग्या| 15 अर धरती के राज़े, अर प्रधान, अर
सरदार, अर साहूकार, अर सामर्थी माणस, अर हरेक गुलाम, अर हरेक
आजाद, पहाड़ां की खोह म्ह, अर चट्टानां म्ह जा लुह्के| 16 अर पहाड़ां, अर
चट्टानां तै कहण लाग्गे, के म्हारै पै पड़ जाओ; अर म्हारै ताहीं उसकै मुँह तै
जो सिंहासन पै बैठ्या सै अर मेम्नै कै प्रकोप तै लह्को ल्यो| 17 क्यूँके उनकै
प्रकोप का भयानक दिन आण पहोच्या सै, इब कौण डट सकै सै?”

इस्राएल के 1, 44, 000 लोग

7 इसकै पाच्छै मन्नै धरती कै च्यारू कुणयां पै च्यार सुर्गदुत खड़े देक्खे,
वे धरती की च्यारू हवायां नै थाम्बे होड़ थे ताके धरती, या समुन्दर,
या किसे दरख्त पै, हवा नीं चाल्लै| 2 फेर मन्नै एक और सुर्गदुत ताहीं जिन्दे
पणमेशर की मोहर लिए होड़ पूरब तै ऊप्पर की ओड़ आंदे देख्या; उसनै उन
च्यारू सुर्गदुत्तां तै जिन ताहीं धरती अर समुन्दर का नुकसान करण का हक्क
दिया गया था, ठाड्डू बोल तै रूक्का मारकै कहया| 3 जिब्ब ताहीं हम अपणे
पणमेशर के दासां कै माथै पै मोहर नीं ला देवां, जद ताहीं धरती अर समुन्दर
अर दरख्तां ताहीं नुकसान ना पहोचाईयो| 4 अर जिन पै मोहर देई गई, मन्नै
उनकी गिणती सुणी, के इस्राएल की ऊलादां के सारे गोत्रां म्ह तै एक लाख
चवाळीस हजार पै मोहर दी गई| 5 यहूदा के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै मोहर
दी गई; रूबेन के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै; गाद के गोत्र म्ह तै बारहा हजार
पै| 6 आशेर के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै; नपताली के गोत्र म्ह तै बारहा
हजार पै; मनश्शिह के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै| 7 शमौन के गोत्र म्ह तै
बारहा हजार पै; लेवी के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै; इस्साकार के गोत्र म्ह तै
बारहा हजार पै| 8 जबूलून के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै; यूसुफ के गोत्र म्ह
तै बारहा हजार पै अर बिन्यामीन के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै मोहर दी गई|

एक बड्डी भीड़

9 इसकै पाच्छै मन्नै निगांह करी, अर देक्खो, हरेक जात, अर कुल, अर
माणस अर भाषा म्ह तै एक इसी बड्डी भीड़, जिस ताहीं कोए गिण नीं सकै था
धोळा लत्ता पहरे, अर अपणे हाथां म्ह खजूर की डाळीं लिए होए सिंहासन
कै श्यामी अर मेम्नै कै श्यामी खड़ी सै| 10 अर ठाड्डू बोल तै रूक्का मारकै
कहवै सै, के उद्धार कै खातर म्हारै पणमेशर का जो सिंहासन पै बैठ्या सै,
अर मेम्नै की जै-जैकार होवै| 11 अर सारे सुर्गदुत, उस सिंहासन अर प्राचीनां
अर च्यारू प्राणीयां कै चौगरदे कै खड़े सैं, फेर वे सिहासन कै श्यामी मुँह कै
बळ पड़गे; अर पणमेशर कै आगै मुद्दे पड़कै प्रणाम करकै कहया, आमीन|
12 म्हारै पणमेशर की बड़ाई, अर महिमा, अर ज्ञान, अर धन्यवाद, अर
आद्दर, अर सामर्थ, अर ताकत युगानुयुग बणी रहवै| आमीन|

13 इस पै प्राचीनां म्ह तै एक नै मेरै तै कहया; ये धोळे लत्ते पहरे होए कौण
सैं? अर कित तै आये सैं? 14 ज्यांतै मन्नै उसतै कहया, "हे मालिक, तन्नै-ए

बेरा सै|" उसनै मेरै तै कहया, "ये वे सैं, जो उस बड्डे क्लेश म्ह तै लिकड़कै आये सैं; इन्नै आपणे-आपणे लत्ते मेम्नै कै लहू म्ह धो कै धोळे करे सैं|
15 इस्से कारण वे पणमेशर कै सिंहासन कै श्यामी सैं, अर उसकै मन्दर म्ह दिन-रात उस की सेवा करैं सैं; अर जो सिंहासन पै बैठ्या सै, ओ उनकै ऊप्पर आपणा तम्बू ताणैगा| 16 वे फेर भूक्खे अर तिसाए ना होंवैंगें: अर ना उन पै धूप, ना कोए तपन पड़ैगी| 17 क्यूँकै मेम्ना जो सिंहासन कै बिच्चालै सै उनकी रुखाळी करैगा, अर उन ताहीं जीवन रूपी पाणी के सोत्यां कै धोरै ले जाया करैगा; अर पणमेशर उसकी आँखां तै सारे आँसू पुंज देवैगा|

सात्मीं मुहर अर सोन्ने का धूपदान

8 अर जिब्ब उसनै सातमी मोहर खोल्ही, तो सुर्ग म्ह आध्धे घंटे ताहीं सन्नाटा छा गया| 2 अर मन्नै उन सात्तु सुर्गदुत्तां ताहीं जो पणमेशर कै श्यामी खड़े रहवैं सैं, देख्या, अर उन ताहीं सात तुरहियाँ दी गई|
3 फेर एक और सुर्गदुत सोन्ने का धूपदान लिए होड़ आया, अर वेदी कै लवै खड़या होया; अर उस ताहीं आब्ल धूप दिया गया, के सारे पवित्र माणसां की प्रार्थनायां कै गेल्या उस सोनहली वेदी पै जो सिंहासन कै श्यामी सै चढ़ाए | 4 अर उस धूप का धुम्मा पवित्र माणसां की प्रार्थनायां सुदा सुर्गदूत कै हाथ तै पणमेशर कै श्यामी पहोच ग्या| 5 अर सुर्गदुत नै धूपदान ले कै उस म्ह वेदी की आग भरी, अर धरती पै गेर दी, अर गर्जन अर शब्द अर बिजळीयां अर हाल्लण होण लाग्या|

सात तुरहियाँ

6 अर वे सात्तु सुर्गदूत जिन कै धोरै सात तुरहियाँ थी, फुक्कण नै त्यार होए| 7 पहल्या सुर्गदुत नै तुरही फूक्की, अर लहू तै मिले होड़ ओळे अर आग पैदा होई, अर धरती पै गेरी गई; अर धरती का तीसरा हिस्सा जळ ग्या, अर दरख्तां का तीसरा हिस्सा जळ ग्या, अर सारी हरी घास भी जळ गी|
8 अर दुसरै सुर्गदुत नै तुरही फूक्की, तो मान्नो आग जिसा जळदा होया एक बड्डा पहाड़ समुन्दर म्ह गेरया गया; अर समुन्दर का तीसरा हिस्सा लहू म्ह होग्या| 9 अर समुन्दर का तीसरा हिस्सा बणाई होड़ चीज जो जिन्दी थीं मर गी, अर जहाज का तीसरा हिस्से का नास होग्या|
10 अर तीसरै सुर्गदुत नै तुरही फूक्की, अर एक बड्डा तारा जो मशाल की ढाळ जळै था, सुर्ग तै टूट्या, अर नदियां कै तीसरै हिस्सै पै, अर पाणी के सोत्यां पै आण पड़या| 11 उस तारै का नाम नागदौना कुहवावै सै, अर तीसरा हिस्सै का पाणी नागदौना बरगा कड़वा होग्या, अर घण-खरे माणस उस पाणी कै कड़वे हो जाण तै मर गे|
12 अर चौथै सुर्गदुत नै तुरही फूक्की, अर सूरज का तीसरा हिस्सा, अर चाँद का तीसरा हिस्सा अर तारयां कै तीसरै हिस्से पै आफ्फत आई, उरै ताहीं के उनका तीसरा हिस्सा अन्धेरै म्ह डूब ग्या अर दिन कै तीसरै हिस्सै म्ह चाँदणा नीं रहया, अर उस्से तरियां ए रात म्ह भी|
13 जिब मन्नै फेर देख्या, तो अकास कै बिच्चालै एक उकाब ताहीं उड़दे अर ऊँच्चे शब्द तै न्यू कहंदे सुणयां, “उन तीन सुर्गदुत्तां की तुरही के शब्दां कै कारण, जिनका फूंकणा इब्बे बाक्की सैं, धरती के बासिन्दयां पै हाय, हाय |”
9 अर पाँचमै सुर्गदुत नै तुरही फूक्की, तो मन्नै सुर्ग तै धरती पै एक तारा पड़दा होड़ देख्या, अर उस ताहीं घणै गहरै कुण्ड की ताळी दी गई| 2 अर उसनै घणै गहरै कुण्ड ताहीं खोल्या, अर कुण्ड म्ह तै बड्डी भट्ठी जिसा धुम्मा उठ्या, अर कुण्ड कै धुम्मै तै सूरज अर हवा पै अन्धेरा छा ग्या| 3 अर उस धुम्मे म्ह तै धरती पै टिड्डीं लिकड़ीं, अर उन ताहीं धरती के बिच्छुआ जीसी ताकत दी गई| 4 अर उन तै कहया गया, के ना धरती की घास ताहीं, ना किसे हरियाली ताहीं, ना किसे दरख्त ताहीं नुकसान पहोचाओ, सिर्फ उन माणसां ताहीं जिनकै माथै पै पणमेशर की मोहर नीं सैं| 5 अर उन ताहीं मार देण का तो नीं, पर पाँच महिन्यां ताहीं माणसां ताहीं दर्द देण का हक्क दिया गया; अर उन का दर्द इसा था, जिसा बिच्छु कै डंक मारण तै माणस का होवैं सैं| 6 उन दिनां म्ह माणस मौत नै टोहवैंगें, अर पावैं नीं गें; अर मरण की चाह्न्ना करैगें, अर मौत उन तै भाज्जैगी|
7 अर उन टिड्डीयां की शिक्ल लड़ाई कै खातर त्यार करे होए घोड़यां कै जिसे थे, अर उनके सिरां पै मान्नो सोन्ने के ताज थे; अर उसके मुँह माणसां बरगे थे| 8 अर उनके बाळ लुगाईयां कै जिसे, अर दांद शेरां कै जिसे थे| 9 अर वे लोहवै जीसी झिलम पहरे थे, अर उनके पाखां का शब्द इसा था जिसा रथां अर भोत-से घोड़यां का जो लड़ाई म्ह भाज्जै सैं| 10 अर उनकी पून्जड़ बिच्छुआ जीसी थीं, अर उन म्ह डंक थे, अर उन ताहीं पाँच महिन्यां ताहीं माणसां ताहीं दु:ख पहोचाण की जो सामर्थ थी, वा उनकी पून्जड़ां म्ह थी| 11 घणै गहरै कुण्ड का दूत उन पै राजा था, उसका नाम इब्रानी म्ह अबद्दोन, अर यूनानी म्ह अपुल्लयोन सै|
12 पहल्ली बिप्दा बीत ली, लखाओ इब इन कै पाच्छै दो बिप्दा और होण आळी सैं| 13 अर जिब्ब छटमै सुर्गदुत नै तुरही फूक्की तो जो सोन्ने की वेदी पणमेशर कै श्यामी सै उसके सीन्गां म्ह तै मन्नै इसा शब्द सुणया| 14 मान्नो कोए छटमै सुर्गदुत तै जिस कै धोरै तुरही थी कहण लागरया सै के उन च्यार सुर्गदूत्तां ताहीं जो बड्डी नदी फुरात कै धोरै बन्धे होड़ सै, खोल दे| 15 अर वे च्यारू दूत खोल दिए गये जो उस घड़ी, अर दिन, अर महीन्नै, या साल कै खातर माणसां का तीसरा हिस्सा मारण खातर त्यार करे गये थे| 16 अर फौजां के सवारां की गिणती बीस करोड़ थी; मन्नै उनकी गिणती सुणी| 17 अर मन्नै इस दर्शन म्ह घोड़े अर उसके इसे सवार दिक्खे, जिनकी झिल्म आग, अर धूम्रकान्त, अर गन्धक जीसी थी, अर उन घोड़यां का सिर शेरां कै सिरां कै बरगे थे; अर उनके मुँह तै आग, अर धुम्मा, अर गन्धक लिकड़ै थी| 18 इन तीन्नु मरीयां तै; यानिके आग, अर धुम्मा, अर गन्धक तै जो उसके मुँह तै लिकड़ै थीं, तीसरै हिस्सै के माणस मारे गये| 19 क्यूँके उन घोड़यां की ताकत उन कै मुँह, अर उनकी पुन्जड़ां म्ह थीं; ज्यांतै के उनकी पुन्जड़ साँपां जीसी थीं, अर उन पुन्जड़ां के सिर भी थे, अर इन्ने तै वे दर्द देवैं थे| 20 अर बाकी माणसां नै जो उन मरीयां तै नीं मरे थे, अपणे हाथां के काम्मां तै मन नीं फिराया, के भूंडी औपरी आत्मायां की, अर सोन्ने अर चान्दी, अर पीत्तळ, अर पत्थर, अर काठ की मूर्तियाँ की पूजा ना करो, जो ना देख, ना सुण, ना चाल सकैं सैं| 21 अर जो खून, अर टुणा, अर जारी, अर चोरी उन्नै करी थी, उनतै मन नीं फिराया|

सुर्गदुत अर छोट्टी किताब

10 फेर मन्नै एक और ठाड्डा सुर्गदुत ताहीं बादळ ओढ़े होड़ सुर्ग तै उतरदे देख्या, उसकै सिर पै बादळ का धनुष था: अर उसका मुँह सूरज जिसा अर उसके पांव आग कै खम्बै कै बरगे थे| 2 अर उसकै हाथ म्ह एक छोट्टी-सी खुली होड़ किताब थी; उसनै आपणा शोळा पांव समुन्दर पै, अर ओळा पांव धरती पै धरया| 3 अर इसी ठाड्डू किलकी मारी, जिस ढाळ शेर गरजै सै; अर जिब्ब ओ किलकी मारै था तो गर्जन के सात शब्द सुणाई दिए| 4 अर जिब्ब सात्तु गर्जन के शब्द सुणाई दे लिए, तो मै लिखण पै था, अर मन्नै सुर्ग तै यो शब्द सुणया, के जो बात गर्जन के उन सात शब्दां तै सुणी सैं, उन्नै ल्हकोए राख, अर लिखै ना| 5 अर जिस सुर्गदुत ताहीं मन्नै समुन्दर अर धरती पै खड़े होड़ देख्या था; उसनै आपणा शोळा हाथ सुर्ग कै कान्नी ठाया| 6 अर जो युगानुयुग जिन्दा रहवैगा, अर जिसनै सुर्ग ताहीं अर जो कीमे उस म्ह सै, अर धरती ताहीं अर जो कीमे उस पै सै, अर समुन्दर ताहीं अर जो कीमे उस म्ह सै बणाया उस्से की सूंह खा कै बोल्या, "इब तो और वार नीं होगी|
7 बल्के सातमै सुर्गदुत के शब्द देण कै दिनां म्ह जिब्ब ओ तुरही फूंक्कण पै होगा, तो पणमेशर की ल्हकोई होड़ मनसां, उस सुसमाचार कै मुताबिक जो उसनै अपणे दास नब्बीयां ताहीं दी, पूरी होगी| 8 अर जिस शब्द करण आळै ताहीं मन्नै सुर्ग तै बोलदे सुणया था, ओ फेर मेरै गेल्या बात करण लाग्या; के जा, जो सुर्गदुत समुन्दर अर धरती पै खड़या सै, उसकै हाथ म्ह की खुली होड़ किताब ले लेवै| 9 अर मन्नै सुर्गदुत कै धोरै जा कै कहया, "या छोट्टी किताब मन्नै दे; अर उसनै मेरै तै कहया, 'ले इसनै खा ले, अर या तेरा पेट कड़वा तो करैगी, पर तेरै मुँह म्ह शहद जीसी मिट्ठी लाग्गैगी|'" 10 ज्यांतै मै वा छोट्टी किताब उस सुर्गदुत कै हाथ म्ह तै ले कै खा ग्या, वा मेरै मुँह म्ह शहद जीसी मिट्ठी तो लाग्गी, पर जिब्ब मै उसनै खाग्या, तो मेरा पेट कड़वा

होग्या| 11 फेर मेरै तै न्यू कह्या गया, “तेरै ताहीं घण-ए माणसां, अर जात्तां, अर भाषायां अर राजायां कै बारै म्ह दुबारा भविष्यबाणी करणी होगी|”

दो गवाह

11 फेर मेरै ताहीं नापण कै खातर एक सरकण्डा दिया, अर किसे नै कहया, "उठ, पणमेशर के मन्दर अर वेदी, अर उसम्ह भजन करण आळयां ताहीं नाप ले| 2 अर मन्दर कै बाहरण का आंगण छोड़ दे; उसनै मतना नाप, क्यूँके ओ गैर-जात्तां ताहीं दिया गया सै, अर वे पवित्र नगर ताहीं बियाळिस महीन्नै ताहीं रौंदैगी| 3 अर मै अपणे दो गवाहां ताहीं यो हक्क देऊँगा, के टाट ओढ़ होए एक हजार दो सौ साठ दिन ताहीं भविष्यबाणी करैं|

4 ये वै ए जैतून के दो दरख्त अर दो दिवे सैं जो धरती कै प्रभु कै श्यामी खड़े रहवैं सैं| 5 अर जै कोए उन ताहीं नुक्सान पहोचावै सै, तो उनकै मुँह तै आग लिकड़ कै उन के बैरीयां ताहीं भष्म करैं सैं, अर जै कोए उन ताहीं नुक्सान पहोचाणा चाहवैगा, तो जरूर इस्से ढाळ तै मारया जावैगा| 6 इन ताहीं हक्क सै, के अकास ताहीं मुन्दै, के उनकी भविष्यवाणी के दिनां म्ह मिह नीं बरसै, अर उन्नै सारै पाणी पै हक्क सै, के उस ताहीं लहू बणा देवैं, अर जिब्ब-जिब्ब चाहवैं जद-जद धरती पै हरेक ढाळ की बिप्दा ल्यावैं| 7 अर जिब्ब वे आपणी गवाही दे लेवैगें, तो ओ पशु जो घणे गहरै कुण्ड म्ह तै लिकड़ैगा, उन तै लड़कै उन ताहीं जित्तैगा अर मार देवैगा| 8 अर उनकी लाश उस बड्डे नगर कै चौक म्ह पड़ी रहवैंगीं, जो आत्मिक तौर तै सदोम अर मिस्र कुहवावै सै, जित उन का प्रभु भी क्रूस पै चढ़ाया गया था| 9 अर सारे माणसां, अर कुलां, अर भाषायां, अर जात्तां म्ह तै लोग उनकी लाश साढ़े तीन दिन ताहीं देखदे रहवैंगें, अर उनकी लाश कब्र म्ह धरण नीं देवैंगें| 10 अर धरती के बासिन्दे, उनके मरण तै राज़ी अर मग्न होवैंगें, अर एक-दुसरै कै धोरै तोप्फे खन्दावैंगें, क्यूँके इन दोनु नब्बियाँ नै धरती के बासिन्दयां ताहीं सताया था 11 अर साढ़े तीन दिन कै पाच्छै पणमेशर कै कान्नी तै जीवन की आत्मा उन म्ह बड़गी; अर वे अपणे पायां कै बळ खड़े होग्ये, अर उनके देखण आळे डर गे| 12 अर उन्नै सुर्ग तै एक बड्डा बोल सुणाई दिया, के उरै ऊपराण आओ ; न्यू सुण वे बादळ पै सवार होकै अपणे बैरियां के देखदे-देखदे सुर्ग पै चढ़ गे| 13 फेर उस्से टैम एक बड्डा हाल्लण आया, अर नगर का दसमां हिस्सा पड़ ग्या; अर उस हाल्लण तै सात हजार माणस मरगे अर बचे होड़ डर गे, अर सुर्ग के पणमेशर की महिमा करी| 14 दूसरी बिप्दा बीत ली, लखाओ, देक्खो, तीसरी बिप्दा ताव्ळी आण आळी सै|

सात्मीं तुरही

15 अर जिब्ब सातमै दूत नै तुरही फूक्की, तो सुर्ग म्ह इस बारै म्ह बड्डे-बड्डे शब्द होण लाग्गे, के दुनिया का राज्य म्हारै प्रभु का, अर उसके मसीह का हो ग्या| 16 अर ओ युगानुयुग राज्य करैगा, अर चौबिसों प्राचीन जो पणमेशर कै श्यामी अपणे-अपणे सिंहासन पै बैट्ठे थे, मुँह कै बळ मुद्दे पड़कै पणमेशर की धोक मारकै | 17 न्यू कहण लाग्गे,

"के हे सारया म्ह ठाड्डे प्रभु पणमेशर, जो सै, अर जो था, हम तेरा धन्यवाद करां सां, के तन्नै आपणी बड्डी सामर्थ काम म्ह ल्याकै राज्य करया सै| 18 अर गैर-जात्तां नै खुन्दक आई, अर तेरा प्रकोप आण पड़या अर ओ टैम आण पहोच्या सै, के मरे होया का न्याय करया जावै, अर तेरे दास नब्बियाँ अर पवित्र माणसां ताहीं अर उन छोट्टे-बड्डयां ताहीं जो तेरै नाम तै डरैं सैं, बदला दिया जावै, अर धरती के बिगाड़ण आळे नाश करे जावैं|

19 फेर पणमेशर का जो मन्दर सुर्ग म्ह सै ओ खोल्या गया, अर उसकै मन्दर म्ह उसकी वाच्चा का सन्दूक दिख्या; अर बिजळियाँ अर शब्द अर गर्जन अर भूकम्प होए अर बड्डे ओळे पड़े|

लुगाई अर अजगर

12 फेर सुर्ग पै एक बड्डा निशान दीख्या, यानिके एक लुगाई जो सूरज ओढ़े होड़ थी, अर चाँद उसकै पायां कै तळै था, अर उसकै सिर पै बारहा तारयां का ताज था| 2 अर वा पेट तै होई, अर किलकी मारै थी; क्यूँके जाप्पे का दर्द उस ताहीं होण लाग्या था; अर वा बाळक जाम्मण कै दर्द म्ह थी| 3 अर एक और निशान सुर्ग पै दीख्या, अर देक्खो; एक बड्डा लाल अजगर था जिस कै सात सिर अर दस सींग थे, अर उसकै सिरां पै सात राजमुकुट थे| 4 अर उसकी पुन्जड़ नै अकास के तीसरै हिस्सै के तारें खिंचकै धरती पै गेर दिए, अर ओ अजगर उस लुगाई तै श्यामी जो जच्चा थी, खड़या होया, के जिब्ब वा बाळक जणै तो उसकै बाळक नै निंगळ जावै| 5 अर उसकै छोरा होया जो लोहवै का दण्ड लिए होड़, सारी जात्तां पै राज करण पै था, अर उसका बाळक चाणचक पणमेशर कै धोरै, अर उसकै सिंहासन कै धोरै ठा कै पहोचा दिया गया| 6 अर वा लुगाई उस बण म्ह भाज गी, जित पणमेशर कै कान्नी तै उसकै खातर एक जंगहा त्यार करी गई थी, के ओड़ै वा एक हजार दो सौ साठ दिन ताहीं पाळी जावै|

7 फेर सुर्ग पै रोळा होया, मीकाईल अर उसके सुर्गदुत अजगर तै लड़ण नै लिकड़े, अर अजगर अर उसके दूत उस तै लड़े| 8 पर हावी कोनी होए, अर सुर्ग म्ह उन कै खातर फेर जंगहा कोनी रही| 9 अर ओ बड़ा अजगर यानिके ओए पुराणा सांप, जो इब्लीस अर शैतान कुहवावै सै, अर साब्ती दुनिया नै भकाण आळा सै, धरती पै गेर दिया गया; अर उसके दूत उसकै गेल गेर दिए गए| 10 फेर मन्नै सुर्ग पै तै यो बड्डा शब्द आंदे होड़ सुणया, के इब म्हारै पणमेशर का उद्धार, अर सामर्थ, अर राज्य, अर उसके मसीह का हक्क दीख्या सै; क्यूँके म्हारे भाईयां पै तोहमन्द लाण आळा, जो दिन-रात म्हारै पणमेशर कै श्यामी उन पै तोहमन्द लाया करै था, गेर दिया गया| 11 अर वे मेम्नै कै लहू कै कारण, अर आपणी गवाही कै बचन कै कारण, उस पै जीते, अर उन्नै अपणे जी ताहीं प्यारा नीं जाणया, उरै ताहीं के मौत भी सहन कर ली| 12 ज्यांतै, के स्वर्गों, अर उनके बासिंदयों मग्न होओ; हे धरती, अर समुन्दर, थारै पै हाय! क्यूँके शैतान घणी खुन्दक कै गेल्या थारै धोरै उतर आया सै; क्यूँके जाणै सै, के उसका माड़ा-ए टैम और बच रया सै|

13 अर जिब्ब अजगर नै देख्या, के मै धरती पै गेर दिया गया सूं, तो उस लुगाई ताहीं जिन्नै बेट्टा पैदा करया था, काल करया| 14 अर उस लुगाई ताहीं बड्डे उकाब के दो पाख दिए गये, के सांप कै श्यामी तै उड़ कै बण म्ह उस जंगहा पहोच जावै, जित वा एक टैम, अर टैमां, अर आधे टैम ताहीं पाळी जावै| 15 अर सांप नै उस लुगाई कै पाच्छै अपणे मुँह तै नदी की तरियां पाणी बहाया, के उसनै नदी तै बहा दे| 16 पर धरती नै उस लुगाई की मदद करी, अर आपणा मुँह खोल कै उस नदी ताहीं जो अजगर नै अपणे मुँह तै बहाई थी, पी लिया| 17 फेर अजगर नै लुगाई पै छोह करया, अर उसकी बाक्की ऊलाद तै, जो पणमेशर की आज्ञायां ताहीं मान्दे अर यीशु की गवाही देण पै स्थिर सै, लड़न नै गया| 18 अर ओ समुन्दर कै बालू पै जा खड़या होया|

दो पशु

13 अर मन्नै एक पशु ताहीं समुन्दर म्ह तै लिकड़दे होड़ देख्या, जिसके दस सींग अर सात सिर थे; उसके सीन्गां पै दस राजमुकुट अर उसके सिरां पै पणमेशर की बुराई के नाम लिक्खे होड़ थे| 2 अर जो पशु मन्नै देख्या, ओ चित्तै कै बरगा था; अर उसके पांव भाल्लू जिसे, अर मुँह शेर कै बरगा था; अर उस अजगर नै आपणी सामर्थ, अर आपणा सिंहासन, अर बड्डा हक्क, उस ताहीं दे दिया| 3 अर मन्नै उसके सिरां म्ह तै एक पै इसा भारया घाव लाग्या होड़ देख्या, मान्नो ओ मरण पै सै; फेर उसका जी लेण आळा घाव चंगा होग्या, अर साब्ती धरती के माणस उस पशु कै पाच्छै-पाच्छै अचम्भा करदे होड़ चाल्ले| 4 अर उन्नै अजगर की पूजा करी, क्यूँके उसनै पशु ताहीं आपणा हक्क दे दिया था अर न्यू कहकै पशु की पूजा करी, के इस पशु कै बरगा कौण सै?

5 कौण उस तै लड़ सकै सै अर बड्डे बोल बोल्लण अर बुराई करण कै खातर उस ताहीं एक मुँह दिया गया, अर उस ताहीं बियाळीस महीन्नै ताहीं काम करण का हक्क दिया गया| 6 अर उसनै पणमेशर की बुराई करण कै खातर मुँह खोल्या, के उसकै नाम अर उसके तम्बू यानिके सुर्ग के बासिन्दयां की बुराई करै| 7 अर उस ताहीं न्यू हक्क दिया गया, के पवित्र माणसां तै लड़ै, अर उन पै जीत पावै, अर उस ताहीं हरेक कुल, अर माणस, अर भाषा, अर जात पै हक्क दिया गया| 8 अर धरती के वे सारे बासिन्दे जिन के नाम उस मेम्नै

की जीवन की किताब म्ह लिक्खे नीं गये, जो दुनिया कै बनण कै टैम तै मारया गया सै, उस पशु की पूजा करैगें| 9 जिसके कान हों ओ सुणै|

10 जिस ताहीं कैद म्ह पड़णा सै, ओ कैद म्ह पड़ैगा, जो तलवार तै मारैगा, जरूरी सै के ओ तलवार तै मारया जावैगा, पवित्र माणसां का धीरज अर बिश्वास इस्से म्ह सै|

11 फेर मन्नै एक और पशु ताहीं धरती म्ह तै लिकड़दे देख्या, उसके मेम्नै की ढाळ दो सींग थे; अर ओ अजगर की ढाळ बोल्लै था| 12 अर यो उस पहल्ड़े पशु का सारा हक्क उसकै श्यामी काम ल्यावै था, अर धरती अर उसके बासिन्दयां तै उस पहल्ड़े पशु की जिस का ज्यान तै मारण आळा घाव चंगा होग्या था, पूजा करै था| 13 अर ओ बड्डे-बड्डे निशान दिखावै था, उरै ताहीं के माणसां कै श्यामी सुर्ग तै धरती पै आग बरसा देवै था| 14 अर उन निशानां कै कारण जिन ताहीं उस पशु कै श्यामी दिखाण का हक्क उस ताहीं दिया था; ओ धरती के बासिन्दयां ताहीं इस तरियां भकावै था, के धरती के बासिन्दयां तै कहवै था, के जिस पशु कै तलवार लागरी थी, ओ जिन्दा होग्या सै, उसकी मूर्ति बणाओ| 15 अर उस ताहीं उस पशु की मूर्ति म्ह जी घाल्लण का हक्क दिया गया, के पशु की मूर्ति बोल्लण लागै; अर जितने माणस उस पशु की मूर्ति की पूजा नीं करै, उन ताहीं मरवा देवै| 16 अर उसनै छोट्टे, बड्डे, साहूकार, कंगाल, आजाद, गुलाम सारया कै शोळै हाथ या उन कै माथै पै एक-एक छाप करा दी| 17 के उस ताहीं छोड़ जिस पै छाप यानिके उस पशु का नाम, या उसकै नाम का अंक हो, अर कोए लेण-देण नीं कर सकैं| 18 ज्ञान इस्से म्ह सै : जिसम्ह अक्ल हो ओ इस पशु का अंक जोड़ ले, क्यूँकै ओ माणस का अंक सै, अर उसका अंक छ: सौ छियासठ सै|

मेम्ना अर उसके लोग

14 फेर मन्नै निगांह करी, ओ मेम्ना सिय्योन पहाड़ पै खड़या सै, अर उसकै गेल्या एक लाख चौवाळीस हजार माणस सैं, जिन कै माथै पै उसका अर उसकै बाप का नाम लिख्या होड़ सै| 2 अर सुर्ग तै मन्नै एक इसा शब्द सुणाई दिया, जो पाणी की घणी धारायां अर बड्डे गर्जन जिसा शब्द था, अर जो शब्द मन्नै सुणया; ओ इसा था, मान्नो वीणा बजाण आळे वीणा बजान्दे हों| 3 अर वे सिंहासन कै श्यामी अर च्यारू प्राणीयां अर प्राचीनां कै श्यामी मान्नो, एक नया गीत गाण लागरे थे, अर उन एक लाख चौवाळीस हजार माणसां ताहीं छोड़ जो धरती पै तै मोल लिए गये थे, कोए ओ गीत नीं सिख सकै था| 4 ये वे सैं, जो लुगाईयां कै गेल्या अशुद्ध नीं होए, पर कुवांरे सैं: ये वै ए सैं, के जित किते मेम्ना जावै सै, वे उसकै पाच्छै हो लेवैं सैं: ये तो पणमेशर कै खातर पहल्या फळ होण कै खातर माणसां म्ह तै मोल लिए गये सैं| 5 अर उनके मुँह तै झूठ नीं लिकड़या था, वे बेकसूर सैं|

तीन सुर्गदुत

6 फेर मन्नै एक और सुर्गदुत ताहीं अकास कै बिच्चाळै उड़दे होड़ देख्या जिस कै धोरै धरती पै के बासिन्दयां की हरेक जात, अर कुल, अर भाषा, अर माणसां ताहीं सुनाण कै खातर घणा पुराणा सुसमाचार था| 7 अर उसनै ठाड्डू बोलकै कहया, "पणमेशर तै डरो; अर उसकी महिमा करो; क्यूँकै उसकै न्याय करण का टैम आण पहोच्या सै, अर उसका भजन करो, जिसनै सुर्ग अर धरती अर समुन्द्र अर पाणी के सोत्ते बणाए| 8 फेर इसकै पाच्छै एक और दूसरा सुर्गदुत न्यू कहन्दा होड़ आया, के पड़ग्या, ओ बड्डा बाबुल पड़ग्या जिस नै अपणी जारी की कोपमय दारू सारी जात्तां ताहीं पिलाई सै| 9 फेर इनकै पाच्छै एक और सुर्गदुत ठाड्डू बोल तै न्यू कहन्दा होड़ आया, के जो कोए उस पशु अर उसकी मूर्ति की पूजा करै, अर अपणे माथै या अपणे हाथ पै उसकी छाप ले| 10 तो ओ पणमेशर का प्रकोप की निरी दारू जो उसकै खुन्दक कै कटोरे म्ह घाल्ली गई सै, पीवैगा अर पवित्र सुर्गदुत्तां कै श्यामी, अर मेम्नै कै श्यामी आग अर गन्धक की पीड़ा म्ह पड़ैगा| 11 अर उनकी पीड़ा का धुम्मा युगानुयुग उठदा रहवैगा, अर जो उस पशु अर उसकी मूर्ति की पूजा करै सै, अर जो उसकै नाम की छाप लेवैं सैं, उन ताहीं दिन-रात चैन नीं मिलैगा| 12 पवित्र माणसां का धीरज इस्से म्ह सैं, जो पणमेशर के हुक्मां नै मान्नै, अर यीशु पै बिश्वास राखैं सैं| 13 फेर मन्नै सुर्ग तै यो शब्द सुणया, के लिख; जो मुर्दे प्रभु म्ह मरैं सैं, वे इब तै धन्य सैं, आत्मा कहवै सै, हम्बै, क्यूँकै वे अपणी मैहनतां तै आराम पावैंगें, अर उनकै काम उनकै गेल्या हो लेवैंगें|

कटनी

14 अर मन्नै निगांह करी, अर देक्खो, एक उजळा बादळ सै, अर उस बादळ पै माणस कै बेट्टे बरगा कोए बैठ्या सै, जिसकै सिर पै सोन्ने का ताज अर हाथ म्ह चोक्खी दराती सै| 15 फेर एक और सुर्गदुत नै मन्दर म्ह तै लिकड़कै, उस तै जो बादळ पै बैठ्या था, ठाड्डू बोल कै रूक्का मारकै कहया, "के आपणी दराती ल्याकै लामणी कर, क्यूँकै लामणी का टैम आण पहोच्या सै, ज्यांतै के धरती की खेती पक ली सै| 16 इस करकै जो बादळ पै बैठ्या था, उसनै धरती पै आपणी दराती लाई, अर धरती की लामणी करी गई| 17 फेर एक और सुर्गदुत उस मन्दर म्ह तै लिकड़या, जो सुर्ग म्ह सै, अर उसकै धोरै भी चोक्खी दराती थी| 18 फेर एक और सुर्गदुत जिस ताहीं आग पै हक्क था, वेदी म्ह तै लिकड़या, अर जिसकै धोरै चोक्खी दराती थी, उस तै ठाड्डू बोल कै कहया, "आपणी चोक्खी दराती ल्याकै धरती की दाख लता के गुच्छे काट ले; क्यूँकै उसकी दाख पक ली सैं| 19 अर उस सुर्गदुत नै धरती पै आपणी दराती लाई, अर धरती की दाख लता का फळ काटकै, अपणे पणमेशर के प्रकोप के बड्डे रस के कुण्ड म्ह घाल दिया| 20 अर नगर कै बाहरण उस रसकुण्ड म्ह दाख रौंदे गये, अर रसकुण्ड म्ह तै इतना लहू लिकड़या के घोड़ों की लगामां ताहीं पहोच्या, अर सौ कोस ताहीं बह गया|

आखरी आफ्तां कै गेल सुर्गदुत

15 फेर मन्नै सुर्ग म्ह एक और बड्डा अर अनोक्खा निशान देख्या, यानिके सात सुर्गदुत जिन कै धोरै सात्तु पाच्छैली बिप्दा थीं, क्यूँकै उनके खत्म हो जाण पै पणमेशर के प्रकोप का अंत सै| 2 फेर मन्नै आग तै मिल्या होड़ कांच कै बरगा एक समुन्दर देख्या, अर जो उस पशु पै, अर उस की मूर्ति पै, अर उसकै नाम कै अंक पै जित्ते होड़ थे, उन ताहीं उस कांच कै समुन्दर कै लवै पणमेशर की वीणायां ताहीं लिए होड़ खड़े देख्या| 3 वे पणमेशर के दास मूसा का गीत, अर मेम्नै का गीत गा गाकै कहवै थे, "हे सारया तै ठाड्डे प्रभु पणमेशर, तेरे काम महान, अर अनोक्खे सैं, हे युग-युग के राजा, तेरी चाल सई अर साच्ची सै| 4 "हे प्रभु, कौण तेरै तै नीं डरैगा अर तेरै नाम की महिमा नीं करैगा? क्यूँकै सिर्फ तू ए पवित्र सै| सारी जात्तां आकै तेरै श्यामी मुद्दे पड़कै प्रणाम करैगीं, क्यूँकै तेरे न्याय के काम दिख गे सैं|"

5 अर इसकै पाच्छै मन्नै देख्या, कै सुर्ग म्ह गवाही कै तम्बू का मन्दर खोल्या गया| 6 अर वे सात्तु सुर्गदुत जिन कै धोरै सात्तु बिप्दा थीं, शुद्ध अर चमकदी होई मणि पहरे होड़ छाती पै सुनहरे परणे बांधे होड़ मन्दर तै लिकड़े| 7 अर उन च्यारू प्राणीयां म्ह तै एक नै उन सात सुर्गदुत्तां ताहीं पणमेशर के, जो युगानुयुग जीवै सै, प्रकोप तै भरे होड़ सात सोन्ने के कटोरे दिए| 8 अर पणमेशर की महिमा अर उसकी सामर्थ कै कारण मन्दर धुएँ तै भर गया, अर जिब तक उन सात्तु सुर्गदुत्तां की सात्तु बिप्दा खत्म नीं होई तब तक कोए मन्दर म्ह नीं जा सक्या|

पणमेशर के प्रकोप के सात कटोरे

16 फेर मन्नै मन्दर म्ह किसे ताहीं ठाड्डू बोल तै उन सात्तु सुर्गदुत्तां तै न्यू कहन्दे सुणया के जाओ, पणमेशर कै प्रकोप के सात्तु कटोरयां ताहीं धरती पै उंडेल दयों| 2 इस करकै पहल्ड़ै नै जाकै आपणा कटोरा धरती पै उंडेल दिया| अर उन माणसां का जिन पै पशु की छाप थी, अर जो उसकी मूर्ति की पूजा करै थे, एक ढाळ का भूंडा अर दु:ख देण आळा फोड़ा लिकड़या| 3 अर दुसरै नै आपणा कटोरा समुन्दर पै उंडेल दिया अर ओ मरे होए का लहू बण गया, अर समुन्दर म्ह का हरेक जी राखण आळा मर ग्या| 4 अर तीसरै नै आपणा कटोरा नदीयां, अर पाणी के सोत्यां पै उंडेल दिया, अर ओ लहू बणग्या| 5 अर मन्नै पाणी के सुर्गदुत ताहीं न्यू कहन्दे सुणया, के हे पवित्र, जो सै, अर जो था, तू न्यायी सै अर तन्नै यो न्याय करया| 6 क्यूँकै उन्नै पवित्र माणसां, अर नब्बियाँ का लहू बहाया था, अर तन्नै उन ताहीं लहू

पिलाया; क्यूँके वे इस्से जोग्गे सैं| 7 फेर मन्नै वेदी तै यो शब्द सुणया, के हम्बै! हे सारया तै ठाड्डे प्रभु पणमेशर, तेरे फैसले सई अर साच्चे सैं|

8 अर चौथै नै आपणा कटोरा सूरज पै उंडेल दिया, अर उस ताहीं माणसां नै आग तै झुलसाण का हक्क दिया गया| 9 अर माणस घणी तपण तै झुळस गे, अर पणमेशर कै नाम की जिस ताहीं इन मुसीबतां पै हक्क सै, बुराई करी अर उसकी महिमा करण कै खातर मन नीं फिराया| 10 अर पाँचमै नै आपणा कटोरा उस पशु कै सिंहासन पै उंडेल दिया अर उसके राज्य पै अन्धेरा छाग्या; अर माणस दर्द के मारे आपणी-आपणी जीभ चबाण लाग्गे| 11 अर अपणे दर्दां अर फोड़यां कै कारण सुर्ग कै पणमेशर की बुराई करी; अर अपणे-अपणे काम्मां तै मन नीं फिराया| 12 अर छटमै नै आपणा कटोरा बड्डी नदी फुरात पै उंडेल दिया अर उसका पाणी सूख गया के पूरब दिशा के राजायां कै खातर राह त्यार हो जावै| 13 अर मन्नै उस अजगर कै मुँह म्ह तै, अर उस जिनौर कै मुँह म्ह तै, अर उस झूठै नबी कै मुँह म्ह तै तीन भूंडी औपरी आत्मायां ताहीं मेंढकां की हुन्यार म्ह लिकड़दे देख्या| 14 ये निशान दिखाण आळी भूंडी औपरी आत्मा सैं, जो साब्ती दुनिया के राजायां कै धोरै तै लिकड़ कै ज्यांतै जावैं सैं, के उन ताहीं सारया तै ठाड्डे पणमेशर के उस बड्डे दिन की लड़ाई कै खातर कट्ठे करैं| 15 लखा, मै चोर की ढाळ आऊँ सूं; धन्य ओ सै, जो जाग्दा रहवै सै, अर अपणे लत्तयां की चौक्कसी करै सै, के उघाड़ा ना हाँडै, अर माणस उसका उघाड़ापण नीं देखै| 16 अर उन्नै उन ताहीं उस जंगहा कट्ठा करया, जो इब्रानी म्ह हर-मगिदोन कुहवावै सै|

17 अर सातमै नै आपणा कटोरा हवा पै उंडेल दिया, अर मन्दर के सिंहासन तै यो बड्डा शब्द होया, के, हो चुक्या| 18 फेर बिजलियां, अर शब्द, अर गर्जन होए, अर एक इसा बड्डा हाल्लण होया, के जिब्ब तै माणस धरती पै बणाया गया, जद तै इसा बड्डा हाल्लण कदे नीं होया था| 19 अर उस बड्डे नगर के तीन टुकड़े हो गे, अर जात-जात के नगर पड़ गे, अर बड्डा बाबुल की याद पणमेशर कै उरै होई, के ओ अपणे छोह की जळण की दारू उसनै प्यावै| 20 अर हरेक टाप्पू आपणी जगहा तै टळ ग्या; अर पहाड़ां का बेरा नीं पाटया| 21 अकास तै माणसां पै मण-मण के बड्डे ओळे पड़े, अर इसकरकै के या बिप्दा घणी-ए भारया थी, लोगां नै ओळयां की बिप्दा कै कारण पणमेशर की बुराई करी|

बड्डी बेश्या

17 अर जिन सात सुर्गदुत्तां कै लवै वे सात कटोरे थे, उन म्ह तै एक नै आकै मेरै तै न्यू कहया के उराण आ, मै तन्नै उस बेश्या का दण्ड दिखाऊँ, जो घणै-ए पाणी पै बैट्ठी सै| 2 जिस कै गेल्या धरती के राजायां नै जारी करी, अर धरती के बासिन्दे उसकी जारी की दारू तै गिरकाणे हो गे थे| 3 फेर ओ मन्नै आत्मा म्ह बण ताहीं ले ग्या, अर मन्नै किरिमजी रंग के पशु पै जो बुराई के नाम्मां तै लुक्या होड़ था अर जिस कै सात सिर अर दस सींग थे, एक लुगाई ताहीं बैट्ठे होड़ देख्या| 4 या लुगाई बैंजनी, अर किरिमजी लत्ते पहर-री थी, अर सोन्ने अर घणी किम्मत आळे मणियां अर मोतियां तै सजी होड़ थी, अर उसके हाथां म्ह एक सोन्ने का कटोरा था जो नफरत कै जोग्गी चिज्ञां तै अर उसकी जारी की भुंडी चिज्ञां तै भरया होड़ था| 5 अर उसकै माथै पै यो नाम लिख्या था, भेद-बड्डा बाबुल धरती की बेश्यायां अर नफरत कै जोग्गी चिज्ञां की माँ| 6 अर मन्नै उस लुगाई ताहीं पवित्र माणसां कै लहू अर यीशु के गवाहां कै लहू पीण तै गिरकाणी देख्या अर उस ताहीं देख कै मै हैरान होग्या|

7 उस सुर्गदुत नै मेरै तै कहया, "तू क्यांतै हैरान होया? मै इस लुगाई, अर उस पशु का, जिस पै वा चढ़री सै, अर जिसके सात सिर अर दस सींग सै, तेरै ताहीं भेद बताऊँ सूं| 8 जो पशु तन्नै देख्या सै, यो पहल्या तो था, पर इब नीं सै, अर घणै गहरै कुण्ड तै लिकड़ कै बरबादी म्ह पड़ैगा, अर धरती के बासिन्दे जिनके नाम दुनिया कै बनण कै टैम तै जीवन की किताब म्ह लिक्खे नीं गये, इस जिनौर की या हाल्लत देखकै, के पहल्या था, अर इब नीं; अर फेर आ ज्यावैगा, अचम्भा करैंगें| 9 उस अक्कू कै खातर जिस म्ह ज्ञान सै योए मौक्का सै, वे सात्तु सिर सात पहाड़ सैं, जिन पै वा लुगाई बैट्ठी सै| 10 अर वे सात राजा भी सैं, पाँच तो हो लिये सैं, अर एक इब भी सै; अर एक इब ताहीं आया कोनी, अर जिब्ब आवैगा, तो कीमे टैम ताहीं उसका रहणा भी जरूरी सै| 11 अर जो जिनौर पहल्या था, अर इब नीं, ओ आप आठमां सै; अर उन सात्तुआ म्ह तै पैदा होया, अर बरबादी म्ह पड़ैगा| 12 अर जो दस सींग तन्नै देक्खे वे दस राज्ञे सैं; जिन्नै इब ताहीं राज्य नीं पाया; पर उस पशु कै गेल्या घड़ी-भर कै खातर राजायां बरगा हक्क पावैंगें| 13 ये सारे एक मन होवैंगें, वे आपणी-आपणी सामर्थ अर हक्क उस पशु ताहीं देवैंगें| 14 ये मेम्नै गेल लड़ैंगें, अर मेम्ना उन तै जीत जा गा; क्यूँके ओ प्रभुवां का प्रभु, अर राजायां का राजा सै: अर जो बुलाए होड़, अर छाँटे होड़, अर बिश्वासी उसकै गेल सै, वे भी जीत पावैंगें|

15 फेर उसनै मेरै तै कहया, के जो पाणी तन्नै देख्या, जिन पै बेश्या बैट्ठी सै, वे माणस, अर भीड़ अर जात्तां, अर भाषा सैं| 16 अर जो दस सींग तन्नै देक्खे, वे अर पशु उस बेश्या तै बैर राखैंगें, अर उस ताहीं लाचार अर उघाड़ी कर देवैंगें; अर उसका मांस खा जावैंगें, अर उस ताहीं आग म्ह जळा देवैंगें| 17 क्यूँके पणमेशर उनकै मन म्ह न्यू घाल्लैगा, के वे उसकी मनसा पूरी करैं; अर जिब्ब ताहीं पणमेशर के बचन पुरे नीं हो लेवैं, जिद ताहीं एक मन हो कै आपणा-आपणा राज्य पशु ताहीं दे दें| 18 वा लुगाई, जिसनै तू देक्खै सै, ओ बड्डा नगर सै जो धरती के राजायां पै राज करै सै|"

बेबीलोन का पतन

18 इसकै बाद मन्नै एक सुर्गदुत ताहीं सुर्ग तै उतरदे देख्या, जिसकै धोरै बड्डा हक्क था; अर धरती उसकै तेज तै रौशन हो गी| 2 उसनै ठाड्डू बोल तै रूक्का मार कै कहया, के, पड़ग्या बड्डा बाबुल पड़ग्या सै; अर भूंडी औपरी आत्मायां का घर, अर हरेक भूंडी आत्मा का अड्डा, अर एक भूंडा अर नफरत जोग्गा पंछी का अड्डा होग्या| 3 क्यूँके उसकी जारी की डरावणी दारू कै कारण सारी जात पड़ग्यी सै, अर धरती के राजायां नै उसकै गेल्या जारी करी सै; अर धरती के बिपारी उसकै अश-आराम के आब्लपणे कै कारण साहूकार होए सैं| 4 फेर मन्नै सुर्ग तै किसे और का बोल सुणया, के हे मेरे माणसो, उस म्ह तै लिकड़ आओ; के थम उसके पापां म्ह साझ्झी नीं होवों, अर उसकी मुसीबतां म्ह तै कोए थारै पै ना आण पड़ै| 5 क्यूँके उसके पाप सुर्ग ताहीं पहोच गे सैं, अर उसके अधर्म पणमेशर नै याद आये सैं| 6 जिसा उसनै थारै ताहीं दिया सै, उस्से तरियां ए उस ताहीं भी भर दयो, अर उसके काम्मां कै मुताबिक उस ताहीं दो गुणा बदला दयो, जिस कटोरे म्ह उसनै भर दिया था उस्से म्ह उसकै खातर दो गुणा भर दयो| 7 जितनी उसनै आपणी बड़ाई करी अर अश-आराम करया; उतना उस ताहीं दर्द, अर दु:ख दयो; क्यूँके वा अपणे मन म्ह कहवै सै, मै राणी बण बैट्ठी सूं, बिधवा कोनी; अर दु:ख म्ह कद्दे नीं पड़ूँगी| 8 इस करकै एक ए दिन म्ह उस पै बिप्दा आण पड़ैंगी, यानिके मौत, अर दु:ख, अर अकाल; अर वा आग म्ह भस्म कर दी जावैगी, क्यूँके उसका न्यायी प्रभु पणमेशर ठाड्डा सै| 9 अर धरती के राजा जिन्नै उसकै गेल्या जारी, अर अश-आराम करया, जिब्ब उसकै जळण का धुम्मा देखैंगें, तो उसकै खातर रोवैंगें, अर छात्ती पीटैंगें| 10 अर उसके दर्द कै डर के मारे दूर खड़े होकै कहवैंगें, हे बड्डे नगर, बाबुल! हे मजबूत नगर, हाय! हाय! घड़ी ए भर म्ह तन्नै दण्ड मिलग्या सै|

11 अर धरती के बिपारी उसकै खातर रोवैंगें अर कळपैंगें, क्यूँके इब कोए उनका माळ मोल कोन्या लेवैगा| 12 यानिके सोन्ना, चान्दी, रत्न, मोत्ती, अर मलमल, अर बैंजनी, अर रेशमी, अर किरिमजी लत्ते, अर हरेक ढाळ का खश्बुदार काठ-लाकड़ी, अर हाथी दांत की हरेक ढाळ की चीज, अर आब्ल मंहगा लाकड़ी-काठ, अर पीत्तळ, अर लोहयां, अर संगमरमर के सारै ढाळ के बरतन| 13 अर दालचीनी, मसाले, धूप, सेन्ट, लोबान, दारू, तेल, मैद्दा, गेहूं, गऊँ, बैळ्द, भेड़, बकरियां, घोड़े, रथ, अर गुलाम, अर माणसां के प्राण| 14 इब तेरे मन भाण आळे फळ तेरै लवै तै जान्दे रहवैंगें; अर सुवाद अर भड़कीली चीज तेरै तै दूर होई सैं, अर वे कद्दे भी नीं मिलैंगी| 15 इन चिज्ञां के बिपारी जो उसकै जरिये साहूकार हो गे थे, उसकै दर्द कै डर के मारे दूर खड़े होंगे, अर रोंदे अर कळपदे होड़ कहवैंगें, 16 "हाय! हाय! यो बड्डा नगर जो मलमल, अर बैंजनी, अर किरिमजी लत्ते पहरे था, अर सोन्ने, अर रत्नां, अर मोत्तियां तै सज्या था, 17 घड़ी ए भर म्ह उसका इसा भारया धन नास होग्या;

अर हरेक मांझी, अर पाणी म्ह सफर करणीयां, अर मल्लाह किस्ती चलाणीए, अर जितने समुन्दर तै कमावैं सैं, सारे दूर खड़े होए| 18 अर उसकै जळण का धुम्मा देख्दे होए रूक्का मार कै कहवैंगे, "कौण-सा नगर इस बड्डे नगर कै बरगा सै?"

19 अर अपणे-अपणे सिरां पै धूळ गेरैंगें, अर रोंदे होड़ अर कळपदे होड़ किलकी मार-मारकै कहवैंगें, के, हाय! हाय! यो बड्डा नगर जिसकी सम्पत्ति कै जरिये समुन्दर के सारे जहाज आळे साहूकार हो गे थे घड़ी-ए भर म्ह उजड़ग्या| 20 हे सुर्ग, अर हे पवित्र माणसो, अर प्रेरितों, अर नब्बियों, उस पै ख़ुशी मनाओ, क्यूँके पणमेशर नै न्याय करकै उस तै थारा पलटा लिया सै| 21 फेर एक ठाड्डे सुर्गदुत नै बड्डी चाक्की कै पाट कै बरगा पत्थर ठाया, अर न्यू कहकै समुन्दर म्ह बगा दिया, के, बड्डा नगर बाबुल इस्से ढाळ घणी ताकत तै गिराया जावैगा, अर फेर कदे भी उसका बेरा नीं पाड़ैगा| 22 अर वीणा बजाण आळे, बजनियों, अर अळगोजा बजाण आळयां, अर तुरही फूंकण आळयां का शब्द फेर कद्दे भी तन्नै सुणाई नीं देवैगा, अर किसे कारीगरी का कोए कारीगर भी कद्दे भी तेरै तै नीं मिलैगा; अर चाक्की कै चाल्लण का शब्द फेर कद्दे भी तन्नै नीं सुणैगा| 23 अर दिवै का चाँदणा फेर कद्दे भी तेरै पै नीं चमकैगा अर बंनड़ा-बंनड़ी का शब्द फेर कद्दे भी तन्नै सुणाई नीं देवैगा; क्यूँके तेरे बिपारी धरती के प्रधान थे, अर तेरे टूणै तै सारी जात भकाई गई थीं| 24 नब्बीयों अर पवित्र लोगों, अर धरती पै सारे घात करे हुओं का लहू उस्से म्ह पाया गया|”

19 इसकै बाद मन्नै सुर्ग म्ह मान्नो भीड़ ताहीं ठाड्डू बोल तै न्यू कहन्दे सुणया, के, हल्लिलूय्याह! उद्धार, अर महिमा, अर सामर्थ, म्हारै पणमेशर ए की सै| 2 क्यूँके उसके फैसले साच्चे अर सई सैं, ज्यांतै के उसनै उस बड्डी बेश्या का जो अपणी जारी तै धरती ताहीं बिगाड़ण लागरी थी, न्याय करया, अर उस तै अपणे दासां कै लहू का पलटा लिया सै| 3 फेर दूसरी बर उन्नै हल्लिलूय्याह कहया: अर उसकै जळण का धुम्मा युगानुयुग उठदा रहवैगा| 4 अर चौबीसों प्राचीन अर च्यारू प्राणीयां नै पड़ कै पणमेशर की धोक मारी; जो सिंहासन पै बैठ्या था, अर कहया, आमीन, हल्लिलूय्याह!

मेम्नै का ब्याह

5 अर सिंहासन म्ह तै एक शब्द लिकड़या, के, हे म्हारे पणमेशर तै सारे डरण आळे दासों, के छोटळे, के बडळे; थम सारे उसकी स्तुति जै-जैकार करो| 6 फेर मन्नै बड्डी भीड़ जिसा, अर घणै पाणी जिसा शब्द, अर गर्जनां बरगा भारया शब्द सुणया, के, हल्लिलूय्याह! ज्यांतै के, प्रभु म्हारा पणमेशर, सारया तै ठाड्डा राज्य करै सै| 7 आओ, हम आनन्दित अर मग्न होंवां, अर उसकी जै-जै कार करां; क्यूँके मेम्नै का ब्याह आण पहोच्या: अर उसकी बिरबान्नी नै अपणे आप ताहीं त्यार कर लिया सै| 8 अर उस ताहीं शुद्ध अर चमकदार सुथरे मलमल नै पहरण का हक्क दिया गया, क्यूँके उस सुथरे मलमल का मतलब पवित्र माणसां के धर्म के काम सैं| 9 अर उसनै मेरै तै कहया; न्यू लिख, के, धन्य वे सैं, जो मेम्नै के ब्याह के जीमणै म्ह न्योंदे गये सैं; फेर उसनै मेरै तै कहया, ये बचन पणमेशर के साच्ची बचन सैं| 10 अर मै उसकी धोक मारण कै खातर उसके पायां के म्ह पड़ग्या; उसनै मेरै तै कहया, "लखा, इसा मतना करै, मै तेरा अर तेरे भाईयां का जोड़ीदार दास सूं, जो यीशु की गवाही देण पै स्थिर सै, पणमेशर ए की धोक मार; क्यूँके यीशु की गवाही भविष्यवाणी की आत्मा सै|

धोळै घोड़ै का सवार

11 फेर मन्नै सुर्ग ताहीं खुल्या होड़ देख्या; अर के देखूँ सूं के एक धोळा घोड़ा सै; अर उस पै एक सवार सै, जो बिश्वास जोग्गा, अर साच्चा कुहवावै सै; अर ओ धर्म कै गेल न्याय अर लड़ाई करै सै| 12 उसकी आँख आग की लपट सै; अर उसके सिर पै आब्ल से राजमुकुट सैं; अर उस पै एक नाम लिख्या सै, जिस ताहीं उसनै छोड़ और कोए नीं जाणदा| 13 अर ओ लहू तै छिड़क्या होड़ बाणा पहरे सै: अर उसका नाम पणमेशर का बचन सै| 14 अर सुर्ग की फ़ौज धोळे घोड़यां पै चढ़कै अर धोळा अर शुद्ध मलमल पहरे होड़ उसकै पाच्छै-पाच्छै सैं| 15 अर जात-जात नै मारण कै खातर उसके मुँह तै एक चोक्खी तलवार लिकड़ै सै, अर ओ लोहवै का राजदण्ड लिए होड़ उन पै राज करैगा, अर ओ सारया तै ठाड्डे पणमेशर के डरावणे प्रकोप की जलण की दारू के कुण्ड म्ह दाख रौंदैगा| 16 अर उसके लत्ते अर जांघ पै यो नाम लिख्या सै, राजाओं का राजा अर प्रभुओं का प्रभु| 17 फेर मन्नै एक सुर्गदुत ताहीं सूरज पै खड़े होड़ देख्या, अर उसनै ठाड्डू बोल तै रूक्का मार कै अकास कै बिच्चाळै तै उड़ण आळे सारे पंछीयां तै कहया, "आओ, पणमेशर की बड्डी बियारी कै खातर कट्ठे हो जाओ| 18 जिस तै थम राजाओं का मांस, अर सरदारां का मांस, अर ठाड्डे माणसां का मांस, अर घोड़यां का, अर उनके सवारां का मांस, अर के, आजाद, के, गुलाम, के, छोट्टे, के, बड्डे, सारे माणसां का मांस खाओ|"

19 फेर मन्नै उस पशु अर धरती के राजाओं अर उनकी फौजां ताहीं उस घोड़ै के सवार, अर उसकी फ़ौज तै लड़ण कै खातर कट्ठे देख्या| 20 अर ओ पशु अर उसके गेल्या ओ झूठा नब्बी पकड़या गया, जिस नै उसकै श्यामी इसे निशान दिखाए थे, जिन कै जरिये उसनै उन ताहीं भकाया, जिन्नै उस पशु की छाप ली थी, अर जो उस की मूर्ति की पूजा करैं थे, ये दोन्नु जिन्दे जी उस आग की झील म्ह जो गन्धक तै जळै सै, गेरे गये| 21 बाक्की लोग उस घोड़े की तलवार तै, जो उसके मुँह तै लिकड़ै थी, मार दिए गये; अर सारे पंछी उनके मांस तै छिक गे|

हजार साल का राज्य

20 फेर मन्नै एक सुर्गदुत ताहीं सुर्ग तै उतरदे देख्या; जिस के हाथ म्ह घणै गहरै कुण्ड की ताळी, अर एक बड्डी बेल थी| 2 अर उसनै उस अजगर, यानिके पुराणै सांप ताहीं, जो इब्लीस अर शैतान सै; पकड़कै हजार साल कै खातर जुड़ दिया| 3 अर उस ताहीं घणै गहरै कुण्ड म्ह गेर कै मूंद दिया अर उस पै मोहर ला दी, के ओ हजार साल के पुरे होण ताहीं जात-जात के माणसां ताहीं दुबारा नीं भकावैगा; इसकै बाद जरूरी सै, के माड़ी वार खातर दुबारा खोल्या जावै| 4 फेर मन्नै सिंहासन देक्खे, अर उन पै माणस बैठ गे, अर उन ताहीं न्याय करण का हक्क दिया गया; अर उनकी आत्मायां ताहीं भी देख्या, जिनके सिर यीशु की गवाही देण अर पणमेशर के बचन कै कारण काट्टे गये थे; अर जिन्नै ना उस पशु की, अर ना उसकी मूर्ति की पूजा करी थी, अर ना उसकी छाप अपणे माथे अर हाथां पै ली थी; वे जिन्दे हो कै मसीह कै गेल्या हजार साल ताहीं राज करदे रऐं| 5 जिब्ब ताहीं ये हजार साल पुरे नीं होए जिद ताहीं बाकी मरे होए नीं जिन्दे उठे; यो तो पहला मर कै जी उठणा सै| 6 धन्य अर पवित्र ओ सै, जो इस पहल्ड़े दुबारा जी उठण का साझ्झी सै, इस्यां पै दूसरी मौत का किम्मे भी हक्क नीं, पर वे पणमेशर अर मसीह के याजक होंगे, अर उसकै गेल हजार साल ताहीं राज्य करैंगें|

शैतान का बिनाश

7 अर जिब्ब हजार साल पुरे हो लेंगे; तो शैतान कैद तै छोड़ दिया जावैगा| 8 अर उन जात्तां ताहीं जो धरती कै चौगरदे कै होंगी, यानिके गोग अर मगोग ताहीं जिनकी गिणती समुन्दर की बाळू कै बराबर होगी, भका कै लड़ाई कै खातर कट्ठे करण ताहीं लिकड़ैगा| 9 वे साब्ती धरती पै फैल जावैंगी; अर पवित्र माणसां का अड्डा अर प्यारै नगर नै घेर लेवैंगी; अर आग सुर्ग तै उतर कै उन ताहीं भस्म करैगी| 10 अर उनका भकाण आळा शैतान आग अर गन्धक की उस झील म्ह, जिस म्ह ओ पशु अर झूठा नब्बी भी होगा, गेर दिया जावैगा, अर वे दिन-रात युगानुयुग दर्द तै तड़पदे रहवैंगें|

बड्डा सफेद सिंहासन अर आखरी न्याय

11 फेर मन्नै एक बड्डा धोळा सिंहासन अर उस ताहीं जो उस पै बैठ्या होड़ सै, देख्या, जिसकै श्यामी तै धरती अर अकास भाज गे, अर उन कै खातर जंगहा नीं मिली| 12 फेर मन्नै छोट्टे-बड्डे सारे मरे होया ताहीं सिंहासन कै श्यामी खड़े होड़ देख्या, अर किताब खोल्ली गई; अर फेर एक और किताब खोल्ली गई; यानिके जीवन की किताब: जिस ढाळ उन किताबां म्ह लिख्या होड़ था, उनके काम्मां कै मुताबिक़ मरे होया का न्याय करया गया| 13 अर

समुन्दर नै उन मरे होया ताहीं जो उस म्ह थे, दे दिया, अर मौत अर अधोलोक नै उन मरे होया ताहीं जो उन म्ह थे, दे दिया; अर उन म्ह तै हरेक के काम्मां कै मुताबिक उनका न्याय करया गया| 14 अर मौत अर अधोलोक भी आग की झील म्ह गेरे गये; या आग की झील तो दूसरी मौत सै| 15 अर जिस किसे का नाम जीवन की किताब म्ह लिख्या होया ना मिल्या, ओ आग की झील म्ह गेरया गया|

नया अकास अर नयी धरती

21 फेर मन्नै नये अकास अर नयी धरती ताहीं देख्या, क्यूँके पहला अकास अर पहली धरती जा ली थी, अर समुन्दर भी नीं रहया| 2 फेर मन्नै पवित्र नगरी नये यरूशलेम ताहीं सुर्ग पै तै पणमेशर कै धोरै तै उतरदे देख्या, अर वा उस बनड़ी कै बरगी थी, जो अपणे धणी कै खातर सिंगार कर री हो| 3 फेर मन्नै सिंहासन म्ह तै किसे ताहीं ठाड्डू बोल तै न्यू कहन्दे सुणया, के, लखा, पणमेशर का डेरा माणसां कै बिच्चाळै सै; ओ उनकै गेल्या डेरा करैगा, अर वे उसके माणस होंगें, अर पणमेशर आप उन कै गेल्या रहवैगा; अर उनका पणमेशर होगा| 4 अर ओ उनकी आँखां तै सारे आंसू पूंज देवैगा; अर इसकै बाद मौत नीं रहवैगी, अर न दुःख, अर बिलाप, न दर्द रहवैगा; पहल्ड़ी बात जान्दी रहीं|

5 अर जो सिंहासन पै बैठ्या था, उसनै कहया, के लखा, मै सारा कीमे नया कर द्यूँगा; फेर उसनै कहया, के लिख ले, क्यूँके ये बचन बिश्वास कै जोग्गे अर साच्ची सैं| 6 फेर उसनै मेरै तै कहया, "ये बात पूरी हो गी सैं, मै अलफा अर ओमिगा, आदि अर अन्त सूं: मै तिसाए ताहीं जीवन के पाणी के सोते म्ह तै मुफ्त म्ह पिलाऊँगा| 7 जो जीत पावै, ओए इन चीज्जां का वारिस होगा; अर मै उसका पणमेशर होऊंगा, अर ओ मेरा बेट्टा होगा| 8 पर डरपोकां, अर अबिश्वासियां, अर घिनौनों, अर ह्त्यारां, अर जारां, अर टूणे करणीयां, अर मूर्ति पूजणीयां, अर सारे झूठयां का भाग उस झील म्ह मिलैगा, जो आग अर गन्धक तै जळदी रहवै सै: या दूसरी मौत सै|"

नया यरूशलेम

9 फेर जिन सात सुर्गदुत कै धोरै सात पाच्छली मुसीबतां तै भरे होड़ कटोरे थे, उन म्ह तै एक मेरै धोरै आया, अर मेरै गेल्या बात करकै कहया, "उरान आ: मै तन्नै बनड़ी यानिके मेम्नै की बीरबान्नी दिखाऊंगा|" 10 अर ओ मन्नै आत्मा म्ह, एक बड्डे अर ऊंच्चे पहाड़ पै ले ग्या, अर पवित्र नगरी यरूशलेम ताहीं सुर्ग पै तै पणमेशर कै धोरै उतरदे दिखाया| 11 पणमेशर की महिमा उस म्ह थी, अर उसका चाँदणा भोत-ए घणे महंगे पत्थर, यानिके बिल्लौर कै बरगा यशब की ढाळ सुथरा था| 12 अर उसकी भीत घणी ऊंची थी, अर उसके बारहा फाटक अर फाटकां पै बारहा सुर्गदुत थे; अर उन पै इस्राएलियां के बारहा गोत्रां के नाम लिक्खे थे| 13 पूरब कै कान तीन फाटक, उत्तर कै कान तीन फाटक, दक्खिन कै कान तीन फाटक, अर पश्चिम कै कान तीन फाटक थे| 14 अर नगर की भीत की बारहा नेवें थीं, अर उन पै मेम्नै के बारहा प्रेरितां के बारहा नाम लिक्खे होड़ थे| 15 अर जो मेरै गेल्या बात करण लागरया था, उसकै धोरै नगर, अर उसके फाटकां अर उसकी भीत ताहीं नाप्पण कै खातर एक सोन्ने का गज था| 16 अर ओ नगर चौकोर बस्या होड़ था अर उसकी लम्बाई चुड़ाई कै बराबर थी, अर उसनै उस गज तै नगर ताहीं नाप्या, तो साढ़े सात सौ कोस का लिकड़या: उसकी लम्बाई, अर चुड़ाई, अर ऊंचाई बराबर थी| 17 अर उसनै उसकी भीत ताहीं माणस के, यानिके सुर्गदुत के नाप तै नाप्या, तो एक सौ चुवाळिस हाथ लिकड़ी| 18 अर उसकी भीत की जुड़ाई यशब की थी, अर नगर इसे चोक्खे सोन्ने का था, जो सुथरे काँच कै जिसा हो| 19 अर उस नगर की नेवें हरेक ढाळ के घणे महंगे पत्थरां तै संवारी होड़ थीं, पहल्ड़ी नेव यशब की थी, दूसरी नीलमणि की, तीसरी लालड़ी की, चौथी मरकत की| 20 पाँचमी गोमेदक की, छठी माणिक्य की, सातमी पीतमणि की, आठमी पेरोज की, नौम्मी पुखराज की, दसमी लहसनिए की, ग्यारमी धूम्रकान्त की, बाहरमी याकूत की| 21 अर बारहों फाटक, बारहा मोतियाँ के थे; एक-एक फाटक, एक-एक मोत्ती का बणया होड़ था; अर नगर की सड़क साफ़-सुथरे काँच कै जिसे चोक्खे सोन्ने की थी|

22 अर मन्नै उस म्ह कोए मन्दर नीं देख्या, क्यूँके सारया तै ठाड्डा प्रभु पणमेशर, अर मेम्ना उसका मन्दर सै| 23 अर उस नगर म्ह सूरज अर चाँद के चाँदणे की आंट नीं, क्यूँके पणमेशर कै तेज तै उस म्ह चाँदणा हो रया सै, अर मेम्ना उसका दिवा सै| 24 अर जात-जात के माणस उसकै चाँदणै म्ह चाल्लै-फिरैंगे, अर धरती के राजा अपणे-अपणे तेज का सामान उस म्ह ल्यावैंगे| 25 अर उसके फाटक दिन नै कद्दे भी नीं मूंदे जावैंगे, अर ओड़ै रात नीं होगी| 26 अर माणस जात-जात के तेज अर ठाट-बाट का सौद्दा उस म्ह ल्यावैंगे| 27 पर उसम्ह कोए अपवित्र चीज, या नफरत आळा काम करण आळा, या झूठ का गढ़नआळा किस्से भी तरियां तै बड़न नीं पावैगा, पर सिर्फ वे लोग जिनके नाम मेम्ने के जीवन की किताब म्ह लिक्खे सैं|

22 फेर उसनै मेरै ताहीं बिल्लौर बरगी झलकदी होड़, जीवन कै पाणी की एक नदी दिखाई, जो पणमेशर अर मेम्नै कै सिंहासन तै लिकड़कै उस नगर की सड़क कै बिच्चाळै बहवै थी| 2 अर नदी कै इस पार; अर उस पार, जीवन का दरख्त था; उस म्ह बारहा ढाळ के फळ लाग्गै थे, अर ओ हरेक महिन्नै फळ ल्यावै था; अर उस दरख्त के पत्त्यां तै जात-जात के माणस चंगे होवैं थे| 3 अर फेर श्राप नीं होगा अर पणमेशर अर मेम्नै का सिंहासन उस नगर म्ह होगा, अर उसके दास उसकी सेवा करैंगें| 4 अर उसका मुँह देखैंगें, अर उसका नाम उनके माथ्यां पै लिख्या होया होगा| 5 अर फेर रात नीं होगी, अर उन ताहीं दिवै अर सूरज के चाँदणै की जरूत नीं होगी, क्यूँके प्रभु पणमेशर उन ताहीं चाँदणा देवैगा; अर वे युगानुयुग राज करैंगें|

यीशु का दुबारा आणा

6 फेर उसनै मेरै तै कहया, "ये बात बिश्वास कै जोग्गी, अर साच्ची सैं, अर प्रभु नै जो नब्बियाँ की आत्मायां का पणमेशर सै, अपणे सुर्गदुत ताहीं ज्यांतै खन्दाया, के अपणे दासां ताहीं वे बात जिनका ताव्ळा पूरा होणा जरूरी सै दिखाए| 7 लखा, मै ताव्ळा आण आळा सूं; धन्य सै ओ, जो इस किताब की भविष्यवाणी की बात्तां नै मान्नै सै| 8 मै ओए युहन्ना सूं, जो ये बात सुणै, अर देखै था; अर जिब्ब मन्नै सुणया, अर देख्या, तो जो सुर्गदुत मन्नै ये बात दिखावै था, मै उसके पायां म्ह प्रणाम करण कै खातर मुद्दा पड़ग्या| 9 अर उसनै मेरै तै कहया, "लखा, इस ढाळ मतना करै; क्यूँके मै तेरा अर तेरे भाई नब्बियाँ अर इस किताब की बात्तां कै मानण आळयां का जोड़ीदार दास सूं; पणमेशर ए की धोक मार|" 10 फेर उसनै मेरै तै कहया, "इस किताब की भविष्यवाणी की बात्तां ताहीं बन्द मतना करै; क्यूँके टैम लवै सै| 11 जो जुल्म करै सै, ओ जुल्म ए करदा रहवै; अर जो भूंडा सै, ओ भूंडा बणया रहवै; अर जो धर्मी सै, ओ धर्मी बणया रहवै; अर जो पवित्र सै, ओ पवित्र बणया रहवै| 12 लखा, मै ताव्ळा आण आळा सूं; अर हरेक के काम कै मुताबिक़ बदला देण कै खातर प्रतिफळ मेरै धोरै सै| 13 मै अलफा अर ओमेगा, पहल्ड़ा अर पाच्छला, आदि अर अन्त सूं|

14 धन्य वे सै, जो अपणे लत्ते धो लेवै सै, क्यूँके उन ताहीं जीवन के दरख्त कै लोवै आण का हक्क मिलैगा, अर वे फाटकां तै हो कै नगर म्ह बड़ैंगें| 15 पर कुत्ते, अर टूणा करणीयें, अर जार, अर हत्यारे अर मूर्ति पूजणीया, अर हरेक झूठ का चाहण आळा, अर गढ़ण आळा बाहरण रहवैगा| 16 मुझ यीशु नै अपणे सुर्गदुत ताहीं ज्यांतै खन्दाया, के थारै आगै कलीसियायां कै बारै म्ह इन बात्तां की गवाही दे; मै दाऊद का मूल, अर बंश, अर भोर का चमकदा होड़ तारा सूं| 17 1 अर आत्मा, अर बनड़ी दोन्नु कहवैं सैं, आ ; अर सुनण आळा भी कहवै, के आ ; अर जो तिसाया हो, ओ आवै अर जो कोए चाहवै ओ जीवन का पाणी मुफ्त म्ह ले|

उपसंहार

18 मै हरेक ताहीं जो इस किताब की भविष्यवाणी की बात सुणै सै, गवाही द्युँ सूं, के जै कोए माणस इन बात्तां म्ह कीमे बधावै, तो पणमेशर उन मुसीबतां ताहीं जो इस किताब म्ह लिक्खीं सै, उस पै बढ़ावैगा| 19 अर जै

कोए इस भविष्यवाणी की किताब की बात्तां म्ह तै कीमे लिकाड़ै, तो पणमेशर उस जीवन के दरख्त अर पवित्र नगर म्ह तै जिस का जिक्रा इस किताब म्ह सै, उसका हिस्सा लिकाड़ देवैगा| 20 जो इन बात्तां की गवाही देवै सै, ओ न्यू कहवै सै, हम्बै, मै ताव्ळा आण आळा सूं; आमीन| ये प्रभु यीशु आ|" 21 प्रभु यीशु का अनुग्रह पवित्र लोगां कै गेल रहवै| आमीन|